

JAMIA MILLIA ISLAMIA, Ref NEW DELHI.

Class No. 491.434

Book No. 152 J4:1

Accession No. 3042

वृहत् पर्यायवाची कोष

संग्रहकर्ता तथा संपादक भोलानाथ तित्रारी एम॰ ए॰, साहित्य रव

प्रथम संस्करण, १६५४

प्रकाशक :—किताब महल ५६ ए, जीरोरोड इलाहाबाद । मुद्रक :—सदलराम जायसवाल, सर्माप्रटिंग प्रेस, इलाहाबाद ।

श्रदेय गुन्नर **डॉ॰ माता प्रसाद गुप्त**

को

साभार

श्रवतरिंगका

भाग संबंधी लेखों और पुरतकों के लिखने के सिलसिले में स्वभावतः मेरा ध्यान शन्दा की ओर गया 'और तभी से मैंने पर्याया को इकट्ठा करना प्रारंभ किया था। आगम में ये पर्याय केवल शब्दों के अध्ययन की दृष्टि में एकत्र किये गए ये पर बाद में एक वयोगृद्ध सरजन के आदेशानुसार में अपनी सामग्री को एक पर्याय कोप का रूप देने के प्रयास में लग गया। पर, काम इतना बिग्वरा और अधिक या और कुछ परिस्थितियों वश में उभर इतना कम समय दे सका कि निर्धारित से दूने समय में भी कार्य समाप्त न हो सका। अतः स्वभावतः उक्त मज्जन के साथ हुआ निर्ण्य समाप्त हो गया और फिर चूँकि पर्याय कोप का कार्य शुरू हो चुना था, मैने धीर-धीर इसे पूरा किया। सतीच और प्रसन्नता है कि अब यह अपकर हिंदी पाठकों के सामने आ रहा है।

यह कार्य हर दृष्टियों से पूर्ण हो। ऐसी बात नहीं है। हिंदी मे इसके पूर्व उल्लेख्य पर्याय कोए केवल एक ही प्रकशित दुन्ना है न्न्नीर वह भी न्नाधिकाशतः संस्कृत शब्दों का। संस्कृत पर्यायों के साथ हिंदी शब्दों को भी यथासभव समेट लेने का इस पुस्तक में प्रथम प्रथास है। साथ ही इसमें ।पर्याय के न्नातिरक्त विलोग भी प्रायः काफी रथलों पर दें दिये गए हैं जिससे यह येसारस की श्रेणी में न्ना जाता है। इस प्रकार यथार्थतः हिंदी का यह प्रथम थेसारस है। ऐसी दशा में पूर्ण न्नार वैश्वानिक बनना तो दूर रहा, याद न्नपने चेन में यह नीन के पत्थर का भी काम कर सका तो सुके पूर्ण सनीण होगा।

पुस्तक के विषय और प्रयोग करने के नियमों के लिए आगे के 'यह पुस्तक' शीर्षक की सामग्री देखिए।

पर्यायों के एकत्र करने, प्रेस कापी तैयार करने, अनुक्रमणी बनाने तथा प्रुष्ठ देखने में भाई मुक्तेश्वर राथ एम० ए०, साहित्यरक तथा श्रीप्रकाश ने बड़ी सहायता की है। भी बिलास, भी निवास, हनुमान प्रसाद तथा महाबीर प्रसाद गौतम सादि ने भी कम हाथ नहीं बैटाया है।

पुस्तक में, विशेषतः अनुक्रमणी भाग में पूफ संबंधी अशुद्धियाँ रह गई है तका क्यीं-क्यों कुछ सब्द भी छूट गए हैं, जिनके लिए लेखक स्नमा प्रार्थी है। शुद्धि-पन्न इंखलिए नहीं दिया जा रहा है कि उछ अपवादों को छोड़कर प्रायः लोग उठका उपयोग नहीं करते, खतः देना-न देना नरावर हो जाता है। पुस्तक में कुछ कम-संबंधी क्षण्यक्रथाएँ तथा पुनराष्ट्रियाँ भी हैं जिन्हें दूसरे संस्करस्य में ठीक कर दिया जायसः।

पुस्तक के लिखने में संस्कृत के प्रसिद्ध कोष श्रामर, हलायुध, मेदिनी तथा हिंदी के नाम-माला, विश्वकोष, हिंदी-शब्द-सागर एवं पर्याय-कोष श्रादि से बड़ी सहायता मिली है, यद्यपि श्राधिकतर प्रचलित हिंदी पर्यायों को सोच-सोच कर श्रापने समरण के आधार पर ही एकत्र करना पड़ा है।

सुभावों श्रौर सम्मतियों के लिए त्रानुगृहीत हूँगा।

२ जनवरी १६५४ हिन्दुस्तानी एकेडेमी इलाहाबाद

भोलानाथ तिवारी

यह पुस्तक

श्राजकल प्राय: कोयां में शब्द ध्वनि या श्राचर-क्रम ने रक्खे रहते हैं। ऐसे कोयों में शब्दों को खोजने में श्रासानी रहती है। पर साथ हो ऐसे कोयों की भी उप-योगिता कम नहीं है, जिनमें श्राचर-क्रम ने शब्द न रक्खे जाकर त्यों में पर्याय रूप म उक्खे जाते हैं। संस्कृत के पुराने कीया म यही परपरा मिलती है। श्रामेजी में श्राच-कल इस प्रकार के कीय 'थेसारस' कहे जात हैं। थेसारसां में पर्याय के श्राविश्कि विलोग शब्द भी दिये रहते हैं।

सामान्य कायो श्रांर थंसारस या पर्याय कायो के प्रयोग में बहुत श्रांतर है। जब हमारे सामने काई ऐसा शब्द श्रा जाता है जिसका श्रार्थ हम नहीं जानते या जिसके श्रार्थ के संबंध में हमें निश्चय नहा रहता तो हम सामान्य कोयों की सहायता लेते हैं, पर दूसरी खोर जब हमारे हदय में कोई मान उठता है श्रीर उसकी श्रामिव्यक्ति के लिए हमें उचित श्रीर सरीक शब्द की श्रावश्यकता पड़ती है तो हम यंसारस या पर्याय कोय की सहायता लेते हैं। इस प्रकार किनयां श्रीर लेखकों के लिए वंसारस या पर्याय कोय श्रापरहार्य है। विद्यार्थियों के लिए भी लेखन कार्य को दृष्टि से इसके महत्त्व को श्राम्यी-कार नहीं किया जा सकता।

प्रस्तुत कीप प्रचलित पर्याय कोषा से इस बात में भिष्म ख्रीर ख्रागे हैं कि इसमें यथा-साम्य । विलोम शब्द टेने का भी प्रयास है। निलोम दो दग में दिये गए हैं। कहीं-कहीं तो शब्द के ख्रास-पास हो दो-चार श्रव त्यागे था पाखे दे । देवे गए हैं ख्रीर कहीं शब्दों के पर्याय दने के बाद 'वि॰ या 'विलोम लिप्तकर विलोम शब्द दें दिया गया है। ऐसी रिधात में जिलोम शब्द को अनुक्रमणी के ख्राधार पर मूल पुस्तक में खान्यत्र उसके पर्यायों के नाथ लोका जा सकता है।

बंध तीन भागों में विभक्त हैं। प्रथम भाग पृष्ठ १ से ६६८ तक मूल पुस्तक हैं जिसमें ६ वना में शब्दा के वर्षाय (वर्णातृत्रम से) और यथास्थान विलोम शब्द दिये गए हैं। वृक्षर वर्ग में अनुक्रमणी हैं। पहले मूल पुस्तक में आये सभी शब्दों को अनुक्रमणी में स्थान हिया गया था, पर यह देखकर कि पुस्तक अनावश्यक रूप से वर्षा हो गई, अपबेलित शब्द अनुक्रमणी से निकाल दिये गए। ऐसा करने से पुस्तक की उपयोगिया में काई भी कम्म नहीं आई है और साथ ही आकार में यह प्रायः आयीकी वा सकी है। अनुक्रमणी में न दिये गए शब्दी के विषय में कुछ और वारों क्या देनी भी आयश्यक है। अनुक्रमणी का अपयोग यह है कि वह किसी को किसी शब्द के पर्याय वा विलोम

राज्द शात करने की आवश्यकता होगी तो वह उस राज्द को अनुक्रमणी में देखेगा और फिर उसके आधार पर मूल पुस्तक में उसके पर्याय या विलोम दूँढेगा। अतः ऐसी अवस्था में प्रायः प्रचलित राज्द ही अनुक्रमणी में लोग देखेगे। उदाहरण के लिए 'घांड़ा' राज्द लीजिए। प्रस्तुत कोष में 'घोड़े' के ६० से ऊपर पर्याय दिये हैं जिनमें घोड़ा, अश्व, घोटक, तुरंग, बाजी, सैधव तथा हय आदि प्रचलित राज्दों के अतिरक्त प्राय ५० राज्दों के जिनहें सामान्यतया लोग नहीं जानते। ऐसी स्थिति में उन ५० राज्दों को अनुक्रमणी में स्थान देना निरर्थक था। जिसे घोड़े के पर्याय की आवश्यकता होगी वह अनुक्रमणी में घोड़ा, अश्व, घोटक, तुरंग, बाजी, सैंधव या हय आदि प्रचलित राज्दों को देखेगा और उसी के आधार पर पर्याय राज्द खोजेगा। घोड़े के अप्रचलित पर्यायो—'कोकाह', 'गियाह', 'प्रोयों', 'वातायन' या 'ह' आदि—को अनुक्रमणी में कोई मी नहीं खोजेगा। इसलिए इस प्रकार के अप्रचलित राज्दों को अनुक्रमणी में देना अनावश्यक विस्तार या अतः जान-बुक्त कर उन्हें छोड़ दिया गया है।

पुस्तक का तीसरा माग परिशिष्ट है जिसके 'क' ग्रीर 'ख' दो विभाग हैं। 'क' विभाग में मूल पुस्तक के ख़ूटे शब्दों के पर्याय तथा यथावश्यक विलोम दिये गए हैं। 'ख' विभाग में श्रनुक्रमणी में ख़ूटे हुए ग्रावश्यक शब्द दे दिये गए हैं। इस प्रकार परिशिष्ट 'क' मूल पुस्तक का प्रक है श्रीर परिशिष्ट 'व' श्रनुक्रमणी का।

मूल पुस्तक की विस्तृत रूप रेखा

प्राशी—मनुष्य (पृ. ६६), श्रंग श्रोर तत्त्वंबधित श्रन्य बस्तुएँ श्रीर बाते (पृ. ६७—७२), संस्कार (पृ. ७२—७३), संबंधी (पृ. ७३—७९), बर्च, कार्तियाँ श्रीर उपजातियाँ (पृ. ७६—८२), श्रिषिकार श्रीर कार्य के श्राचार पर बने कुछ वर्गों के नाम (पृ. ८२—८४), जानवर, कींड, पींचयाँ श्रीर उनसे सर्वित शब्द (पृ. ८४—६५)

पुस्तक में वर्षाय या विलोम कैसे देखें ?

क. पर्वाच देखाने के सम्बन्ध में — जिस शब्द का पर्याय देखना हो उसे पहले अनुकारणी में देखें। अनुकारणी में शब्द नामाण्य कोयों की भौति अक्द कम छे रखे तब हैं। शब्द के आने 'क' से 'क' तक के अवरों में कोई अक्द और किद उसके आगे कोई अंक मिलेगा। अच्हर जैसा कि ऊपर विस्तृत रूप-रेखा में स्पष्ट किया गया है, वर्गों के निर्देशक हैं। जो अच्हर हो मूल पुस्तक में वह वर्ग निकाल ले और फिर उस वर्ग में अच्हर के आगे लिखा अक निकाल । उसी अक पर उस शब्द के पर्यायवाची शब्द मिलेगे । अनुक्रमणी में कुछ शब्दों के आगे कई वर्गों के अच्हर और अक अलग-अलग लिखे मिलेगे । इसका अर्थ यह है कि वह शब्द कई शब्दों का पर्याय है और ऐसी स्थित में उन सभी स्थानों पर इच्छित पर्यायों के पाने के लिए कोष उलटना होगा। अनुक्रमणी में यदि किसी शब्द के आगे दे० (देखिए) और कोई शब्द लिखा है तो वह शब्द अनुक्रमणी में निकालना होगा और उन आधार पर फिर मूल पुस्तक में देखना होगा।

यदि किसी भाव के लिए श्रापको उचित शब्द देखना हो नो उसके लिए कोई भी शब्द जो श्राप के दिमाग में उस भाव से मिलता-जुलता श्रावे, श्रनुक्रमणी में देखिए श्रीर फिर उसे मूल पुस्तक में देखिए । मूल पुस्तक में उस शब्द के पर्यायों में या उसके दो-चार श्रक नीचे या ऊपर श्रापके लिए उचित शब्द मिल जायगा।

ख. विलोभ शब्द देखने के सम्बन्ध में — विलोम के सबध में एक बात का ध्यान रखना चाहिए कि सभी शब्दों के विलोम नहीं होते। उदाहरण के लिए अधकार का विलोम प्रकाश होगा पर यदि कोई 'कलम' का विलोम देखना चाहे तो उसे निश्चश होना पड़ेगा। यो किसी शब्द का विलोम देखने के लिए पहले उस शब्द को अनुक्रमणी में देख कर मृल पुस्तक में उसे निकालिए। वहाँ पहले आप चार-पाँच अक उपर या नीच देखिए। बहुत सभव है, आपके शब्द के ठीक पहले या बाद के अक पर या चार-पाँच अक आगे-पीछे उसका विलोम तथा उस विलोम के पर्याय मिल बाय या यदि इन स्थलों पर न मिले तो मृल शब्द के पर्यायों को देने के बाद उसी या दूसरी पिक्त में 'वि॰' (जो विलोम का सन्नेप हैं) या 'विलोम' लिखा मिलेया और उसके आगे लिखा शब्द विलोम शब्द होगा। ऐसी दशा म यदि आप विलोम का पर्याय देखना चाहें तो उस विलोम शब्द को अनुक्रमणी में देखकर फिर मूल पुस्तक में उसका पर्याय पा सकते हैं।

कभी-कभी लिखते समय ऐसा भी होता है। क श्रापने किसी नाव के लिए शब्द नहीं मिलता श्रीर साथ ही उस मान के लिए उस मान के समीप का भी कोई शब्द नहीं मिलता। ऐसी श्रवर्था में उस मान के विरोधी मान के लिए श्रापके पास यदि कोई शब्द हो तो उसका विलोम प्रम्तुत कोए में निकाल कर श्राप श्रपना उचित शब्द पा सकते हैं।

पुस्तक में प्रयुक्त संबेप

दें = देखिए । 'दें के बाद यदि कोई शब्द है तो उसका आर्थ यह है कि उस

शन्द को अनुक्रमणी में देखिए या अनुक्रमणी के आधार पर मूल पुस्तक में देखिए; किंतु यदि वहाँ परिशिष्ट का उल्लेख है तो परिशिष्ट देखिए।

वि = बिलोम

पर्यायवाची शब्द भौर उनके चयन की कसौटी

पर्याय या पर्यायवाची शब्दों को प्रायः लंग बिलकुल एक अर्थ वाले शब्द समभते हैं, पर यथार्थतः पर्याय मिलते-जुलते अर्थ वाले शब्दों को कहते हैं। 'राधा-रमण' और 'कसनिकदन' दोनां एक दूसरे के पर्याय हैं पर इनका अर्थ बिलकुल एक नहीं है। प्रयोग की दृष्टि से दोनों का एक स्थान पर प्रयोग नहीं हो सकता। उदाहरण के लिए 'हे राधारमण! उस दृष्ट में मेरी रज्ञा करों कहने की अपेज्ञा 'हे कसनिकटन उस दृष्ट ने मेरी रज्ञा करा' कहना आधिक उपयुक्त होगा। रज्ञा करने के प्रस्तम में 'रमण करने वाले कृष्ण' की अपेज्ञा 'कस अपेज्ञा करने के प्रस्तम मं 'रमण करने वाले कृष्ण' की अपेज्ञा 'कस के मारने वाले कृष्ण' को पुकारना अधिक समीन्त्रीन है। इसी प्रकार अन्य शब्दों के सक्य में भी देखा जा सकता है।

नहाँ शुन्द के यथार्थ श्रर्थ पर ध्यान देने से अतर मालूम हुआ। कुछ पर्याय ऐस भी होते हैं जिनमें अतर इस प्रकार नहां जात किया जा सकता। उदाहरता के लिए 'जलज' और 'नीरज' दें शब्द लें दोनों का ही अर्थ पानी से जन्मने बाला अर्थात 'कमल' है पर इन दोनों में भी इनकी ध्वान को देखते हुए अतर किया जा सकता है। 'जलज' अपेसाइत अधिक कीमल, पारदशीं और प्रिय जात होता है। नीरज में 'न' श्रद्धर ने इसकी कीमलता और पारदर्शिता नष्ट कर दी है। भी सुमित्रा नदन पंत ने पल्लब की भूमिका में कुछ शब्दों के पर्यायों को लेकर इस इष्टि से बड़ा संदर विवेचन किया है। यहाँ उसे देख लेना अपया न होगा---

''किश्व-भिन्न पर्यायवाची शब्द, प्राय. सङ्गीत-मेद के कारण, एक ही पदार्थ के क्रिक्स भिन्न स्वरूपों को प्रकट करते हैं। जैसे, 'श्वं' में क्रोच की वकता, 'सङ्गुटि' से कटाच की वक्तवा, 'मीही' से स्वामांविक प्रस्काता, शृज्जता का हृदय में श्रनुमव होता है : ऐसे ही 'हिलोर' में उटान, 'लहर' में सिलल के वद्ध श्यल भी कीमल-कम्पन, 'तरश्व' में सहरों के समूह का एक दूसरे के चक्रताना, उठ कर गिर प्रकता, 'बढ़ो-बढ़ो' बहने का श्वम्द मिसता है 'श्वंगिन' में लेम विश्वा में नमकती, हवा के पलने में हीसे-हीसे भूकती हुई हैंसमुख लहारयों था. 'ऊमिन' से मधूर मुखरित हिलाग का, हिल्लोस-सम्भान में ऊंची बाँहें उटाली हुई उत्पात-पूर्ण तरगों का क्रामास मिसता है। 'पश्व' खब्द में केवल प्रकृष ही मिलली है. उद्यान के लिए भारी समता है। 'पश्व' खब्द में केवल प्रकृष ही मिलली है. उद्यान के लिए भारी समता है; जैसे किसी ने पढ़ी के बेकों में शिशो का दुवहा बाँच दिया हो, वह स्वरूपण कर बार-बार नीचे गिर पड़ से स्वरूपों का 'शाह' कैने तक्षा में श्वारोत्ती का 'शाह है' कैने तक्षा में उत्तर सामाता कि है। उर्ज तरह

'touch' में जो खूने की कोमलता है, वह 'स्पर्श' में नहीं मिलती। 'स्पर्श', जैसे प्रेमिका के अगां का अचानक स्पर्श पाकर हृदय में जा रोमांच हो उटता है. उसका चित्र है; अज-भाषा के 'परस' में छूने की कोमलता अधिक वियमान है; 'yov' से जिस प्रकार मुंह भर जाता है, 'हर्ष' से उसी प्रकार आनन्द का वियुत-स्फुरण प्रकट होता है। अगरेजी के 'air' में एक प्रकार की transparancy मिलती है, मानां इसके द्वारा दृष्टरी ओर की वस्तु दिखाई पड़ती हो, 'अनिल' से एक प्रकार की कोमल शीतलता का अनुभव होता है, जैसे ख़स की टट्टी से छन कर आ रही हा, 'वायु' से निर्मलता ने हैं ही, लचीलापन भी है, यह शब्द रबर के पीते की तरह विच कर फिर अपने हा स्थान पर आ जाता है, 'प्रभन्नन' 'wind' की तरह शब्द करता, बालू के कण और पत्ना का उड़ाता हुआ बहता है, 'एवसन' की सनसनाहट छिप्र नहा सकती, 'प्रवन' शब्द मुक्ते ऐसा लगता है जैसे हवा सक गई हो, । 'प' और 'न' की टीवप्र। 'से चिर सा जात है 'स्मीर' लहराता हुआ बहता है।''

यहाँ संगीत से पत जा का ब्राशय वही शब्द-व्यक्ति है। कविता के लिए इस खिन या संगीत को ब्रावश्यकता के विषय में ब्रागे पत जी लिखते हैं—

"कविता के लिए चित्र-भाषा की श्रावश्यकता पड़ती है, उसक अब्द संस्वर होने चाहिए, जो बोलते हो: नेब की तरह जिनके रम की मधुर-लालिमा मीवर न समा मकने के कारण बाहर भलक पड़े।"

पत जी ने यह विचार किवता की हाएं से किया है। पर यह बात तेनल कितता तक ही नहीं सीमित होनी चाहिए। गण्यकार भी यदि इस प्रकार शब्दा के परम्बने का ध्यान रक्खें तो उसका गण्य श्रिषक सुदर हो सकता है। उर्दू के हास्यरसावनार अधाकार श्री श्राजीम बेग चग्नताई ने 'धण्यड' के एक पर्याय के श्रापनी एक कहानों में प्रयुक्त करने के पूर्व उसके पर्याया की ध्वित का विश्लेषण किया है। वह मनोरजक विश्लेषण भी पर्यायों की श्रातमा श्रीर ध्वित की पराव के लिए यहाँ श्रागुलि निर्देश कर सकता है—

"पञ्जाब से दिक्किन तक अगर हाथ को कियों के गाल पर मारा जाय या गाल कियों के हाथ पर मारा जाय, तो कहा जाता है कि 'चाँग मारा' पा 'चाँग पड़ा'। 'चाँ दें' का शब्द बहुत प्रचालित है। 'थप्पड़' मी प्रचलित है, लेकिन इस शब्दा के पर्यायवाची जितने भी शब्द युक्तप्रात या दूसरे प्रान्तों में बोले और इस्तेमाल किये जाते हैं, उनके उच्चारण को साइकालोजी (मनोवृत्ति) पर गौर करने से पता चलता है कि चाँ दें के अगिएत भेद हो सकते हैं। लोगों ने आवाज के मुनाविक अलग-अलग नाम भी रख लिये हैं। 'चाँग' वह है, जो गुस्से में किसी के गाल पर रसीद किया जाता

१. सु० नं ० पंत : गञ्चपथ, १६५३, प्रयाग, गुष्ठ १७---१८

है। इसके उद्यारण में ही इसकी प्वनि-व्यञ्जना प्रकट हो जाती है। यानी यह जरूरी है कि चौँटा श्रायाज के माथ उतरे। इस त्रायाज में एक चटाचे की त्रावाज मी लियी हुई है। 'धप्पड' कभी चौट की बराबरी या चौटे के सहश अर्थवाची नहीं हो सकता, वर्गिक थप्पड में चटामें की ग्रावाज-वह ग्रावाज जिसका ताल्लक सिर्फ उँगलियों से ही है- नहीं निकलती। थएएड में अपारी गाल पर हाथ की उँगलियों के अलावा हथली का भी फुछ हिस्सा पड़ जाता है, जो ज्याचाज की कमनायता की खो देता है, लेकन चोट ग्रवश्य ही करारी लगती है। गाल पर एक भयद में टॅगलियों के निशान पहला ममकिन नहीं है, च्रत अकट है कि यप्पड़ ख्रोर चाँटे में जमीन-ख्रासमान का फर्स है। चाँटे के जोड़ का शब्द नमाचा है: मगर उसमें भी वह तेजी नहीं, जो चींटे में है। इसके श्रलाया तमांचा। बराबर बाली में इस्तेमाल, नहीं होता। श्राम तौर में यह बड़ों की ख्रोर से छोटों के लिए ही 'रिजर्च' स्वा जाता है। यजह वो कहीं कहा लयड़ है मी कहते हैं, परन्तु यह शब्द प्रवाहयक नहीं है, मगर क्या किया आय, बहाँ पर मजबूरी यह हो कि एक तरफ ता गाल किसी मोटे ब्राटमी का हा, तो दूसरी ब्रोर हाथ मा मालाना शोकत त्राली का, असम चरक का त्राविकता ने मुखी वैदा कर दी हो। भनलब यह कि इसा कियम के ब्रांस में किनने शब्द हैं। इन्हां शब्दों में से एक बहुन ही भाव श्रीर चलता हुन्ना शब्द है 'जगाम'। युक्तप्रान्त न उत्तर शायद भूपाल की अस्य बोला जाता है। इस स्थाला अपाटे म बिजली की सा गाने ऋरे हद दर्जे की त वा मोजर है। इसकी अचड़ता वर्णन से बाहर है। असल में यह चाँग हो है, मगर बेहद कि किस्स का। अपनी तेजी और अन्तरना के कपना बटि और तसींचे की नग्राखंदार ह्याचाज विशेषकर 'बराटें का जन्नाटा न्यपना श्रातक उपल कर टेना है। इमालेए 'जुपारा' वह जॉरा है, जिसमें वांडे का सारी ख़तरकाक प्राराज्याँ ऋौर उम्द्रांग्याँ भीजद हा ऋरि उन र जलाता विजली की सी तेजों मी हा 🗥

इस प्रकार पर्याच्याचा शन्दा में ऋषे ऋौर ध्वान का इन दो ऋषां में को लेकर भेद किया जा सकता है। ऋौर यह निरूचय किया जा सकता है कि कई पर्याया में कोई एक इा किसी विशेष स्थल पर प्रयोग के योग्य है।

यहाँ एक किन श्रीर एक गलकार ने जो कुछ कहा है उसे श्रपनी दृष्टि के सामने रक्षते हुए यह कहना श्रयंथा न होगा कि लिखने के पूर्व श्रपनी भावना को त्यक्त करने नाले प्रधान शब्दों के पर्यायों पर यदि एक बार दृष्टि हाल जी जाय तो हम श्रपने भावों

एकाची में थप्पड़ को 'लपड़' कहते हैं, श्रीर प्रक्षाची यप्पड़ को लपड़ समफ्रता बिलकुल ही ठीक है!

२. मि॰ श्र॰ चग्रताई : चग्रताई की कहानियाँ, १६४३, प्रयाग, पृष्ठ ५ —७

के प्रति ऋषिक न्याय कर सकते हैं। पर इसका यह ऋषी कदापि नहीं कि हम उसान कोप लादे फिरे और हर वाक्य के हर शब्द के लिए उसे उलटें। उस प्रकार का ज्यान मात्र रखने से ऋौर कभी-कभी कुछ सोच लेने से उचित शब्द के चयन का हम ऋग्यास बढ़ा सकते हैं और इससे ऋपनी ऋभिव्यजना में शिक्त ऋौर सींदर्य ला सकते हैं.

१. धर्म —ईमान, दोन, घरम, पय, मनहब मत, सनदाय ।

२. भार्तिक -- धर्मसंबंधी, मन्द्रवी, साप्र-दाविक, ईमानी ।

रै. इस प्रधान धर्म - ईसाई, जैन, पारसी, बौद्ध, मुसलनान पहुरी सिस्ख, दिन्दू। ४. हिन्दू - प्रार्थ, वैदिक, हिंदुस्तानी।

क. हिंदू धर्म के प्रधान सप्रदाय—श्वार्यसमानी, चार्वा न, वैश्वाव, शाक, शैव !
 इ. शाबीक—श्वातश्वरवादी, नास्तिक,
 निरीश्वरवादी।

७. वैध्यव — भागवत, विष्णुपास**ड**,

द. बेच्छव धर्म की दो शास्त्राएँ - राम शासा, कृष्ण या बसुदेव शासा।

६. शाक —सकत ।

१०. शैब -- शिवालवी ।

११ शैव धर्म की ४ शास्त्राऍ—कार्पालक, कालामुल, पाशुम्त, शैव !

११. था. धर्म (शुभक्षमे)—दानपुरय, थरम, नियम नेम, नेमधरम, पुषय, पुन, पुन्य, सदाचार, सवाब, सुक्षमें, सुकृत। विशेष —देमान, महदव श्रीर मत, संस्थातमक धर्म के लिए प्रयुक्त होते हैं, जैसे, हिंदू धर्म या हदू मज़हब।

बिलोम-दे॰ 'पाप'।

१२ धर्माडंबर--श्रधविश्वात, श्राडबर, दौंग, पोपलीला, पोपपथी।

१३ धर्मशाल (यथार्थ) -- घरमी, वर्म-प्रकृति, घर्मात्रण, घमेमक, धर्मात्मा, धमधुगंगा, धर्मी, धार्मिक, पुरयश्लोक, सदाचार, सुरुमी, सुकृती।

१४ धर्मशीत (पाखंडी) – ग्रंप-विश्वासी, ग्राहबरी, डोगी, धर्मध्वबी, वीपपर्याः।

१४. घम काना — श्राचरण मे रहना, ईमान वरतमा रास्ते पर चलना। 'घमें' के पर्यासों में 'करना' बोड कर सीर भो पर्याय बनाये जा सकते हैं।

१६. धर्माध्यज्ञ-श्रद्धशटकः।

१७. पडित — माचार्य, कावराब, क्वींड, कवारा, कंविट, इ. हानी, दूरदर्शी, घीमान् प्रम, मनाधी, विचवण, व्यम, विद्यान, बोविय, सत्, सुवान, सुह, सुची, स्टिं। १८. धर्म के १० सम्बद्ध--- क्रकोष,

ऋस्तेय, इंद्रियनिग्रह, च्रमा, दम, भृति, बुद्धि, विद्या, शुचि. सत्य। १६. मन्दिर--श्रायतन, चत्रक, ठाकुरद्वारा, ठाकुरबाड़ी, देवगृह, देवथान, देवमदिर, देवल, देवस्थान, देवालय, थान, देहरा, प्रासाद, ब्रह्मस्थान, पूर्व, मंदिल, विच्छदंक, विच्छर्दक, विबुधावास, शिवा-लय, शिवाला, सतिवढ़, सुरभवन, सुरालय, स्थान । २०. परिक्रमा-धुमाई, चक्कर, फेरी, भाँवर। २१. परिक्रमा करना-परकमा भाँवर डालना, भाँवर फेरना । २२. मूर्त्ति-श्राकार, श्राकृति, प्रतिमा, प्रतिमूर्ति, प्रतिबिंब, प्रतिरूप, बुत, मूरत, मूरति, विग्रह, स्रति ! २३. मूर्ति-स्थापना-प्रतिष्ठा, प्रतिष्ठान, प्रतिष्ठापना, स्थापना । २४. मूर्तिपूजा—प्रतिमापूचन,प्रतिमापूचा, बुतपरस्ती, सगुण पूजा। २४. मूर्तिपूजक--बुतपरस्त, पुत्रारो । २६. पूजा--- ऋरचना, ऋरहना, ऋाराधना, श्चर्चन, श्चर्चना, श्रची, श्रहेत, श्रहेन, श्चवराघन, श्रस्तुति, श्राचमन, श्रादर, श्चाराधन, श्चारती, श्चाराधना, इवादत, इंड्या, उपासना, परिचर्या, परिसेवन, पूजन, परिवस्या, शुभूषा, सेवना, सेवा। २७. पूजा करना-ग्रर्चन करना, श्रर्चना करना, श्राराधना करना, इवादत करना, धूव-टीव करना, परिसेवना, पुजैया करना, पूचन करना, पूचना, सेवना। **२८. पूजा हुआ--**श्रचित, श्राराधित, **इंजि**त, पूजित ।

२६. पूड्य-श्चर्चनीय, ब्रादरखीय, इज्य, ईंडय, उपासनीय, उपास्य, परमपूज्य, पर-मेज्य, पूज्य, पूज्यनीय, सम्मानीय, सम्मान्य । ३० पूजा के सामान- श्रद्धत, चंदन, फूल, पत्र, धूप, बीप। ३१. श्रज्ञत-श्रच्छत । ३२. होरसा (चंदन रगड़ने का)---चकता, चक्का, चौका, चौकी, होरिसा। ३३. धूप--- श्रगियारी, दसाँग । ३४. धूपबत्ती-श्रगरवत्ती, सुगंचवर्तिका। ३४. श्रारती—दीप, दीया, नीराबन, नीराजन, नीराजना। ३६. श्रारती उतारना—श्रारती करना, दीप दान करना, नीराजन करना, नीराजन करना, नीराजना करना, विसर्जन करना। ३७. पुजारी--श्रवराधक, श्चचिक, श्चाराधक, उपासक, उपासी । **३८. सुमिरन**—जप. ध्यान, याद, भवन, स्मरण । ३६. सुमिरना—(ईश्वर के नाम भ्रादि), जपना, ध्यान करना, ध्याना. नाम होना, नाम स्मरण करना, भजना, भजन करना, माला फरना, याद करना, सुमरना, सुमिरन करना, स्मरण करना, स्मरना, सौजना। ४०. सुभरनी—भनका, मनिया, माला, बद्रान्त, स्मरण्री। ४१. सुमिरनी का दाना— गुग्या, मनका, मनिया, बद्राच, सुमेर। ४२. कठी - कठो, मनिया, माला। ४३. कीर्तन--कार्तिस्तयन, गुण कथन, गुण कीतन, गुण स्तवन, गुणानुवाद, मजन, स्तव, स्तुति, स्तवन, स्तुतिबाद । ४४. कार्तन करना- अपर के शब्दों

में 'करना' आदि बोड़कर इसके पर्याय बनाये आ सकते हैं।

४४. स्तुति—श्रम्यर्थना, देखित, दस्तदा,
नुति, पर्यायित, प्रशंसा, प्रम्तुति, प्रार्थना,
वर्षित, शस्त, स्तव, स्तांत्र ।
विलोम—दे॰ 'निदा' 'गाली'।

विलाम—दं निदा गाला।
४६. म्तुति करना—ऊपर के शब्दों में
'करना' बोइकर पर्याय बनाये जा सकते हैं।
४७. मनौतां—मन्नत, मानता, मान-मनौनो।

४८. जब- जपन, जाप, नामस्मरण, भजन, मश्रे स्मर्था, मश्रे द्वारण, मश्रे द्वरण।
४८. जपना--नाम लेना, भजन करना।
'बप' के पर्यायों में 'करना' लगाकर श्रीर

भी पर्याय बनाये जा सकते हैं। ५०. जापक---अपने वाला, जपा, चापी,

४१. जपमाला – जपनी, जाप । विशेष – दे० 'मुन्स्ति'।

¥र. ब्रत उपवास, उपास ।

भवनोक ।

%३. ञ्रत रहना—उपवास करना, भुलना, बग्त रहना, वर्ती रहना ।

४४. तार्थ-तारय, तार्थस्यल, तार्थस्यान, पुरुवस्थल, पवित्र स्थान, धाम ।

बिशेष — दे॰ 'प्रयाग' तथा उसके आस-यस की सामग्रा। तीर्थ रूप प्रवित्र निद्यों के लिए दे॰ 'गंगा' तथा उसके आसपास की सामग्री।

क्षेत्र कर्ना--तार्याटन करना, धाम
 बाना, तीर्थनाधा करना ।

४६ ४ जाम--जगन्नाथपुरो, हारिकापुरी, वद्यकाश्रम समेश्वरम्।

Ko. ७ मोसदावक तीर्थ-अवोध्या,

अवन्तिका, काँची, काशो, काशायपुरी, द्वारिकापुरी, मधुरा।

विशेष— सप्तपुर में भी येही स्थल हैं।
केवल कगन्नावपुरी के स्थान पर हरद्वार
का नाम मिलता है। पर्याय के लिए,
देखिए 'प्रयाग', 'न्रायोध्या', 'मधुरा',
'काशां', 'चगन्नावपुरी', 'द्वारिका'।

४म. हिंदुकों के कुछ प्रसिद्ध तेथे— श्रयोध्या, काशी, वेटारनाथ, कैलाश, गगोत्री, गंगासागर, गया, चित्रकूट, जग्नोत्री, जगलाथपुरी, द्वारिका, पशुपति-नाथ, पुष्कर, प्रयाग, ब्रद्रीनाथ, कृन्दावन, मधुरा, विध्याचल, सेतु बॉच-राम्श्वर, हरिद्वार।

ke. दान- द्वीरात, चिट्ठकी, सिध्या। विशेष-इस सम्बन्ध में विशेष के लिए दें • 'दान'।

६०. त्योहार—तिहुन्नार, पर्व । विशेष—देश वशेष के ालये 'होली' तबा 'दियाली' न्नार्ष्ट के न्नासपास दी सामग्री ।

६१. त्योहार के दिन दिया जाने वासा दान कादि— योहारी, तिहुवारी।

६२. तपस्था— भनुष्ठान, तप, तपनी, तपश्चय्यो, ध्यानोपाषना, योग, योगासन, योगाभ्यास, योगषाधन, षाधना, इटयोग। ६३. तपस्या करना—तप करना, तप षाधना, योग साधना, साधना करना।

६४. तप करने बाला—कोगी, तपरी, तपस्यी, तापरा, तापसी, मृति, योगाम्बारी, योगी, सन्यासी, साधक, साधु, साधु, सिंद्या। ६४. तपोत्रत —त रभूमि, तपस्यल, तपस्थ ने, न एभ र, तरो भूमि, साधनास्यल ।
६६ सन्या न — ननुर्योश्रम, बोग, त्याम,
फकारी, परिवजन, वैराग, यतिधर्म, बोग,
वैराग्य, साधुना ।

६७. संन्यास नेना — 'संन्यास' के पर्यायों, में लेना, घारण करना. प्रइण करना, त्रादि लगाकर, 'सन्यास लेना' के पर्याय बनाये जा सकते हैं।

६८. संन्यासी —दे॰ 'संन्यासी'। ६९. भक्त -- उपासक, भगत। विशेष —दे॰ 'मूर्तिपूजक', 'पुजारी', 'संन्यासी'।

भिक्ति—भगतिन, भगतिया ।
भिक्ति —भकाई, भक्तिभाव, भकी, भगति, भगतो, भावभक्ति ।
विशेष —दे० 'पूजा' ।

 भक्ति करना — 'मिकि' के पर्यायों में 'करना' जांइए।

विशेष—दे॰ 'पूजा करना'।
७३. नव जा भिक्ति—श्रचन, श्रात्मानेवेदन,
कोर्तन, रास्य, पादसेवा, वदन, अवश्र,
सक्य, समस्या।

७४. ब्राज्ञान -- ज्ञान, तत्वज्ञान ।

७८. त्रह्मझाना-त्र स्वतं, त्रात्मझानी, जानी, तक, तस्वतं, तत्वज्ञानी, तत्वदर्शी, तत्वविद् तत्थवेता ।

७६. कथा —कथावाती, पुराग, भगवत्-कथा।

७०. इया बाँचना—कया करना। ७८. इया बाँचने वाला—कयावाचक, पंडित, पौराखिक, वका, व्यास। ७६. महंथ-- श्रध्यच्च, कुलपति, पीठाषी**रा,** मठाषी**रा,** महंत, महंथ ।

८०. **मठ**—श्रला**डा, पोठ, बमात, बमाबात** मठिया, मठो, मढ़ी ।

म् १. यश्च--ग्रध्वर, ग्रिभिषव, ग्रश्वमेष, ग्रहुत, ग्राह्व, ग्राहुत, इज्या, जग्य, देवपूषा, इन्टि, ऋत, कतु, दिविन्टि, नम, नमस्, पशु, पशुयज्ञ, प्राजापत्य, मख, मन्यु, मेष, याग, यग्य, यजति, यज्ञक, यूपध्वज, वहीं, वाज, वितान, सप्ततंतु, सव, हरिकर्म।

पर यज्ञ करना—श्रादुति करना, इवन करना। 'यत्त्र' के पर्यायां में 'करना' **बोक्क**र श्रीर भी शब्द बनाय जा सकते हैं।

८३. कुछ प्रधान यज्ञ — ऋश्वमेषयज्ञ, चातु-मस्यियज्ञ, नरमेषयज्ञ, पिङ्गितृयज्ञ, पुत्रेश्ठि-यज्ञ, राजस्ययज्ञ, वाजपेययज्ञ, सर्वमे**षयज्ञ,** सोमयज्ञ।

प्तरः पंचम हायझ-श्राग्नहोत्र, श्रातिथ्य, वितृतर्पय, बलिवेश्व, स्वाध्याय ।

८४. यझ के ४ ऋतिवज--श्रम्बर्यु, उद्गाता, ब्रह्मा, होता ।

< द. यशकर्मी—याचक, याशिक ।

८७. यजमान--जनमान, यश्चरति, याबद्ध, याशिक।

८८. पुरोहित—पडा, वाचा, पुरोघा, वोघा, वौरोहित, प्रोहित, सख्यावान ।

८६. यञ्चमंखप - चैत्यघाम् , जग्यमदप, मलशाला, यजनायतन, यश्चेत्र, वश्च-स्थली, यश्चभूमि, यश्चशाला, यशस्वस, यशस्यान !

६०. इवि-विल, न्युतीक, इविषय । ६१. इवनीय-इविष्य । मत्र — ऋचा, गायत्रीमंत्र, मंतर, वेदमंत्र, श्लोक, स्तोत्र।

 शासती — ब्रह्मचीच, ब्राह्मी, देवमाता, सरस्वती, सावित्री ।

६४. स्तव--श्रद्या, नवं प्रार्थना, स्तवक, स्तवथ, स्तुति, स्तोत्र, स्तोम।

ध्यः स्तुति पाठक—प्रशसक, स्तविता, स्ताबक, स्तुतिवाचक, स्तुतिवादक, स्तुति-वन, स्तुवत, स्तोता, स्तोत्रगायक।

६६. वेदध्वनि---ब्रह्मश्रोष ।

६७. संस्कार—कृत्य, शुद्धि ।

६८. १६. सरकार — गर्भाषान, पुरुवन, सीमत, बातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, श्रवधाशन, चूडाकरण, कर्णवेष, उपनयन, वेदारंभ, समावर्त्तन, विवाह, गृहस्थाश्रम, वानप्रस्थाश्रम, सन्यासाभम।

६६ आश्रम -- श्रवस्था।

१००. ४. श्राश्रम—ब्रह्मचर्य, गाईस्य, बानप्रध्य सन्यास ।

१०२. **ब्रह्मचा**र्स - प्र**य**माश्रमी, बटु, ब्रतो, ्यमो, वर्णी, वेदपाठी, संयमी ।

१०२. ब्रह्मचारी कः दृख-दृद्ध, सम्म, वंश्वय, वैशुदंद्ध!

१०३. ब्रह्मचारी का पात्र — कमंडल, कमंडना, कमंडलु, कुंडा, पचरात्र, पैचपातर.

१०४. कीपान कद्या, कन्छा, कछनी, कफनी, काछा, कोपिंड, कीपीड, घटी, सगई, भगवा, लगोट, लगोटी।

१०**४. पेंता** -- कुशमुद्रिका, कुसपैता, पवित्री, पावित्री ।

१०६. बक्कोपबीत --उपनयन, उपबीत, बनैक, बनेव, इतबंब, यहसूत्र।

१०७. श्रासन-- श्रासंदी, श्रासनी, पीटिका। १०८. गृहस्थ- कुटुम्बी, गृहपति, गृहमेथी, गृहयाय, गृहस्या, गृहाचित. गृहायनिक, गृही, च्येष्ठाश्रमी, सत्री, स्नातक। १०६. वानप्रस्थी— वैसानस, वैपानस । ११० सन्यासी—चतुर्धाश्रमा, बता, बोगा, तपसाली, तपसी, तपरवी, तपा, तपावत, तपी, तपोधन, तापस, तापमी, त्यागी, फ़क़ीर, बिरागी, बैरागी, मस्बरी, यति, यती, योगात्मा, योगाभ्यासी, योगगान, योगी, योगीराज, योगींद्र, येग रू, यं गेंद्र, विरागी, सत, साधु, सःधू, सिद्धः। फकीर-(मुस्लिम) श्रीलिया, पेर, बली। मन्यासिनी-बतिनी, जोगन, बोशिनी, तपसालिनां, तपस्निनां, तपस्विनी, तिवना, तापमो, फॉर्कारन, फर्कारन, बैरागनो, मधुनी, साधुना। विशेष--वर्ण के लिए देश्विए 'वर्ण' तथा

वाति के लिए 'त्राति'।
११२ ईरवर-- त्रातन, श्रातरजामी, श्रांतरम,
श्रांतरपुरण, श्रातरपॉित, श्रातरपामी, श्रांतरम,
श्रांतरपुरण, श्रातरपॉित, श्रात्यमी, श्रांवरम,
श्रांवरपुरण, श्रांवल, श्रा

श्रायमञ्जनो, श्रात्मभु, श्रात्मसमुद्भव, श्रादि,

श्रादिपुरुष, ईश, उत्तमश्लोक, करता, करोम, करण, कर्त्ती, कर्त्वीर, कर्नु, कामद, कालखड, क्टस्य, कृतकर्मा, केशव, कातदर्शी, चेत्रक, खुदा, खुदावंद, गुणातीत, गुणेश्वर, गोसाई, चतुरात्मा, चतुर्गति, चतुर्देष्ट, चतुर्गति, चतुर्वेद, चतुर्होत्र, चिंतामणि, चिन्मय, चेतन, चैतन्य, जगत्सेतु, जगदादि जगदाघर. जगदानंद, बगदीश, जगदीश्वर, जगद्-गुर, जगद्योनि, जगजाय, जगनियंता, बगनिवास, जगरनाथ, जनन, जनाधि-नाथ, ड्येन्ड, ठाकुर, डाकोर, तत्, तत्व, तस्वविद्, तत्रदार्थ, तन्पुरुष, तपोमय. तपोमूर्जि, तरोदर्शन, त्रयोमय, त्रिपाद, त्रिभु बननाथ, त्रिला केश, त्रिशक्तिभृत्, त्रिसामा, त्रिसौपर्ण, त्रिस्थान, ज्यगट, द्इव, दई, द्यानिषि, द्यामय, दहरा-दोनबन्धु, दोनानाय, देवश्रुत, नरोत्तम, निरंजन, देवेश, देवेशय, निराकार, निर्मुख, निर्विशेष, पति, पतित-उधारन, पतितपावन, परधाम, परब्रह्म, परतत्त्व, परमपिता, परम-पुरुष, परमब्रह्म, परमहंत्र परमात्मा, परमेश, परमेश्बर, परवरदिगार, परात्वर, परात्मा, परेश, पुरुषोत्तम, पूर्णानंड, प्रयाव, प्रमु, प्रभू, ब्रह्म, भगवंत, भगवत, भग-वान्, भगवान, भगयु, नवभंजन, भामनी, भ्तात्मा, भ्तापि, भूतायन, भूतेश मगला-लय, महापुरुष, महावशु, महेश, महेश्वर, महेन, मायायति, मायावी, मालिक, यावन, रक, रमैया, रहोम, राम, लाई, वासु, विभु, विश्वंभर, विश्वकत्ती, विश्वक्रमी, विश्वकास, विश्वकृत, विश्वचचु, विश्व-

जीव, विश्वधाम, विश्वपति, विश्वपा, विश्वपाल, विश्वभर्ता, विश्वभाव, विश्व-भावन, विश्वभुज, विश्वराज, विश्वविद् विश्वव्यापी, विश्वमंगव, विश्वसासी, विश्वसृ, विश्वाच्; विश्वातीत, विश्वाधार, बिश्वाचिप, विश्वेश्वंर, विसेसर, व्यापक, शकर, शर्व, शिव, शून्य, शेष, भीपति, सिच्चिटानंद, सस्यपुरुष, सदानंद, सर्वंश, सर्वेश्वर, साँई, साँई, सारग, सिरजनहार, युजान, सृष्टिकत्तो, स्वय-ज्योति, स्वराट्, स्वर्ग, स्वामी, इस । ११३. ईश्वर के दो रूप — निर्मेख, समुख। ११४. निर्गुण—निराकार, निरदेह । ११४. सगुण-सरगुन, साकार। ११६ स्वयभू-- ऋकारण, श्रकृत, श्रजन, श्रजनम्, श्रजनमा, श्रयोनिज, कृतकर्मा । ११७. ईश्वरत्व — खुदाई, ठकुराई, मिल-काई, रामस्व। ११८. ईश्वरवादी —श्रास्तिक, ईश्वरतता-वादी । निरीश्वरवादी--श्रनीश्वरवादी, 888. चार्वाक, नास्तिक। १२०. ईश्वरवादिता -- श्रान्तिकता । निरीश्वग्वादिता--मनिश्वर-वादिता, चार्वाकमत, नास्तिकता। १२२. त्रिदेख-देवत्रय, [तीन देव ब्रह्मा, विष्णु, महेश 🕻 ।] १२३. ब्रह्मा - श्रगति, श्रंडज, ग्रबुजासन, ग्र, श्रमंबन्मा, **श्रक्य, ग्रब्**, श्रदिति, श्रव्ययोनि, श्ररविध्योनि, श्रात्मधू, त्रात्मसमुद्भव, उ. चा, कव, क, कमसब, कमक्रमय, कमलभू, कमलासन, कमसी, कमलोद्भव, कत्तरि; कवि, कुशकेष्ठ, खं,

गिरेश, चतुरतोक, चतुरानन, चतुर्वक, चिंतामिषा, जगद्योनि, जगदादि, जग दाता, बन्यु, बलघासन, जूर्यि, तत्व, तेबोबप, देवदेव, द्रह्य, द्रुहिस, घा, षाता, विषया, नृजनावह, निजनेशव, नाभिजन्म, निष्कत्त, पंकजासन, पदायर्भ, पद्मन, पद्मपाणि, पद्मभू, पद्मपोनि, पद्म-लाचन, पद्माजय, पद्मासन, पद्मोद्भव, पर, परमतत्व, परमेष्ठ, परमेष्ठी, परायु, परेश, पितामइ, पितुपित, पुराखाग, पूर्वनिधन, प्रजाकार, प्रजाबिय, प्रजानाय, प्रजापति, प्रापितामइ, प्राण, बहुरूप, बहुरेतस, विध, विधना, बिरचि, ब्रह्मा, ब्रह्मज, भाववृत, भाषया, भूरि, म, रजोमूर्ति, लोकपितामह, कोकनाय, लोकय, लाकपति, लोकपाल, सोकेश, वसुनीत, वागीश, वागीश्वर, विघ, विधाता, विधि, विधु, विभु, विभक्तापात, बिरच, बिरंचि, बिरिचन, विश्वश्रास्मा, विश्वकम्मी, विश्वकार, विश्वम, विश्व-योनि, विश्वसृत्र, विश्वसृद्ध्, विश्वायन, वेषा, शतानंद, शल, संज, सजय, सध्या-राम, सत्रप्रत, सत्यक, सदानंद, सनातन, बरोबी, सहस्रात्मा, सात्विक, सामयोनि, सुधावधी, सुधाभवा, सुरजठा, सुरज्येष्ठ. सुरसनजनक, स्राध्यच, सृध्टकर्त्ता, स्यविर, स्वभावकृषया, स्वभू, स्वयंभू, स्वराट्, इंसरथ, इंस्वाहन, इसारुद्द, इंसाइदा, दिरययगर्भ, हेमाग ।

१९४. मद्या का —चतुराननी, बाद्य । १९४. सिरजना — अन्म देना, बन्माना, निर्माख करना, निर्मित करना, सृष्टि करना, दे॰ 'बनाना'।

विकाम-दे॰ 'वहारनां'।

१२६. सृष्टि—रचना, तिरबन, मृबन। दे∙ 'संतार'।

विलोम-दे॰ 'सहार'।

१२. सिर्राजत—निर्माणित, निर्मित, प्राणित, प्रणीत, रचित, विरचित, सृष्ट । विलोम—दे॰ 'निष्टत'।

१२८. त्रझा का वाहन—कलकंठ, गर्त्, चकाग, पुरुदंशक, मराल, मानसालय, मानसौकत, मुक्तभुक्, सरकाक, सितच्छ्द, सितपद्य।

१२६. ब्रह्मा का श्रासन—कमल । दे० 'कमल'।

१३०.-सरस्वता-(ब्रह्मा की पुत्री ऋौर स्त्री एवं विज्ञान तथा ज्ञान की ऋषिष्ठात्री देवो)। ऋ, इडा, इग, इला, ईश्वरी, गीदें बी, कर्या, गिरा, र्ग', बगढात्री, जू, देवगुहो, छ, पद्मलाखना, पावका, पून्कारी, प्रज्ञा, बाक्, वागेश्वरी, वागेसरी, बाचा, बानी, ब्रह्मचारबी, ब्रह्मपुत्री, ब्राह्मणी, ब्राह्मो, भगवती, भगौती, भागित, भारती, भाषा, महाहवेता, वलियना, वर्णनानृका, वास्यश्वरी, बागीश, बागीशा, वागाश्वरी, बाग्देवता, बाग्देवी, वाम्बादिनी, बाचा, बाहमयो, बाबो, वारि, विद्यादेवा, 'वेबिराना, ावधवध् , विद्यार्था, विमला, वीयापायि, वीयापायो, वीया-वती, शारदा, शुल्का, श्री, संध्येश्वरी, सरवा, सारव, सारवृतो, सुरस्त, सुरस्तो, इंसवाहनी, इनवाहिनी ।

१३१. सरस्वती का बाइन—इस। दे॰ 'इंस'।

१३२. सरस्वती का चासन—कमन्न । दे० 'कमल' । १३३. सरस्वती का वाद्ययंत्र—वीखा। दे॰ 'वीखा'।

१३४. विष्साु —ग्रांगनि, ग्रवरीष, श्रंबु-बाद्य, श्रचित, श्रन्युत, श्रब, श्रुवित, श्रतिदेव, श्रनत, श्रधोत्तव, श्रमृततप, अरविंदनयन, अरविंदनाम, अर्क, आत्म-योनि, इद्रवरज, इन्द्रावरज, उम, उपेद्र, ऊर्ध्वदेव,कसाराति, कमलनयन, कमलनाभ, कमलाकात, कप्लापति, कमलेश, कांत, कामी, कारण, कुंडली, कुन्द, कुमुद, कुस्तुम, कृति, कृष्ण, वेश, केशट, केशव, कैटमांजत्, कैटमारि, कोक, क्रतु, चाम, खंडपरशु, खरारि, खरारी, गदाधर, गर**ड**-गामी, गरुइध्वज, गमुद्रायन, गवीश, उवेश, गिरेश, गिरेस, गुरु, गुइ, गोपति, गोपेंद्र, गोतिद, गौराग, श्रामणी, चक्रधर, चकधारी, चक्रवाणि, चक्रभृत् , चकायुध, चिकक, चक्री, चतुरात्मा, चतुर्गति, चतुर्बाहु, चतुर्मुख, चतुर्भुज, चतुर्ब्यूइ, चतुर्होत्र, चतुंष्पाणि, चतुरसन, चल, चिरजीवी, बंभारि, ब, जगदीश, जगद्धाता. जगद्-योनि, जगन्नाथ, जगन्निवास, बगन्मय, बनार्न, जलशय, जलशयन, जलशायी, बलेशय, बहु, बिन, बिन्ध्या, जीव, जेता, च्योति, डाकोर, तपस्तति, तमोदन, तारग्, तिलोकपति, तीर्थकार, नीर्थपाद, तुंबन, त्रिदशायन, त्रिदशाध्यव, त्रिककुद् , त्रिघाम, त्रिनाम, त्रियुग, त्रिलोकनाय, त्रिलोकपति, त्रिलोकीनाय, त्रैविक म, ज्यिब-पति, दंड, दच, दम, दमन, दानवारि, दामीदर, दावण, दावणारि, दावन, दिव-स्पृश, दुराधर्प, दुर्गम, दुर्बय, देवकीनंदन, देबदेब, देवमृत, देवातिदेव, देवेश, देवेशय,

दैस्यारि, द्वरप, द्विजवाहन, धनंबय, धनेश, घन्वी, धर, घरखीधर, धराधर, धराधरन, चर्मनाम, धर्मी, धाता, धाम, धिषया, धुर्य, धूर्य, धृतात्मा, ध्रुव, नंद, नदको, नन्दन, नन्दो, नर, नरकातक, नारायण, निगमनिवासी, निग्रह, नियम, निष्टतात्मा, नेता, न्यग्रेघ, पतित्रकेतन, पद्मनाभ, पद्मभास, पद्माञ्च, पद्माघोश, पद्मेशय, पद्मी, परचाम, परपुरुष, परम, परमाहैत, परमेश्वर, परमेष्ठी, परात्पर, परार्थि, परिमोत्त, परेश, पर्जन्य, पबन, पापनाशन, पावन, पोताबर, पुराडरीकाच, पुरायक, पुरुवश्लोक, पुनर्वसु, पुरदर, पुरासापुरुष, पुरातन, पुरु जित, पुरुषपुरस्तन, पुरुषाद्य, पुरकोत्तम, पुरुहृति, पुरुहर, पुष्प**हास**, पूरियता, पूर्शित, पूर्ण, पृथु, पेशल, प्रकाशन, प्रमद्ग, प्रजागर, प्रतर्दन, फिय-तल्पग, बनमाली, बलसूदन, बलागति, बलिदय, बलिध्वशो बहुमूर्ति, बहुरूप, बहुशिर, बहुश्य ग, बाहुभेदी, विट्टल, ब्रह्म-नाम. ब्राह्मण, भगवन् , भगवान् , भग-वान, भयनाशन, भर, भन्ती, भवनाय, भानु, भार, भीम, भूगर्भ, भूतपाल, भूत-पथ्य, भूनभावन, भूतभूत, भूतवास, भूतात्मा, भूति, भूबर, भूगि, भूशय, भूषख, मधुन्दन, मनुबादनिकदन, मधुरिषु, मनोजव, महेन्द्र, मार्ज, माधव, मुकुन्द, मुनीश, मुन'श्वर, मुरमर्दन, यञ्चपति, यज्ञकरूप, पश्चकतु, यज्ञाता, यज्ञधर, यज्ञ-पुरुष, यज्ञभोक्ता, यज्ञमय, यज्ञवराष्ट्र, यक्र-वाहन, यज्ञवीर्य, यज्ञसाचन, यज्ञमेन, यज्ञ-हृदय, यज्ञाग, यज्ञात्मा, यज्ञे रुषर, यम, याम्य, योयनिद्राष्ट्र, यंगपति, रचप्रिय,

रगोचर, रत्ननाभ, रन्ननिधि, रत्नबाहु, रथागपाबि, रमाकान्त, रमानरेश, रमा-निवास, रमारमण, रमेश, रमेश्वर, रम्यश्रो, रविलोचन, राजस्वामी, लद्दमीपति, लच्मीवरूलभ, ्लच्मोश, लखमीबर, लच्छिनाथ, लच्छिनिवाम, लतापर्ग, वश, बनमाली, वराग, बराह, वसु, वसुद, बसुघाधार, वाक्पति, वाजिराज, वामन, बारिश, वासु, वासुदेव, विकम, विधु, विभु, विरञ्ज, त्रिरोक, विशानाच, त्रिशु-तात्मा, विश्वभर, विश्व, विश्वकाय, विश्वतनु, विश्वतृष्त, विश्वभर, विश्वनाम, विश्वप्रबोध, विश्वबाहु, विश्वमूर्ति, विश्व-विश्ववृद्धः, विश्वहेतु, विश्वातमा, विश्वावम्, विष्टेश, विष्यक्सेन, विष्टर-भवस्, वीरचकंश्वर, वीरबाहु, वीरहा, वेभा, वैकुएठ, व्याल, शक्यंग, शंखभूत, शको, शक्षधर, शंखपाणि, शतानन्द, शाङ्गा, शिखडा, शूर, शेपशायी, शौरा, भोकात, श्रावर, भ्रानिवास, भोपति, भीरग, श्रारमण, श्रीवत्स, श्रीवत्सलाञ्चन, श्रीवासक, भोश, पडगजित्, सपत्कुमार, सक्लेश्वर, सकरात, सत्यधाम, सदातन, सदामन्द, सदायोग), समातन, सप्तशार्थ, समितित्रय, समोहन, सर्वे, सहस्रवरण, सहस्राचिन् , सहस्राजित् , सहस्रहश, सहस्र नयन, सहस्रनागः, सहस्रनेत्र, सहस्रपाद, सहस्रमूदा, सहस्रमीलि, सहस्रशंघं, सहस्रा-नन, सास्वत, सास्विक, सायग, सायगर्भ, सिंधुकृष, सिंधुशयन, सुचेतन, मुततु, मुतपा. मुबन्या, मृत्रयो, सुपर्यो केत, सुप्रसाद, मुजबारय, मुभद्र, सुयामुन, सुरशाया, बुरवति, बुरंभूव, सुरमीर, सुरराई, सुरसाई,

षुराजीव, सुरारिध्न, सुगरि**इता,** सु**रेश,** सुरेस, सुवर्षाविन्दु, सुवर्णवर्ग, सु**रेग**, सोमगर्भ, सोमसिन्धु, स्कद्बित्, स्थ्ल, स्वः, स्वभू, स्वयंभू, स्वर्णाबिन्दु, स्वामी, ष्टंस, इ, इयब्रांव, इरि, इरि**स, इरिदेव,** हरिशकर, दिरएपकेश, हिरएयगर्भ, दिरएय-नाम, हृपाकेश, हेमाग । १३४. पालना --दे॰ 'पालना (बांब)'। विलोम-दे० 'सहारना'। **१**३६. पालन—निवाह, निर्वाह, परवरिश, वालन-वीवण वीवगा, भरगा, रहा। विलोम --दे॰ 'सहार'। १३७. पालनीय-निर्वाश, वोषणीय, वे व्य, भरवायि, रचवायि, रचय । विलोम-दे० 'विनाशनाय'। १३८ विष्णु का शख—पाचबन्य । १३६ विष्सा को गदा—कीमोदको, कौमांदी। १५०. विष्सु का चक्र – सदर्शन । १४१. विष्णु की तलवार - नदक। १४४. विष्णु का धनुष—शाङ्गं। १४३ विष्णु के हाथ का दएड - तोत्र-१४४ विष्णु के हाथ का एक आयुष — १४४ विष्यु के परिषद् – चड, बप, विजय । ८४६. विष्या की स्त्री-लहमी। दे॰ 'लच्मीं। १४७. विष्णु की मणि—कैस्नुभ। १४८. विष्णु के जाती का चिह्न-भृगुरेखा, भृगुलता, भ मत्म । १४६. बिच्या की मास्ता-वैवती।

९४०. विष्णु का वाहन—गरू । दे० 'गरू ह'।

९५१ विष्णु का घोड़ा —नताहक, मेघपुष्प शैब्य, सुग्रीव ।

१४२. विष्णु का सारथी—दारक। १४३. विष्णु का मत्री—उद्भव।

१४४. विष्णु के २४ अवतार—ऋषभ, कपिल, किल्क, कूर्म, कृष्ण, दत्तात्रेय, घन्वंतरि, नरनारायण, नारद, नृसिंह, परशुराम, पृथु, बलराम, ब्रह्मा, बुद्ध, मत्स्य, मोहिनो, यज्ञ, राम, वामन, वाराह, वेद-व्यास, इस, इयप्रोव।

१४४. विष्णु के प्रधान १० द्यवतार— कल्कि, कूर्म, कृष्णा, नृसिह, परशुराम, बुद्ध, मत्स्य, राम, वामन, वाराह।

१४६. अवतार लेना—श्रवनरण करना, श्रवतरना, श्रवतरित होना, श्रवरोहण करना, श्रवरोहना, श्रवतीर्ण होना, उतरना, उत्पन्न होना, उपजना, जन्मना, नीचे श्राना, प्रकट होना, प्रगटना।

१४. जिसने अवतार लिया हो — अव-तरित, श्रवतारी, श्रवतीर्या, उतरा, श्रीतारी।

१४८. खवतार लेने योग्य-श्रवतरखीय, खबतीएर्य।

१४६. विष्णु की पत्थर की पिंडी— शालगाम, शालिकरान, शालिगाम, सालिकराम, सालिगाम।

१६० गरुड़ — श्रमृताइरण, उरगाद, किरा-ताशी, खगेश, लगेश्वर, चिराद, गुरुत्मान, तरश्वी, तारख, तार्च, तार्च्य, द्विबपति, द्विजेन्द्र, नभगनाथ, नभगेश, नागांतक, नागाशन, नीलच्छद, पतगेंद्र, पचिराब, पित्तसिंह, पन्नगारि, पन्नगाशन, परमेण्डी, फिर्मिनुन, सुनगभानी, महाबीर, रक्तपन्न, वज्रद्गाह, विल्हा, विनतासुत, विशालाच, विष्णुरथ, विष्णुत्य, शाल्मिली, शिलानीह, शिलीहा, सुपाहित, सुपाहित, सुपातिनय, सुरद्गित्वत, सुपापिच, स्वर्ण, स्वर्यंव्यंव्यंव्यंव्यंव्यंव्यंव्यंव

१६१. ग**रुड़ के पुत्रों के नाम—चड़,** तुड़क, चित्रकतु, चित्रव**ह,** त्रिवार, पकजित्, पद्मकेतन, परिद्वीप, वर्फ़ विष्कमा।

१६२. गरुड़ का बड़ा भाई—श्र**ब्य,** ताद्ये !

१६३. लच्मी— (विभ्राकी स्त्रीतथाधन की ऋषिष्ठात्री देत्री) ऋंबुजासना, खबसा ग्रन्धिना, ग्रमला, इंदिग, उद्धिमुता, कमलयोनि, कमला, कमलालया, कुमारी, द्धीरजा, द्यीग्सागरकन्यका, द्योराध्वितनया, द्योरोदतनया, चचला, वपला, चला, बगःमयी, बगन्माता, जलधितनया, पद्म-गृहा, पद्मा, पद्मासनस्था, पद्मासना, पद्मालया, पद्भावती, पिंगला, बला, भागवी, भूति. महामाया, महालच्मी, मा, माता, मातृ, माया, योगवा, योग-सभूता, रामा, लच्मो, लच्चि, लच्छमी, लच्छि, लच्छिमी, स्रोक्यननी, लोकमाता, लोला, वरवर्षिनी, विभूति, विष्णुवल्लमा, शक्ति, शोमा, भी, भीमती, समुद्रना, सम्पन्ति, सम्पदा, सर्वमंगना, विधुकन्या, सिर्धुंबा, सिरी, सुरेश्वरी, कोरत्न, इनिधिया, हन्विल्लमा । १६४. लदमी का वाहन—उल्कादे॰ 'उल्लू'।

१६४. महादेव---श्रतकं, श्रंतकरता, श्रत-कर्ता, श्रातकारक, श्रातकारी, श्रांधकरिपु, श्र^{क्}रीष, श्रकुल, श्र*िन*केतु, श्रवीरनाय, **अब, श्र**जात**रा**त्रु, श्रजिन, श्र<u>ट्</u>हास, श्रति-देव, श्रनगारि, श्रवराजित, श्रयुग्मनेत्र, श्रवीश, श्रद्धांगी, श्रव्टमूर्ति, श्रसमनेत्र, श्रास्थिमाली, श्राहिर्बर्धन्य, श्रातमयोनि, ब्रात्मसमुद्भव, ईश, ईशान, ईश्वर, उप्र, उप्रथन्या, उमाधव, उमापति, उल्हामुख, क, कर्षधिलियो, कर्धरेता, ऋतुकर, ऋषभध्यज, एकदृक, एकपात, ऐ, ककाल-माली, कटपू, कपदी, कपालभून, कपाली, कपिल, कलाधर, वलमायकट, कवची, कात, कापालिक, कामजित्, कामयाल, कामरिषु, कामारि, कारण, कालकटक, कालकड, काल जर, कालनाथ, काशोनाथ, किरातपनि, बुलेश्वर, कैलाशनाथ, कैलाशानि, कृतर, कृतिवास, कृतियासा, श्रुयानुरेत, इशानुरेता, कतुष्वसी, खुद्रहा, सदपरशु, खनां, खेचर, गगापर, गगेश. यंडली, गमीर, गवानाथ, गवानायक, गक्दपति, गन्ताध्यन्त, गरघरन, गरप्रिय, निरिक, निरिजापति, निरित्र, निरिनाय, निरोम्द्र, निरोश, गीतप्रिय, गुडाकेश, मुक, मुझ, गानई, गोपति, गोपालि, मौरीपति, गोरूप, ब्राम, इ, चडिक्षंट, चडोपति, चंडाश, चंद्रकलावर, चद्रचूड, चंद्रधर, चंद्रभास, चंद्रभूगण, चंद्रमास-काट, चद्रमाललाम, चद्रमौलि, चंद्रवेष,

चंद्रशेषर, चंद्राध्ति, चंद्रापीड़, चंद्राई-चूडामिण, चदिल, चतुर्वाहु, चमूहर, चहचेली, चमेवमन, चल, चापी, चीर-बासा, चेकितान, ब, बगत् , बगद्गुद, बगद्दीप, जगद्घाता, जटाचीर, जटाटक, षटाटीर, बटाधर, बटाधारी, बटामाली, जनप्रिय, जन्माध्य, जन्य, जन**मृत्ति,** बो'रांड, ब'र्गद्र, बोगेश्वर, बोतिंग, ज्योतिर्लिग, फफरा, टक्टीक, ठ, ग, तट, तप्य, तमाइन, तन, तारकायय, तारकेश्वर, ताराधिव, ताराधारा, तारावांत, **तार्च्य**, ताल, तालाक, तिग्ममन्यु, ती**ऱ्याताप,** तीह, तीर्थदेव, तीव, तुग, तुगीश, तेबस्व, नोरमा, नारन, विचत्तु, त्रिजट, त्रिजटी, त्रिदश्, त्रिधर्मा, त्रिधाम, त्रिनयन, त्रिनेत्र, त्रिपुरहन, त्रिपुरदहन, त्रिपुरात, त्रिपुरारि, त्रिलाचन, त्रि**शू**नी, व्यव**ड**, दड, दंडी, दमन, त्र्यद्द, त्वधा, ढराबाह्, टाइय, दाइन, टिक्कर, दिगवर, दिग्बद्धाः दुगधाः, दुदीत, दुर्मुख, दुष्डल, देवदेव, देवनाय, देवेश, घटी, घन्बी, धर्मवाहन, धर्माध्यज्ञ, घरकोघर, घर्षण, घता, धारण, श्रु. धूर्बट, धूपकतन. धूम्र, धूर्बटि, नगा, नंदन, नदि, नाटकर, नादेश्वद्र, न**ियर्शन**, नदीपांत, नटाश, नंदीश्वर, नक, न**कचर,** नगत्राह्म, नटराब, नप, नभयोमि, नम-न्थल, नर, नर्सक नागचूड, नाट्यप्रिय, नाम, नामि, ियह, निखाने, निधनपति, नियत, नियम, निरंजन, निशाहर, निशा बर, निशाचरपनि, निशामभ, नीलकठ, नीलप्रोव, नृत्रप्रिय, न्यमाच, पचगुल, पश्चवद्दन, पंचानन, पञ्च, पञ्चरु, पति-

वेदन, पद्मासन, पर, परम, पररमेश्वर, परमेष्ठी, परमेनर, परमेस्र, परागद, पवित्र, पशुनाथ, पशुपति, पागुचदन, पांशून, पासुचदन, पासुन, पाश्विकम्मी, पाश्विकर्या, पाद, पाटभुज, पापनाशक, पिंगास, पितामइ, पितृरूप, पितृत्रनेचर, पिनाकी, पुंगवकेत, पुनर्वस, पुराद्वर, पुरमिद, पुरमथन, पुरशासन, पुरहन, पुराजित, पुरातक, पुराया, पुरागि, पुरुष, पुलस्त्य, पुलह, पुष्कर, पुष्कल, पृथु, प्रकाशक, प्रकाशकार, प्रभु, प्रथमाध्रिप, फाल, बधन, बकुल, बराक, बहुधर, बहुरूप, बहुल, बागापात, बाहुशाली, बाजवाहन, बोबाध्यच्, ब्रह्मसूज, ब्रह्म, ब्रह्मण, भगवत, भगवान् , भगवान, भगहारी, भगानी, भद्र, भद्रकवित्त, भरू, भर्ग भत्र, भत्रेश, भागो, भालचद्र, बालनेत्र, भानलाचन, भालाक, भारकर, भिच्चुरूप, भीष, मंत्रवण, भीष्म, भुवनेश, भुवनेशी, भुवनेश्वर, भूचर, भूतचारी, भूतनाय, भूतपात, भूतमची, भूतिभावन, भूतगाज, भूतवाम, भूतवाहन, भूतिवनायक, भूताविपति, भृतिकृत, भूतिद, भूतिवाहन, भूतेश, भूते वर, भूरे, भू गीश, मृगु, भैग्व, भैग्वेश, मत्मनाथ, भोजानाथ, भौतिक, म, मदनकदन, मदनारि, भड़ा-काल, महानट, महामृत्यज्ञ, महाकद्र, महाशक्ति, महेश, महेश्वर, महेस, माधवी, म्डमाली, मृड, मृत्युजय, यमातक, यमे-**श्वर, यया, याम्य, भुन**ीदकुत, योगना**य,** योगानलय, यागपति, यागपारम, योग-मुर्तिधर, योगविद, योगा, यागीनाय, योगीश, योगाश्वर, यागश्वर, रणस्त्रामी, रखेश, रसनायक, रिषाक, रीर, बद्र,

रुद्रपति, रेरिहासा, ललाटाच, लोकवंधु, वकघर, वराक, वरेएय, वसु, वसुप्रद, बत्रेता, बसुरोधी, वहिरेता, वामदेव, वामन, वार, विद्याराशि, विद्येश, विद्यत् , विभु, विभूग्गु, वियग, विरब्धप्रभ, विरिच, विरूपाच, विशालाच, विश्व, विश्वकारक, विश्वगर्भ, विश्वनाथ, विश्व-बंधु, विश्वमहेश्वर, विश्वरूप, विश्वहर्त्ती, विश्वस्रातमा, विश्वेश, विश्वेश्वर, विषक्ठ, विषमनयन, विषमनेत्र, विषमाच्, विष-मेच्य, विपातक, विष्वक्मेन, विस्तर, विस्तार, वोजवाहन, वोग्रहस्त, वोर, बीरेश, वीरेश्वर, वृषकेतन, वृषकेतु, वृषध्वज, वृषभकेतु, वृषभाक, वृषभध्यम, वृष-लाञ्जन, बृषवामी, बृषस्कंघ, बृषाक, वृषाचन, वृषाकपि, वृषासक, वृष:यस, वेघा, व्योमकेश, ब्यामवका, शकर, शकरा, शभु, शभू, शयु, श, शक्तियह, शर्ब, शशिवर, शशिभाल, शशभूषण, शशि-शेखर, शिखडा, शितिकठ, शिरिश्चद्र, शिल्पिक, शिव, शिवकर, शिवनाथ, शृब-धारी, शूनपांख, शूलहरन, शूलि, शूली, शृशी, शेषधर, शामन, रमशानपाते. भोकड, श्रीवास, श्रोत्रासक, पंड, षाड, संज, सजय, सध्यानाटी, सयत, स**वत्सर**, ससारसारिय, म, सकलाधार, सदानद, समक्षी, समन्यु, सर्ग, सर्व, सर्वकाम, सर्वेग, मर्वेज्ञ, सर्वेतमुख, सारग, साबित्र, सितिकंठ, सिद्धदेव, सिद्धनाथ सिद्धयो**मी,** सिद्धसेवित, सिद्धाश्वर, सिद्धेश्यर सुन्द्रे-श्वर, सुखेष्ठ, सुतत, सुदशन, सनिति, स्पतक, सुप्रसाद, सुन्ल, स्वाब, नृह्वसराय, सुभग, सुमुख, सुरसंबुहन, सुरश्रह, स्राध्या,

सुरारिहन, सुरायुगगुरु, सुरुप, युरेश, सुरेश्वर, युरेश, सुवक्त्र, सुवर्णदेता, सुवयांब, सुशग्यय, सुसस्चेन, सुनरण,
सुसह, स्स्म, स्स्मःगुरु, स्कंदिवशाख,
स्थागु, स्थिर, स्मरशातु, स्मरहर, स्मरारि,
स्वभू, स्थयंभू, स्वयंभेष्ठ, स्वस्तिकृत,
स्वामी, हस, ह, हर, हरि, हरिकेश,
हरिश, हांग्वाहन, हांग्शर, हस्तरोघी,
हिरयावाह, हरि, हरी, हेमकेश, हैम।
१६६. खोंकारनाथ (शिष)—श्रोंकारलिंग, सदाशिव।

१६७. शिव की द मूर्तियाँ—श्रमिम्ति (कद्र), श्रंकाशमृति (भोम), चितिमूर्ति (सव), चद्रमृति (महादेव), जनमृति (भव), यजमानमृति (पशुपति), वायुम्ति (उग), स्यंम्ति (ईशान)।

१६८. ११ रुद्र—श्रव, श्रवरावित, श्रहि-वुंध्न्य, देश्वर, एकगत, व्यंवक, पिनाकी, महेश्वर, द्वपाकणि, सम्भु, हरखा।

१६६. भेरव--कराल, कालनूर्ति, भयंकर, भयानक, भाभ, भूतनाय, बद्रनूर्ति, विक-राल, श्यानवाहन्।

१७०. ध्वच्ट भेरबों के नाम —श्वसिताग भेरब, काल भेरब, कोघ भेरब, चंद्रचूड भेरब, त सचूड भेरब, महाभैरब, बद्र भेरब, सहार भेरव।

१७१. संहारना – घंतना, प्रवदान करना, करूपांत करना, बाबना, तांडव करना, वृतीब नेत्र कोलना, ध्वंतना, नष्ट करना, माद्यना, नासना, प्रवय करना, मारना,

मिटाना, बिगाइना, बिनाशना, विधंसना, विष्वसना, विश्वासना, मटियामेट करना, मिलयामेट करना, महाप्रक्रय लय करना, लांपना, विनसाना, सहार करना । दे० 'विगाइना' । विलोम-दे॰ 'सिरबना', 'पालना'। १७२. सहार —श्रत, श्रवनान, इत्यात, ध्वंस, नाश, प्रचय, महाप्रज्ञय, मेट, विध्वंस, विनाश, समाप्ति । विनोम - दे० 'पानन'। १७३. विनाशनीय--श्रतनीय, श्रंत्य, नष्ट्य, नारानाय, नारय, विव्वंसनीय, विनष्टनाय, सहारनीय, समाप्य। विलोम - दे॰ 'पालनीय'। १७४. शिव के नन्दीगरा-तुडी, नंदिक, नदिकश्वर, भूगा, रिटि, ऋगी। १७). नन्दा (शिववाहन)--मनन्त्री बैल, त्रानन्दा, त्रानन्दी बैल, ता**डवतालिक**, निक्दनान्दन, नान्द, देह, शालंकायख, शिवभृषकः । शवव इन । दे० वैला । १७६. पिनाक । शिव का धनुष)-श्रवदन, ग्रवगन, ग्रावगन, भवनाप। १७०. शिव का बाजा-इमरू, डिमडिम। १०८ बटाजूट (शिव की बटा)-कपर्द, कप्दर, बटावध, बटावस्त्री, दिप्यक्र ।

१४६. शिव का तीसरा नेत्र—बटान्यास, त्रिनेत्र, मध्मक। १८०. शिक्ष पारिषद—पारिषद, पारिषद

१८०. शिव पारिचद्—पारिनद्, पारिनच, प्रमयः।

१८१ शिव का नृत्य—ताडन, शिव-नृत्न, प्रत्यकर तान। १८२. शिव की पुरी—कैलास, कैलाव। १८३. विष- करियारी, काकील, कालक्ट, गर, द्वेड, गरल, जहर, बिल, माहुर, इलाइल, हालाइल ।

१८४. ६ प्रसिद्ध विष-दारद, प्रदीपन, (वच्द्रनाम), वस्तनाभ शौक्लिकेय, सारं ब्ट्रिक, सौराब्ट्रिक। विलोम-दे॰ 'श्रमृतं।

१८४. पार्वती — स्रवा, स्रविका, स्रवा, श्रद्भिजा, श्रद्भितनया, श्रनता, श्रपणा, ब्रार्थ्या, इला, ईश्वरी, उमा, कात्यायनी, काली, कुमारी, कौमारी, गिरिवा, गिरि-नदिनो, गिरिसुता, गौरा, गौरा, चडिका, बयतो, जया, त्रिभुवनसुर्श, दच्चसुता, टाचायणी, दुर्गा, देवेथो, निदर्ना, नकुला, नगजा, नित्या, नोललोहिता, पंत्रमुखो, पतिव्रता, पर्वतजा, पर्वतनादनी, पार्थियो, ब्रह्मचारियां, भवभामिनी, भवनामा, भवा, भवानी, भव्या, भागती, भ्रमग, भ्रामगी, मंगला, माहेशी, माया, मृहानी, मेनका-त्मबा, मैनासुता, रुद्रपिया, रद्राणी, विशालाची, विश्वकारिग्गी, विश्वमुखी, शकरधरनी, शंकरविया, शकरा, शंकरी, शर्वाणी, शिवगनी, शिवा, शैनकृमारी, शैलजा, शैननदिनी, शैलपुत्री, शैलसुता, सगत, सगती, सती, मर्यमगला, सिंहवाहिनी, स्कद्बननो, हिप्सिरिमुता, हिम्बत्सुता, हिमरीलजा, हिमाचलसुता, हेमसुता, हैम-वती।

१⊏६. पार्वती का वाहन-सिंह। दे० 'सिंह'। १८७. पार्वती का नृत्य — लाम, लास्य । १८८. कार्तिकेथ- अंबिकेय, अमिकुमार, शृक्षाय, श्रमिभू, कुमार, कौचदारण, गंगापुत्र, गगासुत, गुइ, तारकजित्, तारका,

जित, द्वादशकर, द्वादशास्त, पवित्र, पार्वतीनदन, पावकात्मञ, बाहुलेप, भगवत्, भगवान् , भगवान, भद्रशाखा, भृतेश, महासेन, युद्धरङ्ग, रुद्रतेज, विशाख, शक्ति-घर, शक्तिभ्वज, शक्तिपाणि, शरजन्मा, शिलिवाइन, शिलिध्वज, श्रीविशाल, षडानन, षटमुख, षड्यर्ग, षडामुख, षारा-मातुर, सारभू , सेनानो, सेनापति, सिंदसेन, सुब्रह्मस्य, स्कन्द, स्वामिकार्तिक, स्वादेय। १८६ कार्तिकेय का वाहन--मार।दे• 'मोर'।

१६०. कार्तिकेय के मोर का नाम परिवाणि।

१६१. कार्तिकेय की खां - कौमारी, सेना। १६२. गरोश-ग्रांबकेय, श्राखुग, श्राह-पूज्य, एकदत, ग, गत्रवदन, गजमुल, गजानन, गजास्य, गणनाथ, गणनायक, गगाप, गगापति, गगाधिप, गशाध्यस्, गणराब, बगवन्य, दुदि, त्रिबाद, देवदेब, द्विमातृत्र, द्वैमातुर, नवनीतगण्प, नागमुल, नागानन, परशुपाणि, पर्शनाणि, पृथ्वी-गर्भ, पृक्षिशंग, बुद्धिविधाता, भवानी-नंदन, भालचन्द्र, भहाकाय, मोद्रिय, मोददाता, लंबोदर, बक्तूतुइ, बक्रतुंइ, वक्रतंड, विकट, विध्नजित्, विष्ननायक, विध्ननाशक, विष्नपति, विष्नराज, विष्न-बिनायक, विष्न**हरन,** विष्ने**श, वि**ष्टाः वारिधि, विनायक, शिवनदन, शिवसुन, शूर्पकर्ण, सटादान, मिदि विनायक, कुमुल, इस्तिमल्ल, इस्तिमुल, हेरंब, हर्क। १६३. गरोश का वाहन-दे॰ 'चूरा'। १६४. दुर्गा-श्रंग, श्रावका, श्रवा,

श्रनंतशकिका, श्रपराषिता, श्रपखी, अध्य-

मुना, श्रष्टभुना, इंद्राची इका, ईशा, र्रश्वर, उम्रा, उमा, एकपश्चिक, एकपर्यी, पंद्रो, कंकालिन, कपर्दिनी, कपालिनी, कर्नुरो, कल्याणी, कात्यायनी, कामाची, कालिका, कुञ्चिका, कुमारी, नाली, क्ष्माडा, कैटमा, कोहवो, कुरदती, खमा, गडिनो, अधर्वा, गणनायिका, गाधर्वी, गायत्री, गार्गी, गोला, गौरी, चंदनायिका, चडमुडविनासां, चडवती, चडालिका. चंडिका, चर्चिका, नर्ममुडा, चामुंडा, चिति, जगदवा, जगदंविका, जगदोश्वरी, बगद्गौरो, जगन्माता, जगन्मोहिनी, जयती, त्रयी, त्रिगुणा, त्रिदशेश्वरो, त्रिनायगा, त्रिभुवनसुदरी, त्रिमूर्ति, त्रिलो-चता, त्रिलोचिनी, त्रिश्तनो, च्यंवकी, त्वाष्टी, दनुबदलनी, दिकदरी, दुर्गविनाशनी, षात्रीधूम्बदिनी, नदा, नदिनी, नियति, निरंबना, निशुभमर्दिनी, पंचाननी, वचान्तुषा, वरमह्रसःचारिखी, परमेश्वरी, परमेष्टिनी, पर्वतात्मजा, पाटला, पाटला-बती, पीठनायिकादेवी. पुरला, प्रकीर्णकेशी, प्रकुष्पाडी, प्रचडा, बलविक्षिका, बहुमुबा, बहुरूपा, ब्रह्मचारिखी, ब्राह्मी, मगवती, भगौती, भद्रकाली, भद्रषष्टी, मद्रा, भवानी, भालचद्र, भीमोदरी, भूत-नायका, महाकाली, महगौरी, महादेवी, महाभाई, महामाया, महाविचा, महाशाकि, महरवरी, मापा, यमुना, यादवा, योग-निद्वा, योगभाता, योगभाया, योगिनी, योतीश्वरी, योगेश्वरी, रक्तवोजविनाशिनी, बह्रपरनी, रेबती, रेवा, रोहिस्सी, लच्मी, सकाराची, सांसतकाता, वरालिका, बहिर्थका, बामदेवा, बामा, बारालिका, वाराही, वाली, विवया, विद्या, विश्वकाया, विश्वमाता, वेदमाता, वैभ्णवी, बृहद महारिका, शामवी, शक्ति, शिवकाता, शिवकारिखी, शिवदूती, शिविधिया, शिववल्लमा, शिवसुन्दरी, शिवा, शंलजा, षशे, सत्या, सर्वन्ना, सारिवकी, गाधका, सारदासुन्दरी, सिंहवाहिनी, सिंहस्था, सिद्धि, सुनद्रा, स्रसा, सुरसन्दरी, सुरेशी, सौमारयादायिनी, सौम्या, स्कदमाता, स्वनंदा, ह्यप्रीवा, हैमवती।

१६४. उप्रतारा (दुर्गा का एक विशिष्ट रूप)—मातगी।

१६६. ४ देवियाँ--दुर्गा, राघा, लह्मी, वाणी, शाकभरो।

१६७. ७ माताऍ-इंद्राणां, कीमारां, चामुडा ब्राह्मी, माहश्वरो, वाराही, वैष्णवी ।

१६८. ६ कन्यकाऍ—कल्याची, कालका, कुमारी, चडिका, दुगी, त्रिमूर्वि, रोहिस्रो, राभिनी, सुभद्रा।

१६६. ६ दुर्गा -- क'न्यायन!, कालरात्रि,
कुण्माडा, चंद्रघटा, ब्रह्मचारिखी, महागौरी, शैंलपुत्री, चिद्धिदात्री, कंदमाता।
२००. ६ शक्तियाँ — इद्राणो, कर्तिकी,
नारमिंहो, ब्रह्माणो, महेश्वरी, रौद्रो,
वाराहो, वैष्यात्रा, सर्वमगला।

२०१. १० महाविद्याएँ — नमला, काली, लिल्लमस्ता, तारा. धूमावती, बगला, मुब-नेश्वरी, भैरवी, भातगा, पोडशी।

२८२. ६४ योगिनी— श्रविका, व्यायन्त्रामा श्रवर्षा, ऐदी, कत्वायनी, कामाची, कार्तिकी, कालरात्र, कृष्यपिंगला, कौशाकी, गौरी, बोररूपा, चद्रघटा, चपुडा, बली-दरी, डाकिनी, तपस्थिनी, दृष्टि, जिदशे- श्वरी, धृति, नारसिंहो, नारायणी, पार्वती, पृष्टि, बाराहो, ब्रह्मवादिनो, भद्र-कालो, ब्रह्माणी, भ्रामरी, भीमा, महातपा, महादेवी, महाबला, महाविद्या, महाषष्ठी, महोदरी, मातृका, मुक्तकेशी, मेषस्वना, मेघा, योगिनी, रक्तदितका, रुद्राणी, रौद्रमुखो, लद्मी, लज्जा, लाकिनी, विद्या, विनायको, विशालाची, विश्लुमाया, शार्क-भरी, शाकिनो, शिवदूती, श्रुति, सरस्वती, सर्वमंगला, सहस्राची, सावित्री, स्मृति, हाकिनो, हारिणी।

२०३. ११ देवयोनियाँ—श्रद्मरा, किन्नर, गंधर्व, गुद्धक, देव, पिशाच, भूत, यद्य, रत्न, विद्याघर, सिद्धि ।

२०४. गणदेवता-- श्रनिल (४६, श्रादित्य (१२), श्राभास्वर (६४). तुषित (३६), महाराजिक (२२०), रुद्र (११), विश्वदेव (१०), साध्य (१२)।

२०४. १० विश्वदेव — विह्नपुराण के श्रनुसार,) श्राद्रव, काम, काल, कतु, दस्त, ध्विन, पुरूरवा, रोचक, वसु, सत्य। २०६. म वसु (वैदिक देवता) — श्रनल, श्रानल, घर, ध्रुव, प्रत्यूप, प्रभास, विध्यु, सीम।

२०७. देवता — श्रवरीक, श्रम, श्रमिबहा, श्रमिमुख, श्रवर, श्रादितनदन, श्रदितसुत, श्रमर, श्रमर्थ, श्रमर्थ, श्रम्राचा, श्रम्तेश, श्रस्र, श्रमराद्य, श्रम्याचा, श्रम्तेश, श्रस्र, श्रम्रादितय, श्रम्य, श्रम्य, श्रम्य, श्रादितय, श्रम्य, श्रम्य, श्रम्य, श्रादितय, श्रम्य, श्रम्य, श्रावेचर, कतुभुक, खग, खेचर, गगनेचर, गीवणि, ठक्कुर, ठाकुर, तैतिल, श्रदश, श्रदिवेश, मैविष्टप, दानवारि, दिविषित, दिविषद, दिवेश, दिवेश, दिवेश, दिवेश, दिवेश, दिवेश, दिवेश,

दैवत, नभःसद्, नभगामी, नभरचर, निरूप, निर्मन, पशु, पुबिल, बहिंगुल, बुध, भट्टारक, भानु, सुवनपति, सुवपित, भूतकृत, लेख, बसुल, विह्मास, बिद्यास, बिद्यास, विद्यास, विश्वस्म, सिद्यास, वृद्यारक, सर्वज्ञ, साध्य, सुभिराय, सुपर्वन, सुपर्वा, सुमन, मुमना, सुर, सुरमी, सोमयोनि, स्वाहामस्या, स्वाहामुक्, स्वाहासन, हुव्ययोनि।

विलोम—दे० 'क्रसुर' 'राइस' । २०⊏. ३३ देवों के स्थान—१४ स्वर्ग में, ११ पृथ्वो पर, ११ श्रंतरिद्य में ।

२०६. ३३ देवता (शतपथ जाह्यस के अनुसार)—१२ त्रादित्य, १६६, १ प्रजापति, ११ रुद्र, ८ वसु ।

२१०. ६६ (देवता ऐतरव **ब्राह्मण के** श्रमनुमार)

५११. ३३ सोमप -१२ म्रादित्य, १ प्रजापित, ११ घद्र, १ वघट्कार, ८ बखु। २१२. ३३ — ऋसोमप ११ ऋनुयास, ११ उपजाय. ११ प्रजाय, (सोमप देवता, सोम में तृष्त होते हैं और असोमप वर्ज्य बिल्यां से।)

२१३. ऋग्वेद के अनुसार देखों की संख्या ३३३६—(सायकाचार्य ने सपने भाष्य में लिखा है कि देवता केवल १३ ही हैं, ३३३६ नाम महिमा प्रकाशक मान है।)

२१४. पद्मपुराण के अनुसार हैशे की संख्या—३३ कोटि।

२१४. ऋग्वेद के कुछ प्रमुख देवता— श्राग्त, श्रामा, शाश्वद्य, इह, क्याता, उपा, ऋभुवा, एक्पात्, त्रित, ल्या,

पर्जन्य, पूचा, वृक्षि, मस्त, यम, रुद्र, बस्, बाबु, बिष्णु, सोम। २१६. असर — अनारावान, अमर्त्य, अमृत, चिरस्थायी, शाश्वत, स्थायी, स्थिर । २१७. अमर होना-अमरता पाना, अमृत पीना, कौवा होना, कौवे की बोम बाना, मृत्यु बीतना, मृत्युंबय होना । २१८. सर--श्रस्थिर, चिशाक, नाशवान, मर, मर्त्य, संवारी । २१६. मर होना--- ऋस्वायी होना, खिषक होना, नाशवान होना, मनुष्य होना, मर होना, ससारी होना । २२०. देव संबंधी या देवकृत-देवत, दैविक, दैवी। २२१. देवत्व-- अपरता, श्रमरत्व, देवताई, निर्वरत्व । २२२. पंच देवकन्या—श्रद्धस्या, कुंती, तारा, द्रोपदी, मदोदरी। २२३. ऋग्वेद की कुछ प्रमुख देवियाँ--इहाबी, इला, उषा, पृथिवी, राका, रोदशो, सरस्वती, सुनृता । २२४. देवताओं की राक्तियाँ-जंद्राची, चर्चिका, चामुंडा, बाद्यी, माहेश्यरः।, बाराही, वैश्ववः।। २२४. इद्र-- झ, अलडल, फ्रन्युतामन, इतिबन, अमरनाथ, अमरपति, अमर-राच, भ्रमरवर, भ्रमरेश, भ्रमरेश्वर, श्रर्क, कर्यम, वर्त, वर्द, अहिदिय, वालडस, शाबांबना, भादित्य, उप्रथन्या, श्रभुष, वासका, वासुब, किरोट, कुनिराधर, बीविक, सरानपति, शिरिध्यक, गोत्रभिद, क्यावन, बंधमेदी, बमारि, क्यिष्ट, बीब्त,

चीयुतवाहन, जेम्यावयु, तपस्तव, द्वराचाद,

40---

तुराषाइ, तुरासाइ, त्रिदशपति, त्रिदशाधिव, त्रिदरोश्वर, त्रिदिवाधीश, दत्तेय, दर्बरीक, दस्युबृत्ति, दानवारि, दिवराब, दिवस्पति, बुरूच्यवन, देवताथिप, देवदेव, देवनायक, देवराब, देवराय, देवभृत, देवाधिप, देवेद्र, देवेश, दैत्यारि, खुपति, नंदनप्रधान, नगमिद, नाकनाथ, नपुचि-स्दन, नेत्रवोनि. पर्जन्य, पर्यन्य, पर्यराय, पर्वतारि, पविषर, पाकदिष, पाकरियु, पाकशासन, पाकहता, पाकारि, प्राचीनवर्हि, पुरंदर, पुरासाह, पुबदशा, पूर्वादगीश, पूर्वपाली, पृतनाषाड्, बज्रो, बलसूदन, बलर्न, बलाराति, बास[,], बाहुदती, विदीक्षा, बृहद्रथ, भूरि, मधवा, मस्त्वान, महेंद्र, नेघराच, मेघबाइन, मेपकृष्ण, यामनेमि, युपुघ'न, र भापति, ल, लेखर्म, बंदीक, वज्रवर, वज्रपाणि, वज्रामुध्टि, वज्रहस्त, वज्रायुध, वजी, वरकतु, वरेन्द्र, बलस्दन, बलइंता, वास्तोष्पति. विश्वयत, विश्वौजा, विबुधपति, विबुषाषिप, बिबुचेश, विश्वगोप्ता, विश्वंभग, विश्वभुव, विश्वाभू, विश्वेमोब, इत्रहा. इद्धभवा, वृषा, वृष्ट्रिय, बृहद्गय, व्याद, शक, शकदेव, शकोर्पात, शतभूत, शिली, श्रुनावीर, सकदन, सक, तमिप, सहसासी, सहस्र बच्च, सहस्रहरा, सहस्र नयन, सहस्रवेत्र, सहस्रकोचन, सहस्राच, सहोबा, सुत्रामा, सुदासोर, सुर्कत, बुरमामको, बुरतात, बुरभाता, बुरनाव, त्रनायक, सुरनाह, सुरप, सुरपति. बुरपासक, कुरप्रिय, बुरपुरकेतु, बुरमान, बुरभूष, बुरराई, सुरराष्, ब्रुरशका, सुरराव, सुरराव, सुरर्वम, सुरवर, सुरभेष्ठ, सुरसस, सुरसाँई, सुरसेयाँ, सुरस्त्राचा, सुरस्त्रामी, सुराधिष, सुराधीचा, सुरेद्र, सुरेद्र, सुरेद्र, सुरेद्र, सुरेद्र, सुनेपति, स्त्रावेय्य, स्वर्गपति, स्त्रावेय्य, ह्य, इरि, इरिबाइन।

२२६. १४ इंद्र—(देवो पुराण के श्रनुसार) इंद्र, श्रद्धतघाता, तबस्वी, मिदिव, दिवस्पति, प्रमु, बिलर्भाव्य, मनोजव, विपाद्धित, विश्वमुक, शिख, सुकीर्ति, सुशांति । २२७. इंद्र की स्त्री—इद्रबधू, इंद्राणी, ऐंद्री, चारघारा, जयवाहिनी, देवरानी, पुलोमजा, पूतकतायी, पौलोमी, मद्योनी, माहेंद्री, शिच, श्रची, श्रतावरी, सची, सेना।

२२८. जयंत (इंद्र पुत्र)—उपेद्र, ऐद्रि, बय, तेजस्वी, परमज्या, पाकशासनि, यागसतान।

२२**६. इंद्र का घोड़ा**—इंद्राश्व, उचै:अवस् , उचै:अवा ।

२३०. इंद्र का सार्थी—माति ।
२३१. इंद्र का महल—बैजयत, वैजयंत ।
२३२. इंद्र का उपवन—कंदसार, नन्दन,
नन्दन कानन, नन्दनवन ।

२३३. ऐरावत (इंद्र का हाथी)— अभ्रमातंग, अभ्रभुवल्लम, इद्रहस्ती, ऐरावया, गवामणी, गर्बेद्र, चतुर्दन्त, नागमल्ल, मल्लनाग, श्वेतकुंबर, श्वेत-हस्ती, सदादान, सुदाया।

२३४. विमान (इंद्र का)—व्योमयान । २३४ कामचेनु—कामदुहा, कामधुकचेनु, खुरचेनु, सुरसुरभी।

२३६. वज-श्रद्धक, श्रश्नि, श्रश्नोत्थ,

त्रापोत्र, कुलिश, गिरिकंटक, गो, बंमारि, दंभ, दंभोलि, पिव, भिदुर, मेदी, शंब, शतकोटि, शतार, शतधार, स्वब, स्वबत्, हादिनी।

२३७ इंद्रपुरी — ग्रमरावती, इद्रलोक, ेदेवलोक।

२३८ स्वर्ग-श्रतरिच, श्रवरलोक, श्रमरपुर, श्रमरलोक, श्रमरालय, श्रमरावती, श्रमृतलोक, श्रर्श, श्रव्यय, श्रासमान, इड़ा, उद्ध्वलोक, ऋभुत्त्, कविलास, कैलास, खं, ख, गो, गोपुर, गोलोक, तविष, ताबीष, त्रिदशालय, त्रिदशावास, त्रिदिब, त्रिधाम, त्रिपिष्टय, त्रिबिष्टय, दंडपाचि, दिव्, दिव, दिवान, देवानकाय, देवभवन, देवभूमि, देवभ्, देवराज्य, देवलोक, देवसदन, द्यु, द्युलोक, द्युवन, द्युसम, चौ, घाम, नाक, परधाम, परमधाम, परवेशम, पर, पुर, पृषभाषा, फलक, बहिरत, बिहिश्त, बैकुंठ, भिश्त, मदर, मंदार,महो-दय, रपुर, गेदसी, रहस, बाख, विबुधपुर, विशोधनी, विष्टप, बिष्णुक्तोक, बीरमार्ग, वीरलोक, बैकुठ, वैष्ट्र, शकभवन, शकलोक शून्य, शिवलोक, भीनिकेतन, भीनिकर, ष, अर्वोतमुख, सुखाधार, शकभवन, सुदर्शना, सुदर्शनी, सुमनीकस, सुरवान, सुरदेश, सुरबाम, सुरनगर, सुरपुर, सुरकोक, स्रवेशम, सुरसदन, सुरसन्न, सुरेन्द्रलोक, सुरेशलोक, सुरौका, सुलोक, सोमचारा, सौरिक, खः, न्वर, स्वर्गलोक, स्व<mark>लेकि,</mark> ह, हरिषाम, हरियट, इरियुर, हरिस्रोक : बिलोम-दे॰ 'नरक'।

२३६. स्वर्ग जाना—दे॰ 'मरना'।

बिकोम-दे॰ 'बीना'।

२४०. स्वर्गीय — त्रलीकिक, गोलोकवासी, विवंगत, मुक्त, मृत, वैकुंठवासी, स्वर्गवासी, स्वर्गभोगी।

विक्रोम --दे० 'नारकीय'।

२४१. कल्पश्च — ममरपुष्पक, कल्पतक, कल्पतक, कल्पहुम, कल्पपादप, कल्पलता, कल्पिविट्य, कल्पशाखी, कामतक, कामभूबह, देवतक, देवद्वम, देववृद्ध, परिवानक, पारि-वात, मंदार, संतान, सुरद्धम, हरिचंदन। २४२. अमृत — अवर, अ, अगदकार, अमिय, अमी, कंच, किलाल, देवभोज्य, देवाचस, देवाहार, पीयूष, मधु, शांशरस, समुद्र-नवनीत, सुषा, सुरभोग, सोम, स्येन, हिरराय।

बिलोम -- दे० 'विष'।

२४३ गधर्व — ग्रप्थरस्, किन्नर, खग, ग गात, गातु, दिव्यगायन, देशगायक, देशगायन, देशायन, नभचर, नभश्वर, पुष्पदंत, यञ्च, युगप, विद्याधर, सुरगायक । २४४. गंधायों के ११ गण् — (श्रिप्र, पुराख के श्रनुसार) श्रधारि, अशाज्य, कृशानु, कन्नु, मूर्धन्या, वंभारि, विश्यावसु, गूर्ववर्षा, सुदृस्त, स्वन, इस्त ।

२४४. प्रधान गंधर्व—गोमायु, चित्ररव, तुद्धर, नदि, विश्वावयु, इंत, हाहा, हुहू। १४६. कुक्क प्रसिद्ध गंधर्व—चित्ररय, तुंब्द, विश्वावयु, हहा, हाहा, हाहास्, हुँहू,

२४७. चप्सरा—प्रच्छरा, ग्रच्छरी, बाह्यरा, बाह्यरी, श्रद्धप्रिया, श्रतंद्वपा, गगनागना, श्रिदशंदध्, दिव्यनारी, देवतृती, देववध्, देवांगना, गाह्यती, परी, सुर्युवती, कुरवोषित, स्थः सुन्दरी, स्वर्गवध्, स्वर्ग- वेह्या, स्वर्गस्त्री, स्वर्गिनभू, स्वर्वभू, स्वर्वेह्या, स्वर्वेस्या, हूर ।

२**४≍. प्रधान अप्सराएँ—श्रलं**दुषा, उर्वशो, घृताची, मेनका, रंमा ।

२४६. किन्तर—श्रश्वमुख, किंपुरुष, गीतमोदी, तुरगमुख, तुरगवक्त्रस, मबु, इरिखनर्तक।

न्४०. श्रश्वनीकुमार — (स्वर्ग के वैद्य)
श्रश्वपुक, श्रश्वनी, श्रश्वनीसुत,
श्रश्वनेय, गदागद, दस, दाच्यको,
देवचिकित्सक, देवभिषक्, नास्त्य,
नास्त्य पुष्पकस्रक, स्ववैद्य।

२४१. सनत्कुमार—ब्रह्मपुत्र, वैषात्र । २४२. विश्वकर्मा—पद्धशिरूपेश,शिरूपराद् सुरशिरूपकी, सुरशिरूपी ।

२४३. देवनदा—श्राकाशगगा, देवमंगा देवसरि, मदाकिनो, वियद्गगा, सुरहीविका, स्वनेदी।

२४४. **देवसभा—देवतमान, ग्रुभा, सुपर्मा,** संपर्मी ।

२४४. कुबर--- म, मर्थद, मर्थपति, मलकापात, ईर्यर-सल, एक-कृंडल, एक-पिंग,
एकपिंगल, एकाव्यिंगल, ऐडविड, ऐलविल, किमरेश, कुद, सुद्धपति, गुझकेश्वर
गुझपति, भ्यवक्तल, ध्यंवक्तला, धनवेलो,
धनद. धनदेव, बननाय, धनपति, धनस्वामी, धनाचिप, धनाध्यस, धनेश, धनेश्वर, नरवाइन, निधिनाध, निधिप, निधिपाते. निधिपाल, निधीश्वर, नृपति,
पद्यलासन, पिशाचकी, पुरायकनेश्वर,
पुलकायल, पौलस्य, वक, मलुष्धधर्मा,
यस, यक्षनायक, वचप, वक्षवित, यसराब,
पद्यराद, यद्याधिप, श्वाधिपति, वचेड,

यत्तेश्वर, याद्धदत्ति, रत्नकर, रवागर्भ, रकाचिपति, राजराज, वक, वसुद, वसुप्रद, वित्तनाथ, वित्तप, वित्तपति, वित्तपाल, वित्तेश, वित्तेश्वर, वैभवख, भदि, श्रीपति, सप्रसन्न, सोम, सौरम्य, स्थपति, इर्य्यन्त । २४६. कुवेर का सौतेला भाई--रावण। २४७. कुबेर का पिता— विभवस्। २४८. कुवेर का पुत्र---नलक्वर । २४१. कुबेर की पुरी-श्रलकापुरी। २६०. कुबेर का उपवन--चैत्राय। २६१. कुबेर का विमान- पुष्पक। २६२. कुवेर का ऐश्वर्य - ब्रांठ विदियाँ, नव निषियाँ। २६३. सिद्धि--ऐरवर्य, भूति, विभूति, विद्धि । २६४. ८ सिक्कि--श्रशिमा, ईशल, गरिमा, श्राप्त, महिमा, लिबमा, प्राकाम्य, विशित्व । २६४. ऋद्धि -चेतनीया, बीवदात्री, बीव-भेष्ठा, प्राण्दा, प्राण्प्रदा, प्राण्पिया, मंगल्या, योग्या, यशस्या, रथांगी, लच्मी, स्रोककाता, वृष्या, सपदाइया, सिद्धा, विदि । २६६. ६ निधि-कच्छप, सर्व, नद, नील, क्या, मकर, महापद्म, मुक्दंद, शख। २६७. कोष (कुबेर का) निधि, भंडार, माडार, रोवधी । २६८. ऐरवर्थ (कुवेर का) भूति, विभूति। २६६. कुवेराचल-कुवेरावि, कैलाश । २००. इवेर ३री - अलकपुरी, अलकप्रभा, बलका, भ्रालकापुरी, यचपुर, वसीकवार, वसुषारा, वसुबारा, वसुस्वसी, विश्तपुरी,

शकपुरी ।

२७१. कामदेव--श्रंगब, श्रंगहीन, श्रंब, श्रव, वतनु, चदेह, स्रमंग, स्रमंगी, ग्रनन्यस, ग्रनसमुख, श्रमि**रूप, श्रयुग्म**-वाया, ऋतमवाया, ऋतमधार, ऋारमञ्ज, श्रात्मवात, श्रात्मभू, श्रात्मयोनि, श्रात्म-समुद्भव, श्रास्मोद्भव, इष्म, कंबन, कंडु, कंदर्प, क, कमन, कलाकेलि, काम, कामग, कामद, कामचार, कामवर्डन, कामी, कामुक, किकिर, कुसुमकार्सक, कुसुमकाःया, कुसुमश्रर, कुसुमायुष, कुसुमेष कृष्यी खरू, खेलक, गदयित्नु, गृधु, गत्स, चित्तव चित्तम्, चेतोबन्मा, चैत्रस्या, बरामीस, भवनेत, भाषांक, तिथ, दर्पक, दीपक, घानकी, नदक, नदन, नंदी, नवरंगी, पचशर, पंचेषु, पस्तवास्त्र, पुष्पकेतु, पुष्पचाप, पुष्पधनुष, पुष्पधन्या पुष्पध्यक, पुष्पवत्री, पुष्पयुष, पुष्पवाच, पुष्पश्चर, पुष्पशरासन, पुष्पेषु, प्रद्युम्न, बहुरूप, नव, भावज, मंथि, मकरकेतु, मकर्थां व. मदन, मधुदीप, मञ्जूत्रसवार, मद, मनसिंब, मनोगत, मनोब, मधुसल, मनमथ, मयन, मातंग, मानस, मायासुत, मायी, मार, मानकेतन, मुरमुर, मुहिर, मैन, मोइ, मोइक, मोइन, मोइनवर्द्धन, यौवनोन्द्रव, रण्रक्षक, रतनारोच, रतिकांद्र, रातेनाथ, रतिनायक, रतिनाइ, रतिपति, रतिप्रिय, रतिरम्य, रतिराइ, रतिराख, रतिवर, रम, रमबा, रमति, रमन, रबीवु, रागरन्तु, रामवृंत, स्वास्त्र, सदमीपुत्र, वराषु वर्धतबंधु, बर्घ, वसंतरासा, वाम, विकास, विषमवास, विषमाचुच, विषमविशिस, विषमेनु बिश्मापन, वीरचन्द्रा, शंबरब्द्रन, शंबद्धरि, शिखि, भोनंदन, शृंगारयोनि, संकल्पभाव, संकल्पयोनि, समांतक, संवरारि, संसारगुढ, साख, सुप्रतीक, सुमसायक, सौरत, सौरत्य, स्मर, स्वयंभू।

२७२. कामदेव की ध्वजा का चिह्न--मञ्जूली दे० 'मञ्जूली''।

२७३. कामदेव का वाहन—शुक, दे० 'तोता'।

न्कप्त. मोहित करना श्वकरखना, श्वनुरक करना, श्वाकित करना, खींचना, दिल खींचना, दिल लेना, मोहना, विमोहना, विमोहित करना, समोहित करना, हृदय खींचना।

२७४. मोहित होना— श्रमुराना, श्रनुरक्त होना, श्रवभाना, श्राक्षित होना, श्रासक होना, कषित होना, खिंच जाना, उरभाना, उत्तभाना, सुग्न होना, मोहना, मोहित होना, रीभाना, लटपटाना, लट्टू होना, हुभा जाना, विभोहित होना, समोहित होना।

२७६. सम्मोहन—ग्राकर्षण, खिंचाव, विमोहन, मोहन, सम्मोहन।

२७०. मोहनीय - श्राकर्षक, मोहक, दे० 'कुम्टर'।

२४८. मोहिन--श्राकित, लट्टू, खुष्ध, ावेग्रोहित:

२७६ डचाटना —श्रमना करना, श्रनासकत करना, उखाइना, उचाट करना, उच्चाटन करना, उदास करना, खिल करना, तोइना, विरक्त करना, हुटाना।

स्थि विवास अनमना होना, श्रना-वस्त होना, उल्लब्ना, उल्लाट होना, उपचारम हानी, उदाव होना, खिन्न होना, ट्रंटना, न लगना, विख्राता, विख्राता, विख्राता, विख्राता, विख्राता, विख्राता, विद्याता, हटना। २०११. उच्चाट— श्रममनापन, उच्चाटन, उद्याती, उदासीनता, लिन्नता, विकर्षण विश्वता, विकर्षण विश्वता।

२**८२. उचटा हुन्ना—ग्र**नाकषित, उचटा, उचटित, उच्चाटिन, हटा ।

२८३. कामदेव के ४ वागा—उन्मादन, तापन, शोषण, समोहन, स्तमन !

२८४ क मदेव के पुष्पधनु के ५ पुष्प-वारा-श्राविंद, श्रशोक, श्राम्न, नव-मल्लिका, नीलकमल।

२८४. रति — कामकला, कामो, कामपत्नी कामपिया, केलिकिला, उद्यसुता, मीति, मायावती, रतो, रागलता, रेवा, शुभागो, समरपिया. स्मर बधू।

२६६. मैथुन करना—कामकला वरना, केलि करना, केलिक्ल करना, चोटना, चोदाई करना, बुटना चोड खाना, परिभोग करना, परिरभश करना, प्रसंग करना, भोग करना, भोगविलास वरना, रित करना, रितसमर करना, रमश करना, विलास करना, सभोग करना, स्वास करना, सश्लेष वरना, सहवास करना, सुरत करना, खी प्रसंग करना, कीमोग करना, स्वां सग करना, खी समागम करना, स्वां सग करना, खी समागम

रद्धः, मैथुन—कामकला, क्रीकः, केलि, केलिकिल, गमन, ग्राम्यकर्म, श्राम्यकर्म, चोदन, चोदाई, जमन, धर्षक, धर्मका, निधुवन, परिभोग, परिमल, परिशंमक, परिष्यंग, प्रसंग, मिक्ना, भोग, भोग-

बिलास, याम, रत, रति, रतिदान, रति-रमण, रतिसमर, रती, रमण, रमन, विलास, व्यवाय, रौन, संगति, संप्रह, सप्रह्या, सभोग, संवास, सवेशन, सभय, संश्लेष, संसर्ग, सहनन, समीचक, सहवास सुरत, सुरति, सुरभिवास, स्त्रोकरस. ब्रोगमन, स्त्रीधर्म, स्त्रीप्रसग, स्त्रीभोग, स्रोबन, स्त्रीविषय, स्त्रीसग, स्त्रोसभोग, स्वासंसर्ग, स्वासनागम, स्वासुख, स्त्रीसेवन। २८=. मैथुन करने योग्य--पसंगनीय, भोगनीय, रमखीय, रमख्य ।

वरुण — श्रंबुनाय, श्रं बुपति, श्रंबुराज, श्रपापति, श्रप्यति, उद्यम, कुएडजिना, कुएडली, केश, जंबुक, जल-कात, जलकातार, जलदेव, जलदेवता, बलपति, जनाबिदैवत, जलाधिप, जलेंद्र, जलेश, जलेश्वर, तोयेश, दहर, दुन्दुभि, दैत्यदेव, धर्मपति, नदपाल, नदीन, नदी-वति, पथोदेव, परजन, परजय, पाथस्पति, पावक, पाशघर, पाशभृत, पाशहरत, पाशी, प्रचेता, ब, बद्दश, मेघ-नाद, यादःपति, यादशम्पति, राम, व, बारिनाथ, वारिलाम, बारिलोमा, विलोम, सक्त, सबृत्त, सागरालय, सावन, सुखारा, स्व्यंपुत्र ।

२६०. वहरा का व हन-मकर २६१. वर् । का ऋस-नागपाश, पाश, पुलकाग, विश्वजित । **२६२ वहरा की नगरी**—वसुधानगर,

२६३. वद्या का प्रिय निवास न्थल--बुष्पगिरि ।

२६५. वरुण का झाता--क्रामीय

२६५ वरुण के पुत्र-अगस्ति। २६६. वरुग की स्नी-वादयी। सूर्य-श्रंधकरियु, श्चंबरमद्भिः श्रंबरीष, श्रंबरीष, श्रंशु, श्रंशुमंत, श्रशमाली, श्रंशुमाली, श्रशुमान, त्रग, त्रत्, त्रदित, त्रदितसुत, त्रन्न, त्रयुग्मवाह, ग्रारशि, श्रारशी, त्रारविंदशंधु श्रराया, श्रह्या, श्रर्क, श्रविष्मान, श्रर्याव, ऋर्वमा, श्रवबोधक, श्रवरत्रत, श्राव, श्रसुर, श्रह, श्रह्पेति, श्रहस्कर, श्रीह, श्राकाश-चारो, ब्रातपी, ब्रादित्य, ब्राफ़ताब, इन. ईशान, उत्ता, उप, उद्, उप्ताक, एकचक, एकपात्, श्रोकपति, क, कपि, कपिल. कमलबंधु, कलिंद, कवि, किरबा-मालो, केश, च्रिट्र, स्वग, खगपति, सचर, खद्योत, खाद्योतक, खराशु, सल, सवर, खेचर, गगनगीति, गगनष्व**ड, गगनषटी,** गर्भास्त, गप्रस्तिपाणि. गभस्तिमान, गर्भास्तमान, गर्भास्त्रहस्त, मो, गोवति, ग्रहपति, ग्रहपुष्प, ग्रहराज, चडकर, अध-दीधित, चंडाशु, चक्रबंधु, चक्रबंधव, चचुक ति, चित्रभानु, चित्रस्य, खासानाय बगस्त्रच्चु, जगत्साद्यो, अनच्चु, बन, जिन्ह्यु, जीभूत, ज्यंकि, ज्योतिष्मान, ज्याल-मालां, तपन, तपनि, तपस, तपु, तमारि तमोदन, तमोरि, तमोहपह, तमोहर, तमोहरि, तरिया, तापन, तापेन्द्र, तिण्मदीधित, तिग्मरशिम, निग्माशु, तिमिरनुद, तिमिर-भिद्, तिमिररिषु, तिमिरहर, तिमशरि, तीक्यारशिम, तीक्याशु, हुंगीस, तेबोराधा, त्रवीवन, त्रवीमय, त्रिमूर्ति, त्रिविषामीश, दक्षियर, दनकर, दनप्रक्षि, दिनकात, दिनकरं, दिनकर्वा, दिनकृत्,

दिनदीप, दिननाथ, दिननायक, दिननाइ, दिनप, दिनपति, दिनपाल, दिनबंधु, दिनम्बा, दिनम्नि, दिनयपूर्व, दिन-माली, दिनरत्न, दिनराई, दिनराज, दिनाचीश, दिनियर, दिनेश, दिनेश्वर, दिनेस, दिवसकर, दिवसनाय, दिवसपति, दिवसमिश्य, दिवाकर, दिव्याशु, दीत, दीप्तिकरण, दीन्पाशु, दुव्यिपद, दूरीहरा हज्भू, हन्भू, देवम्बि, खुपति, युमिष, दुम्न, धुवन, द्वादशात्मा भरण, षामनिषि, ध्वातशत्रु, नग, नभःकेतन, नभःपाय, नभगामी, नभरचत्तु, नभस्य, नभोमार्षे, निदाधकर, पतंग, पद्मनाम, पद्मपाणि, वद्मगर्भ, पद्मलाञ्जन, पद्माच, पद्मासन, परिघ, पर्पटीक मभा, पाथ, पार, पायक, पीतु, पीथ, पीयु, बुक्य, पुष्कर, पूर्णमास, पूर्वकृत, पूष्य, पृशा, पेरू, प्रकाशात्मा, प्रजाद्वार, प्रजाध्यन्त, मनापति, प्रभाकर, प्रातनाय, बकुर, बबल, बन्त, बडन, भग, भगवन, भाकर, भान, भानु, भानुकेशर, भानुदेव, भानुमत् भानुमान, भानेमि, भाक्क, भासु, भास्कर, **मास्वत्,** भास्वर, भुवन्यु, भुताच, भूपरा, मंडली, मार्तेड, मित्र, मिंहर, मैत्रेय, वमक्, बमादित्य, रब, रवि, रानापति, रात्रिनाशक, रुचियाम, रुचिभर्ता, रोहित, बोकवपू, लोकवधु, वच, वरी, वक्ष, बद्ध, बाबस्रान, बात्त, वासरमिश, विकर्फ न विभाषर, विमारसु, विग्यम्या, विरोचन, विवस्तत् , विश्वकर्मा, विश्वकाव, विश्व-मकाशक, विश्वस्त, विश्वलोचन, विद्यम, विद्या, बीतिहोच, वेचा, ब्योरस्त्रक्रा शूर, सूरा, भीयुस, सदायति, सप्तपत्र, सप्तारव,

सब, सविता, सविमास, सहरि, सहस्रकर, सहस्रकिरण, सहस्राण, सहस्रचित सहुरि, सानु, सावित्र, सुतपा, सुर, सुरव, सुरमान, युरावृत, सुरुज, सुरोत्तम, सुवन, स्त, स्नु, स्रज, स्रि, स्र्यदेव, स्र्यंनारायवा, सूर्यपति, सोमबधु, स्पून, स्यंभन, स्त्रर्ण-भाज, इंस, हरि, इरिया, इरित्, इरिनाइन, हिमाराति, हिररायरेता, हिररायबीर्घ्य, €षु, हेममाली, । २६८. १२ स्रादित्य-स्रयंमा, उदकम, त्यष्टा, घाता, यूषा, भग, मित्र, वस्य, विधाता, विवस्वान, शक, सविता। २६६. सूर्य की १२ कलाएँ - समा, ज्वा-लिनो, तपिनो, तापिनी, धारिखो, धूमा, बोधिनी, भोगदा, मरीचि, इचि, विश्वा, सुष्या । १००. सूर्य के पुत्र-—ब्रश्विनोकुमार, कर्ग, मनुवेयस्वत, यम, शनि, सुप्रीव । ३०१ सूर्य की कन्या—यमुना, (वमी,) दे० 'यमुना'। ३०२. सूर्य की स्त्रियाँ—कान्ति, काबा. प्रभा, प्रभावती, महावीर्य्या सत्रा, सवरबाः, सूर्य प्रिया, स्वाती । ३०३. सूर्य के घोड़े—उच्चैःभवा,रविहय, सप्तार्व । ३०४ मूर्य का सारथी-- अमूप, अक्स, कार्यपी, गब्डामच, विवस्थत, सूर्यसुत । ३०४. सूर्व के पारिपारवैक-चहांब, पिंगलोदङ, माठर । ३०६. सूर्य की नगरी-भारक्ती, विवस्वती । ३०७. चंद्रमा-- ग्रंबदरियु, ग्रंभोय, ग्रंब, श्राधिनेत्रव, स्रभेष, सम्ब,

इडिवंब, खीमत, खमीदर,

अमृतकर, अमृतदी चित, श्रमृतद्युति, श्रमृतबधु, श्रमृरश्मि, श्रमृतवपु, श्रमृतस्, श्रमृतांशु, श्रात्रेय, इंदु, उडुप. उडुपति, उहुराब, ऊ, ऋच्पति, एयः भृत, श्रोकपति, स्रोषिपति, श्रोषघीश, कलंघर, कलाघर, कलानाय, कलानिधि, कलाप, कलामृत कात, नामी, कुमुदबंधु, कुमुदबांधव, कुमुदिनीपति, क्लेदु, च्यादाकर, च्याकर, च्यानाथ, च्यापति, चीरब, चीरोनंदन, चुघासुति, खचमस, खग, खदिर, खिदिर खेचर, गगनगति, ग्लौ, गो, प्रहनेमि, ग्रहराज, चन्द्र, चन्दक, चन्दा, चन्दिर**,** चन्द्र, चन्द्रक, चन्द्रयस् , चन्दरि, चाँद चित्राचीर, चित्राटीर, नित्रेश, छपाकर, इरयाभृत, छायाक, छायामान, जयंत, बर्गा, जलब, बलिबज, जुन्हाई, जैवातृक, बोन्हाई, तपस, तपिनाथ, तमिपति, तमीश, तमोध्न, तयोदर्शन, तमोहपह, तमोहर, तमोहरि, ताराधिप, ताराधीश, तारानाय. तारापति, ताराप⁹इ. तिथिप्र**ग**ी, तुंगीपति तुंगीश, तुषारकर, तुषारिकरण, तुषारमूर्ति वुषाररश्मि. तृषाराशु, तुहिनाश्र्, त्यंगट, दच्चावति, दिषसुत, दशवाजी, दशास्व, दासापर्यापति, टोवाकर, द्रुमेश्वर, द्रिअ व्यत, दिखराज, दिखेंद्र, दिगज, दोशाकर, ध्वातश्रमु, नज्ञनाय, नज्ञनेपि, नज्ञय. नवात्रपति, नद्यत्रगज, नद्यत्री, नद्यत्रेश, नक्त्रेश्वर, नखतराज, नखतराय, नगपति, नभगामी, नभश्चमस, निशाकर, निशा नाव, निशामिव, निशारत्न, निशिकर, निशिनायक, निशिपाल, निशिनाय, तिशिपति, निशेष, निसकर, निसकर, निविपति, निसिपास, निविमनि, निसेस,

नेभयोनि, पद्मबन्मा, पद्मबर, पतउड, पतय, पतस, पतोखद, परिष, परिजन्मा, परिज्ञा, परिज्ञा, पर्विचि, पवमान, पीयुष-**र**चि, पीयुषवर्ष, पीयूषमहा, पूर्णमा**ए**, पौलस्त्य, प्रभाकर, बुचबामी, भग, भयत, भरएयु, भुवन्यु, म, मनोभूत, मयंक, माइताब, मिहिर, मृगमित्र, मरीची मृगालाञ्जन, मृगाक, मेहताब, यामिनीपति, यामीर, रज्नीकर, रजनीचर, रजनीपति, रजनीश, रसपति, राकेश, रात्रिम**खि,** वरालि, वर्चस्वं।, रोहिस्रोपति, रोहिस्रीश, लद्मीसहज, वाति, विकस, विकुस्त, विधु, विपुष, विभावरीश, विमलात्मा, विरोक, विरोचन, विश्वलोचन, विहग, शामु-भूषरा, शशधर, शशाक, शांश, शिव, समुद्रनवनंत, सन, सस, शसी, सद ससि, संसिधर, सची, सारग, सारस, सिंधु-षन्मा, सिन्धुपुत्र, सितमानु, वितदिन, सिताशु, सिताश्व, सुखग, सुधाँग, सुधाशु, सुवाकर, सुघागेह, सुवाघट, सुवाघार, सुवादोधित, सुवाधरण, सुवाबाम, गुवा-निधि, सुधामृति, सुधाम, सुधायपूस, मुधायानि, सुधाराष्ट्रम, सुध वास, सुधासदन, सुष स्, सुषास्ति, सुवन, सृणि, सृष, वृष, सेतदुर्त, संतवाह, सोम, सोमदेव, **सोम-**राज, स्थूम, स्नेहु, स्मरसख, स्यद, इ, इरि, इरियाकलक, हरियालच्य, दरियालाचन हिम, इिमकर, इिमकिरका, हिमगु, दिम-दोधिति, हिमभानु, हिममयूस, दिएरिक्स, हिमक्ति, हिमस्त्रुति, हिमांशु, **हवांशुः**। ३०७ घ. चड्मा की खी--ग्रम्बनेति, षातृ, रोहिणी, विधातृ। ३०८. चब्रमा का पुत्र--वृष, दे॰ 'वृष'।

३०६. चन्द्रमा की १६ कलाएँ—श्रगदा, श्रमुता, काति, चन्द्रिका, ज्यात्मा, द्विट, धृतं, प्राप्ता, प्रां, प्राप्ता, प्रां, मानदा, रति, राशना, भा

३१०. चन्द्रचिह्न — ग्रक, ग्रथम, कलंक, चिह्न, निर्वाद, प्रमाद, मिलन, मलो, मिल, मृगीचह्न, पृगाक, लच्च, लच्म, लाखुन, शश, शशक।

३११ अग्नि--ग्रगात, ग्रवकारपु, ग्र, श्रागिन, श्रागि, श्रातिथि, श्रानल, श्राप्यत्त, श्रमिताशन, श्रविष्मान, श्रागी, श्रातश, श्रातिश, श्राशुशिक्षि, श्राभयाश, उप-बध, अद्ध्वमुख, क, कृत, कुतप, कुमार, कवांटयोान, कुशानु, विषद्स्त, गृहपति, चित्रभानु, छागरथ, जभारि, जगन्तु, बन्यु, बलपिंड, जल्ह, जातवेर, जन्यावन, उपाति, उनल, उनलन, उनालजिह, तन्तपात, तपन, तप्, अमोदन, तमादर्शन, त्रमोहयह, तमाहर, तमाहरि, तर, तिथ, त्रिधाय, दम्बद्रम, दमुन, दवा, दहन, दाह्या, दिग्ध, देवाइत, देवपान, देवनक्तू, देशवाहन, द्यु, घनंबय, घनद, घिष्टप, भुवन, धुवॉप्वज, शूमकेतन, धूमके**त**, धूमधर, धूमध्यज, ध्वातशत्, नाचित्रता, निर्श्वरत्रोम, नालगुष्ट, पाचि, पतत्वाहा, परिक्सा, पर्पटाक, पलन, पावक, वाहन, प्रवनात्मव, पशुपात, पाचजन्य, पाकल, षाय, पाब, पावक, पावन, विगल, पिगेश, बाद्ध, पीष, पृष्टरीक, पृथु, पेर, प्रज्ञाहत, बमान्दर, प्राया, प्रातिवदिक, रलचि, च्लवर्ग, बहुत, शया, वासुदेव, बाहुल, बीतिहीम, बुध, वैसन्दर, ब्राह्मया, वृहद्, इइदमानु, भरवयु, भारत, मास्कर, मुक, मुख्य, भुव, भुवन्यु, भूगितंबस , मदसान, यविष्ठ, र, रोहिताश्व, रोहिनवाद, लालील, लाव, लाहिताश्व, वज्रवाह वर्द्ध, वर्दिशुष्मा वहा वसु, वसुनाथ, वसुरेता, वर्धावद्, बाजपित, बातशाख, बातसारिय, बातस्बन, वायुसल, वागवस्कटा, वाशि, विगेश, विभावन, विभावन, विश्वप्स, विश्वाद्, विश्वेवेद, विश्वेदेव, विश्रा, बीतिहोय. वीब्र, दृक, दृष्णि, वेश्वानर, शिस्ति. शिखी, शांग्य, शोमन, मवेश, स्प्तांज्हा, मप्तर्शाच, सु समिय, समाध, समहयास, सम्महा, सरल, सवन, स्वन, स्शिष्ट, सृगीक, मृदाकु, मीमगोषा, स्थवि, म्फुत्कर, स्वधाधित, स्वधाप्रिया, स्व स. स्वर्ग्द घति, स्वाहापति, स्वाहाप्रिय, स्वाहावल्लभ, हर, इरि, इव, इवन, इविभुज, इब्यभुज, इब्य-वाह, इव्यवाहन, १इम'राति, इरिस्थ'वन्दु, हिर्एयरे ा. हिरएयर्व एर्य, हुत्मच्, हुत्मुक्, दृतभुग, दृतभुज, हुत्वह हुताशन, **हपु**, हाम ।

३१२. ऋग्निका जिह्नाएँ— उमा, कराली, काली, ध्रुम्नवर्ण पदीप्ता, मनाच्या, जलाहिता।

३१६. प्वन-- श्र श्रद्धांत, श्रांसस्या, श्रांतमहाप, श्रंजगत्याणा श्रं जर श्रध्यम, श्रांगमहाप, श्रंजगत्याणा श्रं जर श्रध्यम, श्रंगित, श्रंपान श्रंमुर, व्यक्तिशाना, उदान, क्यंतिना ख्या, स्वरं, खश्यास, खेलर, ग्रंपेतता ख्या, स्वरं, खश्यास, खेलर, ग्रंपेतता ख्या, स्वरं, व्यक्त, व्यक्

दैरयदेव, धवाणक, धारावनि, धूक, धूलिध्वज, नभःसुत, नभग, नभपास, नभस्वर, नभस्वान् , निश्वासक, नित्यगति, निपत्वत, निरूप, परिमर, पव, पवमान, पाथ, पृषताश्व, पृषदश्व, पृषोदर, पोता, पौन, प्रकपन, प्रभजन, प्राग्ण, फलिपिय, बतास, बाउ, बाऊ, बाय, बायु, बाव, भोगिकात, मस्त, मातरिश्वा, मास्त, यम, व, वर्षभ्न, वहत, वहति, वह्नित्र, वात, वाति, वायु, वाह, वास, विधु, विहग, वीघ्, वृष्णि, शसीनि, श्वसन, स, सतील, सदागति, समोर, समीरण, सरट, मरएय, सरिभन, सर्क, सार, सुलाश, सुमर, सूक, सक, स्याक, खदाकु, सोम, स्पर्शन, रकुर, स्यदन, स्व अपन, स्वदनाम, हरि, इरिताली इवा, इावा।

३१४ पवन की क्यी—ग्रजना, कुटी, दे॰ 'ग्रजना'। द० 'कुता! ३१५. पवन के पुत्र— भीम, हनुमान।

दे० 'भीम'। दे० 'इनुमान'।

३१६. ४६ पवन — त्रव्ति, त्रवारप्राण, श्रमिल, त्रपान, त्रावक, त्राशुग, उदान, कपलद्मा, खश्वास, गधवह, चंचल, बगन्पण, धूलिध्वज, नमप्राण, नभस्वर, नमस्वान्, निम्वासक, पवन, पण्मान, पृषतापति, पृषदश्व, प्रकम्पन, प्रभवन, प्राण, फालप्रिय, मोगकति, महत्, मातिरिश्वा, माकत, मृगवाहन, वात, बाति, वायु, वास, वाह, विह्म, प्यान, श्रसांन, श्वसन, सदागति, समान, समीर, समीर्ण, सार, सुखाश, स्तनून, स्पर्शन, स्वकपन, हरि।

३१७. यमराज-श्रतक, श्रतकर, श्रंतकत

श्रतकारक, श्रतकारी, श्रतकृत, श्रकंब, च्रौडंबर, कंक, क. कर्मकर, कीनाश, कृतात, कोपत, अनात, जम, जीवनपति, जीवितेश, तर्राणसत, दडधर, दडधार, दंडयाम, दडाधर, दंडो, दच्चिगाशापति, द्रध्न, दिनशात्मज, दैवाकरि, धर्मनाथ, धमराइ, धमेराज, धमेराय, नरदडबर, वार्षर, परेतराष्ट्र, पितरपति, भितृदैवत, पितृनाथ, पितृपांत, पितृराज, पृथिदांपनि, प्रजातक, प्रजापति, प्रेतराट, भानुज, भामशासन, भूतातक, म, महादडघारी, महिषेरा, मृत्यु, य, यमन, यमपुरुष, यनुनाभ्राता, रिवतनय, रविनदन, राबपूत, रविसुद्रान, वैवस्वत, श्राद्धद्वेव, सजनीपति, समवर्त्ति, समवत्तां, समितिजय, सूर्यंत्र, स्यंपुत्र, सोम, हार ।

३१८. १४ यम — द्यांतक, द्योद्वर, काल, चित्र, चित्रगुप्त, दस्त, धर्मगज, नाल, परमेष्टि, मृत्यु, यम, दृकोटर, वैवस्वत, सर्वभृतन्नय।

३१६. नरक- - श्रवरीष, अणा, कटाइ, कालस्त्र, बहन्तुम, तनुवात, तप्तपाषाण, तप्तवालुक, तप्तशिम, तन्पसुराकुंड, तमप्रम, तिमस्त, वार्मस्त, द्वषित, दुर्गात, टोनस्त, दोबस्त, नर्क, नारक, निरय, यमलोक, यमपुरी, यमपुर, यमराज्य, यमराष्ट्र, यमसदन, यमालय, रस्तत्क, रौरव, समात, सम्मपनी।

विलोम — दे॰ 'स्वर्ग' । नारकीय — नरकभागा, नरका, नारकी, नारकाय, पतित, पातकी, पापी । ३२०. कुछ प्रसिद्ध नरक कुंड— कक्कुंड, रितप्तकुंड, वसाकुंड, सर्पकुंड। ३२१. ७ नरक—श्चयटनिरोधन, ज्ञारमर्दन, ददश्क, पर्यावर्तन, रज्ञोगणभोजन, स्न-प्रोत, स्वीमुख।

३२२ २१ नरक—(मनु के अनुसार)
अधवामिस्र, अभिपत्रवान, ऋजाप, काकोल,
कालस्य, कुड्मन, तपन, नामिस्र, नरक,
प्रवापन, प्रतिसूचिक, महानरक, महारौरव,
महावीचि, गोरव, लोहदारक, लोहराकु,
वैतरणा, शालमली, सज्जावन, महात।

३२३. २१ नगक -(भागवत क स्रतुसार)
स्राधकुर, स्रधतामिस, स्रयःपान, स्रवीची,
स्रामपत्रवन, कालस्त्र, कुभापा+, कृमिभाजन, तप्तर्शम, तामिस, पूरोद,
प्रास्थाय, मृहारीरन, रीरव, लालाभन्न,
बज्जकर+शाल्यली, विरामन, वैनरणा,
राज्यसम्ब, सदश, सारमेयादन ।

३२४. २४ नरक - अपवृष्, अधतानिस्तः
अविरोधन, अप्रीत्वरयान, अतिपत्रवन,
क्मायान, इत्यान्तानन, व्यारकद्म, तन्तभूमि
तामस्र, दतश्क, पर्यावर्तन, पाववास.
पूयाद, प्राण्राध, महारीरव, रच्नामण्मावन,
कालाभच, वज्रकटक. शाल्मका, शुक्रव्युल,
शूलप्रात, सदश, मारमेयादन, स्वीनुल ।
३२४. नरक जीगना - कर्मकप्ट सहना,
भोगना, यातना भोगना, रीरव भोगना ।
३२६. नरक की पीड़ा—आमनस्य,
कारणा, कृच्छ्र, ताव्यदना, तेलस्त, दु.ल,
पीड़ा, आधा, यातना, स्वथा ।

३२७. *नाग* ---काद्वययम्, पाताला, सौरसेय≀ ेदे० 'सॉप' ।

३२८ नागमाता कर के ६ पुत्र--म्रनंत, भाषराज्ञित, कवल, कडोंटक, कुलिक, पद्म, भहापद्म, वासुकि, शास । ३२६. प्रमुख = नाग (इनसे ही नागों की ८ शाग्वाएँ चलीं)—श्रनत, ककोंटक, कुलीर, तत्त्वक, पद्म, महापद्म, वामुकि, शन्त । विशेष –इन्हं 'ब्रध्टनाग' कहते हैं। ३३०. शेषनाग ---श्रनत, श्रांहराज, श्रहाश, कुधर, कुमृत, धरिग्धिर, घराधर, घरा-धरन, धराधाः, धातः, नागराच, नागेन्द्र, नागेश, नागेश्वर, पन्नगपनि, पन्नगेश, परिध, पातालौक्स, फांग्एपात, फर्या'द्र, पण श, फनिट, फनीट, मीनगान, पानिधर, बामुकी, भुजगपाल, भुजगद सूधर, भूभ-घर, मोगी, महाब्रहि, महिचर, महीघर, वामुकी, शेष, संपर्वात, सर्पराञ्च, सहसजीभ, सहस्रवं, सहसवदन, सहस्रास, सहस्रानन । ३३१. शंधनाम का स्थान - पनाल। ३३२. शेषनाग का पासाद—मणिभित्, मंश्रिम इत्।

२२६. रोषनाम की श्वी—म्बनतशार्था। १२४ रोधनाम का फरा —मार्गदाय। १२४. पाताल —म्बर्धानाक, उरमध्यान, नामलोक, निम्नलाम, पातास, पातालखंड, पातालपुरा।

३३६. ७ पाताल —('वध्गुपुरायानुसार) श्रवल, विवल, निवल, गर्भास्तमव, महा-वल, स्वल, पाताल ।

३३७. ७ पाताल — (यद्मपुराणानुसार)
श्रतल (महामाया) वितल (हाटकेस्बर
(श्रव) | स्तल (बलि) तलातल (माया)
महातल (बड़े सर्प) रसातल (दैस्य तथा
दानव) पाताल (बासुकि)।

विशेष —कोष्डकों में शासकों के नाम हैं। ३३८. = पाताल —(शिवपुराखानुसार)— तल, श्रतन, वितल, ताल, विधिपाताल, शर्कराभूमि, विजय।

३३६. पातालों में रहने वाले प्रमुख—
नाग — कर्कोटक, कालिय, कुलिक, कुहक,
तक्षक, धनजय, शख, शखचूह, सुषैन।
३४०. पातालों में रहने वाले प्रमुख
राज्ञस—पाणि, पाताल हेतु, बलि. मय, बल।
३४१. कर्कोट (मर्पराज)— कर्कोटक।
३४२. कालीनाग — कालिय, काली, महा
नाग।

३४३ बलि-पातालीवस. प्रहादपौत्र. महाबलि, विध्यावलीपति, विरोचनसुत । ३४४ बलिको स्रो-विध्यावली। ३४४. बलि की पुरी - महाबलिपुर। 38६ अमुर-ग्रभ, ग्रदेव, इद्रारि, कबुर, कुद्र, कैश्य, खपाचर, ख्याट, खंचर, तमोचर, दइत, दनुज, दानव. दितिज, दितिमृत, देव, देवशत्रु, देवारि, दैत, दैतेय, दैत्य, दैयत, ध्रुम्न, ध्वातचर, नकचर, निलावर, निशाचर, निशाटन, निशाविहार, निशिचर, निश्चर, निमाचर, नैऋति, पर्या्य, पाठ, पुष्कन, पूर्वदेव, मनुजाद, गच्चस, लवण, वज्रदष्ट्र, वलीन, श्चर, शुम्म, शुक्रशिष्य, सुरद्विष, सुरिपपु, सरवैरी।

३४७ दानव - त्रयोमुल, श्राग्ट, त्रहण, एकचक, दिवन, तावन, तुर्जय, द्विमुद्धी, धूम्रकेश, पुलोमा, विप्रचित्ति, विभावसु, विरूपास, तृष्यवी, शकुशिरा, शबर, स्वप्रोत, इयभीव।

३४८. राज्यस-श्रागर, सदेव, श्रविबुध, स्रभय, श्रसप, सन्र, सन्रसेन, साकाश-बारी, श्राशर, कव्र, कव्याद, कीयाप, तमचर, तमाचारी, तमीचर, निकाबर, निषकात्मज, निशाचर, निशाचर, निशाचर, निशाचर, नैऋत, पलाद, पलादन, पलाशी, पुष्य-जन, पुरुषाद्य, पुरुषाशी, प्रधस, मीध्म, भूत, मनुजाद, यशशत्रु, यशारि, यशद्रुह, यातु, यातुषान, यामिनीचर, रक्तमोब, रक्तप, रद्ध, रद्धस, रजनीचर, राकस, राक्षम, रात्रिचर, रात्रिचारी, रात्रिवल, रात्रिमल, रात्रिभट, रेनिचर, लबकण, विधुर, शहाद, सध्यादन।

विशेष — ऋसुर, दानव तथा राच्नस ऋब प्राय: पर्याय करूप में हा प्रयुक्त हाने हैं। १४६ राच्नसी — कौगापी, निशासरा, निशेचरा, निशिचरी, निश्चरी, दानवे. पलाशिना, पुलोमी, भूतिनी, यादुधानी, राच्छ्रसी, राजिचरा, सिहकी।

३४० भूत स्त्रामेब, जिन, जिट, तेलिया-प्रमान, पिशाच, पिमाच, प्रत, पौन, वेताल, बैताल, प्रसान।

३४८ भूतों के कुछ भेद - जिन, नेलिया-मसान, नट, जरा।

३४२ भूतिनी --चुईल, चुरइन, ।श्रांबन, -डाइन, प्रतिना, वैता'लन ।

३४३ **भूत विद्या**—श्राभहती, प्रेतिवि**द्या,** साख्यता।

३४४ भूत काड़ने वाला--श्रोकहत, श्रोका, सोखहत, साला।

३४४ भूत प्रेत की बाधा—कासब, फेर। ३४६. जहाँ भूत हो वा जिसमें भूत हो -फेरवाला, भुतहा।

३४७. भूत का**ड़**ने <mark>का स्थान---वीरा,</mark> थान, देवपरा, देवस्थान, **द्रशःकान,** स्थान। ३**४८. भूतों के स्थान—श्र**श्ममान, चौरा, डीड, धोबबटा, ब्रह्मस्थान, श्मशान, स्रतिबद्ध ।

५४६. भूत लगना—चुरइन घरना फेर पइना, फेर लगना, भूत पकड़ना, इवा लगना।

३६० भूत लगाना—टोना करना, फेर **- ड**ालना, मजान **डॉ**कना ।

३६८. भूत भाइना- - ल्रूना, जोग टाट करना, भड़ाना, भाइना-पूक्ना, भाइ-पूक करना, टोना-टोटका करना, फॅक्ना, भूत उतारना, मतर मारना, मत्र पड़ना। ३६२. टोना—कुजत्र, जादू, टोना, मूट। ३६३. टोना करना— टिंग्ट लगाना, नज़र लगाना, मूठ चलाना।

३६४. टोना करने वाली की — टार्नाहन।
३६४. रिवकुल — रिवश, सूर्यवश।
३६६. राम — अवधेश, किपरथ. कमल
नयन, कमलाकात, काकुत्स्थ. खरारि,
ताइकारि, तिरलाकानाथ, त्रिलोकनाथ,
िवलोकपान, त्रिलोकीनाथ, दशकटजहा,
दशकटारि, दशस्यसुत, दाशस्थ, दाशस्थ,
माधव, रघुनद, रघुनदन, रघुनाथ, रधुनाथक, रघुपति, रघुराई, रघुराज, रघुरान,
रघुत्रा, रघुवशकुमार, रघुवर, रघुवार,
रघुत्रा, रघुवशकुमार, रघुवर, रघुवार,
रघुत्रा, रघुवशकुमार, रघुवर, रघुवार,
रघुत्रा, स्वार्थ, राधव, रामचंद्र, राममद,
रावशानि, लकारि, वीरराधव, आपति,
सत्यसघ, सीतानाथ, सातापित, सातारमण,
सीतारकन, सीतानाय, सीतावर, सीताबस्लम, सुमीवेश, सुवादुश्व, हरि।

रे६७ कीता-उर्वाचा, यनकबुलारी, यनक नेदिनी, यनकमी, यनकपुत्री, यनकारमञा, या, यानकी, घरणीसुता, घरात्मञा, पुराय- श्लोका, भूतनया, भूपुत्रा, भूमिख, भूमिखा, भूमिसंभवा, भृमितुता, भूमृता, भौमो, मैश्यिली, योजनगचा, योजनगचिका, राम-थिया, रमा, लच्मा,ला-क्की, वैदेही, सन्या। ३६८. दशर्थ - ऋत्धेश. कौशलपति, दशर्थ. दशस्यंदन, दिगम्यन्दन, पक्तिरथ, रसुवशमाग्, शब्दवेधी।

३६६ कीशल्या --- काशस्य की शल्या. - कीमल्या, कॉमिस्यः ।

२७०. लदमगा — क्रमत, ब्रहोश, विमात्र, रामातुत्र, तत्वम, तन्ध्रिमन, तन्ध्रुपन, तन्धु-मगा, शेष, मौमित्र ।

३७१. लहमण् की स्ता -- उमिना।
३७२. लहमण् के पुन -- त्रंगट चद्रकेत्।
३७३. भरत - केनेबीसुन, माडव पति।
३७४. भरत की सा-- कुशध्वजकुमण,
माडवः।

३७४. शत्रुष्ठ — ऋरिदमन, ऋरिमर्दन, इतरहन, ऋरहा, तरपुदमन, रिपुस्दन, लवणातक, शत्रुषन, शत्रुदमन, शत्रुमदन, शत्रुहता, शत्रुदन।

३७६, शत्रुव्र की श्री-अतर्वाति । ५००. सुमित्रा - भिना ।

३७८ केंक्यां —ग्रहतातस्ता, करहे, केंक्यकुमार'।

२७६ जनक - तिर्हतरान, मिथिलेश, राजवि, विदेह, विवेकिनिया

३८० हतुमान-भ्रभनानद, त्रभनोकुमार, भ्रजनीनद, श्रजनीपुत्र, श्रजनीमुत, श्रव्हरंत, श्राजनेय, कविकेशरा, कवाश, निरबीबी, जितेन्द्रिय, पवनकुमार, पवनज, पवनतनय, पवननंदन, पवनपुत्र, पवनपूत, पवनसुत, पवनास्थ, प्रभवनवात, पावनि, वकट, बबरंगवली, बजागी, महत्वान, महावीर, माहत, माहति, योगचर, रजतचुति, रामदास, रामदूत, रामभक्त, लॉगडो, बज्जककट, बरिष्ठ, बातपुत्र, बातात्मज, बानरेन्द्र, बायुपुत्र, विक्रम, हन्मान, हरीश, हनिवंत, हनुवत।

३८१. ऋजनी — ऋजना, ऋजनि, केशरी-िषय।

३=२. बालि —ताराविष, ताराधीश, तारा-नाथ, तारापति ।

३८३. ऋंगद - तारेय, भुजवध ।

४८४. जामवत—ऋक्पति, ऋक्राज, जांबवान, जाबुवान, जामवान, भालूनाथ, रोख्राज।

३६४. सुर्माव — ऋर्कज, ताराधिप, तारा भीश, तारानाथ, तारापति, दिनेशात्मज, रिवतनय, रावनंदन, रिवपूत, रिवसुत्रन, वानरेद्र, इरोश।

३८६. विभीषणा—निशिचरराज, लंक-नाय, लकनायक, लंकपति, लंकेश।

३८•. कागभुशुडि — कागभुशुडी, भुशुडि, भुशुरडा ।

रेपप्. शवरी—भीलनी, भिलनी, शवरी, सबरी ;

३८८. श्रहल्या-श्रीहल्या, गौतमी ।

देश्वः राष्या — कुभीनस, कृतिकर, निशाचरपति, दनुजेश, दशकठ, दशकघ, दशकघ, दशकघ, दशम्य, दशमुख, दशमील, दशबदन, दशशिर, दशशीर्ष, दशशीर्ष, दशशीर्ष, दशशीर्ष, दशशीर्ष, दशशीर्ष, दशहीर्ष, दस्तिम्वेत, द्याद्व, राज्ञान्स्स, राज्ञान्स, राज्ञान्म, राज्ञान्स, राज्ञान्य, राज्ञान्स, राज्ञान्स,

लक्ताथ, लक्ताथक, लकापति, लकाचि-पति, लकापति, लकेश, लंकेश्वर, बिशति-बाहु । ३६१. मन्दोद्दी -- मदोवै, मयसुता । ३६२. केशिनी (रावण की माता)---कैक्शो । ३६३. मेघनाद—इद्रजित, मधवाजित, मघवारिषु, मेघनाथ, शकारि। ३६४. अवयकुमार-अच, अवकुमार, श्रन्छ, ग्रन्छ्यकुमार। ३६४. त्रिजटा—धर्मज्ञ। ३६६. ताङ्का--ताङ्का, ताङ्का ३६७. मारीच –ताइकेय, मारीच । ३६८. शूर्पेगाखा-पौलम्त्यी, शूपनेखिया, शूपेनला, सूर्यनला, सूर्पनला। ३६६. ऋष्या - श्रारिकेशी, श्रहिजिन, कर्षया, कसारि, कन्हेया, कन्हाइ, कमलनयन, कमलाकात, कात, कॉधर, कान्हा, कान्ह, कामपाल, कशव, खरध्वसी, खरारि, खरागे, गरुड़गामा, गरुड़ाचन, गिरिधर, गिरिधरन गिरिधारन, गिरिधारी, गोपति, गोपाज, गोपीनाथ, गोपेन्द्र, गोलोकेश, गाविंद, गौरांग, धनश्याम, चक्रघर, चक्रधारी ,चक्र-पाणि, जनार्दन, बदुपति, जदुपाल, बदुराई, जदुराज, जदुराय, जदुवर, बदुवीर, बादवपति, बोगेश्वर, तुंगोश, त्रिलोकनाथ, त्रिलोकपति, त्रिलोकीनाथ, देवकोनन्दन, देवकीपुत्र, द्वारकाधाश, द्वारकानाथ, धर, नदकिशोर, नटकुमार, नदनद, नदनदन, नंदनज, नदलाल, नदालज, नस्त्राण, नवनीत, नवलक्शोर, पाडवायन, पीतवास, पीताबर, पुरुषीतम, पृश्निगर्भ, पृश्निभद्र, बशीधर, बनमाली, बनवारी, बलबीर, बासदेव, बाहरजामी, ब्रह्म-वैवर्क्त, भगवान, मदनगोपाल, मदनमोहन, मधुर्पात, मधुसूदन, मनमोहन, महरेटा, माधव, माधो, मुक्दं, मुरदर, मुरमर्दन, मरलोघर, मुरलीमनोहर, भरहा, मरहारी, मुरारि, मुरारी, मोहन, मोइनम्ब्र, यजनेभि, यज्ञालिंग, यदुनन्दन, यदुनाज, यदुपति, बदुभूष, यदुराई, यदुराब, यदुराय, यदुवशमिषा, यदुवर, यदुवीर, यदूत्तम, यवनारि, यादव, यादवश, योगीन्द्र, वोगेश्वर, रसिकबिहारी, रसेस, राघारमण, लद्मापति, राधावल्डम, राधाकात, लालमन, लीलापुरुषोत्तम, वशाधर, वक-जान, बासुदेव, विभुमा, विहास, बृन्दा-वनेश्वर, वर्ष, वृष्णि, वजराज, ब्रजमीहन, व्रजलाल, व्रजवल्लभ, व्रजस्पति, व्रजेन्द्र, वनेश्वर, वासुदेव, शकटारि, शखधर, शतानंद, शिखंडी, शिशुमार, श्यामसुन्दर, श्रीकृष्ण, श्रीदाम. श्रापति, संवितया, सावले, सारवत, सारग, सुब्रहा, स्रवाता, सुराध्यत्त, सुरेश, सुरेश, मेतुप्रद, सोगोद्धध, हृषों रेश।

४००. राधा - किर्तिकशोरी, कारतिकुमारा, राधिका, रामा, अजरानी, वृन्दावनेश्वरी, वृषभानुजा,वृषमानुनन्दनी,श्यामा,श्रीमतो, सुरेश्वरो, इरिप्रिया ।

४०१.क्रिक्सणी-भीष्मकसृता विदर्भकुमारी । ४०२. कक्मिणी का पुत्र-प्रशुम्न, दे० 'कामदेव'।

४०३. श्वानिरुद्ध उषापति, ऋध्यकेतु, ऋषाक।

४०४ **ग्रानिरुद्ध की स्त्री**—डवा, ऊषा, त्रातिनुषा। ४०**४. स्रनिरुद्ध का पुत्र—श्र**नि**रुद्ध**सुत, वज्र।

४०६. वसुदेव — श्रानकद्दुभि । ४०७. वसुदेव को स्वी — श्रदिति, कष्ण-जननी, देवकम्ता, देवकी, पृश्नी । ४०८. नद - गोपनाथ, गोपराय । ४०६. यशोदा — जसुमित, नंदरानी, महरि, यसुदा ।

४१०. बलराम — श्रम्युनाग्रज, श्रहीश, एककंडल, कामपाल, कार्लिटा मेदन, खरारि,
खरारा, तालंक्न, तालध्यक, तालध्यकी,
तानलक्ष्ण, तानाक, टाऊ, चल, बलटाऊ,
बलदेव, बलबीर, बलमद्र, मद्रबल्लम,
भद्राग, मुसली, मूशलपाणिक, यमुनाभिद,
राम, रुक्मिटपे, हिन्पदारी, रेवतारमण,
रेवतीरमन, गैहिणेय, लागलध्वज, लागली,
शेप, सकर्षण, सर्वर्चक, सर्वर्चकी, मात्वत,
सीताधर, सारपाणि, सौनटी, इलदेव,
इलघर, हलायुध, हली।

४११ कुता वाडुप्रिया, पाष्सी, पृथा। ४१२. पांडव--पडव, पंडवा, पांडवेय, पाडुपुत्र

४१३. ४ पाड्य - युधिष्ठिर, श्रर्जुन, भीम, नकुल, सहदेव ।

४१४ युधिष्टिर- श्रजातशत्र, कक, दुःबः राय, कोत्य, जय. धमपुत्र, धर्मराइ, धर्मराज, धमगय, धनीवतार, पुर्यश्लोक, मुजातरिषु ।

४१४ युधिन्ठिर की स्त्री-दिवका (महा भारतानुमार,) यौधेयो (विष्सु पुराणा-नुसर)।

४१६. युधिब्ठिर का पुत्र-यौधेय (महा-

भारतानुसार), देवक (विष्णु पुराणानुसार) दें • 'द्रौपदी'।

४१७. द्रार्जुन — ऐंद्र, किप्ध्वज, किप्स्य, क्णिरि, किरीट, इन्ण, इन्ण्सम्बा, कीनेय, गाडीव', गाडीवयन्वा, गाडीवपर, गुडाकेया, चित्रयोधी, जिन्णु, तपस्य, धन जय, धन्वी, नर, पाइनंदन, पाकशासिन पार्थ, फल्गुन, भारयमपाडव, राधामेदो, बासवी, विजय, बिमत्म, बृहस्रल, बृहस्रला, विपुलस्कध, शाबर, शहदवेधी, शिवभल्ल, श्वेतवाहन, सञ्यचारी, सत्य-साचि, सन्यनाची, सिततुरग, सितबाजी, सितः १३, सुतर, सेतयाह, हिस्मुत ।

४१८. द्रौपदी—ं(पॉचा पाडवों को स्त्रों)
कृष्णासखी, कृष्णा, द्रुपदमुता, द्रोपती,
द्रोपदा, द्रौपती, नरनारि, निर्तयौधनी,
निरययौधना, पचधव, पंचालकुमारी,
पाचामी, पाचाली, परश्रती, पार्षती,
पुरुपक्षाका, यक्तसेनी, वेदिजा, सत्यसधा,
नेरश्रा, सीरिंश्री।

४१६. पॉचो पाडनों से द्रौपदी के पॉच पुत्र-प्रतिकिथ्य (युधिब्टिर), श्रुतशोम (भाम), श्रुतकार्ति (श्रुर्जुन), शतानिक (नकुल), श्रुतकपन् (सहदेव)।

४१६. त्रा. द्रुपद — द्रुपत, यक्तमेन ।
४१६. त्रा. सुभग्ना — (त्रजुन का स्त्रा तथा
श्रिमिनन्य को गाता) त्रजुनी, इष्णवासी,
पीत्रा, वस्त्रवयुमारी, सुनन्स ।
४२० त्र्यांभमन्त्र — त्र्यानिनन्यू, पाण्डु,
गार्थनन्दन, सुभद्रामुत, सीभद्र ।
४२१ उत्तरा — उत्तरस्वसा, विराटकुमारी ।
४२२. उत्तरा का पुत्र — परीवित ।

४२३, उल्रुपी—कौरव्यस्ता, नागकन्या, नागकुमारो।

४२४. उल्लूपी के पुत्र — हरावत, बश्चाहन।
४२४. भीमसेन — जयत, पवनकुमार,
पवनज, पवननदन, प्रवनपुत्र, पवनपूत,
पवनात्मज, पवनतनय, पवननद, पवनसुत,
पृष्टश्याी, बाहुशाली, भीम, भीमा, भीमू,
भीव, भीष्म, मास्त, मास्ति, वायुपुत्र,
बश्जीत, बातपुत्र, वृकोदर।
४२६. भीम की श्रियाँ श्रीर उनसे
उत्पनन पुत्र — द्रीपदी — श्रतशोम ;

उर्दः साम का ान्त्रया आर उपस उत्पन्न पुत्र—द्रौपदी—श्रुतशोम ; हिडिबा—घटोत्कच ; बलघरा— सरवग । दे० 'द्रोपदी' ।

४२७. नकुल - श्रश्वनाकुमारक, तत्रिपाल, बाहुक, माद्रिज !

४२८. नकुल की स्त्री-करेणुमात, चिदि-कुमारो।

४२६. नकुल का पुत्र — निरमित्र । ४३०. सहदेव — श्रश्विनीकुमारज, माहिजा, लवुवाडव

४२१. सहदेव की म्त्री—विजया। ४२२. सहदेव का पुत्र—नुहोत्र श्रुत-कमन्।

४३३. सःयवती — कालागनी, गणकालिका, गणकाली, गणवती, मस्मादी, दासनिनी, दासनिनी, मण्छातरी, मस्यगणा, योजनगणा । ४३४. भीषम — कौणपटड, गगापुत्र, गगा-सुन, गंगेय, गगायिन, गगा, गागेय, तालकेत्, तालण्यत्र, देवल्य, पितामइ, पुरावस, भोष्मिपतामइ, भीसम, शान्तनु-सुत, सतनुमृत, सरितसुत, स्वेष्द्रामृत्यु । ४३४ श्वतराष्ट्र—श्रंविकेय, श्रांविकेय।

४३६. दुर्योधन—कौरवपति, कौरवेश, सुयोधन।

४३७. दुसला—कौरवभगिनो, दुःशला, दुःसला, दुसला।

४३८ कर्ग्य — ग्रंगराट्, ग्रंगाघिपति, श्रिष-रिथ, श्रर्कंज, श्रर्कनदन, करण, कानीन, गोपुत्र, षटोत्कचांतक, चंपाघिप, चाम्पेश, दिनेशात्मज, राघासुत, रावेय, वसुषेण, वैकर्तन, स्तपुत्र, सूर्यसुत।

४३६. जयद्रथ--तंत्रिपालक ।

४४०. द्रोसाचार्य-कुंभज, कुंभजात, कुटज, भारद्वाज ।

४४१. श्रश्वत्थामा—चिरजीवी, द्रोणि, द्रोणायन, द्रोणायनि, द्रौणि।

४४२. जरासंघ —जरापुष्ट, जरायिण, जरा-सुत ।

४४३. **कंस** —कंसासुर, कलांकुर ।

४४४. परशुराम—कुठारपाणि. च्तातक, स्वद्यरशु, जामदम्य, नृपद्रोही, परशुधर, पशुर्पाणि, पशुराम, ब्रह्मराशि, भार्गव, शृगु, शृगुनंद, शृगुनंदन, स्गुनाय, शृगुलायक, भृगुपति, शृगुमुख्य, भृगुराम, यामदिष्ठ, राम, रेग्रुकात्मज ।

४४४ रेगुका—(परशुराम की माता) कोक्स, कोक्सवती।

४४६. कच्छप—(श्रवतार) कहुआ, कह्न, कमट, कूर्म, गृश, चतुर्गीत, जल-गुरुम, दोलेय, जीवय, पंचगुप्त, पचनख, पंचांमगुप्त, पीवर ।

४४०. युद्ध-धित, श्रक्तंधु, श्रद्धयवादी, श्रद्ध, श्रद्धत, श्रार्थ, क्रव्या, कुलिशासन, सदम, गौतम, बगतीधर, वितारि, विन, समकार, या, त, तथागत, तथाराव, पर---३ तमोध्न, त्रिकाम, त्रिशरण, दम, दयाकूर्च, दशपारमिताधूर, दशबल, दशभूमिग, दशभूमोश, दशाद, दशाहि, दादशाच, वर्मकेतु, धर्मचक, धर्मज, धर्मधातु, धर्म-प्रभास, धर्मप्रवचन, धर्मराज, नदीदत्त, नागाभिम्, नागार्जन, निशुभी, पद्मगर्म, पद्मयोनि, पुष्कल, बलासम, बहुरूप, भगवत भगवान्, भगवान, भिन्नक, भीष्पस्वरराज, महाबोधि, महामैत्र, महावीर, मायादेवीसुत, मारजित, मुनि, मुनींद्र, मुनीश, मुनीश्वर, मिणिभभू, मायासुत, रत्नकोर्त्ति, रत्नकेतु, लोकजित, लोकज्येष्ठ, लोकनाय, लोक-प्रदीप, लोकाधिप, वक्री, वज्रक्षपाली, वज्रसत्व, वज्रसूर्य, बागाशनि, विगतोद्धव, विनाशक, विपशो, विपश्यी विश्वंतर, विश्वबोध, विस्तीर्ग्यमेद, व्योमाभ, षडभिज्ञ, शाक्यनुनि, शाक्यसिह,शास्ता,श्रीघन,सगुप्त, सत्यकेतु, समतप्रभास, समतभद्र, समकर्षा, सम्यक्रमबोध, सरल, सरोजी, सर्वज्ञ, सर्वार्थ, सिद्ध, 'सेद्धार्थ, सुस्तावतीश्वर, सुगत, सुगत-देव, सुषोष, सुचेष्टरूप, सुधावर्षी, सुभा-षित, सुमनोज्ञत्रोष, सोमसिद्धान्त, स्थित-बुद्धिदत्त, इर्षुल, हेम, हेरंब।

४४=. कल्कि — कलकी, किकन्।
४४६. ऋषि — वसर्षि, मचदाता, मंचद्रध्या,
मनीषी, महर्षि, मुनि, स्ककार, स्कद्रध्या।
४४०. कश्यप — तृब, तार्च, भूताकुंश।
४४१. कश्यय की १३ पत्नियाँ — ऋदिति
(दचाययी), ऋरिध्या, हरा, हला, कद्रु,
कोषा, ताम्रा, दनु, दिति, प्रधा, मुनि,
बिनता, स्वसा।

विशेष--- कुछ मतों से ये १७ तथा कुछ मतों से ७ वीं। ४५२. दधीच—दघीचि, दध्यंच । ४४३. शुक्राचार्य—ग्रश्वपति, श्रादिनावँ, एकाच, कवि, कविपुत्र, काव्य, दैत्यगुरू, मावमव, श्वेत, षोडसाशु ।

४४४. शुक्राचार्य की स्त्री—शतपर्वा, शुषमा।

४४४. श्रात्रि-प्रभावकर ।

४४६. श्रमि के पुत्र—दुर्वासा, दे० 'दुर्वासा'।

४४७. श्रनुसूया—श्रित्रिया, श्रनुसुर्या, श्रनुस्य, प्रभाकरिपया ।

४४८. चंद्रमाऋषि—श्रक्तिनेत्रज ।

४४६. दुर्वासा -श्रितिज, स्रत्रेय, स्रात्रेय, कुशारिण ।

४६०. वाल्मीकि—म्रादिकवि, कुशो, कुशोलव, प्राचेतस्, बाल्मीक, मैत्रावरिश, बल्मीकोद्भव।

४६१. व्यास — कानीना, कृष्ण, कृष्ण-द्वैपायन, गागेय, द्वैपायन, पराशरसुत, पाराशर, पाराशर्य, पाराशरीर, पानन, व्यास, वेदव्यास, शाश्वतस, सत्यवतीसुत, [पुराणा के श्रमुसार विष्णु के श्रवतार के रूप में २८ व्यास हो सुके हैं।]

४६२. ऋंगीऋषि—मृगज, विभाडसुत, शांताघव, ऋंगी।

४६३. नारद-किपिवक्त्र, कलप्रिय, कालि-कारक, कलिप्रिय, जगद्गुरु, देवसुनि, देवक्ष, देवश्रुत, देविष, पिशुन, ब्रह्मपुत्र, ब्रह्मस्

४६४. श्रास्त्व—श्रास्त, श्रगस्ति, श्रगस्ती, श्रिमादति, श्रौर्वरोय, कलशिसुत, कुम्भव, कुंभजात, कुम्भयोनि, कुम्भसंभव, कूटज, घटज, घटयोनि, घटसंमव, घटोन्सव, पोताब्धि, मैत्रावरका, याम्य, विध्यक्ट, समुद्रचुकुक, सिन्धुशासनि ।

४६४. श्रमस्त्य की स्त्री -कौशोतकी, कोपामुद्रा, वरप्रदा ।

४६६. विश्वामित्र—कौशिक, गाधिब, गाधिनदन, गाधिसूनु, गाधेय, पौरव, राजिषि ।

४६७. वशिष्ठ — कुम्मज, कुम्भजात, ब्रश्स-पुत्र, ब्रह्मर्षि, ब्रह्मसू, वैरचि ।

४६८. दत्तात्रं य-- श्रविज, श्रवेय ।

४६६. भुव--श्रीतानपादि, प्रहाधार ।

४७० त्रिशंकु-वेधस्, सत्यवत ।

४७१. श्रजामिल—श्रजामील, द्विजवधु १ ४७२. जैनी -- जैनावलंबी १

४७३. जैनधर्म की दो शाखाएँ—दिगंबर, श्वेतावर।

४७४. बिनावस्त्र का सन्यासी—दिसंबर, नागा, वस्त्ररहित, वस्त्रहीन, विनिमोक !

४७५. जैनधर्म के ४ महाज्ञत— श्रपरिग्रह, श्रस्तेय, श्रहिंसा, ब्रह्मचर्य, सत्य!

इन सभी को अनुक्रमणी में देखकर यथा स्थान देखिये।

४७६. लैनियों के देवों के ४ प्रकार— अनुत्तर (५), कल्पातीत (६), ग्रैवेयक, वैमानिक या कल्पभव (१२)।

४००. १२ वैमानिक देवता—श्रंतक, श्रन्युत, श्रारण, ईशान, नत, प्राण्त, ब्रह्मा, माहेंद्र, शुक्र, सनस्कुभार, सद्दस्तर, सौधर्म।

४७८. जैनागमों के दो काल--

४०६. उत्सर्पिणी काल के तीर्थंकर— श्रतीत चौनोसी, तोर्थंकर।

४८०. अतीत चौबीसी—श्री निर्वाण, सागर, महासाधु, विमलप्रभु, श्रीघर, सुदस, श्रमलप्रभु, ठडर, श्रीगर, सन्मति, सिंधुनाथ, कुसमाजलि, शिवगण, उत्साह, जानेश्वर, परमेश्वर, विमलेश्वर, यशोधर, कृष्णमात, ज्ञानमति, श्रीदमित, श्रीभद्र, श्रतिक्रम, शांति।

४८१. अवसर्पिणी काल के तीर्थंकर— तीर्थंकर, वर्तमान चौबीसा ।

४२२. वर्तमान चौबीसी - ऋषभदेव, श्रिकताय, सभवनाय, श्रिमनदननाथ, सुमितनाथ, पद्मप्रम, सुपाश्वेनाथ, चन्द्र-प्रम, पुष्पदेत, श्रोतलानाथ, श्रेयासनाथ, बासुपूज्य, विमलनाथ, श्रनंतनाथ, धर्म-नाथ, श्रातिनाथ, कुन्धुनाथ, श्ररनाथ, महिलनाथ, मुनिसुवतनाथ, निमनाथ, नेमिनाथ, पाश्वेनाथ, महावीर।

४८३. श्वनागत चौबीसी—(भविष्य में होने वाले तीर्थाकर), श्रो महापद्म, सुरदेव, सुपार्व, स्वयंप्रभु, सर्वात्ममूत, श्रीदेव, कुलपुत्रदेव, उदंकदेव, प्रोष्टिलदेव, अयक्षीति, मुनिसुब्रत, श्वरह निष्पाप, निःकषाय, विपुल, निर्मल, व्वत्रगुप्त, स्वयम्, श्वनिवृत्त, जवनाय, श्रो विमल, देवपाल, श्वंतवीर्य।

४८४. महाबीर - जिन, जिनेःद्र, ज्ञातपुत्र, नायपुत्र, भगवान महावीर, महाजिन, वर्दमान ।

४८४. ऋषभदेख — मादिनाथ । ४८६. जैनॉ के दो प्रकार के तीर्थ — मतिशय चेम, विद्ध चेत्र । ४८ . प्रधान श्रातिशय चेत्र-श्रहार, कंपिल, कौशांबी, कुंडलपुर, खजुराहो, चदेरी, देवगढ़, प्योरा, प्या, बन्नरगगढ़, बालाबेंट।

४५५. प्रधान सिद्ध चेत्र—गिरिनार, चपापुर, द्रोगिगिर, पालीदाना, पानापुर, सोनगिरि।

४८६. बीद्ध-बौद्ध धर्मावलबी, बौद्धा-वलबी।

४६०. बीद्ध धम के २ प्रधान संप्र-दाय — महायान, इन्नयान ।

४६१. बौद्ध धर्म के ४ आर्थ सत्य— दुःख, दुःखसमुदय, दुखनिरोघ, दुख-निरोघ गामिनो प्रतिपदा।

४६२. बौद्ध धर्म के कुछ देवता
(दिव्यवदान ग्रंथ के श्रनुसार)—
श्रकनिष्ठ, श्रतप, श्रनभक, श्रप्रमाण श्रुम,
श्रप्रमाणाभ, श्रवृह, श्राभास्वर, चातुरमहाराजिक, तुःषत, निर्माणरित, परिनिर्मितवश्वर्ती, परीचश्रुम, परोत्ताम, पुर्यप्रसव, बृहर्फल, श्रुभकृत्नन, सुदर्श।

४६३. बुद्ध भगवान--दे ॰'बुद्ध'। ४६४. यशोधरा--गोपा । ४६४. बुद्ध-पुत्र - सहुल ।

४६६. प्राचीन काल के २४ बुद्धों में प्रधान — दीपकर, कौरिडन्य. मंगल, मुमना, रेवत, शोभित, श्रमोभदर्शी, पद्म, नारद पद्मोचर, सुमेच सुबात, प्रियदर्शी, श्रष्टदर्शी।

४६७. बौद्ध धर्म के इन्छ प्रसिद्ध तीर्थ-कुशीनगर, बण्धगया, लुंबिनी-बाग, सारनाथ। ४६८. बोधिवृत्त-परिमोग चैत्य, बोधि-द्रुम।

४६६. पगोडा (बौद्ध मन्दिर) गया। ४००. ईसाई — किस्तान, ईसामतावलंगी, खच्टोय, नसरानी, मसीही।

४०१. ईसाइयों के प्रधान संप्रदाय— श्रमंनी, जस्ट, नेस्टोरी, प्रोटेस्टेंट, याकूबी या जाकोबाइट, रोमनकैथोलिक, सिरियक। ४०२. ईसा—ईसामसीइ, काइस्ट, खुदा का बेटा, मसीहा, योश्रखुष्ट।

४०३. गिरिजा (ईसाइयों का मन्दिर)—गिरजाधर, चर्च ।

४०४. ईसाइयों के तीर्थ स्थल — श्रांतियोक, श्रलक बद्रिया, श्रायेन्स, इक्रेसास, कोरिय, जेंबसलम, रोम, स्मिरना।

४०४. मुसलमान — इस्लाम, जवन, तुर्क, मुसलमीन, यवन (इस शब्द का यथार्थ आर्थ प्रोक होता है पर इसका तथा जवन का प्रयोग लोग मुसलमाना के लिए भी करते हैं।)

५०६. मुसलमानों के सम्प्रदाय—जार्जी, शिया, दुनी ।

४०. इस्लाम धर्म के ४ वसूल—ईमान, नमान, रोना, नकात, इज।

४०८. नमाज--सलात, सिजदा।

४०६. ४ प्रधान नमार्ज-फिनर (प्रातः), नुहर (दोपहर), इस १ त्रपराह्म), मर्जरन (शाम), एशा (रात)।

४१०. कुछ और नमाज—नमान जुमा, नमान ईद, नमान बकरीद, नमान कुस्फ़ (स्यं महण की), नमान खुस्फ़ (चंद्र महस्य की), सलादुलहर्व (लड़ाई की नमाज़), नमाजे चाश्त (१० बजे की) नमाज़े इशराकर।

४११. मसजिद-ईदगाह, नमानलाना, मसीत, मसीद, मस्जिद, महजीद।

४१२. मकवरा— १मामबाहा, का, का, का, का,

४१३. नमाज पढ़ना—भुकना, सिबदा करना।

४१४. अजान---बॉग ।

४१४. रोजा--सोम।

४१६. जकात—. खैरात, दान।

४१७. मुसलमानों की तीर्थ यात्रा-

४१८. मुसलमानों के प्रधान तीर्थ-श्रजमेर, जेरसलम, मक्का, मदीना।

४१६. जेरुसलम—बैतुल पुक्रद्स ।

४२०. मदीना—मर्दाना मुब्बरा ।

४२१. मक्का-काबा, खाने काबा, बैतुस हराम, मक्के मोश्रज़नमा '

४२२. खुदा -- श्रल्ला, श्रल्लाइ, श्र**लाइ**-ताला, इलाहो, करोम, ख़ालिक, ग्रफूर, परवरदिगार, रज़्जाक, रहमान, रहीम, सत्तार, हन्दी।

४२३. पैरांबर--देवदूत, नवी, रस्ल ।

४२४. मुहस्मद--- बमोल, पैग़बर, महसूद, रस्ल, शक्षी, इजरत, हामिद

४२४. ४ खलीका (गुहम्मद के ४ सहाबा)—हनरत अबूबक विद्योकी, इनरत उमर फ़ारक, इनरत उसमान ग्रानी, इनरत अली गुर्तुना।

४२६. १२ इमाम (शिया सन्प्रदाख के ,—श्रली, इसन, दुसेन, वैन-उल्-श्राविदीन् , मुहम्मद वाश्वर, बाप्तर साहिक,

मुखा क्राक़िम, मुहम्मद तकी, ऋली नकी, दुसेन ऋरकरी, महदो, ऋलो मूसारबा। ४२७. ४ इमाम (सुन्नी सम्प्रदाय के)--इनीफ, मालिक, श्राफ़ी, इनवल । ४२८. ४ खास फंरिश्ते -- विज्ञील, मीका-इल (इद्र), इस्राफील (शकर), इजरा-इस (यम)। ४२६ शैतान---श्रजाजील, इवतीस । ४३०. जन्नत (मुसलमानों का स्वर्ग)---नईम, बहिश्त, विहिश्त। विलोम-दे॰ 'दोज्ल'। ४३१. जन्नत और दोजस्य के बीच का र्रजा - आराफ। ४३२. दोजख (मुसलमानों का नरक)— बहत्नुम, बहोम, नार, सक्रर। विलोम-दे॰ 'जन्नत'। ४३३. गुमलमानी भूत-चिन, शैतान, दे॰ 'भूत'। ४३४. हिन्दुओं के धार्मिक प्रंथ-शास्त्र बागम, ग्रथ, जान, विज्ञान, विद्या, शास्त्र । ४३४. हिन्दूशास्त्र — उपवेद, दर्शन, धर्म-शास्त्र, पुराख, वंद, वंदाग । ४३६. **शास्त्रवित** —श्रतवर्कागि, पडित, शास्त्रज्ञ, शास्त्रज्ञाता, शास्त्र वेत्ता । ४३७. शासीय--शस्त्रीक । **४३८ वेद--**द्यागम, श्राम्नाय, छढ, त्रयी, धर्ममूल, निगम, प्रवचन, ब्रह्म, बेद, भुति । **४०६. वेदिक भाषा—छ**न, **बां**दर, वेदभाषा, वैदिक संस्कृत । ४४. वेदोक-नेदविहत, नेदसम्मन, वेशानुकुल । ४४१. वेदमंत्र—धर्, ऋचा ।

४४२. वेदपाठी — झादस, वेदपाठी, वेदा-ध्यायो, वैदिक, भोत्रिय, भोत्रो । ५४३. त्रयी या वेदत्रयी—ऋक्, सम,ै यबु: । ४४४. ४ वेद - श्रयर्वणवेद, यबुर्वेद, सामवेद, । ५४४ वंदों के ४ भाग-सहिता, ब्राह्मण, श्रारएयक, उपनिषद् । ५४६. ४ संहिताएँ--ऋक् संहता, यजुःसहिता, सामसहिता, ग्रथ्वंसहिता। ५४७. ऋग्वेद की शास्त्राऍ - श्राश्वलायन, माह्कायन, बाष्कल, शासायन, शाकल । ४४८. यजुर्वेद की शाखाएँ—काष्क, कपिष्ठल-कठ, मैत्रायणी, तैलिरीय, वाब-सनेत्रि । ५४८. श्र. यजुर्वेद के २ प्रधान भेद-कृष्ण यबुर्वेद, शुक्लयबुर्वेद । ५४६. रुध्ए यजुर्वेद की शाखाएँ— बट, कठ-कापिष्ठल, मैत्रायगो, तैषिरीयशाला । ४४०. शुक्ल यजुर्वेद की शासाएँ— माध्यदिन शाला, काड शाला। विशोष - यबुर्वेद की शासाओं की पूरी सस्या ८६ है । उत्पर केवस प्रधान शासामा का उस्लेख है। ४४१. मामबेद की शाखएँ---कौयुम, राखायनीय, बैमिनीय । ४४४. सामगान - उदगीय। ४६६ श्रवर्षवेद क शासाएँ-पिष-लाद, शीनकः। ४४४. प्रधान बाह्यस प्रंच -- ऐतरेव (ऋग्वद), कौषीतकि वा संस्थावन (भाग्वेद), तारका या पंचविश्व (साम-वेद), पश्वेश (सामवेद), तैत्तिरोव (कृष्ण बजुर्वेद), शतपथ (शुक्त यजुर्वेद), गोपथ (श्रथर्ववेद)।

५.५.६ **वेदांग** — करूप, छद, ज्योतिष, निरुक्त, व्याकरण, शिद्धा ।

४४६ उपवेद — अर्थवेद (अर्थवेद का), आयुर्वेद (अर्थवेद का), गंधवेवेद (सायुर्वेद का), गंधवेवेद (सायुर्वेद का)। ४४७. प्रस्थान अर्थो — उपनिषद्, ब्रह्ममूत्र, भगवद् गीता।

४५८. प्रसिद्ध १०८ उपनिषद्—श्रव्, अव्मालिका, अथर्वशिद्धा, अपर्वशिर, श्रद्ध्य, श्रध्यात्म, श्रज्ञपूर्या, श्रमृतनाद, श्रमुतर्विद, श्रवधूत, श्रव्यक्त, श्रात्मबोध, श्रात्मा, त्राविंग, ईश, ऋच, एकाचर, एतरेथ, कड, कडब्द्र, कलिसंतरण, कालाग्निस्द्र, कुंडिका, कृष्ण, केन, कैवल्य, कौषितका, चुनिक, गण्यति, गर्भ. गाइड, गोपालतापनी, चूडा, छांटोग्य, बालदर्शन, जावाल, बावालि, नारसार, तापनी, दुरीयातीत, तेजोबिंद, तैत्तिरीय, त्रिपुरा, त्रिपुरातापन, त्रिशिखा, दिच्यामूर्ति, द्त्रात्रेय, देवो, ध्यानर्विदु, नादविदु, नारायण, निरालंब, निर्वाण, पंचबद्धा, परब्रह्म, परवहंस, परिब्राजक, परिब्राज, र्पेंगल, पाशुपत, **प्रा**गाग्नि प्रश्न, होत्र, ब्रह्म, भस्मजावाल, भावना, भिद्धु, मङ्क, मंत्रिक, महत, महानारायण, महावाक्य, माङ्क्य, मुंड, मुक्तिका, मुद्गल, मैत्रायखी, मैत्रेयी, याजवल्क्य, योगकडली, योगतत्त्व, योगशिखा, रहस्य, रामतापन, रामरहस्य, रुद्राच्, वष्ट्रव्चि,वराह,वासुदेव, विद्या, बृहज्बावाल, बृहदारएयक, शरम, शांडिह्य, शाट्यायनी, शारीर, श्वेताश्वर,

संन्यास, सरस्वती रहस्य, सर्वसार, सीता, सुवाल, सूर्य, सौभाग्य, स्कंद, इंस, इसप्रीय, हृदय, सावित्री।

विशोष—इन १०६ उपनिषदीं में १० मुख्येद के, १६ शु० यसुर्वेद के, १६ शु० यसुर्वेद के, ३२, कृ० यसुर्वेद के मौर ३१ मुख्येवेद के हैं। उपनिषदों की कुल सख्या नवीनतम लोजों के म्रानुसार लगमग २३५ है।)

४४६ ११ प्रधान उपनिषद् ईंग, ऐतरेय, कठ, केन, छादोग्य, तैत्रीरोब, नृष्टिंदपूर्वतावनी, प्रश्न, बृहदारस्यक, माहूक्य, मुंडक।

विशेष - - इन पर हो श्राचार्य शकर ने टीकाऍ लिखी हैं।

४६०. **ज्ञान** —ग्रात्मज्ञान, ग्यान, **तत्वज्ञन,** बोध, ब्रह्मज्ञान, यथार्थज्ञान ।

४६१. ब्रह्मशास्त्र--श्रात्मावद्या.ग्रान्वीचित्रे, परा ।

६६२. ६ दर्शन-न्याय, मीमाण, योग, वेटात, वैशेषिक, सास्त्य।

४६३. वेदांतसूत्र— ब्रह्मसूत्र, वादरावय सूत्र, वेदातस्त, व्याससूत्र ।

४६४. वेदांती - वेदाती, ब्रह्मवादी।

४६४. वेंदांत के विभिन्न संप्रदाय और
आवार्य अदेत (राकर), अविन्य
मेदाभेद (बलदेव), अविभागादेत
(विज्ञानभिद्ध), देत (मध्व), देतादेत
(निंवार्क), भेटामेद (भास्कर), विशिष्टादेत (रामानुज), वीररीविश्वादेव (श्रीपति), शुदादेत (बल्लम), केंद्रविशिष्टादेत (श्रीकंठ)।

४६६. न्यायसूत्र — गौतमसूत्र ।

ŀ

४६७. नेयायिक —श्रञ्जपाद, तार्किक, नैयायिक।

४६८. बोग—पतंत्रति स्त्र, योगदर्शन,
 बोगशास्त्र, योगस्त्र।

४६६. वैशेषिक सूत्र—क्वादस्त्र । ४७०. सांख्य सूत्र—कपिल सूत्र ।

४७१. सीमांसा सूत्र-जैमिनि स्त्र।

४७२. मीमांसक - जैमिनीय मीमांखक ।

४७३. चार्बोक सूत्र— बाईस्पत्यसूत्र, दृइ-स्पतिसूत्र ।

४७४. १८ पुरासा—ग्राम, कूर्म, गबद, नारद, पद्म, ब्रह्म, ब्रह्मवैवर्त, ब्रह्माड, भविष्य, भागवत, मस्स्य, मार्क्यडेय, लिंग, बराह, वामन, विष्णु, शिव, स्कंद।

४०४. १८ उपपुरास (कूर्म पुरास के समुसार)—श्राय, उरानाः, काविस, काविस, नारविद, नारिस, वराशरोक, अक्षाय, भागव, मारीच, माहेरवर, वामन, बाह्य, श्राव, श्रिवधर्म, अर्था के स्वारंक, स

४७६ २० उपपुरासा (सूत सहिता-बुसार)---उपनस्, कविस्त, कालिका, बुर्वाचा, मरसिंद, नादो, नारदोय, परास्तर, बसाय, बार्बय, महेश्वर, मानव, मारीय, सिंग, बद्द्य, बांस्ट, शिवद्यमं,सनस्कुमार, सांध, सीर।

४७७. प्रशान धर्मसूत्र-प्रावस्तर धर्म स्व, सीतम धर्मसूत्र, बीधायन धर्मसूत्र, विक्ट वर्मसूत्र ।

५७८. प्रधान स्युतियाँ—संगिरा,कात्पायन, स्थ, मारद, क्याकर, वितामद, पुलस्य, प्रथेवस, प्रथापति, दृहस्यति, मनु, मरीचि, यम, यास्वह्न्य, विश्वामित्र, ज्यास, हारीत ।

४७६. रामायण (बाल्मीकि)—श्रादि काम्य, बाल्मीकि रामायग् ।

४८०. महाभारत—स्यकान्य, पंचमवेद, भारत।

४८१. गीता — कृष्यगीता, मगबद्गीता, भीमद्भगवद् गोता !

४६२. कुछ प्रसिद्ध गीताएँ—श्रनुगीता, श्रवधूत गीता, श्रष्टावकगीता, देश्वरगीता, उत्तरगीता, कांपलगीता, गगेशगीता. देवीगीता, पाडवगीता, पिंगलगीता. बोच्य-गीता, कलगीता, ब्राह्मबगाता, भगवद्वीता, मिचुगोता, मिकगोता, यमगीता, गमगीता. विचल्युगीता, वृत्रगीता, व्यासगीता, शंपाकगीता, शिवगीता, स्तगीता, स्वंगीता, इसगीता, हारीतगीता।

४८३. रामचरित मानस—दुलकं शमा-यण, मनस, रमायन, रामायस् ।

४८४. कुछ प्रसिद्ध रामायस— सद्भुत रामावस, क्रध्यातम रामायस, दुलसी रामायस, बाल रामावस, वास्मीकि रामा-यस, भरदान रामायस, मुशुंदि रामायस, महारागायस, यास्यलक रामावस, राषेश्याम रामायस।

जैनों के चार्मिक मंथ

प्रति रवेतांवरों के जागम के व माग जौर प्रत्येक की संक्वाएँ—जन (१२), उपाग (१२), प्रकोर्चक (१०), केंद-त्य (६), स्य (२), गूक्स्य (४)। प्रति, १२ जंग—जावार, द्वक्त, स्वन, समवाय, यगवती, कातायमंक्या, उपाक्क दशा, श्रंतकृत दशा, श्रनुसरी भातिक दशा, प्रश्न व्याकरण, विपाक सूत्र, दृष्टि-वाद।

४८७. १२ उपांग—श्रौपपातिक, राजप्रश्न, जीवाधिगम, यज्ञापना, जंबूद्वीप प्रज्ञप्ति, चंद्रप्रज्ञप्ति, सूर्य प्रज्ञप्ति, निरयावली, कल्यावतंस, पुष्पिक, पुष्पचूलिक, वृष्ण्यि दशा।

४८८. २ प्रधान प्रकीर्णक - चतुःशरण, तंदुल वैतालिक।

विशेष — जैनों के प्रसिद्ध ग्रंथ श्वेतावरों के श्रागम ही हैं। दिगंबरों के ग्रंथों में निम्न दो ही श्राधिक प्रसिद्ध हैं।

४= ६. दिगंबरों के प्रसिद्ध प्रंथ — घट संडागम, कसाय पाहुड ।

४६०. ६३ शलाका पुरुष (इनके ही चित्र का जैन पुराणों में वर्णन है।)
२४ तीर्थकर, १२ चक्रवर्ती, ६ बलदेव,
६ बासुदेव, ६ प्रति बासुदेव।

४६१. जैनों के कुछ प्रसिद्ध पुरास-रामचरित, पद्मचरित, उत्तर पुरास, महा पुरास।

४६२. बीद्धों के धर्म प्रंथ ३ पिटक — ग्राभिषम्म पिटक, विनय पिटक, सुत्त पिटक।

४६२. श्राभिभम्म पिटक के अविभाग— धम्मसगिषा, विभंग, धातुकथा, पुग्गल पंचति, कथावत्धु, यमक, पट्टान्।

४६४. विनय पिटक के २ विभाग--संबक, विभंग।

४६४. सुत्त पिटक के ४ निकाय-मिष्किम निकाय, संयुक्त निकाय, श्रंगुत्तर निकाय, खुदक निकाय।

. > 1 - 3

४६६. खुदक निकाय के १४ प्रंम—
खुद्दक निकाय के १४ प्रंम—
खुद्दकपाठ, धम्मपद, उदान, इतिवुसक,
सुत्तनिपात, बिमानवत्यु, पेतवत्यु, थेरगाथा,
थेरीगाथा, कातक, निद्देस, पटिसंभिदामम्म,
श्रपदान, बुद्धवंश, चरिया, पिटक।

श्रेपदान, बुद्धवर, चारवा, पटका ईसाइयों के धम मंथ ४६७. बाइबिल—एउमाचार, होली बाइ-बिल, होली स्किप्चर। ४६८. दो बाइबिलें—श्रोलंड टेस्टामेंट, न्यू टेस्टामेंट। ४६६. श्रोलंड टेस्टामेंट—पुरानी किताब, पुरानी पोथी। ६००. न्यू टेस्टामेंट—नई किताब, नई पोथी।

मुसलमानों के धर्म प्रंथ
६०१. क़ुरान—श्रलकुरान, कलाम खुदा,
कुरान मजीद, कुरान शरीफ, कुरकान,
मसहफ, लैलतुलकद।
६०२. हदीस—कलामे रस्ल।
६०२. कुछ प्रसिद्ध हदीसें—श्रव् दाऊद,
इन्न माजाँ, तिरमिनी शरीफ, नसई
शरीफ, बुख़ारी शरीफ, गुस्लिम शरीफ।
६०४. मुसलमानों के ५ पविश्व पंथ—
कुरान, इंजील, तौरेत या तौरात, बाइबिस,
हदीस।

ख

१. वो कलाएँ - उपयोगी कला, कासित कला। २. ४ लानित कलाएँ --स्थापत्य, ब्रित, चित्र, संगीत, कान्य। है. कला—श्रार्ट, गुरा, ढंग, विद्या, हुनर। ४. कलाकार—श्रार्टिस्ट, कलाविद्, कला-पंडित, कलामनीषी, कलाशास्त्री।

४. ६४ कलाएँ — (कामसूत्र के टीकाकार बयमगल के श्रनुसार) १. गीत, २. वाद्य, ३. नृत्य, ४. श्रालंख्य, ५. विशेषकच्छेदा, (मस्तक पर तिलक लगाने के लिए कासज, पत्ती आदि काटकर आकार या सांचे बनाना), ६. तहुलकुराम बलि-विकार (देवपूजनादि के अवसर पर तरइ-तरइ के रॅगे हुए चावल, जौ म्रादि वस्तुत्रों को तथा रगबिरगे फूलों को विविध प्रकार से सजाना), ७ पुष्पास्तरण, दशनवस्नागराग (दॉत, वस्त्र तथा शरीर के श्रवयवों को रंगना) ६. मणि-भूमिका कर्म, (बर के फर्श के कुछ भागों को मोती, मिण श्रादि रत्नों में जड़ना), १०. शयन रचना, (पलंग नग्गना), ११. उदकवाद्य, (जलतरग), १२ उदकाघात (दूसरो पर हाथों या पिचकारी संजल की चोट मारना), १३. चित्राश्चयोगाः (बई।बूटियों के योग से विविध चीज तैयार करना या ऐसी श्रीषधि तैयार करना श्रथवा ऐसे मन्त्रों का प्रयोग करना, बिनसे शत्रु निर्धल हो या उसकी इानि हो), १४. माल्यप्रयन-विकल्प (भाला गुथना), १५. शेखरकापीइ योजन (स्त्रियों की चोटी पर पहनने के विविध श्रलकारों के रूप में पुष्पों को गूथना), ' - १६. नेपथ्य प्रयोग (शरार को वस्त्र, म्राभूपण, पुष्प म्रादि से संसंज्जित बरना), १७. कर्या पत्रभंग (शंख, हाथी, दाँत श्रादि के भने के ता जार के

श्राभूष**ण बनाना), १८. गधयुक्ति (स्**गं-धित धूप बनाना), १६. भूषश्योजन, २०. ऐद्रजाल (जादू के खेल), २१. कौचुमार योग (बलबीर्य बढाने वाली श्रीषियाँ बनाना), २२. इस्तलाबन (हाथों की काम करने में फ़र्त्ती श्रीर सफाई), २३. विचित्र शावयूपभच्य विकार-किया (तरइ-तरइ के शाक, कढ़ी, रस, मिठाई ऋगद बनाने की किया), २४. पानकरसरागामव योजन (विविध प्रकार के शर्बट, श्रासव श्रादि बनाना), २५. स्चीवान कर्म (स्ई का काम, जैसे सीना, रफू करना, कसीदा बाहना, मोजे-गजी का बुनना), २६. सूत्रकी इ। (तागे या डोरियों से खेलना, जैसे कठपुतली का खेल), २७. वीखाइमहक वादा, २८. प्रदेलिका (परेलियाँ जानना), २६. प्रति माला (श्लोक आदि कविता पढने की मनोर्च क सात, श्रत्याद्वरी) ३०. दुर्वाचक योग (ऐमे श्लोक आदि पढना जिनका श्चर्य श्चीर उच्चारण दोनों कठिन हो), ३१. पुस्तक वाचन, ३२. नाटकाख्यायिका दर्शन, ३३. कान्य समस्या-पूरवा, ३४. पट्रकावेत्रवान विकल्प (पीदा, श्रासन, कुर्सी, पलग, मोढ़े आदि चीन बेत आदि वस्तुश्रों से बनाना), ३५. तज्जकर्म (लड़की, घातु आदि वस्तुओं की अभीष्ट विभिन्न भाकारों में काटना). ३६.तस्या (बढई का काम), ३७ वास्तुविद्या, ३८. रूप्यरल-परीचा (धिक्के, रतन श्रादि की परीचा करना), ३६. धातुवाद (पोतल आदि घातुआं को मिलाना, शुद्ध करना श्रादि), ४०. मिखरागाकर-ज्ञान

(मिया श्रादि का रँगना तथा खान श्रादि का कान भ, ४१. वृद्धायुर्वेदयोग, ४२. मेघ --कुक्कुटनावकयुद्ध विधि (मेढ़े, मुर्गे, तोतर श्रादि को लड़ाना), ४३. शुक-सारिका प्रलापन, (ताते-मैंने स्रादि को बोली विखाना), ४४. उत्सादन सवाइन-केयनदीन कौरात) हाथ-पैरी से शरीर दाबना, केशों का मलना, उनका मैल दूर करना ब्रादि), ४५. ब्रज्ञर मुब्टिका कथन (अन्न इर्ग को ऐसा युक्ति से कहना कि उस सकेत का जानने वाला ही उनका अर्थ सनके, दूसरा नहीं), ४६. म्लेच्छित विकल्प (ऐसे सकेत से लिखना जिसे उस सकेत को जानने वाला ही समभे), ४•. देशभाषा-विज्ञान, ४**⊏. पुष्पशकटिका**, ४६. निमित्त ज्ञान (शकुन जानना) ५० यत्रमातृता (विविध प्रकार से मर्शान कल, पुलें ऋादि बनाना), ५१. घारणा-मातृका (सना हुई बातों का स्मरण रखना), ५२. संशाख्य, ५३. मानको काव्य किया (किसी शलोक में छोड़े हुए पद को मन से पूरा करना), ५४ ऋभिधान कोष, ५५. छुंदोज्ञान, ५६. क्रियाकल्प (काब्या-लंकारों का ज्ञान), ५७. छुलितक योग (रूप त्रौर बोली छिपाना), ५८ वस्त्र-गोपन (शरार के ऋगों को छोटे या बड़े बस्त्रों से यथा योग्य दंकना), ५६. चूत विशेष,६०. आकर्ष कीड़ा (पासों का खेल), दश. बालकोडनक, ६२. वैनयिकी विद्या (अपने और पराये मे विनयपूर्वक शिष्टाचार करना), ६३. वैजयिकी विद्या (विवय प्राप्त करने की विद्या श्रर्थात् शस्त्र विद्या), ६४. व्यायाम विद्या ।

६. स्थापत्य कला—गृह निर्माख कला, भवन निर्माण कला, मानसार, मेमारी. राजगीरी, वास्तुकला। ७. राजगीर —गृहकार, थवई, मिस्त्री, मेत्रमार, मेमारे, राज़, वास्तुकार। म भवन -दे॰ 'घर', 'मंकान', 'गृह'। **६. मूर्तिकला**-मूर्तिकारी । १०. मूर्तिकार - प्रतिमाकार । ११. मूर्ति-दे॰ 'मूर्ति।' १२. चित्रकता—उरेह, चित्रकारी, वित्रण, विद्या, चित्रसारी, ड्राइंग, मुसव्वरी ! १३. चित्र-ग्रनुकृति, ग्रवरेख, ग्राकृति, श्रालेख्य, प्रतिकृति, फोटो, फोटू, मूरति, मृति । १४. चित्रकार -- कमगर,कलाकार,चितारी, चितेरा, चितेला, चित्रकर, चित्रक,मुसब्बर, मुसब्विर, मुसौवर, रगजीवक, रगाजीव। १४. चित्र बनाना-श्रवरेखना, उरेखना, उरेहना, खीचना, चित्र खीचना, चित्रण करना, चित्रना, चित्रित करना, बनाना। १६. फोटो खीचना - फोटो उतारना, फोटो लेना । १७. चित्रित--श्रांकित, उरेहा। १८. चित्र भग्रह—एल्बम, चित्र-मज्जा, चित्राधार । १६. कूर्चा- कृचिका, ईशिका, चित्रतेखा, ईविकी, त्लि, त्लिका, त्नी, बुरस, अश। ९०. रग-- उपराग, गत, रंगत, बरन, वर्गा । २१. रॅगरेज--रॅगमान, रगाजीय। २२ र्गीन-श्रनुरंजित, रगदार, रग-बिरगा, रॅगाला, राबत, राता, सारग।

२३. रॅंगना—रंगीन करना, रंग चढ़ाना। २४. रॅंगने का पारिश्रमिक—रॅंगवाई, रॅंगाई।

२४. रॅंगने की किया--रंगल, रॅंगवा, रॅंगवाई, रॅंगाई, रॅंगावट, रजन।

२६. रॅग**यानां—श्र**तुरजित कराना, रॅगवाना, रंजित कराना, रॅगाना, रंगीन कराना।

२७. रॅंगना -- श्रनुरंजित करना, रंगना, रग मे हुबोना, रजना, रजित करना, रखना, रॉचना, रॉजना।

२८. सफेद — अर्जुन, अवदात, उजला, उजियर, उज्ज्वल, उज्ज्वल, उज्ज्वल, उज्ज्वल, उज्ज्वर, जजरा, किंपिल, केंपिला, केंपूरी, कांफूरी, गौर, चिनिया, दुचिया, घवनी, घवरा, घवरो, घवल, घवला, घौत, घौरा, घौला, पहु, अस, पाहुर, फक, अक, भूवा, रजत, विशद, शित, शुक्ल, शुभ्र, श्वेत, मपेट, सकद, सुक्रेर, सुभर, स्वेत।

२६ सफेदी- उजलापन, उज्ज्वलता, उज्ज्वलता, कपिलता, धवलता, धवलाई, रखताई, शुभ्रता, शुक्लता, शौरता, २वेतता, श्वेताई, सप्तदो, सिनटा, सुपेना, सुफेदी।

३०. काला—करिया, कृष्ण, धनश्याम, बामुनी, फॉबकार, फॉबर, मुश्की, श्विति, श्याम, श्यामल, साँबर, सियाइ, स्याम, स्यामल, स्यामिया, स्याइ:

३१. गहरा काला-- श्रावनूसी, काला भुजगा।

३२. कालापन —कबराई, कराई, करियाई, कलौंख, कालापन, कालिमा, मंचकता, मेचकाई,स्यामता,स्वामलता, स्यामलताई, साँवरपन, साँबलटाई, साँबलापन, सियाही, स्याही।

३३. सफ़ेदी खौर काला— ग्रव्सस, क्स-मस्त, गंगा-कमनी, सितासित।

३४. लाल—श्रव्वासी, श्रद्श, श्रद्शीपल, श्रारक, इंगुरी, खूनी, गुलनार, गुलाबी, प्यानी मोतिया, रक्त, रखत, रतनारा, रत-नालिया, रतनार, रागी, लक्खी, लहाँहा, लाखी, लोहित, श्रोन, सिन्दूरिया, सिन्दूरी, स्हा, स्ही, सोनित।

३४. गहरा लाल रग- श्रव्य, श्रवन, गुलनार, गुलेनार, त्ल, लाल, शहान, मुर्खा

१६. ललाई— अव्यताई, अव्याई, अव्-ियामा, आरिक, कपिलता, चार्मकरता, ललाई, लालिमा, लाली, शोया, सुरगता, सुर्खी, रक्तरा, रतनारता, ललामी, लालपन, रति।

३७. पं.ला-- ग्रमरसी. ग्रवदात, कांपत, कांपल, कपिल, कपासी, वेसरिया, चपई, गधकी, गौर, ज़रद, ज़दे, ज़ाफरानी, नारबी, नारंगी, परल, पडु, प.डुर, पिग, पिगल, पिबर, पिश्रर, पिसग, पीत, पीतक, पीला, पीरा, शरबती, सुपील, चसती, सुनहरा, सुदर्श, हरि, हरिद्राभ, हारित।

६८. कुछ हलका पीला रग-क्पाकी, कपूरो, गधको, शरवती, सदली।

३६ पी लापन किपलता, बरदी, ब्रदी, वाडुता, पिश्रगई, प्ययराई, प्रयराई, प्रयराई, प्रयराई, प्रयराई, प्रयराई, प्रवराई, प्रवराई, प्रवराई, प्रयराई, प्रवराई, प्रव

४०. पीलापन लिये साल ग्ग-नारंगी, नौरगी, बादामी।

४१. हरा - अगूरी, कपि, बाही, तीतई,

घानो, सबुज, सन्त, हरित्रर, हरित, इरियर । **४२. हरापन** —सन्ज़ो, हरियाली, हरिश्ररी । ४३. भूरा - करिल, कपिश, चाकलेटी, बादामी, भूरा, मटमैला, हरित । ४४. भूरापन-किपलता, किशता, भूराई, भूरावन, मटमैनावन । ४४. बैगनी--श्ररगवानी, ऊदा, कासनी, षाभुनो, ताऊसां, भटई, नीललोहित, फालसई, बैगनो, बैजनी। ४६. नोला-श्रासमानी, कबुद, कबुदी, कारना, ऋष्या, नील, नीला, काराजी, मारपखा, लीला, मुरमई। ४७. नोलायन --नीलिमा । ४८ चितकबरा -- कब्र, कर्बर, कमीर, कल्मावक, वि । कबरा, चितकाबर, चित्रक । 88. दोरगा — दुरंगा, दुरगा। ¥० सफेद और लाल मिश्रित-श्रिय ४१. गुलाबी — श्रहण, श्रहन, कुदुम्भी, प्यानो, मोतिया। **४२. पीला श्रीर गुलाबी**—मोतिया । ४३. चार गग का-चौरगा। ४४. किशमिश के रंग का-किशमिशी। ४४. कुछ अन्य प्रसिद्ध रग-- अगूरी, उन्नावा, कपूरी, काही, खसलसी, प्याजू, दपहला, शरबतो, सिलेटी, सुनइला। ४६ संगीत कला- गघर्व विद्या, गान विद्या, गायकी, गायन, सगात शास्त्र । ४७. संगीतज्ञ कथ्यक, गधर्व, गवैया, गायक, गायकाचार्य, गायन, गायनाचार्य। ५८. गानेवाली सियाँ-गवनहर, गवनहरी, गायिका ।

४६. गाना--श्रलापना, श्रलाप भरना, श्रलाप लेना, गायन करना, गीत गाना, तान तोरना, मधुर ध्वनि करना। ६०. गीत—गाना, गान, गीति, संगीत। ६१. गाने की किया--गवइनी, गवनई, गवाई, गाना । ६२. गाने योग्य-गेय। ६२ गाने की मजदूरी---गवाई। ६४. स्वर — त्रावाज, तान, ध्वनि, बोल, शब्द, सुर । ६४. स्वर के ३ भेद-उच्चस्वर, मंद्रस्वर, मध्यस्वर । ६६. उच्च स्वर--ॲचा स्वर, तार स्वर, तोव स्वर, तेज स्वर। ६७. मद्र स्वर-गंभीर स्वर, घोर स्वर, मद्र स्वर, मद्र स्वर । ६८. मधुर स्वर -- कल, नाकली, मदस्वर, मधुर स्वर, मोठा स्वर, सूद्धमस्वर । ६६. राग की हिंदर से स्वरों के ४ प्रकार- श्रनुवादी, वादी, विवादी,सवादी। ७०. सगीत के अनुमार स्वर के ७ भेद-श्रापम, गाधार, धैवत, निषाद, पचम, मध्यम, पड़ज । विशेष - इन्हीं को सलेप में 'सारेगमपवनी' कइते हैं। ७१. स्वर का आरोह-- आगंड, आरोहण, श्रारीहन, प्ररोहरा। ७२. स्वर का अवरोह—अधोगमन, श्रव-तरण, श्रवरोह, श्रवरोहण, श्रवरोहन। ७३. ३ प्राम (स्वर के समूह)—गाधार ग्राम, मध्यम ग्राम, बढन ग्राम। ७४. संगीत में सातों स्वरों का आरोह श्रीर खबरोह—मुरुजना, मुर्च्छना।

७४. गांधार प्राम की मूच्छेनाएँ— श्रलापा, चित्र, चित्रावती, नंदा, विशाला, सुला, सुमुली।

 ५६. मध्यम माम की मूच्छेनाऍ —कलो-पनता, पौरबी, मार्गी, शुद्धमध्या, सौबोरी, हरिग्राश्वा, हृष्यका ।

७७. षडज ग्राम की मूच्छेनाएँ—ग्रभि-बद्रता, ग्रश्नकाता, उत्तरप्रदा, उत्तरायता, मन्सरीकृता, ग्रनी, शुद्धपडणा।

७८ संगीत शास्त्र में ४ वर्ग--(स्वरी-न्वारण) श्रवरोही, श्रारोहा, सवारी, स्थाई।

७६. रागों के प्रधान २ भेद—पुरुषराग, स्त्रोगग।

दः. पुरुषराग-राग ।

८१. स्त्रीराग-सामिनी।

८२. प्रसिद्ध तीन रागिनियाँ -- ग्रौड़व, भागाव, सपूर्ण।

परं. प्रसिद्ध ६ राग -दीपक, भैरव, माल कोश, मेन, श्री, हिंडोल ।

मप्ट. **नाल--करतल** ध्वनि, ठेका, तान, लाखा

 दर. ताल के मुख्य ४ भंद—प्रष्टताल,
 इद्रताल, चतुदश ताल, बद्दाताल, इद्र ताल ।

=६. 'श्रष्टताल' के म भेद -- श्राइ,गजन, चंद्रशेखर, ज्योति, दोज, पचताल, रूपक, समसाल ।

.७. 'इंद्रताल' के ६ भेद-इंद्रभाष, गुझ्गंबर्व, देवचाली, देवसार, पचाली, मदनदोला।

म. 'बतुरेश' ताल के १४ भेद — मर्ड-क्योतिका, मर्बमाम, काककला, चमाध्ट, चद्रमात्रा, चिन्हताल, तांडवी, देवमात्रा, घराघर, भाषा, वमंतवाक, वीरशब्द, स्वर्गसार, हर्षधारिका।

पर. 'ब्रह्मताल' के ४ भेद-ब्रह्म, विराम-ब्रह्म, पटकला, सप्तनात्रा ।

६० 'रुद्रताल' के ११ भेद-कंटर्प, गर्जेद्रगुर, छटका, डॉशपाहिस, दशकोपी, धरण, ध्रुवचरण, मङ्गक, विषम सम्द्र, वीरदशक, वीरविकम ।

६१. बाजा--श्रातोद्य, बाजन, बाजा, बादित्र, बाद्य।

६२. बजना—क्विणित होना, फकार होना, फक्टत होना, फनकना, फनफन करना, ध्वानत होना, नादना, बजना, रनना, स्विरत होना।

६३. बजाना – क्वांग्यत करना, सकारना, ब्बनित करना, नादना, फूँकना, बजाना, स्वरित करना ।

६४. बाजो के ४ प्रकार--श्रानद्ध या अवनद्ध, धन, तत, सुधिर।

६४. 'स्रानद्ध' के बाजे—खंजड़ी, डफला, डफ, द'लक, तबला, पखावज, मृदग ।

६६. 'घन' के बाजें —क्रताल, घटा, घड़ी, - फॉफ, घातुतरग, मजारा ।

६७. ततं के बाजे — इसराब, तबूरा, बेना, बीगा, सरोद, सारगी, सितार। ६८. 'सुषिर' के बाजे — श्रतगोजा, तुरही,

बॉसुरा, शंख, शहनाई, हार्मोनियम ।

६६ ढोलक --टक्का, दोल,दालक, दोलकी, -पटह, पर्याव |

१००. डफला - चग, डफ, टपला।

१०१. तबला-डेका, हुग्गी, दुक्कद ।

१०२. पस्तावज --पलाउज, मुरज, मृदग ।

१०३. **मारू**—जुक्तार, डका,घौषा, मार । १०४. **डमरू**—डिडिम ।

१०४. मजीरा-- जोड़ी, दुनकी, मंबीर, मजीरा।

१०६. बेला-वाइलिन, वायलिन।

१०७. सरंगी —चिकरा, सारगी, सारंगी ।

१०८. बीन — परिवादिनी, बीगा, बीना, विपन्नी, बीगा, बीना।

१०६. भाँम-जोड़ी, मल्लरी, माल।

११०. सिंघा—तुरही, धुधुका, सुँहचग, भुरचग, विषास, शृशो, सिंगा, सिंहा।

१११. शहनाई—नकीरो, विविध्यो, रोशन-चौको, रोशनचौको, सहनाई।

११२. बंशी-श्रलगोज़ा, पिपिइरी, बॉसुरी, बासुरी, बासुरी, बासुरी, मुरलिका, मुरलो, वेशा ।

११३. दुदुभी—श्रानक, डका, दक्का, दक्का, दमामा, नगाङा, नौबत, पटह, पटहा, भेरि, मेरी।

११४ घंटा - घट, घड़िम्राल।

११४. हारमोनियम -- इरमुनिया ।

११६. प्रामोफोन - फेनू गिलास, फोनो-गिलास, फोनोप्राफ।

११७. नाच —ताडव, नटन, नर्तन, नाट्य, नृत्य, लास्य ।

११८ नाचना—घूमना, यय्यक थय्या करना, थय्या थय्या करना, थिरकना, नर्तना, नाच करना, निर्तना, नृत्तना, नृत्य करना।

११६. २ प्रकार के प्रधान तृत्य — ताइव, (शिव), लास्य (पार्वती)।

१२०. लास्य के १० भेद-शासीनपाठ्य, उक्तप्रत्युक्त, उत्तमोत्तमक, गेयपद, त्रिगृद्ध, द्विगूढ़, पुष्य-गंडिका, प्रच्छेदक, सैंधव, स्थियिपाठ्य ।

१२१. नृत्य के २ श्रान्य भेद - श्रानाट्य, नाट्य।

१२२. नाचने बाला-नट, नर्तक, नच-नियाँ, नृत्यक, लासक।

१२**३. नाचने वाली**—नटी, नर्तकी,नृत्यकी, लासकी।

१२४. नाचने वाली वेश्या — श्रप्सरा, कसबी, कसबिन, पतुरिया, रंडी, रंडी, गँड, वेश्या। १२४. नाच घर— नाच महल, नृत्यशाला, रगशाला।

१२६. साहित्य – श्रदब, लिटरेचर, वाङ्-मय, साहित्य ।

१२७. साहित्यकार—श्रायर, उपन्यासकार, कथाकार, कलाकार, किंव, कहानीकार, काव्यकार, गद्यकार, प्रथकर्ता, प्रथकार, वुक्कड़, नाटककार, निबंधकार, प्रवधकार, मुस्रिकेष, रचनाकार, लेखक. शायर, साहित्यक।

१२८. साहित्यकर्त्री — लेखिका, निवध, नाटक तथा कहानी ऋाटि, शब्दों में, 'कर्त्री' लगाकर ऋौर भी शब्द बन सकते हैं।

१२६. जो साहित्यकार न हो - श्रसाहि-त्यिक।

१३०. साहित्यक-श्रदनी, कलात्मक । १३१. साहित्य सेवा-काव्य-साधना,

साहित्य साधना, सरस्वती-म्रागधना । १३०. काव्य के २ भेद-हश्य काव्य, अव्य काव्य।

१३३. दृश्य काव्य के दो भेद — उपस्वक रूपक।

१३४. उपहरक के १८ भेद-- उल्लाप्य,

कान्य, गोष्टी, त्रोतक, दुर्मीलेखका, नाटिका, नाट्यरासक, प्रकरिणका, प्रस्थान, प्रेलंड, गास्त्रिका, रासक, विलासिका, शिल्पक, श्रीमदित, सट्टक, सलापक, इल्लीश । १३४. रूपक के दस भेद—श्रग, इहामृग, डिम, नाटक, प्रकष्ण, प्रहस्त, भ्रास, वीथी, व्यायोग, समवकार ।

१३६. नःटक—एकांकी, द्वामा, थियेटर, टश्यकाव्य, नकल, नौटकी, भॉड, राम-लीला, रास, रासलीला, रूपक, सनीमा, सिनेमा, स्वॉंग।

१६७. नाट्यकला — ग्रिमनय, नकल, नाट्य विद्या।

१६८. नाटककार,—एकाकीकार, रूपककार। १६८. कथा—(नाटक, कहानी या उपन्यास, की मूल कथा) कथानक, कथावस्तु, कहानी, प्लाट, वस्तु।

१४०. वस्तु भाटक की कहानी) के २ भेद-श्राधिकारिक, प्रासागिक।

१४१. प्रासंगिक के २ भेद—पताका, प्रकरी।

१४२. श्राधिकारिक के विभिन्न भाग या स्थल-—श्रर्थप्रकृति, कार्य्यावस्था, संविर्या।

१४३. ४ श्रर्थ प्रकृतियाँ—बीज, विदु, पताका, प्रकरी, कार्य्य।

१४४. ४ श्रवस्थाएँ—श्रारम्म, प्रयन्न, प्राप्त्याश्चा श्रयना, प्राप्त्य समन, निय ताप्ति,कन्नागम।

१४४. ४ सिथयाँ — मुख, प्रतिमुख, गर्भ, ज्वनमर्थ या विमर्श, निर्वहण।

विशोष - पहली के १२, दूसरी के १३, तांतरी के १२, चौथी के १३, श्रौर पॉचवी के १४ मेद होते हैं। इन संधियों के ऋतिरिक्क, २१ ऋतर्सेधियाँ भी होती हैं। इस प्रकार कुल ८५ भेद हुवे।

१४६ नाट्यकार—एक्टर, नट, नाटकी, नाट्यकार, प्रवेशक, रगचर, रंग जीवक, रग विद्याघर, रगावतारक, रंगावतरी, स्त्रघर, स्त्रघार।

१४७. वेष —मेल, भेष, भेस, रूप, वेश, वेस, स्रत, स्रति, स्वरूप, स्वॉग ।

१४८. वेष धरना—बनना, मेल बनाना, रूप घारण करना, सजना, स्वरूप <mark>घारण</mark> करना, स्वाग बनाना।

१४६. **नाटक का प्रधान पात्र**—नाय**क,** फलभोका।

१४०. नाटक में कार्य करने वाले पु**रुष** पात्र —ऐक्टर, पात्र।

१४१. स्वभाव के ऋाधार पर नायक भेद-धीरोटाच, धीरोद्रत, धीरललित, धीरपशात:

१४२. नायक के श्रन्य चार भेद —श्रनु-क्ल, दिच्चण, धुष्ठ, श्रठ।

१४३. नाटक की प्रधान पात्री—नाधिका। १४४. नाटक में कार्य करने वाले की पात्री—ऐक्ट्रस, पात्री, ताविका।

१४४: नायकाभेद जाति के अनु-सार)—चित्रिणी, पद्मिनी, शिब्दनी, इस्तिनी।

१४६. कर्म के ऋनुसार नायिका भेद— परकीया, सामान्या, स्वर्तीया ।

१४७. श्रवस्था के श्रनुसार नायिका भेद-सुग्धा, मध्या, प्रौढ़ा।

१४८. श्रन्य श्राधारों के **भनुसार** नायिका भेद--श्राधिसारिका, उत्कटिता, कलहांतरिता, खडिता, प्रोपितपतिका, वासकसङ्जा, विप्रलन्धा, स्वाधीनपतिका। १४६. गर्वे के आधार पर नायिका भेद—कुलगर्विता, मानगर्विता, यौवन-गर्विता, हृतगर्विता, शोलगर्विता,।

१६०. भरत मुनि के ऋनुसार नायि-काऋों के ४ भेद---कुल स्त्री, गणिका, दिव्या, नृपतिनो।

१६१. नायिका स्रो के कुछ स्रन्य प्रसिद्ध मेद — श्रजातयीवना, स्रन्हा, स्रागत-पतिका, स्रघोरा, स्रनुशयना, स्रारूह्यौतना, कहा, कनिष्ठा, कुलटा, ज्येष्टा, ज्ञात-यौवना, घारा, घोगधारा, नवयौवना, नवलस्रनंगा, नवलबधू, नवोहा, परोहा, प्रगल्भवचना, प्रवस्थतपतिका, प्रगल्भा, रतिकोविदा, रूपयौवना. वयस्स ध, विश्रव्ध, नवाहा, मलज्जरति, सविश्रमा।

१६२. नायिका के ऋगज श्रलंकार--भाव, हात्र, हेला ।

१६२. नायिका के ऋयत्नज ऋलकार — श्रीदार्य, काति, दीष्ति, धेय, प्रगल्भता, माधुर्य, शोमा।

१६४. नायिकायों के स्वभावज त्राल-कार—किलकिचित, कुट्टिमत, कुत्इल, केलि, चिकत, तपन, बिब्बोक, मट, मेटा'यत, मुग्धता, लिलित लीला, विचेप, विन्छित्ति, विश्रम, विलास, विद्वत, हसित। १६४. ४ प्रकार को वृत्तियाँ— श्रारमटी,

१६४. ४ प्रकार को वृत्तियाँ– श्रारमटी, कौशिकी, भारती, सात्वकी ।

६६६. प्रेचागृह—नाट्यमडप, नाट्यशाला, नाट्यस्थल, रगगृह, रगभूमि, रगमडप, २गस्थल। १६६. **च्य. रगमंच-डायस,** नाट्यस्थल, मंच।

१६७. श्रव्यकाव्य के ३ भेद--पग्न, गद्य, मिश्र, या चपू।

१६८. कविता—किंता, कवित्त, काव्य, छद, तुकबदी, नज़मं, पद्म, शायरी, । विलोम—गद्म।

१६६. कविता करना—कविता लिखना, काव्य करना, काफियात भिलाना, तुक जोड़ना, तुकबदी करना, घदिश करना, शायरो करना।

१७०. रचित--इनाया **हुन्ना**, मुसन्तक, लिखित, विरचित ।

१७१. कवि--कवि, काङ्यकार, तुक्कड़, रचयिता, शायर।

१७२. कवियत्री--शायरा, लेखिका, स्त्री कवि।

१**७३.** काव्यरसिक -- मरस, सहृदय, **काव्य** प्रेमी, काव्य-मर्मज्ञ ।

१७४. काव्व मूढ्—ग्रग्सिक. शुक्क, सुला। १७४. पद्य के २ भेद्—प्रबंध, मुक्तक।

१७६. प्रबंध काव्य के ३ भेद-एकार्य काव्य, खंड काव्य, महा काव्य।

१७७. मुक्तक काव्य के २ भेद—पाठ्य, प्रगीत यागीत।

१७८. काव्य के पज्ञ—काव्य पद्ध या भाव पद्ध, शैली पद्ध या कला पद्ध ।

१७६ काव्य के ६ रस — श्रद्भुत, कर्गा, भयानक, रौद्र, वीभत्स, बीर, शात, व्हंगार, हास्य।

१८०. श्टंगार रस के २ भेद—वियोग का विप्रतभ, संयोग ।

१८१. हास्य रस के ६ भेद-श्रहित

भ्रपहरित, उपहरित, बिहसित, स्मित, इसित।

१८२. **बीर रस के** ३ भेद-द्यावीर, दानबोर, युद्धवोर।

१८३. २ विभाव—श्रांलंबन, उद्दीपन । १८४. २ भाव-- छंचारी भाव, स्थायी भाव ।

१८४. ३३ संचारी भाव-श्रपरमार, श्रमर्ष, श्रवहित्था, श्रवस्ता, श्रद्या, श्रावेग, उमता, उन्माद, श्रीत्सुक्य, गर्व, ग्लानि, वपलता, विंता, बहता, तर्क, भास, दैन्य, धृति, निद्रा, निवेंद, श्रीका, मति, मद, मरखा, मोह, विवोध, विवाद, व्याधि, शंका, भम, स्मृति, स्वप्न, हर्ष।

१६६. ६ स्थायी भाष—उत्साइ, क्रोघ, बुगुप्सा, भय, रति, विरमय, शम, शोक, इस्रा

१**८७.** ३ **छानुभाव**—कायिक, मानसिक, सालिक।

१८८ **श्रलंकार**—काव्य भूषण, काव्य तौदर्य।

१८६. ३ प्रकार के अलंकार-प्रया-लंबार, उभयालंकार, शन्दालंकार।

१६०. काव्य में प्रयुक्त प्रमुख अलं-कार—अनुप्राव, असगति, असंभव, अतद-गुण, अस्युक्ति, अधिक, अनुशा, अन्योक्ति, अन्योन्य, अर्थापत्ति, अल्प, अवशा, उन्मीलित, उल्लेख, एकावलो, कारख-माला, गुण्यवत्, गूढोकि, तदगुण, इष्टांत, निषेण, निश्चय, परिकर, भ्रांति पिहित, प्रस्वनीक, प्रयुक्ति, प्रहर्पण, मालादीपक, मीकित, गुष्टा, यमक, युक्ति, विधि, विशेष, सेक्, विश्वतीकि, स्वाजोकि, श्लेष, संभा- वना, सम, समाचि, समुच्चय, सामान्य, सार, स्मरण ।

१६१. **का**व्य **के ३ गुगा---**श्रोब, प्रसाद, माधुर्य ।

१६२. **काव्य के** १० **गुगा—श्रर्थव्यक्ति,** उदारता, श्रोब, कांति, माधुर्य, प्रसाद, श्लेष, समता, समाधि, सकुमारता।

१६३. ३ वृश्त्तियाँ—(काव्य की), उप-नार्गारका, कोमला, परुषा।

१६४. ३ रीतियाँ गौदी, पांचाली, वैदर्मी। १६४. शब्द की ३ शक्तियाँ — श्रविधा, लच्च्या, व्यंबना।

१६६. दोष के प्रमुख भेद-श्रर्थ दोष, रस दोष, शब्द दोष।

१६७ कुछ प्रसिद्ध दोष—श्रविकपट, श्रप्रयुक्त, श्ररलोल, श्रसमर्थ, कष्टार्थ, क्लिष्ट च्युतसंस्कार, नेयार्थ, न्यूनपद, श्रुनिकटु, संदिग्ध।

१६८ छंद-किबला, बंद, बहर, शेर। १६६ तुक-श्रात्यानुप्रास, क्राफिया, मेल, सजा

२००. **झंदशास्त्र के गरा — बगय,** तगय, नगरा, भगदा, नगरा, यगस, रगस, समस्

२०१. खरों के २ प्रमुख भेद—मात्रिक, या जाति, वर्शिक या वृत्त ।

२०२. मात्रिक श्रीर विशिक के मेद — श्रद्धंसम, विषम, सम ।

२०३ कुछ प्रमुख छंद-श्रनुष्टुप, श्रमृत-धुनि, श्राय्या, श्राल्हा, इह्रवजा, उपेद्रवजा उल्लाला, कवित्त, किरोट, कुंडलिया, गजल, गोति, गोतिका, घनात्त्रपी, चौपाई, कुप्पम, ताटक, तोटक, त्रिमगी, दहक, दुर्मिल, दोहा, द्रुतविलंबित, नराच, पज्भिटिका, पद्धिर, पादाकुलक, पालती, मालिनी, रूप घनाचरी, रेखता, रोना, ललित, लावनी, वसतितलका, विद्युन्माला, वंशस्थविलम्, शाद्द्रेलविकीडित, शिखरिगी सुन्दरी, सुमुखी, सम्बर्ग, हरिगीतिका।

२०४. गद्य के भेद-श्रात्मकथा, श्रालो-चना, उपन्यास, कहानी, गद्य काव्य, जीवनी, निबंध, पत्र ।

२०४. शेंली— चाल, ढग, ढब, तशका, तर्ज़, तौर, पद्धति, प्रणाली, बिधि, रीति, विधि।

२०६. गद्य की शैलियाँ—पुराण शैली, भाषणात्मक शैली, वर्णनात्मक शैली, विवेचनात्मक शैली, व्यंग्यात्मक शैली, व्यास शैली, सूत्र शैली, इास्यात्मक शैली।

२०७. लेख--श्रार्टिकिल, थीसिस, निवध, पेपर, प्रबंध।

२०८. कहानी — श्रप्तसाना, श्राख्यान, श्राख्यायिका, कथा, कहनी, केहानी, गल्प, गाथा, दास्तॉ, दास्तान, फ़साना, फेसाना, उपन्याम, कादबरी, नाविल, नावेल ।

२०६. त्रालोचना—ग्रध्ययन, गुण्दोष कथन, परिचय, प्रत्यालोचना, विमर्ष, ावेवेचन, विवेचना, समालोचना, समीच्ण समीचा।

२१०. श्रालोचना के प्रधान भेद-शातम-प्रवान या प्रभाववादी, ऐतिहासिक, गण् न'त्मक, दुलनात्मक, निर्ण्यात्मक, मनो-वैज्ञानिक, सैद्धातिक।

२११. समातोचक — त्रालोचक, विवेचक, समीचक।

२१२. गद्यगीत—गद्यकाच्य, गद्यगीत । २१३. भाषा—ज्ञबान, बोली, भाखा । २१४. भाषाविद्यान—तुलनात्मक भाषा विज्ञान, तुलनात्मक, भाषा शास्त्र, फिला-लोजी, भाषा लोचन, भाषा शास्त्र, लिसा-नयात ।

२१४ भाषावैज्ञानिक—फिलानोजिस्ट, भाषा विज्ञान विशारद, भाषा विज्ञानवेत्ता, लिंग्विस्ट।

२१६. **व्याकर्गा— क्रवायद, भामर, भ**ापा नियम ।

२१७. व्याकरणवेत्ता — क्रवायद दॉ, वैया करण ।

२१**८. भारत की प्राचीन भाषाएँ**—सस्कृत, ्पालि, प्राकृत, श्रपभ्र श ।

२**१६. सस्झत**—देव भाषा, देव वाणी, लौकिक संस्कृत, वैदिक संस्कृत ।

२२०. पालि—पाली, बौद्रभाषा।

२२१. भारत की श्राधुनिक भाषाएँ— श्राषामी, उड़िया, कन्नड़, गुजराती, तमिल, तेलगू, पजाबी, बॅगला, मराठी, मलयालय, लहॅदा, हिंधी।

२२२. हिंदी - नागरी, हिदवी, हिदुस्तानी । २२३. बोली--उपभाषा ।

२२४. हिन्दी की बोंलियाँ—श्रवणी, उर्दू, कजीजी, खड़ी बोलो, झत्तीसगढ़ी, जयपुरी, बचेलो, बॉगरू या जाटू, बुदेली, बैसवाड़ी, बज, भोजपुरी, मगही, मारवाड़ी, मालबी, मेवाती, मैथिली, हिन्दुस्तानी।

२२४. लिपि --श्रच्य, श्राखर, वर्ण, इरफ, इरुफ़, इपी।

२२६. वर्गा के दो भेद—व्यवन. स्वर । २२७. स्वर—मत्रा, मात्रा। २२८. खंक-- ब्रदद, गिनती, हिंदसा। २२६. नागरी लिपि --देव नागरी लिपि, हिन्दी सिपि। २३०. भारत की कुछ प्राचीन लिपियाँ-कुटिल, खरोष्ठी, गुप्तलिपि, ब्राह्मी । २३१. शब्द--लप्रन । २३२ वाक्य-जुम्ला। २३३ मुहावरा-श्रभ्यास, बोलचाल, भाषा सराया, मुह्तिरा, रोज़मर्रा। कहावत--ग्रहाना, २३४. श्राभाग्यक. कथनी, कहन, कहनाउन, कहनावत, कह-त्त, कहावति, कहौत्राल, खायत, नेवा, मक्ला,मसल, मसला, मिसाल, लोकोकि । २३४. विद्या-इल्म, गुण, ज्ञान, नसीइत, फन, बिद्या, शिद्धा, सरस्वती, हुनर । २३६. **अविद्या**---श्रंधकार, श्रज्ञ ता, श्रज्ञान, त्रशनता, माया, मूढ्ता, मोह। २३७. १८ तरह की विद्याएं--श्रथर्वण-वेद, श्रर्थशास्त्र, श्रायुर्वेद, ऋग्वेद, कल्प, गाधर्षवेद. छद, ज्योतिष, धनुर्वेद, धर्म-शास्त्र, निश्क, न्याय, पुराख, मीमांसा, यबुर्वेद, व्याकरस्, शिचा, सामवेद । २३८ शिका--तालीम. दीचा, पदाई, शिद्यण, तिन्द्रा, सोखा २३६. शिक्ति-- श्रालिम, तालीमयाप्रता, पदा, पदा-लिखा, विद्वान, सुशिच्तित । २४०. अशिचित-अनपद, काला श्रद्धर भैंत बराबर, गँवार, नेपदा, गूरल, लिख सोद्वा पद् पश्यर, सरस्वतीशात्रु । २४१. शिक्तक - अध्यापक, आचार्य, आदे-**धक, ब्रादे**ष्टा, उपदेशक, उपदेष्टा, उपा-भाग, गुरु, गुरुबी, टीचर, ट्यूटर, तत्व-बोचक, दीखक, परिप्राध्यापक, प्रोफ़ेसर,

मास्टर, मुशी, मोलबी, मौलबी, मौलबी, रीडर, लेक्चरर, व्याख्याता, सिक्छक । २४२. शिष्य- श्रंतेवासी, चेला, छात्र, शागिर्द, विद्यार्थी, मुरोद, दी चित, शिद्धार्थी, शैद्ध। २४३ शिष्यता—मुगेटी, शागिदी। २४४. छात्रवृत्ति - वनीफा, स्कालरशिप। छात्रालय-छात्रावास, बोर्डिंग, बोर्डिगहाउस, होस्टल । २४६. पढ्ना - अध्ययन करना, अनुशीलन, करना, श्रभ्यास करना, उच्चारण करना, उच्चरित करना, तालीम पाना, तालीम-याफ्ता होना, टीचा पाना, पठन करना, पठन-पाठन करना, पढ्ना, बॉचना, रट<mark>ना,</mark> शिद्धा पाना, शिद्धित होना, स्परण करना। २४७. पढ़ाना -- श्रध्ययन कराना, श्रध्यापन करना, श्रभ्याम कराना, तालीम देना, दीचा देना, पढ़ाना, रटाना, लिखाना-पदाना, शिचा देना, शिचा-दीचा करना, शिचित करना, समभाना, सिखाना। २४८. मनन---श्रनुशोलन, गौर, चिंतन, मनन, विचार, सोचना । २४६. मनन करना-अपर के शब्दों में ग्रतिम को छोड़ कर 'करना' बोड़कर बनाया जा सकता है। २४०. परीचा-- आनमाइश, अवलोबन, इम्तहान, कस, बसनी, बसौटा, कष, खान-बीन, बॉच, बॉच-प्रदताल, बायबा, देख-रेख, देखभाल, पदताल, परस, परीसा, परीक्रा, मुत्रायना, शांध, शोधन २५१. परीच्चित—ग्रनमाया, श्रानमाया, श्राज़मूदा, जाँचा, परका, परिांखत ।

जाँच₹, परीच्चक-कारियक, पारसी, मुम्तहिन ।

२४३. परीचार्थी—मुम्तइन ।

२४४. परीचा करना—श्रानमाइश करना, इम्तहान करना, इम्तहान लेना, कसना, कसौटो पर रखना, जॉच करना, जॉचना, ठोंकना, ठोंकना ठठाना, देखना, देखना-मालना, परखना, परीचा लेना, परीच्य करना, दे॰ 'जॉचना'।

२४४. परोचा करवाना--श्रंकाना, जँच-बाना, दिखलाना, दिखाना, परखाना, परखवाना, परीचा करवाना ।

२४६. अध्ययन - अनुशीलन, अभ्यसन, पठन, पठन-पाठन, पद्दना, परिशोलन, **मुताल**ं, मुताश्रला, स्वाध्याय ।

२x. श्रध्यापन--दीच्चण, निपाठ, पढ़ाना, पाठन, शिच्रण ।

२४८ श्रन्वेषण् —श्रनुसंधान, श्रन्वोद्यण्, भ्रन्वीचा, श्चन्वेखण्, खोज, गवेषण, गवेषणा, बाँच, बुस्तजू, जोइ, बोइना, दूँद, तलाश, तहकीक, तहकीकात, पढ़ताल, परीष्टि, पर्येषण, प्रतिसंघान, प्रतिसंघ, श्रोष, संघान, हेर।

२४१. श्रन्वेषक-श्रनुसधानकर्ता, श्रनु-संवित्सु, श्रन्वेसक, खोजी गवेषो, शोधक। २६०. खोजना—ग्रनुसधानना, श्रनुसंधान करना, श्रन्वेषण करना, खोज करना, सोबना, द्रॅहना, तलाशना, देखना, पता लगाना, पता लेना, शोधना, शोध करना, हेरना ।

२६१ खोजवाना-—ग्रनुसंघान करवाना, खुजवाना, दु द्वाना, तलशवाना, तलाश करवाना, पता लगवाना, शोधवाना ।

२६२. सममाना—ग्रर्याना, व्यवगारना, जतलाना, जताना, ज्ञान देना, परबोधना, प्रबोधना, बतलाना, बताना, बुमाना, बोधना, विवरण करना, विवरण देना, विवेचना करना, व्याख्या करना, समक्ताना । २६३ उदाहरण-उदाहरन, रष्टांत, नज़ीर, नमूना, मिसाल। २६४. उपमा--तशबोह, मिसल २६४. प्रश्न-माँग, सवाल । २६६. प्रश्तपत्र-परीचापत्र, पर्सा, पेपर । २६७. उत्तर-जनान, प्रतिकार, समाधान । २६८. चुप कर देने वाला उत्तर-- चुमता बवाब, मुँइ-तोड़ जवाब, सटीक उत्तर। सवाल-जवाब--- उत्तर-प्रत्युत्तर, २६६. कथोपकथन, भागड़ा, तकरार, तर्कवितर्क, प्रतिवाद, प्रश्नोत्तर, बात-चीत, वाद-विवाद, विवाद, सवाद, हुउजन। २७० पहेली-- प्रहेलिका, बुम्मनी, बुम्मीवल,

मुकरी, समस्या ।

२७१. **उ**क्ति—श्रनोखावाक्य, उक्कृति, **दथ**न, चमत्कारपूर्णं कथन, बचन, वक्रोक्ति। २७२. डिबेट--तकरीर, माषण, वजुता, वादविवाद, वाटानुवाद, वादाविवाद। २७३. श्रंताच्चरी-श्रंत्याच्चरी. प्रतियोगिता, बैतवानी।

२७४. पाठशाला--कालेज, गुक्कुल, पाठ, मक्तब, महाविद्यालय, विद्यालय, विश्व-विद्यालय, शिच्चणालय, स्कूल।

२७४. यूनिवर्सिटी--दाब्लउल्रूम, विश्व-विद्यालय ।

२७६. शिचा संस्था का अध्यत्त- भाचार्व, प्रधानाचार्य, प्रधानाच्यापक, प्रिंसपल, वाइसचासलर, हेडमास्टर।

Κą

यांत्रिक ।

२७७. भाषण्—कथन, तकरीर, प्राख्यान, भाषण्, वक्तव्य, वक्तृता, व्याख्यान। २७८. भाषण् देना—बोलना, कहना, 'भाषण्' के पर्यायों में यथानुसार 'करना' या 'देना' लगा कर और शब्द भी बनाए था ककते हैं।

२७६. बका—तकरीरदाँ, भाषश्यकर्ता, भाषश्यदाता, व्याख्यानदाता । २८०. मच — डायस, पुलिय्ट । २८१. विज्ञान—साइंस । २८२. मशीन—मसीन, श्रापरेटस, यत्र । २८३ मशीन का या मशीन संबंधी—

२८४. आविष्कार — ब्राविष्करण, ईजाद । २८४. आविष्कारक — ब्राविष्कर्त्ता, प्रव-र्त्तक ।

र्मः प्रेस — छापाखाना, मुद्रगालय । २म्थः मैनेजर — इतनामकार, प्रवचक, प्रवंधकर्ता, प्रवधकार, मुतनिम, विधायक, अवस्थापक।

रम्म. ख्रापना—ग्राकेत करना, ठणा करना, टंक्स करना, टंक्स करना, टाइप करना, मुद्रित करना, लिखना, लीथो करना। रम्म. समाचारपत्र —श्रुखनार, पत्र, पेपरं रह.०. पत्रिका—मैगानन, रेसाला। रह.१. लिकलने के समय के अनुसार पत्र पत्रिकाओं के भेद-श्रुखं साप्ताहिक, श्रमासिक, दैनिक, द्वैमासिक, पादिक, मासिक, वार्षिक, पट्मासिक, नाप्ताहिक। रह.२. संपादक-श्रमीटर,एडिटर, पत्र कार। रह.२. संपादक-श्रमीटर,एडिटर, पत्र कार। रह.३. संपादक-श्रमीटर,एडिटर, पत्र कार। रह.३. संपादक-श्रमीटर,एडिटर, पत्र कार। करना, अनुकरण करना, अभ्यास करना, उतारना, कलम करना, कमलबद करना, टाइप करना, नक्कल करना, रचना, रचना करना, लिपि बद्ध करना।

२६४. पांडुलिपि —पोथो,मैनुस्किप्ट, मुसी-िविदा ।

२६६. पुम्तक-किताब, प्रथ, पुस्तक, पुस्तिका, पोथा, पोथा।

२६७. विषय — चं'न, मनमून, विलय ।
२६८. भूमिका – श्रामुख, उपोद्घात, कयामुख, तमहीट, टीबाचा, दो शब्द, प्रस्तावना
प्रस्ताविका, प्र'क्कथन, मुकद्मा, मुखबब ।
२६६. पाठ — श्रक, श्रध्याय, श्राह्कि,
उच्छ्वास, उद्घात, काड, किरख, तरग,
पटल, परिच्छेट, पाट, प्रकरख, प्रपाठक,
पिटक, बाब, मजरी, लहरी, वर्ग. शासा,
समय, सम्हलास, सर्ग, स्कंघ।

३०८. टाका—सर्थ, कुबी, टिप्प**की,** टिप्पन, तफ़सील, भाष्य, विवर**का**, विवे**चन,** व्याख्या ।

२०१ **चानुवाद -- त्रनु**वाद, उल्या, तर**खुमा**, भाषातर ।

३०२. **कापी**--पुस्तिका, **सम्यासकापी**। २०३. **डाबरी --दैनदिनो, दैनिकी।** ३०४. **पृष्ठ--पन्ना,** पृष्ठ, पेज, वरक, वर्का, सफद्दा, सफा।

३०**४. काग त--कागर. पटल, पत्र, पन्ना,** भा**जप**त्र ।

२०६. रोशनाई — ग्रजन, कार्ला, पत्रांबन, मिलनाम्ब, मशा, मिन, मसी, मेला, रजनी, रशनाई, गेतनाई, खियाही, स्वाही। २०७. क्लम — कलक, निर, क्राउटेनपेन, मक्तवेट सेखनी। २०८. फाउंटेनपेन—धाराप्रवाहलेखनी, निर्फारियी।

३०६. निब--जिम्मा, जिम्मी।

११०. दावात—दवात, बोरकना, बोरका, मिसक् पिका, मिसदानी, मिसकान, मिसवानी, मस्याधार मेलानंदा, मेलांधु, वर्शक्षिका।

१११. पटरी—तम्बती, तस्ती, पटिया, पट, पटो, पाटी।

३१२ स्केल — इंची, पटरी, इसकेल, रोलर, कल।

३१३. पें सिल—पिनसिन, प्रिनसिल, रूल, ग्रुष्कलेखनी।

३१४. सोस्ता —सोखता, स्याहीसोव ।

३१४. लिफाफा-एनवलप, खरीता,लिफाफ।

३१६. पोस्टकार्ड-कारट, कारड, कार्ड, विद्वीकार्ड।

टिकट —टिकस, स्टंप, स्टाप।

११७. नकशा—चित्र, देशचित्र, नक्शा, मानचित्र, मैप, राष्ट्रचित्र।

३१८. श्यामपट—ग्रसितपट, काला तखत, काला तख़ता, तखताश्या, तख्ताश्याह, श्यामपट, श्यामपट ।

देशकः इतिहास --- श्रतीताख्यान, इतिह्न, उपाख्यान, तवारीख्न, तारीख्न, पुराख, पुराविद्या, पुराहत्त, पूर्वहत्तात, प्राचीन कथा, हिस्ट्री ।

३२०. इतिहासम् —तवारोख्नदाँ, हिस्टो-रियन।

३२१. ऐतिहासिक — इतिहासिक, तवारीख़ी बारीख़ी, पौराग्रिक, हिस्टारिकल ।

३२२. प्रागैतिहासिक —प्रतितिहासिक, प्रावितिहासिक, प्रीहिस्टारिक।

२२२. भूगोल— ज़गराफ़िया, शियाग्रेफी। २२४. भूगोल संबंधी—भौगोलिक, भूगो-लिक।

दिश्रः जलवायु — अभवहवा, हवापानी । विशेष — भूगोल सर्वधी अभ्य सामग्री के लिए 'नदी','पर्वत', 'देश' आदि के आस-पास की सामग्री देखिए ।

३२६. भूगर्भ शास्त्र—वियालोबी, पृथ्वी विज्ञान, पृथ्वी विद्या।

विशेष—भूगर्भ में मिलने वाली धातुमा श्रीर रत्नो के लिए 'सोना' तथा 'रत्न' श्रीर उसके श्रास-पास की सामग्री देखिए। ३२७. दर्शन शास्त्र—श्रध्यात्म शास्त्र, शान शास्त्र, तत्त्व शास्त्र, फिलसफ़ा, फिलासफ़ी ३२८. तके सास्त्र - मंतिक, लाखिक। ३२६. तके—वहर, वहस-मुवाहिसा, बाद, विवाद, वादाविवाद, सरबर, हुण्जत। ३३०. नीति शास्त्र—नीति, नीतिविद्या, राजविद्या, व्यवहार शास्त्र।

पद्धति, चलन, दुनियादारी, नय, नियम, लोकपद्धति, लोकाचार, व्यवहारपद्धति। ३३२. राजनीति—श्रयंशास्त्र, नागरिक शास्त्र, नीति, पालिटिक्स, राजविद्या, राख तत्र, राजनीतिक—पोलिटिक्स, स्यासी। ३३३. राजनीतिक—पोलिटिक्स, स्यासी। ३३४. राजनीतिक—पालिटिशियन, राख नीतिस्र, सामसाली।

३३१. नीति - श्रवलाकी उत्त, श्राचार

३३४. नेता-—ग्रगुवा, अग्रगमो, अग्रवी, अग्रवर, अध्यच, अध्यच्छ, नायक, प्रधान, प्रमुख, प्रेसिडेंट, मुखिया, लोडर,संवालक, बदर, सभापति, सरदार। ३३६. संस्था—काव्रेस, जमात, परिषद्
पार्टी, लीग, सगठन, संघ, सभा।
३३७. संस्थाओं के प्रमुख आधार—
श्रयंशास्त्र, धर्म, राजनीति, समाज।
३३६. समाजवाद—काशिलज्म।
३३६. साम्यवाद—कम्युनिज्म।
विशेष—कभी-कभी समाजवाद और साम्यवाद एक श्रथं में मो प्रयुक्त होते हैं।
३४०. प्रजातत्र—जनतत्र, जमहूरियत,
जमहूरी सलतनत, डिमाक्रेसी, लोकतत्र,
सर्वतंत्र।

३४१. एकतत्र—ग्रधिनायकतत्र, एकछत्र, मानाकी, राज्यतत्र ।

३४२. सामतेतत्र--- ५युडल सिस्टम, सामत-बाद, सामंतशाही ।

३४३. साम्राज्य तंत्र—इम्पीरियलिज्म, साम्राज्यवाद, सामाज्यशाही ।

३४४. तानाशाही—नाजिङ्म, फारिष्म, हिटलग्शाही।

३४४. तानाशाह—नानी, फालिस्ट, हिटलर । ३४६. भारत की वर्तमान प्रमुख— संस्थाएँ—काम्रेस, किसान मज़दूर प्रवा पार्टी, कातिकारी, समाजवादी पार्टी, बनता पार्टी, बमायदुल उलमा, मुस्लिम-लीम, रामराज्य परिषद्, राष्ट्रीय स्वयं सेवक सब, साम्यवादी पार्टी, हिन्दू महासमा ।

३४७. बाद — आग्रह, मत, राय।
३४८. राज्य — अभिकार, उपवर्षन, जनपद,
देश, प्रदेश, मंडल, राज, राष्ट्र, शासन,
सरकार, ससतनत, स्टेट, हुकूमत।
३४६. राजा—अभिपति, अभिराय, अर्थपति, देश, कुम्बति, जोविष, जोनिष,

गजपति, डंडो, दंडघर, दंडघार, दडधारी, घराघीश, नरकंत, नरदेव, नरनाय, नर-नाइ, नरपति, नरपात्त, नराट, नराधिप, नरिंद्र, नरेद्र, नरेश, नृप, नृपति, पातिशाह, पादशाह, पातशाह, पार्थिव, पृथिवीपति, पृथिवीपाल, पृथिवी-मुज, पृथिवीश, पृथ्वीश, प्रमु, बादशाह, भुवनपति, भुवनाल, भुवार, भूनेता, भूधन, भूधर, भूष, भूषग, भूपति, म्पाल, भूभुज, भूभृत, भूमिदेव, भूमि-पति, भूमिपाल, भूवल्लभ, भूशक, महाराज, महाराजा,महाराजाधिराज,महीप, महीपति, महीपाल, महीमर्त्ता, महीसुक, महीभुज, महीभृत, राउ, राबराजेश्वर, राजा, राजाधिराज, राजेंद्र, राजेश्वर, राट, राठ, राखा, राना, लोकप, लोकपति, व्याल, शाहशाह, सम्राट् ।

३४८. **चक्रवर्ती राजा—चक्रवर्ती, जग**टी-. इवर, महाराजाचिराच, रावराजेश्वर, सम्राट, . सार्वभौम ।

३४१. राजसी—बादशाहाना, राघसी, ∹शाहाना, शाहो ।

३४२. राजकीय-सप्ट्रीव ।

३५३. रानी—श्रषंषितो, पटरानी, पट्टदेवी, पट्टमहिषो, पाट महिषी, महादेवी, महारानी, महिषी, राश्ची, राषपत्नी, राष-महिषी, रानो।

३४४. राजकुमार--क्षोटे सरकार, जुबराब, युवराज, राबकुंबर, राजकुमार, राजपुत्र, महाराज कुमार, यहबादा, याहबादा। ३४४. राजकुमारी--कुंबरि, रावकुमारि,

रबर, राजकुमार,—चुपार, राजकुमार, राजकुमरि, राजकुँवरि, राजपुत्री, शह-ज़ाहो, शहज़ादी। रे४६. प्रधान मंत्री —प्रधान मत्री, मत्रि-पति, महामात्य, महासचिव।

३४७. सचिव — श्रमात्य, श्रामात्व, दीयान, घीसख, पार्षद, मत्रणादाता, मंत्री, मुसाहब, बज़ीर, सचिव, सामवायक, सिक-त्तर, सेकेटरी।

७४८. सेनापति-—ग्रनिष, दलपति, दल-वाल, फौजदार, युथग, युथनाथ, यूथप, यूथपति, यूथपाल, रणस्वामी, सरदार, सिपइसालार, सेनप, सेनादार, सेनाध्यन्न, सेनानायक, सेनानाथ, सनाना, सेनापाल, सैनपति, सैनेश।

३४६. फीज-श्रना, श्रनीक, श्रनीकिनी, कटक, कटकई, कटकाई, गुल्पिनी, जक, चक्रवाह्ना, चतुरग, चमू, दल, दलवल, दल-बादल, घात्री, धारी, ध्वजिनी, पताकिनो, पलटन, प्तना, पृतना, पृतन्या, फीट, बल, बाहनी, यूथ, लश्कर, लाम, वरचचु, तरूथ, वर्थनी, वर्धिनो, वाहना, वाहिनो, ब्यूह, सेना, सैना, सैन्य, सिपाही। ३६०. ४ तरह की सेनाऍ-पोइसवार, पैदल, रथी, हाथी सवार।

३६१. पैदल फीज — पची, पदम, पदात, पदाति, पदातिक, पदिक, पादात, पैदल, प्यादा, इरावल, हरावरि, इरोला, हिरावल, हिरोला ३६०. अश्वारोही — अश्वपति, अश्ववह, अश्वयार, घुइचढ़ा, घुइसवार, घोड़सवार, घुइमारूढ, सुरगारूढ, सुर

३६३. रथा (सैनिक)—रयारूद, रथा-रोही, रथा, स्यंदनारूढ, स्यंदनारोह। ३६४. योधा—चंडावल, जुमार, नोवा,

तिलंगा. पत्ति, प्रवीर, बानैत, भट, युयुधान, योद्धा, योधा, रणवंका, रणवॉकुरा, रणवादी, रनी, लड़ाका, लड़ायता, लड़ैया, वीर, शूरवीर।

३६४. सिपाही—श्रनीक, तिलगा, पंति, पित्तमट, पदाित, पदाितक, पलटिनया, प्यादा, बदुकची, बंदूकची, भट, भारधी, सिपाही, सोप्वाय, सिलाही, सेनाबावी, सैनिक, सैन्य।

३६६. सभासद--दरबारी, परिषद्, परि-षद्रल, परिमभ्य, पारिषद, पार्षद, मेंबर, सदस्य, सभासद, सभारतार, सभ्य, साधु, सामाजिक।

३६७. श्राफसर---श्रवसर, श्राफ़िसर, कार्या-ध्यत्त, कार्याधिकारो, कार्याधिपति ।

३६८. श्रिबिकारी— श्रांघकारी, श्रिघिप, श्रिघिपति, श्रिघीश, श्रिबीश्वर, श्रध्यच्, श्रिबदाता, देशक, शासक, शासनकर्ता, शास्ता, दाकिम।

३६६. दूत — ऋषिसर्पक, एलची, कासिद, चडुक, चर, चार, दूत, धापक, धावन, पत्रवाहक, प्रशिधि, सॅंदेशहर, सॅंदेशिया, हॅकारी, हरकारा।

२७०. राजदूत - एलची, राबदूत, सफीर। २७१. द्वारपाज--श्रतपाल, दरवान, दर-वारविलासी, दौबारिक, द्वारपाल, द्वार-पालक, द्वीवारिक।

३७२. पहरेदार—चौकीशर, ड्योहीशर, द्वारपाल, पहरो, पहरुष्ठा, पहरेदार, पाइर, पहरी, पौर, प्रहरी, प्रतीहार, रखवाला, वेत्रक, वेत्रधार, स्थितदर्शक। दे॰ 'सतरी'। ३७३. संतरी—चडावल, संतरी, मैनिक। ३७४. श्रंतःपुर रच्चक—श्रंतःपूरिक, श्रत-वेशिक।

३७४. कर्मचारी--श्रदतकार, करमवायी।

३७६. डाकिया- चिद्वीरसाँ, डाकप्यून, डाकिया, घावक, घावन, पोस्टमैन, इर-कारा।

रेज्यः भेदिया—गुप्तचर, गुरगा, गोइंदा, चर, चार, जास्स, पनियाँ, पनिहा, मेदिया, मेदी, सी॰ श्राई० डी०।

२७८ प्रजा— परजा, राष्ट्र, रिश्राया, रैयत, संतति ।

३८६. ऋथेशास्त्र—एकनाभिक्स, धन-शास्त्र, मुद्राशास्त्र, संपत्तिशास्त्र ।

३८०. ऋथ —ऋदि, खुत्थी, खुथी, ज्र, तत, दरब, द्रव्य, दाम, दाय, दौलत, घन, प्या, पूँजी, पैसा, बित्त, भग, माल, मालि-यत, नुद्रा, योग, रक्रम, राघ, रुपया, रूपया पैसा,लच्मा, विद्र, वित्त, विभव, विभृति, विषय, वभव, श्रो. सर्पात्त।

३८१. पूँजी—बमा, पूँजी, मूलघन, विच, विसात, सम्पत्ति ।

३८२. आर्थिक-मालो।

३८३. श्रर्थशास्त्र — श्रर्थशास्त्रो, एकना-मिस्ट ।

३८४. कमाना—श्चर्बन, करना, श्रिषित करना, कमाई करना, पैदा करना, जेब भरना, सूटना।

३८४. सर्चे करना—अपव्यय करना, सरचना, फिजूल फूॅकना, फेकना, खुटाना, व्यय करना।

३८६, कमाई — अर्ज़ न खामद, ख्रामदर्नः, आय, पैदा ।

१८७. स्वर्च-स्वपत, स्वरच, स्वरचा, व्यय सरका।

रेन्द्र. कमाने बाह्या-प्रर्जनशील, कमासुत । रेन्द्र. सर्वे करने वाला-प्रपन्यवी, वर्षीका, बरीच, कज्लसर्च, फैनस्फ, मुक्त इस्त, रेह, व्ययक, व्ययशील, व्ययो, शाहलर्च ।

३६०. कंजूम--श्रदाता, श्रनुदार, कदर्य, कफनलमोट, करपर, करमहा, किम्पच, किरपिन, कुत्रप, करपहा, किम्पच, दिस्त, ठस, तम-दस्त, नोच, नीव्निचोइ, पत्थरचटा, बख्नोल, बन्या, मक्लीचूस, यच्चित्त, रंक, संचकर, संचयी, सूम।

३६१. कंजूसी —श्रनुदारता, कदयंता, कक्रन खसोटी, कादरता, कृपणता, कृपिनाई, ठसपना, दरिद्रता, दीनता, दैन्य, बस्नीली, मक्खीचूसी, सूमपना।

३६२ कजूसी करना—कृपणता करना, कृषिणता करना, वैद्या दांत से पकड़ना, मक्खीचूदो करना। ३६३. किफायत—मितव्यय, मित-व्ययता।

३६४ मजदूरी—करवाई, कामकराई, पारिभामिक, मजदूरी, मजूरी, मेहनताना, रोनो। दे० नीचे।

३६४. वेतन — उबरत, तनखाइ, तनस्वाइ, तलब, दरमाहा, महिनवारी, महिला, महीना, वेतन। दे० ऊपर।

३६६. मूलधन-श्रमतः।

३६७. ब्याज – सूद् ।

३६८. ऋरा -- उधार, ऋन, करब. करबा, कर्न, रिन, देना, लहना, हथफेर

३८८. ऋगी-क्लंबोर, बद्धुब, देनदार, रिनियाँ। दे॰ कर्नदार।

४००. ऋगा लेना—उधार लेना, ऋख, खाना, कर्न खाना, खाना, हयफेर लेना। ४०१. ऋगा खुकाना—उऋग होना, अध

पटाना, कर्ज़ उतारना, कर्ज़ चुकाना, रिन पटाना।

४०२. उऋण्—उद्धारित, उरिन, ऋण्-मुक्त ।

४०३. उन्रया करना—-पीठ टोंकना, बेबाकी लिखना।

४०४. ऋण देने वाला न्य्रणद, महा-बन, व्याजजीवी, साहुकार, सूदलोर, सेठ। ४०४. रारीब — ऋकिंचन, कॅगला, कॅगाल, खिन्न, तंगदस्त, दरिहर, दरिद्र, दीन, दुखिया, दुर्गत, धनहीन, नादार, निधन, निधनो, निर्धन, निर्धनी, निःस्व, परचीन, बपुरा, बेज्र, भिद्धक, भिखारी, मिसकिन, मिसकी, मुफ्लिस, मुहताज, रंक, रर्रा। ४०४. श्र. ऋमीर— श्रयाचक, श्रयाची,

ऐश्वर्यवान, ऐश्वर्यशालो, ऋढ, करोइपति, करोइो, कोट्याघोश, खुशहाल, गब्बर, जगतसेठ, जागीरदार, तालेवर, दौलतमन्द, धनकुबेर,धनधारी, धनपति, धनवन्त, धन-वान, घनाढ्य, धन्नासेठ, धनिक, प्रमु, महाजन,रईस, रत्नधर, लच्चपति, लच्मीपति, लच्मीवान, लखापति, विभववान, विभव-शाली, विषई, वैभवशाली, श्रीमन्त, श्रीमत, श्रीमान, संपत्तिशाली, संपन्न, समृद्ध, सरदार, सराधा, सरि, सेठ।

४०६. रारीकी—श्रकिं जनता कंगालता, कंगाली, गुरबत तंगदम्ती, तगी, दरिद्रता दारिद, दारिद्र, दारिद्र, दीनता, दीनताई, दीनता, दुःख, दैन्य, धनहीनता, धनाभाव, नादारो, निर्धनता, भिस्कीनंता मिसकीनी, मुफलिसी, मुहताजी, रकता। ४०७. समीरी—श्रमीरी,श्रयाचकता, खुश-

हाली, दौलतमन्दी, धनता, घनाट्यता, रियासत, समृद्धि।

४०८ मूल्य-क्रोमत, खर्च, दाम, पैसा, लागत।

४०६. श्रमृत्य — श्रमूल्य, कीमती, गन्बर, बहुमूल्य, महार्घ, मूल्यवान।

४१०. टेक्स-कर, टिक्स, म**हस्**ल, जकात, जगात।

४११. मालगुजारी—जमा. भूमिकर, मालगुज़ारी, महसूल, लगान।

४१२. किराया—केराया, भादा, महस्त, शुल्क।

४१३. भाड़ा (रेल, मोट्र आदि)— किराया, केराया, टिकट, टिकस, महत्त्ल, मस्ल, मास्ल।

४१४. भाड़ा (घर)—िकराया, केराया, भाड़ा, भारा, महीना, रेंट ।

४१४. भाड़ा (नाव)—श्रातर, उतराई, खेवा, खेवाई. तरपण्य, द्रोणी. महसूत । ४१६. रिश्वत—श्रपपदान,श्रयन, श्रानदा, उत्कोच, उपदानक, उपाच्चर, कौशलिक, प्राह्म, घृंस, घूंस, दौकन, प्रदा, प्राभृत, लवा, लाच, हार, चांदो का जूता।

४१७. रिश्वतस्वोर—उत्कोचक, घूस्क्रोर । ४१८. रुपये का इंड—श्रर्थदड, जुरमाना, डॉड, धनदड ।

४१६. जहेज—जहेज, दहेज, तिलक, दाइजा, दाय, दायज, दायजा, योतुक, यौतुक, शुल्क।

४२०. फीस—फी, ग्रुहकः। ४२१. सिक्का—टंक, दाम, मुद्रा, सिक्कः।

४२२. सोने का सिक्का-गिनी, दीनार, मुहर, मोहर, स्वर्णमुद्रा, स्वर्णकपया ! ४२३. रुपया - मुद्रा, रुपय्या, रुपिया, रूपया, रूपिया। ४२४. श्रठन्नी श्रवेली, श्रठन्नी, वेली। ४२४. चवन्नी पावली, स्का ! ४६६ पैसा--गोरखपूरी पैसा, डबल. डम्बल, देवुद्या, पइसा । ४२७. अधन्ता--- श्रधन्ती। ४३८. चिकित्सा शास-इल्मेइलाज. श्रायुर्वेद, उपचार शास्त्र, श्रोषिशास्त्र, धनवंतरि शास्त्र, स्वास्थ्य शास्त्र । ४२६. विभिन्न प्रकार की चिकित्साएँ -श्राय्वेंद, एलोपैथी, नेचरोपैथी, बायोके-मिस्ट्री, यूनानी, होमियोपैथी। ५३०. श्रायुर्वेद-- धनवतरि शास्त्र, वैद्यक शास्त्र, वैद्यकी, वैद्यविद्या । ४३१. यूनानी - मुस्लिम चिकित्सा शास्त्र, तेबाबत, हिकमत, हकीमी। ४३२. नेचरींपैथी--जल चिकित्सा, प्राकृ-तिक चिक्तरसा, स्वामायिक चिकित्सा । एलीपैथी— ऋग्रेज़ी ४३३. चिकित्स. बाक्टरी इलाज, डाक्टरी चिकित्सा। ४३४. शल्यशास्त्र---- श्रस्त्रचिक्त्सा. चीइ-फाइ, जरीही, शलय किया, शहय शास्त्र, सर्जरी, इज्जामी। **३३**४. रोग--श्रनाजव, श्रम, श्रपाटव, श्चरजा, श्राति, श्राकल्प, श्रातक, श्रातग, बाम, ब्रामय, श्रारता, इल्जत, उपवात, उपताप, कष्ट, ख्य, गद, तमोविकार, बीमारो, बेरामो, भग, भय, मरब, मर्ज, माध, मृत्यमृत्य, रज, विकार, विकृति, ब्बाधि, शिकायत।

बिलोम---'स्वस्थता'। ४३६. रोग के दो प्रकार-मानिसक, शारीरिका ४३७. मानिक रोग -- श्रावि, मानिक व्याधि । ४६८. शारीरिक रोग -व्याघि। दे॰ 'रोग'। ४३६. निदान - तशख़ीस, रोगनिर्णय। ४४०. लच्चग् -चिन्ह, निशान, पहचान, लब्धन । ४४१. विकार-- खराबी, गड़बड़ी, दोघ, दूषण, विकृति। ४४२. त्रिदोष—कफ, पित्त, जन । ४४३. कफ--दे० 'कफ'। ४४४. पित्त -दे॰ 'पित्त'। ४४४. बात-दे॰ 'नाय'। ४४६. गंज रोग-इद्रलुप्त, इद्रलुप्तक, केशध्न, केशनाशक, गजराग। खुजलाना--खउराना, करना, खजुवाना, खाउर ख्बाना, सहलाना, मुहराना । ४४⊏. खुजलो--कडू, खर्च, खाज, खुज-नाहर, खजुली, खेसरा । ४४६. दाद्--खसरा, दद्र, दादु, दिनाई, दिनाय, पाम, पामा, विचर्चिका । ८५०. बेबाई--बिमाई, वेवाय, पादम्फोट, पादस्फोटी, विषादिका, स्फुटि, स्फुटी। ४४१ सेहुआ -- किलास, ासध्म, सिहुला। ४४२. मुहाँसा--मुहकील । ४४३. मुँह पर का दाग्र--पत्रभग, पत्रा-वली, खाई, छाही, भाई। ४४४. ऑम्हीरी - ऑमीरी, ऑघोरी, ऑपीरी, गर्मीदाना । ४४४. दाह- चलन, तपन, डाहा।

४४६. पित्ती - जुलपित, जुलपिती, पित्ती। ४४७. चर्म कील न्यन्छ।

४४८ करकमुत्ती - कड़क, करक मूत्र-कृच्छ ।

४४६. गर्मी—स्रवदंश, स्रातशक, उपदंश, गरमो, फिरगरोग ।

४६०. सुजाक — प्यमेह, मधुमेह, सुजाक, सोजाक।

४६१. प्रसेह -परमंह, बहुमूत्र, मूत्रदोष । ४६२. पथरी - श्रश्मरी ।

४६३. शूकरोग - लिगवृद्धि, शूकरा।

४६४. कुष्टरोग—उत्पत्त, कुष्ट, कोठ, कोढ, कोढ, गलित कुष्ट, पालक, पारिमव्य, फूल, फूला, मडलक, वाष्य, व्याधि, श्वेतकुष्ट।

४६४. कुष्टरोग के स्त्रतर्गत रोग— स्त्रिग्यासन, श्रपरस, उकवत, खसरा, खाज, दाद, सेहुँस्रा।

४६६. जठराग्नि--जठर, जठराग, जठ-रानक, पाचकाग्नि।

४६७. श्रजीर्ण - श्रजीरन, श्रजीर्न, श्रन-पच, श्रपच, बदहबमी, बदहद्मी।

४६८. कब्ज-प्रयच, कबज, कबुज, कबिजयत, कबिजयत, कब्बिग्यत, कब्बी, कोष्ठचढता, मलबढ, मलावरोध, वढ-कोष्ट!

४६६. सन्दामि — श्रल्पामि, मंदाग । ४७० श्राँव — श्राम, श्रामातिमाः, श्राम-रक्तातिसार, मलवैषम्यरोग।

४७१. वायुगोला-गुल्म, गोला, रचोग्रंथि, बातगोला।

४७२. काँच-उदावर्त्त, काँच, गुनग्रह । ४७३. बवासीर - श्रनायक, श्रर्श, ख्रूनी बवासीर, गुदकील, गुदाकुर, दुर्नाम, दुर्नामक, बयेसी, बवासीर, बवेसा, बादी बवासीर, रक्तार्श।

४७४. बवासीर के दो भेद—सूना, बादो।

४७४. जु**काम**—खरसेवर, • **बो**काम, ठढ, नज़ला, पीनस, ⁷प्रतिश्थाय, श^{1न}, सर्ग्वा, सर्वी ।

४७६. नकसीर--नक्सीर, विनास ।

४७७. निनावाँ--- क्राला, निनवाँ पाका, मुद्दपाका, मुख्याक ।

४७**८. श्रांख श्राना—श्रांल** उठना, **ग्रांल** पूलना ।

४७६. आँख आने का रोग — श्रविपात, अचिपाक, अभिष्यट।

४८०. रतौंधी-निशाध, रतौन्हो, रात्यि । ४८१. दिनौंधी -- दिवसम्मधता, दिवाधता । ४८२. दुखना--करकना, कसकना, कबक होना, टपकना, टभकना, टीस उठमा, टोसना, टीस मारना, टदं करना, दुखमा, दुखाना, दुखदाई होना, पीइग्युक्त होना, फटना, शूल करना, सालना, सुलना ।

४८३. टीस—कतक, चसक, टपक, टपका, टभक, टभकन, टीसि, शुल, साल। ४८४. दर्द--बार्तता, कष्ट, दरद, पीका, शुल। दे० 'टीस', 'चमक'।

४८४. चमक (दर्द)—चटक, वमक, चित्रक, चिल्दक।

४८६. ऋधकपारी---श्रावाबीती, श्विर-श्ला

४८०. २ तरह की अधकपारी --- चंद्राक्यं, स्पवित्ते।

४८८. खाँसना--**सं**बारना, **डॉस**का, खों खों करना : ४८६. साँसी—कारा, कास, खबयु, सँसनी, देंसनी।

४६०. दमा-दमा, श्वास, श्वास रोग, साँस, इँफरी।

४६१. ब्लर—ग्रातक, जर, जूड़ी, जूर्ति, ताप, तापक, बुद्धार, बोस्नार, महा-गद, संताप।

४६२. टाइफायड — टाईफायड, मियादी सुमार।

४६३. प्रसूत ज्वर—परस्त ज्वर, ज्वर, प्रस्तिका ज्वर, स्तिका रोग।

४६४. मलेरिया -- बाका बुक्रार, जूकी ।

प्रश्नः चाँतरिया—श्राँतराज्यर, इस्तरा, इस्तरा, इस्तरा,

४६६. सम्मिपात-त्रिदोष, विश्वपात, वरवाम, वरेवाम ।

४६७. मचली—ब्राम्लिपत्त, उनकाई, ब्रोकाई, बोमचली, मचली, मतली, मितली।

४६ मिचली आना—उक्ताई आना, उपकाई आना, उसटी आना, ओकाई आना, विस फरिश्वाना, वो मिचलाना, मतशी आना, भिचलाना, मिचली आना, मिललाना, मितलो आना, मुँह विगयना, बुँह में पानी आना, मुँह में पानी मर आना।

४६६. कै-बोक्साई, उकाई उत्गार, उब-बाई, उस्टी, उबात, बोकाई, बार्दि, बाँट, प्रकारिका, मचलो, गमली, बमन, बमधु, बमन, बमि, इस्क।

२००. के करमा-उद्याना, उद्यन्ता, उद्यारी दरमा, घोदना, घोदाना, कोक्साना, के दरमा, बॉट दरना, खाइना, डाक्ना, डारना, डाखना, वमन करना, बाहर करना, मुँह चलना, वमन करना।

४०१. अर्बुद--(बहा) बतौरी, मांसकोस, मांसपुरुष ।

४०२. ऋर्बुद (स्रोटा)—ऋर्बुट, इल्ला, गोलक, माँसा।

४०३. चाँत वृद्धि—ग्रंत्रवृद्धि, ग्रंत्राड वृद्धि, ग्राँत उतरना, ग्राँत वृद्धि, पानी उतरना, हार्निया।

४०४. विसर्प--- विसरप, विसर्पि, समिवा-मय ।

४०४. श्रान्तेपक-श्रान्धेपक, शुन्यवायु। ४०६. श्रामवात-श्रावधात, श्रामवात। ४०७. महामारी-उद्गनवीमारी, मरी, वक्षा।

५०८. हैजा - कालरा, कालेरा, महाबोर्च, विश्वचिका, विस्चिका, विस्ची।

४०६. ताकन—ताडन, प्लेग, महामारी। ४१०. चेचक —देवो, पापरोग, मस्रिका, मस्रा, महरानी, माता, रक्तवटी, वस्तरोग, विस्कोट, विस्कोटक, शीतला।

४११. व्यतिसार—व्यतीसार, ग्रन्नगणि, उदरामय, रकातिसार ।

४१२. द्विषकी--दिक्त, दिवका ।

४१३. कमलरोग—श्रस्तर, कॅवल, कमल-गंग, कॉवल', कामल, कामला, पाइ, पाइरोग, पोलिया, वरकान।

४१४. संप्रद्र्या — गुम्बादि, बदिकी, क्रवा दिका. सप्रद्रती, सप्रद्रियी । ४१४. चामाजीको — बमाजीको, विद्रवा बीर्या, वृषक्षाकीको ।

४१६. गॅठिया — श्रामवात, गठिया, गाँठ-रोग, बतास, बाई, बात, बातरक । ४१७. फीलपाँच -- पादवल्मोक, श्लीपद, हाथीपॉव । ४१८. लकवा - श्रदित, फालिज, बतास । ४१६. मिर्गी—ग्रंगविकृति, भूतविकिया, मिर्गी, मृगी, लालाघ, सरश्रा ४२०. त्त्यरोग - अतिरोग, श्रसाध्यरोग, उष्मा, ज्य, ज्यी. ग्रायामा, खुई, तपे-दिक, दिक, नृपानय, यक्तमा, यक्मा, राज्ययद्मा, राज्यरोग, रोगराज, शोष। ४२१. फफोलः — छ।ला, भलका, पछाला, पफोला, फोका । ४२२. फोड़ा - ईर्स, पक्ता, पिटक, पीटक, फुड़िया, फोंका, फोट, फोड़िया, विटक, विटकाः, विस्फोट, त्रण, स्फाट, स्फोटक । ४२३. पत्ताचात--श्रद्ध[°]ांग, श्रदीग, इस्ति-रखा, पच्च ग्रंथ, फालिज, लकवा, **शू**न्यपात, मुलवाई। ४२४ सूजन-फुलाव, वरम, शोथ, शोफ, श्वयथु, सूज, सोज, सोजिश ! ४२४. कं ठमाला - गडमाला, गलगंड। ४२६. घाव - श्रवस, ईर्म, चत, घाय, चोरा, चोट, रूक, वर्ण ! ४२७. पीब-- चतज. पस, पीप, पोव, पूय, पूयन, प्रसिन, मवाद, मलज। विशेष - खून के लिए दे० 'खून'। ४२८. ख्रड (फोड़े की पपड़ी)—

श्रगूर, खुट्टी, खुट्टी, खुरंड । ४२६. मुच्छी—श्रचेतना, बेहोशी।

वयुथु ।

४३०. कॅंपकॅपी-कॅपकपी, जड़ेया, राश्रशा,

४३१. योनिकंद--योनिकंद, योनिवरा, योनिसाव । ४३२. थनेली- स्तनकील, स्तनपाक, स्तन विद्वधी । ४३३. प्रदर-नीखता, घातुत्त्वय, लिको-रिया, विदार, स्त्रीरोग । ४३४. २ तरह का प्रदर रोग -- रक्तप्रदर, श्वेतप्रदर । ४३. हिस्टीरिया—ऋपतत्रक, वेहोशी, मूच्छी, हिस्टोरिया । ४३६. पूतना—दुर्गन्धा, दुर्दर्शना, मातुका, मेघकालिमा। ४३७. सुखंडी —कृशता, चीणता, दुर्वलता, सुखारोग । ४३८. डाक्टर— अगदकार, कविराज, गदहा, चिकित्स, चिकित्सक, डकडर, डाक्टर, दिरमानी, प्राखाचार्य, मिशक, भिषक, भोषज, रोगहारो, वैच, इकीम । ४३६. जर्राह-जराह, सर्बन । ५४०. त्रापरेशन-त्रम्त्रचिकत्सा, श्राप-रेसन, चीर, चीरपाइ, चीरा,वर्राहो, शल्यक्रिया, शस्त्रकिया । ४४१. मलहम--लवलेप, मरइम, लेपन, लेप । **४४२. विष-वैद्य--गार्वाङ्क, आनुतिक,** विखबैद, विषध्न. विषमारक । ४४३. श्रस्पताल —श्रीषधालय, विक्रिस-भवन, चिकित्सालय, डिस्पेंसरी, दबाज्रामा, मैषज्यागार, शफाखाना, हासपिटल । ४४४. चिकित्सा —उपभाग, **रलाव, दवा,** दिरमान, नया, बकप्रतिकिया, रोगप्रतिवार । ४४४. स्वास्थ्य —तन्तृबस्ती, दशा, देश-

दशा, इालत।

४४६. बीमार— मनमन, मनमना, मना-रोग्य, म्रापटव, म्रम्यमित, म्रम्यात, मलील, म्रस्वस्थ, म्रार्त, म्रादुर, चीण, ग्लान, चिकित्सित, पीड़ित, बिमरिहा, वेरमिहाँ, बेराम, मर्गेज, रुजी, रुग्य, रुग्न, रोगमस्त, रोगातुर, रोगार्त, रोगित, रोगिया, रोगी, विकृत, व्याधिमस्त, सरब, सगद, सामय।

४४७. स्वस्थ — श्रगद, श्रब्छा, श्रदन, श्ररोग, श्राराम, श्रारोग्य, कल, चंगा, ठीक, तन्दु क्ल, हद्द, निरोग, निरोगी, नीरोग, पाटव, पुष्ट, भला, रोगहोन, रोगरहित। ४४८. स्वस्थता — श्रगदता, श्रारोग्यता, तदु क्स्ती, निरोगता, पाटवता। विलोम — दे॰ 'रोग'।

४४६. दवा—ग्रगद, श्रोखद, श्रोपद, श्रोषि, श्रौखद, श्रोषध, श्रौषधि, तिकत्त, तिकता, दरमान, दवाई, दारू, बारो, हिकमत।

४२० काढ़ा — ऋाँवट, क्वाय। ४४१. चूर्ण — चूरन, पाउडरः, बुकनी, सफ़्फ़।

५.४२. चूर्ण करना—क्टना. चूर करना, चूरन करना, चूर्न करना, निह्याना, पाउडर करना, पीसना, बॉटना, बुकन। करना, महोन करना, सफ़्फ करना। विशेष—अन्य दवाश्चा के लिए वनस्पति, धातु, रत्न, आदि वर्ग नथा उसके आस-पास की सामग्री देखिए।

१४३. गिर्मित शास्त्र —श्रंकगांग्यत, श्रक-विद्या, श्रारियमेटिक, गण्यत, गिर्मित, मेनपुरेशन, ग्रेयमेटिक्स, सख्या शास्त्र, दिवाव । ४४४. बीजगणित—श्रलजहा।
४४४ ज्यामिति—चेत्रगणित, जमेट्री,
ज्योमेट्री, रेखागणित।
४४६. संख्या—श्रक, श्रदद, गस्ना,
गिनती, तादाद, नंबर, हिंदसा।
४४७. संख्यावाला—सख्यक।
४४८. जोड़—टोटन मिजान, मोनान,
कुल, यंग, सकतन।

४४६ जोड़ना - एकत्र करना, एक में करना, मीज़ान करना, योग निकालना।

४६०. घ<mark>टाना</mark>—श्रलग करना, <mark>ऋग्</mark> करना, निकालना ।

४६१. शेष-ग्रवशेष, बचा, बाकी।

५६२. गुणा-नरव।

४४३. गुगा करना—गुणाना, गुगे करना, तस्व करना, तस्व देना।

४६४. भाग - तकसोम, बॅटाई।

४६४. भाग देना—तक्ततीम देना, तक्तीम करना ।

४६६ **भा**जक — श्रंशक, विमाजक । ४६**७. भ तनफल** — वार. भ**जनफल,** भागफल, लब्धि ।

४६८. गिननः -गण्न, गण्ना. नवर, रेम्बा, शुमार ।

४६६ त्मनना- यणना करना, गनना, शुप्तार करना ।

४७० गिनाना -- गब्ना करवाना, गन-वाना, गिनवानः ।

४५१. जिसका गिनती न हो सके— श्रमणनाय, श्रमणित, श्रमखीय, श्रमस्य, श्रमानत, श्रममय, श्रमित, श्रमिनत, श्रमानत, श्रदुलित, श्रनंत, श्रममित,

श्रनगिनित, श्रपरिमित, श्रपरिमेय, श्रपार, श्रसंस्य, बेशुमार, बेहद। ५७२. गिनने के योग्य-गणनीय, गएय, परिगएय, परिमित । ५७३. शून्य ख, ज़ीरो, बिन्दी, विन्दु, विकर, मुन्ना, सोना । ४७४. **पाव-**--पाद, पौवा । ४७४. श्राधा—श्रद्धा, श्रर्ध, श्रघींश, श्राघ, निस्फ, हाफ़ । ५७६ पौन-पौने। ४७७. एक--- श्रात्मा, इक, ईश्वर, चद्र, पृथ्वी । ४७८. पहला-एकला, ऋव्वल, प्रथम, पहिल, पहिला। ५७६. एक का भाव-एकता, एकत्व। ४८०. सवा—सपाद, सवाई। ४८१. ज्रयोदा-डेढ, डेढ्गुना, डेवद्, डेवद्।। ५८२. दो-—श्रॉल, कर, कर्ण, दुइ, दुई, दू, दोइ, दुव, द्वन, द्वि, द्वौ, पच, पद, पािंग, भुज । ४८३. **दोनों —दू**नो, दोऊ । ४८४, दूसरा (१)--श्रन्न, श्रन्य, श्रदर, श्रपर, श्रवर, श्रीर। दूसरा (२)

दूमर, द्विताय।

४८४. दुगुना— दुगुण, दुगुन, दुचन्द,
दूना, दिगुण, दिगुणित।

४८६. ढाई—ऋढाई।

४८७. तीन—ऋग्नि, काल, गुण, ताप,
तीनि, त्रय, त्रि, त्रोणि, दहन।

४८८. तिगुना—तिगुन, तीनगुना, तीना,

तेहरा, त्रिगुण।

४८६. तीसरा — तीसर, तृतीय, सोम, सोयम । ४६०. तिहाई--तिहाइ, तृतीयांश । ४६१. चार---ग्राभम, चतुर, चहार, चहु, पदार्थ, फल, युग, वर्थ, वेट। ४६२. चौथा--चतुर्थ, चहारुम, तुरिया, तुरीय | चौगुना – चतुर्गण, F3X चगुन । ४६४. चारों—चहुँ। ४६४. चौथाई--चतुर्या रा, चहारुम, चौथ, चौथाई, पाद, पाव। ४६६. पाँच-इंद्रिय, पंच, पांडव, पाँच, प्राण, महाभूत, वाण्। ४६७. पाँचवाँ--पंचम, पंखुम । २६८. पाँच का भाव—पंचता, पचत्व। ४६६. पाँच का समूह-पचक। ६००. छः—ईति, ऋतु, खुर, रस, राग, वेदाग, षट, षटक । ६०१. **छठा**— छठवॉ, घष्ठ । ६०२. छै का समूह--छन्का, छःकन, षर्क । ६०३. सात—-पुरो, लोक, वार, **स**प्त, स्वर । ६०४. सातवाँ -- सप्तम । ६०४. सात का समूह---सप्तक। ६०६ चाठ---श्रठ, ब्रष्ट, ब्राठक, दिग्तस, पहर, वसु, सिद्धि। ६०७. त्राठ वृस्तुओं का संप्रह—ऋष्ट६। ६०८ चाठवाँ—श्रष्टम्। ६०६ नौ- ग्रंक, ग्रह, नव, निकि, ती, भक्ति । ६१०. नवाँ - नवम् , नौबाँ ।

६११ ६११. नव प्रकार का-नवभा। ६१२. द्स-- ऋवतार, इंद्रिय, दश, दिशा, दोष । ६१३ दसवाँ—दश्यम् , दसा । ६१४. दस का समृह—ंदशक, दसक। ६१४. ग्यारह---एकांदश, बद्र, शिव। ६१६. बारह--श्रादित्य, द्वादश, मास, राशि, सविता, सूर्य । ६१७. बारह के समृह—दरबन, दर्जन। ६१८. तेरह-किरस, त्रयोदश, त्र्योदश, ६१६. चौदह- चतुर्दश, भुवन, रतन, विद्या । ६२०. पन्द्रह् -- तिथि, पचदश । ६२१. सोलह-कला, खोइस, शृङ्गार, षोडश, संस्कार।

६२२ सन्नह्—सतरह, सप्तदश ।
विशेष--एक श्रीर सात के संकेता को
भिलाकर सन्नह के श्रीर सकेत बनाए चा
सकते हैं।

६२३ अठारह—श्रद्धारह, अष्टदश, श्रश-दश, पुराख।

विशेष--एक ग्रौर श्राठ के सकेती को मिलाकर श्रौर संकेत बनाए जा सकते हैं। ६२४. उन्नीस--उन्निस, एकोनविंशत। विशेष--एक ग्रौर नव के सकेती को मिला कर उन्नीस के सकेत बनाये जा सकते हैं।

६२४. बीस— नस, विश, विशति। ६२६. बीस का समूह—कोडी, वीसी। ६२७ बाह्यस—बहाइस, श्रष्टविशति, नस्त्र। ६२८ सौ — शत, सै, सैकझा, सौक । ६२६ सौ का समूह — शत, समध्य, सैकझा।

६२०. प्रतिशत—प्रतिस्त, प्रतिसौ, क्रोस्दी, सैकड़े ।

६३१. हजार — सहस, सहस, हजार। ६३२. लाख- — दशायुत, लच। ६३३ दसलाख — दशलच, नियुत प्रयुत। ६३४. करोड — कोटि, कोटिक, कोड। ६३४. अरब — अर्ब, वृंद, शतकोटि, शतार्बुद।

६३६ स्वरब -- सर्व, दम श्ररव ।
६३७. नील -- शतार्बुट ।
६३८. पद्म-- पदुम, पद्म, यम, दश
नील ।
६३६. शंख-- दशपद्म, संख ।
६४०. महाशंख-- दसश्व ।
६४२. एकांउटेंट-- श्राक्तिक, तेलापाल ।
६४२. गिगतक्क-- मैथमेंटिशियन ।
६४३. माग-- श्रंश, खड, बलरा, बाँट, बाँटा, भाग, विभाग, हिस्सा ।
६४४. बटा हुआ-- तक्सीमशुदा, विमक्त.

६४४. माप--बोल, तौल, पैमाना, बबन, ६४६. दर--भाव, हिसाब। ६४७. ज्योतिष-श्राकशाविद्या, लगोल, लगोलविद्या. महविद्या, ज्योतिष शास्त्र. नस्त्रविद्या, नजूम, नुजूम। ६४८ ज्योतिष के दो भाग-मन्द्यत

विभाज्ति !

ज्योतिष, फलित ज्योतिष । ६४६ मुहूर्त-शुभषदी, शुभ मुहूर्त, साहत, सायत ।

40---X

६४०. ज्योतिषो —कार्तातिक, गयक, जोहसी, जोतिषी, ज्योतिक, ज्योतिर्विद, ज्योतिसी, दैवज्ञ, नज्मी, पंडित, मौहूर्त, मौहूर्तिक, विज्ञ, शास्त्रो, सावत्सर । ६४२. पंचांग —कलंडर, कर्लेंडर, जॅतरी, जंत्री, तिथिपत्र, पत्रा । विशेष—इस सम्बन्ध में श्रीर सामग्री के लिए समय वर्ग देखिए । ६४२ कामशास्त्र—कामविद्या, कोकशास्त्र, रतिशास्त्र, मैथुनशास्त्र, समोगशास्त्र ।

ग

१ प्राणी -- जीव, जीवघारी प्राणवारी ।
२. मनुष्य -- ऋदमी, ऋादमनाद, ऋादमी,
इंसान, द्विपद, मनई, मनुज, मानव,
मानुख, मानुष ।

३. पुरुष—श्रदमो, श्रादमी, बन, धव, नर, ना, पुंस, पुमान, पुरुख, पुरुष, मनई, मरद, मर्द, मर्दु, मानव, मानस, मानुख, मानुष, मानुस, विशा । दे० 'पति'।

थ. स्त्री—श्रवला, श्रौरत, कवीला, कलत्र, कांता, कामिनी, चेत्र, गृहिग्गी, घरनी, चरणदाशी, जनियाँ, बवी, जानि, जानी, बोय, जोरू, जोष, बोषिता, तन, तिथ, तिरिया, तोदार, तीय. तिया, दारा, नारी, विनिता, बनी, बामा, बाला, वैयर, भाम, भामा, भामिनी, महिला, मानवी, योषा, योषिता, ललना, लुगाई, वासिता, श्यामा, सामिती, सारंग, । दे॰ 'परनी'।

श्रात्मा—श्रंतर, श्रतरपुरुष, श्रंतर-शायी, श्रंदस्य, श्रतरात्मा, श्रंतपुरुष, त्रतभूत, श्रद्धर, श्रमूर्त, क, चेतन, बन्म-भृत, जीव, जीवात्मा, दिव्यत्वरूप, पुद्गल, पुरुष, ब्रह्म, ब्रह्मरूप, ब्रह्माश, मुकुल, कह, विमु, शरीरी. सर्वग, सूद्ध्यदेह, सूद्ध्यशरीर, स्ववीज, त्वरूप, इस ।

दे० 'जीव' तथा 'जीषात्मा' ।

६. जीव — ग्रंतरात्मा, श्रतमूर्त, श्रमूर्त, श्रास्माराम, ब्रह्म, श्रास्मन, श्रास्मना उद्, क, क्रस्थ, कतु, ख, गुरू, चर्षाण, चेतन, जिगर. जीश्र, जीउ, निराकार, निरुपास्थ, पुरपात्त, पुरुष, पौन, प्राणाः पाणाधारी, मदुसानु, रूह, शरीरी, सर्ग, सर्वग, हस ।

७. जीवात्मा—श्रम्पान, च्रर. चंत्रश्र, चंत्रविद्, चेतन, जीव, जीवात्मा, देहभृत, पुनर्भवो, पुरंजन, पौन, विभु, विश्व, सत्थ, हस ।

दे॰ 'श्रातमा' तथ। 'जीव'।

प माथा — श्रजन, श्रजनी, श्रज, श्रविद्या,
गुइ, जगन्मोहिनी, रमैया को दुलहिन।

ह. मोच — श्रज्ञर, श्रातगिति, श्रातगित,
गृत्यु, श्रनपायिपद, श्रपवर्ग, श्रपुनगवर्गन,
श्रपुनराइत्ति, श्रमरपद, श्रमृत, श्रमृताव,
श्रात्मसिंह, श्रात्मोद्धार, उद्, अद्धवगति,
श्रात्मसिंह, श्रात्मोद्धार, उद्, अद्धवगति,
श्रात, काम्यभरण, ख, गोविन्दपद, तरनतार, तरनतारन, नजात, निःश्रेयस नि,
निर्मुक्ति, निर्वाण, निद्दत्ति, निश्रेयस,
निर्तार, पद, पर, परम फल, परिनिर्वाति,
परिनिर्वात, परिमोच, प्रण्य, बद्धपद,
बद्धभ्य, बद्धगति, भन, मुक्ति, मोस,
मोष, शिवता, शिवा, ष, संसिंह्य।

दे॰ 'स्वर्ग'। १०. नरक—दे॰ 'नरक'; **११. ऋंग--श्रग, श्र**ज़ो, श्रपवन, श्रवयव, गात,गात्र, प्रतीक ।

१२. शरीर — ऋक, ऋग, ऋड, ऋडा, ऋबिर, ऋवयवी, ऋारमा, ऋरमाक, कलेवर, काय, काया, कालिब, कुल, चर, चेत्र, गात, गात्र, घट, घन, चोला, बिसम, जिस्म, डील, तन, देह, देहरा, पडल, पजर, पिंड, पिंडा पिजर, बघ, बदन, बपु, बपुख, भूतान्मा, मर्त्य, माजर, माटो, मिट्टी, मुकुल, मूचि, वपु, वर्ष्म, विमह, विश्व, ब्यूह, शकट, संहनन, सरोर, स्कघ, स्वर्गलोकेश ।

१२ **त्र. शारीरिक**—श्रांगिक, कार्यक, जिस्मानी, <mark>सरीरी</mark>।

१३. सिर—उत्तमाग, कपाल, खोपड़ी, मस्तक, माथ, भुड, मुंडिका, मुडो, मूद्धी, मूँड, मूँडो, मौलि, शिर, शोश, शार्थ, सर।

दे॰ 'खोपकी'।

१४ **चॉर्** —चिंदया-चाँदी, चॉन, शीर्ष, विंदु।

१५. चेहरा—म्राकृति, म्रानन, म्रास्य, मुख, मुखद्गा, रू, रूप !

१६. माथा - म्रलिक, कपाल गोधि, पेशानी, बेदी, भाग्यमिथा, भाल, मत्या, मण्य, मन्तक, माथा, ललाट, लिलाट, लिलार।

१७ नाक-गधवहा, त्राया, नस, नाक, नाका, नासिका, फेन, रेट।

१**८. नधुना – मध**ना, नासा. नासापुट, नासार**ञ, पुरवा**।

१६. चाँस--ग्रॅसडी, ग्रॅसिया, ग्रंबर, ग्रस, ग्रसि, ग्रॉसडी, ग्रॉसी, रेंस्स, ईछन, गो, चच्छ, चख, चखु, चश्म, चप, हक, हग, हिट, हश, दोदा, नयन, नयना, नेत्र, नैन, रिच्चणी, रोहब, लोचन, लोयन, विलोचन, विच्चण।
२०. श्राँख का कोना—श्रच्यपकोष्ठ, श्राया, कटाच, कनखी, कोण, कोणा, दिगंत, हिटकोण, नेत्रात।
२१ पुतली—श्रद्धकृट, श्रद्धितारा, कनीनिका, कालक, कालिका, गोलक, तारका, तारका च्ण, तारा, नारिका, दोदा, धोरी, नयन, पुतरी, पुचलिका, पुरली, सितारा।

२२ पलक—ग्रह्मथटल, चत्तुपट, चष-चोल, हगचल, नयनपट, निमीलन, निमेष, नेत्रच्छ्रट, पषनी, पल, पलक, निजगाँ।

२३. मुँह--ग्रॅबार, श्राकृति. श्रागा, श्रानन, श्रास्य, स. गिरा. जीभ, तुंड, तृडि, तुंडी, दहन, बदन, मुँह, मुस, रमज्ञा, रसना, रूख, रू, बदन, बाचा, आणी, शकल, सुरत ।

न्ध्र. होठ—श्रवर, श्रोठ, श्रोठ, श्रोघ्ट, दनच्छ्रद, रदच्छ्रद, रदछद, रदनच्छ्रद, विबोध्ठ. लब, सृक्कियी, होठः

२४ दॉन — खह, चौका, दंत, दॅतुली, दंष्ट्र दशन, द्विज, रद. रटन।

२६ दाढ़ —कयोयी, कस्चा, कहा, चहुआ, चौमरा

२७. जीभ-निरा, गो. ज़बान, जिह, जिहा, बीभि, जोमी, जीह, रसजा, रसना, रसनात, रसनात, रसना, रसना, रसना, रसाल, ललना, लस्लो, लोह, बाचा, साबी, साधुस्तमा।

२८. गाल — कपोल, गठ, गलुई, रख़सार।
२८. कान — करन, कर्ण, शब्दमह,
श्रवण, भवणेन्द्रिय, श्रुति, श्रोत, श्रोत्र।
३०. कान का छेंद — कर्णकुहर, कर्णछिद्र,
कर्णरंध।

३१. कनपटी — श्रविमुक्त, कच्चा, कट, कनपट, कनपटी. गंड, गडस्थल। ३२. दुड्डी - विबि, चिबुक, ठीडी,

दुड्दी, ठोदी, डादी, दादी, हनु।

३३. गरदन—कग्रट, कघ, कंघर, गर्दन, गला, गिय, ग्रोव, ग्रीवा, घींच, नटई, नाड, नार, मौर, शिरोघि।

३४. कंठ-कएठ, गल, गला।

३४. घाँटी —क् काटिका, गटई, गरदन, गरदना, गिउ, गिरवान, गोव, ग्रीव. ग्रोवॉ, घाटा, घाड, घेबा, टेंडुग्रा।

३६. कंथा—श्रंश, श्रंस, कघ, कन्हा, कॉघा, काधी, कान्ह, खया, खवा, नितव, भुजमूल, भुजसन्धि, स्कंघ।

३७. बाल — त्रलक, श्रस्त, कच, काकपच्छ, काकुल, कुन्तल, केश, चिकुर, जटा, भंड, भॉट पश्म, पसम, बार, बाल, मूर्डज, रोम, रोवाँ, लोम, वृज्जिन, शर-सिज, शिरोकह, श्याम।

३८. बाल (श्रीरनों के सिर के)—श्रलक, केशपाश, केशरमूह, जूटा, जूपा, भोटा । ३८. बाल (घुंघराले) —कुचित केश,

कुंतल, कैट्यमलक । ४०. रोबॉं — तनूबह, रोब्रॉ, रोम, लोम । ४१ रोमांच — त्वकपुष्प, त्वगंकुर, पुलक,

रोमांच, रोमोद्मेद।

४२. चोटी-कंगूरा, कलश, कवरी, चुटिया, चोटी, धम्मिल, प्रवेगी, मौलिशिखा, वेगी, शिखर, शिखा, शिषा, शिष, शोष, शक्त, शेखर, शेषर, सर, सिख, सिखा, तिर, सीरख, सीरष, शोर्ष।

४३. जटा — कपर्टक, कौटीर, जटा, जटा-जूट, जटी, जुटक, जूट, जूटक, जूडा, बद्ध-कच, शट, इस्त ।

४४ भौं --श्रवरू, श्रब्रू, तंद्री, तेवर, मॅब, स्व, भ्रू, भृकुटी, भौह, भौंहाँ।

४४. बरौनी — श्रांचलोम, गरुत, नेश्रांक-जल्क, नेत्रच्छदरोम, पच्च, पच्म, पपनी, बरुना, बरौनी, रश्मि, विन्ने।

४६. दाढ़ी--चिबुक, ठोढ़ी, डाढ़ी, शमश्रु। ४७ मूँझ--गलमोब्बु, माझ, मुन्छ, मोह्मा, शमश्रु।

४८. घड्—श्रमुड, ग्राशिर, कबस, धर, रुड, लूंड।

४६. सीना—श्रागा, उक्षग, उत्संग, उर, उरस, उरस्थल, क्रांड, छुतिया, ख्राती, वत्त्व, वत्त्वःस्थल, वत्स, व्हिय, व्हियरा, हिया, हिरदय, हीय, दृदय।

४०. स्तन — उरज, उरवात, उरोज, उर-सिज, कुच, छतिया, छाती, दूष, धन. पयोधर, पिस्ता, बज्ञोज, वज्ञाज। दें 'सीना'।

४१. चूँची (स्तनाम)—ग्रॅंडली, चुचुक, चूँची, चूंचुक, रतनचूंचुक, स्तनमुख, स्तन-वृत, स्तनशिखा।

४२. पेट--श्रवधान, उदर, श्रोम, श्रोभर, श्रोभरी कर्नथ, कमद, कुच, कुचि, कोख, कायला, गर्भ, जठर, भोल, मौद, दुम्द, दोहर, पिचंड, महारा, शिक्स।

४३. त्रिवली (पेट के ३ वल)-श्विवली, पेटी, रोमराची। ४४ नामि — उदरावर्त, दूढी, ढोंढ़ी, तुंडि, तुंडी, दुजी, तुंदी, धुजी, नामी, पेडू, पेडू, बोड़री, जोड़ी।

४४. पीठ-पाछ, पाछा, पीछा, पोठ, पीठि, पुरुत, पूठि, पृष्ठ, पृष्ठभाग ।

४६. बाहु—दो, दोष, प्रगंड, प्रवेष्ट, बाँह, बाह, बाहा, बाहु, बाहुदंड, बाजू, भुज, भुजदंड, भुजा, मंज, वाहु।

४७. बराल--कॅलौरी, कत्त, कॉल,बाहुमूल, मुजकोटर, भुजमूल।

४८. केंद्रुनी—कफोिया, कूर्पर, केंद्रनी, कोंद्रनी, टिंद्रुनी, ठिंद्रुनी।

४६. हाथ-कर, पंचशाख, पाण, पाणि, पाणिक, पाणी, भुवाय, शय, इस्त, इस्त, इस्य। दे० 'बाहु'।

६०. कलाई—कलाई, गट्टा, पहुँचा, पाणिमूल, प्रकोष्ट, मिणविश्व ।

६१. हथेली--करतल, करतली, करपुष्ट, करपृष्ट, करभ, गदोरो, गद्दो, प्रतल, पाशितल, फलक, हतेरी, हथेरी, हथोरी, हस्ततल।

६२. करपृष्ठ---करपृष्ट, करप्रव्हि, हस्त-पृष्ट ।

६३. थप्पड़-चपत, चपेट, चॉटा. भापड़, तमाचा, थपेड़ा, दोहथा, प्रतल, प्रहस्त । ६४ घूसा--घूँसा, मुध्टिक, मुष्टिका. मुक्का, मुका ।

६४. बुडी-पुठिका, मुठी, मुश्त, मुष्टि, बुक्किक, मुष्टिका, मूठ, मूठी।

६६. गहुझा—श्रॅगुलिसंबि, गहुबा, मार्ड. समा।

६७. कॅंगसी - बंगुरी, ब्रॅंगुली, बॅंगुलीय,

श्रगुरत, श्राँगुरो, उगुलो, करब, कर-परलव, करवहन, करशाखा। ६८. पोर (उँगली)—पर्व, पोर। ६८. हाथ की ४ श्रँगुिलयाँ—श्रँगूठा, श्रनामिका, कनिष्ठा, तर्जनी, मध्यमा। ७०. श्रँगूठा—श्रंगुष्ठ, श्रग्ठा, श्रॅंबुठा। ७१. तर्जनी—तर्जनी, प्रदर्शनी। ७२. मध्यमा—किंग्यिका, ज्येष्ठा, विचली, माध्यमिका।

७३. श्रनामिका—श्रनम्मा, श्रनमिका, कनगुनिया।

७४. किनिष्टिका—किनिष्टिका, किनिष्ठा, कॉनी, कानी, छगुनी, छिगुनियाँ, **छिगुनी,** छिगुली।

७४. नाखून—करकटक, करचद्र, करख, करव्ह, कराकुश, कराम्रज, करोव्ह, कामाकुश, किरवार, नहं, नस्न, नस्नर, नष, पांख्यज, पुनर्भव।

७६**. गोद**—उछग, उत्सग, श्रक, **श्रक्रम,** श्रॅकवार, कोड्, गोदा ।

७७. **उदर — श्रोदर, पेड**़ा

७५. कमर — ककुद्मती, कटि, कटिपार्व, कटी, कटीर, कमर, करम, करिहाँब, कलत्र, काचीपद, मध्याग, ल क, भोखि, भोखिफलक।

७६. लिस --श्रामा, इद्रिय, उपस्थ, कदर्पमुवल, कामाकुश, ध्वब, पुलिस, मदनाकुश, मृत्रॅद्रिय, मेढ. मेइन, मॉगझी, रतिसाधन, रागसता, लंड, तलाक, सागु,
लॉब, सिम, लौंडा, वैतस, ध्यम, शिक्ष,
शेफ, सतर, साधन, स्वम्सम ।

द०. योकि-यान, जयर, शपथ, श्रवाच्य-देश, प्रदेशस्त्रे, कंट्यंतन्त्र, संदर्गसम्बद्ध, कलत्र, काममंदिर, गर्भद्वार, गर्भमुख, गर्भश्याया, गाँइ, जन्मवर्त्म, धारका, पुष्पी, प्रकृति, प्रकृति, प्राकचया, वरत्रंग, बुर, बुलि, भग, भिथयान, भोसङ्गा, योनि, रतिकुहर, रतिगृह, रति, रतिग्रह, रति-भवन, रतिमन्दिर, वराग, ससारमार्गक, स्त्रीलिंग, स्मरकृप।

५१. पोता—ग्रड, ग्रडकोश, ग्रडकोष, ग्रॅंड्वा, ग्रॉंड, ग्रॉंड्र्, खुसिया, फोता, वैजा, मुष्क, रत, वृष्ण, वृष्ण।

म्र. चृतङ्-कटक, गुदा, गृदा, चुत्तर, चृत, चृतर, जवन, नितंब, पायू, मलद्वार, श्रोगि।

म्हे. गुद्दा—श्रपान, गंड, गॉइ, गुद, गुद्दवर्स, गुद्ध, पायु, भग. मलद्वार, विष्ठानिर्गमद्वार, हगनहटी।

८४. जॉघ —उरु, उरू, बंधा, जघन, जॉघ, जान, जानु, रान, शरोरस्तंभ, सम्बद्ध,स्तम्भ।

प्तर. घुटना—गुल्फ, घुट, घुटक, घुटना, घुटकॅ, घुटिक, घुटिका, जानु, टिहुनी, ठेघुना, पादप्रथि, पादपृष्ट।

प्त पाँच — श्रंघि, श्रावमाग, कदम, गोह, चरण, टॅगरो. टॉग. पग, पद, पॉ, पाँइ, पाँउ. पॉव, पाश्रो, पाद, पाय, पैर!

८७. एडी--श्रंधि, एड, एडो, ऐडी, छ्वा, पार्टिंग्।

दम. तलवा (पैर का)—तरवा, तस्वा, तलवा, पदतन, पादतन।

पहलब, पदाम, पादागुली, पपद। १०. चमड़ा—खलड़ो, खलरी, खाल, खोलड़ी, चमड़ी, चर्म, खाम, बिस्ट, खक, खचा, निर्मोक, सुम्बरा।

६१ मांस— त्रसंब, त्राम्न**ब, त्रामिष, कम्प,** कव्य, गोश्त, गोस्त, बाग**ल, तरस. पल,** पलल, पालल, पिशित, मा**श**, मास ।

६२. मङ्जा-श्रिहियजः श्रिहियसंभव, श्रिहियन सार. श्रिहियस्नेह, जीवन, तेच, देहसार, वीज, शुक्रकर।

६३. चरबी—चर्बी, मेद. मेटा, वपा, वसा।

६४ स्तून—श्रस्त, श्रमुक, कोण्प, चतज, खून, पलज्ञार, रक्कत, रक्क, रगत, रखत, रसमव, रसर्वभव, दिवर, दिहर, रोहित, लहू, लोहू, शोग्ण, शोग्णित, सोनित।

६५. ७ धातु—ग्रस्थि, मज्जा, माँस, मेट, रक्त, रस, शुक्र।

६६. नस—नस, वस्नसा, स्वायु, स्नासा। ६७ नाङ्गी—घमनी, नङ्गी, नञ्ज, नरी, नस्, नाङ्गी, नारो. रग, शिरा, सार।

६न. ऋॅतड़ी- श्रतडी, श्रंतावरी, श्रत्र, श्रत्री, श्रॉत, श्राती, पुरोत, लाद, लेदड़ी। ६६. हड्डी-- श्रस्थि, कीकत, कुल्य, मेदख, मेदोज, हड्डी, हड्री, हाद, हाड्र।

१८०. ठठरी-—ग्रजर-पंजर, ऋस्थि-पंजर, ककाल, ठटरी, उट्टी, ठढरी, पंजर, माजर, हड़ावरि, हड़ावल।

१०१. खोपड़ी:—क, कपार, कपास, कपान, कपालिका, करपर, कर्पर, खर्पर, खोपड़ा, खोपड़ी,
चँदिया, टाँट, टाटर, भगाल, भाल, मत्था,
मौलि, शिर, शोर्घ, सर, सीत।
१०२. आँख का गाला—कोबा, गोलक,
नेभ्र पिंड, विदाल।

१०३. जबहा—चौमङ, चौहङ, जन्हा, बभा, डाढ़, दंष्ट्रा।

१०४. पँसली—पंचर, पंचरी,पँचुली, पचरी, पार्श्व ।

१०४. रीढ़--पृष्ठबंश, मेघदंड, येद ।

१०६. कूल्हा— कटिप्रोथ, कॅडिस^र, कुल्हा, कुल्हड़ ।

१०७. गाँठ-- ऋस्थिसंघात, ग्रंथि, गाँठि, जोड, बंद, सीमत ।

१०८. दिमारा—श्रक्त, गोद, गोर्द, तालु, तालु, दिमाक, दिमाग,बुद्धि, मगज, मग्ज, मस्तिक, मस्तिष्क, मस्तुलुगक, मेजा, सम्भा।

१०६. फेफड़ा—क्लोम, तिलक, धुकधुकी, फुफ्फुस, फेफड़ा, हृदय।

११०. कलेजा - -श्रममास, करेजा, कलेजा, कालखंड, जिगर, बुक्का, यकृत ।

१११. यकृत—करडा, कालक, कालखंब, कालखंड, कालेय, बिगर, महासायु, यकृत।

११२. तिरुली—गुरूम, तापित्रुल्लो,तिरूली, पलई, पलही, पिलहो, पोला, ाप्लहा, प्लीहा, बरबट ।

११२. गर्भाशय-उदर, कुचि, कोख, नर्भ, गर्भकोश, गर्भाशय, घठर, दौहद, घरर, पैट, पेड़, बच्चादान, बच्चादानी।

११४. मलाशय—कोठा, कोष्ठ, मलकोष्ठ, म**लास्य**ा

११४. पाखाना—गलीव, गुइ, गूँ, गूथ-वर्चस्क, गूइ, भाइा, पाबाना, पुरीव, बोट, मल, मैल, मैला, विष्ट, विष्टा, विष्ठा, यमल।

११६. पासाना होना-कुल्ला करना,केरना,

भादा फिरना, टही होना, दिशा होना, होलडाल होना, नदी जाना, निपटना, पेट चलना, पाखाना होना, फराकित होना, बहरे जाना, बद्दी बिलायत जाना, बिलायत जाना, मैदान होना, शौच होना, हगना, बदाना, गोबर करना, टीर्घशंका करना। ११७. पेशाब—उच्चार, काहरा, पेशाब, प्रसाव, मूत, मूत्र, लघुशंका।

११८. पेशाब करना—छोटी विलायत जाना, निशंक होना, पेशाब करना, मूतना, लघुशंका करना।

११६. **काँसू**—श्रंसुवा, श्रश्क, श्रक्ष, श्रक्षु, श्रसुश्रा, श्रस्त, श्रस्तु, श्राल, चच्चुचल, टसुश्रा, टिसुश्रा, नेत्रहुल, नेत्राम्बु, बाष्प, रोदन, लोच, वाष्प।

१२०. रोना— आठ आँस् रोना, आँस्
गिराना, आँस् बहाना, कलपना, किकियाना, चिचियाना, दाढ़े मारना, प्रलाप
करना, विविधाना, राग काढ़ना, कदन
करना, रोना, विलपना, विलाप करना,
स्मिनना, मुसुकना। दे० 'चिल्लाना'।
१२१. पमीना — आरक, उष्मा, ताप, पंसा,
पशीना, प्रस्वंद, अभवारि, अमविंदु, अमसीकर, स्वेद, स्वेदन।

१२२. थृक-कफ, स्वार, श्रूक, पीक, लार, श्लेष्मा, लाला, सृच्चिका, स्यन्दिनी। १२३ पोंटा-नकटो, नासामल, नेटा, सिंघाया।

१२४ पित्त—अन्ति, अनल, उप्मा, तिक, तेबस्, चाद्व, पलज्वल, माबु, रबन। १२४. कफ—सँसार, बलगम, श्लेष्मा। १२६. कींचर (आँस का मैस)— कींचड, कींचर, दूषिका, नेममल।

१२७. खोंट-कर्णमल, खूँट, खोंट, पिज्छा।

१२८. रज—त्रार्तव, ऋतुसाव, कुतुम, पुष्प, मासिकधर्म, स्त्रीधर्म।

१२६. वीर्य — ऋंड, इंद्रिय, जीवन, तेज, बीज, रेत, शुक्र, सार, हिरएय, हीर।

१३०. मर्न-ग्रंग,ग्रंत, ग्रंत:कर्ण, श्रंतस्, श्रनगंक, उर, चित्त, चेत, जिय, जी, तिबयत, मन, मनुश्राँ, मानस, स्वांत, हृद, हृदय।

१३१. मस्तिष्क—ज़ेहन, दिमाग्न, मस्तिष्क। —दे० 'बुद्धि।'

१३२. बुद्धि — श्रकल, श्रक्नल, चित, चेतना, ज्ञान, धारणा, धी, धीज्णा, प्रज्ञा, प्रतिपत्ति, प्रतिभा, प्रेचा, बोध, मित, भनस्, विज्ञान संख्या, समक्षा —दे० 'मस्तिष्क।'

१३३. दिल्ल-श्रम्यंतर, उछंग, उर, उरस्, करेजा, कलेजा, घट, दिल, मन, हिश्र, हिश्रा, हिश्रा, हिया, हिरदय, हीश्र, हीश्रा, हीय, हीयरा, होया, हृद, हृदय। १३४. इंद्रिय-श्रच, इंद्रिय, इंद्री, करण, कृषि, गुण्यकरन, गो, प्रहण, विषयी, हृषीक।

१३४. २ इंद्रियाँ—कर्मेंद्रियाँ, ज्ञानेद्रियाँ। १३६. ११ इंद्रियाँ-५ कर्म इंद्रियाँ, ५ ज्ञान इंद्रियाँ, १ मन।

१३७. ४ अंतरेंद्रियाँ—ग्रहकार, चित्त, बुद्धि, मन।

१३८. ४ कर्मेंद्रियाँ—उपस्य, गुदा, पैर, मुँद, हाथ।

१३६. ४ **झानेन्द्रियाँ**—श्राँस, विद्या, कान, त्वचा, नासिका। १४०. गर्भे—ग्रर्भ, ग्रर्भक, गर्भपिंड, पातक, पेट, भूग, इसल । १५१ - गर्भे सहस्याः सारा सारी केसा

१४१. गर्भ रहना--श्रागा भारी होना, श्राशा होना, गर्भ रहना, पेट रहना, पेट से रहना, पैर भारी होना।

१४२. जीवन—श्रवस्था, श्रायु, बिंदगी, जीवनकाल, वयःक्रम।

१४३. गर्भाधान—गर्भधारण, गर्भस्थित । १४३. घ. गर्भपात —गर्भनाश, गर्भसाव । १४४. जन्म— उत्पत्ति, उद्गम, उद्भव, घनन, बनम, जात, पैदाइश, प्रच-नन, प्रसव, प्रस्त ।

१४४. जन्म लेना—उगना, उतरना, उत्पन्न होना, जीवन पाना, निकलना, पैदा होना, ससार में श्राना। विलोम—दे० "मरना"।

१४६. जनना--श्राविभूत करना, उत्पन्न करना, जनन करना, जनना, जननी होता, जन्म देना, निकालना, पैदा करना, प्रथव करना, विश्राना, ज्याना ।

१४७. नामकरण्—नामकरन, नामकर्म । १४⊏. श्रान्तप्राशन—श्रस्रप्रासन, चटा-वन, पसनो, पासनो ।

१४६. मुंडन-केशकर्म, केशान्त, सीर, चोरकर्म, चूडाकर्म, भद्राकरण, वरन। १४०. यक्कोपबीत-उपनयन, उपवीत, व चनेऊ, जनेव, ब्रह्मसूत्र, यक्कोपबीद्ध,

१४१. विवाह— उदाह, उपयम, उपयम, करम्रह, करपीडन, कुडमाई, दारकर्म, दार-परिम्रह, निकाह, निवेश, परिचय, परि-मदन, पाणिम्रहणं, पाखिपीडन, विवाह,

विवाह, विवाह, व्याह, मंगनी, वरकाज, शादी, संबंध, सगाई, इथलेवा । १४२. ८ विवाह--- श्रार्ष, श्रासुर, गान्धर्व, दैव, पिशाच, प्रजापत्य, ब्राह्म, राच्छ। १४३. गौना —गवन, गवना, द्विरागमन, दुरागमन, मुकलावां, बिदा । १४४. मृत्यु —-श्रंत, श्रंतक, श्रतकर, श्रंतकर्ता, श्रातकारक, श्रंतकारी, श्रातकाल, श्रतकृत, श्रंतगति, श्रंतशय्या, श्रंतसमय, श्चतिमयात्रा, ग्रत्यय, श्रवसाद, श्रवसादन, श्रवसान, इतकाल, उत्क्रमण, उपरित, **ऊद्**र्ध्वारोह, अद्धारोह्ण, कबा, कटना, कदन, काल, कालधर्म, कृतान्त, च्य, क्रातमा, गयायात्रा, गंगालाम, गमन, गमो, जगदनक, दिष्टान्त, देहान्त, देह-देहान्तर, स्याग, देहपात, देहयात्रा, देशवसान, ध्वंस, नाश, निधन, निपात, निमीलन, निऋर्ति, नैधन, पचता, पचत्व, परलोकगमन, परलोकवास, परिवत, प्रवय, प्राच्त्याग, प्राचात, मरण, प्रयाश. महायात्रा, महानिद्रा, महाप्रस्थान, मोच, मोख, मोच्छ, मौत, व्यापति, **व्यापद्, विसाल**, शरीरत्याग, शरीरपात, शरीगन्त, पेडिवकार, स्वर्गयात्रा, स्वर्गा-रोह्या, संस्थान, सारिथति, स्वःपथ, हातु । १४४. मर्ना-- श्रवसान होना, गगालाम होना, गोलोक बाना, चल बसना, चोला क्रोइना, चोला बदलना, जान जाना, दिवगंत होना, कुकना, देशन्त होना, निषन होना, निपात होना, निर्वाख होना, परलोक, जाना, परलोक शिधारना, प्राच त्यागमा, प्राचान्त होना, मरहूम होना । १४६. सारना-कचर कृट करना, कृटना,

वमकना, धमधमाना, बहरना, घहराना, ठोंकना, ठठाना, ताइना, यपराना, श्रना, पीटना, पीठपूषा करना, दोइथाना, लतमर्दन करना, लतियाना। विलोम-दे॰ 'श्रादर करना।' १४७. मरवाता (जान से)—कटवाना, खून करवाना, घलवाना, बघाना, बघवाना मरवाना, हताना, इतवाना, इत्या करवाना, हनवाना । १४८. मारना (जान से)-काटना, ख्रतम करना, खून करना, घालना, वध करना, बधना, इतना, हत्या करना । १४६. शव – ऋतीत, कुणप, चितिवर्द्धन, भूमिवर्द्धन, मुरदा, मुदां, मृत, मृतक, मृत-शरीर, लाश, लोथ, लोथि, सव। १६०. पूर्वज --नाराशस, नाराशंसी,पुरस्ना, पुरवा, पुरिखा, पुर्वे ज, बुजुर्ग । १६५. दादा के पिना - नकडदादा, पर-दादा. प्रपितामह। १६२. दादा (पिता के पिता) श्राजा, श्रार्थक ददा, दादा, दादू, परदादा, **पिना**-मह, जना, नावा। १६३. दादो (पिता की माता) —श्राजी, **त्र्यार्था, ऐया, दादी, वितामही, बढ़की माई** । १६४. दादा का घर-- श्रि बहाल, दिद-हाल ! १६४. दादी के पिता का घर-ग्रविश्रौरा, ददिश्रौरा। १६६. मृत बाप दादा ऋादि — ग्रंभ, श्चगला, पितर, पितृ । **१६७. नाना का बाप** -परनाना । १६८. नाना (माता के पिता)---नमा, नाना, मातामइ, मातृपिता, मातृमइ ।

१६६: नानी (माता की माता)—म्राई, नानी, मातामहपत्नी, मातामही, मानृमही, मातृमाता।

१७०. मामा (माता के भाई)—मातुल, मामा, मामू।

१७१ मामी (मामा की स्त्री)—मातुल, मातुलपत्नी, मातुलानी, मातुली, माँईं, मामी।

१७२ <mark>मामा का लड़का</mark>—मातुलेय, ममेरा।

१७३. नाना का घर—ननसार, निन-श्रीरा, निहाल, नानिहाल ।

१७४. पिता-अदिति, अन्ना, किन्नला,
गुरु, ज, जनक, जनन, जनियता, जनिया,
जन्मद, जन्य, डोकरा, तात, पिता, पितु,
पितृ, पिन्, पिटर, प्रजापित, न्य, नप्या,
नाप, नापृ, नाना नानू, मूलक, नालिद।
१७४. ७ तरह के नाप—अभय देने नाला,
गुरु, जन्म देने नाला, पालन करने नाला,
नदी भाई, मन्न देने नाला, श्वसुर।

१७६. सौतेला बाप -- कठबाए ।

१७७. माता— श्रवक, श्रवाः श्रवालिका, श्रविका, श्रदिति, श्रमाँ श्रमा, गो, जनि, जनिश्त्री, जननी, जिन, जिन्त्री, जनी, जनीयत्री, जा, धात्री, रसू, मतिरया मतारो, महतारी, मां, मा, माइ, माई, माता, मातु, मातृ, मातृ, माय, माया, मैया, वालिदा।

१७८. योग्य पुत्र उत्पन्न करने वाली माता—अपूती । १७६. ऋयोग्य पुत्र उत्पन्न करने वाली माता—कपूती ।

१८०. सौतेली माँ- उपमाता, दुमाता, मतेई, मैभा, विमाता । १८१. ७ तरह की माताएँ-गुर की स्त्री, गौ, जन्मदात्री, माता, दूच पिलाने वाली दाई, ब्राह्मणी, मातृंभूमि, राजपतनी । १८२. डपमाता—श्रन्नां, उपमाता, धात्री । १८३. **बुरीमाता**—कुमाता, **बु**माता । १८४. माता पिता का प्रम-वात्सस्य। १८४. ताऊ वाप का बड़ा भाई)---ताऊ, ताया, पितृव्य । १८६. ताऊ की स्त्री -- ताई। १८७. चाचा (बाप का छोटा भाई)---कका, काका, चचा, चाचा, ताऊ, पितृब्य । १८८. चाची (चाचा की **की**)—काकी, चाचो, ताई। १८६. ससुर (पति या पर्त्ना बाप)---वाबा, शतानीक, श्वशुर, श्वसुर, ससुर, सुसुरा, स्वशुर, स्वसुर। १६०. सास (पित या पत्नी की माता)--श्रायी, मरवा, श्वभू, सासु । १६१. ससुर का घर—सतुरा, ससुरास, सासरा, नासुर, सुसराल, स्वसुराल । १६२. साला (पत्नी का भाई)--**ब्रात्मनीय, बारकीर, श्यालक, श्याला,** श्वशुर्यं, सिकंदर, स्याल, स्याला । १६३. साले की सी--सरहब, सलहब। १६४. साली (पत्नी की बहन)--श्याली, सद्भाइन। १६४. सार का सार--- वरमरा। १६६. सार का बेटा-- रुरपुत। १६७. लड्का या लड्की का सञ्चर--

समधी, सम्बन्धी।

१६८. लड्के या लड्की की साम्रु—सम-िषन ।

१६६. समधी का बाय-लमधी। २००. समधी की माँ-लमधिन।

२०१. बहन—जामि, बहनेली, बहिन, भगनी, भगिनी, मैन, भैना, सहोदरा, सहोदरी, मोदरा, सोदरी, सुसा, स्वसा।

२०२- बड़ो बहन—श्रंप्रजा, जिजिया, जीजी, जेंटी, जेंग्टी, दिदिया, दीदी, पूर्वजा, बहन।

२०३. जीजा—ग्रामहासक, बोजा, पाहुन, बहनेऊ. बहनेली, बहनोई, भगिनीपति, श्याल।

२०४. भांजा (बहिन का खड़का -जामेय, बहनौता, भगना, भगिना, भगिन निज, मगिनीय, भगिनेय, भगिन्य, भाग-नेय, भागिनेय, भानजा, भाजा, मैने, स्यसोय।

२०४ भांजी (बहिन का लड़की)— भगिनिबा, भांगना, भगिन्या, भाजी, भैने, स्वासीया।

२८६. फूआ (पिता का बहन)—पितृ-ष्यसा, फ़फो, फूआ, फूफी, फूफ, बुआ, बुआ।

२०७. फूफा (पिता के बहनोई) — फुफ्ता, फुफू, फुफू:

२०८. आई (फुफेरा)—पितृष्वसेयी, वितृष्यसीय ।

२०६. वहिन (फुफेरी)-- पितृष्वसेयी, पितृष्वसीया ।

२१०. मौसा (मौसी का पति) - बाब्, मासा, मौसा, मौसिया ।

२११. मौसी (माता की बहन)-

खाला, मातृमगिनी, मातृष्वसा, मासी, मौसी।

२१२. भाई (मौसेरा)—मातृष्वसेय, मातृष्वस्रीय।

२१३. **बहिन (मौसेरी)**—मातृष्वमय, मातृष्वस्रीया।

२१४. भाई--म्ननुज, ज्ञाति, बन्धु, बन्धू, बान्धय, बिरादर, बीर, बोरन, भइया, भाई, भाय, भैया, भ्रात, भ्राता, विरादर, वीर, सहोदर, सोदर।

२१४. भाई (सगा)—भात, भ्राता, माजाया, मादरजात, सगर्भ, सगा, समानोदर, सहज, सहोदर, सादर, सोचीय, सोटर, सोदर्य।

२८६. दूध भाई - कोका, घामाई । २१७. भाई चारा---भाइप, भाई-चारा, - मायप, भैयाचारी ।

२२⊏. **बड़ा भाई—श्र**मज, श्रमजन्मा, श्रमिम, श्रामय, ददा, दाऊ, दादा, दादू, पूर्वज, पूर्वजन्मा, भय्याजः, वर्षे ।

२१६. आर्आ--प्रजावती, भावज, भाना, भौज, भौजाई, भौजा, भातमेहिनी, भातृ-जाया, भातृभायां, भातृबधू, भातृजीया, सहजमहा

२२०. भाई (**झोटा)—सनुज, धर्म्य,** कनिष्ठ, बघन्य**स, अ**विष्ट, भाई, यर्बान, ल**ड्डभा**त, मूनु।

२२१. होटे भाई की स्वा-भयहु, भयाहु।

२२२. भतीजा--मतीब, भावृक, भावृष, भावृपुत्र, भावृष्य, भावृषुत

२२३. सतीजी— भतीबी, भातृबा। २२४. पति—व्यापप, श्रावपति, व्यावसू, श्रार्थ, इ.स., इंश, इंशिता, इंश्वर, कत, कंथ, कांत, लेत्री, खसम, ख्राविंद, घरवसा, घरवाला, चेट, दींगर, दूलह, दूल्हा, घव, घनिक, घनी, नाथ, पत, पति, पाणियाह, पाणियाहक, पिय, पिया, पियु, पोउ, पीय, पोव, पुरुष, प्यारे, प्यो, प्रण्यी, प्राण्, प्राण्जीवन, प्राण्णनाथ, प्राण्पति, प्राण्पारा, प्राण्णिय, प्राण्यवल्लभ, प्राण्पार्था, प्राण्णिय, प्राण्णिय,

२२४ पत्नी—श्रष्घीगनी, श्रष्घीगनी,
श्रीरत, कबीला,कलत्र,कान्ता, चेत्र, गृह्णी,
गृह्णी, गेहनी, घरदासी, घरनी, घरवाली,
चरणदासी, जनाना, जिन, जानि, जानी,
जाया, जोइ, जोय, जोरू, जौजा, तलोदरी,
तिय, ती, दार, दारा, दासी, द्वितीया,
घर्मणी,धर्मपत्नी, धार्मणी, निदनी, पतिनी,
पत्नी, परिगृहा, परिग्रहा, प्रण्यिनी, प्राण्,
प्राण्गृहोता, प्राण्गृहोती, प्रिया, बनिता,
बहू, बाला, बीबी, भवनी, भवानी, भार्या,
मेहरा, रविन, रवनी, जुगाई, लोगाई, वधू,
बल्लभा, वशा, वामागनी, वामा, संगिनी,
सहगामनी, सहचरी, सहचारिणी, सहघर्मणी, मुश्रासनी, स्त्री, हरम।

२२६. ४ तरह के पति-श्रनुक्ल, दिच्य, भृष्ट, शठ।

२२७. **चपपति** — उपपति, घरवशा, जार, घगका, घिंगढ़ा, यार ! २२८. उपपत्नी—उपपत्नी, करौत, गुपता, गृहीता, घरवासी, दोहगा, मदखूला, मुताही, स्खनी, रखेली, सुरैत, सुरैतिन, हरम। २२६. वैश्या से प्रेम करने वाला—नायक, वैसिक।

२३०. सपत्नी—प्रतिकामिनी, प्रतिकृता, शौत, सपत्नी, सपत्नीक, समानपतिका, सवत, सस्त्रोक, सौक, सौकन, सौत, सौतन, सौतिन, सौतिन।

२३१. मपत्नी का भाव था धर्म--- नापत्न्य, नौतपन ।

२३२. पत्नी की छोटी बहन—यित्रका।
२३३. बहु—पुत्रवधू, पतोह, पतोहू, वधू,
बधूटी, बहुरिया, बहु, वधू, 'अषा।
२३४. पिता का घर—नैहर, पितृगृह,
पोहर, मयका, मायका, मैका।

२३४. विधानपूर्वक स्त्री या पति का संबंध त्याग---तलाक, तिलाक, समंब विच्छेद।

२३६. पति या पत्नी की दादी— ददिया सास ।

२३७. पनि या पत्नी के **चाचा**---चिचया समुर ।

२२⊏. पति था पत्नी <mark>के मामा-</mark>–म[ा]म**र्या** ंसमुर⊹

२३६. पति या पत्नी के फूफा—फुकिया यसुर, फ़फ़क्रा समुर ।

२४० पति या पत्नी के नाना-निका संसुर ।

२४१. पति या पत्नी का जोड़ा—काबा-पती, दंपति, दंपती, इन्द्र, भार्वाषती। २४२ मसुर (पति का बढ़ा आई)— जेठ, जेठउत, जेठउर, जेठरा, ज्येष्ट, मसुर, भाई जी।

२४३ देवर (पति का छोटा भाई)— देवर, देवरा, देह, पतिभाता, बनुम्रा, बनुम्रा जी, बाबू।

२४४ ननदोई (पति का बहनोई) -ननदोई, नन्देऊ, नन्दोई।

२४**४ ननद** (पति की बहन) नदिनी, ननद, ननद, ननदी, ननांदरि, ननाह,नन्द, नन्दा।

२४६. सन्तान—श्रापत्य, उम्मत, श्रीलाद, गोत्रजनन, तत्तु, ताँती, नुत्फा, पसरा, परिवार, प्रजा, प्रस्व, प्रसृति, वंश, वशज, वश्चर, वंशपरम्परा, वच्चा, बालवच्चे, लहकावाला, सन्तिति, सन्तान, सर्गे।

२४७. लड्का—ग्रंगज, ग्रर्भक, श्रांख, किशार, कुँगर, कुँमरेटा, कुँवर, कुमार, चिंजा, छावड़ा, छाव, छैया, छोरा, धातक, टानर, टोटा, डावर, डिंभ, दारक, प्रसव, बालक, वद्व, लड्का, लाल. लाँडा, शिशु। दे॰ 'पुत्र'।

२४८ लड्की - दे० 'पुत्री।'

२४६ वर्ग्यसकर—श्ररजल, श्रष्टघानी, कमश्रसल, किंपुरुष, कुरुड, गोलक, जारज, दोगला, घीगड, बीगडा, पाराशव, बरनसकर, रमजना,रामजना, शंकर, सकर, इरामज़ादा।

२४०. पुत्र-ग्राज, ग्राम्त, भपत्य, ग्रास्मच, ग्रास्मनीय, श्रास्मम, ग्रीरस, ग्रीसाद, कुमान, कुलघारक, चिंबा, कोकस, कोकरा, क्यान, कोहरा, कोरा. ग्रम्य, बा, बात, डाँठरा डायरा, दोटा, दोटीना, तत, तनय, तन, तनुब, तनुब, तनै, तनोब, तात, दायाद, दारक, नंद, नंदक, नदन, नदिवर्दन, नांदवर्दन, नकुल, नाद-वर्दन, पिसर, पुतरा, पुत्त, पूत, फरज़न्द, बालक, बोर, बेटला, बेटवा, बेटा, लाल, बच्छ, वत्मु वल्द, वीर, सुम्रान, सुत, सुव, सुवन, सुवनारा, सून, सुन, स्वजात। विलोम—दं० 'पुत्री।'

२४१. श्राच्छा पुत्रः—सपुत्र, सपूत, सुपूत । २४२ खराब पुत्रः—श्रपृत, कपूत, कुपुत्र । २४३. दुलारा पुत्रः—श्रलकलकेता, श्रलकः मलोश, दुनहेटा, लालन

२४४. केवल एक पुत्र-श्रर्जुन, इक-

२४४ पुत्र के समान पाला हुन्ना लड्का-पालक, पालट, पोध्यपुत्र

२४६. गोद **लिया हुद्या लढ्का-- ग्रौरस,** दत्तक, दश्तक, पालक, पालट, पोष्यपुत्र, पोमपूत, मृतवन्ना, रास, लेपालक।

२४७. पुत्र का पुत्र—छावा, नतिकट, नप्ता, नप्तृ, नवीरा, नसा, नाती, पुत्रात्मज, वोतदा, गेता, पौत्र।

२५८ पुत्र की पुत्री —िषय, नर्तिनी, नष्त्री, नतीरी, नातिन, गातिनी, पोत्रही, पोर्धा, पुत्रात्मजा, पौत्री ।

२४६ पुत्र के पुत्र का पुत्र-पदपुत्र, पनाती, परपोता, परपौत्र, प्रपौत्र ।

२६० पुत्रा श्रागवा, श्रागवाई, श्रागवा, वस्यो, श्रात्मत्रा, श्रात्मोद्भवः, कनामिका, कन्यका, कन्या. कुमारिका, कुमारी, कोरी, वर्ता, वा, वाई, बात, वाता, बामि, डॉबरी, दोटी ननया, तनुवा, तनैया, तन्या, दारिका. दुझतरी, दुहिता, ची, बोजाता, घोदा, घोया, नैदना, नेदनो, निंदनी, नगनी, पुत्तरी, पुत्रिका, बाला, बालिका, बिटिया, बिटी, बेटकी, बेटी, माइँ, माँई, लड़की, सुता, स्वजा। बिलोम—दे० 'पुत्र'।

२६१. पुत्री का पुत्र—कुतप, दुहता, दोसता, दोहित, दौहित, नप्ता, नवासा, नात, नाती, सुन्।

२६२. पुत्री की पुत्री—दौहित्रा, नितनी, नातिन, नातिनी।

२६३. दामाद—जॅवाई, जवाय, जवाई, जामाई, जामातृ, जामाता, दमाद, धीय, पाहुना।

२६४. दूल्हा — दुलहा, दूलह, नौशा, पाणिमाहक, बनरा, बन्ना, बर, लाड़ा, वर, शह।

२६४ दुलहिन--दुलहन, दुलहिया, दुलही, दुलहैया, दूलहन, नौशी, बनी, बनी। २६६. प्रेमी--अनुरागो, अनुहक्त, आशना, आशिक, आसक, चाहक, दिलदार, प्यारा, प्रेमिक, रगीला, रकीब, रसवंत, रसिक, रागी, रिक्तकवार, रिक्तवार, सनेहिया, सनेही, सपरन, सहृदय, साजन, सनेही।

२६७. प्रेमिका—श्रजीज, चहेती, बनियाँ, जानी, ढोला, वियतमा, विया, प्रीतिपात्र, प्रेम-पात्र, प्रेमिका, प्रेयसी, प्यारी, भावता, माश्रकः सजनी, साक्री, नेहपात्र, स्नेहिनी । २६८. वियोगी—विक्कुडा, विक्कोई, विक्कोही, विरही ।

२६६. वियोगिनी —िवयोगिनी, विरह-नप्ता, विरहसतप्ता, विरहिस्मी ।

२७०. सधवा स्त्री—ब्रहिवाती, गुण्गौरि, बावत्पति, पतिवती, वधूटी, सघवा, सनाया, सावित्रो, सुत्रासिनी, सुभगा, सुरागिन, सुरागिनी, सुरागिल, सेहागिन, सेहागिस, सौमागिनी, सौभाग्यवती ।

२७१. विध्वा — अभवा, अनाया, अपित, एकवेणी, जालिका, पतिहीना, वेवा, यितनी, यती, रहा, रांड, रांड, विध्वा । २७२. पतिव्रता — कुलवभु, गुणगौरि, तपित्वनी, पतिवेवा, पतिपरायण पतिभक्ता, पतिव्रता, पूर्वि, पाकदामन, मगला, मनिस्वनी, सतवती, सती, साध्वी, साध्वी. सुचरित्रा।

२७३. कुलवधू — कुलवतः, कुलवता, कुलवधूटो।

२७४. रॅंडुच्चा (जिसकी 'स्त्री मर गई हो)—ग्रपत्नीक, रडाश्रमी, रॅंडुग्ना, रडुवा, रॅंडोरा, विधुर, विकल !

२७४. कुटनी (समाचार पहुचाने वाली की)—श्रज्जेन, कुटनी, पटका, दुर्भगा, दूतिका, दूता, भिच्छको, मुडा, वाक्यहारिणी, सचारिका, सदेशहरा, संभली, सारिका, लमणा।

२७६. परनारी-परतिरिया,परित्रया, पराई स्त्री, सुभा।

२.७७. सखी-— त्रतःपुरचारिगो, त्रातःपुर-चारिका, त्राली, त्राली, त्राहेंगा, वयस्का, महल्लिका,वालिबा,शिल्पकारिका, शेचना, सगिनो, सहयो, सखि संची, सरस्वती. सहचारिगी, सहचरी, महेली, साथिनो, सैर्धा, हारिबी, हित्।

२७८. सिच — श्रंतरम, श्रावराची, इच्छ, गोइयाँ, गोई, दोस्त, नदीबर्द्धन, परिगद, बान्धव, मित्र,यार, सँगातो, समी, सँचाती, सघी, सखा, सहचर, सहचार, सहचारी, सहपाठी, सुद्धत, सौहृद, सुद्धद, दित, दिन्, हितैषी ।

२७६. शतु—श्रदावती, श्रनहित, श्रपच, श्रमित्र, श्ररि, श्रहित, श्रारात, कृतवात, दावागीर, दुई द, दुश्मन, द्विषण, देषी, परिपंथी, प्रतिपची, वैरी, मुकाबिल, मुखालिफ, रिपु, विदेषण, विपची, विरोधी, वैरी, शात्रव ।

२८०. **समवयस्क**—जोडी-पाडी, सम-उरिया, समवयस्क, ममौरिया, सवय, स्निग्ध।

२म१. वर्षो —जाति, बरन, बिरादर, भाई।
२५२. ब्राह्मण्—श्रप्रजन्मा, श्रप्रजातक,
कुदेव, कुलभे घठ, गुरु, उपेष्ठ वर्षा, द्विज,
द्विज्ञाति,नय, पिंडत, बाह्रव, बाग्ह्न, निप्र,
ब्रह्मा, भूदेव, भूमिदेव, भूमिसुर, भूसुर,
महाराज, महिसुर, पहोसुर, मैत्र. यजुवर,
वत्कज, वामन, विप्र, पटकर्मा, स्त्रकठ।
२५३. बाह्मस्थी —पडिताइन, पंडितानी,
बॉभनी, ब्राह्मस्थ-परनी, महराजिन।

२८४. भूमिहार - भू दहार, भूमिहार, ठाकुर, भूमिहार ब्राह्मण

२**८४. तिवारी--तिवाडा**,त्रिपाठी,त्रिवेटी । २५६. **चौबे---चतुर्वे**दी ।

६८७. श्रोमा-मा

२८८. तपाच्याब — उपिया, उपाध्या, उपाध्ये।

२८६ पांडे-पांडे, पाडेया

२६०. शुक्त - शुक्ला, शुक्ल !

! २६१. मिश्र --- मिश्रा, मिसिर

२६२. इतिय-चन्न, इतिय, व्यो. इति अतिय, खन्नी, द्विवार्शिगी, नाभि. नृप, पार्थिव, बाबू, बाबुसाहब, बाहुक, मूर्द्धक, राजन्य, राजा, वर्मा, विराज, विराट, सार्वभौम।

२६३. **चत्राणी**—चत्राणी, चत्रिया, चित्रि-याणी, चित्रियो, चत्रीपत्न', चत्रीस्त्री, खतरानी, महाराणी, राजपत्नी, रानी, वीरपत्नी, वीरमाता, वीरस्नुषा ।

२६४. वैश्य--त्रर्यं, ऊख्व, ऊरूब, गुप्त, दिज, पंगिक, बनजकर, बनिया, वैश्य, भूमिजीवी, भूमिस्पृक, महाजन, मीदी, विग्कि, वास्तिक, विट्, विस, ब्यवहर्ता, शेष्ठ, श्रेष्ठी, साहु, सेठ, सठी।

२६४. वेश्य-म्ब्री-श्रया, श्रयीखो, श्रयी, विनयाहत, मोदिन, मोदियाहन, वैश्य-पन्नी, वैश्य-स्त्री, वैश्या, महुश्राहन, सहुवाहन।

२६६. शुद्धे — अत्यन, अत्यनमा, अत्य-वर्गा, अञ्चत, उपायक, चतुर्ग, चाडाल, जपत्य, जघत्यज, दास, द्वित्रदास, द्वित-सवक, पञ्ज, पादन, मुपल, शुद्ध, सुद, सवक,

२६७ शुद्ध-स्त्री-स्त्रत्यजा, उक्किना, टासी, शुद्ध-पर्ती, शुद्ध-स्त्री, शुद्धा, शुद्धिन, सेविका

न्धः चांडाल-कृत्यन, श्रञ्जूता, श्रस्र्य, चडाल, चाडाल, बनगम, दिवानीर्ति, प्लव, पुरुकस, मातग, श्वपच।

२६६. कुछ चांबाल जातियाँ—किरान, केवट, कोल, चमार, डाम, दुसाघ, घोबी, नट. पासी, भंगो, भर, भाल, मुसहर, वेश्युक, व्यंघ।

२००. जाति—मारुपद, मारुपद, कुटुम्ब, कुल, ज़ानदान, गोतो, गोत्रिप, बात,

जाति, पक्ति, पात, परिवार, बिरादरी, वश, वर्ग, श्रेगी। दे० 'त्रर्ण'। ३०१. खत्री – इत्रिय, खत्री, खतरी, खिती। ३०२. खत्री-छी-खतरानी, खत्राणी, खत्रानी । ३०३. कायस्थ -- कलमवीर, कायथ, मुशी, मुंसी, लाला। ३०४. कायस्थ-स्त्री--कायियन, कैथिनी, मुंशीत्राइन, ललाइन । ३०४. ऋहीर--ऋहिर, ऋाभोर, गोदुह, गोप, गोपाल, गोसख्य, ग्वाल, ग्वाला, यादव, बल्लव। ३०६. ऋहिरिन (ऋहीर खी) — ऋहि-रिनी, श्राभीरपत्नी, श्राभीरस्त्री, श्राभीरी, गोपस्त्री, गावी, ग्वालिन, महाश्रूद्री । ३०७. कोइरी-काछी, कोयरी। ३०८. कोइरी स्त्री-काछिन, कोइरिन। ३०६. कहार --कमकर, कहारिन, धीमर, पनभरा, पनहारा, महरा, स्कथभार। ३१०. कहारिन (कहार-स्त्री)---कमिकरन, कॅहारिन, कहारी, घीमरिन, पनभरिन, पनभरो, घीवर, पनहारी, महरिन, महरी। ३११. नाई- श्रतवसायी, कल्पक, चुरी, चौरकार, चौरा, ग्रामणी, ठाकुर, दिवा-कीर्त्ति , नखक्ष्ट, नाऊ, नाउठाकुर,नापित, न्यायी, बरकट्टा, भाडपुट, भुड, वात्सीसुत, सैना, हजाम, हज्जाम। ३१२. **नाउन**—नाइन, नाउनि । ३१३. बारी--पत्राजीवी, पत्राली, बद-बीवो, बारी। ३१४. बारी-क्की-बारिन। ३१४. बरई — बरई, बढर्जावन, बढबीबी ।

३१६. बरई-स्री--वरहन। तांबुलिक, ३१७. तमोली- तमोलि, ताबूली, बरई। ३१८. तमोली-स्री---तमोलिन, बरइन । ३१६. तेली-नान्, चाक्रिक, तैलकार, धूसर । ३२०. तेली स्त्री--कनुवाइन, तेलिन, तैल-नारिन। ३२१. ठठेरा--कॅसकुट, ठठेरा, तमेरा, नाम्रकुद्द, ताम्राजीवी, शौल्बिक । ३२२. ठठेरा-स्री-ठठेरिन। ३२३. कुम्हार-कुंभार, कुमकार, कुलाल, कोहार, घटक, घटकार, घटजनक । ३२४. कुम्हार-स्री--वृंभास्नि, क्मकारिन. काहाँइन, कोहारिन। ३२४. कुरमी--- दुनबी, कुरमी. कुर्मवशी, कुर्मीय। ३२६. कुरमी स्थी -- कुनविन, कुरमिन। ३२७. बनिया-परचूनिया, बनिया, मोदी। ३२८. बनिया स्रो--विश्राइन, श्राह्न । ३२६. लोहार---श्रयस्कार, कर्मकार, कर्मार, लोहकारक, लौहकार। ३३० लोहार स्त्री—लोहाइन, लोहारिन । ३३१. बद्ई --काष्टकार, तची, तदमेदी, वर्धकी, मृत, सूत्रकार, स्यन्दनकार। ३३२ बढ़ई-स्त्री--बढइन। ३३३. गढ़ेरिया—अजपाबी, अ**जाजीवी,** श्रजो, गड़ेरिया, गड़ेरी, जावास । ३३४. गड़ेरिया-स्त्री--गड़ेरिन, मड़ेरी। ३३४. सोनार--कतार, नाडियम, वश्य-तोहर, बक्मकार, सेठ, स्वक्षकार !

३३६. **सोनार क्षी**—सेठानी, मेठिन, सोनारिन।

३३७. दर्जी—खलीफा, छिपी, तुन्नवाय, दरजो, सूचिक, सूजी, सूत्रीमट, सौचि, सौचिक।

३३८. दर्जी स्त्रा—ंबलिफाइन, दर्जिन, दर्जिन,

३३६. **कलवा**र —कलार, क**ला**ल, याङी, शौडिक।

३४०. कलवार-की-कलवारिन, कलारिन। १४१. मल्लाह — कर्णधार, केवट, कैवर्त, खेवक, खेवट, जालक, दास, धोवर, नाविक, नैसाध्यबन, मलाह, मॉकी।

३४२. मल्लाह स्त्री--मलाहिन, मल्लाहिन, -माभिन ।

३४३. माली -- पुष्पलाव, पुष्पलावक, पुष्पा-जीवा, बनार्चक, मालाकर, मालाकार, मालिक, माली।

१४४ **मालिन--पु**ष्पलावा, मिलानयाँ. मालिकी, मालिनी ।

३४४. घोबी--कर्मकीलक, घावल,निर्णेजक, नेजक, बरेठा, रखक, शौचेय।

रे४६ **घोबिन -घोब**इन, घोबन, घोबिन, ान**र्यो**जकी, बठाइन, बरेडिन, रजकप**ली रज**की, शौचेयी।

३४**७. मञ्जूषा—धी**मर, घीवर, मञ्जूदा, म**त्स्यजीवी, मोधुद्ध**ी

वेश्वया—ग्रहेरी, भाखेटा, ग्वदीमार, चिरहटा, चिरिहार, द्रोहाट, बलपाशुन, बहेलिया, व्याचा, मृगबीवन, मृगयू, मृगववाबीय, व्याच, लब्युक, खुद्दवना, बुद्धक, शाकुनिकशिकारी। ३४१. भड्भूजा—गोंड, भड्भूंबा, मुबवा, भुरबी।

३४०. **भड़भूजा म्त्री—गोंडिन, भड़**-भूजिन ।

३४१. चमार — कुरट, चर्मक, चर्मकार, चर्मकार, चर्मकारक, चर्मार, चर्मार, वचक, पादु-काकार।

३४२. चमाइन ःचमार स्त्री)--चमाइन, ःचमारिन, चमारी, चमैकारिणी।

३५३. भाट--चारण, पश्चम, प्रातमेय, वर्दा, वंदीजन, वैताल, वैतालक, भट्ट, भाट, मगध, मधुक, भागभ, लग्न, स्त. स्तुतिपावक।

३४४. मेहतर--चूहदा, बमादार, घरकार, भगी, महत्तर महतर हलखोर, हलाल-खोर, हेला।

३४४. मेहतर क्या - चमादारिन, मेहत-राना, मेहतारन, इलखोरिन ।

२४६. मुसलमान — इस्लामी, बवन, तुरुक, - वुक, भिर्या, भुस्लमान, मुहम्मदो, म्लेच्छ्र, - यवन ।

२४७. चुडिहारा--ब्रातक्तक, चुरिहास, मनिहास, लखंस, लाद्यक ।

३४८. चु**दिहारिन —**चुर्रहारिन, शन-हारिन, लखेरी, ला**च्छी**।

३४६. जुलाहा -- कुविंद, कोरा, बुलाहा. ंतदुक, ततुवाय।

३६०. रगरेख -खोषा, खीषा, रगक, रग-कर, रगरेब, रगाबीबी, रगी ।

६६१. **धुनिया-**-धुनका, धुनियाँ, प्रजारा, बेहना ।

३६२. धुनिया सी-धुनियाँ इन ।

40---6

३६३. कसाई—कस्साई, कौटिकक, कौटिक, गोमर, चिक, चिकवा, बुज़कस्साब, बूचड़, मासक, मासविकेता, मासिक, वैतसिक, हिसक।

३६४. कोलिकरात — किरात, कोलि, भोल, मुसहर, व्याध, शबर।

३६४. श्रंभेज — श्रागलदेशी, श्रागलीय, इगरेज, गोरा, गौराग, फिरगी, बिलायती । ३६६. जज-श्रद्धदर्शक, जज, धर्मराज, न्या-यक, न्यायकत्ती, न्यायाधीश, प्राडविवाक । ३६७. पंच — सरपंच, पालस ।

३६८. श्राभियोगी—श्रिभयोक्ता, फरियादी, सुदई, मह्र के, वादी।

३६६. प्रतिवादी—मुद्दत्रलेह, मुद्दालेह, प्रतिपन्नी।

३७०. मुल् जिस — श्रवरावी, श्रिभियुक्त, दोषी, मुबग्मि, मुजलिम ।

३७१. गवाह — पत्यत्तदर्शी, सात्ती, सार्खा। ३७२. केंदी — उपग्रह, केंदी, प्रग्रह, प्रतिग्रह, बदा, बंदी, बंदीवान, बंदेरा, बंधुन्ना, बंधुवा, बदी।

३७३. जल्लाद्—कतलबाज़, क्रातिल, धातक. जलाद, बधिक, बधुश्रा।

३७४. जमीदार — इलाकेदार जमीनदार, ताल्लुकेदार, भूम्बामी, मिलकी, रईस । ३७४. कारिदा — श्रमला, इंतबामकार, एजेंट, कामगार, कामटार, कारकुनिंदा, कारपरदाज, कारिजा, प्रबधक, मृतिज्ञम । ३७६. काशतकार — कास्तकार, किसान, कृषक, कृषिक, कृषिजीवो, कृषीवल, खेतिहर, चासा, चासी, भान्याकृत । ३७७. हरवाहा — हरवाह, हलवाह, हलवाहा, इलवाही, चासा। रेज्य सेहसान—ग्रितिथि, ग्रतीथ, ग्रम्या-गत, गृहागत, पहुना, पाहुना, प्राध्य, प्राधूणिक, प्राधूणी, प्राधूणिक।

३७६. **मेहमानदार** -श्रातिथ्यक, मेहमान-दार, मेननान।

देन. मालिक-श्रिधिं, श्रध्यत्त, श्रवदाता, श्रामा, श्राक्षापक, ईश, कत, त्तेत्री, खविद, खसम, खाबिंद, नाथ, पत, पति. प्यो, प्रभु, प्रोप्राइटर, बाबू, नालिक, मया, यद, प्रभू, सहयाँ, साई, सुश्रामी, स्वत्वाधिकारी, स्वामि, स्वामी।

३८१. मालकिन—मालिकिन, स्वत्वाधिः कारिगो, स्वामिनी ।

३८२. गृह्पति—गृहप, गृहस्वामी

देनरे. नोकर — अधीन, अनुग, अनुगत, अनुगत, अनुगामी, अनुचर, अनुयायां, अभाकारी, अरदली, अर्था, आजाकारी, याभापालक, आरिपार्श्व, कमेरा, र्मकार कहार, किंकर खवास, खादिम, खिजमतिया. खिटमतगार, खोजा, चाकर. चेट, चेटक, चेर, चेरा, टहलू, टाहली, टाम, दासानुदास. नफर, नोकर, परार्थात, परादिक, परिचारक, परिचारक, परिचारक, परिचारक, परिचारक, परिचारक, परिचारक, परिचारक, पर्यादा, फर्मश, फिटबी, बहा, नंदेरा, बॉट, मृत, मृतक, मृत्य, मजदूर, मजूर, महरा, भहला, माहली, मुलाकिम, रोाटहा. सहचर, सहचारी, मेवक मेवी, सैरंध्र, हुन्ही।

३म४. नौकरानी- श्रन्चरी, कहारन, किंकरी, खादिमा, नाकरना, बाकरानी, चेटका, चेटा, चेरा, जना, टइलनी, दाखी, नौकरानी, परायदामी, परिचरी, परिचारिका बाँदी, भृत्या, मज़दूरनी भजारन महरी, महेली, मामा, लौंडी, मेवनो, सेविका, वैरंशी, इजूरो, इरम ।

३८४. मजदूर—मबदूर, मजूर, मजूरा, अमाबोवी, अमया, अमिक, अमी।

३८६. कुर्ली —कुली, मनदूर, मजूर, मुटिया, मोटिया ।

३८७. च्योंड — मिट्टी खोदने वाले), ग्रौड, बेलदार।

३८८. खिदमदगार — ऋगमर्द, ख्रिटमद-गार, खिजमतगार, खिजमातया, खवाहक । ३८६. बजाने वाला — महावाद्यकी, वंश-स्कोट, वादक, वार्तवह, वेशुप्ति ।

३६०. वैस्पविक - (वंशी बजाने वाला) वेसुपा, वेनुविक।

३६१. तब लर्चा---तत्रलचा, तबलि**हा,** तबाल्ची।

३६२. मृद्गिया — पखावजा, मार्दगिक, मृदंगिया, मौर्जिक ।

३६३. नट --कृशाश्वी, जायाजीव, नट, नर्त्तक, भरतपुत्रक, रंगजीव, रगावतारक, शैलालिन, शैलूष ।

३६४. **नटी-**-नटी, नदिन, नर्चको ।

३६४. नर्तक--्नाचने वाला पुरुष) कलक, चारण, तालरेचनक, नट, नर्सक, पोट-गल।

३८६. नर्तकां—(नाचने वाली झी) चारखो, नचनियाँ, नचनी, नटी, नर्तकी, नाचनेवाली, नृत्यकी, लासका, लस्या ।

१६७. वेश्या प्राप्तरा, कंचना, कस्विन, कर्मा, कर्मा, कामरेसा, कुमा, सुद्रा, गायका, भर्भरा, तथायक, प्रयागना, प्रकृतिया, प्राय स्त्रो, पुरवामा, वर्षटी, भवदाविनो, मुल्लामा, प्रोग्या, प्रग्रामुको, रामजनो, रूपाजीबो, लिंबका, वंसुघरा, बारवधू, वारविनता, वारविलासिनी, वैश्या, शालभंजिका, शूला, सर्ववल्लमा, सामान्या।

३६८. कत्थक—(वेश्यात्रों के गुष), कथक, पीठमदी, भँडुत्रा, रामजना ।

३६८. श्र. गर्देया —कारी, गद्दक, गद्दिया, गर्दैया, बनाने वाला, बनावनहारा ।

३६६. नर्गाना साज—नर्गनाबन्धि । ४००. दूकानदार—पर्यथः, हटवार, इटवैया, इटुवा ।

४०१. घाटिया- (ब्राह्मस्) घटवाई, घट-वार, घटवारिया, घटिया, घटवाला ।

४०२. हत्तवाई—श्राघितक, कारालिक, श्रौदिनिक, गुण, पाककत्तां, पाकुक, पाचक, बल्लव, बाबरचा, अच्यगार, रक्षोइया, सुर, सूपक, सूपकार, स्वार।

४०३. रसोइयाँदार- वानर्ची, महराब। दे॰ 'हलवार्ड' ।

४०४ भहाजन—धर्ना, प्रमुख, बि**नवाँ,** ामहाजन, लाला, भ्रेष्ठि, सम्य, साहु ।

४०४. लेखक—ग्रद्धरच**नु, ग्रद्धरचय,** कःतिव, क्लर्क, ग्रयकर्ता, रचपि**ता,** ंलापक, 'लपिकर, लिपिकार, !

४०६. कार्रागर - काब, **।श**स्पकार, **शिस्**प--की, शिस्प[्]।

२०७. जादूगर - इद्रवालकारक, ऐंद्र-वा'लक कौसुत्तक, षादूगर, प्रतीहारक, बाबीगर, मायाकारक, मायावी, मायिक, मायो, व्यसकः

४०८ र**ञ्जपारस्वी---बौह**री, पर**सदेखा, पर-**नेवा, रत्न**विके**ता । ४०६. पहलवान—कसरती, कसरतिहा, डडपेल, पहेलवान, मल्ल, संडमुसंड। ४१०. महावत-—ग्रंकुशमह, श्रवष्ट, श्राधी-रण, इभपालक, गजाजोव, गजारोह, चाराकटी, निषादी, पद्मीक, पोलवान, फोलवान, मतगो, महाउत, हस्तिपक, हाथीवान।

४२१. साईस--श्रश्वपात, रकाबदार, सईस, साईस।

४१२. कोचवान—कांचवान, दिख्णस्य, नियता, प्राजिता, सारयी, सूत।

४<mark>१३. शिकारी —</mark> ऋहेरी, ऋाखेटक, ऋाखेटी तीवर, पारघी, सिकारी ।

४१४. खेलाड़ी—खिलाड़ो, खिलवाड़ो, खेलक, खेलवाड़ो, खेलार, खेलारी, खेलार

४१४. जुआड़ी — अबदेवी, अबधूर्त, कितव, जुआड़ी, जुआरी, जारी, चूतकार, चूनकृत, चूतकीड़क, धूर्त, सिनक, समाक।

४१६. ठग--गिरहकट, चाई, छली, धूर्त, धोलेबान, प्रतारक, वचक, स्थग।

४१७. ठगनी---ठगनो, ठगिन, ठगिनी, जुटेरिन।

४१८ चोर — उचका, उचका. उठाईगीर, कजा़क, कजा़क, गठकटा, गिरहकट, चाई, चोइ, चोटा, चोरकट, चोरटा, जेबकट, जेबकतरा, ठग, ठगिया, डकैत, डहरचोर, डाकू, तस्कर, दस्यु, नकबऩन, प्रतारक, बंचक, बटपरा, बटपार, नटमार, राइन्नन, जुटेरा, लूटक, वचक, संवियाचोर, साइसिक, सोतस्य, स्तायू, स्येन, स्येन, हर्सा, हारीत।

४१६. सामेदार-भागः, शरीक, शिरकती हिस्सेद:र । ४२०. पट्टीदार--श्रशक, दायाद, सामेटार, हिस्सेदार । ४२१. जच्चा—जच्चा, जननी, जापत्या, प्रजाता, प्रसविनो, प्रस्ता, प्रस्तिका । ४२२. बच्चा —ग्रज्ञ, ग्रबोघ, ग्रर्भ, ग्रर्भक, किशोर, किशोरक, गर्भ, जातक, डिंभ, नवजात, पाक, पुत्र, बच्चा, बट्ठ, बट्ठक, बालक, बेटा, मा**राव**, मुष्टिंघय, लड्का, शिशु, सतान, हितक । ४२३. **धाय** -- त्रकपाली, **त्रज्ञ**ा, दाती, दात्री, दायी, धाय, प्रदात्री । ४२४. कर्जदार-अधमर्गः, ऋगाः कर्जः ढार, देनदार, देवा, रिनियाँ । दे० 'ऋर्या'। ४२४. देनदार--देनदार, महाजन, लहने-दार, सुदलोर । दे॰ 'ऋ गा देने वाला' । ४२६. भिम्बमंगा - त्रर्थी, जाचक, बातक, भिकमगा, जीवी, जाचक, भिन्नु, भिन्नुक, भिद्योपजीवो, भिखमगा, भिखारो, मॅगता, मगन, मस्करी. भाँगन, मार्गण याचक। ४२७. भिकर्गागन - भिक्मांगनि, मिच्चकी, भिखारियो, भिल्हारन । ४२८. सहायक-गौण, दाँया हाथ, नेब, नेव, मद्दगार, सहकारा, सहयोगी, सहार, सहाई, सहाय, सहायक, सहायी। ४२६. संरचक—ग्राभभावक. करने वाला, रचक, रच्छक। ४३०. जानवर--कोलाल गोरू, चतुष्पद, चरिंदा, चौपाया, बानवर, बीवबदु, जीवघारी, जीवयीनि, डंगर, डॉगर, तिर्बंड, तिर्यंग योनि, त्रिजक, पशु, पसु, माची,

मृग, मृग, हैवान !

४३१. जानवर का बच्चा—छ्वा, छॉवडा, कौना, बक्कडा, बाल, पोत, शावक। ४३२. सींग—विखान, विषाण, श्रुग, सींघ, सींह, मृग।

४१३. खुर-- दुर, टाप।

४३४. पूँछ- दुम, पुच्छ, पूंछ, पोंछ, बालधि, लॅगूर, लगूर, लगूल।

४३४. हाथां -स्रगज इम, कबु, कंबुक, कंपि, करटी, करि, करी, करीद्र, करेंगु, कालिम, कुबर, कुभी, गज, गर्जेंद्र, गयद, गय, दती, दुरद, दुरदाक, दिरद, दीप, नगअ, नाग, पद्मी, पील, पृष्करी, फील, भसुद, मदार, मतग, मराल, मातग, नैगल, वारण, वितुंड, व्याल, शुडाल, शुंडा, शु मो, मरग, सिधुर, इस्ता, हाथी, १३६ हाथनी—एगवती, करटी, करिणो, करेगुका, कुंचरा, गजा, विगुका, बमा, वरेगुका, कामिता, हथिनी, इस्तिनी।

४३७. हाथा का प्रसिद्ध जातियाँ— कुमारेया, मृगः।

४**३८. बड़ा** या उत्तम हाथो --करिंद, करोश, खकवा, गजराज, गजेद्र ।

४३६ **बीना हार्था**--कमरिया, बीना, नकुना।

४४०. मस्त हाथी - श्रराल, गाढा, त्गभद्र, नगरमदा, प्रभिन्न, मत्त. मदक्त, मदोत्कट, मयगल, मैसल ।

४४१. **चित्र्याङ्**ना गरबना. ानग्याङ भरना, होंकङना ।

४४२. सूड --(हाया), कर. तुंड, शुड, खुडादड, तुडा । ४४२. सुँड की नोंक --कशिका, इस्त । ४४४. हाथी के सूँड का अग्रमाग — अग्रुका, पुष्कर, मुचिका। ४४४. गंडस्थल कट, कटि, करटक, गड,

गडस्थल, शाख ।
४४६ हाथी का दाँत — काँप, गजदंत ।
४४७. हाथी का मद् — गजदान, गजमद ।
४४८. हाथी की बोली - गर्जन, चिग्घाइ ।
४४६. हाथी का जच्चा — करम, कवल,
बालक, शरभ ।

४४०. जंट - श्रध्वग, उष्ट्र, जंट, कटकाश्चन, कर म, करह, केलिकीर्गा, कमेल. कमेलक, ग्रीवा, जवी, जॉ विका, दार्घ, दीर्घगित, द घजव, धूमक, धूसर, बलिए, बली, बहुवार, भीली, मय, मरुद्वीप, मरुप्रिय, महाग, महाग्रव, मह जघ, महानाट. महा-पृष्ट, लग्बीस्ट, वक्रगुल्फ, वरग, शरम, शुद्धुर श्र खलक, सॉडिया।

४४१ डिल्ल--ककुट, कुन्बह, हिल, ..डल्ला

४५२. घोड़ा श्राम, श्राम, श्राम, श्राम, श्राम, श्राम, श्राम, श्राम, श्राम, अस्म, क्या, क्य

४५३. घोड़े का बोलना - हिनहिनाना, हिनहिन करना, हींसना । ४५४. घोड़ी —श्रश्वा, श्रश्विनी, घुड़िया, घोटकी, घोदिया, घोड़ी, बड़वा, वामी ४४४. घोड़ियों की मस्ती-श्रालग, उठना । ४४६. घोड़े का बच्चा - अललबछेड़ा, बळुड़ा, बळुवा, बळेड़ा, बालक । ४४७. जवान घोड़ा--ग्रलल, बछेड़ा। ४४८. स्रोटा घोड़ा — टर्ट्, टॉगन, यानू । ४४६. सिधी घोड़ा—सिधी, सेधव। ४६०. तुर्की घेड़ा — तुर्कमान, तुर्की । ृ**४६१ अरबी घोड़ा --- अरब, अरबी,एराकी**। ४६२. घोड़े का जातियाँ - त्रलाई, इराकी, कारना, किन्वॉक, कोवान, कुही, गिल-गिलो, जु'मल, टंकइ, तिलक, दुवाज, घन्नी, बानसर, बोलसर, भीश्राथलि, भौर, मेमना, रकवाहा, ठवां, रौहाल, लच्छीं, वजारा, सदलो, संग्लिया, स्याह, हिरातो । ४६३. घोड़े का रंग --श्रवरस, श्रवलख, ऊदा, कर्मिज, कुम्मैत, कुरंग, कुल्ला, गर्रा, चॉगका, मुरकी, लाखा, लीला, संबाफ ।

४६४. घाड़ा के गर्दन का बाल— त्रयाल, श्राल, वसर।

४६४. घोड़े का खुर—द्धर, खुर, टाप, शक्तसुम, सून, सुम्ह।

४६६. **खच्चर - ग्रश्**वतर, खच्चर, खर, विसरात, बेसर, रासभ ।

४६७. गद्दा — खर, गद्दा, गर्दभ, प्राम्या-श्व, चकीवान, चारट, चारपुख, चीरमेद्दी, धूसर, धूसराह्य, बालेय, भूरिगम, मारग, राशम, रासम, वालेय, वेशव, वेशासनदन, कस्तकर्ण, शीतलावाहन।

४६८ गद्हें की बोली रॅकना, हेंकी-हेंको करना '

४६६. गाय—श्रवन्याः, श्रर्जुनी, इका, उस्ताः, कल्याणां, गऊ, गाय, गैया, गो, गोव, गौ, डाँगर, घात्री, धेनु, पयस्विनी, पीवरां, बकर, भद्राः, माहेयी, रोहिसां, श्रक्तिणो, सुर्राभ, सुर्भाः।

४७०. गाय का बोलना—काँ वॉ करना, बॉ करना।

४७१. सफेद गाय-- ऋर्जुनी, कपिला. गौरी, धवरी, घवला, घवली, घौरी। ४७२ काली गाय-- कजरी, कंजली, श्याम-चेनु, श्यामा।

४७३. कुमारी गाय- -कलोर, कस्याः । ४७४. ऋधिक दिन की विश्वाई गाय या भैंस--बकेन, बकेना ।

४७४. गायों का समूह – गेकुल, गोषन । ४७६. गाय की फलरी-गलकंबल, गलबन, फलरा, फालर, फालरी, लहर ।

४७७. धन-- श्रयन, ऐत, यन, थान, वयो-घर, बाण ।

४. गाय भैस के थन के उपर का भाग-- प्रयन, ऐन, पर्योधर।

४७६. गाय भैंस की मर्स्ता---उडना, - उभइना।

४८०. बख्डा—(गाय) बच्छ, बच्छा, स्म, बछ्डा, बछ्डो, बछ्रा, बछ्ड, ब्ह्न्या, बछ्ठिया, बछ्डेर, लेख्या, बस्स, सङ्कन्दरी। ४८१. सॉड्— बड्ड्या बैस, नरीगम, बिस-वर्द, वृष, वृष्या, शंड, शिसा, संड, बॉड्ड। ४८२. सॉड्ड् का बोसना—होक्ड्या। ४८३. बैल---श्रनब्वान, उद्ध, उद्धा, ऋषभ, कर्मकार, गार्र, गो, गौ, डाँगर, चौरिया, पंगव, बरघ, बरघा, बलट, बिलवर्ट, बसह, बैल, भद्र, रिखभ, वसह, वृष, वृषया, वृषभ, वृषेद्र, शह, शाद्रल, शिखी, संड, साँड।

४८४. भैस -- भइस, भैंस, महिल, महिली, सिप्रा ।

४८४. भेंस का बोलना—विवियाना।
४८६. भेंसा—-ग्रश्वारि, श्रान्पा, कटरा,
कटाइ, कल्लुष, कासर, गवली, वली, मस,
महिख, महिष, यमवाइन, रक्ताच, राजस्वल,
लुलाप, लुलाय, वंशभीर, वाइद्विष, विषज्वर, सौरिभ।

४८७. बन्न्या -- (भैस का), कॅटड़ा, कटरा, कटाह, पड़वा, पड़िया ।

४८८. भेंड - उरणा, भेंडो, लेंगशा। ४८८. भेड़ का बोलना - विवियाना, मिमियाना, में में करना।

४६०. भेड़ा - श्रज, श्रवि, उरण, उरज, जर्णायु, एडक, बला, मेड. मेडक, मेडा, मेंटक, मेद्, मेदा, नेप, रोमश, लोमश, वृद्या, हुइ।

४६१. बकरा — श्रज, श्रबुक, श्रल्पायु, श्रवि, कयसद, खिस्या, खसा, खस्सा, इंगकी, श्रगल, ज्रगलक, छाग, छागल, तभ, प्रयस्वल, प्रयोगोंको प्रशु, वर्कर, बोक, मेध्य, मेनाद, वस्त, शुभ, स्तभः

४६२. वकरी-स्त्रज्ञया, श्रजा, गो, खेर, खेरी, प्यन्विनी।

४६६. वकरी का बोलना--विविधाना, वें वें करना।

४६४. होर---इमारि, कंठीरव, करभोर,

केशरी, केशी, केसरी, केहरी, क्रव्याद, दीप्तिपिंगल, नखरायुष, नखी, नागाशन, नाहर, नाहरू, पचिश्चिल, पंचानन, पचास्य, पशुराज, पारींद्र, पुंडरोक, बनराज, बनराय, बबर, बहुबल, भीमविक्रम, महाबीर, मानी, मृगनाथ, मृगाराज, मृगाद, मृगारि, मृगाश, मृगाशन, मृगोद्र, मृगेश, बनराज, विकात, व्याप्त, व्याल, शार्दूल, शेर, श्वेत पिंगल, सटाक, सदूर, सरजा, सादूर सारग, सिंह, हरि, हरित, हयेंद्र।

४६४ शेर का बोलना--गरबना, टहाइना, ुँकारना ।

४६६. शेरनी—शेरनी, सिंहनी, सिंहिनी, सिंही।

४६७ बाघ -गुहाशय, चित्रक, नोस्ण्दंष्ट्र, द्वीपो, नखायुष, नाहर, नाहरू, पंचनख, पंडरीक, प्रदावु, भोक, बाब, वनश्य, ज्याह्म, ज्याल, शाद्रील, श्वापद, सदूर, हिंसक।

४६८. व्याघ्र-नस्य —करत्र, नस्त्र, नस्त्राग, नर्त्वा, नपनस्वा, व्याद्र-नस्त, व्यादायुष ।

४६६. चीता — उपन्यात्र, सुद्रशाद् ल, चित्रक, चित्रकाय, चित्रव्यात्र, चित्राग, चोता, तरस्र, तरस्रु, तरस्रुक, तस्रु, घनं-जय, नरवो, मृगांतक, मृगाटन, शूर, शाद् ल, सर ।

४००. भालू— भन्त्र, अन्त्र-भन्त. श्रन्त्, भन्त, भन्त्र्क, भाल्, रोहः।

४०१. जिर्रेफ — जिराफ, ब्रिरेफ, बिर्राफ,

४०२. गैंडा-संग, संगद्दा, सद्ग, सद्गो, सद्गो, गंडद, गंडा, गैंडा, तैसिर। ४०३. बारहसिंघा—कदसार, बारासिंहा, बारहसिंघा, बारहसिंहा।

४०४. नीलगाय—गवव, न ल गाव, रोक, रोह, लीलगाय।

४०४. हिरन — ग्रजिनयोनि, ऋश्य, कुरंग, कुरंगम, गधर्व, चंचु, चाठलोचन, प्रवंग, भीठहृदय, मिरग, मृग, वातायु, सारग, सुरभी, हरिस, हरिन, हिरसा।

४०६. हिरनी—मृगिनी, मृगी, इरखी, हरनी, हरिनी, हिरनी।

४०७. हरिए के भेद-गधर्व, गवय, राम, शरम, शश, सृमर।

४०८. काला हिरन—करसायर, कर सायलः।

४०६. मृग-मिरता, मृगा। दे० 'हिरन'। ४१०. मृग के भेद--ऐण, ऋश्य, कृष्ण-सार, गोकर्ण, चमर, न्यंकु, पृषत, रकु, इह, रोहित, रौहित, शवर।

४११. मृगचर्म — श्रांजन, ऐशा, कृति, मृगचर्म, मृगञ्जाला।

४१२. मृगनाभि—ग्रड, कस्त्रीनाभि। ४१३. सियार—उक्कामुख, कटस्वादक,

कुरव, खल, गीदड़, गीदर, गोमायु, गोमी, बोरबासन, जबुक, जबूक, निष्ठुर, फेरंड, फेर्न, फेट, भीर, भूगिमाय, मूत्रमत्त, मृगधूर्त, मृगधूर्तक, लिडार, वंचक, वनश्वा, शालाष्ट्रक, शिवा, शिवाजु, अग, श्वधूर्त, शृङ्गाल, सिन्नाग, सियाग, सियाल, स्थार।

४१४. में डिया—ईहामृग, कोक, गुरग, जागभोबी, जनाशन, मेडिया, लकडवाचा, लानडगा, ज्यारी, वात्सादन, विरुक्त, हुक, हुँडार। ४१४. लोमड़ी—कस्त्रा, दुगर, लुकटी, लोखरिया, लोखरी, लोबा, लोमरी, लोमश, लोवा।

४१६. कुत्ता—श्रिल, श्रिलिपक, किपल, कालेपक, कुकूर, कुक्कुर, कुत्रु, कुक्कुर, कुत्ता, कुकर, कौलेयक, प्राम्यमृग, भल्लूक, भषण, भाषक, मृगदशक, मृगारि, द, रतकाल, रात्रिजागर, वकलागूल, बृकारि, शयालु, शुनक, शुनि, शुनी, शूर, रवन, श्वा, श्वान, सारमेय, सुन्नान, स्वक, सोवहा। ४१७. कुतिया—कुतिया, कुत्ती, शुनी, श्वनिका।

४१८. भोंकना — चिल्लाना,भूकना. भाभी करना ।

४१६. खरगोश—लरगोस, खरहा, गादह, गदर, गीदह, जबुक, निशाचर, निस्चिर, निसिचारी, लीडार, लोमकर्ण, बुक, शश, शशक, शशा, शसा, श्याल, श्रगाल, ससक, सियार, सियाल, स्याल, स्यालिया। ४२०. छलाँग मारना - उछलना, कृदना, चौकही भरना, तेन भगना।

४२१. बिलार--श्राखुभुक, किल्ली, गुरवा, बाइक, जिह्नाप, त्रिशकु, दीप्तलाचन, दोप्ताच, बिहाल, दिहार, बिलाई, विलार, बिलारी, बिलाव, बिलैया, विल्ला, विल्ला, मायावी, मार्जार, मेनाट, यिडाल, विडारक, विराल, विलाक, श्रुपदशक, शालावृक, सियाहगोश, सूचक।

४२२ म्याऊँ म्याऊँ करना-भ्याऊं करना । ४२३. सूच्चर--न्नाखु, किंट, किरा, कोल, कोड, घोणी, घृष्टी, तम, दतायुष, त्य्ड्रो, पोत्रायुष, पोत्री, पृथुस्कथ, बराइ, भूदार, रोमेश, वराह, वन्यस्य, वहपत्य, शूकर, स्कर, स्र, स्तन्धरोमा ।

४२४. बंदर — किष, किप्तिशास्य, किखि, कीश, केलिथिय, गोलागूल, चड, भिपी, दम, दरभ, नगाटन, पारावत, पिंगल, प्रवग, प्रवग, प्रवग, प्रवग, प्रवग, प्रवग, प्रवग, बतर, बातर, बतर, मरकद, भकी, मर्कट, लगूर, वनौका, वानर, शाखामृग, शालामृक, हिं।

४२४. बद्रो —बनरो, बानरी, प्रवर्गा, म**र्कटी, श**ःखामृगी ।

४२६. गिलहरो—गिरि, गिलहिरी, गिलाई, अवगी, गिल्ली, चिकुर, चिखुर, चेखुर। ४२७ गोह—गोधा, गोधिका, गोह, निहाका, विषलपर', विक्रखपरा।

४२८. चमगाद्ड्—श्रंघ, श्रजित पत्रा, चमगाद्द, चमगादर, चमगीदर, चम गुदरो, जतुका, जत्का, तैलपालिका, परोष्णी ।

४२६. नेवला—नकुल. नकुली, नेवला, न्योला, पिंगल, बभ्रु, लोहितानन, सर्परि, स्वोबदन।

<mark>४३०. गिरगिट</mark>—किरोक्ल, कृक्लास, ॉगडौना, गिरगिट, 'गेरागटान, गिग्दान, **ग्र**स्ट, मस्ट ।

 वभु, बहुप्रज, जिलकारी ,मूष, मूषक, मूषीक, मूस, नूसा, वृश, कृप।

४३३. छ्छुंदर गंघमुखी, गधमूषिका, चिकुर, छ्छुदर, छ्छूदर, दीर्घतृडिका। ४३४. साही न्यारपुरत, बरही, शलयकी, शल्य, स्वाविन, साही, सेई।

४२४. साही के काटे—शल, शलल, शलली, स्वाविष्

४३६. कीड़ा - किरम, किमि, कीट, कीड़ा कीड़ा मकोड़ा, काम, तिर्यक, त्रिवग मकोड़ा। ४३७. रेंगना—धुस्कता, धारे-भीरे चलना, बिलबिलाना, रिंगण करना, सरकना। ४३८. मकड़ा—मकरा, मकटे।

४३६. मकड़ी—ग्रनक्षूत, ग्रष्टपदी, ऊर्ण-नाभ, ततुवायकीट, मभटी, मकड़ा, मकरो, मकट, मर्कटक, मर्कटा, लुचरा, लून, लूता, लुतिका, शनका

४४०. **चींटा**—चिउँटा, च्यूटा, चा**टा,** चिगरा, चींखा, चीटा ।

४४२. माटा - (लाल चोटा), वेमटा, पाटा

४४२. चींटी-कीड़ी, चिउटो, चीटी, च्यूटो, पिपोल, पिपोलिका, पिपोली, योजक, शतपदा

४४३. रेशम का काड़ा--काशकार, पुड-

४४४ टिडुः पणग, पत्राक, पत्राग, कनगा, शक्तमः।

४४४. दीमक—डोनक, देवका. क्ल्पोक, बल्लीख।

४४६. बीरबहुटा--धिन्नक, ग्रन्मरज, इन्द्र-गोप, इन्द्रबध्, इन्द्रबध्टा, सिन्तिन, बोरबहुटी, बृद, भगवान का द्वाथा, मस्त- मलो कीडा, रक्तवर्ण, वर्षाभू, वीरवधूटी, वैराट।

४४७. मींगुर - घुरघुरा, चि'ल्लका, चीरी, चीलिका, जंजीरा, भिरुका, भिल्लरी, भिल्लिका, भिल्ली, भीगुर, भीरिका, भिल्लिका, भिल्लीक, भुक्कारि।

४४८. ढोला—िकरौना, कीट, कीड़ा, ढोला, पिलई, पिल्लू, पिस्सू।

४४६. **ऋँठया**--ऋँठवा, ऋष्टपदी, ऋष्टपाद, शरभ ।

४४०. किलर्नी—श्रॅंठई, किलनो, किल्ली।
४४१. घुन — काष्टकीट, काष्टकिम, काष्टभेटक, काष्टवेधक, घुण, पाया, पिटारी।
४४२ खटमल — उद्दिस, उद्दुस, उत्कुण,
उद्दश, उष्मज, करनाई, किटिम, कीड़ा,
कोणकुण, खटकोट, खटकिड्वा, खटकीड़ा,
खटकीरा, खटिकिरवा, खटमल, खटवमल,
मचकाश्रय, मत्कुण, रक्तपायी।

४४२. चीलर—िचल्नड, चीलड, चैलकोट, चैलारि ।

४४४. केशकीट—उत्कुग, कीड़ा, केशकीट, जिलई, जुँग्रा, जूँ, जूँत्राँ, जू, ढील, पाली, यूका, लिक्का, लिखा, लिखिका, लीक, लीख, षटपद, सॅपई, स्वेटज।

४४४. काटना--इसना, बीन्हना।

४४६. तिलचटा —चपड़ा, चिवदा, तिल-चहा, तेलचटा।

४५७. श्रामिकीट--श्रमिकीङ्ग, श्रमिकीरो, समंदर।

४४८. सर्प — ग्रहज, ग्रज्ञ, ग्रग, श्रपद, ग्रह्म, ग्राशीविष, उरग, कजुकी, कदुब, करदर्प, कर्कटी, कार्लिंग, कींडा, कुंडली, गृह्दपद, चक्कभवा, चिकुर, तज्जक, तामस, दरवीकर, द्यी, द्वि जिह्वा, द्विरसन, नग, नाग, निशाचर, निसिचर, निसिचारी, पक्रग, पवनाश्यक, पवनाश्या, फ्रम्बचर, फिलाक, फ्सी, फिनिग, फिनि, फिनी, बिलेश्य, बिषधर, बिषहा, भवंग, भुद्राग, भुद्रागम, मुजग, भुजगा, भुजग, मोगी, मिर्याधर, मग्री, लांगली, विलेशय, विषधर, व्यास, सरीसृप, सर्प, सॉप, सारंग, हरहार, हरि, हार।

४४६. सर्पराज वासुकी, वासुकेयः। ४६०. साँपिन—धामिन, नागिन, भुज-गिनी, भुजंगी, सर्पिषीः।

४६१. सॉॅंप का बच्चा—संपोला, पोश्रा, पोया, पेवा।

४६२. साँप का शरीर — भोग।

४६३. साँप का विष—च्देड, गर, गरल, ज़हर, विष

४६४. फन—दरवो, दबी, फट, फटा, फटो, फर्गा, फन, स्फट, स्फुट ।

४६४. दॉॅंत -- (सॉंप का), अहिदण्ट्र, आशी।

४६६. केंचुल -- कंचुक, केंचुल, केंचुली, निर्मोक।

४६७. श्रजगर---ग्रजगर, श्रनदहा, पत्वर चटा, वाहस, शयु ।

४६८ गेहुँखन--गेहुँखा, गेहुँवन, गोहु-श्रन।

४६६. करइत सॉप-श्रंबन, श्रर्डुद, करइत, करैत, गोनस, विश्राग।

४७०. खोदहा सॉप— अलगर्द, श्रक्तिनर्द, ग्रानगर्द, बलव्याल, डेदह, बेदहा खोदख, पंदुर।

४७१. दो सुँहा साँप--इंड, राचित ।

४७२. गोनम साँप—गोनस, तिलित्स । ४७३. बिरुख् - ग्रव्या, त्राल, त्राली, द्रोख, विच्छा, विच्छू, विरिधक, बीछा, बीस्कू, दृश्चन, बृश्चिक । गोजर-कनखजूरा, कनशलाई, कनशलाका, कनसलाई, कनसरैया, कर्ण-बलौका, कर्णसूचिका, कांतर, कानखजूरा, गौजर, गंःजर, शतपदी । ४७४. बर्-गधमक्खी, गघोली, नतैया, बरें, भिद्र, भिर्र, वरट, वरटा । **४७६. ह्डा** – ह्डू, हडचिका, हाड़ा। ४७७. जलचर -जलचरी, जलचारी, बलब, जलबात, जलबतु। **५७८. हेल** - निमिगल, होल । ४७६. नाक - कुंभीर, नक, नाका। **४८०. घडियाल** -कुभीर कुभी, कुभीर, बाह, घरियार, नक, उक्झाह, पगुन्नाह, मकर, मकरो, मगर, मगरमच्छ, मञ्जु। ४८१. मगर---श्रवहार, कोड, जलकिराट, बलकु बर, मकर, मगर, मगरमन्छ । **४८२. मूँस** -शिशुमार, सुइस, सुरश, सुसमार, स्इस, मूंश, मूस. सराभार, स्हि, मेतुवा, सवार ४८३. सकुची-शकुल, शकुल मत्स्य, **अकु**ची । **४८४. मह्नता** -श्रगन, श्रडज, श्रडभव, काट, गहक, गुरुदेत्र, जलचर, जलवरी, वत्तव, बलकोवन, भख, भए, तिमि, दिनात्मक, पृषुरोमा, भक्य, मकर, मगरी, मक्रो, मक्लो, मच्छो, मस्य, माँछ, माक्, **माञ्चर, माहां**, मीन, युग्म, ावसार, वैसा **रिया, चकु**ली, शब्फुली, सय, सौम्य । **अन्तर. रोडू**--राड, राडु, रोडिय ।

४८६. चितला--चित्तरी, चित्रल। **४५७. पढ़िना**--पढ़िन, पहिना, पाठीन । ४८८. गिरई-गरई ४८६, सिघी—शृंगी, सिंगी ! ४६०. मींगा--चिंगहो, चिंगरा, भीका। ४६१. चेल्ह्वा--चिल, चेल्ह्वा, चेल्हा। ४६२. केकड़ा- कर्क, कर्कट, कर्कटक, कुलीर, केकड़ा, ककड़ा, गेगटा । ४६३. मेढक —कोक, कनत्तुर, दर्दुर, दादुर, प्लव, बेंग, मेक, मड, मडूक, मेग, मेघा, मेजा, मेढ़र, मेघा, वर्षाभू, शासु, शालुक, शालुर, शालूर, सारग, हाँग । ४६४, अद्बिलाव -- उद, उदबिङाल, अद । ४६४. कह्युवा—कच्छ, कच्छू, कच्छुप, कच्छुत्रा, क्छुत्रा, कमठ, कूर्म, च, धरगाधर, समपुश्त । ४६६. जोंक -- ग्रस्य, एकेद्रिय, जलसर्पियो, जलसूची, जलाका, जलाटनी, जलान्मिका. जन् हा, जलोका, जलोरगो, जलौका, जोक, ताद्यः, प्रगलुका, यमनी, वघना, रक्तपा, प्रमाविधना, पंघन । ४६७. केचुत्रा -- म्रपट, एकेंद्रिय, **किंचुलु**क, च्चितिज, गडूपद, गडूपदो, गेसा, चिकुर, शिनी, श्र्ककीट। ४६८. पर्चा - श्रडब, श्राकाशचारी, कपोत, कीश, कुलग, रवग, रवचर, रवेचर. गगनचर, गरूमान्, चबुभृत, चटक, चिहिया, ।चरई, ।चारसा, ।चेरी, चिरैया, चाड़ा, चीरो, ह्युरड, तिर्यक, तिर्यगयोनि, द्वित, द्विजाति, नगोका, नभगामी, नमचर, नभचारी, नभरचर, नभसराम, नाडोद्भव, पसी, पहा, पसी, पसीरो, पसेक, पन्छी, बतंग, पत्रम, पत्रभी पत्रस्य, पत्री, पाँसी, बाजि, विष्करि, विह्ग, विह्गंम, विह्गं, विह्गंम, विह्गं, विह्गंम, विह्गं, विह्रंगंम, विह्गं, विह्रंगंम, विह्रंगं, शकुत, शकुति, शकुति, सकुति, सकुति, सरगं, सुपर्णं। ४६६. पंख—कुंदा, गहत्, छट, डह्नं, डैना, पंख, पद्धं, पखना, पखौटा, पतत्र, पत्र, परं, पषं, पाँख, बाजू।

६०० **उड़ना**—पखां से चलना, फ**ड़फड़ाना** फरफराना, हवा में तैरना।

६०१. चोंच—चनु, चनुका, चचू, चॉच, चोंच, टांट, ढूँग, ठोर, तु इ, तु डि, तुंडी, सृपाटिका।

६०२. पत्ती का पंजा-चगु, चगुन, पजा। ६०३. श्रंडा--- ऋड, ऋडा, कोष, चिंगन, चंदुशा, डिम्ब, पेशो, पोटा, पोत, शबक।

६०४**. घोंसला—**कुलाय, खतोंना, खता, **घोसला, न**ा**द**ा

६०४. बच्चा (चिड़िया का) -- अर्भक, गेदा, डिंभ, पाक, पोन्रा, पोत, पोतक, पृथुक, शावक, शिशु।

६०६. गरुड् — श्रमृताहरण, खगराज, खगद्र, खगेश्वर, गरुड, गरुस्मान्, तरस्वी, तार्च्य, तार्च्यनायक, नागातक, पिद्यराज, पिद्यसिंह, पन्नगाशन, भुजगातक, महावीर, बेनतेय, विष्णुरथ, शाल्मली, सुपर्ण, हरिवाहन।

६०७. हंस--कलकट, कलहर, घवलपच, पुरुदंशक, मराल, मानसालय, मानसीक, राजहरू, सर:काक, सारंग, सितच्छ्रद, सितपच, हम, इंसक, हारण।

६०८. हंस या बतस्त्र की जाति का एक पत्ती—कारड, कारडव

६०६. मोर - ऋर्बुन, श्रहिभच्चो, कलकंठ,

कलापी, कुंडली, केकी, केरी, केहा, ताऊस, नागाशन, नीलकंठ, पुद्धार, बरहा, बरही, भुजंगभुज, भुजगभागी, मयूर, मेघनाद, मेघनादानुशासक, मोरवा, वर्हिश, वर्ही, लीलकंठ, शतपत्र, शिखडी, शिखाजल, शिख, शिखां, शि'तकंठ, शिवसुतवाहन, सारग, सितापाग, हरि। ६१०. मोर्नी—कजापिनी, मोरिनी, मोरी। ६११. मोर्पुच्छ,—कलाप, केकीशिखा, गुच्छ, गुच्छक, वहिचूड़ा, मोर्पुच्छ, शिखड, शिखा, शिखाजल, शिखा, शिखाजल, शिखाज, शिखाज, शिखाजल, शिखाज,

६१२. मोरपुच्छ का चॉद--र्चदवा, चद्र, चद्रक, चद्रिका, मेचक।

६१३. कोयल — ऋिल, कलकठ, कलरव, कलायी. काकलीख, कादबरी, मामंघ, कुष्ण, कोइलर, कोकिल, कोकिला, गंधवं, ताम्राच, परपुष्ट, परभृत, पिक, प्रभृत, मस्त, मदनपाठक, मधुगायन, रक्तकठ, वनित्रय, वसतदूत, वासत, स्यामा, सारग। ६१४. कोयल का बोलना—क्वना, कुकना, पंचम स्वर म गाना।

६१४. पर्पाहा कर्षिजल, चातक, तोकक, नोक≉, पपिहा, पर्पादरा, पपैया, मेघजीवन, शारग, शितिकट सारंग, स्तोकक, स्रोतक, इिं।

६१६. पर्पाहा का <mark>बोलना</mark> ---पाक**राँ** पी-- कहाँ करना।

६१७. तोता--श्रात्माराम, कीर, कुमार, चिमि, चिमिक, दाहिमाप्रय, प्रिय-दर्शन, मिट्टु, मियामिट्ट, मेघाबी, रक-तुंड, वकतुंड, शुक, शुक्र, सुभ्रटा, सुभा, सुक, सुगना, सुग्गा, सुवटा, सुवना, सुवा, सुका, सुका,

६१८. एक बढ़ा तोता—काकाकीश्रा, काकात्त्रा, त्श्रा।

६१६. तोती--सुकी, सुग्गी।

६२०. हारिल - इरोत, हारल, हारिल-सुग्गा।

६२**१. चकोर**—कोरक, कौमुटोजीवन, चकोरक, चद्रिकाषायो ।

६२२. चकवा कात, काक, कामी, कामुक, कोक, चकई, चकवा, चका, चक, चक वाक चवक, द्वंद्वचारि, निशाचर निशाचर, निशाचर, निशाचर, विश्लेषगामो।

६२३. गिद्ध — गिद्ध, गिद्धराज, गोध, यघ, गृष्ठ, गृद्ध, जटायू, दाल्लाय्य, दूरदर्शन, वज्रतुंड।

६२४. मैना — कलह्मिय, कादबरो, गोकि-राटिका, गंतकराटी, गोराटिका, गोराटी, गोरिका, चित्रलोचना, घड्वा, पातपादा, पूर्ती, मदन, मधुरालापा, मेघाविनी, मैना, शारिका, शाला, श्यालक, मारिक, सारिका, सारी, साला।

६२४. बाज-क्पोतारि, करग, कुइा, कव्याद, कूर, खगातक, प्राइक, घातिपचा, तुरमतो, नालिपच्छ, पचा, पतन्द्रीक, पत्री, गिक्छवाया. बाज, बेगां, भयकर, रखपत्री, रखिष्य, लम्बकर्ण, शशघातक, शशाद, शशादन, सारंग, सिचान, स्थूलनील। ६२६. क्रींख-कराँकुल, कुरर, कुरग, कूंब, क्रींख, गगनमेड। ६२७. भरदूल-किपजल, कोरक, भरत,

भरदूल, भग्द्राच, भरद्वाजक, भरुई, भरुईो, लवा, लाव, न्याबाट ।

६२८. बुलबुल-कारसंपिक, श्यामा ।

६२६ तीतर –किंग्जिल, कुक्कुम, जागल, ितत्तिर, तातर, तीतल, तीतिर, तैत्तिर, याजुपोटर।

६३०. बटेर-- बटरी, बटेर, वर्तका, वर्त्तिक, वर्त्तिका ।

६३१ टिटह्री--ऋष्टपटी, उत्क्रोश, कुरर, कुररी, कुरल, कौंच, खरशब्द, टॉड्रो, टिटिह्रां, टिटिह्, टिट्टिभ, टिड्डां, पंक्तिचर, रॉटा, शरभ, शलभ, सरह।

६३२. **टिटहरा**— टिटहरा, टिटि<mark>ह,</mark> व्हाटहा, टिटिम ।

६२२. कबूतर—कपोत, +लकठ, दलस, कामी, गृहकपोत, गृहकुककुट, छेदा, पहुक, पाडर, पानपत, पारावत, परेवा, रकलोचन।

६३४. कबूतरी -- कपोती, परेई।

६२४. कबृतर की कुछ प्रसिद्ध - जातियाँ - श्रानावरो, कड़ा, गिरहबाब, - गुलदार!

६३६. **रुहश्चा** – करेटू, ककरेटु, कौड़िला, रुहरं, रुखा।

६३७. **रुरुए का बोलना**—ररना ! ६३म. गोरै<mark>या</mark>—कलर्बिंग, कलाविकल, कामचारी, कामुक, कालकठक, गृहनी**ए**.

चटक, 'चन्नपृष्ठ ।

६३६. गौरा —क्रिवल. कामी, कुलग, चिका।

६४०. सारम् — श्रभोब, कामी, गोनद, नाकुर, पुष्कर, पुष्कराष्ट्र, रावक, लख्य, लदमणा, सरसीक, सरोत्सव, सरोद्भव, सारिस:

६४१. काला सारस-कर्कट।

६४२. मादा सारस—लद्मण, लक्षमन, सारसी, सारिसी।

६४३. बत्तस्त्र-कलहंम, कादम्ब, कारंडव, प्रव, बत्तक, बत्तख।

६४४. मुर्री — श्रवणचूड, श्रवणशिखा, करंज, कुंभकार, कुक्कुट, कुलंग, कुलाल, तमचुर, तमचोर, तामचूड, निशाकर, बरही, शिखंडी, शिखी।

६४४. मुर्गा - - ऋरणशिखा, उषाकर, करंब, कालज्ञ, काइल, कुक्कुट, कुक्कुइ, कुलंग, कृकवाकु, चरणायुष, तामचूइ, दच्च, नखरायुष, नियोद्धा, मामनादा, रात्रिवेद, कृताच्च।

६४६. मुर्री का बोलना - कुकुक्डू करना, बॉग देना।

६४७. मुर्गी का बच्चा—चिंगना, चूजा। ६४८ बनमुर्गी-कुकरी, कुकुरी, बनकुक्कुट। ६४६. चील—ग्रकाशी, श्रकारी, श्रातापी, श्रातायी, चिल्ल, चील्ह, पिल्ल, शकुनि। ६४०. बगुला—खर, पॉहुर, बक, बकुला, बग, बगा, बगला, बगुला, बलाका, बलाल, बिसकंठिका।

६४१ बगुली—बकुली, बलाका।

६४२. उल्लू — ग्रघ, ग्रघ्वा, उद्या, उल्लू , उल्लू , उल्लू क, काकभीर, काक्सक, काकारि, कुलाल, कुशि, कौशिक, खूसट, बुग्यू, घूक, घारदर्शन, चुग्रद, तमचर, तामस, दिवाघ, नक्तचर, निशाचर, निशार, निसाचारी, निस्चिर, पिगल, पेचक, पेचा, यामिनीचर, लद्द्मीवाहन, वक्रनसिक, शतमस्स, शतमन्यु। ६४३. उल्लू का बोलना — गूं गूँ करना। ६४४. कोत्रा — श्रात्मघोष, श्रारष्ट, श्रल, एकनयन, एकनैन, एकाछ, कटलादक, करट, करटक, काक, काग, कागा, काथ, कोवा, कोशिकार, कृष्ण, खर, गाढ़मैथुन, प्रामीण; चंडाल पद्मी, चला-चल, चिरंजीवो, टेढ़, दीर्घायु, धूलिअंघ, ध्याश, नगौक, नागवीरक, पिशुन, बल-पुच्छुक, बोलपुष्ट, बिलमुक, बायस, महा त्मोल, मुखर, रतज्वर, वायस, वक, श्रावक, सक्तस्यज, सूचक।

६४४. कीवे का बोलना—कॉव कॉव करना।

६४६. डोमकीवा---काकोल, कालकटक, डामकउन्ना, डोमकौन्ना, द्रोख, द्रोखकाक। ६४७. नीलक ठ - कलकट, किकीदिव, किकोदिवी, चाष, चास, लीलकंट। ६४८. सोहन सेन चिड़िया--श्रोकार, सोहन।

६४६. कठफोड़िया —कठफोड़िया, कठफोरा, कठफोरिया, दावांघाट, ग्रतपत्रक ।

६६० पंडुक —कपोती, कुमरो, पंडुक, परेवा, पाडु, पारावत, पिंडुक, पेंडुकी, पराखता, फाख्ता।

६६१. पंडुकी—पंडुकी, परेई, पेंडकी। ६६२. चाहा—चाला, चाल, नालकंठ। ६६२. खड़िरच—कणाटारक, कणाटान, कणाटीर, कलकंट, काकच्छद, काकक्दि, खब, खबलेट, खंबलेल, खबन, खंबराट, खंडरिच, खड़िंग्च, गूटनाइ, चर, सडक, तातन, नीजकठ, भद्रनामा, मुनिपुशक, रत्ननिधि, सारंग। ६६४. **चाकी**—श्राटी, श्राठी, श्राही, शराटी, शराडी, शराती, शराली। ६६४. भुजगा—कर्लिंग, धूम्याट, नौवा, भुजगा, भृग।

६६६. महोख — मध्क, महोक, महोका।
६६७. कुछ प्रसिद्ध पद्मी — ऋगिन, अनलपद्ध, अवलखा, अवाबील, कठफोड़वा,
कर्लिंग, किलहरी, कुमरी, कुछ, कौड़िया,
खहरिच, खैर, गलागल, गुड़क, ग्वालिन,
चंड्रल, चमाइन, चस्ख, चान, चितरीख,
चील, चील्ह, चौचा, टांना, घनेस, धूती,
घोबिन, घौरो, पंडुक, पवई, फुलचूही,
बरई, बटेर, बया, बुलबुन, बेसरा, मरदूल,
भुचेग, मछरंगा, मल्क, लवा, लाल,
लावक, शार्दल, श्यामा, सुसा, सोहन,
हुदहुद।

६६८. फर्तिगा—कीटपतंग, पनग, पतत, किनग, भुनगा।

६६६. टिड्डा--श्रॅबफुटा, श्रॉबफुटा, टिड्डा पनंग, फर्तिगा, शलभ

५७०. शलभ-दीपपतंग, पस्ती, पतंग, पतंगा, पतिंगा, परवाना, पाँखी, पातंगा, वोका, फनगा, फनिंग, फरफु दो, शलभ, सरह ।

६७१. जुगन्-उपस्थंक, खज्योति, खबात, खुगन्, खुगुन्, ज्योतिरिंग, ज्योति-रिगस, तमोमिण, दृष्टिबंधु, निमेषक, पट विजना, प्रभाकाट, मगजोगनी, क्षान-किरवा।

६७२. सक्खी-श्रमृतोत्पन्ना, नोला, पत्रिका पांचका, पतंकवा, मंम, मक्बी, मली, मख्का, मगस, मञ्झी, मांची, माचिका, माखी, बमनीया, वर्वणा। ६७२. तित्तली —ितितली, तितुरी। ६७४. सिनकना —भिनिभन करना, भिन, भिनाना। ६७४. मधुमक्खी —भीर, मझोइ, मधुमक्खी

६७४. मधुमक्ला—भार, मझाइ, मधुमक्ला मधुमिक्का, शहद को माखो सरघा। ६७६. सच्छुड़ —ग्रागाग, उष्मज डस,

२७६. सच्छुड़ — श्रमाग, उष्मज दस, इॉस, दंश, सच्छुड़, मच्छुग, मरा, मशक, मसक, मसा, माछुर, बज्रतु ड, वनमद्धिका, स्ट्मिमच्चिका, स्न्यास्य ।

६७७. भौरा—ग्रिलिट, ग्रिलि, श्रली, इंटिटिर, कालालाप, खटपट, खटपदी, गबमादन, चंचरी, चंचरोक, दिज, द्विरेफ, पुष्पकीट, पुष्हिलिट्, मवर, भसर, भ्रमर, भमरी, भौर, भौर, भृग, भृगगज मदन, मधुकर, मधुकृत, मधुप, मधुपर, मधुमारक, मधुगज, मधुलिट, मधुलेखुप, मधुवामन, मधुवत, मधुसूदन, मिलिट, रेखावास, लंब, शिलीमुख, षटपट, घटपदी, सारंग, मिलिट सुकाडी।

ঘ

१ बनस्पति — नेड पीचे, प्रकृति, बनासपती।

२. पेड़ — ऋग, ऋगळ, ऋगम, ऋनोक्ड,
ऋगम, इकपद, उद्धिटंब, उद्धिटं, कुंब,
कुट, ख्वित्वहं, गाळ, छुटो, तह, दरखत,
दरद्वे, दलां, दूं द्रुम, नग, पत्री, पलाशी,
गादप, पेड़, फनां, फेड़, बिरळ, बिरवा,
ग्वारेख, विरिछ, बारो, बूट, मह ब, मह हरू,
ग्वटप, विटपी, बूच, मुन्हे, हल, हलड़ां,
शालो, शाल, श्रमी सुख्याल, स्थिर।

३. बंस्ना — झफन, ऋवकेशीं, पलडोन.
वस्र, बास्न, वस्ना बस्या।

४. थाला — ग्रालवाल, धहला, दलहा। ४. पौधा — द्भुप, पेड, पौधा, लघुवृद्ध, शिफ।

६. **लताबौर**—उल्प, गुल्मिनी, प्रतान, बल्लरी, बल्ली, लता, लताबौर, वीषघ, बतति।

७. लता—अंवर, बल्लरी, बल्ली, बेल, बौर, नतर, लता, लितका, वृतती, व्रति । ८. पार्क—तेवन, नज़रबाग्र, पाईबाग्र, पारक, फूलबाग ।

ध. उद्यान—श्राकोहा, श्राराम, उदायन, उदायन, उपवन, कृतारएय, कृत्रिमवन, गुलशन, गुलाबबाड़ी, गुलिस्ता, चमन, चारबाग, चित्रविपन, निष्कुट, पुष्पवाटिका, पुष्पोद्यान, फुलवाई. फुलवारी, बिगया, बगीचा, बगीचा, बरो, बनो, बाग, बारी, वागोचा, वारिका, ।

१०. **बनभूमि**—बनभू, बनस्थली, वन भूमि, वनस्थली ।

११. जंगल—श्रटनो, श्ररस्य, श्ररन, श्रारन, कच्यक, कच्छ, कातर, कातार, कारिका, कानन, कुंदिलवार्च, कुपथ, गहन, गहवर, घन, जंगल, भाइखड, दुर्गम, दव, दाव, दुर्गमपथ, बन, रन, वन, वनो, विपिन, सान्।

१२. महाबन — त्ररायानी, महाटवी, महाराय, महावन ।

१३. मूल—श्रिघ, जटा, जङ, जर, पाल, मूर, मूल, शिफा, सोर. सोड़ ।

१४. तना डठल, तना, धइ, पिंड, पेड़ी, स्थागु ।

१**४. कोटर—कोडर,** कोड्र, खॉ**ड्**रा, स्वांद्रस, निष्कुट, निष्कुद्द। १६. शा**खा**—काढ, डठल, डंठी, डडी, डॉटी, डाल, डाली, शाखा, साखा, स्कघ, दे० 'टइनी'।

१७ टहनी--उपशास्ता, टहना, टहनी, डाली, प्रशास्त्रा, वृंत । १६ कार-कार केल कार्य टाक टाक

१८. काठ - काठ, काष्ट्र, काष्ठ, दाह, दारू, लकड़ी, शंकु, स्थाग्रु।

१६. बरोह-बटा, बरोइ, शिफा।

२०. बल्कल-श्रोलक, छल्ली, छाल, छिलका, चोच, चोलक, त्वक, त्वचा, बकला, बोकला. वल्क, वल्कल, वाकल, शल्क।

२१. पत्ता— किसलय, छद, छदन, ८स, पतत्र, पत्ता, पत्ती, पत्र, पर्या, पत्तास, पत्ता, पात, पाती, पाती, पात्र, पान, विटपाभरण, विम्ल।

२५ नई निकली हुई पत्ती—कनका, कल्ला. किशलय, कॉपल, गाभ, गामा, पल्लव, पीका।

२३. पल्लव--किशलय, किसल, किस**लय,** नवपत्र, पल्लव, प्रवाल, ब**ल** ।

२४. श्रंकुर- श्रदुर, श्रॅकुश्रा, श्रॅखुश्रा, श्रॅगुसा, श्राँख, कनखा, कल्सा, कली, केडा, कोपल, गाम, जई, डाम, नक्रोद-भिट, प्ररोह, प्रवाद।

२**४. काटा** —कंटक, काट, काटा, **≪ा**र. **पर्**ल ।

२६. कांपल — त्रकुर, कनला, किशसय, किशलय, कोपल, गोफा, पलहा, पीका।
२७. कली-— त्रस्कृटित पुष्प, किलका, कुड्मल, कोरक, बालक, मुकुल, मुकुलित।
२८. मंजरी-— पृष्पिल, वाल, बाली, बीर, बौर, मजरी।

२६. फूल-दे॰ 'फूल'।

३०. गुच्छा—गुच्छ, गुच्छक, गु**जुच्छ**, स्तनक।

३१. इतिमी - इतिमी, फली, बौड़ी, शिबी। ३२. बीज - दाना, विय, विया. बीज, बीबा, बीया, बीर्य्य।

३३. गोंद- खपुर, गोंद, गोन, नियसि, मण्जा, लश, लासा सार।

३४. कटीला गोंद--श्रंगिरस, कटोला-गोंट, कतीरा।

३४. आम- श्रितसौरम, श्रमृत, श्रमृत-फल, श्रम्र, श्रालिपिय, श्राम, श्राम्न, कामवल्लभ, कामशर, कामाग, कोरेष्ट, केशवायुष, कोषी, गधबधु, चूत, चूतक बूत, पिकपिय, पिकबधु, पिकवल्लभ, श्रियम्बु, फलभेष्ठ, भृगाभीष्ट, मदाख्य, मदिरासल, मन्मथावास, माकद, मृपालक, मोटाख्य, रसाल, वसन्तह, शरेष्ट, शुक्रिय, सहकार, सुगंषि, सुमदन, सौरभ।

३६ आम (कलमी)---श्राम, श्राम्नात, कामाह, कामेष्ट, कोकिलानंद, कोकिलान्सव, टंक, नृपवल्लम. मधुर, राजपुत्रक, राज-कल, राबाम, स्मराम्न।

३७. कंक (एक अच्छा आम) – कंक, तफेदा।

रेन. टिकोरा (चाम)— ग्रन्थिया, श्राभी, केरी, केरी।

३६. धमरूद - श्रमरूत, धमरूद, श्रमृत, श्रमृतफल, धाम-विही, तुवर, पोतफल, पृथक्त्व व, पेवक, पेवकल, प्यारा, विही, मञ्जराम्बक, मांवल, मृतुफल, लताम, वंह, सफरी, सफरी लाल, सफरी सफेट।

४०. जामुन (छोटी)—जंबुल, बंबुफल, जंबू, बामुन, नीलफला, महास्कंबा, मेब-मेदिनी, राजफला, राजाही, शुकप्रिया, श्यामला।

४१. जासुन (बड़ी '—कोकिलेष्टा, बंबुल, जंबू, जामुन, नंद, फरेदा, फलेद्र, महाबंबू, महानंजा, महापत्रा, महाफला, महास्कंधा, मेधमेदिनी, वृहत्फला, शुकप्रिया, स्रिम-प्रिया, स्वर्णमाना।

प्रक्षे. बैर--श्रजानिया, उभयकटक, कटकी.
कर्वेष्ठ, कर्कथू, कुकोला, कुबला, कुबला, कुबला, कुबला, कुबला, कुबला, कुबला, कुबला, कुबला, गृद्रफल, गृप्रनखा, गोपकटा, घाँटा, टढवीज, पिच्छला, फनशिशिर, फेनिल, बहर, बटर, बादिर, बालेष्ट, बेर, वैर, वककटक, श्रुगाल-केलि, सुफल, सुरस, मौर, सौबार, सौबारक स्वच्छ ।

४**३. महुवा - गुडपुष्प, डोलाफ्ल, तीद्य** मार, मधु, मधुक, मधुवर म<mark>धुवृद्ध, मधु-</mark> ष्ठील, मधुखव, मशूक, मध्वल, महाद्रुम, म**हुश्रा**, नाषव, रोध्रपुष्प, वानप्रस्थ।

४४. श्रोबला— श्रकरा. श्रमृतफल, श्रमृत-फला, श्रमृता, श्राँवला, श्रामलक, श्राम-लका, श्रामला, श्रौरा, कर्षकला, कायस्या, बाताफल, तिब्यफना, तिब्या, धात्रिका, धात्री, धात्रफत, पचरसा, बहुफला, रोचनी, वयस्था, वृत्तपला, श्राता, शिव, शिवा, भोफल, भोफली, सदाफल।

४४. श्रामडा - ग्रंबरातक, ग्रंबरीय, श्रध्य-गभोग्य, श्रमरा, श्रमवाटिका, श्रामझ, श्रामला, श्राम्नात, श्राम्नातक, कविचूह, कविचूत, तनुद्धीर, तनुद्धीरी, तुंगी, वीतन, पोतनक, भृंगीकल, मर्कटाम्न, रवाक्य, वर्षपाकी।

४६ इमली — अत्यम्ला, अम्ल, अम्लिका, आमी, आम्लिका, इमिली, गुरुपत्रा,चरित्रा, चारित्रा, चिचका, चिचा, चुका, तितिका, तितिहा, तितिहिका, तितिही, तितिहीक, तितीली, दंतशठा, पिक्तिपत्रा, पिछिला, भुक्ता, वृद्धाम्ल, शाकचुकिका, सुचुकिका, सुतितिही।

४७. कमरख—कमरख, कर्मरग, कर्मर, कर्मर, कर्मर, कर्मरक, कर्मरक, कर्मर, कर्मरक, बाराफल, पीतफल, मुगद्र, रुजाकर, वृहकुल।

४८. करींदा — श्राविभ, श्राविभ, कटकी, करमर्द, करमर्दक, करमर्दी, करामर्द, कराम्बुक, कराम्ल, कराम्लक, कृष्णपाक, कृष्णपाक, कृष्णपाक, चीरफल, चीरफल, चीरफल, चीरफल, चीरफल, चीरफल, पाककृष्ण, पाकफल, पाणिमर्द, फलकृष्ण, बहुदल, बोल, बनालक, बनालय, वश, सुपुष्प, सुषेण।

४६. कटहल-श्रितवृहत्पल, श्रपुष्प, श्रपुष्प-फलट, श्राश्य, कंटकीफल, कंटफल, कंटा-काल, कटाफल, कटहर, कटहल, कटैल, चंपकालु, चंपाकीम, चपालु, पनस, पलस, पानस, पूतफल, फण्स, फलद, फलवृद्धक, फिलन, महासर्ज, मुरजफल, मूलफलट, मृदंगफल. स्थूल।

४०. बहहुल-श्रम्लक, एरावन, कषयी. कार्य, चुद्रपनस, प्रथिमत्कल, इहु, हट्-वल्कल, निकुच, बहहर, बहहल, लकच, लकुच, शाल, शूर, स्थूलस्कध।

४१. गूलर—श्रजानी, त्रपुष्पफल, त्रसुमा, उद्दंबर, उद्दंबर, कालस्कंघ, कुष्टब्नी, कृमिकंट, कृमिकंटक, द्वीरवृद्ध, द्वीरी, खरपत्रिका, गूलर, जंदुफल, पाखिमुख, पुष्पशून्य, पुष्पश्चीना, फलगुनी, फलगुवािटका ब्रह्मवृद्ध, मलयु, यश्चफल, यश्चीश, यश्चार, यशाग, यश्चिय, यशोद्धम्बर, राजिका, शीत-फल, शीतवलक, शीतवल्लक, श्वीतवल्लक, स्वीप्य, सेमदुग्ध, हेमदुग्ध, हेमदुग्धक, हेमदुग्धी।

४२ वेल — त्र्रातमगल्या, अधराग्ह, कट काट्य, कपीतन, कर्कटाह, गधपत्र, गधफल, गोहरीतकी, त्रीपत्र, तिशाखपत्र, त्रिशिख, दुराग्ह, नीलमालेलका, पत्रश्रेष्ट, पातफल, पूर्तिवास, बिल्व, बेल, मगल्य, महाकपित्य, महाफल, मालूर, लच्माफल, शलादु, शल्य, शांडिल्य, शिवद्रम, शिवफल, शिवष्ट, शैलपत्र, शेलफल, शेलूष, भोफल, सत्यफल, सदाफल, समीरसार, सितानन, सिरफल, सुनीतिक, सीमहगेनकी, हृद्यगथ।

५३. स्विर्नी—कपीष्ट, चीरवृद्ध, चीरख्का, चीरिका, चीरी, खिजी, खिरणी, खिरनी, खिरणी, खिरनी, खोरे गुण्ळकन, टढ्सकथ, निम्बरीब, नृषद्धम, कलाध्यद्ध, भूपेट मधुकल, माधवीद्धव, राजन्या, राजकल, राजादन, आफल।

४८. केथ — श्रद्धसस्य, कहत. कहत्य, करिय, करिय, करिय, करिय, करिय, करिष्ठ, करिष्ठ, करिष्ठ, करिष्ठ, करिष्ठ, करिय, करिय, करिय, करिय, करिय, करिय, करिय, करिय, करिय, गांधफल, मांधफल, मांधफल,

मिल्लका, पुष्पफल, मंगल्य, मन्मथ, मालूर, मिल्लका।

४४. किसोडा (क्रोटा)—निसोरा, भूकर्बु-दार, भूरोख, मधुभूतद्रुम, लघुपिच्छिल, लघुर्शेख, लघुशीत, लघुरलेष्माातक, लमेरा, लिसोडा, लिसोटां, लिसोरा, स्ट्मफल ।

४६. लिसोडा (बडा)—टकाल, उक्ठालक, कबुटार, कबुटारक, गघपुष्प, दिबकुन्सित, पिच्छिल, बहुवारक, मृतद्रुम, मृतवृद्ध, भूशोछ, लिसोझा, लेग्वशाटक, शाकट, शापित, शोतफल, शेळु, शैद्ध श्लेष्मात, शेलु,

४७. पपीता—महाएरड, महापचागुल, स्थूलएरंडः।

४८. शर्राफा -श्रिमाख्य, कृष्णवीब, गडगात्र, बहुबीजक, बैदेहावल्लभ, श्रोफल, - सदाफल, नर्राफा, सीताफल !

४६ खजूर—कवायो. खरस्कवा, खर्जू, खर्जूरिका, दुष्प्रवर्षा, निःभ्रेगी, पिंड-खर्जूरिका, पिंडखर्जूरो, फलपुष्पा. फल-मुद्गरिका, मधुस्त्रा, राजजबू, सपिंडा, स्वादुपिंड, हयभन्ना, हरिधिया।

६० नाश्यिस-- उच्चतम, करकाभा, कृच शोर्षक, कूचेशेषर, कौशिक्फल, खोपरा, बटाफल, खुग, तृयाराज, तोपरार्भ, हटफल, नाह्निकर, नाड़ीकेल, नारकेर, नारिकेर, नारिकेल, नीलतम, पयोधर, फलकेश्चर फलमुड, मंगल्य, महाफल, मुडफल, मृश्कुख, रलफल, लॉगजी वरफल, विश्व मित्रिय, शिराफल, भाफल, सदाफल, खुरुंग, सुमग, स्कंचतम, स्कंचकल। ६१. सीची--नउँबी, न्योजी, लिक्ची। ६२. त्राल्चा—त्राल्चा, गर्दाल्, बदाम, मोटिया, मोटिया बादाम ।

६३. फालसा—श्रत्पारिय, गिरिपीलु, घन्वनच्छ्रद, नागदलोपम, नोलचर्म, नोल-मंडल, परापर, परवत, प**रच**क, परुषा, फलसा, मृदुफल।

६४. शहतूत—कमुक, त्त, त्र, त्स, नीलरंगक. नीलवृतक, न्द्र, पलाशिका, प्रा, पूप, ब्रह्मस्य, ब्रह्मकाष्ठ, ब्रह्मसेष्ट, ब्रह्मदारु, मदसार, मृदुसार, यूप, विप्रकण्ठ, महत्त, सुपुष्प, सुरुष,

६४ बरगद — प्रवरोही, कर्मव. खीरी, वटाल, जटिल, जटी, ध्रुत्र, नंदी, नील, न्यप्रोध, पटीर, पाटरोहण, बट, बहु, बर बरगत, बरगट, बहुपाद, भाडारी, भाडीर, भृंगी, मडली, महस्द्राय, महास्त्राय यद्धात्वस, यम्प्रिय, कर-फला, रोहिण, बट, वनस्पति, वरगट, विटवी, बृद्धनाय, बृहत्पाद, वैभवकोदय, शिकाहर, श्रुणी, स्कष्ठह।

इद्, पीपल — श्रन्युतावास, श्रश्वत्य, कपः तन, कुंजगशन, केशवालय, चींग्द्रम, गबभच्चण, गजाशन, गुझपुष्प, चलदल, चलपत्र, चैत्यद्र, चैत्यवृच, तावास, देवात्मा धनुवृच, धनुवृंख, नागबधु, पिक-त्रक, अश्र. पिप्पल, पीपर, बीधिह्रम, प्रगत्या पदाद्रम, प्रायस्य, याश्विक, वास-देव, वासुदेव, विश्र, शुचिद्रम, शुभट, श्यामल, भीमान, सन्य, सेव्य।

इ.अ. पाकड्--- बार बर्खा, कदराहु, कपोतन, कमडहुतक, कपेरी, झीरा. गर्दमांड, चाक-दिश्वनो, बटा, इटप्ररोह, पकड़ी, पर्कटी, पर्कटी, पाकड, पाकड़ी, पाकर, पासर, पिपरी, पिलखन, सचा, सवंग, प्रवक्त, सोचा, महाबला, वट¹, वरोहशाखी, श्र गी, सुपारुवें।

६८. अशोक-स्रगनापिय, स्रपशोक, स्रशोक, श्रशोग, श्रसोक, ककेलि, कर्यापूर, कर्या-पूरक, काँताचरणदोहट, वेक्ल, चक्रगुच्छ, चित्र, ताम्रपल्लव, द्रम, दोषहारी, दोहली, दोइलीक, नट, पल्लद्र, पल्लवद्रुम, पिंड-पुष्पक, पिडी, पुष्प, बजुन, बजुलद्रुम, मधुपुष्प, रक्तपल्लन, रागपल्लन, राम, रामा, रोगितर, वामाधिधातन, विचित्र, विशोक, वेलिक, शोबनाशक, शोकहर्त्ता, सुभग, स्मराधिवास, हेमपुष्य, हेमपुष्पक । **६६. साइ**—ग्रासबद्द, गुच्छात्र, चिरायु, तरकुल, तकगान, ताह, जलदुम, तृखराज, दोर्घपत्र, दोघपादण, दोघम्कघ, ध्वजदुम, पत्री, मदाट्य, मधुरस, महान्नत, लेख्यपत्र । ७०. नोम —श्रारष्ट, काटक, कीरेष्ट, कैटर्य, क्कर्दन, नित्र, नित्रन, नियमन, निर्यास, नीम, नीम्ब, नीम्बन, नीब, नेता, पस्वकृत, पारिभद्रक, पिचुमद, प तसार, पीतसारक, पूकमालक, मालक, रविष्प्रय, राजभद्रक, बरत्वन, विवध, विशार्णपर्ण, शीर्षपर्यी, शुकाप्रय, सर्वतीमद्र, सुमद्र । ७१. धव --कषाय, गौर, घट, इदत्र, धव, चवल, बाबा, धुरधर, घ, घौ, नन्टितक, पांडुतर, पांडुर, पिशाचवृत्त, पीतफल, मधुरत्वक् , शकटाख्य, शुष्कवृत्त, शुक्काग, स्थिर ।

७२. पक्षास--करक, कार्कारमा, काष्ठद्र, किंशुक, कृमिष्न, केमू, चारश्रेष्ट. टेसू, ढाक, त्रियत्रक, घारा, पर्या, पलाश, पलाशक, पूतद्र, बातपीय, बीबस्नेह, ब्रह्मवृद्ध, ब्रह्मो- पनेता, याशिक, रक्तपुष्पक, वक्तपुष्पक, समद्विर, सुपर्गी।

७३. बबूल—कटकी, कटाळु, कफांतक, कषायक, किंकरात, कोकर, गोश्टंग, तोच्एाकटक, हटाइहं, पीतक, पीतपुष्प, बब्द्र, बब्द्र, बब्द्र, बब्द्र, बब्द्र, सलाफल, युग्नकंट, स्इमपत्र, स्वर्णपुष्य।

७४. करील — उष्णसुंदर, कदुफल, करिर, करीर, कृशशाख, ककच, ककर, गृह-पत्र, प्रथिल, तीच्याकटक, तीच्यासार, निष्पत्र, निष्पत्रिका, महभूहह, मृहुफल, विदाहिक, विष्वक्पत्र, शतकुत, शाकपुष्प, सुफल।

७४. शाल--श्रमिवल्लभ, श्रबकर्णक, श्रश्वकर्णक, श्रश्वकर्णक, श्रश्वकर्णक, श्रश्वकर्णका, उपमेत, कल, कथापी, कुशिय, चीरम्बं, जरणद्वम, जलदाशन, जलदासन, ताद्र्यप्रसव, दिव्यसार, दं पंपर्ण, दीघंशाल, धन्य, बल्लीवृत्त, बस्तकर्ण, यद्यधूप, रालकार्य, ललन, वश, शकुवक, शकुवृत्व, शस्यशम्बर, श्रूर, सखुश्रा, सर्ज, सर्वकाय, सर्वरस, सम्यसम्बर, सालू, साल, सिद्धक, सुरेष्टक!

७६. शीशम - त्रगुर, त्रगुरशिशपा,
किपला, किपलाची. वालानु, कृष्णस्या,
तीव्रधूमका, धारा, धृष्मकावीरा, पिच्छला,
विपला, पीता, भरमगर्भा, युगपत्रिका,
युग्मपात्रका, शिशम, शानम, श्यामा।
७७. सिरस — उद्दानक, कपीतन, कर्चपूर,
किलग, प्रवग, भिडक, भीडर, प्रीवन,
भंडी, भंडील, मधुपुष्प, मूर्बपुष्प, कोमकपुष्पक, वर्दपुष्प, विश्ववाती, वृतपुष्प,
शाखनीफल, शिरीष, शीतपुष्प, शुक्तक,

ग्रुकपुष्प, शुक्रिया, श्यामल, श्यामवर्ण, खिरस, सिरीस, स्वर्णपुष्पक।

७५. रामी—इंशानी, इष्टा, कचरिपुफला, केशमथनी, केशहंत्री, ख्रींकर, ख्रोंकर, ख्रोंकर, तपनतपना, तुंगा, दुरितदमनो, पवित्रा, पापशमनी, भद्रा, मंगल्या, मेध्या, लच्मी, बद्धिगर्भा, शकरा, शकुकालिका, शक्तुकलो, शम', शाता, शिवा, शुभकरो, शुभदा, स्वाममुंदर, मकुफ्ती, मफेदकीकर, समी, समीर, समुद्रा, सुखदा, मुपत्रा, सुरिंभ, हिंबगेंधा।

अ. तमाल — अमृतद्रुप, काल स्कघ, तम, तमा, तमाल, तापिंब, तापित्य, नील ध्वब, नीलताल; महाबला, लाकस्कघ, श्याम- तमाल।

प्तः वाँस — कटको, कटालु, कमठ, कर्मार, किलाटी, किन्कुपर्या, कीचक, कुद्धिर्घ्र, तृष्यकेतुक, तृष्यध्वज, तेजन, त्वक्सार, स्विचसार, दुराब्द, हद्दकाड, हद्दपत्र, वनुर्द्रुम, धानुष्य, पर्वयोगि, पुष्पधानी, वश, वंस, वाँस, महस्य, महावल, मृत्युवीब, यक्फल, वश, वांम, वन्म, वादनीय, वृद्ध-पूष्ण, वेशा, धानप्या, षटपदालय।

मर्. खेर (पेड)—कटकी, ककेटी, खादर, खरापत्री, खेर, गायत्री, जिझशस्य, दत खाबन, निकसारा, बहुशस्य, बालतन्य, बालपत्र, बालपुत्र, यांत्रक, रकश्वर ।

प्त. भोजपत्र (पेड्) - चर्मी, अत्रपत्त, बहुपट, बहु-बहुपत्र, पत्रपुष्पक, पद्मकी, बहुपट, बहु-बहुक, भूर्ब, भूर्बगत्र, मुज, मृहुत्वक, बहुद्ध, विद्यादल, विदुपत्र, शिव, बुचर्मा. स्थित्सहर ।

वरे. गंभारी --कारमरी, गमार, गभारी।

म्छ सागीन—श्रातिपत्र, श्रातिपत्रक, श्रानिल, श्राकु नोपम, श्राणं, ककचपत्र, सरपत्र, गधसार, गृहदुम, द्वारदाक, श्रुवसाधन, महापत्र, महोकह, योगी, शाकतक, भेष्ठ-काष्ठ, सागवन, सागीन, स्थिरक, स्थिरसार, हलीमक।

प्तरे. रीठा -- श्रिरष्ट, श्रिरष्टक, श्रियंसाधन, कुंभवीजक, कृष्णवर्ण, गर्भपातन, गुच्छ-फन, पीतफन, प्रकंथ, फेनिस, मागस्य, रिट्टो, रोठा, सेमवक्कलः

प्पर्तः ऋर्जुन --श्चर्जुन, ककुभ, किरोट, कोइ, कौइ, धन बय, धन्त्री, पाडव, पार्थ, फाल्गुन, वार, वीरवृद्ध ।

२०. देवदारः - तारपीन, देवदारः, देवदारः।

न्धः सुदर्शन --चकागी, चकाहा, दथ्यानी, मधुपर्शिका, कृषकर्णी, सुदर्शन, सोमवस्ती। ६०. विजयसार — श्रसन, श्रसना, श्रासना, नोलंक, प'तसार, पीतसाल, पीतसालक, ग्रियक, बधूकपुष्प, महासर्ज, वीजक, वेज-कृष, सीरि।

६१. पपिड्या खेर (पेड़) — कटर, द्विज प्रय, नेमिन्नच्च, पपिड्या न्वैर, बद्ध-शल्य. महावृच, श्यामनार, श्वेतसार, सफेट ख्रेर, सोमवृच्च, सोमसार।

६२. बेत-- श्रभ्रपुष्यक, कलन, गंधपुष्पक, तोयकाम, रीर्घपयक, नम्न, निचुल, नीर-प्रिय, बबुल, बेत, बेतस, बेतसी खता, मंबरी, यत्र।

६३. बनभाउ--भाऊ, बनभाऊ, वरो। ६४. स्नातबन – स्नुतवन, तरायोग, वत-

पतिया, सप्तपर्या ।

६४. चॅंकोल-ग्रंकोट, ग्रॅंकोल, ग्रकोल, श्रंकोलक, ग्रॅंकोला, ढेरा।

१०२

६६. बजरबट्ट — नजरबट्ट , नजबटा, नट्ट ।
६७ सेंडुँड — कांडरोहक, कांडशाख, कृष्णसार, गुड, गुड़ा, गुड़ी, गुला, थूहर,
दंडवृद्ध के, नागद्र , नेत्रारि, निर्क्षिशपत्रिका,
बहुदुग्निका, नहुशाल, महावृत्त, नज़,
वज्रकटक, नजद्र , नज़ा, शाखाकठ, शोहुँडा,
समंतदुग्ना, सुधा, स्नुषा, स्नुहा, स्नुही ।

६८. नागफन्नी—नकफन्नी, नगफन्नी, नाग-फनी, नागफन्नी ।

ध्धः. गूम — कुंमा, खार, गुम्मा, गूम, गूमा, जगलो, जटाधारी, भाइ, द्रोणपुष्पी।
१००. मदार — अकवन, अकाव, अकौआ, अकोवा, अकं, अर्यमा, अहर्यपि, अहर्मिश, अहर्वाधव, आक, आस्पोत, उष्णरश्मि, खोरकाडक, खोरदल, जीरपर्णी, खाराग, खीरी, खार्भ, गणरूप, प्रहपित, जभल, त्लकल, दिवाका, पुच्छी, प्रताप, प्रभाकर, मास्कर, मदार, मदार, वसक, विकर्चन, विकोरण, विभाकर, विवस्वान, शांतपुष्पक, सुक्कल, सदापुष्प, स्नु, सूर्य, सूर्याह, हिरदश्व, हिमराती।

१०२. सरकंडा —सरई, सरकडा, सम्फोका, **सिर**को ।

१०२ साखी—साली, साल । १०३ तून—दुन, तून, शल । १०४. लोध—(पेड), लोध, लोध । १०४. सोनापाठ—(बड़ा पेड़), सोनपाठा, सोनापाठा ।

१०६. श्रीवल्खी—श्रम्ला, कटवल्ली, कटु-फला, दुरारोह, शिवल्ली, श्रीवल्ली। १०७. मेबड़ी —(पेड़), मेवाड़ी, मेवरी, श्वेतसिधुवार, सभालू।

१०८. जैंत का पेड़-खय, जयन्ती, जया । १०६. सलई-ग्रह्वपुत्री, करका, कुंमी, गचमूला, गजमञ्चा, नागवधू, महारणा, महारुहा, महेरणा, महेरुणा, महेरुहा, मोचा, वसा, शल्लकी, सलई, सुरभी, सुरभीरसा, सुनहा, सुश्रीका, हादिनी।

११८. तगर-कालानुसारि, कुंचिन, कुटिल, जिह्म, तगर, तगरक, दीन, दीपन, नत, नहुषाख्य, पादिक, महोरग, ल**धुप, वक**, विनम्न, शठ।

१११. तुलसी—अपेतराइडी अमृता, कठिजर, कुठेरक, कृष्णवल्लमा, गंधहारिखी, प्राम्या, गौरी, तीबा, तुलसी, त्रिदंशमंखरी, पर्यास, पवित्रा, पावनी, पुरया, प्रेतराइसी, भृतब्नी, भृतपत्री, मजरी, माधवी, माला-श्रेष्ठा, लद्मा, विष्णुकाता, विष्णुपत्री, वृन्दा, वैष्ण्वी, श्यामा, भी, सुगंधा, सुमगा, सुरदुन्दभी, सुरभि, सुरवल्लरी, सुरवल्ली, सुरेख्या, सुलमा, स्वहा, हिरिप्रया।

११२. तुलसी (काली)—करालक, काली दलसी, कृष्णदुलसी, कृष्णपर्याी, कृष्णा, श्यागदुलसी।

११२. दारुहल्दी—कटकटेरी, क्यीतक. किलियक, कामवती, कामिनी, काष्टरवनी, दार्थी, दार्थीन्था, दारुहिंदा, दावहल्दी, दावीं, विदेशा, पचम्पचा, पर्वनी, पर्वन्या, पीतचदन, पीतत्यक, पीतदार, पीतबुम, पीता, पीतिका, मर्मरी, हरिष्ठु, हेमकान्ति, हैमवती।

११४. दूव--श्रनंता, श्रनुवश्लिका, अमय,

स्रम्या, स्रमृता, कच्छ्रद्दा, कच्छ्रात्यहा, काडा, गंडदूर्वा, गुया, गौरी, चित्रा, जया, तिक्तपर्वा, दुर्मरा, दूव, दूवी, धूर्ता, नंदा, प्रचंडा, भागवी, भूतहत्री, महावर, महौषिष, वहा, वामिनी, विद्या, शकुलाची, शतप्रयिका, शतपर्विका, शतमूला, शत-यहली, शप्प, शाता, शाभवी, शादल, शिवा, शिवेष्ट, शीतला, शीता, शुभा, श्यामकाडा, सहस्रवीर्या, स्रवल्लभा, स्चिपत्रा, स्वच्छा, हरसालिका, हरिता, हरितालिका, हरिताली।

११४. श्रिगिया—(एक श्रास), श्रिगिया, श्रिगियान, करेमू।

११६. कुशा—कुतुप, कुरन, कुश, कुशा, दर्भ, पवित्र, वहिं, यशभूपण, याज्ञिक, स्व्या, हस्वगर्भ।

११७ दुढी—(एक घास), कच्छरा, चौरी, प्राहिशो, ताम्रमूला, मस्द्भवा।

११⊏. नकछिकनी--उप्रगघा, उप्रा, च्वक, च्वकृत, घ्राणदुःखदा, छिक्कर्ना, छिक्किका, ताद्ग्णा, संवेदनापुट ।

११६. नख-—करब, क्टस्य, खपुर, चक-कारक, चकनस्य, चकी, व्यक्षफल, द्वीपिनस्य, नस्य, नस्याग, व्यात्रायुष, व्य'ल-बस, व्यालायुष ।

१२०. नर्सा—कोलदल, खुर, नस्तरी, नसी, नागइनु, प्रथिवलासिनो, पाणिक, बदरी-बच, शक, शंखनस, शुक्ति, इट्विसासिनो, इनु:

१२१. नर्फट--देवनाल, घमन, नट, नटी, नर्चक, नर्फट, नल, नलोश्तम, महानल. बन्य, विमीषण, सुरहुम, सुरनाल, स्पूल बाल, स्पूलदंड। १२२. नागकेशर—इभास्य, कनकाइय, केशर, केसरी, चापेय, नागकिंबल्क, नागकेशर, नागकेसर, नागीय, नागेश्वर, पिंबर, पुन्नागकेशर, पुष्परेचन, क्षांस्केशर कलक, राबपुष्प, क्वम।

१२३ नागरमोथा-ग्रब्द, श्रर्णोट, उच्चटा, कघर, कचोत्या, कच्छरहा, कच्छोला, कलापिन, कशेरु, कुरुबिल्व, क्रोडेष्टा, गागेय, गुदला, गुंद्रा, ग्रथि, चकाद्रा, चारकेसरा, चूडाला, नागरपुस्ता, नागरमोया, नागरोत्य, नागरोत्था, नादेयी, बल्या, भद्रकाशी, भद्रमुस्त, पिंडमुस्ता, भद्रमुस्तक, मोथा, वारिद, वृषध्माद्धी, शिशिरा, श्रीभद्रा, सुगविश्रायला, हिमा । १२४. नील--श्रक्कीका, काला, काली, कृत्यला, कृष्ण, क्लीतिकका, गधपुष्पा, चार्यटका, तुर्था, त्यी, दूली, दोला, नील, नीलिना, नोली, भद्रा, भारवाही, मेघवर्षा, मोचा, रगपत्रो, रबना, विजया, बृन्तिका, व्यंजनकेशः, शोधिनी, श्यामा, श्रीफली, स्थिरर गा, स्थिरगगा ।

१२४. सेमल — श्रप्यां, कटकदुम, कट-कारो, कककाष्ट, कदला, कक्कुटी, कुकुटी, चिरकोवी, तुलनी, त्लवृच, त्लिफला, टीर्घंद्रम, टार्घांद्र, दुरारोह, निर्गंघपुष्पं, निस्सारा, विक्ति, विक्तिन सार, पृच्छला, पृच्छला, पृच्छला, पृच्छला, मोचसार, मोचसार, मोच साय, मोची, मोचाक, मोचाक्य, यम. द्रुम, रक्तपुष्पक, रक्तोरपल, वन्यपुष्पं, वेश्मरक, शाल्मल, शाल्मिल, शाल्मिली, शोमूल, सेमर, सेमल, स्यूलफल।

१२६. कपास—कपास, कपीससारिणी, कपीसका, कपीसी, कापीसी, गुड, चन्या, कापीसी, गुड, चन्या, कापीसी, पटद, पटखुन, पिचु, महन्द्रवा, बदरा, बदरी, बादर, समुद्राता।

१२७. जूट—जटा, पदुवा, पाट । १२८. पाट—जूट, पटसन, पदुश्रा, पदुवा, पट ।

१२६. सन— कुनकुनिया शण, सनई।
१३०. चंदन— एकाग, गंघराज, गंघसार,
गोशीर्ष, प्राम्य, चंदन, चंद्रकात, चद्रद्युति,
चन्नन, तिलपर्ण, तैलपिएक, पटरी, पावन,
पीतसार, भद्रभी, भद्रसार, भद्राभय, मोगिवल्लभ, मगल्य, मलयज, मलयोद्भव,
महर्घ, महाई, रौहिया, वर्णक, शीतगंघ,
शीतल, भीन्यड, सर्पावास, सर्पेष्ट, सितहिम,
सुगंघ, सेव्य।

१३१. चंदन पीला-कालसार, कालानुसार्दक, कालीय, कालीयक, कालेय, पीतगंध, पीतक, पोतकाष्ठा, पीतचदन, पीताम, पोला चदन, माधविषय, वर्न्वर, हरिष्रिय। १३२. चंदन लाल - कुचदन, कुमोदा, बुद्रचदन, ताम्रसार, ताम्राभ, तिलपर्यी, पतंग, पत्रांग, प्रवालकल, भारकरिय, रखन, रक्तचदन, रक्षसार, लालचदन।

१३३. जड़ीबूटी--खरबिरई, खरबिरैया, बनौषच।

१३४. चकवँ ह — उग्याख्य, एडगब, चकवढ़, चकमर्द, चकी, तर्किया, तर्किल, तर्कट, पद्माट, पमाड, पवाड, मेघलोचन। १३४. चिरायता — श्रनार्यतिक, कालमेघ, किरात, किरातक, कैरात, चिराटिका,

चिराचिक, चिरायता, तिकक, भूनिम्ब, रामसेनक, हैम।

१३६. चोपचीनी—श्रमृतोपहिता, चीप-चीनी, चोवचोनी, द्वीपांतरवचा ।

१२७. छरीला —कालानुसार्य, गिरिपुण्पक, गृह, छरीला, जीर्या, पलित, भूरिछरीला, वृद्ध, शिलासन, शिलेय, शीतल, शौत-शिव, शैल, शैलक, शैलक, शैलक, सैलाक्य, स्थिवर।

१३८. ऋंधाहुली — ऋघाहुली, ऋषंपुष्पां, चीरिको, दिचयार, दुराघर्षा, पवस्या, वक्रशस्या, शीतला, शीता, सितपर्की।

१३६. श्रकरकरा श्रकरकरा, श्रकस्तक, श्राकरकरा, श्राकक्कक, श्राकीरकरम।

१४०. ऋगर — अगर, अगर, अप्रकांड, अनार्यक, असार, किमिन, कृष्वा, पातका, प्रवर, भृगज, योगका, राजाई, लोड, वंशिक, वर्षापसाद।

१४१. सनाय —कस्याणो, मलहारिखी, रेचनी, सनाय, मोनामुखो, स्वर्णपत्रिका, हेमपत्री।

१४२. सरफोका—कटपु सा कटाबु, शरपु खा, सरफोका।

१४३. सहरेई — गषवरूली, देवसहा, पीत-पुष्पी, प्रसादनी, नंगलार्थ, महागषा, महाबला, मृगरसा, मृगा, वर्षपुष्पा, वर्ष-पुष्पी, वाट्य, वाट्यायनी, वृहद्गला, यह-देवा, सहदेवा ।

१४४. ऋजमोदा श्रथमोद, कार्या, लराश्वा, दीप्यक, श्रशकुशा, श्रशकीण, मयूर, मर्कट, मोदा, मोदिनी, कोश्वमस्तक, वस्तमोदा, विश्रहमा।

१४४. अतीम-अतिबिच, अविविच,

श्रतीत, श्रवण, खुखवल्लभा, भगुरा, भृंगी, माद्री, मृद्री, विरूपा, विश्वा, विषरूपा, विषा, शिशुभैषण्य, श्रुगी श्रुगीका, श्वेतवचा।

१४६. श्रानतमूल—झनंतमूल, श्रानंता, श्रस्कोता, कराला, गोपी, गोपवल्ली, नागिबहा, प्रतानिका, भद्रवल्ली, भद्रा, सारिवा, शारदा, श्यामा, सुगंचा।

१४७. इंद्रायन — अमृता, अवण, इनावन, इनाव्यक, इंद्राचिभिटा, इंद्रवल्लरो, इंद्र-बाविषका, इंद्रायन, ऐंद्रो, किपलाची, चुद्रसहा, गवविभिटा, गवाची, गवादना, चित्रफला, चित्रा, तारका, पिंटकोकां, षांतपुष्पा, मरी, माता, मृगादनी, मृगेर्वाव, विषलता, वृषभाची, सुकिश्वका, स्पला, हेमपुष्पी।

१४८. अमलनास -श्रमलतास, श्रदन, श्रामहा, श्रारम्बध, श्रारेवत, श्रारोरम्य-श्चिंबा, इमलतास, कंड्रप्न, कुष्टसूदन, पनबहेडा, चक्रपरिव्याघ, **कृतमाल**, चतुरगुन, जनरातक, दोर्घफल, नक्तमाल, प्रमेह, मंथान, महाक्षिकार, राजवृद्ध, रोचन, व्याधियात, श्रम्यक, रोफालिका, सम्बद्ध, स्वर्शपुष्प, स्वर्शाम, हिमपुष्प । १४६. व्यक्त--श्रटब्य, श्रद्ध्य, श्रद्धा, बहर, बहरा, बाटका, ब्रामलक, कंडीरबी, क्षनीत्पाटन, नासा, पंचपृक्षी, मातृषिंही, मृगेन्द्रायी, रसादनी, रामरूपक, बाखिदंतक, बाजदती, बाबी, वाशा, वांसका, वारक, वारंग, वांसक, विसाटा, **रृष, वैद्यमाता, वैद्यविंही,** वितक्की, विद्यनी, विद्यवीं, विद्युषी, विद्यानन, विद्यास, विद्या, विदी।

१४०. श्रसगंध—श्रसगंघ, श्रवरोहा, ऋश्वगंघा, त्रश्वारोहक, त्रश्वारोहा, श्रहवारोहिका, ऋश्वारोहक, काला, कंबु काष्ठा, का**बुका**, रूपियाँ, कुष्टघातिनी, गंधपत्रो, तिका, दुरंगगंघा, दुग्गा, तुरगं।, वलाशपर्या, प्रियकरी, पीवग, पुराया, बलजा, बलदा, बल्या, बाजिनी, बाजीकरी, बाराइपत्री, रसायनी, वनजा, वरगात्रकरी, वाजिगधा, वाजिना, वातध्नी, वाराहकर्या, श्यामला, हयगधा, इया, इयप्रिया ।

१४१. त्राकाश बीर-श्रकसबीर, श्रमर बेल, श्राकाश बेल, श्राकाश बीर, दुःस्पर्शाः १४२ इद्रजी-इंद्रयव, कलिंग, कालि-गक, कुटज, भद्रयव, यव, बत्सक, श्रक्यांज

१४२ इसवगोल-इसबगोल, इसरमोल, ईपदगाल, ईसबगोल, श्लद्धकीर, स्निग्ध-जार।

१४४ क**जा**—कबा, कटकिनी, करॅं**ब,** करजुवा, कुकचिका, कुनेराद्यो, सटाइन, बारिसी।

१४४ कचूर -- कचूर कचूर कल्पक, काश्ये, गधमूनच, गधशार, जटान, द्राविक सुख्य, शठी :

१४६. कन काड़ा — कनकोडाव. कर्यस्कोटा, कोयल श. चद्रिका चित्र गणी, त्रियुटा । १४७. कपूर — इतु, श्रीषध्य, कपूर, कणूर, कपूर, गौर, ग्नी, धनसार, चद्र भस्म, बावाकपूर, तक्सार, निशापात, विधु, वेषक, शिला, शीतमयूच, शोतमरीच, शीताशु, सिताभ, सिताभक, सोमसंख, स्कटिकाभ, इतु, हिमाशु, हिमोपल । १**४८. १३ तरह के कपूर—-श्रब्द**शर, जूतिका, दुषार, पत्रिकाख्य, पाशु, पिंज, पोतास, भीमसेन, शंकरवास, शीतल, सितकर, हिम, हिमवालुक।

१४६. कपूर कचरी— कपूर कचरी, कर्बर, कृष्णहरिद्रा, गंधपलाशी, गधबधू, गंध-मूलो, गधा, गधारक, गधोली, गंधौली, प्रथमूलिका, तूणी, दूवी, पलाशिका, पलाशी, पृथुपलाशिका, शठिका, षडम्रथा, सटी, समुद्रा, सुगंधासटी, सुब्रता, सौम्य, हिमोन्द्रवा।

१६०. कबीला — कबीरा, कर्कश, कम्पिल्ल, कम्पिल्ल, कम्पिल्ल, कम्पिल्ल, चद्र, पिकाच, वहुपुष्प, रजक, रक्ताग, रक्तपल, रेचनी, रेची, राचना, लघुपत्रक, लोहिताग।

१६१. करंज - श्रगारवल्ली, उदकीर्य, करंजक, करज, करभाडिक, कलिमार, काकब्ना, कैड्यं, गुच्छपाल, घृतपर्णक, चिरविल्ब, तपम्बा, नक्तमाल, पूर्तिक, पूर्तिकरज, पूर्तिपत्र, पूर्तिपर्ण, प्रकार्य, बद्धफल, विषारी, ब्रक्तपर्ण, शार्गच्ठा, पडअथ, सिम्थपत्र।

१६२. करियारी—श्रमिजिह्या, श्रमिमुला, श्रमिनुला, श्रमिनुला, इद्रपुष्पिका, करियारी कलिकारो, कलिहारी, गर्भ- वातिनी, गर्भनुत्, गर्भपातिनी, दीप्ता, नक्ता, पुष्पसीरभा, अखद्धत, लागलिकी, लागुली, विह्नवका, विह्निशिखा, विद्युज्वाला, विश्वस्था, शकपुष्पी, स्वर्षपुष्पा, हलिनी, दली।

१६२. काकोसी—काकोलां, कायस्थिकां, चीरा, घीरां, पथस्थां, पयस्विनी, स्धुरां. वयस्था, वायसोलिका, वीरा, शीतपाकी, शुक्का, स्वादुमांसी ।

१६४. कायफर—कटफल, काफल, कायफल, कुमृदिका, कुमुदी, कुम्भि-पाकी, कुम्भी, कैटर्य, त्वकफल, नातातु, पुरुष, मद्रारंजनक, रोहिग्गी, लधुकारमर्य, श्रीपर्ग्या, सोमबृद्ध, सोमबृद्धा।

१६४. कालीजीरी—श्ररएयजीर, करा, कालजीरी, जुद्रपत्र, वृहन्याली।

१६६. कुटकी — श्रंजनी, श्रारिक्टा, कटवरा, कटवी, कटु, कटुका, कटुरोहिशी, कुटकी, कुल्या, कुल्यामेदा, काडैकहा, कुल्यामेदा, कृष्यामेदा, केदारकटुका, चकागी, चित्रागी, जननी, तिका, दिंजाकी, दिंजागी, नकुलासादिनी, मत्स्यिपत्ता, मलभेदिनी, महौषधी, शकुलादिनी, शतपर्या।

१६७. कुरैया - इंद्रद्रु, कटुर, कालिंग, काही, कुटक, कुटब, क्रब, कौट. कौटका. गिरिमल्लिका, पाहुर, प्रावृष्य, स्प्रावृष्ट, स्प्र, स्प्रावृष्ट, स्प्रस्य, स्प्रस्य, स्प्रस्य, स्प्रस्य, स्प्रस्य, स्प्रस्य, स्प्रस्य, स्प्रस्य, स्प्रस्य, स्प्रस्य

१६८. कुलींजन—कुलंज, कुलंबन, कुली-जन, गंधमूल, तीस्थमूल ।

१६८ केकड़ासिगी—कर्कटश्च गो. कर्कटी, कुलिंगी, केकरासिगी, बोबा, चंद्रारपदा, चकागी, चका, नतागी, महाबोषा, बका, विधाशिका, शिखरी, श्वांगी।

१७०. केतकी --इदकलिका, कटकदला. ककचा, केतकी, केवड़ा, वंबूक, वंबूल. तीच्यापुष्पा, दलपुष्पा, दीर्घपन्ना, धूलिपुष्पा, मेध्या, विकला, शिविश्विष्टा, शूचीवन, स्थिरगंथा।

१७१. कीवाठोंठी--काकतुंबो, काबनाला,

काकाची, कौन्नाठोंठी, वायसी, शिरोबाला, सुरंगी।

१७२. चीरकाकोली—ग्रष्टमी, चीर-काकोली, चीरमधुरा, चीरवल्ली, चीर-विषाणिका, चीरशुक्का, जीववल्ली, जीव-शुक्का, प्यस्या, प्यस्विनी, महावीरा।

१७३. खस— ग्रभय, श्रमृणाल, श्रवदात, श्रवदात, श्रवदाह, इंद्र, इध्टकापथ, उशोर, उसीर, कांध्र, कटायन, खस, गाडरमूल, जलवास, कलाश्यय, नलद, लघुभय, लामज्जक, बीर, वीरणामूल, वोरभद्र, शिशिर, समगाधिक, सुगधिमूल।

१७४. गंधिबरोजा — चीराह्य, गधिवरोजा, धृतहाय, चितागंध, तिलपर्ग्य, धृपाक, पद्मदर्शन, पायस, यवास, यास, रक्तशोर्षक, रसाबेट, रसाह, विरोजा, वृक्धूर, वृक्ष्य-धृपक, वेटसार, श्रीपिट, श्रीरम, श्रीवास, श्रीवेट, सरलद्वव, सरलस्वाव।

१७४. गदहपूर्ना—गजपुरना, गधप्रना, नीलपुनर्नवा, नीला, नीलिनी, नीलीसॉठ, विषखपरा, सॉठ।

१७६ गाजुबाँ --श्रघ:पुष्पी, कुरसा, खर पत्री, गोजिया, गोजिहा, गोभी, दवीं, टार्विपात्रिका।

रेण्ड, गुग्गुल—उद्दोष, उल्लालक, उष, काल निर्यास, कुतो, कुंन, कुंभी, कुंभोलु, कुभोल्लक, कौशिक, गुगुल, गुग्गुल, गुम्ल, बटायु, बटाल, दिन्य, दुर्ग, तेबबूव, देवेच्ट, घूर्च, निशादक, पवनदिष्ठ, पक्विष्ठपुट, पलंकष, पुट, पुर, भवाभोष्ठ, भूतकर, भैतागृगल, महदिष्ठ, महिषाद्य, रक्षेका, दक्ष्यंषक, वायुष्ठन, शाभव, शिव, सर्वेक्ट।

१७८. गुरुष—श्रमृतवल्ली, श्रमृता,
उद्धारा, कुंडलिनी, कुंडली, गुड़ची,
गुड़ूचो, गुर्च, चद्रलख्या, चद्रलख्याका,
चंद्रहासा, चक्दांगां, छुद्यिका, छिन्नब्हा,
छिन्ना, जीवन्तिका, ज्वरारि, तंत्रिका, तत्री,
देवनिर्मिता, चीरा, नागकुमारिका, निर्जरा,
पित्तन्नी, भिषकिषया, मधुपर्यो, रसायनी,
वरसादनी, वयस्था, वरा, वातरकारि,
विशाल्या, श्यामा, मोमवल्ली।

१७६. गोरखमुडी—श्रलंडुषा, श्रव्यया, कटंबपुष्पिका, कोडलूडा, गोरखमुडी, क्रिच-ग्राधिक, तपस्विनी, पलकषा, बोडा, भूकदम्बिका, महामुडी, मुंडी, मुडली, लोचनी, लोतनी, विकचा, वृद्धा।

१८०. गोसुरू—इत्तुगंघा, इत्तुगंधका, इत्तुग, कटकपल, त्तुग, त्तुराग, गोकटक, गोत्तुर, गोत्तुरक, गोर्खुर, गोखुरू, त्रिक, त्रिकट. त्रिपुट, पलकषा, भद्धकंट, भद्रकंट, वनश्चगाट, व्यालदष्ट, श्वदंष्ट्र, स्थलश्चंगाट, त्वादुकंटक।

१८१. गोम् त्रिका -- कृष्णभूमित्रा, चेत्रजा, रक्ततृणा ।

१८२. गोरोचन —काचनी, गब्या, गोपित्त. गोपित्तसभवा, गोरोचन, गोरोचना, गोलोलन, गौतमा, गौरो, चंदनीय, नंदिनी, पिगा, जीता, भूतविद्रविखी, मगला. मंगल्या, मनोरमा, मेध्या, रामा, कचिरा, बंदनाया, वंद्य, शिवा, शुभा, शोभना, शोभा, श्यामा।

१८२. घीकार — ग्रजरा, ग्रदला, ग्रफला, ग्रमर, कंटकीनी, कपिला, कुवारपाठा, ग्वारपाठ, घीकुकार, घीकुमारी, घोगुवार, वृतकुमारी, देकुवार, तक्खी, मंडला, माता, मृदु, रसायनी, रामा, वीरा, सहा, सुरमा स्थलहहा।

१८४. पठानीलोध—श्रद्धिमेषज, क्रमुक, जीर्णपत्र, जोर्णबुध्न, पष्टिका, पष्टिकालोध्न, पटी, पठानीलोध, लाजाप्रसादन, शाबर, स्थूलवक्कल।

१८४. पद्मकाठ—केदारज, कैदार, चाह, पद्मक, पद्मकाष्ठ, पद्मगंघि, पद्मवृद्ध, पद्माक, पद्माख, पोत, पोतक, पीतरक्त, मालेय, शीतल, शुभ, सुप्रभ।

१म६. पित्तपापड़ा — अरक, कटुपत्र, कलांग, कत्रचनामक, कृष्णशास्त्र, चरक, तिक, तृष्णारि, त्रियष्टि, टवनपापड़ा, नक्र, पर्पट, पर्पटक, पाशु, पाशुपर्य्याय, पितपापड़ा, पित्तारि, प्रगंघ, रक्तपुष्पक, रेग्रु, वरक, वर्रतिक, वर्मकंटक, शास्त्र, शीत, शीतिप्रिय, शीतवल्लभ, सुतिक।

१८७. पीपरामूल—कटुमूल, कर्णमूल, कोलमूल, ग्रंथिक, चटकाशिर, चटिका, पत्राख्य, पिपरामूल, पिप्पलोमूल, मागध। १८८. पीपल—उपकुल्या, उष्ण, कथ, कटी, कटुनीजा, कृष्ण, कोरंगी, कोला, चचला, चपला, तिकत हुला, पिप्पली, पीपर, पीपल, मागधी, शौडां।

१८६. पुदीना-स्रजीर्णहर, पोदीना, रुचिश्य, वान्तिहारी, व्यंजन, शाकशोभन, सुगंधि पत्र ।

१६०. पुष्करमूल—काश्मीर, पद्मकर्ण, पद्मपर्ण, पद्मपुराय, पुष्कर, पुष्कर खटा, पुष्करमूल, पोइकरमूल, पौष्कर, ब्रह्मतीर्थ, मूलपुष्कर, शूर, शूलध्न, सागर, सुमूलक। १६१. पोस्ता — उस्लस्तल, खरसस, खरखरफल, खरतिल, खरफल, खासर तिल, खालसफल, तिल मेद, पोस्त, पोस्ता, सुवीज, स्वमतंडुल, स्वमवीच ।
१६२. बहेड्ग—श्रच, कर्षफल, कलिद, कलिदुम, कल्पवृच, कासभ, तिलपुष्पक, तुल, तैलफल, तोलफल, बहेड्डक, बहुबोर्य, भ्तवास, वासंत, विभीत, विभीतक, विषयन, संवर्त ।

१६३. बालछ्ड — म्रमुतबटा, कनुबर, किरातिनो, कव्यादी, गौरी, वक्रवर्षिनी, जटामासी, जटाला, बटिला, बटी, तपस्विनी, नलद, पिशिता, पिशो, पूतना, पोशिनी, पेषी, बालछ्ड, भूतवटा, माता, मिषिका, मिसि, मृगभद्धा, सेवाली, हिंसा।

१६४. विदारीकंद--इचुगंघा. इचुवक्ली, श्राच्यगंघा, श्राच्यगंघिका, द्वीरकंद, चीर-वल्लो, द्वीरलता, दूघिबदारी, प्यःखंदा, प्यस्विनी, विलैयाकद, महाश्वेता, विशास, विदारीकद।

१६**४. विधारा – ग्र**जरा, **बोर्याराक, श्रीकां** फज्रो, विधारा, **वृद्धदारु, स्ट्लमपद्मा,** सुपुष्पिका।

१६६. बीजवंद--श्रोदनिका, स्तिरैटी, प्रहासा, बरियाग, बला, भद्रा, मोटाचाटी, वाट्यपुष्पी, बाटिका, समाशा ।

१६७. ब्राह्मणीलता—श्रव, श्रवद्य, संवा, श्रविका, श्रंवालिका, पादा, ब्राह्मणी। १६८. ब्राह्मी—कपोतवेगा, दिव्यतेका, विव्या, परमेष्ठिनी, ब्रह्मचारिणी, ब्राह्मी, भारती, मङ्गकता, मस्स्याची, व्यतिका, मेथ्वा, वयस्था, वस, वीरा, वेद्याची, शारदा, सरस्वती, द्वयण्यंका, सुरक्षेका, सोमवक्तरी, सोम्या। १६६. भटकटेया—ग्रनाकाता, कटकारिका, कंटकारि, कटकारी, कटश्रेयी, कटेरी, कासमा, कुला, कुलीचुद्धा, चित्रफला, दुष्प्रधर्षियी, दुस्पर्शा, धावनिका, धावनी, निदिग्धिका, प्रचोदनी, भटाकी भटकटया, राष्ट्रिका, रेंगनी, लघुकटाई, वृह्ती, व्याम्री, सिंही, स्पृही।

२००. भिलावा — ऋशिक, ऋष्कर, धनु-वृद्धि, भल्लात, भल्लातक, भूतनारान, भेला, रक्तहर, विह्ननामा, वीरतब, शोक-नुत्, स्नेहवीज।

२०१. भृंगराज—श्रगारक, कुकुर भागरा, केशराज, नीलपुष्प, नीलभृंगराज, पावन, भॅगराज, भॅगराज, भॅगराज, महाभृंग।

२०२. मजीठ—श्रदणा, काडोरो, कालमेषिका, काला, चित्रणी, गौरी, चित्रलता,
चित्रागी, बिगी, ताम्रवर्ली, भडिल,
भंडारो, मङ्कपणी, मजिष्ठा, मज्जा, मजीठ
वोजनवरुलो, रजनी, रक्तपष्टी, रका,
रक्तागो, शेहिणी, वमा, निकसा, जिजया,
समगा, हरिणी, हेमपुष्पी।

२०३ सहाकरंज-काक्षणे, काकभाडी, मदहरिननी, मधुमसा, मधुमती, महाकरंज, रसायनी, विषय्नी, हरितकरंज, हरित-जारिकी।

• १४ मांसरोहिसी - म्रांमब्दा, म्रांतब्दा, क्यामाती, चद्रवरूकमा, चर्मक्या, प्रदाव-सर्की, महामासी, मासरोहा, बसा, विकशा वृक्षा, बीरबती, रसायनी, रोहिसी, लोम क्यी, सुलोमा।

२०**१. माक्कानी-य**मियभा, श्रीपःसा, उम्राखनी, कगुनी, कनकप्रभा, काकाडी, गोर्लता, ज्योतिष्मती, तीस्त्या, तोब्रा, तेजोवती, घोरा, बहुरसा, पीता, महा-ज्योतिष्मतो, मेघावती, मेघ्या, यशस्त्रिनी, लक्या, वायमी, शैलसुता, सुतैना, सुरस्ता, सुवर्षानकुली, सुवेगा।

२०६. मिर्च सफ़ेद्—घवल, बहुल, बालक, श्रीतोत्थ, सितमिर्च, सितवल्लोज।

२०७. मुलेठी—श्रानिरसा, क्लोतक, क्लोतका, बलयष्टी, तेठीमधु, मधुक, मधुम, मधुर-नाम, मधुररसा, मधुवली, मधुस्तमा, मधूली, मुलहठी, मुलेठी, मूलयष्टी, मूलयही, बिष्टका, यष्टिमधु, यष्टी, शाषारहा, सौम्या, स्थ-यष्टी।

२०८. मुष्टि - त्राम्न, चढ्विका, प्रक्च, विल्व, मुष्ट, घोदशी।

२०६. मूंज-तृणाख्य, नेजन, तेजनाह्नय, दुर्मूल, दृद्रिण, बहुप्रज, बाण, भद्रमुज, मुज, नेजनक, मुजात, मूँज, मूज, रामसर, शक्षमग, शर, शीरा।

२६०. मैनफर --कठ. करहर, करहाट, घटाल, तगर, धाराफल, पिंडीनट, पिचुक, मयनफल मैनक्ल, राठ, र मच्छ्रब्रंनक, विषप्रपक, शल्यक ।

२११ माजूफल -माईफल, माजूफल, मायापल, रागरगोटा ।

२१२ निर्मली --श्रबुप्रसाद, कत, कतक, कतकरेशु, कात्य, गुच्छफल, चच्छुष्य, छेट-नोय, तिकफल, तिकमिरिच, तोयप्रसादन, निर्मलो, पय-प्रसादी, पायपसारी, शोध-नोत्मक, श्लुष्ण :

२१३. मूसली —श्राशॉफ्नि, सलनी, गोषा-डाताप, लपत्रिका, तालमूली, तालिका, ताली, दीर्घकदिका, भूताली, महानृम्या, मुसली, मुनहा, हेमपुष्पी।

२१४. माजूफल — ख्रिद्राफल, माजूफर, माइका, माइफल, मायाफल, मायि। २१४. बाबीरंग — कापाली, केवल, कैराल, गर्दभ, गहरा, चित्रवीजा, चित्रा, तडुल, पावक, बेल्ल, भरमक, भाभीरग, मोघा, रसायन, वरा, वायविडंग, विडग,

२१६. बकुची — ग्रवलगुज, ग्रसितत्वचा, ऐन्दबी, कालमेषिका, कृष्णा, कृष्णफला, चद्रतेखा, चदा, पूतिफला, पूतिफली, बकुची, बागुजी, बाकुची, बायची, बावची, बल्गुजा, शशिलेखा, शूलोत्खा, सिनावरी, सुप्रमा, सोमवल्ली।

२१ँ७ बच---इन्नुपर्णी, उग्रगघा, उग्रा, किष्णी, गालिनी, गोलोमी, जिटला, जलजा तीच्णा, बच, बोलवच, बोधनीया, भद्रा, भूतनाशिनी, भोगवती, मगल्या, मेध्या, वच्या, विजया, शतपर्विका, शुका, स्मारणी।

२४८. वंशलोचन—कर्प्रशेचना, कर्मरी, चीरा, चीरिका, तुंग, तुगा, तुगाचीरी, त्वकचीरा, त्वकचोरी, त्वकसारा, पिंगा, रोचना, रोचनिका, वशकपूर, वंशचरी, वशका, वंशरोचना, वशलोचन, वशलोचना वशशकरी, वांशी, वैश्ववी, वेशुलवशा, शुभा, शुभा, श्वेता।

२१६. जमालगोटा — कुम्भिनीवीन, घंटा-बोज, चकदंती नीच, बमलगोटा, बयपाल, तितिडीफल, दतीबीच, मलटावी, रेचक, बोबरेचक, शोधनीबीच, मारक।

२२०. जायफल--कोश, कोषक, वातिश्रस्य,

जातिसार, बाती, जातीकोष, बातीफस, जायफर, पुट, फलजाती, मज्जसार, मद-शौड, मालतीफल, राजभोग्य, शाल्फ, सुमनफल।

२२१. जावित्री—जातिकोषा, जातिकोषी, जातिपत्री, जावित्री, पत्रिका, मालती, सुमनपत्रिका, सौमनसायिनी।

२२२. जीरा सफेद--अजाजी, कण्डीरक, कण्डी, कण्डीरक, कण्डा, कणा, जाजी, जीरक, जीरा, जीरा जीरा सुफेद, दीर्घक, श्वेतजीरक, सितजीरक। २२३. जीरा ग्याह — उद्गार, कालजीरक, कालमेषी, काश्मीर जागक. कृष्णजीको, कृष्ण जिरक जरण, जीरा, नोलकरण, नीला,पद्र, मेदिनी, सन्या, सुगंधा, स्याह जीरा, हद्य।

२२४. फसल--उपज, पैदावार, फलत, फसिल, फस्ल ।

२२४. श्रान्त श्रानाच, श्रानाच, श्रान्त, श्रामृत, श्राद्य, गल्ला, बावनधन, बीव-साधन, दाना, धान्य, नाज, पय, बीब. ब्रीहि, भोगाई, भोग्य, लवेटिका, वरेशुक, वीज्य, शस्य, शाली, सस्य, स्तम्बक्री, स्तम्बकारि।

२२६. स्त्ररीफ - श्रगहनी, स्वरीप, स्रशाती। २२७. रबी - चैती, जडहन, रब्बी।

२२८. गेहूँ — म्रपूप, म्ररूप, बीरी, नदुम, गेहूँ, गोधुम, गोहूँ, दाऊदो, निस्तुष, निस्तु-धचोर, बहुदुम्ब, म्लेच्छ्रमोबन, रक्षण, यवन, यवनप्रिय, शुमन, श्लेष्णल, समन, नुमना।

२२६. गेहूँ (अञ्जा)—गेहूँ, दाजदबानी, दाजदी। २३०. धान-कर्दमक, कलम, केदार, दीर्घ, दूषक, धान, घान्य, निपप्रिय, बासमती, पांडक पुडरीक, पुष्पाडक, रक्तशालि, बच्य, कनकजीरा, बोही, शकुनाहृत, शालि, शाली, साठी, सुकुमारक, सुगधक।

२३१. कुछ श्रच्छे धान—श्रम्माघवत, दुलसीवास, फूलमती, बॉसफूल, वासमती, मोतीचूर, रानीकाजर, रामभोग, रूपमजरी, लटबीरा, लटेरा, श्यामजीरा, समालू, समुद्रफेन, सहदेह्या, हंमराज।

२३२. कुत्र्यंर विलास—(एक त्र्यच्छा **घान**) कुत्र्यंर विलाश, कोरहन, जड़हन जीरो, भीगा, तिन्नी, पिद्यराज, बक्का।

२३३. कुछ मोटे श्रीर साधारण धान — श्रगहिनका, करहनो, खरहन, खरहना, खरहन, बोरो, रामअवाहन, सरमा, माठी, तुगापवी, सेंगर।

२३४ साठी — भवई, साठी।

२३४. १८ तरह की साठी—क चारका.
किपंत्रला, कलमा, कलमी, खजरीटा
यहड़ा, जरिका, पसाही, पीता, विलसाही, विस्थवा, महाशाली, मागधी, रक्तशाली, कममवती, शब्टिका, श्रूकला, सौंधी।

२३६. औ - मचत, कंचुर्कि, जन, जवा, जौ, तोव्याशूक, तुरगिय, दिन्य, धान्य-राव, पवित्रधान्य, प्रवेट, मेध्य, यव, यवक शक्तु, शीतशूक, श्वेतशुग, वितशूक, इयप्रिय, इयेष्ट ।

२३७. अई---जर्द, धय, धयन्तो, जवारा धाम ।

२**३८. मोधी--श्रमृत, श्ररवयपुरद, कुली-**वक, कुमीलक,श्वरहो, निग्दक, बनमुँगिया बल्लोमुग्द, मकुष्ठ, मकुष्ठक, मद्यक, मयष्ट, मयष्टक, मयुष्ट, मयुष्टक, मयुष्ट, मुकुष्ठ, मुकुष्ठक, मुग्दष्ट, मुग्दष्टक, राजमुग्द, वनमुग्द, वरक।

२३६. कोदो—कुद्रव, कुस्राल, कोदव, कादू, कोछार, कोद्रव, कोरदुषक, कोरदूषक, मदनामक।

२४०. सा**वाँ**—त्र्रविधिय, जेष्ठान्न, तृ**या**र्वा-जोत्तम, त्रिबीज, राजधान्य, श्याम, श्या-मक, श्यामाक, समा, सवा, सुकुमार ।

२४१. सं**हुन्ना** – मॅड**्न्रा**, महुवा।

२४२. कुलथी--काल हत, कुलन्य, कुरथी, ताम्रतीक, ताम्रहत, श्वेतबीक, सितेतर। २५३. उवार—कुञ्जिका, कृष्ण, कोष्टुपुच्छा जुन्ना, जुड़ी जुन्हरी, जूर्णका, बोघरी, जोन्हरी, भाद्रपदी, भड़ा, यवनाल, यावनल, रिक्तका, लिलता, श्रीखडी, श्वेता सुगांचका।

२४४. जोन्ह्री (छोटी) दे० 'ज्वार'। २४४. बाजरा—श्रमधान, बोधरी, बोन्ह्री, नालिका, नाली, नोलक्ष्य, नोलस्त्य, बजडी, बचरी, बर्जरो, बाजडा, बाजरा, वर्जरिका, साजक।

२४६. **मक्का**—कांटज, काडज, **कुकु**ढी, जोन्हरो, भुट्टा, मकाई, मकाय, मक्का, लेडहरा, शिखा**ल्**, सपुटातस्य !

२४७. चेन---जंदुक्रा घान, चेदुक्रा साँवा, चैन।

२४८. टॉगुन—टॅंगुना, टॉगुनः २४६. गश्ना--श्रविषय, श्रक्तिषय, श्रक्ति पत्रक, रस्तु, रस्तुर, रेख, उसु, अस कर्कोटिक, कवल', कोशकार, गन्ना गुड्दाक गूड्म्ल, २।वंच्छ्रद, परोषर, पुड्, पौडा, मञ्जतृषा, मधुयष्टि, मृत्युपुष्प, रमाल, वंश, विपुलरस, कृष्य, सक्करलकडी, साँटा, साठा, सुकुमारक।

२४०. **गेड्--** ऋगौरी, ऋगाव, गेड, ोडी

२४१. गड़ेरी---श्रंगारिका, श्रॅंगारी, गडी, गंडेरी।

२४२. दाल-वालि, द्विदल ।

२४३. ऋरहर — ऋड्हर, ऋरहरि, ऋाढ्की. करवीर-भुजा, काक्षीयस्ता, तुविरका, तुवरी, पीतपुष्पा, मृतालक, मृत्तालका, मृत्स्ना, वर्या, वीर्थ्या, कृत्तवीजा, श्यापुष्पिका, मुराष्ट्रज, सुराष्ट्र जंभा।

२४४. उरद्—उद्दर, उरदो, उर्दे, उर्दी, ऋद्ध, कुर्हविंद, धान्यवीर, पितृभोजन, तिज्य, बलाद्य, बली, वीजरत, मासल, माष, ऋषाकुर।

२४४. चना — कचुको, कृष्यच चुक, चण, चणक, छोला, बंबन, बाजिमस्य, बाल-मैषज्य, बालभोज्य, रहिला, बाजिमन्य, सकलप्रिय, सुगध, हरिमय, हरिमन्यक, हरिमन्थज।

२४६. ससूर—कल्याणवीज, गमोलिक, गुरुवीज, ताबूलराग, पृथवाजक, मगल्य, मगल्यक, मसुद्दीं, मस्रक, मस्रा, मस्रि, मस्री, मागल्यक, मागल्या, रागदालि, वर्गद्दकाचन, शूर, स्र

२४७. मूँग—बाबिभोजन, भुक्तिप्रद, मुन्द मूग, रहोत्तम, नस्हिं, मुफल, सूपश्रेष्ठ, ह्यानंद।

२४८. मटर--- श्रातिबतुल, कटो, कबीली, कलाय, वेराव, खडक, त्रिपुट, नीलक, मटर, मधुर, मुडचयक, रेखुक, शमन, संदिक, सतीन, सतीनक, सतील, सतीलक, हरेखु, हरेखुक।

२४६. लतरी—कस्र, कस्सा, कृसर, केसारी, खेसारी, चपरी, त्रिपुट, दुविया मटर, लतरी, संडिक।

२६० लोबिया — चुघाभिजनक, चपल, चवल, चौरा, दोर्घशैत्र, दीर्घशिती, दिजमप्त, निष्पावी, नीलमाष, नृपमाष, नृपोचित, बोड़ा, मरुत्कर, महामाष, राज-माष, लोबिया, वर्वट, सितभाष, सुकुमार। २६१ सोयाबीन — सोम्राबान, सोयाबीन। २६२. तिल—जटिल, तैलपल, प्रवित्र, पापचन, पूत्रधान्य, पूर्फल, पितृतर्पन, वनोद्भव, स्नेहपल, हामधान्य।

२६३. सरसों - उग्रगंध, कदुकसेन्ह, कदम्ब, कदम्बक, कदंबद, गृद्दन, ततुक, तंतुम, तेलहन, विम्बट, भूतदन, रिख्ताफल. राजद्यवक, सरसो संघर।

२६४ राई—ग्रांतिनीच्ण, श्रासुरी, कडु, कडुक, काकोदुम्बरिका, कृमक, कृष्ण, कृष्णसर्वपा, कृष्णका, चन, चवक, सुष-निका, खुनक, चुप्रामननन, प्रकलती, ज्वलत्प्रमा, तीच्णगमा, तीच्चफला, मधु रिका, मुष्ठक, रक्तसर्वप, र'क्तक, राज-चनक, राजसर्वप, राजिका, राजी, राजी, लाई, ब्यण्टक, सूरी।

२६४ ती सी--श्रितिनी, श्रितीनी, श्रिलानी, उमा, खुमा, खीमी, चयाका, तीकी, तैकी-तमा, देवी, नीलपुष्पका, पार्वती, नील-पुष्पी, पिष्छुला, मटगद्या, मतीना, महुष्य, बद्रपरनी, सुनीसा, हैमबती।

२६६ वरें — कुसुमन स, कुनुमनीय, वरें, वरटा, वरटी, वरहिका।

२६७. रेंडो--श्रमंगल, श्रमंड, श्ररंड, श्रमंड, इण्ट, उरुबुक, एरंड, एरंडक, कांत, गंधर्वहस्तक, चंचुक, चित्रक, बित्र-बीब, तरुण, तुच्छद्र, त्रिपुटी, त्रिपुटीफल, दीर्घदतक, दीर्घपत्रक, पंचागुल, रूबूक, रेंडो, वर्द्धमान, धुक, त्रणहा, व्याघदल, त्याघपुच्छ, शुक्ला, शूलशत्रु, स्नेहपद्र।

२६८ तिन्नी—ग्ररण्य धान्य, श्ररण्यशाली, तिन्नी, तिली, तोनी, तीली, तृण्धान्य, तृणोद्भव, देवधान, नीवार, प्रसाधिका, मुनिधान्य।

२६८. कृद्ध (तृगान्न)—कसपत, काठू, कालातुम्बा, कुल्द्द, क्ट, क्ट्र, तुम्बा, फाफ।

२७०. कमसगद्दा---कंदली, कमलगद्दा, कमलबीब, कबलगद्दा, कमलाच्च, कौंचा, कौचादनी, गद्दा, पत्रबीब, बद्दा, मेडा, वराटक, श्यामा।

२७१. बेर्रा - बेरफर ।

२७२. रामदाना—फलान्न, रमदाना, रामाञ्च।

२७३. साबृदाना—सागू. समूदाना, सागृदाना।

२७४. तरकारी — तरकारो, भाषा, सन्ती, साग, साग सम्बंधि

२७४. परचल — म्रमुताफल, कच्छुध्नी, कटुफल, कर्कशफल, कासमर्दन, कुलक, कुछारि, बनवल्लभा, ज्योत्स्त्री, तिक्तक, नागकल, पट्ट, पटोल, परवर, परोरा, पर्वरा, पलवल, फुल ब, राबनामा, राज पटोल, राजपूर्वा, राजफल, स्वादु, स्वादुपटोल।

२७६. **बैरान** — ग्रंगण, कंटकिनी, कंट-प•---- पित्रका, कंटवृताकी, कंटाखु, कटफका, चित्रफला, नीलकंटका, नीलफला, नीलकंटका, नीलफला, नील-वृषा, बेर, बैंगन, मंटा, मटाकी, माँटा, माँटिका, महती, महोटिका, मासफला. मासलफला, क्कंट, राजकुष्माड, वंगब. वार्ताकी, वृत्ताक, वृताकी, वृत्तफला, वृतांतक, शाकविल्व।

२७७ नेनुवा—ऐभी, कर्कोटिकी, कोशातकी. धियातोरई, वियातःरी, धामार्गव, नेनुन्ना. नेनुवाँ, महत्पुष्पा, महाकोशतकी, महाफला. सपीतिका, हस्तिघोषा, हस्तिपर्या ।

२७८. गोभी (फूल) - कोभी, गोभी, फूल फूलगोभी।

२७६. गोभी (पत्र)— करमकल्ला, पत्ता गोभी, पातगोभी, बदगोभी।

२८०. गोभी (गाँठ)—गाठगोभी, ग्रंथि गोभी।

रम् १. करैला — उप्रकाड, कंडूर, कठिल्लका. करेला. करेली, करैला, काडकटुक, कार वेल्ली, चिरिपत्र, तोपवल्ली, पद्व, बारि वल्ली, वृहद्रली, सुकाड, सुपवी, सूच्म वल्ली।

२८२. भिडी—श्रमपत्रक, करपर्श, चेत्र समय, चतुपुंड, चतुष्पट, पिच्छिल, भिट भिडक. भिडातिका, भिडो, भिडोतक, भेडा, वसदीज, सुशाक।

२८३ तरोई-कर्कोटकी, कृतवेषना, बाक्षनं . तरोई, तोरई, दीर्घफला, घामार्गंव, पीट-पुष्पा, राजकोशातकी, राजिमत्कला, बुकोषा. सुपुष्पा, स्वादुफला ।

२८४. सतपुतिया — वगपुतिया, वतपुतः, वप्तपुत्रिका । २८४. कुह्झा—काशीफल, कुम्ह्झा, कुष्मांड, कुह्ँझा, कृष्मांड, कोह्झा, गुग्ययोगफला, ब्राम्या, पीतकृष्मांड, पीतपुष्पा, पीतफला, भिलया, कद्दू, सफुरिया, कुमार, सीता-फल।

२८: भतुत्रा - कर्कारू, कुंचफला, कुम्ह्हा, कुष्माडक, कुष्माडी, कृष्मांड, कोंह्हा, प्राम्यकर्कटी, तिमिष, नागपुष्पफला, पीत-पुष्प, पेठा, वृहत्फल, शिखिवर्द्धक, सुफला। २८७. टिंडो - टिंड, टिंडा, टिंडिश, टिंडो। २८८. लोकी—श्रलाब्, श्रालाब्, एलाब्, कदुन्ना, कहू, घिया, तुम्ब, तुम्बक, तुम्बा, तुम्बी, पिंडफला, महाफला, लाबु, लाबुका।

२८६. टमाटर—टमाटो, विलायती बैगन। २६०. वनसेम—बनसेमा, सेमा।

२६१. सेम-- श्रंगुलिफली, श्रग्नना, कपि-कच्छुफला, प्राम्या, नखनिष्पविका, नख-पुंजफला, निष्पानी, वृत्तनिष्पविका।

२६२. लतरा-चौरा, बोदा, लतरो, लोबिया।
२६३. केवाँच-ग्रजडा, ग्रजहा, ग्रध्यंडा,
ग्रात्मगुप्ता, ग्रार्थमी, ऋषभ, ऋष्यप्रोप्ता,
कडूरा, कच्छूरा, कच्छूमती, किषकच्छु,
किपिलेल, किपप्रभा, किपलता, काशीलोमा,
कृंडली, कवाँच, कौँच, कौँछ, गाममंगा,
गुरू, चडा, जटा, जदा, दुरभिमहा,
प्रावृषा, प्रावृषायणो, बटरी, मर्कटी, वानरी,
कृषा, क्यगा, व्याघा, शिंबो, श्रुकिपैंडी,
श्रुकिशिंबा, श्रुकिशिंम्बका, शोधा, सद्यःशोधा, स्वयंगुप्ता।

२६४. ग्वासिन —गुत्रासिनी, गोरख्फसिनी, गोराणी, ग्वारिणी, ग्वासिनि, हद्वीज, निशान्ध्यच्नी, वक्रशिम्बी, सुशाका। २६५. कुँद्वन — ओष्टी, कंदूरी, कर्मकरी, कॅनरन, कुँनर, अंखिकेशी, तुंखिकेरी, तुंखिकेरी, तुंखिकेरी, तुंखिकेरी, तुंखिकेरी, तिम्बक्त, विम्बज्ञा, विम्बा, विम्बा, विम्बा, रिक्तकला, रिचरफला। २६६. तितलौकी — इच्चाकु, कदुकलाडु, कदुत्मबी, कदुफला, कदुवी तोंबी, खन्निय-वरा, तिकता, तिकतुम्बी, तितलउकी, तुम्बिका, तुम्बी, दतफला, नृपारमञ्जा, पिंख-फला, महाफला, राखपुती।

२६७. ढे**डसा—हिंडिश, ढेडश, टॅडशा,** - ढेड**रा, मुनिनिर्मित, रोमशफल**ा

२६८. चिचिंडा —श्रहिफला, गृहक्लक, चचेड़ा, चिचिड़ा, चिचिडा, चिबिटा, चिचुंड, चीनकर्काटका, दीर्घफला, वृहत्फला, वेश्यकूल, श्वेतराचा, सुदीर्घ।

२६६. **करेरुद्या**—कठिनफल, **कडेरा,** करेरुवा, करेरू।

३००. **खेखसा-**श्रबंध्या, ककोड़ा, कर्कोटकी, खेकसा, पीतपुष्पो, बोधनाबाली, मनस्विनी, मनोज्ञा, महाजालो ।

३०१. खुमी---उच्छिलींघ, कवक, **कुडुर-**मुत्ता, कुमा, च्रत्राक, गगनघूल, मे**घगर्व,** रामछाता, शिलीघ्र ।

३०२. कद् — कन्ना, ब**द**, मूल । ३०३. त्र्याल् — ब्रलाबु, नीलकद, वनवा**धी,** महिषकंद, जुलायकंद, विषकंद, **शुक्रकद,** शुभ्राजु, सर्पाख्य ।

३०४ मूली--कदम्ल, करक, कदकंदक, कु जर, चारमूल, चाखक्यमूलक, दीर्बकंदक, दीर्घपत्रक, दीर्घमूलक, नीलकठ, भूमिकाखार, मक्सभय, महाकंद, मिश्र, मूलक, मूलक-पोतिका, मूलाइ, मुरखार, रावास्टक, बिय, बिय्य, शंखमूल, शालाक, शिंबी-फल, तित, इरिपर्या, इस्तिदंत, इस्तिदंतक। ३०४. मूली (बड़ी)—कौटिल्य, चायाक्य-मूलक, बड़ी मूली, मबसंभव, महाकंद, मूलक, मूला, वानेय, विध्युगुप्तक, शाला-मर्कट, मिश्र, स्थूलमूल।

३०६. गाजर—गजोड, गर्जर, गृझन, नारग, नारंगवर्ण, पिंडमूल, पिडीक, पीत-कंद, पीतमूलक, सुपीत, सुमूलक।

३०७. रालगम — कद, गोलगाजर, प्रन्थि-मूल, डिंडीरमोदक, यवनेष्ट, वर्तुल, शल-गम, शलजम, शिखाकंट, शिखीमूल, सलगम, सलजम।

३०८. शकरकंद — कद, कंदमन्थि, कंदा, कंदा, कहा, काँद,गजी, पिंडकद, पिंडाशु, विंडी-तक, रतालू, रोमशकदक, शकरकदी, स्वाद्कटक।

३०६. अरुई — अरवी, श्रालुक, श्राल्, कद. कंदा, कचालू, कच्चू, गजकर्ण, गजकर्णालु, बुदयाँ, बुय्याँ, तीक्णकंद. दीर्घनाल, बडा, महापत्रालुक, हस्तिकर्ण।

३१०. वंडा--दे० 'त्रहर्'।

३११. सूरन - अशांति, अशोंति, श्रोल, भोल्ल, कढाल, कडूल, कंद, कदल, कद बर्द्धन, कंदशूरण, कदो, कदाई। जमीकद, जिमीकद, तीनकंठ, दुर्नीमारि, बहुकंद, मूकंद, स्ट्यकंद, बातारि, सुकदी, ध्रम, स्रक्षकद, स्थूलकंदक:

११२. सुधनी-मध्वायुक,मध्वाल्,रोमालुको । ११३. व्याख-दोर्घपत्र, नृपकद, नृपाद्य, नृपेष्ठ, पलाद्व, पलाद्व, पियाज, महाकद, व्यनेष्ठ, रक्षकद, राजपलाद्व, राजपिय, राजेष्ट, रोचक । ३१४. लह्सुन — म्रारिष्ट, समगंघ कटुकंद, कॉदा, गृजन, दीर्घपत्रक, भूतव्न, महाकंद, महोषध, महौषधि, म्लेच्छकंट, यवनेष्ट, रसुन,रसोन, रसोनक, राहूच्छिष्ट, राहूरसृष्ट, लशुन, लह्शुन, लहसुन, बातारि, शुक्र-कद।

३१४ अद्रक्—आर्द्रक, अन्पन, आपा-कशाक, आदंशाक, कंदर, बद्धमह, बदू-त्कट, गुल्ममूल, चहस्य, महीज, मूसन, राहुच्छन, वर, सुशाकक, सैक्तेष्ट, मृ गवेर, शार्क्ष

३१६. कसेव-कसेवक, कसेवका, कसेक, चुद्रमुस्ता, गुंडकट, राजकसेवक, सुबंद, सुगधि, सुकरेष्ट ।

३१७. लालबंद - रत्तकट, रक्तपडक, रक्तपडक, रक्तालु. लालबंद, लोहितालु, लोहित। ३१८. हाथीकद - हस्तिबंद। ३१६. मानबंद - मानबस्यू।

६२०. तो<mark>लियाकंद</mark>— तोलियाकंद, तौलिया-कंद**ा**

३२१. शफताल् — माङ्ग, पिंडास्, रतास्, शफताल्, शेवडा, माङ्ग, सतास्, सप्तालुक!

३२२. चुकंदर-- चोकंकर। ३२३. बाराहीकंद-- गेठी, बराहोकंद। ३२४. बिदारीकंद-- विसारी-कट, लालकंद।

३२४. असिष्ठ-- कटाइय, कमलमूल, कर-ह । ट. गोपमद्र, बलाखूक, पंकश्रूरक, पद्म-कंद, भिवाद, भिस्तंद्र, शासूक । ३२६. साग---भाषी, शाक, वस्ती, वाम, इरो भाषी, इरो वस्तो । है२७. पालकी जुरिका, जुरपत्रिका, प्रामिखी, प्राम्यवल्लभा, पालंक, पालंक्य, पालक, पालको, मधुरा, वास्तुकाकारा, सुपत्रा, स्निग्धपत्रा।

३२८. चौराई—ग्रह्पमारिश, श्रह्पमारीश, कंचट, चौरा, चौराई, चौलाई, जलज, तंडुलीय, पानोयतंडुलीय।

३२६. बन चौराई-कॅट चौराई, बन चौरा।

३३०. बधुद्धा -- कंकेल, द्वारपत्र, धनाधन, पाशुपत्र, बधुद्धा, बधुवा, बसुक, बस्तूक, राजशाक, वास्तु, बास्तुक, शाकराट, शाक-बीर, शाककेट ।

३३१. बथुत्रा लाल —श्रमलोष्टिता, चार-दला, चारपत्रा, चिल्लिका, तुनी, महद्दला, मृदुरैत्री।

३३२. सोद्या—ग्रतिच्छत्रा, श्रवाकपुष्पी, कारवी, घोषा, छत्रा, तालपर्धी, पुष्पिका, बल्या, माधवी, मधुरा, मधुरिका, मिशी, मिसी, वनबा, शतपुष्पा, शतपुष्पिका, शतास्वी, शतास्वा, शालीना, शालेय, शीतिशिवा, शोकका, सितच्छत्रा, सुपुष्पो, सुरसा, सोवा।

३३३. मेथी --दे॰ 'मेथी'।

३३४. मरसा (साग)—मरिसा, मरुसा, मारिष, भाषं, वाष्पक ।

३३४. पोय—श्रयोदिका, उपोती, उपोदकी, उपोदिका, पिच्छिल=छुदा, पिच्छिला, प्रिक्ति, पोई, मदशाक, मोहिनी, विलिप्सिकी, विशाला, दृश्चिकिप्या।

३३६. फॉग (साग)--फाग, फागु, फागो। ३३७. कुत्रफा (साग)--श्रश्मरी, कुरफा, खुकी, घोलिका, नोनियाँ, नोनी, व्हरकोषी, लोगी, लोनी, व्हरलोगी। ३३८. पतरा (साग)—पतरी, वरती। ३३८. करमी - करमा, करमुद्धाँ, जलसाग। ३४०. सलाद—शलाद, सलादा। ३४१. चुक — चुक्कर, चूक।

३४२. फल हरा)—फर, फल-फूल, फलहरी, फलारी, बनफल, शलादु, इरामेवा।

३४३. श्रंगूर—श्रङ्र, श्रमृतफला, श्रमृत-रसा, कृष्णा, गुच्छफला, गोस्तनी,चादफला, तापसित्रया, द्राचा, ित्रयाला, फलोचमा, मधुरसा, यद्मध्नी, रसा, रसाला, सुफला, स्वादो, स्वादुफला, हारहूरा।

३४४. श्रनार—श्रनार, करक, कुचफल, कुट्टिम, डालिमी, दंतबीजक, दाडिम, दाडिम, दाडिम, दारिक, दालिम, नीलपत्र, नीलपत्रक, पर्वबद्ध, पिंडपुष्प, पिंडीर, फलघाडव, फलघाडव, फलाशाडव, पिंडीय, मधुबीब, मधुबीब, मधुबीब, मुखबल्लभ, रक्तपुष्प, रक्तवीज, लौहितपुष्पक, वल्कफल, वृत्तफल, शुकबल्लभ, सुनीख, स्वाद्धम्ल।

३४४. सेब-वदर, महाबदर, मुध्यमा**च,** सेउ, सिंचितिकापल, सेब, सेब, सेब, सेवित।

३४६. मुसम्मी — मौसमी, शरक्ती नीष्। ३४७. नाशपाती — श्रमृतफल, नाशपाती, नास्पाती, महाबदार, विषक्ति ।

३४८. संतरा-ऐरावत, किर्मिर, वष्यव, चक्राधिवासी, त्वस्युगंब, नागरंग, नागर, नागरंग, नागरंग, नागरंग, नागरंग, नागरंग, व्याप्यव, वोगरंग, वक्रवास, वरिष्ठ, संगतरा, कुरंग,

३४६. केला—ग्रंडुसारा, ग्रंग्रुमत्तला, ग्रायतच्छ्रदा, उदस्तंमा, कदल, कदलक, कदली, कयल, काष्ठीला, केदली, केरा, केला, गुच्छदंतिका, गुच्छकला, चर्मरावती, तंद्वविग्रहा, तत्पत्री, नरोषधि, निःसारा, बालकप्रिया, मानुफंगा, मोचक, मोचा, रंमा, रंमाफल, राजेष्टा, रोचक, लोचक, बनलक्ष्मी, वारणवल्लमा, वारखबुषा, बारकुषा, बारकुषा, सकुत्फला, सुकुमारा, सुफला, हस्तिविषाणी।

३४०. **ऋन्ननास** — ऋनंताच्, ऋनन्नास, ऋाभ, कौतुकसञ्जक, पारवर्ता ।

३४१ रसभरो — कट्कला, कवैया, कवैया, काकमाचिका, काकमाची, काकमाता, काका, काकिनी, कुछघी, गुंच्छकला, घना घना, घघनेफला, तिक्तिका, ध्वाद्यमाची, बहुतिका, मकोइया, रसभरी, रसायनी, वायसी, सुंदरी, स्वादुपाका।

३४२. नीषू (क।गदी, -श्रम्लजम्बोर, श्रम्ल-लार, जतुभारो, दतधात, निम्बुक, निम्बू, निम्बूक, मातुल्ग, रोचन, बह्रिदोप्य, विद्योज, शोधन।

१४३. नीबू (जभीरी)—कन्ना नीबू, कमला-नीबू, जंतुजित, गभीर, जबीर, जभ, जभर, खभिर, जभी, जंजीर, दंतकर्षण, दतशट, दंतहर्षक, मीठानीबू, मुखशोधी, रेवत, रोचनक, वकशोधी।

केश्व नीषू (बड़ा)—गलगल, गलगला, वनौतरा, बडरा, बडीरो, बभीरी।

वैश्वर नीव् (चिजीरा)-ग्रम्लकेशर, जन्तुष्त, दंशरकाद, नीव्, पूरक, फलप्रक, बीवक, बीवपूर्व, मातु सुंग, स्वक, रोबनफल, बीवपूर्व, युक्तेवर, बुकूर। ३४६. मीठा नीबू—कौला, चकोतरा, बबोरी नीबू।

३४७. फल (सूखा)—फल, फलारी, बनमेवा, मेवा, मेवात, बान।

३४८. किशमिस—किपलफला, काश्मीरी, किसमिस, गोस्तनी, पिथका, मधुवल्ली, मधूलि, मृद्धो, शतवीर्या, हराहर, हरिता, हिमोत्तरा, हैभवती।

३४६ ऋखरोट—श्रद्धोट, ऋद्धोटक, श्रद्धोड, श्रखरोट, श्रखोट, श्राद्धोट, श्राद्धोटक, श्राद्धोड, श्रास्कोटक, कंदराल, कर्पराल, कीरेण्ट, गुडाशय, पार्व-तीय, पृथक्छद, फलस्नेह, मदनाफक्ख, रेखाफल, वृत्तफंल।

३६०. पिस्ता - चारफल, जलगोबक, निको-चक, पिश्ता, पिस्त, मुक्लक, सकोच ।

३६ / **बादाम — ने**त्रोपमेफल, बातवैरी, बाताद, बःताम, सुकल ।

३६२. काजू --- श्राग्नकृत. श्रदण्कार, उप-पुण्पिका, काजू, काजूतक, गुण्छपुष्प, पार्वती, पृथग्वीज, कृत्तफल, स्निग्धपीत-फल।

३६३. छोहारा--लर्जूर, खरिक, गोस्तना, कारलग्री, हुद्दारा, खोदाका, पिडम्बज्री। ३६४. मुनक्का -काकलोद्वाचा, गोस्तनी, जाम्बुका, दाख, फलोत्तमा, बुनक्का, मोनक्का, क्चिकारिखी, लपुद्दाचा, खुवता। ३६४ गरी-गढ़ो, गिरो, गोला, स्ला-नाग्यल। दे० 'नारियल'।

३६६. चिरोंजी-- ग्रसह, उपबट, सरस्क्ष, चार, चारक, तापस्तिय, तापसेष्ठ, बनु, धनुष्पट, पट, पियाज, पियास, पियासक, प्रियास, प्यायमेवा, बहुवस्क, बहुवस्क्स, मोद्धर्वार्य, राजातन, राजादन, ललन, सन्नकद्रु, सन्नद्रु, स्नेह्वीज, इसन्नक। १६७. आल्बोखारा—श्राहक, श्रालुक, श्रालुक, भल्ल, भल्लुक, मल्ल, रक्तफल, बीर, वीरसेन, वीराहक।

प्रेक्ष्यः तालमखाना—इत्तुगंधा, इत्तुवालिका, इत्तुरं, काडेत्तुं, काकेत्तुं, कुलाहक, कैलया, कोकिलावं, त्तुरं, त्तुरंक, ताल, त्रित्तुरं, पिच्छिला, भित्तुं, वज्रश्यि, शुक्कपुष्पं, श्रूरंक, श्रृंखला, श्रृंखली, श्रृंगालीं। ३६६. टेटी—प्रथिल, टेटो, विककत, व्याप्रपाद, सुवाद्वं, स्वादकंटक। ३७०. श्रंजीर—श्रंजीर, काकोदुम्बरिका,

मंबुल : ३७१. मूँगफली --चीनाबादाम, चीनियाँ-बादाम, बोनियाबादाम, बीनियाबादाम, त्रिवाजा, भूटियाबादाम, भूचणका, भूमिजा, भूमिशिम्बिका, भोटियाबादाम, मंडरो, मूंगफली, रक्तबीजा, स्नेहवीजिका । ३७ ·. ककड़ी—इवींब, उर्वाव, ककरी, कर्कटो, चिर्भटो, क्रुर्क्चा-कर्कटत्त्व, पनिका, तोयफला, त्रपुष्पा, त्रपुष्पी, पोनसा, बहुकदा, बालुंगी, मूत्रफला, मूत्रला, लोमशकाडा, लोमशा, लोमशी, बृहत्फला, व्यालपत्रा, व्यालपत्री, शान्तनु, रध्नुला, इरिनदतफला, इस्तिपणीं!

देण्डे. फूट (ककड़ी) — ककड़ी, ककरी, कच-रिया, कटकला, किलाची, कुंमसी, गोरल-ककड़ो, चित्रवरूली, चित्रा, चिर्मिट, देवो, पथ्या, फूट, बहुफला, भकुर, महज, मृगाची, मृगादनी, मृगेच्रण, मृगेवींक, लचुधिमिटा, विचित्रा, श्वेतपुष्पा, संघ। ३७४. खीरा—कंटकिलता, कटकीफल, कंटालु, काडालु, कोवफला, चीरा, खीरा, तुंदिलफला, त्रपुकर्कटी, त्रपुष्प, पीतपुष्प, बहुफला, बालमखीरा, सुधाबाची, सुधीतक। ३७४. पेहॅटा—कचरी, पेहॅटा, पेहॅटुल, पेहटी, पेहॅट्रल।

३७६. **लखनवी खरवूजा— चित्रल, नारा**-पाती।

३७७. स्वर्बूज—श्रमृताह, स्वरकुष्ण, स्वर्बूज, स्वर्बूजा, तिक्कप्रसा, विका, दशागुल. फलराज, मधुपाका, मधुप्रसा, वृत्तेर्वोह. प्रयमुखा, प्रदेशा।

३७८. तरबूज- ग्रल्पप्रमासक, कर्सिंग, कलिद, कालिंग, कालिंद, कृष्णवीख,गोडुंब, धृणाफल, चित्र, चित्रफल, चित्रविक्तिका, चेलान, नाटाम्र, मतं'रा, मधुरफल, मांस-फल, मासल, मेट, राजतिनिष, लतापनस, कृत्रफल, शोर्णवृत, सुलाश, सुबर्सुल, सेट, हिगुग्राना, हिंदमाना:

३७६ सिघाड़ा - जलफल, बलधरूली, बल-स्ची, त्रिक, त्रिकोट, त्रिकोशफल, पानी फल, वारिकंटक, वारिकुड्बक, विषाची, शुक्कदुग्ध, श्राकंट. श्रामूल, श्राकद, श्राट, श्राटक, सपाटिका, विधारा। ३८० हरफार वड़ा -- कोमलवरूकला, धना, पाइ, लवली, सुगंधमूला, स्कथफला, हरफारवरी।

६८१. फूल--कुमुम, गुज, पो**ह, पुष्प,** पुष्प, पुष्प, पुष्प, प्रद्भ, प्रद्भ, प्रद्भ, प्रद्भ, प्रद्भ, प्रद्भ, प्रद्भ, प्रद्भ, माश्य, समद, सारग, सुम, कुमन, कुमनक, स्व, शुग्रुका।

३८२. पुष्पयुक--- उत्क्रश्य, **कुबुविश,**

पुण्पित, प्रफुरुल, फुरुल, विकय, स्थाकोश, रफुरुल, स्कृट ।

३८३. पुष्पमाला—पुष्पमाला, फूलमाला, माला, मालिका, सक्।

३८४. पंखुरी—दल्, पंखुर्ग, पाखुरी, पटल।

३८४. परागकेसर-- घृत्ति, पराग, पराग-केसर, पुष्प-रज, रज, रेखु।

३६६. पुष्परस—पुष्पञ्ज, पृष्पद्रव, पुष्प निर्यासक, पुष्परस, पुष्पसार, पुष्पस्वेट, पुष्पाम्बु, मकरंद, मधु ।

३८७. फूलगुच्छ-कुसुमस्तवक, पुष्पगुच्छ, फूलगुच्छ ।

इत्तः क्रमल- शंबुच, श्रभोच, श्रभोदह,
श्रामंद, श्रम्ब, श्रम्लान, श्रामंद, श्रास्यपत्र, इंदरायल, इदीवर, उत्पल, कच,
कॅवल, कवार, कुटप, कुरोशय, कोकनद,
खलकरच, जलब, बलबात, तानरस, तामरस, द्रोगा, नल, निलन, नालिक, नालीक,
नीरख, पंकचात, पकदह, पत्री, पद्म, पयोज,
पायांच, पारिचात, पुटक, पुंडरीक, पुरइन,
मकरदी, महोत्पल, पुष्कर, प्रकुला, वनच,
विसकुसुम, राजीव, राजिब, वनच, विस.
श्रद्भन, शतदल, शतपत्र, शम्बर, शोभन,
श्रापद्म, श्रीवास, श्रीवास, श्रीवासक, श्रुग,
सरोख,सगोदह, सहसदल, सहसपत्र तारख,
स्रक्षक, हरि, हिम।

हैयह. कमस नास — कमलदंड, कमलनास, कीमस, कोमसक, कोरक, ततुर, तंतुस, निवर्गक, नास, पौनार, विस, मुराट, कुक्शक, मुखाककंद, मुखासिनी, मुखासी, विवर्गड, विविनी।

३६०. कमल-केशर----श्रापीत,काचन,किंब, किंबह्क, केशर, चापेयक, बीरा, तुंग, पीतपराग।

३६१. कमल-धूलि — गोलोक्य, धूलि, पद्म-कर्कटो, पद्मनीच, पद्माच, पराग, पांसु, रच, रेसा ।

३६२. कमल रस-मकरद, मधु, रस । ३६३. कमल-दल-किसलय, दल, संब-र्त्तिक ।

३६४. नील कमल—श्रिषतोत्पल. इदिरा-बर, इंदीवर, उत्पलक, कदोट, कुद्मलक, तोत्पल, नीलकमल, नीलपत्रक. नीलांबुब, नीकाञ्ज, सुराघ, सौगधिक।

३६४. लाल कमल अरविंट, श्रलिपिय, श्रल्पपत्र, श्रालोहित, कुमुद, कृष्यकंद, कोकनद, वादनालक, रक्तकम्मल, रकोत्पल, रविधिय, शोखपद्म

३६५. पोत कमल--पाडुकमल, स्वर्च-कमल।

३६७. सफंद कमल -कैरब, हशोपम, पुड,पडरीक,पुनाग,महापद्म,शभुबन्लभ. शरत्यद्म. शारद, श्वेतपश, खितांबुब, मितास्त्र, हरिनेत्र:

३६८. गुलाब — श्रांतकेसर, श्रांतकुल, श्रांत मजुल, श्रांतेमजुला, कटकाठ्या, कर्विका, कुल्जक, कुमारी, कूबा, सर्व गयाठ्या, चाढयेसरा, तक्या, देवतक्या, बहु-पश्चिका, भद्रतक्या, भूगवस्त्रमा, भूगेशा, महाकुमारी, महाखह, महासहावारिकटक, रामनक्यी, लाखापुण्या, क्चपुष्य, शतदस्ता, शतपत्रका, शतपत्री, शिववस्त्रभा, स्वा, सुदला, सुमना, सुवच, सुशीता, तेवती, सेवती, सेवती, लीम्यगया। ३६६. केवड़ा सफेद—इंदुकलिका, कंट-दला, केतकी, केवड़ा, ककचच्छद, ककचा, गंघपुष्पा, चामरपुष्प, जम्बुक, जम्बुल, तीच्यापुष्पा, दलपुष्पा,टीर्घपत्रा, धूलपुष्पिका नृपप्रिया, पाशुला, मेध्या, विफला, शिव द्विष्टा, स्चिकापुष्प, स्चिपुष्प, स्थिरगंधा, इलीन।

४०० केवड़ा—कनकप्रस्वा, कामखग-दला, केवड़ा, छिन्नडहा, पुष्पी, लघुपुष्पा, सुगंधिनो, स्वर्णकेतकी, स्वर्णपुष्पी, हैमी। ४०१. बेला—ग्रातिगंध, ग्रातिगंधा, ग्राध्पदी, गंधराज, गंधसार, गवाची, गिरिचा, गौरी, धुक्तमोतिया, जनेष्ट, तृषश्चर्या, दंतपत्रा. दलकोषक, देवलता, नारीष्ट, प्रमोदनी, प्रिय, प्रिया, बनमोगरा, भद्रवल्ली, भूपदी, मदयंती, मिल्नका, मल्ली, मुक्तबंधना, सुग्दरक, सुग्दरा, मृगेष्ट, मोगरा, मोतिया, राजपुत्री, वनचंद्रिका, वर्त्तल, वार्षिका, बार्षिकी, विटिप्रय, शीतभोड, श्रीपदी, षटपदिप्रया, षटपदानद, सप्तपत्र, सिता, सौम्या।

४०२ चमेली—उपजाती, बलिहासा, वर्षापुष्पा, वेशाक, श्रीमती, सुरूपा, सुवर्षा।
४०३. चमेली (पीली)—चमेली, जनेष्टा,
जाई, बातिका, जाती, तैलमालिनो, पीली
बाई, प्रइसंती, प्रियदा, मनोज्ञा, मनोहरा,
मासता, मालिनी, राजपुत्रिका, राजपुत्री,
बसंतवा, वार्षिक, वासंती, सध्यापुष्पी, सुकुमारी, सुमना, सुर्प्रिया, सुर्भगषा, सुवसंता,
स्वर्षवातिका, स्वर्णवाती, हृद्यगधा।

४०४. जूही (सफेद्)—श्रंबाष्टा, गजाहया, गिष्का, गुर्बोज्वला, चारमोदा, जुही, पुरुवर्गधा, बहुगध, बालपुष्पका, बालपुष्पी, भृगनंदा, मागधी, मोदिनी, यूथिका, यूथि-तह्यी, यूथी, वासंती, शंक्षयूथिका, शिक्ष-डिनी, शिक्षंडी, स्गंधा, सुगंविका, हरियो।

४०४. जूही (पीली)-कृनकप्रमा, गवाठ्या, जूही, नागपुष्पिका, पोतयूथी, पोतिका, युवतीष्टा, रक्तगंघा, व्यक्तगंघा, सुगवा, सुवर्णयूथी, सुवर्णाह्या, सोनजुही, हेमपुष्पा, हेमपुष्पका, हेमयूथिका, हैम।

४०६. चंपा—श्रितगधक, उग्रगधा, काचन, कुट, कुसुमाधिप, चपक, चंपा, चापेय, दीपपुष्प, नागपुष्प, पीतपुष्प, पुर्यगंबा, भृगमोही, भ्रमरातिथि, बनदीप, वरलब्ध, श्रीतल, शीतलच्छद, सुकुमाधि-राट, सुकुमार, सुरभि, स्वर्शपुष्प, स्थिरपुष्प, हेमपुष्प, हेमपुष्प,

४०७. कमुदिनी—इहुकमल, उत्पल, कंदोत, कच्छ, कमोदिनी, कहार, कुबेल, कुब, कुबल, कुमुद, कुमुदिनी, कुमोदिनी, कुबलय, कूँई, कैश्व, कोई, कोका, गधसोम, गर्दभ, चंद्रकॉत, चंद्रिकाबुज, धवलोत्पल, निलनी. निशाफुल्ल, पद्मिनी, रात्रिपुष्प, शीतखलज, शीतलक, सितोत्पल, सौगंधिक हिमाञ्ज, हल्लक।

४०८. कुमुदिनी (नोली)—इंदीवर, क्ष्, कुंई, कुमुद, कुमुदिनी, कुमोद, कुमोदिनी, क्वलय, कोई, कोका, कोकावेरी, कोलावेसी, नीलोत्पल, नीलोफर, प्रफुला, विश्ववंद्य, सुपर्या।

४०६ स्थलकमल — श्रंबुददा, श्रतिचरा, श्रम्यथा, चारिटी, पुष्करची, पुष्करनादी, पुष्करपर्धिका, पद्मचारिची, पद्मा, पद्मावती, पद्माद्वा, रम्या, लक्ष्मी, सेझ, स्थलबहा, सारदा, सुगंधमूला, सुपुष्करा।
४१०. कटसरैया (पीली)-कटसरैया, कनक,
किंकिरात, कुबंट, कुबंटक, पीतपुष्प, पीतपुष्पक, पीतसेरेयक, पीताम्लान, पुर, बीर,
सहचर, सहचरी, सहाजर।

४११ कटसरैया (लाल)—कटसरैया, कामुक, कुरवक, रक्तिंदिका, रक्तिंक्टी, रक्तपुष्प, रक्ताम्लान, रामप्रसव,रामलिंगन, योलिंमेंटिक, शोयिकंटी, सुमग।

४<mark>१२. कटसरैया (सफेद)-क</mark>टसरैया, कुर-टक, कुरवक, पियाबासा, सरैया, सैरेय, सैरेयक।

४१३. कटसरैया (नीली)-म्रतंगन, म्रार्च-गल, कंटार्चगली, नीलकुरंटक, नीनकुसुमा, नीक्षिकंटी, नीलपुष्पी, वाग. वाला, गैरीयक, शैरेय।

४१४. कुन्द्—ग्रहहास, श्रहपुष्पक, दमन, दलकोष, भृगवंधु, मकरंद, महामोद, माध्य, मुकापुष्प, बनहास, वरट, वोरट, शुल्लपुष्प, स्वेतपुष्प, सदापुष्प।

४१४. मासती—जाति, युवती, वासती, सुमना।

४१६. रजनीगंधा—गुलरान्यो, रजनी-गन्धा, रातरानी, सुगंधरा, सुगंधिराज । ४१७ क्षार्टिकार--क्षराक्षर सामक का

४१७. इरसिंगार — खरपत्रक, नालकु कुम, परकाता, पारिकात, प्राजक, रागपुष्पी, विमारहार, हरसिंगार, हारतृंगार।

४१८. कद्म्य--कदम, कदम्म, घाराकदंब, नीप, नृत्यनीप, प्रीखंक, ब्रवाहारक, भूनोप, व्याकदंब, भूमिख, भृंगवह्लभ,मदिरागंध, सञ्जूष्य, विपन्न, वृत्तपुष्प, सुवाह।

४१६, क्रमेर--- क्रम्बन्न, ग्रह्यमारक, ग्रह्य-रोषक, करवीर, क्र'द, गौरीपुष्प, चंडात, तुरंगारि, दिश्यपुष्प, नसराह्य, प्रतिहास, रंगारि, वोर, शंकुद, शतकुंद, शतक्ंम, शतप्रास, शातकुम, शीतकुंम, श्वेतपुष्प, श्वेतपुष्पक, सिद्धपुष्प, स्थलकुमुद ।

४२०. मौलसिरी — कंट, करक, केसर, गृह पुष्पक, चिरपुष्प, तैलांग, दोहल, बन्बी,
बकुल, श्रमरानंद, मकुल, मदन, मधुपंबर,
मधुपुष्प, मुकुल, मौसरी, मौलश्री, वरलब्घ,
विशारद, शारदिक, सिंहकेशर, सीमंगंध,
सुरिभ, स्रीमुखमधु।

४२१. में हदी — कोकदंता, नखरंजिनी, मेदिका, मेहदी, यवनेष्टा, रंजका, रंजिनी, रागगर्भी, रागागी, साकचेरि, सुगधपृत्या, हिना, हेना।

४२२. ऋड्हुल-श्रइहुर, श्रव्णा, श्रांड-पुष्प, श्रांइहुल, श्रोडाख्या, गुइहर, जया-कुसुम, जवाकुसुम, त्रिसध्या, प्रानिका, रक्तपृष्पी, रागपुष्पी, इलहुल।

४२३. दौना—दमनक, दवन, दवना, दोना । ४२४. गुलदौना—कुलपत्र, कुलपत्रक, गंधो-कट, गुलदौना, बटिला, तपोधन, दंडी, दमन, दमनक, दात, देवशेखर, दौना, पत्री, पवित्रक, पांडुराग, पुंडरोक, पुष्पचानर, ब्रह्मबट, ब्रह्मबटा, मदनक, मुनिपुत्र, मुनि, विनीत ।

४२४. गुलदुपहरिया — अर्बवल्लभ, योष्ठ-पुष्प, गुलदुपहरिया, ज्वरच्न, बंधुबोब, बंधु, वधुल, वंधूक, बंधूलो, मध्यंदिन, माध्याहिक, रक्त, रक्तक, रक्तपुष्प, शरतपुष्य, सुपुत्र, सूर्यभक, सूर्यभक्क, हरिप्रिय।

४२६. **धागस्य—धा**गस्तिया, धागस्ती, चान-स्स्य, कमली, खरण्वंती, दोर्घकलक, पवित्र, बंगपुष्य, बोही का फूल, व्रश्वार, शुनिपुष्प, बंगसेनक, वकुल, शीव्रपुष्प, शुल्कपुष्प, सुरप्रिय, इदगा, हाथया।

४२७. टेसू (फूल)---टेस्, नाइर ।

४२८. सूरजमुखी—स्रजमूखी, स्र्यंफूल, स्र्यमुखी।

४२६. गेंदा--गेना ।

४३०. स**दाबहार**-तमाल, नागकेसर, नाग चपा, म्योझी, सदावहार ।

४३१. माधवी — ऋतिमुक्त, ऋतिमुक्तक, ऋतिमुक्ता, कामुक, चंद्रवल्ली, पराश्रया, पुंड्रक्लता, भद्रलता, भूमिमंडपभूषण, भृंगप्रिया, भमरोत्सव, मंडप, माधविका, माधवी, माधवीलता, बसतद्ती, वासंती, विमुक्तक, सुगंधा, सुवसंता, हेमपृष्प, हेम-पृष्पक, हेमाह /

४३२. गॅगेरन — ब्रानिष्टा, खरमधनी, खरविल्लिरिका, गागेरुकी, गोरच्चतंडुला, चतुःपला, भषा, देवदंडा, नागवला भद्रौ-दना, महापत्रा, महोदया, विश्वदेवी, हस्व-गवेधुका।

४३३. रूपमजरी-रूपी।

४३४. मदनमस्त—मदनमस्त, मस्ताना, मोती**बेल** ।

४३४. **मुचुकुंद** —चित्रक, छत्रवृश,दार्घपुष्प, प्रतिवि**ष्णुक, बहु**पत्र, रक्तवसव, सुदल, सुपुष्प, हगिल्लभ।

४३६. मखमली-कलगा, गुलमलमल, भंडु, भंडूक, लालमुर्गा, स्यूल-पुष्पा ।

४२७ गुलपरी — श्रस्पकंटकी, गुलतोरा, चिंचापत्रा, बर्हपूष्पा, वनवासी, शंखोटरी, रकाखापत्री, सुप्ष्पा, सुशिम्बिका । ४३८. सटकन — करण्ड्या, बाफर, बोगिया,

तृयापुष्पी, रक्तबीबा, लटकम, बीरपुष्पा, विंदुरपृष्पी, सुकोमला, शोरापुष्वी, सिंदूरिया, सिंदूरी, सेंदुरिया, सेनुरिया। ४३६ गुल्लाला लालफूल —गरनाना, रक्तपुष्पः ला**लकुसुम, लालफूल** । ४४० गुलतुरा — गुलतुरा, विद्धनाब, सिद्धाख्य, ।सद्धेश्वर । ४४१ नेवारी — श्रतिमोदा, गंबनिसया, गुच्छपुष्प, गुच्छपुष्पा, ब्रोष्मभवा, ब्रीष्मो-द्भवा, ग्रीध्मका, ग्रैष्मी, देवलता, नव-मालिका, नेपाली, नेमाली, नेबाकी, नेवारी, नेवालो, नेवारी, नेवाली, प्रइतंती, भद्रवर्म, मधुगधा, राजादनदला, वनका, वन-मल्लिका, वसंतजा, वासंती, शिलांग्यी,

सुबमंता, सूद्तमपुष्पिका । ४४२. पाटल—पाटर, पाडर, पाटर । ४४३. घातु – र्खानज, स्वनि**च पदार्य,** स्वानिज, दरज, मेटेल ।

शुचिमल्लिका, सप्तला, सुकुमारा, सुगंबा,

४४४. खान-—ग्राकर, इस्पनि, स्थल, कान, खबाना, खदान, खनि, खान, खानि!

४४४ खनना-—खती करना, खनोना, खोटना, गोइना ।

४४६. खनने का घरत्र— इदास, संता, सती, खनित्र, फावडा ।

४४७. खोदाई--खुरवाई, खुदाई, कोदाई, गोदाई।

४४८. सोना—ग्रकुष्य, श्राग्न, श्राग्नवीय, ग्राग्निशिसा, श्राग्नेय, श्रभ्रव, श्रयुत, श्रव, ग्रर्जुन, ग्रण्टापद, उञ्चल, कर्ष, श्रव्य, कंचन, कनक, करहाटक, कर्षूर, कर्जुर, कराषीत, कर्याय, कांचन, कासि, कार्क

स्वर, कुंदन, कुशन, गांगेय, गास्क, गैरिक, गौर, चंड, चंद्र, चांपेय, चामीकर, चादरस्न, बाबव, बांबूवद,बातरूप, बातस्य्य, तपनीय, दत्र, दोप्तक, द्राविक, निष्क, विचान, पोतक, पुरट, पेश, भर्म, भास्कर, भूनम, भूरिपिबर, भूषबाई, भृंगार, मगस्य, मनोहर, महारवत, रेनक, रुक्म, कोइ, लोइबर, लोहोत्तम, वारिज, शतकुंम, शातकु म, भीनिकेत, मानसि, सुबरन, सुर, सुवरन, सुवर्चा, सूर्यनामक, सोना, सौमेबत, स्वर्ण, इरि, इ।टक, हिरयय, हेम । ४४६. चाँदी - श्रकुप्य, इदुलोइक, कलघूत, कलघौत, कुप्य, कुमुद, खर्जूर, चद्रकान्ति, चंद्रभूति, चंद्रलोहक, चंद्रवपु, चाँदी, बातरप, तप्परूपक, तार, दुर्दान, घौत, परिक, महाधन, महावसु महाशुभ्र, रमबीज, रख, रजत, रुक्भ, रूपक, रूपा, रौप्य, लोइराजक, वसुभेष्ठा वाष्कल, विमल, शुभ, शुभ्र, श्वेत, श्वेतक, सित, विता, सीय ।

४४०. ताँचा — श्रमक, श्रर्शिद, श्रर्क, उद्दु ध्वर, उद्दुवर, कर्नायस, तपनेष्ट, तम्रक, ताँचा, तामा, ताम्र, ताम्रक, द्वयण्ट द्विष्ट, नौपालिक, नैपालिका, पवित्र, मुनिपित्तल, म्लेच्झ्युख, ब्रह्मचर्चस, भासुर, रक्त, रक्तधादु, रवित्रिय, रांवलोह, रविक्लोह, रविसक्रक, लोहिताप, लोहितापस, वरिष्ट, शुल्ल, श्रुट्य, सर्वलोह, सुरूप, स्ट्यांह ।

४४१. सोहा--- सब:, स्रयस्कान्त, स्रश्मसार, स्रवसार, स्रावस, स्राहन, कात, कातलोह, काकावस्, क्रम्यायस्, लग, चालस, विकायस, वित्त, लोह, लोहकातक, लोहा, सीह, वर्षसीह, शंकक, राष्ट्र, राख, शस्त्रक, शस्त्रालय, शिलाब, शिलारमब, सार ।

४४२. फीलाए--इडवात, इस्पात, खेडो, फीलाद, लोइसार।

४४३. चुम्बक--श्रयस्कात, कान्तपाधाया, चुम्बक, चुंबकपत्थर, लोइकर्षक, लौइ-कर्षक ।

४४४. पीतल — आर, आरक्ट, कपिला, कपिलोइ, कॉची पीतल, चुद्रसुवर्ण, द्रव्य-टार, पितकां कर, पाकटुंडा, पिंग, पिगल, पिगललोइ, पिचल, पीतक, पीतघातु, पीतल, पोनलोइ पोतलौइ, ब्रह्मरीति, ब्रह्माणी, महेरवरी, मिभ, राजपुत्रा, राज-रीती, रीति, रीरी, लोइ, लोहितक, सिंइल, सुलाइक, सुवर्णक, हरिलोह।

४४४. जस्त: —कसास्यि, जसद, जस्त, जस्ता, बगमदश, यशद, रीनिहेतु, १वेनपटल

४४६. कॉसा--श्रमुराह्य, कस, कसास्थि, करकुट, कान्स, कान्सक, कॉसा, कॉसी, कॉसाय, कॉस्य, घंटाश्वट, घोरपुष्प, घोरलोइ, घोष, ताम्रश्चय, ताम्रार्द, दीप्तलोइ, दोप्तलोइक, टोप्तिलाइक, दीप्त, प्रकाश, पूल, बगशुस्यक, बहि-लोइक, विद्युत्प्रिय।

४४७. राँगा—माप, मालीमन, कलई, कलीर, कुमप, कुरुपत्री, कुरूप्त, गुरुपत्र, चक, चक्रमत्र, चिष्पट, तमर, त्रपु, नपुष, नाग, नागव, नागवान, पिर्वट, पूर्तिगंघ, बग, मधुर, मुद्दग, रंग, राँग, राँग, वग, सिंहल, स्वर्वच, स्ववेत, स्वपेत, हिम।

४४८. सीसा—उरग, कुरंग, गङ्ग्दभव, चिरचट, चीन, चीनिष्ट, चीनरंग, चीर, चड़, तारशुद्धिकर, त्रपु, घादुमल, नाग, पद्म, परिषिष्टक, पार्वत, पिच्चट, पिष्ट, बप्नक, बहुमल, भुजगम, महाबल, मृदु-कृष्ययम, यवनेष्ट, यामुनेष्टक, योगेष्ट, वयोरग, लेख्य, वघ, वधक, वप्न, वयोवंग, वर्द्ध, शिराहृत्त, शीशा, श्वेतरं बन, सिंदूरकारण, सीस, सीसक, सीसपत्रक, सुवर्णक, सुवर्णीर, स्वर्णीर, हरिद्रा।

४४६. पारा — श्रिचंतज, श्रमर, श्रमृत, श्रिवंतज, खेचर, चपल, जैत्र, तिनेत्र, दिव्यरस, दुर्द्धर, देव, देहद, पार, पारत, पारद, पारा, प्रभु, प्रभुकद्रज, महातेज, महारस, मूर्ति, मृत्युनाशक, यशोदा, रक्षस्वल, रस, रसघाद्व, रसनाथ, रसराज, रसलेह, रसायनभेष्ट, रसेद्र, रसोत्तम, कद्रज, रोपण, लोकेश, लोहेश, शिव, शिववीज, शिववीर्य, शिवाह्य, सिद्धघाद्व, स्त, स्तक, स्तराट्, स्कद, स्कदाशक, स्वामी, हरतेज, हरवीज, हेमनिधि।

४६०. श्रांबरक-श्रातिस्त्, श्रावर, श्रावर, श्रावरक, श्राव्द, श्रामल, श्राभ्र, श्राभ्रक, श्राव-रक, श्राम, ख, गगन, गरजध्वज, गिरिज, गिरिजाव'ज, गिरिजामल, गौर्य्यामल, गौरीज, गौरीजेय, घन, घनाइक, तबक, निर्मल, बाहुएत्र, भुरवल, भृंग, भोडर, भोडल, ब्योम, श्रुभ।

४६१. ४ तरह के अञ्चक-दर्दुर, नाग, िपनाक, वज्र ।

४६२. गेरू --गवेशुक, गवेषक, गिरिषातु, गिरिमृत, गिरिमृत्मव, गेष, गैरिक, गैरेय, तामचातु, चातु, प्रत्यश्म, रक्तवास, लोहितमुत्तिका, बनालक ।

४६३. सुरदासंख-नागक्त्य, वेदारमः गय, ब्रन्न, मुरदाशंख, मुरदाधिग, मुरदादन, मुरदासंख, बोदार, बोदारमः ग, स्वर्च-वर्णक।

४६४. नौसादर--ग्रमृतचार, बारभेष्ठ, चूलिकालवण, नरसार, नौसादर, वबर-खार, बष्रचार, विदारन, सादर।

४६४. संखिया—श्राखुपाषाश,गौरीपाषाण, मल्ल, लोहशंकरकारक, शस्तिष, शतमल्ल, श्रंगविष, श्रीमका, श्रीसक, सोमलखार।

४६६ फिटकिरी—गतरंगा, फटकिरी, फिटकिरी, इद्वरगाः इद्वा, रंगदा, रग**हदा,** रगाः, रगागाः, शुभाः, श्वेताः, **सुरंगाः**, स्फटिकाः, स्फटिकारि, स्फटिकारिकाः, स्फटि।

४६७. लाह—श्रलक, किमिजा, कीटजा, च्तक्ती, खदरिका, गंधमादिनी, गराणिका गर्गाधका, बद्ध, जदुका, द्रवरता, दोषित, द्रमव्याधि, नीला, पलंक्या, पलाशी, याव, रंकमाता, रका, राखा, लाख, लाह, लाहा ।

४६८. **कुंदुर-कु दुर, कुदाब, सपुर, तीस्थ-**गध, नागवधूपिय, पा**लंकी, भोक्य,** विकालाच, शल्लकीनिय्यांप्त, सुसंब, सौगष्टो।

४६६. शोरा—ग्रकंषार, जौरिय, सार्व, तीच्यरस, वाजी, विसायद्व, शोध, सार्व-टहा, सुवर्षिका, स्रसार, स्वंदार, स्वी-खार, सोडा, सोरा। ४७०. **नोनी** (बिट्टी)—कल्लर, नोना, कोना, कोनी।

४०१. गंबक—श्रातगव, कीटन्न, कुण्टारि, कूरगंब, गंब, गंबक, मबकपाषाय, गंबमोदन, गंबमोहन, गंबाश्य, गंधिक, गंबी, गौरीवीब, दिन्यगंब, पामागंब, पामाब्न, पामारि, बलरस, बिस, रसगंबक, बर, शरभूमिब, शुल्वारि, सगंब, सुगंबिक।

४०२. ४ तरह की गंधक—नीला, पीला, लाल, रफ़ेंद।

४७३. हरताल — श्रल, कबूर, कनकरस, कांचनक, कांचनरस, गोदंत, गोरोच, गौरीललित, •चित्रगंध, चित्रांग, छुत्रांग, ताल, तालक, नटभूषण, नटमंडन, निस-गंधि, पिंग, पिंगासार, पिजर, पिंचरक, पिंचल, पिराल, पीत, पीनक, पीतन, बिहा-लक, मनोश, लोमहृत, वशपत्रक, वर्णक, वैदल, सिद्धधातु, हरिताल, हरितालक, हरिबीख।

४७४. २ तरह की हरताम --गोदतहरतार, तनकिया हरताल।

४७४. गोदंत इरताल-- गोदंत, पिंड, हर-ताल ।

४७६. तबकिया हरताल--तबकिया, स्त-

४००. राख - कलकला, कलयस, काल, क्ष्य, देवधूप, देवध्ट, धूनक, धूना, धूपन, ब्रुब्ब, यख्यूप, राक्ष, ललत, विरूप, खालवेष्ट, शालवार, धर्जरस, वर्षरस, खालब, बुरिंस।

४७८. वर्डनाम (विष्--श्रमृत, श्राहेय, क्लाकूस, काकोल, कालकृट, इपल, द्वेड, गर, गरद, गरल, कोर, बंगुल, ज़हर, बागल, बांगुल, बोवनाघात, बीवनांतक, तीख्या, दारद, नील, प्रदोपन, प्राखहर, बचनाग, ब्रह्मपुत्र, भुगर, माहुर, रक-शृशिक, रस, रसायन, बस्सनाम, विष, श्रीक्रकेय, श्रंगी, सौराष्ट्रिक, हलाहल, हारिद्र, हालाहल।

४७६. ६ तरह के उपविष-श्रकीम, कतेर, करियागे, कुचिला, धुँवली, बमाल-गोटा, घत्रा, मदार, संदुद्धः

४८०. रहा —कामती पत्षर, गोमेट, गोमे-दक, चूनी, बवाहर, बवाहरात, बवाहर, बौहर, तननगी, नग, नगी, नगीना, नवरतन, नवरत्न, पुलक, मणि, रतन, ललाम।

विलोभ-दे काँच

४८१. ६ र**ल**—गोमंद, नोलम, पु**ष्पराग,** मरकत, मा<mark>खिक, म</mark>्गा, मोतो, **वैद्यं**, €ारा ।

४५२. समुद्र के ४४ रक्य-श्रमृत, इद्र-भनुष, उन्नैभवाषोड़ा, ऐरावतहायी, कल्प-वृत्त, कामचेनुगी, कौस्तुभमिश, चद्रमा, भन्वतारेवैद्य, पाचजन्यशास, रंमाश्रप्सरा, सद्मी, वाध्यो, इलाइलविष्

४८३. मोती—श्रभसार, इतुरत, कुवस, कोड, गुलिक, गोशवारा, गौहर, बलब, दिवसुत, तारा, दर्दुर, नचत्र, नोरब, मृदद, मौतिक, मबर, मंद्यारका, मंबरी, मुका, मुकाफल, मोती, मौकिक, लब, लस्मी, वंदनवार, शशिगोती, शशिप्रम, शशिप्रम, शृक्तिय, शुक्तिज, शौकिकेव, शौकोवक, सिधुसुतासत, सीपब, सोपसुत, सीपसुष,

सीपिज, स्वातिसुत, स्वातिसुवन, हारी, हिगबल, हैमवत, हैमवती।

४८४. माणिक — श्रिममं, श्रवणीपल, कुविल्म, कुविंद, कुर्गिदक, गोनस, चंद्रकात, चिंतामणि, तपन, तरिण्रत, तरुण, तापन, पद्मराग, माणि, माणिक, माणिक्य, मानिक, रत्न, रत्ननामक, रत्नराट, रिवरतक, रागयुक, लद्मीपुष्प, लाल, लोहित, लोहितक, शोणरजक, श्रुगारी, शोणोपल, स्रमणि, सूर्यकांत, सौगिषिक, स्पनंतक, स्फटिक।

४८४. हीरा-स्रभेद्या, स्रशिर, कनी, कुलिश, गो, दबीच्यस्थि, दक, दृदगर्भक्, दृदाग, निष्क, निष्कंपा, पदु, पदक, मिण्व वर, वज्र, वज्रक, वज्रमणि, वज्रसार, वरारक, पटकोगा, सूचीमुख, होर, होरक, होरा।

५८६. पन्ना—ग्रश्मगर्भ, श्रश्मगर्भज, गर-लारि, गवडाकित, गवडाश्म, गवत्मक, गवत्मत, गावड, जमुर्रेद, पन्नग, पन्ना, मिर्गा, मरकत, मरक्त, मसार, मसारक, राजनील, रोहिगोय, लतापावक, वाप्नबोल, सौपर्गा, हरित, हरितमिग, हरिनग।

४८. लाल -- श्रकेविल, श्रहणोवल, कुह-बिन्द, तहर्ण, पद्भराग. पक्षराग, मागिक, मागिका, मामिक, रंगमाणिक्य रका, रत्नक, रविरलक, रविविंब लौहितिक, वैकात, श्रंगारी, सौगधिक।

४८६. नीलम — श्रांसतरत, इन्द्रनील, तृण्धाहा, नील, नीलक, नीलकात, नालपल, नीलमान, नोलमाण, नीलोप्पा, मच्छोद्भव, मसार, महानील, सुनीलक, सौ ररतन ।

४८. लह्युनियाँ — म्रभ्ररोह, केह्नह, केद्वह, केद्वरत, केटव, प्रावृष्य, बालवायब, बाल-सूर्य, मेघलराकुर, राष्ट्रक, बद्राचक, लह्य, नियाँ, विदूरज, विदरतन, विदूर्य, वैद्वर्य, वैदूर्य, शराब्दाकुर्

४६०. फीरोजा—परोजा, फिरोजा, भस्मांग, इरित, इरिताश्म।

४६१. चुन्नी-कण, वैकात।

४६२. पुरसराज—गुरुरत, जीवरत, पीत, पीतस्फटिक, पुखराज, पुष्पराग, पुष्पराज, पोखराज, पोखराज, वाचस्पतिवस्त्वमः।

४६३. गोमेद्—श्रगस्तिसत्व, गोमेट, गोमे-दक, तमोमिषा, पिंगस्फिटक, पोतमिषा, पोतरत्न. पीतसार, बांदुरत्न, राहुमिषा, लिंगस्फिटिक, त्वभीनव।

४६४. शांख — श्रांत:कुटिल, श्रव्य, श्रव्या, श्रांवभवोदर, श्राणीमव, कबु, कबुक, कवोज, जलककर, जलज. बलोद्भव, त्रिरेख, दोर्घनाद, दोर्घनिरचन, बुष्टद्राबी, बब्ल, पावनध्वनि. पूत, बहुनाद, महानाद, मुखर, वारिख, शांख, शांचक, शांचक, शांचक, सम्यक, सुनाद, सुरचर, हरि प्रिय।

४६४. कोडी---कउदा, कपर्दिका, बराटिका, बराटिका।

४६६. रवेतमशि — ग्रमररत्न, धौतिशिल, निर्मलोष, निस्तुवररत्न, निस्तुवोषस, बिल्लौरी पत्थर, भासुर, विमलस्थि, शालिपिष्ट, शिवप्रिय, शैव, श्वेतस्थि, श्वेत रत्न, स्फटिक, स्फटिक मिस, स्फटि-कात्मा, स्फटिकोपस, स्फटीक, स्वच्छातिस, स्वच्छारत्न। प्टर. चितामणि-कामदमणि, चिता-मनि ।

४६८. गजमुका—गनमयि, गजमुका,गज-मोती, विधुरमयि ।

४६६. सूर्यकातमणि अमिगर्मक, अर्क-मित्रा, अर्कोपल, आतंशी शोशा, तापना, दहनोपम, दीप्तोपल, रविकात, रविमिण, रिवरत्न, स्थिकात, स्थिकातमिन, सूर्यमणि।

६००. चंद्रसिंग — श्रम्ताद्राव, इदुकात, चद्रकात, चंद्रकातमिंग, चद्रपल, चद्र-मिन, चद्राश्मा, चंद्रिकाद्राव, चांद्र, प्रस्त-रोपल, सप्सवोपल, शशिकान, शीताश्मा, शिताश्या, सोममिंग।

६०१. **कॉंच—कच**, कॉंच, काच, कृत्रिम-रत्न, र्पिंगा**ग,** मुकुर, शीशा

विक्रोम---दे० 'स्त्र'।

६०२. मूंगा — श्रंगारकमिष, श्रगारमिण, श्रभोधिपल्सव, द्रुमभव, प्रवाल, भौमरक, मरजा, मिरबान, मृगा, रककंद, रककंडल, रककार, रक्ताग, लतामिष, विन्द्रगालता, विद्रुम।

६०३. बींबा-कंबु, कोशस्य, खुद्रक, खुद्रक, खुद्रक, खुद्रक, खुल्लक, बीधा, बीधी, नटीभव, लबुशक, शंखनक, शबुक, शम्बूक। ६०४. सीप-कृमिम्, कृमिस्कि, खुद्रशु-किका, बल्लिका, नरशुक्ति, पुटिका, सती,

चिद्रही, सोप, सोपी, सुतुही ।

६०४. की हो - उद्यादवी, कपर्दिका, कपर्द, कपर्दक, कपर्द, कपर्दक, कपर्द, कपर्दी, काकियी, कौडा, की हो, कर करा कर, दिवसुता, वालको दक वराट, वराटक, वराटका, वारिज, वर्ज्य, श्वेता, दिग्यय।

६०६. मुँघची—अगारवल्ली अरुणा,
उच्चटा, कजा, कनीचि, काकविंची,
काकबंबा, काक्यांतिका, काकादिनी,
काकिनी, काम्बोजी, काम्बोटनी, कृष्याचूडिका, कृष्याला, गुंबा, गुंबिका, धुंबची,
धुंघची, धुंमची, चटकी, ताम्रिका, दुंबावीज, दुंभीद्या, ध्वाचनसा, भोलभूष्या,
रक्ता, रक्तिका, रसी, वकशल्या, बन्या,
वायसादनी, शागुष्ठा, शिलकिनी, शीतपाकी, श्यामलचूडा।

६०७. गुंजा सफेद—चक्रशल्या, बिर-मिटी, चूडाला, चीटली, भिरिटिका, इवेतकाबोबी, श्वेतगुजा, सफेदगुजा, सफेद-वुमची।

६०८. **रुट्राच् —पु**ष्यचमार, भूतना**रुन,** • रुद्राच्छ्र, शिवप्रिय, शिवाच ।

६०६ सपामाखी—तारमाचिक, तारामुखी, चातुमाचिक, माविकश्रेष्ठ, स्पामचि, स्पामाखी, रौप्यमाचिक, विमन, श्वेताच ।

इः

- १. खुरी (श्रापरेशन की)—ब्रूरा, नश्तर, नहरनी, रेज़र ।
- २. बोतल काँचरात्र, बाटल,शोशी,सोहो ।
- ३. बिबिया -- डिन्ना, डिन्नो ।
- ४. चश्मा-उपतयन, उपनेत्र, ऐनक, चशमा, चश्मा, दिब्यचन्तु, सहनेत्र ।
- ४. गोली —कपस्यून, बटिका, बटिया, बटः, बटी।
- इ. टिकिया टिक्की, वटिका, बटी।
- चूर्या—'दे० चूर्या।'
- द. शिलाजीत—झगव, बर्य, बहिब, ब्रह्मिबु, झर्य, झश्मब, झश्मबतक,

श्रश्मलाचा, श्रश्मोत्थ, कपिल, गिरिज, गैरेय, जत्वश्मक, मोमियाई, शिला, शिलाज, शिलाजतु, शिलाजीत, शिला-च्याचि, शीत पुष्पक, शैल, शैलघातुज, शैलनियसि, शैलेय।

६. ४ तरह की शिलाजीत—ग्रायस, ताम्र, रजत, सौवर्ण।

२०. केशर—श्रमि, श्रमिशिख, श्रमुक,
श्रस्न, कश्मीरो, कात, कालेयक, कश्मीरज,
कुंकुम, कुसुमात्मक, केशर, केसर, खल,
गौर, घस्र, धुमृण, चदन, जागुड, दीपक,
देववल्लभा, धीर, पिशुन, पीतक, पीतन,
बर, रक्क, रक्तचंदन, रक्तसश, रज, दियर,
लोहित, वर, वरेग्य, वाल्हीक, शठ,
श्रोखित, सकोच, संकोचिंग्शुन, सौरम,
हरिचदन।

११. कस्तूरी—श्रंडजा, गंधमृग, मद, मुश्क, मृगनाभि, मृगमद, मृगमेद, मृग-रोचन, मृगी।

१२. शहद — कुसुमासव, चौद्र, पिच्य, भृंगवात, मकरदरस, मघ, मधु, माचिक, मार्थ्वाक, बरटीवात, शहत, सहत, सहद, सार्थ।

१३. ४ तरह की शहद — चौद्र, पौत्तिक, आमर, माविक।

१४. मोम—उच्छिन्ट, काच, चौद्रेय, द्रावक, पोतराग, मिलकाश्रय, मदनक, मधुशेष, मधूच्छिन्ट, मधूवित, मध्वाधार, मयन, मादन, मोम, विषस, शिक्य, खिक्य, दिनग्छ।

१४. रसवत—श्रिमिसार, कृतक, तार्च्यशैल, रसगर्भ, रसाबन, रसामज, रस्रोत, वीर्या -बन । १६. लटजीरा—श्रघाट, श्रपामार्ग, श्रोंगा, कंटो, कियो, कुन्ब, खुरक, चिरचिटा, दुरभिग्रह, धामार्गव, पांडुकंटक, प्रत्यक्परी, मर्कटी, मयूरक, वासिर, शैकरिक। १७. लोध—काडनील, गालव, तिंडुका, तिरोटक, तिलक, बिल्लिय, मार्बन, लक्कमी, लोध, लोधक, शावर।

१८. शंखाहुली—कौकियाली, चं**डा, पीत-**पुष्पी, मेध्या, वनमालिनी, विश्शुकाता, शंखपुष्पी, सुपृष्पी ।

१६. शीतल चीनी—कंकोल, कंकोलक, कंकोला, कटुक, कटुकफल, कवावधीनी. काकोल, काल, कृतफल, कोरक, कोलक, कोषफल, तैलसाधन, द्वीपसंभव, द्वेष्य, फलक, मरिच, मागधोषित, माधवोषित, मोतल चीनी।

२०. सतावर—श्रभीक, श्रवंकंटका, श्रदेक, इन्दीवर, श्रव्यशेका, कांचनकारियां, कांच्यां, महत्यां, महत्यां, महापुर्व्वदंता, महायांता, महोवांच, मूला, रंगियां, लघुपांयंका, विश्व, वैश्ववी, शतमूली, शतावर, सतावर, सपेदमूली, सवीर्या।

२१. समुद्रफोन-श्राब्धकफ, धर्मावस, बलहास, डिंडिर, द्धिकेन, प्योधिस, फेन, फेनक, वाद्धिफेन, विंग्याह, क्रुफा शुक्र, समुद्रफेन, सामुद्र, सारमस, सिंब कफ, सुफेन।

२२. सालममिश्री—श्रमुता, श्रीवन। चीवा, प्राण्दा, वीरकंदा, श्रुवीमूली। २३. सुगंधवाला—उदीस्य, क्रवामीट केशनामक, बाल, बालक, बज, वरिग, बारि, बारिद, सुगंधवाला, हीवेर।

५४. **झोंठ**—कट्स्कटक, नागर मेषच, महौ-षषी, विश्वा, विश्वौषघ, शुंठ, शुंठो, शुष्कार्द, सिघी, साठ ।

२४. सोनापादा — अध्वातशात्रव, अरदु.
अरल, अरलुक, ऋच्, कंदर्प, कटमर, कट्वाग, कुनट, जघनेत्र, टीर्घ ह त, दीर्घ ह तक,
ध्वातशात्रव, नट, निःसार, पत्रोर्ण, पाटइच्, पारिपादप, पृतितृच्, प्रियजीत, प्रियजीवी, पृष्ठशित, भद्रक, भद्रक, भ्रमरेष्ट,
भूतपृष्प, मंद्रकपर्ण, मयूरजघ, वटु,
विरोचना, श्रल्लक, शुकनास, शोण,
शोनक, शोपण, श्योनाक, स्योनाक।

२६. हर्र — अभया, असृता, अल्प्या, काय-स्था, चेतकी, जीवती, प्या, पाचनी, पूतना, प्रथमा, प्राखदा, बल्या, भिष्ठ स्वरा, रोहिग्री, वयन्था, विजया, शकसृष्टा, शाका, शिवा, अयमी सुधा, हरडा, इर्र,

२७. हर्ल्दी आमा - त्रवाहरूदी, त्राम्चगध. श्रामाहरूदी, त्रामिया हलदा, कपूर हरूदी, दार्वीमेद, पद्मपत्रा, सुरनायिका, सुरमि, सुरमिदार!

२८. नसक-निवन, नून, नोन, रागरस, सम्बद्ध, लोन।

२६. संघा नमक—नादेय, पथ्य, पाशुन, मिषाबच, मिखमंथ, सवयोत्तम, वशिर, शिषातमम, शुद्ध, तिर्ताश्व, तिश्व, तिशुम्यन, वेश्व, सिंधूपस, सिधूद्धव, तिशुम्यन, तिशुस्तवया, तिम्धूज, दिन्धूभव, तैथा, तेथव। ३०. कँटीला नमक—त्रासुर, कँटीला नमक, कटीला नमक, काललवर्ग, कृतक, कृत्रिमक, स्वार, खड, खडलवर्ग, द्रावि-डक, धूर्त, पाक्य, बिरिया साँचरनोन, विट, विड, विडलवर्ग, सुपाक्य।

३१. सॉभर नमक—गड़देशज, गड़लवण, गड़ाख्य, गडोत्थ. पृथ्वाज, महारंम, रोमक, रोमलवण, बसुक, शाकभरीय, शुभ्र, संबरोद्धव, सॉभर, सामर ।

३२. समुद्री नमक—कडक, ऋकृट, पाँगा, लवसाब्धित्र, वशिर, वासर, शिव, समुद्र-नोंन, सागरज, मामुद्रज, मामुद्रक ।

३३. कालानमक— श्रच, कचलोन, कचियःनोन, काला नमक, कृष्णलवण, कोर्दावक,
चौहर कोडा. तिलक, दुर्गंघ, घचक, रुच्य,
रूचक, विटलवण, श्रूलनाशन, सोचरनमक, सोवचल नमक, हृद्यगंभ ।

39. कॉचिया नमक—कॅचिया नमक, काचमल, काचलवरा, काचसंभव, काचसी-वर्चल, काचोद्भव, काललवरा, कुठविंद, कुनिम, त्रिक्ट, नील, टालकाचोद्भव, पाकबकाचेत्य, पाक्याह, लवरा।

देश. खारी नमक - ग्रीवरक, उपरव, जपरलवण, खारा, खारानमक, खारीबूँन, बहुलगुरा, मिश्रक, साम्भर, सार्वगुरा, सार्वससर्गनवरा :

३६. स्वाद्य पदार्थ- खाद्य, विष्त्रस, विन्स, रसद, राशन ।

३७. सामग्री— उपकरस, उपकारक द्वस्य, बाज़, तत्र, सभार, रसद, बस्द्र, समान, सामग्रो, सामान ।

३८. खानपान—श्रनपाना, श्राब्टाना,सान, सान पान । ३६. भोजन (सामान्य)—श्रशन, श्रहार, श्राहार, खादन, खाना, खुराक, जंमन, निगर, निघस, मच्चा, भोजन, विघस, स्वदन।

४०. भोजन (दिन या रात में किया गया भरपेट भोजन)— खयका, खाना, खायक, वियारी, भोजन ।

४१. जलपान—कलेऊ, कलेवा, खमटाव, गनक, जलपान, नाश्ता ।

४२. ६ तरह के भोजन---(पदार्थ भेद से) चर्न्य (चन्ने- योग्य), चोष्य (चूसने योग्य), पेय (पोने योग्य), भद्द्य (निगलने योग्य), भोज्य, (खाने योग्य), लेह्य (चाटने योग्य)।

४२. ६ तरह के भोजन—(रस के भेद से) भ्रम्ल (खट्टा), कटु (कडुवा), कषाय (कसेला), तिक (तीता), मघुर (मीठा), लवर्ण (नमकीन)।

४४. मीठा — प्रियस्वादु, मधु, मधुर, मिष्ट, मीठ, मीठा, मृदु, रुचिर, शीरी, स्वादु ।

४४. मिठास—महुता, मधुरता, मधुरई, मधुराई, माधुरो, मिठाई, मीठापन, रुचिरता, शोरीनी, सुस्वादुता, स्वादुता। ४६. नीता--कट, तिक्त, तित्ता, तीच्य, तीखा, तीत।

४७. तिताई—कटुता, तिखाई, तिक्तता, तोव्याना, तोखापन, तीतापन ।

४८. नीरस—श्रस्तादु, निरस, नीरस, फोका, बेमज़ा, बेरस, शुष्क, सोठा, सूखा, स्वाद्हीन।

४६. निरसता-ग्रस्वादुता, नीरसता, फोका-पन, नेरसता, शुक्तता, सिठाई, सीठापन, सुसाई, स्वापन, स्वादहीनता। ४०. स्वादिष्ट--श्रन्छा, ज़ायकेदार, मज़े-दार, रसगर, रमीला, सरस, सबदगर, सुस्वादु, स्वादिष्ट, स्वादु ।

४१. स्वादिष्टता-श्रन्छाई, नायका, मना, मनदारी, रसीलापन, सरसता, संवाद, सुस्वादुता।

४२. नमकीन — नमकीन, नुनखरा, नुन-खारा, लावरय, सलोना।

४३ नमकीनता—नमकीनी. लव**णता,** लावस्यता, सलोनापन ।

४४. कसैला--कषाय, कसाव, कसैला, बकटा, बाकट।

४४. कसेलापन-कमावपन ।

४६. चटपटा—चटपटा, चरपरा, भाल-दार ! दे० 'कडुवा' ।

४७ चटपटापन—चटपटाई, चरपरापन । ४८ खट्टा—ग्रन्त, खटतुरम, खटरस, खद्म, चुक्क, तुर्श ।

४६. खट्टापन --श्रम्लता, खटाई, खटास, चुक्कता, तुर्शी।

६०. जायकेदार — जायकेदार, बहिबा, मज़ेदार, रसीला, सरस, सुरस, सुस्वादु, स्वादिष्ट, स्वादिष्ठ, रबादु।

६२. कड्नबा -- कड़, कड़क, कड़वा, कड़बा, करुश्रा, चरपरा, भालदार, तल्ख्न, तिक्क, तीच्या, तील, तीखा, तीत, तीता

६२. कडुवापन—कटुता, कडुवाई, कड-श्राई, चरपराइट, चरपरापन, तल्ल्ली, तिकता, तिकपन, तिनाई तीक्ष्यना, तीखापन, तीतापन।

६२. चावल- ग्रचत, ग्रम्बनत, ग्रम्ब्रूत, कांचनक, चाँवल, चाउर, चावल, तंडुल, तंडुल, धान्यसार। ६४. श्रास्त — श्रवत, श्रव्छत, श्रास्त । ६४. श्राटा — श्रट्टा, श्राटा, चूर्ग, चून, पिसान, विद्या।

६६. मेदा--श्राटा, कानपूरी श्राटा, मैदा। ६७. सूर्जा--गेहूँ का दर्राः।

६८. तीखुर—गवयोद्भव, गांधूमज, तंडुलोद्भव, तवचीर, तवाखीर, तालचीर, तालसम्भूत, तीखुर, पय:चीर, पिष्टिका, यवज्ञ।

६६ , धुत्राँस—(उर्द का चूर्ण) धुन्नॉस, धुवाँस, घूमसी ।

७०. पीठी--पट्ठो, पीठी ।

७१. वेसन-घाठी, वेसन, रेहन।

७२. दाल -- ब्रिटल ' दे० 'टाल ।'

•३. गद्रा-—ग्रधपका, कचरा, गदरा, गद्र, गद्दा, गादा ।

७४**. बघार--छौं**क, छौंकन, बघा**र**, बासित।

७४. **कौ**र —कवर, भवल, कौल, ग्रास

७६. श्रजवायन—श्रजमान, श्रजमोदा, श्रजमोदिका, श्रजवादन, श्रजवायन, उम्रगंधा, उमा, दीपनी, दीप्य, दीप्यक, ब्रह्मदर्भा, भूतिका, यमनिका, यवसाह, -यदनिका, यहानो, वातारि।

 अ. जमजुर — अम करो, श्रमचुर, श्रमहर, श्रामचूर्य, खटाई ।

७८. इलायची वड़ी — इंदाणी, इलायची, एला, एलीका, एँद्रो, कन्याकुमारी, काता, कावस्था, कुमारिका, गंधालीगर्भ, गंभ- समवा, गोपुटा, चिदिबौद्भवा, त्रिपटा, धृताची, निष्कुटी, पूर्वीइलायची, वृच्वी, व्ही इलायची, वहुलामलेया,

बाला, भद्रैला, महिला, लाल इलायची, बृहदेला, सुरभित्वक, स्थूलएला।

७६. काली मिर्च ऊषग्र, कालीमिर्च, कोल, धर्मपत्तन, पवित, मरिच, मिर्च, मृष्ट, यवनाप्रिय, वल्लीज, वेगुब,शिरोवृत्त, स्याम ।

८०. घो**दराई— घोदरइल, घोदराई,** घोदरेल, रई, राई।

म?. जीरा—दे॰ 'बीरा **स**फ़ेट।'

मर. तेजपान— श्रं हुश, इष्टगन्ध. उत्कट, गन्धजात, गोमद, तज, तमालक, तापस, तेजपता, तेजपत्र, तजणत, त्वकपत्र, दल, दलाह्रय, पत्र, पत्रज, पाकरंजन, पालाश, भृंग, राम, रोमश, वराग, वसना-ह्रय, वास।

च३. दालचीनी — उत्कट, कामवल्लभ, गुडत्वच, चोल, तज, त्वच, टाठचीनी, बहुगन्ध, भृंग, मुख्शोधन, रामेष्ट, लटपर्ण, वनित्रय, वर, वराग, वल्य, विज्जुल, सकल, किल्ल, मुरस, मुरकट, सैंहल, हुग किल्ला, क्ष्य, वर्ण, क्ष्य, वर्ण, वर

=४. धनिया—श्रल्लका, कुनटी, कुस्तुंबुरी, चत्रा, चत्राधान्य, जनिष्य, धनिक, धनिक, धनिका, धन्यक, धानक, धाना, धान्याक, निःसार, बितुनक, बेधक, वाविधान्य, वेधका, वेशप, शाक्योग्य, सुगन्धि, सूद्म-पत्र, हृद्यगन्धा।

पश्. मिर्चा जावडा, कटुवीरा, कुमरिच,
तीच्या, मिरचाई, मिर्चाई, लालमिर्च।
प्रदेश मगरीला—कलीबो, काला, कालाजाबो, कालाबीरा, कालका, कुंबिका,
कुखो, कृष्या, तक्वी, दिव्या, परिवरा,
पृथियी, पृथुका, मेपल, मगरइल, मगरैना, म्थूलकथ, स्थूलबीरक ।

दश्या — कुं चिका, कैरवी, गन्धकला, गन्धवोना, चिक्रिका, ज्योति, दोपनी, पोतवाजा, बहुपणीं, मिश्रपुष्पा, मुनीन्द्रिका, मेथिका, मेथिना, मेथी, वल्लरी, वेधनी। द्रा. लवंग — किलेकोत्तम, चंदनपुष्प, तोद्या, तोद्यापुष्प, तोयाधिप्रिया, दिव्य, दिव्यगन्ध, देवकुसुम, प्रस्न, भृगार, किचर, लवंग, लवंगक, लव, लौंग, वारिज, वारिपुष्प, शेखर, श्रीपुष्प, श्रीसग, सुविर। द्रा. सौंफ -श्रितिच्छत्र, श्रावकी, घोषा, द्राता, तापस्प्रिया, पोतिका, मधुरिका, माधुरी, तापस्प्रिया, पोतिका, मधुरिका, माधुरी, मिश्रेया, मिसी, वनपुष्पा, शतपुष्पा, शालेग, खितच्छत्रा।

६०. हल्दो — श्रनेष्टा, उमा, काचनी, काबेरी, क्रिमिन्नी, च्ल्या, गन्धपलाशिका, गौरी, वर्षिणो, जयती, निशाहा, निशाहा, पिंगा, पिंजा, पीतवालुका, पीता, बहुला, भद्रा, मगलप्रदा, मगला, मगल्या, युवती, योषित्प्रिया, रंजनी, लच्मी, वरवर्णिनी, वरागा, वर्णवर्ता, वर्षिनी, विषय्ती, शिका, शोभना. शोभा, हरदी, हरिद्रा, हरिद्रा, हरिद्रा, हरिद्रालीसनी।

६१. हींग — केसर, गृहिणी, जद्वधन, जदु, जदुक, जरण दीव्त, पिएयाक, भूतारि, मेदन, मधुरा, रमट, श्रूलद्विट, श्रूलद्वत, सहस्रवेधि, स्वध्नन, स्वाग, हिगु, हिगुक, हींग।

भात—ग्रन्न, ग्रोदन, चावल, पुलाक, प्रसाद, भक्त, भात, भिष्मा, भिस्ता।
 भाँक —ग्राचम, निभाव, पांच, पुलाक, मंड, माड, मासर।

६४. पुलाव -- पलान्न, पुलाब, पुलाब, पोलाव, मासोदन । ६५. मीठा भात – गुडान्न, ब्लीर । ६६. महेर-नंडुलाम्ल, महेर, महेबर। ६७. दाल--दाल, दालि, पहित, पहिती, सूप। ६८. नमोना (हरे मटर की दास)— गदरा, गद्दा, नमोना । ६६. कढ़ी-कढी, करायन, कड़ी, कलायल, क्विथत, तक्कर, तेमन, निष्ठान, परेइ, परोह् ! १०० रोटो-कर पर्टिका, कर्पटिरका, चपाती, दोस्तो, दोहथो, धॅसुई, पनेथी, फुँ कई, फुलका, फुलकी, बेली, रोट, गेटिका, रोटी, लिट्टां, लुचुई, इथरोटिया, स्युई। १०१. लिही (मोटा गेटी जा तावे पर **बनती है** ।)—टिन्नर, लिही, इथरोटिया। १०२ भौरी (गोली रोटी जे विना तवे के आग पर बनती है।) - अगा-कड़ी, श्रंगार, कर्कटा, टिकरी, <mark>टिस्कक</mark>, बाटो, भौगे, मधुकरी, लिही। १०३. मकुनी--कचौईा, कचौरी, मकुनी, मकौनी, लिटी, सक्तुक्गभी। १०४. तरकारी--तरकारी, भाषी, शाक, सन्त्री, साग, सालन । ५०४. कर्लीजी---कलौबी, भर्ता, मरन**स**ा १०६. चोखा---चाला, भरता, भरिष्

१०८. जाबर—जाबर, तहरी। १०६. पूर्वी (सार्वा)—कृतुरं, पूर्वी, पूरी, पूलिका, रोटी, शफुकी, सोहारी।

खिचड़ी - इश्या,

香町町 ,

भुरता ।

लिचरो, सिन्चइ ।

१०७

११०. पूड़ी (मीठी)—गुड़पूरी, ठेकुन्ना, मिठपूरी, सोहारी ।

१११. पूड़ी (पूरन की)—दलघुसुरी,
पूर्वयोला, पूर्वायमीपूलिका, पूर्वापूलिका,
मर्बा, पूर्वा, भर्वा पूरी।

११२. पराठा—चौपती, पराँवठा, पराठा, पराठा, पराठा, पराठा, परेठा, परौठा, पोतला, पोलिका, प्रामठा ।

११३. दोह्यी --दोस्ती, दोहती, दोह्युई ।

११४. घॅसुई - बॅसरोटी, बॅसुई, पोतला ।

११४. चूरमा—चुर्मा, चूरमोदक।

११६. कचौड़ी (नमकीन)—कचौड़ी, कचौरी, माषगर्भा, माषगर्भा शब्दुली। ११७. कचौड़ी (मीठी)—खँडपूरी,

मोठो कचौरी।

११८. गुमिया -गुक्तिया, गूमा, गोमिया, पेदक्षिया, मयाव ।

११६. भारतपुत्रा—श्रप्प, पिष्टक, पूत्रा, पूरा, पूरा, पूरा, पूरा, पूरा, मल्लपूर, मालपूत्रा ।

१२०. पापड़ (मीठा)-- पपड़ा, पपरा, पापड़, मीठा पापड़ ।

१२१. पापड् (नमकीन)—चरक, पर-पट, पर्पट, पापड, पापर ।

१२२. ह्लुचा--महन भोग, मोइन भोग, लपका, लप्तिका, सीरा, हेलुबा:

१२:. खीर -- बार, खीर, पायस ।

१२४. सेंबई -- सेवई, सेविका, सैमई।

१२४. **जारुर**—जाउर, तसमई, दुग्घत**डुल** ।

१२६. बर्खार--गुडाम्न, बसोर, मीठा भात।

१२७. सिखरन—मार्जिता, रताला, शिखरियी, शीखंड, तिलरन । १२८. फेनी—फेनिका, फेनी, स्तफेनी । १२६. बर्रा (मूँग की)— को इड़ौरी, बरी, माघरगो, मुगौरी, मुख्दबटिका, मुख्दबटी ।

१३०. **चमृतवरी--- श्र**मरितवरी, श्रमरीत-वरी, श्रमृतवरी, खटमिठवरी ।

१३१. **बड़ां** — बटिका, बटी, बड़ी, बरी, मार्षेडगे ।

१३२. **बडा** - पिष्टक, पिष्टब**टका,** पृ**प,** बटका, बडा, बरा, बारा ।

१३३. दही बड़ा—तक बटना, तक बड़ा, तक बरा, दही, बरा।

१३४. पकार्डा - चागको, पक्रैका, फुलौर्डा, फुलौरी, बॉटका ।

१३५. रायता—माजिता, राजिकाक, रायता, रायतो।

१३६. चटनी—श्रवलेह, खाडव, चच्च, चटनी, मार्जिता, रसाला, लेहन, लेख।

१३७. ऋचार—र्ज्ञचार, सधान, स**धित,** संवितद्रव्य ।

१.म. मीठो म्बटाई—सर्टामद्ठा, सट-मिठवा क्रनार, मिट्ठो सटाई।

१३६. सिरिका--विरका, विरिका, विकी।

१४०. पन्ना-पना, पन्ना पानकः

२४१. शर्बत -- मिर्चवान, रस, शरबत, शरवत सरवत।

१४२. दाना— चर्वना, चर्वनी, चर्व**च,** दाना, भुजीता, भूषा, भुजैना, भूना ।

१४३. इरा भुना अन्न-कोला, इन्हरू, दोरहा, होरा, होला !

१४४. सभका--- ४वका, फुटेइरा । १४४. चित्ररा--- चित्रडा, चित्ररा, चित्रिड, चित्रिटक, चोडा, पृत्रुक । १४६. साई -- परमल, फब्ही, साई । १४**. लावा**—खील, खीला, मुरमुरा, लाजा, लागा।

१४८ **थान का लावा--श्रव**त, खील, धान, फुल्ला, लाई, लवा।

१४६. घुघुरी—कुल्माष, धुघनी, घुघुनी, घुघुनी, घुघुनी,

१४०. सत्तू — दुरंता, दर्रा, श्रोतलबुकनी, सक्दुक्, सदुग्रा, सतुवा, सक् , सत्तू ।

१५१. बेढंई-वेढई, बेढ्मिका।

१४२. **घेब**र—मार्तिक, घृतप्र, घृतवर, घेवल।

१४२. चिखना (शराब श्रादि पाने के साथ खाने की बस्तु)—चन्नण, चलना, चटपटा, चाट, मद्यपाशन

१४४. श्रमावट — श्रवापोली. श्रमरस, श्रमाश्रट।

१४४./ दूध—-श्रमृत, श्रवदोह, ऊघस्य, चीर, गोरस, दुग्घ, दूध, टोइज, पय, पीयूष, स्तन्य !

१४६. दही - चीरज, घनेतर, दिध, दिध-द्रप्त, दही, पयस्त, मंगल्य, विरल ।

१४७. घी — श्रभिघारक, श्रमृत, श्राज, श्राज्य. श्रायु, घी, घृत, जीवन, तैजस, तोयद, नवर्नीतक, पांवत्र, पीथ, पुरोडास, बह्रिभोग्य, सर्पि, हवि।

१५८. सक्खन-कलम्बुट, द्वीरसत्व, द्वीर-बार, दिषसार, नवनी, नवनीत, नवीद्धृत, नैन्, नोनी, मक्खन, माखन, म्रद्धण, लवनी, लैन्, सम्ब, सार।

१४६. रचर्डा--रनरी, रानही। १६०. मलाई--दीरफेन, चीरसन्तानिका, बलाई, बालाई, मलाई, सादो, सार्ही। १६१. खोद्या—किलाट, खावा व'या मावा।

१३२. सहा—ग्रम्ल, उदिश्वित, कसर, कटुर, कालशेय, गोरस, गारस्ब, घाल. खॉख, छाछ, तक, दढाइत, द्रव सम संधिक, मथित, मलिन, नाठा विलोग्डत ।

१६३. लेनू-नेनू, फोरन।

१६४<mark>. छेना — छे</mark>ना, तक्रियंड गनीर, फटउघ।

१६४. छेना-पानी--छेनापानी, मंग्स्ट । १६६. मिठाई— मधुरान्न, मिठाई, ग्रम्हास्न, भीठा ।

१६७. चकरी—खॉर्ची, च•री. च•की, चाका।

१६८. **पिंदिया –गुद**, !पे**दिया, भेका**, मिट्टा, मीठा ।

(६६. गुड्--ग्रमृत सारक, श्रवण, रहु रसक्वाय, हसुसार, गंडाल, गुर, मुल, द्रवज, मधुर, मधुबीजक, मोडक, रसपाकज, शिशुपिय, सितादि, सिंद्ध, स्वादु, स्वादुखंड।

१७०. राब- गुड, गुड, गूर, घोसा, धोस्छा।

१७७. खांड---खड, खाँड, टोमा, पशु-लका, पाहुरा. मोरस, रसोद्रवा, शक्कर. शुल्का, सुपिष्ठा ।

१७२ चीनी—ग्रहिच्छण साड, गुडोक्सका, चिन्नी, बाक्ककात्मका, पूरा, मत्यं विका, मोनाडी, शकर, शक्कर, शक्रा, शार्क, शुक्ता, शुक्तोपला, शुद्धा, शुक्रा, रचेका, सिकता, सिता, सितोपला। १७३. चोटा—चोद्या, पराव, मोलार, शर्करामल, सीरा। १७४. मिश्री—मिश्री, मिसरी, सिताखंड, सीताखंड। दे० 'चीनी'। १७५. लड्डू--विंदुमोटक, मोदक, लाडू, तेड्वा । १७६. लड्डू (मोतीचूर)—मुक्तामोदक, लड्डू । १७७. मगद्ल- मगद, मगद का लड्डू, मग्दल, मुख्दल, मुख्यमोदक, लड्डू। १७८ गुलाबजामुन-गुलजामुन, गुलब-बागुन, दुग्धक्षिका। १७६. ग्रमिरती-- श्रमृती, इमरती, इमि-रिती । १८०. जलेबी — कुंडलिना, गुड्ची, बलेबा, बिलेबी। १८१ खुरमा - खुरमा, शखपाल, शक्कर-पाला, मकरपाला। **भनरसा-**--श्रॅदरहा, श्रनरह, इदुरता, शालि पूर। १६३ खाजा- मबलो, सभलो, सभुली, सामा । १८४. **मुरब्बा**---पाग, मोरब्बा, रागखाडव । १८४. भतुवापाग-काइदापाग, पेठा । १८६. इलायर्चः । होटी ,--इलायची, उपकुचिका, एला, कपोतवणी, कुनटी. कोरनी, नधफालका, गर्भारा, गुजराती इलायको, गुजरात।लाची, गौरागी, चद्र-बासा, चंद्रसभवा, चाद्रका, खर्बिकारिपु, सीच्यागचा, त्रिपुटा, त्रुटि, निष्कुटी, पुटिका, पुरथा, बहुला, भग-पार्थिका, वय:स्था, श्वेतैला, एफेट इलायची, सुक्मैला।

१८७. कत्था---खैर । १८८. चूना—चुन्ना, चून । १८: खर्दा-बरटा, तंबाकू, तमासू, पानसुर्ती, सुरती। १६०. पान-ताबूल, दिवाभीष्टा, नाग-बल्ली, नागबेल, नागबेल, पर्यालता,पर्या, मद्भपत्रा, मुखभूषण्, सप्तशिला । १६५. पान का बीड़ा — खिल्ला, खीली, गिलौरा, ताबुल, बीड़ा, बीरा, बोरी। १६२. सुपारी-- त्रकोट. कसैली, कनु, क्रमुक, क्रमुका, खपुर, गुन्ना, गुवाद, गोप-दल, घोटा, चिक्कण, खटाफल, खालिया, ञ्जाली, ततुमार. ताबुल, दहवन्क, दीर्घ-पाटप, प्राफल, पृशीफल, पुरा, पूराहच, पूर्गे, राजनाल, वल्कतर, सुपादी, संप्रिय, स्रजन : १६२ अफीम-- इ. इ.यून, ऋफाम, ऋफेन, श्रृहिफेन, श्रहिफेनक, श्राफू, श्रफ्क, श्रीपियम, ससस्र रस, सरप्रसादीर, नागफन, निफेन, पोस्त, पोस्तरस, पोस्ता, पोस्तोद्भव, मुबंगफेन । १६४. कहवा—काफी । १६५. गॉजा--गबा, गाँचा, मादिनी, मोहिनी, सविदा मचरी, हर्षिची। १४६. बाय- चिका. चा, चाय, चाइ, चाहा, चाही, टी। १६७. काँजी—श्राभयुक्त, ब्रावन्तिसाम, काचिक, काँजो, काव्यिक, चुंबल, कुंडल, कुल्माभिषुत, कुल्माच, गृहाम्ल, तुषाम्बु, धान्यमूलक, महारस, वीर, शुक्तशुक, सभान । १६८. तबाकू (सूँघने की)—खिकनी, नकक्षिकनी, नास, सुँधनी।

१६६. तंबाकू (पीने की)—कृमिध्नी, चारपत्रा, तबाखू, तमाखू, धूम्रपत्रिका। २००. तमाखू (खाने की)—खइना, खयनी, खैनो, तबाक्, तमाखू, सुरती, सुर्ती। २०१. ताडी—श्रकासी, श्रासमानी शर्वत, वाडी, तारी, नीरा, नीमकी।

२०२. धतूरा — उन्मत्त, कटफल, कनक, कनकाह्वय, कलम, कहलापुष्प, कितव, खरदूषण, खर्जू वन, खल, घटापुष्प, घटिक, तूरी, देवता, देविका, धतूरा, घत्तूरा, घत्तूर, धृतंकृत, पुरीमोह, मत्त, मदकर, मदन, मदनक, महामोही, मातुल, मातुलक, मोहन, शिवप्रिय, शिवशेखर, शैव, सविष, हरवल्लभ

२०३. बीड़ी —खाकी सिगरेट, बीड़ी, बीडी, बीडी,

२०४. मॉंग—श्रजया, श्रानदा, उन्मित्तनी, कामाग्नि, चपला, जया, हानदा, हान-विल्लिका, धूर्तवधू, नीलो, मग, मंगा,माँग, मृगी, मत्ता, मनोहरा, मत्कुणारि, मातु-लानी, मातुलो, माया, योगिनो, विजया, वीरपत्रा, श्रकाशन, शिवा, हरप्रिया, हरा। २०४. शराब—श्रद्धिजा, श्रपूता, श्रमुता, श्रास्त्र, हरा, कल्य, कल्या, कथ्य, कारम्बरी, गुडारिष्ट, दाक, परिप्लुता, परिश्रुत, प्रमत्ता, प्रस्त्रा, बुद्धिहा, मत्ता, मदिगा, मदिष्ठा, मद्या, मधुलिका, मधुल, मध्वारिष्ट, महा-नदा, माध्वो, माद्यांक, मैरेय, वाक्यी, वीरा, श्रराब श्रुडा, संघान, सिदुररसना, सिंचुसुता, सोता, सुरा, हलिप्रिया, हारहूर, हाला, हेय।

२०६. मोमरस-मादकरस, वैदिकपेय । २०७. सोमस्रता-गुल्मवस्त्री, चंद्रवल्लरी, दिजिपिया, महागुरून, यज्ञवस्ती, यज्ञाका, सोमञ्चीरा, सोमञ्चीरी, सोमवस्ती, स्पेमा । २००० चारा (पशुक्षीं का) - कुटी, कोवर, लेहन, लेहना।

२०६. भूसा—त्व, मुन, मुना, भूता । २१०. सानी—भीगाचारा ।

२११. कोर — कोर, कोरवर, कोरा, स्ला। २१२. करवी - करवी, चरी, चरा, दहा। २१३. चुन्नी — श्रन्नकण, खुदी, चूनी, दाना।

२१४. भूसी—दुष, दुस, दुषो, दुसो, भुस, भूसा।

२१४. खली—खरी, तिलपिडी, पिडा, पिंडी, पियाक, पीना।

२१६. हरियर--इराचारा, हरियर, इरि-यरी।

२१७. रातिब -- दाना, राबित ।

२१८. वक्क-ग्रबर, त्रशुक, श्राच्छादन, कचुक, कपड़ा, कप्पर, करपट, कपट, कापड़, कापर, चौम, चीर, चेल, चैल, छाजन, जामा, तत्र, दुकूल, निचोल, पट, परिधान, परिधि, लक्तक, लचा, वसन, बस्त्र, वास।

२१६. नरावस —कोरा कपड़ा, तत्रक, नया वस्त्र, नवाम्बर, निष्प्रवाश्चि. न्तनपट, मिडिहारा वस्त्र ।

२५० धुला कप**दा—** बद्गमनीय, धुर्मी वस्र, घोयावस्र, घौतवस्र, सार्कपस्र, स्वच्छ वस्र।

२२१. फटा पुराना कपड़ा—कर्पट, गूदड, विथड़ा, चीथड़ा, चीर, बीर्यवस्न, नक्तड, पटच्चर, सक्ता, सुगरा। २२२. ऋई—त्स, पिचु।

२.इ. सूती कपड़ा—गन्नी, गन्नी, गाढ़ा, नीन, मारकीन, मोटऊ, सलोता, सल्लम, रब्ल शाटक।

२२४. जन-जन, कर्ण, गवरून, कन। २२४. जनीवस -- कलेन, राकव, रोमपट। २२६. पशम का बना हुआ-पशमीना, पश्मीना।

२२७. गाढ़ा चिकना कपड़ा —पनेला, बेलदार।

२२८. खाल्टी — चौमी, खल्टी, दुक्त, बनपट, बल्कल, वल्कल वस्त्र, शाख!

२२६. सन के रेशे का कपड़ा — केला, स्वीम बस्न, दुक्ल, पटसन्।

२३०. आंग के रेशे का कपड़ा — भगरा, भगराज, भंगरेया।

२३८ फलालैन-फलालीन, फलालेन, फलालेन, फलालन, बनात, मलदा, रोमपाट।

२६२. रेशम—कोशा, कौशेय. टसर, धूस, पटोरा ।

६३६. रेशमी कपड़ा--श्रवर, श्रश्रुक, गकरा, चिनाशुक, तमामी, पटोर, पटवर, पाटका

२३४. इ.स. रेशमी कपड़े — ग्राडी, कटा-दिना, कॉटी, अखप्रत, टसर, ताप्रता, तिरका, पटोल, पारचा, फूलवर, बाप्रता, मक्रमन, तहरपटोर, युक्ततानी।

२३४. कुछ महीन कपड़े—श्रद्धी, तलेब, दरेख।

२३६. पोशाक--कवडा, लसा, परिच्छेद, परिवान, परिचि, परिचेय, पहनाबा, पदिनावा, पहिराबा, पारचा, पोशाक, मर्गि। दे० 'वक्क'। २३७. श्रास्तर—तल्ली, भितल्ला, भित-लनी, लाइनिंग, स्तर।

२३८. पगड़ी — उष्णीश, चीरा, दुपहा, पगड़ी, पगिया, पट्ट, पाग, मुँडासा, मुरैठा, समला, साफा

२३६. **बद्धी टोपी**--कनटोप, कंटोप, कुलईी, टोपा।

२४०. श्रमंत्र्जा टोपी ग्रमेज। टोपी, टोप, नाइटकेप, फेल्टकैप, हेट ।

२४१. टोपियों के कुद्ध प्रकार —गाबी टोपी, जिना टोपी, जबाहर टोपी तुर्की टोपी, दुपिलया टोपी

२४२. गंजी—श्रधकर्टी, गजी, फतुही, बनिवाइन, सदगी, सैंडी।

२४३ कुरता—श्रमत्राण, श्रमा, कॅचुवा, क्रांता. कर्ता, भ्रमा।

२४४. कुर्ते की बॉह--श्रासतीन, श्रास्तीन, बांड:

२४६ कुर्ता (पंजाबी)--कल्लीदार कुर्ता, मधर दार कुर्ता, वेराटार कुर्ता।

२४६. कमीज -कमोच, कमीब ।

२४७. **श्रासकट--**श्रघ**कट्टा, श्रस्कट,** श्रास्कट, छोटाकोट, वास्कट ।

२४८. कोट के कुछ प्रकार - अलबर कोट, झोवर कोट, खुना कोट, डबल कोट, पराश्यम कोट, बट कोट, मिलिट्रा कोट, लवा कोट, शिकारा कोट।

१४६. शेरवानी--श्रचदन, छवनिया, शिरवानी, शेरवानी ।

२४० भिजेई -वगवंदी, वमलबंदी, मिर्बोई, मिर्झाई।

२४१. सदरी — कुरतो, अव।इर बाकेट, बाकेट, फतुदो, बडो, सदरी। २४२. श्रंगरखा— श्रगगण, श्रगरखक, श्रंगरखा, श्रगा, श्रचकन, चपकन, चोंगा, चोलक, चोलना, चोला, जामा, बागा, बालावर, लबाटा, लहवर।

२४३. गुलाबद — गुलबद, गुलाबन्न, मूफलर

२४४. **दुपट्टा**—चदरा, कन्हावर, चहर, चादर, डुपट्टा, दुपटा।

२४४. रूमाल-दस्ती, मुँह पोछनो, रुमाल, साफी।

२४६. **त्रांगोछा**— त्र्रंगोछा, त्रांगोछी, गमछा, साफी।

२४७. मोटा श्रॅंगोछा--टावेल, तौलिया, तौलो।

२४८. लंगोट—उरमाली, कल्रुनी, काल्ठा, कौपीन, पुटो, भगईं, लगोट, लगोटा, लंगोटी, रूमाली।

२४६. जाँघिया-- श्रंडरवीयर, जॅबिया, बाबिया, हाफ़र्पेंट ।

२६०. तहबंद्---तइबद, तहबन, तहमत,

२६१. घोती—श्रंतरीय, श्रघोवस्त्र, घोत-वस्त्र, भगई।

२६२. घुटने के ऊपर पहनी धोती—कक्षना, कक्षनी, कक्षाटा, कक्षीटा, कक्षीटा, काक्षिती।

२६६. भोती की लपेट — श्रॅंटी, श्रॉटी, टेंट, टेट, फाडा, फेंट, फेंटा, फेट, मुर्री, मुर्री, मुर्री, मुर्री, मुर्री,

२६४. पायजामा— इज़ार, दुटगा, पतलून, पायामा, पायबामा, पैबामा, फतुहा, दुथना, सुथनी, सुथन ।

२६४. इजारबंद--इबरबंद, कमरबंद,

कमरपेच, बरबन, नाङ्गा, नारा, नीबी, नीवि, नीबी, पटी, पटुका, पेटी, फुंफुदी। २६६. ऋंग्रेजी पायजामा—-पतलून, पत-लूम, पैट, स्ट।

२६७. मोजा—जुर्गन, पाताका, पैताबा, मोजड़ी, होज।

२६८. **दस्ताना—श्रं**गुलिशा**य**, श्रगुलि-वेस्टन, दस्ताना, बाहुशाख ।

२६६. चोली—ग्रागिका, ग्राँगिया, ग्रंडर-वीयर, श्रधपेटिया, ग्रागी, कचुक. कंचुकी, कादिरी, खड, चोल, चोलिका, चोली, छोटा कपड़ा, छोटी कुर्त्ती, बाडिस, बाडी, मीनाकस, सीनाबद।

२७०. कुरती (श्रीरतों की)—कुरती, जपर, जंफर, मुल्ला, नमस्तीन, क्लाउज़, सल्का।

२७१. घोती (कियों की)—श्चतरीय, श्रघोशुक, उपसंब्यान, घोती, नीवि, नीवी, परिधान, पुट, पोइरन, सादी, सारी, साल्र्।

२७२. कुफुर्ती—काक्को, तिन्नी, नीवि, नोवी, फर्म्पो, पुकुर्ती, कुफदी, फुफुर्ता। २७३. आँचल — आँचरा, अचल, अँचला, आँचर, आँचल, खाँदचा, खोदछा, पल्लू। २५४. ओदर्नी—अशुक, उत्तरीका, उत्तरीय, उपरना, उपरनी, उपरैनी, उपन्वस्न, औदनी, चहर, चादर, चादरा, दुवटा, दुक्ल, दुपटी, दुपटा, दुक्ल, तुपटी, पुपटा, दुक्ल, विचोल, पगा, पद्धका, पह, पामरा, पिछौरी, प्रावर, प्रावार, फरिया, हृहतिक, वृहती, सस्यान, सेली।

२०४. पेटीकोट--दुक्दा, पेटिकोट, सहँगा, सदुझा, साया, स्तर। २७६. सहंगा—श्राप्रयदीन, श्राप्रयदीना, चंडातक, पटवास फरिया, लहंगा।
२७७. पायजामा (श्रीरतों का)—
गरारा, पायजामा, सलवार, स्थन, सुथना, सुथना।

रुद्धः छोटे बच्चों का कुरता—सगुली, सागः, मुगा, सगा, सगुली, मुल्ली। २७६. बच्चों की टोपी—कंटोप, कुलइ-बरा, कुलहबारा, कुलइा, कुलहो टोपी। २८०. साड़ी (छोटी लड़कियो की)—-फरिया, बचकानी।

२८१. कलोट — कलोट, गॅब्रितर, लगोट । २८२. विद्योना — विद्यावन, विद्योना, विस्तर, विस्तरा, शैया, सज्जा, मेज, स्तर।

२८३. दरी--दरीं, शतरजी।

२८४. विद्वाने की चादर—उत्तरपट, उत्तरोय, खेस !

२८४. तोसक-गदा, गिलम, तुराई, तृलिका, तोशक, विद्यौना।

२८६. कालीन कलोन, कार्लान, गलीचा, गनैचा, गिलम, गिलिम, दुलीचा, दुलैचा । २८७. तकिया — उपबान, उपवर्ह, गलसुन्ना, गलसुर्क, बंदुक, गावतिकया, गेहुक, बसीत ।

२८६. तिक्या (वड़ी)—मसनद । २८६. गिक्राफ-- श्रावरण, खोल, गिलाफ, पिचान ।

१६०. रखाई—मोदना, दुलाई, दुलाई, नोशार, रजाई, लिहाफ़, लेहफ़,।

२६१. कं**यस** - कबल, दुशाला, शाल, सेसा ।

१६२. दोहर-सोल ।

२६३. चादर (भोढ़ने की)—श्रंटी, श्रंडी, चादर, टूस, घूस, रैपर, शास । २६४. पायदाज—पर्यटाब, पॉवड़ा, पॉवड़ी।

२६**४. चॉदनी**—उल्लोख, चँदवा, चँदोवा, चद्रातप, वितान ।

२६६. त्रोहार—त्र्रच्छदपट, त्रोहर, िनचुल, निचोल, पटल, परटा ।

हर्ण. जूता—झातपवारख, उपानइ, खड़ाऊँ, गोड़ारा, चट्टी, चपली, चप्पल, चरणपीठ, जूता, जूती, केरपाई, बोड़ा, पंज, पगतरी, पगदासी, पगनियाँ, पटोटब, पदत्रारा, पनिहया, पनही, पावड़ी, पादस, पादत्राया, पादुका, पैजार, पौरी, बूट, सैंडिल, स्निपर, शू.।

२६८ जूर्ता--जूना, पगनियाँ, स्लीपर । २६६. खडाऊँ--खडाऊँ, पगदासी, पाद-त्राच, पादुका, पात्रही ।

३०० श्रु गार —श्रलिकया, ठट. ठाट, ठाठ, बनाव, भूषा, साज, सिंगार ।

३०१. **श्रंञ्चन—श्र**वन, श्राँबन, कवरा, कज्जल, काजर, काजल, दीपध्वज, सुरमा ।

३०२ **श्रंजन शलाका—ग्रब**न सलाई, श्रजनसलाका, सलाई, सुरमच्

२०३. काजल (नजर **बचाने का) — ग्रक्,** - ग्रनल, ग्रनला, डिठौना, मसिबिन्दु, - मसिबुन्दा ।

३०४. ३ तरह के सुरमा-- पुष्पाचन, शौषीराजन, सोतोंजन।

३०४. <mark>सुरमा (सौदीरांजन)—श्रं</mark>चन, क्पोतक, कालासुरमा, कृष्ण, च**नुष्य,** दुष्पद, नादेय, नीलाजन, पार्व- तेय, मेत्रक, वारिसंभव, श्वेतसुरमा, सुरमा, सौवीरक, स्रोतोज।

३०६. सुरमा (पुष्पांजन)—कुसुमाजन, किमरसाबन, कौसुंभ, चाचुष्य, षाव्रमपमा-चिक, पुष्पकेतु, पुष्पांजन, पौष्पक, रीतिक, रीतिक, रीतिक, स्रोतिक, स्रोतिक, स्रोतिक, स्रोतिक,

३० अ. सुरमा (स्रोतों जन)—कपोतसार, करोताज, जयामल, नदीज, पीतसारि, बालमोक, बालमीकशोर्ष, यामुन, वारिभव, सुरमा, सौबीरसार, सौबीर, स्रोतज, स्रोतो द्भव, स्रोतोभव।

३०८ प्रसिद्ध सुरमे --गलोना, ममोरा। ३०६. सिंदूर-ग्रहण, ग्रहणपराग, गगोशभूषण, नागगर्भ, नागज, नागरक, नागरेखु, नागसंभन, भालदर्शन, रगज, रक्त, रक्तचूर्य, रक्तबालुक, रक्तबालुका, रक्तशासन, वीर, वोररज, शिव, शोर्या, **सध्यादण**, शृ गारभूषण, सिंदूर, सेदूर, सीमंतक, सीसब, सीसोपघातु, सींदुर, सेतुर, सोहाग, सौभाग्यः सौभाग्यत्तिह । ३१०. इं गुर-इंगुर, ईगुर, उंद, उरु, किपिशोर्षक, चर्मकार, चर्मार, चित्राग, चूर्यपारद, दरद, नानाश्वंगारवर्द्धन, मर्कटशीर्ष, मनोहर, म्लेच्छ, रंजक, रजन, रक्त, रक्तपारद, रस, रसगर्भ, रसस्थान, रसोद्भव, वर्वर, शुक्तु इक, सिगरफ, **छिगरिक, सुरग, सुनर, इंसपाद, हिंगुल,** हिगुलि, हिंगुलु, हीगलू।

३११. ३ तरह के ईंगुर—चम्मीर, शुक्तंबक, इंस्पाद।

३१२. इत्र--- ऋतर, इतर, इत्र, खुराबू, गंघ, फ़्लायल, फ़्लेल, फ़्लेल, सुगब, - सुगंधि, सॅट, सौरम। ३१३. तेल---श्रम्यजन, श्रायल, तेल, तैल, प्रच्या, सनेइ, स्नेष्ट ।

२१४. कंघी — ग्रतिबला, श्रमाधान, कंक-तिका, ककती, कॅंगही, कंघा, कंघी, ककई, केशप्रदालिका, घंटा, प्रमाधनी, विलका, विककंता, कृष्यगधा, शांतपुष्मा, शींता।

३१४. बाल धोने का मसाला--- लोबा, सोंधु, सौंघा।

३१६. मीसी---दतराग, मिस्से ।

३१७ खेजाब—खिजाब, खेजाब, वसमा । ३१८. भालतिलक—खौर, टोका, निलक,

्पुगड, पुगड़ । ३(६. टिकुली—कचबचो, **मोरिया, चमकी,** ंटिकलो, टिकुलो, तारा, बिंदो, बुन्ना ।

३२०. बिंदी —चित्र, टिक्कलो, टीका, निदी, निदुका, निदुरी, निंदुली, बुन्दा, नेंदा, नेदी।

३२१. रोरी —कुंकुम, चारू, रोरी, रो**ली,** - रोहित ।

३२२. पाउडर--श्रंगराग, पउडर ।

३२३. उबटन—श्रपटन, श्रवटन, श्रम्यग, श्रवटन, श्रवलेप, उच्छादन, उत्शादन, उद्दर्तन, उपटन, उबटन, गाजा, चिकस, चिक्कस, चीकस, बटना, बुकवा, यख-कदम, स्तो।

३२४. श्रालता—श्रलकक, श्रलता, शास-कक, श्रालत, वर्षु, अतुग्य, जननी, जावक, महाउर, महावर, महावरी, वाब, राग, लिख्क, लाखा, लाखारस, लाखका, लाखा, सम्पद्या।

३२४. चोटी बाँघने की बोरी-इबर, कबरी, चोटी, मथबम्हना, मुक्बॅंधना । ३२६. चार्चना-बाइना, बार्दना, बारली, ऐनक, ऐना, कर्क, छायाग्रह, दरपन, दर-पनी, दर्पश्च, मंकुर, मडलक, मुकुर, श्रीशा, इलबी, इलब्बी।

३२०. आभूषण-श्रलंकरण, श्रलंकार, श्रवतंस, श्राभरण, श्राभूषण, श्राभूषन, श्राभूसन, कलाप, गहना, नेवर, दूम, परिकार, भूषण, भूषन, भूसन, भूषा, मंडन, ललाम, विभूषण।

३२८. सिर के गहने—आह, कॅटिया, कौड़ी, जूटा, खरील, खौर, चद्रिका, चूड़ामिया, चौका, छपका, भूमड़, फूमर, टोक, टीका, टामिनी, दावनी, पीड, कॅटिया, बंदी, बिंद, बिंदी, बेयोफूल, मॉगटीका, माभा, शिरफूल, शिरमौर, शिरोभूष्या, शिरोमिया, श्री. श्रीमत, धरपेच, सिरताज, सिरफूल, सिरमिन, सिरमौर, मिरबंदी, मिरोमिन, सिरी. सीस्फूल।

३२६. नाक के गहने कील, छुच्छा,
फुलनी, फूलनी, नकफूल, नकबुल्ली,
नकबेसर, नकमोती, नत्य, नथ, नथनी,
निधया, नधुनी, नागफनी, फुलिया, बुलाक,
बेसर, भोगली, मोरनी, लटकन, लौंग,
लीक, सोयनिया।

३३०. कान के गहने—पेरन, के शिका, केंबिका, कर्ण्यूल, कनककली, कनकूल, करनकूल, कुंडल, खाटका, गोश-बारा, चाँदवाला, चीकड़ा, भूलरि, भुमका, श्रमक, सूध्या, भूमर, टेटका, तखन, खरकी, तरकुली, तरी, तरिका, तखिन, सरीना, ताटक, ताडक, नागकनो, पत्ता, पेंच, फिनिया, बाला, विबली बार, बीरा, बुन्दा, मुदरा, मुरासा, ललामी, खुरकी, लोरकी, लोलक।

३३१. गले क गहने — अकमालिका, कंठओ, कंठा, कठो, कॅठुला, खजूरी, गडक,
गलबंदनी, गलसिरी, गुलूबन्द, गोप,
अवेयक, चदनहार, चंपाकली, चौकी,
जतर, जयमाल, खुगुन्, अप, टीक, टोका,
तिलडा, तिलडी, तोडा, तौक, दुगदुगी,
दुलडी, धुकथुकी, नवसर, नौलखाहार,
पचलडा, पचलडी, पटिका, बघनहाँ,
बघनहियाँ, बघना, बदधी, विजली, मिखमाला, मनिया, मार, माल, माला,
मालिका, माल्य, मुतसिरी, मोतीसिरी,
मोहनमाला, रामनामी, अोमाल, सतलही,
सिकड़ी, सीतानामी, खज, हॅसली, हॅसुली,
इमेन. हार, हारक, दुमेल, हैकल।

३: ८. कमर के गहने — कॅदौरा, कधर्ना, कटिजेब, कटिसूत्र, करगता, करधनी, किंकिया, कौधनी, चितिका, तागदी, मेखल, मेखला, मेखलो, शृखल, शृंखला, सिकड़ो, सूत्र।

३३३ बाजू के गहने — श्रंगट, श्रामंतेट, क्यूप्, 'बूढ़ा, बोशन, टाँड, नौनगा, बरा, बरेखी, बहुटन', बहूटा, बाँड, बाड, बाजू, बाजू, बाजूबर, बाजूबीर, बिबायट, सुज, मुजबह, सुराही।

३३४. कलाई के गहने - कन्य, कंदन, करान, कंगना, करानी, कटक, कहा, करुला, कलय, गबरा, गुजरी, चुरी, चूरा, चूड़ी, चूहादता, खुबा, बहाँगीरी, तोड़ा, पक्षली, पद्धवा, पछेली, पटुरी, पल्लव, पहुँची, बाँक, बाला, बार, बेहा, बंगुरी, बाँक, बटा, बेसलेट, मठिया, मुनहरा, इथहरा। ३३४. पैर के गहने—श्रॅंदुक, कड़ा,
गृजरी, गोड़सँकर, गोड़हरा, घुँघर, छड़ा,
छरा, छला, छागल, छुगुनू, जेहर,
भाँभ, भाँभड़ी, भाँभन, भाँभर,
भाँभरी, तोडा, नूपर, नेवर, पंदु, पाइल,
पाजेब, पायल, पैजनी, पैरी, बाँक, बिछुत्रा,
मंजीर, लच्छा, सांकडा।

३३६. उंग**लियों के गहने**—श्रॅगूठी, श्रद्गको, खातिम, छल्ला, मुद्रा, मुद्रिक, मुंदड़ो।

३३७. मुकुट-उन्मीष, किरीट, ताज, मउर, मकुट, मुकुट, राजमुकुट, सिरताज।

33 = . त्राङ् — माथे का गहना — त्राङ, कचपची, किरीट, कोट, चंदक, चंद्रकल:, चंद्रिका, टिक्को, टीक, टीका, तिलक, दावनी, दावनी, पोड, बुन्दा, चेदा, लला-टिका, ललामक, सिरबदी, सिरा।

३३६. टीका (माथा)—श्रवतस, टीका।
३४०. कान की बाली—श्रटी, कुएडल,
कड़कविजली, कर्णपाली, चॉटवाला, ताडक,
तरकी. तरीना, तार, बारी, बाली, मुरकी,
मुकी।

३४१. कुंडल-कर्णपाश, कर्णभृपण, कर्णवेष्टन, कर्णश्री, कर्णहार, कान, कुएडल ।

३४२. कॉंप कान का एक गहना)—कॉंप, गंगाजमनी, गोरापेच, चॉंटवाला, सुमक, सुमका, टेटका, तरना, तरौना, फिनिया, मुंदरा, बुट्टा, बिजनी, बोरो।

३५३. कील (नाक की)—कील, कुर्छा, फूल, लौंग।

३५५. दांत का गहना--खुमी, बतासी ।

३४४ हॅसुली—खँगौरिया, गरदनी, गैरखो, इँसली।

३४६. हार (गले का) — ग्रकमालिका, कंठओ, गलभी, गलिसरी, चदनहार, चेन, जंओर, जयमाल, जुगुन्, भप, तिन्नही, नवसर, नौलखा, नौलखाहार, मियमाला, माला, मोहनमाला, रामनामी, लर, सिकडी, लाकेट, हार, हारक।

३४**७. बघनहाँ—बघनला, बषनहाँ, बब**-- नहियाँ, बघना ।

३५८. मोती का हार—उर स्त्रिका, म**या-**माला, मुक्ताहार, मोतीसिरी, **१**ारमुका-बली।

३४६. सिकड़ी—चेन, जनीर, श्रम्ब<mark>ला,</mark> सकरा, सकल, साँकर, साँकल, सिक**ड़**ो, सीकड, लर, लाकेट

३४०. सुज्जबंद-ग्रागट, केयूर, बान्,, बाजूबंट, बिजायठ, भुजबंद ।

६४१. कंगन—ककर्ण, ककन, कगन, कंगना, ककनी, कक्कन ।

३४२. क्रोटा कंगना-कॅगनो, कनु, ककन′, ककुर्न⁻, कॉकुनो, कॉंगनो, काकुन, कानन, टँगुनी, टॉंगुन, प्रियंगु, लच्छा ।

३४३. पहुँची--ग्रापावक, कटका, छद, छदक, जहाँगोरी, ताड, पहुँचो, पारि<mark>हार्य,</mark> प्रकोन्ठाभरण, वलय।

२५४. क**डा (हाथ का**)—कडा, प**ह्यु**वा, वेरवा, **हथ**हरा।

३४४. चूडी - चूडा, चूडी, चूडी, पटरी, बेल चूडा:

३४६. हाथ साँकर—दयकुल, इय साँकर। ३४७. श्रारसी (श्रगूठे का)—ब्रंगु-- रताना, ग्रदती, श्रारता। ३४८. ऋँगूठी-श्रंगुलिमुद्रा, श्रँगुठी, श्रंगु-लोय, ऋँगुरतरी, ऊर्मिका, गाल, छल्ला, मुँदरी, मुद्रा, मुद्रिका, मुंदरी।

२५६. करधनी — कंदारा, कॅघनी, कटिजेब, कटिबंध, कमरबध, करगता, करधन, काँची, काचीकल्प, किंकिणी, कीँघनी, कौचनी, चुद्रघटिका, तागड़ी, मेखल, मेखला, मेखली, बिक्कुश्रा, रसना, श्रु खला, मप्तकी, सिकड़ी।

३६०. घुँ घुरूदार करधनी—किकिणी, चुद्रषंटिका, चुद्रावली।

३६१. नृपुर — गुंगिया, गूंगी, छल्ला, तुलाकोटि, नृपुर, पाटकटक, पादागुद, हं नक।

३३२. पाजेब - ऋदु, ऋदुक, घुंघरू, ज़हर, काफत, काफर, काफरी, नूपुर, पाजब, पाइकंटक, पायल, पेंजनी, पैरी, मजील, हसक।

भ्द्र. पर की उँगलियों के गहने — गूगी, खल्ला, बिन्तिया, मुँदरी, इंसक।

६६४. खेल — श्रानंद, कीषा, खिलवाड, खेलवाड, खेला, गेम, तफ्रीह, तमाशा, मनबह्लाव, मनोरजन मौज़।

३६४ **खंलने वा**ला—खंलक, खेलाडी. प्लेयर।

३६६. खंताना - कीडना, कीइना, कीइा करना, खेल करना, खेल मचाना, खेला करना, तमाशा करना, मनोरंजन करना।

३६७. हार्का (खेल) — हागुल । ३६८. हार्की — रेटर, हार्का, स्टिक । ३६६. किकेट (खेल) — गेद बल्ला । ३७०. सिब्बीना — खेलवाड, खेलीना, खेलवार, गिरगिरो, गुडिया, शुनशुना, सुनसुना।

३०१. पतंग—कनकौवा, गुड़ा, गुड़ी, चंग, चॉदतारा, तुक्कल, पतग।

३७२. मंका—चर्ली, मका, माका, हुलका

३७२. चौसर --श्रष्टापद, चौपड़, चौषर, नदंगजा, शारिकन ।

३७३. श्र. शिकार—श्रहेर,श्राखेट, श्राखे-टक, मृगया, शिकार ।

२७३. इ. तफरीह —ग्रामीट, तफ्रीइ, दिलबह्लाव, मनारजन।

३७४ पासा--श्रच, देवन, पाशन, पासा। ३७४. गेंद्र—कदुइ, गेडुक, गेंद, गेंदा, गेना।

३७६ गुड़िया -गुडिया, गुडुन्ना, गुडुंई, पाचालिका, पुतली, पुत्तलिका, पुत्रिका। ३७७. सुगद्र - बोईा, मुंद्रा, लेजिम, लेजुर।

२७८. सवारी--यान, वाहन, सवारी। २७६. हवाई जहाज-- पुष्पक विमान, पुष्परथ, यान विमान. ब्योनयान, हवाई जहाज

६८०. जहाज (पानी का)--श्रर्वावपोत, जहाज, पोत, बोहित ।

३=१. नाव - उदर, कोल, बलपात्र, बन-यान, डंगी. डंगी. तन्स्रवा, तरंड, तरंडां, तरंत, तर्गा, तरना, तरिका, तरा, त्राउर, नाय, नाव, नावर, नी, नौका, पडाक्नी, पत्रग, पनश्चय्या, पादासिंद, पोत, बनवाहन, बेड़ा, बहन, बहिन्न, वार्बट,

३८२. गाडी--गंत्रीक, गड्डी, गात्री, गाडी, शकट।

३८३. रेलगाड़ी—ट्रेन, रेल, रेलगाड़ी। ३८४ मोटर—कार, ट्रक, बस।

३८४. मोटर माइकिल — फटफटिया, मोटर बाइक।

३८६. साइकिल-ट्राईगाडो, पैरगाडी, बाइक, बाईसाइकिल, बाइसिकिल, साइ-किल, इवागाडो।

३=•. घो**ड़ा गाड़ी**--एक्का, गा**ड़**ो, घोड़ा गाडी, टमटम, टागा, बग्गो, बग्घी।

३८८. रथ (जनाना)—कर्णीरथ, डयन, प्रवहरा, रथ, इयन।

३८६. बैल गाड़ी—लड़खड़िया, बहली, बैलगाडी, रथ, लढ़िया।

३६०. रथ--रथ, शताग, स्यन्दन ।

३६१. डोली -डोली, टोला, प्रेखा, शिविका, हिंडोल।

३६२. पालकी— पालकी, याम्ययान, शिविका।

३६३. काठी — काठी, ज़ीन ।

३६४. घोड़े की लगाम—बाग, बागडोर,

३६४. श्रंधोटी (घोड़ा)--श्रंधेरी, क्रंधियारी, श्रंधोटी।

३६६. कोड़ा—कषा, कोड़ा, चमोटी, चाबुक, चुटक, दुर्गा, साँट, साटा, सिटु-कुना, सुदुकती।

२६७. होदा -- श्रवारी, श्रमारी, होदा। २६८. गजवांक-- श्रद्धा, श्रांकुश, श्रांकुस, गबवाँक, गबवाग, श्र्मा। ३६**६. हाथी का खूँटा— त्रलान, त्रालान,** बंधसाम ।

४०० जंजीर (हाथी बाँधने की) --- श्रंदु, श्रंदुआ, श्रंदुक, श्रगंला, श्रलान, श्रांदुक, श्रंखल, साकल, साकल, सिक्कड़।

४०१. हथियार — श्रस्त, श्रस्तशस्त्र, श्रोज़ार, रास्त्र, शस्त्र, सिलाइ, इध्यार, इथियार इरवा।

४०२. भंडा—केतन, केंद्र, चोन, भडा, भडो, दूक्ल, धूमकेंद्र, धूमकेंद्र, ध्वस, ध्वजा, निशान, पचतोलिया, पताका, फरहरा, मस्यवाहन, वैजयती, शबनम, शरवतो, शिखि, शोर्षग्रह।

४०३. तोप—क**ड़क**नाल, कमान, **गवनाल,** गयनाल, गोला, जबूरक, **तु**२**क, तोप,** शतक्ती।

४०४. बर्त्ती—पलाता, फलीता, बत्ती । ४०४. बंदू क—म्बग्न्यास्त्र, कड़क विजली, कड़ाबीन, कमान, गोली, दुपक ।

४०६. तलवार—-श्रसि, कत्ता, कता, करा, करंड, करवार, करवाल, करवालो, करोली, कर्मश, कर्चरो, किरमाल, किरबार, इपाय, खग, खबर, खदग, खादा, चद्रशस, टक, तलवार, तीच्णवर्मा, तेग, दुरस्द, दुलोही, धर्मपाल, धर्ममाल, धोप, निक्सि, महलाप्र, रिष्टि, रिसिक, रिष्टि, विश्वसन, शमशेर, शायक, सायक, सिरोही, तैषा। ४०७. ढाल—चर्म, ढाल, फर, फल,

४०८ क**वच-- श्रमत्राच, ग्रवगर, कावस,** श्रायसी, उरह**द्धद, ककटक, कंबुक, कवच,** जगर, जागर, ।जरह, जिस्ह, बोशन, तनत्राया, तनुत्र, दंशन, दशन, बकतर, बक्तर, बरम, बरम, बारन, योग, वक्तर, बखतर, बरम, वर्म, बारस, शरीरतेनु, शरीरत्रास, सनाह, सलाह, सिलाह । ४०६. धनुष —कमठा, कमान, कमानचा, कार्मुक, कुबंड, कोदड, गुणो, चाप, तारक, धनक, धनु, धनुत्रा, धनुही, पत्रवास, धनुस, धनुस,

४१०. **डोर (धनुष) गुन, गुण, चिल्ला,** बिह, ज्या, ताँत, पनच, पंतंचिका, प्रतिचा, प्रत्यंचा, मुर्वी, मौर्वी, शिविनी।

४११. तरकश--श्विष, कलाप, तरकश, तरकशी, त्या, त्यी, त्योर, त्नीर, तोया, नियंग, भाषा।

४१२. तोर--श्राशुग, इषु, कलंत्र, खग, गो, चदत्रान, तीरा, नाराच, पत्रो, पृख, पुष्कर, पृषतक, प्रधत्क, बाख, मारगन, मागंख, मार्गन, रविवाख, विशिख, विहग, विहग, धर, शलाका, शायक, शिलोमुख, सायक, सूप।

४१३. बरह्यी-भालि, भुजाली, बरछी, साग, सैंहती।

४१४. भाला —क्नन्त, कुसप, दीर्घापुष, नेना, भरून, भाला, विषाकुर, शकु, शल, शस्य, शेल, सेना ।

४१४. कटार-कटार, कटारी, कत्ती, खंबर, बमदाद, पेशकब्ब, भुवाली।

४१६. गुप्ती—ईलो, करणिकका, बाँका, मुक्तो, गुपुती।

४१७. बाठी —गोबो, बॉग, लउर, बकड़ा । ४१८. बोज —बाब, द्रम्प, पदार्थ, वस्तु । प०—१० ४१६. सामान—असवाब, असाबा, उप-करण, द्रव्य, माल, लवानमा, समान, सानसामान, सामग्री, सामिग्री। ४२०. चूल्हा—अस्तिका, अंदिका, अधि-अयखी, अश्मंत, उद्धार, उष्मान, चुल्लो, चूल्ह।

४२१. श्रमोठी-श्रंगारधानिका,श्रंगारधानो, श्रंगारशकटी, श्रंगेठी, इसती, इसनी।

४२२. लुझाठ —त्रलात, उत्पुक, **लुका**ठ, लुकाञ्ठ ।

४२३. ईधन—ईंघन, ईघ, इभ्म, बलावन, लकड़ो, लगवना, लगावन, लगौना। ४२४. उपला—उग्से, उपला, कंडा, कंडो, कराष, गांइठा, गांइठा, गोइरा, गोइरा, चिपरी।

४२४. कायला —कोइना, कोक, कोल। ४२६ सस्य —दार, खाक, छार, भरम, राखाः

४२० पात्र-त्रमत्र, त्रावरन, पात्र, वरतन, वर्चन, वासन, भाद, भादा, भावन । ४२८. कड़ाही—कढ़ाई, कढ़ाहो, कड़ाहा, कराहो, टोकना, तई, ताई । ४२६. डेग —रोकरी, डेउ, देग, देगचा,

देगची ।

४३० पनोला—नसला, पतीला ।

४३१. बदुली—उला, उषा, कुड, पिठर,

बटला, बटली, बटलोई, बटलोडी, बदुखा,
बदुला, बदुला, स्थली, इडीष ।

४३२. तथा—श्वाप, श्वाचीष, तब, साबा,

पिष्टपचन, पृष्ठिपच ।

४३३. पौना---भत्ना, भरना, पौनो । ४३४. कलादी (काठको) -- करही, कलस्रा, तस्रू, दाकहरतक।

४३४. कलकुल-कंबी, करखी, करखुल, करक्कुलि, कर्जी, कलछा, कलछी, कलक्कुल, खजाका, कररच्चियो, दर्वी। **४३६. चिमटा**—चमचा, चिमचा, सिंउठा। ४३७. सं**ड्सी--संड्**सा, सरसी। ४३८. डोकी—डोकिया, डोका, द्रोगी। **४३६. परात**—थाल, पलेट । **अ४०. थाली—का**न, टाठी, तश्त, थारो, थरिया, थाल, भोजनपात्र। ४४१. कटोरा-कटोरा, कटोरिया, कटोरी, कसोरा, खोरा, खोरी, पानपात्र, बेला, बेलिया । ४४२. तश्तरी-प्लेट, रकाबी, रिकाबी। ४४३. प्याला—चंबली, जाम, पियाला, प्याली । ४४४. चमचा--चमच, चम्मच, होई। ४४४ गद्वा-- मार, श्राल, श्राल, करवा, **द**र्करी, गंगासागर, गहुन्ना, गलंतिका, भारी, तमहा, वधना, लोटा। ४४६. गिलास-श्राबलोरा, श्राल्बाल्, श्रोलची, खोरिया, ग्लास, जलपात्र, पानपात्र, जुटिया । ४४७. पथरी--पथरौटा । ४४८. पत्तल-पतरी। **४४६. दोना---ख**दोना, सपुट । ४४०. कंडाल-कन्डाल, गगाल, तामदी, बागर, टब । **४५१. कठौता—क**ठड़ा, कठवत, कठौत, कठौता, कठौती, द्रोग । ४४२ गगरा (घातु)— कलश, कलशा, कत्तसा, कंभ, गगरिया, गगरी, घट, बड़ा ।

४४३. ठिल्ली (मिट्टी)--कलसा, मगरी, घट, घड़ा । ४४४. घडा (गंदा) — क्वितिहा, बहरहा, बहिरहा । कमोरा-श्रमंबर, SKK. कमोरी, मटका, मिखाक। ४४६. हाडी-कहतरी, तिहरी, मेटी, इंडी, इंदिया, हाँदी। ४४७. परई---कसोरा, परई, मलैया, शराब, सरवा । ४४८. कसोरा-- सकोरा, सिकोरा। ४४६. पुरवा-कुल्हर, चुक्कर, भरका, हुँडा । ४६०. खपड़ी (दाना भूनने की)— श्रवरोष, कड़ाइ, खपरा, भ्राष्ट । ४६१. जाँता—चकरो, चकिया, जॉत, **जां**ता । ४६२. चलनी—श्रंगिया, ग्रॅंबिया, श्रांबी, <mark>श्राखा, चलनी, चालनी, छलनी,</mark> तित**ऊ** । ४६३. सूप---छात्र, प्रस्तोटन, फटकन, फटकनी, शूप, शूर्प। म्रोखली—उद्बल, ऊखल, श्रोखरी। ४६४. मूसर--मुबल, मूखर, मूखल। ४६६. टोकरा---साँचा, झावडा, भावर, भावा, बला, बाला, दौरा। ४६७. टोकरी—चॅंगेरी, चंंगेनी, टोकरी, बलिया, बली, बाली, बौरी। ४६८. दौरा--ब्रोहिया, बगेसा, बाहा । ४६६. दौरी--कांडोल, चंगेली, डाली, पिट, पिटक, पेटक। ४७०. डाबी—कुरई ।

४७१. चित्तमची-- श्राचमनक, निष्ठीवा-पात्र, पददग्रह, प्रतिग्राह, प्रोंठ । ४७२. पीकदान-उगलदान, श्रोगलदान, थुकनी, पिकदान, पिकदानी। ४७३. मार्-क्ँचा, भाइ. बहुनी, बुहारी ! ४४४. लोदा-विया, बहा, नोदी । ४७४. सिल-पायर, सिलौटी, सील। ४७६. मथनी--खलर, ल्रोदी, मथ, मंथदं-इक, मंथान, मथना, मथनियाँ, मथनी, मयानी, रई, वैशाख। ४७७. सटका-कमोरा, कमोरिया, मटकी। ४७८. कुप्पी- कुतुप, कुत्, कुप्पा। ४७६. भट्टी-कर्, भट्टी, माड, खेदनी। ४८०. डोरा-- ग्रंशु, काता, चीन, डोर, तंद्व, तत्र, तागा, दोरक, बागा, स्ता, स्त्र। ४८१ सूई- श्रुचि, श्रूची, सुचिका, सूई, द्वी। ४प्तरः टेकुरी-म्रास, म्रासे, टेकुई, बुतारी। ४८३ सुका---सुन्ना, स्वा, स्वा। ४८४. कॉपी—कट, करंडा, किलियक, भाषी, पेतारा, पेटारी, मोना, मोनियाँ। ४८४. डिक्बा—डिब्बी, संपुट । ४८६. **बाक्स**--पेटी, बक्क, बक्क, बाक्स, मंज्या, संदूष । ४८७. कजरीटा — कवरीटी, कवलीटा,

५म्म. इं**बरीटी-इंगुरीटो, विदोरा,**'सिंघोरा,

४८६. चुनौटी---चुनदी, चूनादानी।

कवलीटी।

विंचीरा :

४६०. चिराग -- श्रंजनवेश, बालोक, उल्बा, गृहमणि, चिराग्, देवरी, दियरा, दियना, दिया, दीप, दीपक, दीपका, दीयरी, दं या, दीवा, प्रदीप, बसी । ४६१. चिरारादान- चिरागटानी,चौमुखा, भाइ, दीवकवृत्त्व, दीवकाधार, दीयट, दीवट, फलीतसोन्। ४६२. कंडील--भाद, भादपानुस, भाद-फेनुस, टार्च, लम्प, लालटेन, इॅक्या। ४६३. मणाल-मसाल, मसियर, खुनक, लुका। ४६४. तोड़ा—येना, येनी । ४६४. येहा खरीता, सलीता, भोरा, भोला, घोकरा, बेग, बैग। ४६६. **थेली**— खरीती, खलीती, कलिती, जेब, जेबा, भोरि, भोरी, भोली, यैसी, बोकरी, पाकेट। ४६७. परदा-- ग्राह, श्रोट, कनान, चिक, जिलमन, चीक, ख्रिपाव, व्यनिका, तिरस्थरको, दुराव, पट, पटल, प्रतिसिरा, यबनिका, वाह्मपटी, व्यवचान । ४६८. जूठा भोजन- शर्वाश्व, उत्त्रिक, उच्चिष्टान्न, ज्ठन, ज्ठा, फेला, फेली । ४६६. चारपाई- सटवा, सटिवा, सटी-लना, खटेला, खट्वा, खाट, चारपाई, द्भपरसट, द्भपरसाट, दासनी, परियक, पलंग, पकंगको, पलँगरो, पल विया, पर्स्वक, मंब, मेंचिया, मशहरो, शवनमी, शवनीय, शस्या, शैया, सक्बा, सेव । ४००. चौकी-चटुको, चौकी. तक्रता, तस्ता । ४०१. पासना-सटोला, गहवारा, भूला,

पिगुरा ।

४०२. विद्यावन —डासन, विद्योना, शयन, साथरा, स्तर।

४०३. श्रोनचन-उंचन, ग्रदवायन, ब्रद्वान, श्रोनचावन, श्रोनचना ।

४०४. चारपाई का पावा-गोका, पाया, पार, पावा ।

४०४. मचिया—पिद्धिया, पोद्दो, मंच, मंचक, मचिका, मँचिया ।

५०६. पोढ़ा -- त्रासन, पाटा, पिढ़ई, पीठ, पोठक ।

४०७, चटाई -कटक, गाँदरी, गोनर, गोनरी, चटाई, चटोला, तलाचो, दरमा, पाटो, बारिया, मंडरी, साथरा, साथरी, सीतलपाटी ।

४०८. इशासन-श्रावंदो, श्रावन, श्रावनी, दर्भ, दर्भावन ।

४०६. कुरसी-श्रासंदी, कुब्सी, कुर्सी, पोठिका ।

४१०. मेज-टेबुल, मेंच, मेज़।

४११. स्टूब-तिपाई, तिरपाई, मोदा, इस्त ।

४१२. कुल्हाको - कुल्हारो, गैटा, टॅगारा, टॅंगारो, टॉगी, बॉक, इद्यमेद, बृद्धादन ।

४१३. जारा-जारी, करपत्र, ककच ।

४१४. रेती-पत्रपरशु, ब्रश्चन, रेनी ।

४१४. हथीड़ा--भारतील, इथउर, इयेव, इबोड़ो, हथौरा ।

४१६. बरमा (छेदने का)--म्राविष, ब्रास्कोटनो, नरमो, बेचनिका, बेचनी ।

माबी-चर्मप्रतेषिका, धौकनी, KQO. मस्त्रा ।

४१८. घरिया (घातु गताने की)— कुल्हिया, बहिया, बरिया, मूचा।

४१६. सलाई—तीकी, शलाका, सिकवा, सौंक, सीका।

४२०. कसीटी—कष, कस, कृष्णा, वाण, निकष |

४२१. रस्त्री—डोर, डोरी, दाम, दामनी, दामा, पशुरज्बु, रज्जु, रसरो, शस्त्री, तेजुर, लेजुरी।

४२२. बहुँगी - बहुगी, विहंगिका, विहंगिमा। ४२३. ह्रूरा — ग्रस्त्रा, उस्मस्, उस्त्रा, चुरिका, चूरा।

४२४. नहरनी—नखरंबनी, नखक्त्रनि, नखदाख, नहरिनी ।

४२४. केंची-कतन्त्री, कतरनी, कर्तनी, कर्त्तरिका, कर्त्तरी, कल्पनी, काती, कृपाची। ४२६. इल-गोदारख, लांगल,

इर, हाल ।

५२७. इल का फाल-श्रंगुरी, कुर, कुसी, कूटक, कृषिक, कृषिका, निरीष, फल, फार।

५२८. हरीस -- ग्रगवासी, ईषा, दंड, लागल, हरिस, इलीस।

४२६. हँसिया-दातरी, दात्र, दावन, लवित्र, हॅसुवा।

४३०. कुदाल--श्रवदारण, कुदार, कुदारी, कुदाली, खनित्र. खनित्री ।

४३१. फावड़ा-फरसा, फरहा, कौड़ा।

४३२. मोट--चरवा, पुरवट ।

४३३. स्वाद् — गोबर, पाशु, पा**तु** ।

४३४. दवरी—दॅवरी, दवनी, मिसाई।

४३४. धनवट—ग्रंटीतस, भ्रनीट, सन्द-बट, दोका।

४३६. रोशनदान-गवाच, मोका, रोजन-दान ।

क्ट्री—काटा, स्टो, टॅंगना, टॅंगनी,
 मारयण्टी, मेस ।

४३८. थूनी—चाँक, टेक, टेकान, कुन्ही, थून, थून्ही।

४३६. खंमा-खंम, बाम, यंब, धंम, धूनी, स्तंम।

४४०. सिकइर—काच, छीका, शीका, शीक्य।

४४१. ताला — क्फुल, कुलुफ, कुल्फ, तलक, तालः।

४४२. ताली—कुंबी, चाबी, चाभी।

४४३. जंजीर—जंबीर, श्रञ्जला, सॉक्स, सिक्ही।

४४४. कुंडी-कड़ो, कुंडा, कुंडो, कोंदा। ४४४. क्कुरी--शिष्त्रो, श्रविषेनुका, कती, चक्कु, चाकू, क्कुरिका, खूरा।

४४६. दि<mark>यासकाई</mark>—दोपशलाका, माचिस, संबार्ड ।

४४७. तराजू—काँटा, तरजूई, तराज़ू, द्वला, तौला।

४४८. **बाट**--बटक, बटलरा, बाँट ।

४४६. पल्ला (तराजूका)—डल्ला, डाल, बुलापट, पलका, पलरा, पला।

४४०. तन्ती (तराजूकी)—कोत, तन्ती ।

४४१ वंबी (तराजू की)—कॉटा. बडा, बडो, बॉद, बॉदी, वेंट।

४४२. चॅंबर—चॅंबर, वमर, बमरी, चामर, बामरा, बामरी, चौर, बौरी, प्रकीर्चक, बालव्यवन, रोमगुच्छक।

४४**२. अत्र--शा**तपत्र, ककुद, क्षुत्र, राजककृतः। ४४४. झाता—झातपत्र, झातपवारस्, इतरी, इता, इत्र, झायामित्र, पटेटिस । ४४४. झड़ी—गोबी, इड़ी, ढडा, दंड, दंढिका, बेत, लउर, सकुट, सकुटी, लगुड़, लाठी, यण्टी, सोटा, सोटा। ४४६. यंत्र—झौज़ार, कल, मशीन। ४४७. दूरदर्शक यंत्र—दूरदर्शक यंत्र, दूरवीच्या, दूरबीन। ४४८. येली—कीसा, लरीता, सलीता,

४४⊏. **थेर्ला**—कोसा, खरीता, **सलीता,** खीसा, खाली, यैली, बटुग्ना, बटुवा, बट्टू।

४४६. **दातौ**न-दंतघावन, दतवन, **दुतुवन,** दतुविन, दतौन, दातुन, प्रथमाहार, प्रभाती, गुस्तारी।

४६०. तमग्रा—२ग्रमा, तमग्रा, प**रक,** बिल्ला

४६१. जाल-बाली, बागुर, मृगवंबनी, बंघोनो ।

। ६२. फंदा-- उन्माय, कृटयत्र । ४६३. सूला-- छोका, सूला ।

४६४. **घटेरम**-प्रटी, षटेरन, चरसा, टकुमा, नेकुमा, टेकुरी, रहेंटा ।

४६४ विना वटा वागा-- इन्या वागा, इन्या घागा ।

४६६. ना**व स्तीचने की रम्सी—कृपक,** गु**च**, गृन, गोन।

४६७. पत्तवार--करिया, केनिपातक, दरित्र।

४६८. नाष का पानी फेंकने की कड़ाही-तमली, तेक, तेकपात्र, तेषन । ४६८. नाव का डॉइ - वेपिका, वेपकी, ऑह, ऑहा, नीकादंड । ४७०. मझली रखने का बरतन— कुनेखो, डोलनी, डोलो, मस्वधारिखो । ४७१. मझली पकड़ने की जाल—बार, बाल, जालानाय, पवित्रकी, शर्यामन, सुत्री।

४७२. मञ्जूली मारने की कॅटिया— श्रॅकड़ा, कॅटिया, कॉटा, कुंभी, बशो, बडिश, मत्स्यवाती, मत्स्यवेधन, मोनहा, हुक।

४७३. पंखा - पंखा, पंखी, बेना, विजन, व्यजन।

च

१. स्थान—श्रगार, श्रयन, श्रवस्थान, श्रामार, श्रालय, श्रास्पद, उछोर, केत, केतन, चेत्र, गाध, छिद्र, छेत्र, बॉ, बा, बगह, ठहर, ठॉई, ठॉय, ठॉव, ठाम, ठाहर, ठिकाना, ठेन, ठोर, थन, थलो, खान, देश, निकेत, निलय, प्रदेश, भू, महो, मुकाम, नौक्य, लोक, शाला, स्थल, स्थली।

२. व्यांड —ग्रंड, ग्रडकटाइ, ग्रंडकोश, अ, ग्रंडर, ग्रन्थक, ग्राकाशमडल, खगोस, भुवनकोष, विश्वकटाह, वृत्तकटाह।

रे. आकारा — अविरिच, श्रंबर, श्रच्र, श्रवरिख, श्रनंत, श्रव्द, श्रम्तं, श्रभ्र, श्रवीय, श्रयो, श्रवकारा, श्रवकारा, श्राकारा, श्रारमान, जर्धवेलोक, सं, स, समोस, गंगापथ, गगन, गगनमंडल, गय,
गयशिर, ब्रह्नेमि, चित्रोकि, हायापथ,
क्योतिष्पथ, तारायण, त्रिदिव, त्रिपिष्टय,
दिव्, दिव, देवपथ, देवबर्स, द्यु, ह्यो,
हाप, घन्या, नम, नसमङल, नमस्यल,
नाक, निराकार, निरुप, पाथ, पाथा,
पुष्कर, फलक, महत्यथ, महदूर्य, वायुमंडल, वायुलोक, त्रियत्, वृजन, व्योम,
शृह्य, सोम घरा, स्वर, स्वर्ग, ६।

४. तारा—ग्राकाशचारो, उहु, श्वच, सग, खचर, सेचर, श्योतिषी, तारक, तारा, तारिका, नभगामी, पद्मलाखना । दे॰ 'नचत्र'।

४. नवप्रह—केतु, गुरु, चद्रमा, बुक, मंगल, राहु, शनि, शुक, स्यं।

६. महों के बीच का शून्य स्थान— अतिरिच, अंतरिख, अंतरिच्छ, अतिरेख, अदिति, अधर, अर्थाव

७. सूर्य —दे॰ 'स्य[']'।

८. सूर्य-मंडल —उपद्र्यक, परिवि, परिवेष. परिवेश, मंडन, मंडल ।

कराष — अशु, आलोक, उस, कर, कला, किरन, गमस्ति, गो, घृषा, छुटा, ज्योति, दीघित प्रशेत, भर्म, मानु, मयूबा, मरीचि, रस, राष्ट्रम, रास्पा।

२०. सूर्य प्रकाश—श्वातप, धर्म, बम्भ, धाम, खुनि, खुनी, स्विष, दीप्ति, धुति, धूप, प्रकाश, प्रमा, भा, भास, बक्, बिस, रोखि, शोखि।

११. चंद्रमा—दे॰ 'चंद्रमा'। १२. चंद्र मंडल—चंद्रविष्य, चंद्रमडस, मडब । १३. दू अ का चाँद—चंद्ररेका, चन्द्रतेका, वुइब, नवचन्द्र, वाजविधु, वकचन्द्र ।
१४. आधा चाँद—मर्धचन्द्र ।
१४. पृर्शिमा का चाँद—पूर्णचन्द्र, राकाशर्श, राकेश ।
१६. चाँदनी—ग्रॅंबोरिया, ग्रम्टततरंगिणी,
अमृतद्रव, कौमुदी, चिदिन, चिदिनी, चंद्रक,
चद्रबोत, चद्रपमा, चंद्रमरोची, चंद्रिका,
जुन्हाई, बोन्ह, ज्योत्स्ना, हिमकर ।
१७. मंगल —ग्रंगारक, श्रावनेय, श्रुखातक,
कुज, भूमिसुत, भौम, मगल, महोसुत,
लोहिताग, वक ।

१८. बुध-चन्द्र अ, चन्द्र बुत, जारज, अ, बुब, रोहिरोय, विद, विदिच, सौम्य। १६. बृहस्पति —श्रंगिरस, ईज्य, गिरीश, गरीय, गीस्पति, गुरु, गोर्विड, प्रहराज,चारु, चित्र, चित्रशिखडिज, जीव, ताराधिप, ताराधीश. नारानाथ, तारापति, त्रिदशपुर, त्रिदशासार्य्य, दिदिव, द्वादशकर, धा, चिष्या, चिष्याचिष, चीपति, चीमान्, पाष्य्य, बृहर्तायति, बृहस्यति, नाकपति, वार्थाश, बागीश्वर, वाचसापति, वाचस्पति, विममोझ, क्यापित्र, सिद्धि, सुराहर, सुर पतिगुरु, सुरप्रिय, सुरगरोघा, मृरराजगुरु, सुराचार्य, सुरेन्द्रगूज्य, स्थपति । २०. शुक्र---म्रादिदेवगुर, उद्यना, कवि, काब्य, दैत्यगुरू, दैत्यराच, मार्गव, भृगु, पद्रशींच, रवेतरय, शुक्र, वितः।

२१. शनि — व्यक्ति, व्यसित, व्यार, काल, कोल, कोड, बहनायक, क्षायास्मव, क्षाया सुत, नीसवासा, नोसायर, प्रयु, पातती, भारकरी, मन्द, मन्दमह, मन्दवास, रवि-

नन्दन, वक, शमि, शनिश्चर, शनैश्चर, सत्वाशु, स्टर्यपुत्र, हौरि । २२. केतु--केतु, धूमकेतु, धूम्रकेत्, मत्त्य-वाहन, शिखि, शीर्षप्रह । २३. राहु-म्रासुर, ब्राह्, कनव, खडवरशु, ग्रहकल्लोल, ग्रहबर्मन, तम, दैतेय, नभाक, नैऋत, विधुन्तुद, सिंहिकासुत, सिंहिकासूनु, सेहिकेय, स्वर्भानु । २४. घहण--उपराग, गईन, प्रदश्, प्राप्त, प्राह् । २४. सर्वेत्रास --पूर्वत्रश्च, वर्वत्रास । २६. नसूत्र-श्राकाशचारी, ठडु, ऋच, श्रोक, खग, खचर, गगनचर, गग**नेचर,** बन्हाई, ज्योति, तमचर, तरर्ड, तारा, तारिका, युचर, युषद, विष्टप, नसत, नभवर, नभरवर, निश्चर, म। २७. २४ नद्धत्र -- ग्रन्राधा, श्ररलेषा, श्रश्वनी. श्राद्धी, उत्तराफाल्युनी, उत्तरा-भाद्र भ्दा, उत्तराषाद**, कृतिका, वित्रा,** ल्येप्टा, घीनष्<mark>डा, पुनर्वसु, पुष्य, पूर्वा</mark>-फालगुनो, पूर्वाबाद्रपदा, पूर्वा**वाद, मरबी,** मधा, मूल, मृगशिरा, रेवती, राहिसी, विशाखा, शतभिषा, भवग, स्वाती, इस्त । विशेष - ज्योतिष में उत्तरामाद के बाद 'ग्रांभेबित' नामक, एक ग्रौर नच्छ माना बाता है। इसे लेकर कुल २= नब्भ है। अरिवनी-अर्ग, २८. ऋश्विनी, शस्त्र । २६. मरागी-दे॰ 'बमराब'।

३०. कुत्तिका—दे० 'झग्नि ।

रोहिनी, विषातृ ।

३१. रोहिखी--- श्रन्त्रयोन, पातृ, रोहिची,

३२. मृगशिरा-- अम्हायिष, चन्द्र, मगा-सिर, मृग, मृगशिरा, मृग, मृगसिर । ३३. ब्याद्री- श्रदरा, श्रद्रा, ब्राद्रा, ब्राद्री, रूद्र, शिव। ३४. पुनर्वसु – श्रदिति, श्रादिति, पुनर्वसु । ३४. पुष्य- इज्य, बीब, तिष्य, देवपुरोहित, पुरुष, पुष्य, सिध्य। ३६. घरलेषा-- श्रश्लेषा, त्र्रमलेखा, श्चरलेखा, श्राह, उरग, मुजंग, भुजग, व्याल, सर्प। ३७. मघा-पितर, पितृ, मघा । ३८. पूर्वाफालगुनी— पूर्वाफालगुनी, योनि । ३६. उत्तराफाल्गुनी- श्रर्थम, फाल्गुनी । ४०. इस्त-- म्रर्क, कर, रवि, इस्त । **४१. चित्रा**—चित्रा, तत्त्, त्वाष्ट्र । ४२. स्वाती—श्रनिक, मरूत् , वायु, समीर सवाती, सेवाति, स्वाति । विशाखा-द्विदैव, द्वीश, राघा, विशाखा, राकाग्नि। ४४. अनुराधा - अनुराधा, मित्र, मैत्र । ४४. क्येष्ठा—इंद्र, ज्येष्ठा, श्रन, शाक । ४६. मूल-निरित, मूर, मूल, रच्न, राख्य । ४७. पूर्वाषाद — सीर, बल, पूर्वाघाट । **४८. उत्तराषा**द्- उत्तराषा**ट, विश्व**, वेरव । ४६. **अमिक्ति--** श्रभिक्ति, विधि। ५०. भवया-- वर्ष, गोविन्द, भवगा, हरि । धनिष्ठा-धनवती षांनष्ठा. निधान, भृति, वसु, वसुदेवता, वासव, भविष्ठा ।

४२. शतभिषा—ग्रंडुप, बलवि, बलव, तोयप, बद्दण, शतभिषा, सप्ततारक। पूर्वाभाद्रपदा-- अवचरण, पूर्वा-भाद्रपदा, प्रोष्ठपदा । ४४. चत्रराभाद्रपदा—ग्रहिर्वुध्न, उत्तरा-भाद्रपदा, प्रोष्ठपदा । ४४. रेवती—श्रन्य, श्रन्त्यम, पूषा, पौध्य, ४६. राशि-म, मुहूर्त, राशि, स्नान । राशियों का उदय-लगन, लग्न। राशिपति--राशिपति, राशीश्वर । ४८. मुख्य १२ राशियाँ—कन्या, कर्क, कुंभ, दुला, धनु, मकर, मिशुन, मीन, मेष, पृश्चिक वृष, सिंह। ४६. **सेष**—श्रव. मेष । ६०. **वृष-**--बृष, **वृ**षम् । ६१. मिथुन—मिथुन, युग्म। ६२. कर्क- कर्ष, कर्षट । ६३. सिंह--मृगेंद्र, सिंह। ६४. कन्या--कन्यका, कन्या, कुमारी, स्ता । ६४. तुला--दल, दुला, तौल, युक्। ५**६. वृश्चिक--म्रांत, वृश्चिक**। ६७. धनु-कोटंड, चाप, धनु। ६८. मकर-नक, मकर। ६६. **कुंम**—कुंम, घट। ७०. मीन---भख, मत्त्य, मोन । ध्रव--श्रवसप्रह, श्रीतानपादि, भुव, निश्चक, रिवरबढ़। ७२. पुच्छक तारा - केंद्र, काडू, धूमकेंद्र, धूमकेत, पुन्कलतारा।

७२. सप्तर्षि ('शतपय' के अनुसार)— अत्रि, ६२वए, गौतम, भरद्राक, यमदग्नि, विश्वष्ठ, विश्वामित्र ।

७४. सप्तर्षि (महाभारत के अनुसार)— ग्रंगिरा, श्रांत्र, ऋद्व, पुलस्त्य, पुलइ, मरोचि, विविष्ठ।

७४. विशा—श्रभ्तं, श्राष्ठा, श्रासा, श्रोर, ककुम, कुकमा, काष्ठा, खड, गो, तरफ, दिक्, दिश्, दिशा, दिस, दिसा, सिम्त, इरित।

७६. १० दिशाएँ-मग्निकोग, ईशानकोग, उत्तर, ऊपर, दिच्या, नीचे, नैऋत्यकोग, पश्चिम, पूर्व, वायुकोग्र।

७७. दिक्पाल—दिक्पाल, दिग्पति, दिगाचिप, दिगेश, दिशाचिप, दिशाघीश, दिशीश।

७८. १० दिग्पाल—श्रांग्न, इद्र, ईश, कुबेर, नैर्श्यन, ब्रह्मा, यम, वरुण, वायु, शेष।

७६. ४ दिशाएँ — उत्तर, दिच्या, पश्चिम, पूर्य ।

८०. उत्तर—उत्तर, उदक, उदोबी, तिय-दिश्, शुपाल ।

म**१. दिश्वया**—ग्रवाची, **बन्**व, दक्खिन, **दिख्य,** दक्षिणाशा, दिख्न, दखन, दिखन, दक्ष्यिन ।

दर. पश्चिम--चरम, दग्वा, पच्छम, पच्छिम, पच्छिम, पच्छूँ, पश्चात्, पश्चिम, पश्चिमा, प्रतीची, मग्रदि । दर्वे, पश्च--विशिक्षा, पदव, परव, पर्वे,

दरे. पूरब—दिग्याका, पुरव, पूरव, पूर्व, पूर्व, पूर्व, पूर्व, पूर्व, प्राची, मशरिक।

यथे. ४ दिगांतर—प्रान्तकोख, रंशानकोख, नैकानकोख, वायुकोख । प्तप्त. नीचे-प्रथा, तर, तरे, तल, तले, निम्न, नीचे।

८६. ऊपर--उछित, उच्च, उतंग. उदम्र, उन्नत, उपरि, ऊँच, ऊँचा, ऊपर, ऊर्घ्य, तुंग, प्राष्ट्र।

८७. दिमाज-दिकस्तंभ दिगाज, दिशि-कुक्षर।

ममः म दिग्गाज—श्रंबन, ऐरावत, कुमुद, पुरुदरीक, पुष्पदंत, वामन, सार्वभौम, सुप्रतोक।

८६. दिगांतर—को<mark>ख, कोन, कोना,</mark> टिक्कोण।

६०. पृथ्वी-श्रचलकिला, श्रचला, श्रादित, भद्रिकीला, भनंता, भवनि, भवनी, भसुर, त्रहि, भादिमा, भाया, इदा, इहिका, इरा, इला, इलिका, उदिचवस्त्रा, उरा, उर्बरा, डॉम, डर्बी, श्री, कच्च, **का**रयपी, कीदाकाता, कु, कुमिनी, कुम्मिनी, कूर्म, केलि, चमा, चा, चिति, चोशि, चोशी, द्यौंबि, द्यौयो, दमा, खडिनी, खगबतो, खल, गहरा, गात, गो, गोत्रा, गौरिला, चतुरत, चरता, चला, बगता, बगतीतल, बगह्रहा, बगद्योनि, ज्या, तविषी, तुंगो, तायनीती, थिरा, दरदरी, **देवयव**नी, घरांचा, घरखो, घरती, घरनि, घरनी, बरा, बरातल, बरित्री, बात्री, बारखां, **धारयित्री, धारिखी, धिषख, पर्वताधा**र, पिरबी, पुदुबी, पूचा, पृथवी, पृथिमी, पूर्विकी, पृथी, प्रथमी, प्रथी, क्ला, बोबस्, भद्रा, भरतरी, मबत्, सुई, मुबनकोश, मुवि, भूँ, भू, म्तवात्री, भूतल, भूमंडल, क्म, भूमि, भमी, भूवक, भूरिक, भूरिक, भूकि, भोम, भोमी, मधुबा, मर्त्यलोक, महि,
मही, महीतल, महीमहि, मिट्टी, मेदिनी,
यला, रखमंडा, रतनागरभ, रतनगर्भा,
रसा, रेखुका, ल, लोकघारिखी, बसनार्यावा, वसुंघरा, वसुघा, बसुधान, वसुमती,
विपुला, विश्वंभरा, विश्वगधा, विश्वघारिखी, वोजस्, व्योमस्थली, सथर,
समुद्रनेमि, समुद्रवसना, समुद्राबरा, समुद्रावरख, सर्वसहा, सागरघरा, सगरिनेमि,
सागरमेखल, साधुमती, सारंग, सितवराहपत्नी, सुगिषमाता, सुधा, सोलाली, स्थाया,
स्थिरा, हरिप्रिया, हेमा।

६१. महाद्वीप—वरंश्रानम ।

इतेप-श्रतरीप, जज़ीरा, टापू, रेता, रेती।
 सन्दीप -कुश, कौंच, जबू, पुष्कर,
 सच, शाक, शाल्मिल।

६४. द्वीप समूह—द्वीपपु ज, द्वीपमाला । ६४. यल दमरूमध्य—खाकनाय, यल-महरूमध्य ।

६२. मिट्टो—प्रशस्ता, महो, माटो, मिट्टी, मृत्, मृत्तिका, मृत्सा।

६७. धू िल — लेह, गर्द, धूर, घू िल, धूसर, धूसरी, पाँस, पाँशु, पिंबल, रज, रेग्रु, बातकेतु, वातक्वज, सचरा।

र्दः बाल् —पानःयविधिका, प्रवाहो, प्रवाहो-त्थाः, बारू, बालिका, बालुका, बालु, महाश्लद्धा, रेसा, नेत, रेतबा, शिलाक्या, शीतला, शिकता, सिका, स्दा।

१६. रेगिस्तान — बालकायुत, मब्बल, मब्बल, मब्बल, मब्बल, रेगिस्तान, रेता, शर्करा, शर्करावती, शर्करिल, शार्कर।
१००, कस्मर—श्रुवंश, जपर, असर, वन्ध्याभूमि, श्रस्यद्यीना।

१०१. **डपजाऊ भूमि—जरखेब**, उपबाऊ, उर्वरा, उबरी, शस्याद्या । १०२. खेत—कियार, केदार, कोला, जेत्र, चक, निष्कुट, पाटोर, भूमि, रा**बिका**,

बप्र, वलज, वाप।. दो खेतों के बीच की ऊँची मूमि— खॉवा, डॉइ, डॉइा, मेइ, मेद।

१०३. संसार—श्रालम, ख़लक, खिलकत, चराचर, जग, जगत, जगती, जहान, दुनिया, दुनी, नरलोक, पृथ्वीतल, प्रपंख, प्रभव, भव, भुव, भुवन, ब्रह्माड, भूलोक, भी, मर्त्यलोक, महीतल, मुल्क, भृत्युलोक, लोक, विष्टप, विश्व, संसार, तंसृति। दे० 'सष्टि'।

१०४. **देश** — ख़िचा, देस, महो, मु**डुक,** मुल्क, राज्य, राष्ट्र।

१०**४. विदेश—ग्र**न्यदे**श, देशातर, देशा-**वर, देशवर, परदेश, पूरु**व, विदेश,** विलायत ।

१०६. प्रदेश-खंड, पद, प्रदेश, प्राप्त, सूबा, हाता ।

१०७. राष्ट्र — उपनर्तन, वनपद, नीवृत, राज्य, गष्ट्र, विषय ।

१०८. भारसवर्ष — म्रार्यभूमि, म्रार्थावर्त, पुरयभूमि, भरतखंड, भारत, भारतवर्ष, सिंधुदेश, हिन्द, हिन्दुस्तान, हिन्दुभ्यान, हिन्दास्ताँ।

१०६. म्लेज्झदेश-श्रनार्यभूमि, पतितभूमि, प्रत्यत, म्लेज्झदेश, म्लेञ्झवास ।
११०. सप्तपुर-श्रवंतिका, अवोध्या,
काँची, काशी, हारिका, मधुरा, हरिहार।
१११. अयोध्या-स्रकोष्या, अववपुरी,

कोशलपुर, कोशलपुरो, रामचन्मस्थली, साकेत, सेतिका।

११२. कांजी -कॉचीपुरी, काची, काबी-वरम्।

११३. काशी—कासी, काशीपुरी, बनारस, बारागासी, विश्वनाथनगरी, विश्वनाथपुरी, शिवपुरी।

११४. द्वारका—दुग्ररिका, द्वारवती, द्वारा-वती, द्वारकानगर, द्वारिका, द्वारिकाधीश-पुरी, द्वारिकापुरी।

११४. मथुरा--कंधनगरी, कंसपुर, कस-पुरी, कृष्ण नगरी, मथुरापुरी, मधुपुर, मधुपुरी, मधुरा।

११६. प्रथाग — ऋलाहाबाद, इलाहाबाद, इलाहाबाद, वीर्थराज, परयाग, संगम।

११७. त्रिवेखी—तिरवेनी, त्रिवेखी, बेनी, संगम।

११८. पटना—कुसुमपुर, पहन नगर, पाटालिपुत्र, पाटलोपुत्र।

११६. जगन्नाथपुरी-जनरनाथजो, जग नाथपुरी, पुरी।

१२०. रामेश्बर-रामसेद्व, रामेसुर, श्वेत बधरामेश्बर, सेद्वबध रामेश्बर।

१२१. उडजैन --- श्रवंतिका, श्रवतिपुरा, श्रवतिपुरा, श्रवती, उड्जैना ।

१२२ दिल्की — इंद्रप्रस्थ, डिल्ली, डेलही, देखही, देखली, इस्तिनापुर।

१२३. **कमच्छा** — कामाची, कामाच्या, कामाक्या।

१२४. कामरूप —कमक, कामरूपा, काम रूप ।

१२४. **करमीर—करवपदेश,** करवपमेब, करमीर, कारमीर । १२६ **लंका**—ताम्रदेश, राव**खपुरी, ताम्न-**वर्गा, लंक, लंकपुरी, सिंहल, सिंहलद्वीप, सीलोन।

१२७. श्रफ्तगानिस्तान-कम्बोब, गघार, गाधारदेश।

१२८. तिरहुत-जनकदेश, वोरमुक, मिथला।

१२६. रहने की जगह—श्रविवास, श्रविग्ठान, श्रवास, श्रवास, श्रावास, उदास,
केन्द्र, ठिकाना, निवास, निवासस्थान,
वसनोवास, मदिर, मदिल, मकान, मठ,
वात । दे० 'घर'।

१३०. पड़ाव - श्रद्धा, श्रद्धान, श्रिष्ठान, श्रद्धा, श्रायतन, श्राभम, कयाम, बहां, चौकी, छावना, जनवास, टिकान, टिकाब, ठहराव, टाहर, टिकाना, डेरा, थली, याना, यिति, पड़ाव, मांतल, मजल, मडप।

१३१ डेरा--सेमा, छावनी, हेरा, तंबू, नितेश, शामियाना, शिविर।

१३२. **आवनी—खधार, छावनी, डेरा,** लशकर, धिवर, सिविर, मेनावाट, स्क्रषावार

१३३. पाम - ले**डा**, गॅबर्ड, गॉंब, ग्राम, ंदेहात, पुरवा, पुरा, बस्तो, मौज़ा ।

१३४. बस्ती — बसगित, बसोबत, बसोबत, बस्ती।

१३४. नगर—कटक, कतवा, नगर. नगरी, निगम, पटभेनन, पह, पहन, पत्तन, पुर, पुरि, पुरो, शहर, सहर।

१३६. बाजार--वतुष्तव, दरीवा, निवम, पदय. पर्यनोधिका, पद्मप्रीव, बह्मर, मंडी, मारकेट, विपिष, श्रंगाटक, सही, इ.इ., हाट ।

१३७. **महल्ला**—कृचा, टोला, टोली, पाड़ा, पाढ़ा, पुर, पूरा, पुरवा, महल्ला, महल्ला,

१३८. दूकान-कोटी, गोदाम, गोला, दूकान, पर्यय, पर्ययभूमि, पर्ययशाला, परिवका, पेंठ, पेंठौर, विक्रयशाला, हृद्द, हृद्द । १३६. शहरपनाह-कोट, नगरकोटा, परकोटा, प्रकोटा, प्रकाटा, प्रकोटा, प्रकाटा, प्रकोटा, प्रकोटा, प्रकोटा, प्रकोटा, प्रकोटा, प्रकाटा, प्रकोटा, प्रकाटा, प्रका

१४०. घर—श्रमा, श्रयन, श्रागार, श्रायतन, श्राराम, श्रालय, श्रावास, श्राभय,
श्राभपद, श्रास्पद, इमारत, विश्रपद,
श्रोक, कल, केतन, ख्य, खाना,
ग्रोब-खाना, गृह, गेह, ग्रह, घरौँदा,
घरौँघी, डेरा, दौलतखाना, धाम, निकेत,
निकेतन, निघरन, निवेश, निःशांत,
निलय, निवसन, निवास, निवासस्थान,
परिघ, परिवास, पुर, बरपरी, भवन, भौन,
मंदिर, मकान, मुकाम, मबाम, महल,
वर्म, कस्य, वाक्य, वास, वास्तु, वेशम,
शरख, श्ररन, शर्म, शाला, शिविर,
संस्थान, स्त्र, सदन, स्य, सौघ, स्थान,
हरम्य, हर्म्य।

१४१. पक्का या आलीशान मकान— आगार, इमारत, कोठी, बँगला, बिल्डिंग, मबन, महल, हवेली।

१४२. कुटिया—उटब, कटाह, कुंब, कुटिया, कुटी, कुटीर, गहर, बतुगृह, कोंपड़ा, कोंपड़ी, पर्याकुटी, पर्याशाला, पल्लो, मद्दी, महुई, मुनियास, मेडिया, राज्या, संघ ।

१४३. साचागृह — सवावर, साचागृह । १४४. हाता — बहाता, वेरा, चहारदिवासी, चारदीवारी, कुरदिवासी, परिमंडस, परिवर्त ।

१४४. खांगन—श्रंगख, श्रॅंगना, श्रंगनाई, श्रंगनैया, श्रंगसा, श्रंबर, श्रांगन, गृहागर्ण, चतुःशाल, चत्वर, चौक, चौगान, चौसार, प्रांगख, गगर, वासर, संबदन, सहन।

१४६. कोठा—श्रटा, श्रटारी, श्रष्टालिका, कोठा, छत, सौध, इर्म्य ।

१४७. दालान—श्रक्तिंद, श्रोटा, श्रो<mark>कारा,</mark> चौपाल, प्रकोष्ठक, प्रथण, प्रथाय, वरा-मदा।

१४८. कमरा--कच, कोठरी, घर।

१४**६. शयनागार—ग्रा**राम**कार, रायन-**गृह, शयनागार, शयनालय, शयनावार, स्वप्नगृह।

१४०. श्वरिष्ट (प्रसंचयर)—श्वरिष्ट, जन्त्राखाना, बननावास, बाया, प्रस्वगृह, यस्तकगृह, स्तकगृह, स्तकगृह, स्तिकागृह, स्तकगृह, स्तकगृह, स्तिकागार, स्तिकागृह, सोवह, सौरी। १४१. स्नानागार—गुसलकाना, गुसलकाना, गुसलकाना, गुसलकाना, स्नानगृह, स्नानशाला, स्नानगार, हमाम, हम्माम। १४२. पाखाना—कदमँचा, खुनी, बावह-सर, टही, पाखाना, बाहर, वपुलिस, संवास, हगनउर, हगमहरी, हगनइही, हगनेरी। १४३. सार्वजनिक पाखाना—वपुलिस, वमपुलिस।

१४४. बैठका (बैठने का स्थान)— श्रथाई, श्रास्थान, चौपास, चौनासा, बैठक, बैठका। १४४. चबूतरा-चःवर, चबूतरा, चौतरा, चौपहस्र । १४६. द्वार के भागे का चौतरा -- ग्रगास, श्रथाई, श्रक्तिद । १४७. सीदी-श्रविरोहियी, श्रारोह, श्रारो-इख, ज़ीना, तागड़, नसीनी, नसेनी, त्रिश्रेषी, निसेनिका, निसेनी, निसैनो, सिंब्दी, वीदी, सोपान। १४८. वीबाल-कुड्यम, दिवार, दिवाल, देवाल, भिन्ति, भीत, भीती। १४६. क्रेद-अगाघ, ख्रिट्र, दरव, दराज, दरार, रंध्र, तुराक्र, स्राक्र । १६०. ताक-श्राला, ताला। १६१. मवैशो खाना-कॉॅंबोघर, कॉंबी-हाउस । १६२. दरवाजा (घर का)--गृहदार, गृहावगृह्यो, ड्योढ़ी, दरवाज़ा, दुश्रार, देहरी, देहली, द्वार, पहरा, पौर, सिंहणौर । १६३. ड्योदी--डेइरी, ड्योदी, दरवाज़ा, देहरी, देहली, पॅबरि, पौरी, देहरी, देहली। १६४. गुप्तद्वार-गुप्तद्वार, पद्धक, पद्ध-द्वार, पार्श्वद्वार, बगलीद्वार । १६५. किवाद--ग्ररर, क्पाट, क्विडो, किवार, केवाड़, केवाड़ा, केवाड़ी, दरवाजा, बार, पट, पट, परला, पाटक । १६६. खिबको -- अतरद्वार, खिरकी, गवाञ्च, गवाल, गौजा, जँगता, जालमार्ग, बाह्यरंत्र, मंभरो, भरोबा, दरोचा, वस्क, प्रच्यक, बारी, बातायन । १६७. स मा -सम, समा, स्तम, स्त्रा १६८ बाजन-बारत, सारेस, सपरेस, क्य, क्ष्यर, बारन, यटन, पतानी, पाटन ।

१६६. गोल ऊँषी छत-गुनव, गुंबद । १७०. फर्श-गच, पक्का, पत्नस्तर, प्ला-स्टर। १७१. राजमहत्म—उपकारिका, उपकार्य, किला, कोट, नन्धवर्त, निष्कुट, प्रासाद, महल, राजप्रासाद, राजमबन, राजमंदिर, राजमहल, राजसदन, सर्वतोमद्र, सौघ, स्वस्तिक, इवेली। १७२. क्रिला--श्रगम, क्रिला, कोट, गढ़, दुर्ग, दुर्गम्, विद्ध, सौंघ, शिविर। १७३. बुर्जे-श्रयाल, घग्हरा, घौरहर, घौराहर, बुर्न, भोनार। १७४. दरबार--मास्यान, इनहरी, दर-बार, राजमङ्लो, राजसभा, राजसमाज । १७४. एकांत मंत्रणास्थान-एकांतगृह, खिलवतलाना, गुदा, गुप्तगृह, गोशा, मत्रयालय, मंत्रयागृह। १७६. मिहासन—तक्त, **विहासन** । १७७. ऋत:पुर--श्चतेउर, श्चंतेवर, श्चंदर, श्रवरोध, श्रवरोधन, बनानसाना, बनाना, भोगपुर, महल, रनवास, रनिवास, शुद्धांत, स्त्रियागार, इरमखाना । १७८. रंग भवन-की इालय, को इावास, गर्भाग्गर, रगभवन, रंगमहत्त, रतिमवन, रतिम[ि]दर, बामगृह, विसा**तस्थल** । १७६. रूठ कर रहने का स्वान-केप-गृह, मानगृह, मानमंहिर। १८०. नृत्वशासा -नावधर, नावमहत्त, नृत्यशाला, महकिल । संबाता-कोशागर, संबाना, धनागार, भडार, भंडारा, भाडार। १८२. कारागार-कारागार, कारावास, क्रेंदलाना, वेस, वेसलाना, जेहल, जेहलखाना, बंदसाल, बंधन, बंदी-खाना, बंदीगृह, यातनागृह, हबस, हन्स, हवालात।

१८३. हिरासत—कारा, कारावास, क्रेंद, नज्रबंद, बद, बंधन, इब्स, हिरासत, हेरासर्त।

१८४. थाना - कातवाली, चौकी।

१८४. **शकागार**—श्रस्त्रशाला, श्रस्नागार, शस्त्रशाला, शस्त्रागार, सिल**इ**लाना, इथियारखाना।

१८६. नाट्यशाला—श्रभिनयस्थल, थिये-टर, नाट्यस्थल, नाचघर, नाटकभूमि, नाटकशाला, नाट्यमंदिर, नाट्यशाला, रंगचेत्र, रंगगृह, रगभूमि, रंगशाला, रंगस्थल, रगालय।

१८७. हाथीस्ताना—गजशाला, गयशाला, पीलखाना, फीलखाना, हथिसाल, इस्ति-शाला, हाथीखाना।

१८८. श्रस्तबल-ग्रह्वशाला, ग्रस्तबल, बुदसार, बुद्साल, घोदशाला, तबेला, वाविशाला, मंदुरा, हयशाला ।

१८८. कोट — ग्रावर्तक, कोट, घेरा, परिघ, पुरसोम, प्रकारक, प्राचीर, वेष्टक, सालि। १८०. चहारदीचारी — ग्रहाता, चहार-दीवारी, प्राकार, प्राचीर।

१६१. घेरा-- ब्रहाता, घेरा, बाडा, हाता । १६२. खांई-- खाई, खेय, परिखा। १६३. जानवरों के रहने का न्थान--ब्रह्म, ब्रहाइ, ब्रहान, खरिक, गोंडा, यान, बाडा, पशुशाला, पिंजरापोल, मवेशीखाना।

१६४. ऑब--इदर, गहर, खुर, छेद,

नाकु, बल्मीक, बाँबी, बामसूर, विस, मान, विवर। १६४. घोंससा—खोंता, घोंसला, नीड,

१६६. हाथियों के फंसाने का गढहा---श्रवपात, खांडा, माला।

१६७. पौंमला—जनसञ्च, पनसना, पन-साल, पानीयशाला, पानीयशालिका, पौसरा, पौसला, पौसार, प्रया, प्यास, प्रपा।

१६८. भोजनालय—श्रमचेत्र, चौका, पाकगृह, पाकशाला, पाकस्थली, बाबरची, खाना, भंडार, भोजनालय, महानस, रसवतीसदन, रसोह्याँ, रसोईं, रसोई, रसोईघर, रेस्ट्राँ, स्पगृह, होटल।

१६६. स्कूल— गुरुकुल, चटशाला, घटलार, चटो, पाठशाला, पाठालब, मकतब, मद-रसा, विद्यामंदिर, विद्यालय, शिकालय, स्कूल। दे॰ 'पाठशाला।'

२००. **छात्रावास — छात्रालय, हात्राबारः**, बोर्डिंगहाउस, हास्टल ।

२०१. खेल का मैदान—क्रीकाश्यक, फिल्ड, फील्ड, मैदान।

२०२. श्र**काढ़ा -— श्र**चावट, **श्रकाड़ा,** महलभूमि, महलग्राला, रंग**भूमि,** रंगालय |

२०४. **आश्रम — ग्रा**यतन, न्नाश्रम, छावनी, ठाहर, डेरा, मजिल, मंडप, मरहला ।

२०६. घर्मशाला-- श्रावास, चेत्र, बना-बास, घर्मचेत्र, घर्मशाला, पाथनिवास, पांथशाला, मठ, ग्रुसफिरखाना, सराय।

२०७. व्यभिचारिणी सियों का ऋड्डा---चकला, सराय, सिंगारहाट।

२०८. सुरात्तय — म्रावकारी, कलवरिया, गणा, तादीखाना, पानागार, मद्यशाला, शरावखाना, हौली।

२०६. जहाँ बहुत से लोग बैठते हैं— भगई, चौपाल, बैठक।

२१०. मुसाफिरस्वाना — प्रतीचालय, प्रतीचालय,

२११. पुस्तकालय-कृतुबद्धाना, राय-बरेली, लाइबरेरी, वाचनालय ।

२१२. चिडिया खाना- जू।

२१३. श्रजायबस्ताना — श्रजायबधर, श्रद्भुत-वस्तुसप्रहालय ।

२१४. शिल्पशाला — ऋषियन, शिल्पि-शाला ।

२१४. अन्तरासा— अमार, कोष, खता, सची, सौ, गाड, घान्याशय, बसार, भडतार, भंडतास, भडार, भडारगृह, भंडारषर, मान्याशद, मोदीसाना ।

२१६. **मासगोदाम**—कोठा, गोडाउन, नोदाम, माससाना ।

२१० जलाहा- जनगर, जलाहा, करतगृह, करतत, स्थान, ग्यायामशाला । २१८ जुजासाना-जुजागृह, शृतगृह, कटकालवय, कहा २१६. वह स्थान जहाँ कोई जलसा हो— पडाल, रंगभूमि, समागृह । २२०. बरात के ठहरने का स्थान—

२२०. बरात के ठहरने का ग्यान— बनवास, बनवासा।

२२१. विवाह का मंडप — मडप, मंदवा, मड्वा, माडा, माँड्यो, माँड्व, माँडा, माँडो, माँदा।

२२२. रणभूमि—चेत्र, खेत, मैदान,
युद्धचेत्र, युद्धभूमि, युद्धस्थल, युद्धस्थान,
रंगचेत्र, रगभूमि, रण्रग, रणस्थल,
रणरेकत, नीरभूमि, सगर भूमि, संप्रामचेत्र,
सप्रामभूमि, संबक्षा, समरभृमि, समरांगणः
२२३. पंचायत भवन—श्रलाहा, पंचायत भवन, पचायती जगइ, परिण्द्, बैठक,
बैठका, वास, समामवन, समाणमवन,
सालसी।

२२४. श्रदालत — श्रदालत, इजलास, कजहरो, दडालय, दरगाह, कोर्ट, धर्मसभा, धर्माधिकरण, न्यायभवन, न्याय सभा, न्यायालय, राजहार, सरिश्ता।

२२४. वधस्थान--ग्राचात, कमेला, कसाई-साना, क्लावसाना, क्वइसाना, वघशासा, व्यक्साना

२२६. निर्जनस्थान-बालोक, उबाइ,उबार, एकात, खिलबतखाना, गोशा, निब्रन्डा, निभृत, निराला, निर्बन, नीबन ।

२२७. एकान्त स्थान—इक्सी, इकत, इकात, एकत, एकात, विजन, रहस, रहांस, शून्य, शून्यस्थान, बोफता।

२२=. सरघरं--- श्रवशय्या, करवीर, जिता, बाइसर, पितृवन, प्रेतगृह, प्रेतगेह, प्रेतवन, मरघट, मरहट, मशान, मसान, मुरद- चट्टा, मृतकस्थान, शमशान, शवशयन, बद्राक्रोड, शातनक, श्मशान, स्मशान। २२६. मकबरा—मक्नरा, मजार, रौजा, समाधि।

२३०. कब --कब्र, मबार।

२३१. कब्रिस्तान — क्बरिस्तान, क्ब्रि-स्तान।

२३२. **छहिराना (छहीरों का** गाँव)— ब्रहिराना, श्रामीरपल्ली, घोष।

२३३. चमरौटी (चमारों का गाँव)— चमटोली, चमरटोलिया, चमरटोली, चमरौटिया, चमरौटी।

२३४. तेलह्झ (तेल-बाजार) --- तेलह्झ वेलियाना।

२३४. म**छरह्टा (मछली का बाजार)**— मछरटाला, मछरह्टा ।

२३६. बजाजा (कपड़े का बाजार)— चैलइटा, बजाबा।

२३७. सानारों का बाजार — वर्गफा। २३८. ठठेरी बाजार — ठठेरा, ठठेरी बाजार।

२३६. भोलों का गाँव-नक्ष, शबरा-स्वय।

रश्वः सड्क — घटापथ, प्रतोलो, मार्गः, रध्या, राजपथ, राजमार्गः, रोड, ससरणः। रश्वः, रास्ता —वार, खोरि, गलो, श्रध्या, श्रथः, एकपदो, गमन, गैल, ख्रवर, ढगर, ढगरा, दर्गः, पदवी, पद्धित, पद्या, पंथा, पंथान, पव, पथि, पाथ, पेंड, पेंडा, बट, बाट, बोधी, मग, मारग, मार्गः, रथ्या, रास्ता, राह, बर्तनि, वर्त्मं, संवरणः, सर्वा, सृति ।

२४२. सुर्पंथ--श्रतिष्वति, श्रतिपन्य, रम्य-

पथ, विशिष्टमार्ग, सन्मार्ग, सत्यथ, शुपन्थ।
२४३. कठिन मार्ग — अटपट रास्ता, अवय,
ऊवट, कटकाकोर्यमार्ग, कठिनमार्ग,
कांतार, कापथ, क्रिष्टपथ, कुपथ, कुमार्ग,
कुराह, दुर्गमपथ, दुष्पथ, विकटमार्ग, विपथ।
२४४. इवर (पतसी सदक)— कोर,
स्वारी, इवर, पगडंडी।

२४४. गली —क्चा, कोली, खोर, खोरे, गली, गैल, त्रौलिका, प्रतोली, लचुपि, विशिखा, वीधिका, बीधी, एकिमार्ग। २४३. चौराहा—चौक, चौमुहानी, चौरस्ता, चौराहा, चौहटा, चतुष्पभ, श्रंगाटक। २४७. पत्थर—अरम, उपल, गुद, प्राम, चटान, द्वत्, पखान, पत्थर, पाथर, पाषाय, पाइन, प्रस्तर, भार, शिला, किल, निला।

२४-. पहाड़ —श्रग, श्रचल, श्राहे, श्रहारं, कदराकर, कटकां, कोलक, कुट, कुड़ार, कुघर, क्ट, कोह, चमामृत्, गिरि, गोष, श्राव, श्रावा, जोमृत, तुंग, दरीमृत, धर, घरणी, घराघर, धातुमृत, नग, नाड़, पयोघर, पर्वत, पहाड़, पहाड़ो, पृशुशेखर, भूघर, भूध, भूमृत, भूमिघर, महीधर, महीध, महीभृत, मेठ, रखत, हज्ज्वान, शिखरो, शिलाच्चय, शैल, शैतेय, शंगो, स्थावर, स्थिर, हरि।

२४६. शिखर — क्रूट, चोटो, मेर, शिखर, शेखर, श्टंग, सुमेर, चहान, शिक्षा, शैख, सिक्ष।

२४०. कंदरा—कदरा, क्रहर, खोद, गर्च, गहर, गुका, गुहा, दरो, देवसाना, विस, मॉद, विवर ।

बहान-धिला, शैल, दिल ।

२४१. गुफा—कदरा, खोइ, गर्च, गइवर, गइर, गार, गुफा, गुइा, दर, दरी, देव-खात, पाताल, विवर, विल, माँद, विवर। २४२. दरी—घाटी, दरी। दरी, द्रोकि, सकट। २४३. घाटी—घाटी, दरी, द्रोकि, सकट। २४४. तराई—तटी, नरी, तरेटा, शैलतटी। २४४. हिमालय —श्रद्विपति, गिरिराज, गिरीद्र, गिरीश, नगपति, नगेंद्र, नगेश, पर्वतराज, पर्वतेश्वर, प्रालेयाद्वि, शैलद्र, हिमप्तद, हिमप्ता, हिमशेल, हिमाचल, हिमाद्र, हिमेश। २४६. त्रिकृट (पर्वत)—चित्रकृट, चिक कृट, त्रिकृट, त्रिश्ट ग, सुवल। २४० विध्याचल—विध्यप्वत, विन्हा-चल।

रप्रदः सुमेर पर्वन—सुमेर, सुमेर, सुर-गिरि, सुरिनलय, सुरालय, स्वर्णागिरि। २४६. ऋरावली (पहाड़)—ऋरवली ऋबुदे।

२६०. गोवर्धन—गिरिराब, गिरीश । २६१. केलाश पहाड़-केलाम, गिरीस, हिमवान।

२६२. पानी--श्रध, श्रवु, श्रम, श्रद्धर, श्रवित, श्रधंगति, श्रज, श्रप, श्रमृत, श्रर विंद, श्रविदानि, श्रर्ण, श्राहे, श्र.पुष, हंदु, हरा, हंम्, उट, ऊर्ज, श्रदत, श्रोब, क, कत्रथ, कमल, काड, कीलाल, कुश, कश, खश, खश, खश, जह, जल, ग्रभीर, ब्राह्म, घृत, खश, जह, जल, व्याप, व्राप्त, व्याप, तोप, तामर, तोप, त्राप्त, व्याप, त्राप्त, व्याप, व्याप,

महत, मधु, मेनपुष्प, यश, यादु, योनि, रिथ, रस, रेत, वन, वा, वाज, वारि, विष, वुम, व्योस, शुभ, सत, सतीन, सत्य, सटन, मखींक, सर्व, सर, सल, सिलल, सवर, सह, सुदोन, सुख, सुरा, सोम, स्रोत।

२६३. बूँद्--ग्रंबुक्ण, कण, बलकण, बलिदु, पृपत, फुहार, फुही, बिंदु, बुद, शोकर, संकर।

२६४ समुद्र-- अव्धि, अवुनिधि, अंबुप, त्रवुपति, स्रवु*न्*त, स्रवुरागि, स्रमनिधि, त्रमोनिधि, श्रमोराशि, श्रयह, श्रब्दि, श्ररण्व, श्रग्वंव, श्रवधिमान, इन्दुजनक, उद्धि, अर्मिमालां, कुरार, इंगर्धि, बीर-ानभि, ज्ञीराब्धि, गगाघर, जल<mark>घर, जलांघ,</mark> जज़िनिधि, जलराशि, जलेश, लिमि, तिमि-कोश, तो॰र, तोयधि, तोयनिधि, तोयप, डरिया, दरियाव, दास्द, धेन, नदराज, नदाकात, नदाश, निधि, नीरधि, पय**धि,** पयनिधि, पराध, परातिधि, परासव, पास, पायनिधि. पायोधर पायोधि पाथोनिधि, पारावार, पूरण, बहर, प्रभाकर, भितद्र, मकरालय, महाजल, महाश्वय, महं प्राचीर, महीप्रावर, महोदचि, मिनद्रु, रत्नगर्भ, रत्ननिष्व. रतनाकर, रत्नाकर, व**दखा तय,** वारानि बे, बारिप, वारिराश, बारीन्द्र, वाहिन गते, वीनिमाला, शैनशिविरनित्य, सरित्यति, संरिपति, समुन्दर, सलिलपति, मागर, सापर, सारग, सिघु, मुणानिषि, स्रोतप'त ।

२६४, ७ सिंधु — ईस्त्रः, स्रोरोद, घृतोद, ंदःयुद, लवस्रोद, सुरोद, स्वादूद । २६४, महासागर —वहरेश्रावत । २६६. समुद्रफेन-जाप्य, ज्ञाम्बय, फेन । २६७. समुद्र मर्याद्-ज्ञविष, बेला, मर्याद, सीमा।

२६८. स्वाडी—श्राखात, खलीज। २६८. जलडमरुमध्य—श्राबनाय। २७०. श्रतरीप—रास।

२७१. नदी—श्रधमा, श्रपमा, श्रापमा, श्रावित्तनी, कल्लोलिनी, गिरिनन्दनी, धेन, जलाम्लिनी, जलाशय, तटनी, तटिनी, तरगवती, तरगिणी, तलोदा, दिया, दियाव, नगपुत्री, नद, निद्या, नय, निल्नी, निम्नमा, पयस्विनी, पुरी, रन्तु. शूषिश, शैविलिनी, शैवालिनी, सिंधु, समुद्रकाता, समुद्रामा, समुद्रपिता, समुद्रपत्नि, समुद्रार्थ, समुद्रायण सरि, सरित, सारता, स्रोत, स्रोतस्वती, स्रोता-स्विनी, स्रोतोवह, स्रोतोवहा।

२७२. नाला-- नारा, बंबा।

२७३. मरना—उत्स, चसमा, जलमाला, मर, भरना, घारा, निर्भर, नीभर, प्रताप, प्रस्ववण, बन्ना, सेल, सोत, सोता, सोतिया, सोती।

२७४. बहता हुन्ना जल-प्रवाह, प्रवाहित, प्रवाही।

२७४. बहाव—श्रिभण्यद, जलधारा, बल-गति, बलप्रवाह।

२७६. जल का फैलाव--जलचादर, भोंका।

२७७. घाराः—प्रवाह, शिरा, सरिता, स्रोत । २७८. सहर — उत्कलिका, उर्धि, अर्धि, अधिका, अर्धी, उल्लोल, कल्लोल, बललता, माल, तरंग, बीच, भंग, मृंगि, मौज, लहरा, लहरी, वीचि, हली, हिलकोर, हिलकोरा, हिलोर, हिलोरा।

२७६. भँवर (घूमता हुन्ना पानी)— श्रंभभ्रम, श्रावर्त्त, घई, चक्र, बलावर्त्त, भॅवर, भँवरो।

२८०. नदी की मध्य<mark>धारा--- मक्तधार,</mark> - मक्तवारा।

२८१. किनारा — श्र चल, श्राँचल, श्राँबठ, श्रींठ, कगर, कगार, करार, करारा, कूल, तट, तरौंसा, तीर, तोड़ा, पला, पाला, पार्शव, पार्श्व, पुलिन, प्रतीर, बारी, रोघ, टहाना, मुहाना।

२८२. नदी का गढ़ा—दह, दहर, पाल। २८३. नदी का फेन—गाज, जलफेन, काक, फेन, मज्जा, मॉजा।

२८४. बाढ्-श्राहला, श्राहलो, उपटा, उम्ड, चम्बल, जलप्लावन, प्लावन, बाढ्, बारो, बूडा, सलाब, सैल, सैलाब।

२८४. की च---कर्दम, कॉटव, कॉटो, कः चड़, कीचा, चेत्रज्ञा, गारा, चिकिल, खुकुल, जवाल, जलकल्क, दम, द्राप, निषद्वर, मृत्सा, शाट, साद।

२८६. दलदल—खाँच, चह्टा, चह्ना, बह्दा, घाँस।

२८७. बाँध--श्रंभसा, पूर, बँधवा, बन्ह्या, बान्ह।

२८८. पुल-ग्रांल, पुलिया, संतु । २८६. सगम (नदी का)—मिलन, समेद । २६०. गंगा—ग्रथ्यगा, श्वलकनंदा, अहु-नंदिनी, आह्रवी, त्रिप्यगा, विश्वतेसा, देवापगा, श्रुवनंदा, नदीश्वर, भगीरबी, भवायना, भागीरथी, भानुमसी, मोष्मद, भवनपावन, भूतिदा, भोगवती, महामाबा,

यशस्वनी, वस्तौकसारा, वैष्णवी, समुद्र-सुमगा, विनासिन्धु, सिद्ध वरित, सिद्धापगा, सुखदा, सुचा, सुरतरंगिग्णी, सुरधुनी, सुर-नदी, सुरनिम्नगा, सुरवाहिनी, सुरला, सुरसर, सुरसरि, सुरसरित, सुरसरी, सुर-सारी, सुरसिंधु, सरापगा, स्व सरिता, स्धर्भनी, स्वविषि, हरशेखरा, हैमवर्ता। २६१. गगाजल-गगोदक। २६२. यमुना नदी--श्चर्जजा, कलिंदजा, कलिंदी, कृष्ण, कालिदी, सुरसुता, सूर्यतनया, सूर्यपुत्री, सूर्यसुता, इससुता । २६३. सरयू नदी—श्रानंदाभुजा, घाषरा, वशिष्ठी सरजू, सरयू, मुरसरसुता। २६४. मंदाकिनी - पयस्वनी, मिकनी। २६४. सिंधनदी—श्रटक, सिंघ, सिंधु । त्रिवेग्गी--- विरवेगा, २६६ त्रिसगम, बेनी। २६७. गोदावरी नदी-गोदावरी, सुरसर, मुरसरि, सुरसरिता, सुरसरी, मुरसारी। २६⊏. कृष्णानदी-—कृष्णा । २६६. नर्बदा---नर्मदः, मेकलसुता, रेवा. सोमोद्भवा । ३००. आसी नदी—(काशी के पास मिलने वाली नदी) ऋरसी । ३०१. चणलनदी—चक्ल, चर्मरावतो। ३०२ गं**डक भरो--**गडक, गंडकी । ३०३. फल्गुनदी--ग्रन्तस्त्रिला, फल्गु । ३०४. टोस नदी--ग्रंस, तमसा । ३०४. स्रोन—स्रोन, स्रोनभद्र, स्वर्णभद्रा। ३०६. कर्मनाशा (चीसा के पास गंगा में निक्षने बाक्षी)--कमनासा। ३०७. कुकाँ - कंधु, सबट, सबत, इदारा,

हनार, इनारा, उत्स, उदपान, ऋष्यदात, कर्त्त, काट, कात्त, कारोतरात्, कुहन्नाँ, कुरोष, केवट, कृत्राँ, कृप, कृव, किवि । १०८. प्रहि—बदकुह्याँ, मृनमान, बज्ज, वापिका, वापी, सुद ।

२०६. अन्धा कुआँ—ग्रन्धक्ष। २१०. होज—श्रदरी, कुड, टाका, दह, दहर, होद।

३११. गड्ढा—श्रगाध, श्रवट, **लडु**, खत्ता, खाइ, खोइ, गढ़ा. गडणा, गडहा, गर्ते, गाइ, गार, चइवस्चा, खोलर, डबरा, दर, टार, निमान, भूरंप्र, मँदाड, मॅडार, श्वभ्र।

३१२. बावली—गड्ही, टीघिका, पुष्करखी, पोखरी, बापिका, बावडी, बौली, रन, बापिका, वापी, सरसी।

३१३ तालाब—ग्रांब्स, कासार, क्ल, जलवान, बलस्थान, जलाधार, बलाध्य, डावर, डिर्गा, तड़ाग, ताल, तालाब, दीर्षिका, दीर्घा, निमान, पद्माकर, पनिथासीन, पयोधर, पहलव, पुरवर, पुष्कर, पुष्कर, पुष्कर, पोलरा, पेमान, मडाड. सत्र, सर, सरकर, सरकर, सरसर, सरस, सरसी, सरस्वत, सरोवर, सारंग, हुद। ३१४. म्हील—मानसर, रन, सरवर, सरोवर, सागर, हुद।

ক্ৰ

१. समय-अष्टष्ट, अनिमेष, अमस, अमूर्त, अपन, अरहा, अवकार, अवसर, श्रवसेर, श्राहर, इष्ट, श्रद्ध, काल, काल-पुरुष, च्रष, घड़ी, छन, छिन, नमाना, जाम, जुग, दड, दफा, दॉ, दाई, दिन, देर, देरी, नमय, पहर, प्रसग, प्रहर, फसल, बखत, बरियाँ, बॉ, बार बिरिया, बेरा, बेला, मुहूर्त, मौका, याम, युग, रिद्ध, वक्त, वय, वरियाँ, विशिष्ट, विरियाँ, वेला, समा।

२. बीतना (समय)—कटना, गुज़रना, बाना, व्यतीत होना, समाप्त होना।

३. बिताना (समय)—काटना, कालचेप करना, कालयापन करना, गॅवाना, गुनारना, व्यतीत करना।

४. श्रच्छा समय—उच्छव, उत्सव, पुरयकाल, साइत, सायत, सुश्रवसर, सुकाल, सुघड़ी, सुपरी, सुजीग, सुदिन, सुभिच, सुयोग।

४. बुरा समय—श्रकाल, श्रनऋष, कहत, कहर, काल, कुबख़त, दुर्भिच्छ, दुर्भिच, दुष्काल, महंगी।

६. नियत से आगे या पीछे का समय -- कुषमय ।

दो घटनाओं के बोच का समय—
 श्रका, श्रवरा, श्रवर, नागा, मध्यवर्तीकाल,
 बीच ।

किसी समय भी—कदान्त्रित, कदापि,
 कभी, शायद, संभवतः, स्यात्।

किसी समय—कद, कदा, कभी, कभू,
 कलिकाला, जब, जिह्नया।

१०. हर समय—निसद्योस, निसिवासर, रातदिन, सदा, सर्वदा, हमेशा, हरवक, हे॰ 'रातदिन'। दे॰ 'सर्वदा'।

११. किस सद्भय-कन, कहिया।

१२. बावश्यक समय-श्रहो ।

१३. उस समय का—तःकालीन ।

१४. एक ही समय का--समकालीन।

१४. समय सम्बन्धी--कालिक, राम-यिक।

१६. युग ---काल, जुगं।

१७. ४ युग—मतयुग '(१७२८००० वर्ष), द्वापर (८६४००० वर्ष), त्रेता (१२६६ ००० वर्ष) कालयुग (४३२००० वर्ष)। १८. सतयुग—कृत. कृतयुग, देवयुग, पुण्ययुग, सतजुग, सत्ययुग। १६. द्वापर—कृष्णयुग, तृतीययुग, दुद्धा-

१६. द्वापर—कृष्णयुग, तृतीय**युग, दुद्या-**पर ।

२०. त्रे ता — तरेता, द्वितीययुग, रामयुग । २१. कालियुग — कलउ, कलजुग, काले, कलिकाल, कल्कियुग ।

२२. प्रलयकाल - कला, कल्पात, द्वाय, चिति, नाश, प्रलय, सवर्त, सहारकाल ! २३. दिव्य युग (४३-००० वर्ष)— चतुर्यम, चौकहा, चौजुम ।

२४. ७१ (यथाथेत: ७१ क्ट्रिंग **दिवययुगी** का समय—मन्वतर, इकहसर चतुर्युगी (चौकदी)।

२४. १४ मन्बंतर का समय—करूप, ब्रह्मा का दिन, ब्राह्मदिन।

२६ व**द्धा की रात्रि—काल राति, काल** रात्रि, ब्रह्मरात्रि :

२७. वर्ष-- त्रब्द, इंसवी, बरस, बरस्द, शरत्, शरद, सवत्, सत्र, सन्, सम, बरत्, साल, हिजा, इम, हेम।

२८. वार्षिक-शिव्दक, शारदीय, बलीमा, रालाना, सालियाना । २६. सौ वर्ष-दस दशक, शतक, शताब्दी, शतो, सदो।

३०. एक मेष संक्रान्ति से दूसरे मेष संक्रान्ति तक का समय—सौरवर्ष। ३१. आगे आने वाला वर्ष—श्रागतवर्ष, आगामी वर्ष, पर, परताल।

३२. बीता हुन्त्रा वर्ष —गतवर्षः, पर, पर साल, विगत वर्ष।

३३. श्रागामी या पिछला तीसरा वर्ष—
त्योक्स, त्योक्साल ।

३४. इस वर्ष-श्रसों, श्रासों, इम साल । ३४. मास-महीना, मॉस, माह।

३६. मासिक—महिनवारां, माहबारां, माहियाना ।

३७. वर्ष के १२ महीने (हिन्दुस्तानी) चैत्र, वंशाष, जेष्ठ, श्रसाढ, सावन, भाटों
क्वार, कार्त्तिक, श्रगहन, पूष, पाघ,
फाल्गुन।

३म. वर्ष के १२ महीन (ऋषे जी)--अनभरी, फरवरी, मार्च, ऋषें न, भई, जून, बुलाड, ऋगरत, सितस्वर, श्रक्टूबर, नबम्बर, दिसम्बर

३६. चेत्र-चेत, चेत्रक, चेत्रिक, मधु, वसंतर्दृत, सुरमि ।

४०. चैत्र में होने बाला -- चैतहा, चैती। ४१. वैशाख ---वहसाख, वैशाख, माधव, राष

४२. वैशास में होने वाला--वश्सलहा, वैदासो।

४६. क्येष्ठ--जेठ, जेष्ट, तपन, शुक्त । ४४. क्येष्ठ में होने बाला --जडुना, जेठू। ४८. खवाब--ब्रहाद, ग्रावाद, कतु, शुक्ति, शब । ४६. श्रवाट में होने वाला—श्रवरहा, श्रवाटी।

४७. **श्राव**गा—कर्ममास, नभ, नभा, श्रावन, सावन ।

४८. श्रावरण में होने वाला— सवनई, सवनहाँ, भाविणक।

४६. **भाद्रपद**ंनम, प्रौष्ठपद, मॉटव, भादो, भादौ, भाद्र।

४०. भादों में होने वाला - भटई, मटैला, भदौंह, भदौहाँ।

४१. क्वार--श्रश्ययुज, श्रसोज, श्राश्विन, श्रासी, श्रासोज, इप, क्श्रार, कुवार ।

≽२. क्वार में होने वाला—श्रासोबिया, कुॅवारी, कुवरहा ।

४२. कार्तिक— ऊज्जे, कातिक, बाहुल। ४४. कार्तिक में होने वाला—किनक्श। कार्तिकक!

४४ ऋगहन-- ऋगहरा, मगशिर, मगिरा, मर्गा, मार्गाशर, मार्गशीर्घ, सहत ।

४३. खगहन में होने वाला-श्रगहनियाँ, श्रगहनी, श्रवनियाँ, श्राग्रहायशिक, ।

४७. पूस — नारायसा, पूष, पौष, सहस्य, इपीकेश ।

४८. माघ- तपा, माह।

४६. माघ में होने बाला—मधुवा, माघो। ६०. फाल्गुन—तपस्य, फागुन, फाल्गुल। ६१. फाल्गुन में होने बाला—पगुनहा, फाल्गुनक।

६२. फाल्गुन में बह्ने बार्खा हवा— फगुनहटा।

६३. श्राधिक सास--श्रसकातमान, चंद-नाःद, परसातिम, पुरसोतम, मसमान, सौंद: ६४. ऋतु—रितु। ६४. ऋतु की — श्रार्तव, फसली, मौसिमी, सामियक।

६६. ऋतु के विरुद्ध—ग्रनऋतु, वे-मौसम।

६७. वर्ष की ३ ऋतुएँ—गर्मी, जाड़ा, बरसात।

विशोध — इनका प्रचलन सामान्य जनता में है। यह शास्त्रीय, नहीं है। इनमें प्रत्येक में ४ महाने होते हैं।

६८. वर्ष की ६ ऋतुएँ—ग्रीष्म, वसत, वर्षा, शरद, शिशिर, हेमन्त ।

विशेष—इनका कम मीष्म वर्षा, शरद, हेमत, शिशिर तथा वसत है। यह वर्गी करण, भारत का शास्त्रीय वर्गीकरण है। इनमें प्रत्येक में २ महीने होते हैं।

६६. ब्रीडम—उमस, उष्ण, उष्णक, उष्णागम, उष्म, उष्मक, उष्मा, उष्मागम, गरमी, ब्रीखम, शीषम, ब्रीष्म, तप, तपन, तपनक, निदाब।

७०. गर्मी के ४ महोने—फाल्गुन, चैत, वैषाख, जेठ।

७१. म्रीब्स ऋतु के २ महीने — जेठ. श्रापाद।

७२. वर्षा ऋतु—चतुर्मास, चातुर्मास, चौमासा, चौमसिया, पावस, प्रावृट्, बरसात, वर्षा, वर्षाकाल, वर्षऋतु ।

७३. बरसात के ४ महीने--- श्रवाह, साबन, भादों, स्वार।

७४. वर्षा ऋतु के न महीने -- भादीं, सावन ।

. अ. आड़ा—जरकाला, आड, जहा, शीतकाल, सदी, सितकाला। ७६. जा**ड़े के ४ महीने** —कार्तिक, श्रगहन, पूस, माघ।

७७. शरद —कालप्रभात, फलागम, मेवांत, वर्षावमान, शरत्, शरत्काल, शरद, शारदा, हिमर्तु।

७=. शरद् काल का --शारद, शार्याय । ७६. शरद् ऋतु के २ महीने --कार्तिक, क्वार ।

८०. हेमंत —जाइ।, शोतकाल, वियाला, हिमन्त, हेमत ।

८१ हेमंत ऋतु के २ महीने — ऋगहन, पूरा

द्धरः शिशिर —िखनाँ, बाहा, पतभाड, पतभार, शिशिर, शीत, सिसिर।

प्रशिशर ऋतु के रमहीने—क ल्गुन,मध्य।

८४. वसंत — ऋतुनाथ, ऋतुपति, ऋतुराज, कृषुमकाल, कृषुमाकर, कृषुमागम, पिकानद, बलागक, बसत, बहार, मधु, माघव, वसत, शिशिरात, सुरामि।

प्रश्. वसत ऋतु के निक्ति—चैन, बैसाय।

८६. पत्त-पान, पत्तदारा, पनरहिया, पाख। ८७. महिने के दा पत्त-कृष्णस्त, शुक्क-पत्तः।

द्रद्र. कृष्ण पत्त-—ग्रंधेरापाख, ग्रासितप्स्, कृष्ण, कृष्नपच्छ, बदी, वदि ।

मध्य शुक्लपत्त —श्रंबीश पाख, उँबेश पत्त, उजाला पत्त, उजेश पाख, वितपन्न, विता, सुदो, सुदि ।

६०. तिथि—तारीक, तिथी, मिति, मिती। ६१. वह विथि जिसका क्य हो गका हो—श्रवम तिथि, श्रीम। ६२. तिथि का गिनती में न आना— तिथिवय, तिथिहानि ।

६३. वह तिथि जिसका थोड़ा बहुत अश तीन दिनों में पड़ता हो—ित्रिदिन, म्पृश ।

६४. कौन सी तिथि—क3य, कौय। ६४. पनिपदा—एककम, पड्वा, पडिवा,

्परवा, परिवा, प्रतिपद् ।

६६. द्वितीया ---दर्श, दुइज, दुतिया, दूज,द्वितिया, देज।

६७. दूज का चांद-न वशिश।

६८. तृतीया—तीज ।

६६. चतुर्थी--चउथ, चौथा

१००. पंचमी --पचिमा, पाँचै ।

१०१. **षष्ठी** — ब्रुड, पष्टा, विध्ड ।

१०२ सप्तमी —सातमां, रात्तमा, मन्तिमां, सात, माते ।

१०३. ऋष्टभा-श्वयनी, ऋठैर, ऋष्टका, ऋष्टिमा, ऋष्टै।

१०४. नवमी--नडमी, नौमी।

१०४. दशमी--दलई, दसमी।

१०६. <mark>एकादशी --इकादशी, व्यास्म.</mark> - इन्विसर ।

१०७. द्वादशी—-दुब्रादशी, वारसः। १०८. तरम—-त्रयोदशी, व्योदशाः। १०६. चतुद्शी—चतुरदशां, चतुदशी, चौदसः।

११०. पूर्णमासी - -पर्व, पर्वणो, पुनमासी, पुनवाँसी, पूनिउं, पूनो, पूरनपस, पूरत-मासा. पूर्णमासी, पूर्विमा, पौर्णमासी,

राका ।

१११. भ्रमावस्या--- श्रमा, श्रमावस,

श्रमवसा, श्रमावस्या, कुहू, दर्श, मावस, मासात, सिनोवाली, स्यदुवंगम । ११२. प्रतिपदा श्रीर पृर्णिमा या श्रमा-वस्या के बीच का समय—पर्व, पर्वणी, पर्वसन्धि ।

११३. सुप्ताह—ग्रटवारा, सताह, हक्ता ।

११४. साम्राहिक—सप्ताहिक, इप्रतावारी।

११४. सप्ताह के ७ दिन—संमिवार, मंगल-वार, बुद्धवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनि-वार, रविवार ।

११६ रविवार—श्रतवार, श्रत्त-बार, श्रादित्यवार, इतिवार, एकशम्बा, एतवार, रविदिन, रविवार, रविवासर, हरिवासर।

११७. सो**मवार**—चंद्रवार, होशम्बा, सोमार ।

८४८. मग**लवार**—भौमवार, मगर, मगल-वार, शेहशना, मेहशना ।

११**६.बुद्धवार —च** हाग्शंचा, बु**द्ध, बुद्धवार** - बुधवार :

१२० वृहस्पतिवार—गुस्वार, खुमारात, जुमेरात, पंचशंबा, बिकै, बीके, बेहफे। १२१. शुक्कवार — जुमा, शुक्कर, सुक्कर। १२२ शनिवार—शबा, शनिश्वर,

शनीचर, सनीचर, हफ्ता ।

१२३. १ पल-चण, द्वन, छिन, छिनक, निमिन, निभिष, निमेख, निमेष ।

१२४. पल---श्रान, चर्च, विश्व, खन, ह्यन, छनक, भएक, दमनर, दिव्ही. पलक, पला, लमहा, लह्बा, लह्या, बार, खाहत, खायत ।

नोट-- एक पक्ष २४ सेकेंड के बरावर होता है। १२४. दिन-रात का चौबीसवाँ भाग---वेला।

१२६. दिन-रात का तीसवाँ भाग— मुहूर्त।

१२७. घडी-- घटिका, घटी, दंड ।

नोट- एक दड २४ मिनट के बराबर होता है। ३२ घड़ी के २४ घंटे या दिन-रात होता है।

१२८. प्रहर—जाम, पहर, याम।
नोट— एक पहर ३ घटे का होता है।
१२८. दिन रात के ८ पहर— ऋपराह,
उत्तराह, उपा, त्रियामा, निशीय, पूर्वाह,

प्रदोष, मध्याह्न। १३०. दिन में —१. पूर्वाह्न, २. मध्याह्न

३. श्रपराह्न ४. उत्तराह्न । १३१. रान में—१. प्रदोष, २. निशीथ,

३. त्रियामा ४. उपा।

१३२. पूर्वाह्न —दे॰ 'प्रातः'।

१३३. उत्तराह्न—श्रंताह, उत्तराह । दे० 'धायं'।

११४. उपा—उषा, तदका, ब्राह्ममुहूर्त्त, भिनुसार, भोर।

१३४. प्रदोष--निशादि, प्रदोष, रजनी-मुखा

१३६. विन—श्रह, ऋहन, ऋहः, ऋह, ऐयाम, घस्न, दिन, दिव, दिवस, दिवा, बोस, मह, प्रहन, भास्वर, भिति, योम, रोब, वाशर, वासर, स्पीयु।

विद्योम--दे॰ 'रात'।

१३७. दैनिक-माहिक, रोनका।

१३८. प्रतिदिन—श्रनुदिन, दिनदिन, दिनपरदिन, नित, नितनित, नित्य, नित्य-प्रति, नित्यशः, प्रतिदिन, प्रतिवासर, योमिया, रोज़, रोज़-रोज़, रोज़मर्रा, रोबीना, रोजाना, हरदिन।

१३६. सवेरा— अवयोदय, अर्जुनी, अइभूंख, उखा, ऊषा, ऊषाकाल, कल, करूप,
गजरदम, गोसर्ग, मेर, तहका, तहके,
दिनमुख, निशात, परभात, प्रत्युषको,
प्रत्युष, प्रभात, प्रात, प्रातः, प्रानःकाल,
फजर, बासर, बिहान, ब्रह्ममुहूर्त, भात,
भिनसार, भीन, विभात, विहान, वेरा,
सकारे, सकाल, सबेरा, सहर, सुबू, सुबह,
सुबह, स्ट्येदिय।

विलोम-दे॰ 'शाम'।

१४०. दोपहर—दुपहिश्या, दोपहर, दोपहर, दोपहरी, मध्यदिवस, मध्याह, मध्याह काल। १४१. सायंकाल — श्रवसान, उत्सर, गोधूलि, दिनात, दिवात, पितृप्रमू, प्रत्यूष, प्रदोष, प्रदोषकाल, रजनीमुख, शवंरी, शाम, संभा, संध्या, सघाकाल, साँभ, साँभू, साय, सायकाल, सायाह। विलोम—दे० 'प्रातः'।

१४२. प्रातः काल और संध्या के बीच का समय—श्रंतर, श्रन्तरा, श्रशक, चह, श्रहन, दिन, दिवस । दे० दिन।

१४३. रात-न्य्यन्तन, श्रमुर, कलापिना, कादम्बरी, कोटर, ख्यादा. ख्पा, ख्रकाता, छ्या, जामिनी, ज्योतिष्मती, तम स्वनी, तमा, तिम, तमी, त्रियामा, दोषा, नः, निश्च, निश्चा, निश्चोय, निश्चोयनी, नित, निश्च, मालती, याम, यामवती, यामका, यामिना, यामिरा, रहनि, रखनि, रखनि, रखनि, रखनी, रम्या, रात, रातकी, रात्रि, रात्री, रैन, रैनि, विभावरी, श्रमनी, श्रवरी, स्व, श्रावरी, श्यामा, छीता।

विलोम-दे॰ 'दिन'।

१४४. रात-दिन—ग्रहनिशि, ग्रहोरात्र, ग्राठोपहर, निश्चिवासर, निस्वासर, निस्वि-दिन, निसिद्यौस ।

१४४. उँजेलीरात—कीमुदी, चद्रिकया-न्विता, चाँदनी, जुन्हाई, जुन्हेया, ज्यांत्म्नी ज्यौत्स्नी, राका, विभावरी, इरिद्रा।

१४६ ऋँधेरीरात-- ऋषेरिया, ऋंधेरी, श्रमा, श्रमावस्या, कालनिशा, कालरात्रि, तमस्विती, तमिस्ना, तमी, तमीस्त्रा, तामसी, श्यामा।

१४७. जन्मदिन—बरसगांठ, वर्षगाठ, सानगिरह।

१४८ **ऋायु**—ऋवस्था, ऋार, ऋाउ, ऋायुर्वेल, ऋायुष्य, ऋाप्र, ऋारङ्गल, ऋाखला, ऋाव, उमर, उमिर, उम्र।

१४६. जीवन भर--- श्राजन्म, श्राजीवन, श्रामरण, तार्जिंदगी।

१४० चाणभंगुर - ऋतित्य, ऋस्यायो, छनभगुर।

१४१ दीर्घजोजी — श्रमर, श्रायुष्मान, चिरजीव, चिरजीवी, चिरायु, चिरायू, दीर्घायु।

१५२. दीर्घजीवी-श्रायुष्मान ।

१४३. जिसकी उम्र १०० वर्ष हो---कतायु।

१४४. **अंतिमकाल**—मरगणवरी, मृत्युकाल, **मृत्युदिन**।

१४४. ह्युटी-अभा, जनध्याय, जनकाश, जनसर, तातील, फुरसत, मोका, मौका, रजा, रक्षसत, रक्त, रक्षत समय, सांका, सांका, दुचितई। १४६ वह दिन जिसमें पढ़ने पढ़ाने का निषेध हो ।—श्रनध्याय, श्रमःवस्या, श्रष्टनी, चतुर्दशी, परिवा, पूर्णिमा।

१४७ देर — ऋतिकाल, श्रेंग्सा, श्रवसेर, श्रवार, श्रवेर, फंर, फेल, देरी, बिलंब, बिलम, वेर, समय।

१४८ जल्दी — श्रीचर, श्रातुराई, श्रातुरता, श्रातुरताई, श्रातुरी, श्रातनफानन, इजलत, उजलत, उतावली, खिप्रता, खटाखट, चट, चटक, चटकई, चटकवारी, चटा-पटा, जल्दीबाजी, भट, भटक, भप, तडाका, तृण्, तेजी, फ्रती, खरा, खरित, वेग, वेग, शीव्रता, इडवडी, इरविर ।

१४६. जल्र—श्रचिगत, श्रागु, विष, चटरट, बटापट, तड़ाक, तड़ाकफड़ाक, तुरत, तुरत, सीघ, सत्वर !

१६० देश करना — श्रनगवना, गहरकरना, - गहरना, विसघिस करना, देर लगाना, - विलंग करना, क्षमय लगाना ।

१६१. जनदी करना — अकुलाना, फुती करना, इड्बडाना, इड्बडी करना, इड्बडी मचाना अन्य पर्यायों के लिए जल्दों के पर्यायों म यथानुकूल 'करना, या 'मचाना' जोडिए।

१६:. कुर्ती--उतावली, चिप्रहस्तता, जल्दवाजी, जल्दी, तेजी, खरा, शीवता, हरवदा, हरुहाइट ।

१६३. सुर्स्ता- श्रालस्य, थकावट, मटता, मदी, शांति, शिथिलता, श्लथता, स्फूर्ति-होनता ।

१६४. फुर्तीला — उतावला, व्याइस्त, बहदबाब, तेब, त्वरावान, स्फूर्तियुक, इइबहिया। १६४. सुस्त--श्रालसी, उदास, ठंडा, ठंढा, निकम्मा, निस्तेज, थका, बोदा, मंद, मद्धिम, मीठा, शात, शिथिल, श्लथ, स्फूर्तिहीन, हतप्रभ।

२६६. जो लगातार न हो—खंड, खडित, भंगित, विच्छित्र, विग्ल, ब्यावृत ।

१६७ लगातार—ग्रखंड, ग्रखंडित, श्रजस, ग्रनवरत, ग्रनिमेष रूप से, श्रभग, श्रविच्छिन, श्रविच्छेद रूप से, श्रविरल, श्रव्यावृत, श्रशात, निरतर।

१६८ श्रचानक -- श्रकस्मात, श्रचकॉ, श्रचके, श्रचाका, श्रचान, श्रचोना, श्रानायास, श्रवचक, श्राकस्मिक रूप मे, श्रापाततः, इकबारगी, एकबारगी. एकाएक, एकाएको, श्रोचक, भौचट, सहसा।

?६६ तीन काल —भूत, वर्तमान, भविष्य । १७०. जो तीनो काल में हो—त्रिकाल, त्रिसध्य, त्रिसध्या

१७१. तीनों कालां की वाते जानने वाला – त्रिकालाशीं, त्रिकालवेना

१७२. भूत काल - श्रतीत, गुनस्ता, गुान स्ता, पहले, पुराकल्प, पूरवल, पेश्तर, भृत. मानी।

१७<mark>१. वर्तमान काल--</mark>श्रभूत, जमानाहाल, वर्तमान, हाल ।

२७४. पुराना—स्त्रगना, कदीम, कदीमी, चिरतन, चिरकालान, चिराना, जरट, बरत, दिनी, पश्च, पुरा, पुरानन, पुरान, पुरबला, बूर्व, प्रक, प्राचीन, प्राच्य, बासी, सनातन।

२७४. नया — त्रधुनातन, त्रपूर्व, स्रभिनव, स्रभूतपूर्व, स्रविचीन, स्राधुनिक, टटका, टाटक, तउलि, ताज़ा, नव, नवल, नवा, नवीन, नवेला, नब्य, नृत, नृतन, नौतन, प्रत्यम, हाल का ।

१७६ पुरानापन--पुरातनता, प्रकृता, प्राचीनता सनातनता ।

१७७. नयापन--- शेरापन. नवापन, नव-लता, नवीनता, नव्यता, नूतनता ।

१७⊏. पहले का — त्रादि, त्र्रदिम, प्रायमि**क,** ्प्रारभिक । दे० 'पुराना' ।

१७६ हाल का—-दे० 'नया'। १८०. पृ**र्व जन्म का —पुरबला, पुरबुला,** पुराकृत।

१८१ जिसका समय बीत गया हो —

१८२ जो बहुत दिनों से चला आता हो -- परंपरागत, सनानन, सना-

१८३ चौथा व्यती<mark>त या भ्राने वासा)</mark> दिन-स्नरमो

१=४. परमों ' बीता हुन्ना या न्नाने वाला ---न्नतरसों, परसो, परों, परौं ।

१८४. कल (बीनाहुआ)— कल्ह, कालि, काल्ह।

१८६. कत्त (**श्राने वाला)—कल्द,** कालि, काल्ह, बि**इने**, विद्या<mark>न, विद्</mark>राने।

१८७ श्राज —श्रय, श्रय, श्रय, सदा।

१८८. भविष्यत काल-श्रिम, श्राइंश, श्रागम, श्रागा, श्रागमि, श्रानामी, श्राने, कल, पुर:, भविष्य, गविष्यत्, भावी, मुस्तक्रविल।

१८६. **कारो होने वा काने वाका-**श्रमना, श्रामामी, भवितव्यता, भव्य, भावी, होनहार । १६०. भविष्य का जानने वाला—ग्रागम ज्ञानी, भविष्यदर्शी।

१६१. श्रव--श्रद्य, श्रधुना, श्रव, श्रमी, श्रम्, श्राज, सप्रति, सद्य, सरेदस्त ।

१६२ श्रदतक—श्रद्यापि, श्रद्याविष,

१६३. पीछे — श्रंतर, श्रगाइं, श्रनतर, श्रागे, उपरात, नदंतर, नदनंतर, पश्च, पश्चात्, पाछी, पाछे, यनः, फिर, बहुरि, बाद।

१६४. आगे--- श्रागाङो, श्रम, श्रमे, श्रम्मह, श्रम्मल, श्राहंदा, श्रागें, पहले, पूर्व, प्रथम।

१६४. कभी-करा चित, कभू, शायद, स्यात् । १६६. कभी कभी-जन तन, यदा कदा । १६७ सर्वेदा-श्राजस रूप में, श्रानविषे, श्राविरल रूप से, निता, नित्य, नित्यसा, बनावर, गुराम, लगातार, सनत, सदा, सदैव, हमेशा, हरभड़ी, इरघरी, हरहमेसा । दे० 'रातदिन', 'हरममय', 'प्रतिदन्त' । १६८. बहुधा - श्रकसर, श्राधकतर, श्राध-

१६म. **बहुधा —** श्रकसर, श्राधकतर, श्राध-**काश**नः, प्रत्यशः, प्रायः, बहुत करके विशेषकरः।

१६६ अवधि--श्रौप श्रौधि, तक, पर्यत, ामेयाद, लॉं।

२००. जिसके लिये कोई श्रवधि तियत हो—मिश्रारी।

२०१. त्याहार — उन्छन, उत्सव, छुटी, तेषहार, तेहवार, त्योहार, परावन, पर्व ! २०२. चढ़ा उत्सव — महापर्व, महोस्तव, महोस्तव, महोस्तव,

२०३ होली--धंधोर, धुरङ्गी, धुरह्यी, क्युबा, फाग, शुद्धवर्ष, होरी, होलिका। २०४. दीवाली—दियादेवारी, दिवारी, दीपदानोत्सव, दीपमांलका, दीपमांलो, दोपावली, दीपोरसव, देवारी, वेश्योन्सव। २०४. दीपावली की रात—कालनिशा, काल रात्रि, कौमुदी, महालया।

२०६. विजयादशमी — चित्रयोत्मव, दश-हरा, दसहरा, रामदसमी, विजय दशमो, विजया ।

२०७ सावन शुल्क पूर्णिमा का त्योहार-रज्ञाबंधन, रार्खा, सत्तोतो ।

२०८. त्रज्ञचत् अया — श्रखती, श्रखतीत्र, श्राखानीयः

२०६. अनन्तचतुर्दशी—अनंत, अनतः चतुर्दशा, अनतसूत्रो, अनंता ।

२/०. कार्तिक शुक्त एकादशी का त्योहार—ाइटवन, देवटान, देवेत्यान, प्रशिधनी ।

२१८ कार्तिक शुल्क द्वितीया का त्योहार—जमदूतिया, भाईदूब, भातृदूब, अयादुङ, प्रभादनाया।

२१२. ३ व्याष्टर्मा - कृष्यष्टमी, जन्मा-व्यमी।

२९३, ग्रेष मंक्रान्ति—**एतुम्रान, स्तुमा** संकाप्त्त संकाति ।

२१४. एक पर्व जो १२वर्ष पर श्राता हैकुम्म ।

२१४. एक पत्र जो ६ वर्ष पर आसा है !--वुम्भी।

२१६. एक ्उत्सव जो कार्तिक में मनाया जाता है।—अनकूट।

२१७. चारिवन कृष्ण चष्टमी का स्योहार — विउत्तिया, विताष्टमी, बोबित्-पुत्रिका, शीतलाष्टमी । २१८. मकर संक्रांति—खिचडी, खिंचडी सकाति।

२१६. फागुन कृष्ण १४ को पड़ने बाला त्योहार--शिवचतुर्दशां, शिवसित्र ।

२२०. वैशाख शुक्ल तीज का स्त्री त्योहार—ग्रचय तृतीया, श्रखती, श्रख-तीज, श्राखातीज।

२२१. भादो शुक्ल तीज का स्त्री त्योहार — तीज, हग्तालका, हरितालिका। २२२. चैत शुक्ल द्वादशी से लेकर चतुद्शी तक का प्राचीन उतसव — मदनोत्सव, नदन महोत्सव, वासंती।

२२३. जेठ शुक्ल एकादशी का त्योहार—निर्जला एकादशी, भीमसेनी एकादशी।

२२४. **बसंत पंचमी**—पंचिमो, भी पचमी।

२२४. ईद - ईद, ईदुलिकितर।

२२६. बक्ररीद-ईदुलनोहा, बक्रराईद।

२२७. मुहर्म-मोहर्म।

२२८, बड़ा दिन-एक्समस, किस्टमस ।

२२६. पानी-दे॰ 'स्थान वर्ग में पानं।'।

२३०. पानी का साफ होना—थिराना, स्वच्छ होना।

२३१. पानी का मैला करना — घँघोरना। चिंघोरना, मिलनाना।

२३२. मैला पानी —डावर ।

२३३. द्रव-तरल ।

बिलोम-दे॰ 'ठोस'।

२३४. द्रवता—तरलता, तरलाई. द्रवस्य । विलोम—दे॰ 'ठोसत्व'।

२३४. गीला--भार्ड, मोदा, तर, दहेला, नम, शिक, छीद्युक्त, छीलयुक्त। विलोम—दे॰ 'स्वा'।
२३६. गीलापन-श्रार्द्रता, श्राल, श्रोदापन,
गीलापना, तरो, सरसता, सोइ, सील।
विलोम—दे॰ 'स्वापन'।

२३७ पानी की गहराई—श्रगाध, श्रतल स्पर्श, श्रथाह, गभीर, गभीर, गहर, डावर, निम्न, नीचा।

२३८. गिरता हुआ जल-- भड़ी, भर।

२३६. बादल---ग्रंबर, ग्रबुद, श्रबुधर, श्रद्धभत, श्रंबुवाह, श्रभोधर, श्रद्धं, श्रब्दं, श्रव, श्रभ, श्रमुर, उपल, कज्जल, कन्द, कन्धर, कय, करधर, त्तर, खग, घन, जलद, जलघर, जीमूत, तड़ितबान, तीयधर, तोयधार, ददुर, दाव्यूह, घाराधर, धूमब, धूमयोनि, नभ, नभचर, नभधुब, नभश्चर, नीरद, पयद, पयोट, पयोधर, पयोपुच, पयोवाह, परजन्य, पर्जन्य, पा**योट, पायोष**र, पारण, पेन्डक, बदरिया, बदली, बद्दर, बद्दल, पनद, बनमाली, बलाइक, बादर, बदरा, बादल, बारिद, बारिधर, <mark>बारिसाइ,</mark> भव, मतग, मिहिर, गुदिर, मेख, मेह, वन्तद, वर्ष, वलाइक, वारट. बारिट, वारिघर, विहम, विहम, वृध्या, ध्योम, श्याम ।

२४०. बादल के रूप - उनालमंघ, रूप सित्ते, कुंजमेब, कृतलमेब, मेघ, परती है मेघ, मछुरील मेघ।

२४१. मेघमाला—श्रासार, कादंबिनी, घटा, घटाटोप, धनमाला, मे**षपकि, मेष**-बाई, मेघावली।

२४२. मेघगर्जन—गर्बन, धनरव, बोब, रिवत, स्तनित। २४३. बरसने वाला बादल-ग्रावर्त, बनावन, घुमड, कमकारा, बरसौँहा। २४४. कालीघटा-धनश्याम, बादरिया। २४४. वर्षा-ग्रासार, कड़ो, कल्ला, दिख्योदक, नम, पवित्र, पानी, पूरण, प्रवर्षण, बरला, बारिषा, वर्ष, बारिश, वृषर्ण, बृष्टि, मेघ, संपात।

२४६. **बरसना**—काँटा होना, पानी गिरना, बरपना, बरषा, होना, बरिसना, वर्षा होना, बारिश होना, वृष्टि होना, मेह बरसना, रिमिकम करना, रिमिकम होना।

२<mark>४७. बरस्नाना</mark>—गिराना, ढेर करना, बरप्राना ।

२४८. मींसी—श्रम्बुक्य, जनक्या, फुहार, सीकर।

२४६ हलकी यृष्टि — लीटी, भाला, भासी, टपकाटपकी, फुहार, फुही, बूँदाबॉडी। २४०. बौद्धार — जम्म, भटाम, भरपना, प्रोद्धारा, बौद्धार ।

२४% लगातार वर्षा—कड़ी, मेह, रिम-िकसा

२४२. इ**द्रधनुष**ः-इद्रामुख, श्रृजुरोहित, **राकथ**नु ।

२**४२. बृष्टिका श्रभा**त्र-स्त्रनावृष्टि, श्रव-ग्रह. श्रवर्षण, श्रवपां, भूरा, विजल, **ब्**ला।

२४४. विज्ञली-इद्रायुष, ऐरावित, ऐरावित, ऐरावित, ऐरावित, ऐरावित, ऐरावित, ऐरावित, केरावित, कांचा, कांच्यभा, गांव, चचला, चपला, चलाका, छिनछित, तकित, तिवत, विज्ञ, विज्जु, विज्ञु, विज्जु, विज्ञु, विज्ञ

२४४. विवर्ता की समक—क्रीब, कींचा।

२४६. स्रोस—निहार, नीहार, मिहिका, शवनम, शेत ।

२४७. कोहरा-निहार, नीहार।

२४८. श्रीला —श्रोत्त, इन्टोपन, उपल, करका, घनोपल, पत्थर, पत्थरा, पयोगत्त, पयोघन, मस्तफल, बनौरा, बिनौरी, बेनौरी।

२४६. पाला--म्रवश्याय, स्रोला, स्रोस, कहरा, कुहासा, कुहिर, कुहिरा, दुसार, ठार, तुपार, तुसार, तुहिन, निहार, नीहार, प्रालेय, वरफ वर्ष, निहिका, शांत, हिम, हिभि, हिमचल, हिब, हिवर, हिवार, हेम।

२६० **बर्फ —**तुपार, तुद्दिन, निहार, नो**हार,** पाला, प्रालेय, बरफ, बर्फ, दिम, **हिंब,** देस ।

२६१ **बर्फ के म**ही**न टुकड़े—तुपार-**पाषास, हिनकस्म ।

२६२. भाष-ग्रबंबरा, जन्म, जन्मा, बुखार, बाफ, बाध्य भाव, बाध्य ।

२६६. हवा - ग्राबर, खग, बगत्, तलुन, तुषताश्व, नभरचर, पव, पवन, पाय, पौन, बतात, बयार, वयारि, बात, बाब, सबत । दे० 'बायु'।

२६४. ५ वायु— ऋषान वायु (गुदा), उदान वायु (छात्र), आण वायु (१४८), व्यान वायु (हृत्य), समान वायु (नामः) ।

२६४. बायुवेग---बब, तरस्, रब, रहस्, स्वदः

२६६. सकोर─-सक्सोस, अस्टेस, संद्रा ंप्रवात ।

२६७. बथडर--- तकवात, बगूला, बडेरर, बधूरा, बबधूरा, बाततक, बीरवा, बाँडर। २६८. श्राँधी—श्रंघड, त्पान, प्रकपन, 'महावत, बवंडर।

२६६. मंभा-सर्वष्टिक वायु ।

२७१. लू—चारवायु, चारवायू, लूइ, लूइर, ल्वारि।

२७२. श्रमि-दे० 'श्रमि'।

२७३. ३ श्रिप्तियाँ — जठगनल, दावानल, बडवानल।

२७४. जठरानल-दे॰ 'जठरामि'।

२७४. दावानल- दव, दवारो, दावा, दावा, दावा, दावानल, बनदुताशन।

२.७:. बड़वानल-ग्रौति, बड्वामि, बाडवा।

२७७. जठरामि—दिध्यामि, भौमामि । २७८. ६ स्रमियाँ—(कर्मकाड के स्रतुसार)

श्रावसंख्य, श्राह्वनीय, श्रीपासना^तर्म,

गाईपन्य, दिख्णामि, सम्यामि ।

२७६. श्रम्भि के जलने के शब्द - धॉय,

घाँय, धूधू, हुह।

२८०. ऋग्निज्वाला—श्रीमकुक्कुट, श्रीमिश्वा, श्रीच, उल्का, कील, चार, ज्वाल, ज्वाला, भरमनी, भूत, लपट, लवर, लुकारो, लूक, लौ, विचस, शिखा, हेति। २८१. चिनगारी—श्रीमकण, श्रनलकण, चिनगी, लुतकारी, लुवृद्दो, खुत्ती, रफुलिंग, रफुल्लिंग।

२८२ श्राग्निसंताप—जलन, भुलस, डाढ़ा, दाइ, भश्मीभूत, संख्वर, सताप।

२८३. प्रकाश—श्रामा, श्रालोक, उबाला, उजियार, उजियारी, उजियाला, उजेर, उजेका, उबारा, उज्यारा, श्रोज, चाँदना, खाँदनी, क्योति, तेब, स्विषा, श्रुतिया, द्योत, दोष्ति, प्रदीव, प्रभा, बिमा, भा, भास, विभा।

२८४. श्रॅंथेरा--श्रंघ, श्रंधकार, श्रंधक्प, श्रंधार, श्रंधियार, श्रंधियारा, श्रंधेरिया, श्रॅंथेरी, श्रध्यार, श्रन्हार, श्रमकाश, धुप, तम, तामस, तमिस्न, तारीक, तिमिर, ध्वात, रात्रिराग, रात्रिवास।

२८४. प्रकाशमय—श्रोबदार, चमकदार, ज्योतिष्मान, ज्योतिर्मय, तेजोमय, दीपेत, दाप्त, प्रकाशयुक्त । दे० 'चमकोला ।

२८६. श्रंधकारमय—श्रंधकारयुक्त, तमा-च्छादित, तमावृत्त, ताराको, तिमिराच्छन्न, ति।मरावृत्त ।

२८७. चमक—श्राब, श्राभा. झालोक, श्रोप, काति. चिलक, बगमगाहट, ज्वल, भानक, तेज, दमक, दीपित, दीप्ति, भा. भान, मरीचि, राष्ट्रम, रौनक, विभा

२८८. चमकीला—श्रावदार, कांतिमान, चमकदार, चमचमाता, बाक्वस्यमान, व्यक्तित, भलकदार, भलाभल, दोष्ति-मान, दीप्यमान, देदाप्यमान, पानी-दार, प्रकाशमान, प्रदीप्त, भड़कदार, भड़कीला, भासित, भास्यर, दे० प्रकाश-मय।

२८६. चमकना—कातिमान होना, कांतियुक होना, चमचम करना, चमचमाना,
बगमगाना, भलकना, दमकना, दापना,
दीत होना, दीन्तिमान होना, लहकना,
प्रकाशित होना, प्रभायुक होना, बरना,
बलना, भासना, सहकना, विभागा,
विभारना, विभासना।

२६०. चमकाना--उचराना, लॅगारना,

ष्ठना, विस्ता, घोटना, चमकाना, भल-काना, थिराना, घोना, निखारना, निर्मल करना, मलना, मसलना, मॉजना, मीजना, रगड़ना, रगरना, साफ करना, स्वच्छ करना।

२६४. चकाचौंघ—चकचाव, चकचौंघ, चकचौंह, चकाचौंघ, चकाचौंघी, तिर्रामग, तिलमिलाहर, तिलमिली।

२६२. चौंधियाना— श्रॉख न टहरना, चकचौंधना, चौंधना, चौंधियाना, तिर मिराना, तिलमिलाना।

२६३. कुछ ऋषिरा कुछ प्रकाश — भुक-मुख, भुकामुखी, भुटपुटा।

२६४. **छाया—ग्रा**भा, छहिया, छात्र, छाह, छाया, भलक, परछाही, प्रतिबिन, साया।

ज

- १. स्त्रभाव—ग्रादत, चरित्र, चाल, पकृति, प्रकृतिभाव, मिचान, बान, बानि. लत, वृत्ति, शील, सुभाव, सुभाव, सुभाव, स्त्रभाउ।
- र. भावना—ख्याल, चितना. चिता. भारण, ध्यान, विचार, भाव, भावना, विचार।
- समोवृत्ति—द्यतर्गति, चित्त-दृति, भाय,
 भाष, भावना, मनोगति, मनोगवकार,
 मनोदृत्ति, दृत्ति, दे० 'स्वभाव'।
- ४. सनोचेग--ग्रावेग, ग्रावेश, उद्देग, उमग, गरमी, बोश, कोरू, कोरू।, प्रवाह प्रेरशा, रह, वेग, सनक।
- थे. चेतना ग्रह, ग्रापा, चेतन्यता, सरा, तुषहुष, हवात, होश, होशहवात ।

- ६. **च्चमा** चाति. छमा, तितिचा, माफ्, मुश्राफ, मार्जना, शम, सहत ।
- जमाशाल—चम, चमाल, चमानान, चमित, चमिता, चमं, तितिन्द्व, प्रभृष्णु, शातियुक्त, सह, महिष्णु।
- प. चमा-रहित—श्रद्म, श्र'तेतिन्तु, श्रसंहरुणु, दमाशून्य ।
- इ. त्तमा करना—छमना, छोडना, छोड
 देना, जाने देना, वकसना, माफ करना,
 माफी देना।
- १०. चमा करने योग्य इमगाय, दमि-तन्य, चम्य ।
- ११. शांत गभीर, धार, शिथल, शिष्ट, स्थिरचित्त।
- १२. चचल —श्रधार, श्रशात, ऋश्यिर, श्रादुर, भावला चचन, चपल, चल, चलायमान, चलित, विचलित, इलचल-युक।
- १३. घवराया श्रधोर, श्रानवस्य, श्रानविश्यत, श्रशात. श्रास्थिर, श्राकुल, उतावला, उद्विग्न, खुब्ध, शोभिन, चचल,
 चिकत. चलायमान, परीशान, परेशान,
 विचल. व्यम्र, व्याकुल, विचलित, हैगन।
 १४. शांति श्रद्धांह, उपश्या, गमोरता,
 नृष्याद्ध्य, धारता, धेर्य, निवेंद, प्रश्यम,
 प्रशाति, राम, श्रमथ, शमन, शातता,
 शिथलता, सानि, स्थिरचित्तता, स्थिरता,
 स्थैर्य।
- १४. च बल्लता--- श्राचीरता, श्रान्यस्थता, श्राप्तरं, श्राप्तांतता, श्राप्तांत, श्रास्थरता, श्राप्येय, श्रादोलन, श्राप्तरता, उताबली, कुलबुलाइट, खलबली, ब बलता, ब बल-तारं, ब बलारं, सपलता, बुलबुलायन,

चुलबुलाइट, नखरा, वहशत, विचलता, इलचल।

१६. घबराहट — श्रघीरता, श्रवसेर, श्राकुलता, श्रातुरता, उद्दिग्नता, उद्देग, ऊभ,
कातरता, चोभ, खभार, खलबली, घबराहट,
परीशानी, परेशानी, बिचलाई, बेचैनी,
विचलता, विचलाहट, व्यम्रता, व्याकुलता,
दे० 'चिता'।

विलोम—'शाति'।

१७. चंचल होना—इधर उधर होना, कॅपना, कपित, होना, कॉपना, डगमग करना, डगना, डगमगाना, ढावॉडोल होना, डोलना, थरथर करना, थरथराना, लडखडाना, विकपित होना, विचलित होना, हिलना

१८. यबराना — अकना, अकनकाना, अकुन्ताना, अकुलाना, अगुताना, अतुराना, अप्रांताना, अतुराना, अप्रांताना, अतुराना, अप्रांताना, उतावला होना, उतावली करना, उद्धिस होना, उन्नाना, अनेना खड बड़ाना, खरभराना, गहनराना, घनड़ाना, घनड़ाना, जल्डा करना, बल्डी मचाना, विकलाना, व्याकुल होना, हडवडाना, हरवराना।

१६. दया -- अनुकपा, भ्रानुग्रह, श्रद्दसान, करम, कठणा, कठना, काठस्य, कृपा, कृपालुता, दरनि, तरस, फाज्ल, महर, मेहरबानो, रहम, रहमत।

२०. **उदारता—श्रो**दार्य, फैयानी, सुहृदता, सहदवता ।

२१. कृरता—श्रकड, श्रह्योह, श्रद्य, कठोरता, कठोरपन, क्र्रता, ख्ंखारपना निर्दयता, निर्दुरई, निरुरता, निरुराई, नृशासता, परुषता, परुषत्व, बेरइमो, सगदिली।

२२. द्यालु — अनुमाह्क, अनुमाह्ने, उदाल, करणानिधान, करणानिधि, करणामय, कार्याणक, कृपाल, कृपालु, कृपायतन, गरीबनिवाज, गरीबपरवर, द्दंमंद, द्याद्रं, द्यानिधान, द्यानिधि, द्याल, द्यालु द्यालु, द्यावान, द्याशील, द्यालागर, दीनप्रतिपालक, रहमदिल, रहीम, सद्य, सहृद्य, सुमन, सुरत, सूरत।

२३. उदार — ब्रदीन, उदारचरित, उदार चेता, दिलदार, महाशय, महेच्छ, सदाशय, सहृदय, सुहृद, हृदयालु ।

न्थ्रः निर्द्या--श्रदय, कठोर, कसाई, क्रूर, खूँखार, निटुर, निदाबण, निर्मोदिनी, निर्मोहा, निर्दय, निर्द्यी, निष्टुर, नृशस, पद्दर, बेरहम, सगदिल।

२४. दया करना—श्रनुकपा करना, करमे नजर करना, श्रनुग्रह करना, कृषा करना, दरना, तरस, खाना, पश्चाना, मंहरवानी करना।

२६. द्यापात्र — कृपापात्र, द्यावना । २७. कृपापूर्वक - कृपया, द्यापूर्वक । १८. उपकार - श्रच्छाई, श्रहसान, उपकारिता, उपकृति, एइसान, नेकी, भला, भलाई, सल्क, हिन, हितसाबन । २६. श्रापकार - श्रानष्ट, श्रहित, बृता, बुराई ।

३०. उपकारी—उपकर्ता, उपकारक, सैर-ज्वाह, ग्रुभचिंतक, दित, दितकर, दिस-कारक, हितकारी, दितिसितक, दिसायह, हिती, दिन्न, दित्, दितैषी। ३१. अपकारी---श्रनिष्टकारक, श्रनिष्ट-साधक, श्रनुदार, ग्रहित्, कुकर्मी, कृतव्न, तुर्देश, पोड्क बुरा।

३२. चपकृत—एइसानमंद, कृतज्ञ, शुक-सुज़ार, ममनून।

३३. संतोष—इतिमनान, छाक, तुष्टता, तुष्टि, तोष, तृपति, तृष्ति, शांति, सतुष्टि, सनोख, सतोध, सबूरी, सब, सावना, सेरो हिए।

३४. श्रसंतोष —श्रनल, श्रनलाहर, श्र-प्रसन्नता, श्रसंतोल, खफगी, खिन्नता, खीस, नाराजगी, नारानो, वेसकी ।

३४. सतुष्ट—श्रवाया त्रास्दा, तुष्ट, नोषप्राप्त, तृषित, तृष्त, राज़ो, सनोपित, साबिर, सेर।

३६. ऋसंदुष्ट — ऋदुष्ट, ऋतृषित, ऋतृष्त, **ऋसं**तीवी, खका, खिन्न, नाराज़ ।

३७. संतुष्ट होना — ऋषा जाना, ऋषाना, श्रामा, श्राम्या होना, श्रास्या होना, श्रास्या होना, जना, जुनाना, जना, जुनाना, टंच होना, तृष्ट होना, तृष्त होना, निहाल होना, पूर्ण हो जाना, पेट भरना, यसल होना, भरना, भर पाना, सतोषना, सैराव होना, हिया भरना।

३८. संतोषता —सतोखना, सतोषना, सबूरी देता, सब वॅषाना, सममाना, साल्वना देता ।

वैश. प्रसम्न — अनुक्न, म्रानंदिन, उत्फुल्ल, जन्मिनत, खिला, खुश, बह्बहा, प्रकृषित, मगन, मगन, मस्त, मुदित, मोदयुक, रंबित, लह्लहा, हृषित। दे० 'मुखा', 'असक्विष्ट'।

४०. श्राप्तसम्ब-श्रावंद्वव, कृषित, सम्रा, प०--१२ खिन्न, नाराज, रंजीदा, रिसौँहा ! दे॰
'चिंताप्रस्त', 'दुःखी', 'उदास', 'क्रोधित' ।
४१. प्रसम्न होना—श्वनंदना, श्वानदना,
श्वानंदित होना, उल्लिसित होना, उल्लासन,
खिनना, खुश होना, नदना, निवत होना,
निहाल होना, प्रफुल्लित होना, प्रसन्न
होना, प्रसुटित होना, प्रहर्षित होना,
फूलना, फूला न समाना, मोदना, रहसना,
रॉचना, विकसित होना, हरसना, हरसना,
हर्षित होना, हर्षना, हर्षाना, हुमसना,
हुलसना, हुलिंसत होना।

४२. **च**प्रसन्न होना—कोपना, खीक्तना, नाराज़ होना, रोगना,रिमाना ।दे० 'कोचित होना' । 'दुला' के पर्याय में 'होना' बो**ड़**-कर श्रोर भ! शब्द बनाए जा सकते **हैं।**

४३. प्रसन्त करना—श्रानंदित करना, खुश करना, निहाल करना, परसन करना, प्रसन करना, प्राची करना, राची करना, हपित करना, हपित करना, हुलसाना, हुलसाना, हुलसाना, हुलसाना, हुलसाना,

४४. अप्रसन्त करना—ग्रसं<mark>दुष्ट करना,</mark> खक्रा करना, विज्ञ करना, दु<mark>खी करना,</mark> नाराज्ञकरना, रिक्षाना हिर्म **'चिटाना'।**

४४. प्रमन्तना त्राभनदन, त्रानद, त्रामोद, उल्नास, खुशा. नदि, नदिक, नदा, अमोद, प्रहाद, पहर्ष, प्रदर्शक, मना, मद, मुदिना, मोद, रग. रगरलो, रगरल, रली, रस, लदरा, सीमनस्य, हरल, इरष, इर्ष, हुलास, हुपि, हुप्टि।

४६. अप्रसन्तता--भनुतान, अपसीस, अफ़नोस, खेद, चिंता, मन्यु, रंब, शुच, शोक। दे॰ 'दुःखं, 'उदासो', 'विता'। ४७. प्रसन्निचित्त-प्रमन, १र्षमा**ग, इ**ष्ट-मानस्र।

४८. मौजी—ग्रानंदो, ग्रामोदी, उल्लासी, खुशदिल, खुशमिजाज़, प्रमोदी, भोगी, मस्त, मौजी, रगी, रंगीला, रसिक, रसिया, रसी, रसोला, विनोदशोल, विनोदी।

४६. सुख—न्नानद, श्रमन, श्रमनचैन, श्राराम, चैन, प्रमोद, सुक्ख, सुखशाति, सौस्य, स्वस्थता, दृष्टता । दे० 'प्रसन्नता' ।

४०. दुःख- श्रापत्ति, श्राफ्त, कष्ट, क्लेश, तकलीफ्, दरद, दर्द, दुक्ख, दुख्दा, दुख-दुइ, दुखरा, पोइा, पोर, पीरा, बला, बाधा, बिश्राधा, बिपत्ति, बियाधि, मुसीबत, रज, विपत्ति, वेदना, व्यथा, व्याधि, संकट, सँकरा। दे० 'उदासी', 'श्रप्रसन्नता', 'रोग'।

श्वः दुखी—ग्रातप्त, कृष्टी, क्लेशित, गृमगीन, तप्त, दर्दमंद, दुखहाया, दुखारा, दुखारी, दुखित, दुखिनी, दुखिया, दुखिन यारा, दुखीला, पीकित, रंजीदा, व्यथित, वंतप्त, संतापित। दे० 'ग्रप्रसम्न', 'रोगी'।

४३. मुखद — प्रदर्धक, मुखकंद, मुखकंदन, कुंबकर, मुखकरण, मुखकारी, मुखकननी, मुखदरन, मुखदानयाँ, मुखदा, मुखदानी, मुखदानी, मुखदायक, मुखदायो, मुखदेनी, मुखदेन, मुखदान, मुखदान, मुखदान, मुखदान, मुखदान, मुखदान, मुखदान, मुखदान, मुखदेनी, मुखदेनी, मुखदेनी, मुखपद, मुखदंत, मुखारा,

सुलारी, सुलाला, सुलावह, सुलैना, सुहेला, हर्षक ।

४४. दुखर्—दुखराता, दुखरानि, दुख-दायक, दुखरायी, दुखपद,दुखौहाँ, पीदक, बाघक, संतापी।

४४. दुःख देना—कष्ट देना, कष्टित करना, घुमाना, डाइना, तग करना, ताँचना, दाहना, दुखबना, दुखाना, दौड़ाना, परीशान करना, फेर में डालना, सतप्त करना, संताप देना, सतापना, सतापना, सताना, इलकान करना, हैरान करना।

४६. उदास—श्रंतर्मना, श्रनमन, श्रनमना, श्रन्यमनस्क, उदासीन, उन्मन, खिन्न, दोल, दिलगीर, दीन, दुःखित, दुःखी, रजीदा. शोकाकुल, शाक्युक्त, सजोदा, सुस्त, सोकित, सोगी, दे० 'दुखा', 'श्रप्रस्था'। ४७. उदासी—श्रनमनापन, श्रन्यमनस्कता, उदामी, उदासीनता, खिन्नता, दीनता, रंजीदापन, सुस्तई, सुस्ती।

प्रम. सीधा—श्रिक्तिष्ट, श्रवक, श्रासान, उत्तान, श्रव्ज, प्रगुण, भोला, रास्त, शात, श्रुद्ध, सज्जन, सरल, सरलिस्त, सादा, साधु, साध्य, सहज, सहल, सीध, सुखसाध्य, सुकर, सुगम, सुलय, सुद्धत्, सूधा, सौम्य। प्रद. सरलिस्त—उदार, दिच्या, सज्जन, सरल, सरलिस्त, साधु। दे० 'सीधा'। ६०. टेढा—श्रदार, श्रसरल, श्रराल, धार्कुवित, उमिल, श्राया, कठिन, काना, कंचित, कृटिल, कुवदा, कुठज, दिश्र, व्यमदार, सर्व, तिरस्तु, तिर्यक, धन्याकार, नत, बाँक, बेंदा, संक, बका, बंकट, बंकिम, बक, सिकट, विद्ध, सुश्किल, यक। दे० 'टेढा, सेढा'।

६१. सीधापन—ग्रक्तिष्टता, ऋखता, ग्रांचेन, श्रांसानी, भोलापन, सरलता, सह्वता, सह्वियत, सप्दंगी, सादापन, साधुता, सारल्य, सिधाई, सुगमता, सुधाई, सुविस्तापन, स्थापन, सुधीतापन, सुभीता-पन, सौम्यता।

६२. टेढ्रापन— श्रम्परलता, कज, कजा, कठिनाई, कुटिलता, कृषक, क्लिप्टता, खम, टेढ्राई, बंकता, बंकाई, अध्रता, बकुरता, बॉक्पन,मुश्किलाइट, वक्रता।

६३ टेढ़ा होना— ग्रसरल होना, एठना, कुटिल होना, घूमना, मुकना, टेढ़ होना, फिरना, बल खाना, मुझना, मुरी पड़ना। ६४. टेढ़ा मेढा—श्रटपट, ग्रडबंग, ग्रडबंड, टिट्बिटगा, टढ़िबडंगा, टेढा, तनेना, बक, बका, बाकुर, बाँकुरा, बक।

६४. तिरस्ता - ग्रहार, श्रसरल, ग्रवरेव, श्राहा, उरेव, टेटा, तनेना, तिरोस्ता, तिर्यक, बाँक, बाँका, बेंडा। दे० 'टेटा'।

६६. ऐंठन— उमेटन, एंटन, धुमान, पेच, बस, म**इ**ोर, मुरी, सुरी, लपेट ।

६७ एंठना— उमेटना, उमे**इ**ना, घुमाना, **पूरना**, बटना, बरना, मरोइना, मरोइ देना, मरोरना, मिमोरना, मुरी देना।

६८. कड़ा— श्रकांमल, बठोर, क्र, क्रूर, ठड, ठोस, निदुर, पक्का, निष्टुर, पत्थर, बेमुख्वत, बेमुख्वती, सगदिल, सङ्त !

६६. कोमल— श्रकठोर, कोमलाग, गुलगुल, गुलगुला, दाला, नरम, नाजुक, मधुर, फुल, मुलायम, मृतु, मृदुल, सुकुँश्रार, सुकुमार, इलका।

७०. कोमसता—कोमलता, कौमल्य, गुल गुलाइट, नवाइत, नकासत, नरमाई, नरमी, नर्मी, नाजुकता, निजाबत, मधुरता, माधुर्य, मुलायमता, मुलायमियत, मुलायमी, मृदुता, मृदुलता, सुकुंत्रारी, सुकमारता, सुकुवारता, सौकुमार्य।

७१. कड्गपन— श्रकोमलता, वठोरता, कड़ाई, क्रता, क्र्रता, निटुराई, निड्उरता, वेमुख्वती, सगिदली, सख्ती।
७२. नरमाना—कोमल करना, कोमलता लाना, ठढा करना, धीमा करना, नरम करना, मुलायम करना, शात करना।
७३. हठ—श्रवह, श्रह, श्रनुरोष, श्रायह, श्रायह, श्रारि, इद, ऍट, गहनि, चक, जिद, जिद, जिद, टेक, दुर:ग्रह, इठधर्म, इटधर्मी।

७८. हठी— श्रहियल. चकी, बिही, टेकी, टटप्रतिश्, हठघमीं, इठीला।

७४. हठ करना— ऋइना, आग्रह करना, जिद बरना, दुराग्रह वरना, घरना देना, नगई करना, नंघई करना, नटना, मच-सना, भटकना, इटधमी करना।

७६. चाठिलाना-ग्रह्म दिखाना, ग्रह्मना, इटलाना, इतगना, पेठ दिखाना, पेठना, ऐइना, चमकना, चोचला दिखाना, चोचलाना, ममकना, ठसक दिखाना, नखरा करना, मदाघ होना, मटहना।

७७. **उहर — ग्रक्तह, उम, उबरू, उदर,** टद्घट, लॉगइ. लागदा । दे॰ 'घृष्ठ'। ७म. नम्म— विनम्न, प्रश्ता, विनयशीस, विनमी, पिनंत, शालीन, शिष्ट, **उहनशील,** सुशील।

८६. उ**इंडता— श्रक्लक्पन, भौद्याय,** उम्रता, उज**डु**पन, उ**द्दता, उद्दता,** दर्प। **दे० 'पृष्ठतां।** प्राचित्रों, दीनता, दीनत्य, विनस्र, विनस्र, विनस्र, शानीनता, शिष्टता, शिष्टता, शिष्टाचार, सहनशोलता, सुशीलता।

म्हि. श्रकड़ना — श्रकड़ जाना, श्रकड़ जाना, ऐठना, कड़ा पड़ना, कड़ा होना, कड़ेर पड़ना, चिटकना, जिद्द पकड़ना, टेक गहना, टेक पकड़ना, ठिठुरना, दिठाई करना, तनना, मिनाज़ बदलना।

म्हिक्ता—गिरना, दुलना, दबना, नत होना, नमना, निमन होना, नवना, निदुरना, प्रणत होना, प्रणमना, मुड्ना, लचकना, लचना, विनीत होना।

५३. भुकाना — गिराना, भुकाना, दबाना, नमाना, नकाना, नाना, निनौना, निहुराना, पडाना, मुडाना, मेंड्ना, लकाना, लकाना, लिटाना, लेटाना, लोटाना, विनोत करना।

म्४. घृष्ठ —ईतर, गुस्ताख़, चढवाँक, चर बाक, ढोठ, वेद्राद्व, शख्द्र । दे० 'उद्दृड'। म्थ. शीलवान —चरित्रवान, तमीबदार, शालोन, विनम्र, विनीत, सच्चरित्रवान, सुशील ।

इ. भृष्ठना — त्रकड, त्रौद्धत्य, खिमो, गुस्ताख्रो, दिठपना, दिठाई । दे॰ 'उद्दंहता' ।

म्थ. शोल —श्र'दमीयत, तमीज, मनुष्यता, मनुषाई, लियाकत, शालीनता, शिष्टता, सम्बता ।

ध्य- आभिमान — श्रकड, श्रकड्वाजी, श्रमति, श्रपनपी, श्रपान, श्रवतेप, श्रवतेपन, श्रदं, श्रदंकार, श्रदंवादिता, श्रदंता, इतराहट, ऐंठ, श्रापा, ख़ुदी, गरब, गर्व, गुमर, गुमान, गुकर, धमंड, ठसक, ठस्सा, तेहा, दर्प, दिमाग, फफ़्र्, मद, मदाधता, शेखी, हमेव।

मध्य श्रामिमानी — श्रक्ष्, श्रॅक्ष्र्, श्रॅक्ष्र् वीर, श्रहकारी, श्रहंवादी, उपरावटा, उसकदार, गरबीला, गरूरी, गर्वी, गर्वीला, गुमानी, घमंडी, तेही, दिमाग्रदार, दिमाग्री, फखो, मदाघ, सिकोही ।

६० श्रि**भिमान दिखाना—श्रॅगिराना,** श्रेठलाना, श्रद्राना, इठलाना, इतरा**ना,** उलटना, ऐंठ दिखाना, ऐठना, गर्ब जनाना, गर्वाना, घमड दिखाना, ठसक दिखाना, तनना, भरुहाना⊹दे० श्रक**रना**।

६१. शेखीबाज —श्रकहनाज, श्रकहू, श्रकहत, श्रतिवादी, एंडदार, गालू, टिरी। ६२ शेखो —श्रकह, श्रकहवाजी, श्रति-वादिता, श्रतिबाद, गलप, जल्पन, डीग।

६३. कोध — अप्रसन्तता, अपर्व, अपर्वस, आकोश, आपर्व, आवेश, आपर्व, आवेश, आवेश, उप्पा, कोप, कोन, गुस्सा, खफगी. खीस, खुनस, खुनुस, गर्मी, भल, भस्लाहट, भाँभ, सामिस, तामिस, तेह, तेहा, तेश, प्रकोप, भाम, भाम, मन्सर, राजस, रिस, रिस, रूप, क्या, गेप, हर. ह्या, हेल, हल। विलोम—दे० 'शांति'।

६४. कोधी—श्रनली, श्रमणी, कोषी, कोही, खुनसी, खिनसी, गुस्सावर, गुस्सैक, चंड, तेही, रिसहा, रोषी, सदप। विजोम— दे० 'शांत'।

१४. को चित — मप्रसन्न, मनलौहा, माको-शित, कुपित, कोपित, कुद, दुमित, चोभित, प्रका, खिसौहा, खुनुसारा, गर्म, प्रकोपित, रिसहाया, रुष्ट, लाल, लालग्रगार, सतर, सतरौँहा।

बिलोम--दे० 'शांन'

६६. क्रोधित होना— अनख करना, अन-खता, अनखाना, अनैसना, अप्रसन्न होना, आग बबूला होना, आग होना, कोपना, कोहाना, काध करना, कोधित होना, खिस्याना, खुनसाना, गुम्सा होना, फल्नाना, दॉत पीसना, नाराज़ होना, किगड़ना, रग बदलना, रिसाना, रिसि-आना, रिसियाना, रोसना, कृष्ट होना, कठना, रूसना, रोप करना, रेसना, लाल पड़ना, लाल पोला होना, लाल होना, संकोपना, सकुपना, सत्राना, सुगाना।

६०. भल्लाना — उबल पहरा किटकिटाना, कुद्रना, को घत होना, खिजनान, खीजना, खामना, चिद्रना, चिद्रनाना, भल्लाना, बिगडना। दे० 'कोधित होना ।

ध्य बापल्म — खेरक्वाह, खुशामदी, खुशा-मढीटट्ट, चाटुकार, चापल्सीपर्यंट, तेल-खगाने वाला, मन्दन मलने वाला, स्तहनकर्ता, स्तुनिधाचक, स्तु।तवाचक।

६१. चःपलुसी करना - ख़ेरख्वाही करना, खुशामद करना, चाटुकारो करना, तल खगाना, सर्वदा प्रिय बोलना, मन्खन मलना, सहलःना, सुद्रगना, हॉमो भरना, हॉ में हॉ मिलाना।

१०० **चापलूसी** — फ्रैरक्वाही, खुशामद, बादुकारिता, चादुकारी, ठकुरसोहाती, प्रसं**शा, रता**षा, स्तवन ।

१०१. खेरखाइ — फ्रेरकार, चापत्न, हम-दर्र, दित्, दितांचतक, दितेन्छु, दितेगी। १०२. खेरखादी-—सेरस्शही, चापस्ती, मला, मलाई, दित, दितचितन, दितता, दितैषिता।

१०३. <mark>जानकारी--श्रमिशतः, श्रान, श्राप्ति,</mark> जान, जानकारी, प'रश्रा, प'रचय, <mark>प्रांत-</mark> पत्ति, बोघ, वाकपियत, विश्रान ।

१०४. चश्चता--श्रशता, श्रनजानपन, श्रन-भिश्चता, श्रनाडापन, बहास्त, नाटानी, नावादभीयत, नासमभी, मूर्खता । दे० 'बुद्धिहोनता'।

१०**४. झात**— श्रवगत, ची-हाबाना, **बाना,** जानाबुका, शप्त, शात, पीग्शान, परिचित, पहचाना, पहिचाना, प्रतिपन्न, प्रतीत, मालूम, समका, समकाबुका।

१०६. **श्रज्ञात-**-ग्रनजाना, <mark>ग्रनवगत, ग्रप-</mark> रिचित, नानालूम ।

१८७ समक्त में आने योग्य— शतस्य, जानगम्य, जानगोचर, ज्ञय, बोधगम्य।

१०८. चर्चा— ज़िक्र, तज़िक्स, बात। १०६. पूछना— ज्ञात करना, शान प्राप्त करना, दरियाम करना. पूछताछ, करना, मालूम करना।

११८. पहचानना—ऋभित्र होना, चोन्हना, जानना, जात करना, परिचय करना, परि-चय पाना, परिचित होना, बूभना, मालूम करना, पहचानना, लक्ष्या खानना, बाक्कि होना, समभना ।

१११. जानकार— श्रामिश, श्रानपहचानी, शता, शानवान, शानवढ, शानो, तश, तस्व-विट, परिचित, पारंगत, गुलाकाती,वाक्रिक, विश, चित, विद्। दे० 'बुद्धिमान'। ११२. श्राझानी—श्रम, श्रमानो, श्रमात, श्रानचोन्हा, श्रामान, श्रामीक, श्रामाती, नादान, नावाकिक, नासमफ, भोलाभाला, मूर्ख, सोधासादा । दे॰ 'बुद्धिहोन' ।

११३. अपरिचित-ग्रजनने, श्रनजाना, अपनाना, अपनाना,

११४. पहचान — चिन्ह, चिन्हानी, जानपह-चान, निशान, निशानी, परिचय, लच्ण, सच्छन, चिह्न।

११४. पह बनवाना-चिन्हवाना, चिन्हाना, बनवाना, बतज्ञाना ।

११६. जान पहचान—चिन्हारो, चीन्ह-पहचान, जान पहिचान, परिचय।

११७. परिचय —जानकारी, जानपहचान, वाक् फियत ।

११८. पूछ —ज्ञात, दिखास्त, मालूम ।

११६. पूछपाछ — जिज्ञासा, जिरह, पूछ, पूछपाछ, पूछपाछ, पूछावाछो, पूछावाछो, पूछावाछो, पूछावाछो, पूछावाछो,

१२०. **ज्ञापक--**म्रभिषायक, परिचायक, बोषक, विज्ञापी, सूचक ।

१२१. ज्ञापित — ब्राज्ञापित, विज्ञप्त, विज्ञा-**पित, स्**चित ।

१२२. विज्ञापन — इश्तहार, घोषणापत्र, मकास्कीय, प्रश्नित, विश्नित, स्चना, स्वनापत्र।

१२२. रत— अंतर्लीन, अतुग्क, आसक, ग्राहक, ग्राहक, ग्राहक, ग्राहक, ग्राहक, ग्राहक, ग्राहक, तन्त्र, तहनीन, व्यविक, विरत, फॅसा, बभा, मगन, मग्रा, मश्राहक, सुग्व, मोहित, रंबित, रत, लगा, आन्न, सहू, लबलीन, लहाजीट, लिप्न, स्थिन, विरत, विलीन, व्यस्त ।

१२६. बिर्क्ड--- ग्रननुरक, ग्रनासक, डबरा, उदार, उदारीन, प्रारुमुख, विद्युत, इटा। १२३. श्र विरक्त करना—उचाटना, चौकाना, भिभकाना, जी इटाना, डराना, भइकाना, भिरुखाना, विचलित करना। १२३. व श्राभिरुचि—इञ्झा, पसन्द, प्रवृत्ति, मन, दचि।

१२४. रत होना — आसक होना, इवना, तनमय होना, निमण्डित होना, प्रलिप्त होना, प्रसक्त होना, मझ होना, रॅगना, राखना, लगना, लिप्त होना, लवलोन होना, लीन होना, विलीन होना।

१२४. विरक्त होना—ग्रनतुरक होना,
ग्रलग होना, उचटना, उचाट होना,
खटकना, जो हटना, दूर होना, विरक्त
होना, विरक्ति होना।

१२६. विरक्त करना-श्रननुरक करना, श्रलग करना, उचाटना, उच्चाटन करना, जो हटाना, दूर करना, विरक्त करना ।

१२७. श्रनुरिकत-श्राविक, तन्मयता, निरतता, लगन, लयलीनता, लिप्तता, लीनता !
१२८. विरिकत--श्रनमनापन, उचाट,
उचाटो, उच्चाटन, उदावीनता, वित्तभंग,
विरिक्ति ।

१२६. उचाटना-उचाट करना, उचाटना, उच्चाटन करना, उदाक्षी करना, बी इटाना, विरक्त करना, विरक्ति **साना,** इटाना, उच्चाटित करना।

१३०. ललचना — इच्छा करना, उत्कंठिक होना, चाइना, तरसना, तृषित होना, नोकना, मोइना, मोहित होना, सटमा, ललकना, ललचना, ललाना, लाखच करना, लालायित होना, लुभाना, लोम करमा, लोभना, विमोहना, खिहाना, हुसना । १३१. लालाच-मामिष, इंहा, तृषा, तृष्या, कालच, लिप्ना, लोभ, लोभपना, कोक्कपता, इवस, हिरस, हिर्स ।

१३२. लालची-ललचहा, लालची, जुबुधा, जुन्म, लिलोहो, लोमो, लोक्चप ।

१३३. धेर्य-ग्राश्वास, ग्राश्वासन, इत-मिनान, कनायत, कल, फ्रातिरी, चैन, डाहर, दारस, तसल्ली, दमदिलासा, दिलजमई, दिलासा, घीर, घीरज, घीरता, घीरा, धृति । बोध, सात्वना, शांति, संतुष्टि, संतोख, सतोष, सबर, सब, स्थैर्या।

१३४. अधेरी-अशांति, ऋसतोष, ऋस-दुष्टि, स्रोभ ।

१३४. धैर्यवान—श्राश्वस्त, इतिमनानी, डाइसी, हद, धैर्यशील, साबिर।

१३६ लाचार-प्रधोन, त्राजित, परवस, परेग्रान, विवश !

१<mark>३०. लाचारी-श्र</mark>धीनता, श्रनधिकार, पर-**बस्ता, परे**सानी, बेबसी ।

१३८. च।इ — श्रिभिक्चि, श्रिभिलाख, श्रिभिलाख, श्रिभिलाखा, श्रिरमान, श्रिकाखा, श्रारज्ञ, श्रिलाखा, श्रारज्ञ, श्रिलाखा, श्रारज्ञ, श्रिला, इंदा, इंदा, इंदा, इंदा, इंदा, काचा, कामना, स्थाहिश, चाब, छद दोइद, बाछना, बाखा, मनोरथ, मोइ, कचि, ललक, लालच, लालचा, लालचा, किन्सा, वाळा, साथ, स्पृद्दा, इंदस, इंदिश, इंदरत।

विस्तोम-दे॰ 'पृया'।

१३६. चाइना-झनुरागना, श्रभिलासना, श्रम्याना, रेखना, रेखना, रेठना, चाइना, चूमना, चाइना, प्रमाना, प्रमाना, प्रमाना, प्रमाना, प्रमान करना, प्रमान करना, प्रमान करना, प्रमान करना, स्वेद देना, खाइना। दे॰ 'प्यार करना'।

विलोम -दे॰ 'बिनाना'।

१४०. चाहनेवाला—ग्रिमलाघो, ग्राकां-चक, ग्राकां बी, इच्छु, इच्छुक, उन्कंठित, उत्सुक, काची, कामां, कामुक, ख्वाहिशमंद, चाही, तृषित, लालची, लालवी, शायक। १४१. जिसमें किसी भी प्रकार की चाह न हो—ग्रकाम, श्रचाह, इच्छा-विहीन, कामना रहित, चाहशूत्य, निरीह, निष्काम, निष्प्रेही, निरपृह।

१४२. चार्हा हुन्ना—ग्रभिलवित, ग्रमी-च्छित, ग्रभिष्सित, ग्रभोष्ट, ग्राकाचित, इन्द्रित, इप्सित, बाछित, वाछित।

१४**३. श्रनचाहा—श्र**नमिलवित, **श्रनमोष्ट,** श्रनादाद्दित, श्रनिच्छित ।

१४४. चाहने योग्य — बाछ्यनीय, स्पृह्णीय । १४४. प्यार — अनुराग, अपनत्व, अपना-पन, आश्चनाई, आसक्ति, हरक, उन्सियत, उल्पात, चाह, चाहना, दुलार, प्यार, प्रण्य, प्रति, प्रम, प्रेमभाव, ममता, ममत्व, गीत, रस, राग, मोह, मोहन्स्त, रुचि, लगाव, सौ, लाइ, लाइप्यार, बात्सह्य, स्नेह, हेतु ।

१४६. बारसल्य—वात्तस्य, तौहार्द, त्लेह, इद्यद्राव ।

१४७. भक्ति —श्रनुराग, प्रेम, भक्ति, भवन-रति, भवनावकि ।

१४८ घृता--श्रवाह, श्रनिच्छा, श्रिप्यता, श्रद्धि, श्रार, घिन, विद्, बुगुप्टा, नक्र-रत, नीठि, विरत्ति।

१४६. घिनाना—विन करना, घिनाना, घृषा करना, द्विः द्विः करना, द्वगुष्ठा करना, यू यू करना, युको युक्री करना, नफरत करना, निंदा करना, मुँह फेरना, मुँह सिकोइना, राम राम करना।

१४०. श्रंकमाल-ग्रंकमाल, त्रकमालिका, श्रॅकवार, श्रकोरी, प्रेमालिंगन।

१४१. प्यार करना—श्रासिक रखना, चाइना, दिल देना, दिल मे रखना, दुल-यना, दुलारना, पुचकारना, मानना, लाइ प्यार करना। (प्यार) के पर्यायों में 'करना' जोड़ कर श्रीर भी शब्द बनाए जा सकते हैं। दे० 'चाहना'।

१४२. लिपटाना—श्रक भरना, श्रंग लगाना, श्रकवारना, श्रंकवार देना, श्रॅकवारी देना, श्रक भरना, श्रॅकवार भरना, श्रॅगेजना, श्रालिंगन करना, श्रालिंगना, श्रालिंगित करना, गले लगना, गले मिलना, चिपकाना, चिप-टाना, छातो से लगाना, जुटाना, जोइना, भिइना, भेंटना, मिलना, लपटना, सटना, सीने से लगाना।

१४३. प्यार करने वाला—श्रासक, उल्फर्ता, चाही, प्रणयी, प्रोमी, मोहन्बती, सनेही।

१४४. घृशित—गदा, गहित, घिन, घिनहा, बिनवा, घिनावन, धिनौना, घृशित, खुगुप्सित, निन्द्य, बीभत्म, बुग, विकृत।
१४४. प्यारा—चाहा, चितचोर, दिलवर, दिलब्ब, दुलारा, प्रिय, प्रायाजीवन, प्रायाचन, चनम, स्वयाचन, च्याचन, खांचन, खांचन,

१४६. प्यारी—चहेती, वनिया, वानी, दिलवानी, दिलवानी, दिलवा, दुलारी, प्राव्यारी, प्राण्यारी, प्राण्याला, प्रिया, प्रियतमा, प्रोतमा, प्रेयिस, प्रेयसी, बल्लभा, रवनि, हृद्येश्वरी । १४७. अद्धा—श्रादर, प्रेम, अद्धामान, सम्मान, सर्घा। दे० 'इज्वत'।

१४८. श्रद्धालु—श्रद्धायुक्त**, श्रद्धावान,** श्रद्धास्पद, श्रद्धी ।

१४६. निदा-श्रपकीरति, श्रपकीर्ति, श्रपचार, श्रपयश, श्रपवाद, श्रपस्तय, श्रयश, श्राचेप, श्राकमण, उपहास, श्रू, कुख्याति, गईण, धिक, बदगोई, बदनामी, मर्सना, शिकायत।

१६० निदित—श्रपकृत, श्र<mark>पमानित,</mark> श्राद्धित, कलंकित, गर्हित, <mark>जुगुन्तित,</mark> बदनाम ।

दे० 'बेइज्जत', 'बदनाम'।

१६१. निंदनीय--कुल्सित, गईग्रोय, गर्ब, निंद, निंदनोय, निंद्य, नीच, बुरा ।

१६२. निद्क--- भ्रपवाटक, भ्रपवादी, चनाई।

दे॰ 'चुगलखोर'।

१६३. चुरालखोर—कर्योजप, चवाई, चुगला, चुगुला, नारद, पिशुन, खुतरा, स्चक।

१६४. चुरालखोरी— चुगलकोरी, **चुगुली,** पिशुनता, पैशुन्य, **लगाना-दुफाना,** जुतगई, जुतुरई।

१६४. खुगली करना— इपर का उपर करना, खुगली खाना, नारह का शिष्य र होना, नारद होना, लगाना, लगाना-सभाना।

१६६. प्रसाम—श्रभिवंदन, श्रभिवदना, श्रमिवदना, श्रादान, श्रादान, श्रादान, श्रादान, श्रादान, व्यभारत, जयश्री, व्यस्वदेश, जयहिंद, व्यहिंदी, दडवत, नमन, नमस्कार, नमस्तुम्यम्, नमस्ते, प्रसात, प्रसाम, वदे, सलाम।

विलोम--'श्रनादर'।

१६७. प्रणास करना — श्रभिवादन करना, श्रादाबरज़ करना, गोइ लगन', जैराम करना, जैहिंद करना, नमन करना, नमना, नमस्कार करना, नमस्ते करना, प्रणाम करना, पलग्गी करना, पावलगी करना, पर छूना, प्रणामना, राम राम करना, बद्दे करना, सर भुकाना, सलाम करना, हाथ उठाना, हाथ जोइना ।

१६८. आदरना—श्रादर करना, श्रादर देना, श्रादरना, श्रावमगत करना, ईञ्जत करना, सत्कार करना, समाहत करना, सम्मान करना।

१६६. श्वनाद् करना—श्रन्सन् श्रना-दर करना, श्रनाहत करना, श्रपमान करना, श्रपमानना, श्रवशा करना, श्रवमान करना, श्रवमानना, श्रवहेला करना, श्रवहेलमा करना, तिरस्कार करना, निदरना, निराहर करना।

१७०. चाशीर्षाद्—ग्रशीस, ग्रसीस, चाशित्र, चाशीः, ग्राशीर्वचन, ग्राशीर्वाद, दुव्या, शुभवयन । १७१. चसीसना—ग्रदीस देना, ग्रसीसना, श्राशीर्वाद देना, दुश्रा देना, शुमकामना देना, शुभाशीश देना । १७२. शाप—श्रक्तपा, श्रामशाप, श्राम-सपात, श्रवप्रह, श्राकोश, कोप, गाली, बद्दुश्रा, शाप, श्राप, सराप, साप। १७३. श्राशीर्वाद देना—श्रमं सना, खुश रहा कहना, दुश्रा करना, दुश्रा देना। १७५. शाप देना - श्रामसापना,श्राकोशिस करना, कोसना, कोसना काटना, कोसाकाटी करना, पानी पीर्ग कर कोसना, बदकारना, बुरा मला कहना, शाप देना, भाप देना, सरापना, हूंमना।

(७४. शापित—श्राभशप्त, श्राभशापित, शापप्रस्त, श्रापित, सापित ।

१७६. प्रार्थना—ग्रनुतय, ग्रनुतय-विनय, ग्ररम, ग्रनं, इस्तना, इस्तन, इस्तद्वा, निहोस, अशस्ति, निवेदन, मनौती, मिनति भिन्नत, विनना, विनय।

१७७. लिहाज-श्रदन, इज्ज्त, स्यात, भ्यान, सेहाज ।

१७८. राजी होना—मजूर करना, मान जाता, मानता, स्वीकार करना स्व'कृति देना, इप्पामरना ।

१७८. ब्रहण्-श्रगोकार, उपराग, ब्रह, ब्रह्म, ब्रमन, ब्रास, मज्र, स्वाकार।

१८०. त्याग— श्रस्पृहा, तकं, त्यजन, त्याम, निर्वेद, निस्पृहा, पश्त्याम, वर्जन, बहिष्कार, वैराग वैराग्य ।

१८१. त्यागी—च्चतान, त्यागक, निर्लेप, निस्पृद, विद्यम्बारी, विरक्त, विरागी, वैरागी, वैराग्यप्राप्त ।

१८२. त्यागना — श्रलग करना, श्रस्तोकार करना, क्षोकना, टोल देना, दोलना, तबना, तर्क करना, तर्कना, त्याग करना, कूर करना, बदल जाना, पृथक् करना, मुख्य मोदना, इट जाना, इटना।

१६३. श्रॅगवाना—श्रॅगवाना, श्रंगीकरण करना, श्रंगीकार करना, श्रंगेजना, श्रंगेजना, श्रंगेजना, श्रंगेजना, श्रंगेजना, श्रंगेजना, श्रंगेरना, श्रएता, उठाना, श्रोढ़ना, गहना, प्रहण करना, धारण करना, घारना, केलना, वरदाश्त करना, मंजूर करना, सहन करना, सहना, सिर पर लेना, स्वीकार करना।

दे॰ 'स्वीकार करना'।

१८४. राजी—श्रनुकूल, तैयार, रजामद, सम्मत, सहमत।

१८४. जो राजी न हो—श्रसम्मत, श्रसह-मत, ख़िलाफ़, प्रतिकृत ।

४६२. स्वीकार करना — श्रागीवार करना, श्राप्ताना, प्रास्त करना, पाना, प्राप्त करना, मंजूर करना, मानना, लेना।
दे० 'श्रागवना'।

450. इनकार करना— ग्रस्वीकार करना, इन्कार करना, नकारना, न मानना, नाम जूर करना, नाही करना, गुकरना। दै० 'छोड्ना'।

१८८. स्वीकार--श्रगोकार, प्रहण, मजूर, स्वीकृत।

१२८. इनकार—श्रनगीकार, श्रस्तीकार, श्रस्तीकृत, नकार, नामजूर, नाहीं।

१६०. स्वीकार्य — ग्रागाकार्य, श्रस्याब्य, अस्यीय, शक्षा

१६१. श्रास्त्रीकार्य — प्रनगीकार्य, श्रमह-कीय, श्रमाह्म, त्याज्य, परित्याज्य, वर्ज्य । १६२. गृहीत — श्रपनाया, प्रहास्ति, मजूर । १६३. स्यक्त — क्वोड़ा, परित्यक, वहिष्कृत । १६४. स्वीकृति—इजाज्त, परवानगी ।
मंज्रो, रज़ामदी, राय, सम्मति, सही, हाँ।
१६४. दान—ऋंहति, श्रतिसर्जन, श्रपवर्जन, श्रपंग, उपसर्ग, उत्सर्जन, स्वन,
तेरात, ज़कात, त्याग, दानशीजता, दाय,
निर्वपन, प्रतिपादन, प्रदान, प्रदेशन,
प्रादेशन, बिलदान, मुक्त, विहापित,
विसर्ग, विसर्जन, स्पर्श, स्पर्शन ।
१६६. माँगना—उघार लेना, जाँचना,

रहर, मागना—उवार लना, जायना, जाचना, मँगनी लेना, याचना, या**चना** करना।

१६७ दान लेना - दान लेना, प्रतिमहना, परिग्रहना।

१६८. लेना - उद्धृत करना, मह्य करना, इथियाना, इस्तगत करना ।

१६६. देना — ऋषेण करना, ऋषित करना, चरणां पर रखना, थम्हाना, प्रदान करना, समर्पित करना, सौपना।

२००. **दानपात्र—दातब्य, दानपात्र, दानार्ष्,** े देने योग्य ।

२०१. दानी — उदार, दयालु, द, दाता, दातार, दानकत्ती, दानवीर, दानशील, दानशील, दानशील, दानशील, दानशील, दानशील, दानशील, देवाल, दिनेवाला, देवा, देवाल, प्रदायी, बहुपद, महान्, महाशय, वटन्य, ददान्य।

विकोम—दे० 'कंज्स'। 'भिसारी'। २०२. सावभान—फ्रवरदार, वैक्रम, चौकन्ना, बौदस, संबेत, संबेतन, स्वस, सतर्क, सुचेत, होशियार।

२०३. **चस।वधान—ग्रंध, ग्रयेत, ग्रयतर्द,** उम्मत्त, गाफ़िल, वे**ग्न**रर, वे**ह्नय, गंगादीन** । २०४. सावधानी—ख़बरदारी, चौकताई, चौकती, सतर्कता, सावधानता, होशियारी। २०४. श्रसावधानी —श्रवावधानता, गाफिली, बेख्वरी, बेपरवाही, लापरवाहो। २०६. सावधान हरेना—कान खड़ा होना, विचकना, विजुकना, भड़कना, सचेत होना, सतर्क होना, होश में श्राना, होशियार होना।

२०७. श्वसावधान होना—कान में तेल डालकर पड़ा होना, लापरवाह होना, सोना। 'श्रतात्रधान' के पर्यायों में 'होना' तथा 'श्रतात्रधानी' के पर्यायों में 'में रहना' श्रादि जोडकर श्रीर भी शब्द बन सकते हैं।

रंश्वः सावधान कराना—चिताना, चेत धराना, चेताना, चेताननी देना, चेतन्य करना, चौकस करना, जतलाना, खताना, बतलाना, बताना, याद दिलाना, सचेत करना, सतक करना, सावधान करना, सूचित करना, स्मरण दिलाना, हांश दिलाना, होशियार करना।

२०६. साहसं — जिगर, जावट. पुरुवार्य, हिम्मत. हियाव। माहसी के लिए दे॰ 'उत्साही'!

२१०. दुश्साहस —श्रशालोनता, दिठवना, दिठाई, धृष्ठता ।

२११. उमगना — उस्साह में होना, उत्धा-हित होना, उमगना, उमगित होना, जोव में साना।

२१२. बस्साह—इझाइ, उफनन, उफान, उनाम, उमंग, उमग, उमगन, उमाइ, उसम, उस्मास, बास, बोस, बोसकरोस, काइच, हारक, प्रोत्मह, पराकम, बासका,

साहस, हिम्मत, हियाव, हुलास, हौस, होसला । दे॰ 'साइस'। २१२. ऋ झाशा-- त्राध, ऋास, ऋास, **त्रा**सरा, उमेद, उम्मोट, भरोसा । २१२. श्रा निराशा — नाउम्मेदी, निरा-शता, नैराश्य, बेन्नासा, बेभरोसा, इरास । २१३. नाउम्मेदी-उत्ताहहीनता, दाद्ध-हीनता, निराशा, हताशता, हतोत्साहता । २१४. उत्साही —उद्घाही, दिसचला, दिलावर, दिलेर, पराक्रमी, साइसिक, साइसी, हिम्मतवर, हिम्मती, शैतलामद । २१४ नाउम्मेद—उत्साइहीन टंडा, ना-उमेद, निराश, निराशो, निरास, रलब, इताश, इतास, इतोन्<mark>माह</mark>। २१६. प्ररागा — उत्तेजना, उत्साह, प्रोत्साहन, बढ़ावा । २१७. प्ररेशा देना-उत्तेषित करना, उत्साह बढाना, उत्साहित करना, उमका**ना,** प्रेरेत करना, प्रोत्साहित करना, बदावा देनाः √ १८. प्रेरक — उत्तबक, असाहक, प्रोत्सा-**EF** 1 २१६. मरदाना--ऊर्बस्वो, पौरुपदुक, वोर्ययुक्त, वार्यभ्या, मर्द, सपौद्य । २२०. नवुंमक -क्नोर, कापुरुष, किचर,

नामद, मुखनस, प्रेसवह न, वर्षवर, **रांट,**

२२१. मरदानगोः—ब्राद्मियत, इनसानित,

पुंसत्व, पुरुषत्व, पौरुषत्व, मरदर्द, मरदा-

२२२. नपुंसकता —क्रोबल, स्तोबता,

नपुंतक्षत्र, नामरीं, हिबहापन ।

षठ, सर्द, हिनहा, हीनहा ।

नगो, मदुभा

२२३. चाद्मियत-इनसानियत, मनुष्यता, मनुष्यत्व, मदुभी।

२२४. चिंता—श्रतभीवना, श्रंदेशा, श्रंदोह, श्रटक, श्रनमन, श्रवतेर, श्राधि, श्राध्या, श्राध्यान, श्रावर्त, उलभन, उत्कटा, उद्देग, कातरता, खभार, खटक, खटका, खटका, चिंत, चिंतन, चिंतना, चिंतिया, ठठ, तरद्दुद, तश्रवीश, त्रास, दुचितई, दुचिताई, दुविधा, ध्यान, परवा, परवाह, परिभावना, फिक्र, फिराक, भय, भावना, विधाद, विसूर, शका, शोच, सुरति, सोच, स्मृति, हगस, हूक।

बिलोम-'शाति'।

२०४. चिंता करना—चिंतना, चिंतत होना, फ़िकर करना, फिक्र करना, शोक करना, सोगना, सोच करना, सोचना। विशेष—'चिंता' के पर्यापों में 'करना' या 'में पड़ना' श्रादि जोड़ कर 'चिंता करना' के श्रीर भी पर्याय बनाए जा सकते हैं।

२२६. चितित—श्रतमंन, श्रकल, श्रचेत, श्रघोर, श्राकुल, श्राकुलित, श्रातुर, उद्धिन, होभित, खिन्न, गहवर, चिता-कुल, चिताप्रस्त, चितातुर, चितायुक, दुचित, दुचिता, दुदिला, दोचित, दुर्मन, फिक्रमद, फिक्रमस्त, विकल, वेकल, वेकल, वेकल, वेकल, वेकल, व्याकुल, व्याकुलचित्त, श्रकावुल, संभात ! २२०. निश्चित—श्रचित, श्रकावत, श्राहाद, मिचित, निर्भय, निशक, वेपरवाद, वेफिक, श्रोचरहित, लापरवाद, सुचित । दे० भस्त'।

२२८ निश्चितता—बाझारी, विता-विदीनता, वेपरवादी, वेफिकी, मस्ती, लापरवाही, युचितादी।

२२६. शंका—श्रंदेशा, श्राशंका, श्रनिर्यंव, दर, श्रास, दगदगा, दुचितई, दुचिताई, भय, शक, श्रुवहा, सदेह, संशय, संस, ससई, सुवहा।

२३०. सदिग्ध-श्रिनिश्चित, सदेहपूर्ण, सशयात्मक।

२३१. दुर्बिधा— ऋदेशा, ऋसम**बस,** - ऋागापीछा, दुबिध, पशोपेश, **बह्म,** - संकोच, हिचक, हिचकिचाहट।

२३२. हिचकिचाना- श्रटकना, श्रट-पटाना, श्रागांपीछा करना, करमसाना, दबना, भेंपना, पशोपेश में पदना, दकना, सकोच करना, संनोचना, सकुचना, सकुचाना, सदेह में पढ़ना, सश्रावत होना, सिटापेटाना, हिचकना, हिच-किचाना।

२३३. भय--श्रदेशा, श्रंदक, श्रक्षक, श्रातक, खरखशा, खमार, खौफ, बर, दगदगा, दइशत, भय, भित्त, भी, भीति, भीक्ता, भीक्ताई, भै, शंक, शंका, सकोच, सशय।

२३४. भयभीत होना—श्रपडरना, श्रातवित होना, कॅपना, कॅपकॅपाना, कॉप
उठना, कांपना, खौक करना, करना,
श्रयना, डेराना, श्रास खाना, धरकता,
धरथराना, धर्मना, दहरना, दहलना,
दहरात खाना, भमरना, भय खाना,
भयभीत होना, भयाकुल होना, भयाका,
भीरना, भभहरना, संखना, संकालाव होना, शंकत होना, संकुष्णित होना, संत्रस्त होना, सशंकना, सशंकित होना, स्तमित होना, सहमना, सहरना, सहराना, सिहरना, हहरना ।

२३४. भयभीत करना—ग्राशंकित करना, कॅपाना, डरपाना, डरवाना, डेर-बाना, डेराना, त्रसना, त्रासना, धमकाना, मभराना, भ्वहराना, संकाना, सर्शकना, सशकित करना, सहमाना ।

२ । ६. चाँस दिखाना — श्रांस भौ चढाना, श्रांसे दिखाना, घुइरना, घूरना, तरेरना, तोइस हिल्ट से देखना, त्योरी चढाना, त्योरी चढाना, त्योरी बढलना, लाल श्रांसे करना।

२३७. भयभीत —श्रातिकत, कंपित, कानर, बोभित, चिकत, चौकना, त्रसित, त्रस्त. शास्ति, भयभीत, भयाकुल, भयातुर, भोत, भोर, भीक, भैहा, शंकित, सशंक, सशंकित, हौलदिल।

२३८. होत्रा—कटाऊँ, गो गो, जूजू, भकाऊँ, हाऊ, होवा।

२३६. भीष — श्राधादिल, कातर, कायर, क्र, डरपॉक, डरपोक, बुजदिल, वेहिम्मत, हिम्मतहीन

२४०. निर्भय-श्रव्सद, श्रद्धोभ, श्रदर, श्रदंड, श्रपमय, श्रभय, श्रशंक, श्राद्धाद, निडर, निर्भय, निर्भोक, निर्भात, निर्शक, श्रयहम, वेखीफ, वेघइक, साहसिक, हिम्मत-यर, हिम्मती।

बर, हिम्मती। २४१० भीवना —कातरता, कायरता, कूरता, कूरपन, करपाकपन, बुज़ादेली, भीवता, भोवताई।

े १४२. जिर्भयता — खपभय, निडरपन, विडरपना, निर्भीयता, नेप्नीफो, साहत, विद्यत । २४३. भयानक — श्रिवोर, उम्र, कराल, कराली, कृर, खतर, ख्लार, खीफनाक, घोर, चंड, डरावना, प्रचंड, विकरार, विकराल, भयंकर, भयद, भयप्रद, भयान, भयानक, भयावन, भयावह, भीम, भीष्ड, मीष्म, भैजन, भैदा, मैरव, इह, रोम-हर्षण, लोमहर्षण, विकट, विकराल, हीलनाक।

२४४: भयहारी —भयनाशक, भयमोचन, भयहरख।

२४४. कॉंपना--कॅग्ना, कॉंना, घबडा़ जाना, डर जाना, थरथराना, थरौना, विकिपत होना, सिहरना, हहग्ना ।

२४६. <mark>धमकी —धुडकी, डपट, डॉट,</mark> डाट-डपट, ताड्न, ताड्ना, **८६शत,** क्षिरवनियाँ।

४४७. धमकाना —श्राँख दिलाना, श्रातं-कित कला, घुड़कला, घुड़का देना, डपटना, डॉटना, डॉटना-इपटना, ताँसना, टइनाना, धमका देना, धिरवना, धिरव-नियाँ देना, पटकारना, फिटकारना भव दिलाना, इहगाना।

२४८. घुड्कना—मुड्कना, मुड्को देना, घुड्कनः, इपटना, इटिना, भाड्यना, भिड्डनः, पटकारना, जिग्हना।

२४ - धाक--त्रक्षक, श्रपडर, श्रपभय, श्रातक, श्राशका, द्योभ, खटका, खतरा, असन, असन, इडटबा, दर्प, प्रभाव, भंमोर, रोड, शका, सहम, सामा, साका, संख्य, हराम, हबल, इहर, होल।

२४०. घाक जमना--धाक वेंगना, चाक वैठना, घाक होना, रोव गालिव होना, रोव अमना, रोव होना, रौव अमना। २४१. धाक जमाना—धाक जमाना, धाक बाँधना, धाकना, रोव गाँठना, रोव गालिव करना, रोव जमाना।

४४२. घाकड़-- तेज, तेज़तर्राक, मर्द, रोब-इल, शेर, हिम्मती।

२४३. विश्वास— इतनार, एतनार, पति-यारा, परतीत, प्रतीति, प्रत्यय, निसवास, निसास, भरोसा, भाव, यक्रोन।

२४४ विश्वास करना—एतबार करना, पतियाना, प्रतीति कग्ना, प्रतीति मानना, मानना, यक्नीन करना, यक्नीन रखना।

२४४. विश्वसनीय— क्राबिलेइतबार, पर-तीती, विश्वस्त, विश्वासपात्र, विश्वासी ।

२४६. ऋविश्वसनीय—ऋविश्वासी, विश्वास्वाती, विसिन, वेएतगरी।

२<mark>४७. विश्वा</mark>सघात—श्रवघात, कपट, <mark>छल, घोका</mark> ।

२४८. बिढ़ — कुढ़न, खिजलाइट, खिम, खोज, खीम, मल्लाइट, मुंमलाइट, रोष।

२४६. चिढ्ना—कुढ्ना, किटकिटाना, खिजलाना, खीजना, खीभाना, चिड्-चिडाना, भल्लाना, भीखना, विगडना, रिगना, सदराना। दे० 'कोधित होना'।

२६०. चिदाना—श्रीरसाना, श्रनखाना, कुढ़ाना, खिजलाना, खिफाना, चिदाना, रिगाना।

२६१. स्पद्धी--उपगचढ़ी, उपरोजपरा, चढ़ात्रपरी, प्रतिद्वंदिता, रीस, होइ। ६६२ इंड्यी--श्रचमता, श्रतस, श्रस्या, ईषसा, ईषी, इंड्यी, कुढ़न, सार, जलन, डाइ, द्वेष, द्वेष्स, मत्सर, मत्सरता, रहक,

राग, रोस, बिद्रेष, विरोध, वैर, शत्रुता, सालु, इंस, इसद, द्विसका, दीस । २६३. ईर्ष्या करने पाला— इ.सनसुरा, श्रदेखी, ईचींखु, डाही, मत्त्ररी। २५४ कृतम-अकृतज्ञ, कृतब्नी। २६४. कृत**ञ्च**-ग्रनुगृहोत, ग्रामारी, ऋ**ची,** एहरानमंद, ममनून, शुक्रगुनार । २६६. कृतघता-- श्रक्तश्रना । २६७. कृतज्ञता-- श्राभार ऋष, एइसान । २६८. धूर्त-- ऐबी, बपटी, कितव, कुटिल, चुद्र, खल, खोट, खोटा, चतुर, चालाक, चालिया, चाली, चुलबुला, छुद्मा, **ब्ल**-छंदी, छलहाई, छलिया, छली, छुद्र, बद्धा, ठग, दगादार, दगाबान, दुराचारी, दुर्बन, दुष्ट, धृत, भोखेशज़, नटखट, फ़रे**बी**, प्रवंचक, बदमाश, बचक, मक्कार, माया-

२६६. धूर्तता -- कपट, कुटिलता, कुटिल-पन, कुटिलाई, खोटाई, चतुराई, चाल, चालवाली, चालाको, दल, कुलद्ध, छनस्त्रित, छलाई, टगपना, दगा, दगा-बाली, दुर्जनता, दुष्यमं, दुष्टता, नटस्रटता, नटखटो, पानीयन, पानीपना, बदमाशी, मक्कारा, वचकता, शरारत।

विनी, मायावी, मायिक, हुन्वा, बंचक,

व्याखी, शरीर ।

२७ १. घूर्तता करना—कृटिलाई करना, छलछ इ वरना, छलना, ठगना, खाल चलना, चालबाज़ी करना, खटना, धोला देना, प्रबंचना देना, धरमाना, भुलबाना, भुलावा देना, भ्रम में डालना, बंचन करना, बंचना देना।

२७१. बदमाश--बाबारा, गुंबा, नंगा,

नंषा, बदमास, क्रुष्चा, लोफ़र, वारा, शरारती, शरीर, शोहदा ।

२७२. बदमाशी—श्रावारापयी, गुंडई, नंगपना, नंगई, नंघई, खुच्चई, लोफरी, श्रारत।

२७३. स्वार्थ-श्वपरती, खुदगनी, गरज़, मतलब, स्वार्थता, स्वार्थपरता।

६७४. स्वार्थी - खुदगरन, गरन्मद, गरनी, गरन्, मतलबी, स्वार्थपर, स्वार्थ-परायण, स्वार्थान्छ।

२७४. मित्रता— श्रनुक्लता, श्रप्रतिक्लता, श्रप्रतिक्लता, श्राविकदता, हठाई, दोस्ताना, दोस्ती, मिताई, मित्रता, मित्रत्व, मित्राई, मुझा-फिकता, मैत्री, याराना, यारी, सक्य, सक्यता, सौहार्द, सौहार्च।

२७६. राणुता— अकरा, श्रदावत, श्रनवन, श्रनरम, खटपट, गंस, गाँठ, चिढ्, आगहा, दुश्मनी, द्वेष, प्रतिकूलना, विशाइ, मुझालिफत, मनमोटाव, रिखश, रिपुटा, लगई, लाग, लागडाँट, विदेष, विदेषण, बिद्रोह, विद्दना, विरोध, वैमनस्य, वैग् राणुताई, सतुरता।

२७७. संग-संग, सगत, सगति, सगसाथ सम्बार, सहनास, सोहबत, हेलमेल

२७= पष्टना— चलना, दोस्ताना होन', होस्ती रहना, दाँन कारी गेटी होना, विभना, बनना, मित्रभाव होना, मैत्री होना।

५७६. न पटना — दुश्मनी होना, विगइना,
 विगाद होना, वैर होना, वैमनस्य होना,
 विमुख होना।

क्ष**ः सगदना—कलद् करना,** जूसना, क्षक्र**कक करना, भगदना, भगदा** करना, भगरना, बक्भक करना, भिक्ना, तकरार करना, मुंहबोरी करना, मुहाँ मुँहीं करना, लक्ना, लढ़ाई करना, वादाविवाद करना, विवाद करना, हुजबत करना।

२८१ सगहाल् — कलहकारी, कलहप्रिय, कलहारी, कलहा, फगहाल्, फगही, फगरी, लहाक, लहाका, लहाकू।

२८२. लड्ना (युद्ध)—बंग चढ्ना, जग जुरना, जुकार करना, जूकना, कपकना, कपटना, भिड्ना, मारकाट करना, युद्ध करता, रंगमचाना, लड्ना, लडाई करना।

२८३. विरोध— ऋनैक्य, प्रतिकृतता, विप-रीतना, विपचना । दे० 'शत्रुना' ।

२८४. विपर्ता - प्रतिद्वन्दी, प्रतिपत्ती, प्रतिपत्ती, प्रतियोगी, प्रतिवादी, प्रतिस्पर्दी, मुखालिफ, विपत्ती, विगेषी, स्पद्धी, हे० 'शत्रु'।

२०४ अनुकूल-श्रप्रतिकृत, श्रविषद, वर्च भे, मुश्राधिक।

२८६. प्रतिकृल⊸ श्रननुकृल**, उसटा,** -खेलाफ, विरद्ध ।

२८७. चढ़ाई—अभिक्रमण, स्विधान, स्राक्रमण, श्रारोहण, प्रयाण, घावा, यान, व्या, इमला, इल्ला।

२८८ विजय—उक्ति, जय, जयशी, जित, जीत, जैत, गरह, पते, फतेह, फत्ह, विजय, विजै विभय वृद्धि।

२८६ : हार - श्रजय, स्रपंजय, स्वयनति, पराजय, पराभव, संग, शिकल, शिकस्तगी, इराई, हार ।

२६०. विजयां—ज्यत, जित. वितवार, शंकतवेपा, जिल्बर, जेता, जैतवार, फ़तेहमह, विजयक, विजयशील, विजयं, विजेता। २६१. हराना — श्राकांत करन, थकाना, दबाना, पराजय देना, पराजिय करना, पराभूत करना, परास्त करना, पीछे हटाना, विजित करना, शिथिल करना, हार देना। दे० 'जीतना'।

२६२. हारना — आकात होना, पराजित होना, पराभूत होना, परास्त होना, पीछे, इटना, विजित होना, शिकस्त खाना, शिथिल होना, हार खाना।

२६३. जीतना—फतह पाना, फतहम्राव होना, विजय श्री हाथ रहना, विजयी होना, विजित करना । दे० 'हराना' ।

२६४. श्राचरण-श्राचरन, श्राचार, श्राचार-विचार, चरित, चरित्र, चलन, -चाल, चाल-चलन, रइन-सइन, विचार, -च्यवहार, शाल।

२८४. श्राचरना - ग्रचरना, श्राचरण करना, व्यवहरना, व्यवहार करना ।

२६६. स्त्राचरण करने योग्य—स्त्राचर-यीय, करणीय, करतब्य।

द्ध. सदाचार—ग्रदन, श्रृजुता, कायदा, तह्जीन, भद्राचार, भलमनसत, भलमन-साहत, भलमनसी, शराफ्रत, शालीनता, शिष्टता, शिष्टाचार, शोलता, शुभाचार, सन्जनता, सज्जनताई, सदाचरण, सम्यता, साधुता, सुजनता, सौमन्यता।

२६८. दुराचार—दुर्जनता, बदतह्नाची, म्रात्याचार, म्राष्टालीनता, म्रासज्बनता, वेम्रद्यी, बेक्रायदगी।

२६६. व्यक्षिचार—ऐयाशी, ऐश, ऐश-भ्रागम, कुकर्म, ग्राम्यकर्म, घाट, किनार, क्विनारा, क्विनाल, ज़ेना, बलात्कार, भोग, भोगविलास, बिषय, विषय-वासना । दे॰ 'मैथुन'।

२००. सदाचारी - ऋजु, बाग्नदब, बाब-हज़ीब, भलेमानुस, शालीन, शिष्ट, संबन, संज्जन, सम्य, सरीक्ष, सहृदय, सदाचारी, सुशील। दे० 'घमरिमा'।

३०१. दुराचारी— ग्रत्याचारी, श्र**राबीन,** श्रशिष्ट, श्रसज्जन, दुर्जन, बदत**इतीन,** बेश्ररव । दे० 'पापी' ।

३०२. व्यभिचारी—श्रधम, कामवान, कामाद्वर, कामी, कामुक, कुकर्मी, कुस्स्ति, कुप्यगामी, कुमागी, प्राध्यकर्मी, बट्हा, छिनरा, छिनार, छिनारी, दुश्चरित, दुश्चरित, नण्ट, पतिता, परस्तीगामी, भोगी, बट, बदकार, बदचलन, बिलासी, बुद्दा, खुरा, मेह्रग, विलासी, विषयी, लुस्चा, स्त्रैण।

३०३. पुराय-श्रमध, उत्तमश्लोक, किल. धर्म, पावन, पुराय, पुन, वृष, शुभाषाट, शोभन, अय, सन्कर्म, सुकृत, सुनंबि। दे० 'सटाचार'।

३०४. पाप — श्रहत, श्रम, श्रास्यय, श्रास्थान चार, श्रधमं, श्रामाण, श्रापकमं, श्रापक्रत, श्रापक्रमं, श्रापक्रत, श्रापक्षमं, श्रापाप, श्रापवाद, श्राधुम, श्राद, उपपात, एन, एनस, कल्ल, कदन, कर्षम, कल्लर, कल्लन, कल्लम, कल्लमल, कल्लाव, कल्लाव, कल्लाव, किल्लिय, किल्लिय, किल्लिय, कल्लाव, ग्रानहगारी, गुनाह, दुटिहण्ट, दरित, दुर्गिट, दुश्यव्टित, दुग्कृत, दोष, पंक्षपातक, पाप, पापक, वृक्षिन, श्रापक दे० 'दुराचार'।

३०४. धर्मात्मा—धर्मातमा, वर्मी, वामिन शुमकर्मी, शुभाचारी, सदाचारी। ३०६. पापी—मापी, गुनहगार, गुनही, बुष्टारमा, दोषो, पातको, पापकर्मा, पाप-वारी, पापारमा, पापी, पामर।

३०७. पापनाशक—श्रवहंता, श्रवारि, पापनाशन, पापनाशी ।

३०८. पालंड — त्राहंबर, खंद, खुलखंद, दक्षेत्रला, दांग, दोंगवालो, घंवला, पखंड, पहँग, बनावट, मिथ्याहबर । ३०६. पालंडी — ग्राहंबरी, ऊपरी, दोंगी, दक्षेत्रलावाल, दिलावटी, धर्मेश्वली, पहंदकी, पलंडी, बगुलाभगत, बनावटी, बहानेबाल ।

३१०. कुकर्म — शकर्म, अपकरम, अपकर्म, अपकर्म, अपकारंब, अपकारंब, अपकारंब, कुकरम, दुष्करंम, दुष्करंग, पाप, फेल, वदफेल । दे० 'दुराबार' 'पाप' ।

१११. शुभकर्म—दे० 'सदाचार' 'पुरव'। ११२. कुकमी—भगकरम, श्रक्मी, श्रप-करमी, श्रपकर्मी, कुकरमी, दुसकरमा, दुष्कर्मी, दृष्कृती। दे० 'दुराचारी', 'पापी'। ११३. सुकर्मी—शुभकर्मी, सत्कृती। दे० 'सदाचारी', 'धर्मात्मा'।

३१४. कलंक — अगराघ, कल्लघ, दाग, दूषका, दोघ, घटना, लाक्ष्म । दे॰ 'गाप' । ३१४. कलंकिन— अकलकी, कलंकी, कलंकी, कलंकी, कलंकी, देश कराधि — अभियोग, कस्र, ख्राबी, कस्रोत, गुनाह, दूषका, दोष । दे॰ 'पाप' 'कस्रंक', 'दुराचार'।

११७. निरपराधो —निदाष, निरपराधो, निद्धास, निदीष, निदीषा, बेकसूर, वेगुनाह, वेदाग, साफ, स्वय्झ ।

रितः चनराधा-मनराषः, कलकितः १३ श्रमियोगी, कस्रमंद, कस्रवार, कस्री, सोट, सोटा, गुनहगार, गुनहो, गुनाही, दोसी, दोषयुक, दोषी, पापी। ३१६. दूषगीय—दूषनाय, दूष्य। ३२०. दूसरे पर दोष सगाने बासा— दूषक।

३२१. लाज—श्रनी, श्राकुंठन, श्रावह, श्रार, कानि, खिसी, ग्रैरत, लक्, भॅप, तकल्लुफ, त्रपा, पत, मदाच, मंदास्य, ग्रुरव्वत, लब, लब्बा, लिहाल, बोढ़, बीहा, शरम, शर्म, सकोच, सकुचाहट, तकुचाई, सहम, हया, ही, होस्व।

३२२. लज्जाशील-जप्रप्रतिम, खिसौँहा, मुरव्यती, लजापुर, लजालु, लबोला, लजोर, लजोहा. लजौँहा, लज्जावान, लज्जाशील, शर्मीला, सकुचौँहा, संकोची, सलज्ज, ह्यादार, ह्यावान।

३२३. लङ्जावनी--लबोली, लम्बावती, लम्बाशोल, शर्मीली।

३.४८ निर्लेज — श्रपत, निलबी, निलब्ब, निलब्बी, निर्लब्ब, निर्लब्बी, निः-सकोची, बेशस्म, बेशर्म, बेह्या, बोह्यांन, सकोचहीन, सकोचिवहीत, हपाहीन।

१२५. लन्जाशीलता—तकल्लुफी, शर्मि-दगी, सकाच, इयादारी।

३२६. निर्लेज्जना—श्चपतई, दिठाई, निलजता, निलज्जना, बेशरमी, बेह्याई, रिजानी, बड़ाहीनता ।

१२७. लिंडजत - भिष्त, भौग, लग्न, लिंडन, श्रमिदा, सकुचित, बोहाबनत। १२८. लजाना - चपता, भौगना, लबाना, लिंडत होना, लांड करना, बोहा करना, बोहानत होना, शर्म है गइना, शर्म से पानी-पानी होना, शर्माना, शर्मिन्दा होना, संकोच करना, सकपकाना, सकुचाना, सिमटना, हया करना।

३२६. लजवाना—गदवाना, भिपाना, भेषाना, लजवाना, लजाना, लज्जित करना, शर्मवाना, शर्मिन्दा करना, संकु-चित करना।

३३१. मस्त— ग्रलमस्त, श्रोदर, श्रोला मौला, मन्न, मतवाला, मस्त, मदपूर्य, मदोन्मत्त, मनमौजी, मस्ताना, लहरी, सैलानी।

३३२. फिकरमस्त-कामकाचो, कामकाजू, कार्यव्यस्त, व्यस्त ।

३३३. मस्ताना— श्रलमस्त होना, मत्त होना, मस्त होना, मस्ती में श्राना, मौज में श्राना, मौज में होना, लहराना।

३२४. मस्ती—श्रलमस्तो, उन्मत्तत्ता, स्वीवन, सीवनि, निश्चितई, निश्चितता, फरागत, मत्तता, मत्तताई, मतवालापन, मदोन्मत्तता, मौन लहर, लापरवाही, सुचितई, सुचिताई, सुचिताही।

३२४. पागल-उन्मत्त, मत्की, दोवाना, धुनवाला, परवाना, बावला, मूर्ख, विद्यिप्त, सनकी, विद्रो ।

३३६. ठीक-चैतन्य, शात, होश में। ३३७. पागलपन-उन्मत्तता, भक्क, धुन,

सनक, सिंह।

३२८. पगलाना—उन्मत्त होना, दिमाग् सराव होना, पागल होना, प्रमत्त होना, बाई लेना, बावला होना, सनकना, सनकी होना, सर उलटना।

३४६ धुन- चक, सक, दबरी, दौरी, धुन,

रट, रर, लगन, लगनि, **लाग, लौ, सम्ब**, इवा ।

३४०. चन्मत्त- उत्कट, उन्मत्त, उन्मादी, द्वीव, खफ्ती, खब्ती, पागल, बाउर, बावरा, बावला, मत्त, मतवार, मतवारा, मतवाला, मतिभ्रष्ट, मदी, बौराह, विद्धिप्त, शौंड, सनकी, सिड़ी।

३४१. जन्माद्—उनमत्ता, उन्माद, स्वक्त, खन्त, चित्तविश्रम, जुनून, फल्ल, दोवाना पन. पागलपन, बावलापन, श्राति, वह-श्रत, सनक, मिड, सिडीपन, सौदा।

३४२ इडज्न-श्रदन, श्रिष्यम, श्रावर, श्रादरभाव, श्रादर-सत्वार, श्रावरू, श्राव भगत, श्रास्था, ऐश्वर्य, कदर, कीर्रात, कीर्ति, ज्ञातिर, ज्ञातिरतवाना, ज्ञातिरदारी, ज्ञातिरों, गौरव, यत, यतपानी, परिभित्ति, प्रतिष्ठा, पुरस्कार, पूजन, पूजा, बड्णन, बड्गई, महत्व, महानता, मान, शिष्टाचार. सत्कार, सन्मान, समादर, सन्मान।

३५३. इरुजत करना—- श्रर्चना, श्रादर देना. श्रादरना, इज़्तत देना, पूचना, प्रतिष्ठा देना, मानना, भद्धा देना, सम्भान देना, सम्मानना ।

३४४. इञ्जल**दार—ग्रा**दरप्राप्त, **ग्राहत,** गौरवशाली, पूजित, मानित, मानी, सम्मा-नित । दे॰ 'माननी', 'मशहूर' ।

३४४. बेश्ज्जत- ग्रनाहत, ग्रपकृत, श्रपः मानित, श्रवज्ञात, श्रवहेलित, स्वार, ज्लोल, तिरस्कृत, परिभूत, वेशायक, बेक्दर। दे० 'निदित'।

३४६. बेइड्जत करना— अपमानना, श्रवक करना, अवहेलना, अवहेला करना, इक्क उतारना, ज्लील करना, निदरना, पानी उतारना, प्रतिष्ठा भग करना, वेश्रावरू करना, वेहज़्ज़्तं। करना ।

२४७. बेइज्जत होना—श्रपमानित होना, ब्लील होना, बिल्लत उटाना, जिल्लत पाना, निराहत होना, बेपानी होना।

३४८. बेइडजती—श्रनादर, श्रपकर्ष, श्रप-कार, श्रपमान, श्रप्रतिष्ठा, श्रमरन, श्रवशा, श्रवहेलना, श्रवहेला, ख्वारी, जिल्लन, तिरस्कार, नामूमी, निरादर, बेइन्जती, बेकदरी, मानदानि, हतकइएजन। दे० 'निंदा'।

३४१. मशहूर—स्यात, स्यातिप्राप्त, भाकड, नामवर, नामी, प्रकाशमान, प्रस्थात, प्रमद्भ, विस्थात, सरनाम।

३५०. बदनाम—कुख्यात, नबरो, नामबृद । दे॰ 'बेइड्जत'।

३४१. सशहूरी—ख्याति, जम, नाम, नामवरी, प्रसिद्धि, यश, विरद, शोहरत, शोहरा।

३४२. बदनामी —कुख्याति, नामतल्की । दे॰ 'बेइज्जती' ।

३४३. **यशस्वी**—कीर्त्वमान, नामवर, बसी, नेकनाम, यशा, यशाल ।

१४४. माननीय-- आदरकीय, ईज्य. गवा-माम्य, गर्यय, गर्यमान्य, परमेज्य, नम-तीय, पूजनीय, पूजमान, पूज्य, प्रत्यतीय, पूज्यपाद, प्रतीद्वय, माननीय, मान्य, बंद-नीय, अद्यंय, अेष्ठ, वर, वर्य, सम्मान्य, स्मरकीय।

१४४. प्रशंसा—श्रीमवंदन, श्रीमवंदना, श्रीमवादन, गुर्वाकीर्तन, वत्त, तारीफ्, श्रवंता, प्रशस्ति, वसान, वहाई, महिमा, यश, श्लामा, सराह, सराहना, स्तवन, स्ताब, स्ट्रांत, स्तोत्र, स्तोम ।

३४६. धिककार— भिड्नी, डाँट, डाँट-डपट, डाँट-पटकार, तर्जन, शुक्का-फखीइत, शुक्की, शुक्की शुक्की, दुतनार, धिक, धिरकार, फटकार, फिटकार, मर्सिना, लथाइ, लानत, लानतमलामत, लिथाइ।

३४७. ऋपनी प्रशंसा—ग्रात्म-प्रशंसा, श्रात्मश्लाचा।

३६८ प्रशंसनीय—श्रिभवंदनीय, कथनीय, क्राबिहेतार पा, प्रशस्य, वर्षानीय, श्लाध-नीय, श्लःध्य, सगहनीय, स्तवनीय, स्तवि-तव्य, स्तब्य, स्तोतब्य, स्तोम्य ।

देश्ह. प्रशंसना—तारीफ करना, प्रशंसा करना, श्रन्छा कहना, तारीफ करना, बखान करना, बखानना, बढ़ाई करना, बश गाना, विरद् गाना, सराहना करना, स्तवन करना।

३६०. धिवकारना—अपवाद करना, खरी-खोटी सुनाना, भिडकना, भिडकी देना, तिरस्कार करना, थूकना, थूड़ी थूड़ी करना, थू थू कर-1, दुतकारना, दुटकारना, धिकारना, निदना, निटा करना, फट-कारना, फिटकारना, फिटकार सुनाना, लानतमलामत करना।

३६१. सिमकारना- श्रनाहर करना, श्रवश करना, श्रवहेलान करना, श्रवहेला करना, श्रमदा करना, उपटना, सम्भ-कारना, भटकना, भिमकारना, मिट कारना, भिद्धन , श्रोटना, फटकारना, तिरस्कार करना, युवनरना, इटाना। ३६२. सुद्ध-श्रवल, शिद्दन, लेदन, दिमाग्, चारखा, घी, वूम, वूमन, मस्तिष्क, समभा।

३६३. बुद्धिमान् — अकतमद, अभिन्न, श्रह्लमंद, ग्रागर, कुशल, कृती, कोविद, चतुर, ग्यानो, जहोन, जानकार, श्रानी, द्द, दिमाग्दार, दिमाग्रो, घोमान, नागर, निष्णात, बुबवान, बुद्धवान, बुद्धि-बान, बुद्धिवंत, बुद्धिशालो, बुद्धिशोल, मतिगर्भ, मतिमत, मतिमाह, मतिवत, मनस्बो, मनीषि, मनीषी, मेघावी, लायक, बिश्व, बिदग्ब, विवेकवान, विशारद,समभ्द्रार, सयाना, सुरता, सुराप, सुरापी, हुसियार, हुस्यार, होशियार । ३६४. बुद्धिहोन - ग्रह, ग्रहानी, ग्रनबान, अपद्, अपतिभ, अयुक्त, अवाध, अहमक, उबद्द, उबवक, गँशर, उल्लू, कुदबेहन, गदहा, गावदी, गोबरगनेश, घपुत्रा, षपोकानद, घप्पू, घाच, घोचू, चुप्पा, बह, नासमभ, निबुद्धि, पडितम्मन्य, पंडित्याभिमानो, पागल, बिजयाटिक, ब्द्रवृर्ख, बद्दवावला, बाँगडू, बाउर, बावर, बावला, बुद्धि वेहान, बुद्धिहत, बुद्धिहीन, बुद्, बेग्रस्ल, बेनक्क, बोदा, मकुन्ना, भुवतह, भैंत, भोंदू, मंदबुद्धि, मूरस, मूरस, मूर्व, लठ, लंठाविराय, शिकारपुरा, शुस्त, स्तन्धर्नात, इतनुदि । 📭 . बुद्धिमानी —श्रक्तमदो, श्रमिश्रता, श्रामरता, कुशनता, शन, नहनियत, बानकारी, दबता, बुद्धिशानता, मेघाबिता, लायकियत, सममदारा, होशियारी।

३६६ बुद्धिहीनता—ग्रज्ञानता, ग्रपटुरव, श्रवाटव, उबदुपन, गदहपन, कुंदलेहनी, क्रोचपना, बहता, बहताई, चहत्व, बहालत, नादानी, नासमक्ती, पागलपन, बाँगदूपन, वेश्वकली, मूद्रता, मूद्रताई, मूरलपन, मूर्खता, मीरूर्य, लंडता, लंड-ताई, वेवक्की। दे॰ 'श्रक्ता'।

३६०. चतुर--ग्रमुग्न, ग्रमूक, ग्रमूढ, उस्ताद, ऐयार, कपटी, कुराल, घटा, चंट, चगड, चतुरा, चालवाल, चांहं, छिलया, छली, जानपनी, दुनियादार, दुनियानी, घी, धूर्त, घोके-बाल, नागर, निपुण, पदु, प्रतारक, प्रवीण, मुक्तभोगी, स्याना, सुन्नड, इन्तरत, हिरफतवाल, होशियार। दे० 'बुद्धिमान'। ३६८. चतुराई — उस्तादी, ऐयारी, कपट, कुरालता, कौराल, चतुराई, चतुरता, चतुरपन, चतुराई, चातुरी, चातुर्य, दच्ता, दुनियादारी, नगराई, निपुणता, निपुणताई, निपुनई, पदुता, पद्रत्व, बुद्धिमत्ता, दुनर, हाशियारी।

३६६. सोचना—गौर करना, गौर फरमाना, चिंतन करना, चिंतना, दिमाग **लडाना,** ध्यान करना, विचारना, मनन करना, मस्तिष्क करना, याद करना, विचार करना, विचारना, सोचना, सोचना-विचारना।

३७०. खिर खपाना — माना खपाना, माया-पच्नो करना, 'सर पच्चो करना ! ३७१. दिल्लगीवाच — कन्नाकी, कन्नाकी, चुहलवान, टहेबान, ठटोल, दिल्लगीवान, मखीलो, मसखरा, मसखरेबान, हॅसहब, हॅसोइ, हॅसोर !

३७२ मजाक—उपहास, ठट्टा, दिसम्बी, दिस्समी, प्रदसन, मृद्रील, म**रकायपन**, म**रु**ज्ञरो, इँसन, इँसित, इँसी, इास, इाँसी।

३७३. मजाक डड़ाना—हट्टा मचाना, दिरुक्तगो करना, बनाना, मूर्ख बनाना, इँखी करना, इँखा मचाना। 'मलाक' के पर्यायों में 'करना', 'मचाना, 'ठड़ाना' बोडकर स्वीर शब्द बनाइए।

३७४. तैयार-- उतारू, उपस्थित, तत्पर, प्रस्तुत, होशियार। 'तैयार होना' के लिए जपर के शब्दों में 'होना' बोड्डर शब्द बनाइए।

३७४. तैयारी — तय्यारी, संमार, सामान । ३७६. मुस्तैद — श्रतदिक, श्रनलस, उद्यत, उम्मुल, तत्पर, तैयार, प्रस्तुत, सम्बद्ध । ३७७. मुस्तैदी - तत्परता, तैयारी, मुस्तैदी, सम्बद्धता ।

१७८. प्रचंड — श्रदीन, उम्र, उत्कट, तीन्न, तेन्न, भयंकर, भयानक, भयावह, मीष्रय, विकट।

१७६. प्रचंडता— उम्रता, स्त्कटता, डराबनापन, तीवना, तेज़ी, भयनरता, भवानकता, भयावहता, भीगता, भीषणता, विकटता।

३८०. खिम्मेबार — उत्तरदायी, उत्तरदाता, बबावदेद, बिम्माबार, बिम्मेदार।

इत्. जिन्मेदारी — उत्तरदायित्व, खनाव-देही, जिन्मा, जिन्मावारी, जिन्मेवारी। इत्तर. अनुभवी — अनुभवप्राप्त, तबरवे आर, तबुरवेकार, तबुर्वेकार, मुक्तमोगी, वाकिक।

देवरे. खानुभव-- अनुभृति, आज्ञमार्श्व, संभरक, सञ्जवी, बाङ्गक्रियत। ३८४. अनुभूत- काक्रमाया, काक्रम्दा, बाना, परका, कात, परीखित।
३८४. स्वामाविक-नैर्निगक, प्रकृतिस्य, प्रकृतिस्य, प्रकृतिस्य, प्रकृतिस्य, प्रकृतिस्य, प्रकृतिस्य, प्रकृतिस्य, प्रकृतिस्य, प्रकृतिस्य, प्रकृतिक, प्रकृतिक, सद्यागिक।
३८६. अस्वामाविक- अनैस्गिक, अप्राकृतिक, अस्वमावब, कृतिम।
३८७ स्वाभाविकता- अकृतिमता, नैसगिकता, प्राकृतिकता, सद्यता, सद्यान्तता।

३८८. अस्वाभाविकता—अनैवर्गिकता,
ग्रमाकृतिकता, श्रस्वामाववता, कृत्रिमता ।
३८६. नंगा—श्रवन्छ, श्रनावृत, उपैना,
गवेना, उवेने, दिशवर, दिश्वर, धक्क,
धुक्गा, नगधक्क, नगधक्गा, नंगमुनंगा,
नघा, नगन, नग्न, नगा, वस्नविद्दीन,
निहंग, वस्नदीन, विवस्न ।

३६०. समापन - दिगंबरता, नगता, नंगा पन, त्रवापन, नग्नता।

३६४. सहनशील— ग्रम्ब्रोर, शात, सहिष्हु, सहैया ।

३६२. असहनशील—ग्रम्हप्तु, ग्रस-हैया, सिडचिडा, तुनकमिबान ।

३६३. न सहने योग्य—<mark>चस्ह, क्रस्तीय,</mark> - श्रस्**ग्र, दु**.सह ।

३६४ शुर्गी—करतवी, क्लाकार, गुनी, योग्य, कायक, हुनरदाँ।

३६४. **अवगुर्सा**— ऐबी, श्रीगुनी, श्रराब, स्रोट, स्रोटा, पुरा ।

३६६. गुर्ख- करतव, कला, गुन, फन, योग्यता, लियाक्रत, विचा, दुनर।

१६७. चावगुख-ऐगुन, ऐद, क्रीगुख, क्रीगुन, कव, क्वी, कलक, क्वर, क्रसबी,

स्रोट, स्रोटाई, दूषण, दोष, दोषन, नुक्स, बुराई, विकार।

३६८. योग्य-क्राबिल, जोग्ग, लायक, समर्थ, सामर्थवान ।

३६६. अयोग्य — त्रशक्त, त्रसमर्थ, नाजाः यक, सामध्यंहीत ।

४००. योग्यता — चनाई, चमता, क्राब-लियत, लायकि ति, समरथ, सामध्यं।

४०१. श्रयोग्यता —त्रराकता, त्रवपर्यता, नाकाबलियत, नालायका, सामर्थहीनता । ४०२. आदत-- प्रभ्यास, टेव, बान, बाना, मर्क, सद, स्वभाव ।

४०३. बुरो श्रादत —कुटेव, कुबान ।

४०४. ऐब लगाना--त्र्रगुला उठाना, भाषराध लगाना, दूषया लगाना, दूषना, दोख लगाना, दोषना, जाषारोपण करना, दोषो उहराना ।

४०४. सच -ऋत, ठोक, यथार्थ, रास्त, वास्तविक, सत्य, सही।

भूठ--श्रलोक, श्रसत्य, ४०६. मिच्या, मुखा ।

४०७. सचाई-श्रम्तविवत, उपयुक्तता, श्रौचितो, श्रौचित्य, तथ्य, यथार्थता, रास्तगोई, वास्तविकता. सच्चाई, सच्चा-पन, सन्यता ।

४०=. भूठापन-श्रसत्यता, **मु**ठाई, मिष्यात्व ।

४०६ संडवा - रास्तगो, मत्यवका, सत्य-वादो ।

४१०. फूठा--श्रशत्यवादी, मुद्धा, मिध्या-वादी ।

४**११. फुठलाना** — फुडाना, फ्ठा ठहराना, क्रुठा बनाना, दोदना ।

४१२. असल-अवली, खरा, सन्चा, साफ़ ।

४१३. कमश्रसल—त्रशुद्ध, मिलावटी ।

४१४. पवित्र-- प्रद्धित, श्रमनियाँ, श्रमल, श्रमिलन, निर्मल, पवित्तर, पावन, पुर्वय, पूत, मेध्य, विमल, विशुद्ध, शुचि, शुद्ध, साफ्र, स्वच्छ ।

श्रप**वित्र**—श्रपावन, श्रशुद्ध, श्रशौच, कच्चर, गदा, दू^{[घत}, पाप, मलयुक्त, मलिन, मली, मलीन ।

४१४. श्र पवित्रता -पविताई, पावनता, शुद्धता, सफाई, खन्द्धता ।

विशेष - 'पांवत्र' के श्रान्य पर्यायों में भी त्रावश्यकतानुसार 'ता', 'पन', 'पना' श्रादि जोड़कर, 'ववित्रता' के अन्य पर्याय बनाए जा सकते हैं।

४१६. श्रपवित्रता – ग्रपावनता, श्रशुद्धता, श्रशुद्धि, गदगा, मलिनता ।

विशेष-- 'श्रववित्र' के श्रम्य पर्यायों में मी, 'ता', 'पन' ब्रादि बोइकर, श्रीर शब्द बन सकते हैं।

साधारण -माम्ली, 860 सधास, मामान्य, सामान्यस्तरीय ।

श्रसाधारण--श्रबंद, ४१८. श्रजीबीग्ररीब, श्रद्भुत, श्रनुपमेय, श्र**न्टा,** श्रनीखा, अप्रतिम, अपूरव, **ब्रा**श्चर्यजनक, ब्रसामान्य, उभम, उमसा, भीवक, श्रीपन्यासिक, गज़ब, गैरमाभूबी, चमत्कारी, निराला, स्यारा, **लाजवाय**, लामिसाल, विचित्र, विल**स्य, भेष्ठ**।

४१६. घसाधारखता — प्रबृहापन, प्रना-

· सापन, श्रपूर्वता, निरालापन, विवित्रता, विलद्भावता ।

४२०. उचित--श्रन्छा, उपयुक्त, ऐन, बास, बा, बायज़, ठोक, परिमित, मुना-बिब, यथार्थ, युक्त, युक्तियुक्त, योग्य, रास्त, वाजिब, वाजिबी, श्रेयस्कर, सगत, सटीक।

४२१ अनु चित—श्रमाह्य, श्रनखौहा, धनुपयुक्त, श्रपिरिमत, श्रयथा, श्रयुक्त, श्रयोग, श्रयोग्य, श्रसगत, उलटा, खराब, खिलाफ, गैरमुनासिब, गैरवाजिब, ना-मुनासिब, प्रतिकृत, बेठोक, विपरोत, बिकद्ध।

४२१ **त्रा. श्रवश्य** — ज़रूर, निश्चिततः, िन.सटेह, लाजिमा तौर पर ।

४२१ आ. आवश्यक — श्रत्यावश्यक. सनिवाये, श्रपे। चृत, श्रावश्यकीय, सर्का. लाजिमी।

४२१ इ. श्रनावश्यक —श्रनचाहा, श्रन-निवार्ष, श्रनपेचित, श्रनवांछित, निकम्मा. ानेरथंक, निष्ययोजन, फजूल, बेफायटा, बोडो, रहा, व्यर्थ।

४२१ ई आवश्यकता - म्रानिवार्यता, मर्पेदा, गरज, लहरत, हानत ।

४२१ **उ. वेकार** —खाली, निकम्मा, निडल्ला, निडल्ल्, बेकाम, बेकार, बेरोल-गार, बेरोली।

४२१, **चा. बाकार—कामकाजी, कामी, कार्यक्यस्त, नासाली, बहुपची,** बाग**नगार,** बारो**ड़ी** |

४२२. समान-श्रनुरूप, श्रनुसार, श्रनुहरिया, श्रनुहार, श्रमेद, श्रमेद, श्रमेद, इव, डनमान, एक्रांग, एक्सां, एकाकार, जैशा, तटनुरूप, तदाकार, तद्भूप, तरह, तुल्य, नृख, नाई, नाईन; निभ, पटतर, प्रतिम, बराबर, मानिट, मिरल, मुद्रांफिक, रूप, रूपी, सकाश, सहश, सम, समकस्त, सरिस, सरीखा, सवर्णा, सा।

४२३ श्रसमान — श्रवुल, श्रत्ल, श्रननु-रूप, श्रप्रतिम, श्रवरत, श्रवर्ण, श्रसम, श्रसमान, लाजवाब, लासानी, बेतुका, बेमेल।

४२४. समानता — ग्रानुरूपता, भ्रामेदता, एकता, एकरूपता तटनुरूपता, तद्रूपता, तुस्यता, बराबरी, मुत्राफिक्त, समता, समानता, सरवरि, सवर्णता, साहर्य, सामन्बस्य, सामान्य, साम्य, इमस्रो।

४२६ बड़ा—श्रनल्प, गुरु, जगी, दिग्ध, दोर्घ, पृथु, बटारु, बड़गा, बड़वार, बबर, बरा, बहुत नहा, बाग, भीम, भीम-काय, मह, महत, महान, हरा, वर, वर्य, विकट, तिभु, विराट, विस्तीर्ध, विस्तृत, शृहद्, शाह, भेष्ठ, सुदोर्ध, विभु।

४२६ व्होटा—श्रन्य उन्नीस कम, कोता, कोताइ, इश, चुद्र, नम्दा, नम्देया, मुखत-मर, लघु, धृचम, सूद्म, इस्य । देक 'नीच'।

४२७. बङ्गपन—श्रनहरता, उच्चता,
गुद्दता, दीर्घता, पृष्ठता, बङ्ग्यन, भारीपन,
भोमता, महतता, भइत्ता, महानता,
बरना, वर्यता, निकटता, विभुता, विराटता,
विश्तीर्घता, विस्तृतता, बृहदता, भेष्ठता,
धुदीर्घता।

विस्ताम-दं • 'कोटापन', 'नीचला'।

४२८. झोटापन-झस्पता, कोताही, चुड़ता, खुटाई, छोटाई, नन्हापन, लघुता, लाघव, सूक्मता, इस्व । दे० 'नीचता', 'झघमता'। ४२६. झघम— झत्यंतहीन, झघम, ऐरा-ग्रैरा, झोखा, कमोना, चुद्र, घटिया, खिछोरा, छोटा, द्वच्छ, तुच्छातिच्छु, ना-खोल, निक्कट, निम्न, नीचगामी, नीचा-शय, पोच, हीन । दे० 'बेइज्लत', 'निदित', 'बदमाश', 'नीच'। विस्तोम—दे० 'इज्लतदार', 'यशस्वी',

'बहा', 'माननीय', 'प्रशंसनीय'।
'श्रें आक्षापन, क्षाप्तनान, क्षाप्तनान, क्षाप्तनान, क्षाप्तन, क्ष

विकोम-दे॰ 'बदापन'।

४३१. लम्बा—दिग्व, दीर्घ, दीर्घकाय, दीइ, प्रलंब, लंब, लंबा, लमञ्जर, लमहर, लॉबा, लामा, सुदीर्घ।

४३२. लंबोतरा—ग्राहील, लबातइगा, लमतङ्का

४३३. लंबाई-प्रलंबता, संवान, संवापन, संवापन,

४२४ चौडा— म्रर्नदार, चकला, फैला, बिस्तृत।

४२४. चौड़ाई—श्रनं, चकलापन, चौड़ान, चौड़ापन, फैलाब, विस्तार।
४३६. नाटा—सर्व, गुठा, छोटा, दुइयाँ, िक्ता, दुमका, दुमका, ठेगना, नटरू, पोदना, बौना, मँदरा, बामन, इस्व।
४२७. चौना—बहुत नाटा, बामन, बाबन, बाबनांगुल।

४३८. नन्हा--श्रतुदास, कोकनी, संड, खुर्द, छोट, छोटा, जेबी, नान्द, नान्द-रिया, नान्हा, मुन्हा, लघु, लघुर, लघुरा । ४३६. नीच- अधम, ब्रोह्मा, खोटा, तुन्ह्र, निकृष्ट, निम्न, नीच, बदब्रात, मद, हीन । दे॰ 'ह्योटा', 'ग्रापम'। ४४०. उन्च-- आकाश से बात करनेवाला, म्रार्थ, जंचा, अर्घ, अद्ध्वं, पूष्य, गमन-चुम्बी, बढ़ा, बराक, बलंद, बुलंद, महाच, भद्धेय, भेष्ठ, वर, वर्ष । दे॰ 'बद्धां' । नीचता—श्रषमता, श्रोछाई, श्रोछापन, कमीनापन, सुप्रता, खोटपन, खोटाई, ख्रिक्ठोरपन, ख्रिक्कोरापन, त्च्छता, निकृष्टता, निम्नता, नीचताई, बदबाती, मंदता, हीनता । दे॰ 'छोटापन'। ४४२. उच्चता—ग्रार्यता, बढ़ाई, महानता, महिमा, अंध्वता। दे

४४२ शीघ — श्रचिर, श्राम, श्रविरत,
श्रविराम, श्रविल न, श्रामन, श्राष्ट्र, उषाल,
चित्र, खटाखट, चट, चटपट, खपरा,
चपल, चपार, जल्द, जव, भट, महित,
भप, तरसा, तहाका, तुरंत, तुरत तूर्ण,
तेज, त्वरा, त्वरित. द्रुत, पटु, कानन,
फौरन, लघु, वेग, वेगि, स्त्यर, स्व,
स्पदि, स्वार, स्ट्सा, स्पद, हरद, हास,
हौल !

'बहापन'।

४४४. श्री घ्रता—ग्राचिरता, श्राचिरादी, ग्राचिरातता, श्रातुरता, श्रातुरतादी, श्रासुदी, श्राञ्चता, उतावल, उतावली, श्रास्ता, उताली, उतावली, श्रिमता, श्राटक, श्रास्ता, पना, श्राटकदे, श्राटक, श्रास्तानी, श्राटका, श्राटकी, श्राटक, श्राटकारी, बस्दी, तेली, फुर्ती, बेग, वेग, सटसट, स्वरता, सरावरो, स्फूर्ति, हरवदी।
४४४. सुस्त—श्रक मेंचय, श्रवियल, श्रमुष्या, श्रवस्तु, श्रपाहित्र, श्रप्रतिभ, श्रवस, श्रवस्तु, श्रालकसी, श्रालकी, श्रालकसी, कामचोर, काहिल, दीला, घीमा, बुद, बोदा, मंट, रंक, खबर, लीचर, शिर्यल, शीतक, सर्द, खालस, हरामस्रोर।

४४६. सुस्ती—श्रकरास, श्रतत्परता, श्रनु-स्वाह, श्रारस, श्रासकस, श्रास्य, श्रोन, कहिली, षृभ, दील, दिलपना, दीलाई, दीलापन, शिथिलता, शिथिलताई, शैषिस्य।

४४७. घीमा--श्रहिस्ता, श्राहिस्ता, घीमा, बीरा, मंद, मंदर, मंदा, सुस्त ।

४४८. जिसमें फुरती हो - श्रतद्विक, उताबला, चित्रहस्त, श्रनलस, चस्दवाझ, तेब, खरावान, फुरतीला, फुर्तीबाझ, फुर्तीला, हदबदिया।

४४६. जिसमें फुरती न होः—दे० 'द्वस्त':

४४०. घोरं बीरे-- ग्रहस्ता, ग्राहस्ता-ग्राहस्ता, घोर्मे-धीर्मे, शनै:-शनै:।

४८१. विलंब — श्रनगवन, स्रवेर, गहर, वेर, वेर ।

४४२ विसंव करना -- श्रनगवना, श्रन-माना, श्रवेर करना, गहर करना, गहरना, विश्व विश्व करना, देर करना, देर लगाना, विश्ववना, विलयना, वेर करना।

४४३- प्रतीका करना—श्रमोरना, श्राधा-बान होना, श्राका देखना, श्राधरा देखना, दंखनार करना, इंडवार में रहना, वित- वना, बोबना, बोइना, ताइना, ताइ लगाना, देखना, प्रतीक्षा करना, बाट देखना, राइ ताबना, राइ देखना। ४४४. प्रतीक्षा—श्रासरा, इंतनार। ४४४. हर्ज-श्रकाय, खलल, नुक्सान, बाघा, हानि।

४४० हर्षे करना—श्रकाव करना, श्रकाः बना, खलल डालना, नुक्तसान करना, बाधा डालना, समय बर्बाद करना, हरव्ह करना, हानि करना।

४४७. भारय — श्रक, श्रहण्ट, करम, कर्म, किसमत, तक ीर, दिण्ट, टैव, दैवगति, नसीब, नसीबा, नियति, परलक्ष, प्रारक्ष, भवित, भवितव्यता, भाग, भागधेय, भाग्य, भावी, मुक्रहर, सितारा, होनहार । ४४८. सभाग्य श्राहन, सभाग, सभाग्य, श्रार्थ्ट, दुर्देव, दुर्भाग्य, प्रारक्षहीनता, बदक्रिस्मर्ता, बदनसीबी।

४४६. सौभाग्य — खुराकिस्मतो **खुरा** ं नस वा, भग, भाग, सुभाग ।

प्रदेश भाग्यवान -- किस्मतवर, वुश-किस्मत, खुशनसीव, धन्य, पुरुषवान, भाग्यवान, भाग्यशाली, सीभाग्यशाली । ४६१. धभागा-- कुभाग्यशाली प्रारम्ध-दीन, वटक्सिमत, बदनसीव, भाग्यदीन । ४६२. कप--- धाकार, धाकृति, गढ्न, गठन, चेहरा, चेहरामोहरा, ढाँचा, तरह, तराश, वपु, वन, बनक, बनावट, बान, वानक, बेल, मेल, कप, रीनक, वर्ष, वेष, शक्ल, शनल, संघट, सपटन, स्कर, स्रुत, स्वक्रप।

४६३. सुम्बर -- धगना, सच्या, सनुषम, सनुषमेय, सब्हा, समियात, समिराम,

चलबेला, उमदा, कंचन, कमनीय, कलित, कोमल, खाशा, खूबस्रत, चगा, चत्तुष्य, चार, चित्ताकर्षक, छ्रवीला, टोरी, दर्श नोय, दिलचस्प, दिग्य, दुर्लभ, दश्यमान, **थजोला, नफ़ीस, नमकीन, नवरंग, नवल**, नाक, परीनाद, प्रिय, प्रियदर्शी, प्रियरूप, फबोला, बाँढया, बाँका, भन्य, मंजु, मंजुल, मधुर, मनभाया, मनभावन, मनमोइन, मनरोचन, मनइर, मनइरण, मनइरन, मनोज, मनोरम, मनोहर, रंगीला, रंगोह, रति, रतिवंत, रमोह, रमखीक, रमर्णाय, रमनी, रमनीक, **इ**चिर, रूपमय, रूपमान, रूपवन्त, रूपवान, लघु. ललाम, ललित. लवश्युक्त, विमल, शोभन, सबदार, रजीला, समागा, सरस, सरूप, सलीना, सारग, सु, सुघट, सुघड़, सुघर, सुचार, सुवात, सुठ, सुठार, सुठार, सुठि, सुठोना, सुडौल, सुदर, सुदार, सुदाह, सुदेश, सुदेह, सुन्नर, सुबुक, सुभा, मुमुख, सुमेक, **सुरग, सु**रस, सुरूप, मुरोचि, सुलच्छ, सुबेश, सुबेष सुबेसड, सुशाभन, सुष्ठ, सुष्ठु, सोहाया, सौम्य, सौम्यदर्शी, स्वच्छ, स्वरूप-नान, स्वादु, इसीन, हृत्यप्राही, हृद्यवेषी, इदयहारी। दे॰ 'मुहावना', 'श्रच्छा'!

४६४. सुद्दावना--भला, नुद्दरा, नुद्दाना, सुद्दाया, सुद्दाव, सुद्दावता, सुद्दावन, सुद्दा-वना, सुदायला, सुदेलरा, सुदेला। दे० 'सुंदर'।

४६५. इरूप- श्रदर्शनीय, श्रनगढ, श्रन-रूप, श्रपरूप, कदाकार, कुढौल, कुत्सित-रूप, कुदशी, कुमुन्न, कुरूप, गंवार, नोबरगनेश, दर, धूल, धोबा, निरूप,

बदशकल, बदस्रत, बिलोम, बिहंगम, बूचा, बेडील , बेटग, बेटंगा, बेटब, बे-तुका, बेहंगम, भरेस, भदेसिल, भोडा, भदा, भोदा, भौदा, मुखंदर, विरूप । ४६६. रूढ़ -- कडा, कड़ेर, चरेर, चरेरा, चैलठ, दिनी, रूर। विलाम --- दे० 'कोमल '।

४६७. संदरता - त्राव, श्रन्शपन, श्रच्छापन, श्रनोखापन, श्रपूर्वता,श्र**स**-बेलापन, काति, खूबसूरती, चावता, छुबि, छुबीलापन, दिव्यता, दीप्ति, चब, नफासन, नमक, नुनाई, निकाई भव्यता, मधुता, मधुरता, मधुराई, मधुरिमा, मधुरी, मनहरता, मनोहरता, माधुरिमा, माधुरो, माधुर्य, रती, रमखायता, रौनक, र्वाचरता, रुचिराई, रूपता, रूप, ललामता, ललामी, ललितता, ललिताई, लावर्य, लालित्य, लावनता, जुनाई, लानाई, विभव, विभाति, शोभा, भी, सुंदरताई, स्टरत्व, सुकरता, सुघडमुना, सुघडपन, मुडीलता, सुडीलपन, सुरूपता, सुषमा, सौंदर्ज, सौंदर्य, सौभग, सौम्यता, सौष्ठद, हुस्न ।

४६८ कुरूपता - बनरूपता, बरूपता, कदर्य, कदाकारिता, कुरूपपन, बदशक्ली, बदस्रती, बेतुकापन, भद्दापन, भोंडापन, विरूपता।

४६६. भाना-- श्रन्त्रा लगना, वंचना, ठोक लगना, निक लगना, नोक लगाना, प्रिय लगना, भाना, रचना, सुहाना, सुहाना लगना, सुराधना लगना, ।

४७०. ग्रखरना—प्रवरना, प्रव्हा न लगना, कष्टकर लगाना, कष्टकर होना,

२०३

करकना, करकना, खलना, गहना, खुमना, टांसना, टोस मारना, खुरा लगना, सालना। ४७१ पसंद — मनोनीत, हिचर, हच्य। ४७२. लुमाना — ग्रासक करना, श्रानुरक करना, खोचना, खा लल्चाना, मन लल्खाना, मृश्व करना, पाहना, मोहित करना, रताना, रिमाना, लट्टू करना, लुमाना, लख्याना, विमोहित करना, एमोहना। ४७२. श्रालंकृत — भूभित, महिन, निभूधना, निभूधित, निमहित, सजा, सजा धजा, स्था बद्या।

४०४. सुरोभित —दिन्य, विभूषित, वि-भिन्न, शोभित, बुराभन, सुरोभित । ४७४. अच्छा-—अच्छा, अनिय, उत्तम, उन्हेन्ट, उमरा, उन्दा, ठोक, बद्धिया, भला, मिह, शादूल, श्रेय, श्रेष्ठ, सम्स, सर्वश्रेष्ठ, सुर्वोत्ता।

४७६ बुरा—प्रवगुणी, कत्, खराव, गदा, दुर्गुणपुक, दूष्पत, विग्रहा, वेठोक, मक्कह, रहा। दे० 'कुह्रप', 'क्रांसारा' 'बेद्रज्ञत'।

४७१. अञ्झाई—ग्रन्त्राई, अञ्झापन, उत्तमता, उत्तमत्त्र, उत्कर्ष, उत्कर्षना, उत्कृष्टता, उम्दगा, बाँदगापन, भेष्टता। दे॰ 'सुंदरता'।

विकास - दे॰ 'कुरूपता', 'बुराई'। ४७८. मगलप्रद्र - प्रानदकर, प्रानदकारी, करुपाणकारी, कल्पाणा, मंगनकारी, खुम, शुमकर, शुभकारी, शुगप्रदा

४०६. मंगळ—मानद, कस्याच, कुराल, इष्टबचेन, कुरालता, कुरालभगत, कुरा-व्यदं, कुरालात, खेम, खेर, लेश्यित, खैराकियत, मक्षा, भलाई, शुप्त। ४८०. श्रशुभ-श्रमगत, श्रवशकुन, श्रयकुन, श्रशुभ, श्रवगुन, दुश्यकुन, बुरा।

४८०. त्रा. साँवला— ग्रमित, करिया, काला, कृष्णवर्णा, कृष्णवर्णी, नील, नीला, पक्ता रग, पक्ती बानका, मेचक-वर्णी, श्याम, श्यामल, श्यामवर्ण, सँवराह, साँवर।

४८०. स्त्रा. गोरा—ग्रवदात, गेहुँस्त्रा, गोर, गोगह, गौर, गोराग, धवल, साफ । ४८१. काल मुँह् वाला —करमुखा, कर-मुद्दाँ, करिखमुद्दाँ, कलमुद्दाँ ।

४८२. <mark>लाल मुंह वाला--वदरमुहाँ, रत-</mark> मुंहा, ललमुंहा।

४८३. एक मुखाकृत वालं —श्रनुहरिया, श्रनुहार, एकरूप, एकसा '

४८४. गजा--खल्वाट, स्वीर**हा, गजी** -सोप**र्हा,** मुक्जा ।

४८४. जिसके सिर पर **वाल न हो**— मथसुडा, भुडा, मुक्ला।

४८६ शिखावला -चुंडित, चुंडीवाला, चुटियावाला, चुटैयावाला, चुटैल।

४**८७. जटाभ**(री—बटाबाला, बटिल, भोटहल, कल्टेबाला।

४८२. युंबराला—उमेठवा, ऍठदार, ऍउनदार, कवित, कुटिल, बुचराला, बुम्पवदार, नक्करदार, बुल्तेहार

४-६. बड़ी मूंक बाला—गुबंदर, मुक्तैत । ४६० बड़ी दादी बाला—रबदार, दाइ-यल।

४६१. सुनयन-पुनैन, पृनेत्र, तुक्को-यन। ४६२. झोटी झाँख बाका— चुंबा, बोध-इतः।

४६३. जिसकी कंजी काँक हो—कवा, कैरा।

१४४. ऍचाताना—श्रॅंड्चाताना, केंचा, भॅगा, वर्गपताली ।

४६४. काना—एकश्रॅंसा, एकनयन, एक-नेत्र, एकास, कनेठा, कनौडा, कागमुसुंडि, कर्ण, कास, कानडा, कानो ।

४६६. ऋंघा—श्रंघ, श्रंघक, श्रंघरा, श्रधा, श्रद्धोन, श्रद्धक्, श्रनद्ध, श्रन्यन, श्रनेत्री, श्राँघर, श्राँघरा, चद्धदीन, दिव्यचद्ध, धुन्दा, नेत्रविद्दीन, सूर, सूरदास।

४६७ कं घापन—श्रंघता, श्रंघापन!
४६८. मोटा—कंचल, श्रग्रद्यत, श्रह्यान, श्रातन, श्रातकाय, कट्टा, बुरुबा, गठा, गठीला, श्रंघिल, गुलगुथना, चाँगला, ठाढ़ा, डिगर, तगका, द्रान्दल, तैयार, श्र्ला, हढ़ाग, घतिगढ़, धींग, घीगढ़, धींग, घीगढ़ा, घीगरा, घौराल, पट्टा, गठा, पाढ़ा, पीन, पोवर, पुष्ट, पोढ़, पृथुलाग, बलवान्, बिल्ड्ट, बली, मकरा, मीम, भीमकाय, मोट, मांचल, मुस्टबा, लहलहा, सहालह, लाल, सगीन, सबमुखंड, सबा, स्थूल, स्थूलकाय, इष्टाकट्टा, हेकड़। दे० 'स्वीक'।

४६६. दुबला— श्ररमक, श्रमंक, कप्तार, किरवित, क्रस, क्रसकाय, क्रसित, क्रसाय, क्षम, बांब, खोशकाय, खीन, म्हीना, उडरी, उटरी, खाँगर, ननु, बुब्बर, बुबंस, तम्बंग, बुबरा, पतसा, पतीस, पत्रवत, पातम्बर, शीर्था, हीनांग। दे॰ 'स्क्म' 'महीन'।

४००. मोटाई— श्रातकायता, शंयसता, तगडापन, हटांगता, पोनता, पोवरता, पुष्टता, प्रौद्ता, पृथुलांगता, मीम-कायता, मोटापन, मुटाई, मांसकता, संदगुसंदी, स्थूलता ।

४०१. दुवसापन—क्रयता, सम्मता, स्रीयता, भीनापन, तनुता, तन्यगता, दुर्नेत्रता।

४०२ लटना-कमज़ार होना, कुराना, दुवंश होना, पतुहना, लट बाना, लटना, लाग्निर होना, शिक्ष बाना, स्ख बाना, हदकना, हरकना।

४०३. सूच्य — श्रायु, श्राताक, श्रास्य, क्या, कृष्ठा, खुल्लक, तनु, श्रुटि, थोका, पतका, पातर, बारीक, रंच, रचक, अवलेश, श्राह्मण, सूच्य, स्तोक । दे॰ 'दुवका', 'मदीन'।

४८४. स्थूल— मोट, मोटा । दे**॰ 'मोटा',** 'दबीज़'।

४०४. महीन--- लॉलर, वारीक, मनमन, फिलमिल, भीला, मेंदी।

४०६. **दबीज**--गक्र, द**बदब, भारी,** मोटा ।

४०७. घना— ग्रनिरल, ग्रमिर**ल, गण्डिन,** गफिन, गफ, गुंबान, घना**, यनिष्ट,** राधन ।

४०८. विरक्ष--क्षीक्दी, चाँ ई चूंबाँ, क्षिटपुट, क्षिटफुट, ब्र्हॉतर्हाँ, पावर, परक-करक, काँकर, विरक्ष, वीरर, वीक्षर । ४०६. चनत्व-- क्षविरक्षता, घनायम, ध्यनता, ध्यनाई। ४१०. बिरल्या—कंतराई, बोररपन । ४११. हल्का—अगुरु, निगद, पुनुद, इस्स, इस्सा, इलका, इलुह, हल्का, इस्सा

४१२. आरो —गंभोर, गॅम्झराह, गद्ध, गुड, बोफ, बोफन, बोफिन, भीम, बन्ननदार, बननी, म्यून।

४१३. इतकायन —श्रगुबना, लचुता, शुक्राई, इवश्राई, इलक्दं, इलकाई, इतकायन, इलुक्दं।

४१४. आरीपन -गभीरता, गद्वपन, गरिमा, गबन्नाई, गबनाई, गबनाई, गुब्ता, गुब्ताई, गुब्त, गौरव, बोम्ब, बबन, स्बूलता!

४१४ वर्षे कान वाला--दोर्घक्या, लब-क्यं, दृहतकर्या।

४१६. बहिरा-मध्या, उच्चै.भवा, एड, करुख, बिघर, बहिर, बहिरा, अनगण्डु। ४१७ कनकटा-कनकटा, कानकटा, बरक्ब, बूचा, लग्नुकर्या।

४ ८. नकटा - भ्रतासिकी, नकटा, नाक-करा, विगतनासिका।

४१६ शूषा — अनवानतः अत्राक् भौगा, गूँग, खुष्या, धुनि, मूक, वाग्रहित, बाग्हीत ।

अ२०, शूंगापन --श्रोगा, ग्गापन, चुप्प । मुकता ।

४२१. वीवला -- दुनरा, तुनराने वाला, दुवरीहा, तोनला।

४२२. इकलाना — दुनराना, दुतवाना, तोतकाना, तातराना, भटकना, इकागा। ४२१. वर्षे दांत वाला — करात, वगहा, दक्क, दंढका, दांद्रल ।

४२४. दाँव रहिव--गंपना ।

४२४. पूर्ण अवस्था प्राप्त होने पर निकलने वाला अविरिक्त दाँव— अक्लिसट, बुद्धिदंव।

४२६. जिसके आगे का दाँव दूटा हो — सोड़ा, सोंद्र।

४२७. दीघेबाहु — श्राबानुनाहु, दीवंबाहु, प्रतम्बनाहु, महानाहु !

४२८. जिसका हाथ कटा हुआ वा घूमा हो —दुःटा, टुंडा, ठुंठ, ठूँट, ठूँठा, लुंब, लूह, खूला, शोब, ह्यक्टा।

४२६. होटी भुजा वाला—क्रकर, हूंड, हूँठा, हूठा।

४३०. तिसका कृषड् निकला हो— कृषवा, कृष्या, कृष्डा, कृष्या, कृष्डाह, कृषडो, कृष्य, कृष्या, कृष्यो, कृष्यर, कृष्य, गहुल।

४३१. तोंदवाला-अनतोदर, तुन्दिन, तुन्दैन, तोंदन, तोंदवाला।

४३२. लॅगड्ग — श्रम्भग, श्रयाय, श्रपम, श्रपादिन, खन, खोरा, निपम, पंग, पमा, पंगु, पगुल, लक्षदः लक्षदा जुन, **ल्ला**-खगदा !

४३३. तंगहापन—भचक, लगडापन, लग्।

४३४. जिसके हाय पाँच दोनों कटे हीं --- चगड, कवथ :

४१४. टेड़े मेड़े खंगो का मनुष्य— क्रष्टावक।

४३६. जिसका कोई थांग खोटा कहा या अधिक हो --पोगर ।

४३७. चरा भग बाला—प्रगमंगी, बोब, बांबा, सटक, होनाम । ५३८. श्रपाहिज—श्रगभग, श्रपाहिच, संग, निपंग, लुंज, स्त्लालॅंगडा ।

५३६. ऋंगद्दीन-- श्रंगद्दीन, दीनाग ।

४४०. बिना देह का — अतनु, अदेह, अनग, अनंगी।

४४१. स्वच्छ—म्ब्रमनियाँ, म्ब्रमलिन, निर्मल, पवित्र, पावन, पूत, शुद्ध, साफ, सुथरा, स्वच्छी।

म्४२. मैला—ग्रस्वच्छ, क्लुबित, गँदला, गंदा, गलीज, गलीत, चिरकीन, चीकट, नापाक, पाशुल, मलयुक्त, मलिन, मलीन, मैला ।

४४२. मिलन— श्रपित्रच, श्रपावन, श्रपु-नीत, श्रपृत, श्रमेध्य, श्रशुचि, श्रम्बच्छ, कलुषी, कुचील, गलीब, गॅटला. गदा, गलीत, चिरकीन, चोकट, मलयुक्त, मलीन। दे॰ 'मैला'।

४४४. स्वच्छता—िनर्मलता, पवित्रता, पावनता, पूतता, सफाई, मुपराई, सुपरा-पन, स्वच्छता।

३४४. मैलापन--श्रपवित्रता, श्रशुद्धता, श्रशुद्धि, कल्लुष, कल्लुषता, गंदगी, गंदापन, गलाब्त, मिलनता, मिलनाई, मालिन्य, मसीनता।

४४६. मैल-मल, गदगी। दे० 'मैला-पन'।

४४७ खच्छ करना— खॅगारना, खॅघारना, चंघारना, चंघारना, चंगारना, घंगाई करना, साफ करना।

४४८. गदा करना—ग्रशुद करना, स्तराव करना, नापाक करना, भरभ्रण्ट करना, भ्रष्ट करना, मैला करना। ४४६. घँघोरना—घषारना, विघोरना, डावर करना, निमक्बना, मथना, लहराना, इलकोरना, हिलाना, हिलोरना । दे॰ 'गंदा करना' ।

४४०. घोना—कचारना, घोना, घोवना, पखारना, पहारना, प्रचालन करना, प्रचा-लित करना, फीचना, साफ करना, साइन लगाना।

४४१. घुलाना—धुलवाना, धुलाना, धुवाना, षोश्चाना ।

४४२. माइना—ऐखना, अटकारना, भाइना, भाइ बुद्दार करना, माझू देना, भाइ, बुद्दारू देना, भारना, आरना-बुद्दारना, पोंछना, फटकारना, बटोरना, बद्दारना, बुद्दारना, रगइना, सफाई करना, सफ करना, खन्छ, करना।

४४३. माड्न—कूँचा, गमद्वा, भादू, भारन, टुकड़ा, बढ़ना, बुहारी।

५५४. प**छोरना**—छा**श्रना, पछोदना,** पिछोरना, फटक्ना, साफ्त करना ।

४५४. निवासी—श्रिषवासी, निवासी, बसेरा, बसेरू, बाशिदा, बासिदा, वासी। ४५६. जंगली—जागल, बनज, बनैना,

बन्य, वनज, बन्य ।

४४७. बनवासी — जगली, जागल, बनसंडी, बनचर, बसचारी, बनैला, बनसंडी, बनचर, बनचारी, बनवासी, बनैला, विपिन विहास।

४४८. ग्रामबासी-- गवइँहा, गँवार, माम-वासी, ग्रामस्य, ग्रामीया, म्रामेय, ग्राम्य, देहाती।

४४६. गॅवार--गॅवारू, ब्रामीख, ब्राम्ब । ४६०. गॅवारपन--गॅवरपन, गॅवास्पना, गॅवारो, देहातीपन, बेबक्फी, मूर्खता । ४६१. पुरवासी—नगरवासी, नागरिक, पुरवासी, पौर, प्रव, प्रवन, शहरी।

४६२. नगरवासी—नगरहा, नगरवासी, नगरी, नागरिक, पुरवासी, शहरी, शह-रातो ।

४६२. नागरिकता—ंनगराई, नागरिकता, • शहरा भीपन ।

५६४. गहरा—श्रमम, श्रमम्य, श्रमाध, श्रमाह, श्रतलस्पर्शी, श्रथाह, श्रोडा, श्रोडा, श्रोडी, घई, गंभीर, गम्हीर, गहन, गहरा, गहिर, प्रगाद।

४६४. ख्रिझ्ला--उतरॉब, उतार, उथला, स्रोधरा, स्रिञ्जल ।

४६६ - राहरापन - श्रयाहता, गंभीरता, गहराई, गहरापन, गहराव ।

४६७. बिह्नलापन-उथलापनः

५: प्र. उजाह---अबड्, खंडहर, खंडहर, तबाइ, नष्ट, बबीद, बीरान, विनष्ट, बीरान, सुनमान, स्खा ।

४६६. हरा भरा — भ्रन्त्रा, खुशरग, खुश-हाल, गुलनार, पुररौनक, वसा, मला, मनसायन, मनोरम, मनोरस, लहलहाता, सरसन्त्र।

४४० उजदाना—उषद्गा, उबरना, उषाह होना, उल्लू बोलना, गीदक बोलना, धूल उडना. धूल में मिलना, नष्ट होना, बोरान होना, नष्ट-श्रष्ट होना, बर्बाद होना, विलटना, विनष्ट होना. विनाश होना, सियार बोलना।

४७१. सँकरा—कमपैन, कस, तग, पक्ता, पासर, सकट, सकीर्य सकुन, सकुचित, सँकेत, बॉनर। ४७२. संकोच- नंगी, पतगई, सॅकरापन, छिकुदाव, संकीर्याता ।

४७३. विस्तृत—ग्रायत, खुशक्रहल, दीरघ, टीर्घ, फहलाँव, फैलाव, लंबाचीड़ा, विस्तारयुक्त, विस्तेर्ग्य, सुविस्तृत ।

५७४. विस्तार—ग्नर्ज, चौडाई, चौडान, चौडापन, प्रधार, फैलाब, लबान, लबान, विस्तीर्णना, लबान चौडान।

४७४. ऊचा-नीचा—ग्रामल, ग्रसम, - ऊंचलाल, अवर, अवड, उन्ड-लाबड; - लाबड, नावरावर, बीडड, रुख।

४७६. वह स्थान जहाँ कोई न जा सके -- श्रगम, श्रगमनीय, श्रगम्य, श्रवघट, श्रीघट, गहन, दुर्गन, दुर्गम्य।

४७६. श्र. वह स्थान जहाँ सब जा सके —गम, गमनोय, गम्य, सुगम ।

४००. समतल -चिकता, चिक्कत, चौरस, बरावर, सपाट, सुचिक्कण, इमवार ।

४७८ समतल करना—करोचना, करो-दना, करोना, कुरेदना, बुरेलना, खरो चना, खुरचना, खाँटना, खोलना, छोलना बराबर करना, इमवार करना, सम करना, सफ करना।

४७६. चिकना —चिक्कय, चिक्कन, पिन्छिल, मसुया, मुलायम, सरकाऊँ, सनेद, सस्तेद, स्मिन्छ।

धम्मः खुरखुरा — भ्रम्यमतस्त, कर्षर, कर्षश्च, खरसरा, खुरखुरा, खुरदश्च, खुरदुरा, चरेरा, नावरावर, नाइमवार।

४८%. चिकनाइट—िचकनई, चि+क्यता. मधुवाता, मुलायमियत, त्निम्बता।

४८२ खुरखुरायन — कर्वराता, खरखरावन, खुरखुराहट, खुरदरायन, नाहमवारी। अपन्ते. खंडाकार—श्रंडकार, खंडाइत, बादामी, बैबाबी, शिवाकार, शिवलिंगा-कार।

अद्भ गोल-कुंडलाकार, गोला, गोलाकार, मंडलाकार, बर्तुल, बर्तुलाकर, इत्त, इत्ताकर।

अप्तरः गोलाई —गोलम्बर, गोलापन, दायरा, मङल, बृत्ताकारता।

४८६. तिकोना—तिकोन, विकोनिया, तिनकोना, त्रिकोण ।

४८७. चौकोर--च उकार, चौकोना, चौ-ब्ह्या, चौखुगरा, चौसूरा।

अप्ति. व्वनि — श्रवा श्र श्रास्त, श्रास्त , कूब, घोष, घाषणा, धुनि, नाद, निनाद, निर्धोष, रव, राव, निनाद, निर्दाद, बोली, बाक्य, वाणी, बाचा, शब्द, स्वप्न, सबद, स्वर ।

अम्ह. शोर—ऐल, करकर, कर्रा, कलकल, कलरव, कॉयकॉप, कॉवकॉव, कोलाइल, गुल, गुलगपाड़ा, चिलाइट, चिल्लपों, बिल्लाइट, दगा, रोर, रोला, रौला, शोर, शोरगुल, इगामा, हिंठका, इल्ला, हुल्लब, हुल्ला, हाइल्ला ।

४६०. चिल्लाना-—श्रनलाना, श्रल्लाना, क्रव्लाना, कर्त करना, फोलाइन करना, गुलगपादा करना, चिल्लाना, चिल्लाना, चीकना, चौद्धना, निर्याना, बाप बाप करना, घोर करना, घोर करना, बिवियाना, रोना, घोर मचाना, इल्ला मचाना।

४६१. सत्तकारना—उभाइना, चुनौतो देना, वैलेन्ड करना, नाल देना, ललकारना, इकड्ना, इकरना, इकारना, हुँकारना, होंक्ड्ना। ४६२. चिल्लाइट—चिल्लपों, चिल्लाइट, चीक्र, चीन्कार, हो हल्ला । दे॰ 'छोर'! ४६३. तलकार—चुनौती, चैलेंब, दुँकार, होकड्ना।

४६४. चीख्ना—चिंपाइना, चिक्रना, चिकारना, चिग्पारना, चिल्लाना, चिल्वि-कना, चीखना, चीकार करना।

४६४. चित्रवाद-कृह, चिषाद, विषार, चिक्कार, चिग्वाद।

४६६. विधाइना—किकियाना, विधाइना, चिकरना, चिकारना, विग्वाइना, विश्वाना चीखना, रेकना ।

४६७. व्हाइ—गरब, गर्जन, दाक, षाक । ४६८. व्हाइना—गरगकाना, गरबना, गर्जना, गर्जन करना, गाजना, घरघडाना, चिग्वाइना, दहाइ भारना, घाकना ।

४६६. पुकार--म्रावान, म्रावाहन, गोहार, टेर, बुलाइट, रट, हाँक ।

६००. पुकारना--श्रागल लगाना, श्राहान करना, गोहराना, चिल्ला कर कहना, टेरना, ढॉक ढॉक करना, ढॉकना, पुकारना, बुलाना, रटना, ढॉक मारना, **डॉक** लगाना।

६०१. सुनना —कर्य कुइर में रसना, कर्या गोचर करना, कान देना, ध्यान देना, अवस्य करना।

६०२. मुनादी — पोषचा, दिंदीरा, हुग्गी। ६०३. स्तब्ध — श्रक्षक, श्रवाक, ठक, निस्तब्ध, नीरव, भीचस्का, श्रात, सन, सन, स्तब्ध, इक्कावस्का।

६०४. सन्त हो जाना—जननकात, जवाक् होना, जाश्चयंचिकत होना, जाश्चर्य में पहना, क्लंब्ब विमृद्ध होता, काठ मार जाना, किंक्संन्य विमूद होना, चिकत होना, ठक होना, ताज्युव में पड़ना, मकुश्राना, मुलाना, सब होना, स्तंमित होना, स्थिकत होना, हक्का बक्का होना। दे० 'चकराना'।

६०४. स्तब्यता—निस्तब्यता, नीरवता, यांति, समाटा ।

६०६. स्तभित—श्रवाक, उद्भात, चिकत, चुप, ठक, यंभित, निश्चल, निस्तम्ब, भौचक, भौचकक, भौचक्का, भ्रमित, बिस्मित, मुज, स्तभित।

६०७. चुप्पा---श्रनबोलता, श्रभाषी, श्रवका, कमबोलता, गुम्मा, घुन्ना, तृष्णीक, तृष्णी-भूत, नीरव, मौनयुक, मौनव्रतो, मौनी। ६०३. खामोश---श्रवाक, खमोश, चुप, चुपका, चुपचाप, तृष्णो, मौन।

६०६. स्वामोशी--ग्रवाकता, खामोशी, चुप्पी, तृष्यो, नोरवता, मौन ।

६१०. बारमी—कहता, कहुवा, गप्पी, बत्त-कह, बोलता, भाषणपटु, वका, वाकचद्रर, वाग्रदु, वागीश, वाग्मी, हॉकनेवाला। दे॰ 'बकवादी'।

६११. बकवाद--- अक्वक, कवकच, किच-किच, किटकिट, गप, गपइचीय, गालगूल वे पे, प्रलाप, वक्वक, वक्वास । दे० 'विवाद'।

६१२. **बकवा**दी---बक्वाती,वस्को,वाचाल । े दे॰ 'बाग्मी'।

६१३. वकना—शंडवड करना, शकवक करना, उटपटाँग कहना, वरुपना, प्रकाप करना, वककक करना, वकना, वकवक करना, वकवाद करना, वहवब करना, वब-वक्राना, वर्राना। ६१४. कथन—उक्ति, कथनी, कथा, कहन, कहनउत, कहनाउत, कहनावत, कहा, कहावत, ज्वान, वात, वानी, वचन, शब्द, सबद ।

६१४. कथित — उक्त, कहा हुन्ना, विकित । ६१६. वर्णन करना — कथन करना, कथना, कथना, कथना, कित्र देना, चित्र रखना, विकित करना, नकशा खीचना, नकशा देना, निवेदन करना, बतराना, नतलाना, बयान करना, बयान देना, बरनना, बोलना, रंगना, रंखित करना, वर्णन करना, विवरण देना, सम-भाना।

६१७. वर्णनीय—कथ. कथनीय, कथ्य, कक्ष, वचनीय, वर्ण्य।

६१८. श्रवरोनीय—श्रक्ष, श्रक्ष्यनीय, श्रक्ष्य, श्रक्ष, श्रक्षृता, श्रनिवर्चनीय। ६१६. उपर्युक्त—उपरोक्त, पूर्वोक्त।

६२०. निम्नोक --निम्नकथित ।

६२१. बात —कया, चर्चा, ज़िक, प्रसम, बचन, वाचा, बातचीत, बार्ता, बोस्री, बाबी, वार्ता। दे० 'बकबाद'।

६२२. पालना (प्रया था थात)—स्यास करना, निवाहना, निर्वाह करना, पासन करना, पासना, प्रतिपासन करना, रखा करना।

६२३. बातजीत करना—प्रलाप करना, बतराना, बतबाना, बतियाना, बात करमा, बोलना, संभाषक, सलाप करना, वार्ता-लाप करना।

६२४. कानाफूसी—कनपुरको, काना कानी, काना फुरकी, कानाकरी, सांव फूर । विशेष — 'करना' जोड़कर इसकी कियाएँ बनासकते हैं।

६२४. श्रनाप-शनाप—श्रंड-बंड, श्रनाप-शनाप, श्रल्लम-गल्लम, श्रायँ बायँ, ऊट-पटाँग, गपशप, गप, गप्प ।

६२६. गपना—गपडचौय करना, गपना, गप मारना, गप हॉकना, गप्प मारना, गप्प हॉकना, प्रसाप करना, बकवाद करना।

६२७. तिकया कलाम—तिकया कलाम, चड्डन तिकया, सखुन तिकया, सुखन तिकया।

६२८. हँसी — विद्यत, हँसन, हँसनि, हँसाई, हँसाय, दाँस, हाँसी, इ, हास, हास्य । ६२८. जोर की हँसी—श्रष्टहास, क्रहक्रहा, स्वस्था।

६२०. हॅसना — क्रडकशना, क्रडकश मारना, क्रडकश लगाना, खिलखिलाना, ठठाकर हॅसना, ठठ्ठा मारना, ठडाका मारना, बचीसी टिखाना, विह्सना, हॅसना, हास करना।

६३१. मुसकराहट-मुखकानि, मुसकानया, मुसक्यान, मुसकुराहट, मुसकान, मुस्कान, मुस्क्यान, मुस्को, स्मिति।

६३२. सुसकराना—बिदुराना, बिहॅसना, सुसकराना, मुसकाना, मुसकाना, मुसकाना, मुसकाना, मुस्का लेना, ग्रस्मित होना, हॅसना।

६३३. मधुर मुस्कान बाला—चावहासी, बुहास, बुहासी।

६२४. जिससे बात करना उचित हो---संमाध्य ।

६२४. संमाची-- ऋलापी, श्रालापी, बोलने बाला, वका, वारमी, बंभाषी, वक्वादी। े दे॰ 'बारमी'। ६३६. प्रिय**भाषी** — प्रियवादी, मधुरभाषी, मिष्ठभाषी।

६२७. व्यंग्य--श्राद्धेष वास्य, श्रवाबा, श्रावान, चुटको, ताना, तानाज़नी, विरह, बोलीठोलो, ब्यंग, मीठी चुटको।

६३८. व्याय करना— श्रवाक करना, श्रावाजा करना, तानाजनी करना, ताना मारना, विर्देह बोलना, बोली बोलना, बोली ठोली कहना, व्याग करना, व्याय करना, व्याय कहना।

६३६. फटकार- खरी खोटी, खाँट, खाँट-डपट, ताइन, ताइना, फिटकार।

६४०. फटकारना — खोटः खरी सुनाना, धुड़काना, डपटना, डॉटना, तर्जना, ताड़ना, दपटना, दपेटना, फटकारना। दे॰ 'घिक्कारना'।

६४१. गाली— गंदी तथान, ऋषशन्द, गारी, गाली-गलीच, गाली-गुफ़्ता, दुर्वचन, बद-ज़बान ।

६४२. गार्खी देना—श्रपशन्य करना, गंदी जनान निकालना, गरियाना, जनान निगाकना, नटजनान करना।

६४३. विवाद- कलह, मनहा, भगरा, टंटा, तकरार, विवाद, हुन्मत । हे० 'वकवाद' ।

६४४. **चाह**ट--मानान, बाहर, **नास,** बमक।

६४४. भंकार— भंकार, भनकार, भागमान-इट, भनाभन, भन्नाइट ।

६४६. कोयल की बोली—5हू, कूढ, कूकना। ६४७. कूँजना—क्ँवन करना, कुइकना, कुडुकना, क्कना, क्वना, गाना, चहकना, चहचहाना, पाकना, सराव करना।

६४८. कूँज—कुंबन, कुइ, कुदुक, कुहू, कुक, चइक, सराव।

६४६. चहकना—उदना, किलकिलाना, खिरा होना, खिलकिलाना, खुरा होना, चहकना, चहकाना, खुरा होना, प्रस्न होना, शोभित होना, हर्रा होना, हर्षित होना।

६४०. पाद — ऋपान वायु, गोज़, इवा । ६४१. पादना — ऋपान वायु छोडना, गुटा-स्व वायु छोडना, गोज़करना, पाद छोडना, पादना, इवा खोलना, इवा छोडना।

६४२. काम — करतव, करतूत, करनी, करम, कर्तव्य, कर्म, काख, काम, कारब, कार्य, कृति, कृत्य, घंचा, रोज़गार, रोज़ी। ६४३ कार्या — कारन, तत्र, निमित्त, प्रत्यय, वबद, स्वब, हेतु!

है अप्तर करना — आवाम देना, कर बालना, कर देना, कर लेना, निवटना, भुगताना, सपादना, संपादित करना, साधना।

६४४. सिद्ध होना (कार्य आदि)— खतम होना, ठांक होना, पूर्व होना, पूरा होना, बनना, धधना, सकल होना, समाप्त होना. सिम्मना, सिद्ध होना, हो जाना, होना ।

६४६. खिराना (काम आदि)—श्रन्छ। समना, दन पड्ना, होना, शस्य होना, हो समना।

६४७. सुकर-—बादान, तरस, वाधार**य,** बीचा । ६४८. दुष्कर—श्रगम, कठिन, क्विष्ट, बंड, दुष्कर, दुःसाध्य, पेचीदा, मुश्किल, विकट, विकराल ।

६४६. करने वाला—कर्मचारो, कर्मठ, कर्मिष्ठ, कर्मी, कामकाची, कार्यकर्ती।

६६०. **कामचोर—ग्र**कम<mark>्यय, ग्रक्तां,</mark> ग्रलहरी, ग्रालसी, क्र, कामचीर,निकम्मा, निकामी, निठल्लू, वेकामी।

६६१. कर्तव्य---करणीय, कर्म्य, कर्य। ६६२. श्रकतेव्य-- श्रकर्तव्य, श्रकर्म, श्रकर्म, श्रकर्य।

६६३. किया हुन्ना -- किया, कृत।

६६४. आना—आगमन करना, आमद बरना, उपिथत होना, चक्कर मारना, दर्शन देना, पदार्थण करना, पधारना, प्रवेश करना, अमच आना, हाजिर होना। ६६४ जाना—आगं बढ़ना, कड़ना, गमन करना, धुसुकना, चलना, चलायमान होना, निकलना. निकलना, पदार्थण करना, पधारना, प्रश्यान करना, बढ़ना, विचलित होना, सरकना, स्थगित होना, हटना। ६६६. आना—अवार्ड, आगमन, आमद, आवन।

६६७. प्रस्थान —गमन, चलचलाय, चला-चल, चलाचली, बाबा, बाना, गामा, क्रुमती, विदाई।

६६८. धगवानी—श्रगमानी, अगवार्ड, अगवानी, अम्बर्धना, पेशवार्ड, स्वागत ।

६६६. अगवानी करना—ग्रागे बट्कर लेना, इस्तकवास करना, पेशवादै करना, स्वामत करना।

६७०. डाक्षना— सरकाना, किरकाना,

विगाना, दूर करना, भगाना, सरकाना, इटाना।

६७१. श्रमसर होना — श्रगुत्राना, श्रगु-वाना, श्रगुवरना, श्रमवर होना, श्रागे बदना, उन्नति करना, शाँकना, तरक्की करना, बदना।

१७२. दौड़ना—गितमान होना, दौड़ना, दौड़ मारना, दौड़ लगाना, दौरना, घउरना, घावना, नौ दो ग्यारह होना, नाचना, पराना, प्रधावित होना, मगना, भवना, भागना, भाजना, वेगवान होना, सवेग चलना।

६७१. दोड़—दउर, दोडाइट, भगाई, रेस । ६७४. दोड़ाना —खदेरना, खदेरना, दउड़ाना, दौराना, पॉकियाना, पोछि-याना, पीछा करना, बहलाना, भगाना, लखेदना।

६७४. लौटना—घूम बाना, उलटना, घूमना, घूम पहना, परावर्तन करना, पल-टना, फिरना, बहुरना, सुहना, लौटना, बापस म्लाना, वापिस म्लाना।

६०६. चलना—ग्रागे बदना, काफूर होना, खनकता, खिलकना, विसकता, घुसुकना, चंपत होना, चलना, टरकना, टलना, टसकना, डिगना, नौ दो ग्यारह होना, विचलना, विखलना, मगना, माग चाना, यागना, रफूचक्कर होना, रॅगना, सरकता, हटना ।

६७७. क्रदम-वग, पग, पगरा, पाँब, काल।

६७८. चस- श्रहट्, चंचल, चलता-फिरता, चलायमान, चंगम।

६७६. अचल-- ग्रचर, ग्रचला, ग्रटल,

अविचल, बड़, यंभित, इट, निर्चल, निर्चेष्ट, युस्य, युस्यिर, स्यंभित, स्थाबी, स्थावर, स्थिर।

६८०. गति—कॅपकॅपी, कंपन, कॉपना, गति, चाल, यरथराहट, इरकत, हिलना।

६८१. चौकड़ी—उद्यलक्द, उद्यक्त, कुलॉच, कुछोल, क्दफॉट, छलॉग, फॉट। ६८२. उछालना—उछलाना, नॅघाना, फॅटाना, लॅघाना।

६८२. उछलना—कुद्दना, कुदान लेना, उछाल मारना, क्दना, डॉकना, नषना, नाघना, फॉदना, फुदकना, लॉघना।

६८४. **उचकना**—उक्सना, उभकना, उठना, उभक्रना, उमक्रना, ऊपर झाना, क्दना, चढना, तनना ।

दे० 'उछलना'।

६८४. फरकना—श्रिषक होना, इधर उधर होना, उछल कृद करना, चमकना, छट-कना, छिटकना, चिरकना, फडकना, फर-कना, फुटकना।

६८६. लॉघना—उतरना, ऊपर से बाना, उल्लंघन करना, छलॉंग मारना, डाकना, नॉघना, पार करना, फलॉंग मारना, फॉंडना, लंघन करना।

६८७. घूमना—श्रटन, श्रुम**न्त्र, श्रुमारै,** पर्यटन, भर्मन, भ्रम**ण,** मटरग**रता, यात्रा,** अञ्या, सफ़र।

६८८. घूमना--श्रटना, श्रटन करता, धूमना, धूमना फिरना, चलना किरना, पर्यल करना, भॅवना, भरमना, भम्ब करना, भमना, यात्रा करना, एफर करना। ६८८. ठहरना--श्रवस्थित होना, धमना, टिकना, ठिकना, केरा डालना, केरा देना, न चाना, न चाना, निवतना, वसना, रहना, रकना, स्थिर होना, होना ।

६६०. ठिकाना—ठेकाना, ठेकान, बसेरा, **रहब, रहाइस, रहा**व ।

६६१. ठहराना—वर देना, जमाना, टिकाना, ठहराना, ठिकाना देना, डेरा देना, बसाना, रहाइस कराना, रहाना।

६६२. **ठहराच**—बगइ, ठाँव, ठिकान, बेरा।

६६२. यात्री—काध्वम, श्रध्वनीन, श्रध्वन्य, गन्तु, बात्रो, पंथी, पथक, पथिक, पथी, पाथ, पाथिल, पान्थ, बटोही, मार्गी, यात्रिक, राही।

६६४. चक्कर लगाना—कावा काटना, धूमना, धोरियाना, चक्कर मारता, चक्कर लगाना, दौइधूप करना, फेरो देना, भँवना, भ्रमना, भ्रमित होना, मॅडराना।

६६४. भटकना---गुमराह होना, बहक बाना, बहकना, भटकना, भरमना, भूनना, राह भूलना। दे॰ भूनना।

६६६. भटकैया — भटकने वाला, भटकैया, भगी।

६६८. फिसलन — फिसलाइट, बिख्रिलन, रपट, रपटन, रपटा।

६६६. फिसलना—गिरना, गिर प**इना, पदना,** पि**छल**न, बिछलाना, बिछलाना, बि**छ**लाना, रपटना, सकिलना, सरकना।

७००. भहराना—ग्रराना, भरराना, भरता, भहरा बढ़ना ।

५०१. खुद्कना—भद्कना, श्रद्धक पहना, बहुदना, गिरना, ठोदर खाना, दंगिसाना, इस्टकना । ७०२. लुइकाना—गिराना, उकराना, ढॅगिलाना, दुलकाना, दुलाना, दोलना, फॅकना, लदकाना, खुदाना।

७०३. ठोकर--श्राधात, उदुक, चोट, टक्कर, ठक्कर, ठेस, घक्का।

७०४. घिकियाना - ठेलना, दकेसना, धिकेयाना, धकेलना, धक्कम-धुक्का करना, धक्का देना।

७०४. गर्दनियाँ देना-श्चर्षचंद्र देना।

७०६. टकराना—श्रदना, चोट <mark>लाना,</mark> टक्कर खाना, टक्कर मारना, ठक्कर मारना, ठोकर खाना, ठोकर **सेना, धक्का** खाना, भिदना।

७०७. लब्स्वहाना— ऋहबहाना, झर-बराना, भोंका खाना, हगडगाना, हग-डोजना, डगना, हगमगाना, हिगना, लटपटाना, लरसराना, विचलना, विच-लित होना, हिलना ।

७०८. गिरना— अवनति होना, आ पहना, गिरन', तनज्जुली करना, पहना, परना, पतन होना, पतित होना, पात होना, खुदकना।

७०६. चढ़ाई — उत्मान, उत्थान, धारी-हख, चढना प्रारोह्य, रोह्या, रोहना । ७१०. चढ़ना - श्ररोहना, झारोह्या करना,

उपर बाना, चढ्ना । ७११. चढनेवाला-- ठरममक, श्रारोही, रोहक, रोहा ।

७१२. **हॉफना**— उलटी शॉस केना, तेब् सॉस लेना, इंफराना, इॉफना, इॉफना, हॉब हॉय करना, **हॉ**कना।

७१६. श्वांस-उन्ध् वात, उवाव, दम, पवन, श्वाव, श्वावा, वांब, इंदरी। ७१४. सकोर—म्रांदोलन, कंपन, गति, सक्सोर, डोलना, इरकत, हिलाई, हिलोर।

७१४. मकोरना—कॅपाना, कंपित करना, खलाना, भुजाना, भोरना, दुलाना, इरकत करना, हिलाना, हिलोदना, हिलोदना,

७१६. भूमना—कंपित होना, कॉंपना, क्रूपना, भ्रोके खाना, डोलना, लहराना, हिलना।

७१७. हाँकना—ग्नागे बढ़ाना, चलाना, बढ़ाना, रेगाना।

७१८. टपकना—गिरना, चूना, टपटप गिरना, टपकना, निचुरना, रसना।

५१६. टपकाना— गिराना, चुत्राना, टपका
 देना, टुपकाना, निचोलना, रसाना ।

७२०. बोफना (नाव गाड़ी चादि)— डालना, भरना, भार डालना, लादना (

७२०. झ. बोमा-भार, वज्ना।

७२१. उतारना स्वितयाना, खाली करना, नीचे लाना, बोफ उतारना, इलका करना।

७२२. नजर---म्रॉल, डीट, दिष्टि, दिविट, दिस्टि, दीठ, दीदा, दृष्टि, नबरि, ननारा, निगद, निगाद ।

७२३. देखना—श्रवलोकन, श्रवलोकन, करना, घूरना, चितवना, चिताना, चोवना, चोइना, फाँकना, तकना, ताकना, क्षिकवना, दर्धन करना, दृष्टिगत करना, दृष्टिगोचर करना, दृष्टि फेरना, नहरना, नहराना, निरखना, निरोध्य करना, विदारना, पेखना, प्रस्थव करना, विकाकना, स्थाना, देशना। ७२४. दिखाई देना — दर्शन होना, दिखना, दिखाई पड़ना, दिखना, दीखना, दीखना, दीखना, दीखना, हिंगाना, हिंगाना, हिंगाना, हिंगाना, हिंगाना, हिंगाना, हिंगाना, दिखराना, दिखराना, दिखराना, देखराना, देखाना, देखाना, देखाना, हेराना।

७२६. एकटक देखना--श्रनिमेष देखना, श्रपलक देखना, एकटक देखना, टक-टकाना, टकटकी बाँधना।

७२७. दूरदर्शी—श्रमशोची, परिवाम-दशीं, दूरदेश, दूरदर्शक, दूरदर्शी।

७२८. दूरद्शिता—श्रमशोचिता, दूरंदेखी,
परिचाम दृष्टि ।

७३६. **हर्य — चित्र, तमाद्या, दरय,** नवारा, नज्बारा, सीन ।

७३०. ऋहरय--श्रतर्चान, स्रगोबर, श्रदीठ, श्रदृष्ट, श्रदृरय, श्रतस, गाबर, स्रुप्त, विलीन ।

७३१. नुमाइरा-पदर्शनी, नुमायह ।

७३२. **देखादेखी**—दि**साटिसी, दिठादिडी,** देखभाल, साचास्कार ।

७३३. दर्शन-मानलोकन, देखन, माँड, भार्को, दर्श, देखना, देखा-देखी, मेंट, साजात्कार।

७३४. द्रीक-तमायक्षेत्र, द्र्यी, दिखहार, दिलेया, द्रश, देखनेपासा, देखनदारा, देखवैया, प्रदर्शक, श्रोता, समा।

७३४. दिसाया हुचा—दर्शित, ब्रद्धित ।

७३६. **दिलाज**—ऊपरो, दिलाऊ, दिला-वटो, दिलीमा, देलाऊ, बतवनाऊ, बना-बटी।

७३. दिखलाई-दिखलवाई।

७३८ खुभना—कोचाना, खगना, गहना, कृदना, बुग्ना, चुपना, छिदना, वॅसना, पैठना, विंबना, भीतर चाना ।

७३१. चुभाना — कॉचना, कोचना, खोंसना, गड़ाना, गुफाना, गुभाना, गोदना, गोभना, घुसेडना, घुसेरना, चुभाना, छेदना, चुभोना, चोभना, घँसाना, घसाना, पार करना, बिल करना, बीधना, वेधना, मेदना, भोंकना, रंध्र करना, रंध्रित करना। दे० 'घुसाना'।

७४०. घुसना — श्रंदर झाना, श्रंदर बाना, ग्रंदर बाना, ग्रंदर बाना, ग्रंदर झाना, श्रंदर बाना, ग्रंदना, घुसु रना, चुमना, दाखिल होना, घँसना, प्रविष्ट होना, प्रवेश करना, प्रवेश पाना, भितराना, भीतर बाना, समाना, हिलना, हेलना ।

७४१. घुसाना—शतर्गत करना, श्रंदर करना, गडाना, घुसुराना, घुसेड्ना. चुभाना, क्रोडना, ठेलना, दाखिल करना, बॅलाना, नाना, नावना, पेलना, पैठाना, बेलाना, प्रविष्ट कराना, प्रवेश कराना, मीतर घुसेडना, इलाना । दे० 'चुणाना'। ७४२. प्रवेश—गति, घुल, दखल, पहुँच, पैठ, प्रवेश, रक्षाई।

७४६. प्रविष्ट—शंवरस्य, श्रुवा, दाखिल, चॅंबा, पैठा, पैठा हुन्ना, इसा ।

७४४. पद्मामा — दूर बाना, दीवना, पराना, व्यादन, करना, मनना, भागना, दटना । ७४**४. पतायक**—मगुवा, मगो**दा, मगौदा,** भग्गुल, भग्गू।

७४६. निकलना—ग्रलग होना, कदना, निर्गत होना, निष्कासित होना, बहिंगत होना, वहिष्कृत होना, बाहर ग्राना, मगना।

७४७. निकालना — अलग करना, काटना, खदेइना, खदेरना, छाँटना, छोड़ना, दुरदुराना, निर्गत करना, निष्काशन करना, निष्काशित करना, निष्टृत करना, वर्लास्त करना, वर्डिंग्त करा, वर्डिंग्त करना, वर्डिंग्त करना, वर्डिंग्त करना, वर्डिंग्त करना, वर्डिंग्त करना, वर्डिंग्त करा, वर्डिंग्

७४८. निकाला—ग्रलग किया, कादा, निर्गत, निष्काषित, बहिर्गत, बहिष्कृत, भगाया, इटाया।

७४६. चठना ∼उठना, उत्तिष्ठ **होना,** उत्यान करना, उन्नति करना, ख**हा होना,** ठ**हा** होना, ठाट् होना।

७४०. बैठना -शासन प्रद्य करता, शासन बमाना, श्रासन लेना, उपविष्ठ होना, उपवेशन करना, तशरीफ रखना, विराजना, बैठना, स्थान लेना :

७५१. बकना-- आक्रांत होना, दोल होना, दीला पड़ना क्रांत होना, बकना, शिवि-लाना, शि. यह होना, विहराना, हारना। ७५२. बकावट-- अववाद, क्रांति, लेह, बकान, बकावट. बकाहट, माँदगी, शिविलता, आति, विहरन, हार।

७४३. वका—माक्नांत, क्नांत, सेहित, चढनाचूर, टोस, वका, वकामादा, विक्य, वकीहा, वस्त, परिभांत, सस्त, सस्त-परत, शिविस, भगित, अमी, भांत, विहराचा, हारा। ७४४. अलसाना—अरसाना, आलस्ट होना, आलस्य करना, उनींदा होना, ऊँघना, भएकना, तंद्रित होना, निद्रित होना, प्रमत्त होना, मंद होना, मुस्त होना, मुस्ती करना।

श्रेप. ऊँघना—श्रलसाना, श्रोपना, श्रोपाना, भएकना, भएकी लेना, भेंपना, तंद्रित होना, निद्रित होना, पलक मारना, लटकना, सुस्त पडना।

४६. जॅमाई—बगुब्राई, जुम्भाई, जुम्भा,बृम्मा।

भरें. भपकी—श्रौवाई, ऊँघ, ऊँघन, भाँप।

अ.स. नींद्—म्रालस, उँघाई, म्रौषाई, ऑपकी, निंद, निदास, निदिया, निद्रा, सुन्ति ।

१**४६. निद्रित**—निद्रायमान, प्रसुप्त, जुप्त, सुषुप्त ।

६०. निद्रालु—उनीदा, ऊँघता हुन्ना, कॅपित, निदासा, निद्रागस्त ।

दश्याना—श्रॉल लगना, खर्छ भरना, खर्छ लगना, खर्छ लगना, खर्छ लगना, निद्रत होना, नींद से होना, नींद लेना, पौद्रना, श्रवन करना, स्यम करना, सोना, सोवना। दे॰ 'विभाम करना'।

६२. वेखवर सोना—कर्राटा भरना, कर्राटा मारना, खरीटा लेना, वेखवर कोना।

६३. **सुलाना**—पौदाना, शयन कराना, होसाना, स्थाना ।

६४. **भाराम**— सहत, विभाम, विराम, एवन, सुसा।

१४. आराम करना-श्रॉल मारना,

दरकता, यकावट दूर करता, नींद केना, पीठ संगाना, पौद्धना, खेटना, खोटना, लोट पोट करना, खौट पौट करना, विराम लेना, विभाम करना, श्रयन करना, सुसताना, सुस्ताना, सोना ।

७६६. स्वप्न-प्नान, ज़्यान, सपना, सुपना।

७६७. श्रभुश्चाना (सोते में बोलना)---अक्षत्रकाना, श्रभुयाना, बयाना, वर्राना ।

७६=. जागरण्या—जाग, वागर्वि, बागरन, बागरति, बाग्रति ।

७६६. जागना— उठना, चैतन्य होना, चौकस होना, जगना, जागर्त होना, जागना, सजग होना, सावधान होना।

७७०. जगाना—उटाना, उद्बोधित करना, चैतन्य करना, बगाना, जागर्त करना, सजग करना, सावधान करना ।

७७१. सगबगाना—शकाना, सकपकाना, सगबगाना, सशकना, सुगाना, हिलना, हिलना-दुलना।

७७२. टेक — ब्राङ्, ब्राभय, ब्रोट, तकिया, - सहारा ।

७७३. टेकना—अइना, आइना, आइ लगाना, श्राभय लेना, श्रोट लगाना, टेक लगाना, टेक लेना, डासना लेना, तिकया करना, रखना, सहारा लेना।

७०४. रोकना— ग्रटकाना, ग्रह्मकाना, ग्रह्मन डालना, श्रवबद्ध करना, ग्रवरोधन करना, श्रवरोधना, कीलन करना, ठइ-राना, यामना, थाम्हना, निषेध करना, पैर पकड़ना, प्रतिरोध करना, प्रतिषेध करना, वर्षना, मना करना, राख्या रोकना, बद्ध करना, कॅपना, रोबना, शस्य करना, बाघा कालना, न्याघात कालना, इटकना, द्वाय पकडना । ५७५ निवारण करना—श्रलभ करना, दूर करना, निवारन करना, बचाना, बर्चना, मना करना, रोकना वर्जना, वारण करना, वारना, इटाना ।

७७६. रोकने वाला — श्रवरोधक, श्रव-रोषी, निषेषक, वाषक, विध्नकर्ता, रोधक, स्तमक।

••• रोका हुआ—श्रवम्ब, श्रवरोधित.

थिगत, थांभित,निषिद्ध, निषेधिन, बाधित,

मना, चढा, कॅबा, रोका, विकत, वर्ज्य,

स्तामत।

रोक — श्रद्धाः, श्रवरोधः, थामः,
 द्याव, निषेधः, प्रतिबन्धः, वर्जनः, गनाहाः,
 सुमानियतः, दकावटः, रोकथागः, स्तमनः

७७६. घेरना—श्रवरद्ध कर लेना, श्रवरोध लेना, प्रसना, घेरता, छकता, प्रधन मे डालना, रोकना, लगाना।

प्रिना—ग्रावृत होना, विरना,
 अ जाना, छेका जाना, वॅघ जाना, वधन
 में होना, क्रमना, पॅस बाना, फॅसना,
 सगना।

७८१. खटकना— ब्रटक जाना, ब्रटकना, ब्रह्मना. ब्रह्मना, उलभाना, चिरना, टिकना, ठइरना, फँदना, फँसना, ब्रभाना, बम्मा रहना, ककना, लगा रहना, व्यस्त रहना।

क्ष्यरः **कटकाना**--ब्रटकाना, ब्रह्माना, **ब्रह्म**ना, ब्रह्मभाना, क्षेत्रना, रिकाना, ठ**र**राना, क्ष्याना, क्ष्याना, क्यानर क्षामा, रोकना, क्ष्य करना । अन्दे. बाँधना—श्रभुराना, उलमाना, गठियाना, गाँठ लगाना, गाँठ देना, ग्रंथि लगाना, बधन में बालना, बान्दना।

७८४. गाँठ-उलभाव, ग्रंथि, बंबन ।

७८४ सहायता--मदट, संग, सहार, महाई, सहाय, साथ, सहारा, साहाय्य ।

प्रभः विद्य — श्रटकाव, श्रहगा, श्रहचन, श्रवरोध, ठहराव, यभन, प्रतिबन्ध, बाधा, बाधकता, बिधन, क्काव, क्कावर, रोक, रोधन, विष्न, ल्याभात।

७८७. महायता देना—श्रागे दकेलना, श्रागे बढाना, कंघ' देना, कघा लगाना, घक्का देना, बढाना, बढावा देना, मदद देना, साथ देना, सहायता करना, हाथ लगाना।

७८८. विघ्न डालना—श्रटकाना, श्रदका लगाना, श्रवरोधना, उद्धक लगाना, यॉभना. थाम्डना प्रतिबन्ध लगाना, गम्ता बन्ट करना, घकावट डालना, रूधना, घन्टना, रोकना, लंगी लगाना, स्याधात डालना टा रक्षना।

७८६. सहायक--दायाँ हाय, प्रतिपालक, मददगार, सहन्य।

७६०. बाधक--ग्रवरोघक, ग्रवरोघी, विरोधी, स्थापातो ।

७६१. क्रिपना—श्वापकट होना, श्वापकाशित रहना, श्रोट में होना, श्वाह में श्वाना, श्वोट में थाना, गुष्त होना, गुम होना, श्विपना, दुकना, दक्क रहना, दक्क थाना, हुक्कना, श्वकना, हट थान', हटना।

७६२. **द्धिपाना---ग्रं**घेरे में रलना, **ग्राकट** करना, गुप्त करना, गोपित **करना,** गोपना, दुकाना, ख्रिपाना, खुक्बाना, खुकाना।

७६३. गायब करना (१)—श्रॅंटियाना, खा जाना, गटरगों कर जाना, गोत कर जाना, इनम करना।

७६४. गायब करना (२) - खो देना, छोड़ देना, भुलवाना, भूल जाना, हेरवाना ।

७६४. टटोलना—टकटोना, टकटोरना, टकटोलना, टकटोहना, टटोना, टटोरना, हुँदना, तलाशना।

७६६. खोजना—श्रनुसथान करना, दूँदना, तलाशना, पता लगाना, हेरना।

७६७. खोजबाना — खोब कराना, दुँद-वाना, तलशवाना, पता सगवाना, हेरवाना।

७६८. ढकना— श्रव्यक करना, श्राइ में रखना, श्रोट करना, श्रोट में करना, भग्नॅपना, ढॉपना, तोपना, परदा करना, बद करना, मींचना, मूँदना । दे० 'खिपाना'।

७६१. उधारना—उपाइना, उपार करना, उद्घाटित करना, लोलना, लाहिर करना, नंगा करना, नंपा करना, नग्न करना, परदा लोलना, प्रगट करना, वेपरद करना, वस्त्रमीयन करना, ग्यक करना।

द्भ००. शायम-ग्रातर, श्रंतरवान, श्रंतर्-वान, श्रंतर्वान, श्रंतरभावित, श्रतहित, श्रद्गेठ, श्रद्धश्य, श्रद्धः, श्रमगट, श्रक्षक्षित, श्रक्षश्य, तिरोम्त, तिरोहित, श्रुष्त, विश्रीन। ६०१. स्नोप-श्रंत, श्रंतद्र्वान, श्रंतमीव, श्रदर्शन, छिपाव, तिराधान, तिरोभाव, समाप्ति।

८०२. गोपन---श्रंतर्माव, ख्रिपाब, तिरो-भाव।

८०३. प्राकट्य-परगटना, प्रकटना, प्राहु-र्भाव ।

८०४. रिक — त्रपूर्व, साली, सुस्सा, स्रोसा, खूड, खूडा, रिक, रोता।

८०४. भरा—श्रपूर्ण, श्रोतप्रोत, पूरा, पूर्व, भरापूरा ।

८०६. खोखला— ठोठरा, खोबला, पोपला, होमला, पोला ।

विलोम—दे॰ 'भरा', 'ठोव'।

द्मा पिचकना चुचुकना, दबना, वँचना, पचकना, पिचकना, पिचिकना, विकुद्धना, विमिटना।

८०८. फूलना (खब्यब)- बोक्यना, चिकनाना, मोटाना, मोटा होना, सूबना, सोदना, स्यूल होना ।

८०१. खाली करना—सक्षियाना, स्रीव हाना, निकालना, रिक्त करना।

प्तरेश भरना-श्वेनरीता करना, हुसना, डेसना, पूरा करना, पूर्व करना।

प्रश्. महना — ब्राना, ब्रित होना, गिरना, खूना, भड़ना, भरना, टबबना, टूट कर गिरना, पतमार होना, पतन होना, पात होना, रखना, रखकित होना। प्रश्. आरंभ— अनुबंब, बादि, खबिनोब, उत्पत्ति, उद्भव, उद्भावना, ब, उत्तेद्-धात, बन्म, प्रकाड, प्रथम, अवस्थ, प्रातुर्माव, प्रारंभ, शुक्, क्यारम्भ।

विकास-दे॰ 'नारा'।

म१३. चारंस होना —ग्रवतरना, त्राना, उपना, उपना, चनमना। दे॰ 'ग्रॅंखु-मार्ग'।

दिशः आरंभ करना—आरंमना, ठान ठानना, ठानना, प्रारम्भ करना, विस्मिल्ला करना, रोपना, शुरू करना, श्रीगरोश करना, समहुत करना।

८१४. बनाना—दे॰ 'बनाना'।

=१६. बनानेवाला—निर्माता, प्रणेता, बिधायक, रचक, रचियता, विधायक, सर्वक, सिरबक, सिरबनहार, सृबक, कुष्रनहार।

मर्फ. जन्म लेना---उगना, उत्पन्न होना, उपनना, पैदा होना, प्रस्त होना। देव 'ब्रास्म्म होना'।

मरमः अन्मा हुआ--उतपन, उत्पन्न, ब, बना, बात, पैदा, प्रस्त, संबात।

म१६. नाशना - इय करना, नासना, कुँकना, भिटाना, विनासना, संहारना, समाप्त करना।

विक्रोम-दे॰ 'रचना', 'बनाना'।

प्तरित हैं बना श्रास्ता, कॉकना, कुव-सना, कूँ बना, बहलना, खिन-भिन्न करना, नष्ट करना, नष्ट प्रष्ट करना, नैस्तनाबुद करना, वर्षाद करना, पर्दन करना, मसलना, रीदना।

दरिः समाप्त होना --मंत होना, मय-बान होना, गुबरना, पूरा होना, पूर्व होना, बीवना, व्यवीत होना, तपूर्व होना, तमाप्त कैना।

क्र. नशका—कंत होता, क्रव होता, क्रमा, नाक्रमा, नवना, क्रमा, मिटमा, विनसना, विनसाना, संहरना, समाप्त होना।

बिलोम-दे॰ 'बनना'।

दर्दे. नाश-श्रंत, श्रवसान, द्य, ध्वंस, ध्वंसन, तबाही, नास, परामव, बरवादी, बर्बादी, मंबन, लोप, विषस, विध्वंस, विनशन, विनाश, बिनास, संहार, समाप्ति।

विलोस—दै० १. 'निर्माख' 'रचना' । २. 'बन्म' 'श्रारम्भ' ।

प्परेशः नाशकः—ग्नतक, श्रेपहः, धाती, धायकः, धालकः, ध्वसकः, ध्वसो, नशेहरः, नाशकः, नाशकर्ताः, नाशकारीः, नाशो, मारकः, विष्वंसीः, विनाशकः, विनाशीः, सहारकः, हताः, हरः, हर्ताः, हारकः।

प्तरप्र. विश्वस्त —तबाह, धराग्रायो, ध्वस्त, नष्ट, नष्टभ्रष्ट, पराभ्त, परास्त, बबाँद, मृत, विषय, विश्वस्त, विनष्ट ।

८२६. ठीक--श्रचुरय, ग्रन्झा, **दुरस्त,** परक, सही, साबित, साबुत ।

८२७ गत --गत, परोच्च, पहले, पीचे, विगत, बातः हुन्ना, भूत, न्यतीत ।

८२८. स्वर्गवादी-गन, परिहित, फौत, मृत, स्वर्गताती, स्वर्गीय ।

८२६. मृत-मरहूम, मुरदा, मुरदार, मुदी, भृत, मृतक, स्वर्गवामी, स्वर्गवासी, स्वर्गीय।

८३०. शवदाह-श्रीतदाह, समिदाह, प्रेतदाह।

परे श्रे अञ्चाना (श्रेष)--श्रंतिम किसा करना, श्रंतेष्टि करना, श्राना, श्राना, रण्य करना, रण्याना, श्रद्ध संस्कार करना, कुँकना। ५३२. नश्वर— ग्रनित्य, ग्रस्थायी, च्या-भंगुर, च्याक, च्यापणु, च्यो, चपल, चर, नश्वर, नाशवान, नाशी, नासी, क.ल, विनश्वर।

६३३. श्रनश्वर— ग्रच्य, श्रच्य, श्रच्य, श्रच्य, श्रच्य, श्रच्य, श्रवनाशी, चिरस्थायी, निस्य, शास्वत, स्थायी, स्थिर।

७२४. समरण् — श्रभिज्ञान, ख्याल,, चेत, धारण, ध्यान, याद, सवर, सुध, सुधि, सुमरन, सुमृत, सुमृति, सुरत, सुरति, समरण, स्मृति।

भ्यः विस्मर्ग्य—भूल, विस्मृति । भ्यः स्मर्गः शक्ति—मेघा, याद, याद-दाश्त ।

प्तरेण. स्मर्गा करना— ख्याल करना, चेतना, याद करना, सुध करना, सुधि करना, सुधि लेना, होश करना।

परेष्यः रहना- ज़बान पर रखना, बरिक करना, बार बार कहना, याद करना, रह लेना, स्मरण करना, इफ्ज़ करना, हिक्क़ करना।

मा १६. समरण दिलाना—चेत दिलाना, याद दिलाना, सुध दिलाना, सुध कराना, सुध कराना, होश सुधि दिलाना, होश कराना, होश दिलाना।

म्ह . सुधि - श्रौसान, ख़बर, चेत, चेतना, संश्वा, सुध, सुध-सुध, होश, होशहबास । महिश . भूल - श्रनुचित, श्रयथा, श्रयथा-यंता, श्रलोक, श्रशुद्धि, उलटा, ग़लती, चूक, शुटि, सुरा, बेठोक, भूलचूक, विषयंय।

३४२. भूता हुचा-वेग्रुघ, भूता, भूता-भटका, विस्मृत, भ्रमित, भ्रांत । पश्रे. भूजना— घटपटाना, नवकाया, ग्रांती करना, ग्रंति होना, चूक करना, चूकना, चेत से उतरना, प्रमादवश होना, विसरना, विद्याना, भरमना, धुरामा, भूज करना, भूज जाना, भूजचूक होना, भूजन-चूकना, भ्रंप में पहना, भ्रंपित होना, भ्रांति में पहना, विस्मर्थ होना, विस्मृति होना, बुध न रहना, सुधि विद्याना, होश न रहना।

८४४. भुलाना— चरका पढाना, चराना, चाल बताना, चालबानी करना, चाल सिखाना, छलना, छलछद करना, धोखा देना, पढाना, प्रतारण करना, प्रतारणा देना, पढाना, प्रतारणा देना, प्रवचना देना, प्रवंचित करना, फुसलाना, बद्द्याना, बुत्ता देना, भटकाना भुरवाना, भुलवाना, भोगाना, सिखाना । ८४४ मिलाना— ऋमेजना, श्रामेनना, एक में करना, एकरार करना, शालमें मेल करना, मिलावट करना, मिलित करना, मिलावट करना, मिलित करना, मिलावट करना, मिलित करना, सिम्मअख करना, सम्मिलत करना, सम्मिला करा, सम्मिला करना, सम्मिला करना, सम्मिला करा, सम्मिला क

८४६. मिलावट — श्राश्लेषस्, मिश्रस्, संकरता, सश्लिष्टता, सम्मिश्रस्, ससुष्ट । ८४७. मिलाया हुसा—मिश्र, मिश्रित, मीलित, संयुक्त, सन्त्रिष्ट, ससुष्ट, सहित, सम्मिलित ।

८४८ मिलना—दर्शन, देखा-देखी, मैड, भिलन, मिलाप, मुलाकात, मपर्क, संयोग, संश्लेष, साचातकार।

विशेष—िकिया 'मिलना' के लिए अपर के शब्दों में 'होना' चोड़कर, शब्द बनास चा सकते हैं। न्ध्रध्य मि**बान**—मिलना, मिलान, मेल, चंगम, चंघर, चंघरन, चंगेलन, चयोग, चंरसेष, सम्मेलन ।

प्राहे, एकाकारिता; एकात्मकता, एकी-एकाई, एकाकारिता; एकात्मकता, एकी-कर्थ, एकाभूति, एक्य, मिलन, मिलान, मेल, मिलाप, संग, संगठन, संगम, संघट, सघटन, संघह, सघटन, सपात, संयुग, संयोग, सश्रय।

म्प्रश्. मेल-जोल—म्नामदरफ्त, म्रावा-बाही, साबलय्या, परिचय, मुलाकात, मेल-मिलाप, रब्तज्बत, संयोग, सहाबहा, सद्भाव, समन्वय, हेलमेल।

प्पर्यः संग-सर्गात, सहवास, सहितता, साथ, साहित्य, सोहबत, हमराही।

८४३. अलग करना —श्रगाना, श्रलगाना, ग्रनगियाना, उकालना, उखाइना, उखारना, उचाटना, उचाइना, उच्चा-टन, करना, उधे**ड**ना, **उ**न्मू**लन** उम्मूलित करना, उपाटना, उपाड्ना, उपारना, उफारना, उमाहना, क्रोसाना, कपटना, कबारना. काटना, काटना, किरोलना, कुरेदना, खलियाना, चाँडना. कॉंटना, क्षीनना, खोलना, खोड्ना, खालना, श्रुपः करना, टालना, हुलाना, होनाना, सोडना, दूर करना, दूर हटाना, निकारना, निकालना, निकासना, निकियाना, निवे-क्रमा, निसारना, पृथक् करना, फटकना, फोइना, बहिश्झार इरना, बिलगाना, बेराना, विम्रह करना, इटाना ।

धरेशः श्रांतमा होना स्वास्त्रमा, श्राहुठना, उत्तरमा, उत्तरमा, उत्तरमा, उत्तरमा, उत्तरमा, उत्तरमा, उत्तरमा, उपहला, उपरना, कबरना, कटना, कद्दना, खिलना, छुटना, खुटना, खुदना, छूटना, खुदा होना, टूटना, ढोलना, निकलना, निक-सना, निसरना, पृथक् होना, फटना, फरि-याना, बरकना, बिद्धुद्दना, बिलगना, वियुक्त होना, विश्लेषित होना।

प्रथं, श्रलग —श्रयुक, श्रलग, श्रलहदा, श्रसंग, श्रसंबद, खारिख, खुदा, निनादा, न्यारा, न्यारे, पृथक, फुट, फुटकर, बाह्य, बिलग, भिन्न, बंचित, बिच्छिन, विभिन्न, वियोग —श्रंतर, श्रलगाव, श्रसंहरगी, खुदाई, पार्यक्य, पृथकता, फरकाव, फिराक, भिन्नता, भेद, वियोग, विच्छक, विद्रलेख। विद्रलेख। विद्रलेख।

८४७. सयोग—रतेष, संबोग, संश्तेष। दे॰ 'मोल बोल', 'एकता', 'मिलन'।

प्रथा एकत्र करना—श्वभेरना, श्रमेजना, श्रजीन करना, श्राकलन करना, इकट्ठा करना, उगाहना, एकत्रित करना, खमाना, खगा करना, खगबना, खगाना, खटाना, खगना, खहाना, जोगवाना, खोगाइ करना, भोरना, बटेरना, बिटोरना, बिदवना, मिलाना, संकलन करना, संकलित करना, संबद्ध करना, सगृहीत करना, समहना, संजोबना, सचना, संचय करना, संसूष्टि करना, सिहारना।

विक्रोम-दे॰ 'विसेरना', 'फॅडना'।

८४६. एकत्र होना—श्रगटना, इक्हा होना, एकत्रित होना, विरना, चुमङ्गा, बमना, बुटना, बुदना, बुरना, **बुमना,** बदुरना, मेलना, सिन्नपात होना, सिम-टना।

विलोम-दे॰ 'विखरना'।

पहिं एकत्र - श्रंतमंबित, श्रंतभूत, श्रक्त, श्रन्वित, श्रपरिच्छिन, श्रविभक्त, इकनोर, इकट्टा, इकतर, इकत्र, इकस्रत, इकैट, एकत, एकत्रित, कुल।

म्दिश. एकत्र किया हुन्या— एकत्र, संक-लित, संग्रहीत, सगृहीत, संचित, सँबोइल, सँबोवल, सहत, सहित, समवेत ।

८६२. संप्रह—चयन, संकलन।

द्धः विखेरना—इधर उघर करना, क्वितराना, छीटना, तितर बितर करना, तीन तेरह करना, पष्टारना, प्रकाश करना, प्रचार करना, फैलाना, बखेरना, बारह बाट करना, बीगना, बिखेरना, बिथारना। दिशः गूथना (मोती आदि)—गुत्थी करना, गूँथना, टाँकना, परोहना, पिरोना, पोहना, लगाना, सीना।

म्ह्र्स. विखरना—इघर उघर हाना, ख्रिट बाना, ख्रिटना, ख्रिटाना, ख्रितराना, पर-रना, प्रवरित होना, फैलाना, विधरना। विकोस—दे॰ 'एकत्र होना'।

ब्दं ७. लुटाना—उदाना, खरचना, लोना, गॅबाना, दे देना, पानी की तरह बहाना, बरबाद कर डालना, बहाना, बाँट देना। दे॰ 'कॅकना'। पद्म. फेंकना—गिराना, गेरना, खाइना, छोड़ना, डारना, डालना, चूल्हे में डालना, त्यागना, दूर करना, नाना, नावना, निकालना, प्रचेपच करना। प्रदेश खादि)— लीचना, बटोरना (ग्रंग खादि)— लीचना, बटोरना, लौटाना, संकोच करना, समेटना, सिमिटना, सिकोइना। प्र७०. फेलाना (ग्रंग खादि)—तानना,

पसारना, विस्तार देना । ८७१. फेलाना—श्रदाना, श्रवकिरस करना, गिराना, छाना, छितिराना, इसाना, डासना, पैकना, नगराना, नगारना, दवना,

बहाना, विखेरना, विथारना, विश्वराना, विथोरना, विश्वतरना, विस्तारना, वीगना,

गेना ।

प७२. दूटनाः—खंड खड होना, खंडित होना, चटकना, चटलना, खनकना, तडकना ।

८७३. तोड्ना--खंड खंड करना, खंडित करना, चटकाना, चटखाना, तडकाना, भंगकरना, मचना, भवन करना।

म७४. जोड्ना—एक में करना, कीलना, जुक करना, खुटाना, खुट्ना, कोरना, मिलाना, संयुक्त करना।

८७४. जुड़ा हुचा—चुटा, घोड़ा, संयुक, संजुत, सयुक, समितित, समवेत, समेत । ६७६. दुकड़ा—काड, संड, चिंदी, चिट, छ, दुकड़ा, धूजा, नख, परकाखा, फाँक, मग, शास, शासा । दे॰ 'अध्याय'।

८७७. जिसके दुक्वे न हों—जबंद, श्रवंडत, श्रवंडित, श्रवित, श्रमंग, श्रमंगी, श्रभग्न, श्रमंत्रन, श्रविभाष्य। मान्य संख्या स्वार्थ, द्रा हुन्ना, भग्न । मान्य सम्पूर्यी स्नाव, त्रसंह, असंख्य, असिल, इस्ताल, कामिल, संक, ठाढ़ा, तमाम, निस्तिल, पूरा, पूर्य, भरपूर, सगरो, सब, सम्म, समस्त, समूचा, सारा, सिनरा।

दन्न. काटना--कतरना, कतर घ्योंत करना, कर्तन करना, कर्तरी चलाना, कलमना, काट छाँट करना, काटना, कृतरना, कैंची करना, छाँटना, छेवना, छालना, टाँचना, दुकके करना, तराशना, संगना।

भद्ध सीना—कच्चा करना, गूयना, गूलना, जोबना, टॉकना, टॉका मारना, टॉचना, डोभ डालना, बिखया करना, रक्क्क करना, लंगड देना।

ममरे कतरन- कतरा, खंड, टुकड़ा, टुकड़ी।

६८३. **कटाई-**-कटान, कतराई, काट, काट काँट, तराश !

प्याप्त चुनना — धगोटना, उछाँटना, वयन करना, चिनना, छाँटना, निर्वाचन करना, बीछना, बीनना, बीछना-बराना, बेराना, सोइना, बिलगाना।

द्धाः खुना दुष्या--चुनिंदा, सॅटा हुमा, क्याँटा, निर्वाचित, बराया, बीछा, वेराया, कोदा, विस्तृताया ।

क्द६. युनने बाता—निर्वाचक ।

क्य. बॉटना—कूरी सगाना, बसरा सगामा, बॉट करना, भाग करना, विभक्ष करना, विभावन करना, विभावित करना, विस्ता करना, दिस्ता सवाना। पप्त. बाँटा हुआ—बंटा, बाँटा, वर्गीकृत, विभक्त, विभागित, विभाजित। प्रमाणित, बाँट, विभक्ति, बाँट, विभक्ति, विभाजन, विभाग। प्रश्. बाँट—क्री, बखरा, बाँट-बखरा, भाग, हिस्सा।

८१. सामा—शिरकत हिस्सा।

६२. फटना—ग्राम्बना, श्रोदरना, चिट-कना, चिड्कना, चिरना, चिड्रना, छितराना, दरकना, दररना, द्रार पड़ना, फूटना, विदरना, मुस्कराना।

प्रदेश फाइना—चिटकाना, चिइराना, चोइना, चीधना, चोरना, चोंयना, छितराना, दरार डालना, नोचना, बिदारना।

मध्यः फोड्ना- वाल कल्लना, कड्काना, कर्काना, कर्काना, कर्काना, दे० 'तोडना'।

म्हक्षः स्वा--व्रासु, क्या, कश्चिक, कन, किनका, किनको, खुदी, जुरी, परमा<mark>सु,</mark> -रवा!

मध्यः खुर्यना — उलाइना, ककोरना, करोना, कुरेदना, खराशना, खरोचना, खरोचना, खरोदना। खरेदना। स्टिंग, खरींच — खराश. खरोच, खरोट, खुर्वाइट।

दश्द. निराना—निगई करना, विनाई करना, बोनना, सक्ष्मई करना।

मध्य स्थालना—श्रलग करना, आगे रखना, उगिलना, उत्तटना, उत्तटी करना, श्रोकक्षाना, श्रोकाना, है करना, खाँट करना, श्रकना, न क्षिपाना, न प्या सकना, न रखना, निकतना, प्रकट करना, बाहर करना, भीतर न रखना, वमन करना, स्पष्ट करना।

६००. उखड्ना—श्रलग होना, उक्लना, उक्सना, उखरना, उघड्ना, उमङ्ना, उभरना, टूटना, निक्लना, निक्सना, पृथक् होना ।

६०१ उखाड्ना—श्रलग करना, श्रल-गियाना, उखाइना, उचाइना, उघेइना, खसोटना, चोंथना, जुदा करना, नकोठना, निकालना, निकोटना, नोंचना, पृथक् करना।

६०२. चिपकाना—चपकाना, बमाना, जोइना, मिलाना, लगाना, सटाना, सॉटना, साटना।

६०३. चखाडा हुन्त्रा — त्रलगाया, त्रल-नियाया, उखारा,उचाडा, उघेडा, निकाला, निकोटा, बिलगाया।

द्धः चिपकाया हुन्ना—चपकाया, चिपकाया, जमा, जोड़ा, मिला, लगा, सटा, साटा।

२०४. उडेलना—उड़ेलना, उँड़ेलना, उल्लिलना, उभित्तना, उदहना, उलटना, उलिचना, उलीचना, गिराना, गेरना, दालना, निकालना ।

३०६. डालना —गिराना, नाना, नानना, भरना।

६८७. निकियाना—श्रतग करना, श्रत-गाना, लोजना, खोलडाना, विलगाना।

१८८, निकिस्राया—म्रलगाया, विलगाया ।

२०६. उगाइना (हपया द्यादि)— इकट्ठा हरना, एकत्र हरना, एकत्र हरना, तक्षीलना, तइसीलना, लेना, वस्तुल इरना, वस्त्ली हरना। विलोम—दे॰ 'खर्च करना' 'बाँटना' 'फेकना' 'ख्रितराना'।

६१०. चालप — त्राणु, ईचत्, ईघद, कड्ड, कखुक, कुळ, कण, कितक, कम, कमती, किंचित, कोता, कोताह, ज्रा, तिन, तिनक, योदा, थोर, योरिक, न्यून, मुख्तसर, रंच, रंचक, रचिक, लव, लेया, हस्व।

६११. ऋधिक—ग्रगम, ग्रगम्य, ग्रगरा, ग्रगाइ, ग्रचीता, ग्रतिशय, ग्रतीव, ग्रदुल, ग्रदुलनीय, ग्रदुलित, ग्रतोल, ग्रचोर, ग्रदभ, ग्रिक, ग्रिकांश, ग्रनन्त, ग्रनस्प, ग्रापर, ग्रमित, ग्रसोम, ज्यादा, बहुत, बहुतेरा, बहुल, बेश, बेशी।

६१२. ऋरूपता-ग्रकाल, श्ररूपता, ग्ररूपत्व, कमी, कृषता, कृपताई, कृषत्व, कोताही, घटती, घाटा, योडापन, न्यूनता, न्यूनताई, लघुता, लघुत्व, हास ।

६१३. ऋधिकता—ग्रगमता, श्रतीकता, श्रत्यंतता, श्रधिकता, श्रधिकाई, श्रनल्पता, ज्यादती, बहुताई, बहुतात, बहुतायत, बहुत्व, बहुलता, वेशो।

६१४. ऋतिरिक्त--ग्रलावा, छोडकर, वितरिक्त, वितरेक्त, सिवा, सिवाय!

११४. कम होना—अवनित करना, क्यो-रा जाना, श्रोराना, कमती होना, कम पड़ना, कम होना, कमी पड़ना, खगना, ख्तम होना, उजीव होना, श्रोहरना, घटना, चूकना, चूक जाना, श्रोडा होना, नीचे आना, न्यून होना।

६१६. चॅटना — ग्रॅंट बाना, बॉटमा, क्म न पदना, काफी होना, खब्ना, क्विंच होना, पूरा पदना, पूरा होना। १.१७. श्राधिकाना—श्राधिक होना, उन्निति करना, ज्यादा होना, बढ़ना, विशेष होना, शृद्धि करना, वृद्धि पाना।

६१८. संग—गोहन, संगत, र्स्सर्ग, समेत, महयोग, सहित, साथ, इमराह ।

६१६. श्रकेला—श्रकसर, श्रकसदन्ना, श्रकेले, श्रयुग, श्रयुग्म, इकला, इकल्ला, इकसर, एकंग, एकाको, तनहा ।

६२०. ऋकेलापन—इकलाई, एकातता, तनहाई

६२१. अकेला दुकेला—अकेल-दुकेल, इक्का-दुक्षा।

६२२. सदित—मिलाकर, लेकर, साथ मे, सुद्धाँ, सुभा।

६ ररे. जाश्रा -- प्रमंज, यमल, वामल ।

६२४. समृह् —ग्रवार, अलाङा, अटबर, ब्रटहर, श्रेटा, ग्रेटाला, ब्र**डा**र, व्यमार, श्रतमगाँज, श्रान्ता, श्राट, श्रांटा, श्रांख श्रोध, कतार, कदब, कलाप, कलापक, कपाल, कुल, कोट, कोटि, कोरि, कोश, खिलकत, खंड, खंडा, खाप, गज, गजो, गट्टर, गटरा, गड्डा, गड्डा, गगा, गन, गरीह, गल्ला, गुह, गांत, गात्र, घन, चक, चय, चिति, छु:, ज्ख़ोरा, जन, जमायत, जमत बड़ा. जाल, जालिका, ज्यादा, भल, भला, भार, कुएड, भौवा, भौर, टोली, ठट, डठ, ठाट, ठाटर, टाटो, इग, देर, ढेरी, तति, थाक, दंगल, दल, दाम, धारा, धारि भारा, निकर, निकाय, निचउ, निचै, निबह, निबह, एक, पंगति, परल, परिकर, पाँता, पुलिया, पूग, पूला, फ़िरका, जीज, बडल, बांडल, बखार, बहुत, बरूथ, बोम्स, ब्रन, भडारा, भडल, मडली, माला, मुहा, मोटरी, यूथ, यूइ, लॅंड्ड, लॅंड्डा, लोक, लोग, विताक, विवर्त, इन्द, न्यूइ, वज, सकुल, सघ, संचय, सदोह, समवाय, समाहार, समुच्चय, समुदाय, समुदाव, सानु, स्कघ, स्तोम, हार।

ध्रथः श्रादमियों का समूह—श्रखाड़ा, श्रास्था, उपस्थान, कमेटी, गण, गरोह, गिरोह, गुह, जत्था, जथा, बनवार, जमायत, बमावड़ा, जशन, बलसा, सुरुड, दुकड़ी, तबका, थोक, पिक, पगत, पगति, परिश्रय, परिवत्, पलटन, पॉतो, कोझ, कौट, बरात, भाड़, मडल, मडला, मजलिम, महिक्ति, महासमा, यूथ, यूह, संघ, सस्था, मिति. समुदाय। दे० 'भाइ'!

६२६. भीड़ —जनसमूह, ठट, ठठ, भग्भड़, भन्मड़, भीर, भाड़-सड़क्का, साड़-साड़, सकुल ।

६२७ **बटोर** — जमावड़ा, बिटोर, <mark>सन्निपात।</mark> ्द० 'भाड़', 'सनूह'।

धरमः जहरू—एंड, गलना, गाला, भुगर, डेर, दल, लहरा।

६२२ घास स्थादि का बॅबा **हुआ मुहा** --- स्रॉट, स्रॉटा, गढ़ा, पूला, बोमा।

६३०. पुर्तिद।—गहर, गड्ड, गड्डी, हेर, डेस, ४३७, मुद्रा, नाटस ।

६२४. सून का समूह—श्रंटा, श्रट्टा, श्रॉटो, किरचा, गोली, पेसक, पोल, रास, लन्छी, लच्छा, लर्छा।

६२ - कुल समूरात्मक शब्द—(कोष्ट में दनका सख्याएँ हैं)—कोड़ी (२०)

प०--- १४

गंडा (४), गाही (५), चौवा (४), दोली (२००), दर्जन (१२), बीसी (२०), सैकड़ा (१००, १२० या १४०)।

६३३. फटना (वस्त्र)—चलगना, चीर लगना, जोर्ण होना, जीर्ण शीर्ण होना, फाटना, मसकना।

६३४. फाड़ना—चीयना, चोयना, दुकड़े-दुकड़े करना, नोंचना, विदारण करना, विदारित करना।

ध्रे×्र नोचना—उखाइना, उखारना, खसोटना, खींचना, चोंयना, नांचना, नोचना-बकोटना, बकोटना।

%३६. चीरना—चीडना, चीयना, चीरना, फट्टा करना, फाइना, फारना, विदारना, विदारमा, विदारमा, विदीर्ण करना, विदीर्ण करना।

६३७. फूटना (बर्चन श्रादि)—चट-ख्रना, चडकना, चिहरना, दुकड़े-दुकड़े होना, फटना, दो टूक होना, बाल पड़ना, बिहरना, विदीर्ण होना।

६३८. घिसना—ख़तम होना, खियाना, घर्षण करना, घिस जाना, मलना, रगड़ काना, रगड़ना, संघर्षण करना, समाप्त होना।

१३६. दूटा फूटा- - उद्ध्वरन, ब्रिन्न-भिन्न,बीर्ण, बीर्णशीर्ण, ध्वस्त ।

६४०. मरम्मत-जोर्णोद्धार, दुवस्ती, सशोधन, संस्कार, संस्कृति, सुधराई, सुधार।

६४१. सुधारक—संशोधक, संस्कारक। ६४२. सुधारना—श्रद्धा करना, ठीक करना, बनाना, शुद्ध करना, सँवारना, सशोधन करना, संशोधित करना, सुधार करना।

६४३. बिग्भड़ना—ख्राव करना, नष्ट करना, नष्ट-अष्ट करना, पोत देना, बर-बाद करना, बर्बाद करना, मिटाना, मिट्टी करना, मेटना, मेट देना, लीप देना, लीपपोत बराबर करना, विकृत करना!

६४४. बनाना—ग्रास्तित्व देना, गदना, ठीक करना, ठोंकना, तैयार करना, दुक्स्त करना, निर्माण करना, निर्माना, निर्मित करना, प्रस्तुत करना, बनाना, रचना, रूप देना, विधान करना, सँवारना, संस्कार करना, सजाना सिरजना, सुधा-रना, सृजाना, स्वरूप देना।

६४४. विगड़ना—खराब होना, ठोक न रहना, नष्ट होना, नष्ट-भ्रष्ट होना, बर्बाद होना, बुरा हो जाना ।

१४६. बिगडा - खराब, गिरा, नष्ट, नष्ट-भ्रष्ट, बर्बाद, भ्रष्ट ।

६४७. बननाः—ठोक होना, बनाया जाना, पूरा होना, रचा जाना, होना ।

नोट — 'बनाना' के 'पर्यायों के ऋाधार पर ऋौर भी पर्याय बन:ये जा सकते हैं।

६४८. द्शा—श्रवस्था, गति, रवैया, ास्यिति, हालत ।

६४६. दुर्दशा—श्रपगति, जिल्लत, दुर-वस्था, दुर्गत, दुर्गति, नरकभोग, फविह्त, फ़ज़ीहत।

६४०. श्राच्छी दशा—सद्गति, सुगति । ६४१. दुर्दशाप्राप्त—गिरा, दुर्गत, दीन । ६४२. प्रथा-चलन, चलनि, चाल, पद्धति, परिपाटो, प्रगाली, परया, रवाज, रस्म, रस्म, रिवाज, रीति, शैली। १४३ परंपरा — क्रायदा, चलन, चाल, बस्तूर, नियम, खाज, रीति।

६४४. परंपरागत—कमागत, क्रमिक । ६४४. चलाना—ग्रागे बढ़ाना, चालित करना, प्रचलित करना, प्रचार करना, प्रचारित करना, रायब करना ।

१४६. तौलना—घोलना, तराज् करना, तोलना, बाँट करना, वज्न करना, वज्न लेना।

६४७. तौलने की क्रिया—जोख, जोखाई, तुलाई, तोलन, तौल, तौलाई, नाप!

६४८. मात्रा—परिमाख, मिकदार, वज्न । ६४६. वजन — तोल, तौल, बोफ, भर, भर, भार, वज्न ।

६६० पासंग--पर्संग, पमँघा ।

६६१. जिससे नापा जाय—नाव, वैमाना, मान, मानदंड, माप, मापक ।

१६२. नापने का काम-नाप, पैमाइश, माप।

१६२. खनुमान—-ग्रंदान, श्रटकल, क्रयास, श्रमुमिति।

६६४. श्रामुमान करना — श्रंदान् करना, श्रदान्ना, श्रंदान् सगाना, श्रंदान्। सगाना, श्रनुमान करना, श्रनुमानना, श्रद्धकरना, श्रद्धका, श्रद्धका लगाना, श्राकना, कृतना।

६६४. अतुमानतः — श्रंदानन, श्रदान से, बरीब, बरीब-करीब, तख्रमीनन, मोटा-मोटो,मोटे तौर पर, मोटे रूप से, लगभग। ६६६. अस का अनुमान न हो सके — श्रननुमान, श्रकूत, श्रतील, श्रतुल, श्रपरिमेय, वेश्रंदाज् ।

६६७. ऋँकवाना— श्रॅकाना, श्रंदक्वाना, श्रंदान कराना, श्रटकल लगवाना, श्रनु-मान कराना, कुतवाना, कुताना, त्झ-मिनवाना।

६६८. कल्पना करना—श्रनुमान करना, फर्ज़ करना, मानना।

६६६. कल्पना—श्रनुमान, ख्याल, फर्न, मनगदन्त, मन की उपन, मनन, मानना, मानसन्।

३७० कल्पित— श्रीपन्यासिक, कारूपनिक, ख्याली, नकली, फर्बी, बनावटी, मन-गढ़न्त, मनमानी।

१७१. संभव- ग्रमकिन, संभाव्य, संमा-

६ ५२. असंभव—गैरमुमकिन, नामुमकिन । ६७३. संभवतः—कदाच, कदाचन, कदा-चित, कथंचित्, गालिबन्, मुमकिन है, शायद, स्यात् !

१७४. खबरदम्ती- नबरई, ज़बरन, स्रोर, बरियाई, बल, इट ।

६७४ जबरदस्ती से-इबरन, बर्गारमा, जोराजोरी, जोरी, बरबस, बरियाँई, बल-पूर्वक, बलात्, इठात ।

१७६. समीप— ग्रांतक, श्रांतपार्य, श्रदूर, श्रध्यास, श्रमतिदूर, श्रमित, श्रम्यम, श्रम्यर्थ, श्रम्यास, श्रासन्न, उपकंठ, दिग, तट, निकट, नेरे, पार्थ, पास, सदेश, सनीह, सकिहर, समिकृष्ट, समयदि, सविधि,सवेश।

६७९. दूर-श्रवात, न्यारा, परे, पृथक, भिन्न, विगत, विवतः। ६७८ नियराना—नियचाना, नगोच ज्ञाना, निकट श्राना, नीयरे पहुँचना, पास श्राना, समीप श्राना।

६७६. बायाँ—बाऍ, बाम, बायें, वाम । **६८०. दाहिना—**दिक्क्णि, दहिना, दाऍ, दाहिन ।

६८१. बाहर—वहिः, बहिरत, बहिर्गत, बाहिर ।

६८२. भीतर—श्रंदर, श्रभ्यंतर, श्राभ्यंतर, भीतर, मीतिर, मफ, माँयं, माँह, माँहाँ, माहिं, माहों, में।

६८३. बाहरी—वहिरंग, बाह्य । ६८४. भीतरी—ग्रंदर का, ग्रदरी, ग्रंदरूनी, श्राभ्यंतरिक, भितल्ला, भितल्ली, भीतर

का, भीतरिया।

६८४. बीच — श्रदर, श्रम्यतर, दरिमयान, मंज्क, मॅकार, मिंब, मध्य, मक्क, मॉका। ६८६. इशारा— इगित, प्रतित, सनकार, सकेत।

६८०. इशारा करना — ऋंगुलि निर्देश करना, ऋांख मारना, 'इशारा' के पर्यायों में 'करना' जोड़ कर ऋौर भी शब्द बनाये जा सकते हैं!

६८८. यहाँ-श्रत्र, यहि, हियाँ, ह्याँ।

६८. वहाँ -- नत्र, तहाँ, वाँ, हाँ।

६६०. जहाँ — यत्र, जिस जगह।

६६१. जहाँतहाँ — इतस्ततः. इधर-उधर,यत्रतत्र, यत्रातत्र ।

६६२. कहाँ-- किस जगह, कुत्र ।

६६३. दूसरी जगह—श्रन्यत्र, श्रपरत्र, श्रीर कहीं, कहीं श्रीर। ६६४. सब कहीं — बहाँ कहीं, सब बगह, समत्तर, सर्वत्र।

६६४. किसी स्थान पर — कतहुँ, कतहूँ, कहाँ, कहाँ, कहूँ।

६६६. में - श्रहम्, भें, मों, इम, हीं।

६६७. तुम — श्राप, त्, भवती, भवान, श्रीमान ।

६६८. मेरा—मम, मोर, मोरा, इमार, इमारा।

६६६. तुम्हारा—ग्रापका, तव, तेरा, तोर, मवत, भवदोय।

१००० श्रापसे — ग्रपने श्राप, श्रापरूप, ग्रापसे श्राप, श्रापही, खुद, खुदही, खुद ब खुद, स्वतः, स्वतः हो, स्वय, स्वयंही ।

१००१. जैसा—जइसन, जस, बो, ज्यों। १००२. तैसा—तइसन, तस, तैमे, त्यों,

ैवसे । १००३. या--ग्रथवा, किंता, चाहे, वा ।

१००४. स्यगर—जिंद, यदि, जो, शायद ! १००४. स्यगरचे—श्रगचें, गोकि, जदपि, बावद्वे के, यदिष, यदिचेत, थद्यपि ! १००६. इसलिए—श्रतएव, श्रतः, श्रस्तु, परिगामतः, परिगामस्वरूप, फलतः, फलस्वरूप !

१००७. फिर भी—श्रपरंच, पुनः, फिर, फिर मी!

१००८ कदापि नहीं —क्तई नहीं, कभी नहीं, बिल्कुल नहीं, मुतलक न**हीं, हर्रागज़** नहीं।

१००६. बार-बार—अक्सर, श्रहोर, श्रहोर-बहोर, श्राएदिन, कईबार, किर, फेरि, प्राय:, बहुवा, बहोर, बहोरि, बारहा, मुहुः, मुहुर्मुहुर, रोज़। १०१०. कितनी बार—किसी बार, कैबार।
१०११. पुनः—ग्रपरंच, पुनि, फिर।
१०१२. किंतु—ग्रपितु, परंतु, लेकिन।
१०१३. श्रचानक—ग्रक्तस्मात, श्रचकाँ,
श्रचाचक, श्रचाका; श्रचान, श्रचीता,
श्रतिकित, यहच्छ्या, श्रमचीता, श्रमस्वतले, श्रमायास, श्रप्रत्याशित रूप से,
श्राकिसक, श्रापाततः, इकबारगी, इकहाई, उचका, एक व एक, एकबारगी,
एकाएक, एकाएकी, श्रौचक, तत्त्व्या,
सचः, सपदि, सहसा।

१०१४. तथापि--तत्तापि, तदपि, तद्यपि, तौभी।

१०१४. थोड़ा थोड़ा कर के—श्रल्पशः कमशः, धीरे घीरे।

१०१६. संपूर्णतः—पूर्णतः, पूर्णरुपेण, वंपूर्णतया।

开

- वश— श्रल्ल, श्रास्पद, कुटुम्ब, कुल, खानदान, खान्दान, गोत, गोत्र, घराना, नसल, परिवार, बंश, बस, मस्कर।
- २. **इलीन**—ग्रमिजात, कुलवंत, कुलवान, **कौल,** खानदानी, खान्दानी, मुजात।
- ३. गोत्र- कूरी, श्रास्पद, गोत, चरण. बाति. नामि ।
- ४. संगोत्र-गोतिया, गोती, गोत्रिय, प्रवर, आईबंधु, संगोती।

- ४. पूर्वज-पुरला, पूर्वज, पूर्वपुरुष, बंशज, बापदादा ।
- ६. एक ही पूर्वेज से उत्पन्न-एक वही, दयाद, दायाट, पट्टीदार।
- पुश्त— बुग, तंतु, पीढी, पुस्त ।
- म. पैतृक-श्वक्षय, ऋनयघन, ऋन्य-प्राप्त, खानदानी, खान्दानी, तरका, पुश्तैनो, वपौती, मीरास, मौरूसी।
- ६. वरासत—ऋवथ, दायधन, वर्सा ।
- १०. बिरादरी— बंधुता, बंधुत्व, बंधुता, बंधुता, बंधुता, बिरादरी, भाईचारा, भाईबटता सगोत्रता।
- ११. भाई का भाव—बंधुता, बधुत्व, बिराटरो, भाईपन, भ्रातृत्व, भ्रातृभाव।
- १२. भाई की तरह का—बधुवत, विराद-राना।
- १३. बाप का-पित्र्य, पिटरी, पैतृक।
- १४. विना माँ बाप का—श्रनाय, दूवर, यतीम, लावारिस।
- १४ दो माताच्यो वाला—दिमान, दै-मातुर।
- १६. चचा से उत्पन्न हो—चचानाद, चचेरा।
- १७. सीत से उत्पन्न--रौतेला।
- १म. मौसी के सबन्ध का—खतेरा, मौसिन्नाउत, मौसियायत, मौसेरा।
- १६. मामी से संबंधित-ममेरा।
- २०. निम्संतान-जित, श्रज्जत, श्रप्त, निपूत, निपूता, निरबंशी, सावस्द, शड।
- २१. नाम—ग्राख्या, इस्म, इस्मश्रीक्, नॉय, नॉव, नामवेय, श्रुभनाम, श्रुमा-व्याग, संज्ञा।

२२. नामधारी —नामबारी, नामवाला, नामी, नाम्नी।

२३. वर्षगाँठ—बन्मतिथि बन्मदिन , वरस-गाँठ , वर्षगाँठ, सालगिरह ।

२४. विवाहना — निकाह पदना, परिणय करना, पाणिग्रहण करना, विवाह करना, विवाहना, भाँवर घुनाना, ब्याहना, शादी करना, सिंदूर डालना, सिंदूर बाँघना, हाथ पकडना।

२४. विवाहित-परिणित, विवाही, न्याहा।

२६. अविवाहित—श्रनव्याहा, श्रविवाही, कुमार, क्यारा, निरूद् ।

२७. स्वार्पन —कुमारपन, क्वारापन।

२८. बारात — जनेत, बरात, बरियात, बरयात्रा ।

२६. ऋायु —ऋवस्था, ऋायू, ऋायुर्वल, ऋायुष्य, द्वारवल, ऋारवला, उमिर, उम्र, ज़िन्दगी, जीवनकाल, वैस, वय, सिन।

३०. बच्चा—कुमार, तिक्न, नादान, वत्स, शिशु । दे० 'लडका' 'पुत्र' ।

३१. शिशुता श्रौर यौबन के बोच की आवस्था -- पौगड ।

३२. नौजवान —जवान, तरुण, तलुन, नवयुवक, नवयुवा, नवसर, नौजवॉ, युवक, युवा।

३३. जवानी--गदहपचोसी, जोवन, तब-खाई, तबकावस्था, तबनई, तबनाई, क्षबनाया, पचोसी, युत्रावस्था ।

१४. बूदा —नर्रफ, बरट, बरागस्त, वर्जर, बाबरा, बार्ब, बान, फ़ुझ, बोकरा, पसित, बुद्वा, बुद्दौना, बृद्, वयोबुद्ध, बुद्ध, स्वद्र,

३४. बुढ़ापा —चौ यापन, नईफी, बरा, बरठत्व, बरठपन, बरा, बोर्गा, बीर्गाता, बीर्गावस्था, जोफ, पीरी, बार्डक्य, बुढ़ाई, बुढ़ौतो, बृद्ध, बृद्धता, बृद्धत्व, विस्तता, बृद्ध, बृद्धता, बृद्धावस्था शतानीक, स्थाविर।

३६. त्रारोग्य—ग्रगद, श्रनामय, कंचन, चग, चगा, टंच, टनमना, तन्दुहस्त, निम्मन, नोमन, नीरोग, पीन, पुष्ट, बेरोग, शफा, स्वस्थ, दृष्ट ।

विलोम-दे॰ 'रोगा'।

३७. त्रारोग्यता—ग्रगदता, तंदुबस्ती, नीरोगता, स्वास्थता, स्वास्थ्य ।

विलोम—दे॰ 'रोग'।

३म. बल — त्रोज, चंडता, जोर, जोरशोर, ताक्त, तागत, तेज, दम, पराकम, पोढ़ा-पन, पौरुष, बूता, वीये शक्ति, सकता, सकति, सत, समरयाहि, समर्थता, सामर्था।

३६. कम जोरी — श्रवसाद, श्रयकता, श्रशक्ति, चीखता, दुर्बलता, नाताकृती, निर्बलता, सामर्थहीनता।

विशेष-- 'कमजोर' के पर्यायों में यथास्थान 'पन' या 'ता' लगाकर श्रीर शब्द बन सकते हैं।

४०. बलवान—ग्रठेल, श्रोजशाली, लॉगड़ लॉगड़ा, गन्दर, चढ, जनर, जनरदस्त, जन्दर, जोरदार, जोरावर, तंतुक्त, ताकृतवर, तेजवान, पराक्रमी, पाकट, पुष्ट, प्रचंड, बलगर, बलवंड, बलवंद, बलशाली, बलशील, बलाब, बलाब्द, बितया, बली, मज्बूत, वीर्यकृत, बोर्य-तम, वीर्यंबंत, वोर्यवान, शक्त, शक्तिमान, शक्तिवान, शक्तिशाली, शक्तिसपन्न, सम-रथ, समर्थ, सशक्त, सामर्थ, सामर्थवान, सामर्थी, स्वस्थ।

४१ पुष्ठ --कठिन, हद, पीद, प्रौद, मज़बूत।

४२. कमजोर—ग्रबल, श्रब्बर, श्रशक, श्रसमर्थ, श्रस्वस्थ, खीग, छीन, ढील, दुबला, दुर्बल, निबल, निर्बल, बलहीन, वीर्यगत, बोर्यहीन, शक्तिहोन, शिथिल, सामर्थ्यहीन, सुस्त, हतप्रम, हीनबल।

४३. कुमारी—म्रिचिरोदा, कुमारी, दृष्टि-पुष्पा, वेतुका, नौकत्तार्था, रामा, श्यामा । ४४. नवयौवना —तरुणी, तत्तुनी, नव यौवना, प्रमदा, त्रियगु, युवति, युवती, रमणी ।

४४ वद्धा--- दरठा, जर्जरा, जीर्णा, डोकरी, बुद्धिया, बूदो।

४६. सधवा—धवयुक्ता, मुवासिनी, सुहा-गिन, सुहागिनो, सुहागिल, सौभागिनी, सौभाग्यवती, सौभाग्यशासिनी।

४७. की के सधवा रहने की अवस्था— अदिवात, बुद्दाग, सोद्दाग, सौभाग्य।

४८. विधवा—श्रषवा, श्रनाया, जालिका, धनहीना, पतिहोना, वेवा, मँगधीवनी, यतिना, यती, रंडा, रॉड, विश्वस्ता।

४६. विश्ववापन—वेवापन, रंडापा, वैषव्य। ४०. पतिज्ञत—पतिज्ञन्य, पत्तिज्ञत, पाइ-दामिना, शुद्धवरित्रता, स्तीस्व, स्तीपन, ४१. रजस्वला—ऋतुमती, ऋतुवती, पुष्प-वती, रजोवती ।

४२. गर्भवती—ग्रव्वलो, ग्रापन्नसत्वा, उद्श्यि, गर्भियी, गुर्विषी, गुर्वी, दोपस्ता, दोहदवती, पेटवाली, प्रजावती, ससत्वा, हामला।

४३. प्रसव-जनन, प्रजनन, प्रस्ति ।

४४. प्रसूना--श्रतवॉतां, बच्चा, प्रस्ता ।

४४. पुत्रवती -पुत्रवाली, पूती।

४६. सुन्दरी—कलावती, नल्याणी, गोरी, रूपसि, विधुवदनी, विधुनैनी, शोमना, सुभगा, सुमुखी।

४७. सुकुमारी—कोमलागो, मृदुलागी। ४८. कामिनो—कामवता, कामुका, कामुकी, रमग्री, विलासिन।।

४६. मुनैनो--तरललंचिना, मीनाची, मृगनैना, मृगलंचिना, मृगलोचनी, मृगास्री, वामाद्वी, सुनेत्रा, सुनैना, सुलो-चिनी, हरिणाची।

६०. स्तन्युक्ता-—तुन्तनी, स्रोजा, स्तनी । ६१. पतला कमर वाला स्रो—कशोदरी, मदोदरी।

६२, जिस **स्रो**ंने कभी रति न की हो— अन्नतयोनि, अन्ता।

६३. कुबरी--कुबड़ो, कुब्जा i

६४. कुलकलंकिना —कुलकलक, । कुल बोरन, कुलागारिनी ।

६४. फलह करने वाजी—अल्लामा, कर्कशा, कलहकारिया, कलहप्रिया, कलहिन, कलहिनो, चडो, चुकेल।

६६. कुलटा-चपला, खिनार, खिनाल,

परपुरुषगामिनी, पाशुला, पुंश्चली, अण्टा, व्यभिचारिगो, स्वैरिगी।

६७. तेलमर्दन--श्रभ्यंग, तेलमर्दन, तैल-मर्दन, स्नेहन।

६८. स्नान — श्रवगाहन, श्राल्पव, श्राल्पाव, गुसल, गुस्ल, नहाना, निमज्जन, मज्जन, स्नायन, इनाना।

६६. नहाना — श्रन्हाना, श्रवगाहना, गुस्ल लेना, निमज्जन करना, स्नान करना।

७०. नहत्ताना—ग्रन्हवाना, नहवाना, स्नान कराना ।

७१. शरीर पोछना—श्रगपोद्यण श्रॅगो छना, नहाना।

७२. निचोड़ना—गारना, निचोरना, निचोराना, निचोराना, पसाना, फरियाना, सत निकालना, साफ करना, सार निकालना।

७३. चंदनादिलेपन- चर्चा, चार्चिक्य, विलेपन ।

७४. केशकर्म---ॲछना, ऐछना, कंघी करना, कादना, केशविन्यास, प्रवेणी, सीमंत।

अर. शरीर का सँचारना—श्रंगकर्म, श्रंग-संम्झार, श्राकल्प, टीमटाम, टाटर, ठाट-बाट।

७६. ठटना—टटना, ठठना, ठाट बाट करना, बाट करना, बनना, पहनना, रचना, केश-विन्यास करना, सबना, सब घचकरना, स्वावट करना, सँवारना।

७७. सजाना—चमकाना, दुबस्त करना, प्रसाधन करना, प्रसाधित करना, बनाव-खोनाव करना, रचाना, विमंदित करना, श्रङ्कार करना, सँवरना, सँवारना, सवाना, सवाना-बवाना, सजोना, सज्जित करना, सिंगारना, मुसज्जित करना।

७६. पहनावा—श्राच्छादन, कपदालत्ता, पहिरन, पोशाक, भरनि, लिबास, वस्र ।

८०. पहनना (कपड़ा आदि)—धारण करना, परिच्छद करना, परिधान करना, परिधेय करना, पहरना, पहिनना, पहिरना, पेधना, पेन्हना।

प्तर. निमंत्रग्य—श्रामत्रण, श्राह्वान, नवेद, निमंत्रन, न्योता, बुलावा, बोलावा इंकारा।

पर. निमंत्रित - ग्रामंत्रित, ग्राहुत, श्राहूत, न्यौतहरो, बुलाया।

८३. श्रानिमंत्रित—श्रनाहृत, विना बुलाया ।

प्तरः मेह्मानदारी--श्रितिथिपूजा, श्रितिथ-यज्ञ, श्रितिथिसत्कार, श्रातिथ्य, पहुनाई, पाहुनो, मेहमानी ।

५४. न्याता देना—श्रामत्रण देना, नवेद देना, निमंत्रण देना, निमन्नना, निमन्ति करना, न्योतना, न्यौतना, न्यौता देना, बुलाना, बुलावा देना, इल्दा बाँटना।

म्ह. शरीक-- ग्रंतर्गत, मिला, **ग्ररीक,** शामिल, समुन्टि, सम्मिलित।

म७. शरीक होना—न्नाना, भाग लेना, मिलना, शामिल होना, शिरकत करना, सम्मिलित होना, हिस्सा क्षेना, हाथ बटाना ।

ननः रसोइयाँदार—ठाकुर, नावरची, नम्हन, ब्राह्मण, भंडारी, महरान, रसोइवा, सुद्रार, सुवार, सूप, सूपक, सूपकार। मध्य रसोई बनाना—खाना पकाना, चूल्हा बलाना, मोधन बनाना । दे० 'पकाना' । ६०. पकाना—श्रीटना, श्रीटाना, उवालना, गादा करना, चुराना, जोश देना, बनाना, राँधना, रीधना, रीन्हना, सिकाना, सिद्ध करना ।

६१. पका—श्रौटा, गला, गला-पका, गाढा, धुला, चुरा, पक्व, परिपक्व, रॅघा, रॉघा, रोग, सिंह।

६२. पकना—श्रौटा जाना, गाढा होना, खुरना, पकना, पाकना, पक्व होना, रंघना, सिद्ध होना, सीभना।

६३. गूँथना (श्राँटा या बेसन श्रादि)
 —कचरना, गूँथना, फेटना, फेटना,
 मलना, मसलना, माँइना, मिलाना,
 कॅंधना, रौँदना, सानना।

६४. बघारना—कल्हारना, छननमनन करना, छौँकना, छौँकना-बधारना, तहका देना, तलना, फोरन देना, बघाइना, भूनना, मूंचना।

ध्र पगना—त्रोतप्रोत होना, ड्रबना, निमाज्जत होना, पगना, बृद्दन', भिगना, भिजना, भिनना, भीगना, भीजना, मगन होना, रसना, रस में ड्रबना, लीन होना, सनना।

६६. पंगा—श्रोतप्रोत, हुना, निमांज्ञत, मग्न, रक्षा, लीन, सना।

१७. भूँजना—श्राग में डालना, तताना,
 ततौना. भर्बन करना, भुँजना. भूनना,
 भौराना, सॅकना।

ध्यः स्त्रीलाना-उनालना, वहकदाना, कनकताना, सदसदाना।

११. डवासना—उवासना, औटना, औ-

टाना, खौलाना, गश्माना, गर्म करना, गाटा करना, जोश देना, पकाना, पक्व करना।

१००. चबलना— उबाल खाना, कद-कड़ाना, कलकलाना, गर्म होना, खौलना। १०१. सेरबाना— जुड़वाना, जुड़ाना, ठबा करना।

१८२. सेराना - जुडाना, ठडा पडना, ठंडा होना, पानी होना, वर्ष होना, वसि-याना, शीतल होना, सेराना।

१०३. जलाना (लकड़ी कोयला आदि)
— जराना, जलाना, दग्ध करना, दहकाना,
दाइना, घराना, प्रज्वित करना, भस्म
करना, भस्मसात करना, लहकाना।

१०४. जलना—न्नाग लग जाना, स्वाक होना, जरना, दम्घ होना, दहना, नष्ट होना, भस्म होना, बरना, बलना, बरबाद होना, मुलगना, स्वाहा होना।

१०४. ऋगियाना — ऋगियाना, गर्म लगना, जन्मा, जलन होना, तप्त होना, तपना, दहना, दाह होना।

१०६. उफनना — उथलना, उफनाना, उबलना, उबाल स्थाना, खौलना, गरम होना, गरना बाना, बोश खाना, बोश में स्थाना ।

१०७. पिघलना- गलना, टघरना, टम-लना, टेघरना, द्रवित होना, द्रवीभूत होना, पल्जिना, पविलना, पिघलना ।

१८८. ध्यक्तना— बल उठना, ज्वलित होना, धमकना, प्रज्वलित होना, नमकना, सुजुगना, सुलगना।

१०६. चिनगारी – चिनगारी, चिनगो, चुली, रफुलिंग। ११०. जलाना (विराग् आदि)— ग्रॅं जोरना, जराना, जलाना, घराना, वारना, वारना, लगाना। १११. जुमाना—गुल करना, ठंढा करना, ठंढा करना, ठंढा करना, वढाना, जुमाना, जुताना।

११२. नाश्ता करना—कलेज करना, कलेवा करना, खरमटाव करना, खरमेटाव करना, खराई मारना, खराई मिटाना, चर-जलपान करना, जलपान करना, नास्ता करना, पानी पीना, मुँह मे डालना। 'नाश्ता' के लिए दे० 'जलपान'

११२. भूख—ग्रतृप्ति, ग्रशनाया, इच्छा, चुत, चुधा, जिन्नत्सा, पेयगि, बुभुच, बुभुचा, भूँक, भूक, भूख, भोजनेच्छा, बाच, लालसा।

११४. भूखा—श्रतृष्त, द्धुषातुर, द्धुषातु, द्धुषावंत, द्भुषावाम, द्धुषित, बुभुद्धित, भुक्खह, भुखातु ।

११४. भुक्खड़—भुकमरा, भुखमरा।
११६. भूखा होना—खाली पेट होना,
चुिषत होना, छुधाना, बुभुचित होना,
मुकाना, भुखाना, विभुचित होना।

११७. खाना—श्राहार करना, खाना खाना, जोमना, जेंवना, पाना, पा लेना, प्रसाद पाना, विजय करना, वियारो करना, भोग लगाना, भोजन करना, भोजन पाना, रोटो खाना, विजय करना। 'खाना' के लिए दे॰ 'भोजन'

११८. निगलना—खा जाना, गटक जाना, गटकना, गपक जाना, गले के नीचे उतार जाना, पूँटना, घोंटना, घोंट जाना, डकार जाना, निगरण करना, निगल जाना निगलना, लील जाना, लीलना। ११६. जुगाली करना—जुगलाना, चन्नाना, पगुराना, पगुरी करना, रोमंच करना।

१२०. श्राचमन करना—(भोजन के बाद हाथ मुँह धोना) श्रूँचवना, श्रचना, श्रचना, श्रचवना, श्रचना, श्रचवना, श्रचना, कुल्ला करना, कुल्ली करना, मुँह धोना, हाथ-मुँह धोना। १२१. प्यासा—तृषावंत, तृषावान, तृषित, पिपासु, पियासल, पियासा।

१२२. प्यास—उदन्या, उपलासिका, **तर्ष,** तृषा, तृष्णा, पानेच्छा, पिपास, पिपासा, पियास, प्यास ।

१२३. पीना---श्रॅचवना, श्रचना, श्रचवना, श्राचमन करना, पान करना ।

१२४. स्वाद---श्रास्वाद, ब्रायका, मबा, रस, सवाद।

१२४. चखना—ग्रानंद लेना, श्रास्वादन करना, खाना, चखना, चीखना, ज्ञान पर रखना, बुठारना, रहास्वादन करना, मजा लेना, जायका लेना।

१२६. चवाना--काट खाना, **चर्वण,** करना, चाबना, चामना, चूसना ।

१२७. मरस—नायकेदार, मनेदार, रस-युक्त, रसोना, सुस्वादु, स्वादिष्ट ।

१२८. सूखा—श्रनरस, श्रनाई, उक्**टा,** कार्तिहीन, खदरा, खससरा, **खुरखुरा**, खुरक, मुलसा, भूर, भूरा, नीरस, पिचका, मलिन, रसहीन, दब, कसा, सीठा, शुष्क।

१२६. सरसता—रसनुकता, रतीकावन, पुरवादुता, स्वादिष्टता । १३० शुष्कता —श्चनरसता, नीरसता, रस-दीनता, बच्चता, बसाई, स्खापन, सिटाई, सोटापन।

१३१. चुरमुरा-कुरकुरा, चुमुरा।

१६२. सूखना—उकठना, उदास होना, कांतिहीन होना, कुरना, कुजसना, कुराना, निष्प्रभ होना, नोरस हो जाना, पिचकना, मर्लान होना, मुरफाना, ग्रुष्क हो जाना, रसहीन होना सोखना।

१**३३. सृखाना**—फुरवाना, कुरसाना, कुराना, कुत्तसाना, शुब्क करना, शोषण् कराना, कुत्तवाना, सोखाना।

१३४. सोखना—चूसना, रस खीचना, शुष्क करना, शोषण करना, शोषित करना, सोषना।

शोषक--चूमक।

१३४. गर्मी —श्रातप, उत्तप्तता, उत्ताप, उमस, गरमाई, गरमो, उञ्चात्व, उञ्म, उष्मा, चंड, तपन, तपनि, तपिश, ताप, दहरगो, दहनि, सैंक।

१३६. सदी—जाडा, ठंड, ठंढ, ठढक, ठंढी, ठार, शीतलता।

१९१ गरम — उत्तप्त, उन्य, गर्म, जलता, तत्ता, तिपंत, तप्त, तात, ताता, तानित । १३८ सर्द — टंडा, ठढा, ठार, शात, खीतल, सोतल, सरद, हिमबत ।

११६. गर्म करना—न्नाग दिखाना, आग पर रखना, गर्माना, तान करना, तपाना, साप देना, विकाना, दे० 'वीलाना' 'उवालना'।

१४०. सर्व करना --खबवाना, ठंढा करना, श्रीतम करना । १४१. गर्म होना—उध्य होना, तप्त होना, तमकना, दमकना, दवना,धिकना ।

१४२. सर्द होना —जूड होना, बुड़ाना, ठढा होना, ठिठुर जाना, ठिठुरना, शीतल होना।

१४३. ब्रिड्कना — ब्राई करना, उपसेचना, गोला करना, ब्रिड्कना, ब्रिड्काय करना, ब्रिटिकना, ब्रॉटना, तर करना, भरना, भिगाना, भिगोना, सिंचन करना, सिंक करना. सींचना।

१४४. सिक्त —त्रार्द्र, तर, नम, भींगा, भींजा।

१४४ ठिठुरना — अकडना, काँपना, काठ होना, जडाना, चम जाना, जमना, ठढ लगना, ठिठरना, थरथरना, पत्थर होना, श्रीत लगना, सर्दिथाना।

१४६. गलना--म्रार्द्ध होना, च्ररण होना, गलना, घुलना, छरना, द्रवित होना, द्रवी-भूत होगा, नरमाना, पविजना, पविजना, वसाजना, पिघलना।

१५७. सर्वेश —चकवर्ती राजा, सम्राट्, सर्वेश, सर्वेश्वर।

१४८. शासन—श्रमलदारो, बादशाही, ्राज, राज्य, शास्ति, हुकूपत ।

१४६. प्रभुत्व — श्रव्नियार, श्रिषकार, श्राधिपन्य, कन्ना, काबू, पतित्व, पत्य, प्रभुता, प्रभुताई, वश, रउताई, यश, स्वामिता, स्वामित्य।

१४० शासक —ब्रक्तसर, शास्ता, सरदार, इाकिम।

१४१. सरदारी — श्रगुवाई, नेतागोरी, खर-

१४२. जिस पर शासन हो—शासित। १४३. युवराज का पद—युवराई, युव-राजी, युवराज्य, यौवराज।

१४४. बजारत—मंत्रिता, मंत्रित्व, वज़ीरी। १४४. मंत्राणा—मत, मत्र, मशवरा, मश-विरा, परामर्श, राय, सम्मति, सलाह।

१४६. पारिषद्—परिषदी, सभाषद, समा-सद।

१४७. प्रबंध--श्रायोजन, इंतज़ाम, करीना, कायदा, पद्धति, बंदोबस्त, विधान, विधि, व्यवस्था।

१४८. कुप्रबंध—-श्रधेर, श्रधेर खाता, श्रंधा-धुंघ, श्रन्याय, श्रविचार, उपद्रव, गडबड, धींगा-धींगी।

१४६. प्रबंध करना — इतज्ञाम करना, चलाना, थॉंभना, निर्वाहना, बनाना, व्यवस्था करना, सचालन करना, संभालना, संवारना, सुधारना।

१६०. संचालक—त्रारभक, त्रारभक्ती, चन्नाने वाला, चालक, परिचालक, प्रव-र्सक।

१६१. व्यवस्था — क्यदा, तरकीक, परपरा, परिपाटी, श्रेणी, श्र खला, छिलसिला।

१६२. निरीच्या— बॉच, पडताल, देख-भाज, देखरेख, निगरानी नगहवानी, निरीच्या, परीच्या, परीच्या, मुश्राइना।

१६३. नीरी च्या करना—'निरोच्या' के पर्यायों में 'करना' जो डकर पर्याय बनाए जा सकते हैं।

१६४. न्याय--ग्रदल, इनसाफ, इन्साफ, न्याउ, निर्णय, न्याइ, न्याय, न्याब, बिवेक। १६४. ऋन्याय—ग्रंधेर, श्रनीति, वेदंशफ, श्रन्याव ।

१६६. न्यायी—ऋदलपसंद, इंसाफ़ी, न्याय-वान।

१६७. **श्रन्यायी---श्र**नीतिवान, क्रूर, **वेर्ड**-साफी।

१६८. न्याययुक्त--न्याय्य, न्यावसंगत । १६८. ऋत्या चार-- ऋषेर, ऋनाचार, ऋ-न्याय, ऋनीति, ऋपकार, ऋविचार, उत्पात, जक्षा, जबरई, जबरदस्ती, जोराजोरी, जियादती, जुल्म, जोरी घींगा-घींगी, घींगा-मुश्ती, नृशसता, सख्ती।

१७०. श्रत्याचारी—श्रनाचारो, श्रपकारी, बालिम, जुल्मो, नृशस ।

१७१. प्रताप—इकवाल, एकवाल, श्रोष, श्राजस्विता, कानि, तेच, दीप्ति, प्रताप ।

१७२. प्रतापी- तेजवत, तेजवान, तेवसी, तेजस्वा, प्रभावशाली।

१७३. रोम--ठाट, दब्दबा, घाक, क्तबा, रोब, रौत्र।

१७४**. रोबइल**—ठाटदार, **धाक वाला.** भातबर, रोबदार, रोबैल ।

१७४. विप्लच- - श्रनेहा, श्रव्यवस्था, श्रशाति, श्रादोलन, इनकलाव, उत्पात, उथल-पुथल, उपद्रव, उधम, कंप, काति, खलवली, दंगा, फ्रमाट, बखेडा, बग्रावत, बलवा, लडाई, लडाई-भगडा, विचलन, विद्रोह, हमामा, इलचल, हुल्लड, ।

१७६. विप्तवी—श्रादोलनकारो, खलातो, उपद्रवो, अधमी, क्रांतिकारी, फ्लादी, बग़ावती, बलवाई, विद्रोही, दुक्लडो ।

१७७. राजद्रोही--क्रांतिकारी, वक्षवाई वाग्री, राबद्रोही, विद्रोही। १७८. कानून —श्राईन, कायदा, नान्ता, भारा, नियम, योग, रस्म, राजनियम, विधि।

१७८. **कानूनदाँ**—का**नू**नियाँ, कानूनी, मुख्तार, वकील।

१**८०. कानूनी**—कानूनी, नियमातुक्ल, वैष

१८१. निर्यामत—कमवद्ध, नियमवद्ध नियमित, नियंत्रित, प्रतिवद्ध।

१८२. वेकायदा--ग्रवेष, ग्रेरकानूनी, नियम-विरुद्ध ।

१८३. दफा-एस्ट, दफा, घारा ।

१८४. मुकदमा — त्रभियोग, केस, दावा, नालिश, परियाद, मोकदमा।

१**८४. श्रदाल**र्ता--क'न्नी।

१=६. मसोदा - खरां, पाडुलिपि, पाडु-लेख, मसविदा, मसौदा ।

१८७. जामिन—जामिन, प्रांतभू, लयह । १८८ सम्मत - प्रतुशासन पत्र, ख्राजपात्र, परवाता, फरमान, शासन, सपाना, समन, हुवमनामा ।

१८८. प्रतिज्ञापत्र--त्रइदसमा, इकरार-नाना, प्रतिशासत्र ।

१६०. साचा देना—गवाही देना, प्रमाख देना, बहादत देना, आदो देना, साख देना, माखो देना, साखना ।

१६१. गवाही - इनहार, गवाही, बयान, ब्यान. शहादत, साची, याखी।

१६२ प्रमाख -उपरन्ति, परमाख, अत्यय. प्रमान, सबूत ।

१६३. प्रमाणित करना—उरपत्तित करना, प्रमानना,

प्रमानित करना, सन्त देना, साची देना, साबित करना, सिद्ध करना।

१६४. मुहर-- छाप, छापा, मुद्रा, मुहर।

१६४. दूत का कास--दूतकर्म, दूतता, दूत-पन, दूतत्व, बतीठी।

१६६. रचक- जामिक, ड्योढ़ोदार, दर-बान, द्वारपाल, द्यगोरिया, पालक, मरैया, मुहाफिज, रच, रचक, रखया, रखबाला, रखिया, रखैया, स्तरी, सरचक, हमाल। १६७. भचक--खादक, नाशक, विनाशक, दे० 'नाश करों'

१६८. रचा — श्रगोर, चेम, खबरदारो, देख-रेख, निगरानी, पहरेदारी, बचाव, रच्छ, रखवानी, रखाई, रच्छा, सरक्ष, सुरचा, सेवा, हिफाजत ।

१६६. रच्य - पालब्य, रच्य सेव्य !

२०० पालना—ित्रजाना-पिलाना, निर्वा-इना, रस्वस्थि कस्ना, पालन-पेष**र्य करना,** पालना-पेसना, पोष्यं करना, पोसना, भरश् करना, भरश् पोषयं करना, र**द्या** करना, रचना ।

२०१. पन्ता—तैयार हाना, पतपना, परव-रिश गाना, पाना-गोमा जाना, पालित हाना, पाषण पाना, पोपित होना, पोस पाना, पतिपालित होना. बहुमा, सरस्णा याना, सरस्ता पाना, सरस्ति होना।

२०२ त्राश्रय—प्रवलव, श्रव<mark>लंबन,</mark> त्र्राक्षर, श्रासरा, पनाइ, भरोसा, शर**स्**, सद्दारा ।

२०३. अनाश्रय-ग्रनाय, श्रनाश्रित, श्रम-इाय, दान, निरवलभ, निराधार, निराभय, बभरोसा, वेसहारा। २०४. **सनाथ--- ग्र**दीन, नाथ**युक्त**, सस-**हा**थ ।

२०४. द्यगोरना—ग्रगोरिया करना, चौकसी करना, चौकोदारी करना, चौकी देना, देखना, देख रेख करना, रच्चा करना, रखवाली करना, रखाना, पहरा देना, पहरेदारी करना, सुरच्चित रखना, हिफानत करना।

२०६. चोरी—कजाकी, कजाकी, चौर्यकार्य, छापा, ठगई, ठगपन, ठगहाई, ठगहारी, ठगाई, ठगी, डकैती, डाका, डाकाज़नी, दस्युता, दस्युवृत्ति, धूर्तता, प्रतारखा, बंच-कता, बंचकताई, बंचना, बटपारी, बटपारी, छुटेरपन, हारीत।

२०६. **ध.** चोरी न करना—श्रचौर्य, श्रक्तेय।

२०७. सेध--नकृत, सेंग्ह।

२०८. ठगना—पॅठना, छल करना, छलना, बटना, ठगना, धूर्तता करना, धोखा देना, प्रतारख करना, प्रतारित करना, फुसला कर ले लेना, भुलाना, भुलावा देना, मूँ बना, खूटना, लूट लेना।

२०६. भाँसना— भटकना, भटक लेना, भाँसना, भाँसा देना, भाँसा-पट्टी देना, माँसा-पट्टी पदाना, ठगना, ठगमूरी सिलाना, दम बुचा देना, घोला देना, फुनलाना, बहकाना, बहलाना, भुलवाना, भुलाबा देना, मार लेना।

२१०. खुराना—अवहरण करना, अवह-रना, अवहरित करना, उड़ा लेना, गिरह-कही करना, गिरह काटना, चोरी करना, खंनना, छीना-अवटी करना, छोरना, अटकना, अटक लेना, अवटना, ठगना, बकैती करना, डाका पड़ना, डाका मारना, मार लेना, मूचना, लेना, ले केना, इरबा करना, इरना।

२११. ल्टना--खसोटना, चुराना, चोरौ करना, छीन लेना, भटकना, भपट **लेना,** मार लेना, मूसना, ल्टना, ले लेना।

२१२. ले लेना— ला डालना, मार लेना, इनम कर लेना, हड़पना।

२१३. छिन जाना — श्रपहरण हो जाना, श्रपहत होना, श्रलग हो जाना, चोरी जाना, दूर हो जाना, नष्ट हो जाना, बरबाद हो जाना, रिक्त हो जाना, खुट जाना, विहीन हो जाना, हर जाना, हरखाना, हर हो जाना।

२१४ हत्या-- त्राघात, कृतल, कृत्ल, सून, वघ, इनन, हिंसा।

२१४. हत्यारा—खं्जार, घातक, घातको, घातिनी, घाती, मारक, सहारक, हिंसक, हिंसालु, हिंस।

२१६. श्रात्महत्या—श्रात्मधात, **बुदकशी,** खुदकुशी।

२१७. चात्मचातक-- त्रात्मधाती ।

२१८. सारखालना--ख्तम करना, सून करना, घाना, घालना, घनना, नाशना, नासना, प्राया लेना, प्रायात करना, घषना, विससना, विहंडना, मारना, लोघ ढालना, विनासना, समाप्त करना, इतना, इत्सा करना, इनना।

२१६ लाश-मिटी, मुर्दा, लोब, कोबि, यन।

२२०. जुर्म-- श्राचेप, श्रपराध, इत्रलाम, इलबाम, कस्र, गुनाइ, दोघ, पाप २२१. क्रेदी--श्रपराधी, श्रमियुक्त, कैदी, दोषी, बंद, बंदा, बंदी, बंदीवान, बंदेरा, बंधुश्रा, बादू, मुबरिम, मुलखिम।

२२२. क्रीद —कारा, कागवास, कैद, कैद-स्वाना, जेल, जेइल, बंदियइ, वंघ। दे० 'कारागार'

२२३. पकड्-असन, अह्या, आह, गर-कारो, घर पकड् ।

२२४. पकड़ना-—गिरफ्तार करना, प्रसना, प्रह्मा, प्रह्मा, प्रांसना, थॉमना, थामना, थामहा, प्रस्ता, प्रकरना, लेना, स्थालना, इंप्याना, इंस्तगत करना, हाथ में होना।

२२४ ऋ. दड--जुर्माना, डाँइ, ताइन, दड, शासन, शास्ति, सजा, सजाई, सवाय।

२०४. दंडना--श्रयं दंड लगाना, तुरमाना लगाना, डाँड लगाना, ताइना, ताइत करना, दंड लगाना, दंडित करना, पेटना, मारना, सबा देना। २२६. दंडनीय--दंड्य !

२२७. खदंडनीय—श्रडंड, श्रदंड्य । २२८. बध्य-चधनीय, वध्य, इननीय, इन्य ।

२२६. सूजी--फासो, प्राग्यदंद ।

२३०. खुटकारा—उद्धार, उबार, खुटी, खूट, निवात, निभेखी. निस्तार, निस्तारा, नेवात, मुक्ति, मोच, रिहाई ।

२१. खुटकारा होना—श्रजादी होना, उद्धरना, उद्धार पाना, छुटकारा पाना, खुटना, तरना, निवीय पाना, निवतरना, निस्तरना आण बचना, बैतरनी पार होना, भवसागर पार होना, मुक्त होना, मुक्ति पाना, स्वतत्र होना।

२३२. जिसका छुटकारा हुन्ना हो— खूटा, छोदा, त्यक, निमुंक, निस्तीर्ण, न्यस्त, मुक्त, रिहा। दे॰ 'स्वतत्र'।

२३३. उद्घारना — श्राजाद करना, श्राजादी देना, उतारना, उद्घार करना, उबारना, खुटकारा देना, खुटकारा देना, खुडकारा देना, खुडकारा हेना, खुडना, खोडना, तारण करना, तारना, श्राण देना, निस्तारण करना, निस्तारना, बॅचाना, भौषागर पार करना, मुक्त करना, मुक्ति देना, मोचना, मोषना, सद्गति देना।

२२४. स्वतंत्र—ग्रज़ाद, ग्रनियत्रित, ग्रपाष्टत, श्राज़ाद, उच्छृ खल, निरकुश,
श्राज़ाद, निरयत्रित निरगंज, निरवग्रह,
निर्वेघ, निमुक्त, वघन-विहोन, मनमाना,
मुक्त, यथाकामी, स्वच्छद, स्वाधीन, स्वैर,
स्वैरचारी, स्वैरी।

२३४. परतंत्र — ऋदर, ऋषीन, ऋषीन, श्रस्थच्छ्रद, श्राबद, श्रायत्त, गुलाम, गृह्यक, बकड़ा, नावे, निषिन, निष्न, निर् षिन, मातहत, परतंत, परवश, पराधीन, यंघ, बंधा, बद्ध, वसी, वशवर्ती, वशोभूत, शरख, श्रखिलत।

२३६. स्वतंत्र करना—'स्वतंत्र' के पर्यायों में 'करना' श्रौर 'स्वतत्रता' के पर्वायों में 'देना' या 'प्रदान करना' खोड़कर पर्याय बनाए बा सकते हैं। जैसे 'श्राज़ाद करना' या 'मुक्ति देना' श्रादि ।

२१७. परतत्र करना—वषन म डालना, गाँधना । ऊपर की भाँति 'परतत्र' और 'परतत्रता' के पर्यायों से इसके पर्याय बनाए जो सकते हैं।

२३८. स्वतंत्रता—श्रबादी, श्राजादी, उच्छूं-खलता, निर्वेषता, निमुक्तत्ता, मनमानावन, मुक्ति, स्वच्छदता, स्वातज्य, स्वाधोनता, स्वैरचारिता, स्वैरता।

२३६. परतत्रता — श्रघोनता, श्राघीनता, गुलामी, ताबेदारा, परवशता, पराधीनता, बषन, मातहता, वशता, वशिता, वशित्य, वश्यता।

२४०. आशा—श्रयाँ, श्रनुजा, श्रनुमति, श्रनुशासन, श्रादेश, इजाजन, कहना, कहा, प्रचोदन, शासन, हुक्म।

२४९ श्राज्ञा देना—श्रद्वना, श्रर्हवना, श्राज्ञा करना, कहना, हुकमना, हुक्म देना, हुक्म लगाना।

२४२. **ऋाज्ञाकारो**—ऋनुगाना, श्राज्ञा-पालक, भ्रमावरदार, हुक्मवरदार।

२४२. त्राज्ञापालन—फरपावरदारा, हुक्म-वरदारा ।

२४४. श्रनुसर्ण—श्रनुकृति, श्रनुगित, श्रनुगमन, नकल ।

२४४. अनुसरण करना—श्रनुकरण करना, श्रनुकरण करना, श्रनुकार करना, श्रनुसरना, श्रनु चलना, पोछ-दरना, नकल करना, पोछे चलना, पोछ-पीछे चलना

२४६. अनुगामी—अतुग, श्रनुगत, श्रनु-गामां, श्रनुज, श्रनुयाणी, श्रनुसारो, नकल्वी।

२४७. पटोलना —क इना, कुचलना, द्वाना, पलाटना, पलोबना, मलना, मोजना, मीसना, सेवना !

-२४८. मनाना -- श्रनुनय करना, श्रनुराघना,

पाँव पड़ना, प्रसन्न करना, प्रसादन करना, प्रार्थना करना, श्रनुहार करना, मनौती करना, मनौती मानना, मिन्नत करना, राजो करना, विनती करना, विनय करना, हाथ जोड़ना।

२४६. नौकरी—श्रना, ककर्य, किंकरता, खवाधी, खिदमत, खिदमदगारी, चाकरी, चेराई, टहल, दासता, दासत्व, दासपन, दास्य, नौकरो, परिचरजा, परिचर्या, परिचरा, परिचरा, परिचरा, परिचरा, परिचरा, सहकारिता, सेवकाई, सेवा, सेवाहति।

२४० प्रार्थेना-पत्र-—ग्रप्लाकेशन, ऋरबी, ग्रज़ीं, ऋावेदनपत्र, निवेदन-पत्र।

२५१. प्रार्थी—ब्रर्कोशर, उम्मोदवार, निवेदक, सायल ।

२.२२. नि**वेदन किया हुआ** — नेवदिन, - प्रर्थित ।

२४३. उपाधि—-खिताव, विताव, दिमो. पद।

२४४. डिम्रो--योग्यता ।

२४५. योग्यता के **अनुसार स्थान**— ज्याहदा, जगह, नौकरो, पद, स्थान।

२४६. एवज्रो—एवजी, क्रायममुकाम वजाय, स्थानापन ।

२४७. उपस्थित —ग्रायात, उद्यत, तैयार पांतपन्न, प्रस्तुत, वर्तभान, मौन्द्र, विद्य मान, हानिर।

२४८. श्रनुपस्थित—श्रनुदात, श्रपस्तुत श्रभाव, गायब, ग्रेट्सांकर, विना, रहित श्रम्य।

२४६. उपस्थिति —मौजूदगो, विद्यमानता इाज़िरी।

२६०. अनुपरियति--- ग्रमाव, श्रविद्यमा-नता, ग्रैरमौजूदगी, गैरहानिरी, शूत्यता । २६१. उपस्थित रहना-- श्रद्धना, मौजूद रहना, रहना, वर्तमान रहना, स्थित रहना, हानिर रहना, हाजिर होना, होना । २६२. लड़ाई-- म्रानीक, म्राभिसम्पात, श्रम्या-मर्द, भानाह, भायोधन, श्रास्तदन, भाइव, श्राहर, कंदन, कटकट, कलह, धमसान, षमासान, घोरण, जग, जुज्क, जुकार, जुद, जूम, दंगा, दारगा, पुष्कर, राजदारी, बराक, भारत, भारथ, मार, मारका, मारकाट, युद्ध, रण, रणरंग, रन, रोला, लरनि, लराई, विग्रह, विदारण, संकुल, संगर, संगाम, सप्रहार, सयुग, समनीक, समर, समाबात, समित, समित, समिय, समीक, समोह, सामना।

२६३. **हरावल- इ**रवल, इरावर, हिरावलि, हिरौल।

२६४. क्रतार — श्रवलि, पक्ति, पगत, पंगति, पदिति, पाता, माला, भेगा, श्रवला, सिलसिला।

२६४. युद्धनाद--युद्धचोष, ललकार, हल्ला, इाक, हुँकार, हुइ ।

२६६. घारदार—ग्रानियाग, तीच्छ, तीच्छ, तेज, तुक्रीला, नोकदार, पैना । २६७. टेना—टेबना, तीखा करना, तेज करना, घार देना, पत्थर चटाना, पैना करना, रगहना, सान चटाना।

२६८. नोक--श्रनो, किनारा, विरा।
२६८. नुकीला--श्रनियारा, नोकदार।
२७० हथियारवंद -शस्त्रधारो, सशस्त्र।
प०--१६

२७१. धनुर्धारी —कमनैत, कमानिया, तीर-श्रंदाज, धनक, धनुर्धर, धनुष्क, धनुष्मान, धन्वी, निषंगी, बानइत, बानैत, लघुइस्त, शरमल्ल, सरवंधी।

२८२. सेनापितत्व—सेनापत्य, सैनापत्य।
२७३. वीर—ग्रनंतवीर्यं, गंडीर, तरस्वी,
बहादुर, रावत, विकात, वीरकेशरी, शूर,
शूरबोर, शूरमा, शूरा, सामत, सिकोही,
सूरमा।

२७४. कायर—कातर, कटराइ, कादर, गादर, गादइ, गोरी, गोटइ, चिकत, हर-पोक, बुबदिल, पस्तिहम्मत, मगोइा, भगौहाँ, मग्गू, भोर, भीक, राह, लिदार। २७४. वीरता—बहादुरी, बीरताई, शूरता, शूरताई, सुरमापन।

२७६. कायरता—कदराई, कातरता, काद-रता, गीदङ्गपना, बुजदिली, भोकता।

२७७. पराक्रम - दम, बल, वीर्य, सामर्थ्य, िहम्मत । दे० 'वीरता।

२७८. पर।क्रमी—प्राक्रमी, सामर्थी, सामर्थ्य-वान, हिम्मतो । दे० 'वीर' ।

२७६. घायल — श्राहत, चुटैल, चोटिल जल्मी. जल्मी, ताहित, प्रताहित, प्रहारित, त्रंण्यत, हताहत ।

२८० प्रहार---श्राक्षमण, श्राघात, चोट, टनकर, डोकर, ताइन, ताइना, थपेड़ा, थप्पड़, घनका पिटाई, मार, वार।

२८१. प्रहारना— श्राघात करना, चोट-करना, ठोंकना, ताकना, पिटाई करना, वीटना, मारना।

२८२. तोहफा - उपहार, राहुर, सौग्रात ।

२८३. भेंट-श्रकोट, श्रॅकोर, नज़र, नज़-राना, पहुरा, पाहुर, नयना, नायन, भेंट। २८४. पुरस्कार-इकराम, ईनाम, इनाम-इकराम, उपहार, पारितोषिक, नख्सीस निष्याश।

२८४. रोजगार--कामधंघा, कामधाम, कार-बार, तेजारत, तिजारत, दुकान, धंघा, निगम, पण, पराय, पाण, बनिज, बाणिज्य, विज्नेस, वैपार, व्यवसाय, ब्यवहार, व्यापार, व्योपार, व्योपार।

२८६. रोजगारी—कारबारो, नाजिर, पर्या, परायपति, बिंग्यक, बैपारी, ब्यवसायी, ब्यवहारी, ब्यापारी, ब्यौपारी, साहूकार, सेठ, सौदागर।

२८७. श्रम--श्रध्यवसाय, श्रायास, उद्यम, उद्योग, क्लेश, परिश्रम, प्रयत्न, प्रयास, मशक्तत, मसक्तत, मेहनत, रगह, श्राति !

२८८. श्रमी—श्रध्यवसायी, उत्साही, उद्यमी, उद्योगी, कर्मठ, कर्मशूर, परिश्रमी, मश-

२८६. उद्योगसंबंधी—श्रौद्योगिक, व्यावसा-विक, न्यापारिक।

२६०. बेचवा—करोज़्त करना, वै करना, विक्री करना, मोल देना, विक्रय करना।

२६१. खरीदना —कीनना, कय करना, कोत करना, विसहना, वेसाहना, वै कारना, मोल कोना।

4६२. विक्री-- फरोव्त, विक्रय, विक्रयण । २६३. क्रय-विक्रय-- खरोदफरोक्रत, इट-वार । २**६४. बिका**ऊ—क्रय्य, **परा**य, मा**ल,** बिकाऊ, विस्कू, सौदा ।

२६४. खरीदा हुआ-कोत, क्रीतक।

२६६. घटिया—घटिहा, मामूली, सस्ता, सादा, हलका ।

२६७. डमदा - श्रब्दा, ॲचा, टिकाऊ, बढ़िया, बेशकीमत ।

२६८. सस्ती—श्रमहार्घता, सस्ताई, सस्ता-पन ।

२६६. महंगी — गिरानी, गेरानी, मंहँगाई, महँगाएन, महर्घता।

३००. विनिमय—श्रदला-बदला, तबदोली, तबादला, परिवर्त, परिवर्तन, बदला, लेन-देन।

३०१. हानि--कमी, खिसारा, घटा, घटी, घाटा, चपत, टोटा, घक्का, नुकसान, हान।

३०२. **लाभ**— श्रामद, श्रामदनी, नक्रा, परायफल, मुनाफा ।

३०३. पेशा--उद्यम, काम, कार्य, घषा, व्ययसाय।

३०४. लहना— पावना, लेहन, लेन। ३०४. श्रमानत—-खुत्थी, खुथी, थाती, धरोहर।

३०६. उपभोग--इस्तेमःल, उपयोग, न्यव-इार, प्रयोग, प्रयोजन ।

३०७. उपभोग करना—श्रानद लेना, इस्तेमाल करना, उद्दाना, काम में लाना, खाना, पाना, प्रयोग करना, विल्लसना, भोगना, इसके लगाना। ३०८. फेरना—बहोरना, लौटाना, बापस करना, वापिस करना ।

३०६. खेती—श्रनृतकर्म, काश्त, काश्तकारी, किसानी, कृषि, कृषिकर्म, स्वेतीबाड़ी, खेती-बारो, ग्रहस्तो, ग्रहस्यी।

३१० **कियारी** — किपारं, कियारा, केदार, क्यारा

३११. जोतना—कोन करना, चास करना, चासना, सेमग करना, हर चलाना, हल चलाना।

३१२ हैंगा—हेंगी, पटेला।

३१३. हॅगाना-पटेला देना, हेंगा देना, हेंगा देना, हेंगाना, सम करना।

३१४. बोना—छीटना, बावग करना, बीज डालना, बीया डालना, वपन करना, वीर्य डालना।

३१**४. जमाना—श्रंकु**रित करनाः उगानाः, उदय करनाः, जल्पन करनाः, जन्मानाः, बोनाः, वपन करनाः।

३१६. श्रंखुश्चाना--श्रंकुरना, श्रंकुर फेकना, श्रकुर फोकना, श्रंकुराना, श्रकुरित होना, श्रंखुश्चा फूटना, उगना, उत्पन्न होना, उमकना, उमरना, उपन्नना, जन्मना, समना, निकलना, परगट होना, प्रकट होना, बढ़ना, बाहर श्वाना।

३१७. रोपना—पेड लगाना, बोना, रोपनी करना, लगाना, नपन करना।

३१८. आवपाशी करना—श्रोहिचा चलाना, छिड्कना, देंकुल चलाना, दोन चलाना, टौरा चलाना, पाना देंना, पुर चलाना, भरन करना, भरना, भराव करना, चिचिया करना, धीचना, खींचाई करना। ३१६. लहलहाना (बनस्पति)—उमगना, कचूर होना, खिलना, पनपना,
पल्लव फूटना, पल्लिवत होना, प्रफुल्लित होना, फूलना, लहराना, विकसना,
हराभरा होना, हग होना।

३२०. खिलाहान--- खरिहान, खल, खँलि यान।

३२१. चहत्तना —कचलना, कॉडना, कुच-लना, कूचना, कुटना, गींबना, मॉड़ना, लतियाना।

३२२. कारीगर--कलाकार, दस्तकार, मिस्त्री, शिल्पकार, शिल्पी।

३२३. कारीगरी—दस्तकारी, निर्माखकला, शिल्प, शिल्पकला, शिल्पनिद्या, सिलप, सिलिप, इस्तकला, इस्तकीशल।

३२४ जङ्गा--बटित करना, जड़ाई करना, पच्ची करना, पच्चीकारी करना, बैठाना, लगाना !

३२४. जड़ित--जंटत, बदाऊ, बहुन्ना । ३२६. जादू--इंद्रजाल, खेल, तमाशा, तिलस्म ।

३२७ जादूगर-- इंद्रजाली, ऐंद्र बाह्मिक, मायावी, मायिक।

३२८. जादूगरी—इन्द्रबाल, तिलस्म, नाया, मायाकमें।

३२६. कुश्ती—नियुद्ध, वचनी, बाहुयुद्ध, मल्लयुद्ध, मल्ल-कीड़ा, लड़ाई।

३३०. ललाई लिये हुये—ललौहाँ।
३३१. ललाई लिये काला रंग —माकिल-लानी, कपोती, कृष्य लोहन, धुमिला, धूगल, धूमरा, धूमला, धूमिल, धूम।
३३२ भूरापन लिये लाल—पिगल, पिंबर। ३३३. **कुसुम रग का—कु**सुंमा, कुसुंभी, कुसुम।

३२४. खाकीरग — क जई, कर जुवा, काविल, खाकी, धुलिया, पंडु, पंडुर, भूरा, मटमैला, मिटयाला, मिटयाला, मिटला, मटीला, मुलतानी ।

३३४. लाह का बना हुआ रंग—श्रलक, श्रमकक, श्रमता, जावक।

३३६. सुनहला—श्रगरई, श्रमरसी, सुन-हरा, सुनहली, सोनवाल, सोनहरा।

३३७. मेला-फॉकवर, फॉवर, मटमैला, समल। दे० 'काला' 'मैला'।

३१८. गेहूँ के रंग का—गदुमी, गेहुँश्राँ। ३३६. लाख के रंग का —गुरो, लक्खी, लाखी।

३४०. धुयें के रंग का — धुँमिला, धूमिल, भूम, धूमवर्ण।

३४१. खैर के रंग का--कत्यई, खैरा, मलगिरी।

३४२. बेरंग--निरंग, बदरंग, बिरंग, बेरगा, फक, मलिन, विरस, विवर्ण।

3४**३. पँच रंगी का**—पॅचरॅंग, पॅचरॅगा, **पचर**गा।

३४४. गहरा रंग-शोख।

३४४. उलाहना—उपालन, उपालंभ, श्रोलंना, श्रोलंभा, श्रोरहन, श्रोरहना, श्रोलहना, श्रोलाहना, गिला, शिकवा, शिकवा-शिकायत, शिकायत।

२४६. उलाइना देना — उपालव देना, उपालम देना, उपालमना, श्रोलइना, शिकवा-शिकायत करना, शिकायत करना। ३४७. पछताना—श्रप्तसोसना, श्रनुताप करना, श्रप्तमोस करना, श्रनुतापना, चिंता-द्वर होना, चिंतित होना, अंखना, अखना, अींखना, पछताबा करना, पखताबना, पश्चाताप करना, हाथ मलना।

३४८. पछतावा—श्रंवरीष, श्रनुताप, श्रप• सोस, श्रफ्सोस, खेद, चिंता, पछतानि, पछताव, पश्चाताप, पश्चानुताप, रंब, सोच, हसरत, हैफ्।

३४६. प्राप्त—श्रिषकृत, उपलम्ब, मिला, लम्ब, हस्तगत, हासिल ।

३४०. पाना—श्रिषकृत करना, उपलब्ध करना, प्रापण करना, प्राप्त करना, प्राप्ति करना, लभना, लइना, इस्तगत करना, हासिल करना।

३४१. धड्कना—उछुलना, कपित होना, कॅपना, डरना, थरथराना, थर्राना, दइ-लना, घकघक करना, घड्घड़ करना, घड्घड़ाना, घरकना, धुकधुकाना, फड़कना, हिलना, स्पदन करना, स्पदित होना।

३४२. पठाना--पठावना, पहुँचाना, प्रस्थापित करना, मेबना।

३४३. मँगाना--मँगवाना।

३४४. माँगना—बाँचना, याचना, याच<mark>ना</mark> करना ।

३४४. पठाया--मेजा, प्रेषित, पहुँचाया । ३४६. माँगा--जाचा, मँगाया, याचित ।

३४७. निबाहना—चलाना, निर्वाह करना, निर्वाहना, निर्वाह करना, पार-घाट लगाना, पार लगाना, पूरा करना, समाप्त करना, सिद्ध करना। ३४८ निबाह—चलाव, निरवाह, निर्वाह, पार, पारचाट, पालन ।

३४६. सथना—बिलोइना, बिलोना, रिइ-कना, मंथन करना, महना।

३४६ भ. मंथन—बिलोड्न, मथना, मधाई।

३६०. साड्ना—श्रोभहती करना, भूत उतारना, साड्ना-फूँकना, साड्-फूँक करना, सारना, टोना-टोटका करना, फूँक डालना, मत्र फूँकना, छोखहती करना, खोखैती करना।

३६१. डंक-- ब्रॉड, दश।

३६२. **डंक मा**रना—श्रॉड मारना, श्रार कॅ**साना, डंक** मारना, डसना, डॉस मारना, दश मारना, दंसना।

१६२. **गुदगुदाना**—गुदराना, गुदुराना, गुलगुलाना ।

३६४. गुद्रगुदी --गुद्रगुदाहर, गुदुराहर, गुलगुनाहर।

३६४. स**डना** —उब्सना, गधाना, गलना, ब**बब**बजाना, बसियाना, भजभनाना, सहन **होना**, सरना ।

रे६६ वद्यूकरना—गघ देना, गघाना, दुर्गघ करना, बदबोय करना, बसाना, बस्साना, मॅहकना।दे० 'सडना'।

६६७. गंध लेना—श्राधाया करना, वास लेना, वास लेना, बूलेना, महक लेना, स्थाना।

३६८. फूलना (फूल)—कुमुभित होना, बिलना, खुलना, पुष्पित होना, प्रस्कृटित होना, मुस्कराना, विकसित होना, हॅसना।
३६८. सुगंबित करना—गवयुक करना, नथाना, गधित, करना, नमकाना, वासना,

महकाना, सुगंधियुक्त करना, सुवासित करना।

३७०. उपाय — श्रमियुक्ति, करीना, गौँ,
जुक्ति, चाल, जुगत, जुगुत, बोगाइ,
दंग, दव, तदवीर, तरकीव, तरह, तरीका,
तर्ज, तारघात, तौर, प्रकार, पद्धांत, प्रचाली,
फिक्र, यत्न, युक्ति, युगोत, योग, गैति,
विधान, शैली, साधन, सुविस्ता, सुवीता,
सुभीता।

३७१. श्रभिप्राय—ग्रभिलामा, श्राकाचा, श्रामय, इच्छा, उद्देश्य, काचा, कामना, कारण, तातपर्य, तातपर्य, ध्येय, नीयत, मंशा, मसा, मतलब, वबह, सम्मति, स्पृहा, हेतु।

३७२. जरीया—जरिया, वसीला, साधन, इीला।

३७३. हीला हवाला— घॅघला, बहाना, बहाना, बहानावाजी, बहानेबाजी, बहेरी, मिस, हीला।

३७४. ऐब -- कलक, चिन्ह, चिह्न, दाग, दोष, धन्मा, लाह्नन ।

३७४. निशान पढ्ना—उपट म्राना, उप-टना, उभर म्राना, चिन्ह पड़ना, चिह् पड़ना, दाग पड़ना, दगिम्राना, घड्ना पड़ना।

३७६. करक—कड़क, विलक, चिन्हक, टपक, टमक, टमकन, टीस। दे॰ 'दर्द'।

३७७. करकना—करकना, करकना, खट-कना, गइना, चिलकना, चिल्हकना, चुभना, टोस मारना, टपकना, टमकना, इभकना, दर्द करना, दुखना, पीढ़ा देना, फटना, फाटना, ग्राह्म स्टना। २७८. चाँप चढ़ाना—चपाना, चाँपना, जोर डालना, थोपना, दबाव डालना, दाबना, विवश करना।

३७८. ऋँगडाना—ऋँगडाई लेना, ऋँग-राना, ऋँगिराना, ऐडाना, बदन तोडना।

३५०. पंखा डुलाना—पखा करना, पंखा खींचना, पंखा चलाना, पखा फलना, फलना, पखा हॉकना, पखा हॉकना, विजन डुलाना, हवा करना।

नोट — सभी 'पंखा' के स्थानें पर 'पंखी'
रखकर भी पर्याय बना सकते हैं। इसी
प्रकार 'हवा' के स्थान पर 'वायु' श्राहि
रखकर भी। दे० 'पंखा'

३८१. कतराना (रास्ता)—श्रॅदाना, काटना, बचाना।

३८२. श्रॅवासना — श्रनवासना, जुठारना । ३८३. उपनाम — उर्फ, छद्म, तख़ल्जुस ।

३-४. पता—ठिकाना, ठेकान, निशान, पता-ठेकाना ।

३८४ अफ़वाह—उइतो खबर, किंबदन्ती, गप, जनप्रसिद्धि, जनरव, जनश्रुति, भूठी ख़बर, वार्ता।

३म६. रहस्य — श्रत, भेद, मन की शत, बात, मर्म, मर्मवास्य, राज्।

३८७. श्रीकात—विसात, वित्त, शक्ति, समर्थ, समाई, हैसियत।

३८८. घुमाव—ऍठन, उमेठन, बल, मरोड, मुर्ही, लपेट ।

३८६. फल—ग्रत, नतीजा, परिणाम, फर।

३६०. चालना--कपहळान करना, चलनी

करना, छान करना, छानना, आ**दना,** भारना।

३६१. सद्देजना—देख भाल कर लेना, सँइतना, सँभालना, सँभाल करा देना, समक बूक लेना, सुपुर्द करना, सौंपना, सौजना।

३६२. धुन होना—धुन लगना, धुन चढ्ना, रट लगना, सनक सवार होना, सनक होना, हुब होना।

३६३. समता—उपमा, बोङ, तश्रबीह, तारतम्य, पटतर, मिलान, मुकाबिला, मुशाबहत, सदशता, सादश्य ।

३६४ विषमता — श्रसमता, वैर, विरोध । ३६४ मिलाना — तुलना करना, बरावरी करना, पटतरना, मुकाबिला करना, समता करना।

३६६. खिचाव—ग्राकर्षण, खिचाई, खींच, तनाव ।

३६७. खींचना--श्राकर्षना, कर्षना, खसी-टना, ऍचना, वसीटना, तानना ।

३६८. खिंचाना -कर्पवाना, खिंचवाना, तनवाना, तनाना ।

३६६. भरभराना — रोमाच होना, रोमा-चित होना, रोम्रॉ खड़ा होना।

३६६ ऋ. रोमाच--पुलक।

४००. उथल-पुथल--ग्रदल-बदल, ग्रब्यब-स्था, इधर का उधर, उलट फेर, उलटा-पलटी, गड़बड़ी, फेन्फार, ब्यतिकम, विपर्यय, हेरफेर।

४०१. उथल पुथल करना-ग्रडबंड करना, ग्रस्तव्यस्त करना, उथलना, **उलटना, उल** टना-पुलटना, उलट-पुलट करना, क्लट-केर करना, श्रीधाना, गड़बड़ करना, नीचे ऊपर करना, पलटना, लौट-पौट करना, हेर-फेर करना।

४०२. उलटना—श्रौधना, उलट जाना, उलटा होना, नीचे ऊपर होना, पलटना, बिसटना।

४०३. रिश्ता—नताई, नाता, नानेदारी, रिश्तेदारी, संबंघ, द्वितई, दिताई, सपर्क। ४०४. व्यक्ति—ग्रादमी, बन, मनई, मनुष्य, व्यक्ति, व्यष्टि, श्राकृतः दे० भनुष्य।

४०४. ऋपना--- ऋपान, ऋापन, ऋात्म, श्रात्मिक, जाती, नज़दीकी, निज का, निजी, त्व, स्वकीय, स्वयं का, स्वीय, व्यक्तिगत।

४०६. गैर--श्रन्य, श्रलग, ऐरा गैरा, ऐराग्रेरू, जुदा, दूसर, दूसरा, न्यारा, पराया, पराए, परावा, बिराना, बेगाना, भिन्न ।

४०७. श्रापनापन —श्रपनत्व, श्रपनाव, श्रात्मता, श्राप्तपन, श्रात्मिकता, स्वका यता, श्रात्मीयता ।

४०८. **श्रपरत्व**-—्गैरियत्, परायापन, वे-गानगी, वेगानापन, भिन्नता ।

४०६. **अपनाना**—श्रमीकार करना, श्रॅंगे-जना, श्रपना करना, श्रपनाना, श्राश्रय देना, प्रहण् करना, लेना, स्वीकार करना।

४१०. त्यागना—दे० 'टुकराना 'छोडना' 'त्यागना'।

४११. स्पर्श-खुवाव, परस, लगाव, सटाव। ४२२ खूना-परस करना, परसना, लगना, सटना. स्पर्श करना, द्राय रखना, द्राय लगाना।

४१३. स्परीजन्य---क्रुतहा, संक्रामक।

४१४. एतरना—श्रवतरण करना, श्रव-तरना, श्रवतीर्था होना, श्रारपार खाना, पार करना, पार जाना, इलना, हेलना। ४१४. इबना—गचक्का खाना, गचकी खाना, गोता खाना, बूदना, समा जाना। ४१६. डुबाना—गोतना, गोता देना, बुद्दाना, भितराना।

४१७, डुवर्का—गचक्का, गोता, डुब्बी, बुद्दकी, बुद्को।

४१८. उतरांना—ऊपर श्राना, तैरना, पैरना, पौडना, पौरना।

४१६. **बहाना** —बहा देना, प्रवाहित करना, फॅकना, भसाना, सिराना, सेरवाना ।

४२०. तै**रना**—उतराना, तरना, तरित होना, तिरना, पॅंबरना, पेरना, पौ**ंहना**, पौरना ।

विलोम--दे॰ 'डूबना' ।

४२१. तैराक—तैरिह्या, पौरिह्या, पौराक।

४२२. **डूबने वाला**—गोताख्रोर, **डुब्बा**, पनडुक्ब, बुकुवा।

४२३. शपथ—श्रहद, श्रान, कसम, किरिया, प्रतिज्ञा, सौगद, सौगघ, इलफ्र ।

४२४- शपथ खाना—कसम लेना, इलफ उठाना ! कसम, किरिया, सौगंद, भौगंघ, ब्रादि, में 'खाना' बोइकर छोर भी शब्द, बनाए जा सकते हैं।

३२४. निश्चय—करार, इकरार, निर्म्व, निर्घार, निर्घारण, निश्चै, निर्द्चै। दे० 'संकल्प'।

४२६. निश्चय करना —ठोक करना, तै करना, नियत करना, निर्भारना, निर्धा- रित करना, निश्चित करना, सुनिश्चित करना ।

४२७. संकल्प—ग्रहदिय, इकरार, इरादा, क्रौल, हद, हद् निश्चय, प्रया, प्रतिश्चा, बादा, विचार, संकलप।

४२८. संकल्प करना—क्रौल करना, प्रख करना, प्रतिज्ञा करना, बचन देना, बचन-वद्ध होना, इठना, हाथ उठाकर कहना। ४२६. अवशिष्ट—स्रवशेष, उबरा, बचत,

४२६. **त्र्यवाशष्ट**—स्रवशेष, उबरा, बचत बचा, बाक्रो, शेष ।

४३०. नि**छावर**—उतारा, उत्सर्ग, नि**छा-**वर, न्यौछावर, बलि, वारन, वारना, वारफेर।

४३१. श्रॅंटना—ग्रॅंट जाना, ग्रटना, ग्रमाना, ग्राना, ग्रट जाना, भरना, समाना।

४३२. न घटना--- श्रिषक होना, श्रिष-काना, उबरना।

४३३. श्रस्त श्रम्यमित, ह्वा, समाप्त । ४३४. श्रस्त होना (प्रह श्रादि)— श्रथना, श्रयवना, श्रयाना, श्रस्तमना, ख्रातम होना ।

४३४. क्रम — तरतीब, तारतम्य, श्रःखला, सिलस्का।

४३६ क्रमानुसार—करीने से, क्रमयुक्त, क्रमशः, क्रम से, क्रमानुक्ल, क्रमिक, तरतीन से, तरतीनवार, श्रंखलानद्व, सिल-सिलेवार।

४३७. वेकम--ग्रंड-बढ, श्रस्त-व्यस्त, डलटा-पलटा, उलटा-पुलटा, गड्बड, बेटंग, बेतरतीब, विपर्यस्त । ४३८. विस्मय—श्रचंभव, श्रचंभा, श्रचंभो, श्रचरज, श्राश्चर्य, करामात, गजब, चमस्कार, चमस्क्रति, ताज्जुब, तिलस्म, देेरत।

४३६. विस्मयकारी—-श्राश्चर्यजनक, करा-माती, गज़न का, चमत्कारिक, चमत्कारी, चामत्कारिक, तिलश्मी, हैरतस्रंगेज् ।

४४०. विस्मित—श्रचमित, श्राश्चर्य-चिकत, श्राश्चर्यान्वित, श्राश्चर्यित, चिकत, चक्रत, चमत्कृत, दंग, इस्का-बक्का।

४४१. चकराना — श्रकवकाना, श्रवाक, होना, श्राश्चर्यचिकत होना, श्राश्चर्यचिकत होना, श्राश्चर्य से इघर उघर ताकना, काठ मार जाना, काठ हो जाना, घवडाना, चकना, चकपकाना, चिश्रवत होना, चकना, जड़ हो जाना, दगरह जाना, पत्थर हो जाना, पैर तले की जमीन सरकना, मौचक्का होना, स्तंभित होना, हकबकाना, हवास गुम होना, होश उद्दना, होश ठिकाने होना। दे० 'सज हो जाना'।

४४२. ब्रह्मचर्य-प्रथमाश्रम, लगोटबंदी, स्ललनशून्यता ।

४४३. अपरिमह—धन त्याग।

४४४. परिमह-- धनसमह ।

४**४४. श्रहिंसा**— परपीडनहीनता ।

४४६. **हिंसा**--परपीइन ।

४४७. ऋहिंसक—ऋहिंस।

४४८. हिंसक—परपोदक, हिंस।

श्रनुक्रमग्री

[शब्दों के आगे लिखे असर और शंक पीछे दिए गए पर्यायों के शीवींक हैं।]

ग्र

ग्रॅइचाताना ब ४६४ ऋंगक ५८५, ख १३, ग ११, ग १२, श्चंक क ३१०, ख २२८, ख २६६, ख ५५६ ग १३० ख ६०६, ग १२, ग ७६, ङ ३०३, म्रांगज ग २४७, ग २५० श्रॅगड़ाई लेना भ ३७६ W 446, श्रकगणित ख ५५३ श्रॅगडाना भ ३७६ श्रॅकड जाना ज ८१ श्चार क ३७२, क ३८२, ङ ३३३, ड ३५० श्रॅंकड़ा क ५७२ श्रॅंगना च १४५ ग्रॅंकर् ब ६६ श्रॉगनाई च १४५ म्रकन करमा ख २६४ श्रंगभंगी ज ५३७ भंक भरना च १५२ श्रांगरखा ङ २५२, श्रंकमाल व १५० श्रमराग ङ ३२२ भॅकवाना ज ६६७ श्रॅगगना भ ३७६ र्श्वकवार ग ७६, च १५० श्रम लगाना च १५२ चॅकवार भरना ज १५२ अग्रहोन क २७१, ज ५३६ श्रंभाना ज १६७ त्रगा ङ २४३, ङ २५२, मंकित ख १७ भ्रागार ङ १०२ श्रांकित करना स्व श्रद्ध, स्व २६४ श्रॅगारी घ २५१ अकुर म २४, म २६ श्राँगिया ङ २६६ चेंडुरना क ३१६ ग्रगिरा क ५७८, च ७४ **मंद्रश** क ८१८, क ३६८, ब श्रॅगिराना ब ६० **405** श्रंगोकार व १७६, व १८६, व १८८ ग्रॅंकोल घ १५ म्रंगीकार करना च १८३, भ ४०६ चॅलडी ग १६ श्वगीठी इ ४२१ र्श्वष्टका व २४ श्रमुली ग ६७, ग ४४४ चेंचुकाना भ ३१६ त्रगुलीय क ३५८

ऋंगुश्त

श्रंगुश्त ग ६७ श्रगुरतरी ङ ३५८ श्रगुश्ताना ङ ३५७ श्रमुष्ठ ग ७० श्रॅगुसो ङ ५२७ श्रगूठा ग ६६, ग ७०, श्रंगूठी ङ ३३६, ङ ३५८ ऋँगूर ख ५२८, घ ३४३ श्चर्गा स ४१, स ५५ श्रॅगेजना ज १५२, ब १८३, भ ४०६ श्रॅंगोञ्जना भ ७१ श्रॅगोछा ङ २५६ श्रॅगोछी ङ २५६ ऋग्रेज़ ग ३६५ श्रिधिव १३ श्रवल ङ २७३, च २८० श्रॅंचला ङ २७३ श्रॅचवना भर १२०, भर १२३, श्रॅचार ङ १३७, ङ २७३ श्रांजन ख ३०६, ग ५३१, ग ५६६, ग ८, ङ ३०१, ङ ३०५, च ८८, छ १४३ ऋंबनाक ३१४, क ३८१, ग ५३१ श्रंजनी क ३८१, ग८, घ १६६ श्रजनीकुमार क ३८० श्रंबर-पंचर ग १०० श्रंबीर घ ३७० श्रॅबोरना भ ११० श्रॅंबोरिया च १६ श्रंभा छ७, छ १५५ श्रॉटना घ ६१६, मा ४३१ श्रंटियाना च ७६३ म्रांटी क २६३,क २६३, क ३४०, क ५६४ श्राँठई ग ५५०

श्रॅंठया ग ५४६ ऋंड क २७१, ग १२, ग ८१, ग ५१२, श्रंडकोश ग ८१, च २ श्रद्धव क १२३, ग्रथ्य, ग्रय्य४, ग्रय्य श्रहबंड ज ६२५, म ४३७ श्रंडबंड करना ज ६१३, भ ४०१ श्रंडरिबयर ङ २६९ श्रंडा ग १२, ग६०३ श्रंडाकार च ५८३ श्रष्टाकृत ज ५८३ श्रंडी ङ २३४ ऋंडुवाग ⊏१ श्रतः करणा ग १३० श्रत:पुरचारिका ग २७७ श्रत क १७२, ग १३०, ग १५४, ज ८०१, ज ८२३, भ ३८६, भ ३८६ त्रातक क १६५, क ४७७, ग १५४ श्रातकर्ता च १५४ श्रंतकाल ग १५४ श्रॅतई। ग६८ त्र्रतरग ग २७८ म्रांतर गप्, इट ३१२, छ, ७, छ, १४२, छ १६३, ज ८००, ज ८५६ श्रंतरजामी क ११२ त्रातरश क ११२ श्रातरा छ ७, छ १४२ श्रतरात्मा ग ५, ग ६ त्रातरिज् क २३८, घ ४६०, च ३, च ६ श्रतरीप च ६२, च २७० श्रतरीय र २६१, र २७१ श्चतर्गत भ ८६ श्चांतर्गति च र

श्रंतर्धान च ७३०, च ८०० श्रांतर्भाव च ८०१. च ८०२ श्रंतर्भावना व २२४ श्रतभूत ग६, ज ८६० श्रंतर्मन ज २२६ श्रातमेना ज ५६ श्रांतर्थामी क ११२ श्रंतलीन च १२३ श्रतहित ज ८०० श्चतस् ग १३० श्रंत होना ब ८२१, ज ८२२ ब्रातेवासी ख २४२ श्रत्य क १७३, च ५५ श्चांत्यज्ञ ग २६६, ग २६८ श्रस्यवर्श ग २६६ श्चांत्याचरो ख २७३ श्रंत्यानप्रास ख १६६ श्चांश्येष्टि करना ज ⊏३१ 羽羽 打 & 四 अपंत्री ग ६ 🛋 श्रदर च १७७, ज ६८२, ब ६८५, भ २३५ श्रदर श्राना ज ७४० श्रदर करना ज ७४१ भाटर जाना ज ७४० श्रॅदरसा क १८२ श्रदहरों ब १८४ श्रंदान ज ६६६, ज ६६४ श्रदाज़न ज ६६५ श्रदाख करना ब ६६४ श्रदाबना च ६६४ श्रदाब लगाना ब ६६४ श्रंदेशा ज २२४, च २२६, च २३१, ज २३३ श्रंदोइ च २२४

श्रंध ग ५२८, ग ६५२, छ २८४, ज २०३, ज ४६६ श्रधकार ख २३६, छ २८४ श्रंधक्प क ३२३, च ३०६, छ २८४ श्रंघड छ २६८ श्रघता ज ४६७ त्राधतामिस्र क ३२२, क ३२३ श्रॅधरा ज ४६६ श्रंघविश्वास क १२ त्र्यधविश्वासी क १४ श्रधा च ४६६ श्रघाधंघ भा १५८ ग्रधापन ज ४६७ श्रंघार छ २८४ श्रिधियार छ रद४ ऋधियारा छ २८४ अधेर भ १५८, भ १६५, भ रे६६ श्रघेरखाता भ १५८ श्रंधेरा छ २८४ श्रॅंधेरिया छ १४६, छ २८४ अमेंदेरो क ३६५, छ १४६, छ २८४ श्रद्ध १६७ श्रवर क २४२, घ ४६०, ङ २१८, ङ २३३, च २, छ २३६ श्रंबरीय क १३४, क १६४. घ ४५, ङ ४६०, भ ३४८ त्रंबा क १८५, ग १७७, घ १६७ श्रवालिका ग १७७, घ १६७ अविका क १८५, क १६४, ग १७७, ध १६७ ऋंबिया घ ३८ श्रबु च २६२ श्राबुख क १२३, ध १८८

श्रंदुधि च २६४ श्रंबुनाय क २८६ श्रंबुनिधि च २६४ भ्रंबुपति क २८६ श्रंभक २०७, क ३४६, ग १६६, च २६२ श्रंभोच क ३०७, ग ६४०, घ ३८८ श्रंभोधर छ २३६ श्रॅभौरो स ४५४ श्रॅम्हौरी ख ४५४ श्रंश ख ६४३, ग ३६ श्रंशु क २६७, च ६, रू ४८० श्रंशुक ङ ३३३, ह २७४ श्रंशुमासी क २६७ ऋँसुवा ग ११६ श्रहति व १६५ श्रंहर ज ३०४ श्रकड़ च २१, च ७३, ज ८६, ज ८८, बद्ध, बध्र श्रकड़ जाना ज ८१ श्रकद दिखाना च ७६ श्रकदना च ७६, च ८१, भ १४५ श्रकद्वाच च ६१ श्रकदवाची व मन, ब ६२ ग्राइड व ६१ श्रकदेत च ६१ श्रक्य च ६१८ श्रकभनीय च ६१८ श्रक्य ज ६१८ श्रक्षक च २३३ श्रक्षक च ६०३, च ६११ श्रक्षकाना च र⊏, च ७६७, क ४४१ श्रकरकरा च १३६ ग्रकर्तव्य च ६६, च ६६२

श्रकत्तीक ११२, च ६६० श्रकर्मेयय व ४४५, व ६६०, श्रकमीं च ३१२ श्रकर्य च ६६२ शकलंकी व ३१५ श्रकल क ११२, ग १३२, घ २२६ ऋकलमद च ३६३ श्रकलमंदी च ३६५ श्रकस च २७६ त्रकसर छ १६८, ब ६१६ श्रकिलदाढ़ ज ५२५ श्रकस्मात छ १६८, च १०१३ श्रकाड च ८७६ श्रकाब ज ४५५ श्रकाय क ११२ श्रकारण क ११२, क ११६ श्रकाल छ ५ त्रकिंचन ख ४०५ श्रकिंचनता ख ४०६ श्रकुताना च १८ ग्रकृतज्ञता च २६६ श्रकुल क १६५ श्रकुलाना छ १६१, च १८ श्रकृत च १६६ श्रकृत क ११२, क १८६ ऋकृतशत अ २६४ श्रकुत्रिमता व ३८७ त्रकेल-दुकेल ज ६२१ श्रकेला च ६१६ ब्रकेला-दुकेला अ ६२१ श्रकेलापन व ६२० भ्रकेले ज ६१६ ग्राक्सक स ७७, स २४०

श्रनखड्यन च ७६ श्रस्टूबर छ ३८ श्रकोष क १८ क्रफ्ल ज १०८, ग १३२, व ३६२ श्रक्तमंद च ३३३ श्रक्लमन्दी व ३६५ ग्रहसर व १००६ श्रम् क ३६४, क ४५८, ग १६, ग १३४, स प्रूर, च १६२, क ३३, क ३७४ त्रच्छमार क ३६४ श्रद्धकृट ग २१ **श्रक्त क ३०, क ३१,** घ २३६, ङ ६३, ङ **६४, ₹ १४**5 श्रद्धतयोनि भ ६२ श्रच्परल ग २२ श्रच्पाटक क १६ श्रवपद क ५६७ श्रवम ब ८ श्रद्धमता च २६२ श्रद्धभालिका क ५५८ श्रद्धय क ११२, ज ८३३ अव्यकुमार क ३९४ श्रद्धय तृतीया छ २०८, छ २२० ग्रचरक ११२, ख २२५, ग५, ग६, च र, च २-२, ज ⊏३३ श्रब्धाट त २१७ श्रवहोन च ४६६ श्रीच्या १६ श्रिवतारा ग २१ श्रद्धाराय च ८७६, ज ८२६ श्रक्षेट घ ३५६ असीड च ३५६

श्रकोभ व २४०

त्रलंड छ १६७, व ८७७, व ८७६ श्रसंहल क २२५, ब ८७७ श्रखंडित छ १६७, च ८७७, च ८७६ श्रखतीष छ २०८, छ २३० त्रखबार स २८६ श्रवरना च ४७० श्रखरोट ग ३५६ श्रख्लाको उस्त ल १३१ त्रलाहाक ८०, च २०२, ख २१७, च २२३, ज ६२४, ज ६२५ श्रखिल च ८७७, च ८७६ श्रस्तियार भ १४६ त्रगक २६७, म ५५८, घर, चर्४८ श्रगह्यत ज ४६८ श्रमित ख ५७१ श्रगएय ख ५७१ श्रगद स ५४८ म ३६ त्र्यगदता भ ३७ श्रानित ख ५७१ श्रगनेया च १४५ श्राम प १, च १७२, च ५६४, च ४७६, ज ६५८, अ ६११ त्रगम्य ज ५६४, ज ५७६, च ६११ श्रार इ १४८, ज १००४ श्रगरचे च १००५ श्रगरवसी क २४ श्चग्रह घ १४० श्रगर्चे ज १००५ श्रमला म १६६, छ १४७, छ १८६ त्रगवाई च ६६८ श्रगवानी ब ६६८ श्चगवानी करना च ६६६ श्चगस्त क ४६४, छ ३८

त्रगहन छ ३७, छ ५५, छ ७६, छ ८१ श्रगहनी छ ५६ श्रगाही छ १६३, छ १६४ श्रगाच क १२२, च १५६, छ २३७, अ प्रदेश श्रगार च १ श्रगाइ च ३११ ज ५६४, ज ६११ श्रागियाना भ १०५ श्रागियारी क ३३ श्रगुताना ब १८ श्रगुर घ ७६ त्र्रगुवा ख ३३५ त्रगुवाई म १५१ श्रगुवाना ज ६७१ श्रगोचर क १२२, ज ७३० श्रगोरना च ८८४ श्रगोर भ १६८ श्रमोरना ज ४५३ श्रगोरिया म १६६ श्रागोरिया करना स २०५ ऋग्निक ३११, क ५७४, ख ५८७, ग १२४, व ४४८, ङ १०, च ७८, छ २७२ श्रीरनकार घ १४० ऋग्निकोट ग ५५७ श्राग्निकोगा च १६, चंदर श्राम्य ज्वाला क २०२, छ २८० श्राग्निटाइ ज ८३० ग्राग्नशिखा ङ १०, छ २८० श्रास्याख ङ ४०५ श्रम छ १६४ श्रव्रगामी ख ३३५ श्रप्रज्ञ ग २१८

श्रामणा देरेप

श्रग्रशोचिता ज ७२८ श्रमशोची ज ७२७ श्रप्रसर ख ३३५ श्रप्रसर होना ज ६७१ श्रमहर्ग छ ५५ श्रमहर्णीय ज १६१ श्रमाह्य ज १६१, ज ४२१ त्रप्रिम् ग २१८, छ १८५ ऋषग=०, ज ३०४ श्रघाट ङ १६ श्रमाना ज ३७ श्रघाया ज ३५ श्रघोज ३०६ श्रधोर ज २४३ श्रघोरनाथ क १६५ श्रवंभा भा ४३८ श्रचंभित भ ४४० श्रचकन ङ २४६, ङ २५२ श्रवकां छ (६८, भ १०१३ श्रचकें छ १६८ श्रवर च ६७६ श्रचरब भ ४३८ श्रवरना च २६५ श्रवल च २४८, ब ६७६ ग्रचला च ६०, ब ६७६ श्रववना भारे २०, भारे २३ श्रवाका छ १६८, ज १०१३ श्रचानक छ १६८. ज १०१३ श्रचार ङ १३७ ऋचाह ब १४१ ग्रचित ज २२७ श्रमितित ज २२७ श्रविरात छ १४६

श्रचीता छ १६८, ज २२७, ज ६११, ज १०१३ श्रचेत ख २०३, ख २२६ ब्रचेतना ख ५२६ श्रवौर्य भ २०६ श्र अप्रस्कृत क ३१, ङ ६३ ं श्रुक्तरा क २४७ श्रब्ध्रेशे क २४७ ग्रन्छा ख ५४०, ङ ५०, ज ४२०, ज ४६३, म ४७४, ज ५६६, स ८२६, स २६७ श्र≖छाई इ ५१, व २८, ज ४७७ भ्रन्छा करना ज ६४२ श्रन्छापन ज ४६७ श्रन्त्री लगाना ज ६५६, ज ४६६ भारयुत क ११२, क १३४, क ४७७ श्रच्युतानद क ११२ श्रक्षत ग २६६ श्रञ्जता ग २६८ श्राम क ११२, क१२३, क १३४, क १६५, क १६८, का २७१, का ३०७, ग ८, ग ४६०, ग ४६१, च ५६ ऋषगर ग ५६७, ङ ४०५ श्राजगद के १७६ श्राबद्दा ग ५६७ श्रावनवी च ११३ , काजनगः क ११२, क ११६ अब्ब अ ४१८ ब्रबमाया ख २५१ अवमेर क ५१८ असमादा स १४४, ङ ७६ श्रवय व २८६ श्राचार व्ह ११२, क २०७ ग्रमगर्न ङ ७६

श्रद्ध छ १६७ श्रजा क १८५, क १६४, ग ४६२ श्रजातशत्र क १६५, क ४१४ श्रजान क ५१४ श्रवानुवाहु ज ५२७ अबामील क ४७१ श्रजायबघर च २१३ ऋजिश्रौरा ग १६५ त्राचिन क १६५ श्रां जिर क ३१६, ग १२, च १४५, छ, २६३ त्राबोज ग २६७ श्रजीव ज ४१८ श्रजोबोगरीब ज ४२८ श्राधीर्ग ख ४६७ श्राजी ग ११ श्रज्ञ ग ४२२, ज ११२, ज ३६४ श्राज्ञता ख २३६, ज १०४ श्रज्ञात च १०६, च ११२ श्रज्ञातयौवना ख १६१ त्रज्ञान ख २३६ श्रशानता ख २३६, ज ३६६ श्रज्ञानी ज ११२, ज ३६४ अर्ज्ञेय क ११२ अफ़ुराना क २७५, व ७८३ श्रटक च २१५, व २२४ श्रटकना च ७८°, **च २३**२ श्राटकल स ६६३ ब्राटकल लगाना ज ६६४ **ष्रा**टकाना ज ७७४, ज ७८२, ज ७८८ श्रायकाव ज ७८३ श्रारम ज ६८७ श्राचा ब ६५८, भा ४३) श्राटपट ए ६४

त्राटपटाना व २३२, व ८४३ त्राटल व ६७६, व ८३३

ऋटवी घ ११

श्रदा च १४६, ज ६२४

ग्रहारो च १४६

श्रटाल च १७३

ग्रटाला च ६२४

ग्रटेरन ङ ५६४

ब्रह्हास क १६५, घ ४१५, ब ६२६

श्रष्टालिका च १४६

श्रद्वाइस ख ६२७

ऋद्वारइ ख ६२३

श्च ठुली ग ५१

श्रिठिलाना ज ७६

ऋठारइ ख ६२३

श्चठवारा छ ११३

ग्रठलाना च ६०

श्रठनो स ४२४

ग्रडंड भ २२७

श्रद्धस घ १४६

श्रह्या च १६३, च १३८

श्रहगा ज ७८६

ग्रइंगा लगाना च ७८८.

श्रद व ७३

ब्रह्काना ज ७७४, च ७८२

ग्रहचन ज ७८६

ग्रहचन डालना ज ७७४

ग्रहना ज ७७३, च ७८१

श्रद्भग ज ६४

श्रदद ज ६४

ग्रहबद्दाना ज ७०७

श्रद्धल घ ४२२

ब्रहाइ च १६३

त्रहान च १२०, च १६३, च २०३

श्रहाना व ७८२, व ८७१

त्रहार ज ६५, व ६२४

ग्राहियल व ७४, व ४४५

श्रदी छ १२

ग्रह्सा घ १४६

श्रद्वना भ २४१

श्रदाई ख ५८६

ग्रदकना **च** ७०१

श्रियामा क २३४

त्र्रणु ज ५०३, ज ८६५, ब ६१०

श्रतः च १००६

श्रतएव ज १००६

त्रतदगुषा ख १६०

ग्रतनु क २७१, व ४६८, व ५४०

त्रतत्परता ज ४४६

श्रतरसों छ १५४

ग्रतल क ३३६, क ३३७, क ३१८

श्रतिकाय ज ४६५

ग्रतिकाल छ १७५

श्रतिक्रम क ४८०

श्रतितित्तु ज ८

श्रतिथि क ३११, ग ३७८

त्र्रतिथिपूजा भ ५४

त्रतिरिक्त ज ६१४

श्रविवाद ज ६२

ऋतिवादिता ज ६२

श्र्यातवादी ज ६१

श्रांतशय ज ६११

ऋतिसार व ५११

श्रतिसी घ २६५

श्रतीत क ११२, ग १५E, **६** १७

ब १८१

ब्रतोय ग ३७८ त्रातीव च ६११ श्रतीवता च ११३ श्रद्धराई छ १५८ श्रदुराना च १८ त्रातुल ज ४२३, च ६११, च ६६६ ब्रतुलनीय ज ६११ त्रतुलित ख ५ अ१, **च ६१**% ऋतुष्ट ज ३६ अतुप्त ब ३६, भ ११४ ऋतुप्ति मा ११३ ऋताल च ६११, च ६६६ श्रक्षंतता च ६१३ श्रात्याचार च २६८, ज ३०४, म १६६ श्र-याचारी ज ३०१, म्ह १७० श्रत्याज्य ज १६० श्रन्यावश्यक ज ४२१ श्रा श्रत्युक्ति ख १६० श्रद्ध व ह्य श्रात्र क ४५५, च ७३, च ७४ ऋत्रिप्रिया क ४५७ श्राप्त क ३०७, क ४५६, क ४६८ श्रय खु १८७ श्रयना में ४३४ त्राधर्वता वंद क ५४४, स २३७ श्रथर्वसद्ता क ५४६ श्रायवना स ४३४ श्रयवा च १००३ श्रयाना भ ४३४ अयाह च २६४, छ २३७, च ५६४ श्रद्ध व २४० ग्रदंडनीय क २२० ग्रदंड्य क २२७

40 -- 6A

त्रदद **स २**२८ त्रदव ख १२६, ब १७७, ब २६७, ब ३४२ श्रद्वीख १३० श्रदरक घ ३१५ ग्रदराना च ६० ग्रदर्शन घ ८०१ श्रदर्शनीय म ४६५ श्रदल भ १६४ श्रदल-बदल म ४०० श्रदला घ १८३ श्रदलावरलो भा ३०० श्रदवायन **रू** ५०३ श्रदाता स्व ३६० श्रदालत चर२४ श्रदानती म १८५ ग्रशवत ज २७६ श्रशाता ग २७६ श्रदिति क १२७, क २६७, क ४०७, क रपूर् न १७४, ग ५७७, च ६, च ३४, च ६० श्रदिन ब ४४८ ब्रद्धीठ ज ७३०, ज ८०० श्रदान च २३. च ३०८, भ २०४ श्रद्र ज ६०६ ऋद्धित च ४१४ श्रद्धह ज ६७८ श्रदृश्य क ११२, ज ७३०, च ८०० ब्रहार हुँ १, ब ४४७, ब ७३०, ब ८०० त्र्रदेखें ज रहर श्रदेह क २७१, व ५४० 羽裏:荷 刈り火 ग्रही क २३५

श्रद्भुत ख १७६

श्रद खु १८७, खु १६१

श्रद्यापि छ १६२

श्रद्याविध छ १६२

ब्रद्राच ३३

ऋद्रिच २४८

श्रद्भिषा क १८४

ऋद्रितनया क १८५

ऋदेत क ११२

ग्राधकट्टी रू २४२, रू २४७

श्राधकपारी ख ४८६

श्रधना स ४२७

श्रघपका ङ ७३

श्राधम क ३१०, च २०२, च ४२६,

च ४३६

श्रघमता अ ४४१

श्रधमपन व ४३०

श्रधमाई च ४३०, ज ४४१,

त्रधर ग २४, ग ८०, च ६

श्रधर्म च १०४

श्रिषक ख १६०, च ६११

ग्रिधिकतर छ १६८

अधिकता च ६१३

ग्रिधिकपद ख १६७

श्रिषकमास छ, ६३

ऋषिक होना च ६८५, च ६१७, म ४३२

अधिकाश च ६११

श्रीधकाश्यतः छ १६८

श्रिषकाई ज ६१३

त्रिधिकाना च ६१७, भ ४३२

श्रविकार स १४८, म १४६

श्रविकारी स ३६८

अधिकृत क ३४६

श्रिधगम ज ३४२

श्रिषप ख ३६८, ग २२४, ग ३८०

श्रिधिपति क १३४, ख ३४६, ख ३६८,

ग २२४

श्रिधराज ख ३४९

श्रिषवास च १२६

श्रिवासी ज ५५५

श्रिषिष्ठाता क ११२

श्रिषिष्ठान च १२६, च १३०

श्राघीन ग २८३, ज १३६, भ २३५

श्रघीनता च १३७, भ २३६

ऋघीर ज १२, ज १३, ज २२६

ऋघीरता ज १५, ब १६

श्रघीर होना ज १८

त्राघीश ख ३६८

ग्रधीरवर ल ३६८

त्रधुना छ १६१

ऋधुनातन छ १७५

त्र्रघेली ख ४२४

श्रधेर्य ज १३४

ऋषांगति च २६२

श्रधोगमन ख ७२

श्रघोलोक क ३३५

श्रघोवस्र ङ २६१

ऋषौरी ख ४५४

त्रध्यच् क ७६, ल ३३५, ख ३६८, ग ३८०

श्रध्ययन ख २०६, ख २५६

श्रध्ययन करना ख २४६

त्रध्यवसाय म २८७

ऋध्यवसायी म २८८

श्रध्यातम क ५५८

श्रध्यातम रामायय क ५८४

ऋध्यात्मशास्त्र स ३२७

श्राच्यापक स्व २४१ श्राच्यापन स्व २५७ श्राच्याय स्व २६६ श्राच्यास स्व ६७६

श्राप्त्रमा गा ४५०, च ६९३

त्रध्वगा च २६०

श्रध्वर क ८१

ब्रानंग क २७१, व ५४०

श्रानत क ११२, क १३४, क ३२८, क ३२६, क ३३०, क ३७०, ख ५७१, च ३,

कु २०६, ज ६११ श्रानन्तचतुर्दशी कु २०६

श्चनन्तमूल घ १४६ श्चनंतर **छ १९३** श्चनतवीर्य भ २७३

श्चनदेना जे ४१ श्वनन्दों का १७५

श्रनश्चतु छ ५, छ ६६

श्रानल ङ २०२, ज ३४, ज २६२

श्चनखा ङ ३०३ श्चनगढ़ ब ४६५ श्चनगबना ज ४५२ श्चनगिनत ख ५७१

श्चनचाहा ज १४३, च ४२१ इ

ग्रनचोन्हा व ११२

चनचान व ११२, व १६४

मनबानपन च १०४

बानबाना व १०६, व ११३

श्रनध्याय छ १५५, छ १५६

श्चनतुरक व १२३ श्वनतुरक करना च १२६

व्यननुरक होना व १२५

श्रमकाश प ३५०

श्चनपच स ४६७ श्रनपट स २४०

श्रनपेद्धित ज ४२१ इ

श्रनबन व २७६

श्चनबोलता च ५१६, च ६०७

त्रानव्याहा का २६ त्रानिमञ्ज ११२ त्रानिमञ्जा च १०४ त्रानिमलियत च १४३ त्रानमना ख ५४६, च ५६, त्रानमनायन क २८१, च ५७

म्रनमना होना क २८०

श्रनरस भ १२८ श्रनग्मता भ १३० श्रनरसा ह १८२ श्रनरूप ज ४६५ श्रनरूपना ज ४६८

श्रनल क २०६, क ३११, ग १२४

श्चनत्य ज ६११ श्चनवयत ज १०६ श्चनवट ड ५३५ श्चनवरत छ १६७ श्चनवरत छ १६७ श्चनवस्थित च १३ श्चनहरत य ८३३ श्चनहित य २७६ श्चनाकाद्यित च १४३

श्रनाकाद्यित च १४३ श्रनाकाद्यत च १४३ श्रनाचार क १६६ श्रनाचारी क १७० श्रनाक घ २२५ श्रनाकी च ११२ श्रनाकीपन च १०४

श्रनाथ भ १४, भ २०३

श्रनाथालय च २०४ श्रनादर च ३४८ श्रनादर करना च १६६ श्रानादिक ११२ श्रनाहत व ३४५ श्रनाप-शनाय च ६२५ ऋनामय भा ३६ श्रनामिका ग ६९, ग ७३ श्रानायास छ १६८, व १०१३ श्रनार व ३४४ त्रानावश्यक च ४२१ इ श्रनावृत च ३८: श्रनावृष्टि छ २५३ श्रनाभय भ २०३ श्रनाभित भ २०३ श्रनासक व १२३ श्रनासक करना क २७६ श्रनासक होना क २८० श्रनाहृत भ ८३ श्रनिद घ ३००० त्र्रनिद्य च ४७५ त्रनिच्छा व १४८ श्रानिच्छित च १४३ ऋतित्य छ १५०, च ८३२ श्रानिमेष छ १ श्रानिमेष देखना च ७२६ श्रनियंत्रित म २३४ ऋनियारा क २६६, क २६६ श्चनिबद्ध क ४०३ मानिवंचनीय म ६१८ भ्रानिस क २०४, क २०६, क ३१३, क ३१६, ब ८४, च ४२ अनिवार्य च ४२१ छा,

श्रनिवार्यता ज ४२१ ई श्रुनिश्चित स २३० श्रमिष्ट च २६ श्रनिध्कारक व ३१ श्रनी ख ३५६, ज ३२१, भ २६८ श्रनीक ख ३५६, ख ३६५, म २६२ श्रनीकिनी ख ३५६ श्रनीति म १६५, म १६६ श्रनोतिवान भ १६७ त्र्यनीश्वरवादिता क १२१ अनीश्वरवादी क ६, क ११६ श्रनीइ क ११२ ग्रनुकपा च १६ अनुकपाक नाज २५ त्रानुकरण करना ख २६४, म २४५ श्रनुकृत स १५२, ग २२६, च ३६, च श्यक्ष, ज स्यप्र श्रनुकुनता च २७५ श्रनुकृति ख १३, भ २४४ श्रनुगत ग ३८३, भ २४६ अनुगति भा २४४ श्रनुगमन भ २४४ त्रमुगामी ग ३८३, म २४२, म २४६ त्र्रानुगीता क ५८२ श्रनुगृहीत ब २६५ ऋनुमह ज १९ अनुग्रह करना व २५ श्रनुप्राही व २२ श्रनुचर ग ३८३ त्र्यनुचरी ग ३८४ श्रनुचित स ४२१ श्रनुष ग २१४, ग २२०, म २४६ श्रनुताप च ४६, म १४८

श्रनुतापना में ३४७ ब्रनुत्साह व ४४६ श्रनुरात व ४३८ श्रनुदार स ३६०, व ३१ श्रनुदारता ख ३९१ श्रनुदिन छ १३८ श्रनुबत मः २५८ श्रनुनय च २७६ श्रनुनय करना मह २४८ श्रनुनय विनय च १७६ श्रनुरम अ ४६३ श्रनुषमेय ज ४१८, ब ४६३ श्रनुपयुक्त ब ४२१ श्रुनुपरियत भ २५८ श्रनुपश्थिति स २६० श्रनुपास ख १६० श्रमबंध ख ८१२ श्रानुभव ब ३८३ श्रन्भरी व रूर श्रन्भूत च रूद श्रमुति च ३८३ श्रम्पति स २४० श्रन्मान व ६६३, व ६६६ श्चनुमान करना च ६६४, च ६६८ श्रनुवान कराता व ६६७ श्रनुमानत ज ६६५ श्रन्धानना अ १६४ श्रनुमित स ६६३ भनुयायी ग ३८३, भ २४६ श्रनुरंश्वित ख २२ मानुरवित करना ख २६, ख २७ सनुरक ग २६६, स १२२ चन्रक **द**रना क २७४

श्रनुरक होना क २७५ अनुरक्ति च १२७ अनुराग च १४५, च १४७ श्रनुरागना च १३६ अनुरागी ग २६६ त्रनुराधा च २६, च ४५ श्रनुरूप ज ४२२ श्रनुरूपता व ४२४ ऋनुरोध च ७३ श्रनुवाद ख ३०१ श्रनुवादी ख ६६ अनुशासन म २४० त्रन्शासनपत्र म १८८ श्रनशीलन ख २४८, ख रप्र अनुशीलन करना ख २४६ ग्रनुष्टुप ख २०३ त्रमुष्ठान क ६२ श्रनुर बान स २५८ त्रमुखान करना ख **२६०, ब** ७६६ अन्त्रधानकर्ता ख २४६ **अनुसंघित्सु ख २५**६ श्रन्सरस म २४४ श्रनुसम्या करना मा २४५ अनुसरना मा २४५ श्रनुसार न ४२२ श्रनस्या क ४५७ श्रनुहरना म २४४ श्रनुहार ज ४२२, व ४८३ श्रन्टा व ४१८, व ४६३ म्मनुठापन स ४१६, म ४६७ ग्रन्दा स १६१ श्चनूप क २०४ ग्रनेक्य च २८३

भनेसिंगिक च ३८६ अनैसर्गिकता च ३८८ श्रनोखा ब ४१८ म्रानीखापन च ४१६, च ४६७ श्रव क २६७, ख ५८४, ङ ६३, च २६२, छ २२५ श्रमकृट हा २१६ श्रवदाता ख ३६८, ग ३८० श्रवपानी ड ३८ श्रन्नप्राशन क ६८, ग १४८ श्रजा ग १८२, ग ४३३, भ २४६ त्रत्य ख ५८४, भ ४०६ श्रन्यत्र च ६६३ श्रान्यमनस्य व ५६ ब्रान्यमनस्कता च ५७ श्रन्याय क १५८, क १६५, क १६६ श्रन्यायी भ १६७ श्रन्योक्ति ख १६० ऋन्वित च ८६० श्रनोच्य स २५८ श्रान्वेषक ख २५६ श्रनवेषय स्व २५८ श्रन्वेषस् करना स २६० म्रान्बट ङ ५३५ अपग च ५३२ श्रपदर्भ स ३०४, स ३१० अवसमी च ३१२ श्चपकर्ष च ३४२ श्रापकार च २६, च ३४८, च १६६ श्रापकारी च ३१, में १७०

ऋपकार्य व ३१०

अपकोति च १५६

श्रपकृति अ ३०४ श्रपकृत्य व ३१० श्रपगति च ६४६ श्रपगा च २७१ श्रपघात व २५७ श्रपच ख ४६७, ख ४६८ श्रपचार ज १५६ श्रपदुत्व ज ३६६ श्रपद ज ३६४ श्रपत्य ग २४६, ग २५० श्रपथ ग ८०, च २४३ श्रपनत्व ज १४५, भ ४०७ त्रपना भ ४०५ श्रपनाना च १८६, भ ४०६ श्रपनापन च १४५, म ४०७ अपभय ज २४० श्रपभ्रंश ख २१८ श्रपमान ज ३४८ श्रपमानना ज १६६, च २४६ श्रपमानित च १६०, च ३४५ श्रपयश व १५६ त्रपर स प्रदर श्रपरच ब १००७, १०११ भ्रपरम स्त ४६५ अपराखित क १६८ श्रापराध ज ३०४, ज ३१४, ज ६१६, फ २२० श्रवराघ लगाना च ४०४ श्रपमानित होना अ ३४७ ऋपराधी ग ३७०, व ३१८, ऋ २२१ अपराह स १२६ श्चपरियद्द क ४७५, क ४४३

ध्यपरिश्वित धः ३०६ धः

श्रपरिमित ख ५७१ च ४२१ ग्रपरिमेय ख ५७१, व १६६ श्रपरूप ज ४६५ श्रापर्याक रूप, क १६४, क २०२ ऋपवर्गग ६ श्रपवाद ब १५६, ज ३०४ श्रपवादों च १६२ श्रपवित्र ज ४१५, ज ५४३ श्रपवित्रता च ४१६, च ५४४ श्चपव्यय करना ख ३८५ श्रपन्ययी ख रदह **त्रपश्**कृत व ४८० श्रपशब्द ज ६४१ त्रपशब्द कहन। ज ६४२ श्रपश्मार ल १८५, ल ५१६ श्रपहरण करना भ २४० ऋपद्धत होना म २१३ ऋपान क ३१३, क ३१६, च ८३, च श्रपानवायु छ २६४, च ६५० श्रापानवायु छोइना च ६५१, व्य ५७१ श्रुपार स ४७१, ज ६११ श्रपावन च ४१५, व ५४३ ऋपायनता ज ४१६ श्रपाहिक क ४ ८५, क ५३२, क ५३= ऋषितु ख १०१२ श्रापूत व ५४३, भ २० श्रपुष च २२८

श्रपूर्व च १२५, च ८०४

अपूर्व हा १७५, व ४१८

अपूर्वता व ४१६, व ४६७

व्यवेद्धा व ४२१ ई

स्राप्ट म ८००

श्रप्रकाश छ र⊂४ श्रप्रतिभ च ३२२, च ३६४ च ४४५ त्रप्रतिम ज ८१८, च ४२३ श्रप्रतिष्ठा ब ३४८ श्रप्रयुक्त ख १६७ त्रप्रमञ्ज ५०, व ६५ श्रप्रसन्न करना व ४४ श्रप्रसन्तरा ज ३४, ज ४६, च ६३ श्रप्रमन होना च ४२, च ६६ श्रप्रस्तुत भ २५८ श्रप्राकृत च ३८६ अप्राकृतिक ख ३८६ त्रप्राकृतिकता च ३८८ श्राप्रयता च १४८ ऋप्रैल छु३⊏ श्रप्लोकेशन भ २५० श्राप्तरा क २०३, क २४७, ख १२४, ग ३६७ श्रपमानिस्तान च १२७ ऋषयून इ ६१३ श्रक्रना व १६, व ३७ श्रापल ध १ श्रुफला न १८३ अभवाह भी रेट्य श्राप्तमर स्व ३६७ भ १५० श्रफ्षाना स २०८ श्रफ्तीस ब ४७, भ ३४८ श्रपतीयना म ३४७ श्रफीम म ४७६, इ. १६३ श्रव श्र १६१ स्रवटन क १२३ जनतक कु १६२ श्चवरद प ४६०

अवल भ ४२ त्रवलक ख ३३, ख ५०, ग ४६३ श्रवलखा ग ६६७ श्रवला ग ४ श्रवाबील ग ६६७ अयुम प १६४ श्रवु दाऊद क ६०३ अबेर छ १५७, च ४५१ श्रवेर परना च ४५२ श्रबोध ग ४२२, ज ३६४ श्रव्य क ३०७, घ ३८८८, घ ४६४ ऋब्बयोनि के १२३ श्रब्द घ १३२, छ २३६, घ४६०, च ३ छ २७ श्रन्दिच २६४ श्रक्षिच ३१३ श्रव्धिजाक १६३ अब्बर भ ४२ श्रव्या ग १७४ श्रव छ २३६ अभंग छ १६७ श्रभम ज ८७७ श्रभय घ १७३, च २४० श्रभागा च ४:१ श्रमाग्य व १५८ श्रमाव भ २५८, भ २६० मिमात ब ४६३, म २ श्राभिष्ठ व १११, व ३६३ श्राभिक्षता च १०३, च ३६५ ऋभिष्ठ होना च ११० श्रमिशान च ८३४ श्रमिषम्मिपटक क ५६२ श्रभिषान कोष स ५

ग्रभिनंदन ब ४५ भ्रामिनय स १३७ श्रमिनव हु १७५ श्रभिप्राय का ३७१ ऋभिमावक ग ४२६ श्रभिमन्यु ६ ४२० श्रिमिमान च ८५ श्रभिमान दिलाना ब ६० श्रिभिमानी ब ८६ श्रमियान ब २८७ श्रिभियुक्त ग २७०, 🛎 १९७, 🗛 २२५ श्रमियोका ग ३६८ श्रमियोग च ३१६, च ३१८, म १८४ श्रनियोगी ग ३६८ श्रमिराम च ४६३ श्रमिक्ति च १३२ व, ब १३८ श्रभिक्षित च १४२ श्रमिलाखना च १३६ श्रभिलाषा च १३८, भ ३७१ श्रभिनाषी ब १४० ब्राभिवंदन च १६६, च ३५५ श्रमिवंदनीय च ३५-श्रमिव । त्म च १६६, ज ३५५ श्रमिवादन करना ज १६७ श्राभिशप्त व १७५ श्रमिशाप च १७२ श्रिभशापित ब १७५ श्रभिसारिका स्व १५८ श्रमी छ १६१ श्रमीप्सित ज १४२ श्रमोध्ट व १४२ ग्रभुग्राना च ७६७ म्रभूतपूर्व छ १७५

श्रमेद च ४२२ श्रमेदता ब ४२४ श्रम्यंतर ग १३३, च ६८८, च ६८५ श्रम्यास स्व २३३, च ४०२, च ६७६ श्रम्यास करना ख २४६, ख २६४ श्रभ्यासकारी सा ३०२ श्रम्यागत ग ३७८ श्रम्यर्थना क ४५, व ६६८ श्रम्भ म ४६०, च ३, छ २३६ श्रभक्षक व ४४८, प ४६० श्रमंगन घ २६७, च ४८० श्रमचुर ङ ७७ भ्रमन ज ४६ ग्रमनचैन ज ४६ श्रमनियाँ च ४१४, व ५४१ त्रमर क २०७, ६ २१६, च १८२, व ४५६ ख रपर श्रमरता क २२१ श्रमात्व क २०१ भमरनाथ क २५५ श्रमराद ग ६ श्रमग्रति क २२५ श्रमरपुर क २३८ श्रमरवेल घ १५१ श्रमस्लोक क २३८ स्मरस क १५४ भगरती ल ३७, भ ३३६ श्रमर होना क २१७ श्रमराबती क २३७, क २३८ स्मारह प ३६ श्रमरेश क २०५ भ्रमली म २०७, क २१६ श्रमर्थं स १८५, ब ६३

श्रमर्थेया ब ६३ श्रमधी च १४ त्रमल ख १, ब ४१४ श्रमलतास च १४८ श्रमलदारी भ १४८ श्रमला ग ३७५ श्रमलिन ब ४१४ श्रमहर ङ ७७ श्रमा च १४०, छ १११, छ १६४ श्रमानत भ ३०५ श्रमाना भ ४३१ श्रमार च २१५, ब ६२४ श्रमावर इ १५४ श्रमावस छ ।११ श्रमावश्या छ १११, छ १४६, छ १५६ श्रामित ब ६११ श्रामिय क २४२ श्रमिरती इ १७६ श्रमोर स ४०५ घ श्रमीरी ख ४०७ श्रमुक ब ३६७ श्रमृह ज ३६७ श्रमूर्तक ११२, ग५, ग६, 55, १ ऋमूर्निमान क ११२ श्रमूल्य ख ४०६ श्रमृत क १३४, क २१६, क २४२, क ३०७, स ६, घ ३६, घ २२५, घ २३८. व ४४८, व ४५६, व ४७८, व ४८२. ड १४५, इ १५७ श्रमृतघृति स २०३ श्रमृतवरी क १३० क्मा ग १७७ म्राल प ४६, ७ ४३, इ ५८, ङ १६२

श्रम्लक घ ५० श्रम्लता ङ ५६ श्रम्लान घ ३८८ श्रम्लिका घ ४६ श्रमहौरी ख ४५४ श्रयया च ८४१ श्रययार्थता ज ८४१ श्रयन ख ४१६. ग ४७७, ग ४७८ छ १ ध्ययश ज १५६ श्रयाचक ख ४०५ श्र ग्रयाचकता ख ४०७ अयाल ग ४६४ श्रयुक्त ज ४२१, ज ८५५ अयुग्म च ६१६ ऋयोग्य ज ३६६, ज ४२१ श्रयोग्यता च ४०१ श्रयोध्या क ५७. क ५६, च ११०, च १११ ऋरड घ २६७ ग्ररब व १७६ श्ररजो भ २५० ऋरखि क २६७ श्चारएय घ ११ ग्रस्थाना ख २६२ अरदली ग रेपरे श्रारव ल ६३५, ग ४५२, ग ४६१ त्र्रवराना च ७०७

ऋरबी ग ४५२, ग ४६१

श्वरभक्ष च ४६६

श्वरमान ध १३८

श्वरराना च ७००

चारवली च २५६

ब्रार च १६५

श्ररविंद क २८४ म २८८, म ३६ ष ४५०, च २६२ त्रस च १६८ त्रासा छ १५७ श्ररसाना ख ७५४ श्ररसिक ख १७४ ग्ररहर घ २५३ श्रराधना क २७ श्ररावली च २५६ श्ररात ग ४४० श्रिरिग २७६, ज ७३ श्रारिथमेटिक ख ५५३ अरिष्ट क ३४७, ग६५४, घ ७०, घ ८५ घ ३१४, च १५०, च ४५८ श्रद्धे घ ३१० श्रहिच ब १४८ श्रदकाना क २७५ अरुण क १६२, क ३०४, क ३४७, ल ३३ ख ३५, ख ५१, ग ५७३, घ १४५, १४७, घ २०२, च २६७, घ४२३ ब ६०६, ङ १६६, ङ ३०६ श्रव्याच्ड ग ६४४ श्रवणशिका ग ६४५ श्रहणाई ख ३६ श्रहिणमा ख ३६ श्रवणोदय स १३६ श्रदेकता च ७८१ श्रदस ख ५२६, च १४६ श्रह्म क ११२, व ११८ ग्ररूपता व ४६८ अर्सा च १४६ व्यक्तं क १३४, क २२५, क २६७, घ १०। म ४५०, म ४०

श्चर्गला ङ ४०० म्रर्चन क २६, क ७३ श्चर्यन करना क २७ श्चर्यना व ३४३, क २६[.] अर्चनीय क २६ श्रची कर्६ श्चर्चि छ २८० श्रचित क २८ **श्र**र्ज ज ५७४, ज १७६ श्रर्जदार च ४३४ श्चर्जन ख ३८६ श्रर्जन करना ख ३८४, च ८५८ ऋजीं का २५० ऋर्जुन क ४१३, क ४१७, ख २८, ग २५४, ग ६०६, घ ८६ श्चर्याव क २६७, च ३, च ६, च २६४ श्चर्य ६ ३००, ख ३८० श्रर्थदंड ख ४१८ ऋर्यदंड लगाना भ २२५ श्चर्यदोष ख १६६ श्रर्थप्रकृति ख १४२ व्यर्थव्यक्ति स १६२ श्चर्यशास्त्र स २३७. स ३३२, ल ३३७, 30€ ₱ व्यर्थशास्त्रज्ञ स ३८३ श्रयणिकार ख १८२ अर्थी ग ३८३, ग ४२६ ब्रर्ड स ५७५ ब्रहमाथा ख ८८ वर्ष साप्ताहिक स २६१ वर्षान स ५२३ श्रद्धींगों क १६५

वर्ष स ५७५

श्रर्घागिनी ग २२५ ऋघीश ख ५७५ श्रर्पण ज १९५ श्रर्पेश करना च १६६ श्चर्यंद ख ५०१, ख ५०२, ग ५६६ 🛭 २३६ श्रर्भक ग १४०, ज २४७, ग ४२२, ग ४८६, ग ६०५ त्र्रायमा क २६७, क २६८, घ १०० श्रवचिति छ १७५ त्रर्श क २३८, ख ४७३, घ ४४८, च ३ त्र्यह्त क २३, क ४४७ श्रईवना भ १४१ श्रलकरगाङ ३२७ श्रतंकार ख १८८, ङ ३२७ त्रलकृत अ ४७३ श्रलिकयाङ ३०● श्रलंबर ६ ४५५ म्रलबुषा क २४८, घ १७६ ऋलक ग ३८, ग ३७ त्रलकनंदा च २६० श्रलकपुरी क २७० अलकलकुता ग २५३ त्रालका क २७० श्रलकापुरो क २५६, क २७० त्रलक्त घ ४६७, मा ३३५ श्रालक्तक ङ ३२५, भ ३३५ युत्यं क ११२ श्रहित व ८०० श्रलद्य ब ८०० त्रलंख क ११२, च ७३० म्रलग व ८५५, व ६७७ श्रक्ता करना क ५६०, व १२६, व १८२, बद्धरे, ब७७४, **बद्दर, बर**ा, जरु०७

ग्रलग होना च १२५, च ७४६, **च ७४७**, ज ⊏५४, ज ६००

त्रलगाना च ८५३, च ६० त्रलगाया च ६०३, च ६०८

श्रह्मगाव ज ८५६

त्रलगियाना च = ५३, च ६०१

त्रलगोबा स ६८, स ११२

श्रलबन्ना ख ५५४ श्रलबेला ब ४६३

श्रलंबलायन च ४६७

श्रलग क ४०६

त्रलमगाँच च ६२४

त्रलमस्त ब २२७, ब ३३१

श्रलमस्त होना व ३३३

श्रलमस्ती ज ३३४

त्रलल ग४५७

श्रललब्छेडा ग ४५६

श्रुलनाना ज ५६०

ग्रलवॉती भ ५४

श्रलस ज ४४५

श्रुलसता ख १८५

त्रलसाना च ७५४, च ७५५

त्रसहदर्गा व ८५६ असहदा व ८५५

श्रवहदी ज ४४५ व ६६०

श्रमात ड ४२२

त्रलान रः ३६६, ङ ४००

त्रलापना ख ५६

त्रलावा व ६१४

ब्रालाहाबाद च ११६

त्रसिंघर स ४५५

त्रसिंद म ६७७, च १४७, च १५६

श्रक्षि ग ५१६, ग ५७३, ग ६१३, ग ६५४, ग ६७७ वह६, च २०००

श ५०० च५५, य २००० ब्राली क ५२६, ग २७७, ग ६७७

त्रलीक व ४०६, ब ८४१

त्रलौकिक क २४०

ग्रह्य स १६०, व ५०३, व ४२६, व ६१०

श्रह्यता च ४२८

ग्रह्पशः च १०१५

ब्रल्पायु ग ४६१

ग्रह्ल म १

श्रह्लम-गह्लम ब ६२५

ग्रल्ला क ४२२

ग्रल्लामा स ६५

ग्रस्लाइ क प्ररे

ग्रस्लाइताला क ५२२

श्रवतिका क ५७

श्रवकाश च २, छ १, छ १५५

श्रवगत च १०५

श्रवगाइन भ ६८

ब्रवगाइना म ६६

श्रवगुण व ३६७

श्रवगुषी च ४७६, च ३६५

श्रवघट व ५७६

त्रवशाख १६०, व १४८

श्रवश करना च १६६, व १४६

श्रवतस 🕶 ३३७, 👺 ३३६

त्रवतर्य स ७२

श्रवतार ख ६१२

श्रवतार तेना क १५६

ऋवगरी क १५७

श्रवतार्थं क १५७

श्चवतीवर्यं क १५८ अवदात स २८, प १७३, प ४८० छा श्रवषपुरी च १११ ब्रविन च २ ६७, छ १६६ श्चात्रको स्व २२४ श्रवध्त क प्रमूद प्रविधेश क ३६६, क ३६८ ग्रवनित स रद्ध श्रवनति करना च ६१५ श्चवनति होना च ७०८ श्रवनद ख ६४ श्रवित च ६० श्रवमर्घ ख १४५ श्रवमानना व १६६ श्रवदेव स ११ श्वराधक के ३७ श्रवसंघन क २६ श्रवहद्ध च ७७७ श्रवरंव ज ६५ ग्राशोध च १७७, व ७८६ श्वरोधक च ७७६, च ७६० भवनेवना च ७०४, च ७७८ श्वारोषित च ७७७ श्रवरोधी च ७०६, च ७६० श्रवशंह ख ७२ झवरं।इच ख ७२ श्रावरोह्या करना क १५६ खबरोही ख ७८, घ ६५ श्ववर्ण व ४२३ अवर्णनोय व ६१८ अवर्षय स् २५३ धवलंब म २०२ अवलंबन का २०२

चवलि मा २६४ त्रवलेप क ३२३, ब 🖛 श्रवलेह क १३६ श्रवल कन खरपण, च ७३३ श्रवलोकना च ७२३ श्रवशिष्ट ङ ४६८.भ ४२६ त्र।शेप स ५६%, ज ४२६ अवश्य च ४२१ अ श्रवसर छ १, छ १४५ श्रवसाद ग १५४, च ७५२, म्ह ३६ श्रवसान क १७२, ग १५४, छ १४१, च दर्द श्रवसान होना ग १४५, च ⊂२१ श्रवमेर ऋं प्रक्षां व र६, व २२४ ग्रवस्था क ६६, छ १४८, ब ६४८, क 38 त्रवहित्या ख १८५ श्रवहेलना च २४६, च ३४८ अवहनना करना च १६६ त्राहेला व ३४८ ऋबहेला करना अ ३४६ श्रावाई व ६६६ श्रवाक ह ८६, च ५१६, च ६०३, च ६०६, # E 0 = ग्रवाक होना च ५०४, स ४४१ श्रविवस व ६०६ त्रविचार म १५८, म १६६ प्राविश्वित हु १६७ श्रविद्यमानता म २६० श्रविद्यमानता स २६० श्रविद्यास २३६. ग ८ ग्रविभक्त ब ८६० श्वविमाग्य 🗷 ८७७

श्रविरल छ १६७, च ५०७ श्रविरलंता ज ५०६ श्रविलव ब ४४३ श्रविवाहित भा २६ श्रविश्वसनीय स २५६ श्रविश्वासी व २५६ श्रवैध भः १८२ ब्रब्यक च २, क ११२, क ५५८ श्रद्यथा च १७६, श्रव्यय क ११२ श्रव्यवस्था भ १७५ श्रव्वल ख ५७८ श्रशकुन अ ४८० श्रयक्त ज ३६६, म ४२ त्रशक्तता ब ४०१, भ३६ श्रशक्ति भा ३६ श्रधन ङ ३६ श्रशात छ १६७, ज १२, ज १३ अशातता ज १५ त्रशाति ज १५, ज १३४, म १७५ श्रशालीन ज ३०१ श्रशालीनता ज २१०, ज २६८ श्रशिचित ख २४० श्राशिष्ट ज ३०१ श्रशास न १७० त्रशुचि ज ४१५, ज ५४३ अशुद्ध ज ४१३, ब ४१५, ब ८४२, ज ८४३ श्रशुङ करना ज ५४८ श्रशुद्धतः ज ४१६ श्रशुक्ति च ४१६, घ ५४५, च ८४१ श्रश्म ब ३०४, ज ४८० ब्रशोक क रद्भ, खु ६८

क्रशीच ज ४१५

श्रष्क ग ११६ ग्रहम च २४७ श्ररमञ्च रू ८ श्रारमशो घ ३३७ अभूग ११६ श्रभ्त ज ५१६ श्रश्लोल ख १६७ . श्रश्लेषा च २७, च ३६ श्रह्व ग ४५२, ज २८ श्रश्वत्थ व ६६ श्रश्वत्यामा क ४४१ श्रश्वपति क ४५३ श्राष्ट्रवपाल ग ४११ श्रश्वमेध क ८१, क ८३ श्रश्वशाला च १८८ श्रश्वारोही ख ३६२, घ १५० श्रश्विनी क २५०, ग ४५४, च २७, च २८ श्रश्विनीकुमार क २५०, क ३००, क ४२७ त्रवाद् छ ४५, छ ७१, छ ७३ श्रध्य व ६०६, छ १८७ 羽です 荷 年のり श्राष्ट्रघाती ग २४६ श्रष्टपदी ग ५४६, ग ६३१, घ ४०१ श्रष्टभूजी क १६४ श्रध्यम् ख ६०८ श्रदमी च २७२, छ १०३, छ १५६ श्राध्यक ज ५३५ ऋष्टावक गोता ग ५८२ श्रमंख्य ख ५७१ श्रसग अ ८४५ श्रासंगत ज ४२१ श्रसगति ख १६० श्रसंतुब्ह व ३६, व ४०

ऋषंतुष्ट करना ज ४४ श्रसतुष्टि च ३३४ इससंतोष का ३४, ज १३४ श्रसंतोषी अ ३६ श्रसबद्ध व ८५५ ग्रसंभव ख १६०, ज ६७२ श्रसगंध घ १५० श्रमण्डन ज ३०१ श्रमः जनता ज २६८ श्रमतर्क स २०३ त्रसत्य च ४०६ **त्रस्त्यता ज ४०**८ श्रमत्यवादी च ४१० श्रमबाब ङ ४१६ श्रमन्त्र अ २३१ त्रसम घ ६०, ज ४२३, ज ५७५ श्रमता भ ३६४ श्रातमर्थ मा १६७, च ३६६, भ ४२ ग्रसमर्थता ज ४०१ श्रासमान ज ४२३ ग्रसमत ज १८५ श्रमरल ज ६०, ज ६५ श्रमरलता च ६२ श्रद्धा छ ४६ श्रासल ख ३६६, ज ४१२ श्रमलियत प ४०७ श्रमली ज ४१२ श्रह्यं ३६३ श्रमहनशील ज ६६२ श्रसहनोय ज ३६३ बरुमत व १८५ इस्ट्राय भ २०३

प्रसाहया ब ८, व ३६२

श्रसहैया व ३६२ श्रमहाज ३६३ श्रमाद छ ३७, छ ४४ श्रसादी छ ४६ श्रमाधारण ज ४१८ श्रमाधारगता ज ४१६ श्रसाध्य रोग ख ५२० त्रसामाध्य च ४१८ ग्रसावधान ह ३१४. ब २०३ श्रधावधान होना ज २०७ त्रमावधानी च २०५ श्रसाहित्यिक ख १२६ श्रसिंड ४०६ श्रमित चर१,ज ४८० श्र श्रसीम च ६११ श्रमीम ज १७० श्रमोतना च १७१, च १७३ **त्रसु**रक २०७, क २६७, क ३४६, फ रे४८,च रेर, च ६०, छ १४३, छ २३६ श्रस्या ख १८५, ज २६२ असों छ ३४ श्रमोक घ ६८ श्रमोच ज २२७ श्रस्त भा ४३३ त्रस्तवल च १८८ अस्तमना स ४३४ श्रांतर ङ २३७ श्चस्तित्व देना ब ६४४ श्रस्त होना भ ४३४ श्रस्त-व्यस्त भ ४३७ श्रस्तु च १००६ ग्रस्तुति क २६ श्रस्त्रा ङ ५२३

ब्रस्तेय क १८, क ४७५, म २०६ श्र श्रस्त्र ग ३७, ग ६४, ग ११६, क ४०१ त्रस्त्रचिकित्सा स ४३४, स ५४० ऋस्त्र शस्त्र ङ ४०० त्रस्त्रागार च १८५ श्रस्थायी छ १५०, ज ८३२ ऋस्थि ग ६५, ग ६६ श्चास्थिपजर ग १०० श्रास्थिर क २१८, ज १२, ज १३ श्रिस्थरता ज १५ श्रस्थैर्य ज १५ श्रस्पताल ख ५४३ श्रस्पुश्य ग २६८ श्रस्वच्छ्रद ज ५४३, मा २३५ श्रास्य ख ५४६, म ४२ श्रस्वादु ङ ४८ अस्त्रादुता रू ४५ त्रस्वामाविक **च ३८६ ग्रस्वाभाविकता ज**३८८ ग्रस्वोकार ज १८६ ऋखंकार करना च १८७ श्रास्वीकाय ज १६१ ऋखीकृत ज १८६, ज १८२ श्रस्ती च ३०० श्रह ज ५, च ८८ ऋहकार ग १३७, ज ८८ श्रह शरी ज ⊏६ शहता ज ८८ श्रहवादिता जदद श्रहवादी ख ८६ श्रद्ध भा ४२३ श्रहदन।मा भ १८६

श्रहदी च ४४५

ग्रहन छ १३६, छ १४२ अहमक स ३६४ श्रहम् च ६३६ ग्रहरा च १३० ग्रहर्निश छ १४४ ब्रहलकार ख ३७५ श्रहल्या क २२२, क ३८६ श्रहसान ज २५ ब्रहाता च १४४, च १६१, च १६८ ग्रहार क ४८७ श्रहिसक भा ४४७ त्रहिसा क ४७५, के ४३% श्रहिंस भा ४४७ त्रहिक २६७, ग ५५८, च २३, च ३६, च ६०, च २६२ अहित ग २७६, व २६ श्रहिद्ध्यं ग ५६४ ब्राहेफला घ २६८ ऋदिफेत ङ १६३ श्रहिभच्ची ग ६०६ श्राहर ज क ३३० श्रहिराना च २३२ श्रिहिरिन ग २०६ त्र्राहरूया क ३८६ ऋदिवातो ग २७० श्रहीर ग २०५ श्रहेर ङ २७३ % ऋहेरी ग ३४८, ग ४१३ श्रॉकना च ६६४ श्रांकिक ख ६४६ श्रॉकुस ङ ३६८ श्राँख ख ५८२, ग १६, ग १३६, ग २४७, ष २४, ज ७२२

चाँस ग्राना स ४७८ प्रांख उठना स ४७८ आंख का कोना ग २० श्रांख का गोला ग १०२ चाँल ग ठहरना छ २६२ म्रांख फूलना ख ४७८ श्रांख भौ चढाना ज २३६ श्रांख मारना ज ७६५. ज ६८७ त्रांख लगना च ७६१ ग्राँखे दिखाना ज २३६ श्राँगन च १४५ श्रागलदेशो ग ३६५ आगिक ग १२ अ श्रॉचल ड २७३. च २८१ श्रांजन इ ३०१ अगंट ज ६२६ क्याँटना जाहर६ श्राँटा ङ २६३, ज ६२४, ज ६२६, ज ६३१ आहिंग घर, म ३६१ श्रांत उतरना ख ५०३ श्चारतबद्धि स ५०३ भादोलन ज १५, ज ७१४, म्ह १७५ ऋांदोलकारी क १७६ श्राधा अ ४६६ श्राधी ड ४६२, ह्र २६८ स्रॉय बायं अ ६२५ श्राव ख ४७० व्यक्तित स्व ५५० सावड च रदर श्रावला प ४५ कांस् न ११६ श्रांत शिराना ग १२० श्रांस बहाना ग १२०

40 -- 15

श्राइंदा छ १८५, सु १६४ श्राईना ङ ३२६ श्राष्टिन च १००६ श्राक्ष घ १०० श्राकर घ ४४४ श्राकर्षण क २७६, भ ३६६ त्राकर्षित क २७二 श्राकर्षित करना क २७४, भ ३६७ त्राकर्षित होना क २७५ श्राकलन करना च ८५८ श्चाकस्मिक च १०१३ श्राकात्तक ज १४० श्राकाचा च १३८, म ३७१ श्राकाचित ज १४२ श्राकाची ज १४० श्राकार क २२. ज ४६२ श्राकाश च ३ श्राकाशगगा क २५३ श्राकाशचारी क २६७, क २०७, क ३१३, क रे४८, ग ५६८, च ४, च २६ श्राकाशबेल घ १५१ श्राकाश मदन च २ श्राकाश विद्या ख ६४७ श्राक्तिलानी भ २३१ श्राकं।चेत ज ६० श्राकंटन व ३२१ श्राकुल ज १३, ज २२६ माकुलता व १६ आकुल होना च १८ ऋाकुलित व ५२६ काकृतिक २२, ला १३, ग १५, ग २८, स ४६२ बाकमधा व १५६, व २८७, फ २८०

श्राकात करना च २६१ आकांत होना च २६२ श्राकीड़ा घ ६ ब्राकोश च ६३, ज १७२ श्राकोशित ज ६५ श्राकोशित करना च १७४ ग्राक्लांत च ७५३ श्राक्लात होना च ७५१ श्राचिप्त ज १६० श्राचेप ज १५६, भ २२० श्राचेपक ख ५०५ श्राखडल क २२५ श्राखत र ६४ श्राखरख २२५ श्राखा ङ ४६२ श्राखान च २६८ श्राखातीज क २०८. छ २२० ग्राखेट क ३७३ श्र श्राखेटक र ३७३ श्र श्राखेटी ग ३४८, ग ४१३ श्राख्या भ २१ ग्राख्यान ख २०८ श्राख्यायिका ख २०८ श्रागतपतिका ख १६१ श्रागनवृता होना च ६६ त्रागम क भ्रे४, क ४३८, व २, छ १८८८ व १६० श्रागमणानी क ११२ श्रागमन च ६६६ षांगमन करना व ६६४ श्रागर ज ३६३ श्रागरता च ३६५

श्राग होना च ६६

श्रागार च १, च १४०, च १४१ श्रामा ग २३, ग ४६, ग ७६, ग ३८०, छ १८८ श्रागापीछा ज २३१ श्रागापीला करना ज २३२ श्रागामी छ १८८, छ १८६ ह्यागो क ३११ श्रागे छ १८६, छ १६३, छ १६४, श्रागे दक्तना ज ७८७ श्राम बढना ज ६६५, च ६७१, च ६७३ श्रागे बढाना ज ७८७, ज ७१७, ज ६५५ श्रागे रखना द ८१६ श्राग्नेय घ ४४८ ग्राप्रह ख ३४७. ज ७३ श्राग्रह करना ज ७५ श्राघात च २२५, ज ७०३, म २१४. भा २८० श्रापात करना भ रदर श्राचमन क २६ श्राचमन करना मा १२०, भा १२३ ग्राचरण ज २६४ ग्राचरण करना ज २६५ श्राचरशीय ज २६६ श्राचार क ५८६, व २६४ श्राचार पद्धति सा ३३१ श्राचार विचार भ २६४ त्राचार्यं क १७, ख २४१, स २७५ ग्राय क १५७, छ १८७, छ १६१ श्राजनम छ १४६ त्राजमाह्य ख २५० च ३८३ श्रावमाद्य करना ख २५४ श्राचमाथा ल २५१, च ३८४ श्रासमृदा ल २५१, च ३८४

श्राचा ग १६२ श्रानाद व २२७, च २४० त्राताद करना मे २३३ श्राज़ादी व २२८, म २३८ श्रानादी देना भ २३३ ऋाजिज़ ज १३६ श्राजिनी च ८० श्राजी ग १६३ श्राजीवन छ १४६ श्राज्ञा करना में २४१ त्राज्ञाकारी ग ३८३, भ २४२ आज्ञा देना भ २४१ ऋाशापक ग ३८० श्राशपत्र भ १८८ श्राज्ञापालक ग ३८३, भ २४२, भ २४३ भागपित च १२१ श्राज्य ङ १५७ ब्राटा क ६५, रू ६६ श्राटो ग ६६४ श्राठ ख ६०६ श्राठ श्राँस्रोना ग १२० श्राठवाँ स ६०८ श्राठांचिद्यों क २६२ श्राठोपहर छ १४४ चाडंबर क १२, व ३०८ श्राडंबरी क १४, व ३०६ श्राह्म व ३२१ श्राद स ८६, र २३८, म ७७२ साइना च ७७३ ग्राहा च ६४ आही ग ६६४

श्रातक क ४३५,क ४६१, ग-२३३,क २४६

श्रातंकित ब २३७ श्रातंकित करना च २४७ श्रातिकत होना च २३४ श्रातप च १०, भ १३४ श्रातपी क २६७ श्रातप्त ज ४२ श्रातशक ख ४५६ श्रातशो शोशा घ ५६६ त्रातिथ्य क ८४, भ ८४ श्रातिथ्यक ग ३७६ ऋातिशाक ३११, क ३१२ त्रातुर ख ५४६, ज १२, ब २२६ श्रातुरता छ १५८, **च १५, च १६, च** ४४४ श्रातुर होना ज १८ ब्रादुरो छ १४८, ब ४४४ त्रायुष्त होना व ३७ श्रात्म भ ४०५ श्रात्मकथा ख २०४ श्रातमपान भ २१६ आसमबातक भा २१७ श्रात्नचाती का २१७ श्रात्मज क २७१, ग २४० श्रातमचा ग २६० श्रात्मश्र क ७५ ब्रात्मज्ञान क ५६० श्रात्मश्रानी क ७५ त्रात्मता म ४०७ श्रात्मनिवेदन क ७३ भारमप्रधान ख २१० श्रातम-प्रशास व ३५७ त्राव्यवोध क ५५८ ब्रात्मभूक ११२, क १२३, क २७१, ग १५०

श्रातमविद्या क ५६७ बात्मश्लापा व ३५७ श्राव्यहत्या म २१६ श्चातमा क प्र्रः, ख ५७७, ग ४, म १२ ब्रास्मिक स्र ४०५ श्रायर ख १२७ ब्रायेन्स क ५०४ श्रादत च १, ४०२ श्रादमियत च २२१, च २२३ श्रादमी गर, गर, मा ४०४ श्रादमोयत ज ८७ श्रादर क २६, ज १५७, ज ३४२ श्रादर करना व १६८ श्रादरणीय क २६, ज ३५४ श्रादर देना च १६८, घ ३४३ श्रादरना व १६८, ब ३४३ श्रादरप्राप्त व ३४४ श्चादरभाव च ३४२ श्रादर संस्कार ज ३४२ श्रादाव व १६६ मादावरज्ञ च १६६ श्रादाबरक्ष करना च १६७ मादि क ११२, छ १७८, च ८१२ ब्रादिकविक ४६० श्रादिकाव्य क ५७६ च्चादित्य क २०४, क २०७, क २२५. क ५६७, ख ६१६ श्वादिनाय क ४८४ श्रादि पुरुष क ११२ श्वाहिम छ १७= कादेश भा २४**०** बादेशक ख २४१

कार क दक्ष

याद्वा च ३१ श्राध ख ५७५, घ १२५ प्राथा स प्रथप श्राधादिल च २३६ श्राधार भ २०२ श्चाधासीसी ख ४८६ श्राधि स ४३७, व १२४ श्राधकारिक ख १४० त्राधिपत्य मा १४६ श्राधीन में २३५ श्राघीनता स २३६ श्राधुनिक ख १७५ त्रानद ह ३६४, व ४५, व ४६, व ४७६ श्रानदकर च ४७८ ग्रानदकारी च ४७८ श्रानंदना व ४१ क्यानंड लेना मह ११५ धानदित ज ३६, अ ५१ आनंदित करना ब ४३ श्रानदित होना ब ४१ श्रानदों च ४८, इ. ५१ श्रानन्दी वैल क १७५ त्रान छ १२४, भ ४२३ यानद स १४ श्रानन ग १५, स २६, व ४४६ भाना स ६६६, ७ ८१३, अ. ८३ म ४३१, म ६६४ श्राम्बाद्यिको क ५६१ श्राप घ ४४७, घ ६६७ श्रापका ज ६६६ श्रापमा च २७१ ষ্মা বৰ্দ্ধনা স্ব ৬০৯ क्रमणीस स ५०

श्रापन स्र ४०५ श्रापरूप च १००० श्रापरेटस स रदर श्रापरेशन ख ५४० श्रापस घ ४५१, क ६, क ४०८ श्रापसी रू ४०८ श्राप से च १००० श्राप से द्याप व १००० श्रापस्तंत्र धर्मध्त्र क ५७७ श्रागा च २६६, ज ५, ज 🖙 म्रापाततः छ १६८, च १०१३ माप्रत च ५० श्राफ्रताव क २६७ श्राफ़िसर ख ३६७ ब्राफु क १६३ बान छ १४५, स २०७, ब ४६७ श्रावकारी च २०८ बाबदाना करेप श्रावदार छ २८८ श्रावद म २३५ श्रावन्यो ख ३१ श्रावह व ३२१, व ३४२ श्रामहवा ख ३२५ श्राम म ३५०, म ४६० श्वाभरण क ३२७ बाभा ख रद७, छ २६४, छ ३८३ श्रामार च २६७ श्राभारी व २६५ श्राभीर ग ३०५ ब्राभीरपस्ती च २३२ मामीरी ग ३०६ ष्माभूषण इ ३२७

श्राभीम क रहर

श्राभ्यंतर च ६२८ श्राभ्यं वरिक च ६८४ ग्रामत्रण भ ८१ श्रामत्रण देना भ ५५ श्रामत्रित भ ६२ ग्राम ल ४००, ल ४३५, घ ३५, घ ३६ ग्रामदा घ ४५ श्रामद ख ३८६, च ६६६, भि ३०२ श्रामद करना ज ६६४ श्रामदनो स ३८६, भ ३०२ श्रामः रक्तं ज ८५१ न्नाम बात ख ५०६, ख **५१६** श्रामय ख ४३५ भामरकातिसार स ४७० त्रामस्य स्त्र १४६ श्रापर्व व ६३ श्रामलक घ ४४, ध १४६ श्रामलके प ४४ श्रामला घ ४४, घ ४५ श्रामातिमार ख ४७० ग्रामःत्य ख ३५७ श्राभाइल्दी क २७ म्नामिष ग ६१, च १३१ ग्रामुल ल २६二 श्रामेतृना च ८४५ श्रामोद क ३७३, ब ४५ श्रामोधित च ५१ श्रामोदी ज ४८ ग्राम्नाय क ५३८ द्याम क २८४, व ३५, व २०८ श्राप्रगम द २७ श्राप्रचूर्ण ह ७७ श्राम्सपित स ४६७

काय स ३८६ श्रायत स ५७३ श्रायतन क १६, च १३० श्रायत भ २३५ ऋाया ग ४२३ श्रायात म २५७ श्रायास भा २८७ त्रायु ग १४२, ङ १५७, छ १४८, भ ^{२६} श्रायुष च २६२ म्नायुर्वल छ १४८, भ २६ श्रायुर्वेद क ५५६, ख २३७, ख ४२८ ख ४२६, ख ४३० आयुर्वेदी ख ५३८ श्रायुष्मान छ १५१, छ १५२ श्रायुष्य म २६, छ १४८ श्रायोजन भा १५७ श्रारम ल १४४, ब ८१२ श्रारभ करना ज ८१४ श्रारभकर्ता १६० श्रारंभ होना ज ८१३ न्नार घ ४५४, च २१, ज १४८, ज ३२१ श्रारक ख ३४ श्रारज्ञा ख ४३५ म्रारज् ज १३८ श्वारग्यक ५४५ श्राग्ती क २६, क ३५ श्रारतो करना क ३६ श्रारती उतारना क ३६ श्रार पार जाना भ ४१४ बारवल कु १४८, भ २६ भारवला ख १४८, म २६ ऋारभटी ख १६५

श्रारता क ३२६, क ३५७

श्चारा ङ ४८२, इ ५१३ श्राराधना क २६ श्राराचना करना क २७ श्राराधित क २८ श्राराम ख ५४७, घ ६, च १४०, ज ४६ ज ७६४ श्राराम करना ज ७६५ श्रारि च ७३ आगे ङ ४८२, ङ ५१३ श्राद ङ ४४५ श्रारूढ्यीवना ख १६१ त्र्यारोग्य ख ५४७ श्रारोग्यता ख ५४८ त्रारोह ख ७१, च १५७ त्रारोह्या न ७१, च १५७, च २५७, ज ७०१ श्रारोइया करना ज ७१० श्रारोही ख ७८, च ७११ श्रार्जव ज ६१ ग्रार्ट ख ३ श्रार्टिकिल ख २०७ श्रार्टिस्ट ख ८ श्रातं ख ५४६ श्रातंता ख ४८४ त्रात्तव ग १२८६ छ ६५ श्राधिक ख ३८६ श्राद्रे छ २३५, भ १४४ श्राद्वं करना भ १४३ श्रार्द्रता कु २३६ श्राद्रं हाना भ १४६ श्राद्वी च २७ श्रामंलेट ङ ३३३ श्रायं क ४४७, ग २२४, ज ४४०

श्रार्यता च ४४२ श्रार्थभूमि च १०८ श्रार्थ क १८५, स २०३, ग १६३, ग १६० श्रायीवर्त च १०८ श्चार्ष ग १५२ ग्रालवन ख १८३ श्वालकसा अ ४४५ श्वालकक ग ३५७, ड ३२४ शालता इ ३२४ श्रालम च १०३ श्रालय च १, च १४० श्चालवाल घ४, इ४४६ श्रात्रस होना ज ७५४ श्वानसी छ १६५, ज ४४५, ज ६६० श्वासम्य छ १६३, ज ४४६ श्रालस्य करना ज ७५४ ष्राला च १६० श्रालान ड ३६६, ड ४०० श्रालिंगन करना व १५२ श्रालि ग २७७ श्रालिम ख २३६ श्रालो ग २७७, ग ५७३ ष्माञ्चक घ ३०६ श्रालुघ ३०३, घ ३०६ श्रालुचा घ ६२ श्रालुकारा ध ३६७ प्राहेख्य ख १३ श्वालोक ड ४६०, च ६, छ २८७, छ ३८३ श्राकोचक स २११

श्रालोचना स २०४, व २०६

काल्डा ल २०३

श्रावयगत ज ३४२

श्रावमगत करना च १६८ श्रावरण इ २८६ श्रावर्त च २७६, छ २४३, ब २२४ त्रावश्यक च ४२१ त्रा श्रावश्यकता च ४२१ ई त्रावश्यकीय ज ४२१ त्रा त्रावाज़ ख ६४, ज ५८८, ज ६३७, ज ६४४ श्वावाच लगाना च ६०० श्रावाजाही ज ५५१ श्रावारा ज २७१ श्रावास च १२६, च १४०, च २०६ त्रावाहन ज ५६६ न्नाविभूत करना ग १४६ त्राविष्करण ख २८४ श्राविष्कर्त्ता ख रद्भ श्राविष्कार ख २६४ न्नाविष्कारक ख २८५ त्रावृत होना च ७८० श्रावेग ख १८५, ब ४, ब ६३ श्रावेदनपत्र भा २५० ऋावेश ज ४, ज ६३ श्राशका ज २२६, ज २४६ श्राशकित करना च २३५ श्राशना ग २६६ श्राशनाई च १४५ श्राधान प ४६, भ ३७१ त्राशा च ७५, ज २१२ ऋ श्राशा देखना व ४५३ ऋाशावान होना व ४५३ श्राशा होना ग १४१ आशिक ग २६६ श्राशिप ज १७० स्राशीः व १७०

याशार्वचन च १७० श्राशीर्वाद ज १७० श्राशीर्वाद देना ज १७१, ज १७३ श्राशु ग ४५२, छ १५६, ज ४४३ श्रा**श्चर्य भा४३**८, भा४४० श्रार्चर्यचिकत होना ज ६०४ श्राह्वर्यजनक च ४१८, भ ४३६ श्राश्चर्यान्त्रित भा ४४० श्राभम क ६६, ख ५६१, च १३०, च १४०, च २०५ श्राभय ज ७७२, भ २०२ श्राभय लेना ज ७५३ श्रारतेषण च ८४६ श्राष्ट्रवस्त च १३५ श्रारवास च १३३ श्रार्वामन ज १३३ श्राश्वित छ ५१ श्राषाद् छ ४५ त्रासदो क १०७, ह ५०८, ङ ५०६ श्रास ज १३८, ज २१२ श्र श्रासकट ह २४७ श्राप्तकतो ज ४४५ आसक्त गर६६, ज ११२, ज १५३ श्रासक्त करना ज ४७२ श्रासक्ति रखना च १५१ श्रासक होना क २७१, ज १२४ त्राहित च १२७, ज १४५ ब्रासन क १०७, ग६, ङ ५०६, ङ ५०८ श्रासन ग्रह्म करना ज ७५० श्राप्त जमाना ज ७५० श्राप्तन लेना ज ७५० श्रामना ग ६, घ ६०

श्रासनी क २०७, क ५०८

ग्रासन व ६७६ अप्रासमान च ३, क २३८ श्रासमानी ख ४६ ब्रासरा च २१२, च ४५४, म २०२ श्रासरा देखना च ४५३ श्रासव ङ २०५ ग्रासा च ७५ श्रासान च ५८, ज ६५७ श्रासानी च ६१ श्रासामी ख २२१ श्रासार छ २४१ श्रासावरी ग ६३५ त्रास्टा ज ३५ श्रास्दा होना ज ३७ श्रासुत ध २६४ श्रास्केट ड २४७ श्रास्तिक क ४१८ त्रास्तिकताक १२० श्रास्तीन द २४४ श्रास्था ज ३४२, च ६२५ ब्रास्पद च १, च १४०, म. १, म. २ त्र्यास्फोटक घ ३५६ श्रास्य ग १५, ग २३ श्रास्त्राद् भ १२४ श्राम्बादन करना के १२५ श्राहर ब ६४४ श्राइत व ३४४, स २७६ श्राहार ङ रेह **त्राहा**र करना भ १८७ श्राहिस्ता ज ४४७ त्राहिस्ता त्राहिस्ता ज ४५० त्राहुत क ८१, भ ८२ ब्राहुति करना क ८२

माहूति का ८२ माहिक ख २६६, छ १३७ माहान का ८१ माहान करना च ६००

3

इगरेज ग ३६५ इगित अ १८६ इगुर क ३४० इगुरौटी ड ४८८ इंजील क ६०४ इंतकाल ग १५४ इतनाम क १५७ इतन्नामकार ख २८७, ग ३७५ इतनार च ४५४ इतबार करना च ४५३ इंदारा च ३०७ इंदिरा क १६३ इदोवर घ रेन्द्र, घ रेहर, घ ४०८ इंदु के ३०७, घ १५७, च २६२ इंद्रें क २२५, क २२६, ग २२४. प १७३, च ४५, च ७८ इद्रजाल मा ३२६, मा ३२७ इद्रजित क ३६३ इदुकात घ ६०० इद्रधनुष व ४८२, छ २५२ इंद्रपुरी क २३७ इद्वप्रथ च १२२ इद्रलोक क २३७ इद्रवचा स २०३ इंद्राची क १६७, क १६४, क २००, क २२३, क २२४, क २२७, क ८८

इद्रायन घ १४७ इ द्रय ख ५६६, ख ६१२, ग ७६, ग १२६, ग १३४ इद्रियनिग्रह क १८ इधन ङ ४२३ इसान ग २ इसाफ़ भा १६४ इकट्टा ज ८६० इक्ट्रा करना ज ८५८, च ८६६, च ८०६ इक्ट्रा होना ज ८५६ इकवारगो छ १६८, ज १०१३ इकवाल क १७१ इक्सम म रूप इकरार घ ४२५, भ ४२७ इकरारनामा भ रेप्ट इस्ला व ६१६ इक्लौता ग २५४ इकहत्तर छ २४ इकादशी छ १०६ इक्का दुक्ता ज ६२१ इत्तु प २४६ इच्चनल्ली घ १६४ इद्याकु घ २६६ इच्छाज १२३, ज १३८, म ११३, म ३७१ इच्छा करना ज १३० इच्छाविहोनं ज १४१ इन्छित घ १४५ इन्द्रुक अ १४० इन्साहल क प्रश्य इबलाम भ २२० इबलास च २२४ इब्रहार क १६१

इंबाज़त च १६४, भ २४०

इज़ार ङ २६४

इनारवंद ङ २६५

इंज्ज़त च १७७, ज ३४२

इज्ज़त उतारना च ३४६

इंज्नत करना ज १६८, ज ३४३

इंज्ज़तदार ज ३४४

इज्ज़त देना ज ३४३

इठलाना न ७६, न ६०

इड़ा क १३०, क १६४, क २३८, ग ४६६,

च ६०

इतबार ज २५३

इतिमनान च ३३, च १३३

इतमिनानी ज १३५

इतर ङ ३१२

इतराना च ७६, ज ६०

इतस्ततः च ६६१

इतिवृत्त ख ३१६

इतिहास ख ३१६

इतिहासश ख ३२०

इतिहासिक ख ३२१

इसपाक ब ८५०

इम ङ २१२, ज ८४

इधर उधर च ६६२

इवर-उधर करन। ज ८६३

इधर-उधर होना ज १७, ज ६८५, ज ८६५

इधर की उधर करना ज १६५

इनकलाव का १७५

इनकार च १८६

इनकार करना ज १८७

इनसान ग २

इनसानियत ज २२१, ज २२३

इनसाफ क १६४

इनारा च ३०७

इनाइन घ १४७

इनकार करना ज १८७

इप्सित ज १४२

इबलीस क ५२६

इबादत क २६

इबादत करना क २७

इमलनास घ १८८

इमली घ ४६

र्मसाल छ ३४

इमामबाडा क ५१२

इमारत च १४०, च १४१

इमिरिती ड १७६

इम्तहान ख २५०

इम्तहान लेना ख २५४

इरा क १३०, क ४५२, ङ २०५, च ६०,

च २६२

इराकी ग ४६२

इरादा भ ४२७

इरावत क ४२४

इलजाम भ २२०

इला क १३०, क १८५, क २२३, क

४५१, च ६०

इलाक्रेदार ग ३७४

इलाभ ख ५४४

इलायचो ड ७५, ङ १८६

इलाहाबाद च ११६

इलाहा क ५२२

इल्तजा ज १७६

इल्म ख २३५

इल्लत ख ४३५

इल्लाख ५०२

इव ज ४२२

इशारा च ६८६ इशारा करना च ६८७ इरक च १४५ इश्तदार च १२२ इषग ख ४४१ इषा च १३८ इष्ट ग २७८, घ २६७, छ १ इंब्टिक ८१, च १३८ इसकेल ख ३१२ इसपात घ ४५२ इसबगोल ध १५३ इसराज ख ६७ इसलिए ज १००६ इस वर्ष छ ३४ इस्तक्ष्वाल करना च ६६६ इस्तद्वा च १७६ इस्तदा च १७६ इस्तेमाल भ ३०६ इस्पात च ४५२ इस्म भ २१ इस्मशाराक का २१ इसाफील क ५२८ इस्लाम क ५०५ इस्लामी ग ३५६ इहामृग ख १३५

ई

इंगुर त ३१० इंब्रुय ग १६, ज ७३३ इंक्रुय २४६ इंक्रुना च १३६ इंक्रुन च १३८ इंक्रुन ग १६

ईबाद स २८५ ईं जित क २८८ ईज्य क २६, च १६, ज ३५४ ईज्याक २६ ईठना व १३६ ईति ख ६०० ईट छ २२५ ईदगाइ क ५११ इंदुलनोहा छ २२६ ईदुलफ़ितर छ २२५ ईनाम भ २८४ ईप्सा ज १३८ ईमान क १, क ५०७ ईमान बरतना क १५ ईमानी क २ ईध्यों उद २६२ इंध्या करनेवाला च २६३ ईश क ११२, क **१६५, क ५५८, क** ५५**६,** ख ३४६, ग २२४, ग ३८०, च ७८ ईशरव क २६४ ईशा क (६४ ईशान क १६५, क २६७, क ४७७ ईशानकोगा च ७६, च ८४ ई थ्वर क ११२, क १६५, क १६८, स् ५७७, ग २२४ ईश्वरस्य क ११७ ईश्वरगीता क प्रदर ईश्वरवादिता क १२० ईश्वरबादी क ११८ ईषणा ज २६२ ईषत् ज ६१० इंग्नाज १३८ ईसबगोल घ १५३

ईसवी छ २७ ईसा क ५०२ ईसाई क ३ ईसामसोह क ५०२ ईहा च १३१, च १३८ ईहामृग ग ५१४

उ

उँगली ग ६७, ग ८८ उँघाई ब ७५८ उचन ङ ५०३ उँड़ेलना ज ६०५ उभ्रण ख ४०२ उन्ध्रेग करना ख ४०३ उऋण होना ख ४०१ उक्चना च ८५४ उक्टना भा १३२ उकटा भ १२८ उकताना च १८ उक्लाई ग्राना ख ४६८ उकलाना ख ५०० उक्वत ख ४६५ उक्ता व ६८४, ब ६०० उकाई ख ४६६ उक्त ज ६१५ उक्ति ख २७१, ज ६१४ उद्धा क २६७, ग ४८३ उत्तु घ २४६ उखदना क २८०, च ५७०, च ८५४, च 003 उखाइना क २७६, च ८५३, च ८६६, ज ६०१, ज ६३५

उखादा च ६०३, च ६६३

उगवाना च १८ उगना ग १४५, ज १७, व ८१३, च ८१७, म ३१६ उगलदान ङ ४७२ उगलना च ८६६ उगाना क ३१५ उगाहना ज ८५८, ज ६०६ उगिलना ज ८२६ उम्र क १३४, क १६५, क २६७, व ७७, न ३७८ उग्रगधा च ११८, च ४१७, च ४०६.ङ ७६ उप्रता स १८५, ज ७६, ज ३७६ उप्रतारा क १६५ उमा क १६४, क ७६ उसकता ज ६८४ उचरका ज ४१८ उच्दता क २८०, ज १२५, ज ८५४ उच्छा क २८२, ल १२३ उचडना ब ८५४ उचाट ब १२८, क रेंदर उचारना क २७६, ज १२३ अ, ज १२६. ज १२६, ज ८५३ उचार होना ज १२५ उचाइना ज ८५३, ज ६०१ रचाडा च १ >३ डाचत ज ४२० उच्च च ६६, च ४४० उच्चरवर ख ६५, ख ६६ उच्चता अ ४२७, अ ४४२ उच्चरित करना ख २४६ उच्चाटन क २८१, १२८ उच्चाटन करना क २७६, व १२६, व १२६, ब ८५३

उच्चाटन होना 🕏 रेप्प उप्याट होना क रद्र उच्चाटित क रदर उच्चाटित करना च १२६ उच्चारग करना ख २४६ उस्वैभवाक २२६, क ३०३, ग ४५२, व ४८२, ज ५१६ उच्छुब्रुलता का २३८ उच्ह्याच ख २८६, ज ७१३ विश्वष्ट क्ष १४, ड ४६८, उद्धाग ४६, ग७६, ग १६६ उद्यलकृद ज ६८१ ठखनकृट करना ज ६८३५ उक्रलना ग ५२०, ज ६८३, मा ३५१ उद्याल च ५६, च ६८१ उद्यालना च ६८२ उद्याल मारना स ६८३ उद्घाह व २१० उद्घादी ब २१४ उबद्व ब ७७, ज ३६४ उबद्भान व ७६, व १६६ उब्ह्ना व ५७० उबक्क च १६४ ठबरत ल ३६५ उबराना छ १६० ठबस्त छ १५८ उब्रह्मा ख रूप उवलापन स २६ उबाइ च २२६, ब ५६८ उद्याद होना स ५७० उदाला ह्य ३८३ खंबनाता 🖣 ३८३ जजेला 🖷 ३८३

उजेला पद्य खु प्रध उजेलो रात छ १४५ उज्जयिनी च १२१ उच्जैन च १२१ उब्बल खर्द घ ४४८ उज्वलना ख २६ उभक्ता ज ६८४ उभिना ज ६०५ उटज च १४२ उटना ग ४५५,ग४७६, ज ६८४, ज ७४६, ज ७६६ उठाईगोर ग ४१८ उठाना ज १८३, ब ७७० उडुबर घ ५१, घ ४५० उहु च ४, च २६ उद्धप क ३०७ उद्वर्धत क ३०७ उद्धराज क ३०७ उडेलना च ६०५ उदद घ २५४ उद्दर्भा ग ६०० उड़्प ङ ३८१ उड़ाना व ८६७, भ ३०७ उदा लेना भ न्र उड़ाउँ च १२६ उदिया स ५२% उद्धिंग ५५२ उद्देश ग ५५२ उद्देवना च ६०५ उद्देश च ७०३ तद्का य ७०१ उद्देश लगाना ज ७८८

उतरना क १५६ ग १४५, ज ६८६, च न्प्र४, म ४१४ उतराव ज ५६५ उतराई ख ४१५ उतराना भ ४१८, भ ४२० उतार ज ५६५ उतारना ख २६४, ज ७२१, भ २३३ उतारा भ ४३० उतावला छ, १६४, ज १२, ज १३, ज ४४४, ब ४४८ उतावला होना ब १८ उतावली छु १५८, छु १६२, ज १५ ज उतावली करना व १८ उत्कठा ज १३८, ज २२४ उत्कठित च १४० उत्कठित होनः च १३० उत्कंडिता ख १५८ उत्कर ह दर, ङ दर, ज ३४० उल्हरता च ३७६ उत्कर्ष च ४७७ उल्क्या ग ५५२, ग ५५४ उत्कृष्ट च ४७४ उन्हृष्टता ब ४७७ उत्कोच ख ४१६ उत्कोचक ख ४१७

उत्कृष्य ग ४५२, ग ४५४
उत्कृष्ट व ४७४
उत्कृष्टता व ४७७
उत्कोच व ४१६
उत्कोच क ४१७
उत्काच ग १५४
उत्पामन व ७०६
उत्पामन व ७०६
उत्पामन व १३५
उत्पामन व ४१०, व ४७५
उत्पामन व ४१०, व ४७५
उत्पामन व ४७७
उत्पामन व ४१०, व ४७५

उत्तमाग ग १३ उत्तर ख २६७, च ७६ च ७६, च ८० उत्तरगीता क ५८२ उत्तरदाता ज ३८० उत्तरदायित्व ब रेदर उत्तरदायो ज ३५० उत्तरपुरास क ५६१ उत्तरप्रत्युत्तर ख २६६ उत्तरा क ४२१ उत्तराफाल्गनी च २७, च ३६ उत्तरामाद्रपदा च २७, च ५४ उत्तराषाद्व च २७, व ४७ उत्तराह्न छ १२६, छ १३३ उत्तरीय ड २७४, ड २८४ उत्तान ज ५८ उत्ताप क १३५ उत्तिक होना ज ७४६ उत्तेबक ब २१८ उत्तेजना ज २१६ उत्तेजित करना च २१७ उत्थान स ७०६ उत्थान करना ज ७४६ उत्पत्ति ग १४४, घ ४४५, च ८१२

उत्पात्त ग १४४, च ४४४, च ८१२ उत्पन्न च ८६ उत्पन्न करना ग १४६ उत्पन्न होना क १५६, ग १४५, ज ६१७ उत्पन्त च ३८८, व ४०७ उत्पात क १६६, क १७४ उत्पात क १६६, क १७४ उत्पाती क १७६ उत्पन्त च ३८२, च ३६

उत्सग ग ४६, ग ७६ उत्सग ग ४६, ग ७६ उत्स्*गं भ*, ४३० उत्सर्वन ज १६५ उत्सव छ ४, छ २०१ उत्साह क ४८०, ख १८६, च २१२, च २१६ उत्साह बढाना च २१७

उत्साह में होना च २११ उत्साहहीय ज २१५ उत्साहहीनता च २१३ उत्साहित करना च २१७ उत्साहित होना ज २११ उत्साही ज २१४, भ २८८ उत्सुक व १४० उथलपुयल भ १७५, भ ४०० उयला च ५६५ उदिधि च २६४ उदिक्लाव ग ५१४ उक्षांत व ६०६ उदर गप्र, ग७७, ग ११३ उदान ब २२ उदार च २३, ज ५६, च २०१ उदारता ज २० उदास छ १६५ च ५६, च १२३ उदात होना क र⊏०, म १३२ उदासी क २८१, व ५७ उदासीन ज ५६, ग १२३ उदासीनता क २८१, ज ५७, ज १२८ उराहरण ख २६३ उद्गार घ २२३ उद्देश ब ७७ उद्देश व ३६

उद्गीपन ख १८३

उदीप्त घ १७७

उद्देश्य भ ३७१ उद्धृत घ ७७ उद्धव क १५३ उद्घार ङ ४२०, म २३० उद्धार करना भ २३३ उद्धार पाना भ २३१ उद्धृत करना च १६८ उद्भव ज ८१२ उद्भावना च ८१२ उद्भिज्य २ उद्यत ज ३ ५६, भ २५७ उद्यम क २८६, क २८७, क ३०३ उद्यमी भ २८८ उद्यान घ ६ उद्योग भ २८७ उद्योगी भ २८८ उद्भिग्न च १३, च २२६ उद्भिग्नता च १६ उद्भिग्न होना ब १८ उद्वेग ज ४, ज १६, ब २२४ उध्दर्भा व ८५४, व ६०० उषम म १७५ उघाइना व ७१६ उधार स ३६८ उपार करना च ७६६ उधार वेवाक करना ख ४०१ उधार लेना स ४००, स १६६ उपेइना च ८५३, च ६०१ उपेहा ज ६०३ उनीदा च ७६० उन्नत च ८६ उन्नति न १८८ उद्याते करना च ६७१, व ७४१, च ६१७

उन्नतोदर व ५३१ उन्नावी ख ५५ उन्नीस ख ६२४ ज ४२६ उन्नोस होना न ६१४ उन्मत्त ङ २०२, ज २०३, ज १३४, ज उन्मत्तता ज ३३४, ज ३३७, ज ३४१ उन्मन ज ४६ उन्मादन क २८३ उन्माद ख १८५ ज ३४१ उन्मादी ज ३४० उन्मोलित ख १६० उन्मुख च ३७६ उभ्मूलन करना ज ८५३ उन्मु'लम करना च ८५३ उन्स्यित ज १४५ उगकरक के ३६, उ ४१६ उपकर्ता अ ३० उपकार ज २८ उपकारक हा ३७, ख ३० उपकारिका च १७१ उपकारिता ज २८ उपकारी च ३० उपकाय च १७१ उपकृत ब ३२ उभ्धति ज २८ उपमह ग ३७२ उपघात ख ४३५ उपचार ख ५४४ उपचारशास्त्र ख ४४८ उपज व २२४ डपबना क रेप्रव, ब द्रश्व, क ३१६

उपबाज च १०१

उपरन क रेररे ठारना च ३६१ उपदंश ख ४५६ उग्देशक ख २४१ उपदेष्टा ख २४१ उपद्रव भा १५८, मा १७५ उपद्रवां भ १७६ उपधान ड २८७ उर्वाधिया ग रूप् उपनयन क हत् क १०६ ग १५०, छ ४ उपनागरिका ख १६३ उपनिषर क ५४५, क ५५७ उपनाम क रेपरे उपनीत ग १५० उपनेष ६ ४ उपन्याम ख २०४, ख २०८ उन्धामकार ख १२७ उपपनि ग २२७ उपपत्ति भ्र १६२ उपपत्नी ग २२८ उपमाषा उ २२१ उपभोग भा ३०६ उपभोग करना म ६०७ डवयुक्त ब ४२० उपमा ख २६४, क ३६३ उपयुक्तना च ४०७ उपयोग म ३०५ उपयोगी कला ख १ उगरना इ २७४ ज ८५४ उपरनी व २७४ उपरात छ १६३ उपराग ख २० च २४, च १७६ उपराचढी ब २६५

उपरी ड ४२४ उपरोडपरा ज २६१ उपरोक्त च ६१६ उपल च २४७, ज २३६, छ २५८ उपलब्ध भा रे४६ उपला ङ ४२४ उपयम घ १ उपवासं क प्र उपवास करना क ५३ उपविष्ट होना ज ७५० उपवीत क १०६ उपश्म ब १४ उपवेद क प्रम् उपशास्त्रा ध १७ उपसर्ग अ १६५ उपनब्ध करना भी ३५० उपस्थ ग ७६, ग ८०, ग १३८ उपस्थान ज ६०५ डपस्थित च ३७४, भ २५७ उग्रियत हाना ज ६६४ डपरियत रहना क २६१ उपस्थिति क २५६ उपहासित स्व १८१ उपहास ज १५६, ज ३७२ उपहार का रद्भर, का रद्भर उपांग क प्रद्यू डशक्यान ख ३१६ जगाबि क २५३ डपाध्याय स्व २४१, ग २८८ उपानह क २६७ उपाय क ३७० उषारमा च ८५३ जपानंभ भ ३४५

39----

उपास क प्र उपासक क ३७, क ६२, ग २६६ उपासना क २६ उपासिका ग २६७ उपासनीय का २६ उपासी क ३७ उपास्य क २६ उपेन्द्र क २२८ उपेंद्रवज्राख २०३ उपैना च ३८६ उपोद्घात ख २६८ उफ्तना स १०६ उपनाना भ १०६ उफान ज २१२ उबकना ख ५०० उनकाई ख ४६७, ल ४६६ उबकाई ग्राना ख ४६८ उबरन ह ३२३ उन्हलान्ड न राज्य उबरमा भ ४३२ उबरा के ४२६ उचलना भा १००, ज १०६ उनल पड़ना न ६५ उत्रसना भा ३६५ उबार मत २३० उबारना भ २३३ उबाल अ २५३ उबाल श्रामा भ १०६ उनाल खाना भी १०० चशलना क ६०, क ६८, क ६६ उनेने ब ६८६ तमहनाग ४७६, ब ६८४, ब ६००, ¥ 38€

उमग ब २१२ उमंग च ४, च २१२ उमंगित होना च २११ उमगना ज २११, भ ३१६ उमदा ब ४१८, ब ४६३, म २६७ उमदा ज ४१८, ज ४६३, भ २६७ उमहना ब ६८४ उमर हर १४८ उमस छ ६६, भ १३५ उमापति क १६५, क १८५, क १६४, व २६५. उमाइ व २१२ उम्दा ब ४७५ उम्मीट ब २१२ श्र उम्मीदवार का २५१ उमेठना ब ६७ उम्र छ रे४८, भः रहे उर ग ४६, ग १३०, ग १३३ उरग ग ५५८, घ ४५८, च ३६ उरगाद क १६० उरज ग ५० उरबात ग ५० उरद घ २५४ उरदो घ २५४ उरसिज ग ५० उग्नि ख ४०२ उद्देश ८४, इ ३१० उरेखना ख १५ उरेब घ ६५ उरेह ख १२ उरेहना ख १५ उरेहा ख १७ उरोज ग ५०

उर्द घ २५४ उदी घ २५४ उद् ख २२४ उर्ध्व च ८६ उर्ध्वरेता क १६५ उर्दध्वलोक क २३८, च ३ उर्फ भ ३८३ उर्मि च ६०, च २७८ उमिल ब ६० उर्मिला क ३७१ उर्वरा च ६०, च १०१ उर्वशी क २४८ उर्वी च ६० उलभन ज २२४ उलमाना क २६५, ज ७८१ उलभाना ज ७८२ ज ७८३ उलमाव ब ७८४ उलरना ज ६०, ज ६७५, ज ८६६, ज ६०५, म ४०१, म ४०२ उलटना पुलटना भ ४०१ उलटा ज २८६, ज ४२१, ब ८४१ उत्तरा-पत्तरी म ४०० उलटा पुलटा मा ४३७ उलटी श्राना ख ४६८ उलटी करना स ५००, ब ८६६ उलटी सांस लेना ज ७१२ उलाइना भ ३४५ उलाइना देना भ ३४६ उलीचना च ६०५ उल्लंग ६५२ उत्तुखल ङ ४६४ उल्लंपी क ४२३ उल्का ङ४६०, ख २८०

उस्टी ख ४६६ उल्था ख ३०१ उङ्गत ब १४५ चरूफ़ती च १५३ उल्लंघन करना ज ६८६ उल्लंधित ब ३६ उल्लंसित होना च ४१ उल्लाप्य ख १३४ उल्लाला ख २०३ उल्लास ज ४५, ज २१२ उल्लासो ज ४८, ज ५१ उल्ला ग ६५२, ज ३६४ उल्लुबोलना ज ५७० उस्लेख ख १६० उशोर घ १७३ उपर च १०० उपा क २२३, क ४०४, ङ ४३१, छ, १२६, ख १३१. ख १३४ उषापति क ४०३ उद्ध ग ४५० उध्याक ३१६, घरद्द, छ ६६, भर १३७ उष्णत्व भा १३५ उष्ण होना भ १४१ उब्बागम छ हर उच्छोष ङ २३८ ङ ३३७ उष्मब ग ६७६ जन्म ख ६६, म १३५ उष्मा ख ५२०, ग १२१, ग १२४, ब ६६, ब ६३, भ १३५ उपागम स ६६ उत्तकाना ज २१७ जस्ताद च ३६७

डस्तादी व ३६८

उस्त्रा ङ ५२३

उ

ऊँघ ज ७५७ ऊँघता इच्छा च ७६० ऊँघना ज ७५४, ज ७५५ ऊँचा च ८६, ज ४४०, ज २६७ ऊँचाई ज ४४२ कॅचा-नीचा र ५७५ जॅचा स्वर ख ६६ ऊँट ग ४५० जद्र ग ५३२ जख घ २४६ जलल ड४६४ ऊजह ज ५६८ अजर ख २८ ऊटपटांग ज ६२५ जढा ल १६१ जद ग ५६४ अद्विलाय ग ५६४ उदा ख ४६, ग ४६३ अवम स १७५ उद्यमा ज १७६ जन ङ २२४ **अनी** ३ २२५ अपर च ७६, च ८६ उपर शाना व ६८४ उपर जाना ज ७१० अपरी ब ३०६, ब ७३६ जबना च १८, व ३७ उक्ष ग २६४ उर्घरवी च २१६ उद्धं ङ २२४

कर्यानाम ग ५३६ कर्ष्य घ ४४, ज ४४० कर्मि च २७८ कर्मिमाली च २६४ कर्लेन ङ २२५ कर्षा क ४०४, छ १३६ कर्षा का छ १३६ कर्षा का २६२, मा १३५ करमा छ २६२, च १३५

昶

श्चक क ५४१, क ५४३ ऋक् सहिता क ५४६ ऋक्य घ ४४८, भ ८, भ ६ ऋत् ग ५००, ङ २५, च ४, च २६ ऋख्यति क ३०७, क ३८४ **भ्रह्मराज** क ३८४ ऋग्वेद क ५४४ श्वचा क हरे, क हर, क प्र४१ ऋजु ज ५१, ज ५८, ज ३०० षाजुता ज ६१, ज २६७ श्वास ३६८ ज २६७ ऋग साना ख ४०० ऋग चुकाना ख ४०१ चार स ४०४ ऋया देना ख ४०१ ऋब पाटना ख ४०१ ऋणमुक्त ख ४०२ ऋय सेना ख ४०० ऋषः ख ३६६, ग ४२४, ज २६५ 🌹 संग ६, ज ४०५

ऋतु ख ६००, च ७४, छ १, छ ६४, ६ ६५ ऋतुराज छ ४ ऋतुराज छ ४ ऋतुराव ग १२८ ऋत ख ३६८ ऋति क २६५, ख ३८० ऋषम क १५४, र ७०, ग ४८३, घ २६३ ऋषम क ४५४, र ७०, ग ४८३, घ २६३

Ų

एक ख ५७७ एकश्रंला च ४६५ एकच्त्रं ख ३४१ एकबद्दा भः ६ एकटक देखना ज ७२६ एकतत्र ख ३४१ एकता ल ५७६, ज ४२४, ज ८६. एकत्र ज ८६०, ज ८६१ एकत्र करना ख ५५६, ज ८५८, ज ८६६, ज १०१ एकत्र होना ज ८५६ एकानित ज ८६० उकात्रत करना ज ८५८, ज ८६६ एक त्रित होना ज ८५६ एकल ख ५७६ एकदत क १६२ एकनयन ग ६५४, ज ४६५ एकनामिक्स ख ३७६ एकनामिस्ट ख ३८३ एकबएक ज १०१३

एकबारगो छ १६८, ज १०१३ एक में करना ख ५५६, ज ८४५, ज ८७४ एकरंग ज ४२२ एकरार करना ज द्रुप्र एकरूप ज ४८३ एकरूपता ज ४२४ एकला ख ५७८ एक्टा ज ४२२, ज ४८३ एकांकी ख १३६ एकांकीकार ख १३८ एकाग घ १३० एकान च ६२२, च २२७ एकातगृह च १७५ एकातता ज ६२० एका ज ८५० एकाई ज ८५० एकउंटिट ख ६४१ एकाएक छ १६८ ज १०१३ एकाएका छ १६८, ज १०१३ एकाकार ज ४२२ एकाकारिता ज न्प्र एकाको ज ६१६ एकाल क ४५३, ग ६५४, ज ४६५ एकावर क ५५८ एकात्मकता ज =५० एकादश ल ६१५ एकादशी स्त्र १०६ एकावली ख १६० एकोकरसा ज ८५० एकेंद्रिय ग ५६६, ग ५३७ एककम छ ६५ एक्का ङ ३८७

एक्समस ख २२८

एजेन्ट ग ३७५ एडिटर ख २६२ एइ ग ८७, ज ५१६ एड़ी ग ८७ एतबार ज २५३ एतबार करना ज २५४ एनवेलप ख ३१५ एरड घ २६७ एसकी ग ४५२, ग ४६१ एरावत हाथी घ ४८२ एरावती ग ४३६ एनचो ख ३६६, ख ३७० एला ङ ७८. ङ १८६ एलोपैथी ख ४२६, ख ४३३ एल्बम ख १८ एवज! भ २५३ एइसान ज २८, ज २६७ एइसानमद ज ३२, ज २६५

पंचाताना ज ४६४

ऍजना म ३६७

ऍजना म ५६२, म ७४

ऍउ ज ६३. ज ८८

ऍउदार ज ४८८

एउ दिखाना ज ७६, ज ६०

ऐउन ज ६६, म ३८८

ऍउनार ज ४८८

ऍउनार ज ४८८

ऍउना ज ६३, ज ६७, ज ७६ ज ८१,

ज ६०, म २०८

ऍइना ज ७६

ऍइना ज ७६

ऐ

पेंद्रबालिक ग ४०७ े ऐक्ट भ १८३ ऐक्टर ख १४६, ख १५० ऐक्ट्रेस ख १५४ ऐक्य ज ८५० रेगन ज ३६७ े ऐडविड क २५५ े ऐतरेय क ५५६ ऐतिहासिक ख २१०. ख ३२१ ऐन न ४७७, ग ४७८, ज ४२० ऐनक इ ४, इ ३२६ ऐब ज ३६७, भ ३७४ ऐबलगाना ज ४०४ ऐबी ज २६८, ज ३६५ ऐया ग १६३ ऐयाम छ १३६ ऐयार ज ३६७ ऐयारी ज ३६८ ऐयाश्री ज २६६ ऐरागैरा ज ४२६, भ ४०६ ऐराग्रैह भ ४०६ धेरावत क २३३, घ ५०, घ ३४८, च ८८, ख २४४ ऐलिनिल क २५५ ऐशा ब २६६ एशश्राराम ज २६६ ऐश्वर्यक २६३, क २६८, ज ३४२ प्रेश्वर्यवान ख ४०५ श्र

पो

श्रोकार ग ६५८ श्रोकारनाथ क १६६

प्रवर्षशाली ख ४०५ श्र

ऋोंकारलिंग क १६६ श्रोठ ग २४ श्रोदहल घ ४२२ श्रोक च २६, च १४० श्रोकना खप्०० श्रोकलाई ख ४६६ श्रोकनाना ज ८६६ श्रोकाई ख ४६७, ख ४६६ श्रोकाई श्राना ख ४६८ श्रोकाना ख ५००, ज ८६६ श्रोखद ख ५४६ ऋोखली ङ ६६२ श्रोघ ज ६२४ श्रोद्धा ज ४२६, ज ४३६ श्राह्याई ज ४४१ स्रोद्धापन ज ४३०, ज ४४१ त्रोज ख १६२, ख १६२, च २६२, छ ३८३, भ ३८, भ १७१ त्र्योजशाली भ ४० व **ब्रोजस्विता भा १७१** श्रोजस्वी भ ४० श्रोभहत क ३५४ श्रोभहती क ३५३ श्रोभाती करना भा ३०६ ऋोफरी ग ५२ श्रोभः क ३५४, ग २८६ श्रोट ङ ४६७, ज ७७२, ब ६२४ स्रोट सगाना ज ७७३ श्रोटा च १४७ श्रोडिचा ङ ४६८ **ऋोढना ङ २६०, ज १**८३ श्रोहनो ङ २७४ ब्रोतप्रोत ज ८०५, भ ६६

श्रोतप्रोत होना भ ६५ म्रोदन ङ ६२ श्रोदरना ज ८६२ श्रोदा छ २३५ श्रोदापन छ २३६ श्रोनचन ङ ५०३ श्रोप छ २८७ स्रोपदार छ रूप् श्चोवियम ङ २६३ श्रोर च ७५ श्रीरहन भ ३४५ श्रोराना ज ६१५ श्रोला छ २५८, छ २५६ श्रोल्ड टेस्टामेट क ५६८, क ५६६ श्रोवरकोट ड २४८ श्रोषधि ख ५४६ श्रीषधिशास्त्र ख ४२८ श्रोषधीश क ३०७ श्रोक्ट ग २४ श्रांस छ २५६, छ २५६ श्रोसाना ज ८५३ श्रोसारा च १४७ श्रोहदा क २५५ श्रोहरना ज ६१६ स्रोद्वार ड २६६

श्रो

श्रीकात मा रेम् श्रीवना ज ७५५ श्रीवट ज ५७६ श्रीवाई ज ७५७ श्रीवाना ज ७५५, मा ४०१ श्रौटना भ ६०, भ ६६ ब्रौटा भ ६१ ब्रौटा जाना म ६२ श्रौटाना स ६०, स ६६ श्रौचक घ २६८, ज १०१३ श्रौचट छ १६८ श्रीचित्य ब ४०७ श्रीनार ङ ४०१, ङ ५५६ श्रौटना भ ६०, भ ६६ श्रौटाना भ ६० श्रीदर ज ३३१ ऋौतारी क १५७ श्रीत्सक्य ख १८५५ स्रौदार्य ख १६३, ज २० ग्रीद्धत्य च ७६, ज ८६ श्रौद्योगिक म २८६ श्रीपन्यासिक ज ४१८, ज ६७० श्रीर ख ५८४ अर्रेन कहीं ज ६६३ श्रीरत ग ४, ग २२५ श्रौरस ग २५०, ग २५६ श्रीलाद ग २४६, ग २५० श्रीलामौला ज ३२१ श्रीलियाक ११० श्रीषघ ख ५४६ श्रीषधालय ख ५४३ श्रीसान ज ८४०

क

कक क ३१७, क ४१४, घ ३७ कक्या ङ ३३४, ङ ३५१ कक्र ङ १६२

कंकाल ग १०० कंकालिनों क १६४ कॅखौरी ग ५७ कगन ड ३३४, ड ३५१ कॅगना ङ ३३४ छ ३५० कॅंगनी इट ३३४, इ ३५१ कॅगला ख ४०५ कॅंगही क ३१४ कॅगाल ख ४०५ कंगालता ख ४०६ कंगाली ख ४०६ कंगूरा ग ४२ कंघी ड ३१४ कधी करना भ ७४ कंचन घ ४४८, ज ३६, ज ४६३, कचुक ग ५६६, ङ २१८, ङ २**६**६, ड ४०८ कंचुकी घ २३६, घ २५५, घ ५५८, ङ २६६ कंज क १२३, क २४२, घ ३८८ कबा घ (५४, ज ४६३ कज्म ख ३६० कजूसी ख ३६१ कजूसी करना ख ३६२ कट घ ४२० कंटक घ २५ क का की ग्री च २४३ करकारि घ १२५, घ १६६ कंटफल ङ २०२ कॅटिया रू ३२८, उ ५७२ कटो घ २५८, ङ १६ कॅंटोला नमक ङ ३० कंटोप ङ २३६, ङ २७६

कंठ ग ३३, ग ३४, घ २१० कठमाला ख ५२५ कंठको ङ ३३१, ङ ३४६ कंठा इ ३३१ कंठी क ४२, इट ३३१ कॅठुला ङ ३३१ कडा ङ ४२४ कहाल इ ४५० कंडो ङ ४२४ कड़ोल ङ प्रधर कत ग २२४, ग इ८० कंद घ ३०२, घ ३०७, घ ३०८, घ ३०६, घ २३६ कंदमूल घ ३०४ कदर घ ३१५ कंदरा च २५०, च २,६ कदराल घ ३५६ कदर्प क २७१. ड २५ कंदलो घ २७० कंदा घ ३०८, घ ३०६ कद्क हा ३७५ कध ग ३३, ग ३६ कंधर ग३३, घ १२३ कथा ग ३६, ङ ३१४ कपा देना ज ७८७ कथा लगाना ज ७८७ कॅघैया क ३६६ कप भत्र १७५ कॅपकॅपाना ज २३४ कॅपकपी ख ५३०, ज ६८० कपन ज ६८०, ज ७१४ कॅपाना च २३५, च ७१५ कपित ज २३७

कॅपना बर७, ब २३४, ब २४५, म ३५१

कंपित करना ज ७१५

कंपित होना ज १७, ज ७१६

कंबल क ३२८, ङ २६१

कबुग ४३५, घ ४६४, घ ६०३

कंबुक ग ४३५, घ ४६४

कंबोज न ४६४

कर क ४४३, घ ४५६

कंसपुरी च ११५,

कंसारिक ३६६

कँहार ग ३०६

कॅहारिन ग ३१०

कइत घ ५४

कई बार स १००६

कड़को घ ४६५

कउथ छ ६४

ककदी घर७२, घर७३

ककनो ङ ३५१, ङ ३५२

कक्कृद ग ४५१, ङ ५५३

ककुद्मती ग ७८

ककुभ घ ८६, च ७५

ककोरना ज ८६६

ककरन ङ ३५१

क्ककुटी च १२५

कब्रा ५७, च ६०, च १४८, ब ३०४

क्या क १०४, घ ६०६

इस ग ३७

क्षकच च ६११

कचपची ङ १३८

कचवची ङ ३१६

क्षरकूट करना ग १५६

कबरना क ६३

कवरी व ३७५, क ७३

कचलना म ३२१

कचहरी च १७४, च २२४

कचारना ज ५५० कचालू घ ३०६

कच्र घ १५५

कचूर होना भा ३१६

कचौड़ी ड १०३, ड ११६

कच्चा ग २६, ग ३५

कच्चा करना ज ८८१

कच्चा घागा इ ५६५

कच्छ ग ४५२, ग ५६५, घ ११, घ ४०७

कच्छप क २६६, क ४४६, ग ५६५

करछा ग ४५२

क्छ्रं क ४४६

ककुनाड ५६५

कछनो क १०४, इ २५८, इ २६२

कन्नानो इ २६२

बहु च ६१०

कञ्जुश्राक ४४६, ग ५६५

कक्क ज ६१०

कछौटा इ ६६२

कज ज ६२, उ २६७

कद्भग इ ३०१

कजराई स्व ३२

कबरी ग ४७२

कबरौटा इ ४८७

कबरौटी ड ४८७

कबनाघ २४६

कबलोग ४७२

बबा ग १५४

क्लाक ग ४१८

कजाकी ज ३७१

कंडजल ड ३०१, छ २३६ कज्जाक ग ४१८ कज्जाकी ज ३७१, भ २०६ कट ग ३१, ग ४४५, इ ४८४ कटक ख ३५६, ग ८२, घ ३०४ ड ३३४, ङ ५०७, च १३५, कटकट भ २६२ कटचौराई घ ३२६ कटना क १५४, छ २, ज ८५४ कटफल घ १६४ कटफला घ २७६ कटरा ग ४८५, ग ४८७ कटवाना ग १५७ कटसरैया घ ४१०, घ ४११, घ ४१२, कटहल म ४६ कटाई छ ८८३ कटाऊँ ज २३८ कटान च ८८३ कटार ङ ४१५ कटारी ङ ४१५ कटाह क ३१६, ग ४८६, ग ४८७, च १४२ कटि ग ७८; ग ४४५ कटिबंध इ ३५६ कटिसूत्र ङ ३३२ केटा ग ७६ घ ११८ कटीर ग ७६ कटीला गोद घ ३४ कटोला नमक ह ३० **बढ़ घ १६६, घ २६४,** ट ४३ इ४६, ड ६१. कटुकंद घ ३१४

कटुक च १६७, ग २६४, ङ १६

कटुकफल ङ १६

कटुता ङ ४७, ङ ६२ कटुफला प १०६, घ २६६ कटुतुम्बी घ २६६ कटुफल घ ७४, घ २७५ कटोरा ङ ४४१ कटोरया ड ४४० कटोरी ङ ४४१ कट्फला घ ३५१ कहा ग २६, ज ४६८ कठ क ५४६, क ५५८, क ५५६ कठफोड़वा ग ६५६, ग ६६७ कठ बाप ज १७६ कठवत ड० ४५१ कितन ज ६०, ज ६५८, भ ४१ क्रिनफल प २६६ कठिनाई ज ६२ कटैल २ ४६ कठोर ज २४, ज ६८ कठोरता ज २२, ज ७१ कठोरपन ज २१ कठौत ड० ४५१ कठौता इ ४५१ कठौती छ ४५१ कहक ख ४५८, म ३७६ कहकड़ाना भा ६८, भा १०० कड़कना भी ३७७ कड़कनाल उ ४०३ कडकाना ज ८६४ कइवाङ ६१ कड़ा ग ६३५, ड ३३४, ड ३३५, ड ३५५, ज ६८, ज ४६६ कड़ाई ज ७१ कड़ा पड़ना ज ८१

बहायन च ७१ कहाबीन ङ ४०५ बडाइ ङ ४२८, ङ ४६० कडाडी ङ ४२८ कड़ा होना च ८१ कडी ङ ५४४ , कड़वा ङ ६१ कड्वाई ङ ६२ कहना च ६६५ च ७४६, च ८५४ बढाई ङ ४२८ कढाही ङ ४२८ कढी ङ ६६ क्षा ध १८८, घ २२२, घ ४६१, च २६३, . . ज ५०३, **ज ⊏६५, ज** ६१० क्याटसूत्र क प्र६६ कत घ २१२ कतक च २१२ कतन्नी ङ प्रप् कतर ङ ३२५ कतरब्यात करना ज ८८० कतरना ज ८८० कतरनी ङ ५२५ कतराई ज ८८३ कतराज ८८२ कतराना स ३८१ कराल भा २१४ कतलबाब ग ३७३ कतहूँ ज ६६५ कतहुँ छ ६६५ बतार व ६२४, क २६४ वतिवहां ख ५४

क्तीरा व ३४

कत् च ४७६

कत्तई ज १००८ कता ङ ४०६ कत्ती ड ४०६. ङ ४१५, रू ५४५ कत्थई भ ३४१ कत्थक ग ३६८ कत्या ड १८७ करल भा २१४ कथंचित् ज ६७३ कथ ज ६१७ कथक ग ३६८ कथन ख २७१, ख २७७, ज ६१४ कथन करना ज ६१६ कथनी ख २३४, ज ६१४ कथनीय ज ३५८ ज ६१७ कथा क ७६. ख १३६. ख २०८, ज ६१४, ज ६२१ कथा कहना क ७७ कथाकार ल १२७ कथानक ख १३६ कथावाचक क ७८ जगामुख ख २६८ कथावस्तु क प्रत्यं १३६ कथा बॉचना क ७७ कथाशतों क ७६ कथित अ ६१५ कथोपकथन ख २६६ कश्यक ख ५७ कथ्य ज ६१७ कदंब घ २६३ घ ४१८, कदबक घ २६३ कद घ ३११, छ ६ कदिचत छ १६५ कदन ग १५४, ज ३०४

कदमचा च १५२ कदम ग ८६, घ ४१८, च ६७७ कदर घ ६१, ज ३४२ कदराई भा २७६ कदराइ क २७४ कदर्य ख ३६०, ज ४६८ कदर्यता स्व ३६१ कदल घ ३४६ कदलक घ ३४९ कदला घ १२५ कदली घ ३४६ कदा छ ६ कदाई घ ३११ कदाकार ज ४६५ कदाकारिता ज ४६८ कदाच ज १७३ कदाचन ज ६७३ कदाचित् छ ८, अ १७३ कदापि छ ८ कदापि नहाँ ज २००८ कदोम छ १७४ कदोमी छ १७४ कद्दू घ २८५, घ २२८ कद्र क ४५१ कद्रुल ग ५५६ कद्र ख ४८ कन ज ८६५ कनक च ४१० घ ४४८, इ २०२ कनकटा ज ५१७ कनकौवा वः ३७१ कनखजूग ग ५७४ कनर्खा ग २० कनटोप ङ २३६

कनपटी ग ३१ कनफुसकी ज ६२४ कनफूल ङ ३३० कनफोड़ा घ १५६ कनसलाई ग ५७४ कनात ङ ४६७ कनामिका ग २६० कनायतं ज १३३ कनिष्टिका ग ७४ कनिष्ठ ग २२० कनिष्ठा ख १६१, ग ६६, ग १४ कनी घ४८५ कनीनिकाग २१ कनीयस घ ४५० कनुवाइन स ३५० करेठा ज ४६५ कनेर ब ४/६, घ ४७६ कनौड़ा ज ४६५ कन्नड ख २२१ कन्नाध ३०२, ध ३०८ कन्बौजी ख २२४ कन्यका ग २६०, च ६४ कन्या ग २६० च ५८, च ६४ कन्याकुमारो ड ७८ कन्हाई क ३६६ कन्हाबर ड २५.४ कन्हेया क ३६६ कपट ज २५७. ज २६६, ज ३६८ कपटना ज ८५३ कपटो ज २६८ कपड़ा ङ ११८, घ २३६, ङ २१६ कपड़ा लत्ता भ ७६ कपर्द क १७७, च ६०५

क्रवर्दक क १७८,ग ४३, घ ६०५ क्षपदिका च ४६५ कपर्दिनी क १६४ कपदीं क १६५, घ ६०५ कपस्यूल क प्र बपाट च १६५ कपार ग १०१ क्रवाल ग १३, ग १६, ग १०१ इपालभृत क १६५ कपालिका ग १०१ कपालिनी क १६४ कवाली क १६५ कपास च १२६ कर्षिजल ग ६१५, ग ६२७, ग ६२६, ग ६३६ कपिक २६७, ख ४१, ग ४३५, ग ५२४ कपिकच्छु घ २६३ कपिकच्छ्रफला घ २६१ कांपकेशारी क ३८० कांवत स्व ३७ कावत्य घ ५४ काप्रवच क ४१७ किंग्लिक १५४, क १६५, क २६७, क रे४७, क ५७६, खरू, ख ४३, स ३७, ग ५१६, ग ५३२, ङ ८ किपसमीता क ५८२ कपिलना स्व २६, स्व ३६, स्व ३६, स्व ४४ व २६३ कपिनसूत्र क ५७० कविकाल रू. ग४७१, च ७६, घ १८३ कविलाक्षी च ७६, घ १४७, ३७३ कांपश सा ४३ कविशता ल ४४

कपीश क ३८० कपून ग २५२ कप्र घ १५७ कपूर कचरी घ १५६ कपूर हल्दी ङ २७ कपूरी ख २८, ख ३८, ख ५५ कपोत ग ५६८, ग ६३३ कपोतक छ ३०५ कपोतां ग ६२५, ग६३४, ग६६०, भ ३३१ कपोलाग २८ कफ ग १२२, ग १२५, ख ४४२, ख ४४३ कफ़नखसोट ख ३६८ कफ़नखसोटी ख ३६१ कफनी क १०४ कपातक घ ७३ कबंघग४८, ग५२, च २३, च २६२, ज ५३४ कब ऋ ११ कबरी क ३२५ कवाबच'नो ह १६ कबारना ज ८५३ कांबे क २६७ किवता ख १६८ कंबत ख १६८ कबिलास क २३८ कवीराघ १५० कबीला ग४, ग२६५ कबीलो म २५८ कब्र ज ४३० कब्तर ग ६३३ कब्तरो ग ६३४ कब्ब ख ४६८

किन्नयत ख ४६८ कञ्जी ख ४६८ कब्र क ५१२, च २३० कब्रिस्तान क ५१२, च २३१ कभी छ ५, छ ६, छ १६५ कभोकभो छ १६५ कभी नहीं च १००८ कभू छ ६ कमंगर ख १४ कमंडल क १०३ कमंद ग ५२ कम ज ४२६, ज ६१० कमग्रसल ग २४६, ज ४१३ कमकर ग ३०६ कमकरिन ग ३१० कमन्छा च १२३ कमनोर ज ४६६, भ ४२ कमनोर होना ज ५०२ कमज़ोरी भा ३६ कमठ ग ५६५, च ८० कमठा ङ ४०६ कमती ज ६१० कमती होना ज ६१५ कमनैत क २७१ कमनोय ज ४६३ कम पहना ज ६१५ कमफेल ज ५७१ कमबोलता ज ६०७ कमरं ग ७८ कमरख च ४७ कमर्पेच रू २६५ कमरबंद ङ २६५

कमरा च १४८

कमरिया ग ४३६ कमरू च १२४ कमल क १२६, क १३२, ग रैन्द्र, च २६२ कमलकेशर घ ३६० कमलगद्दा च २७० कमलदड घ ३८६ कमलदल घ ३६३ कमलधूलि घ ३६१ कमलनयन क १३४, क ३६६ कमलनाभ क १३४ कमलनाल व ३८६ कमलबीज घ २७० कमलम्ल घर३२५ कमलयोनि क १६३ कमल रोग ख ५१३ कमला क १६३, क २०१ कमलाकात क १३४, क ३६६, क ३६६ कमलाच् घ २७० कमलापति क १३४ कमलासन क १२३ कमलों क १२३ कमलोद्भव क १२३ कम होना ज ६१५ कमाई ख ३८६ कमाई करना ख ३८४ कमान ङ ४०३, ङ ४०५, इ ४०६ कमानचा इ ४०६ कमाना ख ३८४ कमानिया भ २७१ कमानेवाला ख ३८८ कमास्त स ३८८ कमी ख ६१२, भ ३०१

कमीज़ ङ २४६ कमोना ज ४२६ कमीनापन ज ४३०, ज ४४१ कभी पहना ज ६१५ कमेटी ज ६२५ कमेरा न ३८३ कमोदिनो च ४०७ कमोरा इ ४५५, इ ४७७ कमोरिया इ ४७७ कमोरी ङ ४५५ कम्युनिज्म ख ३३६ क्य छ २३६ क्याम च १३० कयास ज ६६३ करज ग६४४, ग६४५, च १५४, ग१६१ करजक घ १६१ करंड इ ४०६ करडा ग १११, ङ ४८४ करइत ग ५६६ बर ख ४१०, ख ५८२, ग ४४२, ग ५६, च ६, च ४० करक ख ४५८, घ ७२, घ ३४४, घ ४२० मा ३७६ करकट ग ४४५ करकता ख ४८२, ज ४७० भ ३७७ करकमूत्तो ख ४५८ करकर व ५८६ करका च १०६, छ २५८ करखी क ४३४, क ४३५ 老人産生 ミ スタイ करव ल ३६८, ग६७, ग७५, न ४६८, प ११६, प १६१

कर डालना ज ६५४

करण क ४३८, ग १३४ करगीय ज २६६, ज ६६१ करतज्ञ ज ३६६, त ६५२ करतबीज ३६४ करतल ग ६१ करतलध्वनि ख ८४ करतव्य ज २६६ करताल ख ६६ करतृत ज ६५२ कर देना ज ६५४ करधन ङ ३५६ करधनी ड ३३२, ड ३५६ करनफूल ङ ३३० करना ज ६५४ करनी ज ६५३ करनेवाला ज ६५६ करपट्टिका ड १०० करपुष्ट ग ६२ करभ ग ६२, ग ७८, ग ४४६, ग ४५० करम ज १६, ज ४५७, ज ६५२ करमकल्ला घ २७६ करमचारी ख ३ अ५ करमो घ ३३६ करम्सा च ८१४ करमुद्दां च ४८१ करमेनज़र करना ज २५ कर लेना ज ६५४ करवा ड ४४५ करवाई ख ३६४ करवाल ङ ४०६ करवी ङ २१२ करहनी घ २३३ करांकुल ग ६२६

कराई ख ३२ कराही ड ४२८ करामात भ ४३८ करामाती भ ४३६ करायल इ ६६ करार च २८१, म ४२५ करारा च २८१ कराल क १६६, ज २४३, ज ५२३ कराला क ३१२, ज २४३ करिंद ग ४३८ करियाों ग ४३६ करिखमुहाँ ज ४८१ करिया ख ३०, ङ ५६७, ज ४८० स्त्र करियाई ख ३२ करियारी क १८३, घ १६२, घ ४७६ करिहाँव ग ७८ करी ग ४३५ करीना भा १५७ करोब ज ६६५ करोब करीब ज ६६५ करीम क ११२, क ५२२ करील घ ७४ करश्रा इः ६१ करुत्राई छ ६२ कहण्य क ११२, क ४४७, ख १७६ करणा च १६ करुगानिधान ज २२ करणानिधि ज २२ कर्णामय ज २२ करेशु ग ४३५ करेगाका ग ४३६ करेववा घ २६६

करेजा ग ११०, ग १३३

करैव ग ५६६ करैला घ २८१ करैली घ २८१ करोचना व ५७८ करोड़ ख ६३४ करोइपति ख ४०५ अ करोदना च प्रश्य करोना ज ५७८, ज ८६६ करौंदा घ ४८ करौली इ ४०६ कर्कध्र घ ४२ कर्क ग ५६२, ङ ३२६, च ५८, च ६६ कर्कट ग ६४१, च ६२ कर्कटी ग ५५८, घ ८१, घ १६६, घ ३७२, ह १०२ वर्करी ह ४४५ कर्करेट्ट ग ६३६ कर्कशाघ १६०, ह ४०६, **ष ५८**० कर्कशता ज ५८२ कर्कशा भा ६५ ककोटक क ३२८, क ३२६, क ३३६, क 388 कर्चुर घ १५५, घ ४४८ कही ङ ४३५ कर्ज ख ३६८ कर्ज उतारना ख ४०१ कर्ज लाना ख ४०० कर्जलोर ख ३६६ कर्ज चुकाना ख ४०१ कर्जदार ग ४२४ कर्ण क १३०, क ३००, क ४३८. स ५८२. ग २६, च ४६५ कर्णकुहर ग ३०

कर्यागोचर करना च ६०१

कर्यां छिद्र ग ३०

कर्याधार ग ३४१

कर्यापाश ङ ३४१

कर्यापूल ङ ३३०

कर्यावेध क ६८

किथिका ग ४४३, ग ७२, घ ३६८, ङ ३३०

कर्तन करना च ८८०

कर्तनो ङ ५२५

कर्तरिका क प्रश्प

कर्तरी क ४०६, क ५२५

कर्तरी चलाना ष ८८०

कर्तव्य ज ६५२, ज ६६१

कर्सब्यावमूद होना ज ६०४

कर्ताक ११२

कर्तार क ११२

कर्दम च २८५, ज ३०४

कर्पट क २१८, इ २२१

कर्पहिका क १००

कर्पर ग १०१

कपूर घ १५७

कर्बर क ३४६, ख ४८, घ ४४८

कर्म च ४५७

कर्म इद्रियाँ ग १३६

कर्मकर क ३१७

कर्मकष्ट सहना क ३२५

कर्मकार ग ३२६, ग ३८३, ग ४८३

कर्मचारी ख ३७५, ज ६५३

कर्मठ व ६५६, म २८८

कर्मनाशा च ३०६

कर्मशूर क २८८

कर्मिष्ठ च ६५६

कर्मी व ६५६

40--- 20

कर्में न्द्रिय ग १३५

कर्म्य ब ६६१

कर्य ज ६६१

करी ज ५८६

कर्रा करना च ५६०

करीना भा ३७०

कर्षना भ ३६७

कर्षित होना क २७५

कलक क ३१०, भ, ३७४, ब३१४, ब३६७

कलकित च १६०, च ३१२, च ३१५

कलंकी क ४४८, ख ३१५

कलंडर ख ६५१

कल ख ६८, ख ५४७, घ ७५, इ. ५५६, च

१४०, छ, १२६, छ, १८५, छ, १८६, छ,

१८८, ज १३३

कलई घ ४५७

कलउ छ २१

कलकड क १२८, ग६०७, ग६०६, ग

६१३, ग६३३. ग६५७, ग६६३

कलक ख ३०७

कलकत्ता भ ४७७

बलकल ज रदह

कलकलाना भ ६८, भ १००

कलगान ४२६

कलगीना क प्रदर

कलछा र ४३५

बल्लां ह ४३४, इ ४३५

कलकुल ३ ४३५

कलजुग छ २१

बलत्र ग ४, ग ७८, ग ८०, ग २२५

कनधूत घ ४४६

कलघीत च ४४८, च ४४६

कलन घ ६२

कलप र ३३४ कलपना ग १२० कलम ख ३०७, घ २३०, छ २०२ कलम करना ख २६४ कलमल ख ३७ व ३०४ कलमना च ८८० कलमा घ २३५ कलमी घ २३५ कलमहाँ ज ४८१ कलरव ग ६१३, ज ५८६ ग ६३३ कलवरिया च २०८ कलवार ग ३३६ कलवारिन ग ३४० कल्या ग ४२, ङ ४५२, ङ ४५३ कलहस ग६०७, ग६४३ कल€ातरिताख १५८ कलह भ २६२, ज ६४३ कलह करना च २८० कलहकारिया भ ६५ कलहकारी ज २८१ कलइप्रियं ग ६२४ ज रद्र कलइप्रिया भ ६५ कलहा ज २८१ कलहारी ज २८१ क्रमहिन भा ६५ कलहिनां भ ६५ कला ख १, ख ३, ख २६१, च ६, च २६६ कलाकार ख ४ भलात्मक ख १३० कलाधा क १६५ क ३०७ क्लानाय क ३०७ कलानिधिक ३०७ उलापहित ख ४

कलाप क ३०७, ग ६११, 🆝 ३२७, क ४११, व १२४ कलापक ज ६२४ कलापच ख १७८ कलापिनी ग ६१०, छ १४३ कलापी ग ६०६, ग ६१३ कलाभृत के ३०७ कलामनाषो ख ४ कलार ग ३३६ कलारिन ग ३४० कलावती मा ५६ कलाविद ख ४ कलिंग ग ६६५, ग ६६७, घ ७७, घ १५२, घ ३७८ कलिद क २६७, घ १६२, घ ३७८ कलिंदजा च २६२ कलिंदी च रहर कलि छ २१ कलिका घ२७ कलिकाल छ २१ कलित ब ४६३ कलिमल ज ३०४ कलियारी घ १६२ कलियुग छ १७, छ २१ कलिहारी घ १६२ कली घर४ कळ्य ग ४८६, च ३०४, च ३१४, च ५४५ कल्लपता ज ५४५ कल्लुधित ज ३१५, ज ५४२ कळ्वी ज ३१५, च ५४३ कलेंडर ख ६५१ कलेऊ ड ४१ कलेक करना भ ११२

कलेचा ग ११०, ग १३३

कलोवर ग १२

कलेवा 🕶 ४१

कलेवा करना भर ११२

कलोट ङ २८१

कलोर ग ४७३

बलौबी क ८६, क १०५

कल्क ज ३०४

कल्किक १५४, क १५५, क ४४७

कल्किन् क ४४८

कहिन्युग छ २१

करूप क ५५५, ख २३७, क २०५, छ २२,

ख २५, छ १३६

क्रात्र क २४१

कल्यद्रुम क २४१

कल्पना ज ६६६

कल्पना करना ज ६६८

कल्पपारप क २४१

कल्पलता क २४१

करूपवृद्ध क २४१, घ १६२, घ ४८२

कल्पात करना क १७१ क १७२

कल्पावतम क ५८७

कहिपत ज ६७०

कलमघ ब ३०४

बस्या ग ४७३, ङ २०५

कक्षाम व ४४८

कस्याग्कारी व ४७८

कल्याची क १६४ क १६८, ग ४६६,

ष १४१, ज ४७८, भ ५६

कक्ला च २२, च २४

कल्लोल च २७८

म्बर्ध ह्या १८५, ह्या १८६

क्रहारना भ ६४

कवच स ४०८

कवियत्री ख १७२

कवर ङ ७५

कवरी ग ४२

कवल ग ४४६, रू ७५

कवलगट्टा घ २७०

कवॉच म २६३

कवायद ख २१६

कवायददां ख २१७

कविक १२३, क ४५३, ख १२७ ख १७१, च २०

कविता ख १६८, ख १६८

कविता करना ख १६९

कवित्त ख २०३

कविराज क १७, ख ५३८

कवाद क १७

कश न २६२

कशेष घ १२३

कश्मल ज ३०४

कश्मीर च १२५

कश्मीरज क १०

कश्मीरी रू १०

कश्यप क ४५०, च ७३

कश्पवदेश च १२५

कष ख २५०, ङ ५२०

कवा इ ३६६

कषाय घ ७१, ङ ४३, ङ ५४

कषायो च ५६, घ ७५

क्षाल ज ६२४

कष्ट ल ४३४, ल ४८४, ब ४०

बहुबर लगना ज ४७०

कष्टकर होता ज ४७०

कष्ट देना ख ५५

क्ष्टी ज ५३

कष्टित करना

कष्टित करना च ५५ कत ख २५०, ङ ५२०, ज ५७१ कसक ख ८४३ करकाना च ४७०, म ३७७ कसक होना ख ४८२ कसकुट ग ३२१ कसनी ख २५० कषना ख २५४ कसबाच १३५ क्सबिन ख १२४, ग ३६७ कसबी ख १२४ कसम क ४२३ क्षमसाना ज २३२ कसर ज ३६७ कसरत रू ३७३ आ कसरतिहा ग ४०६ कसरती ग ४०६ कराई म ३६३, ज २४ क्रमांबलाना च २२५ क्रमाईखाना च २२५ कसाव ङ ५४ कसूर घर५६, ज ३१६, भर २२० कस्रमद ज ३१८ कस्तार ज ३१२ कसेरू च ३१६ करेला रू ५४ क्रवेसापन ङ ५५ करीलो ङ १६२ क्सोरा ङ ४५८, ङ ४४१, ङ ४५७ कसौटी सा २५०, इ.५२० इसीटो पर रखना स २५४ **ब्रह्में**ड व ४५६ **≸स्त्**री ङ ११

कस्तूरा ग ५१५ कस्तूरानामि ग ५१२ कस्साई ग ३६३ कहकहा ज ६२६ क्रहक़हाना ज ६३० क्रहकहा मारना ज ६३० क्रहक़ हा लगाना ज ६३० क्रहत छ ५ कहतरी ड ४५६ कहतूत ख २३४ क्रह्द छ ५ कहन ख २३४, ब ६१४ कइन उत ज ६१४ कहना ख २७८, ज ६१६, का २४०, म २४१ कहनाउत ख २३४, ज ६१४ कह्वा ङ १६४ कहाँ अ ६६२ कहा ज ६१४, भी २४० कहानी ख १३६, ख २०४, ख २०८ कहानोकार ल १२७ कहार ग ३०६, ग ३८३, घ ४०७, कहारित ग ३०६, ग ३१०, ग ३८४ कहावत ख २३४, ज ६१४ कहाहुआ ज ६१५ कहिया छ ११ कहीं ज १६५ कहीं श्रीर ज १.६३ कहीं कहीं ज ५०५ कहुना ज ६१० कहूँ व ६६५ कहा च ६१७

काला स १३८, म्ह ३७१

कांची ज १४० कॉल ग ५७ कांग्रेस सा इ३६, सा ३४६ काँच ख ४७२, घ ६०१ काचन घ ३६०, घ ४०६, घ ४४८ काचनक घ ४७३, ङ ६३ कॉचिया नमक ङ ३४ कांचीपुरी च ११२ काँजी ङ १६७, च ११२ कॉजीघर च १६१ काज,वःम च ११ः काँबीहाउस च १६१ कॉटा घ २५, ड ५३७, ड ५४७, ड ५५१ ङ ५७२ कांटी ङ २३४ काइ ख २६६, घ १६, च २६२, ज ८७६ काँड्ना ज ८२०, च २४७, म ३२१ कांत क १३४, क १६५, क ३०७, क ३६६ ग २२४, ग ६२५. च २६७, घ ४५१, इ १० कांतर ग ५७४, घ ११ कांता ग ४, ग २२५, ङ ७८ कातार घ ११, च ४४३ काति क ३०२, क ३०६, ख १६३, ख १६२, ब ४४८, छ, ५८७, ज ४६७, म १७१ कातिमान छ रतन कातिमान होना छ २८६ कांतिहोन भा १२८ कातिहीन होना क १३२ कांतियुक्त होना छ २८६ काँदा ४ ३१४

काँदव च २८५

काँदो च रद्भ काँधर क ३६६ काघी ग ३६ कॉना ज १७ कॉप ग ४४६, ङ ३४२ काँपना ज २३४, ज २४५, ज ६८०, च ७१६, म १४५ काँय काँय ज ५८% कॉव कॉब ज ५८६ कॉमा घ ४५६ काँस्य घ ४५६ काक ग ६५४, ग ६२२ काकल दिंग ६६३ काकतंडी घ १७१ काकपच्छ ग ३७ काकलो ख ६८ काका ग १८७, म ३५१ हाकानश्रा ग ६ ६८ काकी ग १८८ काकुतस्य क ३६६ बाकुल ग ३७ काग ग ६५४ काराज़ ख ३०५ यागद स्व ३०५ कागभुशंदि क ३८७, ज ४६५ कागर च २८१ कागा ग ६५४ काच घ ६०१, ड १५, ड ५४० काचलनग्र ३४ काळा क १०४, ड २५८ काछिन ग ३०८ कार्द्धा ग ३०७ काष ब ६५२

काबर ङ ३०१ काबल ङ ३०१ काजू घ ३६२ काट च ३०७ काट खाना भ १२६ काट छाँट च ८८३ काटळॉट करना च ८८० काटना ग १५८, ग ५५५, छ, ३, च ८५३, ब ८८० में रे८१ काठ घ १८ काठ मार जाना ज ६०४, भ ४४१ काठ होना भ १४५ काठी ङ ३६३ कादना व ७४७, व ८५२, फ ७४ शहा ल ५५०, च ७४८ कारा ग ६५७, ज ४६५ कातर व २३७, ज २३६, म २७४ कातरता च १६, च २२४, च २३६, ज २४१ कातिक छ ५३ कातिव ग ४०५ कातिल ग ३७३ कान्यायन क ५७८ कात्यायती क १८५, क १६६ क २०२ कादम्ब ग ६४३ कादनरी ख २०००, स ६१३, स ६२४ ङ २०५, छ १४३ कादं वेनी 😝 २४१ कादर क २७४ कादरता ल ३६१, भ २७६ कान स २६, ग १३६, घ ४४४, ड ३४१ कानसञ्ज्या ग ५७४ कान सड़ा होना च २०६

कान देना अ ६०१ कानन घ ११, ङ ३५२ कानपूरी स्त्राटा रू ६६ काना ज ६०, ज ४६५ कानाफूसी ज ६२४ कानो ग ७४ कानून भा १७८ कानूनदॉ भ १७६ कानूतो भ १७६, भ १८०, भ १८५ कान्हक ३६६, ग ३६ कापालिक क ११, क १६५ कापी ख ३०२ कापुरुष ज २२० काफिया ख १६६ काफिया मिलाना ख १६६ काफी ङ १६४ काफा होना ज ६१६ काफूर होना ज ६७६ काफुरी ख रद काबालयत 🖷 ४०० काबा क पर्श काबिल न ३६.८ का।वले इतवार व २५५ काबिलेतारीफ व ३५८ काबू म १४६ काम क २७१, ज ६५२ कामकराई ख ३६४ कामकाची च ३३२, च ४२१, च ६५६ कामकाज्ञ ३३२ कामचोर च ४४५, च ६६० कामजित क १६५ कामतद क २४१ कामद क ११२, क २७१

कामदार ग ३७५ कामदेव क २७१ कामधंधा भ २८५ कामचाम क २८५ कामचेतु क २३५ घ ४८२ कामना च १३८, भ ३७१ कामनारहित स १४१ कामरिपु क १६५ कामरूप च १२४ कामवती घ ११३, भ ५८ कामशास्त्र स ६५२ कामाचा च १२३ कामाची क १६४, क २०२, च १२३ कामाख्या च १२३, च १२४ कामारित स २०४ कामातुर क ३०२ कामारिक १६५ कामिली ग४, घ ११३, भ ५८ कामिल स्र ८७६ कामो क १३४, क २७१, क २८५, क ३०७ ग६२२, ग६३३, ग६३६, ग६४०, ब १४०, ब ३०२, ब ४२१ श्र कामुक क २७१, ग ६२२, ग ६३८, घ ४११, प ४३१, म १४०, म ३०२, काय ग १२ कायथ ग ३०३ कार्याचन ग ३०४ कायदा ब २६७, भ १५७, भ १६१, 林 205. कायकल घ १६४ कायममुकाम क २५६ कायर क २१८, च २३६, म २७४ कायस्य ग ३०३

कायरता च २४१, क २७६ काया ग १२, ग १०२ कायिक ख १८७, ग १२ श्र कार क इद्ध कारकुर्निदा ग ३७५ काराज ज ६५२ कारड ख ३१६ कारण क १३४, क १६५, क ३२६, ख ६५३, क ३७१ कारणमाला ख १६० कारपरदाज़ ग ३७५ कारवार का २८५ कारवारो म २८६ कारा च १८३, भ २२२ कारागार च १८२ कारागृइ च १८२ काराबास च १८२, च १८३, भ २२२ कारिंदा ग ३७५ कारी ग ३६८ ऋ कारोगर ग ४०६ क ३२२ कारीगरी भ ३२३ काररा ग ११७ कार्ड ख ३१६ कार्तिक ख २७, छ ५२, छ ७६, छ ७६ कासिकेय क १८७ कार्य ख १४३, ब ६५२, क ३०३ कार्यव्यस्त व ३:२ व ४२१ क कार्याधिकारी स १६७ कार्याध्यद्ध स १६७ कार्यावस्था स १४२ काल क २०५, क २१८, ख ३०, ख ५८७, ग १५४, प ४७७, ङ १६, च २१, च १, ब ४, ब १६

काली मिर्च ङ ७१

कालकूट क १८३, घ ४७८ काल दोप करना छ ३ वालश ग ६४५ कालधर्म ब १५४ कालनाथ क १६५ कालनिशा छ १४६, छ २०५ कालपुरुष छ १ कालभैरव क १७० कालयापन करना छ ३ कालरा ख ५०८ कालरात्रि क १६६, क २०२, व्य २६, छ १४६, छ २०५ काला ख ३०, ख ३१, घ १२४, घ १५०, ष २०२, ङ ८६, ष ४८० काला ज़ीरा ड ८६ कालातीत छ र⊏श काला नमक ङ ३३ कालापन ख ३२ कालाभुजंगा ख ३१ काला हिरन ग ५०८ कालिंद घ ३७८ कालिंदो क ४१०, च २६२ कालि छ १८५, छ १८६ कालिक खु १५ लालिका क १९४, क १६८, क ५७५, क ५७६, ग २१, ह ८६ कालिमाख ३२ कालिय क ३३६, क ३४२ काली क १८५, क १६४, क २०१, क ३१२ क ३४२ ल ३०६, घ १२४ काली घटा छ २४४ कास्तीन ङ २८६ काली नाग क ३४२

कालेज ख २७४ काल्पनिक च ६७० काल्इ छ १८४, छ १८६ कावेरी इ. ६० काव्य के ४५३, खर, खर३४, खर६८, च २० काव्य करना ख १६६ काव्यकार ख १२७, ख १७१ काव्यपत्त ख १७८ काव्यप्रेमी ख १७३ काव्य मर्मज्ञ ख १७३ काव्य मृह ख १७४ काव्यरासक ख १७३ काब्य-साधना ख १३१ काश ख ४८६ काशी क ५७, क ५८, च ११०, च ११३, काशीनाथ क १६५ काशीफल घ २८५ काश्त क ३०६ काश्तकार ग ३७६ काश्तकारी भा ३०६ कार्रभीर घ १६०, च १६५ श्रास्त्र च १८ काश्मीरी ध ३५८ काष्ठकीट ग ५५१ काष्ठभेदक ग ५५१ कासनी ख ४६ काहिल च ४४५ कहिली ज ४४६ काही ख ४१, स ५५, घ १६७ किंकर ग ३८३

किंकरता भा २४६ किंकरी ग इद्य किंदर्तव्यविमृद होना च ६०४ किकिसी ङ ३३२, ड ३५६, ङ ३६० किंचित ज ६१० किंजलक च ३६० किंत्र च १०१२ किंपुरव क २४६, ग २४६ किंबदन्ती भा ३८५ किंशक घ ७२ किकियाना ग १२०, ज ५६६ किचकिच ज ६११ ंकरकिट व ६११ किटकिटाना अ ६७ व २५६ कितना बार ख १०१० कितव ग ४१५ ड २०२, ब २६८ किताव ख २६६ कित्ति अ ३०३ किस्तो बार ज १०१० किनका ज ८६५ किनकी च ८६५ किनारा च २८१, भ २६८ किन्नर क २०३, क २४३, क २४६, ब २२० किपायत स ३६३ कियला ग १७४ किया च ६६३ कियार च १०२ कियारा भ ३१० कियारों के ३१० किरक स २६६, स ६१८, च ६ क्रियोन स ३६०

क्रिसीत च ४६६

किरात ग २६६. ग ३६४, घ १३५ किशतिनी घ १६३ किराया ख ४१२, ख ४१३, ख ४१४ किरिया स ४२३ किरीट क २२५, ख २०३, भ ८६, ड २३७, इ ३३८ किरोटा क ४१७ किरौना ग ५४८ किलनी ग ५५० किल विष च ३०४ किलहरी ग६६७ किलाच १७२, च १७१ किल्ली ग ५५० ग ५२१ किल्विष ज ३०४ किवार च १६५ किशांमश घ ३५८ किशमिशी ख ५४ किशलय व २२, घ २३, घ २६ किशार ग २४७, ग ४२२ किस जाइ ज ६६२ किसमत अ ४५७ किस समय छ ११ किममिस घ ३४८ किसलय घर३, घर६, घर६, व ३६३ किसान ग ३७६ किसानी भ ३०६ किसा समय छ ६, ब्रू ८ किसी स्थान पर च हरूप किस्मत च ४५७ किश्मतवर स ४६० कीचर ग १२६ बीच च रदप दीचद घट०

कीचड़ ग १२६, च २८४ कोचा च २८५ कीट ग प्रद, ग प्रद, ग प्रदर, ग ६६८ कीटपतंग ग६६८ कीड़ा स प्रे६, स प्रदः, स प्रप्रः, स प्रदः कीडा-मकोड़ा ग ५३६ कोड़ी ग ४४२ कीनना भ २६१ कीमत ख ४०८ कीमती ख ४०६ कीमती पत्थर घ ४५० कीर ग ६१७ कीरति ज ३४२ कीरतिकुमारी क ४०० कीर्तन क ४३, क ७३ कीर्तन करना क ४४ कीर्ति च ३४२ कीर्तिमान ब ३५३ कोर्तिस्तवन क ४३ कील ङ ३२६ ङ ३४२ छ २८० कोलना ज ८७४ कीला व १८८ कीश ग ५२४, ग ५६८ कुंद्रार ग २४७ कुंई व ४०८ कंचिका ङ ८७ कुचित च ६०, च ४८८ कंचित केश ग ३६ कंब च १४२ कुंबन छ ६४८ कंबर ग ४३५, घ २०४ क्षरां ग ४३६

कंबी ल ३००, ङ ५४२

कंड ग २४६, ङ ४३१, च ३१० कुंडल क १६७, क ३३०, क ३४०, **₹** ३**४१** कंडलाकार ज ५८४ कंडलिनी क २८६, घ १७८, ङ १८० कंडलिया ख २०३ कंडली क १३४, क रद€, ग ४५८, ग६०६, घ १७८, घ २६३ कुंडा ङ ५४४, च ४६८ कंडो क १०३, इ ४/४ कंत क ३ ११, क ४१४ कंतल ग ३७, ग ३६ कंती क २६२, क ३१४, क ४११, घ २७, घ १७७ कद क १३४, घ ४१४, घ ४१६ कुंटलेहन ज ३६४ कंटनहर्ना व ३६६ कंदन घ ४४८ कुंदरन घ २६५ कदा ग ५६६ कंम च ४५, च ६६, छ २१४ कंभकार रा ३२३, ग ६४४ क्मंच क ४४०, क ४६४, क ४६७ क्षेमजात क ४८०, क ४६४, क ४६७ क्मी घ १०६, घ १६४, घ १७७, र ५७२, छ १५ कुंभीपाक क ३२३ कुंभीर ग ५७६, ग ४८० कुँवर ग २४७ कुॅवरि ख ३५५ कुँवारी छ ५२ कुच ६० कुइँग्राँच ३०७

कुमाँ च ३०७ कुकर्म च २६६, च ३१० कुकमी ज ३१, व ३०२, व ३१२ कुकुढ़ी घ २४६ कुकुर ग ५१६, घ २०१ कुकुरमुत्ता घ ३०१ कुक्कुट ग ६४४, ग ६४५ कुक्कर ग ५१६ कुच् ग ४२ कुचिंग प्रश्न स ११३ कुख्यात च ३५० इस्याति च १५६, च ३५२ कुच ग ५० इचलना ष ६२०, मा २४७, मा ३२१ ≸चिला घ ४७६ कुछ च ६१० कुटकी घ १६६ कुटब क ४४०, घ १५२, घ १६७ इटनो ग २७५, ङ ८४ ङ्कटिया च १४२ कुटिल ल २३०, घ ११०, ब ६०, ष २६८, स ४८८ कुटिलता ब ६२, ब २६६ कुटिलपन च २६६ इटिल होना च ६३ कुटिलाई म २६६ कुटिलाई करना व २७० कुटी च १४२ बुटीर च १४२ इडम्ब ग ३००, भ १ इडुम्बी क १०८ कुटेव च ४०३

इस्मिति सा १६४

कुंडिका क ५५८ कुठारपायि क ४४४ कुइमाई ग १५१ कुडौल व ४६५ कुड्मल क ३२२, घ २७ कुढ़न ब २५८, ब २६२ कुइना च ६७, च १५६ कुदाना च २६० कुणप ग १५६, घ ४५७ कुतरना ब ८८० कुतवाना च ६१७ कुतियाग ५१७ कुतुबखाना च२११ कुत्रल ख १६४ कुत्ता ग ५१६ कुत्ती ग ५१७ कुत्र ज ६६२ कुत्सित च १६०, च ३०२ कुरिसतरूप व ४६५ कुदकना च ६८३ कुदाल घ ४४६, ह ५३. कुदाली ह ५३० कुन बिन ग ३२६ कुनबीग ३२५ कुपथ घ ११, च २४३ कुपथगामी ब ३०२ कुपित च ४०, च ६५ कुपुत्र ग २५२ कुप्पा इ ४७८ कुप्पी ङ ४७८ क्रियंथ स १५८ कुववा व ५३० कुवड़ा च ६०, च ५३०

कुबड़ो च ५३०, भ ६३ कुबरा ख ५३० कुबरी भा ६३ कुबेर क २५५ कुबेरपुरी क २७० कुञ्ज हा १६, ज ६०, ज ५३० कुल्बा ब ५३०, भ ६३, भ १४६ कुभाग्यशाली च ४६१ कुभी ग ४३५, ग ५८० कुमकुम ड ३२१ कुमरी ग ६६०, ग ६६७ कुमाता ग १८३ कुमार क १८६८, क ३११, ग २४७, गरप्र०, गरम्प्र, ग६१७, म २६, भ ३० कुमारपन भ २७ कुमारिका ग २६०, ङ ७८ कुमारी क १८५, क १६४, क १६८, ग २६०, घ ३६८, च ६४, भ ४३ कुमार्ग च २४३ कुमार्गी ज ३०२ कुमुद क १३४, घ ३६५, घ ४०७, घ ४०८, म ४४६, च दद कुमुदबंधु क ३०७ कुमुदिनी घ ४०७, घ ४०८ कुमुदिनीपति क ३०७ कुमोदिनी ५ ४०७, घ ४०८ कुम्मैत ग ४६३ कुम्हड़ा व रूप्त्र, व रूप्त् कुम्हार ग ३२३ कुम्हारिन ग ३२४ क्टरंग ग ४६३, ग ५०५, घ ४५८

कुरता इ २४३

कुरती ड २५१, ड २७० कुरमिन ग ३२६ कुरभी ग ३२५ कुररी ग ६३१ कुरवक घ४११, घ४१२ कुरसी इ ५०६ कुराइ च २४३ कुरान क ६०१, क ६०४ कुर ग ६६७ कु ६ई ड ४७० कुरूप ज ४६५ कुरूपता ज ४६८ कुरेदना च ५७८, च ८५३, च ८६६ कुरैया घ १६७ कुत्ती इ २४३, इ २४५ कुर्सी ह ५०६ कुल जन घ १६⊏ कुल ख ५.५८, ग १२, ग ३००, ज ६२४, ज ८६०, भ १ कुलकलंक भा ६४ कुलक्लंकिनी भा ६४ कुलगर्विता ख १५६ कुलटा ख १६७, भ ६६ कुलधी घर४२ कुलपति क ७६ कुलमा घ ३३७ कुलबुलाहर ज १५ कुलबोरन भ ६४ कुलवत भा २ कुलवती ग २७३ कुलवध् ग २७२, ग २७३ कुलवती ग २७३ कुतवान भा २

कुलइबरा ङ २७६ कुलही ङ २३६ कुलाँच च ६८१ कुलाल ग ३२३, ग ६४४, ग ६५२ कुलिश क २३६, घ ४८५ कुली ग ३८६, घ १६६ कुलीन भार **कळ्**क ङ ५४१ कुमाष ह १४६, ङ १६७ कुरला ग ४६३ कुल्ला करना ग ११६, भ १२० कुल्लो ग ४६३ कुल्ब्ब ग १०५, ङ ४५६ कुल्हा ग १०५ कुश्हाको ङ ५१२ कुल्हिया ङ ५१८ कुवरहा घ ५२ 5यलय घ ४०७, घ ४०८ कुवार क्ष प्रश क्षेर च ७८ क्श चहर, च रदर, घ ११६ कुरात च ३६३, च ३६७, च ४७६ क्शलचेम ब ४७६ कुशलता च ३६५, च ३६८, च ४७६ इश्लमगल च ४५६ क्यायन क ५०८ इशानगर क ४६७ **ड**्राती भा ३२६ ४३४ छ उन्ह कुष्मांड घरत्र, घरत्र कुलंभी ल ११ कुलमय सु ६

इसंभी क १११

कुसुम ग १२८, घ ३८१, भ ३३३ कुसुमाकर छ ८४ बुसुमपुर च ११८ कुसुमश्रर क २७१ कुसुमायुष क २७१ कुसुमित घ ३८२ कुहँइा घ रूप् कुहक क ३३६ कुहुक च ६४८ कुहुकना च ६४७ कुहर च १६४, च २५० कुर्रा छ २५६ कुहासा छ २५६ कुहू छ १११, च ६४६, च ६४८ कूँई घ ४०७ क्वना ब ८२०, भ ३२१ कुंची ख १६ कूँच ग ६२६, ज ६४८ क्ंजना स ६१४, व ६४७ कुश्राँच ३०७ कृत व ६४६, ज ६४८ क्कना ग ६१४, च ६४६, च ६४७ क्चा इ ४७३, च १३७, च २४५, अ ५५३ कुंब ज ५८८ क्जना ज ६४७ कुआ म ३६८ क्ट घ ६६६, च २४८, च २४६ क्टना ख ५५२, ग १५६, भ ३२१ क्टस्य क ११२, ग६, घ ११६ कृद्ध म २६६ कृतना व ६६४ क्रेना ग ५२०, ज ६८३, च ६८४

कूदफाँद च ६८१ कुप च ३०७ कुबड़ ख ६२ कुबद्दलाना च २२५ कूबर ज ५३० क्र ज ६८, ज २३६, ज २४३, ज ६६० कूरता च ७१, च २४१ कूरी ब ८०, भ र कूरी लगाना ज ८८७ कृचिका ख १६ कूर्म क १५४, क १५५, क ४४६, क ५७४, ग ५६४, च ६० कूल च र⊏१, च ३१३ कुल्हा ग १०५ कुकलास ज ५३० कृत्व्यु च ३०४ कृच्छू क ३२६ कृत कु १८, ज ६६३ कृतधन ज ३१, च २६४ कृतभता ज २६६ कुत्रह्नी व २६४ कृतज्ञ ज ३२, ज २६५ कृतशता ज २६७ कृतयुग छ १८ इतात क २०७, क ३१७, ग १५४, व ३०४ कृति क १३४, ग ५११, अ ६५२ कृती ज ३६३ कृतिहाच २७ कृत्य क ६७, बह्पर कृत्रिम ङ ३४, अ ३८६ कृत्रिमता व ३८८ कृपण ख रह०

कृपयाता ख ३६१

कृपग्रता करना ख ३६२ कृपया च २७ कुपा ज १६ कुपा करना ज २५ कृपाया ड ४०६ कृपायो ङ ५२५ कृपापात्र ज २६ कृपापूर्वक 🖷 २७ कुपायतन ज २२ कृपालु ज २२ कृपालुता ज १६ कृपिन ख ३६० कृपिनता करना ख ३६२ कृषिनाई ख ३६१ कृपिनाई करना ख १६२ कृमि ग ५३६ कृमिध्न घ ७२ कृमिध्नी ड ६०, ड १६६ कृमिभोबन क ३२३ क्ररा ज ४२६, ज ४६**६**, ज ५०३ कुशकाय च ४६६ कृशता ख ५३७, कृशाग ज ४६६ क्रशानु क २४४, क ३११ क्रशानुरेता क १६५ कृशित ज ४६६ कुशांदरी भा ६१ क्षेत्र ज ४२६, **ज ५०३** कुषक ग ३७६ कृषता च ६१२ कुषताई च ६१२ कृपत्व भ ६१२ कुषि ग १३४, भ ३०६

रुषिका ङ ५२७ रुषिबीवी ग ३७६

किया क १६४, क १५४, क १५५, क ३६६, क ४१७, क ४६१, क ५५८, ख ३०, ख ४६, ग ६१३, ग ६५४, घ १२४, घ १४०, घ १८८, घ २४३, घ २६४, ङ ८६, ङ ३०५, ङ ५२०, च २६२,

कृष्णगीता क ५८१ कृष्णवुलसी घ ११२ कृष्णदेवायन क ४६१ कृष्णपञ्च छ ८७, छ ८८ कृष्ण नगरी च ११५ कृष्ण यजुर्वेद क ५४८ श्र

कृष्ययुग छ १६ कृष्यलवय ङ ३३ कृष्यलेहित म ३३१ कृष्यवर्ण घ ८५, च ४८० स्र कृष्यस्या क ४१७ कृष्यास्टमी छ २१२

कृष्णाक ४१८, घ ११२, घ १६६, घ ११६, ध १४३, च २६८ कृष्णानदी च २६८

कृष्याष्ट्रमी छ २१२ कॅक्डा ग ५६२ केंबुझा ग ५६७ कंबुला ग ५६६ केंबुली ग ५६६ केंब्र च १२६

केकई क ३७८ केक्का ग ५६२

क्यांबिंगी च १६६

केंद्री ग ६०६

केकीशिखाग६११ केतको घ १७०, घ ३६६ वेतन इ४०२, च १, च १४० केंतु रू ४०२, च ५, च ७२, च २२ केदली घ ३४६ केदार घ २३०, च १०२, भ ३१० केदारनाथ क ५८ केन क प्रप्रद केयूर ड ३३३, ङ ३५० केराया ख ४१२, ख ४१३, ख ४१४ केराव घ २५८ नेला घ ३४६. ङ २२६ केलिक र⊏७. ख १६४ केलिकरना क २-६ वेवट ग २६६, ग ३४१, च ३०७ केन इस ध १७०, घ ३६६, घ ४०० केवल घरश्र केबॉच घर्टर फेवाड च १६५ वेवाडी च १६४ वेश क १३८, क २८६, क २६७, ग ३७ केशकर्म ग १४६. भ ७४ केशकीट ग ५५४ केशपाश ग ३८ केशर घ १२२, घ ३६०, ङ १० केशरी ग ४५२, ग ४६४ केशव क ११२, क १३४, क ३६६ केशकिन्यास भाउ४ वेश-विन्यास करना भ ७६ केशिनो क ३६२ केसर ग ४६४, ङ १०, घ ४२०, ङ ६० केसिंग ख ३७

केसरी ग ४६४, व १२२

केहरी

केहरी ग ४६४, ग ४५२ केहनी ग प्र कैंची ङ प्रश्प केंची करना च ८८० कैख ४६६ कै करना ख ५००, च ८६६ कैकेयी क ३७८ कैटम क १६४ कैटभजित क १३४ कैटव घ ४८६ कैत घ ५४ कैथ घ ५४ केंद्र भा २२२ क्रैदलाना च १८२, भ २२२ क्रीदों ग ३७२, भ २२१ कैरव च ३६७, व ४०७ कैरवी ह ८७ कैरा ज ४६३ कैलाश क ५८, क १८२, क २६६, च २६७ कैलाशनाथ क १६५ कैलास क १८२, कैवर्त्त ग ३४१ कैश्रत्य क प्रप्रद कोचवान ग ४१२ कोंचाना ज ७३८, ज ७३६ कोंद्वा ङ ५४४ कोंपल घ २२, घ २६ कों हड़ा घरत्य, घरत्र कॉहार ग ३२३ कोंहारिन ग ३२४ कोइरिन ग ३०८ कोइरी ग ३०७

कोइलर ग ६१३

कोइला ङ ४२५ कोई घ४०७, घ४०८ कोक क १३४, त ५१४, त ५६३, त ६२२, ङ ४२५ कोकनद घ ३८८, घ ३६५ कोकशास्त्र ख ६५२ कोका ग २१६, घ ४०७, घ४०८ कोकिल ग ६१३, घ ४२, छ ६८ कोल ग ५२, ग ११३ कोचना ज ७३६ कोचवान ग ४१२ कोट ङ २४७ च १३६, च १७२, च १७२, च १८६, ब ६२४ कोटर घ १५, घ १४३ कांटि ख ६३४, ज ६२४, कोटिक ख ६३४ कोट्याधोश ख ४०५ श्र कोठ ख ४६४ कोठरी च १४८ कोठा ग ११४, च १४६, च २६६ कोटो च १४१ कोइर घ न्यू कोड़ा ग ५५२, इ ३६६ कोड़ी ख ६२६, ज ६३२ कोढ़ ख ४६४ कांगा ग २० कोतवालो च १८४ कोताइ ज ४२६ कोताहो ज ११२, ज ४२८ कोदंड इ ४०६, च ६७ कोदो घ २३६ कोन च ८६ कोन करना मत ३११

कोना च ८६ कोप स हर, स १७२ कोपगृह च १७६ कोपना ज ४२, ज ६६ कोपल घर४ कोपित ज ६४ कोमल घ ३८६, ज ६६, ज ४६३ को भल करना च ७२ कोमलता 🕶 ७० कोमलागी भा ५७ कोयल ग ६१३ कोयला ङ ४२५ कोया ग २० कोर ड २११ कोरक ग ६२७, ग ६२१, घ २७, घ ३८६, इ १६ कारा ङ २११, च ८६ कोरापन छ १७७ कोरि ज ६२४ कोरी ग३५६ कोर्ट न २२४ कोल ग २६६, ग ३६४, ग ५२३, घ ४५ ए ७६, इ. इ.स.१ . ट. ४२५, च. २१ कोलाइल ज ५८६ नगहल करना ज ४६० गन, च र्४३ कर्भ क र्भ क रे६व मेग घर रे स हर्४ मध्यमार ग रहते व रे४६ मन् भन रूपर

काष क :६७, स ६०३, च २१५

40 -56

कोग्डबद्धता ख ४६८ कोसना च १७४ कोह च २४८, छ ८६ कोइड़ा घर८६ कोइहापाग ङ १८५ कोइनी ग प्र कोहाँइन ग ३२४ कोहाना ब ६६ कौंघ छ २५५ कौंबा छ २५४, छ २५५ कौत्रा ग ६५४ कौटिल्य घ ३०५ कौड़ी घ६०५, घ४६५, क ३२८ कीखप क ३४६ कौथ छ ६४ कौपीन क १०४, ङ २४⊏ कौमल्य ज ७० कौमुदी च १६, छ १४५, छ २०५ कौमोदकी क १३६ भेर न ७४ कौल इ ७६, भ २, भ ४२७ कौल करना भ ४०% कौवा ग ६५४ बौबाठ^री घ 😗 कौवा होता कर उ कौशल ज २६८ मीशलपति क ३६८ **नीशल्या क**्दंध कौशार्च → ४=० कौशिक के २२३, के ४६३ स ६५२, ब १७३ कौशिल्या क ३६६ कीयोतकी क प्रप्र कौरतुभ क १४७

कौरत्रभमिश घ ४८२ क्यारी भ ३१० कतु क ८१, क १३४, क २०५, ग६, B 84 कत्पशु ग ४५२ कत्भुक् क २०७ कम भ ४३५ कमबद्ध भा १८१ क्रमशः ज १०१५, भ ४३६ कमागत च ६५४ क्रमान्सार के ४३६ क्रामिक ज ६५४, में ४३६ क्रय-विक्रय भ २६३ कथ्य भ २६४ कब्य ग ६१ कव्याद क ३४६, ग ४६४, ग ६२५ कातदशीं क ११२ क्राति क १७५ क्रांतिकारी ख ३४६, भ १७६, भ १७७ काइस्ट क ५०२ क्रिकेट इ ३६६ क्रिमिंग ५३६ किस्टमस छ २२८ किस्तान क ५०० कीदना ड ३६६ कीड़ा क रूड७, ङ २६४ कीड़ा करना ङ ३६६ कंडालय च १७८ क्रीड़ास्थल च २०१ कीत भा २६५ कोतक भा ५६५

कड़ ज ६५

कर गहर्भ, जरर, जहरू, भारदे७

क्रता ज २१, ज ७१ कोइ ख ६३४. ग ४६, ग ७६, ग ४२३, ग ५८१, घ ४८३, च २१ क्रोध ख १८६, ज ६३ क्रोध करना ज ६६ कोधित ज ६५ क्रोधित होना ज ६६, ज ६७ क्रोधी ज ६४ कोच ग ६२६, ग ६३१, च ६३ क्लर्कग ४०५ क्लात ज ७५३ क्लात होना ज ७८१ क्लाति ज ७५२ क्लिंग्ट ख १५७, ब ६०, ज ६५८ क्लिष्टता ज ६२ क्लोव च २२० क्लोवत्व ज २२२ क्लेश ज ५०, भ ३८७ क्लेशित ज ५२ क्लोम ग १०२ क्वियात करना ख ६३ क्यांगत होना ल ६२ क्वाथ ख ५५० क्वार छ ३७, छ ५१, छ ७३, छ ७६ क्वारा भ २६ क्वारापन भ २७ च्या छ १, छ १२३, छ १२४ च्चादा ङ ६०, छ १४३ च्यामंगुर छ १४०, ज ⊏३२ चिशाकक २१८, ज ८३२ चांग्यक इंग्ना क २१६ चत ख ५२६

च्चत्र ग २६२, च २६२ चत्रायी ग २६३ च्रिय ग २६२, ग ३०१ खपा छ १४३ चपाकर क ३०७ स्म ज ७ च्रमग्रीय ज १० च्रमता ज ४०० चुमना ब ६ च्याक रू, क १६४, क २६६, च ६०, ब ६ च्यमाई अ ४०० खमा करना ज ६ च्मा-रहित ज 🖛 समावान ख ७ स्माशील ज ७ चमाश्रम्य च ८ चाय च १० च्व स ४३५, स ५२०, ग १५४, च १४१, च २६३, छ २२, ब ८२३ ख्य करना व दश्ह चय होना च ८२२ ब्र ग ७, ग १२, च २३६, घ ८३२ च्रना च ८११ क्वाति च ६ व्यात्र स २४२ ग २६२ ब्राम क १३४, च ४६६ चार कं १०, क ४२६, ख १८० बिति हु २२, च ६० चितिब ग ५६७ क्ट्रिक २६७ चिम क १२४, क १५६, व ४४३ बिमता छ १५८, म ४४४

चिप्रइस्त क ३११, छ १६४, च ४४८ चिप्रहस्तता छ १६२ चीरा ख ५४६, ज ४६६, क ४२ चीग्काय ज ४६६ चीगाता ल ५३३, ल ५३०, व ५०१ 35 祚 बीर इ १२३, इ १५५, च ४७, च २६२ चीरिष च २६४ चौरनिधि च ६६४ त्तुएग् ज ८७८ त्तुद्र ल ३६०, ज २६८, ज ४२६ चुद्रता व ४२८, ज ४३०, व ४४१ चुधा भ ११३ शुघातुर भ ११४ द्धघाद्ध म ११४ चुघावंत भ ११४ चुधित भ ११४ च्चांघत होना भ ११६ चुन्ध ज १३ चुरिका च ३२७, ड ५२३ स्राड ५२३ चेत्रग४. ग १२, ग २२५. 🗨 १, च १०२, च २०६, च २२२ चेत्रगांचन स ५५५ चेम ब ४ ३६, म १६८ ह्योश च ६० द्योबिप स ३४६ द्योशी च ६० द्योभ व १६, व ६३, व १३४, व २४६ चोभित ज ६५, च २२६, च २३७ चीम इ २१८ चौमवन्त्र रू २१६ चौर ग १४६

चौरकर्भ ग १४६ इमा च ६० इनेड क १८३, ग ५६३,घ ४७८

ख

खखार ग १२६ र्खखारना ख ४८८ खंग घ ४५१, ड ४०६, च ४३८ खॅगारना छ २६०, च ४४७ खंज ग ६६३, ज ५३२ खँतही ख ह्य खंबन ग ६६३ खंबर ङ ४०६. ड ४१५ खबरीट ग ६६३ म्बंड ल ६४३, ट ३०, उ १७१, ङ २६६, च ७५, च १७६, छ १६६, ज ४२८, ज ८७६, ज ८८२ खंडकाव्य ख १७६ खंड खंड करना च ८७३ खंड खंड होना ब ८७२ खडहर च प्रद खंडित स १६६, च ८७८ खंडित करना ब ८७३ वंडित होना च ८७२ खंडता स १४० खंती घ ४४६ खबक क धूर्४ सम ङ ५३६, प १६७ खमा ङ ५३६ सहनो ङ २०० चउराना स ४४७ लभवा ग ४३८ चान २०७, कर४३, कर६७, क ३०७,

क ३१३, ग ५६८, ङ ४१२, च ४, च २६, छ २३६, छ २६३ लगना ज ७३८, ज ६१४ लगोल ख ६४७, च २, च ३ खरचर ग ४६६ लजाना घ ४४४, च १८१ खजुगहो क ४८७ खजूर घ ५६ खटकना ज १२५, म ३७७ खटका ज २२४, ज २४६ खटएट ज २७६ खटमल ग ५५२ खटाई ङ ५६, ङ ७७ खटाखट छ १५८, ज ४४३ खटास इ ५६ खटिया इ ४६६ खटोला ३ ४६६, इ ५०१ खड़ा इ ५६ खट्टापन इ ५६ खड़ च ३११ खडग ह ४०६ ख्डपूरी इ ११७ खड्बड्राना हा १८ खड़ा कें इ २६७, ङ २६६ लड़ा होना ज ७४६ खड़ी बोलो ख २२४ खतम ग १५८ खतम करना भ २१८ खतम होना च ६५५, अ ६१६, अ ६२८, A & 38 ख़तरा च २४६ खतरानी ग २६३, ग ३०२ खता च २१५, च ३११

खतीच २१५ खत्री ग ३०१

खदखदाना भ ६८

खदान घ ४४४

खदेबना ब ६७४, ज ७४७

खदोना इ ४४६

खद्योत क २६७, ग ६७१

खनक ग ५३२ खनना घ ४४५ खनिज घ ४४३

खनित्र घ ४४६, इ ५३०

खपड़ेल च १६८ खपत ख १८७ खपना ज ६४६

खपरैल ज १६८

खफा न ३६, ज ४०. ज ६५

विभाकरना अ ४४

खप्रत ज ३४१ खप्रती ज ३४०

खबर ज ८४०

वबरदार ज २०२

खबरदारा ज २०४, भ. १६८

खब्त **स** ३४१ खब्ता **स** ३४०

खर ग ४६६, ग ४६७, ग ६५०, ग ६५४

खरगोश ग ५१६

खरचना स रद्भ, म ८६७

खरचाल ३८७ खरक ख ६३६ खरबिरई घ १३३

सरबूजा च २७७

सरसेवर ख ४७५

सरहा ग ५१६

खरा च ४१२

खराव ज ३६५, व ४२१, व ४७६, व ६४६

खराव करना ज ५४८, ब ६४३

लराव होना ब ६४५

खराबी ख ४४१, ज ३१६, च ३६७

खराश ज ⊏६७ खराशना ज ⊏६३ खरी ड २१४

खरी खोटी ज ६३६

खरो खोटी मुनाना ज ३६०

खरोदना म २६१

वरीद-फरोस्नत भ २६३

खरीफ घ २२६ लरोच ज ८६७ लराष्ट्री ख २२०

खरोचना ज ४७८, ज म€६

सच स ३८७, ख ४०८ वर्च भरना ल ३८५

लचोला ख ३⊏६

खपैर ग १०१

खर्ग मा १८६ खराच ख ३८६

खराटा मारना च ७६२

खर्राटा लेना च ७६२ खर्राटे मरना ज ७६१

लर्वक २६६, घ ६३६, घरेट्य, अ ४३६ लल क २६७, ग ५१३, क १०, छ २०६,

च ६०, ज २६८, भ १२०

ख्तक च १०३

खतबली ज १५, ज १६, मा १७५

व्रतल ज ४४५

ख़लल डामना म ४५६

बिलिफाइन ग ३३८

खलियान भा ३२०

खलियाना च ७२१, च ८०६, च ८५३

खली क १६५, ङ २१५, च २६८

खनीता ङ ४६५, ङ ५५८

खलोती ड ४६६

खलीफ़ा ग ३३७

सल्वार व ४८४

खर घ १७३

खसकना ज ६७६

खसकाना च ६७०

खसखस च १६१

लसम ग २२४, ग ३८०

खसरा ख४४६, ख ४६५

खसोटना च ६०१,च ६३५,भ २१३

खस्सी ग ४६१

खाई च १६२

साँखर ज ५०५

खाँच च २८६

खाँचा क ४६६

खाँची ४ १६७

खाँड ङ १७१, इ १७२

खादान ग ३००, भा १

लादानी भत्, भत्

खाँवाँ च १०२

साँसना स ४८८

खाँसी ख ४८६

स्नाक ङ ४२६

क्राक होना स १०४

बाकी भा ३३४

खांब ल ४४८, ल ४६४, ब ६५२

सामा ङ १८३

बा बाना ब ७६३, क ११८

साम्बाक १८३

खाट ङ ४६६

खा डालना भ २१२

खाड़ी च २६८

खातमा ग १५४

खातिर ज ३४२

वातिरदारी ज ३४२

खातिरी ज १३३, ज ३४२

खाद ड ५३३

खादिम ग रूर्

खाद्य 😵 ३६

खान घ ४४८, इ ३८

खानदान ग ३००, भा १

ख्रानदानी भा २, भा ⊏

खानपान इ ३८

खाना ख ४००, इ३**६, ङ ४०, च १**४०,

म ११७, म १२५, म ३०७

खाना पकाना भ ८६

खानि घ ४४४

खानिब च ४४३

खामोश न ६०८

खामोशी ज ६०६

खार घ २५, घ ६६, ज २६२

खारिज़ ज ८५५

सारो इ३५

खाला ग २११

खालिक क प्रश

खाली च ४२१ उ, ब ८०४

खालो करना ज ७२१, च ८०६

खाला ग २१०

साविंद ग २२४, ग ३८०

खिंच जाना क २७५

खिनदी ङ १०७, छ २१८

खिचवाना भ ३६८

खिंचाई भ ३६६ खिंचाना म ३६८ खिंचाव क २७६, भ ३६६ खिचड़ी ङ १०७, छ २१८ खिजमतिया ग ३८३, ग ३८८ स्विजलाइट ज २५८ क्रिनाँ छ ८२ खिजाब छ ३१७ खिम ज २५८ खिभाना ज २६० खिइकी च १६६ खिताब भ २५३ खिताच १०४ ख़िदमत भा २४६ खिदमतगार ग रद्भ,ग र दद खिदमदगारी भ २४६ खिन्न ख ४०५, ज ३६, ज ४०, ज ५६. ज २२६ खिन्नताक २८१, च ३४, ज ५७ खिन्न होना क २८० (सियान) ज ६३८ खिल उठना न ६४६ खिलकान च १०३, ज ६२४ खिलखिलाना च ६३०, ब ६४६ खिलना च ४१, च ८५४, भ ३१६, भ ३६८ खिलवाड ङ ३६४ खिला च ३६ खिलाको ग ४१४ सिलाना भ २०० क्लिलाफ़ व १८५, व ४२१ सिलीना क ३७० किल्ली क १६१

खिसकना च ६७६

खिसकाना ज ६७० बिसियाना ज ६६ खिसौंडा ज ६५. च ३२२ खींच भा ६६६ खींचना क २७४, ख १५, ज ४७२, ब ८६६, ज ८६६, ज ६३५, भ ३६७ खीब ब २५६ खोजना ज ६७, ज २५६ खोभ ब २५८ र्खाभ्तना ज ४२, ज ६७, ज २५६ खीर घ ५३, ट १३३ स्वीरा घ ३७४ खील द १४७, द १४६ खीला इ १४७ खीस ज ३४. ज ६३ खीसा इ ५५८ ख्क्या ज ८०४ खुजलाना ख ४४७ ख्बलाहर ल ४४८ खुजली ख ४४८ खुटका ज २२४ ख्रियो ख ३८०, भ ३०६ ख्द स १००० खुदकुशी स २१६ खुदगरन ज २७४ खदबखद ख १००० खदा क ११२ खुदाई क ११७, घ ४४७ खदा च ८८ खुद्कनिकाय क ५६५ खुदी ङ २१३, च ८६५ खुर ग ४३३, ग ४६५, घ १२० खुरखुरा च ५८०, म ११८

खुरखुराइट व ५८२ खुरदरा ज ५८० खुरदरायन च ५८२ खुरमा ङ १८१ खुर्द च ४३८ बुरमा रू १८१ खुर्राटे लेना च ७६१ खुलना म ३६८ बुश ज रह, च ५१ खुश करना च ४३ खुशकिस्मत ज ४६० खुशकिस्मतो च ४५६ ख्रादिल ज ४८ ख्शनसीयी च ४५६, च ४६० खुराबु ङ ३१२ खुशांमबान च ४८ खुशहाल ख ४०५ छ, ज ५१, ज ५६६. खुशहाली ख४०७ खुश होना च ४१, ज ६४६ खुशामद ज १०० खुशामद करना ज ६६ खुशामदी न ६८ खुशी ज ४५ खुश्क भ १२८ र्म्खार ब २४, ब २४२, भ २१५ ख्ँखारपना च २१ ख्टग १२७ ख्टा ङ ३६६ ख्टी रू ५३७ खून ग ६४, क २१४ खून करना ग १५८, भ २१८, ख्न करबाना ग १५७

ज्ञनी ल ३४, स ४७४

ख्रुनी बवासीर ख ४७३ खूबस्रत ब ४६३ ख्बस्रती च ४६७ खूराक ड ३६ खूषट ग ६५२ खेखसा घ ३०० खेबाब ङ ३१७ खेडी घ ४५२ खेत क ४६६, च १०२. च २२२, खेताब भ २५३ म्वेतिहर ग ३७६ खेती क १६४, च ५५, फ ३०६ खेतोबाडी भ ३०६ न्वेद ज ४६, ज ७३२, म ३४⊏ खेमा च १३४ **खेल इ ३६४, भ ३**२६ खेलना ट ३६६ खेलनेवाला ड ३६५ वेलवाइ इ ३६४, ङ ३७० खेलाड़ी ग ४१४, इ २६५ खेलाफ न २८६ खेलीना व ३७० खेवट ग ३४१ खेवा स ४१५ वेसरा ख ४४८ नेसारी व २५६ सेइ च ६ ३ वैन! इ २०० वैर घ ८१, ड १८७, ब ४७६ ख़ैरख़ाइ ज ३०, ज ६८, ज १०१ ख़ारख़ेही ज १००, च १०२ ख्रेरख़ाड़ी करना च ६६ खैरा भ ३४१

खैरात क ५६, व १६५ ब्रीरियत ज ४७६ खोइछा ड २७३ खोंट ग १२७ खोंड ज ५३७ खोंडरा घ १५ लोडा न ५२६, ज ५३७ खाता ग ६०४, च १६५ म्बोसना ज ७३६ वोद्याङ १६१ खोखसा ज ८०६ खोज ख २५८ खांज करना ख २६० लोज कराना ज ७६७ सांजना ख २६०, ज '9६६ वोजवाना ख २६१, अ ७६७ खोट ज २६८, ज २१८, च २६५, ज २६७ ख'टा ज २६८, ज ३१८, ज ३६५, ज ४३६, लोटाई ज २६६, ब ३६७, ब ४४१ खोटा खरी सुनाना ज ६४० खादना घ ४४५ म्बोदाई घ ४४७ खाना ज ७१४, ८६७ खोपड़ी ग १३, ग १०१, ग ४८४ खंश के ४४१, ज ५३२ खोल इ २二६, ङ २६२ बालना ब ७६६, ज ६०७ खोवा ङ १६१ खांड च २५१, च ३११ खीक स २३३ स्वीप करना ज २३४ खौपनाक ज २४३ म्बीर क ३१८. क ३२२

खौलना भ १०६
खौलाना भ ६८, भ ६६, भ १००
ख्यात ज ३४६
ख्यात ज ३५१
ख्याति ज ३५१
ख्यातिप्राप्त च ३४६
ख्यातिप्राप्त च ३४६
ख्याल ज २, ज ११७, ज ८६६
ख्याल करना ज ६२२, ज ८३७,
ज्याली ज ६००
ज्वान ज ७६६
ज्वार ज ३४५
ज्वाहिश ज १३८

Π

गगा न २६० गगाजम्ती ख ३३, इ ३४२ गगाजल च २६१ गगाधर क १६५, च २६४ गगालाभ ग १५४ गगा लाभ होना ग ४५५ गगासागर क ५८, इ ४४५ गगोची क प्र गज ज ६२४ गजन ख ८६ गबा ३ १६५, च २०८, ज ४८४ गजी व ३०८, ङ २४२, ज ४८४, ब ६२४ गॅठिया स ५१६ गड ग ३४, स = ३, ग ४४५ गडक ग ५०२, ग ५०, ड ३३१, च ३०२ गडकी ख २०४ गडमाला स प्रप गडरपल ग ३१, ग ४४५ गडा ग ५०२, ज ६३२

गॅिंदितर ङ २८१ गड़ेरी घ २५१ गंदगो ज ४१६, ज ५४५, ज ५४६ गॅदला ज ५४२, ज ४४३ गंदा ज १५४. ज ४१५, ज ४७६, च ५४२, ज ५४३ गंदा करना ज ५४८ गदापन ज ५४५ गदी ज़बान ज ६४१ गदो ज़बान निकालना ज ६४ गंद्रम घ २२८ गद्रमां भ ३३८ गध घ ४७१, इ ३१२ गंधक घ ४७१ गधकी खा ३७, ख ३८ गंधमादन ग ६७७ गधर्नक २०२, कर४३, खप्र७, ग४५२, ग ५०५, ग ५०७, ग ६१३ गधर्वविद्या ख प्६ गंधर्ववेद क प्रमूह गधवह क ३१३, क ३१६ गंधाना भ ३६५, भ ३६६, भ २६८ गंधार देश च १२७ गंधी घ ४७१ गंभीरक १६५, व २६५, व ३४३, छ २३७, ज ११, ज ५१२, ज ५६४ गंभीरता ज १४, ज ५१४ ज ५६६ गॅवई च १३३ गॅवरपन ज ५६० गॅवाना छ ३, ज ८६७ गॅवार ख २४०, च ३६४, च ४६४, ब ४५८, ज ५५६ गँवारपन च ५६०

गँवार ब ५५६ गऊ ग ४६६ गऊशाला च २०३ गगन घ ४६०, च ३ गगनचर ग ५६८, च २६ गगनचुम्बी ग ४४० गगनधूल घ ३०१ गगनभ्वज क २९७ गगनपति क २२४, क २६७ गगनभेड ग ६२६ गगनमंडल च ३ गगनागना क २४७ गगनेचर क २०७, च २६ गगरा इ ४५२ गगरी ट ४५२, इ ४५३ गच च १७० गचका खाना मा ४१५ गचक्का भ ४१७ गचक्का खाना का ४१५ गज ग ४३५ गनक ए ४१ गजकर्या घ ३०६ गंबदत रा ४४६ गबदान ग ४४७ श्बनाल इ ४०३ गजपति ख ३४६ गजपुरना घ २७५ गलब न ४१८, भ ४३८ गजबदन क १६२ गचवाँक ह ३६८ गजवाग ङ ३६८ गडमांचा घ ४६८ गनमद ग ४४७

गबमुख क १६२ गबमुक्ता घ ४६८ गबमोती ध ४६८ गबरदम छ १३६

गषरा ङ २३३, ङ ३३४ गष्मगज ग ४३८ गषल ख २०३ गजशाला च १८७

गजराला च र ८० गजा ग ४३६ गजानेव ग ४१० गजानेव क १६२ गजारोह ग ४१० गजाशन घ ६६ गजी इ २२३

गजन्द्र ग ४३५, ग ४३८ गजेन्द्रपुर ख ६०

गढ़जो हं २२३ गिक्सिन अ ५०७

गटई ग ३५ गटक जाना भ्र ११८

गटकना भ्र ११८

गदरगों कर जाना ज ७६३

गहाइन घ १५४ गहा ग ६०, घ २७०

गहुर च ६२४, च ६२६, च ६३०

गहा च ६२६ गठकटा ग ४१८ गठन च ४६२ गठरो च ६२४ गठा च ४६८ गडिया च ५१६ गडिया च ५८३

गरगहाना व ५६८

गहुल ज ५३० गहुज ६२४, ज ६३०

गड्डो ङ ३८२, ज ६२४, ज ६३०

गड्दा च ३११ गढ् च १७२ गढक ग ३६८ श्र गढन ज ४६२ गढ्ना ज ६४४ गढ्ना च ३११ गढ्ज ४१२ गढ्ज ४१२ गढ्ज प्र१४

गडना च ४७०, च ७४०, भ ३७७

ग**इ**धा च ३११

गइदेशब ङ ३१

गड़बड़ भ्र १५८, भ्र ४३७

गहबदाना च ८४३

गहबड़ी ख ४४१, भी४००

गागेय क ४३४. क ४६१, घ १२३, घ ४४८

गॉजा इ १६५

गाँउ ग १०७, ज २७६, ज ७८४

गॉठगोभी घ २८० गॉठ रोग ख ५१६ गॉठ लगाना च ७८३ गाडीवघर च ४१७ गाधार ख ७०, ख ७३

गाँव च १३३

गान च र=१, स रब४

गाबना व ५६८ गाबर घ ३०६ गाबुवाँ घ १७६

गाह्य घर

गादा ग ४४०, क २२३, भ ६१

गाढ़ा करना भ ६०, भ ६६ गाढ़ा होना भ ६२ गाड़ी ङ ३८२ गात क २४३, ग ११, ग १२, च ६० गात्र ग ११, ग १२ गादा ङ ७३ गान ख६० गानविद्या ख ५६ गाना ख६०, ख ५६, ख ६१, ब ६४७ गांफ़िल ज २०३ गाफ़िली ब २०५ गाभ ग २२. घ २४ गाभा व २२ गाय ग ४६६ गायक ख ५७ गायकाचार्य ख ५७ गायन ख ५६, ख ५७ गायन करना ५६ ग़ायव न ७३०, च ८००, भ २५८ गायव करना च ७६३, च ७६४ गायत्री क ६३, क १६४, घ ८१ गायत्रीमत्र क ६४ गायिका ख ५८ गार च २५१, च ३११ गाग्ना भ ७२ गारा च रद्ध गारी च ६४१ गार्बाइक स ५४६ गार्गी क १६४ गाईस्थ क १०० गाल ग २८ गालवं ङ १७

गालिबन् ध ६७३

गाली च १७२, च ६४१ गाली-गलीच च ६४१ गालीगुफ्ता च ६४१ गाली देना ब ६४२ गाल ब ६१ गावतिकया ड २८७ गावदी ज ३६४ गाही ज ६३२ शिक्ट ग ६२३ गिनती ख २२८, ख ५५६, ख ५६८ गिनना ख ५६६ गिनवाना ख ५७० गिनो ख ४२२ ांगरई ग ५८८ शिर्मिट स प्र३० गिरगिटान ग ५३० गिरजाधर क ५०३ शिरदान ग ५३० गिरना ज दर, ज ६६६, ब ७०१, ज ७०८, ज ७१८, ज ८१५ गिर पड़ता च ६६६ शिरफारी भ २२३ गिरप्रतार करना भ २२४ गिरइकट ग ४१६, ग ४१८ शिरह काटना भ २१० भारा क १३०, म ४३, म २७, छ ६४६, ज १५१ ागराना ल २४७, ज ८३, ज ७०२, ज ७१६,ज ८७१, ज ६०५, ज ६०६ गिरानी ऋ २६६ शिरि ग ५२६. च २४८ गिरिचा क १८५, क ५०३, घ ४०१ शिरिषर क ३६६

गिरिधारी क ३६६ गिरिराच च २५५, च २६० गिरोश क १६५, च १६, च २५५, च २६०, च २६१ गिरोइ ब ६२५ गिलगिली ग ४६२ गिलम ङ २८५ गिलहरी ग ५२६ गिला भा ३४५ गिलाफ ङ २८६ गिलास ङ ४४६ गिलौरी ङ १६१ गिल्ली ग ५२६ गोत ख ५, ख ६० गीत गाना ख ५६ गीतिका ख २०३ गीद् ग ५१३, ग ५१६, भ २७४ गीदड्रपना भ २७६ गोदङ बोलना च ५७० गीघ ग ६२३ गीर्वाण क २०७ गीला छ २३५ गोला करना भ १४३ गीलापन छ २३६ गुँइयाँ ग २७७ गंजा घ ६०६ गुंखई च २७२ गुंडा च २७१ ग्वम च १६६ गुंबद च १६६

गुच्छा ग ६११, घ ३०

गुन्रना छ २, व ८२१

गुरुद्धां घ ४८

गुनारना छ ३ गुनिस्ता छ १७२ गुभिया ङ ११⊏ गुडाकेश क १६५, क ४१७ गुड्डी ङ ३७१ गुइ ष ६७, ड १६८. ङ १६६. ङ १७० गुह्मिया ह ३७६, ङ ३७६ गुण ब ३, ब २३५, ब ५८७, ग ४०२, घ १**१४**, इ ४१०, इ**५६६, ज ३**६६ गुराकोर्तन क ४३ गुगा ५६२ गुगा करना ख ५६३ गुर्वी रू ४०६, च ३६४ गुदगुदी भ ३६४ गुटगुदाना भ ३६३ गुरना च ७३८ गुदराना का ३६३ गुदा ग ८३, ग १३८ गुन ह ४१०, च ३२६ गुनइगार ज ६०६, ज ३१८ गुनइगारी अ ३०४ गुनाह ज ३०४, ज ३१६, म २२० गुनाही अ ३१८ गुनो च ३६४ गुप्त ग २६४ गुप्त करना ख ७६२ गुप्तचर ख ३७७ गुप्त इंग्ना च ७६१ गुप्तो छ ४१६ गुका च २५०, च १५१ गुभराह होना च ६६५ गुम होना व ७६१ गुमान च ८८

गुमानी ज ८६ गुर ड १६६ गुरगा ख ३७७ गुरुक १३४, क १६५, ख २४१, ग६, ग १७४, ग१७५, ग२⊏२, च५, च१६, च २४७, ज ४२५, ज ५१२ गुरुकुल ल २७४, च १६६ गुरुच घ १७८ गुरुता ज ४२७, ज ५१४ गुरुत्व ज ५१४ गुरुवार छ १२० गुल घ ३८१, ङ १६६, ज ५८६ गुल करना भ १११ गुलगपाड़ा ज ५८६ गुलगपादा करना ज ५६० गुलगुल ज ६६ गुलगुला ज ६६ गुलतुर्ग छ ४४० गुलदुपहरिया घ ४२५ गुलदौना घ ४२४ गुलनार ख ३४, ख ३५ गुलबद ङ २५३ गुलशन घ ६ गुलशम्बो घ ४१६ गुलाबंद ड २५३ गुलान घ ३६८ ग्लावजामुन ङ १७८ गुलाबी ख ३४, खप्र मुलाम भ २३५ गुलामी भ २३६ गुल्फ ग ८५ गुल्म ख ४७६, ग ११२ गुसल भ ६८

गुमुलखाना च १५१ गुस्ताख्न ज ८४ गुस्ताख़ी ज 💵 गुरल भ ६८ गुरलखाना च १५१ गुरललेना भ ६६ गुस्सा ज ६३ गुस्सावर ज १४ गुस्सा होना ज ६६ गुस्सैल ब ६४ गुह क १३४, क १८८, ग ८, ग ११५, ग ४५२, ज ६२४, ज ६२५ गुहा क ४४६, च २५०, च २५१ गृह्य क १६५, ग ८३ गुँग ११५ गूंगा ज ५१६ गूंगापन ज ५२० गुँगी इ ३६१, ड ३६३ गूँ गूँ करना ग ६५३ गुजरी ङ ३३ गूढ़ोक्ति ख १६० गूयना ज ८६४, ज ८८१, भ ६३ गृदद इ २२१ गुदा ग = २ गूम घ ६६ गूर इ १७० गूलना ज ददश गुलर घ ५१ गृह् स ११५ गृध्र ग ६२३ गृह घ १३७, च १४० गृहगोधिका ग ५३१ गृइपति क १०८, क ३११, ग ३८२

गृह्रथ क १०८ गुइस्थाश्रम क ६८ गृहस्थी क १०८, भ ३०६ गु€ागत ग ३७८ गृहिस्सी ग ४, ग २२५, घ ५१४, इ ६० गही क १०८ गृहात ज १६२ गेइ घ २५० गेड़ी घ ५५० गेद रू ३७५ गेंदा म ४२६, ङ ३७४ गेदा ग ६०५ गेना घ ४२६ गेम इः ३६४ गेय सा ६२ गेयपद ख १२० गेरना ज ६०५ गेरानी क २६६ गेरू घ ४, घ ४६२ गेह च १४० गेड्रुंशन ग ५६८ गेहुँकाँ ग ५६८, च ४८० का भ ३३८ गेहुँ घ २२८, घ १२६ सैंडा ग ५०२ गैया ग ४६६ गैर क्ष ४०६ गैरकान्तां भ १८२ गैरत ज ३२१ गैरमामूली च ४१८ गैरमुनासिब ब ४२१ गैरमुमाकन च ६७२ गैरमीज्दगी भ २६०

गैरवाजिब ज ४२१ गैर हाजिर भ २५८ गैरहाजिरी भ २६० गैरिक घ४४⊏, घ४६२ गैरियत भ ४०८ गैल च २४१, च २४५ गोंड ग ३४६ गोंडिन ग ३५० गाँद घ ३३ गो क १३०, क २३६, क २३८, क २६७, क ३०७, ग १९, ग २७, ग १३४, ग १७७, ग ४५२, ग ४६६, ग ४८३, ग ४६२, घ ४८४, ङ ४१२, च ६, च ७४, च ६० गोइदा ख ३७७ गोइठा ङ ४२४ गोइयाँ ग २७= गोकर्ण ग ५१० गोकि ज १००५ गोकुल ग ४७५, च २०३ गोद्धर घ १८० गोलंड ख ५०२ गो गो ज २३८ गोन व ६५० गोल करना व ६५१ गोबर ग ५७४ गोजिहा च १७६ गोबी इ४१७, ङ ५५५ गोभिया 🛎 ११८ गोडाउन चर'६ गोइ ग ८६ गोइना घ ४४५ गोड़ लगना घ १६७ गांद्रहरी ड ३३५

गोपीनाथ क ३६६

गोडाई घ ४४७ गोडा ड ५०४ गोडारी इ २६७ गोत ज ६२४, भ १, भ ३ गोतना क ४१६ गोता भ ४१७ गोता खाना भ ४१५ गोताखोर भ ४२२ गोता देना भ ४१६ गोतिया क ४ गोती ग ३००, भ ४ गोत्रच २४८, ज ६२४, भ १, भ ३ गोत्रिय ग ३००, भ ४ गोद ग ७६, ग १०८ गोदना ब ७३६ गोदाम च १३८, च २१६ गोदावरी च २६७ गोदी म १९६ गोधन ग ४७५ गोधूम घ २२८ गोधिल छ १४१ गोन घ २३, इ ५६६ गोनस ग ५६६, ग ५७२, घ ४८४ गोप ग ३०५, इ ३३१ गोर्पात क १३४, क १६५, क २६७, क ३६६ गोपथ क ५५४ गोपन ज ८०२ गापना ज ७६२ गोपनाथ क ४०८ गोपाल क ३६६, क ४६४, ग ३०५ गोपालतापनी क ५५८ गोपित करना ज ७६२

मापी ग ३०६, घ १४६

गोवेंद्र क १३४, क ३६६ गोबर इ ५३३ गोबर करना ग ११६ गोबरगनेश ज २६४, ज ४६५ गोभी घ १७६, घ २७८ गोभना ज ७३६ गोमेद घ ४८०, घ ४८१, घ ४६३, ड ८२ गोर ज ४८० स्रा गोरखपुरी पैसा ख ४२६ गोरखम्डी घ १७६ गोरस इ १५५, इ १६२ गोरांग ब ४८० स्रा गोरा ग ३६५, ज ४८० श्रा गोरी क ५६ गोरू ग ४३०. ग ४६६ गोरोचन घ १८२ गोल इ ३५८, ब ५८४ गोलक ग २१, ग १०५ गोल कर जाना ज ७६३ गोला क १६४, ख ४७१, घ ३६५, ड ४०३, च १३८, ज ५८४ गोलाई च ५८५ गोलाकार ५ प्रदर गोली इ ५, इ ४०५, ज ६३१ मोलोक क २३८ गोलोक जाना ग १५५ गोलोकवासी क २४० गोवर्धन च २५० गोविंद क १३४. क ३६६. च १६, च ५० गविन्दपद ग ६ गोशत ग ६१ गोसाई क ११२

गोशाला च २०३ गोड ग ५२७ गोइन ज ६१८ गोहरा ङ ४२४ गोहराना ज ६०० गोहार ज ५६६ गोहश्रन ग ५६८ गोई घ २२८ गौं भ ३७० गी ग १८१, ग ४६६, ग ४८३ गौला च १६६ गौडा ख १६४ गोग ग ४२८ गौतम क ४४७, च ७३ गौतम धर्म सूत्र क ५७७ गौतम सूत्र क ५६६ गौतमी क ३८६, घ १८२ गौना ग १५३ गौर ख २८. ख ३७, ख २४८. घ ७१, घ १४७, घ ४४८, इ १०, ज ४८० श्रः गौर करना ज ३६६ गौर फरमाना ज ३६८ गौरव ज ३४२, अ ५१४ गौरवशाली ज ३४४ गौराग क १२४, क ३६६, ग ३६५ गौरागी ड १८६ गौरा क १८५, ग ६३६ गौरां क श्रम्भ, क १८४, क २०२, म ४७१, च १११, घ ११४, घ १८२, घ १६३, घर०२, घ४०१, इ६० गौरैया ग ६३८ गौहर घ ४८३ ग्यान क ४६०

90 --- 59

ग्यानी ज ३६३ ग्यारह ख ६१५ ग्रंथ क ५३४, ख २६६ ग्रंथकर्ता ख १२७, ग ४०५ प्रथकार ख १२७ ग्रंथि ग १०७, घ १२३, ज ७८४ ग्रिशाभी घ २८० य्रियल घ ७४, घ ३६६, ज ४६८ ग्रीय लगाना च ७८३ प्रसन ज १७६, क रूर् ग्रसना ज ७७६, भ २२४ ग्रह ख ६०६, च १४०, ज १७६ प्रहर्ण ग १३४, च २४, ज १७६, च १८८. भ २२३ प्रह्रण करना ज १८३, ज १८६, ज १६८. भ २२४ ग्रहणाय ज १६० प्रहविद्याः ख ६४७ भाम क १६५, ख ७३. च १३३ मान्यां क १३४, ग ३११ ग्रानर ख २१६ ग्रामवासी ज ५५८ ग्रामीख ग ६५४, ज ५५८, ज ५५६ ग्रामोफोन स्व ११६ मास्य त १३०, ज ५५८, ज ५५६ ग्राम्यक्रमें क रद्ध, ज २६६ ग्राभाइमी ज ३०२ ग्रम्यधर्म क रू ७ ग्राम्या व १११ घ र इ. घ र ६१ ग्रह ३७५, च २८, ब १७६ ग्राह ग ५८८, च २४, म २२३ आइक ग ६५५ ग्राह्म ख ४१६, च ३६०, च ४२०

प्रीव ग ३३, ग ३५
प्रीवाँ ग ३५
प्रीवा ग३३
प्रीवा ग३३
प्रीवा ग३३
प्रीवा ग३३
प्रीवा छ ६६
प्रीध्म छ ६८
प्रतान ख १८५
प्रतान ख १८५
प्रतान ख १८५
प्रतान ग ३०५
प्रवाल ग ३०५
प्रवाल ग ३०५

घ

विषोरना छ २३१, ज ५४६ घंट सा ११४ घटा ख ६६, ख ११४, ङ ३१४ घंटाल प २१० वॅसुई ड १००, ड ११४ ंबट ग १२, ग १३३, घ७१, ङ ४५२, ङ ४५३, च ६६ घटती अ ६१२ घटना घ ६१५ घटयोनि क ४६४ घटवाई ग ४०१ घटबार ग ४०१ बदा हा २४१ बटाटोप छ २४१ बटाना ख ५६० मटिका छ १२७ षटिया ग ४०१, ज ४२६ बटिहा च ३०२, मा २६६ मटिहाई च ४३० षटा क २०४, ह्य १२७, मा ३०१

घड़घडाना ज ५६८ घड़ा ङ ४५२, ङ ४५३, ङ ४५४ घोड्याल ख ११४, ग ५८० घड़ी ख ६६, छ १, छ १२७ घन ख ६४, ग १२, घ ११, घ ४६०, छ २३६, ज ६२४ घनत्व ज ५०६ घनमाला छ २४१ घनश्याम क ३८६, ख ३०, छ ५४४ घनसार घ १४७ घना घ ३८०, ज ५०७ धनापन ज ५०६ धनाचरी ख २०३ घनिष्ट ज ५०७ धभड़ाना ज १८, ज २४५, मा ४४१ घबराना दे० 'घबड्राना' घबराया ज १३ घबराहट ख १६ घमड ज ८८ घमंड दिखाना ब ६० वमडो ज ⊏६ घमकना ग १५६ घमघमाना ग १५६ घमासान भ २६२ घग च १४८ घरना ग २२५ घराना भ १, भ १०३ घरींदा च १४० घष्य क रटड घर्षण करना च ६३८ घसोटना भर ३६७ घरत ह १०, इत १३६

घहराना ग १५६

घाँटी ग ३५ घाधरा च २६३ घाट ज २६६ भाटा ग ३५, ज ६१२, भ ३०१ घाटिया ग ४०१ षाटी च २५२, च २५३ घाठी ड ७१ षातक में रश्भ घातको भा २१५ बातिनी भरश्य घाती ब दर४, भ र१५ घाम च १० घायल भ २ ३६ घालक ज ⊏२४ वालना क १७१, ग १५८, भ २१८ घालमेल करना च ८४५ घाव ख ५२६ विघोरना छ २३१, ज ५४६ धिन ब १४८, ज १५४ घिनाना ज १४६ घिनौना ज १५४ घिया घ रदद धिरना च ७८०, च ७८४, च ८५६ घितकना च ६७६ **धिसना अ ६३**८ मी इर १५७ षीकाँर व १८३ बुंश्याँ घ ३०६ बुषचा घ ६०६ बुंधराला च ४८८ धुंधर ङ ३३५, ड ३६२ मुग्ध् ग ६५२

घषनो ङ १४६

घुरना ग ८५ धुद्रकना च २४७, च २४८ घुइकी ज २४६ घुइमवार ख ३६२ धुइसार च १८८ घुन ग ५५१ घुमहना ज ८५६ घुमाई क २०, ज ६८७ धुमाना ज ५५, ब ६७ घुमाव ज ६६, भ ३८८ घुमावदार ज ४८८ ब्ला भ ६१ धुसद्भा ज ७४० घुसना च ७३८, ज ७४० घुसाना ज ७४१ धुसेदना च ७३६, ब ७४१ घूँसा ग ६४ घूमना ख ११८, ज ६३, ज ६७५, ज ६८७. ज ६८८, ज ६९४ घूरना ब २३६, ब ७२३ घूस स्व ४१६, इ २६३ घूससोर स ४१७ धूसा ग ६४ घ्या ज १४८ घुषा करना च १४६ घृश्वित च १५४ षृत ङ १५७, च २६२ घृतकुमारी घ १८३ घृताचा क २४८ घेषा ग ३५ घेरना ब ७७६ घेरा च १४४, च १८६, च १६६ घोंबा घ ६०३

घोंच च ३६४
घोंटना छ २६०, भ ११८
घोंस्ता ग ६०४
घोटक ग ४५२
घोंद्रराई ड ८०
घोदस्यार ख ३६०, ख ३६२
घोदा ग ४५२
घोद घ ४७८, ज २४३
घोर घ ४७८, ज २४३
घोरयाना च ६६४
घोल ङ १६२
घोष घ ४५६, च २०३, च २३२, छ २४२
घोषणा ज ४८८, च ६०२
घोषणा ज ४८८, च ६०२

च

चग खर्००, इ ३७१, भ ३६ चंगा ल ५४७, ज ४६३, भ ३६ चंगु ग ६०२ चॅगुल ग ६०२ चॅगेली ङ ४६७, ङ ४६६ चचरीक ग ६७७ चंचल क ३१३, क ३१६, छ १२, ज १३, ज ६७८ चंचलता अ १५ चचल होना ज १७ चिवला क १६३, ध १८८, छ १५४ वचु ग ५०५, ग ६०१ चट ब ३६७ चड क १४५, ग ५२४, व ४४८, ज ६४, ख २४३, ब ६५८, म १३५, चडता भ ३८ चंडाल ग २६८

चंडिका क १८५, क १६४, क १६८ चंडी भ ६५ चडूल ग६६७ चदन क ३०, घ १३०, ङ १० चदनपीला घ १३१ चदनलाल ध १३२ चदनहार इ ३३१, इ ३४६ चॅदवा ग ६१२, ङ २६५ चदा क ३०७ चदोवा ङ २६५ चद्रक ३०७, ख ५७७, ग ६१२, घ १६० ध ४४८, च १५, च ३२ चद्रकला ड ३३८ चद्रप्रभा च १६ चंद्रकातमश्रा घ ६०० चंद्रमा क ३०७, घ ४८२, च ५, च ४१ चंद्रमाऋषि क ४५८ चद्रमौलिक १६५ चद्रवार छ ११७ चंद्रशेखर क १६५ चन्द्रहास इ ४०६ चद्रापीइ क १६५ चद्रिका क २०६, ग ६१२, घ १५६, छ ८७. ट १८६, ड ३२५, ङ ३३६, च १६ च ।ई ख ३७ चपक घ ४०६ चपन होना ज ६७६ वया व ४०६ चपाकली ट ३३४ चपू ख १६७ चबल च २८४, च २०१ चवर इ ५५२ चड्य छ ६६

चचानाट १६भ

चक च १०३ चकई ग६२२ चकचौंधना छ २६२ चकनाचूर अ ७५३ चकफेरी ज ६६४ चकराना भ ४४१ चकरो ङ १६७, ङ ४६१ चकना च २०७, ज ४३४ वकलापन च ४३५ चकवह घ १३४ चक्या ग६२२ चकाचौंघ छ २६१ चिकत ख १६४, ज १३, ज २३७, ज ६०६, म २७४, म ४४० चिकत होना ज ६०४ चकोतरा व ३५४ प ३५६ चकोर ग६२१ चक्कर के २० चकरदार अ ४८८ चक्कर मारता अ ६६४, ज ६६४ चनकी उ १६७, २ ४६१ चक करें, ख ३५६, ग६२२. य ४५७, च २७८, ज ६२४ चक्रपाशिक १३४, के ३६६ चकवर्ती राजा ख ३५०, भ १४७ चक्रवाक ग ६२२ चनवान हा ६७ चन्न ग १६ चलुश्रवा ग अप्र नजुरीन ज ४१,६

चलना ङ १५३, में १२५

नगड स रे६ 9

नवा ग १८७

चचेरा भारि चट छ १५८, ज ४४३ नटक ख ४८५, ग ५६८, ग ६३८, छ १५८, ज ४८४ चटकई छ १५८, ब ४४४ चटकना ज ८७२ चरकाना ज ८७३ नटकवारा छ १५८, ज ४४४ चटख़ना ज ८७२, ज ६३७ चटनोड १२६ चटपट छ १५६, ज ४४३ चटपटा इ.५६, इ.१५३ चटवटी ज ४४४ चरशाला च १६६ चटसार च १६६ चटाई ट ५०७ चटापर छ १५६ चटापटा छ १५५ चटावन ज १४० चद्यात च २४७, च २४६, च २५० चड़ा इ २६७ च १३० चड़कना अ ५३७ चहुना ज ६८.४, ज ७०६, ज ७१० चढरोगला ज ७११ वढाउनग उ २६१ चगक य २५५ चतुरग ख ३५६ चातर व ५६१, ज २६६, ज २६६ ज २६७ नदुरता अ ३६८ चतुरःशो छ १०६ चत्राई ब २६६, च ३६८ चतुरानन क १२३

चतुर्ये खप्रहर, ग २६६ चत्रयशि ख ५६५ चतुर्थी छु १६ चतुर्दश स ६१६ चतुर्दशो छ १०६, छ १५६ चतर्भव क १३४ चतुर्मख क १३४ चतुर्वेदी ग रद्ध चत्वर ङ १४५, ङ १५५ चहर ङ २५४. ङ २७४ चना घ २२५ चपक्रन इ २५२ चपकाना ज ६०२ चपड़ा ग ५५६ चपत ग६३, भ ३०१ चपरा भ ४४३ चपरी घ २५६ चपल घर६०, घ४५६, ज१२, ज४४३, ब ८३२ चपलता ख १८५. ज १५ चपला क १६३, घ १८८, ड २०४, छ २५४, भ ६६ चपाती ङ १०० चपेट ग६३ चेपल ङ २६७ चवाई व १६२, व १६३ चनाना भ ११६, भ १२६ चब्तरा च १५५ चबैना ङ १४२ चमक ख ४८५, छ २८७ नमकदार छ २८५, छ २८८ चमकना ह्य २८६, ज ७६, छ ६८५, च ८७२

चमकाना छ २६०, अ ५४७, थर स चमकीला ह्य २८८ चमगादइ ग ५२८ चमचमाता छ २८८ चमचमाना छ २८६ चमचा ङ ४३६, इ ४४४ चमटोली च २३२ चमडा ग ६० चमड़ी ग ६० चमत्कार भ ४३८ चामत्कारिक भा ४३६ चमत्कारी ब ४१८ चमकत भ ४४० चमन घ ६ चमर ग ५१०, इ ५५२ चमरौटी च २३२ चमाइन ग ३५२, ग ६६७ चमार ग २६६, ग ३५१ चमारिन ग ३५२ चम् ख ३५६ चमेली घ ४०२, घ ४०३ चम्मच इ ४८४ चय ज ६२४ चायन ज ८६२ वयन करना अ ८८४ चर ख ३६६, अ ३७७, ग६५३, ध ६०५ चरका पढ़ाना ज ८४४ चरखा ङ ५६४ चरण ग ८६, भ ३ चरणदासी ग ४, ग २२५ चरपरा ड ५६, ड ६१

चरपरावा ह ५७ चरपरापन ङ ६२ चरपराहट ङ ६३ चरबी ग ६३ चरसा ङ प्रर चराना ज ८४४ चरित ज २६४ चरित्र ज १, ज २६४ चरित्रवान ज ८५ चरेर स ४६६ चर्ली इ ३७२ चर्च क ५०३ चर्चा ज १०८, ज ६२१, भ ७३ चार्जी ग १३ चर्मकार ग ३५१, इ ३१०, इ ३११ चर्वण ट १४२ चर्वण करना भ १२६ चल क १३४. क १६५. च १२, च ६७८ चलता-फिरता ज ६७८ चलन ख ३३१, ज २६४, ज ६५२. च ६५३ चलना ज २७८, ज ६६५, ज ६७६ चलना-फिरना ज ६८८ चलनी ङ ४६२ चल बसना ग १५५ चलाक १६३, च ६०, छ २५४ चलाचली ज ६६७ चलाना ज ७१५, ज ७१७, ज १५५, क १५६, क ३५७ चलानेवाला भ १६० बालायमान ज १२, ज १३, ब ६७८ बलाव के ३५५

चवनी ख ४२५

चश्म ग १६ चश्मा ङ ४ चप ग १६ चसक ख ४८३ चहक ज ६४८ चहकना ब ६४७, ज ६४६ चहचहाना ज ६४७, ज ६४६ चहबच्चा च ३११ चहलना च ८२०, भ ३२१ चहला च २८६ चहारदिवाली च १४४ चहादम ख ५६२, ख ५६५ चहु ख ५६१ चहेती ग २६७, ज १५६ चाई ग ४१८, ब ३६७ चॉईचॅ्ऋाँ च ५०८ चाँटा ग ६३, ग ५४० चाडाल ग २१६, ग २६८ चाँड ट ५३८ चाँड्ना ज ८५३ नॉद क ३०७. ग १४ नॉदनी रु २६५, च १६, छ १४५, छ ३८३ चाँदी ग १४, घ ४४६ चाद्र ध ६०० चाँपना भ ३७८ चाई ग ८१६. ग ४१८ चाउर इ ६३ चाकर ग ३८३ चाकरी भ २४६ चाकलेटा ख ४३ चाकी इ १६७ चाकु इ. ५४५ चाचा ग १८७

चाची ग १८८ चाट ह १५३ चाटना च १३६ चादुकार ज ६८ चादुकारिता च १०० चादुकारी ज १०० चादुकारी करना ज ६६ चातक ग ६१५ चातुरी ज ३६८ चादर ङ २५४, इ २७४, इ २६३ चाप ह १६६, ङ ४०६, च ६७ चापल्स ज ६८, ज १०१ चापलूसी ज १००, ज १०२ चापल्रुसी करना च ६६ चापलुसीपसद ज ६८ चाबुक ङ ३६६ चामना भ १२६ चामों ड ५४२ चामर ङ ५५२ चामरी ग ४५२, ङ ५५२ चामीकर घ ४४८ चामुंडा क १६४, क १६७, क २०२, क २२४ चाय ङ १६६ चार ख २६६, ख २७७, ख ५६१, घ २६६ चार्य ग ३५३, ग ३६५ चारपाई ड ४६६ चारवागु घ ६ चारा ड २०८, ड २१२ चारु घ १८५, ड ३२१, च १६, ज ४६३ चारता ज ४६७ चारों ख ५६४

चार्वोक क ५, क ६, क ११६

चार्वाकमत क १२१ चाल ख २०५, ज १, ज २६६, ज २६४, ज६४४, ज६८०, ज ६५२, ज ६५३, भ ३७० चालक भ १६० चाल-चलन ज २६४ चाल चलना ज २७० चालना भ ३६० चालबाज ज २६७ चालबाली ज २६६ चालबाज़ो करना ज २७०, ज ८४४ चालाक ज २६८. ज ३६७ चालाकी ज २६६ चाव ज १३८, ज २१२ चावल ड ६२, ड ६२ चास ग ६५७ चास करना भ ३११ चासा ग ३७६, ग ३७७ ग द६२ चाइ ड १६६, ज १३८, ज १४५ चाह्या ज१३० ८ १३६, ज१४५, ज १५१ चाह्नेवाला ज १४० चाइश्रस्य ज १४१ चाहेज १००३ चिंगना ग दं४७ चिन्धाइ ग ४४=, ज ५६५ चिघाइना च ५६४, ज ५६६ चिंचकाष ४६ नितन ख २८८, ब २२४ चिंतन करना ज २६६ चिंतना ज र, ज २२४, ज २२५, अ ३६६ चिंता ख १८५५, ज २, ज ४६, ज २२४ चिंता करना ज २२५ चिताग्रस्त ज २२६

चिंतामिशा क ११२, क ११३, घ ४८४ ध ४१ ७ चिंताविहीनता छ २२८ चितित च २२६ चितित होना ज २२५, भ ३४७ चिंदी ज ८७६ चिउँटा ग ५४० चिउँटी ग ५४२ चिउडा इ १४५ चिक ग ३६३, ङ ४६७ चिकना ज ५७६ चिकनाई ज ५८१ चिकनाना ज ८०८ चिक्तनाहर ज ५८१ चिकारा ख १०७ न्त्रिकित्सक ख ५३८ चिकित्सा ख ५४४ चिक्तिसलय ख ५४३ निक्र ग ३७, ग ५२६, ग ५३६, ग ४५८, ग ५६७ उथ्र ह , ७०५ ज ५७६ िचलुर ग ५२६ ोनावाड ज ५६५ निग्वाङ्गा ग ४४१, अ ५६४, ज ५६६. 三36年 िर्नाचडा व २६८ जिविवासा रा १२०, ज ४६० चिट ब ८७६ चिटकना ज ८१, घ ८६२, चिटकासा ज ८६३ चिद्री ख ३१६ चिद्रोरमाँ ख २७६ चिंद स १४८, स २५८, स २७६

चिद्ना ज ६७, ज २५६ चिद्वाना ज २६० चिड्डिचड़ा ज ३६२ निइचिड़ाना ज ६७, ज २५६ चिडिया ग ४६८ चिड़ियाखाना च २१२ चितचोर ज १५५ चिड्रोमार ग ३४८ चित्रा १३२ चितकवरा ख ४८ चितवना ज ७२३ विताच २२= चितेरा ख १४ चित्त ग १३०, ग १३७ चित्त-त्रति ज ३ चित्तार्र्वक ज ४६३ चित्रक ३१८. ५२, व १३, व ७४, ख ३१७ ा ६८, घ ३७८. ड ३२०, च १६ ज ५२६ चित्रकरु ४४ प उद, ग४६७, ग४६६ म ५६७, म ४३४ चित्रकल स्ट ५२, 🗆 १४७ चित्रकार ख १ ′ चित्रकारी ख ५२ चित्रकृट च २५६, क ५६ चित्र खोचना व १४ ज ६१६ चित्रगात के देशक, के अकर चिरण ५% चित्रम् करना ल १४ चित्रित व्य १७ क्तित करना खरूप, ज ६१६ चित्र बराना ख १५

चित्रा घ ११४, घ १४७, घ २१५, घ ३७३,

च २७, च ४१ चित्राघार ख १८ चित्रिखी ख १५५

चिथड़ा ङ २२१

चिनगारी छ २८१, भ १०६ चिनगो छ २८१, भ १०६

चिन्मय क ११२

चिन्ह क ३१०, ख४४०; ज ११४, भ ३७४

चिन्हवाना ज ११५ चिन्हारी ज ११६

चिपकाना ज १५२, ज ६०२

चिपकाया ज ६०४ चिपटाना च १५२ चिपरी ङ ४२४

चित्रक ग ३२, ग४६

चिमचा र ४३६

निमटा ग ५४०, इ ४३६

चिरजीविंग ६५४, छ १५१

चिरतन छ १७४ चिरई ग ५६८ चिरकालीन छ १७४

चिरजांबी क १३४, क ३८०, क ४४१,

म १२५

चिरम्थायी क २१६, ज ८३३

चिंग्हटा ग ३४= चिराग ड ४६० चिरागदान रू ४६१

चिराना छ १७४ चिरायता घ १३५

चिरायु घ ६६, छ १४१

चिरैया ग ५६८ चिरौँजी च ३६६ चिल ग ५६१

चिलक ल ४८५, छ २८७, भ ३७६

चिलकना सः ३७७ चिलमची ङ ४७१ चिलमन ड ४६७ चिल्ला ग ६४६

चिल्लपों ज प्रद्रह, ज प्रहर

चिल्लाना ग ५१८, ब ५६०, ब ५६४,

ज ५६६

चिल्लाइट ज ५८६, ज ५६२ चिल्हक ख ४८५, भ ३७६

चिल्हकना भ ३७७

चिहरना ज ८६२, च ६३७

चिहराना ज ६८३ चींटा ग ५४० चींटा ग ५४२ चीख़ ज ५६२

चोज़ना इ १५३, ज ५६०, ज ५६४,

ज ५६६, म १२५

चीज़ ख २६७, इ ३७, ङ ४१८

चोइ घ ८८

चोड़नाज ८६३, च ६३६

चीड़काइ ख ४३४ चोता ग ४६६ चीत्कार च ५६२

चीत्कार करना ज ५६४

चीयड़ा ङ २२१

चीयना ज म्ह्र, ज ६२४ चीन घ ४५८, ड ४०२, ङ ४८०

चीनिया बादाम घ ३७१

चीनी ङ १७२ चीन्हना ज ११० चीन्हपहचान ज ११६ चीर ख ५४०, घ ४५८, ङ २१८, ङ २२१ चीरना ब ८६३, ब ६३६ चौरफाइ ख ५४० चीरा ख प्र६, ख प्४०, ङ २३८ चींग लगना ज ६३३ चील ग ६४६, ग ६६७ चोलर ग ५५३ चील्ड्र ग६४६, ग६६७ चुंघा ज ४६२ चंबक घ ४५३ चुत्राना च ७१६ चुकदर म ३२२ चुक्कइ ङ ४५६ चुग़द ग ६५२ चुगलखोर ज १६३ चुग़लखोरी च १६४ चुगला ज १६३ चुगली करनाज १६५ चुगली खाना ज १६५ बुगुला ज १६३ चुगुली ज १६४ चुटकी ज ६३७ चुटिया ग ४२ चुटैल ज ४⊏६, भ २७६ चुड़ैल क ३५२, म ६५ चुडिहारा ग ३५७ चुक्हिरिन ग ३५८ मुनना ज ८८४ चुननेवाला च ८८६ चुना हुन्ना ज यद्भ चुनिंदा बद्द्य बुनौटी इ ४८६ चुनौता च ५६३

चुनौती देना ज ५६१ चुनी घ ४६१, ङ २१३ चुप ज ६०६, ज ६०८ चुपचाप ष ६०८ चुप्पा ज ३६४, ज ५१६, ज ६०७ चुप्पी अप्ररः, ज ६०६ चुभता जबाब ख २६८ चुमना ज ४७०, ज ७३८, ज ७४०, म ३७७ चुमाना ज ७३६, ज ७४१ चुरना भ ६२ चुराना भ ६०, भ २१० चुनबुला ज २६⊏ चुलबुलाना ज ६४६ चुलबुलाइट ज १५ चुल्ली ङ ४२० चुहलबाज़ ज ३७१ चुँची ग ५१ चुक ध ३४१, ज ८४१ च्कना ज ८४३, ज ६१५ चूजा ग ६४७ न्द्र क प्रदा, इ देव्दे, इ देव्दे, इ देव्द चुड़ाकर्म ग २४६ चुडामिण ६३२८ चूड़ी ड ३३४, ङ ३५५ चूत रा ८२, घ ३५ चूतइ ग ८२ चून इ ६५, इ १८८ चुना ङ १८८, ङ ७१८, ब ८११ चूनी घ ४८०, इ २१३ चूमना ज १३६ चूर करना ख ५४२ चूरन ल ४५१

चूरमा ड ११५ चूर्ण इ७, इ६५, ल४५१ चूर्ण करना ख ५५२ चूल्हा ड ४२० चूल्हा जलाना भ ८६ चूसना भ १२६, भ १३४ चूहा क १६३, ग ४३२ चेचक ख ५१० चेट ग २२४, ग ३८३ चेटक ग ३८३ चेटी ग ३८४ चेत ज १३०, ज ८३४, ज ८४० चेतन क ११२, ग५, ग६, ग७, चेतना ग १३२, ज ५. ज ८३७, ज ८४० चेताना ज २०८ चेतावनी देना ज २०६ चेन घ २४७, घ ३४६, ड ३४६ चेरा ग ३८३ चेरो ग ३८४ चेला ख २४२ चेह्हवा ग ५६१ चेहरा ग १५, ज ४६२ चेहरा-मोहरा ज ४६२ चैन छ ३६, छ ७०, छ ८५ चेतन्य क ११२, ज २०२, ज ३३६ चैतन्य करना ज २०८, ज ७०० चैतन्य होना ज ७६६ चैतन्यतः ज ५ नैतहा छ ४० चैती छ ४०, छ २२७ नेत्र छ ३७, छ ३६ चैन लु २४७. ज ४६, ज १३३ चैलंज ज ५६३

चैलेंज करना ज ५६१ चोंचग ६०१ चौंच लाना अप ७६ चोंचा ग ६६७ चोथना ज ८६३, च ६०१, ज ६३४, ज ६३५, ज ६३६ चौधइल ज ४६२ चोकदर घ ३२२ चोखाड १०६ चांच घ२० चोचला दिखाना ज ७६ चोट ख ५२६. ज ७०३, भ २८० चोर करना भ रप्पश चोट खाना ज ७०६ चोटा इ १७३ चोटिल भ २७६ चोटो ग ४२, इ ३२५, च २४६ चोदन क २८७ चोदनाक २८६ चोदाई क २८७ चौर ग ४१८ चोरां भ २०६ चोरी करना भ २१० चारो जाना भ २१३ चाला ग १२, ड २५२ चोला छोड़ना ग १५५ चोला ङ २६६ चौकाना ज १२३ ऋ चौषियान! छ २६२ चौक च १४५, च २४६ चौकड़ी छ २३, ज ६८१ नौकड़ी भरना ग ५२० चौकना ज २०२, ज २३७

चौकस करना च २०८ चौकस होना ज ७६६ चौकसी ब २०४ चौकसी करना भा २०५ चौकाक ३२, ग२५, ड ३२८, च १६८ चौकी क ३२. ख १११, ड ३२१, ड ५००, च १३०, च १८४ चौकी शर ख ३७२ चौकीदारी करना भ २०५ नौकोना ज प्रद्रा चौगान च १४५ चौगुना ख ५६३ चौजुग छ २३ चौड़ा ज ४३४ चौदाई ज ४३५, ज ५७४ चौड़ान ज ४३५, ज ५७४ चौड़ापन ज ४३५, ज ५७४ चौतरा च १५५ चौथ ख प्रम्, छ हर चौथा ख ५६२ चौथाई ख ५६५ चौथापन भ ३४ चौदस ह्य १०६ चौदइ ख ६१६ चौपइ ङ ३७३ चीपहल च १५५ चौपाई ख २०३ चौपाया ग ४३० चौवाल च १४७, च १५४, च २०६ चौबे ग २८५ चौमाता छ ७२ चौमुहाना च २४६ चौरगा अप ५३

चौरस ज ५७७ चौरस्ता च २४६ चौराक ३५७, क ३५८, घ २६०, घ २६२, व ३२८ चौराई घ ३२८ चौराहा च २४६ चौवा ज ६३२ चौसर ड ३७३ चौहट्टा च २४६ च्युतसंस्कार ख १६७

छ

छद क ५३८, क ५३६, क ५५५, ख १६८, ख १६८, ख २३७, ड ३५३, ब १३८, ज ३०८ छदक ड ३५३ **कॅरना ज ८५४** छॅरा हुन्ना ज ८८५ छुई स्व ५२० ख्रकता अ ३७ ळुक्का ख ३०२ अगुनी ग ४४ ख्रुदर ग ५३३ ञ्चटकनाज ६८५ क्टका ख ६० छरा च ६ छुट छ १०१ छ्ठवां ख ६०१ छुडा ख ६०१ छुड़ा ह २३५ छड़ा ह प्रूप् **८**६४ में फ्रिक छत च १४६, च १६८ ऋतरी ड ५५४

छता ग ८७ ह्यता ङ ५५४ छत्तोसगढी स २२४ छत्र ड ५५३, ङ ५५४ छुद ग ५६६, घ २१, ज ६२४ छदन घ २१ छ्य च २६२, भ रदर छुद्मी ज २६८ छन छ १, छ १२३, छ १२४ खुबाड ३३४ ळपाकर क ३०७ ऋपय ख २०३ ळुष्पर च १६८ क्कबिच १०, ज ४६७ छुबीलाज ४६३ क्रुबोलापन ज ४६७ छमा ख ६ ह्यरना भ १४६ छल ज २५७, ज २६६ छल करना भ २०८ बुलबुद ज २६६, ब ३०८ छुलछद करना ज २७०, च ८४४ छुत्रछदो ज २६८ छ्जाना ज २७०, च ८४४, भ २०८ खलनी ङ ४६२ क्रज़ॉग ज ६८१ ब्रलॉग मारना ज ६८६ क्षांत्रया ङ १६२, ज २६८, ज २६७ छुली ग ४१६, ज २६८, ज ३६७ कुल्ला ड ३३६, ड ३५.८, रू ३६१, ङ ३६३ ञ्चल्ली घ २० छल्लेखर ज ४८८

नुह ख ६००

छिहियाँ छ २६४ छाँछ ङ १६२ क्रॉट ख ४६६ छाँट करना ख ५००, ब ८६६ छाँटना ज ५७८, ज ७४७, ज ८५३, ज दंद०, ज दंद४ छाँटा ज ८८५ छादस क ५३६, क ५४२ छादोग्य क ५५८, क ५५६ छाँइ छ २६४ छाई ख ४५३ छाग ग ४६१ छागल ग ४६१, ड ३३५ क्राह्य ह १६२ छाजन ङ २१८, च १६८ छाबना ज ५५४ छाइना ख ५००, ब ८६८ ञ्जाता ङ ५५४ ळाती ग ४६, ग ५० छाती से लगाना च १५२ छात्रश्चि ख २४४ छात्रालय ख २४५, च २०० छानना भ ३६० छानबीन अ २५० छान। च ८७१ छाप भ १६४ ञ्जापना ख २८८ छापा भ १६४, भ २०६ छापाखाना ख २८६ छाया क ३०२, छ २६४ छार ह ४२६ ञ्जाल घर० छाल्टो ह रूप

छाला ख ४७७, ख ५२१ छावनी च १३०, च १३१, च १३२ च २०५ **छिंक**नी ङ १६८ छिगुनी ग ७४ छिछला ज ५६५ क्षिञ्जलायन ज ५५७ ब्रि: ब्रि: करना च १४६ श्चिक्कोरपन **च ४**४१ श्चित्रोग व ४२६ ब्रिटकना च ६८५ ब्रिटबाना ब ८६५ ब्रिटपुट ब ५०८ क्षिटाना च ८६५ खिइकना भा १४३, भा ३१८ छिड़काव करना भ १४३ ख्रितराना व ८६३, व ८६४, व ८७१, ब ८६२, ज ८६३ ख्रिदना व ७३८ ब्रिह च १, च १५६ छिन जाना भ २१३ किनार च २६६, ज ३०२, भ ६६ ब्रिनारा व २६६ 'खुनाल ब २६६, भ ६६ क्षिन भिन ब ६३६ क्षिम भिन्न करना म ८२० शिषमस्ता क २०१ ⁽खपकलो ग ५३१ 'बेपना च ७६१ छिपाना च ७६२ विषाव ङ ४६७, ब ८०१, ब ८०२ खिलका घर० **बीटना क १४३**

छ्रोका ङ ५४०, ङ ५६३ छीटना च ८६३, भ ३१४ छीन ज ४६६, भ ४२ र्छानना च प्पर, भ २१०, भ २११ छोपा ग ३६० छीपी ग ३६० छीमो घ ३१ ब्रीलना ज ५७८, ज ८५३, ज ८८० ब्रुटकाना भ २३३ छुटकारा भ २३० **छ्यटकारा देना भ २३३** ञ्चरकारा पाना भ २३१ छुटना ज ८५४ छुटाई च ४२⊏ ब्रुडी क १५५, छ २०१, म २३० छुइना ज ८५४ छुड़ाना भ २३३ क्रुतहा भ ४१३ ब्रुद्ध ज २६८ ह्यरी ङ १, ड ५४५ ल्लारा व ३६३ खुद्धा ज ८०४ ञ्चो ङ ३२६ छुट म २३० खुटना ब ८५४ म २३१ ब्रुटा भा २३२ छूना क ३६१, भ ४१२ ब्रुरा ड १, ड ५२३, ट ५४५ सुकता व ७८२ छेद च १५६, च १६४ छेदना च ७३६ छेना ङ १६४ ह्येर ग ४६२

छेरना ग ११६ छेवना ब ८८० छोकड़ा ग २५० छोट ब ४३८ ह्योटा ज ४२६, ज ४२६, ज ४३६, ज ४३८ ह्योटाई ज ४६८, ज ४३० ह्योदना ज ६, ज १८२, ज ७४८, ज ७४७, ज ७६४, ज ८५३, ज ८६८, भ २३३ ह्योरना भ २१० छोरा ग २४७, ग २५० छोरी ग २६० छोलना ज ५७८ छोला घ २५५, ट १४३, ङ[ः]४६ छोइरा ग २५० छोडाडा घ ३६३ ह्योंक र ७४ छौंकन इ ७४ छौंकना भा ६४ स्रौना ग ४३१

ज

जग भ २६२ जंग चढ़ना ज २८२ जगम ज ६७८ जगल घ ११ जंगला च १६६ जगली छ ६६, ज ५५६, ज ५५७ जगी ज ४२५ जधा ग ८४ जिया च २५६ जंचना ज ४६६ जचना ज ४६६ ज़ज़ोर घ ३५३, ङ ३४६, ङ ३४६, ङ ४००, इ ५४३ जंतर ह ३३१ जंत दे० 'बीव' जात्री स्व ६५१ जपर इ २७० जबुक क २८६, ग५१३, ग५१६, घ ३६६ जबुफल घ ४० जबृद्वीय क प्रद्र७ जभ घ ३५३ जॅभाई ज ७५६ जॅमीरो घ ३५४ जई घ २४, घ २३७ ज़ईफ भा ३४ जईकी भर ३५ जक ज ७३, अ ३२१, ज ३३६ जकड़ा भर २३५ ज़कात क ५०७, क ५१५, ख ४१०, ब १६ जुखीरा ज ६२४ नक्मी भ २७६ जग च १०३ अगगा ख २०० जगत क १६५, क ३१३, च १०३, छ २६ जगती च ६०, च १०३ जगदबा क १५४ जगदविकरा क १६४ जगदीश क ११२ क १३४ जगनाथ क ११२, क १३४ जगनायपुरी क ५६ जगमगाना छ २८६ जगमगाहर छ २८७ जगह ज १, ज ६६२, भ २५५

जगाना ज ७७०

अधन ग ८२, ग ८४ अवन्य ग २६६ जच्चा ग ४२१, भ्र ५४ जब्चाखाना च १५० अज ग ३६६ अजमान क ८७ बनीग च ६२ जरना ज २७० म २०८ जराग ३७, ग४३, घ१३, घ१६, घ६७, घ १२७, घ २६३ बटाधारी क १६५, घ ६६, ज ४८७ जटामाची प १६३ चटायुग६२३, घ १७७ बटित भा ३२५ जिटिल घ ६५, घ २६२, ज ४८७ जटर ख ४६६, ग ५२, ग ११३ जठरानल छ २७३ जटराग्नि ल ४६६, छ २७७ जह व १३, घ ३०२, घ ४५८, च २६२, ज ३६४. ज ६७६ ज़ब्ता ग्व १८५, ज ३६६ बदना भ ३२४ बढ़हन घ २२७, घ २३२ जहाना भ १४५ बहित का ३२५ बड़ीब्टी घ १३२ जडका मा ३२५ जङ्गा ख ५३० बतलाना स २६२, ज २०८ बाबु घ ४६७, ङ ६१, ङ ३२४ ब्रांश ज ६२५ बदिपे स १००५ बदुपति क ३६६

4 --- -- २३

जदुराई क ३६६ जन ग ३, ज ६२४, म ४०४ जनक क ३७६, ग १७४ जनतत्र ख ३६० जनता पार्टी ख ३४६ जनन क ११२, ग १४४, ग १७४, भ ५३ जनना ग १४५, ग १४६ जननी ग १७७, ग ४२१, घ १६६, ङ ३२४ जनपद ख ३४८, च ४०७ जनप्रसिद्धि भा ३८५ जनम ग १४४ जनमना अ ८१३ जनवाना ज ११५ जनवरी छ ३८ जनशास च १३०, च २२०, ब ६२५ जनश्रति का ३८५ ननाना ग २२५. च १७७ जनादंन क १३/, क ३९६ जनव च ८१ जनेक क १०६, ग १५० जनत क ५३० जन्म ग १४४, ज ८१२ जन्मदिन भा ३३ जन्म डेना ग १४६ जन्मना क १५६, भारे१६ जन्म लेना ग १४५, ज ८१७ जन्माना क १२५, क ३१५ जन्माष्ट्रमो ऋ २१२ बन्य ग १७४, ग २५० जप क ३८, क ४८ चपना क ३६, क ४६ अका भर १६६ जन छ ६

जबतब छ १६५ जबङ्गाग १०३ ज़बरदस्त भ ४० नबरदस्ती ज ६७४. म १६६ नुबर्न ज ६७४.ज ६७५ नबान खर१३, ग२७, ज ६१४ जम क ३१७ जमदुतिया छ २११ जमना ज ६८६, ज ८५६, भ १४५, भ ३१६ जमहरियत ख ३६० जमा ख ३८१, ख ४११, ज ६०४ जमा करना ज ८४८ जमात क ८०, ख ३३६ जमादार ग ३५४ जमादारिन म ३५५ ज़माना छ १, ज ६६१, ज ८५८, ज ६०२, भ ३१५ नमानाहाल छ १७३ बमायत क ८०, ज ६२४, ज ६२५ जमायतुलउलमा ख २४६ बमालगोटा घ २१६, घ ४७६ बमावड़ा ब ६२४, ज ६२५, ज ६२७ क्रमीकद घ ३११ नमोदार ग ३७४ **झमु**र्रद घ ४८६ बमेट्टो ल ५५५ जम्नोत्री क ५६ बयत क २८६, क ३०७, क ४२५, ज २६० जय क १४५, क २८८, क ४१४, घ १०८, घ २३७, ज २८८ जयकाव्य क ५८० जयद्रथ क ४३६

जयमाल ङ २३१. ड ३४६ जयहिंद ज १६६ **नर ख ३८०, ख ४६१, घ १३** नरखेन च १०१ बरट छ १७४, म ३४ जरठपन भा ३५ ज़रद ख ३७ जरदा इ १८६ ज़रदी ख ३६ बरना भ १०४ ज़रब ख ५६२ ज़रब करना ख ५६३ जरबन इ २६५ नगन ६१०, भा ३५ जराना भ १०३, म ११० जरासंघ क ४४२ जराइ ख ५३६ ज़रीया भ ३७२ ज़रूर ज ४२१ श्र ज़रुरत ज ४२१ ई नुरुशं ज ४२१ आ जर्जर भा ३४ ऩर्द ख ३७ ज़दरिङ १८६ नदीं स ३६ नरीं ज ८६५ ज़रीइ ख ५३६ ज़रीही ख ४३४, ख ५४० जल च४७, च २६२ जलचर ग ५७७, ग ५८४ जलचिकित्सा ख ४३२ जलज क ३०७, ग ५७७, ग ५८४, भ ३२८, घ ३८८, घ ४८३, घ ४६४

बलजात घ ३८८ अलडमरूमध्य च २६६ जलद छ २३६ जलधर च २६४, छ २३६ जलिख च प्र. च २६४ जलन ख ४५५, छ २८२, ब २६२ जलना भा १०४, भा १०५ जलपान ए ४१. ङ ३८१ जलसा ज ६२५ जल्दी छ १५८, छ १६२, ब ४४४ जल्दी करना छ १६१, ज १८ जस्दो भचाना ज १८ अल्पना ज ६१३ जल्लाद ग ३७३ जब म २३६, छ २६५, ज ४४३ ज्ञवनिका ङ ४६७ बवाई ग २६३ जवान भ ३२ जवानी भ ३३ जवाब ख २६७ जवाबदेह ज ३८० जवाबदेही ज ३८१ अवाहर घ ४८० जवाहरजाकेट ङ २५१ जनाइगत ध ४८० जशन ब ६२५ बसुमति क ४०६ जस्ता च ४५५ जहत्नुम क ३१६, क ५३२ जहर क १८३, ग ५६३, घ ४७८ बहाँ ज ६६० षहाँ नहीं ज ६६४ भहाँ तहाँ ज ५०⊏, ज ६६१

नहान ङ ३८० जहान च १०३ जहालत ज १०४, ज ३६६ नहीन ज ३६३ जहेन ख ४१६ जहूं क १३४ जलपान करना भ ११२ जलप्लावन च २८४ जलवायुख ३२५ जलाना ज ⊏३४, भ १०३, भ ११० जलावन ड ४२३ जलाशय घ १७३, च२७१, च ३१३ नलोल ज ३४५ नलील करना ज ३४६ नलोल होना च ३४७ बलेबी ङ १८० जलौका ग ५६६ बहद छ १५६, ज ४४३ जल्दवान छ १६४, ज४४८ जल्दबाना छ १६२, ज ४४४ जाँच २ जागल ग ६१, घ ४७८, ज ५५६, च ५५ जाँच ग ८४ जाँ घिया ङ २५६ बाँच ख २५०, ख २५८, अ १६२ जॉचना ख २५४; ज १६६, म ३५४ बॉच-पहताल ख २५० बात ड ४६१ जाँववान क रूप जा क ३६७, ग १७७, ग २५० बाई ग २६०, घ ४०३ बाकेट ङ २५१ बागना स ७६६

बागरण व ७६८ बागरक घ २४८ बागरित च ७६८ बागरितार ग ४०५ श्र बाग्रित च ७६८ बाचना च १६६ बाचना च १६६ बाउवल्यमान छ २८८ बाइ ख २२४ बाइ छ ७५

चाडा बुखार ख ४६४ **चात ग**१४४, ग२५०, ग२६०, ग३००

ब ८१८

म १३६

चातक क ५६६, ग २४७, ग ४२२, ग ४२६

चातवेद क ३११

चाता ग २६०

व्यतिख २०१, गर⊏१, ग३००, घ४१५,

भा३

जादू क ३६२, भ ३२६

बादूगर ग ४०७, भ ३२७

बादुगरी भ ३२८

व्यान ग ८४, ज १०३

जानकार अ ३६३

बानकारी ब १०३, ज ११७, ज ३६५

व्यानकी क ३६७

चान जाना ग १५५

बानना च ११०

बानपहचान ज ११४, ज ११६. ज ११७

जानण्ड्यानी ज १११

मानवर ग ४३०

बाना छ, २, च १०४, ज ३८४, ज ६६५,

ज ६६७

जानावुका ज १०५

जानी ग४, ग२२५, ग२६७, ज १५६

जानुग ८४, ग ८५ जाप क ४८, क ५१ ज़ाफरानो ल ३७ जाबर ड १०८

नाब्ता भ १७५

जाम इ ४४३, छ १, छ १२८

जामवत क रूप्ट

जामा ङ २१८, ड २५२

जामाता ग २६३ जामिन क १८७

चामुन घ ४०, घ ४१

जामुनी ख ३•, ख ४६ ज़ायका ड ५१, भं १२४

ज़ायका लेना भ १२५

ज़ायकेदार ड ५०, ड ६०, म १२७

जायज्ञ ज ४२० जायजा ख २५० जायफल घ २२०

जाया ग २२५, च १५०

जार ग २२७, इ ५७१ जारज ग २४६, च १८

जाल ट ५६१, ८ ५७१, ज ६२४

ज़ालिम भ १७०

जाली ह ५५८, ङ ५६१

जावक ङ ३२४, भा ३३५

जावालि क ५५८ जावित्रो छ २२१

जासम ख ३७७

जाहिर करना ज ७६६

जाहवी च २६०

जिस्म ग १२

जिंद क ३५० जिंदगी ग १४३, भ २६ र्ज़िदा दे० परिशिष्ट क। ज़िक ज १०८, ज ६२१ बिगर ग ६, ग ११०, ग १११, ज २०६ विजिया ग २०२ किश्रामा ज ११६ जित ज २८८, ज २६० जितेन्द्रिय क ३८० निद ज ७३ ज़िंद करना ज ७५, ज ८१ ब्रिही ज ७४ जिन क १३४, क २६७, क ३५०, क ३५१, क ४४७, क ४८४, क प्रेर जिनिस इ ३६ जिन्स ड ३६ बिब्रील क ४२८ जिमोकद घ २११ ज़िम्मा ज ३८१ जिस्मेदार अ ३८० ज़िम्मेदारी ज ३८१ निम्मेबार ज ३८० ज़िम्मेवारी ज ३८१ जियाप्रैको ख ३२३ शियादती भ १६६

वियासोबी स्व ३२६

ब्रिरिफ़ ग ५०१

जिल्द ग ६०

बिरह ड ४०८, न ११६

ज़िल्लात **स** ३४८, ब ६४६

बिक्शु क १३४, क २२५, क २६७, क ४१७

बिह्लत उठाना ज ३४

बिस जगह ज ६६०

जिस्मानी ग १२ अ जिह्या ग २७, ग १३६ जीग १३० जीजा गर०३ जीजीग २०२ जीन ज २८८ जीतना च २६३ जोन ड २२३, ड ३६३, भ ३४ जोना च १५७ जीभ ग २३, ग २७ जी भर जाना ज ३७ जोभी ग २७ जीमना क्र ११७ जी मिचलाना ख ४६८ जीमूतवाहन क २२५ जोरा घ २२२, घ २२३, घ ३६०, ड ८१ ज़ारा सफेद घ २२२ बोग स्याह ध २२३ ज़ीरो ख ५७३ जोर्गा घ १३७, ज ६३६, भ ३४,३५,४५ जीर्याता भ ३५ जीर्यावस्त्र इत्र २२१ जीर्माशीर्म ज ६३६ चीर्याशीयां होना ज ६३३ जी ललचाना अ ४७२ जोव क १३४, ग१, ग४, ग६, ग७, च १६, च ३५ जोवजंतु ग ४३० बोबर ज २०६ बोबधारा ग १, ग ४३० जीवन ग ६२, ग १४२, ग १२६, घ २५५, **F** 140

वनकाल ग १४२, भ २६ विन पाना ग १४५ वन मर छ १४६ नवनी ख २०४, ङ २२ ीबातमा ग ५, ग ७ गैवितपुत्रिका छ २१७ ी इटना ग १२५ ी हटाना ज १२३ श्र, ज १२६, ज १२६ श्राँग ५५४ प्रशाही ग ४१५ काम स ४७५ क्ति भा ३७० ांग घ ६०, छ १, छ १६, भ ७ रुगनू ग ६७१ रुगराप्तिया ख ३२३ रुमवना ज ८५८ बुगालो करना, भ ११६ बुगुत भ ३७० तुगुन् ग ६७१, ङ ३३१, ङ ३४६ बुगुप्सा ख १८६, ज १४८ बुगुप्सित ग १५४, ज १६० बुभार ख ३६४, भ २६२ जुभार करना ज २८२ बुकार ख १०३ जुटना क २८६, ज ८५६ बुटाना ज १५२, ज ८५८, ज ८६६, ज ८७४ बुद्रना ज ६५६, ज ८७४ बुदवाना म १०१, म १४० जुद्दाना ज ३७, भ १०२, भ १४२ बुद्दा दुष्टा ज ८७४ बुदा ब ८५५, म ४०६ बुदाई बद्धद

जुदाई करना ज ८५३, ज ६०१ जुदा होना ज मध्४ जुन्हाई क २०७, च १६, छ १४५ जुमा छ १२१ जुमारात छ १२० जुम्लाख २३२ जुर्माना भ २२४ श्र जुरमाना ख ४१⊏ जुरमाना नगाना भ २२४ जुर्म भत २२० जुरीब ह २६७ जुलिपत्ती ख ४५६ जुलाई छ ३८ जुलाहा ग ३५६ जुल्म भ १६६ जुल्मी भा १७० जुवराज ख ३५४ जूं ग ५५४ ज्ञाँ ग ५५४ जू क १३०, ग ५५४, च २१२ जूजू ज २३८ ज्भना ज २८०. ज २८२ जूट ग ४३, घ १२७, घ १२⊏ जूठन द ४६⊏ ज्ञा र ४६८ जुड़ा ग ४३ जूड़ी ख ४६१, ख ४६४ जूता ङ २६७ जूनी ड २६७, ङ **२६**८ जून छ ३८ जुही घ ४०५ जुभ ज ४४६, ज ७५६ जेवना भः १७१

जैठ ग २४२. छ ४३, छ ७०, छ ७१ जेठरा ग २४२ जेटुबा छ ४४ जेड़ हर ४४ जेता क १३४, ज २६० जेनाज २६३ जेब ड ४६६ जेबकट ग ४१८ जेब भरना ख ३८४ जेवां ज ४३८ जेंबसलम क ५०४, क ५१८, क ५१६ जेल च १८२, भ २२२ ज़ेबर छ ३२७ जेष्ट छ३७, छ३४ ज़ेडन ग १३१, ज ३६२ जैन क ३ जैनी क ४७२ जैमिनसूच क ५७१ जैमिनीय क ५५१ जैशम करना ज १६७ जैसा ज ४२२, ज १००१ जै हिंद करना ज १६७ जोंक ग ५६६ जोंघरी घ २४५ जो ज १००१, च १००४ बोकाम ख ४७५ बोख व ६४५, ज ६५७ बोखना ज ६५६ जोखाई ज ६५७ जोग क ६६ बोग टोट का करना क ३६१ बोगवाना ब ८५८ खोगाड का ३७०

जोगाइ करना ज दप्द जोगिन क १११ जोगिया च ४३८ जोगी क ६४, क ११० जोगेशवर क १६५, क ३६६ जोड़ ख ५५८, ग १०७, भ ३६३ जोड खानाक २८६ बोड़ना ख ५५६, ज १५२, ज ८७४, ज ८८१, ज ६०२ जोड़ा इ २६७, ज ८०५, ज ६०४ जोड़ी ख २०५, ख १०६, ङ ३७७ बोड़ी वाड़ी ग रद्ध जात ङ ५५० जोतनः भ ३११ जोघा ख ३६४ जोन्हरी घ २४३, घ २४४, घ २४५, घ २४६ जान्हाई क ३०७ ज़ोबन भा ३१ जोय ग ४, ग २२५ जोर इ ३७३ ह्या, ज ६७४, भ ३८ जोर डालना क ३७८ ज़ोरदार म ४० जोरना ज ८७४ जोरशांर क रू बोरू ग ४, ग २२५ जोवना ज ४५३, ज ७२३ जोश ज ४, ज २१२ जोश-खरोश ज २१२ जोश खाना में १०६ जोशदेना भ ६०, भ ६६ जोशन ङ ३३३ जोश में श्राना ज २११, भ १०६ बोधिता ग४

बोइ ख २५८ जोइना ख २५८, ज ४५३, ज ७२३ जौ घ २३६ जौजा ग २२५ जौहर घ ४८० जौहरी ग ४०८ ज्ञात ज १०५, ज ११८, ज ३८४ ज्ञात करना ज १०६, ज ११० ज्ञातव्य ज १०७ ज्ञाता ज १११ शान क ५३४, क ५६०, ख २३५, ग १३२, ज १०३, ज ३६५ । ज्ञानगम्य ज १०७ ज्ञान देना ख २६२ ज्ञान प्राप्त करना ज १०६ शनवान ज १११ ज्ञानी क १७, क ७५, छ, १६०, च १११, ं अन्यस्य ं ज्ञानेद्रिय ग १३५, ग १३६, ग १३६ ं शाप्ति ज १०३ ज्ञयज १०७ ं ज्यादती ज ६१३ ज्यादा ज ६११, ज ६२४ ं ज्यादा होना ज ६१७ च्यामिति ख ४५५ ं क्येब्ट क ११२, ग २४२, छ ४३ ं ज्येष्ठा ख १६१, ग ७२, ग ५३१, च २७. च४५ ज्यों अप १००१ ज्योति क १३४, क २६७, क ३११, ख ८६, इ ८७, च ६, च २६, छ ३८३ ज्बोतिरिंगया ग ६७१ ज्वोतिर्मय 🛚 २८५

ज्योति र्लंग क १६५
ज्योतिष क ४५५ ख २३७, ख ६४७, च २७
ज्योतिषी ख ६५०, च ४
ज्योतिषी ख ६५०, च ४
ज्योत्स्ना क ३०६ च १६
ज्योमेट्री ख ५५५
ज्वर ख ४६१ ख ४६३
ज्वल क ३११ छ २८७
ज्वलन क ३११
ज्वाल छ २८८
ज्वाल छ २८०
ज्वाला छ २८०

升

भनार ज ६४५ भंकारना ख ६३ भक्त होना ख ६२ मंखना भ ३४७ भॅगुली ङ २७८ भॅभरो च १६६ ममा छ २६६, छ २७० मभाखात हु २७० भांड क ३७ मड़ा ङ ४०२ भाड़ों हे ४०२ भहु घ ४३६ भाष छ ३३१, ङ ३४६ र्भेपनाज ३२८ भॅपित ज ३२७ भाक ज ३३६ भक्भक करना ज २८० मकोर छ २६६, ज ७१४ भकोरना च ७१५

मकोरा छ २६६ भक्क ज ३३७ भक्को च ३३५

भख ग ५८४, च ७० भग**द**ना ज२८०

भागहा ल २६६, च २७६, च ६४३

क्षगड़ा करना च २८० क्षगड़ालू ज २८१ क्षगरना ज २८०

मगा ङ २४३. इ २७८

भरगुली ध २७८

भगरा ज ६४३

मट छ १५८, च ४४३

मटक क १५८

सरकार व २६१, भ २०६, म २१०,

क २११

भटकारना ज ५५२

भड़ना ज ८११ भड़पना ज ४८

मांकी छ २३८, छ २५१

मनकार ज ६४५ मनकार ज ६४५ मनमन काना ख

मनभन करना ख ६२ मनभनाइट ज ६४५

मन्ताइट ज ६४५

क्तप छ १५८, ज ४४३

भत्रवस क्र १२४

भवदना व २८२, ज ७५४, ज ७५५

भएको ज ७५७, ज ७५८

भपका लेना ज ७५५

भाषटना च रूदर, भा ३१०

मतपट ख़ेना भ ५११

भमकना च ७६

भरना ड ४३३, च २७३, ज ८११ ृ

भरोखा च १६६

भारतक छ २८७, छ २६४

भलकना छ २८६ भलका ख ५२१ भलकाना छ २६० भलना भ ३८० भलरो ग ४७६

भल्लाना ज ६६, ज ६७, ज २५६

भल्लाहर ज ६३, ज २५८

भप ग ५८४ भप केंद्र क २७१ भॉक ज ७३३ भॉकना ज ७२३ भॉका ज ७३३

मॉम ख ६६, ख १०६, इ ३६५, ब ६३

माँभर ङ ३३५, इ ३६२

भॉभरी इ ३३५ भॉट ग ३७ छॉप ज ७५७ भॉपना च ७६८

भांपी ड ४८३, ड ४८४ भांवर ख २०, भ ३३७

भॉमना भ २०६

भाग २८६ भाई ख ४५३ भाज घ ६३ भाभगी ड ३६२

भाइष ६६, इ४६१, इ४६५

भाइतड घ ११ भाइन ज ५५३

माइना क ३६१, ज ५५२, म ३६०,

भा ३६०

भाइना फूंकना क ३६१ भाइपान्स ङ ४६२ भाइ फूँक करना क ३६१ भाइ बुहार करना ज ५५२ भाड़ा ग ११५ माडू इ ४७३, च ७२, ज ५५३ भाडू देना ज ५५२ भाग्ड ग ६३ भावर ङ ४६६ भाबा ङ ४६६ भारना ज ५५२, भ ३६० भात ख १०६, च २७८ भालर ग ४७६ भिभ करना ज ३६१ भिन्द्रक्ताज २४८, ज ३६०, ज ३६१ भिइकी ज ३५६ भिइकी देनाज ३६० भित्राना ज ३२६ भिलमिल ज ५०५ भीखना घ २५६ भीगा घ २३२, ग ५६० भीगुर ग ५४७ भीसो छ २४८, छ २४६ भीना ज ४६६ भोनापन ज ५०१ भील च ३१४ भुभलाइट ज २५८ मुड ज ६२४, ज ६२५, ज ६२८ क्कुकनाक ५१३, ग १५५, ज ६३, ज ⊏२ भुका भ ३४ कुकाना ज ८३ क्रुटपुटा छ २६३

कुठपन ज४०८

भुउलाना ज ४११ भुठाई ज ४०८ मुनभूना इ ३७६ भुनभुनिया व १२६ भुमका ङ ३३०, ङ ३४२ भुरवाना भ १३३ भुरसाना भ १३३ मुराना भ १३२, भ १३३ मुत्तस छ २८२ भुलसना भ १३२ भुलसा भ १२८ भुलकाम १३३ मुलाना ज ७१४ मुल्ला इ २७० भुरुली ट २७८ मूठ ज ४०६ भूता ज ४१० भूठा ठहराना ज ४११ भूमक ड ३३० भूमड़ इ ३२८ कूमना ज ७१६ भूमर इ ३२⊏ भूर भ १२८ कृरा छ २५३, भ १२⊏ मूला इ ५०१ भोप ज ३२१ मंत्रा बर३२, ज ३२८, ज ७५५ भौपा ज ३२७ भेपाना ज ३२६ भेलना च १८३ भाक ज ४ भोका च २७६, छ २७६, ज ४ भोंका खाना च ७०७, च ७१६

द्वास च ४८७ टा ग ३८ विशास च ४८७ विशास च १४२ त्ना च ७१५, च ८५८ त्ना च ४६५ ता ड ४६५ ता ड ४६६ ्ज ६२४ वा च ६२४

ट

ंख ४२१, घ ३६, ड ४०६ ए करना स्त २८८ ता ह पूर्७ ॐ ग ⊏६ न्त ३६ होना ज ३७ . 24 2 X S नको बॉधना ब ७२६ गलना ज ७६५ गना अ ७०६ मा इ ५६४ ल ज ७०३, भ २८० धर खाना च ७०६ म छ १७५ लना ज ७६५ च १५२ होना ग ११६ ባ ሄሂ드 ननाभः ३६ ब्ल ४८३, म ३७६

टपकना ख ४८२, अ ७१८, ज ७१६, ज ८११, म ३७७ टब ङ ४५० टमक ख ४८३, भ ३७६ टमकना ख ४८२, भ ३७७ टमटम ङ ३८७ टमाटर घ २८६ टरकना च ६७६ टलना ज ६७६ टसकना ज ६७६ टसर ङ २३२, ङ २३४ टसुत्रा ग ११६ टइना घ १७ टइनी घ १७ टइल के २४६ टइल् ग ३८३ टॉकराज म६४, ज म≏१ टाँका च ३१० टॉका मारना च ८८१ टॉग ग ८६ टॉगा ट ३८७ टॉगी इ ५१२ टॉगुन व २४=. ङ ३५२ टॉचन। ज ८६१ टॉइट ३३३ टाइप करना म २८८, ख २६४ टाईफ़ायड ख ४६२ टाटक छ १७५ राठो रू ४४० टाप ग ४३३ टापू च ६२

टार्च क ४६२

टालना च ६७०, ज ८५३

टावेल

टावेल ङ २५७ टिंडा घ २८७

टिकट ख ३१६, ख ४१३

टिकटिकी ग ५३१

टिकना ज ७८१, ज ६८६

टिकरी ङ १०२ टिकली ड ३१६

टिक्स ख ४१०, ख ४१३, ख ४१६

टिकाऊ का २६७ टिकान च **१**३०

टिकाना ज ६६१, ज ७८२

टिकाव च २३० टिकिया ङ ६ ।टकुली ड ३१६

टिकोरा घ ३८

टिस्को ङ ६, ड ३३८

टिटिइरी ग ६३१

टिहिम ग ६३१, म ६३२

टिड्डा ग ६६६

टिड्डी ग ५४४, ग ६३१

टिप्पणी ख ३०० टिप्पन ख ३०० टिर्रो ज ६१

टिसुआ ग ११६

टिहुनी ग ५८, ग ८५

टो ड १६६

टीक क ३२८, ङ ३३१, ङ ३३८

टीका ख ३००, ङ३१८, ङ ३२०, ङ ३२८,

ङ ३३१, ङ ३३८, ङ ३३६

टोचर ख २४१ टोमटाम भ ७५ टांस भ ३७६

टीसना ख ४८२, ज ४७०, म ३७७

दुइँयाँ ज ४३६

दुकड़ा ड २७५, च ५५३, च ८७६, च ८

दुकड़ी ज ८६२, ज ६२५ दुकड़े करना ज ८८०, ज ६३४ दुकड़े दुकड़े होना ज ६३७

दुनकी ख १०५

दूट कर गिरना ज ८११

टूटना क २८०, च ८५४, ज व्य७२,

ब्र ६००

टूटा-फूटा व पण्य,ब ६३६

दूबर मा १४ दूस क २६३ टेट ड २६३ टेटी घ ३६६

टेक ड ५३२, ज ७३, 🛭 ७७२

टेकना ज ७७३ टेक पकड़ना ज ८१ टेक लगाना ज ७७३ टेकुरी ङ ४८२, ङ ५६४

टेकुवा इ ५६४ टेक्स ख ४१० टेबरना क १०७ टेट ङ २६३ टेटुक्रा ग ३५

टेढ़ा ग ६५४, ज ६०, ज ६४, च ६५

टेढ़ाई ज ६२ टेना भ २६७ टेबुल ङ ५१० टेर ज ५६६ टेरना च ६०० टेव च ४०२ टेवना भ २६७

टेसू घ ७२, घ ४२७

ाग ६६७ म च २०४ ध्यां इ. ४६६ हरी इ ४२६, इ ४६७ ात खा प्रप्र⊏ प ग २४७, क ३०१ राहन क ३६४ स के देहर य करना क ३६०, क ३६३ 1 इ. ५४० र्ग ङ २४१ ना ङ ३६१, च १३७ गोच १३७, ज ६२४ ादे० 'बाबस' , ट रूट४ ंड ३८३

ठ

ः स १३६ ः छ १६५, ज २१५, स १३८ ः करना स १०२, स १११ ः पद्मना स १०२ स होना स १०२ क १३६ क स १३६ क स १३६ ं स्राना स १४५ ं स ६०३, ज ६७६ ः होना च ६०४ स्सोहाती च १०० हराई क ११७ कर च ७०३ ठक्कर मारना ज ७०६ ठग ग४१६, ग४१८, ज २६८ ठगना ज २७०, भ २०८, भ २१०, भ ३०६ ठगनो ग ४१७ ठगपना ज २६६ ठिंगिनी ग ४१७ ठगी भार०६ ठर ड ३००, ज ६२४, ज ६२६ ठटना भ ७६ ठटरी ग १००, ज ४६६ ठट्टा ज ३७२ ठट्टा मचाना अ ३७३ ठट्टेबाज ज ३७१ ठठ ज २२४, ज ६२४, ज ६२६ उठना भ ७६ ठठरी ग १००, ज ४६६ ठठाकर हॅसना ज ६३० ठटेरा ग ३२१, च २३८ ठठेरिन ग ३२२ ठतेरी बाहार च २६८ ठठोल ब ३७१ ठठ्ठा मारना ज ६३० टड़ा होना ज ७४६ ठदरों ग १०० ठप्पा करना स्व २८८ उस ख ३६०, ब ६८ उसक ज ८८ ठसक दिस्वाना च ७६, च ६० ठहर च १ ठइरमा ज ६८६, ज ७८१ ठहराना ज ६६१, ज ७७४, च ७६२ ठहराव च १३०, ज ६६३, ज ७८६

३६६

ठहाका मारना ज ६३० ठाँव ज ६६२ ठाँसना ख ४८८ ठाकुर क ११२, क २०७, ग रू८४, ग ३११, भ ८८ ठाकुरद्वारा क १६ ठाकुरबाड़ी क १६ ठाट इ ३००, ज ६२४, भ १७३ ठारदार म १७४ ठाटबाट के ७५ ठाठ बाट करना मा ७६ ठाटो ज ६२४ ठाढ होना ज ७४६ ठानना ज ८१४ ठाम च १ ठार व २५६, भ १३६, भ १३८ ठाव च १ ठाहर च १, च १३०, च २०५ ठिकाना च १, च १२६, च १३० ज ६८६, ज ६६०, च ६६२ ठिकाना देना ज ६६१ ठिगना ज ४३६ ठिद्ररना ज ८१, ज १४२, भ १४५ ठिल्ली ड ४५३ ठोक ख ५४७, ज ३३६, ज ४०५, ज ४२०, ब ४७५, च ८२६ ठोक करना ज ६४२, ज ६४४ ठाक न रहना ज ६४५ ठोक लगना ज ४६९ ठोक होना ज ६५५, ज ६४७ ठ्ठ ज ५२८ दुकराना ज ७०२ दुड्डोग ३२

ठुंठ ज ५२६ ठुंठा ज ५२८, ज५२६ ठुंसना च ८१० डेका ख ८४ ठेकान ज ६६०, भ ३८४ ठेकाना ज ६६० ठेकुश्चा ङ ११० ठेलना ज ७०४, ज ७४१ ठेस ज ७०३ ठेसना ज ८१० ठोंकना खर५४, ग १५६, ज ६४४ २८१ ठोकर ज ७०३, भ २८० ठोकर खाना ज ७०१, ज ७०६ ठांद्वो ग ३२, ग ४६ ठोर ग ६०१ ठोस न ६८ ठौर च १

ड

डंक भारता भा ३६२ डंका मारता भा ३६२ डंका स्व १०३, स्व ११३ डगर ग ४३० डंठल घ १६ डडा ड ४५१, ड ५५५ डंडी ख ३६४, घ १६, ड ५५१ डकेत ग ४१८ डकेत ग ४१८ डकेत भा २०६ डकेती भा २०६ डगेती करता भा २१० डग ज ६७१ डगडगाता ज ७०७ हगमगाना ज २७, ज ७०७ डगर च २४१ डपर ज २४६ डपटना ज २४७, ज २४८, ज ६४० डफ ल ६५, ख १०० डफला ख ६५, ख १०० द्यवहां 🕏 १४४ डबल ख ४२६ इबल कोट ड २४८ डमका इ १४४ इमरू क १७६, ख १०४ डर ब २२६. ब २३३ डरना भ ३५१, ज २४५ इरपोक ज २३६, भ २७४ हरावना ज २४३ इला ह ४६६ इतिया उ ४६७ डली ङ ४६७ इसना ग ५५५, भ ३६२ इताना च ८७१ उद्वहा ज ३६ डॉकना ज ६००, ज ६७१, ज ६८३ डाँगर ग ४३०, ग ४६६, ग ४८३, ज ४६६ डाँट अ २४६, ज ३५६, च ६३६ डॉटडपट च ३५६, ज ६३६ डॉटना ज २४७, ज २४८, ज ३६१, # 4X0 हॉट-फटकार ज ३५६ शंटो घ १६ डॉब ख ४१८, इ ५६६, इ ५५१, च १०२, भ ५५४ अ डॉड लगाना भ २२५

डॉंडो ङ ५५१

डाइन क ३५२ डाकना ख ५००, ज ६८६ डाकप्यन ख ३७६ डाकाननां भ २०६ डाका पड़ना भ २१० डाकिनो क २०२ डाकिया ख ३७६ डाक् ग ४१८ डाक्टर ख ५३८ डाक्टरी ख ४३३ डाट-डपट ज २४६ डाढ़ा ग ३२, ग ४६ डाबर छ २३२ डावर करना ख ५४६ डाम ब २४ डायरी ख ३०३ डाल घ १६, ङ ५४६ हालना स्व ५००, ज ७२०, ज ८६८, ज ह ०६ डालो ध १६, घ १७, ड ४६७, ड ४६६, € ¥9. डावॉडोल हाना अ १७ डासन इ ५०२ डासना ज ५७१ डासनी ड ४६६ बाइ ज २६२ डाइना च ५५ डाही ज २६३ डिंच ग ६०३ डिन ग २४७, ग ४२२, ग ६०५ डिगना ज ६७६, ज ७०७ द्विगामा च ६७० डियो क २५३, क २५४

्डिठवन छ २१० डिठौना ह ३०३ डिबिया ड ३ डिबेट ख २७२ डिब्बा इ ३, इ ४८५ डिब्बीङ ३, इ र⊏५ डिम ख १३५ डिमडिम क १७६ डिमाकेसी ख ३४० डिल ग ४५१ डिस्पेसरी ख ५४३ डींग ज ६२ डोल ग १२ डोइ क ३५८ हुग्गो ख १०१, च ६०२ ह्यपञ्जा व २७४ इवकी मा ४१७ डुबाना भ ४१६ डुब्बा भा४१२ इब्बो भ ४१७ इलाना ज ७१५, ज ८५३ ड्रबना च १२४, में ६५, में ४१५, में 838 ह्वा ज १२२, भ ६६, भ ४३३ द्धेगो ड रदर डेग ङ ४२६ ंडढ ख ५८१ डेढा ख ५८१ डेरवाना च २३५ डेरा च १३०, च १३१, च १३२, च १४०, च २०५, ज ६६२ डरा डालना ज ६८६ ंडरा देना ज ६८६, ज ६६१

डेराना ज २३४, ज २३५ डेबढ़ा ख ४८१ डेहरी च १६३ डैना ग ५६६ डांगी ट ३८१ ड़ोंड्हा ग ५७० डोक्स ग १७४, भ ३४ डोकरी भ ४५ डोकी इ ४३८ डोम ग २६६ डोमकौवा ग ६५६ डोर इ ४१०, ङ ४८०, इ ४२१ डोरा इ ४८० डोरी ड ५२१ डालडाल होना ग ११६ डोलना ज १७, च ७१६, ज ७१४, ज ८५३. ज ८५ ८ डोली ड ३६१, ड ५७० ड्योहा ख ५८१ ड्योढ़ी च १६२, च १६३ ड्योदीदार ख ३७२, म १६६ ड्राइग ख १२ ट्रामा ख १३६

ढ

दग ख २, ख २०५, भ २७० दॅगिलाना ज ७०१, ज ७०२ दॅगिलाना ज ७०१, ज ७०२ दॅगिला ज ४८६ देशेलना ज ७०४ देशेसलोबाज ज २०६ दहा ट २१२ दब भा ३७० दबरीज ३३६ दरकना व ७६५ दरनाज २५ दरनि ज १६ ढाँचा ज ४६२ टॉपना अ ७६८ ढाई ख ५८६ > डाक ध ७२ दाद्म ज १३३, ज २१२ ढाढसी ज १३५ दाल इ ४०७ दालना ज ६०५ दिग ज ६७६ ग्दंडाई ज ८६, ज २१०, **अ**∙३२६ दिठाई करना ज ८१ दिहोरा ज ६०२ दिलपना ज ४४६ होगर म २२४ दोड ज ८४ डील ग ५५४, ज ५६, ज ४४६, ज ७५३. म ४२ ढ'ल देना ज १८२ अला होना ज ७५१ र'ला ज ६६, ज ४४५ डालाई ज ४४६ होलापन ज ४४६ प्रलापदना ज ७५१ द्विवाना स्व २६१, ज ७६७ ्दि 🕏 १६२ किना च ७६१ काना व ७६२

लिकाना च ७०२

28

दुलना ज ८२ दुंद ख २५८ दुंदना ख २६०, च ७६५, च ७६६ दुँदी ग ४४ देंकुवार घ १८३ ढेटमा घ २६७ ढेबरी ङ १६० ढेर ज ६२४, ज ६२८, ब ६३० ढेर करना छ २४७ देरी ज ६२४, अ ६३० ढोंग क १२ दोंगबाजी ज ३०८ दोंगा क १४, ज ३०६ ढोंई। ग ५४ ढोका इ ५३५ दोटा ग २५० ढोटी ग २६० दोल ख ६३ ढालक ल ६५, ल ६६ डीलना ज उ०२ ढाला ग २६७, ग ५४८ डोलो ज ६३२

त

तग ज ५७१ तग करना ज ५५ तंगदस्त ख ३६०, ख ४०५ तगदस्तो स ४०६ तगी ख ४०६, अ ५७२ तज़ेब इः २३५ तड्न घ २१५, इ ६३ ततुग २४६, इ ४८०, अ ७ ततुबाय ग ३५६

तंत्र ङ २१८, ङ ४८०, ज ६५३ तंत्री घ १७८ तंदुरस्त ख ५४७, भ ३६, भ ४० तंदुबस्ती स ४४५, ख ४४८, भ ३७ तंद्रित होना ज ७५४, च ७५५ तदुल ङ ६३ तबाकू ङ १⊏६, ङ १६६, ङ २०० तंबू च १३१ तबूरा स ६७ तक छ १६६ तकदोर ज ४५७ तकरार ख २६६, ज ६४३ तकरार करना ज २८० तकरीर ख २७२, ख २७७ तकरोरडॉ ख २७६ तकलीफ़ ज ५० तकत्लुफ़ च ३२१ तकल्लुको ज ३२५ तकसीम स ५६४ तकसीम देना ख ५६५ तिकेया ड २८७, ड २८८, ब ७७२ तिकयाकलाम ज ६२७ तक ङ १६२ तस्त च ४१ तवक क ३२६, क ३३६, ग ५५६ तखता ड ५०० तकाती स्व ३११ तफ़ल्लुस भ रेटर तख्त च १७६ तब्दा इ ५०० तस्तास्याइ स ३१८ तज़्ती ख ३१९ तगदा दे० 'परिशिष्ट'

तगण ख २०० तज ङ ८२, ङ ८३ तज़िकराज १०८ तजना ज १८२ तजरवा ज ३८३ तबरवेकार ज ३८ तज्ञ च १११ तट क १६५, ज ६७६, च २८६ तिहनी च २७१ तरी च २५४ तइकना ज मण्र तइका छ १३४, छ १३६ तडका देना भ ६४ तड़के छ १३६ तझान पड़ान छ १५६ तदाका छ १५८, ज ४४३ तहाग च ३१३ तिहत छ २५४ नत क ३१३, ख ६४, ग २५० ततैया ग ५७५ तत्कालीन छ १३ तत्ता भ १३७ तत्पर च ३७४, च ३७६ तःपरता 🛢 ३७७ तत्पुरुष क ११२ तत्र ड ३७, ड ६८५ तत्व क ११२, क र २३ तत्वज्ञ क ७५ तत्वज्ञानी क ७५ तत्वदर्शी क ७५ तत्ववेत्ता क ७५ तथागत क ४४७ तथापि अ १०१४

तच्य च ४०७ तदनंतर ख १६३ तदनुरूप अ ४२२ तदमुरूपता ज ४२४ तद्पि ज १०१४ तदबीर भा ३७० तद्गुस ख १६० तद्भ ज ४२२ तद्र्पता ज ४२४ तन ग४, ग१२, ग२५० तनस्वाइ ख ३६५ तनना ज ८१, ज ६०, ज ६८४ तनय ग २५० तनया ग २६० तनवाना म ३६८ तनहा च ६१६ तनहाई च २२० तना च १४ तनाब भर ३६६ तनिक च ६१० तन् ब ४६६, ब ५०६ तनुज ग २५० ततुजा ग २६० तनुता च ५०२ तन्नो क ५५० तन्मय च १२२ तन्मयता च १२७ तन्मय होना ब १२४ तप क ६+, क १३४, छ ६६ तप करना क ६३ तपन क २६७, क ३१२, क ३२२, स १६४, ष ४८४, के ४३, के ६६, मि १३५ तवना क १०५

तपनी क ६२ तपश्चर्या क ६२ तपसी क ६४, क ११० तपस्या क ६२ तपस्या करना क ६३ तपस्विनो क १११, क २०२, ग २७२, घ १७६, घ १६३ तपस्वी क ६४, क ११०, घ १६१ तपाक छ ६६ तपाना भ १३६ तिपश भ १३५ तपी क ११० तपेदिक सा ५२० तपोवन क ६५ तपोभूमि क ६५ तप्त जप्र, करि३७ तप्त होना भर १०५, भर १४१ तफ़रीह स ३६४, ड ३७३ तफ्सील ख ३०० तब ज ११६ तबक घ ४६० तबिकया घ ४७६ तबदीली भा ३०० तबलचो ग ३६१ तबला सा ६५, सा १०१ तबादला भ रे०० तबालची ग ३६१ तबाइ म ५६८, ज ८२५ तबाहो ज = २३ तबीयत ग १३० तबेला च १८८ तम ग ४६१, ग ५२३, घ ७६, च २३, छ २८४

तमकता भर १४१ तमगा ङ ५६० तमचर क ३४६, ग ६५२, च २६ तमचुर ग ६४४ तमसाच ३०४ तमहीद ख २६८ तमाघ ७६ तमाचा ग६३ तमाम ज ८७६ तमाल घ ७६, घ ४३० तमावृत्त छ २८६ तमाशबीन न ७३४ तमाशा ङ ३६४, च ७२६, भ ३२६ तमाशा करना ङ ३६६ तमिल ख २२१ तमिस्र क २१६ तमिस्रा छ १४६ तमोज ज ८७ तमीज़दार ज ८५ तमालित ग ३१८ तमोली ग ३१७ तयारो च ३७५ तरंग ख २६६, च २७८ त्रांगको च २७१ तर क ३११, च ८५, छ २३५, क ११४ तर करना ऋ १४३ तरकश ङ ४११ तरका भ ८ तरकारो च २७४, ङ १०४ तरकी ङ ३३०, ङ ३४० तरबीब का १६१, का ३७० तरकुल घ ६६ तरक्की

तरक्की करना ज ६७१ तरजुमा ख ३०१ तरजुई ङ ५४७ तरिंग क २६७, ङ ३८१ तरतीब भ ४३५ तरतीबवार भ ४३६ तरद्दुद ज २२४ तरना ङ ३४२, भ २३१ तरनी ङ ३८१ तरफ च ७५ तरबूज़ घ ३७८ तरल छ २३३ तरलता स २३४ तरस ग ६१, छ २६५, ज १६ तरम खाना ज २५ तरसना ज १३० तरह ज ४२२, ज ४२६, भ ३७० तराई च २५४ तराजू इ ५४७ तराश ज ४६२, ज ८८३ तराशना च ८८० तरो ङ ३३०, ङ ३८१, छ २३६ तरोका ख २०५, भ ३७० तह घर त्रक्ष घर६७, घ ४८४, घ ४८७, भ ३२ तक्रणाई भा ३३ तक्षाी घ १८३, घ ३६८, इट६, म ४४ तरेटी च २५४ तरेरना ज ५३६ तरोई घरद३ तरीना ङ ३४०, ङ ३४२ तर्क ख १८५, ख ३८६, ज १८० तर्ककरना ज १८२

तर्क-वितर्क ख २६६ तकशास्त्र व ३२८ तकं भा ३७० तर्जनाज ६४० तर्जनो ग ६६. ग ७१ तल क १६५, क ३३८, च ८५. तलक इ ५४१ तलना भ ६४ तलब ख ३६५ तलवा ग दद तलवार ङ ४०६ तनाक ग २३५ तलाश ख २५८ तलाश करवाना ख २६१ तलाशना ख ५६०, ज ७६५, ज ७६६ नल्ख ङ ६१ तस्त्रवीड ६३ तवा ड ४३२ तवायफ ग ३६७ तबारीख्न ख ३१६ तवारीख़दाँ ख ३२० तवारोखी ख ३२१ तशाखीस ख ४३६ तश्वीह ख २६४ तक्तरी ङ ४४२ नव ज १००२ तस्ता इ. ४३० क्लरुली ज १३३ तस्वीर स्व १३ १सीलना ज ६०६ ११६६ व ४१८ रस्मई क १२५

हिड़ीड़ स्व २५८

तहकीकात ख २५८ तहनीय ज २६७ तहबंद ह २६० तइरी ड १०⊏ तइसीलना अ ६०६ ताडव क रदर ख ११७, ख ११६ ताडव करना क १३१ तॉत इ४१० ताँवा घ ४५० ताबूल इ १६०, इ १६२ ताबुलिक ग ३१७ ताई ग १८६, ग १८८, इ ४२८ ताऊ ग १८५, ग १८७ ताऊन ख ५०६ ताउत्स ग ६०६ ताक च १५० ताकत भ ३८ नाकतवर भ. ४० ताकना अ ४५३, ज ७२३, ताक संगाना उर ४५३ ताखा च १६० तागा ड ४८० ताज इ २३७ नाज़ा छ १७५ ताज़िंदगी छ १४६ ताज्जुब का ४३८ नाइ घ ६६, ङ ६५३ ताइका क १६६ तादन न २४६, ब ६३६, भ २२४ आ, भ २८० ताकरा ग १५६, न २४६, न ६३६, न ६४०, भ २२५, भ २८०, भ २८१ ताद्वित भा २७६

वारना भ २३३

ताकित करना में २२५ ताइते ङ २०१ तात ग १७४, ग २५०, भ १३७ तातील छ १५५ ताइीखाना च २०८ तात्पर्यं भ ३७१ तादाद ख ५५६ तान ख ६४, ख ८४, ताना न ६३७ तानाननी ज ६३७ तानाज़नी करना च ६३८ ताना मारना न ६३८ तानाशाह ख ३४५ तानाशाहो ख ३४४ ताप ख ४६१, ख ५८७, ग १२१, भ १३५ तापक ख ४६१ तापना च ५६६ तापस क ६४, क ११०, ङ ८२ तावसी क ६४, क ११०, क १४१ तावे क २३५ ताबेदारी भ २३६ तामस ग ५५८, ग ६५२, स २८४ तामसी छ १४६ तामिस क ३१६, क ३२२, क ३२३, न ६३ ताम क ६, घ ४५० ताम्रज्द ग ६४४, ग ६४५ तार घ ४४६, ङ ३४० तारक क ४०६ तारकेश्वर क १६५ नारया क १३४ तारवा करना म २३३ तारतम्य क १६६, क ४३५

तारपोन घ ८७ तारस्वर ख ६६ तारा क २०१, क २२२, ग २१, घ ४८३, इ ३१६, च ४, च २६ तारिका ख १५४, च ४, च २६ तारील ख ३१०, छ ६० तारीखी ख ३२१ तारीफ़ न ३५५ तारोफ करना न ३५६ तार्किक क ५६० तार्च क १६०, क ४५० तार्च्य कश्६०, कश्६२, कश्६४, ग६०६, घ ४६६ ताल क १६५, क ३३८ ख ८४, घ ३६८, घ ४३, ङ ५४१, च ३१३ ताल देना न प्रश तालमखाना घ ३६८ ताला ड ५४१ तालाब च ३१३ तालिका च २१३ ताला घ २१३, ङ ५४२ तालीम ख २३८ ताशीम देना ख २४७ तालीम पाना ख २४६ तालीमयाप्रता ख २३६ तास्त्र ग १०८ ताल्लाकेदार ग ३७४ तावा ङ ४३२ तिकवना न ७२३ तिकोना न ५८६ तिक ग १२४, घ १८६, क ४६, क ४३, इ. ६१ तिकता व २६६, इ ४७, इ ६१

तिखाई ङ ४७ तिगुना स ५६८ तिनारत भ २८५ तितली ग ६७३ तिताई ङ ४७, ङ ६२ तितिचा न ६ तितिल्यु न ७ तिसा ङ ४६ तिथि ल ६२०, ई ६० तिथिद्यय छ ६२ तिबिहानि ज ६२ तिजो घ २३२, घ २६८, ङ २७२ तिनकोना न ५८६ तिपाई क प्रश् तिर्मिगल ग ५७८ तिमि ग ५८४, च २६४ तिमिर छ २८४ तिमिराच्छन छ २८६ तिय ग ४, ग २२५ तिरद्धा ङ २३४, घ ६०, ज ६५ तिरना क ४२० तिरपाई ङ ५११ तिरमिराना ह्य २६२ तिरवेनी च २६६ तिरस्कार ज ३४८ तिरस्कार करना च १६६, च ३६०, ज ३६१ विरस्कृत व ३४५ तिरहत च १२८ तिरिवा ग ४ तिरीह्या न ६५ विरोधान च ८०१ तिरोजाव व ८०१. व ८०२ तिरोभूत न ८००

तिरोहित न ८०० तिर्यक्ष ग ४३०, ग ५३६, ग ५६८, न ६०, न ६५ तिर्यगयोनि ग ४३०, ग ५६८ तिलंगा ख ३६४, ख ३६५ तिल घ २६२ तिलक स ४१६, ग १०६, ग ४६२, ड १७ ङ ३३, ङ ३१८, छ ३३८ तिलचट्टा ग ५५६ तिलड़ी ड ३३१, ङ ३४६ तिलमिलाना छ २६२ तिलमिलाइट स्त्र २६१ तिलमिलो छ २६१ तिलस्म भ ३२६, भ ३२८ तिलस्मी भ ४३६ तिलाक ग २३५ तिस्लोग ११२ तिवारी ग २८५ तिइरी ड ४५६ तीच्या ग ५६६, घ २०५, घ ४७८, ङ ६१, ड ८५, ड ४६, क ८५, भ १६६ तीच्याता ह ४७ तीखाङ ४६ ङ ६१ तोखा करना भ २६७ तीखापन ङ ४७, ङ ६२ तीखुर ड ६८ तीन छ ६८. ङ २२१ तीत ङ ४६, ङ ६१ तोतल ग ६२६ तीता ङ ४६, इ ६१ तातापन क ४७, क ६२ तीतर ग ६२६ तीन ख ५८७

तीनगुना ख ५८८

तीन तेरइ करना ज ८६३

तीना ख ५८८

तीनी घ २६८

तीय ग ४

तोरदाज़ भ २७१

तीर 😵 ४१२

ुतोरथ क ५४

तीरभुक्त च १२८

तीरा ड ४१२

तीर्थेकर क ४७६, क ४८१, क ५६०

तीर्थे क ५४

तीर्थ करना क ५५

तीर्थरान च ११६

तीर्थस्थान क ५४

तीलो घ २६८, ङ ५१६

तीव क १६५, ज ३७८

तीवता न ३७६

तीसरा ख ४८६

तीसी घ २६५

त्गक १६५, घ ३६०, च ८६, च २४८,

ब्रु २१८

तुंड ग २३, ग ४४२, ग ६०१

तुंदी ग ५४,

तुंबा च २६६, घ २८८

तुंबी घ रदद, घ २६६

तुंबुर क २४५, क २४६

तुक स्त १६६

तुक ओइना ख १६६

तुक्वंदी स १६८

तुकवंदी करना ख १६६

तुक्कद सा १२७, सा १७१

तुष्क व ४२६, ल ४३६

तुच्छता च ४३०, च ४४१

तुषीर इ ४११

तुतलाना च ५२२

द्वतलाने वाला ज ५२१

तुनकमिषान ज ३६२

तुम ज ६६७

तुम्हारा ज ६६६

तुरंग ग ४५२

तुरंत छ १५६, ज ४४३

तुरग ग ४५२

तुरत छ १५६

तुरही ल ६८, ख ११०

तुरीया ख ५६२

तुर्कं क ५०४, ग ३५६

तुर्कीग ४५०

तुर्कीटोपी ड २४१

तुलना दे० 'वरिशिष्ट'

तुलना करना भ ३६४

तुलनात्मक ख २१०, ख २१४

तुलसो घ १११, घ ११२

तुला घ १२६, इ ५४७, च ६५, च ५८

तुलाई ड २६०, ज ६४७

तुल्य ज ४२२

तुस्यता ज ४३४

तुर्श इ ५८

तुशीं ङ ५६

तुष ङ २१४

तुषार घ १५८, छ २५६, छ २६०,

क २६१

तुष्ट च ३५

तुष्टता अ ३३

तुष्ट होना ज ३७

तुष्टिक १०२, क २०६, च ३३

तुष्णी च ६०⊏ तुष्णीभूत च ६०७ त्हिन छ २५६, छ २६० त् ज ६६७ तुत्रा ग ६१८ त्त ध ६४ तूफान ह्य २६८. ह्य २७० तूल ख ३५, घ ६४, ङ २२२, ज ४२२ नृतिकाल १६, ङ २८५ तृषा दे० 'परिशिष्ट' तृतीय ख ५८६ नृतोयाश ख ५६० तृतीया छ ६८ तृप्त च ३५ नृप्त होना ज ३७ तुप्ति च २६२, ज ३३ तुषा ज १३१, भ १२२ तृषावंत भ १२१ तृषित ज १४०, भ १२१ त्षित होना अ १३० तृष्णा च १३१, म १२२ तेग इ ४०६ तेच ग ६२, ग १२६, छ १६४, छ २५७, छ ३८३, ज २५२, ज ३७८, ज ४४३, ष ४४८, भा ३८, भा १७१, भा २६६ तेष करना क २६७ तेज़तर्शक ज २५२ तेबपात इ ८२ तेबवान म ४०, भ १७२ तेबस्वो क २२८, भ १७२ तेबारत भ २८५ तेल्रो हर १४८, छ १६२, व ३७६, व ४४४ तेरस छ १०८

तेरइ ख ६१८ तेरा च ६६६ तेल ड ३१३ तेलगू ख २२१ तेलचटा ग प्रप्र तेलमर्दन भा६७ तेल लगाना ज ६६ तेलइन घ २६३ नेलिन ग ३२० तेलियाना च २३४ तेलियामसान क ३५०, क ३५१ तेला ग ३१६ तेवर ग ४४ तहरा ख ५८८ तेही ज ६४, ज ८६ तै करना भा ४२६ तैनिर ग ५६२, ग ६२६ तैंत्तिरीय क ५४८, क ५५४, क ५५८ तैयार व १८४, व ३७४, व ३७६, व ४६८. क्ष २५ ७ तैयार करना ज ६४४ तैयार होना भ २०१ तैयारी ज २७५. 🛎 ३७७ तैरना म ४१८, म ४२० तैराक क ४२१ तैल ड ३१३ तेलकार ग ३१६ तैलमर्दन भ ६७ तैश अध्दे तैसा स १००२ तैसं अप १००२ तोद दे० 'परिशिष्ट' तादबाला ज ५३१

तोटक ख २०३ तोइना क २७६, ब ८५३, ब ८७३ तोड़ा ङ ३३१. ङ ३३४. ङ ३३५. ङ ४६४, च २८१ तोसई ख ४१ तोतला च ५२१ तोतलाना च ५२२ तोता क २७३, ग ६१७ तोप ङ ४०३ तोपना ब ७६८ तोय च २६२ तोयनिषि च २६४ तोर ज १६६ तोरई ब २८३ तोरगा क १६५ तोल च ६५६ तोलन ब ६५७ तोलना अ ६५६ तोशक ङ २८५ तोष ब ३३ तोषप्राप्त व ३५ तोइफ़ा भ र⊏२ तौक क ३३१ तौभो ज १०१४ तीर ख २०५, भ ३७० तौरेत क ६०४ तील ल ६४५, च ६५६ वौलना च ६५६ तीलाई व ६५७ तीलिया क २५७ तीला ह २५७, ङ ५४७ त्यचन व १८० त्यक च १६३, म २३२

त्याग क ६६, ब १८०, ज १६५ त्यागना च १८२, च ८६८, म ४१० त्यागी क ११०, ख १८१ त्याज्य च १६१ त्यों स १००२ त्योरी चढाना व २३६ त्योरूसाल छ ३३ त्यौद्दार क ६०, छ २०१ त्रपा ज ३२१ त्रय ख ५८७ त्रयमासिक ख २६१ त्रयी क १६४, क ५३८ त्रयोदश ख ६१८ त्रयोदशी छ १०८ त्रस्त ज २३७ त्राया देना भ २३३ त्रास च २२४, च २२६ त्रास खाना ज २३४ त्रासन च २४६ त्रासना च २३५ त्रासित च २३७ त्रि ख ५८७ त्रिक घ १८०, घ ३७६ त्रिकाल स् १७० त्रिकालदर्शी छ १७१ त्रिकालवेत्ता छ १७१ त्रिकोया व ५८६ त्रिकृट ङ ३२, ङ ३४, च २५६ त्रिगुखा क १६४, स ५६६ त्रिवटा क ३६५ त्रिदिव क २३८, च ३ त्रिदेव क १२२ त्रिदोष सा ४४२, सा ४६६

त्रिधात् क १६२ त्रिनेत्र क १६५. क १७६. घ ४५६ त्रिपथमा च २६० त्रिपाठी ग रद्ध त्रिपुट च १८०,च २५८, घ २५६ त्रिपुटो घ २६७ त्रिपुरारों क १६५ त्रिवली ग ५३ त्रिभगो ख २०३ त्रिभवननाथ क ११२ त्रिमृति क १६४, क १६८, क २६७ त्रिलोकीनाथ क १३४, क ३६६, क ३६६ त्रिलोचन क १६५ श्रिवेशी च ११७. च २६६ श्रिवेदो ग रूप्प त्रिशकुक ४७०, ग ५२१ त्रीपि स ५८७ त्रिट ङ १८६, ज ५०३, ज ८४१ बेता छ १७, इद २० त्रमातुर क ३७० त्रोटक ख १३४ ज्यबंक क १६८, क १६४ त्वक् ग ६०, घ २० स्याग ६०, ग १२६, घ २० त्वरा ख १५८, छ १६२, च ४४३ त्वरित हा १५८, व ४४३ खब्टा क १६५, क २६८

थ

बंभ रू ५३६ बंभन च ७८६ बंभित व ६०६, च ६७६ बद्धा च ७५१ यका हा १६५, व ७५३ यकान ख ७५२ थकाना ज २६१ यकामादा च ७५३ थकावट छ १६३, ज ७५२ यकावट दूर करना ज ७६५ थांकत ज ७५३ यकौंडा ज ७५३ थगित म ७७७ थन ग ५०, ग ४७७ थतेली ख प्र३२ थपराना ग १५६ थपेडा ग६३, भ र८० यापड़ ग ६३. भ २८० यम्हाना ज १६६ थरयक थरया करना ख ११८ थरकना ज २३४ यरथर करना च १७ थरथरना भ १४५ यरयराना व १७, ज २३४, च २४५ यरथराइट च ६८० यरिया ङ ४४० धरीना स २३४, स २४५ यल च १ थलडम्हमध्य च ६५ थलो च १, च १३० यहला घ ४ याँभना का १५६, का २५४ थॉमना व ७८६ थाती म ३०५ यान क १६, क ३५७, ग४७७, च १, च १६३

थाना च १३०, च १८४

थाम ब ७७८ यामना व ७७४, व ७८८, भ २२४ थारी ङ ४४० थाल ङ ४३१, ङ ४४० याली ङ ४४० थिति च १३० थियेटर ख १३६, च १८६ थिरकना ख ११८, ज ६८५ थिराना छ २३०, छ २६० थीसिस ख २०७ थुकनी ङ ४७२ थुड़ी ज ३५६ थुड़ीथुड़ो ज ३५६ युद्धीयुद्धी करना च १४६ थुन्ही इन्ध्रद थुक ग १२२ थूकना ज ३६०, ज ८६६ थूड़ी थूड़ी करना ज ३६० श्रृ थु करना ज १४६, ज ३६० युन ङ ५३८ थ्नो रू ५३८, इ ५३६ थून्ही रू ५३८ थूरना ग १५६ थूल ज ४६५ थूला ज ४६८ थूहर छ ६७ येरोगाया क ५६६ थैला ङ ४६५ यैली रू ४६६, रू ४६४, रू ५५८ यांक स ६२४, स ६२५ थोड़ा च ५०३, च ६१० बोड़ापन अ ६१२ योड़ा होना च ६१५

थोपना मः ३७८ थोर ज ६१० थोरि ज ६१०

द

दंग का ४४० दंगल घ ६२४ दगा ज ४=६, भ १७५, भ २६२ दङ क १०२, क १३४, क १६५, इ ५२८, इ ५५५, छ १, छ १२७, भ २२४ ब्र दंडक ख २०३ दडनीय भ २२६ दहपाशि क २३८ दंड लगाना भ २२५ दह्यत ज १६६ दंडित करना भ २२५ दंडो क ३१७, क १६५, घ ४२४ दंत ग २५ दंतच्छद ग २४ दतघावन घ ८१, क ५५६ दंतुल ज ५२३ दॅतुला च ५२३ दॅत्ली ग २५ दपति ग २४१ दभ क २३६ दॅबरी ङ ५३४ दंश ग ६७६, भ ३६१ दशन ड ४०८ दब्द्रग २५ दंष्ट्राग १०३ दंसना भ १६२ द ब २०१

दइत क रे४६

दक्खिन च ८१

दत्त क १३४, क २०५, क ५७८, ग ६४५,

ज ३६३

दच्ता च ३६५, ज ३६८

दख्युता क १८५, क २८५

दिच्या ख १५२, ग २२६, च ७६, च ७६,

च ८१, ब ६८०

दखन ज ७४२

दग्रा ज २६६

दगाबाज़ ज २६८

द्गाबाजी व २६६

दगिश्राना भ ३७५

दग्ध करना ज प्रदेश, भ १०३

दग्ध होना क १०४

दहियल ज ४६०

दतुवन इ ५५६

दसक ग २५६

दत्तचिस ज १२२

दत्तात्रेय क १५४, क ४६८. क ५५८

ददा स १६२, स २१८

टटिश्रौरा न १६५

दब्र स ४४६

टांघ ङ १५६

दिश्वमुत क ३०७, घ ४८३

दबीचिक ४५२

दनु क ४५१

दनुब क ३४६

इपटना अ ६४०

इफ़ा छ १, म १८३

दयद्वा व २४६, म १७३

दबक बाना ज ७६१

दबना ब ८२, व २३२, व ८०७

दबाना ब ८३, स २६१, भ २४७

दबाव ज ७७८

दबीन च ५०६

दभ ग ५२४

दम क १८, क १३४, क ४४७, च २८५,

ज ७१३, भ ३८, भ २७७

दमक छ २८७

दमकना छ २८६, भ १४१

दम-दिलासा ज १३३

दमन क १३४, क १६५, घ४०४, घ४२४

दमभर छ १२४

दमा ख ४६०

दमाद ग २६३

दमामा ख ११३

दयाज १६

दया करना ज २५

टयानिधान ज २२

दयानिधिक ११२, अ २२

दयापात्र ज २६

दयापूर्वक ज २७

त्याई ज २२

दयालु ज २२. ज २०१

इयावान ज २२, ज २६

दर ख ६४६, ट २८३, च २४०, च २५२,

च ३११, ज ४६४

दरकना च ८६२

टरकृत घ २

दरगाइ च २२४

दरजन ख ६१७

दरजी ग ३३७

दरद स ४८४, ड ५०, ड ३१०

दरहरी च ६०

दरव 🕶 ३८०, घ ४४३

दरबान क १६६

दरबार च १७४ दरबारी ख ३६६ दरमियान ज ६८५ दरवाजा च १६२. च १६३. च १६५ दरवान ख ३७१ दराज च १५६ दरार च १५६ दरार डालना ब ८६३ दरार पडना ज ८६२ दरिद्र ख ४०५ दरिद्रता ख ३६१, ख ४०६ दरिया च २६४, च २७१ दरियाफ्त च ११८ दरियाफ्त करना च १०६, ड २८३ दर्जन व ६१७, ज ६३२ दर्जिन ग ३३८ दर्जी ग ३३७ दर्द ख ४८४, अ ५० दर्द करना ख ४८२, भ ३७७ दर्मद ज २२, ज ५०२ दर्दर ग ५६३, घ ४६१, च ४८३, छ २३६ दर्प ज ७६, ज ८८, अ २४६ दर्पण इ ३२६ दर्भी ग ५५८ दर्भ घ ११६, ड ५०८ दर्रा ड १५०, च २४१, च २५२ दर्शे ङ र⊏३ दशं छ ६६, छ १११, च ७३३ दर्शक च ७३४ दर्शन क ५३५, च ७३३, च ८४८ दर्शन करना ज ७२३ दर्शन कराना अ ७२५

दर्शन देना ब ६६४ दर्शनशास्त्र सा ३२७ दर्शन होना ज ७२४ दर्शनीय ज ४६३ दर्शित ज ७३५ दर्शी ज ७३४ दल ख ३५६, घ २१, घ ३८४, घ ३६३ इ ८२, ज ६२४, ज ६२८ दलघुसुरी ड १११ दलदल च २८६, अ ५०६ दलपति ख ३५८ दलबल ख ३५६ दलबादल ख ३५६ दव घ ११, छ २७५ दवन घ ४२३ दवना घ ४२३, भ १४१ दवग ड ५३४ दवा क ३११, ख ५४४, ख ५४६ दवाखाना ख ५४३ दवात ख ३१० दश ख ६१२ द्शकंठ क ३६० दशकंघ क ३६० दशकंघर क ३६० दशक ख ६१४ दशन ग २५, ङ ४०८ दशमी छ १०३ दशम् ख ५१३ दशरथ क ३६८ दशहरा छ २०६ दशा ख ५४५, ज ६४८ दशानन क ३६० दस ख ६१२

दसवां स्व ६१३ दस्तक ग २५६ दस्तकार भ ३२२ दस्तकारी मत ३२३ दस्ताना ड २६८ दस्त्र च ६५३ दस्ती ङ २५५५ दस्यु ग ४१८ दस्युवृत्ति क २२५ दइ च रदर, च ३१० दहकाना भ १०३ दहन क ३११, ख ५८७, ग २३ दहना भ १०४, भ १०५ दहसना च २३४ टहलाना ज २४७ टहशत ज २३३, ज २४६ दइशत खाना ज २३४ दहाइ ज ५६७ दहाइना ग ४६५, व ५६% दहाना च रदर दही ङ १५६ दहीनदा ङ १३३ दहेब स ४१६ दाँत ग २५ दाँत पीसना स ६६ दाँत्ल ब ५२३ दाँयाँ ज र्⊏० दाइजा ख ४१६ बाई छ १ दाऊ क ४१०, ग २१८ दाऊदो ष २२८, ष २२६ दाएँ च ६८०

क्षक व इहर

दाख्रिल ख ७४३ दाखिल करना च ७४१ दाखिल होना च ७४० दाग ज ३१४, म ३७४ दाग् पहना भ ३७५ दाग्री ब ३१५ दाइम घ ३४४ दाढ ग २६ दाढ़ी ग ३२, ग ४६ दातव्य ज २०० दाता ज २०१ दातार ज २०१ टातौन ह ५५६ दात्री म ४२३ दाद ख ४४६, ख ४६५ दादा ग १६, ग १६२, ग २१८ दादी ग १६३ दाद्र ग ५६३ दादू ग १६२, ग २१८ दान क ५६, क ५१५, ज १६५ दानकत्ती च २०१ दानपात्र ज २०० दानपुर्य क ११ म दान लेना ज १६७ दानव क ३४६, क ३४७ दानवो क ३४६ दानशील च २०१ दानशालता च १६५ दाना घ ३२, ङ १४२, ह २१३, ङ २१७. ह्य २८५ दानी ज २०१ दाम ल २८०, ख४०८, ख४२१, ङ ५२१, ब ६२४

दामाट ग २६३ दामिनी क ३२८, क ५२१, छ २५४ दामोदर क १३४, क ३६६ राय ख ३८०, ख ४१६, ज १६५ टायजा ख ४१६ दायरा ज ५ ५५ दायाद ग २५०, ग ४२०, भ ६ दायी ग ४२३ दार ग २२५, च ३११ दारक ग २४७, ग २५० दारा ग २३५ टारण भ २६२ टागिका ग २६० दारिद ख ४०६ डारिद्रय ख ४०६ दार ध ४८, इ ५०५, ज २०१ दाहचीनी इ ⊏३ टाक्सा क १३४, क १६५ दारलंडलूम ख २७४ दारुहत्दी घ ११३ दारू ख ५४६, घ १८ दाल घ २५२, इ ६६, इ ६७ दालचीनी ड ८३ दालान च १४७ दावन इ प्रह दावागीर ग २७६ दावाग्नि छ २७५ दावात स्व ३१० दावानल छ २७३, छ १७५ दात ग २६६, ग ३४१, ग ३८३ दःसता भ २४६ दासं ग २२५, ग २६७, ग ३८४ दासत्व भा २४६

दास्ताँ ख २०८ दास्य क ७३, भ २४६ दाह ख ४५५, छ २८२ दाहना ज ५५, भत १०३ दाह सरकार करना ज = 2 १ टाइना ज ६८० दिक ख ५२० दिकपाल च ७७ दिलना अ ७२४ दिखराना ज ७२५ दिखलाई ज ७३७ दिखलाना ख २५५, ज ७२५ दिखाई देना ज ७२४ दिखाऊ न ७३६ दिलाना ल २५५, घ ७२५ दिखाग हुआ ज ७३५ दिखावटी ज ३०६, ज ७३६ दिगत ग २० दिगंबर क १६५, क ४७३, क ४७४, ब 353 दिगभरता ज ३६० दिगाज ख६०६, च८७ दिति क ४५१ दिदिया ग २०२ दिन छ १, घ १३६, छ १४२ दिन कर क २६७ दिनदिन छ १३⊏ दिनमिशा क २६७ दिनात छ १४१ दिनाय ख ४४६ हिनो ज ४६६ दिनेश क २६७ दिनौधो ख ४८१

दिपना ङ ४६० दिमाग्राग १०८, ग १३१, च ८८, धा ३६२ विमागु खराब होना ब ३३८ दिमागुदार ज मध, च ३६३ दिमाग लडाना च ३६६ दिमाग्री ब ८६, ज ३६३ दिया ङ ४६० दियासलाई ङ ५४६ दिरमान ख ५४४ दिरमानी ख ५३८ दिलाग १३३ दिल खींचना क २७४ दिलगीर ब ५६ दिलचला चर१४ दिलचस्प ज ४६३ दिलाजमई ज १३३ दिलदार ग २६६, छ २३ दिल देना ज १५१ दिलबहलाव ङ ३७३ इ दिल मे रखना च १५१ दिलक्षा ज १५६, दिल लेना क २७४ दिलावर ख १५५ दिलावर च २१४ दिलासा 🖷 १३३ दिलेर ज २१४ दिस्लगी अ ३७२ दिश्लगी करना च ३७३ दिल्लगीबान च ३७१ दिल्ली च १२२ दिवगत क २४० दिषंगत होना ग १५५

दिव क २३८, च ३, छ १३६ दिवस छ १३६, छ १४२ दिवाघ ग ६५२ दिवांषता ख ४८१ दिवा छ १३६ विवाकर क २६७, ध १०० दिवैया ब २०१ दिव्य च १७७, च २३६, ङ ८८, ज ४६३ दिब्यचत्तु ङ ४, ज ४६६ दिव्यता च ४६७ दिव्या ख १६०, घ १६८, ड ८६ दिशा सा ६१२, च ७५ दिशाधिप च ७७ दिशा होना ग ११६ द्विष्टि ज ७२२ दिसम्बर छ ३% दिस्टि च ७२२ दीस्तक ख २४१ दोह्या ख २५७ दोबा ख २६८ दोबा देना ख २४७ दोचा पाना ख २४६ दोधित स २४२ दीठ व ७२६ दोदा ज ७२२ दांदी स २०२ दीनक १, ख ४०५, घ ११०, घ ५६, भ २०२ दोनता ख ३६१, ख ४०६, ज ७५, ज ८० होनताई ख ४०६ दोनत्व ख ४०६. ज ८० दीनप्रातेपालक च २२ दीनबंधु क ११२

दीनानाथ क ११२ दीनार ख ४२२ दीप क ३०, क ३५, इ ४६० दीपक क २७१, ख ८३, ङ ४०, ङ ४६० दीपकाधार ड ४६१ दीपदान करना क ३६ दीपन घ ११० दीपना छ रूट्ध दीपमालिका छ २०४ दीपावली छ २०४ दोपिका ड ४६० दीपित छ २८७ दीप्त इ ६१, छ रूप्र

दोप्त होना छ र८६ दोष्ति ख १६३, घ ४५६, घ ४६७, च १०, छ २८७, छ ३८३, ज ४६७, फ १७१

दीप्तिमान छ २८८ दीप्तिमान होना छ रप्ध दोबाचा ख २६८ दीमक ग ५४५ दीयट ड ४६१ दीया क ३५

दीर्घ ग ४५०, घ २३०, ज ४२५, ज ४३१,

अ ५७३ दोर्घकर्या अ ५१५ दीर्घकाय ज ४३१

दोर्घजोवो छ १५१, ख १५२

दीर्घता ब ४२७ दीर्घदंतक घ २६७ दीर्घबाहु ज ५२७

दीर्घायु ग ६४४, च १२५, छ १५१

दोबट ङ ४६१

दीवा ङ ४६० दोवान ख ३५७ दीवाना ज ३३५ दीवानापन ज ३४१ दोवाल च १५८ दीवाली छ २०४ दासना ब ७२४ दुन्दुभी ख ११३ दुश्रा ज १७० दुश्रा करना च १७३

दुश्रा देना च १७१, च १७.

दुइ ख ५⊏२

दुइज च १३, छ ६६ दुकान का २८५

दुक्ल ङ २१८, ङ २२८, ङ २२६, ङ 208

दु:ख क ४६१, क ३५६, ख ४०६, ख ५०

दुखड़ा च ५० दुखद ज ५४

दुखदाई होना ख ४८२

दुखदायक ज ५४ दुःख देना ज ५५

दुलना ल ४८२, भ ३७७

दुखप्रद ज ५४.

दुलाना ल ४८२, च ४५

दुखारी ज ५२

दुखित ज ५२, ज ५६ दुखिया ख ४०३, ज ५२ दुखी अ ५२, अ ५६ दुखी करना च ४४

दुगना ख ५८५ दुग्ध ङ १५५ दुचित ज २२६

दुनितई ज २२४, ज २२६ दुचिताई ज २२४ दुतकार ज ३५६ दुतकारना ज ३६०, च ३६१ दुद्धों छ २३३, घ ११७ दुधिया ख २८ दुनिया च १०३ दुनियादार अ ३६७ दुनियादारी ख ३३१, ज ३६८ दुनियाबी ज ३६७ दुपटा ड २५४, ङ २७४ दुपद्टा ङ २३८, ङ २५४, ङ २७४ दुपइरिया छ १४० दुवकना अ ७६१ दुविधा ज २३१ दुबला ज ४६६, भ ४२ दुवलापन ख ५०१ दुम ग ४३४ दुमुख क १६५ दुरंगा ख ४६, ड २६४ दुरदुराना ब ७४७ दुरभिष्रह ङ १६ दुराग्रह च ७३ दुराग्रह करना ज ७५ दुगचार ब २६= दुराचारी ज २६८, ज ३०१ दुराव ङ ४६७ दुस्त ब ८२६ दुइस्त करना च ६४४, मा ७७ बुहस्ती ब ६४० दुर्गेष ह ३३ दुर्गैष करना भ ३६६ दुर्ग घ ११७, च १७२

दुर्गत ख ४०५, ज ६४६, च ६५१ दुर्गति क ३१६, ज ६४६ दुर्गम क १३४, घ ११, च १७२, ब ५७६ दुर्गाक १८५, च १६६, क १६८, क २०२ दुर्ग्गयुक्त ज ४७६ दुर्जन ज २६८, ज ३०१ दुर्जनता ज २६६, ज २६८ दुर्जय क १३४, क ३४७ दुर्दशा ज ६४६ दुर्दशाप्राप्त च ६५१ दुर्दात क १६५ दुईंव ज ४५८ दुर्बल च ४६६, भ ४२ दुर्बलता ख ५३७, च ५०१, म ३६ दुर्वल होना च ५०२ दुर्भाग्य च ४५८ दुर्भिच् छ ५ दुर्मिल ख २०३ दुर्नुख त ४५२ दुर्योधन क ४३६ दुर्लभ ज ४६३ दुर्वांसा क ४४६, क ४४६, क ४७५, क ५७६ दुलको ङ ३३१ दुलराना च १५१ दुलइन ग २६५ दुलहा ग २६४ दुलही ग २६५ दुलाई ड २६० दुलार ज १४५ दुलारना ज १३६, ज १५१ दुलारा च १५५ बुलारी च १५६

दुविघा च २२४ दुशाला ङ २६१ दुश्चरित्र ब ३०२ दुश्मन ग २७६ दुश्मनी ज २७६ दुश्मनी हाना ज २७६ दुष्कर व ६५८ दुष्कर्म ज २६८, ज ३१० दुष्कर्मी ज ३१२ दुष्ट ज २६८ दुष्टता ज २६६ दुसाध ग २६६ दुस्साहस ज २१० दुहिता ग २६० दुकान च १३८ दुकानदार ग ४०० दूज छ ६६ दूज का चॉट छ ६७ दूत ख ३६६ दूतकर्म भ १६५ द्ती ग २७५ दुध ग ५०, ङ १५५ द्रना ख ५८५ द्व घ ११४ दूरंदेश ज ७२७ दूरंदेशी च ७२८ दूर ज ६७७ दूर करना ज १२६, ज १८२, च ६७०, ब ७७५, ब ८५३, च ८६८ दूर जाना ज ७४४ दूरदर्शक ज ७२७ दूरदर्शक यंत्र ङ ४५७

दूरदश्चिता च ७२८

दूरदर्शीक १७, च ७२७ बूरबीन ङ ५५७ दूर इटाना च ८५३ दूर होना ज १२५, भ २१३ दुर्वा व ११४, घ १५६ दूलह ग २२४, ग २६४ दूल्इन ग २६५ दूल्हा ग २२४ दूषक घ २३०, ज ३२० दूषया ज ३२४, ज ३१६, ज ३६७ दूषय लगाना च ४०४ दूषग्रीय ज ३१६ दूषित च ३१५, च ४१५, च ४७६ दूसरा ख ५८४, ख ५८५, भ ४०६ दूसरी जगइ ज ६६३ हगचल ग २२ हद ख ५४७, ज १३५, ज ६७६, भ ४१, भ ४२७ हद्निश्चय भ ४२७ दृद्रपतिज्ञ ज ७४ हद्वाग घ ४८५, च ४६८ हद्वागता च ५०० हशाग १६, च ७३४ हर्य च ७२६ दृश्यकाव्य खा १३२, ख १३६ दश्यमान ज ४६३ द्दष्टि ग १६, च ७२२ हिंडिकोस्। ग २० हिंडिगत करना ७२३ दृष्टिगत होना ब ७२४ हिंडिगोचर व ७२३ दृष्टिगोचर करना ज ७२३ दृष्टिगोचर होना ज ७२४

इच्टि फेरना च ७२३ दृष्टात स १६०, स २६३ दृष्टि लगाना क ३६३ देंवका ग ५४४ देखनाख २५४, ख २६०, च ४५३, च च ७२३, च ७३३, ऋ २०५ देखना भालना ख २५४ देखनेवाला ज ७३४ देखभाल ख २५०, ज ७३२, म १६२ देखरेख ख २५०, म १६२, म १६८ देखरेख करना भ २०५ देखलाना ज ७२५ देखवैया ज ७३४ देखाऊ च ७३६ देखादेखी च ७३२, च ७३३, च ८४८ देखाना च ७२५ देगची ङ ४२६ दे देना च =६७ दैनदार ख ३९६, ग ४२४, ग ४२५ देना व ३६८, च १६६ देने योग्य ब २०० रेनेवाला च २०१ रि हा १, क १७५, च ४५१ रेर लगाना छ १६०, ब ४५२ रिरो छ १, छ १५७ लिही च १२२ य क २०३, क २०७, क ३४६, न ४५६ बकी क ४०७ वकोनदन क १३४, क ३६६ पचरा क ३५७ वत्र इ २४१ ाता क २२७, ड २०२

लि क २०७

देवथान क १६ देवदार घ ८७ देवदूत क प्र२३ देवनदी क २५३, च २६० देवनागरी लिपि ख २२६ देवभाषा ख २१६ देवर ग २४३ देवरानी क २२७ देवर्षि क ४६३ देवल क १६. क ४६३ देवलता घ ४०१, घ ४४१ देवलोक क २३७, **क २३**८ देववायां ख २१६ देवागना क २४७ देवालय क १६ देवी क प्रयूद, ख प्रश्न, घ २६४, घ ३७३ देवी गीता क ५८२ देवेन्द्र क २२५ देवोत्थान छ २१० देश स्त्र ३४८, च १, च १०४ देशान्तर च १०५ देशावर च १०५ देह ग १२ देइपात ग १५४ देहरी च १६२, च १६३ देहली च १२२, च १६२, च १६३ देहान्त ग १५४ देहांत होना ग १५५ देशत च १३३ देहाती ज ५५८ देहातोपन अ ५६० देहावसान १५४ दैत्य क ३४६

दैत्यगुरु च २० दैत्यराज च २० दैदीप्यमान छ २८८ दैनंदिनो ख ३०३ दैनिक ख २६१, छ १३७ दैनिको ख ३०३ दैन्य ख १⊏५, ख ३६१, ख ४०६ दैव ग १५२, ज ४५७ दैवगति ज ४५७ दैवज्ञ ख ६५० दैवत क २०७. क २२० दैविक क २२० दैवो क २२० दो ल ५८२, ग ५६ दोखों च ३१८ दोगला ग २४६ दोचित ज २२६ दोनुख़ क ३१६, क ५३२ दो दूक होना च ६३७ दोदना च ४११ दोना घ ४२३, ङ ४४६ दोनों ख ५८३ दोपइर छ १४० दोरगा ख ४६ दोला च १२४ दोलेय क ४४६ दोशम्बा छ ११७ दोष ख ४४१, ख ६१२, ग ५६, ज ३०४, चा ३१४, चा ३१६, चा ३६७, भर २२०, क ३७४ दोषबुक्त ज ३१८ दोषहारी घ ६८ दोषा छ १४३

दोषारोपण ज ४०४ दोषी ग ३७०, ज ३०६, ज ३१८, अ २२१ दोषो ठहराना च ४०४ दोस्त ग २७८ दोस्ताना ब २७५ दोस्ताना होना ज २७८ दोस्ती ङ १००, ड ११३, ज २७५ टोहया र ६३ दोइयो ङ १००, ड ११३ दोइद च १३८ दोहर ग ५२, इ २६२ दोहा ख २०३ दौद्ध ज ६७३ दौइधूप करना ज ६६४ दौद्दना ज ६७२, ज ७४४ टौड़ाना ज ५५, ज ६७४ दौना घ ४२४ दौरी ड ४६७, ङ ४६६ दौलत ख ३८० दौलतखाना च १४० दौलतमंद ख ४०५ श्र दौलतमदो ख ४०७ दौद्धित्र ग २६१ राक २३८, क ३११, ड ३, च १० द्यतिया क्र २⊏३ द्यम्न क २६७ द्यलोक क २३८ द्युत दे० 'परिशिष्ट' द्युतकार ग ४१५ द्युतको**इक ग**४/५ ध्तगृह च २१८ द्यात 📆 ३८३ द्यौक २३८

द्रव ङ १६२, छ २३३ द्रवता छ २३४ द्ववत्व छ २३४ द्रवित होना भा १०७, भा १४६ द्रवीभूत होना म १०७, म १४६ द्रव्य ल ३८०, ड ३७, ङ ४१८, ड ४१६ द्राचा घ ३४३ द्रावक ड १४ द्राविड घ १५५, घ ४४८ द्राविहा ड १८६ द्रत ज ४४३ द्रतिवलिबत ख २०३ द्रपट क ४१६ अ द्रम घर, घ६न द्रोगा ग ५७३, ग ६५६, घ ३८८, ड ४५१ द्रोग्रागिरिक ४८८ द्रोणाचार्य क ४४० द्रोशि क ४४१, च २५३ द्वीपदा क २२२, ४१८, क ४२६ द्वन्द्व ग २४१ द्वादश्वं ख ६१६ द्वादशी छ १०७ द्वापर क्र १७, क्र १६ द्वार च १६२, च १६५ द्वारपाल ख ३७१, ख ३७२, भ १६६ द्वारावती च ११४ द्वारिका क प्रद्र, च ११०, च ११४ द्वारिकापुरी क ५६, क ५७, च ११४ ब्रिगुश म ५८५ ब्रिगुच्चित व ५८५ द्विकार २५, रा २८२, रा २६४, रा २६८, ग ६७७ दिविद्वा ग ५५८

द्वितीय ख ५८४ द्वितीया ग २२५, छ ६६ द्विरद ग ४३५ द्विरत ग ६७७ द्वोप ग ४३५, च ६२ द्वोप समूह च ६४ द्वेष ज २६२, ज २७६ द्वेषा ज २६२ द्वेषा ग २७६ द्वेषायन क ४६१ द्वेमातुर क १६२, म १५ द्वेमातुर क १६२, म १५

ध

र्थं घा च ६४२, म्ह २८४, मह ३०३ षॅसना च ७३८, च ७४० धंसा ज ७४३ घॅसाना च ७३६. ज ७४१ धक्का ज ७०३, भ २८०, भ ३०१ धक्का खाना ज ७०६ धक्का देना च ७०४, च ७५७ धज ज ४६७ धजोला ज ४६३ धड़ ग ४५, घ १४ धड़कना में ३५१ धत्रा घ ४७६, ड २०२ घघकना भे १०८ धनवय क १३४, क ३११, क ३३६, क ४१७, ग ४६६, घ ८६ धन ख ३८० धनक छ ८४, ड ४०६, भ २७१ घन६ ६ २५५, ६ ३११

धनवान ख ४०५ श्र धनहोन ख ४०५ धनहीनता स ४०६ धनाट्या ख ४०५ ग्र धनाढ्यता ख ४०७ घानाभाव ख ४०६ धनिक ख ४०५ छ, ग २२४, इ ८४ धनियाँ रू ८४ धनिष्ठा च २७, च ५१ धनी ग २२४, ग ४०४ धनु घ ३६६, ङ ४०६, च ५८, च ६७ बनुर्घर का २७१ बनुर्वारी भ २७१ धनुर्वेद क प्रप्रद, ख २३७ बनुष इ ४०६ धनेश क १३४, क २५५ घनासेठ ख ४०५ श्र धन्य घ ७५, ज ४६० घन्वतरिक १५४ धन्या ज ११४, मा ३७४ घव्वा पदना भ ३७५ धमक ख ६४४ धमकाना च २३५, ज २४७ धमको छ २४६ धमकी देना च २४७ धमनो ग ६७ धम्मपद क ५६६ धर क १३४, क २०६, क ३६६, ग ४८, ग ३५४, च २४८ धरण क २६७, ख ६० धरिक च ६०

धर्या च ६०, च २४८

धरती स ६०

घरना भ २२४ घरना देना ब ७५ घर पकड का २२३ घरहरा च १७३ घरा ग ११३, च ३, च ६० धरातल च ६० घराना भ ११० घराशायी च ८२५ घरित्री च ६० धरोहर का ३०५ घर्मकर, कश्य, कश्र, छा, खा ३३७, च १०, ज ३०३ धर्म करना क १५ धर्मसेत्र च २०६ घर्मध्वजी क १४, ज ३०६ धर्मपत्नी ग २२५ धर्मराज क ३१७, क ३१८, क ४१४, क ४४७, ग ३६६ धर्मशाला च २०६ घर्मशास्त्र क ५३५, ख २३७ धर्मशील क १३. क १४ धर्मसबद्धी क २ धर्माडवर क १२ धर्मातमा क १३. भ ३०५ धम्ध्यिच क १६, क १६५ धर्मावतार क ४१४ घर्मी क १३, क १३४, ज ३०५ घव ग ३, ग २२४, घ ७१ घवल ख २८, घ ७१, घ २०६, घ ४६४, র ১८০ শ্ব धवलता ख २६ धसाना ष ७३६ धाक ब २४६, म १७३

धाक बमाना च २५०, ज२५१ धाकद ज २५२, ज ३४६ बागा ङ ४८० चाता क १३४, क १६५, क २६८, क ३३० भातु ग १२४, घ ४४३, घ ४६२ भातृ क ३०७ स्र, च ३१ धात्री ख ३४६, ग १७७, ग १८२ घ ४४, ष ४६६, च ६० षान घ २३०, ङ १४८ घान का लावा इ १४८ घानी ख ४१ धान्य घ २२५ भाम क ५४, क १३४, २३८, च १४० षामिन ग ५६० घाय ग ४२३ घारबा क १६५, व २, ज ८३४ बारयाकरना ज १८३, भ ८० भारता ग १३२, ख ६६२ धारगी च ६० घारदार भ २६६ चार देना भ २६७ बारना ज १८३ धारियत्रा च ६० घारा घ ७२, च २७३, च २७७, च ६२४, म १७८, म १८३ बागघर छ २३६ धारी स ३५६, जं ६२४ भागिक कर, कश्र, अरे०५ धावन स ३६६, स ३७६ षाबना ज ६७२ बाबा घ ७१, च २८७ विगदा ग २२७ बिक व १५६, ज ३५६

धिकना भा १४१ विकाना भर १३६ धिक्कार ज ३५६ **चिक्कारना च** ३६० धिरवनियाँ व २४६ धिरवनियाँ देना ज २४७ घोंगड़ा ग २५६, ज ४६८ घींगाघींगी क १५८, क १६६ घींगामुरती भ १६६ घीमर ग ३०६. ग ३४७ वीमरिन ग ३१० घीमा ज ४४५, ज ४४७ घीमा करना ज ७२ घोमान क १७, च १६, घ ३६३ घीमेघोमे ज ४५० घोर इन्१०, ज ११, ज१३३ घोरज ज १३३ बोरता ज १४, च १३३ घोर प्रशास ख १५१ बोर लालित ख १५१ भीराधीग ख १६१ घीरे घीर ज ४५०, च १०१५ भोरं।दास ख १५१ धरोद्धत स्व १५१ घोवर म ३१०, म ३४१, म ३४७ धुकधुकाना के रेपर धुकधुकी ग १०६, क ३३१ ध्रधका स ११० धुन व ३३७, ज ३३६ धुन चढ्ना भ ३६२ धनवाला च रेरप धुन होना भ ३६२ धुनि व ५८८

धुनिश्राँइन ग ३६२ धुनियाँग ३६१ धुरघर घ ७१ धुरद्वी छ २०३ धुला कपड़ा ङ २२० धुलवाना ज ५५१ धुवाँस ङ ६६ धूप क ३०, क ३३, च १० धूपदीप करना क २७ धूपबत्ती क ३४ धूमकेतुक ३६१, ६ ४०२, च २२, च ७२ धूम क १६५, क ३४६ भूम्रवर्ण क ३१२, मा ३४० धूर्त्तग४१५, ग४१६, घ१७७, ड ३०, ज ३६८, ज ३६७ धूर्तता च २६६, म २०६ धूर्तता करना च २७०, भ २०८ धूल घ ६८४, घ ३६१, च ६७ धूल उड़ाना च ५७० धूल में मिलना ज ५७० धृस ङ २३२ धूसर ग ३१६, ग ४५०, ग ४६७, च ६७ धृतराष्ट्र क ४३५ धृति क १८, क २०२, क ३०६, ख १८५ घुष्ठ स १५२, ग २२६, न ८४ धृष्ठता भ ८६, ज २१० धेनु ग ४६६ घेली ख ४२४ घेर्य ख १६३, ज १४, ज १३३ घैर्यवान ज १३५ धैवत ख ७० घोत्राना व ५५१

घोखा ज २५७ घोला देना ज २७०, भ २०८, भ २०६ घोखेबाज ग ४१६; ज ३६७, ज २६८ घोतां ङ २६१, ङ २७१ घोना छ २६०, ब ५४६, ब ५५० घोबिन ग ६६७, ग ३४५ धोबी ग २६६, ग ३४५ घोबघट्टा क १५८ घोवना ज ५५० घौ घ ७१ घौकनी ङ ५१७ धौत ख २८, घ ४४६ भौरहर च १७३ घौधाख १०३ ध्यान क रूप, ज २, ग १७७, ज २२४, ज ८३४ ध्यान करना क ३६, ज ३६६ ध्यान देना ज ६०१ ध्यानोपासना क ६२ ध्येय भा ३७१ श्रवक १३४, क २०६, क ४६६, च ७७, छ ६५ ध्धस क १७२, ग १५४, ज ८२३ ध्वसक ज ८२४ ध्वसन ज ८२३ भ्वंसना क १७१ ध्वसीज ८२४ ध्वज ग ७६, इ ४०२ ध्वजा इ४०२ ध्वनि क २०५, ख ६४, ज ५८८ ध्वनित करना ख धरे ध्वनित होना ख ६२ ध्वस्त ब ८२५, ब ६३६

ध्वात छ २८४

न

नंगई ज २७२ नंगई करना ज ७५ नंगघड्ग च ३८६ नंगपना ज २७२ नंगा क १६५, च २७१, ज ३८६ नगा भरना ज ७६६ नंगापन ब ३६० नंबई ज २७२ नंघई करना ज ७५ नंघाज २७१, ज २⊏६ नया करना ब ७६६ नघापन ज ३६० नंद क ४०८, ग७५, ग२४५, ग२५०, घ ४१ नंदक क १४१, क २७२ म २५० नदिकशोर क ३६६ नद्कुमार क ३६६ नदन क १३४, क १६५, क २३२, क २७१, ग २५० नंदनकानन क २३२ नदरानी क ४०६ नंदलाल क ५६६ निदिन सा ५१ नदित होना च ४१ नंदिनी क १८५, क १६४, ग २२५, ग २४५, ग २६०, घ १८२

नदी क २७१, घ ६५

नंबर स ५५६, ख ५६८

नंदीगद्य ग ४८१

नंदोई ग २४४

नबरी ज ३५० नउँजी घ ६१ नडमी छ १०४ नकछिकनी च ११८, ङ १६८ नकटा ज५१८ नकटी ग १२३ नकड़दादा ग १६१ नकफन्नी घट्य नकफुल ड ३२६ नक्रब भा २०७ नकबज़न ग ४१⊏ नकबुल्ली ड ३२६ नक्बेसर छ ३२६ नकल ख १३६, ख १३७, भ, २४४ नकल करना ख २६४, भ २४४ नकली च ४१३, ज ६७० नकल्ली सा २४६ नकशा ख ३१७ नक्शा खोचना ज ६१६ नकसार ख ४७६ नकार ज १८६ नकारना ज १८७ नकुल क ४१६, क ४२७, स २५०, स ५६६ नचत्र ख ६२७, ध ४८६, च २६ नच्त्रनाथ क ३०७ नक्षत्र विद्या म्ब ६४७ नक्त क ६६५, छ १४३ नक ग ५७६, ग ५८०, व १८६, च ६८ नक्शा ख ३१७ नक्सीर स ४७६ नख ख ६२५, ग ७५, घ ११६, ज ८७६ नखत घ २६ नखरा च १५

नखरा करना च ७६ नखायुष ग ४६७

नस्ती ग ४६४, ग ४६८, ग ४६६, ग ५३२ नग क २६७, ग ५५८, घ २, घ ४८०,

च २४८

नगर्या ख २०० नगन च ३८६

नगपति क ३०७, च २५५

नगर च १३५ नगरकोट च १३६

नगरवासी ज ५६१, ब ५६२

नगरी च १३५, ज ५६२

नगा**ड**ा ख ११३ नगिचाना ज ६७८ नगीना घ ४८०

नगोनामान ग ३६६

नगेंद्र च २५५ नग्न ज ३८६

नग्न करना ज ७६६ नग्नता ज ३६०

नचनियाँ ख १२२, ग ३६६

नज़दीक

नज़दीकी भ ४०५

नबर ज ७२२, भ र⊏३

नज़रबद च १८३ नज़रबाग घ ८

नज़र लगाना क ३६३

नज़राना ज ७२३, भ २५३

नज़ला ख ४७५ नज़ाकत च ७० नज़ात ग ६

नज़ारा ज ७२२, ज ७२६

नज़ीर ख २६३

नजूम ख ६४७ नजूमी ख ६५० नजूम ख १६८

नब्ज़ारा ब ७२६

नट क ३५१, क ५३३, ख १२२, ख १४६, ग २६६, ग ३६३, ग ३६५, **च ६**८, घ १२१, ङ २५

च १२१, ङ २५
नटई ग ३३
नटखट ज २६८
नटखटता ज २६६
नटखटी ज २६६
नटन ख ११७
नटना ज ७५

नटराज क १६५ नटरू ज ४३६

नटी ख १२३, ग ३६४, ग ३६६, घ १२१

नङ्गीग ६७

नत क ४७७, घ ११०, च ६०

नत होना च ८२ नताई स ४०३ नतिकट ग २५७

नितनी ग २५८, ग २६२

नतीषा भ रेप्ट नथ ङ ३२६

नथना ग १८, च ६८३

निथया ङ ३२६ नथुना ग १८ नथुनी ङ ३२६

नद क १३४, क २६६, च २७१

नदी ख ६१८, च २७१

नदीश च २६४ ननद ग २४५ ननदोई ग २४४

मनिद्यौरा

ननिश्रौरा ग १७३ ननियाससुर ग २४० निहाल ग १७३ नन्हां ज ४२६, ज ४३८ नन्हापन ज ४२८ निन्हयाना ख ५५२ नपंसक ज २२० नपसकता ज २२२ नप्तृ ग २५७ नफरत च १४८ नफरत करना ज १४६ नफ़ा भ ३०२ नफासत ब ७०, ब ४६४ नफोरी ख १११ नफ़ोस ज ४६३ नबीक ५२३ नब्ज़ ग ६७ नभ क १६५, चर, च २६२, छ ४७, क ४६, छ २३६, छ २४५ नमगामी क २०७, क २६७, क ३०७, ग ५६८, च ४ नभवर क २४३, ग ५६८, च २६, छ २३६ नभग्रहल च ३ नम क ८१, छ २३५, भ १४४ नमक ङ २८, ज ४६७ नमकीन ङ ५२, अ ४६३ नमकोनी इ पर नमन ज १६६ नमना ज ८२, ज १६७ नमनीय ज ३५४ नमस्कार व १६६ नमस्कार करना व १६७

नपस्तीन 👺 २७०

नमस्ते च १६६ नमस्ते करना च १६७ नमान क ५०७, क ५०८, क ५१० नमानुखाना क प्र१ नमान पहना क ५१३ नमाने इशराकर क ५१० नमाना ज ८३ निमत होना ज दर नम्ना ख २६३ नमोना इ ६८ नम्र घ ६२, ज ७८ नमता ब ८० नय ख ३३१, ग २८२, च २७१ नयन ग १६, ग २१ नया छ १७५ नयापन ह्य १७७ नरक १३४, क १६५, क ४१७, ग ३, ग ४३२ नरक क ३१६, क ३२२, ग ३ नरकभोग ज ६४६ नरक मोगना क ३२५ नरकभोगी क ३१६ नरनःरय्या क १५४ नरनाइ ख ३/६ नश्म अ ६६ नरम करना ब ७३ नश्माई घ ७० नरमाना ज ७२, भ १४६ नरमी ज ७० नरखोक स १०३ नरसिंह क ४७६ नरसां छ १८३ नराधिप ख ३४६

निर्याना च ५६० नरेंद्र ल ३४६ नरेश ल ३४६ नर्भ क ३१६ नर्भ क ३१६ नर्भ क १६५, ल १२२, ग ३६३, ग ३६५, घ १२१

नर्तकी ख १२३, ग ३६४, ग ३६५

नर्तन ख ११७ नर्मदा च २६६ नर्मी ज ७०

नल घ १२१, घ ३३८ नलक्षर क २५८ नलिन घ ३८८

नितिनी घ ४०७, च २७१

नवंबर स्त्रु३८

नव क ६४, स्व ६०६, स्व १७५

नवजात ग ४२२ नवघा ख ६११ नवघा भक्तिक ७३ नवना च ८२

नवनाच ८२

नवनीत क ३६६,ङ १५८

नधमा छ १०४ नवम् ख ६१० नवयुवक भ ३२

नवयौवना ख ६११, भ ४४

नवरगो क २७१ नवरस्न घ ४८०

नवल छ १७५, ज ४६३

नवलता छ १७७ नवॉ ख ६१ नवाना ज ८३ नवासा ग २६१ नवीन छ १७५ नवीनता छ १७७

नवेद भ ८१

नवेद देना भा ८५ नवेला छ १७५

नवोढ़ा ख १६१

नव्य छ १७५

नन्यता छ १७७

नशा ग २५७

नश्तर इ १

नश्वर च ८३२

नष्ट ज २०२, ज ५६८, ज ८२५, **ज ६४६** नष्ट करना क १७१, ज ८२०, **ज ६**४३

नष्ट-भ्रष्ट ज ८२५, ज १४६ नष्ट-भ्रष्ट करना च ८२०, ज १४३ नष्ट-भ्रष्ट होना ज ५७०, ज १४५

नष्टहोना च ४७०, च ६४५, म १०४

नस ग १७, ग ६६, ग ६७

नसल भा १ नसीब ज ४५० नसीइत ख २३५ नसेनी च १५७

नहरनी ङ १, इ ५२४

नहलाना भ ७०

नहाना भ ६८, भ ६६, भ ७१ नाँघना च ६८३, च ६८६

नॉव मा २१ नादो क ५७६ नाग ३

नाई ग ३११, ज ४२२

नाउन ग ३१२ नाउम्मेद ज २१४ नाउम्मेदी च २१२ श्रा, च २१३

नाइटकैप ङ २४०

नाइन ग ३१२

नाऊ ग ३११

नाक क २३८, ग १७, ग ५७६, च ३

नाककण च ५८८

नाका ग ५७६

नाकाधितयत ज ४०१

नाख्न ग ७५

नाग क ३२७, ग ४३४, ग ५५८, घ ४५७,

च ४५८, घ ४६१

नागकेश्वर घ १२२

नागफनी घ हत, इ ३२६

नागर घ ३४८, इ २४, ज ३६३, ज ३६७

नागरमोथा व १२३

नागरिक च ४६१, च ५६२

नागरिकता अ ५६३

नागरिक शास्त्र ख ३३२

नागरी ख २२२

नागरी लिपि ख २२६

नागलोक क ३३५

नागा क ४७४, छ ७

नागिन ग ५६०

नाच ख ११७

नाच करना ख ११८

नाचधर ख १२५, च १८६

नाचना ख ११८, घ ६७२

नाचनेवाली ग ३६६

नाचमहल ल १२५, च १८०

नाधिकेता क ३११

नाचीम ज ४२६

नाच च २१५

नाबिश्म स ३४४

नाज़ी ख ३४५

नानुक ज ६६

नाटक ख १३५, ख १३६

नाटककार ख १३८, ख १२७

नाटा ज ४३६

नाटिका ख १३४

नाट्य ल २१७, ख १२१

नट्यकला व १३७

नाट्यकार ल १४६

नाट्यस्थल ख १६६, ख १६६ श्रा, च १८६

नाड़ी ग ६७

नाता भ ४०३

नाताकती भ ३६

नातिन ग २५८, ग २६२

नाती ग २५७, ग २६१

नातेदारी भ ४०३

नाथ ग २२४, ग ३८०

नाद अ ५८८

नादान ज ११२, भ ३०

नाटानी अ १०४, अ ३६६

नाना ग १६८, ज ८३, ज ७४१, ज ८६८,

ब ६०६

नानिहाल ग १७३

नानी ग १६६

नान्हा च ४३८

नाप ड ३८१, ज ६५७, ज ६६१, ज ६६२

नापाक अ ५४२

नागाक करना च ४४८

नापित ग ३११

माबराबर ज ५७४, ज ५८०

नाभि क १६५, ग ५४, ग २६२, भ ३

नाभी ग ५४

नामनूर व १८६

नामंजूर करना च १८७ नाम च २६२, ज ३५१, भ २१ नामकरण क ६८, ग १४७ नामनद अ ३५० नामधारो भ २२ नामर्दं ज २२० नामदी ज २२२ नामवर ज ३४६, ज ३५३ नामवरी अ ३५१ नामवाला भ २२ नामस्मरण क ४८ नामस्मर्या करना क ३६ नामाल्यम ब १०६ नामी ज ३४६, भ २२ नामनामिब ज ४२१ नामुमिकन जध्७२ नाम्नो भ २२ नायक ख १४६, ख ३३५, ग २२६ नायिका ख १५३ नारगी ख ३७, ख ४० नारजी ख ३७ नार क ५३२, ग ३३, ज २६२ नारकीय क ३१६ नारद क १५४, क ४६३, क ४६६, क५७४. क ५७८, ज १६३ नारद होना ज १६५ नारा ङ २६५, च २७२ नाराच ङ ४१२ नाराज़ ज ३६, ज ४० नारान करना च ४४ नाराज्यों व ३४ नाराज़ होना ब ४२, ब ६६

नाराज़ी ब ३४

नारायण क १३४. क ५५८, घ ५७ नारायणी क २०२ नारियल घ ६० नारी ग ४. ग ६७ नास घ ३८६ नाला च २७२ नालायक च ३६६ नालायको च ४०१ नाली घ २४४ नाव ङ ३८१ नावाकि कियत ज १०४ नावाकिफ ज ११२ नाविक ग ३४१ नावेल ख २०८ नाश क १७२, ग १५४, छ २२, ज ८२३ नाशक ज ८२४, म १६७ नाशना क १७१, ज ८१६, ज ८२२, भ २१८ नाशनीय क १७३ नाशपाती घ ३४७, घ ३७६ नाशवान क २१८, ब ८३२ नाशवान होना क २१६ नाश्ता ङ ४१ नाश्य क १७३ नासना क १७१, ज ८१६ नासमभाज ११२, ज ३६४ नासमभा च १०४, च ३६६ नासा ग १७, ग १८, घ १४६ नासापुट ग १८ नासामल ग १२३ नासारंध्र ग १८ नाधिका ग १७, ग १३६ नासिक्य क २५०

नास्तिक क ६, क ११६ नास्तिकता क १२१ नाहमवार च ५८० नाइमबारी च ५८२ नाइर ग ४६४, ग ४६७, घ ४२७ नाडीं ज १८६ नाहीं करना च १८७ निंद च १६१, च ७५८ निंदक अप १६२ निदना च ३६० र्निदनीय च १६१ निंदा ज १५६ निंदा करना च १४६, च ३६० निंदासा अ ७६० निदित अ १५४, ज १६० निंध ज १६१ तिंब घ ७० नि:शंक ज २४० नि:श्रेयस ग ६ निःसकोची स ३२४ निःसंतान भ २० नि:संदेष्ट् च ४२१ श्र नि:सार क २५, इ.८४ निकट ज ६७६ निकर माना व ६७८ निकम्मा ह्य १६५, च ४२१ इ, ज ४२१ उ, ₹ **६**६0 निकर च ६२४ निकलना ग१४५, च ६६५, च ७४६, ब ८४४, ब ८६६, ब ६०० निक्ष इ ५२० निक्सना च ६६५, च ८५४, च ६०० निकाई स ४६७

निकाय च ६२४ निकालना ख ५६०, ग १४६, च ७४७, ब ८०५, ब ८५३, ब ८६८, ब ६०५, च ६०७ निकाला ज ७४८. च ६०३ निकासना ज ८५३ निकाइ पढना भा २४ निकियाना ब ८५३, ब ६०७ निकेत च १, च १४० निकेतन च १४० निकोटना ज ६०१ निकृष्ट च ४२६, च ४३६ निकृष्टता ज ४३०, ज ४४१ निस्तारना ह्य २६० निखिल ज ८७६ निगम क ५३६, च १३५, च १३६, मा २२५ निगरानी क १६२, क १६८ निगलना का ११८ निगइवानी म १६२ निगाइ स ७२२ निग्रह क १३४, क १६५ निचोइना भ ७२ निचोल इ २१८, इ २७४, इ २६६ निकावर के ४३० निजाकत ज ७० निजात म २३० निक्री स ४०५ निठल्ला भ ४२१ उ निटल्लू ब ४२१ उ, ब ६६० निद्धर च २४, च ६८ निद्धरई अ २१ निद्रता स २१, स ७१

निडुराई

निद्राई ब २१, च ७१ निडर ज २४० निहरपना ज १४२ नितब ग ३६, ग ८२ नित छ १३८, छ १६७ नित्य छ १३८, छ १६७, ज ८३३ नित्यप्रति छ १३८ नित्ययौवना क ४१८ नित्यशः छ १३८, छ १६७ निथारना भ ७२ निदरना च १६६. ज ३४६ निदाघ छ ६६ निदान ख ४३६ निदिया ज ७५% निद्रा ख १८५, च ७५८ निदाग्रस्त 🗷 ७६० निद्वायमान ब ७५६ निद्रालु ब ७६० तिहा लेना च ७६१ निदित 🗷 ७५६ निद्रित होना ब ७५४, च ७५५ निधन ख ४०५, ग १५४ निधनपति क १६५ निधन होना ग १५४ निधिक २६७, सा ६०६, च २६४ निनवाँ ख ४७७ निनाद अ ५५८ निपात ग १५४ निपात होना ग १५५ निप्रा व ३६७ निप्रवाता अ ३६८ निपृत भ २० निप्ता क २०

निबध ख २०४, ख २०७ निबंधकार स्व १२७ निब ख ३०७, ख ३०६ निबटना ज ६५४ निबल भा ४२ निबाह क १३६, भा ३८५ निबाइना ज ६२२, भ ३५७ निभना ज २७८ निमत्रण कदश निमत्रण देना भा ८५ निमत्रित भर ⊏२ निमर्बन भ ६८ निमज्जन करना भा ६६ निमल्बित सः ६६ निमिख हा १२३ निमित्त स ६५३ निमित्त ज्ञान ख ५ निमिष छ ।२३ निमीलन ग २२. ग १५४ निमेष ग २२. छ १२३ निम्न च ८५. छ २३७, च ४२६, च ४३६ निम्नता ज ४३०, अ ४४१ नियंत्रित भ १८१ नियत क १६५ नियत करना क ४२६ नियताप्ति ख १४४ नियति क १६४, अ४५७ नियम क १३४, क १६५, ख ३३१, अ ६५३, ま さ 95 नियमन ५ ७० ` नियमवद्य भ १८१ नियमानुकूल भ १८० नियमित भा १८१

नियराना ज १ पद नियत ख ६३३ निरंजन क ११२, क १६५ निरंतर ह्य १६७ निरखना ज ७२३ निरवराधो ज ३१७ निरर्थक ज ४२१ इ निरवशी का २० निरवल व भ २०३ निरस इ ४= निरसता ङ ४६ निराई करना ज ⊏६⊏ निराकार क ११२, क ११४, ग ६, च ३ निरादर अ ३४८ निरादर करना ग १६६ निराधार भ २०३ निराना ब ८६८ निरालव क ५५८ निराला च २२६. अ ४१⊏ निरालापन ४१६ तिराश ज २१५ निराशसा ज २१२ आ निराशा च २१२ आ, च २१३ निराश्रय भ २०३ निरोच्य भ १६२ निरोक्तण करना व ७२३ निरोश्चण कराना च ७२५ निरीश्वग्वादी क ६, क११६ निरीह ज १४१ निबक्त क ५५५, ख २३७ निरोग्स ५४७ निरोगता ख ५४८ निरोगा ख ५४७

निर्मेख क ११२. क ११३. क ११४ निर्घोष ज ५८८ निर्जन क २०७. च २२६ निर्जला एकादशी छ २२३ निर्भार च २७३ निर्भरणी ख ३०८ निर्णय भ ४२५, भ १६४ निर्णयात्मक ख २१० निर्दय ज २४ निर्दयताज २१ निर्दयो अ २४ निद्या ज ३१७ निर्देषी ज ३१७ निर्धन ख ४०५ निर्घनता ख ४०६ निर्धारण भ ४२५ निर्धारित करना आ ४२६ निर्वत भार निर्मलतः भा ३६ निर्भय ब २२७. ब २४० निर्भयता अ २४२ मिर्मीद स २४० निमीकता व २४२ निमल क ४८३, च ४६०, च ४१४ अ मेर्र निर्मल करना छ २६० निर्मकता व ५४४ निर्मेली प २१२ निमिख करना क १२५, म ६४४ निर्माता ब =१६ निर्मित क १२७ निर्मित करना क १२५, च ६४४ निर्मोक ग ६०, ग ५६६

निर्मोही

निर्मोही व २४ निर्लज्ञ ज ३२४ निर्लंड्जता च ३२६ निर्वाचक ज ८८६ निर्वाचन करना ब ८८४ निर्वाचित ब ८८५ निर्वाख क ५५८, ग ६ निर्वाण होना ग १५५ निर्वाह क १३६, भ ३५८ निवहि करना ज ६२२ निर्वाहना का १५६, का २००, का ३५७ निर्वेद ख १८५, च १४, ज १८० निलब च १. च १४० निवारण करना च ७७५ निवास च १२६, च १४० निवासस्यान च १२६, च १४० निषासी च ५५५ निवृत्ति ग ६ निवेदक भ २५१ निवेदन ब १७६ निवेदन करना च ६१६ निवेदित भ २५२ निवेश ग १५१, च १३१, च १४० निशंक व २२७ निशंक होना ग ११८ निशा ङ ६० निशाकर क १६५, क ३०७, ग ६४४ निशाचर क १६५, क ३४६, क ३४६, म ५१६, ग ५५८, ग ६२२, ग ६५२ निशाचरी के १४६ निशान ख ४४०, ङ ४०२, च ११४, क्र इंदर निशान पड़ना क ३७५

निशानी व ११४ निशि छ १४३ निशिचर क ३४६, क ३४८, ग ६२२, च २६ निशिचरो क ३४६ निशिवासर छ १४४ निशोध छ १२६, छ १३१, छ १४३ निशीयिनी छ १४३ निश्चय ख १६०, भ ४२४ निश्चय करना भ ४२६ निश्चल च ७१, ज ६०६, ज ६७६ निश्चित ब २२७ निश्चितता ज २२८, ज ३३४ निश्चित करना भ ४२६ निश्चिततः ज ४२१ अ निश्चेष्ट ज ६७६ निषग इ ४११ निषंगी भ २७१ निषाद ख ७० निविद्ध च ७७७ निषेघ ख १६०, च ७७८ निषेध करना ख ७७४ निष्क घ ४४८ निष्काम अ १४१ निष्दुर ग ५१३, ज २४, ज ६८ निष्टुरता ख ७१ निभ्गात ज ३६३ निष्प्रम होना भ १३२ निष्पाप क ४८३ निष्प्रयोजन ज ४२१ इ निसारना ज ८५३ निसृत करना व ७४७ निसेनी च १५७

निस्तब्ध अ ६०३, अ ६०६ निस्तब्धता ज ६०५ निस्तरना भ २३१ निस्तार ग ६, भ २३० निस्तारना भर २३३ निस्तेज छ १६५ निस्पृद्द् ज १४१, ज १८१ निस्पृद्दा च १८० निस्फ ख ५७५ निहारना ज ७२३ निहाल होना च ३७, च ४१ निहरना ज ८२ निद्वराना ज = ३ निहोरा ज १७६ नींद च ७५८ नींद लेना ज ७६१, ज ७५३ नीच ख ३६०, ज १६१, ज ४३६ नीचता अ ४४१ नोचा छ २३७ नीचे च ७६, च ८५ नीचे ब्राना क १५६, अ ६१५ नीचे लाना ज ७२१ नीइ ग६०४, च १६५ नोति ख ३३०, ख ३३१, ख ३३२ नातिशास्त्र ख ३३० नीय घ ४१८ नीब घ ७० नाबी ड २६५, ङ २७२ नीकुष ३५५, व ३५६ नोम म ७० नीयत भ ३७१ नीर च २६२ नोरज प ३८८, घ ४८३

नीरद छ २३६ नीरिष च २६४ नीरव व ६०३, व ६०७ नीरवता च ६०५ नीरस ङ ४८, भ १२८ नीरसना ड ४६, भ १३० नीरा ङ २०१ नीराजन क ३५ नीराजन करना क ३६ नीरोग ख ४४७, भ ३६ नीरोगता भ ३७ नील क २६६, क ३१८, ख ४६, ख ६३७, घ६४, व १२४, व ४७८, व ४८८, ङ ३४, ज ४८० श्र नीलकठ ध ३०३ नील कमल क रूप्य, घ ३६४ नीलगाय ग ५०४ नीलग्रीव क १६५ नोलम व ४८१, ध ४८६ नोललो। इत क १८५, ख ४५ नीलाबर च २१ नोला ख ४६, ग ६७२, घ १७५, घ २२३, च ४६७, व ४७२, व ४८० नीलापन स्त ४७ नीलिमा ख ४७ नोली घ १२४, ड २०४ नीसोत्पल घ४०८ नीवृत च १०७ नीहार हा २५६, छ २५७, छ २५६, स् २६० नुकसान ज रेप्प, भ २०१ नुकसान करना व ४५६ नुकोला भा २६६

नुक्स ज ३६७ नुज्म ख ६४७ नुति क ४५ नुत्का ग २४६ नुपुर ङ ३३४, ङ ३६१, ङ ३६२ नुमाइश च ७३१ नृत प ३५, घ १७६ न्तन छ १७४ नृतनता स्र १७७ नून क २८ न्त्य ख ५, ख ११७ नृत्य करना ख ११८ नृत्वको स १२३, ग ३६६ नृत्यशासा स १२५, च १८० नुष स १४६, ग २६२ नुपति क २५५, ख ३४६ न्यंस व २४, क १७० नृशंसता ब २१, म १६६ नुसिंह क १५४, क १५५ नेक दे॰ 'श्रच्छा' नेक्नाम म ३५३ नेकी व २८ मैक्रोपैयो ल ४२६, ल ४३२ नेज़ा क ४१४ नेबात २१० नेटा ग १२३ नेता क १३४, ख ३३५, घ ७० नेतागिरी म १५१ नेत्र ग १६ नेत्रच्य द ग २२ नेत्रमल ग १२६ नेत्रविद्यान म ४६६ नेत्रम्य ११६

नेनुवाँ घ २७७ नेम क ११ ऋ नेमिनाथ क ४८२ नेयार्थ ख १६७ नेवर ङ ३३४ नेवलाग ५२६ नेस्तनाबृद करना च ८२० नैऋत क ३४८, च २३ नैश्रात्यकोग च ७६, च ८४ नेन ग १६ नैनू ङ १५८, ङ १६३ नैयायिक क ५६७ नैराश्य ज २१२ ऋ। नैसर्गिक व ३८५ नैसर्गिकता च ३८७ नैहर ग २३४ नोंचना ब ६०१, ब ६३४ नोक ज ४६३. म २६८ नोकर ग ३८३ नोचना ब ८६३, ज ६३५ नोन ङ २⊏ नोना घ ४७० नोनियाँ घ ३३७ नोनी घ ३३७, ङ १५८ नी ल ६०६, ङ १८१ नौकर ग ३८३ नौकरानी ग ३८४ नौकरी का २४६, का २५५ नौका ङ ३८१ नौकादड ङ ५६६ नीजवान भ ३२ नौटंकी ख १३६ नीयत सा ११३

नौमी छ १०४ नौरंगी ल ४०. घ ३४८ नौलक्षा छ ३४६ नौवाँ ख ६१० नौद्या ग २६४ नौसादर घ ४६४ न्यस्त भा २३२ न्याय क ५६२, ख २३७, भ १६४ न्यायकर्ता ग ३६६ न्याययुक्त भा १६८ न्यायाधीश ग ३६६ न्यायालय च २२४ म्यायो ग ३११, भ १६७ म्यारा ज ४१८, च ८५५, ज ६७७, म ४०६ न्यूटेस्टामेंट क ५६८, क ६०० न्यून च ६१० न्यूनता च ६१२ न्यूनपद स्व १६७ न्यून होना ब ६१५ न्यौद्धावर भ ४३० न्यौता भ ८१ न्बौतना भ ८५

P

न्यीला ग ५२६

पंक स ३०४ पंक स ३८८ पंका स ३८८ पंका ग ५६६ पंका स ५७३ पंका क ५७३ पंका क ५७३

पंखुड़ी घ ३८४ पगत ज ६२५, म २६४ पंगति च ६२४, च ६२५, भ २६४ पगु च २१, ब ५३२ पंगुल अ ५३२ पंच ख ५६६, ग ३६७ पचत्व ख ५६८ ग १५४ पचपात्र क १०३ पचम ल ७०, ल ५६७ पचमी छ १०० पॅचरंगा म ३४३ पँचलड़ा रू ३३१ पंचशर क २७१ पचाग ख ६५१ पंचागुल घ २६७ पचानन क १६५, ग ४९४ पिष्मी हु १००, हु २२४ पञ्जी ग ५६८ पत्र ग १२, ग १००, ग १०४ पॅबरी ग १०४ पचाग ६०२ पंज्म ख ५६७ पड़ा क दद पडाल च २१६ पडित क १७, क ७८, क ५३६, सा ६५०, ग २८२ पडिताइन ग २८३ पह स २८, स ३७, फ ३३४ पंज्रक ग ६३३ ग ६६०, ग ६६७ पंड्रकी ग ६६१ पंडुर ग ५७०, भ ३३४ पथ क १, क २६७, 🕶 २४१ पंथी 🕶 ६६३

पन्द्रह ल ६२० पॅवरना स ४२० पंसरा ग २४६ पॅसली ग १०४ पॅइइकी ख ३०६ पइसना ब ७४० पकड भ २२३ पकड़ना भ २२४ पकडी घ ६७ पकना भा ६२ पकाना मा ६०, भा ६६ पकला ख ४२२ पका भर ६१ पकौद्धी क १३४ पक्का च १७०, ज ६८, ब ८२६ पक्का रंग ज ४८० अ पक्व भा ६१ पत्त क १६५, ख ५८२, ग ४५, ग ५६६, ख ८६ पचाघात ख ५२३ पची ग ५८६, ग ६२५ पखंड च ३०८ पखंडी ज ३०६ पख छ ८६ पखना ग ५६६ पखवारा छ ८६ पसाउच स १०२ पसान च २४७ पसारना च ५५० पखावणी ग ३६२ पखेर ग ५६८ पग ग ८६, अ ६६७

पगडंडी 🖷 २४४

पगडी ङ २३८ पगना भेर १५ पगलाना व ३३८ पगा ङ २७४, ज ५३२, भ ६६ पग्राना भ ११६ पगुरी करना क ११६ पगोडा क ४६६ पचलकी ङ ३३१ पचीसी भा ३३ पचचोकारी करना भ ३२४ पच्छिम च ८२ पच्छी ग ५६८ पञ्जताना भ ३४७ पछतावा भ ३४८ पश्चारना ज ५५० पक्कवाङ ३३४, ङ ३५४ पछेली ह ३३४ पछोड्ना ज ५५४ पजरी ग १०४ पट घ ३६६, ड २१८, ङ ४६७, च १६५ पटतर च ४२२, भ ३६३ पटतरना भः ३६५ पटना च ११८ पटरानी ख ३५३ पटरी ख १११, ख ३१२, घ १३०, क ३५५ पटल ख २६६, ख २०५, च ३८४, क २६६, ड ४६७, च १६८, अ ६२४ पटसन घ १२८, इ २२६ पटिया ख ३११ पटी ङ २६५ पटु व २२३, व २७५ व २८१, व ४८५, ब ३६७, ज ४४३

पत ग २२४

पदुष्रा व १२७, घ १२८ पद्धका ङ २६५, ड २७४ पद्वता च ३६८ पट्टत्व च ३६८ पटेला भ ३१२ पटोलना भ २४७ पष्ट स ३११, ङ २३८, ङ २७४, च १६५ पट्टमहिषी ख ३५३ पद्रा च ४६८ वहिका च १८४ पट्टी स्व ३११, घ १८४, ङ० ७० पट्टोदार ग ४२०, भ ६ पठन ख २५६ पठन-पाठन ख २५६ पठन-पाठन करना ख २४६ पठाना भ ३५२ पठाया भ ३५५ पहताल ख २५०, ख २५८, भ १६२ पहना ब ६६६. ज ७०८ पह्ना ग ४८७, छ ६५ पहाव च १३० पहिया ग ४८७ पढना ग २४६, ख २५६, ब २७८ पढाई स २३८ पदाना स २४७, स २५७, स ८४४ पदा सिखा ख २३६ पढिना ग ५८७ पषा स्त्र ३८०, भर २८४, भर २६४ षर्य च १३६, च १३८, भ २८५, म्म रहर प्रविधाला च १३८ पत्रग क २६७, ग ५६८, ग ६६८, ग ६६६,

ग ६७०, च १३२, क ३०१, घ ३८१

पतभाइ छ ८२ पत्रभर होना च ८११ पतन होना च ७०८, ज ८११ पतराई ख ५७२ पतरी घ ३३८ पतला च ६६६, ज ५०३, ज ५७१ पतलून ङ० २६४, ड २६६ पतवार ड० ५६७ पता भ ३८४ पताका ख १४१, ख १४३, ङ ४०२ पता लगवाना ख २६१, ज ७६७ पता लगावा ख. २६० च ७६६ पति क ११० क ११२, ग २२४, ग ३८०, घ १८५ पतित क ३१६ पाततपावन क ११२ पतिब्रता क १८५, ग २७२ पतियाना च २५४ पतीला ड ४३० पतीला ड ४३० पतुरिया ग ३६७ पतोह ग २३३ पत्तल इ ४०८ पत्ता घ २१, इ ३३० पत्यरं च २४७, छ २५८, च ६८ पत्थर होना भ १४५ वत्ता ख ३६१, ब २१ पश्नी ग २२५ पत्र क ३०, ख २०४, ख २८६ ग ५६६, घ २१ पत्रकार सा २६२

पत्रवाहक ख ३६६ पत्राख ३०५, ख ६५१ पत्रिका व २६०, घ २२१ पत्रीग ५६८, ग६२५, घ २, घ६६, घ रेदद, घ ४२४ पथ च २४१ पथरी ख ४६२, ङ ४४७ पथिक ज ६६३ पथी ज ६६३ पथ्य ङ० २६ पद सा ५८२, ग ६, ग ८६, च २०६, भ २५४. क २५६ पदक च ४८५, ड ५६० पदतल ग ८८ पदत्राग ङ २६७ पदवी च २४१ पदातिक ख ३६५ पदार्पेश करना ब ६६४, च ६६५ पदार्थ स ५६१. ङ ४१८ बद्धति सा २०५, च २४१, ब ६५२. म १५७, क २६४, क ३७० पद्म क १४४, क २६६, क ३२८, क ३२६, क ४६८, क ५७४, ख १६७. ख ६३८, ब ३८८, च ४५८, च २६२ पद्मनाभ क १३४ पदमा क १६३, च ४०६ पद्मावती क १६३ पद्मिनी ख १५५ पद्य ख १६८ पधारना च ६६४, च ६६५ पनदुव्या क ४१२ पनपना भ २०१, भ ३१६

पनमरिन ग३१०

पनहारा ग ३०६ पनहारी ग ३१० पनहीं ङ २६७ पनस घ ४६ पना ङ १४० पनाती ग २५६ पनाइ भ २०२ पनिहास्य ३७७ पनीर ड १६४ पन्नग ग ५५८, घ ४८६ पन्ना ख ३०४, घ ४८६ ङ १४० पपरा ड •२० पपोता च ५७ पपोडा ग ६१५ पय घ २२५. इ १५५ पयद छ २३६ पयोधर ग ५०, ग ४७७, ग ४७८, घ ६०, घ २४६, च २४८, च २१३, छ २३६ पयोधि च २६४ पयोनिधि च २६४ परत ज १०१२ परपरा ज ६५३, भ १६१ परपरागत ख १८२. च ६५४ पर क १२३, क १६५, ग ६, ग ५६६, छ ३१, छ ३२ परई ङ ४५७ परकीया ख १५६ परख ख २५० परखना ख २५४ परस्रवाना स्व २५५ परसर्वेया ग ४०८ परला ल २५१ परचा व १५२

परचूनिया ग ३२७ परचूनी ग ३२७ परखाही छ २६४ परतंत्र भ २३५ परतंत्र करना भ २३७ परतंत्रता भ २३६ परदा ड २६६, ङ ४६७ परदा करना च ७६८ परदा खोलना च ७६६ परदादा ग १६१, ग १६२ परदेश च १०५ परनामा ग १६७ परपोइक भ ४४८ परबोधना ख २६२ परब्रह्म क ११२, क ५५८ परम क १३४. क १६५. घ २१ परमपूज्य क २६ परमल ङ १४६ परमहंस क ११२, क ५५८ परमाखु ब ८१५ परमात्मा क ११२ परमेश्वर क ११२, क १३४, क १६५, \$ YC0 परवल घ २७५ परलांक दे० 'स्वर्ग, परलोक बाना ग १५५ परलोक सिघारना ग १५५ परवर ध २७५ परबरिश क १३६ क्रवरिश करना भ २०० षरवरिश पाना का २०१ परवश क २३५

परवद्यता का २३६

परवानगी च १६४ परवाना ग ६७०, च ३३५, भ १८८ परवाह ज २२४ परशुराम क १५४, क १५५, क ४४४ परस भ ४११ परसना में ४१२ परसाल छ ३१, छ ३२ परसों छ १८४ परस्त्रीगामो ब ३०२ परा क ५६१ पराग घ ३८५, घ ३६१ पशग केसर घ ३८५ पराकम च २१२, भ ३८, भ २७७ पराक्रमी ब २१४, भ ४०, भ २७८ पराङ्मुख म १२३ पराजय ज २८६ पराजित होना ज २६२ पराठा ङ ११२ परात ङ ४३६ पराधीन क २३५ पराधानता म २३६ पराना ब ६७२, ब ७४४ वराभाव च २८६, च ८२३ पराभूत ब ८२५ पराभूत करना च २६१ पराभूत होना च २६२ परामर्श भा १५५ पराया भे ४०६ परायापन भः ४०८ पराशार क ५७६, क ५७८ परास्त व ८२५ वरास्त करना च २६१ परास्त होना च २६२

परिकर ख १६०. ज ६२४ परिक्रमा क २० परिक्रमा करना क २१ परिग्रह भ ४४४ परिचय ख २०६, ब १०३, ब ११४, ब ११६, ज ११७, ज ८५१ परिचय करना च ११० परिचय पाना ज ११० परिचर्या क २६, भ २४६ परिचायक व १२० परिचारक ग ३८३ परिचारिका ग ३८४ परिचालक भ १६० परिचित ज १०५, ज १११ परिचित होना ज ११० परिच्छेद ख २६६, ङ २३६ परिज्ञात ज १०५ परिशाय ग १५१ परिशाय करना की २४ परियाम भ रदह परियामतः व १००६ परिगामदर्शी ज ७२७ पश्चिमा ज १८० परित्याज्य च १६० परिचान ङ २४८, ङ २३६, इ २७१ परिधि क २१८, क २३६, च ८ परिपक्त भ ६१ परिपारी ब ६५२, भ १६१ परिवाधक क ५५८ परिमल क २८७ परिमाग ब ६५८ परिमित ख ५७२, ज ४२० परिवा छ ६५, छ १५६

परिवर्तन ऋ ३०० परिवार ग २४६, ग ३००, भ १ परिवेश च 🕿 परिवेष च ८ परिशीलन ख २५६ परिश्रम का रद्र७ परिश्रमी भ रदद परिषद च २२३, ख ३३६, ख ३६६ परिष्कार ङ ३२७ परिहार्य ङ ३५३ परी क २४७ परीचक ख २५२ परीच्या ख २५०, भ १६२ परीचा ख २५०, भ १६२ परोक्ता करवाना ख २५५ परोच्चापत्र ख २६६ परीचार्थी ख २५३ परीचा लेना ख २५४ परोचित क ४२२, ख २५१, ज रूप परीशान ब १३ पराशान करना च ५५ परीशानी ज १६ पहच च २४ परुषता ज २१ परुषत्व ज २१ परुषा ख १६३, घ ६३ परेई ग ६३४, ग ६६१ परेठा इ ११२ परेवा ग ६३३, ग ६६० परेशान व १३, व १३६ परेशानी ज १६, ब १३७ परेह ङ ६६ वरों ख १८४

पलायन करना ब ७४४

परोच च ८२७ परोढा स १६१ परोरा घ २७५ परौठा ङ ११२ पर्कटी घ ६७ पर्चाख २६६ पर्जन्य क १३४, क २१५, क २२५, छ २३६ पर्या च ७२, ङ १६० पर्णक्रटा च १४२ पर्याशाला च १४२ पर्यत छ १६६ पर्यटक च १८६ पर्यटन च ६८७ पर्याप्त होना ब ६१६ पर्वक ६०, ग६८, छ, ११०, छ, ११२, छ २०१ पर्वत च २४二 पर्लंग ङ ४६६ पल ग २२, ग ६१, छ १२३, छ १२४ पताई ग ११२ पलक ग २२, छ १२४ पलक मारना ब ७५५ पलटन ख ३४६, च ६२५ पत्तरमा स ६७५, मा ४०१, मा ४०२ पतार्टनिया स ३६५ पलदा इ. ५४% पशना म २०१ पलरा क ५४६ वसस्तर च १७० पता च रूदर, क ५४६ पक्षानी च १६८

पशायक ब ७४२

पलाश क ३४८. घ ७२ पलीता रू ४०४ पलेट ङ ४३६ पलोटना भ २४७ पलोवना भा २४७ पल्लव घरश, घरश, घरश, च ३१३, ङ ३३४ पल्ला ङ ५४६, च १६५ पवन क १३४, क ३११, क ३१३, क ३१६, छ २६३, ज ७१३ पवनकुमार क ३८०, क ४२५ पवनस्त क ३८०, क ४२५ पवमान क ३०७, क ३१३, क ३१६ पितत्र क १६५, घ ११६, घ २६२, घ ४२६, घ ४५०, ङ १५७, छ २४५, ज ४१४, ज ५४१ पावेत्रता च ४१५ ग्र. च ५४४ पावत्र स्थान क ५४ पश क ८१, क २०७, ग ४३० पशुपति क १६५, क ३११ पशुपतिनाथ क ५८ वशोपेश च २३१ पश्च छ १७४, छ १६३ पश्चाताप भ ६४८ पश्चात् च ८२, छ १६३ पश्चिम च ७६, च ७६, च ८२ पश्भ ग ३७ पश्मीना ङ २१६ पसंचा ब ६६० पसद स ४७१, स १२३ व पस स ५२७ वसरना व ८६५

पंताना भा ७२ पसारना च ८६३, ज ८७० पसोजना ज २५, भ १४६ पसीना ग १२१ पस्त ज ७५३ पस्ताइम्मत भ २७४ पहचनवाना ज ११५ पहचान ख ४४०, ज ११४ पहचानना ज ११० पहनना भ ७६, भ ८० पहनावा ङ २३६. भ ७६ पहर कु १, कु १२८ पहरा च १६२ पहरा देना भा २०५ पहरुत्रा ख ३७५ पहरेदार ख ३७२ पहरेदारी क १६८ पहरेदारी करना भ २०५ पहलवान ग ४०६ पहला ख ५७८ पहले छ १७२, छ १६४. ब ८२७ पहाड़ च २४८ पहाड़ी च २४८ पांइचान दे॰ 'परिचय' पहिचाना ब १०५ पहितो ङ ६७ पहिनना भ ८० पहिनावा ह २३६ पहिरन इ २७१, भ ७६ पहिरावा ड २३६ पहिलाख ५७८ पहुँच 🖷 ७४२ पहुँचा ग ६०

पहुँचाना भ ३५२ पहॅचाया भ रेपूप पहुँची उट ३३४, ड ३५३ पहुना ग ३७८ पहुनाई भ ८४ पहुरा भ २८३ पहेला ख २७० पॉख ग ५६६ पाँखो स ५६८. ग ६७० पॉख्री घ ३८४ पॉच ख ५६६ पाचजन्य क ३११, क १३८ पॉचवॉ ख ५६७ पाचाली क ४१८, ख १६४ पाइर ग ६३३ पाडव क ४१२, ख ५६६, घ ८६ पाडवगोता क ५८२ पाड़ क ४२०, स्व ५१३, ग ६६०, भ ३८० पाइता ख ३६ पांद्वर खर⊏, ख ३७, ग६५०, घ ७१, घ १६७ पाडुरोग ख ५१३ पाइलिपि ख २६५, म १८६ पाडे ग २८६ पाडेय ग रदह वाँत ग ३०० पाँती व ६२४, व ६२४, भ २६४ पाँच ग ८६, 🖷 ६७७ पाँवड़ा ङ २६४ पाँव पहना भ २४८ पाशु च १५८, च १८६; ङ ५३३, च६७ पांशुल ज ५४२ पाउडर स ५५१, इ ३२२

पाक ग ४२२, ग ६०५ पाक्ष व ६७ याकदामिनो स ५० पाकर घ ६७ पाकशाला च १६८ पाकशासन क २२५ पाकस्थलो च १६८ पाका ख ४७७ पार्रेट इ ४६६ पाचिह ख २६१ पाखड ज ३०८ पाखडी ज ३०६ पाख छ ८६ वाखर घ ६७ पाख्राना ग ११५, च १५२ पाखाना होना ग ११६ पाग ड १६४, ङ २३६ पागल ब ३३५, ब ३४०, ब ३६४ पागलपन ज ६३७, म २४१, ज ३६६ पागल होना ज ३३८ पाचक ग ४०२ पाञ्चा ग प्रप्र पानामा ङ २६४ पानापन व २६६ पानीपना ज २६६ पाजेब ड ३३५, ड ३६२ पाट घ १२७, घ १२८ पाटन च १६८ पारल म ४४२ पाटलीपुर न ११८ ए४४ स ५४७

पाटो स ३११, क ५०७

षाटोर च १०२

पाठ ख १७४, ख २६६ पाठशाला ख २७४, च १६६ पाठन ख २५७ पाठा ज ४६८ पाठीन ग ५८% पाठ्य ख १७७ पाड़ा च १३७ पाढ़ा घ १६७, च १३७, ब ४६८ पाशिक ३४०, ख ५८२, ग ५६ पाणि प्रहण् ग १५१ पाणिप्रहस्य करना भ २४ वात घ २१ पातक ग १४०, ज ३०४ पातकी क ३१६, च ३०६ पातगोभी घ २७६ पातशाह ख ३४६ पात होना च ७०८, च ८११ पाताल क ३३१, क ३३५, क ३३६, क रेरे७, च रप्र पाता घ २१ पात्र ख १५ -, घ २१, इ ८२, इ ४२७ पाय क २६७, क ३१२, क ३१३, च ३, च २४१, च २६२, च २६३, च २६४, ब ६६३ पायर ड ४७५, च २४७ पायोधि च २६४ याद के १६५, ख्रा ५७४, स ८६, ब ६५० पादत्राख ङ २६७, उ २६६ पादना ज ६५१ पादप भ २ पादशाह ख ३४६ पादाकुलक स २०३ पार्द्रका ङ २६७, ड २६६

पाघा क ८८

पान घ २१, ङ १६०, ङ १६१, ङ ३७६

पान करना भ १२३

पान सुर्ती ङ १८६

पाना ब १८६, भ ११७, भ ३०७, भ ३५०

पानो च २६२, छ २२६, छ २४५

पानी उतरना ख ५०३

पानी उतारना ज ३४६

पानोदार छ २८८

पाप ज २०४, ज २१०, ज ४१५, भ २२०

पापाचारी ज ३०६

पापद ङ १२०, ङ १२१

पापनाशक क १६५

पापी क ३१६. ज ३०६, ज ३१८

पायंदान ङ २६४

पाय ग ८६, इ ५०४

पायक ग ३८३

पायबामा क २६४, ङ २७७

पायल ङ ३३५

पायस ङ १२३

पाया ग ५५१

पारंगत च १११

पार ब ४५६, ड ५०४

पार करना च ६८६, ज ७३६, न २३३

पारखी ख २५२

पारसा छ २३६

पारसी क ३

पारा घ ४५६

पारावत ग ५२४, ग ६३६, ग ६६०

षारिजात क २४१, घ ४१७

षारितोषिक भ २८४

बारिअमिक ख ३६४

यारिषद क १८०, स ३६६, अ १५६

पार्कघ ⊏

पार्टी ख ३३६

पार्थ क ४१७, ख ३४६, च ८६

पार्थक्य ज ८५६

पार्थिव ख ३४६, ख २६२

पार्वती क १८५, क २०२, घ २६५.

घ ३६२

पार्वतोय घ ३५६

पार्श्व ग १०४, च २८१, ज ६७६

पार्श्वनाथ क ४८२

पार्षद ख ३५७

पाल घ १३, च २८२

पालक ग २५५, ग २५६, म ३२७,

भ १६६

पालको घ ३२७, ङ ३६७

पालन क १३६, भ ३५८

पालन करना ज ६२२

पालन करने वाला ग १७५

पालन-पोषया क १३६

पालन-पोष्य करना क २००

पालनः क १३५, व्ह ५०१, व्ह ६२२,

भ २००

पाला च २८१, छ २५१, ह २६०

पाला-पोदा काना क २०१

पालिटिक्स ख ३३२

पालित होना भ २०१

पाली ग ५५४, ख २२०

पा लेना भ ११७

पाव स ५७४, स ५६५

पावक क रह्ह, क २६७, क ३११, क २१५

पावन क १३४, क ३११, क ४६१,

घ २०१, च ४४१, च १३०, च ३०३

पावनता च ४१५ छ, च ५४४

पावना भ ३०४ पावलगी करना च १६७ पावम छ ७२ पावा रू ५०४ पाश क २६१ पाश्यपत क ११, क ५५८ पाषाया च २४७, छ २६१ पासग ज १६० पास ज ६७६ पासा ङ ३७४ पासी ग २६६ पाइन च २४७ पाहुन ग २०३ पाहना ग २६३, ग ३७८ पाहनी भ ८४ पाहर भ रद्भ, भ रद्भ पिंग स ३७, ग ५३२, व ४५४, घ ४७३ पिंगल क ३११, ख ३७, ग ५२४, ग ५२६, ग ६५२, घ ४५४, भ ३३२ पिंगल गीता क्रथप्र पिंगलाक १६३ पिंबर सा ३७, ग १२, घ १२२, घ ४७३ पिंड ग १२, घ १४, घ ४७५ विद्या ग १२, ङ २१५ पिंडिया क १६८ विंडी घ ६८, ङ २१५ पिक ग ६१३ पिकरान इ ४७२ पिचलना भ १०७, भ १४६ विचक्रना ब ८०७, भ १३२ विवका भ १२८ पिक्समा ग ३८३

विद्वौरी ङ १७४ पिटक क ५६६. ख ५२२, ड ४६६ विटाई भ २८० पिटाई करना भ २८१ पिटारी ग ५५१ पिढई ड ५०६ पितर ग १६६, च ३७ पिता ग १७४ वितामह क १२३, क १६५, क ४३४, क ५७८, ग १६२ पित्त ख ४४२, ख ४४३, ग १२४, घ ४५१ वित्तपापडा घ १८६ पित्ती ख ४५६ पितृ ग १६६, च ३७ विनुब्ध ग १८५, ग १८७ पिटर रा १७४ पिनाक क १७६, घ ४६१, ङ ४०६ पिनाकी क १६५, क १६८ दिपासा भा १२२ विपास भा १२१ विवीलिका ग ५४२ विष्पल च २६२ विष्वलाद क प्रभू ३ वियं ग २२४ पियराई म्व ३६ पिया ग २२४ ियाज च ३६६ वियाला इ ४४३ वियास भ १२२ पिलई ग ५४८ पिशाच क ३५०, ग १६२ पिश्रुन क ४६३, ग ६५४, व १६३ पिशुनता ज १६४

पिछोरना च ५५४

पिश्ता घ ३६० विशान ङ ६५ पिस्ता घ ३६० विस्सू ग ५४८ पोक ग १२२ पीकदान ङ ४७२ पोकना ब ६४७ पीछा ग ५४ पीछा करना ज ६७४ पोछे छ १६३, ज ८२७ पीछे चलना भ २४५ पोछे इटाना च २६१, ज २६२ पीटना ग १५६, भ २२५, भ २८१ पोठ क ८०, क ३६४, ग ५५, इ ५०६ पीठ ठोंकन। ख ४०२ पीठमर्द ग ३६८ पीठिका ङ ५०६ पोठी ङ ७० पोइक ज ५४ पीड़ा क ३२६, ख ४८४, च ५० पीड़ा देना भ ३७७ पीड़ित ख ५४६, ज ५२ पीद्वा क ५०६ पोद्धी क ५०५, म ७ पोत ख ३७, घ ४७३, घ ४६२ पोत कमल घ ३६६ पीतचदन घ ११३, घ ११३ पोतता ख ३६ पीतल घ ४५४ पीतावर क १३४, क ३६६. पोताभ घ १३१ पीन ज ४६८, भ ३६

पोनता च ५००

पोनस ख ४७५ पीना ङ २१५, भ १२३ पोप ख ५२७ पीपल घ ६६, घ १८८ पोब ख ५२७ पीय ग २२४ पीयूष क २४२, इ १५५ पोर क ११०, ज ५० पीरा ख ३७, ज ५० पील ग४३५ पोलखाना च १८७ पीलवान ब ४१० पीला ख ३७, ग ११२, घ ४७२ पीलाचंदन घ १३१ पीलापन ख ३६ पोलिया ख ५१३ पोव ग २२४ पीवर क ४४६, म ४६८ पीवरता ज ५०० पीसना ख ५५२ पोहर २३४ पुंगव ग ४८३ पर्मापल क १६२ पुडरीक क ३११, ग ४६४, ग ४६७, ग ५४३, घ २३०, घ ३८८, घ ३६७, ध ४२४, च ८३ पंडरीकाच् क १३४ पुंश्चली मा ६६ पुंस ग ३ प्सरव ज २२१ पुसत्वहीन ज २२० पसवन क ६८ पुकार ज ८६६

पुकारना च ६००

पुलराज घ ४६२

पुच्छ ग ४३४

पुचकारना ज १३६, ज १५१

पुञ्जार ग ६०६ पुजारी क २५, क ३७ पुजैया करना क २७ पुट च १७७, घ २२०, ड २७१ पुरुष क ११ श्र, ज ३०३, ज ४१४ पुरायभूमि च १०८ पुर्यवान ज ४६० पुरवश्लोक क १३, क १३४, क ४१४ प्तली ग २१, इ ३७६ ुत्तलिका ग २१, ङ ३७६ पुत्र ग २५०, ग ४२२ पुत्रबध्ग २३३ पुत्रिका ङ ३७६ पुत्रेष्ठि यश क ८३ पुदीना घ १८६ पुनः ज १००७, ज १०११, छ १६३ पुनर्भव ग ७५ पुनर्वद्व क १३४, क १६४, च २७, च ३४ पुनि ब १०११ पुन्य क ११श्र पुमान ग ३, भ १६२ पुरंदर क १०४, क २२५ पुर घ १७७, घ ४१०, च १३५, च १३७, 母 (80 पुरद्दन घ ३८८ पुरसाग १६०, भ ४ पुरबट इ ५३२, च ६१३ पुरवा ग १८. ङ ४५६, च १३३, च १३७ पुरवासी ज ५६२

पुरस्कार व ३४२, म २८४ पुराण क ७६, क १६५, क ५३५, ख २३७, ल ३१६, ख ६२३ पुरागाशैली ख २०६ पुरातन क १३४, छ १७४ पुरातनना छ १७६ पुराना छ १७४ पुरानापन छ १७६ पुरारिक १६५ पुरी ख ६०३, च ११६, च १३५, च २७१ पुरीष ग ११४, च २६२ पुर क २३८ पुरुष क १६४, क ६६७, ग ३, म ५, ग ६, ग २२४, घ १६४ पुरुषात्र ज २२१ पुरुषार्थ ज २०६ पुरुषानम क ११२, क १३४, क १६६ पुरूरवा क २०५ पुरोद्धास ड १५७ पुरोद्धित क स्ट पुर्वज्ञ ग १६० प्ल च २८८ युलक ग ४१, घ ४८० पुलस्य क १६५, क ५७८, च ७४ पुर्लिग ग ७६ पुलिदा च ६२४, च ६३० पुलिन च २८१ पुरत ग ४४, भ ७ पुरतैनी भा 🖛 पुष्कर क त्रम, क १६४, क २६७, ग४४४, ग ६४०, घ १६०, घ ६८८, ङ ५१२, च ३, च ६३, च ३१३, भ २६१ पुन्तरसी घ ४०६, च ३१२

पुष्कल क १६५, क ३४६, क ४४७ पुष्ट ख ५४७, च ४६८, म ३६, म ४० पुष्टता ज ५०० पुष्टि क २०२ पुष्प ग १२८, घु६८, घ ३८१, च २७, च ३५ पुष्पक विमान क ३७६ पुष्पगुच्छ घ ३८७ पुष्परज म ३८५ पुष्पवाटिका घ ६ पुब्धित घ ३८२ पुष्पित होना भ ३६८ पुस्तक ख २६६ पुस्तकालय च २११ पुश्तिका ख २६६, ख ३०२ पुहूप व ३८१ पूँछ ग ४३४ पूँबी ख ३८०, ख ३८१ पुत्रा ११६ षूग क १६२, व ६२४ पूछ् च ११८, च ११६ पूक्ताक व ११६ पूछ्ना ज १०६ पूजन क २६, ब ३४२ पूजना क २७, ज ३४३ पूजनीय क २६, ज ३५४ पूजा क २६, च ३४२ यूबा करना क २७ पूजित क २८, व ३४४ पूज्य क २६, व ३५४, व ४४० पूज्यनीय व ३५४ पूज्यपाद व ३५४

पूकी क १०६, क ११०, क १११

पूत ग २४०, घ ४६४, च ४१४, च ५४१ पूतता ज ५४४ पूतना ख ३५६, ख ५३६, घ १६३, ङ २६ पूनो छ ११० पूर च २८७ पूरण च २६४, छ २४५ पूरक घ ३५५ पूरनमासी छ ११० पूरना ब ६७ पूरब च ८३ पूरा च १३७, ज ८०५, ज ८७६ पूरा करना ज ८१०, भ ३५७ पूरा पहना ज ६१६ पूरा होना ज ६५५, व ८२१, व ६१६, **₹8**9 पूरी ङ १०६ पूर्ण क १३४, क ३०६, च २६२, व ८०५ ब ८७६ पूर्ण करना च ८१० पूर्यातः ब १०१६ पूर्णमासी छ ११० पूर्यारूपेया च १०१६ पूर्वा होना ज ३७, च ६५५, च ८२१ पूर्विमा छ ११०, छ ११५ पूर्वक १६, च ७६, च ७६, च ८३, छ १६४ पूर्वकृत क २६७ पूर्वव ग १६०, ग २१८, भ ५ पूर्वजन्मा ग २१८ पूर्वपुरुष भा ५ पूर्वा च ८३ पूर्वाह छ १२६, छ १३०, छ १३२ पूर्वाफास्गुनी च २७, च ३८

पूर्वाभाद्रपदा च २७, च ५३ पूर्वाषाद् च २७, च ४७ पृवक्ति ज ६१६ पूला ज ६२४, ज ६२६ पूष घ ६४, छ ३७, छ ५७ पूषगा क २६७ पूषा क २१५, क २६७, क ३०६, च ५५, च ६० पूस छ ५७, छ ७६, छ ८१ पृथक् ज ८५५, ज १७७ पृथक् करना च १८२, च ८५३, ज ६०१ पृथक्ता ज ८४६ पृथक् होना ज ८५४, ज ६०० प्रथा क ४११ पृथिबी क २४३, च ६० प्रश्च क १३४, क १५४, क १६५, क ३११, ब ४२५ पृथुलाग ज ४६८ पुषुलागता ज ५०० पुथ्बी ख ५७७, ङ ७८, ङ ८६, च ६० पृथ्वीतल च १०३ पृष्ठ ख ३०४, ग ५५. पेंच ङ ३३०, ज ६६ वैचीदा ज ६५८ वें इकी ग ६६, ग ६६१ पेषना भ 🖘 वैश्विल ख ३१३ पेंहरी घ ३७५ पेखना व ७२३ पेज ख ३०४ बेट गप्रभ, ग ११३, ग १४० पेट चलना ग ११६

षेट भरना व ३७

पेट रहना ग १४१ पेटारो ड ४८४ पेटी ग ५३, इ ३६५, ङ ४८६ पेटीकोट ङ २७५ पेठा घ २८६, ड १८५ पेइ घर, घप पेड़-पौधे घ १ पेड़ लगाना भर ३१७ पेड़ी घ १४ पेड़ ग ५४, ग ७७, ग ११३ पेन्हना भ ८० पेपर ख २०७, ख २६६, ख २८६ पेलनाज ७४१ पेश घ ४४८ पेशवाई ज ६६८ पेशवाई करना ज ६६६ पेशा भा ३०३ वेशानी ग १६ पेशाव ग ११७ पेशाब करनः ग ११८ पेशी ग ६०३ पेश्तर छ १७२ पेहंद्रल च ३७५ पैगांबर क प्रद, क प्रदेष वैट ङ २६६ पैक च २४१ पैतीक १०५ वैजनी ङ २६२, ङ ३३५ वैबामा ङ २६४ पैठ च १३८, ब ७४२ पैठना व ७३८, व ७४० पैठाना घ ७४१ पैठा हुआ च ७४३

पैताबा ङ २६७ पैतृक भ ८. भ १३ पैदल ख ३६०, ख ३६१ पैदल फौब ख ३६१ पैदा ख ३६८, ज ८१८ पैदा करना ख ३८४, ग १४६ पैदावार घ २२४ पैदा होना ग १४४, ज ८१७ पैनाभा २६६ पैना करना भा २६७ पैमाइश ज ६६२ पैमाना ख ६४५, ज ६६१ पैर ग ८६, ग १३८ पैरगाइो ङ ३⊏६ पैर छुन। 🖷 १६७ पैरना भ ४१८, भ ४२० पैर भारी होना ग १४१ पैरी ह ३३५, ङ ३६२ पैसा ख ३८०, ख ४०८, ख ४२६ पैसाना ख ७४१ पौकियाना च ६७४ षीगड ज ५३६ पौद्ध ग ४३४ पोंछ्ना न ५५२ पोक्षियाना च ६७४ पौटा ग १२३ पोत्रा ग ५६१, ग ६०५ पोका ग ६७० षोखरा च ३१३ पोसराब घ ४६२ पोखरी च ३१८ पोच ब ४२६ वोटा ग६•३

पोद ज ४६८, भ ४१ योत ग ४३१, ग ६०३, ग ६०५, क १८०, ङ ३८१ पोतक ग ४२२. ग ६०५ पोतडी ग २५८ पोत देना घ ६४३ पोतला ड ११२, ङ ११४ पोता क ३१३, ग ८१, ग ६५७ पोती ग २५८ पोथाख २६६ पोथी ख २६५, ख २६६ पोटीना घ १८६ दोवपधी क १२ पोपला ज ५२४, ज ८०६ पोपलोला क १२ वोय घ ३३५ पोर ग ६८ पोल ब ६३१ पोलटिकल ख ३३३ पोला ब ८०६ पोलाव ए ६४ पोवा ग ५६१ पोशाक ङ २३६, क ७६ पोष्या कश्रे६ पोष्या करना भ २०० पोषग पाना भ २०१ पोषग्रीय क १३७ पोषित होना भ २०१ पोष्य क १३७ वोध्यपुत्र ग २५५, ग २५६ वोसना भ २०० पोस पाना भ २०१ पोस्टकार्ड ख ३१६

पोस्टमैन ख ३७६ पोस्ता घ १६१, ङ १६३ पोहना ज ८६४ बौड़ा घ २४६ पौगक भ ४२१ पौरना भ ४२० वौसला च १६७ वौगड भ ३१ पौद्धना ज ७६१, च ७६५ पौढाना ज ७६३ पौत्र क ४१६ श्रा, ग २५७ वौत्रो ग २५८ वौधा घ ५ पौन क ३१३, क ३५०, ख ५७६, ग ६, ग ७, छ २६३ पौना इर ४३३ वौनार ध ३८६ वौनी इ ४३३ पौने ख ५७६ वौर स्व ३७२, च १६२, ज ५६१ वौरना क ४१८ पौराधिक क 'अद, ख ३२१ वौरिच १६३ वौरी क २६७ वौरुष म ३८ पौर्यामासी छ ११० पौवा ल ५७४ पौष छ ५७ प्यांक च १६७ प्याज घ ३१२ प्याज्ञ ख ५५ प्यादा ख ३६१, ख ३६५, ग ६८३

न्यार च १४५

प्यार करना च १३६, च १५१ प्यार करने वाला ज १५३ प्यारा ग २६६, घ ३६, ज १५५ प्यारी ग २६७, ज १५६ प्यास का १२२ प्यासा भ १२१ प्याला ङ ४४३ प्रकट करना ज ८६६ प्रकट होना क १५६ प्रकरण ख १३५, ख २६६ प्रकरी ख १४१, ख १४३ प्रकार भा ३७० प्रकाश घ ४५६, च १०, छ २८३, च ८९२ प्रकाशक क १६५ प्रकाश करना ज ८६३ प्रकाशकीय ज १२२ प्रकाशन क १३४ प्रकाशमान व ३४६ प्रकीर्णंक क प्रत्य, इ प्रप्र प्रकोप ज ६३ प्रकोश्य ग ६० प्रकृति गद्रुष १, ज १ प्रवालन करना ज ५५० प्रस्थान ज ३४६ प्रगटनां क १५६ प्रगल्भ न २४० प्रगल्भना ख १६३ प्रगाट व ५६४ प्रगीत स १७७ प्रचंड व २४३, व ३७८, म ४० प्रचंडता च ३७६ प्रचार करना ब ८६३, ब ६५५ प्रचनन ग १४४, भ ५३

प्रचा ल ३७८, ग २४६ प्रजातंत्र ख ३६० प्रजापति क १२३, क २६७, क ३१७, क ५७८, ग १७४ प्रजावती भ्राप्त प्रज्ञ क १७ प्रज्ञा क १३०, ग १३२ प्रज्वलित भ १०८ प्रज्वलित करना भ १०३ प्रया च १६७, मा ४२७ प्रश करना भ ४२८ प्रगान ज ७८ प्रग्यग ६, ज १४५ प्रमायी ग २२४, ज १५३ प्रणव क ११२ प्रयाम ब १६६ प्रणाम करना च १६७ प्रगाली ख २०५, ज ६५२, भ ३७० प्रयोता ज ८१६ प्रतापी भा १७२ प्रताप च १००, च २७३, स १७१ व्रतादित क २७६, प्रतारण भ २०६ प्रतिकार स २६७ प्रतिकृत व १८५, व २८६, व ४२१ त्रतिकृत्वता ज २७६, ज २८३ प्रतिशा भा ४२०, भा ४२३ प्रतिशा करना भ ४२८ प्रविशापत्र भ १८६ प्रतिदिन छ १३६ प्रतिद्वन्द्वी च २८४ प्रतिपद्मी ग २७६, ग ३६६, व २८२ प्रतिपदा छ ६५

प्रतिपालक ब ७८६ प्रतिपालन ज ६२२ प्रतिबन्ध ज ७७८, ब ७८६ प्रतिबन्ध लगाना ब ७८८ प्रतिबिंब क २२, छ २६७ प्रतिभाग १३२ प्रतिभू भ १८७ प्रतिम ज ४२२ प्रतिमा क २२ प्रतिमाकार ख १० प्रतिमूर्ति क २२ प्रतिवाद ख २६६ प्रतिवादी ग ३६६. ज २८४ प्रतिशत ख ६३० प्रतिन्ठा क २३, भ ३४२ प्रतिष्ठा देना ज ३४३ प्रतिष्ठान क २३ प्रतिष्ठापन क २३ प्रतीक ग ११ प्रतीचा ज ४५४ प्रतोचा करना ज ४५३ प्रतीचालय च २१० प्रतीची च ८२ प्रतीति व २५३ प्रत्यंचा ङ ४१० प्रत्यच्च करना ज ७२३ प्रया च ६५२ प्रद ब २०१ प्रदर ख ५३३ प्रदर्शक व ७३४ प्रत्यय भ १६२ प्रत्याशा ख १४४ प्रत्यूष क २०६, छ १४१

प्रदर्शनी ग ७१, ज ७३१ पदर्शित ख ७३५ प्रथम ख ५७८, छ १६४, ज ८१२ प्रदाता ज २०१ प्रदान ज १६५ प्रदान करना ज १६६ प्रदोप ङ ४६०. छ ३८३ प्रदेश ख ३४८, च १, च १०६ प्रदाग्न क २७१, क ४०२ प्रधान ख ३३५ प्रधान मत्रो ख ३५६ प्रधानाध्यापक ख २७६ प्रयंच च १०३ प्रवितामह क १२३, ग १६१ प्रफुल्ल घ ३८२, ज ५१ प्रकृत्मित करना ज ४३ प्रकृत्लित होना ज ४१ प्रबंध ख १७५, ख २०७, भ १५७ प्रबंधक ख २८७, ग ३७५ प्रबंध करना भी १५६ प्रबंधकत्ती ख २८७ प्रबंधकार ख १२७, ख २८७ प्रबोधना ख २६२ प्रभंजन क ३१३, क ३१६ प्रभाक २६७, क ३०२, च १०, छ ३८३ प्रभाकर क २६७, क ३०७, क ३११, ष १००, च २६४ प्रमात हा १३६ प्रभाती हा ५१६ प्रभाव व २४६ प्रभावशाली भ १७२ प्रमुक ११२, क १६५, क २२६, ख ३४६,

स ४०५म, ग ३८०, घ ४५६

प्रभुता भ १४६ प्रभुताई के १४६ प्रभुत्व भ १४६ प्रमाग क १६२ प्रमाण देना भ १६०, भ १६३ प्रमाश्वित करना भ १६३ प्रमाद क ३१० प्रमुख ख ३३५, ग ४०४ प्रमदित ज ५१ प्रमेह ख ४६१, घ १४८ प्रमोद न ४४, अ ४२ प्रयक्त क १४४, म २८७ प्रयाग क ५८, च ११६ प्रयाग ज २८७ प्रयास का रदा प्रयोग भ ३०६ प्रयोजन भा ३०६ प्रमय क १७२. छ २२ प्रलय करना क १७१ पलाव स ५११ प्रलाप करना ग १२०, ज ६१३, ज ६२३, ज ६२६ पवचन क पूरेय प्रवाल घ ५३. घ ६०२ प्रवाह घ २४, च २७४, च २७७, ब ४ प्रवाहित च २७४ प्रवाहित करना भा ४१६ प्रविष्ट स ७४३ प्रविष्ट करना ज ७४१ प्रवीगा च ३६७ प्रवृत्ति च १२३ व प्रवेश व ७४२ प्रवेश करना ज ६६

प्रवेश कराना ज ७४०, ज ७४१ प्रवेश पाना ज ७४० प्रशंसक क हथ प्रशंसनीय ब ३५८ प्रशंसा क ४५, ज ३५५ प्रशसा करना न ३५६ प्रशास्त च ६६ प्रशस्ति ज १७६. च ३५५ प्रश्न क ५५८, क ५५६, ख २.५, ज ११६ प्रश्नपत्र ख २६६ प्रसंगक २८७, छ १, ज ६२१ प्रसग करना क २८६ प्रसन्न ज ३६ पसन्न करना ज ४३, भ २४८ प्रसन्निचर न ४७ प्रसन्तता अ ४५ प्रसन्न होना ज ४१, ब ३७, ज ६४६ प्रसव ग १४४, ग २४६, ग २४७, घ ३८१, # 73 प्रसरित होना ज ८६५ प्रसव करना ग १४६ प्रसाद ख १६१, ख १६२, ड ८२ प्रसाद पाना क ११७ प्रशिधका ध २६८ प्रसार वा ५७४

प्रसाद ख १६१, ख १६२, प्रसाद पाना में ११७ प्रसाधिका च २६८ प्रसार च ५७४ प्रसिद्ध ज ६४६, ज ३५१ प्रसुत ज ७५६ प्रसुत ज १४४, ज ८१८ प्रसुत ज्वर ख ४६३ प्रसुत च ३८१, में ५४ प्रसुत च ३८१, क ८८ प्रस्तर च २४७ प्रस्तावना ख २६८

प्रस्तुत ज ३७४, ज ३७६, भ २५७ प्रस्थान ख १३४, ज ६६७ प्रधान करना ज ६६५ प्रस्वेद ग १२१ प्रहर ख ६०६, छ १, छ १२८ प्रहरों ख ३७२ प्रहर्षित ज ३६ प्रहसन ख १३५, ज ३७२ प्रहार भ २८० प्रहेलिका ख ५. ख २७० प्रहाद ज ४५ प्रागण च १४४ प्रान्त च १०६ प्राकाम्य क २६४ प्राकृत ख २१८, ज ३८५ प्राकृतिक व ३८५ प्राकृतिक चिकित्सा ख ४३२ प्राक्कथन ख २६८ प्रागैतिहासिक ख ३२२ प्रार्चः च ८३ प्राचीन ख ३१६, 📆 १७४ प्राचीनता स्व १७६ प्राचीर च १३६, च १६०, च १८६ प्राच्य छ १७४ प्राया क १२३, क ३११, क ३१३ क ३१६, ख ५६६, ग २२४ प्राणप्यारा न १५५ प्रागण्यारी ज १५६ प्राचाप्रिय ग २२४ प्राण बचाना क २३१ प्राया लेना म २१८ प्राणवामु 🖷 २६४

प्राचात ग १५४

प्राचात करना क २१८ प्रासास्त होना ग १५५ प्राचाचार ग २२४ प्राथा ग १, ग ६, ग ४३० प्रागोश ग २२४ प्रातः छ १३६ प्रातिपदिक क ३११ प्राथमिक छ १७८ प्रादुर्भाव ज ८०३, ज ८१२ अप्र माप्र प्राप्त करना ज १८६, भ ३५० प्राप्ति क २६४ प्रायः छ १६८, न १००६ प्रारंभ ज ८१२ प्रारम्भ करना च ८१४ प्रारंभिक छ १७८ प्रारब्ध अ ४५७ प्रारब्धहीन स ४६१ प्रार्थना क । ५, क ६५, ज १७६ प्रार्थना करना भ ५४८ प्रार्थना-पत्र भ २५० प्रार्थित का २५२ प्रार्थी के २५१ प्रालेय छ २५६, छ २६० माहरू छ ७२ प्राप्तांगक स्व १४० प्रासाद क १६, च १७१ प्रिसपल ख २७६ प्रियंग क ३५२, क ४४ प्रियं ग २२४, घ ४०१, घ १५५, घ ४६३ प्रियलम ग २२४, ब १५५ प्रियतमा ग २६७, च १५६ प्रियदर्शी ज ४६३

प्रियभाषी ब ६३६ प्रियवर ज १५५ प्रिया ग २२५, ग २६७, घ ४०१, ज १५६ प्रीतम ग २२४, ज १५५ प्रोतमा ज १५६ प्रीति क रूप्य, क ३०६, ज १४५ प्रेचागृह म्व १६६ प्रेतक ३५० प्रेतिनी क ३५२ प्रेम ज १४५, ज १४७, ज १५३, च १५७ प्रेम करना न १३६ प्रेमभाव ज १४५ प्रेमालिंगन च १५० प्रेमिका ग २६७ प्रेमी गर६६ • प्रेयसी ग २६७, १५६ प्रेरक ज २१८ प्रेरगा ज ४, ज २१६ प्रेग्सा देना च २१७ प्रेरित करना ज २१७ प्रेसन् रम्ह प्रेसिडेंट स्व ३३५ प्राटेस्टैट क ५०१ प्रोत्साहक ज २१८ प्रोत्साइन च २१६ प्रोत्साहित करना च २१७ प्रोप्राइटर ग ३८० प्रोफेसर ख २४१ व्लवग ग ५०५, ग ५२४, घ ६७ प्लाट ख १३६ प्लास्टर च १७० प्लीडा ग ११२ प्लेग ख ५०६

प्लेट ड ४४२

फ

फँदना ज ७८१ फॅदा ङ ५६२ फॅफराई ज ५१० फॅसना ज ७८०, ज ७८१ फॅसा ज १२२ फँसाना न ७८२ फइलॉव च ५७३ फकख २८ फ़कीर क ११० फ़कीरिन क १११ फ़कीरी क ६६ फख्र ज ८८ फगुम्रा छ २०३ फगुनइटा छ ७२ फगुनहा छ ६१ फ़ज़ल ज १६ फ़िल्स क ५०६ फ़नीइत ज १४६ फ़जून ज ४२१ इ **क्ष्रज्ञलं ख ३८६** फट ग ५६४ फटउध ङ १६४ फटकन ह ४६३ फरकना च ५५४, च ८५३ फटकाना ज ३६१ फटकार ज ३५६, च ६३६ फटकारना च २४७, च २४८, च ३६०,

ज २५२, ज ६४०

ज ६३७,ज ६३३

फटना ख ४८२, च ८५४, च ८६२,

फटफटिया ङ ३८५ फटा ग ५६४ फटो ग ५६४ फड़ च २१८ फड़कना ज ६८५, भ ३५१ फड़फड़ाना ग ६०० फ्ण ग ५६४ फग्णघर ग ५५८ फर्याद्र क ३३० फगो ग ५५८ फ़तह स २८८ फतहस्राव होना ज २६३ फर्तिगा ग ६६८, ग ६६६ फतुही ङ २४२, ड २५१ फन ख २३५, ग ५६४, च ३९६ ं फफोला 🗷 ५२१ फबीलाज ४६३ फरकना ब ६८५ फरकाव अ ८५६ फरफराना ग ६०० फरमान भ १८८ फ़रमाबरदार क २४२ फरमाबरदारी क २४३ फ़रवरी छु ३८ परागत अ ३३४ फरिया ङ २७४, इ २७६, इ २८० परियाद भ १८४ फरियादी ग ३६८ फरियाना ज ८५४, भ ७२ फरसा ङ ५३१ फ़ब्हा ङ ५३१ फ़ब्ही क १४६ फरेंदा घ ४१

फ़रेबी स २६८ फ़रोख्त भ २६२ फ़र्ज ज ६६६ फर्न करना च ६६८ फर्ज़ी च ६७० फ़रीश ग ३८३ फशंच १७० फल ख प्रश्, घ ३४२, घ ३५७, ङ ४०७, ङ ५२७, भ ३४२, भ रदह फलक क २३८, ग६१, घ १२२, क १६, ङ ४०७ च २३८ फलतः ज १००६ कनद च ४६ फलाधा घ६३ फलहरी घ ३४२ फलॉग मारना च ६८६ फलागम ख १४४, छ ७७ फलारी व ३४२. व ३५७ फ़लालेन क २३१ फलित च्योतिष ख ६४६ फलो बर, ब ३१ फलीता इस ४०४ फलगुच ३०३ करास च २२४, छ १ फराकी छा ६५ फ़बाद भा १७५ क्रसादी म १७६ फसाना स २०८ फस्ल घ २२४ काँक स ८७६ फॉर न ६८१ फॉदना च ६८३, च ६८६ कांकर स ५०८

फॉसी क २२६ फाउटेनपेन ख ३०७, ख ३०६ फारृता ग ६६० फाग घ ३३६, छ २०३ फागुन छ ६० फाटक च १६५ फाटना ज ६३३, भ ३७७ फाइना न ८६३. ज ६३४. ज ६३६ फ़ायदा ज ६५३ फार ङ ५२७ फरिना ज ६३६ फाल क १६५, व ६७७ फालसई ख ४५ फालसा घ६३ फालिज ख ५१८, ख ५२३ फाल्गुन क ४१७, घ ८३, घ ८६, छ ६०, खु ३७, खु ७० फाबड़ा च ४४६, क ५३१ फांसच्म ख ३४४ फासिस्ट ख ३४५ फ़िकर करना च २२५ फिकरमस्त च ३३२ फिका चार २४ फिक करना व २२५ फ़िक्रमद च २२६ फिक्रमस्त ब २३६ फिटकार ज रेप्र६, च ६३६ फिटकारना व २४७, व ३६० फिटकरी घ ४६६ फिडवा ग ३८३ फिरगों ग ३६% किर छ १६३, ब १००७, ज १०६, म १०११

फ़िरका च ६२४ फिरना ज ६३, ज ६७५ फिर भी ज १००७ फ़िराक ब ८५६, ज २२४ फिरोजा घ ४६ फिलसफ़ा ख ३२७ फिनासको ख ३२७ फिल्ड च २०१ फिनलना ज ६६८, च ६६६ फिसलाइट व ६६८ फींचना ब ५४७, ब ५५० फ़ोख ४२० फीका इ ४८ फ़ोकापन ङ ४६ फ़ारोज़ा घ ४६० फ़ोरोज़ी ख ४६ फ़ील ग ४३५ फ़ोलखाना च १८७ फ़ोलपाँव ख ५१७ फ़ोलवान ग ४१० फील्ड च २०१ फोस ख ४२० फोसदी ख ६३० फ़्ट ब ८५५ फ़रकर व न्प्र फुटेहरा इ १४४ फुदकना अ ६८३, ज ६८५ फुफ़ती इ २७२ फ़रतीला 🖣 ४४८ फ्रसत छ १५५ क्तीं छ १६२, ज १५८, ज ४४४ फुर्तीकरना छ १६१ फुर्तीबाज अ ४४८

क्रतीला छ १६४, च ४४८ फुलका ङ १०० फ़लकी इन् १०० फुजबारी घ ६ फ़लाव ख प्र२४ फ़लिया ङ ३२६ फ़लेल ङ ३१२ फ़लौड़ी ड १३४ फुसलाना च ८४४, भ २०६ फ़हार च २६३, छ २४८, छ २४६ फही च २६३. छ २४६ फूँकना क ३६१, ख ६३, ज ८१६, ज ८३१ फुश्रा ग २०६ फट घ ३७३ फूटना ज ८६२, ब ६३७ फूका ग २०७ फ्रफोग २०६ फूफू ग २०६, ग २०७ फूल क ३०, ख ४६४, घ २६, घ २७८, घ रूर, घ ४५६, ङ ३४३, ज ६६ फूलगोभो घ २७८ फूलना ज ४१, ज ८०८, भ ३१६, भ ३६८ फूलवती क ३५ फुलाख ४६४ फुला न समाना ज ४१ पेकना ख ३८५, ज ७०२, ज ८७१, ज ८६८, भ ४१६ फेटना कर ६३ फेटा इन्दर फेन ग १७, इ. २१, च २६६, च २८३ फेनिल घ ४२, घ ⊏५ फेनी ङ १२८ फेफ डाग १०६

फेरक ३३५ फेर डालना क ३६० फेरना ऋ ३०८ फेर पडना क ३५६ फेरकार का ४०० फेरवाला क ३५६ फेरी क २० फेरी देना ब दह र फेली ज ३१० फैयानी ज २० फैलसफ 🕶 ३८६ पैलाज ४३४ फैलाना ज ८६३, ज ८६५, ज ८७१ फैलाव ज ४३५, ज ५७३, ज ५७४ फोंका ल प्रश, ल प्रश फ़ोटो ख १३ फोटो खींचना ख १६ फोइना ज ८५३, ज ८६४ फोड़ा स ५२२ फोडिया ख ५२२ फ़ोता ग ८१ फोनोब्राफ ख ११६ फोरन इ १६३ फोरन देना क ६४ क्षीज ल ३५६, ज ६२४ क्रीबदार स रेप्रय कोत ब दश्द फौलाद घ ४५२ कीद स्व ३५६, ज ६२५ फ़ीरन ज ४४३

ब

बक व ६०, ज ६४

वंका च ६०, च ६४ बंग घ ४५७ बॅगला ख २२१, च १४१ बँगरो ड ३३४ बंचक ग ४१८, ज २६८ बचकता भ ०६ बंचना भर २०६ **बॅचाना क २३३** वंजन घ ६२ बभाघ ३ बॅटवारा ज ८८६ बॅटा ज ८८८ बॅटाई ख ५६४ बडल ज ६२४, ज ६३० बडा घ ३०६ बडिल ज ६२४ बंडी इन २५१ बद ख १६८, ग १०७, च १८३, भ २२१ वंद करना ख ७६८ बदगी ब १६६ बंदगोभी व २७६ बदनवार घ ४८३ बदनीय ज ३५४ बंहर ग ५२४ बदरमुहाँ च ४८२ बदरों ग २२५ बदा ग ३७२, ग ३८३, भ २२१ बदिगृह भा २२२ बंदिया इ ३२८ बिटश करना ख १६६ बदी ग ३५३, ग ३७२, इ ३२८, भ २२१ बदोखाना च १८२ बदागृह च १८२

बंदी बन ग ३५३ बंदीवान ग ३७३, म २२१ बंदुकची ख ३६५ बद्ध ङ ४०८ बंद्कची ख ३६५ बदे ज १६६ बंदोबस्त क १५७ बंध ग १२, भ २३५ बँध जाना ज ७८० बंधन क १६५, च १८२, च १८३, ज ७८४, भ २३६ बंबन में डालना ज ७७६, ज ७८३, म २३७ चधन में होना अ ७८० , जबनिवहीन भा २३४ बँबा मा २३५ बंधु ग २१४ बधुता भा १०, भा ११ बधुत्व भा १०, भा ११ बंधुवत भा १२ बँधुवा ग ३७२, भ २२१ बंध्क घ ४२५ बंधूकपुष्प घ ६० बंध्या घ ३ बंपुलिस च १५२, च १५३ बंबा च २७२, च २७३ बँबर घ ७ संशा ग २४६, घ ८० वंशक ग २४६, भा ५ बशपरम्परा ग १४६ वंशकोचन घ २१८ बंशी सा ११२ रू ५७२ बशोधर क ३६६

बंस घ८०, भार बॅहगो ङ ५२२ बक क २२५. ख २८, ग ६५० वक्भक करता च २८०, च ६१३ बकना च ६१३ वकवक च ६११ बकबक करना च ६१३ बकरा ग ४६१ बकरी ग ४६२ बक़रीद छ २२६ बकवाद ज ६११ वकवाद करना ज ६१३. ज ६२६ बक्वादी ज ६१२, ज ६३५ बकवास ब ६११ वकवासी व ६१२ बकसना च ६ बकुचीघ २१६ बकुल घ ४२०, घ ४२६ बक्लाग ६५० बक्ली ग ६५१ बकेन ग ४७४ वदेना मथ्डर बक च २१, ब ६० बक्स ङ ४८६ बलरा ख ६४३, ब ८६० बखरा लगाना ब ८८७ बलान अ ३५५ बलानना ज १५६ बलार च २१५, च ६२४ बिखया करना च दद्ध १ बखीर ङ १२६ बखेबा क १७५ बखेरना व ८६३

बाव्यिश भ २८४ बग ग ६५० बगर च १४४ बगराना ज ८७१ बगल ग ५७ बगलबंदी ङ २५० बगला क २०१ बगावत कर १७1 बगावता भा १७६ बगीचा घ ह बगुला ग ६५० बगुलाभगत व ३०६ बग्गी ड ३८७ बघनखा ग ४६८, ह ३४७ ब्रधार इ ७४ बंबारना के ६४ बघेली ख २२४ बचत भ ४२६ बचन ख २७१, ज ६१४, ज ६२१ बनन देना भ ४२८ बचाना ज ७७५, भ २३२, भ ३८१ बचाव में १६८ बच्चा ग २४६, ग ४२२, ग ६०५, मा ३० बच्चादानो स ११३ बह्रबा ग ४३१, ग ५५६, ग ४८० बख्या ग ४५६, ग ४८०

बछंड़ा ग ४५६, ग ४५७ बजना ख ६२ बजनजाना भ ३६५ बजाजा च २३६ बजाना ख ६२, ख ६३ बजाने वाला ग ३८६ बजाय भ २५६ १८ बज्र घ ६७
बज्रमूर्खं च ३६४
बम्मना च ७८०, ज ७८१
बम्मा ज १२२
बम्मा रहना च ७८१
बट घ ६५, च २४१
बटलरा ङ ५४८, च २४१
बटना ङ ३२३, च ६७
बटमार ग ४१८
बटमारी म्म २०६
बटा हुआ स्व ६४४
बटिमा ङ ५, ङ ६, ङ १३१, ङ १३४
बटिया ङ ५, ङ ६, ङ १३१

बटो घ ह, इ.प., इ.६, इ.१३१ बद्ध क १०१, ग ४२२ बद्धला इ.४३१ बद्धता इ.४३१, इ.५५८ बटेर ग ६३०, ग ६६७ बटोर ज १२७ बटोर न १२७

ब ८०६ वटाहो ज ६६३ बटा प २००, ड४७४ बट्ट प २०, ड४५८ बद्दपान ज २४२, ज ४२० बद्दपान ज ६४३ बद्दवानल छ २७३ बद्दहरू प ५० बद्दा ड४२२, ब ४२५, ज ४४०

मझाई ज २३२, ज २५५, ज ४३२ बडाई करना ज २५६ बड़ा दिन छ, २२८ बड़ा भाई ग १७५, ग २°८

बड़ी ङ १३१ े बड़ी इलायची रू ७८ बद्धी बहुन ग २०२ बढइन ग ३३२ बढई ग ३३१ बहुना च ६६५, च ६७१, च ६१७, भ २०१ बढ़ाना च ७१७, ज ७८७, भ १११ बढावा ज २१६, बढ़ावा देना च २१७, ज ७८७ बढिया ङ ६०, ज ४६३, ज ४७५, भ २६७ बिशाक भारद् बतलाना ख २६२, च ११५, च २०५, ज ६१६, ज ६२३ बतास क ३१३, ख ४१६, ख ५१८, ख २६३ बतीसी ङ ३४४ बत्तख्र ग६४३ बत्तो ङ ४०४, ङ ४६० बधुवा घ ३३० बद ज ३०२ बद्किस्मत च ४६१ बदिकस्मती ब ४५८ बदचलन ब ३०२ बदब्बान च ६४१ बद्ज़बान कहना च ६४२ बदबात ज ४३६ बदन ग १२, ग २३ बदतइज़ीब च ३०१ बदतहज़ीबी ज २६८ बदन तोड़ना भ ३७६ बदनसीव ज ४६१ बदनसीयो च ४५८

बदनाम ब १६०, ज ३५० बदनामी ख १५६, च ३५२ बदफेल ज दे१० बदबू दे० 'परिशिष्ट क' बदबू करना भा ३६६ बदमाश ज २६८ बदमाशो ज २६६, ज २७१, ज २७२ बदरंग भा ३४२ बदरिकाश्रम क ५६ बद्रीनाथ क ५८ बदल जाना ज १८२ बदला भ ३०० बदली छ २३६ बदशकल ज ४६५ बदहर्मी ख ४६७ बदी छ ८८ बद्ध भर २३५ बध भ २१४ बध करना ग १५६ बधना ग १५८, ड ४४५, भ २१८ बषवाना ग १५७ बधशाला च २२५ बधिक ग ३७३ बधिर ज ५१६ बधूग २३३ बधुटी ग २३३. ग २७० बध्य भ २२= बन घ ११, ज ४६२ बनचर ज ५५७ बनज ध ३८८. ५५६ बनभाज घ ६३ बनना ख १४८, ज २७८, ज ६५५, ज ६४७, भ ७६

बन पहना ज ४५६ बनभूमि घ १० बनमाली क १३४, क ३६६, छ २३६ बनमुर्गी ग ६४८ बनवारी क ३६६ बनवासी ज ५५७ बनस्थली च १० बनस्यति च १ बनावट ज ३०८, ज ४६२ यनावटी ब ३०६, च ७३६, ज ६७० बनात ङ २३१ बनाना ख १५, ज ३७३, ज ८१५, ज ६४२, ज १४४, म ६०, म १५६ बनानेवाला ग ३६८ श्र. ज ८१६ बनारस च ११३ बनाव ड ३००, ज ३०८ वनिश्राहन ग ३२८ बनिता ग ४. ग २२५ बनियाँ ख ३६०, ग २६४, ग ३२७, म ४०४ बनियाइन ग २६५, ड २४२ बनैला ख ५५६, अ ५५७ बनौरी छ २५८ बन्य ज ५५६ बपुग १२, ज ४६२ बपुरा ख ४०५ बपौती भा म बद्या ग १७४ बन्ध म ४६४. भ ४२५ बबुष्टा ग २४३ बब्ल घ ७३ श्रभ्रवाइन क ४२४ बमन स्व ४६६

बमन करना ख ५००

बमपुलिस च १५३ बयना भ र⊂३ बया ग६६७ बयान भ १६१ बयान करना ज ६१६ बयाना ज ७६७ बबार छ २६३ बर ग २६४, घ ६५, ङ १० बरइन ग ३१६, ग ३१८ बरई ग ४१५, ग ३१७, ग ६६७ बरकता ज ८५४ बरखास्त बरना ज ७४७ बरगद घ ६५ बरजना ज ७७४ बरतन ड ४२७ बरदाश्त करना ज १८३ बरना छ २८६, ज ६७, म्ह १०४ बरफ घ १८६, छ २६० बरबस ज १७५ बरमा ड ५१६ बरबद्ध ग ११२ बरम 🕱 २७ बरसगाँठ छ १४७, मा २३ बरसना छ २४६ बरमात छ ६७, छ ७२ बरसाना ह्य २४७ बरसौंडा छ २४३ बरसाती ख २२६ बरहा म ६०६ बरही ग ५३४, ग ६०६, ग ६४४ बरात ज ६२५, क रू बराबर क १६७, ज ४२२, स ५७७ बराबर करना च ५७८

बराबरी ज ४२४ बरामदा च १४७ बराह ग ५२३ बरियाई च ६७४ बरो ड १२६, ङ १३१ बह्या क १८६, च ७८ बहनी ग ४५ बह्रय ख ४५६, ब ६२४ बरेठा ग ३४५ बरोह घ १६ बरौनी ग ४५ बर्बन ज ७७८ वर्जना ख ७७५ वर्तमान क २५७ बर्ती रहना क ५३ बर्त्तन क ४२७ बर्फ क २५६, छ २६० बर्फ होना मत १०२ बर्बर घ १३१, ङ ३१०, ज ५६८ बर्बाद ज ८२५, ज ६४६ वर्बाद्द करना ज ८६७, ज ८२०, ज ६४३, क २१३ वर्बाद होना च ४७०, च ६४५, भ १०४ बर्बादो अ ८२३ बरीना अ ६१३, ज ७६७, भ ३५१ बरीक करना ज ८३८ बलद ज ४४० बल क २४०, क ४१०, ख २५६, घ २२, ब ६६, ब ६०४, भ ३८, भ २७७, 和 多二二 बता खाना च ६३ बताम ग १२६ बलदाऊ क ४१०

बलदेव क ४१०, क ५६० बलना छ २८६, भ १०४ बलपूर्वक ज ६७५ बलभद्र क ४१० बलम ग २२४ बलराम क १५४, क ४१० बलवंत भा४० बलवा भर १७५ बसवाई भ १७६ बलवान ज ४६८, म ४० बलहोन भ ४२ बलाक १६३, घ १६६, च ६०, च ५० बलाढ्य घरध्र बलात् च ६७५ बलारकार ख २६६ बलाइक क १५१, छ २३० विलिग ६०, क ३४०, क ३४३, घ ४७१, A 830 बलिटान स १६५ बलियाटिक ज ३६४ बलिष्ट ग ४५०, ब ४६८ बली ग ४५०, ग ४८६, ग ४६०, ज ४६८, # Ko बल्कल ङ २२५ बल्लभ ग २२४ बल्मीक ग ५४५, च १६४ बल्लरी घ ६, घ ७ बल्ली घ६, घ७ बवडर छ २६७ छ २६८, बवासीर ख ४७३ वश का १४६ बसंत छ ८४ बसतपचमी 😸 २२४

बमंती खा ३७ बस ङ ३८४ बसना ज ६८६ बसाज ५६६ बसाना ज ६६४, भत ३६६ बसियाना भ, ३६५ बांसफ्ठ क ५७६ बसुक ३११ बसेरा ज ६६० बस्तीच १३३, च १३४ बह्कना ज ६६५, च २०६ बह्न ग २०१, ग २०२ बह्नोई ग २०३ बहर ख १६८ बहलाना मा २०६ बहली इ ३८६ बहस ख ३२६ बहादुर भः २७३ बहादुरी भ २७५ बहाना च ८६७, च ८७१, भ ३०३, म ४१६ बहानेबाज अ ३०६ बहानेबाजी भ ३७३ बहार छ ८५ बहारना ज ५५२ बहाब च २७५ बहिन ग २०१, ग २०६, ग २१३ बहिरग अ ६८३ बहिरा स प्रह बहिर्गत ज ७४८ ज ६८१ बहुत ब ४२४, ब ६११, ज ६२४ बहुतायत च ६१३ बहुतेरा च ६११

बहुधधो ज ४२१ ऋ बहुधा छ १६८, ज १००६ बहुमूत्र ख ४६१ बहुमूल्य ख ४०६ बहुरना ज ६७५ बहुरि छ १६३ बहुरिया ग २३३ बहुत कर ५, क ३११, **छ, २०६, ख ६११** बहुलता ज ६१३ बहू ग २२५, ग २३३ बहेड़ा घ १६२ बहेलिया ग ३४८ बहोरना भ ३०८ बाएँ ज ६७६ बॉक ड ३३३, ड ३३४, ड ५१२, 🗷 ६०, बॉक्पन ज ६२ वाँका ज ६५, अ४६३ बॉक्स ज६४ बाँग क ५०४ बॉगङ्क ३६४ बॉगइपन ज ३६६ बाँग देन' ग ६४६ जाँगक ख २२४ बौचन ख २४६ बाछा च १३८ बाञ्चित ज १४२ बॉक ध ३ बाँट स ६४३, ङ ५४८, च ८८६, च ८६० बॉटना स्न ५४२, ब ८८७ बाँट-बखरा ज ८६० बाँटा स ६४३, स ८८८ बाँदी ग ३८४ बॉप च २८७

बॉबना च ७८३, भ २३७ बांधव ग २१४, ग २७८ बाँबी च १६४ बाँस घ ८० बाँसफल च २३१ बाँसरो ख ६८, ख ११२ बाँह ग ५६, ङ २४४ बाग्रदम च ३०० बाइबिल क ५६७. क ६०४ बाई ख प्रश्६ वाई सेना ज ३३८ बाईसिकिल ङ ३८६ बाक्रो ख ५६१, भ ४२६ बाक्स ङ ४८६ बाग च ६, ङ ३६४ बागडोर ङ ३६४ बागी भर १७७ बाग्मी स ६१० बाघ ग ४६७ बाचा क १३०, ज ५८८ बाब ग ४५२, ग ६२५ बाबरा घ २४५ बाबाब ६१ बाबि ग ४५२ बाधागर ग ४०७ बाजू ग ५६, ग ५६६, ङ ३३३, ङ ३५० बाजूबन्द ३३३, क ३५० बाट रू ५४८, च २४१ बाट देखना ब ४५३ बाटी क १०२ बाह्य ग २८२ बादा च १६१, च १६३

बाड़ी क २६६

बाढ च २८४ बागा क ३११, ग ४७७, घ २०६, उ ४१२ वाशिष्य भ १८५ बात ख ४४२, ख ५१६, छ २६३, ब १०८, ज ६१४, ज ६२१, भ ३८६ बात करना ख ६२३ बातचीत सा २६६, ज ६२१ बानचीत करना ज ६२३ बातहजीब ज ३०० बाद छ १६३ बादश्वाह ख ३४६ बादशाही भा १४८ बादल छ २३६ बादाम घ ६२ बादामी ख ४०, ख ४३, ज ५६३ बाटा ख ४७४ बादो बवासीर ख ४७३ बाधक ज ५४, ज ७७६, ज ७६० बाघा क ३२६, ज ५०, ज ४५५, ज ७०६ बाघा डालना ज ४५५, ज ७७४ बान घ ३५७ बानक ज ४६२ बानप्रस्थ क १०० वानप्रस्थाश्रम क हद बानप्रस्थी क १०६ बानर ग ५२४ बाना ज ४०२ बानी क १३०, ज ६१४ बानैत ख ३६४, भ २७१ बाप ग १७४ बापू ग १७४ बाब ख २६६ बावर्ची ग ४०२, ग ४०३, ऋ ८८

बाबचीखाना च १६८

बाबा ग १६२, ग १७४, ग १८६

बाबीरंग घ २१५

बाबू ग १७४. ग २४३, ग २६२, ग ३८०

बाम ज ६७६

बामा ग ४

बाम्डन ग २८२, भ ८८

बायन भ २८३

बायस ग ६५४

बायाँ ज ६७६

बार ख ५६७, ग ३७, छ १, छ १२४

बार-बार ज १००६

बार-बार कहना ज ८३८

बारह ख ६१६

बारहसिंहा ग ५०३

बारहा ज १००६

बारा ह १३२

बाराही का १०२

बागत के २८

बारिन ग ३१४

बारिश क १३४. छ २४५

बारिश होना छ २४६

बारो । ३१३, घ ६, इ ३४०, च १६६.

च २८१, च २८४

बारीक ज ५०३, ज ५०५

बारोजगार ज ४२१ अ

बार्ताज ६२१

बाल ग २७, ग २८, ग २६, ग४२१, घ२८

इः २३

बालक ग २४७, ग २५०, ग ४२२, ग ४४६,

ग ४५६, घ २०६, ङ २३

बालिधि ग ४३४

बालना क ११०

बाल-बच्चे ग २४६ बालम ग २२४

बालमखीरा घ ३७४

बाला ग४, ग २२५, ग २६०, ङ ७८,

ङ ३३४

वालाई ङ १६०

बालावर ङ २५२

बालिक ३८२

बालिका ग २६०, च ६८

बाला घ २८, ङ ३३०, ङ ३४०

बाल्लका च ६८

बालू च ६८

बालमोकं क ४६०

बालमीकि रामायस क ५७८, क ५८४

नावला ज ३३५, ज ३४०, च ३६४

बावलापन ज ३४१

बावला होना ज ३३८

बाशिदा ज ५५५

बाध्य ग ११६, छ २६२

बासदेव क ३६६

बासन इ ४२७

बासना भ २१८. भ ३६६

बागमतो घ २३१

बासर ऋ १३६

वासी छ। १७४

बासुको क ३३०

बासुदेव क ३११, क ५६०

बाहर व १५२, ब ६८१

नाहर करना ख ५००, च ७४७, च मध्ध

बाहरी म ६८३

बाहु ग ५६

बाह्क क ४२७

बाहुमूल ग ५७

बाहुयुद्ध भ ३२६ बाह्य ज ८५५, ज ६८३ बिन्द ङ ३२८ बिन्दी ख ५७३, ह ३१६, ह ३२०, ह३२८ बिंदु च २६३ विंबाघ २६५ बिकट ज ६० विकटता ज ३७६ विकराल क १६६ बिकल अ २२६ बिकाऊ भ २६४ विको भ २६२ विकी करना भ २६० विखरना क २८०, ज ८६५ बिखेरना ज ८६३, ज ८७१ विगड़ना ज ६७, ज २४६, ज २४६, ज २७६, ज ६४५ विगड़ा ज ४७६, ज ६४६ बिगाइ ज २७६ बिगाइना क १७१, ज ६४३ बिगत ब ८२७ बिचलना क २८०, ज ६७६ विचार ज २ बिचारना च ३६६ बिचित्र ज ४१८ बिचित्रता च ४१६

बिच्छू ग ५७३ बिकुलनाक २८०, ज ६७६, ज ६६६ बिद्धावन ङ ५०२

बिश्चिया ङ ३६३ विक्कमा क ३३५, ङ ३५६ विख्नुहरा ब ८५४ विश्वदा ग २६८

बिछौना ड २८२, ज २८५, ड २५० बिजनेस भ २८५ विजय ज २८८ विजली ड ३३१, ङ ३४२, छ २५४

बिज्ञ ज ३६३ बिटिया ग २६० विडाल ग ५२१ बिनाना छ ३ ।बेत ख ३८० बिद्रध ज ३६३

विदरना ज ८६२, ज ६३६, ज ६३७

विदाग १५३ बिदाई ज ६६७ विदारना ज ८६३ बिदारीकद घ ३२४

बिद्या ख २३५, ज ३६६

बिधनाक १२३ विधवा ग २७१ बिधाता क १२३ बिधायक ज ८१६ बिधिक १२३

बिधु क १२३, क ३१३, घ ४५.७

बिनती ज १७६ बिनसना ज ८२२ बिनसाना ज ८२२ बिना भ २५८ बिपसि स ५० विवाह ग १५१

बिबियाना ग ४८४, ग ४८६, ग ४६३,

ज ५६० बिव्बोक स्व १६४ बिभंग क ५६४ बिभव ज ४६७

विभा छ ३८३ बिभीष्या क ३८६ भिभूक ४५३ बियारी करना भ ११७ बिरवा घर बिश्ह ज ६३७ बिरही ग २६८ बिराजना ज ७५० बिरादर ग २१४, भ १०, न १४ बिरादराना भ १२ विराना ज ४६८ बिलंब छ १५७ बिलाबना ज ४५२. बिल च १६४, च २५०, च २५१ विलग ज ८५५ बिलगाना ज ८५३, ज ८८४, प ६०७ बिलटाना ज ५७०, भ ४०२ बिलबिलाना ग ५३७ विलसना भू ३०७ बिलायती ग ३५५ बिलाच ग ५२१ बिलासं च ३०२ बिलैयानंद घ १६४ बिलोकना ज ७२३ विलोडन भा ३५६ ग्र बिलोइना भ ३५६ बिल्डिंग च १४१ बिल्ली ग ५.२१ बिल्लौरी पत्थर घ ४६६ बिल्व घ ५२, घ २०८ बिबर स सहर, स रप्र बिबस्वत क ३०४

विवाह ग १५१

विविद्याना ग १२० विवेक स १६४ बिषधर गप्प बिसरना ज ८४३ बिमराना ज ८४३ बिसात ख ३८१, भ ३८७ बिस्तर क १६५, ड २८२ बिस्तारना ज ८७१ बिस्तुइया ग५३१ बिहराम ज ४६५ बिहान छ १३६ विहिश्त क २३८, क ५३० बिह्यदाना घ ३४४ बीगना ज ६६३, ज ८७१ बाच छ ७, ज ६८५ बंबिच रू बोल्रुना च ८८४ बीज ए १४२, ग ६२, ग १२६, घ ३२, प २२५ बोजक घ ६० घ २५५ ब। अगिशात ख ५५४ बीब डालना भर ३१४ बीट ग ११५ बोडा ड १६१ बीह्रो ड २०३ बोतना छ २ बीता हुआ च ८२७ बीता हुआ। वष छ ३२ बोधो च २४१ बीन ख १०८ बीनना व ८८४, च ८६८ बीना सा १०८ बोबो ग २२५

बीभत्स ब १५४ बोमार ख ५४६ बीमारी ख ४३५ बीर ग २१४, ग २५०, इट ३३४ बीरबहूटी ग ५४६ बीरभूमि च २२२ बोरान ज ५६८ बीरान होना ज ५७० बीस ख ६२५, ज ४२५, बौहड़ ज ५७५ बद च २६३ बुन्दा ङ ३२०, ङ ३३०, ड ३३८, ड ३४२ बंदेला ख २२४ बुश्राग २०६ बुकनी ख ५५१ बुकनी करना ख ५५२ बुकवा ङ ३२३ बुक्काग ११० बुख़ार ख ४६१, छ २६२ बुज़दिल ज २३६, भ २७४ बुन्दिली ज २४१, भा २७६ बुभनी ख २७० बुफाना ख २६२, भ १११ बुभौवल ख २७० बुद्दकी भर ४१७ बुद्दाना के ४१६ बुड्वा क ४२२ बुढ़ापा भ ३५ बुद्धिया भ ४५

बुद्दौती भ ३५

बुतपरस्त क २५

बुतपरस्ती क २४

ब्रुत क २२

बुताना भ १११ बुत्ता देना ज ८४४ बुद क १५४, क १५५, क ४४७, च ५, स् बुद्धवार क्ष ११५, क्ष ११६ बुद्धिक रू⊏, गर०८, गर३२, गर३७, ज ३६२ बुद्धिमान् ज ३६३ बुद्धिमानी ज ३६५ बुद्धिवान् ज ३६३ बुद्धिशीन ज ३६४ बुद्धिहीनता ज ३६६ बुद्ध ज ३६४ बुधाक ३०८, क ३११, चा१८ बुधवार छ ११६ बुराज २६, ज ३१, ज १५४, घ १६१, ज ३०२, ज ३६५, ब ४७६, अ ४४१, ब ४८० बुराई च २६, ज ३६७ बुराभला कहना ज १७४ बुरा लगना ४७० बुरा समय छ ५ बुद्ध ख १६ बुर्जच १७३ बुलंद ज ४४० बुलबुल ग ६२८, ग ६६७ बुलाना ज ६००, मा प्र बुलावा भ ८१ बुजाबा देना भर ८५ बुद्दारना ज ५५२ बुहारी इन्हें अप्र ३, ज ५५३ बूंद च २६३ ब्दावाँदी छ २४६

बुद्रा ग २०६ ब्चड ग ३६३ ब्बह्लाना च २१५ बूचा ज ४६४, ज ५१७ बुभ ज ३६२ बुभन: ज ११० बूट ह २६७ बुहना भा ६५, भा ४१४ बूढ़ा भ ३४, भ ४५ बूरा इ १७२ बृन्द ज ६२४ बृद्ध दे० 'पेड़' बृद्ध भः ३४ बृद्धता मा ३५ बृश्चिक ग ५७३ बृष च ६० वृष्टि छ २४५ बृष्टि होना छ २४६ बृह्स्पति क ५७८, च १६ बृहदारएयक क ५५५ बृहद्रथ क २२५ बेंग ग ५६३ बंट इ ५.१ बेदाज६०, ज६५ बेत म ६२ बेंदों इ ३२० वेश्रदान अ ६६५ बेश्रक्त ज ३६४ बेग्रक्ती च १६६ बेग्रहब स ८४, स २०१ वेत्रद्वी अ २६८ बेझावर व ३४५ बेब्रायर करना ज ३४६

वेइंसाफ भ १६५ बेइंसाफी भ १६७ बेइज्जत ख ३४५ बेइज्जत करना च ३४६ बेइज्जत होना ज ३४७ बेइउजती स ३४८ वेएतबारी ज २५६ बेकदर ज ३४५ वेकदरी ज ३४८ बेकरार ख २२६ बेक्ल ज २२६ बेकसूर ज ३१७ वेकाम अप ४२१ उ वेकामी ज ६६० वेकायदगीज २६८ वकायदा भ १८२ बेकार ज ४२१ उ बेक्स में ४३७ बेख़बर ज २०३ वेख्नवर सोना ज ७६२ बेख़बराजा २०५ वेख्रीप्र च २४० बेख़ी को अ २४२ बेग ङ ४६५, छ १५८, ज ४४४ बेगाना भ ४०६ बेगानापन क ४०८ बेगुनाइ ज ३१७ बेचना भ २६० वचैनी ब १६ बेटा ग २५०, ग ४२२ बेटी ग २५० बेठीक ज ४२१, ज ४७६, ज ८४० बेड़ा रू ३८१

बेडील ज ४६५ बेढंग ज ४६५, भ ४३७ बेदब ख ४६५ बेत घ ६२, इ ५५५ वेतरतीव भ ४३७ वेताल क ३५० वेतुका ज ४२२, ज ४६५ वेत्रापन ज ४६८ वेद क ५३८ बेदांग ज ३१७ बेदी ग १६ वेघडक ज २४० वेधना ज ७३६ बेना ङ ५७३ वेनो च २६६ बेनौरी छ २५८ बेपढा ख २४० बेफायदा ज ४२१ इ वेफिक ज २२७ वेफिकी ज २२८ बेब्रसी ज १३७ बेमना इ ४८ बेमटा ग ५४१ बेमेण ज ४२३ बेम्रव्वत ब ६८ बेमुरव्वती च ६८, ज ७१ बेमौसम छ ६६ बेरगा भ ३४२ बेर च ४२, घ २७६, छ १४७, ब ४५१ बेर करना ज ४५२ बेरबा रू ३५४ बेरस ङ ४८

बेरहम ज २४

बेरहमः अ २१ बेश छ १ बेराना ज ८५३ बेरोग भ ३६ बेरोजगार ज ४२१ उ बेर्रा घ २७१ बेल घ ७. घ ५२ बेलदार ग ३८७, इ २२७ बेला ख ६७, ख १०६, घ ४०१, इ ४४१, च २६७, छ १. छ १३५ बेबकुफ ज ३६४ बेवकूफो ज ३६६, ज ५६० बेवा ग २७१, भ ४८ वेदाई स ४५० वेश ज ६११ बेशकीमत भ २६७ बेशरम ज ३२४ बेशारमी ज ३२६ बेशी ज ६११, ज ६१३ बेशुमार ख ५७१ बेसन इ ७१ बेसबी ज ३४ बेसर ग ४६६, रू ३२६ बेसाहना भ २६१ बेसुघ ज २०३, ज ८४२ नेहद ख ५७१ बेह्या ज ३२४ वेहयाई ज ३२६ बेहोशो ख ५२६, ख ५३५ बैकुएठ क १३४, क २३८ बैकठवासी क २४० वैग ङ ४६५ वैगन व २८६

बैगनी ख ४५ बैजता क १४६ वैज्ञती ख ४५ बैजयंत क २३१ बैजाग⊏१ बैठक न १५४, च २०६, च २२३ बैटना ज ७५० वैठाना भ ३२४ बैतबाको ख २७३ बैतालिक ग ३५३ दैतालिन क ३५२ बैतलभक्रदस क प्र१६ बैतलहराम क ५२१ वैर म ४२ ज २६२, ज २७६, भ ३६४ बैर होना ज २७६ बैराग क ६६, ज १८० बैरागी क ११०, ज १८६ बैरी ग २७६ बैल ग ४⊂३ बैलगाडी ङ ३८५ बैसवादी ख २२४ बैसाखी छ ४२ बीग हर ४१७ बोकलाध २० बोखार ख ४६१ बोफ ब ४१२, ज ५१४, ज ७२० अ, ज ६२४, ज ६२६, ज ६५६ बोक्त उतारना ज ७२१ बोक्सना ज ७२० बाकिल ज ५१२ बोड़ा घ १७६, घ २६० बोड़ा ग ५४

बोदा ज २६४, च ४४५, छ १६५ बोध क प्रक्र, ज १३२, ज १०३, च १३३ बोधक ज १२० बोधगम्य ज १०७ बोधनास्य २६२ बोधिगया क ४६७ बोबिनी क २२६ बोधिशृख क ४६८ बोना ब ८७१, भ ३१४ बोर्डिंग ख २४५ बोल स ६४, घ ४८ बोलचाल ख २३३ बोलता ख ६१० बोलना ख २७८, च ६१६, च ६२३ बोलावा भ ८१ बोली ख २१३, ख २२२, ज ५८≍, ज ६२१ बोलो-डोली ज ६३७ बोली बोलना ज ६३८ बाहित हा ३०० बौद्धार छ २५० बौड क ३, क ४८६ बौना न ४.६. ज ४३७, ज ४३६ बैग्घ७ घर⊂ बौगह ज ३४० बौलो च ३१२ ब्यग ज ६३७ ब्यग कसना च ६३८ व्यवहार स रण्य व्याधा ग ३४८ ब्याधि ख ४३५ **ब्याना ग १४६** च्याल क १३४

व्याह ग १५१ व्याह्ना भ २४ ब्याहा भ २५ ब्रज ख २२४, ज ६२४ ब्रजेश्वर क ३६६ बत क ५२ बतबंध कर १०६ ब्रत रहना क ५३ बतीक १०१ ब्रश ख १६ ब्रह्म क ११२, क १२३, क ५३८, क ५५८, क पू७४. ख ८६, ग प्र, ग ६ ब्रह्मचर्य क १००, क ४७५, भ ४४२ ब्रह्मचारियों क १३०, क १८४, क १६४, क १६६, च १६८ बहासारी क १०१ महाज्ञान क ७४, क ५६० ब्रह्मज्ञानी क ७५ ब्रह्मपद ग ६ ब्रह्मपुत्र क १८४, क २५१, क ४६३, क ४६७, घ ४७८ ब्रह्मरात्रि छ २६ ब्रह्मवादी क ५६४ ब्रह्मसूत्र क ५५७, क ५६२, ग १५० ब्रहास्थान क १६, क ३५८ ब्रह्मांड क ५७४, क ५७५, क ५७६, च २, च १०३ ब्रह्मा क न्त्र, क ११२, क १२३, क १५४, क १२४, क २८२, क ४७७, च ७८ ब्रह्मा का दिन छ २५ ब्रह्मा की रात्रि छ २६ ब्रह्मायाी क १३०. क २७०, क २०२. ब ४५४

बाह्य क १२४, ग १५२ बाह्यण क १३४, क १६५, क १११, क ५४५, ग २८२, भ ८८ ब्राह्यणों ग १८१, ग २८३, च १६७ ब्राह्ममुहूर्त्त छ १३४, छ १३६ ब्रीडा ख १८५ ब्रीडाहीन ज ३२४ ब्रीडाहीनता च ३२६ ब्रीडा च २३० ब्रेसलेट ङ ३३४ ब्राह्मन ङ २७०

भ

भग ख ४३५, ङ २०४, च २७८, व २८६, ज ८७६ भग करना ज ८७३ भगरा घ २०१, ङ २३० भॅगरैया, ङ २३० भंगी ग २६६, ग ३५४ भवना ज ८७३ भटई ख ४६ भटा घ २७६ भडार क २६७, च ८१, च १६८, च २१५ भडारा ग ५२, च १८१, ब ६२४ भडारी भ ५ भॅडब्रा ग ३६८ भॅबर ग ६७७, च २७६ भंबरी च २७६ भइया म २१४ भकाऊँ ज २३८ भक्का च ३६४ मकुत्राना च ६०४ भक्त क ६६, ड ६२

मिकि क ७१, ख ६०६, च १४८ मिक्ति करना क ७२ भक्तिन क ७० भक्तिभाव क ७१ भसक भा १६७ भद्य ग ५८४, ङ ४२ भग क रह७, क रहद्र, क ३०७, ख ३८०, ग ६, ग ८०, ग ८३, च ३८, ज ४५६ भगई क १०४, ड २५⊏ भगग ख २०० भगत क ६६ भगति क ७१ भगतिन क ७० भगना ग २०४, ब ६७२, ज ६७६, ज ७४४, ज ७४६ भगवत क ११२ मगवत क ११२, क १६५, क २६७, **₹ 88**9 भनवत्कयां क ७६ भगवती क १२०, क १६४ भगवत् क १३४, क १८८ भगवद्गीता क ५५७, क ५वर, क ५दर भगवा के १०४ भगवान क ११२, क १३४, क १६५, क रद्भः, क २६६, क ४४७, क ४४६ मगाना च ६७०, ज ६७४, च ७४७ भगिना ग २०४, ग २०५ पिर्मास २०१ मगोदा च ७४५, म २७४ नगौती क १३०, क १६४ परमू 🗷 ७४५, 🧸 २७४ प्रमुज द्राप्य

बबन क ३८, क ४३, क ४८

भजन करना क ३६, क ४६ भजनफल ख ५६७ भजना क ३६, ज ६७२ मजनोक क ५० भगभजाना क ३६५ भट ख ३६४, ख ३६५ भटकटैया घ १६६ भटकना ज ५२२. अ ६६५ भटकनेवाला ज ६६६ मह ग ३५३ भद्रारक क २०७ भड़ो ङ ४७६ मइकदार छ २८८ भड़कना ज २०६ महकाना व १२३ ऋ भडकोला छ २८८ मदभूजा ग ३४६ महभूजिन ग ३५० मतार ग २२४ भतोज। ग २२२ मतीजी गर-३ भतवापाग क १८५ भहर्ष घ २३४, छ ५० भदेश ज ४२५ भदौहाँ है ५० महा म ४६५ भहापन ज ४६८ मद क १६५, ग ४=३ भद्रा क १६४, ग ४६६, घ १२४, घ १४६. ष ७८, म २१७, घ १६६, इ.६०, च ६० भभकना भ १०८ ममरना च र रे४

भभराना ज २३५ मभ्भइ ब ६२६ भयकर क १६६, ग ६२५, ज २४३, ज ३७८ भरपूर च ८७६ भयकरता ज ३७६ मय ख १८६, ख ४३५, ज २२४, ज २२६, ब २३३ भय खाना ज २३४ भयद ज २४३ भय दिलाना ज २४७ भयनाशक क १३४, ज २४४ भयप्रद ज २४३ भयभीत ख २३७ अयभीत करना ख २३५ भयभीत होना च २३४ भगमोचन ज २४४ भयह ग २२१ भयानक क १६६, ख १७६, ज २४३, ज २७इ भयानकता ज ३७६ भयाबह ज २४३, ख ३७८ भयावहता ज ३७६ भयाहू ग २२१

भयावह ज २४३, ज ३७८
भयावहता ज ३७६
भयावह ता ज ३७६
भयावह ता २२१
भर ग २६६, ज ६५६
भरण क १३६
भरण क १३६
भरण जे १३६
भरता च २७
भरत क ३७३, ग ६२९
भरता च १०६
भरता च १०, ग ३६७
भरता ज ३७, ज ७२०, ज ८१०, भ १४३,

म ३१८, म ४३१ भरनि क २३६, भ ७६ भरभराना भ ३६६ मरभ्रष्ट करना च ५४८ भरमना ज ६८८, ज ६६५, ज ८४३ भरमाना ज २७० मरापूरा च ८०५ भवई ग ६२७, ङ १११ भर्क पूरी छ १११ भरका क ४५६. भरोसा च २१२ श्र, ज २५३, क २०२ भर्ता क १३४, ग २२४, इ १०५ भर्तार ग २२४ मर्त्सना ज १५६, ज ३५६ भरीना ज ७०० भलमनसाहत च २६७ मला ख ५४७, ब २८, ज १०२, ब ४६४, ज ४७५, ज ४७६, ज ५६६ भलाई ज २८, ज १०२, ज ४७६ भलेमानुस च ३०० मल्लूक ग ५००, ग ५१६, व २६७ भव क १६५, क २७१, च १०३, छ २३६ भवचाप क १७६ भवरीय च ५६६ भवन ख ८, च १४०, च १४१ भवन-निर्माशकला ख ६ भवभजन क ११२ भवान ज ६६७ भवानी क १८५, क १६४, ग २२५ मवितव्यता छ १८६, म ४५७ मविष्य क ५७४, च २६६ छ '६३,

च १८८

भविष्यदशीं छ १६० भव्य छ १८६. ज ४६३ भव्यता ज ४६७ भसर ग २४२ भसिंड घ ३२५ भस्म ङ ४२६ भरम करना भ १०३ भरम होना भ १०४ भरनीभृत छ २८२ भहराना ज ७०० भॉग ङ २०४ भांजा ग २०४ भाजी ग २०५ भारा घ २७६ भाड ड ४२७ भाडपुर ग ३११ भॉइए ख १३६ भाँडा ङ ४२७, च २२१ भांडार च १८१ भांवर क २० भावर घुमाना क २४ भाँवर फेरना क २१ भाई ग २०८, ग २१२, ग २१४, ग २२०, ग २८१ भाईचारा ग २१७, भ १० भाइ भी ग २४२

भाग ख ५६४. ख ६४३, ज ४५७, ज

भागना च ६७२, ज ६७६, क ७४४ भागनेय ग २०४ भागफल ख ५६६ भागवत क ७. क ५७४ भागिनेय ग २०४ भागी क १६५. ग ४१६ भागीरथी च २६० भाग्य ज १५७ भाग्यवान अ४६० भाग्यशाली ज ४६० भाग्यहीन ज ४६१ भाजक ख ५६६ भाजन है ४२७ भाजना ज ३७२ भाजी घ २७४, घ ३२६, ड १०४ भाट ग ३५३ भाइ र ४७६ माइ। ख ४१२, ख ४१३, ख ४१४, ख ४१५ भाग ख १३४ नात उ ६२, छ १३६ भाषी इ ५१७ भादों छ ३७, छ ८६, छ ७३, छ ७४ माद्रपर के ४६ नान के २६७ भानजा ग र०४ भाना ज ४६६, ज ६०६ नातु क १३४, क २०७, क २६७, च ६ भाष छ २६२ भाभो ग २१६ भाभीगा घ २१५ भामिनी ग ४ भाय ग २१४. ज ३

माईद्र इ इ २२१

४५६. ज ८२०

भाग करना ज ८८७

भाग जानः ज ३७६ पाग देना ख ५६५

भाईबधु भा ४

भायप ग २१७ भाया च १५५ भार क १३४, च २४७, व ७२० श्र भार डालना ज ७२० भारत क ३११, क ५८०, च १०८, भ २६२ भारती क १३०, ख १६५, घ १६८ भारदाच क ४४० भारा ख ४१४ मारी ज ५०६, ज ५१२, ज ४२५ भारपिन च ४२७, च ५१४ मार्गव क ४४४, क ५७५, क ५७६, च २० भार्या ग २२५ भाल ग १६, ग १०१ भाला क ४१४ भास् ग ५०० भाव ख २६२, ख ६४६, ख २, घ ३, ब २५३ भाव ज क २७१, ग २१६ मावता ग २६७, च १५५ भावना क ५५८, ज २, ज ३, ज २२४ भाव पद्ध स्व १७८ भावभक्ति क ७१ भावो हु १८८, हु १८६, च ४५७ माष्य स २७२, स २७७ माष्यदाता ख २७६ भाषगा देना ख २७८ आषगापटु च ६१० मापातर ख ३०१ भाषा क १३०, ख ८८, ख ६१३ भाषाविश्वान ख २१४ भाषाविज्ञानवेसा ख २१५ भाषाशास्त्र ख २१४

भाष्य ख ३०० भास ल १८५, च१०, च २८३, अ १८७ मासना छ २८६ भासित छ २८८ भास्कर क २६७, क ३११, घ १००, ष ४४८ भारवर क २६७, छ १३६, छ २८८ भिंडी घ २८२ भित्तु क ५५८, ग ४२६, घ ३६८ भिद्धक ख ४०५, ग ४२६ भिच्नगीता क प्रदर निखमगा ग ४२६ भिखारिन ग ४२७ भिलारी ल ४०५, ग ४२६ भिगना भ ६५ भिगाना क १४३ भिगोना भ १४३ भिजना भ ६५ भिड़ ग ५०५ भिद्रनाक २८७, ज १५२, च २८०, ख रद्भर, ज ७०६ भितराना भ ४१६ भित्ति च १५८ भिनकना ग ६७४ भिनना स ६५ भिनभिनाना ग ६७४ भिनुसार छ १३४ भिन्न च ८५५, ज ६७७, अ ४०६ भिन्नता स ४०८ भिरुलाना च १२३ अ मिलनी क ३८८ भिलावा च २०० भिश्तक २३८

भिषक ख ५३८ भौगा क १४४ भी च २३३ भोख दे. 'पारशिष्ट' क भीगना भा ६५ भीवना महिप्र भोड़ बहरप्र, जहर६ भोत च १५८, ज २३७ भोतर ज ६८२ भीतर जाना ज ७३८, ज ७४० भीतरी ज ६८४ भोति ज २३३ भोम क १३४, क १६५, क १६६, क ३१५, क ४१३, क ४२५, च ६३, च २४३, च ४२५. च ४६८, ज ५१२ भोमकाय ज ४२५, व ४६८ भीमता च ३७१, च ४२७ भीमसेनी एकादशी छ २२३ भीर व २३७, ब ६२६, म २७४ मीब ग ४६७, ग ५१३, ङ २०, ज २३७, ष २३६, भ २७४ भीवता ज २३३, ज २४१, म २७६ भील ग २६६, ग ३६४ भालनी क ३८८ मोबसा क १२३, क १६५, घ ४६८. ब २४३, च ३७८ मोषश्वता च ३७६ भोष्म क १६५, क ३४८, क ४२५, क ४३४, ब २४३ भुक्रांग ग ४५८ मुक्लइ क ११४, क ११५ भुक्तभोगी अ ३६७, अ ३८२ मुखना क ५३

मुखमरा भ ११५ भुलाना भ ११६ भुगताना ज ६५४ भुचेंग ग ६६७ भुजंग ग ५५८ भुजगम घ ४५८ भुजगिना ग ५६० भुजदंड ग ५६ भुत्रबद ङ ३३३, द ३५० भुजा ग ५६ भुजाली ङ ४१३, इ ४१५ भुजीना क १४२ भुद्धा घ २४६ भुतहा क ३५६ भुनगा ग ६६८ भूतना भा १४, भा ६७ भुरता ङ १०६ मुलवाना च २७०, च ७१४, च ८४४, अ०१ तम भुलाना ब ६०४, भ २०८ भुलावा देना ज २७०, भ २०८, भ २∙६ भुवन ख ६१६, च १०३, च २६२ भवाल ख ३४६ भुशांद्ध के ३८७ भुशांडि रामायस क ५८४ भुश ही क ३८७ मुस ङ २०६, २१४ भंक भ ११३ मंकनः ग प्रा भंजना भा ६४, भा ६७ भूच १, च ६० भूकर म ३११ भूक का ११३

भूख भ ११३ भूला भ ११४ भूखा होना भ ११६ भूगर्भ क १३४ भूगर्भशास्त्र ख ३२६ भूगोल ख ३२३, च ६० भूगोलिक ख ३२४ भूचरक १६५ भूजा ङ १४२ भूत क २०३, क ३४८, क ३५०, च २६२, छ १६६, छ १७२, ज ⊏२७ भूत उतारना क ३६१, भ ३६० भूतकाल छ १७२ भूत भाइना क ३६१ भूतनाथ क १६५, क १६६ भून पकदना क ३५६ भूतल च ६० भूत लगना क ३५६ भूत लगाना क ३६० भूति क १३४, क १६३, क २६३, क २६८, च ४१, छ २८० भूतिना क ३४६, क ३५२ भूतेश्वर क १६५ भूदेव ग २८५ भूषर क १३४, क ३३०, ख ३४६, च २४८ भूनना मा ६७ भूना रू १४२ भूप ख ३४६ भूपति स ३४६ भूपाल ख ३४६ भूमंडल च ६० भूमि च ६०, च १०१

भूमिकर ख ४११ भूमिका ख २६८ भूमिबा क ३६७, घ ३७१ भूमिजीवी ग २६४ भूमिसंभवा क ३६७ भूमिहार ग २८४ भूरा ख ४३, भ ३३४ भूरापन ख ४४ भूरि क १२३, क १३४, क १६५, क २२५ भूरह घ ४८३ भूर्जपत्र घ ८२ भूल ज ८४१ भूल करना ज =४३ भ्लचूक ज ८४१ भूलचूक होना ज ८४३ भूताना ज ६६५, ८४३ भूलना चूकना ज ८४३ भूला ज ८४२ भूला भटका च ८४२ भूलोक च १०३ भूषण् क १३४, उ ३२७ भूषा ह ३००, ङ ३२७ भृषित ज ४७३ मुसा इ २०६, इ २१४ भूषी ड २१४ भूषुर ग २८२ भूम्बामी ग ३७४ मृगग६६४, ग६७७, घ४६०, उदर, ङ ⊏३ भृगो क १७४, घ ६५, घ १४५, इ २०४ भुकुटो ग ४४ भृगु क १६५, क ४४४ भृगुनंदन क ४४४

मृगुनाथ क ४४४ भृगुराम क ४४४ भृगुरेखा क १४८ भृगुलता क १४८ भ्त्य ग ३८३ भ्त्या ग ३८४ भट ज ७३३, ज ८४८, भ २८३ भेंटना ज १५२ भेइ ग ४८८, ग ४६० भेड़ा ग ४६०, घ २७०, घ रपर भेख ख १४७ भेख बनाना ख १४८ मेजना भा ३५२ भेजा भ ३५५ भोडिया ग प्रश भेद अ ८५६, भ ३८६ मेदन क ४१०, इ.६१ मेदिया ख ३७७ मेदो क २३६, ख ३७७ भेरिख ११३ भेष ख १४७ भेषज ह २४, इ ८६. च २६२ भैंस ग ४८४. ब ३६४ भेसा ग ४८५ भैने ग २०४, ग २०५ भैया ग २१४ मैयाद्ज छ २११ भैरव क १६५, क १६६, ख ८२, ज २४३ भैरबा क २०१ भैषज्यागार ख ५४३ भोकता ग ५१८, व ७३६ भोदा ज ४६५ भोद स ३६४

भोग क २८७, ग ५६२, अ २६६ भोग करना क २८६ भोगना क ३२५. भ ३०७ भोगनीय क रदद भोग लगाना भ ११७ भोगविलास क २८७, ज २६६ भोगविलास करना क २८६ भोगांक ३३०, ग ५५८, ज ४८, ज ५१, ज ३०२ भाग्य घ २२५ भोग्या ग ३६७ भोजन इ ३६, इ ४० भोजन करना भा ११७ भोजन बनाना भ ८६ भाजनालय च १६८ भाजपत्र ख ३०५, घ ८२ भोजपुरी ख २२४ भोज्य ङ ४२ भोटिया ब ६२ मार छ १३४, छ १३६ माला ज प्र भोलानाथ क १६५ भोलापन ज ७/ भोलाभाला ज ११२ भामडा ग ८० भौ ग ४४ भौड़ा ज ४६५ नौर ग ६७५, ग ६७७ भौरा ग६७७ भोंइ ग ४४ भौगोलिक ख ३२४ भौचक ज ६०६ भौचक्डा ब ६०६, ज ६०३

भौबाई

भौजाई ग २१६ मौतिक क १६५, ब ४८३ भौन च १४० भौम च १७ भौमवार छ ११८ भौराना क ६७ भौरी ङ १०२ भ्रम दे. परिशिष्ट क भ्रमण ब ६८७ भ्रम्या करना ६८८ भ्रमना ज ६८८. च ६६४ भ्रम में डालना च २७० भ्रम में पहना ज ८४३ भ्रमर ग ६७७ भ्रमरी क शद्भ, ग ६७७ भ्रमित ज ६०६, ज ८४२ भ्रमित होना च ६१४, ब ८४३ भ्रमी च ६१६ भ्रदर ङ ४६०, च ६४६ भ्रष्ट करना च ५४८ अध्या भ ६६ भ्रात च ८४२ भ्राति च ३४१ भ्राति में पहना ज ८४३ ञ्राता ग २१४, ग २१५ भावज ग २२२ भ्रातुजा ग २२३ भ्रातुबाया ग २१६ भ्रातुल भ ११

भ्वाग १४०

भूग ४४

म

मँगता ग ४१६ मँगधोवनी भ ४८ मॅगनो ग १५१ मँगनी लेना ज १६६ मगन ग ४२६ मगल क ४६६ च ५, च १७, ज ४७८ मगलकारी ज ४७८ मंगलप्रद ज ४७८ मगलवार छ ११५, छ ११८ मगला क १८५, ग २७२, घ १८२, इ ६० मंगलामुखी ग ३६७ मगल्या क रहेप, च दह, च ७८, च १८२, घ २१७, इ ६ २ मंगवाना भ ३५३ मॅगाना क ३५३ मच ख ११६ श्र, ख २८०, ङ ४६६, इ ५०५ मचिका इ ५०५ मॅचिया ङ ४६६, इ ५०५ मजरिका ध ४८३ मजरी ख २६६, घ २८, घ १११, घ ३८१. घ ४८३, ड १६५ मज़िल च १३०, च २०५ मजीर ख १०५, ङ ३३५, ङ ३६२ मंजारा ख १०५ मज्ज ४६३ मजुल ४ ३७०, ज ४६३ मजुर ब १७६, ब १८८, ब १६२ मंजूर करना ज १८३, ज १७८, च १८६, मजूरी ब १६४ मज्बाघ २०२, ङ ४८६

मंभा ङ ३७२ मंभार स ६८५ मड ग ५६३, इ ६३ मंडन ङ ३२७, च ८ मडप घ ४३१, च १३०, च २०५, चा २२ / मॅद्रगना ज ६६४ मंडल कप्प्रम, ख ३४८, च ८, च १२, क ५८५ ज ६२४, ज ६२५ महलाकार ज ५८४ महानी क १६५, क २६७, घ ६५, ज ६२५. मंडवा च २२१ मांडत ज ४७३ मंडा च १३६ मॅड्या घ २४१ महक ख ६०, ग ५६३ मंड्रकता व १६८ मतर क ६२ मंतर भारता क ३६१ मत्र क ६२ मत्रणा भर १५४ मत्रगाःगह च १७५ मंत्रगादाता ख ३५७ मत्रपद्रना क ३६१ मांत्रस्य भ १५४ मत्राख ३५७ मयन भा ३५६ श्र मथन करना भ रेप्रह मद च २१, छ १६५, ज ४३६, ज ४४५, 8 88 a मदता छ १६३, ज ४३०, ज ४४१

मंदब्दि ज ३६४

मंदर क २३८, ब ४४७ ् मंदस्वर ख ६८ मंद होना ७५४ मदा च ४४७ मदः किनी क २५३, च २६४ मंदानि ख ४६८ मदार क २३८, क २४१, ग ४३५, घ १००, ज ४४७ मंदिर क १६, च १२६, च १४० मंदी छ १६३ मंदोदरी क २२२, क ३६७ मद्रस्वर ख ६५, ख ६७ मशाभः ३७१ में इकना भा ३६६ मॅहगो छ ५ मंइश्राघ २४१ मई छ ३८ मडर ६ ३६७ मक्डा ग ५३ ... ग ५३६ मक्द्रो स ५३६ मकतब च १६६ मक्रवरा क प्रश्र, च २२६ मकरद घ ३८६, घ ३६१, घ ३६२, घ४१४ सकर क २६६, क २८६, क २६०, ग ५८०, ग ५८१, ग ५८४, च ५८, च ६८ मकरकेत क २७१ मकरध्यज क २७१ मकर सकाति छ २१% सकरा ग ५३८ मकरालय च २६४ मकरी ग ५३६, ग ५८० मकर्इ अ ४७६ मकाई घ २४६

मकान च १२६, च १४० मकुट ङ ३३७ मकुना ग ४३६ मकुनो ङ १०३ मकोइया घ ३५१

मक्का क ५१=, क ५२१, घ २४६

मक्कार ज २६८ मक्कारी ज २६६

मकोड़ा ग ५३६

मक्का मोश्रज्जमा क ५२१

मक्खन ङ १५८ मक्खन मलना च ६६ मक्खी ग ६७२

मक्खीचूर ख ३६० मक्खीचूरा ख ३६१

मक्खाचूनो करना ल ३६२

मक्तव ख २७४ मिक्का ग ६७२ मख क ८१

मलमल ङ २३४ मलमली घ ४३६

मखमलो को इ। ग ५४६

मखशाला क ८६ मझोल ज ३७२ मखोली ज ३७१

मग च २४१ मगजग १०८

मगण ख २०० मगद ङ १७७

मगदल ट १७७ मगध ग ३५३

मगन च ३६, घ १२२ मगर ग ५८०, ग ५८१ मगरइल ङ ८६

मगरमञ्जु ग ५८०, ग ५८१ मगुरिब क ५०६, च ८२

मगरी ग ५८४ मगरैला ड ८६ मगितर छ ५५ मगही ख २२४ मगज ग १०८

मग्न ज ३६, ज १२२, ज ३३१, भ ६६

मग्न होना ज १२४, भ ६५

मधवाक २२५ मधवाजित क ३६३ मधाच २७, च ३७ मचलनाज ७५

मचली ल ४६७, ख ४६६

मिल्या ह ५०५
मच्छ ग ५८०
मच्छ ग ६७६
मच्छर ग ६७६
मच्छी ग ५८४
मच्छी ग ५८४
मछरहोली च २३५

मछलीक २७२, ग ५८४

मञ्जूबाग ३४७

मज़दूर ग रूपर, ग रूप्प, ग रूप

मज़दूरनी ग ३८४ मज़दूरी ख ३६४

मज़बूत क ४०, क ४१

मनमून ख २६७ मजलिस च ६२५ मनह्य क १

मज़इबी क २

मना ङ ५१, ज ४५, भ १२४

मनाक ज ३७२ महाक उड़ाना च ३७३ मज़ार क ५१२, च २२६, च २३० मना लेना भर १२५ मजीठ घ २०२ मजोरा ख ६६, ख १०५ मजूर ग ३८३, ग ३८५, ग ३८६ मजूरिन ग ३८४ मजूरी ख ३६४ मनेदार ङ ५०, इ ६०, भ १२७ मनेदारा इ ५१ मज्जन भा ६८ मज्जा ग ६२, ग ६५, घ ३३, च २८३ मभ्त ब ६⊏२, ज ६८५ मभाषा च २८० मटकना ज ७५, ज ७६ मरका ड ४५५, ह ४७७ मदको इ ४७७ मटमैला ख ४३, भ ३३४, भ ३३७ मटमैलापन ख ४४ मटर घ २५८ महरगश्ती ज ६८७ माँटयामेट करना च १७१ मदियाला भ ३३४ मटोला भ ३३४ मही च ६६, च १०४ महा ङ १६२ मठक ८०, च १२६, च २०६ मठाधीश क ७६ मिठिया क ⊏०, ङ ३३४ भइई च १४२ मह्वा च २२१

मझ्बा म २४१

मडोर ज ६६ महाक ८०, च १४२ मिशा घ४८०, घ४८६ मिथिक इ ४५५ मिबामाला ङ ३३१, ङ ३४६, ड ३४८ मतग ग ४३५, छ २३६ मत्रगी ग ४१० मत क १, ख ३४%, म्ह १५५ मतलब ज २७३, भ २७/ मतलबी ज २७४ मतली ख ४६६ मतली श्राना ख ४६८ मतवाला च ३३१, ज ३४० मत्नालापन ज ३३४ मति खं प्रथ्न, ग १३२ मतिभ्रष्ट ज ३४८ मतिवंत च ३३३ मत्कुण ग ५५२ मत्ता ४४०, ग ४८६, ग ६१३, इ २०२, न ३४० मत्तता ज ३३४ मत्तहोना ज ३३३ मत्था ग १६, ग १०३ मत्सर ज ६३, च २६२ मत्त्य क १५४ क १५५, क ५७४, ग ५८४, ৰ ৬১ मत्स्यगधा क ४३३ मणना उ ४७६, अ ५४६, भ ५६६. क ५६६ श्र मथनी इ ४७६ मथाई का ३४६ अ मथानी इ ४७६ मिथत ड १६२

नथुरा क ५७, क ५८०, च ११०, च ११५ मदकर७१, ख १६४, ख १८५, छ ११, ब ४५, ज ८८, च ४०२ मदद च ७८५

मददगार ग ४२८, च ७८६

मदद देना ज ७८७

मदन क २७१, ग६२४, ग६७७, घ४२०,

इ २०२

मदनमहोत्सव छ २२२

मदपूर्ण ज ३३१

मदरसा च १६६

मदाध ज मध

मः।धता ज <=

मदाध होना ज ७६

मदार घ १००

मदिरा ह २०५

मदीना क ५१८, क ५२०

मदोन्मत्त ज ३३१

मदोन्मत्तता ख ३३४

मद्भिम स्त्र १६५

मद्य ङ २०५

मद्यशाला च २०८

मधुक २४२, घ४३, घ३८६, घ३६२, ङ २१, इ.४४, च २६२, छ ३६, छ ८४

मधुक ग ३५३, घ ४३, घ २०७

मधुकर ग ६७७ मधुकरो ड १०२

मधुता इ ४५, ज ४६७

मधुदीप क २७१

मधुप ग ६७७

मधुपुर च ११५

मधुपुरी च ११५

मध्रमक्ली ग ५७५, ग ६७५

मधुमिचिका ६७५ मधुनती घ २०३ मधुमेह ख ४६०

मधुर च ३६, च २४८, च ४४७, क ४३,

ट ४४, रू १९६, ज ६६, ज ४६३ मधरता इ ४५, ज ७०, ज ४६७

मध्र ध्वान करना ख ५६

मधुरभाषों ज ६३६

मधुरा घ १६३, घ २३२, घ ३२७, ङ ६१,

च ११५ मधुराई ज ४६७ मधुरान ङ १६६

मधुरिषु क १३४

मध्रिमा ज ४६७

मधुसूदन क १३४, क ३६६, ग ६७७

मध्क ग ६६६, भ ४३ मध्लिका ह २०५ मध्य ज ६ ५ ५

मध्यम ख ७०

मध्यमा ग ६६, ग ७२ मध्य इतीकाल छ ७

मध्या ख १५७

मध्याह छ १२६, छ १२०, छ १४०

सन ग १३०, स १३३, ग १३६, ग १३७,

ज १२३ व

मनई गर, गर, भा४०४

मनका क ४०, क ४१

मनगद्दत ज ६६६, ज ६७०

मनज ज ६६६ मनन ख २४८

मनन करना ख २४६, ज ३६६

मनबहलाव रू ३६४ मनभावन ज ४६३

मनमाना भ २३४ नममानी च १७० मनमोटाव स २७६ मनमोहन क ३६६, ज ४६३ मनमौबी ब ३३१ मनरोचन ज ४६३ मनमायन ज ५६६ मनसिज क २७१ मनरिवनी ग २७२, घ ३०० मनस्यो ज ३६३ मनहर च ४६३ मनहरण च ४६३ मनहरता ज ४६७ मना करना च ७७४, ज ७७५ मनाना स रूप मनाही ज ७७८ मनिया क ४८, क ४१, क ४२, इ ३३१ मनिहारा ग ३५७ मनिहारिन ग ३५८ मनीषां क १७, क ४४६, अ ३६३ मन क ५७८ मनुद्राग १३० मनुज ग २ मनुबार क ३४६, क ३४८ मन्वैवस्वत क ३०० मनुष्य ग २, भ ४०४ मनुष्यता ब ८७, ज २२३ मनुष्यत्व अ २२३ मनुष्य होना क २१६ मनुसाई ज ८७ मनोगन क २७१ मनोगति ज ३ मनोब क २७१. ब ४६३

मनोज्ञ घ ४७३ मनोशाघ ३००, घ ४०३ मनोनीत च ४७१ मनोरंजन ङ ३६४, ड ३७३ मनोरं जन करना ङ ३६६ मनोरथ ज १३८ मनोरम ज ४६३, ज ५६६ मनोविकार व ३ मनोवेग ज ४ मनोवैज्ञानिक ख २१० मनोवृत्ति ज ३ मनोइर घ ४४८, ङ ३१०, ज ४६३ मनोहरता ज ४६७ मनौती क ४७, ज १७६ मनौती करना भा २४८ मनौती मनाना भ २४८ मनम्थ क २७१, घ ५४ मन्यतर छ २४ मफलर इट २५३ मम ज २६८ गमता ज १४५ ममन्त्र स १४५ ममनून च ३२, ख २६५ मियाँ ससुर ग २३८ ममीरा ङ ३०८ ममेरा ग १७२, भ १६ मयक क ३०७ मय क ३४०, ग ४५० ' मयका ग २३४ मयन क २७४, इन १४ मयनपत्त घ २१० मयसता क ३६१ मया ख ५४४

मयूर ग ६०६, घ १४४ मय्या ग १६० मर क २१८ मरकट ग ५२४ मरकत घ ४८१, घ ४८६ मरघट च २२८ मरज ख ४३५ मरबाख १८५, ग १५४ मरखघड़ी १५४ मरद ग ३ मरदानगी ज २२१ मरदाना च २१६ मरना ग १५५ मरमी छ ६६ मरम्भतं ज ६४० मरवाना ग १५७ मरसा घ ३३४ मरहम ख ५४१ मरहला च २०५ मरहूम ज ८२६ मरहूम होना ग १५५ मगठी ख २२१

मरीचिक २६६, च ६, च ७४, छ २८७
मरीची क २०७
मरीज़ ख ५४६
महत क २१५, क २१३, च ४२, च २६३
महथल च ६६
महसूमि च ६६
महसा घ ३३४
महस्थल च ६६

मराल क १२८, ग ४३५, ग ४५२, ग ६०७

मिर्च इ १६, ड ६७

मरी ख ५०७

मरोड क रेट्ट मरोइना च ६७ मर्कट ग ४२४, ग ५३८, ग ५३६, घ १४४ मर्कटी ग २२५, ग ५३६, घ २६३, ङ १६ मर्ज़ ख ४३६ मर्त्य क २१८. ग १२ मर्त्यलोक च ६०, च १०३ मर्द ग ३, ग २२४, ज २१६, ज २५२ मर्दन करना ज ⊏२० मर्दम ग ३ मर्दमी ज २२३ मर्म भ ३८६ मर्मरी घ ११३ मर्मवाक्य भ रेप्द मल ग ११५, ज ५४६ मलदार ग ८२, ग ८३ मलना छ २६, ज ६३८, भ ६३, भ २४७ मलमास छ ६३ मलयज घ १३० मलयालम ख २२१ मलयुक्त व ज ४१५,ज ५४२, ज ५४३ मलहम ख ५४१ मलाई ङ १६० मलावरोध ख ४६८ मलाह ग ६४१ मलाहिन ग ३४२ मलिकाई क ११७ मलिन क ३१०, ड १६२, ज ४१५, ज ५४२, ज ५४३, म १२८, म ३४२ मलिनता ज ४१६, अ ५४५ मलिनियाँ ग ३४४ मिलियामेट करना क १७१

मलीन अ ४१५, अ ५४२, अ ५४३

मलीनता ज ५४५ मलीन होना का १३२ मलेरिया ख ४६४

महत्त ग ४०६, च ३६७, च ४६५, ङ ४१४

मल्लयुद्ध म ३२६ मल्लाह ग ३४१

मल्लिका च ५४, घ ४०१

मवाद ख ५२७ मशस च १४० मवेशा दे० 'पशु'

मवेशोखाना च १६१, च १६३

मशा ग ६७६
मशक ग ६७६
मशक ग ६७६
मशक ते भ २८७
मशक ती भ २८८
मशगूल ज १२२
मशिक च ८३
मशकि ग ४६६
मशहरी ङ ४६६
मशहर ज ३४६

मशहूरी ज ३५१ मशान च २२८

मशाल इ ४१३

मशीन ख २८२, ङ ५५६

महक ज ४०२ मसक ग ६७६ मसकना ज ६३३ मसकत क २८७ मसख्या ज ३७१ मसख्यापन ज ३७२

मसम्बर्धान ज ३७१

मस्बिद् क ५११ मस्नद ङ १८८ मसल 🕶 २३४

मसलना छ २६०, च ८२०, भ ६३

मक्ला ख २३४ मस्वदा कः १८६ मसा ग ६७६ मसान क ३५० मसाल ड ४६३

मसाल ड ४६३
मसि क ३१०, ख ३०६
मसिक्षिका ख ३१०
मसिदानी ख ३१०
मसिपात्र ख ३१०
मसिविन्दु ङ ३०३
मसी ख ३०६
मसीद क ५११
मसीत क ५११
मसीत क ५११
मसीहा ४५०२
मस्र घ २५६
मस्री ख ५१०

ममृण् ज ५७६ मसृण्ता ज ५८६ मसौदा भः १८६ मस्कर् घ ८०. भः १

मस्कर्य ५०, का ८ मस्करी ग ४२६

मस्करी क ११०, ग ५११

मस्जिद क ५१४

मस्त ज ३६, च ४=, ज ३११

मस्तक ग १३, ग १६ मस्त होना ज ३३३

मस्ताना घ ४३४, ज ३३१, ज ३३३ मस्तिष्क ग १०८, ग १३१, ज ३६२

मस्ती ज २२८, ज ३३४

मस्तो में आना ख ३३३ महॅगाई क २६६ महँगी भ २६६ महत क ७६ महथ क ७६ मह च २६२, ज ४२५ महकाना भ ३६६ महाजिद क प्रश महत च २६२, ज ४२५ महतो घ २७६; ड २० महत्तर ग ३४४ महत्ता ज ४२७ महस्व व ३४२ महनभोग ड १२२ महना भ ३५६ महिफल च १८०, ज ६२५ महरा ग ३०६, ग ३८३ महराज ग ४०३, भ ८८ महराजिन ग २८३ महरानी ख ५१० महरिक ४०६ महरी ग ३१०, ग ३६४ महर्घ घ १३० महर्षि क ४४६ महल च १४०, च १४१, च १७१, च १७७ महल्ला च १३७ महसून ल ४१०, ख ४११, ख ४१२,

ख ४१३, ल ४१५
महा च ४२५
महाई च १२०
महाउत ग ४१०
महाकाय क १६२
महाकाय क १६६

महाकाली क १६४ महाकाव्य ख १७६ महाजन ख ४०४, ख ४०५, ग २६४. ग ४०४, ग ४२५ महातल क ३३६. क ३३७ महादेव क १६५ महादेवी क १६४, क २०२, ख ३५३ भहाद्वीप च ६१ महान ज ४२५ महानता ज ३४२, ज ४२७, ज ४४२ महानिद्रा १५५ महापदा क २६६, क ३२८, क ३२६, घ २६७ महापुराख क प्रहर महाप्रलय क १७२ महावन घ १२ महाबाहु च ५२७ महाभारत क ५८० महाभूत ल ५६६ महामैरव क १७० महामारी ल ५०७, ल ५०६ महायान क ४६० महाराज ल ३४६, ग २८२ महाराणी ग २६३ महारानी ख ३५३ महारामायण क ५८४ महार्घ ख ४०६ महाघता का २६६

महाल च १३७

महावत ग ४१०

महाबन घ १२

महालदमी क १६३

महाबर व ११४, ङ ३२४

महाविद्यालय ख २७४

महावीर क १६०, क ३८०, क ४४७, क ४८२, क ४८४, ग ४६४, ग ६०६

महाशंख ख ६४०

महाशक्ति क १६५, क १६४

महाशय च २६४, च २३, ज २०१

महासचिव ख ३५६

महासभा ज ६२५

मह।सागर च २६५

महिच ६०

महिधर क ३३०

महिनवारी ख ३६५, छ ३६

महिमा क २६४, ब ३५५, ब ४४२

महिलाग४, इट ७८

माइषा ख ३५३, ग ४-४

मही च १, च ६०

महोबर क ३३०, च २४८

महीन ज ५०५

महान करना ख ५५२

महीना स ३६५, ख ४१४, छ ३५

महोप ख ३४६

महीपति ख २४६

महीपाल ख ३४६

महोसुर ग २८२

महुवा घ ४३

महेन्द्र क १३४, क २२५

महेर इ ६६

महेश क ११२, क १२२, क १६५

महोक ग ६५६

महोत्स्य छ २०२

महोदांच च २६४

महोदय क २३=

नहोदया घ ४३२

महौषधि च ११४, च १६८, घ ३१४,

इ २०

माँग १७७

माँग स्व २६५

मॉगना च १६६, भ ३५४

मांगा भ ३५६

मॉजना छ २६०, ज ५४७

मॉजाच र⊂३

मॉक्त ज ६⊏५

मॉभाड ३२८, ङ ३७२

मॉक्तेग ३४१

मॉइइ६३

मॉड्रना भा ६३, भा ३२१

मॉइव च २२१

माडवी क ३७४

माङ्क्य क ५५८, क ५५६

माँद च १६४, च २४०, च २५१

मांस ग ६१, ग ६५, छ ३५

मासल घ ३६, घ २५४, घ ३७=, व ४५=

माउलता ज ५००

मासविक्रोता ग ३६३

माई ग १७७

मालन हा १५५

मागध घ १८७

मागघो घ १८८, व २३५, व ४०५

माघ छ ३७, ख ५८, छ ७६, छ ८३

माघा छ ५६

माचित इ ५४६

माजूरल घ २११, घ २१४

माभित्व ग ३४२

मार्का ग ५४१

माटा ग ५४१

माटो ग १२, च ६६

माठा ङ १६२

माड़ा च २२१

माश्विक घ ४८१, घ ४८४, घ ४८७

मातंग क २७१, ग २६८, ग ४३५

मातबर भ १७४

मातहत भ २३५

मातहती भ २३६

माता क १६३, ख ५१०, ग १७७, ग १८१,

ग २६३, घ १४७, घ १८३, घ १६३

मातामह ग १६८

मातामही ग १६६

मातुल ग १५०, ग १७१, इ २०२

मातुली ड २०४

मातुलेय ग १७२

मातृ क १६३, क १७७

मातृभूमि ग १८१

मात्राख २२७, ज ६५८

मात्रिक ख २०१

माथा ग १६

माथ पच्ची करना ज ३७०

माद्वी घ १४५

माधवक १३४,क ३६८, घ४३, छ ४१,

छ ८४

माधवी क १६५, घ १११, घ ३३२, घ

४२१, इ २०५

माधवीलता घ ४३१

माधरी इ ४५, इ ८६, ज ४६७

माधूर्य ख १६३, ख १६१, ख १६२,

ब ७०, ख ४६७

माधो क ३६६, क ३६६

मान च १६४, ज ३४२, ज ६६१

मानगर्विता ख १५६

मानचित्र ख ३१७

मान जाना ज १७८

मानता क ४७

मानदङ ज ६६१

मानना ज १५१, ब १७८, ज १८६,

ज २५४, च ३४३, ज ६६८,

ज ६६६

माननीय ज ३५४

मानपत्र ख ८६३

मानव क ५७६, ग २, ग ३

मानवी ग ४

मानसक २७१, क ५८३, ग ३, ग १३०

मानसिक ख १८७, ख ४३६

मानसिक रोग ख ४३७

मानहानि च ३४८

मानिंद ज ४२२

मानिक घ ४⊂४

मानो ग ४९४, ज २४४

मानुष ग २, ग ३

मान्य ज ३५४

म'प ख ६४५, ज ६६१, ज ६६२

मप्पक ज ६६१

मार ज ६

माफ़ करना ज ह

माफो देना ज ह

मामा ग १७०, ग ३८४

मामी ग १७१

माम ग १७०

मामूली ज ४१७, क २६६

मायका ग २२४

माया क १६१, क १८५, क १६४, ख २३६,

ग ८, ग १७७, इ २०४

मायावती क रद्भ

मायाविना च २६८

ब २६८, भ ३२७

मायाबी क ११२, ग ४०७, ग ५२१,

मार क २७१, ङ ३३१, भ २६२, म २८० मारक न ८२४ मारका क २६२ मारकाट क २६२ मारकाट करना ज २८२ मारकीन ङ २२३ मार डालना भ २१८ मारना क १७१, ग १५६, ग १५८, म २१८, म २२५, म २८१ मार लेना क २०६, क २१०, क २११, भ २१२ मारवाडी ख २२४ मारोच क ३६७, क ४७५, क ४७६ मादत क ३१३, क ३१६, क ४२५ मारू ख १०३ मार्कगडेय क ५७४ मार्ग च २४०, च २४१, छ ५५ मार्गशोप ह ५५ भावी छ ३८ मार्जन ड १७ मार्जना ज ६ मार्जार ग ५२१ मार्तद्व क २६७ मात्त ख ३८०, ड ३३१, भ २६४, भ रह४, म ४१६ मालिकन ग ३८१ मालकोश ख = ३ मालगुनारी ख ४११ मासगोदाम च २१६ मालतो ल २०३, घ २२१, घ ४०३, छ १४३ ३०

मालपुत्रा ङ ११६ मालवी ख २२४ माला क ४०, क ४२, घ ३८३, ङ ३३१, ङ ३४६, च १६६, ज ६२४, भ २६४ मालादीपक ख १६० माला फेरना क ३६ मालिक क ११२, क ५२७, ग २२४, ग ३४३. ग ३८० मालिकिन ग ३८१ मालिन ग ३४४ मालिनी ख २०३, ग ३४४, घ ४०३ मालिन्य ज ५४५ मालियत ख ३८० माली ख ३८२, ग ३४३ मालूम च १०५, च ११८ भालूम करना च १०६, च ११० माशूक ग २६७ मास ल ६१६, स ६१, घ ३५ मासा ग २१० मासिक ख २३१, छ ३६ मासिक धर्म ग १२८ मासूल ख ४१२ मास्टर ख २४१ माह हर ३५, हर ५५ माइवारो छ ३६ माहर क १८३, ब ४७८ माहंश्वरों क १६७, क २२४ मिश्रादी छ ५०० मिकदार ज ६५८ मिचली ख ४६७ मिचली श्राना ल ४६८ मिनगाँग २२

मिजाज़ 🖷 १

मिबाज़ बदलना ज ८१

मिजान ख ५५८

मिटना ज ८२२

मिटाना क १७२, ज ८१६, ज ६४३

मिद्यो ग १२ च ६०, च ६६, भ २१६

मिट्टी करना ज ६४३

मिठपूरी इ ११०

मिठाई ड ४५, ह १६६

मिठास इ ४५

मितलाना ख ४६%

मितली ख ४६७

मितलो श्राना ख ४६८

मितव्यय ख ३६३

मितव्ययता ख ३६३

मितब्ययो दे परिशिष्ट क

मिताई ज २७५

मिति छ ६०, छ १३६

मित्र क २६७, क २६८, ग २७८, च ४४

मित्रता च २७५, ज ८५६

मिथिला च १२८

मिथुन च ५८, च ६१

मिथ्या 🖷 ४०६

मिध्याबादी ज ४६०

मिन्नत च १७६

मिन्नत करना भ २४८

भिमियाना ग ४८६

मिमोरना ज ६७

मियाँ ग २२४, ग ३५६, ग ३८०

मियाद छ १६६

मियादी बुखार ख ४६२

मिरगी ख ५१६

मिर्च ड ७६

मिर्चा इ ८५

मिर्जई ह २५०

मिलकी ग ३७४

मिलन च २८६, ज ८४८, ज ८४६, ज

540

मिलना ज १५२, ज ८४८, ज ८४६, न

८५०, भ ८७

निला ज ६०४, भ ८६, भ ३४६

मिलान भ ३६३

मिलाना ज ८४५, ज ८५८, ज ८७४, ज

६०२, म ६३, म ३६५

मिलाप ख ८४८, ज ८४६, ज ८४०

मिलाया हुआ ज ८४७

मिल्लावट ज ८४६

मिलावट करना ज ८४५

मिलावटी ज ४१३

मिश्र ग २६१, घ ३०४, घ, ३०५ घ ४५४,

ज ८४७

मिश्रण ज ८४६

मिश्रग करना ज प्रथ

मिथित स १६७, ज ८४७

मिश्री ङ १७४

मिष्ट इ४४

मिष्ठान्न इ १६६

मिष्ठभाषों ज ६३६

मिस भ ३७३

मिसाई ङ ५३४

मिसाल ख २३४, ख २६३, ख २६४

मिल्रो ख ७, भ ३२२

मिस्रो ह १७४

मिस्ल ज ४२२

मिस्सी इ. ३१६

मींचना ख ७६८

मीजना भा २४७ मीलना ज २४७ मी बना छ २६० मोजान ख प्रप्र मीज़ान करना ख ५५६ मीठ इ ४४ माठ। इ १६६, इ ६८, छ १६५ मीडा नीबू घ ३५३ मीटा पापइ ड १२० मोठा भात इ ६५, इ १२६ मोटा स्वर ख ६८ माटी कचौरा ड ११७ मोठी खटाई ङ १३८ मोन ग ५८४, च ५८. च ७० मीनाचो भ ५६ मीनार च १७३ मीमासा क ५६०, ख २३७ नीमामा सूत्र क ५७१ गोलित ख १६०, ज ८४७ नीसा ङ ३१६ मुज घ २०६ मंड क प्रदाग १३ रुडन ग १४६ इमालों क १६५ हा ग २७५, ज ४८५ (ड) ग १२, घ १७६ विजिम ख २८७. ग ३७५ दिरी ड ३५६, घ ३६३ [श्र] ख २४१ ग ३०३ शिश्राइन ग३०४ ह ग २३, ग १३८ इचग ख ११० हबोरी करना ज २८०

गुँहतोइ जवाब ख २६८ मुँइ घोना भ १२० मुंह फेरना ज १४६ मुंह सिकोड़ना च १४६ मुत्राफ ज ६ मुत्राफिक ज २८५, ज ४२२ मुश्राफिकत ज ४२४ मुत्रायना ख २५०, भ १६२ मुकडमा भ १८४ मुकर्मा ख २६८ मुकद्दर ज ४५७ मुकरना ज १८७ मुकरी ख २७० मुकाबिल ग २७६ मुकाबिला भ ३६३ मुकाम च १, च १४० मुक्द क २६६, क ३६६ मुक्ट द ३३७ मुकुर घ ६०१, ड ३२६ मुक्ल ग ५, ग १२, घ २७, घ ४२० मुकुलित घ २७ मुक्ता ग६४ मुक्त क २४०, भ्य २३२, भ्य २३४ मुक्तक ख १७५ मुक्त करना भा २३३ मुक्त होना भा २३१ मुक्तइम्त ख ३८६ न्का घ ४८३ मुक्ति ग ६, भ २३०, भ २३८ मुक्ति देना भा २३३ चुक्ति धाना भ २३१ मुख स्त १४५, ग १५, ग २३ मुखदा ग १५

मुख्नन्तस च २२० मुख मोइना ज १८२ मुखर ग ६५४, च ४६४ मुखालिफ ग २७६, ज २८४ मुख्रालिफत 🖷 २७६ मुखिया ख ३३५

मुख्तार भ १७६ मुख्य घ १५५

मुगद्र क ३७७, घ ४७

मुग्ध च १२२

मुग्ध करना अ ४७२

मुग्धता स १६४ मुग्ध होना क २७५

मुग्धा ख १४७ मुचकुंद घ ४३५

मुळंदर ब ४६५, ब ४८६

मुछैल ज ४८६

मुजरिम ग ३७०, भ २२१

मुटाई ज ५०० मुटिया ग ३८६

मुद्रा ज ६२४, ज ६३०

मुद्रो ग ६५

मुद्भना ज ६३, ज ८२, ज ६७५

मुद्रला च ४८४, व ४८५

मुद्दाना ज ८३ मुदाम छ १६७ मुदित ज ३६ मुद्द ग ३६८

मुद्गल क ५५८

मुद्दालेह ग ३६६

मुद्रणालय ख २८६

३३६, ङ ३५८, भ १६५

मुद्रा ख ३८०, ख ४२१, ख ४२३, ङ

मुद्रिका ड ३५८

मुद्रित करना ख २८८

मुनक्का घ ३६४ मुनादी ज ६०३

मुनासिव ज ४१०

मुनाका भः ३०२

मुनिक ६४, क ४४७, क ४४६, क ४५१

ध ४२४. ज ५१६

मुनीश्वर क १३४, क ४४७

मुन्हा च ४३८ मुफलिस सा ४०५ मुफलिसी ख ४०६ मुफ्त च १६५ मुमिकिन च ६७१ मुमानियत च ७७८ मुम्तोइन ख २५२

मुरकी ग ४६३, ङ ३४०

मुरचग ख ११० मुरकाना क १३२ मुरदाशंख च ४६३ मुरब्भा इ १८४ मुरर्ला ख ११२ मुरलीघर क ३६६

मुख्यत ज ३२१ मुरव्बतो ज ३२२ मुरछना ख ७४ मुरन ख १०२ मुरहा क ३६६

मुरारी क ३६६ मुरोद ख २४२

मुरेठा ङ २३८

मुक्तीं हः ३४०

मुर्गा ग ६४५

मुर्गी ग ६४४ मुद्री ब ८२६, भ २१६ मुर्रा 🖝 २६३ मुरी ड २६३, ज ६६ मुर्रो देना ज ६७ मुरी पड़ना ज ६३ मुर्ही ड २६३, ज ६६, भ ३८८ मुनतानी भा ३३४ मुलहठी घ २०७ मुलजिम ग ३७०, मा २२१ मुलाज़िम ग ३६३ मुलाकात च ८४८, च ८५१ मुलाकातो ज १११ मुलाजिमत भा २४६ मुनायम ज ६६, ज ५७६ मुलायम करना च ७२ मुलायमियत च ७०, ज ५८१ मुलेठो घ २०७ मुल्क च १०३, च १०५ मुश्क ङ ११ मुश्कबेद ख ३०७ मुहिकला च ६०, च ६५८ मुश्किलाइट च ६२ मुश्की ख ३० मुश्त ग ६५ मुष्ल ङ ४६५ मुब्क ग = १ मुब्टिंग ६५, घ २०८ मुध्टिक ग ६४, ग ६५ मुक्तराना च ६३२ मुलकराह्ट व ६३१ बुसकान ज ६३१ मुक्तकाना च ६३२

मुसकानि ज ६३१ मुसक्यान ज ६३१, ज ६३२ मुसन्निफ ख १२७ मुसम्मो घ ३४६ मुसलमान क ३, क ५०५, ग ३६५ मुसली क ४१०, घ २१३ मसञ्बर ख १४ मुसहर ग २६६, ग ३६४ मुसाफिर ज ६६३ मुसाफिरखाना च २०६, च २१० मुसीयत न ५० मुसौविदा स २६५ मुस्कराना ज ⊏६२, भ ३६= मुस्कान ब ६३१ मुस्तैद ज ३ ७६ मुस्तेदी ज ३७७ मुह चत्रना ख ५०० मुह्ताज ख ४०५ मुहताबी ख ४०६ युहम्मद् क ५२४ मुह्र ख ४२२, म १६४ मुहर्म छ २२७ मुहल्ला च १३७ मुहाँसा ख ४५२ मुहावर। ख २३३ मुहूर्त ख ६४६, च ५६, छ १, छ १२६ मुंग घ २५७ मृगफली घ ३७१ मूँगा व ४८१, घ ६०२ मॅझ ग ४७ मुंज घ २०६ मूं इस १३ मुक्ता भ २०८

म्इीग १३ मुद्ना ज ७६८ मुक ब ५१६ मुकता च ५२० मूज घ २०६ मूठ क ३६२, ग ६५ मूठ चलाना क ३६३ मूठो ग ६५ मृढ़ ज ३६४ मूढ्ता ख २३६, ज ३६६ मृत ग ११७ मृतना ग ११८ मूत्र म ११७ मूत्रदोष ल ४६१ मूत्रेदिय ग ७६ मूर घ १३, च ४६ मूरख ख २४०, ज ३६४ मूरखान ज ३६६ मूरतिक २२, एव १३ मूर्ब ज ११२, ज ३३५, ज ३६४ मूर्खता ज ४०४, ज ३६६, ज ५६० मूर्ख बनाना ज ३७३ मुच्छनाख ७४ मूच्छी ख ५२६, व ५३५ मूर्तिक २२, ख २, ख ११, ख १३, ग १२, त्र ४५६ मृतिकला ख ६ मृतिकार ख १० मर्तिकारी ख ६ मृर्तिपूजक क २५

मृतिपूजा क २४

मृद्धींग १३

मृतिस्थापन क ५३

म्ल घ १३, घ ३०२, च २७, च ४६, ज ८३५ म्लक ग १७४, घ ३०४, घ ३०५ मूलधन ख रू १, ख रह६ मृली घ ३०४, घ ३०४, म २२६ मृल्य ख ४८८ मृल्यवान ख ४०६ मृत्रक ग ५३२ म्म ग ५३२ मुसना भ २१०, भ २११ म्मल ट ४६% मृग ग ४३०, ग ४३७, ग ५०५, ग ५०६, मृगचमें ग ५११ मृगञ्जाला ग ५११ मृगनगमे ग ५१२, ह ११ मृगनेनी भा प्रह मृगमद ङ ११ मृगया ड ३७३ श्र मृगगात्र ग ४६४, घ २०१ मृतलोचनी भ ५६ मृगशिस च २७, च ३२ मृगाक क ३०७, क ३१० मृगा ग ३०६, ध १४३ मृगी ख ५१६, ग ५०६, ड ११ मृगद्र ग ४१४, च ६३ मृग्गल व ३८६ मुणालिना घ ३८६ मृत क २४०, ब १५६, ज ६२५, म ८३८, ज ८२६ मृतक ग १५६, ब ८२६ मृत्यं जय क १६५ मृत्यु क ३१७, क ३१८, ग १५४

मृत्युकाल ख १५४ मृत्यु जीतना क २१७ मृत्युलोक च १०३ मृदग ख ध्प. ख १०२ मदिगिया ग ३६२ मृद्ध १८३, इ४४, अ६६ मृद्रा ज ७० मृदुल ज ६६ मृदुलता ज ७० मृषा ज ४०६ में जहदर मेढक ग ५६३ मेंबर ख ३६६ में में करना ग ४८६ मेहदोध ४२१ मेही ज ५०५ मेख इ ५३७ मेलला ४ ३३२, ४ ३५६ में ब रु४ , छ २४५ सेघगर्जन छ २४२ मेयनाद क रदह, क ३६३, ग ६०६ मंभमात्ता छ २४१ मेवा ग ५६३ मेज ट ५१० भेजबान ग ३७६ मेंट क १७२. घ ३७⊏ मेटना ज ६४३ मेटी ङ ४५६ मझ च १०२ मेढ ग अस, च १०२ महक ग ५६३ मेढा ग ४६०

मेद म ६३, ग ६५

मेदा ग ६३ मेदिनी च ६० मधाक २०२ स ५६३, ज ८३६ मेधावी ग६२७, ज ३६३ मध्या घ ७८, च १७०, घ १८२, घ १६८, घ २०५, घ २१७, घ ३६६, ङ १८ मेनका क २४८ मेमना ग ४३२ मेरा ज ६६८ मेर च २४८, च २४६ मेरुदड ग १०५ मेल खा १६६, च ८४६, च ८५० मेलजोल ज ८५१ मेलना ज ८५६ मेलमिलाप ज ८५१ मेलाख २०६ ंग्लान हॉकना क ३६० मेन, इ १६८ नवाध ३५७ भेवाहो य ५०७ मेवात घ ३५७ मेध ग ४६०, च ५८, च ५६ रोप समान्ति छ २२३ मह त्र २३६, छ २५१ मेहतर ग ३५४ मेहतरानी ग ३५५ मेहतान क ०७ महनत ङ ३७२ आ, भ २८७ महनताना ख ३६४ गहनती भ रदद मेह बरसना छ २४६ मेहमान ग ३७८ मेहमानदार ग ३७६

मेहमानंदारी क ८४ मेहमानी भ ८४ मेहरज १६ मेहरबानी ज १६ मेहरबानी करना ज २५ मेहरा च ३०२ मेहरी ग २२५ मैं ज ६६६ मैकाग २३४ मैगज़िन ख २६० मैत्रायणी क ५४८, क ५४६, क ५५८ मैत्री ज २७५ मैत्रो होना ज २७८ मैत्रेय क २६७ मैत्रेयो क प्रप्रद मैथमेटीक्स ख ५५३ मैथमेटिशियन ख ६४२ मैथिली क ३६७, ख २२४ मैथुन क २८७ मैशन करना क रद६ मैदा ह ६६ नैदान च २०१, च २२२ मैदान होना ग ११६ मैन क २७१ मैनफन्न घरश् मैना ग ६२४ मैन्स्किप्ट ख २६५ मैप ख ३१७ मैभा न १८० मैया ग १७७ मैल ज ५४६ मैला ग ११५, व ५४२, क ३३७ मैका करना व ५४८

मैलापन ब ५४४ मैला पानी छ २३२ मों ज ६६६ मोकदमा भ १८४ मोका छ १५५ मोच्च ग ६, ग १५४, भ २३० मोख ग १५४ मोखा इ ५३६ भोगरा घ ४०१ मोचना भ २३३ मोचा घ १०६, घ १२४, घ २४६ मोल्ला ग ४७ मोजड़ी ह २६७ मोजा ड २६७ मोट ङ ५३२, ज ४६=, ज ५०४ मोटज इ २२३ मोटर ड ३८४ मोटर सायिकल ड ३८५ मोटरो ज ६२४, ज ६३० मोटा ज ४६८, ज ५०४, ज ५०६ मोटाई ज ५०० मोटाना च ८०८ मोटाएन ज ५०० मोटा-मोटी ज ६६५ मोटा होना च ८०८ मोटिया ग ३८६ मोटे तौर पर ब ६६५ मोट्टायित ख १६४ मोइना ब ८३ मांढा ङ ५११ मोतिया ख ५१, ख ५२, घ ४०१ मोती घ ४८१, घ ४८३ मोतीचूर घ २३१

मोथा ध १२३ मोथी घ २३८ मोद ज ४५ मोदक ड १६९, ह १७५ मोदिनो घ ४०४ मोदियाइन ग २६५, ग ३२८ मोदी ग २६४. ग ३२७ मोनक्का घ ३६४ मोनियाँ ङ ४८४ मोम इ १४ मोमियाई ह ८ मोर क १८६, ग ६०६, ज ६६८ मोरनी ग ६१०, ड ३२६ माग्यसी ख ४६ मोरपुच्छ ग ६११ मोरभ्या ड १८४ मोरस ड १७१ मोरी ग ६१० मांचा घ १२५ मोलवी ख २४१ मोह क २७१, ख १८५, ख २३६, च १३६, अ १७५ मोहफ क २७१, क २७६, क २७७, क ₹६६, ड २०६ मोइन क २७१, क २७६, क ३६६, ड २०२ मोहनभोग इ १२२ मोहनमाला ङ ३३१, ङ ३४६ मोहिनी क १५४ मोहना क २७४, क २७५, च १३०, ज ४७२ मोइब्बत ज १४५ मोइम्पती व १५३ मोहर ख ४२२ मोहर्ग छ २२७

मोहित क २७८, ज १२२ मोहित करना क २७४, ज ४७२ मोहितहोना क २७५, अ १३० मोहिनो घ ३३५, इ १६५ मौका च १. छ १. छ १५५ मौक्तिक घ ४८३ मौज इ २६४, च २७८ मौज में ऋाना अ ३३३ मौजाच १३३ मौजी ज ४⊏ मौजद भ २५७ मौजदर्गा क २५६ मौजूद रहना भा २६१ मौत ग १५४ मीन ज ६०८, ज ६०६ मौनबता ज ६०० मौनी च ६०७ मौर ग ३३ मौद्रशी म ८ मौरूर्य ज ३६६ भौलवी ख २४१ मौलश्रो घ ४२० मौलिंग १३, ग १०१ मौसम छ 🤻 मौसमी ध ३४६, छ ६५ मौसा ग २१० मौरिक्राउत भ १८ मौसिया ग २१० मौसं ग २११ मौसेरा क १८ ध्याऊँ करना ग ५२२ म्यान दे. परिशिष्ट क म्लेब्झ् ग ३५६, घ ३१०

य

मत्र ख २८२, इ ५५६ यक्तोन ज २५३ यकीन करना ज २५४ यकोन रखना ज २५४ यक्तत ग ११०, ग १११ यत्त क २०३, क २४३, क २५५ यहमा ख ५२० यगग्रा त्व २०० यजमान क ८७ यजुर्वेट क ५४४, ख २३७ यज क ⊏१, क १५४ यज्ञ करना क 🖘 यजकर्ताक ⊏६ यजपुरुष क १३४ यज्ञमङप क ८९ यशशाला क ⊏ध यज्ञोक्बीत क १०६, ग १५० यति दे० 'यती' पात्रधर्म क ६६ यतिनो भ ४८ यती क ११०, ग २७१, म ४८ यतीम भा १४ यतीमखाना च २०४ यत्न के ३७० यत्र ज ६६० यत्रतत्र ज ६६१ यथार्थ ज ४०५, ज ४२० यथायना ज ४०७ यदपि ज १००५ यदाकदा छ १६५ यदि ज १००४

यद्गनदन क ३६६ यदुनाथ क ३६६ यदुपति क ३८६ यदुराई क ३६६ यद्यपि ज १००५ यम क १३४, क २१५, क ३००, क ३१३, क ३१८, क ५७८, ख ६३८ यमक क पहर, ख १६० यमगीता क ४८२ यमज ज ६२३ यमद्भिन ज ७३ यमद्भितीया छ २११ यमन क ३१७ यमपुर क ३१६ यमराज क ३१७ यमन ज ६२३ यर्नाक १०१ यमुना क १६४, क ३०१, च २६२ यव छ २३६ यवन क ५०५, ग ३५६, घ २२८ यश च २६२, ज ३५१, ज ३५५ यश गाना ज ३५६ यशस्विनो घ २०५. च २६० यशस्वी ज ३५३ यशो ज ३५३ यशोदा क ४०६ यशोघराक ४६४ योष्टि घ २०७, ङ ५५५ यहाँ ज ६८८ यहूदी क ३ यात्रिक ख २८२ या ज १००३ याग क = १

याचक ग ४२६ याचना ज १६६

याचना करना ज १६६, भ ३४४

याचित मा ३५६

याचक क ८६, क ८७

याजन क ११२

याज्ञवलक्य क प्रप्रद

याजिकर ८६, क ८७, घ६६, घ ७२,

ष ⊏१, घ ११६ यानना क ३२६

यातना सीगना क ३२५

यातुघान क ३४८

यातुधानी क ३४६

यात्रा अ ६६७, ज ६८७

यात्रा करना ज ६८८

भनी ज ६६३

याद क रूप, ज ८१४ ज ८३६

याद करना क २६, ज ३६६, ज ६२७

झ ८३८

याददाशत न ८३६

याद जिलाना ज २०८ ज ८३-

यादव क २६६, ग ३०५

यान ए ३७%, ज २८७

याम क २५७, छ १, छ १२८, छ १४३

यागिनी छ १४३

थार म २२७, म २७=, ब ६५६

यारानः ज २७५

यारी ज २७५

यीशू क ५०२

युक्त ज ४२०

युक्ति ख १६०, भी ३७०

युक्तियुक्त ज ४२०

युग ख ५६१, छ १, छ १६

युग्म च ६१, ग ५८४

युद्ध भा २६२

युद्धकरना ज २८२

युद्धचेत्र च २२२

युद्धनाद भ २६५

युद्धस्थन च २२२

युधिष्टिर क ४१३, क ४१४

युवक भा ३२

युवती घ ४१५, इ.६०, भा ४४

युवराज ख ३५४

युवा भ ३२

युवायस्थाः भ ३३

यूथ ख ३५६, ज ६२४

यृथप ल ३३८

चूनाना ख ४२६, ख ४३१

. यूनिवर्सियो त २७४

यं हो ज ४२१ ई

यास क्र ६२, क ६६, क १६३, क ५६२.

क प्रम, स्व १८०, ख प्रप्रम, मा १७८, मा

دون في

योगद्शीन क ५६८

योगनाथ क १६५

योगनिद्रा क १६४

यागमा स १६४

योगशास्त्र क ५६८

योगसाधना क ६३

योगसूत्र क ५६८

यागाम्यास क ६२

योगाभ्यासी क ६४, क ४१०

योगामन क ६२

योगिनो क १६४, क २०२, ङ २०४

यो।गराज क ११०

योगी क ६४, क ८४, क ११०

योग्य ज ३६४, ज ३६८, ज ४२०
योग्यता ज ३६६, ज ४००, भ २५४
योद्धा ल ३६४
योनि ग ८०, च ३८, च २६२
योनिकाव ल ५३१
योगिसाव ल ५३१
योमिया छ १३८
योगेय क ४१६
योवन भ ३३

₹

रक ख ३६०, ख ४०५, ज ४४५ रकता ख ४०६ रग ख २०, ज ४५, ख ४५७ रगत्तेत्र च १८६, च २२२ रंगगृह ख १६६, च १८६ रगजीवक ख १४, ख १४६ रगत ख २० रगदार ख २२ रॅंगनाख २३, ख२७, ज १२४, ज ६१६ र्ग बदलना ज ६६ रंग-बिरंगा ख २२ रगभवन च १७८ रगभूमि ख १६६, च १८६, च २०२, च २१६, च २२२ रंगमच ख १६६ श्र रंगरेण ख २१, ग ३६० रॅगरैली ज ४५ रॅंगबाई ख २४, ख २५ रँगवाना ख २६

रंगशाला ख १२५, च १८६ रंगसाज ख २१ रंगस्थल ख १६६, च १८६ रॅगाई ख २४, ख २५ रँगाना ख २६, ख २७ रंगिस्थी ङ २० रंगी ग १६०, ज ४८ रंगीन ख २२ रॅगीला खरर, गर६६, ज४८, ज ४६३ रंच ज ५०३, ज ६१० रचक ब ५०३, ब ६१० रज ज ४६, ब ५०, भ ३४= रजन खर्भ, ग १२४, घ १३२ रजना ख २७ रजनो ख ३०६, प १२४, घ २०२. ङ ६० ूरं जित खा २२, जा ३६, जा १२२ रंजित करना ख २६ ख २७. ज ६१६ रजिनी घ ४२१ रंजिश ज२७६ रकीदा ज ४०, ज ५२, ज ५६ रंडा ख १२४, ग २७१, म ४८ रॅंडापा क ४६ रंडो ख १२४ रॅड्वा ग २७४ रॅधना भ ६२ रॅघा क ६१ रॅभ्र क १५६ रध्र करना च ७३६ रंभा क २४८, घ ३४६, घ ४८२ रई ड ८०, ड ४७६ रर्देस ख ४०५ झ, ग ३७४ रउताई भी १४६ रक्रम ख ३८०

रकाबदार ग ४११ रकाबी ङ ४४२

रकीव ग २६६

रक्त ख ३४, ग ६४, ग ६५, घ ४२५, घ ४५०, ङ १०, ङ ३०६, ङ ३१०

रक्तबंठ ग ६१३, घ २७६

रक्तकंद घ ३१३, घ ३१७, घ ६०७

रक्तमीव क ३४८

रक्तचदन घ १३२ छ १०

रक्तचूर्ण ङ ३०६ रकतास्य ३६

रक्तनाशक च १६७

रक्तपुष्य व ३४४, घ ४११, घ ४२५, घ

35 ¥

रक्तपुष्पी घ ४२२

रक्षप्रदर ख ५३४

रक्तप्रसव ध ४३५

रक्तवर्गा ग ५४६

रक्तसार घ जर, घ १३५

रक्तहर घ २००

रकाग घ १६०, घ ६०२

रकागी घ २०२

रक्ता ध २०२, घ ४६७, घ ६०६

रकाद्य ग ४८६

रकातिसार ख ५११

रक्तार्श्व ४७३

रक्तालु घ ३१७ रक्तिक घ २६४

रिक्तिका च २४३, च ६०६

रक्ती घ ६०६

रकापल घ १२५, घ ३६५

रच क १०३, क ३४८, च ४६, भ १६६

रखन ग ४२६, म्र १६६

र**च्या भः १६**८ रच्चयीय क १३७

रक्ता क १३६, भ १६८

रचा करना च ६२२, भ २००, भ २०४

रत्ताबन्धन छ २०७ रत्ति**य**ो ग १६

रक्त्य क १३७, म १६६

रखना च ७७३, २००

रखनी ग २२८

रखवाला ख ३७२, भ १६६

रखवाली भ १६८

रखवाली करना भ २०५

रखाई भ १६⊏

रखाना भ २०५

रिखया भ १६६

रखेली ग २२८

रखैया भः १६६

रम ग ६७

रगह स्त २८७

रगड़ जाना त ६३८

रगड़ना छ २६०, ज ५५२, ज ६३८,

क्त २६७

रगाम ख २००

रगना छ २६०

रधुनन्दन क ३६६

रघुनाय क ३६६

नाधुनायक क ६६६

र्घ्यति क ३६६

रधुराई क ३६६

रघुराज क ३६६

रघुराय क ३६६

रघुरैया क ३६६

रघुवर क ३६६

रघ्वीरं क ३६६ रचक ज ८१६ रचना क १२६, ख २६४, भ ७६ रचना करना ख २६४ रचनाकार ख १२७ रचयिता ख १७१, ग४०५, ज ८१६ रचा जाना ज ६४७ रचाना ज ७६३, ज ६४४, भ ७७ रचित क १२७, ख १७० रच्छक ग ४२६ रच्छा भ १६८ रजग ४२८, घ ३८५, घ ३६१, घ ४४६, ट १०, च ६७ रजक ग ३४५ रजको ग ३४६ रजत ख २८, ख ३४, ग ६४, घ ४४६, ङ ६, च २४२ रजताई ख २६ रजतद्यति क ३८० रजनि छ १४३ रजना ख ७७, छ १४३ रजनीकर क ३०७ रबनीगन्धा घ ४१६ रस्त्रीचर क ३०७, क ३४८ रजनोपति क ३०७ रजनीमुख छ १३५, छ १४१ रजनीश क ३०७ उप्रथ व ४५६ रजस्वला भ प्रश रन। छ १५५ रजाई ड २६० रज्ञामद व १८४

रज़ामंदी ख १६४

रजोग्रंथि ख ४७१ रजोमूर्ति क १२३ रजोवता भर ५१ रज्जाक क प्र२२ रज्जु इ प्रश् रट ज २३६, ज ५६६ रटना ज ६००, ज ८३८, भा ७६ रट लेना ज ८३८ रण भ २६२ रगापिय क १३४, ग ६२५ रणाबका ख ३६४ रखभूमि च २ रगरग च २१२, भ २६२ रण्वॉकुराख ३६४ रणस्थल च २२२ रणस्वामी क १६५, ख ३५८ रसोश क १६५ रत क २८७, ग ८१, ज १२२ रतज्वर ग ६५ ४ रतन घ ४८० रतन।कर च २६४ रतनार ख ३४ रतनारता ख ३६ रतनारा ख ३४ रतमुँदा अ ४८२ रत होना ज १२४ रतालू घ २०५, घ ३२१ रति कश्या, कश्या, कश्या, कश्या, व १८६, ख १८६, ख ३६, ग ८०, छ १४३, द १४५, 🖷 863 रति करना क २८६ रतिकुहर ग ८० रतिकांविदा ख १६१

रतिगृह दे० 'रतिमदिर' रतिदान क २८७ र्गतनाथ क २७१ रातनायक क २७१ रानपति क २७१ रतिभवन ग ८०, च १७८ र्रातमदिर ग ८०, च १७८ रतिरमण क २७१, क २८७ रातेयत ज ४६३ रतिशास्त्र ख ६५० रतिसमर क २८७ रतिसमर करना क र⊏६ रतिसाधन ग ७६ रती क रूप्, क रूप, ज ४६७ रतौंधी ख ४८० रतन ख ६१६, घ ४८०, च ४८४, घ ४८७ रत्नकीर्ति कः ४४७ रत्नकेत् क ४४७ रत्नगर्भाच ६० रत्नधा ल ४०५ ग्र रत्ननिधिक (३४, मा६६३, च ३६४ रत्नपारला ग ४०८ रत्नविकेता ग ४०८ रानाकर च २६४ रथा ह ३८८, ट ३८६, ड ३६० रथवाह ग ४५२ रथ,म ग ६२२ रथागपां स क १३४ रथाशीक व १६५ ग्थारूढ ख रै६३ रमा ख ३६०, ख ३६३ रध्या च २४०, च २४१

रद ग २५

रदच्छद ग २४ रदत्त ग २५ रटनस्द्रह ग २४ रद्दों ज ४२१ इ, ज ४७६ रनघ ११, च ३१२, च ३१४, घ २६२ रनिवास च १७७ ग्परं ज ६६८ रपरन ज ६६५ रपटना ज ६९६ ग्पट्टा ज ६६८ रफ़ुचक्कर होना दे० भागना रप्रभु करना ज दद्धर ग्बड़ी ह १५६ रबो घ २२७ रब्त-ज़ब्त ज ⊏५१ रब्बी घ २२७ रभोठ ज ४६३ रम क २७१ रमजान ग २४६ रमगु ज २२४, क २७१, क २८७, ज १५५ रम्या अग्नः क २८६ रतर्णा क ४४, क ५८ रमशीय क रदम, ज ४६३ रमणोयता ज ४६७ रमदाना च २७२ रमन क २७१, क २८७ रमाक १६३ रमाकात के १३४ रमानिवास क १३४ रागयन क ५८३ रमारमस क १३४ रमेश्र क १३४ रमैया क ११र

रम्य ज ४६३ रम्या घ ४०६, छ १४३ ररना ग ६३७ रहर्ड ग ६३६ रहवा ग ६३६ रर्रा ख ४०५ रली ज ४५ रव क ११२, क २६७ रवना क ३६० रवा ज ८६५ रवाज ज ६५३ रिव क २६७, च ४० रविकात घ प्रह रविकुल क ३६५ रवितनय क ३१७, क ३८५ रविदिन छ ११६ रिवनंदन क ३१७. च २१ रविपृत क ३१७, क ३८५ रविलोचन क १३४ रविवंश क ३६५ राबेबार छ ११५, छ ११६ रविधिन य ४८७ रविसुश्रन क ३१७, क ३८५ रावेहय क ३०३ रशक ज २६२ रश्मि ग ४५, च ६, छ २८७ रस ख ६००, ग ६५, घ ३६२, घ ४५६, घ ४७८, ङ १४१, इ ३१०, च २६२, ज४, ज ४५, ज १४५, भ १२४, भ १३४ रसगर ङ ५० रसज्ञाग २३, ग २७ रसद ङ ३६, ङ ३७

रसदोष ख १६६

रत्रघातु घ ४५६ रसना ग २३, ग २७, ङ ३५६, ब ७१८, च ८११, भ ६५ रसनाथ घ ४५६ रसनायक क १६५ रसपति क ३०७ रमफल घ६० रसभव ग १४ रसभरी घ ३५१ रस में इबना भ ६५ रसयुक्त भ १२७ रसयुक्तता भ १२६ रसराज घ ४५६ रसरी ङ ५२१ रसवत ग २६६ रसबत ङ १५ ग्ससंभव ग ६४ रसहीन क १२८ रसहीनता भ १३० रसहीन होना क १३२ रसा घ ३४३, च ६०, ४७ ६६ रसाई ज ७४२ रसाढ्य घ ४५ रसातल क ३१६. क ३३७ रसाना ज ७१६ रसायन घ २१५, घ ४७८ रसायनी घ १५०, घ १७८, घ १८३, घ २०३, घ २०४, घ ३५१ रसाल ग २७, घ ३५, इ २२८, ङ २४६ रसाला घ ३४३, क १२७, ङ १३६ रसास्वादन करना भ १२५ रसिक ग २६६, ग ६४०, व ४८ रसिकविहारी क ३६६

रसिया ज ४८ रसी ज ४८ ग्मीलां ड ६०, ब ४८, म. १२७ रसीलापन ङ ५१, भ १२६ रसूम ज ६५२, भ १७८ रसूल क प्रवः, कप्रवेध रसेन्द्र घ ४५६ रसंई च १६८ रसोइयाँ च १६८ रमोइयाँदार ग ४०३, भ ८८ रसोइया ग ४०२, भ ८८ रसोई च १६८ रसोईघर च १६८ रसाई बनाना भ ८६ रसोत्तम घ २५७, घ ४५६ रसोद्भव ङ ३१० रसोद्धवा ३ १७१ रम्म च ६५२ रस्सी इ ५२१ ग्हेंटा ड ५६४ रहन-सहन ज २६४ रहना ज ६८६, भ २६१ रहब अ ६६० रहम ज १६ रहमत ज १६ रहमांदल ज २२ रहमान क ५२२ गइस क २३८, च २२७ र≰सन्। ज ४१ रहांस च २२७ रहस्य क ५.६८, सः ३८६ रहाइस ज ६६० रहाइस कराना ज ६६१

रहाना ज ६६१ रहाव ज ६६० रहित का २५८ रहिला घ २४५ रहीम क ११२, क ५२२, ज २२ ' रॉगा घ ४५७ रॉचना ख २७, ज ४१ रॉंड ख १२४, ग २७१, म ४८ रॉधना क ६० रॉधा फ ६१ राई घ २६४, ड ८० राकस क ३४८ राका क २२३, छ ११०, छ १४४ गकाशशिच १५ राकेश क ३०७, च १५ राच्यस क ३४८, क ३४८, ग १५२, च ४६ राच्सर्गत क ३६० राज्ञसी क ३४६ राख इ ४२६ गम्बो छ ५०७, इ४२६ गग ख ==, ख ६००, इ ३२४, ज १४५, ज २६२ राग काइन ग १२० रागवंत क २५१ रागागं घ ४२१ रागपल्लव घ ६८ रागपुष्यो व ४५७, घ ४२२ गगलता क रूद्ध, ग ७६ रागिनी ख 🖘 रागां ख ३४, ग २६६ राघव क ३६६ रात्तना य १६०, ज १२४ राच्छ्रसी व ३४६

राह्य इ ४०१ राख्य क ३४८ राज ख ७, ख ३४८, भ १४८, भ ३८६ राजकंश्चर ख ३५४ राजकुंवरि ख ३५५ राजकुमार ख ३५४ राजकुमारी ख ३५५ राजकुष्माड घ २७६ राजगीर ख ७ राजजबू घ ५६ राषतंत्र ख ३३२ राजदारी भ २६२ राजदूत ख ३७० राजद्रोही भ १७७ राजनियम भा १७८ राष्ट्रनीति ख ३३७, ख ३३२ राजनोतिक ख ३३३ राजनीतिज्ञ ख ३३४ राजन्य ग २६२ राचपटोल घ २७५ राषपरनी ख ३५३, ग १८१, ग २६३ राजपथ च २४० राषपुत्र ख ३५४ राजाधिराच ख ३४६ राजपुत्री स्व ३५५, घ २६६, घ ४०१, ष ४०३ राजपुष्प घ १२२ राजपासाद च १७१ राम्बप्रिय घ २१३

राजभवन च १७१

ग्राज्ञभोग्य घ २२०

राजमदिर च १७१

राजमहल च १७१

राजमहिषी ख ३५३ राजमार्ग च २४० राजमाघ घ २६० राष्ट्रमुकुट ड ३३७ राजमुग्द घ २३८ राजराज क २५५ राजराजेश्वर ख ३४६, ख ३५० राजरोग ख ४४६ राजिपि क ३७६, क ४६६ राजविद्या ख ३३०, ख ३३२ राजवृत्त् व १४८ राज्य ज ६३ राजसमा च १७४ राजसी ख ३५१ राजसूय यह क ८३ राजस्वामी क १३४ राजहंस ग ६०७ राजा पत ३४६, ग २६२ राजिका घ ५१, घ २६४, च १०२ राजी घ २६४, ज ३५, ज ५१, ज १८४ राज़ी करना अ ४३, भ २४८ राजाव घ ३८८ राज़ी होना ज १७二 राजेद्र ख ३४६ राजेश्वर ख ३४६ राज्य ख ३४८, ख ४८०, च १०४, च १०७ म १४८ राज्यरोग ख ५२० राज्यतंत्र ख ३४१ राज्ययदमा ख ५२० राज्यशास्त्र ख ३३२ राज्ञी ख ३५३, घ २६४ राट ख ३४६, घ २१०

राद म २७४ राणा ख ३४६ रात छ १४३ रातड़ी छ १४३ रार्तादन ऋ १०, छ १४४ रातरानी घ ४१६ राता ख २२ रातिच ङ २१७ रातियाना च १३६ रात्रि छ १४३ रात्रिचर क ३४८ रात्रिचरा क ३४६ रात्रिचारों क ३४% रात्रिपुष्य घ ४०७ रात्रिमिश क ३०७ र रात्रिराग छ २८४ राधा क १६६, क ४००, ख रे⊏०, च ४३,

舊 ¥₹

राधाकात क २६६
राधारमण क २६६
गधावल्लम क २६६
राधायुन क ४२८
राध्यका क ४००
राध्यक ४३८
राना ख २४६
राना ख २४६
रानी ख २५३, ग २६३
रान इ००
राजड़ी ड १५६
गम क ११२, क १५४, क २८६, क २३६,
क ४००, क ४४४, ग ५०७, ग ६८,
रामगीता क ५८२

रामचद्र क ३६६ रामचरित क ५६१ रामचरित मानस क ५८३ रामबना ग २४६ रामजनी ग ३९७ रामनवाइन घ २३३ रामदाना घ २७२ रामदास क ३८० रामदूत क ३८० रामनामी ह ३३१, ३४६ रामिशया क ३६७ रामभक्त क ३८० रामभोग घ २३१ रामयुग इ २० रागरस इ २८ रामरहस्य क प्रदूष रामराम ज १३६ रामराम करना ज १४६, च १६७ रामकोलास १३६ गममर घ २०६ रामसेतु च १२० गमा क १६३, क ३६७, क ४००, च ६८, थ १८२, घ १८३, भ ४३ रामानुज क ३७० रामान्न घ २७२ रामायण क ५७६, क ५८३, क ५८४ रामेश्वरम् क ५६ राय ख ३४७, ज १६४, म १५५ रायक करना ब ध्रप्र रायता ङ १३५ राल घ ४७७ राव व ४८८

त्वम् क २५६, क ३६०

रावणपुरी च १२६ रावत भ २७३ राशन ङ ३६ राशभ ग ४६७ राशि ख ६०६, च ५६ राशोश च ५७ राष्ट्र ख ३४८, ख ३७८, च १०४, च १०७ राष्ट्रचित्र ख ३१७ राष्ट्रीय ख ३५२ रास ख १३६, ग २५६, च २७० रासभ ग ४६६, ग ४६७ रासलीला ख १३६ रास्त ज ५८, ज ४०५, ज ४२० रास्तगो ज ४०६ रास्तगोई ज ४०७ रास्ताच २४१ रास्ता बन्द करना ज ७८८ रास्ता रोकना ज ७७४ रास्ते पर चलना क १५ राह ग ५८५, च २४१ राह्न ग ४१८ राहत ज ७६४ राह ताकना ज ४१३ राष्ट्र देखना ख ४५३ राह भूलना च ६६५ राही ज ६६३ राहु ग ५८५, च ५, च २३ राहुल क ४६५ रिश्राया ख ३७८ रिक्त ज ८०४ रिक्त करना च ८०६ रिक हो जाना भ २१३ रिगना ज २४६

रिगाना ज २६० रिभाना ज ४७२ रिट्टी घ ८५ रित् छ १, छ ६४ रिन ख ३६८ रिन पटाना ख.४०१ रिनियाँ ख ३६६, ग ४२४ ग्प्रिंग २७६ रिपुता ज २७६ रिम भिम छ २३१ रिमिक्तिम करना छ २४६ रिमिक्सम होना छ २४६ रियासत ख ४०७ रिवाज ज हपूर रिश्ता भः ४०३ रिश्तेदारी क ४०३ रिश्वत ख ४१६ रिश्वनखोर ख ४१७ रिस ज ६३ रिसहा ज ६४ रिसाना ज ४२, ज ४४, ज ६६ रिसि ज ६३ शिसयाना अ ६६ रिसाँहा ज ४० रिहा भ २३२ रिहार्ड भ २३० रीधना मह रीछ ग ५०० रीभना क २७४ रीठा घ ८५ रीडर ख २४१ रोढ़ ग १०५ रोता च ८०४

रीति ख १७७, ख २०५, घ ४५४, ज ६५३,

ज ६५३, म ३७०

रीन्हना सह०

रोल ज ६३१

रीस ज २६%, ज २६२

रीसना ज ४२, ज ६६

इंग्ड ग ४८

रकता ज २३२, ज ६८६, ज ७८१

रकाव ज ७⊏६

६कावट ज ७७८, ज ७८६

रकावट डालना ज ७५२, ज ७५५

रवम घ १२२, घ ४४८, घ ४४६

र्हानमणी क ४०१

रुच ज ५७४, म १२८

रचता भा १२०

क्लभ २

स्वसत छ १५५

क्लाई मा (२०

इख्नार गर्

क्रष्ट्रती ज ६३७

करण्ख ५४६

रचना ज ४६६

किचिक २६६, च १० ज १२३ 🛂 ज

१३८, ज १४५, म ११३

इचिर घ २०४, इ ४४, इ दार, ज ४६३.

ज ४७१

इन्निरता इ ४५, ज ४६७

बच्य घ २३०, ड ३३,

ज ४७१

स्ब ल ४३५

बतवा सः १७३

रुदन दे. 'पारशिष्ट क'

इदन करना ग १२०

बद्र क १६५, क २०४, क २१५, ख ६१५,

च ३३, ज २४३

रद्राच क ४०, क ४१, क ५५८

रुधिर ग ६४, ङ १०

हद्ध ज ७७७

रुद्ध करना ज ७७४

रुपया ख ३८०, ख ४२३

रुपहला ख ५५

रुपय्या ख ४२३

रमाल इ २५५

रमाली ड २५८

इस गप्रे

रुरुश्रा ग ६३६

४३ ह उभ्य

कष्ट हाना ज ६६

रूधना च ७०३, ज ७८८, भ ६३

क्र म १३, म २३

रूई इ २२२

ह्लाग इन्

स्वा भार रह

रूटना जहर

रुद्ध ज ४६६

स्वसंदर्भण, ग १५, ज ६२, अ४२२,

जी ४० ५

स्पंक ख १३३, ख १३६, म ४४६

रूबगोवता ख १५६

रुपघनाचरी ख २०३

रूप धारमा करन' एः १४८

रूपमजरी ६ २३१, घ ४३३

रूपया ख ३८०

रूपगैनना ख १६१

रूपवन्त ज ४६३

रूपवान ज ४६३

रूपांस भा प्रद स्वी घ ४३३, ज ४२२ रूमाल इ २५५ हर ज ४६६ रूल ख ३१२ रूसना ज १६ रूइ गप्, ग६ रेंकना ग ४६८, ज ५६६ रेगना ग ५३७, ज ६७६ रंगाना च ७१७ रंट ख ४१४ रेडी घ २६७ रेखता ख २०३ रेखा ख ५६८ रेखागशात ख ५५५ रेगिस्तान च ६६ रेचक घ २१६ रेजर ङ १ रेट ग १७ रेता घ श्दर, घ ३६१, घ ३८५, च ६७, च ६८ रेण्रका क ४४५, च ६० रेत ग १२६, च ६८, च २६२ रेता च ६२, च ६६ रेतो ङ ५१४, च ६८ रेलगाड़ो ङ ३⊏३ रेवती च २० रेवतोरमण क ४८० रेशम ङ २३२ रेशमो कपड़ा क २३३ रेस ब ६७३

रेसाला ख २६०

रेखाँ च १६८

रेड ख ३८६ रेहन इ ७१ रैन छ १४३ रैपर ङ २६३ रैयत ख ३७८ रोद्धाँ स ४० रोक ज ७७८, ७८६ रोक-थाम ज ७ ७८ राहना ज ७७४, ज ७७५, ज ७७६, ज ७८२, ज ७८८ रोकनेवाला ज ७५६ रोका ज ७७७ रोका हम्राज ७७७ रोग ख ४३५ रागग्रस्त स ५४६ रोगनिर्शय ख ४३६ रोगरहित ख ५४७ रोगराज ख ४२० रोगार्त ख ५४६ रोगइंग्रो ख प्रद रोगहीन ख ५४७ रोगातूर ख ५४६ रोगिया ख ५४६ रोगी ख ५४६ रोच क त २०५, घ ३१३, घ ३४६ रोचन घ १४८, घ ३५२ राचना ध २१८ रोज छ १२६, छ १३८, ज १००६ रोज़ का छ १३७ रोज़गार ज ६५२, भ २८५ रोजगारी भ २८६ रोज़मर्राख २३३, छ १३८ रोज़-रोज छ १३८

रोजा क ५०७, क ५१५ रोज़ाना छ १३८ रोज़ो ख ३६४, ज ६५२ रोजीना छ १३८ रोट ख १४६, ड१०० रोटा ह १००, ह १०६ राटा खाना भ ११७ रोड च २४० राधक ज ७७६ रोधन ज ७८६ रोधना ज ७७४ रोना ग १२०, ज ५६० राय्या घ ४५६ रोपना ज ८१४, म ३१७ रापनी करना भ ३१७ राब ब २४६, म १७३ रांबइल ज २५२, भ १७४ रोज गाँउना ज २५१ नेब गालिब करना च २५१ रोब गालिब होना ज २५० रोब जनना ज २५० रोब जमाना ज २५१ रोबदार भ १७४ रोब होना च २५० रोबेस मा १७४ रोमथ करना भ १५६ रोम क ५०४, ग ३७, ग ४० रामनकैथो।लब्द क ५०१ रोमराजा ग ५३ रोमशा ग ४६'०, इ ८२ रोमहर्पण ज २४३ रोमाच ग ४१, ३६६ श्र, रोमाचित होना का ३६६

रोमेश ग ५२३ रोर ज ५८६ गोरी इ ३२१ रोल ख २०३ रोलर ख ३१२ रोला ज ५⊏६, भ २६२ रोली इ ३२१ रोवॉग ३७ रोशन करना भ ११० रोशनचौकी ख १११ रोशनदान ङ ५३६ रोशनाई ख ३०६ रोष ज ६३. ज २५८ रोप करना ज ६६ रोषो ज ६४ रोमना ज ६६ रोह स ५०४ गेहक ज ७११ रोडवा च ७०६ राहना ज ७०६ रोहिगां क १६४, क १६८, क ३०७ श्र, ग ४६६ च ६५. घ १६४, घ २०२, घ २०४. इट २६. च २७, च २१ रे.हिस्रोश क ३०७ रोहित क २६७, ग ६४, ग ५१०, ङ ३२१ रोहिनाश्व क ३११ रोहिनी न ३१ रोड़ी ज ७११ रोह ग ५८५ रौंदना ज ८२०, भ ६३ रौजा च २२६ रौद्र ख १७६ रौनक छ र⊏७, ज ४६२, ज ४६७

रौष्य घ ४४६ रौब भा १७३ रौब जमना ज २५० रौरव क ३१६, क ३२२, क ३२३ रौरव भोगना क ३२५ रौशन ख १११

ल

लकग ७८, च १२६ लकनाथ क रूदि, क रहिल लका च १२६ लग ज ५३३ लंगड देना ज ८८१ लगड़ा ज ५३२ लगहापन ज ५३३ नगरलाना च २०४ लगी लगाना ज ७८८ लंगूर ग ४३४, ग ४२४ लगाट क १०४, ड २८१ लंगोटा ङ २५८ लगोटो क १०४, ड २५८ लवन करना ज ६८६ लॅघाना ज ६८२ लठ ज ३६४ लठता ज ३६६ लठताई ज ३५६ लब ग २२४, ग ६७७, ज ४३१, लबा ख ४१६, ज ४३८ लबाई ज ४३३ लबा-चौड़ा ज ५७३ लवान ज ४३३, ज ५७४ लबापन च ४३३ लबोतगा ख ४३२

ल बोदर क १६२ लॅहगा ङ २७५, ड २७६ लउर ड ४१७ लकड्बग्धा ग ५१४ लकड़ा ङ ४१७ लकड़ी घ १८, इ ४२३ लकवा ख प्रद, ख प्र३ लक्टी इ प्रप्र नक्षी मन ३४ लच् ए ६३२, घ ४८३ लक्षण क ३१०, ख १६५, ख ४४०, ज ११४ लक्षण जानमा क ११० लद्भपति ख ४०५ अ लच्मी क १४६, क '६३, क १६४, क ४६६ क २०२, क २६५, व ३६७, व ३००, घ७८, घ १११, घ ४०२, प ४८२, घ ४८३, ड ०० लद्मीपति क १३४, क ३६६, स्व ४-५ अ लदमीवान ख ४ ५ श्र लदम्या क ३७०, न ६४०. ग ६४२ लखना ज ७२३ लखाना ज ७२५ लखेदना ज ६७४ लगन च ५६, ज १२७, ज ३३६ लगना ज १२४, ज ७६०. भ ३२४, म ४१२ लगभग ज ६६५ लगवना इ ४२३ लगा ज १२२, ज ४०६ लगातार छ १६७, छ १६७

लगान ख ४११

लगाना च १६५, च७७६, च ८६४, च ६०२, च ६६४, भ ११०, भ ३१७

लगाम ह ३६४ लगा रहना ज ७८१

लगाव ज १४४, भ ४११

लगूल ग ४३४ लगौना इ ४२३

लग्न ग ३५३, च ५६, ज १२२, ज ३२७

लिघिमा क २६४

लघु ज ४२६, ज ४४२ ज ४६३

लघुता ज ४२=, ज ५१३, ज ६१२

लापुन्न वा ६१२ लाघुशका ग **१**१७

लघ्शका करना ग ११८

लचकना ज ८२ लचकाना ज ८३

लचना ज ८२ लचाना ज ८३

लच्छन ख ४४०, ज ११४

लच्छा ड १३४, इ ३५२, ज ६११

न्निह्य क १६३

लल्लुमन क ३७०, ग ६४२

लजवाना ज ३२६ लजाबुर च ३२२

लचाना ज ३२८, अ ३२६

नाजालुज ३२२ लंबालाज ३२२ नाजीलीज ३२३

लंडना क २०२, ज ३२१

लज्जावती त ३२३ लज्जावान ज ३२२ लज्जित ज ३२७

लिंजन करना ज ३२६

लिंडिजत होना ज ३२८ लटक ज ५३७

लटकन घ ४३८, ड ३२६

लटकनाज ७५५ लटजानाज ५०२

लटना ज १३०, ज ५०२ लटपराना क २३५. ज ७ ७

लट्ह क २७८, ज १२२ लट्डू कम्ना ज ४७२

लट्द्र होना क २७५

लङ्का ग २४७, ग ४५२

लइका-बाला स २४६ लडकी स २४८ स २६०

लङ्खद्वाना ज १७, ज ८०७

लडाई ज २७६, म १७१, म २६२. म

35€

लाइना जारदार, जारदार लागाचा चा ३६४, ना २५१ लाइना चा ३६४, जा १५५

त्ब्रु च १,६, ६ १७७

लाइमहः ह

दात जि.४

लतमदेन करना ग १५६

लगर म उ

लतग घ 👯 र

लतरो घ - ५६, घ २६२ लता घ ६, २७, घ ६२

लताबौर म ६

लातेका ५६. घ ७

लातेयाना ग १५६ भ ३२१

लत्ता ड २१८, ङ २२४, ड २३६

लयाङ् ज ३५६

623 3 XXX

लपा छ २८० लपटना ज १५२ लपसी ड १२२ लपेट ज ६६, भः ३८८ लपना ख २३१

लफ़्त ख २**३१** लब ग २४ लबादा इ २५२

लिब्धि ख ५६७

लब्धुक ग ३४८ लभना भा ३४०

लमधिन ग २००

लमधा ग १६६

लर इ. ३४६, ट. ३४६ लरसराना ज ७०७

लराई भ २६२ लब्बी ज ६३१

ललक ज १३८

ललकना ज १३०

ललकार ज ५६३, भ २६५

ललकारनाज ५.६६ ललचनाज १३०

ललचहा ज १३२

ललचानः ज ४७२

ललन ग २२४, घ ७५, घ ३६६

ललना ग४, ग२७

लला ग २२४

ललमुह्यं च ४⊏२

ललाइन ग ३०४

ललाई ख ३६

लनाट ग १६

लालामग४५२, घ ४८∙, इ ३२७. ज

880

ललामता ज ४६७

ललामी खा २६, ङ २२०, जा ४६० लालत खा १६४, खा २०२, जा ४६२

ललित कलाख १

लालिता छ, २४३, ज ४६७

ललौ**हाँ भः ३३०** लबग ङ ८८

लव ड ८२, ज ६१०

लवया क ३४६, घ २०५, ङ २८, इ ३४.

इ ४३

लब्रणता इ ५३ लबनी इ १५८ लबलीन ज १२२ लब्रलीनता ज १२७

लवलीन होना ज १२४

लवलेश ज ५०३

लवा ग ६२७, ग :६७, ह १४८

लश्कर ख ३५६. च १३२

लरतपस्त ज ७५३ लस्सी इ ५२१ लहॅदा ख २२१ लहजा छ १२४

लहना ख ३६८, भ ३०४, भ ३५०

लहनेदार ग ४२५ लहर ग ४७६, च २७二 लहरा च २७४, ज ४५

लहराना ज ३३३, ज ५४६, ज ७१६, म

३१९

लहरा ख २६६, च २७८, ज ३३१

लहलहा ज ३६, ज ४६८

लइलहाता ज ५६६

लहलहाना भी ३१६ लहसन च ३१४

लहसुनियाँ घ ४६८

लहालह ज ४६८ लहालोट ज १२२ लहुर ज ४३८ सह ग ६४ लांघना ज ६८३, ज ६८६ लाइन ज ३१४, भ ३७४ लाछित ज ३१५ लाबा ज ४३१ लाइनिंग ङ २३७ लाइबेरी च २११ लाई घ २६४, ड १४६, ङ १४८ लाकेट इ. ३४६, इ. ३४६ लाचा ड ३२४ लाचागृह च १४३ लाल ख ६३२, घ ४६७ लाखो ख ३४, म ३३६ लाग ज २७६, ज ३३६ लागडाँट ज २७६ लागत ख ४०८ मागिर होना अप्र०२ लायत ज ४२= लाचार ज १३६ साचारों ज ६३७ लाज ज ३२१ लाज करना ज ३२८ लाजवाब ज ४१८, ज ४२३ लाजिक ख ३२८ लाजिमी ज ४२१ ह्या लाठो ङ ४१७, इ ५५५ 組ま a s RA लाइप्यार ज १४५ लाइप्यार करना ज १५१ लाङ ए १७५

लादग ६८ लादना ज ७२० लानत ज ३५६ लाननमला मत ज ३५६ लापरवाह ज २२७ लापरवाही भ ३३, ज २०५, ज २२ लापरवाह होना ज २०७ ल'म भा ३०२ लाम ख ३५६, भ ३०२ लामा ज ४३१ लामिसाल ज ४१८ लायक ज ३६३, ज ३६४, ज ३६८ लायिकयत च ३६५, ज ४०० लार ग १२२ लार्डक ११२ लाल ख ३४, ख ३५, ग २४७, ग २५०, ग ६६७, घ ४७२, घ ४८४, घ ४८७, ज ह्म. ज ४४३. ज ४६८ लालकद्ध २१७ लालकमल घ ३६४ लालचंदन घ १३२ लालच ज १३%, ज १३८ लालच करना ज १३० लालचा ज १३२, ज १४० लालटेन इ४६२ लालन ग २५३ लाल । पर्च ह ८५ लालसा ज १३८, भ ११३ लाल होना ज ६६ लाला ग १२२, ग ३०३, ग ४०४ लालायित होना ज १३० लालित्य च ४६७ लालिमा ख ३६

लाली ख ३६ लाव क ३११, ग ६२७ लावएय ज ४६७ लावनता ज ४६७ लावनी ख २०३ लावल्द भ २० लावा ड १४७ लावारिस भ १४ लाश ग १५६, घ ३३, भ २१६ लासाघ ३३ लामानी ज ४२३ लास्य क १८७, ख ११७, ख ११६ लाह ग ४.७ लाही घ ४६७ लिग क ५७४, क ५७६, ग ७६ लिंग्बिस्ट ख २१५ लिकोरिया ख ५३३ लिखना ख २८८, ख २६४ लिखाना-पहाना ख २४७ लिखित ख १७० लिटरेचर ख १२६ लिराना ज ८३ लिही हर्००, इ. १०१, इ. १०२, इ. १०३ लियाइ ज ३५६ ालपटाना ज १५२ लिपि ख २२५ लिपिक ग४०५ लिपिबद्ध करना ख २६४ लिप्त ज १२२ लिप्तता ज १२७

लिप्त होना ज १२४ लिप्सा च १३१, ज १३८

लिफाफा ख ३१५ लिवास भ ७६ लियाकत ज ८७, ज ३६६ लिलाट ग १६ लिमानयात ख २१४ लिसोड़ा घ ५५, घ ५६ लिहान ज १७७, ज ३२१ लिहाफ ङ २६० लीक ग ५५४ लाख ग ५५४ लोग म्व ३३६ लाचड ज ४४५ लीचा घ ६१ लीडर ख ३३५ लोथो करना ख २८८ लीन ज १२२, म ६६ लोनना ज १२७ लीन हुना ज १२४, भ ६५ लीप देना ज ६४३ लीनगाय ग ५०४ लीलना भ ११८ लाला ख ४५. ख १६४, ग ४६३ त्तर्गा ड २६० लुंज ज ५२८, ज ५३२, ज ५३८ लंड ग ४८ ल्बिनी बाग क ४६७ लग्राठ इ ४२२ लुकवाना ज ७६२ लुकाठ इ ४२२ लुकना च ७६१ लुकाना ज ७६२ क्रकारी छ २८० लुक्क इ ४६३

लुगाई ग४, ग २२५ लुचुई ह १०० लुस्चई व २७२ लुस्वाच २७१, ज २६८, ज २०२ ल्ट जाना भ २१३ ल्टाना ख रूप्, ज ८६७ ल्टिया ३ ४४६ ज्ञटेरपन भ २०६ लुटरा ग ४१८ लुटेरिन ग ४१७ लुद्दकना ज ७०१, ज ७०२ लुदकाना ज ७०२ लुतकारो छ २८१ स्त्रत्या ज १७३ ख्रुतराई ज १६४ लुत्ती कुर⊏:, का ∙०६ तुनाई ज ४६७ ताप्त ज ७३०, ज ८०० लुबुधना ग ३४८ लुब्ध क २७८५, ज १३२ लुब्धक ग ३४८ लुमाना च १३०, च ४७२ ला छ २७१ लुक छ २८० लूका इन्हर ४६३ लूटना ख ३८४, भ २०८. भ २११ सूट लेना दे० 'ऊपर' स्ता ग ५३६ लूला ज ५२८, ज ५३२ लूलालंगड़ा ज ५३= लूह छ २७१, अ ५२८ लेहड ज ६२४, च ६२८

लेंडबा ब ६२४, ब ६२८

लेकिन ज १०१२ लालची ज १४० लेक्चरर ख २४१ लेख क २०७, ख १६०, ख २०७ लेखक ख १२७, ग ४०५, इ ३६५ लेखनी ख ३०७ लेखापाल ख ६४१ लेखिका ख १२८. ख १७२ लेख्य घ ४५८ लेनिम ह ३७७, ह ४०६ लंटना ज ८२, ज ७६५ लेटाना ज ८३ लेडवा ड १७५ लेवड़ा ग ६८ लेन भा ३०४ लेन-देन भा ३०० लना ज १८६, ज १६८, ज ६०६, भ २१०, म २०४, म ४०६ लेप म्ब ५४१ लेपन ख ५४१ ले लेना करा , क १११, क ४१२ लेश ज ६१० लेहन ङ १३६, ङ २०८, भ ३०४ लेहनाड २०८ लेहान ब १७७ लेहापाड २६० लेह्य इ ४२, ङ १३६ लैनू इ १५८, इ १६३ लोक ख ६०३, च १, च १०३, ज ६२४ लाक्जिन क ४४७ लोकतत्रख ३४० लोकाचार ख ३३१ लोकोक्ति ख २३४

लोखरी ग प्रश्प लोग ज ६२४ लोगाई म २२५ लोचग ११६ लोचन ज १६ लोटना ज ७५५ लोटा ङ ४४५ लोटाना ज ८३ लोढना ज ८६४ लोढा इ ४७४, ब ८६५ लोढिया ड ४७४ लोध ग १५६, भ २१६ लोध घ १०४, ह १७ लोन ङ २८ लोनाई ज ४६७ लोनी घ ३३७, घ ४७० लोप ब ८०१, ब ८२३ लोपना क १७१ लोपामद्रा क ४६५ लोफर ब २७१ लोफरी ज २७२ लोबिया घ र६०, घ रहर लोभ ग ३७, च १३१ लोभ करना ज १३० लोमना च १३० लोभपना ज १३१ लोभी ब १३२ लोम ग४० लोमडी ग ५१५ लोमश ग ४६०, ग ५१५ लांमहर्षण ज ५४३ लारकी उ ३३० लोल ज = ३२

लोलाक १६३ लोलप क १३२ लोलापता ज १३१ लोह ग २७, घ १४०, घ ४४८, घ ४५१. घ ४५४ लोहा घ ४५१ लोहाइन ग ३३० लोहार ग ३२६ लोहारिन ग ३३० लोहित ख ३४, घ ४८४, इ १० लोहिताश्व क ३११ लोहू ग ६४ ली छ १६६ लौंग ड ८८, ङ ३२६, ङ ३४३ लौंड़ा ग ७६, ग २४७ लौंडो ग ३८४ लौ ख २८०, ज १४१, ज ३२६ लौकना च ७२४ लौकिक संस्कृत ख २१६ लौटना ज ६७४ लौटाना च ८६६, भ ३०८ लौह घ ४५१

ৰ

विकास अ६० वर्ग घर्म्स७ वस्त ग्रेट्ट विस्त ज ह्र्स्स वद्त क ह्र्स्स वद्त क ७३ वद्तीय दे. 'परिशिष्ट क' वद्तीया घ १९२ वदी ग ३७२ बद्यध १८२ बध्य ४२५

वश क १३४, म ३००, घ ७५, घ ८०, घ

६४६, भ १

वशलाचन म २८८

वंशी ख ११२

वशाधर % ३६९

नक क २५५

वकाल भा १७६

वत् ग ४६

वस्तास्थल ग ४६

वक्त छ १, छ १५५

वक्तब्य ख २७७

वक्ता क ७८, ख २७६, ज ६३५, ज ६१०

वस्तृता ख २७२, ख २७७

वक्र भ ११०, च १७, ज ६४

वकता च ६२

बक्रोक्ति ब २७१

वर्वर ङ ४०८

वज़न अ ७२० श्र, ज ६५८, ज ६५६

वज़न करना ज ५५६

वजनदार ज ५१५

यनन लेना ज ६५६

बज्नों ज ५१२

वजह ज ६५३, भा ३७१

बज़ारत म १५४

बध्यक्षा ख २४४

वसार ख ३५७

बज़ीरा भा १५४

बंब्र क २२६, क ४०५, व ४६१, व ४८५,

ङ २३, च ३०८

वट म ६५

बद्ध स २४७, इ २५

विश्विक ग २६४

वत्स ग४६ ग४८०, भत ३०

वत्सनाम क १८४

वत्सर छ २७

वदन ग २३

वदान्य ज २०१

वद्धकोष्ट ख ४६८

वध घ ४५८

वधशाला च २२५

वधू ग २२५, ग २३३

वध्य भ २२=

वन घ ११, च २६२

वनचर अ ५५७

वनचारो ज ५५७

वनभूमि घ १०

वनमाला क १३४

वनवासी घ ३०३, घ ४३७

वनस्थलो घ १०

वनभपति भ ६५

वन्य ६ ८०, छ १२१, ब ५५६

वपन म १८६

वपन करना मा ३१४

वपुग १२

वगन ख ४६६

बमन भरना ख ५००, ज ८६६

वय इद्ध १, भ २६

वयस्का ग २७७

वयस्स ध ख १६१

वयोन्द्र भ ३४

वर गर्दर, घ ४७१, घ ३१६, क १०, इ.स.व. ३५४, ज ४२५, ज ४४०

च १००३,

उसक ख ३०४, घ २६८

वरण ग ४५० वरम ख ५२४, इ ४०८ वरपात्रा भ २८ वराग क १३४, ग ८०, इ८२, इ ८३ वरागो ड ६० वंगटिका घ ४६५, घ ६०५ बरासत भ ६ वराह क १३४, क ५५८, क ५७४, ग५२३ वरुष क २८६. क २६७, क २६८, क ५७६. च ५२ वरुणालय च २६४ बरेखय क १६५ वर्कख ३०४ बर्ग ख २६६, ग ३०० वर्गाकृत ज ८८८ वर्जन ज १८० वर्जिन ज ७७७ वर्ष्य ६०५, ज १६१, ज ७७७ वर्णा ख़ २०. ख २२५, ख ५६१, ग २८१, ज ४६२ वर्णन करना ज ६१६ वर्णनात्मक शैली ख २०६ वर्णानीय ज ३५८, ज ६१७ वर्णसंकर ग २४६ विशिक ख २०१ विशान क ४५, ज ६१५ वर्ण्ड अ ६१७ वर्तमान छ १६६, छ १७३ वर्तमान काल छ १७३ वर्तमान चौबोमो क ४८१ बर्तमान रहना भ २६१ वर्त्तिका ग६३० वर्तल घ ३०७, घ ४०१, ज ५५४

वतंलाकार व प्रदर वर्मच २४१ वर्द्रमान क ४८४, घ २६७ वर्म ङ ४०८. च १४० वर्मा ग २६२ वर्य क २७१, ग २१८, ज ४२५, ज ४४० वयताज ४२७ वर्ष छ २७, छ ३१, छ २३६, छ २४५ वर्पगाँठ छ १४७. भ २३ वर्षा छ ६८, छ ७२, छ २४३, छ २५१ वर्षाऋतु छ ७२ वर्षा होना छ २४६ वहीं ग६०६ वलय ह ३५३ वलकल घ २० वल्दं ग २५० वल्लम ब १४५ वल्लभाग २२५, अ १५६ वल्लरी इ ८७ वश घ ४८, भ १४६ वशता भ २३६ बशवती भर २३५ वशिस्य क २६४ विशिष्ठ क ४३७ ज ७३ वशीभूत भ २३५ वश्यता भा २३६ वसन ऋ ६८, छ ८४ वसनरोग ख ५१० वसतितलका ख २०३ वसन ङ २१८ वसा ग ६३, घ १०६, घ २०४ वसिष्ठ च ७४ वसीला भा ३७२

वसंघरा ग ३६७, च ६० वसुक १३४, क १६५, क २०५, क २१५, क २६७, ख ६०६, च ५१ बसुदेव क ४०६ वसुधा च १० वसुमती च ६० वस्येष क ४३८ वसूल करना ज ६०६ वस्ती करना ज ६ • ६ बस्तु ख १३६, ङ ३७, ङ ४१८ बस्त्र ङ २१८, इ २१६, इ २२०, भ ७६ वस्त्रमोचन करना च ७६६ वहन ङ ३८१ वहम ज २३१ वहशत ज १५, भ २०१ बहाँ ज ६८६ बहिष्कार च १८० बहिन्धार करना ब ८५३ बहिन्कारी अ १८६ बहिष्कृत स १६३, स ७४८ बहिन्द्रत होना व ७४६ महिक ३११, ग ४५२ वाँ च ६८६ बाह्यनीय ब १४४ बांछित स १४२ बाइसचासलर ल २७६ बादचतुर व ६१० बाइपति च १६ बाद्धांक्षयत च १०३, च ११७, च ३८३ काकिफ क १११, व १८२ वाक्ति होता व ११० बाक्य सा २३२, वा १४०, वा धनन बागीश के १२३, क १३०, च रह, च ६१० 38

वागेश्वरी क १३० वाग्देवी क १३० वागपट च ६१० वाग्मी ज ६१०, च ६३५ वाङ्मय ख १२६ वाचनालय च २११ वाचस्पति च १६ वाचा क १३०, ग २३, ग २७, ज ६२१ वाचाल ब ६१२ वाजिब ज ४२० वाजिबी च ४२० वाजी ग ४५२, घ १४६, घ ४६६ वाटिका व ६, घ १६६ बार्ण क २३=, ख ५६६, घ ४१३ बायो क १३०, क १६६, ग २३, ग २७, ब प्रद्र ज ६२१ बात क ३१३, क ३१६, ख ४४५ बातायन ग ४५२ वात्सल्य ग रैप्पर, च रे४५, च १४६ बाद ख ३२६ बादक ग ३८६ बादरायगासूत्र क ५६३ वाद विवाद स २६६, ख २७२, ग ३२६ बाद विवाद करना च २८० बादा भ ४२७ बादित्र व ६१ वादी ख ६६, म ३६८ बाद्य ख ५, ख ६१ बानप्रस्थ च ४३ बानर ग ५२४ वापसन्नाना च ६७५ वापसी व ३५१ वाविका च १०८, च ३१२

वापिस करना भ ३०८ वापी च ३०८, च ३१२ वाम क २७१, ज ६७६ वामदेव क १६५ वामन क २३४, क १५४, क १५५, क १६५, क ५७४, क ५७५, ग रू २, च ८८, ज ४३६, ज ४३७ वामाधिषातन घ ६८ वामा क १६४, ग २२५ वायलिन ख १०६ वायविद्यंग घ १२५ वायस ग ६५४ वायु क ३१३, क ३१६, क २१५, च ४२ वायुकोग च ७६, च ८४ वायुगोला ख ४७१ वायुमंडल च ३ वायुवेग छ २६५ वार क १६५, ख ६०३, भ २८० वारण ग ४३५ वारना ज ७७५. भ ४३० वारवनिता ग ३६७ वाराइ क १५४, क १५५ बारिक १३०, इन् २३, च २६२ वारिज म ४४८, म ४६४, म ६०५, ङ ८८ वारिद घ १२३, ङ २३, छ २३६ वारिध च २६४ वाक्षणीं क २६६, घ ४८२, ङ २०५ वार्ता क १६४, ज ६२१, म ३८५ वार्तालाप दे॰ 'बात', 'बातचीत' वार्तालाप करना ज ६२३ वासिक ग २६४ वापिक घ ४०३, छ २८ वाधिकी घ ४०१

वालिद ग १७४ वालिदा ग १७७ वालिमीकि क ४६० वाष्प ग ११६, छ २६२ वासती घ ४०३, घ ४०४, घ ४१५, घ ४३१, घ ४४१, छ २२२ वास क ३१३, क ३१६, ङ ८२, ङ २१८, च १२६, च १४०, च २२३ वासकमञ्जा ख १५८ वासर ड ३२ वासी ज प्रप्रप वासिक क ३२८, क ३२६ वासुकी क ३३०, ग ५५६ वासुदेव क १३४, क ३६६, क ५५=, घ ६६ वास्कट ङ २४७ वास्तविक ज ४०५ वास्तविकता च ४०५ बास्तु घ ३३०, च १४० वास्तुकला ख ६ वाहन क ३११, इन्६७८ वाहिनी ख ३५६ विदु ख १४३, ख ५७३, ग १४ विध्याचल क ५८, च २५७ विकिपत होना ज १७, ज २४५ विकच ड ३८२ विकट क १६२, ज २४३, ज ३७८, ज ४२५, ज ६५८ विकटता ज ४२७ विकटमार्ग च २४३ विकराल च २४३, ज ६५८ विकर्षण क २८१ विकलंग २७४, ख २२६

विकलता दे० 'परिशिष्ट क' विकलाना च १८ विकसना ज ४१, भ ३१६ विकार ख ४३५, ख ४४१, ज ३६७ विकृत ख ५४५, ज १५४ विकृत करना न ६४३ विकृति ख ४३५, ख ४४१ विक्रम क १३४. क २८० विकय भ २६२ विकात भा २७३ विचित्त ज २२६, ज ३३५, ज ३४० विद्येप ख १६४ विख्यात ज ३४६ बिगत ज ८२७. ज ६७७ विगतवर्ष छ ३२ विषद्द क २२, ग १२, भ २६२ विग्रह करना ज ८५३ विध्न ज ७८६ विष्नकर्ताज ७७५ विध्न डालना ज ७८८ विध्ननाशक क १६२ विचन्नस्य क १७ विचल ज १३ विचलन भा १७५ विचलना ज ७०७ विचांलत ज १२, ज १३ विचलित करना च १२६ अ विचलित होना क २=०, ज १७, ज ६६५, ज ७०७ विनार स २४८, ज २, ज २६४, भ ४२७ बिचारना ज ३६६ त्रिंचित्र घ ६८, ज ४१८ विस्तित छ १६६

विच्छेद ज ८५६ विञ्ज'ह ज ८५६ विजन इ ५७३, च २२७ विजन हुलाना भ ३८० विजय क १४५, क ३३८, क ४१७, ज २८८ विजय करना भ ४१७ ।वजपा क १६४, क ४३१, घ १२४, घ २४७, घ २०२, ड ५६. ड २०४, ह्य २०६ विजयादशमा छ २०६ विजयी ज २६० विजयो होना ज २६३ निजित करना ज २६१, ज २६३ विजित होना ज २६२ विजेता ज २६० विज क १७, ख ६५०, ज १११ विज्ञप्त ज १२१ विज्ञानि च १२२ निक्र'न क ५३४. ख र⊏१, ज १०३ विज्ञापन ज ६२२ दिशाधित ज र२६ विज्ञापा च १५० विट ग २६४, इ ३० [†]वटप घ २ **ावेद्रल क १३४** विडाल ग्राप्र २१ विडालाच् घ ४६८ विडौजा क २२५ वितल क ३३६, क ३२७, क ३२८ वितान क मार, ड २६५ वितुद्ध ग ४३५ विस ख २८०. ख ३८१, भ १८७ विदारमा भ २६२

विदारित करना ज ६३४, ज ६३६ विदारीकंद घ १६४ विदीर्गा होना च ६३७ विदेश च १०५ विदेह क ३७६ बिद्ज १११ विद्व च १७२ विद्यमान भ २५७ विद्यमानता भ २५६ विद्या क १८, क १६४, क २०२, क ५५८, क प्रेप्त, ख र, ख र्र्प्ट, ल ६१६, घ ११४ विद्याघर क २०३, क २४३ विद्यार्थी ख २४२ बिद्यालय ख २७४, च १६६ विद्यति छ २५४ विद्यन्माला ख २०३ षिद्रम घ ६०२ बिद्रोह च २७६, भ १७५ बिद्रोही २६ १७६, में १७७ विद्वान क १७, ख २३६ बिद्वेष च २६२, च २७६ बिद्वेषया स २७६ विवंसना क १७१ विषया ग २७१, भ ४८ विषवापन मा ४६ विधाता क १२३, क २६८ विधात्री क १३० विधान क १५७, क ३७० विधान करना च ६४४ विचायक ल २८७, च ८१६ विधि स १६०, ख २०५, च ४६, फ १५७, ¥ ₹७5

विध् क १३४, क ३०७ विधर ग २७४ विध्वदनी भ ५६ विध्वस क १७२, अ ८२३ विध्वसनाक १७१ विध्वसनीय क १७३ विध्वसी ज ८२४ विध्वस्त ज ८२५ विनता क ४५१ विनती दे० 'विनय' विनती करना भ २४८ विनम्र घ ११०, ज ७८, ज ८५ विनम्नता ज ८० विनय ब ८०, ज १७६ विनय करना भ २४५ विनय पिटक क ५६२ विनयशील ज उप विनयी ज ७८ विनश्वर ज ८३२ बिनष्ट अ ५६८, अ ८२५ विनष्ट होना न ५७० विनायक क १६२ विनाश क १७२, अ ८२३ विनाशक क ४४७, भ १६७ विनाश होना च ५.७० विनाशी व ८२४ विनासना ब ८१६, क २१८ विनिमय भ ३०० विनीत घ ४२४, ज ७८, ज ८५ विनोत होना च पर विनोदशील ज ४८ विनोदी ज ४८ विष्व्ता म २८३

विपद्मी ग २७६, ज २८४ विपत्ति ज ५० विपरीत ब ४२१ विपरीतता ज २८३ विपर्यय ज ८४१, भ ४०० विपर्यस्त भ ४३७ विपिन घ ११ विविनविद्वारी ज ५५७ विपुल क ४८३ विप्लाच ६० विप्रगरदर, घ६६ विप्रलभ ख १८०, ज ८५६ विष्लव भा १७५ विप्लवी भ १७६ विव्ध क २०७ विभक्त ख ६४४, ज ८८८ विभक्त करना ज ८८७ विभिक्ति च ८५६, ज ८८६ विभव स्व ३८०, ज २८८ विभा हा २८७ विभाकर क ३११, क २६७ विभाग ख ६४३, च प्पट विभावक ख ५६६ विभावन ८८६ विभाजन करना च ८८७ विभागित ल ५४४, ब ८८८ विभाषित करना ब ८८७ विभात छ १३६ विभावरी खु १४३, खु १४५ विभिन्न च ८५५ विभीषया क ३८६, घ १२१ विश्व व १३४, क ११२, क १६५, क २२६, ग प्र. ग ७, च ४२५

विभुता ज ४२७ विभुद्धा दे० 'भूख' विभू चित होना भ ११६ विभूति क १६३, क २६३, क २६८, ख ३८० विभूषित ज ४७३, ज ४७४ विमंडित च ४७३, च ४७४ विमाहित करना भ ७७ विमर्श ख १४५ विमल घ ४४६, घ ६०६, ज ४१४, ज ४६३ विमाता ग १८० विमान क १३४, ग ४५२, ङ २७६ विमुख ज १२३ विद्योहन क २७६ विमोइना क २७४, च १३० विमोहित क २७८ विमोहित करना क २७४. च ४७२ विमोहित होना क २७५ वियत् च ३ वियुक्त स दभ्भ वियुक्त होना च ८५४ वियोग ख १००, ज ८४६ वियोगिनी म २६६ वियागी ग २६८ विरचिक (२३ विरक्त च १२३, च १८१ विरक्त करना क २७६, च १२३ 📆 ब १२६, ब १२६ विरक्त होना क २८०, ब १२५ विरक्तिक २८१, व १२८, व १४८ विरक्ति लाना च १२६ विरक्ति होना च १२५

विरचित क १२७, ख १७० विरत ज १२२ विरद ज ३५१ विरद गाना ज ३५६ विरत ङ १५६, ज ५०८ विरलता ज ५१० विरस भ ३४२ विरह ज ८५६ विरहतप्ता ग ३६६ विरिहणों ग २६६ विराग होना क २८० विरागो क १८०, ज १८१ विराट ग २६२, ज ४२५ विगाः कुमारो क ४२१ विराटता ज ४२७ विराम ज ७६४ विराम लेना ज ७६५ विरुद्ध जरूद, ज ४२१ विषद्धता ज २७६ विरूप घ ४७७, ज ४६५ विकाता व ४६८ विह्नयाचा क १६५, क ३४७ विरोचन क २६७, क ३०७ विरोजा घ १७४ विरोध ज २६२, ज २७६, ज २८३, 43 £ 8F विरोधो ग २७६, ज २८४, ज २६० विलंब ज ४५१ विलंब करना छ १६०, ज ४५२ विलच्या च ४१८ विलब्णता च ४१६ विलग च ८५५, च ६७७ विलगना च ८५४

विलगाया च ६०३ विलपना ग १२० विलाप करना ग १२० विलायत च १०५ विलास क २८७, ख १६४ विलास करना क २८६ विलासिनी भा प्र विजासी ज ३०२ विलान ज १२२, ज ८००, ज ७३० विलीन होना ज १२४ विलोडित ड १६२ विलोम क २८६ विवर च २५०. च २५१ विवर्ण ख ३०० भिवरण देना ख २६२, ज ६१६ विवर्ण भ ३४२ विवर्तज्ञ ६२४ विवश ज १३६ विवस्वान क २६८, घ १०० विवाद ख २६६, ख ३२६, ज ६४३ विवाद करना ज २८० विवादी ख ६६ विवाह क ६८. ग १५१ विवाहना भा २४ विवाहित मा २५ विवेक दे० 'ज्ञान' विवेकी ज ३६३ विवेचन ख २०६, ब २११, ख ३०० विवेचनाख २०६ विवेनना करना ख २६२ विवेचनात्मक शैली स २०६ विशद ख २८ विशाला च २७, च ४३

विशाग्द घ ४२०. ज ३६३ विशिख इ ४१२ विशुद्ध ज ४१४ विश्वचिका खप्०८ विशेष ख १६० विशेषकर छ १६८ विशेष होना ज ६१७ विश्राम ज ७६४ विश्राम करना ज ७६५ विश्लेष ज ८५६ विश्वभर क ११२, क १३४, क २२५ विश्व क १३४, क १६५, ग७, ग१२, ड २०, च ४二, च १०३ विश्वकर्मा क ११२, क १२३, क २५२, क रहा विश्वनाथ क १६ ६ विश्वविद्यालय ख २७४ विश्वसनीय ज २५५ विस्वस्त ब २५५ विस्वामित्र क ४६६, क ५७८, च ८३ विश्वावसुक १३४, क २४४, क २४५. क २४६ विश्वास क २०७, ज २५३ विश्वास करना ज २५४ विश्वासघात व २५७ विश्वासघाती अ २५६ विश्वास्पात्र अ २५५ बिश्वासी ज २५५ विश्वेश्वर क ११२, क १६५ विष क १८३, ग ५६३, घ ४७८, च २६२ विषसपरा ग ५२७, घ १७५ विषधर ग ५५८ बिधम ख २०२

विषमता भ ३६४ विषय ख २६७, ख ३८०, च ज २६६ विषय-वासना ज २६६ विषयी ग १३४, ज ३०२ विषवैद्य ख ५४२ विषाण ख ११०, ग ४३२ विषाद ख १८५, ज २२४ बिष्ठा ग ११५ विष्णु क १२२, क १३४, क २०६, क २१५, क ३११, क ५७४ विष्णुलोक क २३८ विसर्गं ज १६५ विसर्जन ज १६५ विसर्जन करना क ३६ विस्चिका ख ५०⊏ विस्तार क १६५, ज ४३५, ज ५७४ विस्तार देना ज ८७० विस्तीर्ग ज ४२५. ज ५७३ विस्त'र्गाता ज ४२७, ज ५७४ विस्तृत च ४२४, ज ४३४, ज ५७३ विस्तृता अ ४२७ विस्कोट ख ५१०. ख ५२२ विस्कोटक ख ४१० विमाय स १८६, भ ४३८ विस्मयकारी भ ४३६ विस्मरण व ८३५ विस्मरक होना ज ८४३ विस्मृत ज ८४२ विस्मृति ब द्ध्य विस्मृति होना ज ८४३ विश्मित ब ६०६, भ ४४० विहंग ग ५६८, ङ ४०८, छ २३६

विहंगम क २९७, ग ५६८ विहॅसना ज ६३०, ज ६३२ विहग क २६७, क ३०७, क ३१३, क ३१६, ग ५६८, ङ ४१२, छ २३६ विद्दान छ १३६, छ १८६ विहार दे० पशिष्ट क विद्वारी क ३६६ बोचिच २७८ वोगा क १३३, ख ६७, ख १०८ वीरापासि क १३० बीथिका च २४५ वीथी ख १३५. च २४५ वीभत्स ख १७६ वीर क १६५, ख १७६, ख ३६४, ग २१४, ग २२४, ग २५०, घ ८६, घ १७३, त्र ३६७, व ४१०, व ४१६, इ. १६७, क ३०६, भ २७३ बोरता मा २७५ वोरान च ५६८ बोर्य ग १२६, घ ३२, भ ३८, भ २७७ बोर्यवान भा ४० वीर्यस्वो च २१६ बोर्यडीन भ ४२ वंद ख ६३५ बुन्दावन क ५८ वृक क ३११, ग ५१४, ग ५१८, ग ६५४ बुकोदर क ३१८, क ४२५ ' बृच्च भ २ वृत्त स्व २०१, व ५५४ बुसाकार व ४८४ पृत्ति व १ कुत्रहा क २२५ बुद्ध व १३७, भ १४

बुद्धा व १७६, म ४५ वृद्धावस्या भ ३५ वृद्धि ज २८८ वृद्धि करना च ११७ वृश्चिक च ५८, च ६६ वृष क ३६६, ग ४८३, ग ५३२, घ १४६, च ५८ बुषभ ग ४८३, च ६० वृषभानुका क ४०० बुधल ग २६६, ग ४५२ बृध्टि छ २४५ बृब्धिः क २२५, क ३११, क ३१३, क ३६६, ग ४६०, छ २३६ बृहद क ३११, ज ४२५ बृहदता च ४२७ बृहदारएयक क ५५६ बृहद्रथं क २२५ बृह्जला क ४१७ बृह्स्पतिवार छ ११५, छ १२० वेग छ १५८, ज ४, ज ४४३, ज ४४४ वेगवान होना च ६७२ वेगा ग ४२ वेशु सा ११२, घ ८० वेतन सा ३६५ वेद क प्रथ, क प्रेट, ख प्रश वेदध्वनिक १६ वेदना क ३२६, ब ५० वेदपाठी क १०१, क ५४२ वेदमाषा क ५३६ वेदमश्र क ६२, क ५४१ वेदविदित क ५४० वेदन्यास क १५४, क ४६१ वेदसम्मत क ५४०

वेदाग क प्र३५, ख ६०० वेदात क प्रदर वेदातसूत्र क ५६३ वेदाती क प्रद्र वेदाध्यायी क ५४२ वेदोक्त क ५४० वेपयुक्त ५३० वेश स १४७ वेश्या ख १२४, ग ३६७ वेष ख १४७, ज ४६२ वेष धरना ख १४८ वैजयत क २३१ वैचयती ङ ४०२ वैतरणी क ३२३, क ३२२ वैतरणा पार करना भ २३३ वैतरग्री पार होना म २३१ वैदर्भी ख १६४ वैदिक क ४, क ५४२ वैदिक संस्कृत क ५३६, ख २१६ बैदुर्य घ ४८१, घ ४८६ बैदेही क ३६७ वैद्य ख ४३०, ख ५३८ वैष म १८० बैधव्य भ ४६ बैनतेय ग ६०६ बैभाग ख १८० बैननम्य स २७६ वैमनस्य होना ज २७६ वैयाकरच सा २१७ बैवस्बत क ३१७, क ३१८ वैशाय क ६६, व २८० वैशाल हा ४१ वैशासनदन ग ४६७

वैशेषिक क ५६२ वैशेषिक सूत्र क ५६६ बैश्य ग २६४, च ४८ वैषाख छ ७० वैषानस क १०६ वैष्याव क ५, क ७ वैसे ज १००२ व्यग्य ग ७९, ज ६३७ व्यग्य कसना ज ६३८ व्यक्ष्यात्मक शैली ख २०६ व्यजन ख २२६, घ १८६ व्यजना ख १६५ व्यक्त करना च ७६६ व्यक्ति भ ४०४ व्यक्तिगत भ ४०५ व्यम्र ज १३, ज २२६ व्यजन ङ ५७३ व्यतिक्रम भ ४०० व्यतीत अ ८२७ ब्यतीत करना छ ३ व्यतीत होना छ २, च ८२१ व्यथा क ३२६, ज ४० व्यथित ज ५२ न्यामचार च २६६ व्यभिचारिया। भ ६६ व्यभिचारो ज ३०२ ब्यय ख ३८७ व्यय करना स्त ३८५ व्ययो स्व ३८६ व्यर्थ ज ४२१इ व्यवधान ङ ४६७ व्यवसाय भ २८५ व्यवसायो भ २८६

व्यवस्था भ १५७, भ १६१ व्यवस्था करना भ १५६ व्यवस्थापक ख २८७ व्यवहर्ता ग २६४ व्यवहार ज २६४, भ ३०६ व्यवहार करना ज २६५ व्यवहारी भ २८६ व्यहिट के ४०४ ब्यस्त ज १२२, ज २२६. ज ३३२ व्यस्त रहना ज ७८१ व्याकरण क ५५५, ख २१६, ख २३७ व्याकरणावेत्ता ख २१७ व्याकुल ज १३, ज २२६ व्याकुलता ज १६ व्याकुल होना च १८ व्याख्या ख ३०० व्याख्या करना ख २६२ व्याख्याता ख २४१ व्याख्यान ख २७७ व्याख्यानदाता ख २७६ व्याधात ज ७८६ व्याचात डालना ज ७७४ ब्याव ग ४६४, ग ४६७ व्याज ख ३६७ व्याबोक्ति ख १६० ब्याघ ग २६६, ग ३४८ व्याधि ल १८५, ख ४३८, ख ४६४, ख ५० व्याधिप्रस्त ख ५४६ व्यापक क ११२ व्यापार भ २८५ व्यापारिक भ २८६ ब्यापारी भ २८६ व्यायाम ह ३७३ स्त्रा

व्यायामशाला च २१७ व्याल म्ब ३४६, ग ४३५, ग ४६७, ग ४६४, ग ५६८, च ३६ व्यावसायिक भ २८६ व्यास शैली ख ३०६ व्यास १६०, च ३, छ २३६ प्रज्या ज २८७ व्यास ५२२, ख ५२६ व्यास ६१२, क ५३ व्यास ३२१ वीडानत च ३२७

श

शक ज २३३ शंकना ज २३४ शंकर क ११२, क १६५, ग २४६ शंका ख १८५, ज २२४, ज २२६, ज २३३, ज २४६ शकाकुल ज २२६ शांकत ज २३७ शकित होना ज २३४ शाख क २६६, क ३२८, क ३२६, क ३३६, ख ६८. ख ६३६, ग ४४५, घ १२०, ब ४६४ शलचूड़ क ३३६ शंखपुष्पी ह १८ शंड ग ४८१, ग ४८३, भ २० शंबुक च ४६४, घ ६०३ शमुक १६५, क १६८ शक च २२६, भ ४०

शकट ग १२, इ ३८२ शकर छ १७२ शकरकद घ ३०८ शक्त ग २३, ज ४६२, ङ ८३ शक्तग ५६८ शकुनि ग ५६८, ग ६४६ शक्कर ३ १७१, ङ १७२ शक्करपाला ड १८१ शक्ति क १६३, क १६४, भ्र ३८, भ्र ३८७ शक्तिवान भ ४० शक्तिहोन म ४२ शक्य होना ज ६५६ शक करेंध्, करेंद्र, च ४५ शकधनु छ २५२ श्रद्धीक २७० शकारिक ३६३ शक्त ज ४६२ शक्म भ ४०४ शगुफा म ३८१ शची क २२७ शर्चीपति क २२५ शठ ख १५२, ग २२६, घ ११०, ङ १० शरा घ १२६ शास्युध्यिका घ २५३ श्व स ६२८, स ६२६ शतक छ २६ शतकोटि क २३६, ख ६३५ शतदल घ ३८८

शतपय क ५५४ शतपद ग ५४२

श्वतपदी ग ५७४

शतपर्वा क ४५४, घ ११६

शतरंब दे० परिशिष्ट क

शतानंद क १२३, क १३४ शताब्दी छ २६ शतायु छ १३५ शतावर ङ २० शतावरों क २२७ शतार्बद ख ६३५, ख ६३७ शतीख २६ शत्रुग २७६ शतुब्न क ३७५ शत्रुता ज २६२, ज २७६ शत्रुता होना ज २७६ शत्रताइ ज २७६ शत्रदमन क ३७५ शत्रहन क ३७५ शिनिक ३००, च ५, च २१ शिंश्चिर च २१, छ १२२ शनिवार छ ११५, छ १२२ शनै सने, ज ४५० शाय ज १४. में ४२३ श्वायांना म ४२४ शफताला व ३२१ शका भारह शफालाना ख ५४३ शफामुम ग ४६% शकां क ५ (४) क ५२७ शाबनम इ.४०२, छ, २४६ शबरी 🛧 ३८८ श•द ख ६४, ख २३१, ज ५८८, ज ६१४ शब्ददोप ख १६६ श•दवेधी क रे६८. क४१७ श्रन्दालकार ख १८८ शम ख १८६, ज ६, ज १४ शमन प २५८, ज १४

शमंशेर ङ ४०६ शमी घ ७८ शयन ङ ५०२. च ७६४ शयन करना ज ७६१, च ७६५ शयन कराना च ७६३ शयनागार च १४६ शयालु ग ५१६ शर क ३४६, घ २०६, ङ ४१२ शरठ ग ५३० शर्या भ २०२, भ २३५ शरत् छ २७, छ ७७ शरत्काल छ ७७ शरलद्म् ध ३६७ शरापुष्प अ ४२५ शरद छ २७, छ ६८, हा ७७ शरन च १४० शरबत ङ १४१ शरवती ख ३७, ख ३८, ख ५५ शरम क ५५८, ग ४४६, ग ४५०, ग ५०७, ग ५४६, ग ६३१ शरम ब ३२१ शराफ़त ब २६७ शराब ङ २०५ शराबलाना च २०८ शरारत च २६६, च २७२ शरारती च २७१ शरासन ङ ४०६ शरीक ग ४१६, भ ८६ श्रदीक होना भ ८७ शरीफ़ा व ५८ शरीर ग १२, च २६८, च २७१ श्रदीरत्याग ग १५४ शरोरपात म १४४

शरीर पोंखना भ ७१ शरीरान्त ग १५४ शरीरी ग ५, ग ६ शर्भरा ड १७२, च ६६ शर्म च १४०, ब ३२१ शर्मवाना अ ३२६ शर्म से गडना व ३२८ शर्माना च ३२८ श्मिंदगी ज ३२५ श्रमिन्दा च ३२७ शर्मिन्दा करना अ ३२६ श्रिमिन्दा होना च ३२८ शर्मीला ज ३२२ शर्मीली ब ३२३ शार्व क ११२. क १६५ शर्वरो ख १४१, ख १४३ श्राल क १२३, ग ५३५ व १०३, ङ ४१४ शलगम घ ३०७ शलबम घ ३०७ शलमग ५४४, ग ६३१, ग ६६६, ग ६७० श्रुलाका रू ४१२, रू ५१६ शलाद घ ३४० शहय ग ५३४, च ५२, ङ ४१४ शल्विकया स ४३४, स ५४० श्रह्यशास्त्र ख ४३४ शव ग १५६, छ १४३, भ २१६ शवदाह ब ८३० शवर ग ५१० शवरी क ३८८ शश म ५०७, ग ५१६ शशक क ३१०, ग ५१६ शशबर क ३०७ रायांक क १०७

शशिक ३०७ शशिकात घ ६०० शशिधर क १६५ शशिभाल क १६५ श्राशिखर क १६५ शस्त क ४५ शस्त्र घ ४५१, इ. ४०१ शस्त्रध शस्त्रिकया ख ५४० शस्त्रागार च रद्य श्वस्य घररप शस्यहीना च १०० शहंशाह ख ३४६ शह ग २६४ शह्लादा ख ३५४ शहनादी स ३५४ बह्त ङ १२ बहतूत घ ६४ शहनाई साहत, सारश्र बहर च १३५ शहरपनाइ च १३६ शहराती व ५६२ शहरातीयन स ५६३ शहरी स प्रश. स प्रश्र शहादत ऋ १६१ शहाब क ३४८, स ३४ शांडिस्य क ५५८, व ५२ श्रांत ख १७६, छ १६५, च ११, ब प्रम, ब १३६, ब १६१, ब ६०३, अह १३८ शांत बरना व ७२ क्षांतन म ३७२ श्वाता च ४४, च ७८, च ११४

शांतिक ४८०, छ १६३, ज १८, ज ३३. ज १३३, च ६०५ शातियक्त ज ७ शाकमरी क १६६, क २०२ शाक प ३२६, व् १०४, च ६३ शाकल क ५४७ शाका ङ २६ शाक्त क ५, क ६ शाक्यमूनि क ४४७ शाल व १८६, ब ८७६ शाला ल २६६, घ १६, घ ८७६ शास्त्रामृग ग ५२४ शाखी घर शागिर्द स २४२ शागिटी ख २४३ शाद च २८५ शादी ग १५१ शादी करना भ २४ शादल ग ४८३, घ ११४ शाय व १७२ शापप्रस्त ब १७५ शाय देना स १७४ शापित म ५६, म १७५ शावर इ १७ शाम छ १४१ शामियाना च १३१ शामिल भ ८६ शामिल होना म ८७ शायक रू ४०६, ब १४० शायद छ ८, छ १६५, च ६७३, च १००४ शायर स १२७, स १७१ शायरा सं १७२ • श्रायरी स १६८

शायरी करना ख १६६ शारंग ग ६१५ शारद ४ ३६७, छ ७८ शारदा क १३०, घ १४६, घ १६८, छ ७७ शार्रादक घ ४२० शारदीय छ रू, छ ७८ शाग्काग ६२४ शारीरिक ख ४३६, ग १२ श्र शारीरिक रोग ख ४३८ शार्क्न क १४२, घ ३१५ शार्दल ग ६६७, ज ४७५, ग ४६४, ग ४६७, ग ४६६ शादेनविकीडितं ख २०३ शाल घ २. घ५०, घ७५, ड २६१, ट २६३ शाला ग६२४, म १, च १४०, च १४२ शालि घ २३० शालिप्राम क १५६ शालिहोत्र ग ४५२ शालोन ज ७८, ज ८५, ज ३०० शाल्मली क १६०, क ३२२, ग ६०६, घ १२५ शावक ग ४३१, ग ६०५ शाश्वत क २१६ शासक ख ३६८, भ १५० शासन ख ३४८, भ १४८, भ १८८, म २२४ अ, म २४० शासनकर्ता ख ३६८ शासित भ १५२ शास्ता के ४४६, ख ३६८, क १५० शास्ति भ १४८, भ २२४ श्र शास्त्र क ५३४, ख ४२८

शास्त्रज्ञ क ५३६

शास्त्रो ख ६५० शास्त्रीय क ५३७ शास्त्रोक्त क ५३७ शाह ज ४२५ शाहलर्च ख ३८६ शाहज़ादा ख ३५४ शाह्नादो ख ३५५ शाही स्व ३५० शिजना ङ ४१० शिबो च २६३ शिकम ग ५२ शिक्षवा भा ३४५ शिकस्त ज २८६ शिकस्त खाना च २६२ शिकस्तगी ज २८६ शिकस्त देना ज २६१ शिकायत ख ४३५, ज १५६, भ ३४५ शिकायत करना भ ३४६ शिकार ङ ३७३ श्र शिकारपुरी ज ३६४ शिकारी ग ३४८, ग ४१३ शिकारी काट ङ २४८ शिक्त छ २३। शिदाक ख २४१ शिच्या ख २३८, ख २५७ शिक्तगालय ख २७४ शिद्धा क ५५५, ख २३५, ख ख २३८ शिदायीं ख २४२ शिद्धा-दोद्धा करना ख २४७ शिचा देना ख २४७ शिद्धा पाना ख २४६ शिदालय च १६६

शिक्तित ख २३६ शिचित करना ख २४७ शि चित होना ख २४६ शिखड ग६११ शिखडिनो घ ४०४, घ ६०६ शिखर्डा क १३४, क १६५, क ३६६, ग६०६, ग६४४, घ४०४ शिखर ग ४२, च २४६ शिलरणी घ ४४१, ड १२७ शिखा ग ४२, ग ४८१, ग ६११, छ २८० शिखरो घ १६६, च २४८ शिखि क २२६, क २७१, क ३११, ग६०६, ड ४०३, च २२ शिखिध्यन क १८८ शिखिन ग ६११ शिखिवाइन क १८८ शिखों क २२५, क ३११, ग ૪પ્ર૨. ग ४⊏३, ग ६०६, ग ६४४ शिखीम् स ३०७ शिवस्त २८ शिताप्रव घ ६०० शिति ख ३० शितिकठ क १६५, म ६०६, म ६१५ शिर्थिल छ १६५, च ११, ज ज ७५३. भ ४२ शिथिल क(नाज २६१ शिथिल होना ज २६२, ज ७५१ शिष्यलता छ १६३, ज १४, ज ४४६, न ७५२ शिंगिलाना ज ७५१ शिक घ ५ शिका व १३, व १६, इ ६१ शिभादह घ ६५

शिंबी घ ३१ शिया क ५०६ शिर ग १३, ग १०१ शिरकत ज ८६१ शिरकत करना भ ८७ शिरकतो ग ४१६ शिग्फ्रन ए ३२८ शिरमौर ८ ३२८ शिरवानी ङ २४८ शिरशूल व ४८६ शिरा ग ६७, च २७७ शिरीप घ ७० शिरोभूपण ह ३२८ शिरोमांख ड ३२८ शिरोवह ग ३७ शिलाघ १५७, ब ८, च २४७, च २४६, च २५० शिलाक्य च ६८ शिलाज घ ४५१, ङ 🗅 शिलाजनु घ ४६६, ड 🖛 शिलाजीत इ ८ शिलातमन घ ८५१ शिली ग ५३७ शिलीमूख भ ६७७, ड ४१२ शिल्य भ्य ३५३ शिल्पक ख १३४ शिल्पकार ग ४०६, भ ३२२ शिल्पकारिका स २७७ ।शल्पको ग ४०६ शिल्पराट क २५२ शिल्पिक क १६५ शिल्पों ग ४०६, भ ३२२ शिल्पीशालाच २१४

शिव क ११२, क १६५, क ५७४, ख ६०५, म ४४, घ ⊏२, घ १७७, घ ४५६. ड ३२, ड ३०६, च ३३ शिवकाता क १६४ शिवकारिग्रीक १६४ शिवगण क ४८० शिवगीता क ५८२ शिवचतुर्दशी छ २१६ शिवता ग ह शिवद्रम घ ५२ शिव पारिषद क १८० शिवपुरी च ११३ शिवप्रिया क १६४, घ ४६६, घ ६०८, ₹ 402 शियक्त घ ५२ शिवरात्रि छ २१६ शिवलोक क २३८ शिववल्लभा क १६४, घ ३६८ शिववीर्य घ ४५६ शिवसुत क १६२ शिवसुतवाइन ग ६०६ शिवसुन्दरी क १६४ शिवाक १८५, क १६४, ग६, ग ५१३, ष ७८, घ ११४, घ १८२, ङ २६, इ २०४ शिवाच घ ६०६ शिवात्म ब ङ २६ शिवालय क १६ शिवाला क १६ श्चिविका ङ ३६०, ङ ३६२ श्चिविर च १३१, च १३२, च १४०, च १७३ शिशिरघ १७३, छ ६८, छ ८२

शिशिरात छ ८४ शिशु ग २४७, ग ४२२, ग ६०५, भ ३० शिश्रमार क ३९६, ग ५८२ शिष्टन ग ७६ शिष ग ४२ शिषा ग ४२ शिष्ट ख २४२, ज ११, ज ७८, ज ३०० शिष्टता च ८०, च ८७, च २६७ शिष्टाचार ज ८०, च २६७, ज ३४२ शिष्य ख २४२ शिष्यता ख २४३ शोकर च २६३ शीव छ १५६, ब ४४३ शोवता छ १५८, छ १६२, ज ४४४ शीत ख ४७५, म ५६, म ७०, म १८६, छ २५६, छ ५४६ श्रीतक ज ४४५ शीतकाल छ ७५, छ ८० श्रीतल च १३०, घ १३७, घ १५८, घ १८५, घ ४०६, भ १३८ शीतल करना भ १४० शीत लगना भर १४५ शोतल चीनी ह १६ शीतलता भ १३६ शीतलबुकनी छ १५० शोतल होना भ १०२, भ १४२ शीतला ख ५१०, घ ११४, घ १२८, च ६६ शीतलाबाइन ग ४६७ शीतलाष्टमी छ २१७ शीतवल्कल घ ५१ शीतांशु घ १५७ शीता घ ११४, घ १३८, छ ८२, क ३१४ शीरी घ २०६, क ४४

शोरीनी ङ ४५ शोर्ष ग १३, ग १४, ग ४२, ग १०१ शोर्षग्रह ङ ४०२, च २२ शोर्षप्री घ ७० शोल ब १, ज ८७ शोलगर्विता ख १५६ शोलवा च २६७ शोलवान च ८५ शोश ग १३

शोशा घ ४५⊏, घ ६०१, ड ३२६ शीशो ङ २ शोष ग ४२ श्ंठि ड २४ शुड ग ४४२ शुडाल ग ४३५

शुद्धी ग २३६, ग ४३५

शुक्त ग ६१७ शुक्तक घ ७७

गुकतुहक रू ३१०, रू ३११

शुक्तिपढो घ २६३ शुक्तिप्रय घ ३५, घ ७०

शुकांत्रया घ ४०, घ ४१, घ ७७

शुक्रपुष्प घ ७७ शुक्रपःल घ १०० शुक्रशिवा घ २६३ शुक्रुल ग २६० शुक्ति घ १२०

शुक्तिज घ ४८३

शुक्र क ४७७, गध्य, ग १२६, च ४,

च २०, छ ४३ शुक्रगुजार ज ३२, ज २६५

शुक्रवार छ १४५, छ १२१

शुक्र शिष्य क ३४६ शुक्राचार्य क ४५३ शुक्ल ख २८, ग २६० शुक्लपच्च छ ८७, छ ८६ शुक्रपञ्जवेंद क ५४८ श्र

शुक्रा ग २६०ं, घ १६३, घ २६७, ङ १७२

शुक्कोपला इ १७२

शुच ज ४६

शुचिक १८, छ, ४५, ज४१४

शुतुर ग ४५०

शुद्ध ङ २६, ज ५८, घ ४१२, च ४१४, ज ५४१

शुद्ध करना ज ६४२ शुद्धचरित्रता भ ५० शुद्धता ज ४१५ श्र शुद्धमाते क ४८०

शुद्धा ड १७२ शुद्धि क ६७ शुद्ध च ४२६

शुनक ग ५१६ शुब्हा च २२६

शुभ क ३४६, ग ४**६१, ब १८४, घ** ४४६, च २६३, ज ४७८, ज ४७६

शुभकर च ४०८ शुभकरो प ७८ शुभकर्म च ३११

शुभकमी ज ३०५, ज ३१३ शुभकामना देना च १७१ शुभकारी ज ४७८

शुभवजी ख ६४६ शुभवितक ज ३० शुभद घ ६६ शुभाद घ ७८ शुभनाम का २१ शुभप्रद च ४७८ शुभ मुहूर्त ख ६४६ शुभवचन ज १७० शुभागी क २८५

शुभाक २५४. घ ११४, घ १८२, घ २१८

शुभाच् स २१ शुभाचार ज २६७

शुभाचारी ज ३०५

शुभ्र ख २८, घ ४४६, घ ४६०, ड ३१

शुभ्रतः ख २६

शुभा म २१८, घ ४६६, ड १७२

शुमार ख ५६८

शुमार करना ख ५६६

शुमाल च ८० शुरू ज ८१२

शुरू करना ज ८१४

शुल्क ख ४१२, ख ४१६, ख ४२०

शुभूषा क २६ शुषमा क ४५४

शुष्क ख १७४, ड ४८, म १२८ शुष्क करना म १३३, म १३४

शुष्कता ड ४६, म १३० शुष्क हो जाना भ १३८

शू ङ २६७ शूक ग६१७ शूककीट ग ५६७ शूकर ग ५२३ शकरमय क ३२३

श्रकरमुख क ३२३ श्रकराख ४६३

शूक रोग ख ४६३

श्रुचि ङ ४८१ श्रुची ड ४८१ शूचीपत्र घ १७० शूद्र ग २६६

शूद्रपत्नी ग २६७

श्रद्रा ग २६७

शूत्य क ११२, क २३८, ख ५७३, च ३,

च २२७, भ २५८ शून्यता भ २६० शून्यस्थान च २२७

शूप ड ४६३

शूपनखा क ३६=

शूरक १३४, क २६७, ग ४६६, ग ५१६, घ ५०, घ ७५, घ १६०, घ २५६, क २७३

शूरण च १४० शूरता ऋ २७५ शूरमा क २७३

शूरवीर ख ३६४, भ २७३

शूर्प ड ४६३ शूर्पग्राचा क ३६⊏

शूल ख ४८३, ख ४८४, घ २४

शूल उठना भ ३७७ शूच करना ख ४८२ शूलव्य घ १६०

शूलधारी क १६५ शूलनाशन ड ३३ शूलपाणि क १६५

शूलशत्रुघ २६१

शूलइस्त क १६५ शूला ग ३६७

शूली क १६५

शृखल ङ ३३२, ङ ४००

श्लंला व ३६८, ड३६२, ड३४६,**ड३५६**, ङ ५४३, स १६१, स २६४, स ४३५

शृंखिति मा २३५ श्राग४२, ग४३२, घ३८८, च२४६ शृंगवेर घ ३१५ श्रृंगार ख १७६, ख ६२१, घ ३७६, ड ३०० श्रंगार करना भ ७७ श्याल ग ५१३, ग ५१६ श्रमा क १६५, क १७४, क ४६२, ख ११०, ग४३५, ग ५८६, घ २, घ ६५, घ ६७, घ १४५, घ १६६, घ ४७८, च २४८ श्याीऋषिक ४६२ शेखर ग ४२, च २४६ शेखी ज ८८, ज ६२ शेखीबाज़ ज ६१ शेफालिका घ १४८ शेर ख १६५, ग ४६४, ज २५२ शेरनी ग ४६६ शेश्वानी ड २४६ शोष क ११२, क ३३०, क ३७०, क ४१०, ख ५६१, च ७≍, भ ४२६ शेषनाग क ३३० शेषशायी क १३४ शैतान क ५२६, क ५३३ शैथिल्य अ ४४६ शैल घ १३७, ङ ८, च २४८, च २४६, च २५० शैलकुमारी क १८५ शैलना क १८५, क १६४ शैक्षतरी च ५५४ शैला ख २०५, ज ६५२, भ ३७० शैल पद्म ख १७८ शैलंद्र च २५५

शैव क ५, क १०, क ११, घ ४६६, ड २०२ शैवालिनी च २७१ शोक ख १८६, ज ४६ शोक करना ज २२५ शोकनाशक घ६८ शोकाकुल ज ५६ शोख़ ज ८४, भ ३५४ शोच ज २२४ शोचरहित ज २२७ शोग ख ३६. ग ६४, ड २५. ड ३०६. च ५२८ शोशित ङ १० शोथ ख ४२४ शोध ख २५०, ख २५८ शोधक ख २५६ शोध करना ख ५६० शोधन ख २५०, घ ३५२ शोधनाख २६० शोधनात्मक घ २१२ शोभवाना ख २६१ शामन क १६५, क ३११, घ ३८८, ज ३०३, ज ४६३ शोभना व १८२, ङ ६०, भ ५६ शोभा क १६३, ख १६३, घ १८२, इ ६०. ज ४६७ शोभित क ४६६, च १३, च ४७४ शोभित होना ज ६४६ शोर ज ५८६ शोर करना अ ५६० शोरा ध ४६६ शोषण क २८३, ङ २५ शोषण करना भ १३४

शोषवा कराना का १३३ शोइदा च २७१ शोहरत ज ३५१ शौच होना ग ११६ शौचेय ग ३४५ शौहर ग २२४ रमशान क ३५८, च २२८ श्मशानपति क १६५ श्मभ्रग ४६, ग ४७ श्याम ख ३०, ग ३७, घ २४०, घ २७०, ङ ७६, छ २३६, ज ४८० अ श्यामजोरा घ २३१ श्यामता ख ३२ श्यामतुलसी घ ११२ श्याम धेनु ग ४०२ रयामपट स ३१८ श्यामल ख ३०, घ ६६, ग ७७, ज ४८० श्र श्यामनता ख ३२ श्यामला घ४०, घ १५० श्यामवर्षा छ ७७, ज ४८० श्र श्यामसन्दर क ३६६, घ ७८ श्यामा क ४००, ग४, ग४७२, ग ६१३, ग६२८, ग६६७, घ७६, घ१११, ध १२४, घ १४६, घ १७८, घ १८२, ख १४३, छ १४६, भ ४३ श्याल ग २०३, ग ५१६ श्यालक ग १६२, ग ६२४ श्याला च १६२ श्याली ग १६४ भग ग ५१३ भद्दा च १५७ मदा देना च ३४३

अद्याभाव च १५७

अद्यायक ज १५८ अदाल ज १५८ अद्धावान ज १५८ श्रद्धास्पद ज १५२ भद्धेय ज ३५४, ज ४४० भग ख १८५, भ २८७ श्रमजीवो ग ३८५ अम्या ग ३८५ श्रमविंदु ग १२१ श्रमिक ग ३८५ श्रिमित जा ७५३ श्रमी ग रूद्र ज ७५२, भ रद्द श्रवग क ७३, ग २६, च २७, च ५० अव्या करना ज ६०१ अवगापटु च ५१६ श्रवग्रोन्द्रिय ग २६ अध्य काव्य ख १३२ श्रात ज ७५३ श्राति ज ७५२, भ रू श्राद्ध दे॰ परिशिष्ट क आद्धदेव क ३१७ आप ज १७२ श्राप देना च १७४ श्रःपित च १७५ भानक ग ६५४ भावण छ ४७ श्राक १३०, क १६३, क ३०६, ख ८३, ख ३८०, घ १११, ङ ३२८, च ४६७ श्रीकंठ क १६५ श्रीकात क १३४ श्रीकृष्याक ३६६ श्राखड घ १३०, ङ १२७ श्रीगर्णेश करना ज ८१४

भीदाम क ३६६ भीनिवास क १३४, क २३८ भीपंचमो छ २२४ भीपति क ११२, क १३४, क २५४, क रे६६, क रे६६ श्रोपःल घ ४४, घ ५२, घ ५३, घ ५८, घ ६० श्रीबल्ली घ १०६ श्रीमंत ख४०५ ऋ, ड ३२८ श्रीमत ख ४०५ श्र श्रीमती क १६३, क ४००, घ ४०२ श्रीमद्भगतद्गीता क ५८१ भोमान् स ४०५ म्र, घ६६, ब ६६७ श्रीमुख क २६७ श्री रमण क १३४ आंश क १३४ श्तकीर्ति क ३७६, क ४१६ अति क २०२, क ५३८, ग २६ श्रतिकटु ल १६७ भूषाग २३३ श्रेणी ग ३००, भ १६१, भ २६४ भेय ज ३०३, ज ४७५ श्रेयस्कर च ४२० श्रेष्ठ ग २६४, अ ४१८, ज ४२५, ज ४४०, अ ४०५ भेटता ज ४२७, ज ४४२, ब ४७७ ओं ब्ह ग ४०४ श्रोगि ग ७८, ग ८२ श्रोत ग २६ श्रोता अ ७३४ अनेत्र ग २६ ओत्रिय क १७, क ५४२ श्लय छ १६५, ज २१५

श्लयता छ १६३ श्लाघनीय ब ३५८ श्लाघा ज १००, ज ३५५ प्रलाध्य ख ३५८ इलीपट ख ५१७ इलेष ख १६०, १६२ इलेब्मात घ ५६ श्लेष्मातक च ५६ श्लेष्मा ग १२०, ग १२५, ग १२६ श्लोक क ६२ श्वन ग ४१६ प्रविकाग प्रथ श्वपन ग २६८ श्वसन क ३१३, क ३१६ श्वशुर ग १७५, ग १८६ श्वश्रा १६० श्वाँस ज ७१३ श्वान ग ५१६ श्वास ख ४६०, ज ७१३ श्वास रोग व ४६० इवासा ज ७१३ श्वेत क ४५३, खरम, म ३५३, घ ४४६, 7 8 E 8 श्वेतकुजर क २६३ श्वेतकुष्ट ख ४६४ इवेत भारक घ २२२ श्वेतता ख २६ श्वेतपद्म घ १६७ इनेत पिगल ग ४६४ श्वतपुष्य घ ३७३, घ ४१४, घ ४१६ श्वंतप्रदर ख ५३४ श्वेतसार घ ६१

श्वेता च २१८, घ ४६६, घ ६०५, ङ १७२ श्वेताश्वतर क ५५८

ष

षट ख ६०० षटक ख ६००, ख ६०२ षटकर्मा गर=२ षटको स घ ४८५ षटपद् ग ५.५४ षटपदो ग ६७७ षटमुख क १८८ पदन ल ७० षड्बग्राम ख ७३ षडवर्ग क १८८ षड्विंश क ५५४ षडानन क श्यम षष्ठ ख ६०१ षष्ठि छ १०१ षण्ठो क १६४, छ १०१ षाड क १६५ षायाव ख ८२ षोइश स ६२१ षोद्धा क २०१, घ २०३

स

संकट ग २४६, च २५३, ज ५०, ज ५७१ स्करता ज ८४६ संकरा क १४६, ज ५०, ज ५७१ सकरापन ज ५७२ संकर्षण क ४१० सक्लन ख ५५८, ज ८६२ संकलित ज ८६१ संकलित करना ज ८५८, ज ८६५ सकल्प भा ४२७ सकल्प करना भ ४२८ सकीर्गा ज ५७१ संकीर्णाता ज ५७२ सकुचित ब ३२७, ज ५७१ संकुचित करना ज ३२६ संकुचित होना च २३४ संकुल ब ५७१, ज ६२४, ब ६२६, भ्र २६२ संकेत ज ५७१, ज ६८६ सकेत दे० परिशिष्ट क सकोच ङ १०, द २३१, ज २३२, ज २३३, ज ३२१, ज ३२५, ज ५७२ सकोच करना ज ३२८, ज ८६९ सकोचना ज २३२ सकोचहीन ज ३२४ सकाति छ २१३ सकामक म ४१३ सिवया घ ४६५ सख्यक ख ५५७ सख्या व ५५६ सख्यान ङ २७४ सग ज २७७, ज ७८५, ज ८५०, ब ८५२, ज ६१८ संगठन ख ३३६ सगत ज २७७, अ ४२०, ज ६१८ सगति क २८७, ज २८७, ज ८५२ सगदिल ज २४, ज ६८ सगादली अ २१, अ ७१ संगम च ११६, च ११७, च २८६, ब ८८६ सगर भ १६२

संगरभूमि च २२२

सगसाथ ज २७७ र्सगाती ग २७८ सगिना ग २२५ ग २७७ समो ग २७८ संगीत ख २. ख ६० सगोतकला ख ५६ सगीवतं ख ५७ संगीन ज ४६८ सग्हात ज ८६१ सग्होत करना ८५८ सग्रह क २८७, ज ८६२ सप्रह करना च ८५८, त ८६६ सम्बना ज ८५८ सम्रहिणी ख ५१४ सप्राम भ २६२ समामचेत्र च २४२ समाही म १६७ सम ख ३३६, च १४२, ज ६२४, ज ६२५ सबर ज ८४६, ज ८५० संभारत ज ६४६, ज ६५० सबह ज ४६२, ज ८५० सववंश करना ज ६३८ संघात क ३ % सँबाती ग २७८ सघा ग २७५ संबंगा च ८१८ सचय च ६२४ संचय करना च ८५८, ज ८६६ संनयो ख ३६० संचारी ख ७८ सचारोभाव व १८४ सनाजक ख ३३५, भ १६०

मचालन करना भ १५६

संचित ज ८६१ सजय क १२३ संजीदा च ५६ संजात ज ८१८ सजीवन क ३२२ सजुत ज ८७५ मजोग ज ८५७ संजोवना ज ८५८ सज्ञाज ५. म २१ सज्ञाहीन ज २०३ संभा छ १४१ सड ग ४८१, ग ४८३ सडमुसड ग ४०६, ज ४६८ सइसा ङ ४३७ संडसो इ ४३७ संडास च १५२ सत क ११० सतित ल ३७८, ग २४६ सत्प्त ज ५२ सतरा घ ३४८ मत्रो स ३७३. भ १६६ संतान क २४१, ग २४६, ग ४२२ सताप ख ४६९, छ २८२ सताप देना ज ५५ सतः पित ज ५२ सतापी ज ५४ सत्ष्ट ज ३५ सतुष्ट होना ज ३७ सतुष्टि च ३३, च १३३ सतोष ज ३३, ज ४३३ सतोपना च ३७, च ३८ सतोषित ज ३५ सदिग्ध ख १६७, ज २३०

सदूक ड ४८६ सदेश दे॰ परिशब्ट क सँदेशिया ख ३६६ संदेह ज २२६ सदेहपूर्यो च २३० संदोइ ज ६२४ संघान ख २५८, इ २०५ सिघाँ ख १४२ संध्या छ १४१ संन्यास क ६५, क १००, क ५५८ संन्यास लेना क ६७ संन्यासिनी क १११ सन्यासी क ६४, क ६८, क ११० सपत्ति क १६३, ख ३८०, ख ३८१ सपत्तिशाली ख ४०५ म्र संपदा क १६३ संपन्न ख ४०५ श्र संपर्क च ८४८, भ ४०३ सपात घ २४५, ज ८५० सपादक ख २६२ सपादना च ६५४ संपुर ङ ४४६, इ ४८५ सपूर्या ख ८२, ब ८७६ संपूर्णत: च १०१६ सपूर्या होना न ८२१ सवोला ग ५६१ सपात छ १६१ संप्रदाय क १ सबध ग १५१, भ ४०३ ै संबंधी ग १६७ सप्रहार का २६२ संबद्धविच्छेट् ग २३५ सभव च ६७१

संभवत: छ ८, च ६७३ सभार ह ३७ सँभालना भ १५६, भ २२४, भ ३६१ सँभलो ग २७५ सँभालु घ १०७ संभावना ख १६० संभावित ज ६७१ सभाव्य ब ६७१ सभाषण ज ६२३ संमाषी ज ६३५ संभाष्य छ ३४, ज ६३४ सभोग क २८७ संभोग करना क २८६ मभात ज २२६ संमोइना ज ४७२ समोहित होना क २७५ सयत क १६५ सयम दे० परिशिष्ट क संयमी क १०१ सयुक्त ज ८४७, ब ८७५ संयक्त करना ज ८४५, ज ८७४ संयुक्त निकाय क प्रध्र सयत ज ८४०, भ २६२ सयोग स १८०, स ८४८, च ८४६, ज ८५०, ज ८५१, च ८४७ सरत्तक ग ४२६. म १६६ सरचण भ १६८ सरक्षण पाना भ २०१ सराव करना ज ६४७ संलाप करना च ६२३ सवत् छ २६ संवत्सर क १६५ सवर्गा क ३०२

सँवरना भ ७७ सँविलया क ३६६ संवाद ख २६६ सवादो ख ६६ र्षेवारना च ६२४, च ६४४, भ ७६, भ ७७, म १५६ सवाह्क ग ३८८ सशय जररध, ज र३३ संधायात्मक च २३० सशयित होना ज २३२ सशोधक ज ६४१ सशोधन ज ६४० सशोधन करना ज ६४२ सन्सिष्ट ज ८४७ संश्लिष्टता ज ८४६ संश्लेष क २८७, ज ८४८, ज ८५७ ससर्ग च २४० ससर्ग क २८७, ज ६१८ समार च १०३ ममारी क २१८ संसागे होना क २१६ संस्ति च १०३ सस्बर ब ८४७ संस्थित ज ८४६, भ ८६ संस्कार के ६७, ख ६२१, ज ६४० सस्भार करना ज ६४४ सम्भारक ज ६४१ संस्कृत सा २१८, सा २१६ संस्कृति ज ६४० संस्था ल ३३६, ज ६५५ सस्थान ग १५४, च १४० सहत च ८६१

संइनन क २८७, ग १२

संहरना च ८२२ महार क १७२, ज ⊏२३ संहारक ख ८२४, भ २१५ सहार करना क १७१ संहारकाल छ २२ सहारना क १७१, च ८१६ संद्वारनीय क १७३ संहिता क प्रथप सइयाँ ग २२४, ग ३८० सईस ग ४ १ सकपकाना ज ३२८, ज ७७१ सकारे छ १३६ सकुवना ज'२३२ सकुचाना ब २३२, ब ३२८ सकुचाहर ज ३२१ सकुची ग ५८३ मकुचौंहा ज ३२२ सक्रनतोकमा च ६२७ सकोच घ ३६० सखा ग २७८ सखा म २७७ **उलुशा** ध ७५ सख्नतिकया ज ६२७ सङ्त न ६= सङ्गो ज ७१, म १६६ सक्य क ७३, ज २७५ सगबगाना व ७७१ सगपुतिया घ रद्ध रागरो ज ८७६ सगुरा क ११३, क ११५ सगा ग २१५ सगुरापूजा क २४ सगोत्र भा ४

सघन ज ५०७ सघनता ज ४०६ सच ज ४०५ सचिव ख ३५७ सचेत अ २०२ सचेत करना ज २०८ सचेत होना ज २०६ सच्चाज ४०२, ज ४१२ सच्चाई ज ४०७ सन्चिदानन्द क ११२ सज ख १६६ संजग ज २०२ सजग करना ज ७७० राजग होना ज ७६६ सजधज करना का ७६ संजन ग २२४, ज ३०० सनना ख १४८, भ ७६ सजनो ग २६७ सनाज ४७३, मा २२४ श्र सज़ादेना भा २२५ सजाना ज ६४४, भ ७७ संजीला ज ४६३ सजोना भः ७७ सङ्जन ज ५८, ज ५६, ज ३०० सङ्जनता ज २६७ सज्बा ङ २८२, ङ ४६६ सटना ज १५२, म ४१२ सराना ज ६०२ सर्टाक ज ४२० सदृक ख १३४ सहो च १३६ वड़क च २४०

सहना का ३६५

सत च २६२, भ १८ सतत छ १६७ सत निकालना भ ७२ सतपुतिया घ २८४ सतयुग छ १७, छ १८ सतर ग ७६, ज ६५ सतराना ज ६६, ज २५६ सतर्क ज २०२ सतर्क करना ज २०८ सतर्कता ज २०४ सतर्क होना ज २०६ सतवता ग २७२ सताना ज ४५ सतावर ड २० सतिवद क १६ मती क १८५, ग २७२, घ ६०४ सतीत्व भा ५० मतुवा ड १५० सत्क १७ सत्कर्भज ३०३ सत्काः ज ३४२ सत्कार करना ज १६८ सत्त् ङ १५० सत्य क १८, क २०५, क ४७५, ग ७, भ ६६, च २६२, न ४०५ सत्यता ब ४०७ सत्ययुग दे॰ 'सत्युग' सत्यवती क ४३३ सत्वर छ १५६, ज ४४३ सत्यवरता ज ४४४ सत्यवादी ख ४०६ सत्र च १४०, च ३१३, छ २७ सत्रह ख ६२२

सदन च १४०, च २६२ सदय च २२ सदर ख ३३५, छ १० सटस्य ख ३६६ सदा छ १६७ सदाचार क ११ ऋ, ज २६७ सदाचारा क १३, ज ३००, ज ३०५ सदानम्द क ११२, क १२३, क १३४, क १६५ सदाबहार घ ४३० सदाशय न २३ मदी छ २६ सदश ज ४२२ सदैव कु १६७ सद्गति ज ६५० सद्गति देना भ २३३ सद्माव अ ५५१ सदा च १४० स्य छ १८७, छ १६१, ब ४४३ सधवा ग २७०, म ४६ सन छ २७, घ १२६, सनई म १२६ सनक ज ४, ज ३३७, ज ३३६, ज ३४१ सनकना ज ३३८ सनक होना भ ३६२ सनको च ३३५, ज ३४० सन्तकुमार क २५१, क ५७६ सनना भा ६५ सनम ज १५५ समातम क १२३, क १२४, छ १७४, छ १८२ सनातनता छ १७६ समाच भी २०४

त्रनाय च १४१

मनीचर छ १२२ सनेह ड ३१३, ज ५७६ सनीवर घ ८८ सन्नद्ध ज ३७६ सभ हो जाना ज ६०४ सन्नाटा ज ६०५ सन्निकट ज ६७६ सिन्नपात ख ४६६, ज ६२७ सन्मान ज ३४२ सपःनी ग २३० सपदि ज ४४२, ज १०१३ सपना ७६६ सपार ज ५७७ सपूत ग २५१ सपौचय च २१६ सप्त क ३०७, ख ६०३ सप्तक व ६०५ सातम ख ६०८ सप्तपश्री घ ६४ सपामा कु १०२ सप्ताह छ ५१३ सानाहिक छ ११४ सफर ज ६८७ **४५२ करना ज ६८८** सफरो घ ३६ सकल दे० परिशिष्ट क सरल होना ज ६५५ सपहा ख ३०४ सपा ख ३०४ सफाइ ज ४ ५ श्र. ज ५४४ सफाई करना ज ५४७, ज ५५२, ज ⊏६२ सफ़्फ ख ५५१ सज़ूफ़ करना ख ५५२

सफ़्रेंद ख र⊏, घ ४७२

सफेद कमल घ ३६७

सफ़ेदा च ३७

सफ़ेदी ख २६ सन ब ८७३ सब जगह ज ६६४ सबन ज ६५३ सबरी क ३८८ सबाब क १२ अप्र सब्त भ १६२ **ए**ब्त देना भ १६३ सबेरा छ १३६ सब्ब ख ४१ सन्ती ल ४२, घ २७४, घ ३२६, ह १०४ सब ज ३३, ज १३३ सभा व ३३६. च ७३४ सभापति सब ३३५ सभासद ख ३६६, भ १५६ सम्य ख ३६६, ग ४०४, ब ३०० सभ्यता ज ८७, ज २६७ सम ल १६०, ल २०२, छ, २७, ज ४२२, ब ६०३ समउरिया ग २८० समकत्त्र ज ४२२ **उ**म करना भ ३१३ समकर्ण क ४४७ समकालीन छ १४ समग्र ज ८७६ समभ ग १०८, ग १३२, ब ३६२ समभदार ज ३६३ समभदारी ज ३६५ समभना अ११० समभाना ख २४७, ख २६२, ज ३८

समतल च ५७७ समतल करना च ५७८ समता ख १६२, च ४२४, भ ३६३ समिषन ग १६८ समधोग १६७ समन्वय च ८५१ समन्वित ज ८७५ समय ख २६६, छ १, छ १४७ समय लगाना छ १६० समर्पित करना ज १६६ समर क २६२ समर्थ ज ३६८. मा ४०, मा ३८७ समर्थता भ ३८ समवयम्ब ग २८० समवर्ती क ३१७ समवाय क ५८६, ब ६२४ समन्द्रि ख ६२६ समस्त ज ८७६ समस्या ख २७० समा घ २४०, छ १ समाई भा ३८७ समाचारपत्र ख २८६ समाज ख ३३७ समाजवाद ख ३३८ समाजवादी पार्टी ख ३४६ समाधान ख २६७ समाधि व १६०, ख १६२, च २२६ समान क ३१६, ङ ३७, इ ४१६, न ४२२ समाना ज ७४०, भ ४३१ समाप्त भ ४३३ समाप्त करना ज ८१६, भ २१८, भ ३५७ समाप्त होना छ २, च ६५५, च ८२१, ज ८२२, म ४३४, ब ६३८

समाप्ति क १७२, ज ८०१, ज ८२३ समाप्य क १७३ समाला च २३१ समालोचक ख २११ समालोचना ख २०६ समावर्तन क ६८ समास शैली ख २०६ समाहार ज ६२४ समिति च ६२५, भ २६२ समोचन ख २११ समीत्रण स २०६ समाचा ख २०६ समीप ६७६ समीर क ३१३, क ३१६, घ ७८, च ४२ समारख क ३१३, क ३१६ समुच्चय सा १६०, ज ६२४ समुदाय ज ६२४, ज ६२५ समुद्रफेन रू २१, च २६६, छ २३१ समुद्री नमक ड ३२ **उम्**लास ल २६६ सम्चा ब ८७६ समृह च ६२४ समृद्ध ख ४०५ ग्र समृद्धि ख ४०७ समेरना च ८६६, ज ८६६ समेत ज ८७५ ज ६१८ सम्मत च १८४ सम्मति च १६४, ज १५५, म ३७१ समान भ १५५ सम्मान व १५७, व ३४२, सम्मान करना ज १६८ समान देना च ३४३ सम्मानित । ३४४

सम्मानीय क २६ सम्मान्य ज ३५४ सम्मिलित ज ८४७. अ ८६ सम्मिलित करना ज ८४५ सम्मिलित होना भ ८७ समिश्रण ज ८४६ सम्मिश्रसा करना ज ८४५ सम्मेत्रन ज ८४६ सम्मोइन क २७६, क २८६ सम्यक् व १४८, व ४६४ सम्राट ख ३४६, ख ३५० स्याना च ३६३ सर्यासी स्व ३३२ सर ग १३, ग ४२, ग १०१, ग ४६६, च २६२, च ३१३ सरकडा घ १०१ सरकना ग ५३७, च ६७, च ६५५, ज ६६६ सरकाना ज ६७० सरकार ख ३४८ सरक ड १५८ सर क्रुकाना च १६७ सरिशाच २४१ मरदार ख ३३५, ख ३५८, ख ४०५ श्र, ተ የአወ सरदारी मह १५१ सरदी ख ४७५ सरनाम अ ३४६ मरपच ग ३६७ सरपुत ग १६६ सरका स ३८७ सरफोंका घ १४२, छ १०१ सरबर ख ३२६

सरमा घ २३३ सरयू च २६३ सरल क ३११, क ४४७, ज ५८, ज ५६, ज ६५७ सरलता ज ६१ सरलचित्त ज ५८ सरवर च ३,३, च ३१४ सरस ख १७३, ड ५०, च ३१३, ज ४६३, ब ४७५. म १२७ सरसता ङ ५१, छ २३६, भ १२६ सरमञ्ज ज ५६६ सरसरा ग १६५ सरसी घ ३३८, च ३१२, च ३१३ सरसां व २६३ सरस्वतीक ६३, क १३०, क २०२, क २२३, ख २३५, ग २७७, घ १६८ सरहझ ग १६३ सरापना ब १७४ सराय च २०६, च २०७ सराहना ज ३५५ सराहना करना ज ३५६ सराहरीय ज ३५८ सरिच २७१ सारत च २७१ सरिता च २७१ सारशता च २२४, च २७७ सरिस ब ४२२ मरीला च ४२२ सरोसूप ग ५५८ सरूप ज ४६२, ज ४६३ सरो घ ६३०

सरोज घ ३८८ सरोद ख ६७

सरोवर च ३१३, च ३१४ सर्ग क १६५, ख २६६, ग ६ सर्जन ख ५३६ सर्द ज २२०, ज ४४५, भ १३८ सर्दियाना भा १४५ सर्दो ख ४७५, छ ७५, भ १३६ सर्प ग ५५८, च ३६ सर्पराज क ३३०, ग ५५६ सर्पिगा। ग ५६० सर्गफा च २३७ सर्व क १३४, क १६५, च २६२ सर्वगग६ सर्वप्रास च २५ सर्वज्ञ क ११२, क १६५, क २०७, क ४४७ सर्वत्र ज ६६४ सर्वदा छ १०, छ ५६७ सर्वमेध यज्ञ क ८३ सर्वश्रेष्ट ज ४७४ सर्वेश्वर क १८२, भ १४७ सर्वोत्तम ज ४७५ सलगम घ ३०७ सलजम ध ३०७ सलक्ष ज ३२२ सलतनत ख ३४८, ख ३६० सजवार ड २७७ सलाई ङ ३०२, इ.५१८, इ.५४६ सलाद घ ३४० सलाम ज १६६ सलाम करना ज १६७ सलाइ भा १५५ सिलल च २६२ सल्तूक ज २८ सलुका ङ २७०

५२७

सलोना ङ प्र, च ४६३ मनत ग २३० सवनई छ ४८ सवनहाँ छ ४८ मवर्ण ज ४२२ सवर्णता ज ४२४ सवा ए ५८० सवाई ख ५८० सवाद ङ ५०, भ १२४ सवार ख ३६२ सवाल ख २६५, घ ११६ सनान जवाब ख २६६ सविता क रूप, क २६८, ख ६१६ सशक ज २३७ सर्शकना ज २३४, च २३५, च ७७१ सशकित क २३७ भशकित करनाज २३५ संशक्ति होना ज २३४ सशस्त्र भ २७० ससर ग १८६ सस्राल ग १६१ सस्ता क २६६ सस्तापन भ २६८ सस्तो भः २६८ सस्त्रीक ग २३० सस्नेह ज ५७६ सह व २६२ सहकारिता का २४६

सहकारी ग ४२८

सहचारां ग रैपर

सहचर ग २७८६. ग ३८३

सहचरी ग २२५, ग २७७, व ४१०

सङ्चारिगी ग २२५, ग २७७

सहजात ज रूपर महबानता ज ३८७ सहदेइया घ २३१ सहदेई म १४३ सहदेव क ४१३, क ४३० सहधर्मिणः ग २२५ सहन च १४२, भ ६ सहन करना ज १८० महनशील ज ७८, ज ३६१ सहनशोलता ज 🖛० सहनाज १८३ महपाठी ग २७८ सहबास ज २७७ सइम ज २४६, ज ३२१ सहमत ज १८४ सहमना अ २३४ सहमाना ज २२५ सहयोग ज ६१८ सहयोगी ग ४२८ सहराना ज २३४ सहल ज ५८ सहलाना ख ४४७, ज ६६ सहवास क २८७, ज ८५२ सहवास करता क २८६ सहस ल ६३%, छ प्र सहसा खु १६८, ज ४४३, ज १०१३ सइस ख ६३१ सहस्राद्धं क २२५ सहाय ग ४२८, ज ७८५, ज ७८६ सहायक ग ४२८, ज ७८६ सहायता ज ७८५

सहज ग २१५, ज ५८, ज ३८।

सहजता ज ६१, ज ३८७

सहायता देना व ७८७ सहारा च ७७२. च ७८५. भ २०२ सहारा लेना ज ७०३ सहित ज ८६१. ज ६१८. ज ६२२ सहितता च ८५२ सहिष्णु ज ७. ज ३६१ सही ज १६४, ज ४०५, ज ८२६ सहवाइन ग २६५ सहालियत ज ६१ सद्दरय ख १७३, ग २२, ग २३, ग २६६, ज ३०० सद्दयता ज २० सहैया ज ३६१ सहेचना क ३६१ सहेली ग २७७ सहोदर ग २१४, ग २१५ साँई क ११२, ग २२४, ग ३८० साँकल क ३४६, इ ५४३ सास्य क ५६२ सारूयसूत्र क ५७० साँभ छ १४१ सॉटना ज ६०२ साँटा घ २४६, ङ ३६६, ज ६०४ साँठ घ १७५ साँद्र ग ४८४, ग ४८३ साँडिया ग ४५० साँद् ग ४८१ सात्वता ज ३३, ज १३३ सात्वना देना ज ३८ सॉप ग ५५८ साँपिन ग ५६० साप्रदायिक कर

साँभर ङ ३१, ब ३७५

साँवला च ४८० म साँवलापन ख ३२ साँस ख ४६०, च ७१३ सा ब ४२२ साइस ख २८१ साइकिल ङ ३८६ साइत ख ६४६, छ ४, छ १२४ साईस ग ४११ साकत क ६ साका छ १५५, ज २४६ साकार क ११५ साको ग २६७ साकेत च १११ सादात्कार व ७३२. च ७३३, च ८४८ माचो ग ३७१ म १६१ साज्ञा देना भा १६०, भा १६३ साख ज २४६ सास देना भ १६० साली ग ३७१, घ १०२, २६ १६१ साखी देना भ १६० सागर क ४८०, च १६०, ङ ४५०, च २६४, चं ३१४ साख् घ ७५ साग घ २७४, घ ३२६, ङ १०४ सागू घ २७३ सागौन घ ८४ साज ह ३०० साजन ग २६६ साजसामान 🕏 ४१६ साभा ज ८६१ सामेदार ग ४१६, ग ४२० सारना ज ६०२ साठा घ २४६

साठी घर३०, घर३३, घर३४ साद्दी ङ २०१, ङ २८० साद्धी ह १६० सात ख ६०३ सातवाँ ल ६०४ साल्वकी ख १६५ साखत क ३६६, क ४१० सारिवक क १२३, क १३४, स्व १८०७ साखिका क १६४ साय व ७८५, ज ८५२, व ६१८ साय देना च ७८७ साधिना स २७७ सादगी ब ६१ सादर घ ४६४ साना ज प्रदा, भार २६६ सादापन न ६१ सादा ख रदर साहर्य च ४८६ साम च १३८ कायन क ६४ सामन ग ७६, म्ह ३७०, म्ह ३७६ साधना क ६२, व ६५४ साधना करना क ६३ साधनास्यल क ६५ माघारया ज ४१७, ज ६५७ साधु क ६४, क ११०, ख ३६६, ज ५८ साधुता क ६६, ज ६१, ज २६७ साधना क १११ साध् क ६४ साध्य क २०४, क २०७, ज ५८ साध्वो ग २७२ सान चंगना के २६७

सानुक २६७, घ ११, च ६२४ साप्ताहिक स २६१, छ ११४ सफ़ व ३१७, ज ४१२, ब ४१४, ज ४८० ग्रा, च ५४१ साफ्र करना छ २६०, च ५४७, च ५५०, ब ५५२, ब ५५४, ब ५७८, क ७२ साफा ड २३⊏ सामी ङ २५५, ड २५६ साबित ब ८२६ साबित करना भर १६३ साबिर ज ३५, ज १३५ साबुत च दर्६ साबुदाना म २७३ सामन्जस्य ज ४२४ मामंत क २७३ सामतनाद ख ३४२ सामतशाहा स ३४२ सामगान क ५५२ सामग्री उ २७, उ४१९ भामना मह २६२ सामियिक छ १५, छ ६५ सामर्थी भ ४०, भ २७८ सामध्यं ज ४००, भ २७७, भ ३८ सामध्येवान ज ३६८, भ ४०, भ २७८ सामर्थाइन ज ३६६, भ ४२ सामध्यहीनना ज ४०१, म ३६ मामवंद क ५४४, ख २३७ सामाजिक ख ४६६ सामान ह ३७, इ ४१६, ब ३७५ सामान्य ख १६०, ज ४१७, ज ४२४ सामान्या ग ३६७, ख १५६ सामुद्रिक ङ ३२ साम्य ज ४२४

साम्यवाद ख ३३६ साम्यवादी पार्टी ख ३४६ साम्राज्यवाद ख ३४३ साम्र ज्यशाही ख ३४३ साय ऋ १४१ सायकाल छ १४१ सायत ख६/६, छ ४, छ १२४ सायर च २६४ सायन भ २५१ साया ङ २७५, छ २६४ सारग क ११२, क १६५, क ३०७, क ३६६, ख २२, ग४, ग४३५, ग४५२, ग४६४. ग ५०५, ग ५५८, ग ५६३, ग ५६८, ग ६०७, ग ६०६, ग ६१३, ग ६१५, ग ६२५, ग६६३, ग६७७, घ३८१, च ६०, च २६४, च ३१३, च ४६३ सारंगी ख ६७, ख १०७ सारक ३१३, क ३१६, ख १६०, ग६७, ग १२६, घ ३३, घ ४५१, ङ १५८ सारथी ग ४१२ सारनाथ क ४६७ सारस क ३०७, ग ६४० सारा ज ८७६ सारिका ग २७५ मारो ग ६२४. ड २७१ सार्वभीम ल ३५०, ग २६२, च ८८ साल ख ४⊏३, घ ७५, घ १०२, छ २७ सालगिरह छ १४७, भ २३ सालन इ १०४ मालना ख ४८२, ज ४७० सालममिश्री ट २२ साला ग १६२, ग ६२४ मालाना स्व २८

साली ग १६४ साला ह २७१ सावधान अ २०२ सावधान करना ज २०८, ज ७७० सावधान हो ।। ज २०६, ज ७६६ सावधानी ज २०४ सावन क २८६, छ ३७, छ ४७, छ ७३, छ ७४ सावाँ घ २४० साधित्री क हरे, क २०२, क ५५८, ग २७० सास ग १६० सामर ग १६१ साइव क ११२ साइस ज २०६, ज २१२, ज २४२ साइसिक ग ४१८, ज २१४, ज २४० साइसो ज २१४ साहाय्य ज ७८५ साहित्य स्व १२६, ज ८५२ साहित्यकार ख १२७ साहित्यिक ख १२७, स्व १३० साह ग २६४, ग ४०४ साहकार ख ४०४, भ र⊏६ सिउठा ड ४३६ सिगरफ ड ३१० सिंगा स्व ११० सिगार छ ३०० सिगारना भ ७७ सिंगी ग ५८६ सिघा ख ११० सिंघाड़ा घ ३७६ सिंघो ग ५८६ सिंचन करना भा १४३

सिचिया करना भ ३१८ सिदर ङ ३०६ सिंद्र ड। लना भा २४ मिद्रो ख ३४, घ ४३८ सिध व २६५ सिधा ग ४५१ इ २४ मिणु व २६४, च २६५ च २७१, च २६५ सिध्चा क १६३ ामधुर ग ४३५ मिंधुलवस इ २६ सिधोरा इ ४८८ सिंह के रद्भाव ४६४ च ५८, च ६३ सिहल घ४४४, घ४५७, ड ८३, च १२६ सिइवाइना क १८५, क १६४ सिंहा स्व ११० सिहासन च १७६ सिहिनी ग ४६६ सिही ग ४३६, घ १४६, घ १६६ सिम्रार ग ४१३ सिकंदर ग ४८२ सिकचा उ ५१६ **बिक्डो इन्देश, हा ३३२, हा ३४६, ड** ३४६, इ ३५६, इ ३५६, इ ५४३ सिकत्तर ख ३५७ सिकता ह १७२, च ६८ विकटर है ५४० शिक्रहना च ८०७ मिकुद्राव ज ५७२ सिकाइना ज ८६६ सिक्कड स ४०० सिक्ता ख ४२१ मिक्ल के है

सिक म १४४

सिक करना में १४३ सिक्ता च ६८ सिखरन ड १२७ सिखाना ख २४७, ब ८४४ ांसजदा क ५०८ सिजदा करना क ५१३ सिमा जाना ज ५०२, ज ६५५ सिमाना म ६० सिटकिना इ ३६६ सिटपिटाना ज २३२ सिटाई इ ४६, म १३० मिइ ज ३३७, ज ३४१ सिड़ी ज ३३५, ज ३४० सिङ्गिन ज ३४१ सितम्बर ह ३८ सितार ख ६७ सितास र २१, ज ४५७ सितुहा ध ६.४ सिद्ध क ६४, क ११०, क २०३, क ४४७, द रह, इ १६६, फ हर !सड करना मा ६०, भा १६३, भा ३५७ सिद्धनाथ क १६५, घ ४४० सिद्ध होना ज ६५५, भ ६२ सिद्धा क २६५, इ ६५ सिद्धार्थ क ४४७ सिद्धिक १६४, क २६३, क २६५, ख ६०६, न १६ सिद्धेश्वर क १६५, घ४४० मिधाई ज ६१ सिनेमा ख १३६ सिपइमालार ख ३५८ सिपाई। ख ३६५ सिफ़र ख ५७३

सिमरना च ३२८, ज ८०७, ज ८५६, ज ८६६

सिम्त च ७५

सियार ग ५१३, ग ५१६

सियासत ख ३३२

सियाह ख ३०

सियाहा ख ३२, ख ३०६

सिर ग १३, ग ४२

सिरका ङ १३६

सिंगकी छ १०१

सिरबना ब ६४४

सिरताब ङ ३२८, ड ३३७

सिरमौर ङ ३२८

िंखरा भ २६८

मिराना ज ६५६, भ ४१६

सिरोस घ ७७

सिरोही ङ ४०६

सित्त ङ ४७५, च २४७, च २४६, च

२५ ०

सिलसिला भा १६१, भा २६४, भा ४३५

सिलसिलेबार भ ४३६

विलइखाना च १८५

विलौटी ङ ४७५

सिवाय च ६१४

सिविक्स ख ३३२

सिसकना ग १२०

विहरन च ७५२

सिहरना व २३४, व २४५

सिद्दाना च ७५१

सिहराया ज ७५४

सिद्दाना च १३०

सिद्दुला ख ४५१

सींक क ३२६, क ५१६

सींग ग ४३२

सोचना भ १४३, भ ३१८ सी० ग्राई० डी० ख ३७७

सोकड़ रू ३४६

सीकर च २६३, छ २४८

सोख ख २३८

सीभना भ ६२

सीठा ङ ४८, ख १२८

सीठारन ङ ४६, भ १३•

सीइ छ २३६

सोइयुक्त छ २३५

सीढ़ी च १५७

सीतल घ २५८, म १३८

सोतलचानी रू १६

सीतलपाटी ह ५०७

साता क ३६७, क ५५८, छ २०६, छ १४३

सीतापात क ३६६

सीताफल घ ५८, घ २८५

सोघ च ५८

सीषा च ५८, ज ६५७

सीघा सादा ज ११२

सीधापन च ६१

सीन च ७२६

सीना ग४६, च ८६४, च ८८१

सीनाबंद ड २६६

सीने से लगाना अ १५२

सीप च ६०४ सीपां च ६०४

सीमत क हद, ग १०७, भ ७४

सोमा च २६७ सीर ङ ५२६

सीरा ङ १२२, ङ १७३

सील रू ४७५, छ २३६

सोलयुक्त छ २३५ सीलोन च १२६ सीसा घ ४५८ सुँबनी ङ १६८ सुन्दर ज ४६३ सन्दरना ज ४६७ संदर्भ क २४७, घ ३५१, का ५६ सु 🗷 ४६३ सुत्रवसर छ ४ सुका ज ५८ सुकरता च ४६७ सुकर्भक ११ ऋ सकर्मीक १३, ज ३१३ मुकाल छ ४ सुकूमार प २४०, घ २६०, घ ४०६, ब ξĘ सङ्ग्रमारी घ ४०३, भ ५७ मुकृत क ११ ह्य, ज ३०३ सुकृती क १३ हुमडी ख ५३७ मुख च २६८, ज ४६, ज ७६४ सुलकर ख ५३ मुखद ब ५३ मुखदाई च ५३

मुख च २६८, ज ४६, ज ७६४

मुखद च ५३

मुखद च ५३

मुखदाई च ५३

मुखदाई च ५३

मुखदाई च ५३

मुखदारी च ५३, च ६२७

मुखारी च ५१, च ५३

मुखा च १२०, च २५५, च ४६८, ड ३१२

मुगा च १३०, च २५५, च ३६८, ज ३०३

सुगचित ङ ८४

सुगंधित करना भ ३६६

समिति च ६५० सुराम स प्रः, स ५७६ अ सुगमता ख ६१ सुगापली घ २३३ मुग्गा ग ६१७, ग ६२० सुरगी ग ६१६ सुयोव क २५१, क ३००, क रैप्प सुघर ज ४६३ सुचार ज ४६३ मुचित ज २२७ सुचितई ज ३३४, छ १५५ सुजाक क ४६० मुजान क १७, क ११२ सुजोग छ ४ सुज्ञ क १७ मुठि ज ४६३ मुझौल ज ४६३ मुडौनपन च ४६७ सुत ग २५० सुतल क ३३६, क ३३७ बुता ग २६०, व ६४ मुतारी द ४६२ सुत्ही घ६०४ मुत्तपिटक क ५६२ सुथना इ २६४, इ २७७ सुमनो व ३११, ड २६४, ड २७७ सुधरा ज ५४१ सुथरायन ज ५४४ सुदर्शन घ ८६, क १४०, क १६५ सुदिन 🕱 ४ दस्री ख ८६

सुध च ८३४, च ८४०

सुध न रहना ज ८४३ सुधबुध व ५, व ८४० सुधा क २४२, ड २६, च ६०, च २६०

ष ६७, ज ६२२

सुघाई ज ६१

सुधाकर क ३०७

सुधार च ६४०

सुवारना ज ६४२, ज ६४४, म १५६

सुधि ब ८३४, ब ८४०

सुधि करना ब ८३७

सु'घ कराना न ⊏३६

मुधि खोना ज ८४३

सुधि दिलाना ज ⊏३६

सुधि विसराना व ८४३

सुधि लेना ज ८३७

सुधी क १७

सुनना ज ६०१

सुनसान च ५६८

सुनहरा ख ३७, ख ५४, म ३३६

सुन्न ज ६०६

शुकों क ५०६

सुवारी ह १६२

सुपुत्र घ ४२५

सुपुर्द करना भ ३६१

सुप्त ज ७५६

सुन्ति च ७५८

मुफद ख २८

चुफेदो ख २६

सुबह छ १३६

मुविस्ता भ ३७०

सुनोता म ३७०

सुभग घ ६८, घ ४११, च १५५

सुभागा छ १११, म ५६

मुभद्रा क १६४, क १६८, क ४१६ श्रा

सुभाव ज १

सुभाषित क ४४७

मुगोता भ ३७०

सुम घ ३८१

सुमन क २०७, घ ३८१, ज २२

सुभिरन क ३८

सुमिरना क ३६, क ४०

सुमुली ख ७५, ख २०३, भ ५६

सुमेर च २५६

समेर क ४१, च २४६, च २५८, ज ४६३

सुयाग छ ४

सुयोधन क ४३६

मुरग घ ३४=, ड ३१०

सुरक २०७, क २६७, ख ६४, घ ४४८

सुरचा भ १६८

मुर्राच्चत रखना भ २०५

मुरत ज २२, ज ८३४

सुरत करना क रप्द

मुरति क रूद७, ज २२४. ज ८३४

मुरती इ १८६, ङ २००

मुरधाम क २३८

सुरनदी च २६०

सुरपति क १३४

मुरपुर क २३⊂

मुरिम ग ४६६, घ ७८, घ ११४, घ ४०६, घ४२०, घ४७७, ङ २७, छ ३१,

B CX

सुरमा ग ४६६, ग ५०५, च १०६

सुरमई ख ४६

मुरमा च १८३, ङ३०१, ङ ३०५, इ०६,

ङ ३०७

सुरलोक क २३८

सुरसरि च २६०, च २६७ सुरसा क १६४, घ ३३२ सुरा ड २०५, च २६२

मुराख च १५६ सुरालय च २०८ सुराही ड ३३३ सुराता च ४३७

सुरेन्द्र क २२५

सुरेश क १३४, क १६५. क २२५, क ३६६, ग ५⊏२

मुख ख^{ेर}५ सुर्खो ख ३६ सुर्तो ड २००

मुलगना भ १०४, भ १०८

मुलाना ज ७६३ सुलोचन ज ४**६**१

मुबन क २६७, क २०७, क ३११, ग

२५०

मुवरा क १३४, ख ३७

मुवा ग ६१७

सुवासित करना भ ३५६

सविस्तृत ज ५७३ सुवैप ज ४६३

सुंशाचित ख २३६

मुशाल ब ५८, ब ८४, ब ३००

मुशालता व ⊏० मुशाभित च ४७४ सुपमा च ४६७

मुभ्य ख १४, इ ५६

मुबुप्त ज ७५६

मुप्रेण क १२४. घ ४८

मुषेन क ३३६ सुद्ध ज ४५३ सुस्त छ, १६५, ज ५६, ज ३६४, ज ४४७, • मुस्त

मुस्त प**द**ना ज ७५५ सुस्ताना ज ७६५

मुस्ती छ १६३, ज ५७, ज ४४६

सुस्ती करना ज ७५४ सुस्थिर ज ६७६

मुस्वादु ६ ५०, इ ५०, भ १२७

मुस्वादुता इ ४५, इ ५१,

भ १२६

मुइगना ख ४४७, ज ६६

सुहाग भ ४७

मुहागिन ग २७०, भ ४६

मुहाना ज ४६४, ज ४६६

सुहावना ज ४६४

स्हावना लगना ज ४६६

मुहृद ग २७८, ब ५८

सुद्ध्य च २३

मुद्दाता ज २०

मूंघना मा ३६७

मूंड ग ४४२

स्ति ग ५६२

स्थर ग ५२३

स्था ग ६१७, इ ४८३

स्ईंड ४८:

सुका ख ८२५

सुक्तकार क उ४६

स्कद्रध्टाक ४४६

स्दम क १६५, ज ४२६, ज ४०३

स्दमता ज ४२८ स्दम शरीर ग ५ स्व जाना ज ५०२

स्खना भा १३२

स्लाख १७४, ङ४८, ङ२११, छ, २५३, व ५६८, म १२८ स्लापन ङ४६, म १३० स्लारोग ल ५३७ स्चक ग५१६, ग५२१, ग६५४, ज १२०, ज१६३

स्चना च १२२ स्चिका ग ४४४ स्चित च १२१ स्चित करना च २०८ स्ची ङ ४८१

स्चीमुख क ३२१, क ३२३, छ ४८५ सूजन ख ५२४

स्जना ज ८०८ स्वा ङ ४८३

स्बी ग ३३७, ङ ६७

स्ट ङ २६६

स्त क २६७, ग ३३१, ग ३५३, क ४१२,

म ४४६

स्तक व ४५६ स्तकगृह च १५० स्तगीता क ५८२ स्तफेनी ङ १२८

स्ता ङ४८० स्तिकागृह च १५०

स्तिका राग स ४६३

स्तीकपदा इन्२२३

स्त्र क प्रत्य, ङ ३३२, ङ ४८०

य्त्रकार ग ३३१ सूत्र शैली ख २०६

सूद ख ३६७, ग २६६, ग४०२, च ३०८ सुदखोर ख ४०४, ग४२५

स्वा व ५८

स्घापन ज ६१

स्प क ६७, ड ४१२, ङ ४६३, मा ८८ स्पक ग ४०२, मा ८८

स्पकार ग ४०२, भ प्र

स्वा च १०६

स्म ख ३६०, ग ४६५

स्मपना ख ३६१

स्र ग ५२३, घ २५६, ज ४६६, फ २७३

स्रज क २**६७, ज ४**६६ स्≀जमुली घ ४२⊏

स्रत ख १४७, ग २३, ज २२, ज ४६२

सूरति क २२, ख १४७

सूरदास ज ४६६

सूरन घ ३१० सूरमा मा २७३

सूरमापन भ २७५

स्राख च १५६ सर्यनखा क ३६८

सूर्य क २६७, क ५५८, ख ६१६, घ १००,

च ५, च ७

सूर्यकात च ४८४, च ५६६

त्र्यंकातमिण घ ५६६

सूर्यगीता क ५८२

सूर्यभडल च 🖛

सूर्यमुखी च ४२७

स्यंवश क ३६५

स्योदय छ १३६

स्बक ज ८१६

सुजन क १२६

स्बनहार च ८१६

सुष्ट क १२७

सुध्टि क १२६

सुब्टि करना क १२५

् स्टिक्निक ११२,क १२३

सेंक का १३५

चॅकना सह ७

सेंगर घ २३३

सेंट ड ३१२

सेंदुरिया ग ४३८

सैंघ घ ३७३, भर २०७

सेचा नमक ह २६

सेवई ड १२४

संहुद च ४७६

सेकेटरो ख ३५७

सेचन इ ५६८

मेज ङ २८२, इ४६६

सेठ ख ४०४, ख ४०५ ऋ, ग २६४, ग

३३४, घ ३७८, म २८६

सेठानी ग ३३६

सेटी ग २६४

मेतु च २८८

सेत्वा ग ५८२

मेतु बाँध रामेश्वर क ५८, च १२०

सेना क १६१, क २२७, ख ३५६, ड ४१४

मेगध्यस ख ३५८

मेनानी क १८८, ख ३५८

सेनापति क १८८, ख ३४८

सेनापांतत्व भ २७२

सेब घ ३४५

सेम घरहर

सेमर च १२५

सेमा घ २६०

सेर ज ३५

सेरवाना भारवर, भा४१६

संगमा भ १०२

सेव घ ३४५

सेवक ग २६६, ग ३८३

सेवकाई म २४६

सेवती घ ३६८

सेवना क २६, क २७, क २४७

सेवा कर६, भ १६८, भ २४६

मेवार ग ५८२

सेविका ग २६७, ग रूप, इ० १२४

सेवित घ ३४५

सेवी ग ३८३

सेब्य घ ६६, घ १३०, भ १६६

सेहुँइ घ ६७

सेहुश्रॉख ४५१, ल ४६५

सेडिल ड २६७

सैंडो ड २४४

सैघव ग ४५२, ग ४५६, इ २६

सैकइरा ख ६२⊏. ख ६२६, ज ६३२

सैद्धातिक ख २१०

सैनारस्य भार७२

तैनि+ ख ३६५, ख ३७३

सैन्य व ३५६, ख ३६५

मैयाँ ग २२४

सैरब्रो ग २७७, ग ३८४

सैनानी च ३३१

सैलाइ च २८४

साचार नमक क ३३

साटा ङ ४५५

सीठ ङ २४

सोंघा ङ ३१५

साखइत क ३५४

सोखइती क ३५३

सोख(तो करना भ ३६०

सोखना भः १३४

सोखाक ३५४

सोखाना भ १३३ सोख्ता सा ३१४ सोगना ज २२५ सोच ज २२४, भ ३४८ सोच करना ज २२५ सोचना ख २४८, ज २२५, ज ३६६ सोटा ङ ५५५ सोडा घ ४६६ सोत च २७३ सोता च २७३ सोदना ज ८०८ सोन च ३०५ सोनिकरवा ग ६७१ सोनजुही घ ४०५ सोनपाठा घ १०५ सोनभद्र च ३०५ सोनहा ग ५१६ सोना घ ४४८, ज २०७, ज ७६१, ज ७६५ सोनापाठा घ १०५ सोनार ग ३३५ सानारिन ग ३३६ सोने का सिक्का ख ४२२ सोपान च १५७ साम क २०६, क २१५, क २४२, क रेप्रम, क ३०७, क ३१३, क ३१७, क प्रम् ख ५८६, च ३, च २६२ सोमरा करना भ ३११ सामलता ह २०७ सोमवार ख ११५, छ ११७ मोयम ख ५८६ सोयाबीन घ २६१

सोरघ १३

सोरा घ ४६६ सोलइ ख ६२१ सोवाघ ३३२ सोवाना ज ७६३ सोशलिउम ख ३३८ सोइन ग ६२८, ग ६६७ सोइबत ज २०७, ज ८५२ सोहाग ड ३०६. भ ४७ सोहागिन ग २७० सोहारी ड १०६, ड २१० सौंदर्य ज ४६७ सौंघ च १७२ सौंघा ड ३१५ सींपना ज १६६, भ ३६१ सौ ख ६२८ सोप ङ ⊂६ सौक्रमार्य ज ७० सौख्य च ४६ सोगंद भ ४२३ सौगात भ २८२ सीजना क ३६, भा ३६१ सौत ग २३० मौतपन ग २३१ सौतेला भ १७ सीतेला बाप ग १७६ सौतेली माँ ग १८० सौदा ज ३४१, म २६४ सौदागर भ २८६ सौदामिनो छ २५४ सीध घ ४४६, च १४०, च १४६, च १७१ सीमागिनी ग २७०, भ ४६ सीभाग्य क ५५८, इ ३०६, अ ४५६, अ 80

स्तनमुख ग ५१

सौभाग्यवती ग २७०, मा ४६ सौभाग्यशाला ज ४६० सौस्य घ ५१ सौमनस्य ज ४५ सीमन्यता ज २६७ सौभित्र क ३६७ सौम्य । ५८४, च १५६, च १८, ज ५८, ज ४६३ सौम्यना ज ४६७, न ६१ सौम्यदर्शा ज ४६३ सीम्या क १६४, घ २०७, य ४०१ सौर क ५७६, घ ४२ सौरगृह च १५० सौरम घ ३५, इ १०, इ ३१२ मौरवर्ष छ ३० सौरी च १५० सौबोर हा ३.७ सौष्ठव ज ४६७ मीहार्द ज १४६ ज - ७५ स्क्ष खरहह, स १२, स ३६, घ १६, ज 878 स्कुल ल ५७४, च १६६ स्केल ख ३१२ स्वतित हाना च मरश स्टाप खा ३१६ स्ट्रल ड ५ १९ स्टेर ख ३४८ स्तम ग ८४, घ ५२६, न १६७ स्तमक व ७७६

स्तंभन क ६८३, ज ७७८ स्तंभिन ज ६८६, ज ७७७

स्तन ग ५०

स्तंभित होना ज ५३४, च ६०४

स्तन्य द १५५ स्तब्ध ज ६०३ स्तब्धता च ६०५ स्तर ह २३७, ड २७५, ङ २८२, ह ५०२ स्तव क ४५, क ६४ स्तवक क ६४. छ ४७६ स्तवन क ४३, ज १००, ज ३५५ स्तवन करना ज ३५६ स्तवनकर्ता ज ६८ स्तवनाय ज ३५८ स्ताति क ४२, क ४५, क ६४, ज ३४५ स्तात करना क ४६ स्ततिवाचक क ध्प स्तप च १६७ स्तोन क ४५, क ६२, क ६४, ज ३५५ स्त्रोम ज १२४ स्त्रांग ८ ग २२५ स्त्री प्रसंग 🛪 २८७ स्त्री प्रयम करना क रद्भ स्त्रालिंग ग ८० स्त्रेया ज ३०२ स्थागित होना ज ६६५ स्थल घ ४४४, च १ स्थलो इ ४३१, च १ स्थाविर क १२३, क १३७, मा ३४ स्थागु क १६५, ड १४, च १८ स्थान क ६६ क ३५७, क ५८६, च ९, च १४०, म २५५ स्थान लेना ज ७५० स्थापत्य ख २ स्थापत्य कला ख ६

स्थारना क २३ स्थायी क २१६. ख ७८, च ६७६, च ८३३ स्यायीभाव ख १८४ स्थावर च २४८, ज ६७६ स्थित रहना भ २६१ स्थिति ज १४८ श्थिर क १६५, क २१६, घ २, घ ७१, च २४८, ज ६७६, ज ८३३ श्थिरचित्त ज ११ श्थिरचित्तता ज १४ स्थिरता च १४ स्थिर होना च ६८६ स्थूल क १३४, ज ४६८, च ५०४, च ५१२, घ ४६ स्थूलकाय ब ४६८ स्थूलता ज ५००, ज ५१४ स्थूल होना ज ८०८ स्थैर्य ज १४, ज १३३ स्नातक क १०८ स्नान भा ६८ स्नान करना सह ६६ स्नान कराना भ ७० स्नानागार च १५१ स्तिम्ब ग २८०, ड १४, ज ५७६ रनग्धता ज ५८१ स्नेहड २१३, ज १४५, ज १४६ स्नेइ देना च १३६ रनेइन क ६७ स्नेहप्रद घ २६७ स्नेहीं ग २६६. ज १५३ स्तांड ३२३ स्पंदित होना क ३५१ स्पद्धी ज २६१

स्पर्द्धी च २८४ स्पर्श च १६५, भ ४११ स्पर्श करना भ ४१२ स्पर्शन क ३१३, क ३१६, ब १६५ स्पष्ट करना ज ८६६ स्पृह्णीय च १४४ स्पृहा च १३८, भ ३७१ स्पृही च १६६ स्फटिक घ ४८४, घ ४६६ स्फुट ग ५६४, घ ३८२ म्फुलिंग छ २८१, भ १०६ स्फूर्ति ज ४४४ स्कृतियुक्त छ १६४ त्फुर्तिहीन छ १६५ स्फूर्तिहीनता छ १६३ स्फोटक ख ५२२ समर क २७१ स्मरमा क रूप क ७३, ख १६०, ब ध्रे४ स्मरण करना क ३६, ख २४६, ज ८३७, ज ८३८ स्मरण दिलाना ज २०८, ज ८३६ स्मरगाशकि ज ८३६ सारगोय ज ३५४ स्मशान च २२८ स्मार्त क ७ हिमत ख १८१ श्मिति अ ६३१ स्मृति क २०२, ख १८५, च २२४, च ८३४ स्यंदन क ३१३, ङ ३६० स्यात् छ ८, छ १६५, च ६७३ स्यार ग ५१३ ,स्वाह ख ३०, ग ४६२ स्याही ख ३२, ख ३०६

स्रोत च २६२, च २७१, च २७७ स्रोतस्विनी च २७१ स्लीपर ङ २६८ YOY # FF स्वकीय भा ४०५ स्वकीयता मा ४०७ स्वच्छंद भा २३४ स्वच्छद्ता भ २३६ स्वच्छ ब ३१७, ब ४१४, ब ४६३, ज 488 स्वच्छ करना छ २६०, ज ५४७, ज ५७२ स्वस्त्रता स ४१५ छ, ज ५४४ स्वच्छ होना छ २३० स्वतः च १००० स्वतंत्र मा २३४ स्वतंत्र करना भा २३६ स्वतवत भ २३८ स्वतंत्र होना मा २३१ , स्बत्दाधिकारं ग ३८. स्वप्त ख १८५, ब ५८८, च ७६६ स्वभाव ब १, च ४०२ श्वभावन व रेप्प स्वयं च १००० स्वयमुक ११६, क १२२, क १२४, क १६५. क २७१, क ४८३ स्वर क २३ ज, स्व ६४, स्व ६६, स्व २२६, ब २२७, ख ६०३, च ३, ज ५८८ स्बरूप ख १४७, ग ५, ज ४६२ स्बह्मपतान ज ४६३ स्वर्ग क ११२, क २३८. च र स्वरोत्रासी क २४०, ज ८२८, च ८२६ स्वर्तीय क ५४०, व ८२८, व ६२६ स्वर्ख च ४४८

स्वर्णकार ग ३३५ स्वसुर ग १८६ स्वस्तिक च १७१, ख ५४७, अ २६, अ ४० स्वस्थता च ४६ स्वॉग ख १३६, ख १४७ म्बाँग बनाना ख १४८ स्वागत ज ६६८ स्वागत करना च ६६९ स्वातंत्र्य भा २३८ स्वाती क ३०२. च २७, च ४२ स्वाद भ १२४ स्वादद्दीन इ ४८ स्वाद हीनता है ४६ स्वादिष्ट ड ५०, ङ ६०, भा १२७ स्वािष्टता इ ५१, भ १२६ खाधान भ २३४ स्वाबानना भ २३५ स्वाधीनपतिका ख १५८ स्वाध्याय के जार, ख रूप् स्वाभाविक अ ३८५ स्वामा विक चिकित्सा 🖷 ४३२ म्बाभाविकता ज ३८७ स्वामित्व भा १४६ स्वामिना भ अदर स्वामाक ११२, क १३४, क १६०, क १६५, म २२४, म ३८०, घ ४५६ म्वार्थ ज २७३ स्वार्थता ज २७३ स्व:र्थपरतः ज २७३ स्वार्थी च २७४ स्वास्थ्य ख ४२८. ख ५४५, करे स्वाह्य होना क १०४ स्वोकार च १७६, च १८८

स्वीकार करना ज १७८, ज १८६, ज १८६, भ ४०६
स्वोकार्य च १६०
स्वोकृत ज १६४
स्वोकृति जे १६४
स्वोकृति देन: ज १७२
स्वाय भ ४०५
स्वेद ग १२१
स्वेद न १२६
स्वेद न १२६

ह

हकारना ज ५६१ हॅकारी ख ३६३ हगामा ज ५८६, भ १७५ हंडियाँ इ ४६२ हडां ड ४५६ हता ज ५२४ हक्री ख ४६०, ज ७ १३ इस क ११२, क १३४, क १५४, क १६५. क १३६, क २४५, क २६७, क ५५८, गप्, ग६, ग७, ग ४५२, ग ६०७, ज २६२ हॅसना ज ६३०, ज ६३२, भ ३६८ हसमुख ज २७१ हसला ड ३३१, ङ ३४५ इंसवाक्षिनों क १३० हॅसाई ज ६२८

हॅमिया इ.५२६ हॅमो ज ३७२, ज ६२८, ज ६२६ हॅसी करना ज ३७३ हॅमा भचाना च ३ ११३ हॅम ती न ३३१, इ ३४५ हंमुवा ड ५२६ हॅनोड़ ज ३७१ इकव राजा भर ४४१ इकलाना ज ५७२ इंबाम ल ५ ट हर्भमा ख ४३१ हक्का बक्का ज ६०३, भी ४४० इक्का-बक्का होना ज ६०४ इगनइटी ग = ३, च १५३ इगना ग ११६ इज क ५०७, क ४१७ हज़न करना ज ७१३ हज़म कर लेना भर २१८ हनरत ज ५२४, ज ३६७ इजाम ग ३ १ इज़ार ख ६३१ इजूरी ग २८४ हल्जाम ग ३११ इज्जाभी ख ४३४ हरकना ज ७ ३४ हरना ज ६७, ज १८८, ज २८०, ज ६६५, ज ७४४, ज ७६१ हरवाई में ५१३ इटाना क २७६, ज १२६ व ३६१, ज ६७०, ज ७४७, च ७७५, **च**⊏५३ हराया ज ७४८ हट्टवा ग ४०० इट च १३६, च १३८

हट्टाक्टा ज ४६८ इट्टी च १३८ इंड ज ७३, ज ६७७ इटभमी ज ७३, ज ७४ इठधर्मी करना ज ७५ इटना भ ४२८ इटयोग क ६२ हरात् ज ६७५ हराज ७४ हरकता ज ५०२ इइयना भ २१२ इडम्डानः २५ १६४, ज १८ इइवहाहट छ १६२ इडबेडिया छ १६४, ज ४४८ इडबड़ी छ १५८, छ १६२, ज ४४४ इइवड़ो मचाना छ १६८ इइग ग हर हड्डा ग ५७६ इड्डा ग हर **१**१कहर्जत ज ३४८ इतप्रमान्त्र १६५, मा ४२ **इ**नव्ह् जि ३६४ इन्ना ग १५८, म २१८ इताश व २/५ इताइत भा २७६ इतोत्साइ ज २१५ इत्या का २१४ इत्या करना ग १५८, क २१८ इत्या करवाना ग १५७ इत्यारा भ २१५ ह्यक्टा ज ५२८ इधकेर ख ३६८

इथफेर लेना ख ४००

इथरोटिया ड १००, ड १०१ इथिनी ग४३६ हथिया घ ४२६ हथियाना ज १६८, मा २२४ इ(थयार ड ४०१ इथिपारबट मा २७० इथुई ट १०० हपेला ग ६१ हथोड़ा ड ५१५ इटाम क ६०२, क ६०४ इनना भ २१८ इननध्य भ २२८ इनुग ३२, घ १२०, घ १५७ इनुमान क ३१५, क ३८० हन्य म २२८ हफ्रन करना ज ८३८ इक्ता क ११३, छ १२२ हफ्रनावारी 🕱 ११४ इब्स च १८२, च १८३ इम च ६१६ हमदर्द त २०८ इमराइ ज ६१८ इमराही ज ८,४२ इम्ह ग १४० इमला ज २८७ इमवार ज ५७७ इमवार करना ज ५७८ हमाम च १५१ इमारा ज हहर इमेशा छ १०, छ १६७ इम्माम च १४१ ह्य ब २२५, ग ४५२ इया घ १५०, ज ३२१

ह्या करना च ३२८ इयादार ज ३२२ इयाचान ज ३२२ हरकत ज ६८०, ज ७१४ इरकत करना ज ७१५ इरकारा ख ३६६, ख ३७६ इरखना ज ४१ हरखाना ज ४३ इरज ज ४५५ इरज करना ज ४५६ इरक क १६६ इरताल घ४७३, घ४७५, घ४७६ इरतालिका घ ११४, घ २२१ इरना भ २१० इरफ ख २२५ हरवा ङ ४०० इसमा २२५, ग २२८, ग ३८४ इरवक्त छ १० इंग्वाहा ग ३७७ इरम ज ४५ इरसना ज ४१ इरिवगार घ ४१७ हरा स ४१, ङ २०४ इराई ज २८६ इराना ज २६१ इरापन ख ४२ हराभरा ज ५६६ हरामखोर ज ४४५ इरामनादा ग २४६ इरावल ख ३६१, भ २६३ इरास व २१२ श्रा, व २२४, व २४६ इस होना ज ६४६, म ३१६ इरिक १३४, क १६५, क २२५, क २६७,

क २०७, क ३११, क ३१३, क ३१६, क ३१७, क ३६६, ख ३७, ग १२६. ग ४५२, ग ४६४, ग ५२४, ग ५५६, ग ५६३, ग ६०६, ग ६१५, घ ४४८, घ रेम्म, च ५०, च १४८ हरिगीतिका ख २०३ हरिया ग १३४, क १६५, ग २६७, ग ५०५, ग ६०७ इरिया घ २०२, घ ४०४ इरित क २९७, ख ४१, स ४३, ग ४६४, ष ४८६, ष ४६०, च ७४ इरिद्रा च ४५८, स ६०, छ १४५ हरिन ग ५०५ इरिनी ग ५०६ इरियर ख ४१, क २१६ हरियरो ङ २१६ इरियानी ख ४२ इरिस छ ५२= हबं ब ४५५ इबं करना च ४५६ इर्ता ग ४१८, ब ८२४ इपः ख २२५ इर्रा इट २६ हर्ष ल १८५, ज ४५ इर्षना ज ४१ इषांना च ४१ हर्षित ज ३६ इर्षित करना ज ४३ हर्षित होना ज ४१, ज ६४६ इल ड ५२६ इलका ङ ३७२, च ६६, च ५११, भ २६६ इलका करना च ७२१ इलकान करना च ५५

हलकापन ज ५१३ इलकोरना ज ५४६ हससोर ग ३५४ हलखोरिन ग ३५५

इलचल ब १५. भ १७५

इलधः क ४१० इलना भ ४१४ इलफ भ ४२३

हलप उठाना म ४२४

इलन्बी ङ ३२६ हलवाई ग ४०२ इलवाहा ग ३७७ हलवाहो ग ३७७ इलाना ज ७४१ इलायुध क ४१६

हलालखोर ग ३५४

इलाइल क १८३, घ ४७८

हलुत्रा इ १२२ इलुक ज ५११ इल्लाकई ज ५१३ इल्का ज ५११, इल्दी ङ २७, ङ ६०

इल्ला ज २८७, ज ४८६, म २६५

हल्ला करना च ५६० इल्लीश ख १३४ इल्लुक व ५११ हवन क ३११

हवन करना क पर

इवस च १३१, ज १३८

इवाक ३१३, घर६३, ज ३३६, च ६५०

इबाईजहात ह ३७६ हवा करना क रेप्प इवा खोलना अ ६५१ ३५

हवागाइही ङ ३८६ इवालात च १८२

हवास च ५

इविक ६०, ङ १५७ इविष्य क ६०, क ६१ हवेली च १४१, च १७१ इसरतं ज १३८, भ ३४८ इांसत ख १६४. ख १८१

हमीन ज ४६३

इस्तक २/४, ग४३, ग५६,ग ४४३, च

२७, च ४० इस्तगत भ ३४६

इस्तगत करना ज १६८

हस्तपुष्ठ ग ६२ इस्तिनापुर च १२२ हस्तिनी ख १५५, ग ४३६ इस्ती ग ४३५

हस्र के ५०६ इहत्ना ज २३४, ज २४५

इहराना ज २४७ हहा क २४६ हाँ ज १६४

इाँक ज प्रश्तु का रहप्र

हाँकना ५ ७ १ ७ इॉकने वाला च ६१० हाँक लगाना ज ६००

हाँका इ स्पर् इॉफना ज ७१२ हाँमी भरना च ६६ हाँ में हाँ मिलाना ज ६६ हाँसा ज ३७२

हाज व २३८ हाकिम ख ३६८, भ १५०

हार्किनी क २०२ हाकी (खेल) ङ ३६७ हाकी ङ ३६८ . हाबत च ४२१ ई हानिर भ २५७ हाज़िर रहना भ २६१ हाज़िरी भ २५६ , हाट च १३६, च १३८ इंटिक च ४४८ हाद ग ६६, छ ४५ हाड़ा ग ५७६ हाड़ी ड ४५६ इाता च १०६, च १६४, च १४४ हाथ ग ५६, ग १३८, ग४२८, ज ७८६ हाथ बोइना ज १८७, भ २४८ हाथ पकइना च ७७४, भ २४ हाथ बटाना भ ८७ हाथ मलना भ ३४७ हाथ मुंह धोना भ १२० हाथ लगाना ज ७८७ हार्था ग ४३५ हाथीखाना च १८७ इाथीवान ग ४१० हानि अ ४५५, भ ३०१ इानि करना अ ४५६ इाफ़पैट ड २५६ हाबुस ड १४३ हामला भ ५२ हामी भरना ज १७८ हार ल ४१६, ग ५५८, ङ ३३१, ङ ३४६, ब २८६, ज ७५२, ज ६२४ हार देना च २६१

द्वारना ज २६२, ज ७५१

हारमोनियम ख ११५ हारा ज ७५४ हारियाी क २०२, ग २७७ हारिल ग ६२० हारीत क ५७८, ग ४१८, म २०६ हार्निया ख ५०३ हार्मोनियम ख ६८ हाल ङ ५२६, छ १७३, व ४४३ हाल का छ १७५, छ १७६ हालत ख ५४५, ब ६४८ हाला ङ २०५ हाव ख १६२ हास ख १८६, ज ३७२, ज ६२८, ज ६१२ इामपिरल ख ५४३ हासिल भ ३४६ हारिल करना भ ३५० हास्टल च २०० हास्य ख १७६, ज ६२८ हास्यासमक शैली ख २०६ हाहा क २४५, क २४६ हिंगुश्राना घ ३७८ हिंगुल इ ३१० हिंडोल ख = ३, ङ ३६१ हिंद च १०८ हिदवी ख २२२ हिद्सा ख २२८, ख ५५६ हिंदी ख २२२ हिदुस्तान च १०८ हिंदुस्तानी क ४, ख २२४, ख २२२ हिन्दू क ३, क ४ हिंदोस्ताँ च १०८ हिसक ग ३६३, भ २१५, भ ४४८ हिंसा भा २१४, भा ४४६

हिंसालु क २१५ हिंस म २१५, म ४४८ हिसक ग ४६७ हिकमत ख ४३१, ख ५४६ हिक्का ख ५१२ हिचक भा २३१ हिचकना अ २३२ हिचिकिचाना ज २३२ हिचकिचाहट अ २३१ हिचकी ख ५१२ हिजदा व २२० हिजहापन ज २२२ हिज्री छ २७ हिटलरशाही ख ३४४ हिडिबा क ४२६ हित ग २७८, ज २८, च ३०, च १०२ हितकर न ३० हितकारी ज ३० द्वितचिंतक ज ३०, ज २०१ हितचित्रन ज १०२ हिताई में ४०३ हितू ग २७७. ग २७८, च ३०, ज १०१ हितैधिता अ १०२ हितेषी ग २७८, च ३०, अ १०१ हिनाहनाना ग ४५३ हिना घ ४२१ हिफ़ाबत के १६८ क्षिप्राजत करना भ २०५ हिक्त करना ज ८३८ हिम क ३०७, घ १४८, घ ३८८, घ ४४७, स्त्र २७, स्त्र १५८, स्त्र २६० दिमक्ष छ २६१ इमकर क ३०७, च १६

हिमवान च २५५, च २६१ हिमाचल च २५५ सिमाशु क ३०७, घ १५७ हिमालय च २५५ हिम्मत च २०६, ज २१२, च २४२, भ २७७ इिम्मतवर च २१४, ज २४० हिम्मतहीन ज २३६ हिमतो ज २१४, ज २४०, ज २५२, भ २७८ इयिग ४६, ग ११३ हियाव अ २०६, ज २१२ हिरख ग ५०५ हिरएय क २४२, ग १२६, घ ४४८, घ ६०५ हिरएयगर्भ क १२३, क १३४ हिरन ग ५०५ हिरनी ग ५०६ हिरस ज १३१ हिरावल ख ३६१ हिरासत च १८३ हिसंज १३१ हिलकीरा च २७८ हिलना च १७, च ६८०, च ७०७, च ७१६, ज ७४०, च ७७१, स ३५१ हिलाई च ७१४ हिलाना व ५४६, च ७१५ हिलोइना च ७१५ हिलोर च २७८, ब ७१४ हिलोरना च ५४६, च ७१५ हिलोरा च २७८ हिसाब सा ५५३, सा ६४६ इस्टारिकल ख ३२१ हिस्टोरिया ख ५३५ हिस्टोरियन ख ३२० हिस्ट्री सा ३१६

हिस्सा ख ६४३, ज ८६०, ज ८६१ हिस्सा लगाना ज ८८७ हिस्सा लेना भ ८७ हिस्सेदार ग ४१६, ग ४२० €ींग ङ ६१ हींसना ग ४५३ ही ज ३२१ हीन ज ४२६, ज ४३६, ज ६५१ होनता ब ४३०, ज ४४१ हीनयान क ४६० हीय ग ४६, ग १३३ होर घ ४८५, छ २५४ हीरा व ४८१, घ ४८५ होला भ ३७२, भ ३७३ हीस ज २६२ हुँकार ज ५६३, म २६५ हूँकारना ग ४६५, ज ५६१ हुँदार ग ५१४ हुक्मत ख ३४८ हुक्म भ २४० हुक्म देना भ २४१ हुक्मनामा भः १८८ हुक्मबरदार भ २४२ हुक्मबरदारी में २४३ हुक्म लगाना क २४१ हुनुरी ग रू⊂र हुउबत ख २६६, ख ३२६, ब ६४३ हुउन्नत करना च २८० द्वताशन क ३११ हुदहुद ग६६७ द्वनर ख ३, ख २३५, च ३६८, ज ३६६ दुनरदाँ व ३६४

हुमसना ब ४१

हुमेल ङ ३३१ हुलसना अ ४१ दुलसाना ज ४३ हुलिसत करना ज ४३ हुलसित होना ब ४१ दुलास च २१२ दुल्लंड च ५८६, क १७५ दुल्ल इो म १७६ हुल्ला ज ५८६ दुल्ला मचाना व ५६० दुसियार ज ३६३ हूँसना ब १७४ हुक ज २२४ हुक्मत भ १४८ हूब होना भ ३६२ हर क २४७ हुसना ज १३० हुहू क २४५, क २४६, छ २७६, क २६५ हृद ग १३०, ग १३३, च ३१३, च ३१४ हृद्य क ५५८, ग ४६, ग १०६, ग .१३०, ग १३३ हृदयग्राही ख ४६३ हृदयेश ग २२४, ज १५५ हृद्येश्वर ग २२४, १५५ हृदयेश्वरी ज १५६ ह्वीकेश क १३४, क ३६६, ल ५७ हुष्ट भ ३६ हेंगा क ३१२ हेंगाना भ ३१३ हेंगी भ ३१२ हेडमास्टर ख २७६ हेतु ज १४५, ज ६५३, भ ३७१ हेमत छ ६८, छ ८०

हेमक४४७, घर६०, घ४४८, छ, २७, छ २५६ हेर ख २५८ हरना ख २६०, च ७२३, ज ७६६ हेरफेर भ ४०० हेरफेर करना भा४०१ हेरबाना च ७९४, च ७९७ हेरावा ज ७२५ हेरामत च १८३ इल ज ६३ हेलना च ७४०, म ४१४ हेलमेल न २७७, ज ८५१ हेला ख १६२, ग ३५४ हेलक ड ३३१ हेना ख प्रः हैट 🖲 २४० हैरत भ ४३८ हैरतश्रगेन मे ४३६ ं हैगन ज १३ 'हैरान करना ज ५५ हैवान ग ४३० हैसियत भ ३८७ हॉकड्निश्च ४४१, अ ५६१, अ ५६३ होठ ग २४ हो बाना व ६५५ होटल च १६८ होत ग २४ होड़ क ३८१, च २६१ होता क ८५ होत्र क ५५८ होनहार कु १८६, ब ४५७ होना च ६४५, ज ६५६, च ६८६, च ६४७ क २६१

होमियोपैथा ख ४२६ होरसा क ३२ होरहा ड १४३ होला ड १४३ होली छ २०३ होश ज ५. ज ८४० हाश उड़ना भ ४४१ होश करना ज ८३७ होश कराना ज ८३६ होश दिलाना ब २०८, ज ८३६ होशियार ज २०२. घ ३०४ ज ३६३, ज ३६७ होशियार करना ज २०८ होशियारी ज २०४. म ३६५, ज ३६८ होश-इवास ज ५, ज ८४० हो सकता च ६५६ होस्टल ख २४५ होइल्ला न ५६२. ज ४८६ हो ज ६६६ होंकनः ज ७१२ हीश्रा ज २३८ द्दौज़ च २२० हौट च ३१० होदा ड ३६७ हौल व २४६, व ४४३ हौलदिल च २३७ हौलनाक च २४३ हौली च २०८ हौबाज २३८ हौस ज २१२ होसला ज २१२ हीसलामद ज २१४ ह्रस्व ज ४३६

परिशिष्ट क

[पुस्तक के मूल भाग में छूटे हुए कुछ श्रावश्यक शब्दों के पर्याय श्रौर विलोम यहाँ दिये गए हैं।] जिदा-- बानदार, जोवित, प्राग्युक्त, प्राण्वान, सजीव, सप्राण् । **वि**० – मृत । तगड़ा---तदुहस्त, पट्टा, पहलवान, पीन, पुष्ट, मोटा मोटा, भौटा, स्वस्थ, इहा-सद्भा इंब्टपुब्ट । दे०—'बलवान'। वि --- 'कमबोर', 'श्रस्वस्थां। तुलना-उपमा, तारतम्य, पटतर, बराबरी, मिलान, मुकाबिला, मुशाबेहत, सहशता, समता, समानता, साहश्य। चुरा - खर,घास,तिहन,बनस्पति, दूब, हैरो। तोंद-उदर, छोद, ढेइ, तोन, पेटा च्त--जुम्रा, फ्लश, बाजी, सद्दा। बदबू--दुर्गव। विगादना- खराब करना, नष्ट करना, बरबाद करना, विकृत करना। बि०--वनाना । भीख--भिचा, चिटुकी, चुटकी, याचना । भ्रम-भाति, घोला, भरम। मित्रवयो -- कंजूस, कमखर्च, किकायत शार, कृप**या**, उस, मक्खीचूस, मितव्यय । म्यान--श्रसिगृह, खड्गान्छद, वियान। वंदनीय-शादरकीय, ईज्य, परमेज्य, पूज्य, प्रार्थनीय, मान्य, वद्य, अद्रेय, सम्मान्य। बि॰--दुच्छ, घृश्वितः विकलता-म्यकुलाहर, त्राकुलता, चिता, बबढ़ाहर, बेकली, बेचैनी, व्याकुलता ।

विहार—श्रानंद, श्रामोद, केलि, कीका, खेल, प्रमोद, मना, मौत्र ।
श्राद्ध—काम, कामिकया, तेरही, दसवाँ, वरखी, वर्षी, सराध ।
संकेत—हंगित, हशारा, हसारा ।
संदेश—सँदेसा, प्रवर, सनेस, सनेसा, समाचार, हाल ।
संयम--श्राचार, निम्नह, नियत्रथा, नियम, प्रतिवध, विचार ।
सफल—कामयाव, कृतकार्य, सफलीभूत ।
वि०—श्रसफल ।

परिशिष्ट ख

[अनुक्रमश्री में छुटे आवश्यक शब्द यहाँ श्रद्धर-क्रम से दिये गए हैं।] श्रद्ध ग १२६ श्रकवक करना व ६१३ ग्रखंडित छ १६७ श्रग्निहोत्र क ८४ श्रचार रू १३८ श्रदार च ६० श्रद्भुत च ४१८ श्रपटु ४४५ श्रपाग च २० श्चरवी घ ३०६ श्रवस्था ग १४२ श्रविनाशी च ८३३ श्रहिवात भा ४७ श्राँखी ग १६ श्राचरना स २६५ ग्रायतन च १४०, च २०५ माधार छ २४५ आसौं छ ३४

उंदूर ग ५३२ उजियार छ ३८३ उजियारी छ ३८३ उत्तर ख २६⊏ उत्साहक ज २१८ उथलनः भ १०६ उधन(पन ज ५६७ उदक च ८० उद्गमें ग १४४ उर्गाथ क ५५२ उदरामय ख ५११ उद्ह्ना ज ६०५ उदान क ५६६ उदानवायु छ २६४ उदारचरित ज २३ उदाग्चेता ज २३ उदास करना क २७६ उदासी करना ज १२६ उदीच्य ड २३ उद्बर घ ५१, घ ४५० उद्घाटित करना न ७६६ उद्धरना भ २३१ उद्ध्वस्त ज ६३६ उद्धारना भ १३३ उद्धारित ख४०२ उद्बोधित करना ज ७७० उद्भव ग १४४ उनमान ज ४२२ उनीदा होना अ ७५४ उपरूपक ख १३३ उभयालंकार ख १८६ उलीचना ज ६०५ उसास 🗬 ७१३

उसीर घर७३ कटको च ४८ कटफल घ ४६ कधर छ २३६ कबोज च १२७ कगर च २८१ कजाकी भर २०६ कटाच् ग २० कडुवापन ड ६२ कतरन ज ८८२ करपृष्ट ग ६१ ककट ग ५६२ कलाई ग६० कष्टार्थ ख १६७ कुमरिया ग ४३७ कुरर ग ६२६ कुशा घ ११६ कोट ड २४८ लखार म १२२, म १२५ खरबूना व ३७६ खगरी क ३६६ सार्जीक ५०६ खिलवत च २२६ ख्रुदगर्ज़ी ज २७३ ख़ुदाक ५२० ख़ुमी ह ३४४ खेला ८ ३६४ कैर ग६६७, घ६५ खेरात क प्रश्प क्वारी ब ३४८ गर्जद्र क २३३ गर्जेद्रगुरु व्द ६० गङ्गवाना ज ३२६.

गदहा च ३११ गड़ही च ३१२ गहाना ज ७३६, ज ७४१ गड़ई ङ ४४५ गइवा ङ ४४५ गड़ेरिन ग ३३४ गड़ेरो ग ३३३, ग ३३४, घ २५१ गण ज ६२४, ज ६२५ गण्क ख ६५० गराना ल ५५३, ल ५४६, ख ४६८ गराना करना ख ५६६ गराना करवाना ख ५७० गणनीय ख ५७२ गणपति क १६५, क १६२, क ५५८ गणिका ख १६०, ग ३६७, घ ४०४ गिर्णित सा प्रप्र३ गणितज्ञ ख ६४२ गियात ज्योतिष ख ६४६ गणितशास्त्र ख ५५३ गरोश क १६२ गरोशगीता क ५८२ गएय ख ५७२, ब ३५४ गर्यमान्य ज ३५४ गत ब ८२८ गतवर्ष छ ३२ गति क ३१३, ज ६८०, ज ७१४, ज ७४२, ज ६४⊏ गद ख ४३५ गदर ग ५१६ गदरा इ ७३, ङ ६८ गद्इपची से भ २३

गदहपन ज ३६६

नाद्रपूरना घ १७५

गदहा ख ५३८, ग ४६७, च ३६४, गद्दा ७ ७३, ड ६८, ङ २८५ गद्दों ग ६१ गद्य स्व १६७ गद्यकार ख १२७ गद्यकाव्य ख २०४, ख २१२ गद्यगीत एक २१२ गन्ना घ २४६ गप च ३, ज ६११, ज ६२५, म रूप गपक जाना भ ११८ गपड़चौथ ज ६११ गपड़चौथ करना ज ६२६ गपशप ज ६२५ गप मारना ज ६२६ गप इॉकना ज ६२६ गप्पो ज ६१० गफ ज ५०६, ज ५०७ गबरून ङ २२४ गब्बर ख ४०५ अ, भ ४० गम ज ५७६ श्र गमकाना भ ३६६ ग्रमखोर अ ३६१ गमगीन ज ५२ गमछा ङ २५६ गमन क २८७, गं १५४, च २४१, ज ६६७ गमन करना ज ६६५ गमां ग १५४ गम्य म ५७६ श्र गयंद ग ४३५ गया क प्रध, क ४६६ गर क १८३, ग ५६३, व ४७८ गरत ज २७३, ज ४२१ ई, व ५६७

गरजना ग ४४१, ग ४६५, ज ५६८ गरबमंद ज २७४ गरकी च २७४ गरज्ञ च २७४ गरद घ ४७८ गरदन ग ३३, ग ३५ ग्रंब ज ८८ गरबोला ज ८६ गरम भ १३७ गरम होना भ १०६ गरमी ख ४५६, ज ४, भ १३५ गरल क १८३, ग ५६३, घ ४७८ गुरारा ङ २७७ गरिमा क २६४, ज ५१४ गरियाना ज ६४२ गरी घ ३६५ गरोच ख ४०५ गरीबखाना च १४० गरीबनिवाज ज २२ गरीवपरवर च २२ ग्रांकी ख ४०६ गरह क १४०, क १६०, क ५७४, ग ६०६ ं गम्बध्यक्ष क १३४ गस्वाई अ ५१४ गुरुर ज ८८ मरोह ब ६२४, ज ६२५ गुर्क ख १२२ गर्जन ग ४४८, छ २४२, ज ५६७ गर्जन करना च ५६८ गर्जना स ५६८ गर्त च २५०, च २५१, च ३११ गर्द 🕶 १७ गर्दन ग ३३

गर्दनियाँ देना ज ७०५ गर्दभ ग ४६७, घ २१५, घ ४०७ गर्भक ५५८, ख १४५, ग ५२, ग ११३, म १४०, म ४२२ गर्भपात ग १४३ अ गर्भपातिनी घ १६२ गर्भ रहना ग १४१ गर्भवती भ ५२ गर्भस्राव ग १४३ ग्र गर्माधान क ६८, ग १४३ गर्भाशय ग ११३ गर्भिकी मन्द्र गर्म भ १३७, ज ६५ गर्म करना भा ६६, भा १३६ गर्म लगना भ १०५ गर्भ होना भ १००, भ १४१ गर्माना भ १३६ गर्मी ल ४५६, छ ६७, च ६३, म १३५ गरों ग ४६३ गर्वे ख १८५, झ ८८ गर्वोला ब ८६ गईग्रीय ज १६१ गर्हित ज १५४, ज १६० गर्ह्या छ /६१ गुलतो ज ११६, ब ⊏४१ गुलतां करना च ८४३ गलती होता ज ८४३ गलयन ग ४७६ गलना भा १०७, भा १४६, भा ३३५ गलसम्राह २८७ गला ग ३३, ग ३४, भ ६१ गलो च २४१, च २४५ गलीचा रू २८६

गलीज़ ग ११५, ज ५४२, ज ५४३ गले मिलना च १५२ गले लगना ज १५२ गल्य ख २०८, ज ६२ गल्ला घ २२५, ज ६२४, ज ६२८ गवनहरी ख ५८ गवना ग १५३ गवाई ख ६१, ख ६३ गवाद्ध ड ५३६, च १६६ गवाह ग ३७१ गवाही भा १६१ गवाही देना भ १६० गवेषणाख २५्र ≈ गवैया ख ५७ गहन घ ११, च २६२, ज ५६४, घ ५७६ गहना रू ३२७, ज १८३ गहरा घ २१५, ज ५६४ गहराई ज ४६६ गहवर च २४१, च २२६ गहिर छ २३७, ज ५६४ गहुद्रा ग६६ गहर घ ११, च १४२, च १६४, च २५०, च २५१ गाड़ी ङ ३८७ गुच्छ व ३० गुजराती लाचा ङ १८६ गुणकीर्तन अ ३५५ गुलिस्ताँ घ ६ गोलक ग २४६ गोष्ठी ख १३४ महर्ग च २५ घटोत्कच क ४२६

घपुष्रा च ३६४

घप्युज ३६४ घिसना छ २६० धुमची घ ६०६ घुलना भ १४६ घृताची ड ७८ घोष च ५८८ घोसला च १६५ ं झारा ग १७ टकटोरना च ७६५ टाप ग ४६५ टिकुली ड ३२० टोस ख ४८३ टेक गइना ज ८१ टोपो ड २३६, ङ २४०, ङ २४१ ट्यूटर ख २४१ ठिकाना भ रेप४ ठेकाख ५०१ डंटल घ १४ इंस ग ६७६ डरना ज २३४ हरवाना च २३५ डरपोक्रपन ज २४१ हराना ज १२३ श्र डेलही च १२२ ढेबुग्रा ख ४२६ तकसोम करना ख ५६५ तरौना ङ ३३० तशबीह भ ३६३ ं तशरोफ़ रखना ज ७५० ताग ङ ५६५ तिलस्म भ ४३८ तीर च २८१ श्यंबक क १६५

दहलना भा ३५१ दिव्य च ४७४ नकशा देना ज ६१६ निरीश्वरवादिता क १२१ नीयरे पहुँचना ज ६७८ पचकनः ज ८०७ पीइरन भ ७६ पाईबाग घ 🛎 पाद ख २६६, ख ५६५ पारावार च २६४ पालकी ध ४६८ पावन ज ४१४ पिशाच क २०३ पैदाइश ज १४४ षोपपंथी क १४ ं व्याली ङ ४४३ प्रकाशयुक्त ख २८५

प्रतिद्वंद्विना ज २६१ प्रदोष छ १२६, छ १३१, छ १३५, छ १४१ पौढ क ४१ पौहता च ५०० प्रौढा ख १५७ बावचीं ग ४०३, भा पप भगौहाँ भ २७४ भरा ज ८०५ भाई ग २१५ यम च ७८ ययराज च २६ यवनिका ङ ४६७ यशोदा घ ४५६ युद्धभूमि च २२८ योघा ख ३६४ शोर्गा ज ४६६

